© Govt. of Haryana

No. 230–2022/Ext.]	p.Mhx<+] 'kqØokj] fnukad 30 fnlEcj] 2022

(पौष 9, 1944 शक)

fo/kk;h ifjf'k"V

Øekad	fo"k; oLrq	i`"B
Part-I	**अधिनियम**	

dqN ughaA

Part-II v/;kns'k

dqN ughaA

Part-III	**प्रत्यायोजित विधान**	955—1427
Part-IV	अधिसूचना संख्या का०आ० 89/के०अ०9/1894/धा० 59/2022, दिनांक 30 दिसम्बर, 2022	
	- हरियाणा कारागार नियम, 2022।	
	षुद्धि-पर्ची, पुनः प्रकाषन तथा प्रतिस्थापन	

dqN ughaA

(cv)

Part**&III**

gfj;k.kk ljdkj

जेल विभाग

notification

fnukad 30 fnlEcj] 2022

संख्या का०आ० 89/के०अ०9/1894/धा० 59/2022.- कारागार अधिनियम, 1894 (1894 का केन्द्रीय अधिनियम 9)की धारा 59 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, निम्नलिखित नियम बनाते हैं,vFkkZr~ %&

v/;k; 1

'kh"kZd rFkk ifjHkk"kk,a

laf{kIr uke] लागूकरण, प्रारम्भrFkk vU; विधियों का ykxwdj.kA	1. (1) ये नियम हरियाणा कारागार नियम, 2022 कहे जा सकते हैं। (2) ये नियम राज्य में सभी कारागारों और प्रशासन तथा प्रबन्धन, स्टाफ सदस्यों, सिद्धदोषबन्दियों, विचाराधीन बन्दियों, सिविल बन्दियों, महिला बन्दियों, युवा अपराधियों तथा निवारक निरोध विधि केअधीन निरोधियों के बारे में लागू होंगे। (3) ये नियम राजपत्र में इनके प्रकाषन की तिथि से लागू होंगे। (4) कारागारों की स्थापना तथा प्रबन्धन, बन्दियों का परिरूद्ध, रिहाई, उपचार तथा स्थानान्तरण,अनुशासन बनाए रखने और कारागारों तथा बन्दियों से सम्बन्धित सभी अन्य मामले तत्समय लागूअधिनियमितियों द्वारा शासित होंगे, जिसमें अन्य बातों के साथ निम्नलिखित शामिल होंगे, अर्थात्:- भाग -**I**

	केन्द्रीय तथा राज्य अधिनियम (i) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का केन्द्रीय अधिनियम 45); (ii) कारागार अधिनियम, 1894 (1894 का केन्द्रीय अधिनियम 9); (iii) बन्दी अधिनियम, 1900 (1900 का केन्द्रीय अधिनियम 3); (iv) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का केन्द्रीय अधिनियम 5); (v) आपराधिक प्रक्ि्रया (पहचान) अधिनियम, 2022 (2022 का केन्द्रीय अधिनियम 11); (vi) कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम 63); (vii) बन्दी अन्तरण अधिनियम, 1950 (1950 का केन्द्रीय अधिनियम 29); (viii) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का केन्द्रीय अधिनियम 43); (ix) बन्दी (न्यायालयों में उपस्थिति) अधिनियम, 1953 (1953 का केन्द्रीय अधिनियम 32); (x) विदेशियों विषयक अधिनियम, 1946 (1946 का केन्द्रीय अधिनियम 31); (xi) अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 (1958 का केन्द्रीय अधिनियम 20); (xii) आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का केन्द्रीय अधिनियम 54); (xiii) हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 2022 (2022 का 15); (xiv) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 27); (xv) राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का केन्द्रीय अधिनियम 65); (xvi) मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 (1994 का केन्द्रीय अधिनियम 10); (xvii) बन्दियों का संप्रत्यावर्तन अधिनियम, 2003 (2003 का केन्द्रीय अधिनियम 49); (xviii) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (2005 का केन्द्रीय अधिनियम 22); (xix) हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 (2014 का 4); (xx) किशोर न्याय अधिनियम, 2015 (2016 का केन्द्रीय अधिनियम 2); (xxi) मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 10);

	भाग 2 नियम तथा निर्देशिका (i) समय-समय पर यथा संशोधित पंजाब जेल विभाग (श्रेणी-I) सेवा नियम, 1972। (ii) पंजाब जेल विभाग (श्रेणी-II) सेवा नियम, 1963; (iii) हरियाणा जेल सेवा (वर्ग-ग) नियम, 2022 (iv) पंजाब जेल विभाग (लिपिकीय तथा तकनीकी श्रेणी-III) नियम, 1963; (v) हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016; (vi) हरियाणा/राज्य को यथा लागू पंजाब वित्तीय नियम, (vii) हरियाणा सिविल सेवा (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016 भाग 3 कारागारों के वित्तीय तथा प्रशासकीय मामलों के बारे में सरकार तथा जेल विभाग द्वारा समय-समयपर जारी सभी सुसंगत स्थाई आदेश, नियम तथा कारागार प्रशासन पर उच्च न्यायालय तथा उच्चतमU;k;ky; ds fofu.kZ;A
ifjHkk"kk,aA	2- ¼1½ bu fu;eksa esa] tc rd lanHkZ ls vU;Fkk visf{kr u gks& ¼i½ ^^vf/kfu;e** ls vfHkizk; gS] dkjkxkj vf/kfu;e] 1894 ¼1894 dk dsUnzh; vf/kfu;e 9½(

		¼ii½	^^vij egkfuns'kd** ls vfHkizk; gS] vij egkfuns'kd] dkjkxkj(
		¼iii½	^^vij egkfujh{kd** ls vfHkizk; gS] vij egkfujh{kd] dkjkxkj(
		¼iv½	^^fd'kksj cUnh** ls vfHkizk; gS] dksbZ ,slk cUnh] ftlus bDdhl o"kZ dh vk;q iwjh

ugha dh gS(

¼v½ ¼vi½	^^Ok;Ld cUnh** ls vfHkizk; gS] dksbZ ,slk cUnh] tks bDdhl o"kZ ;k ls vf/kd dh vk;q dk gS(^^i'pkrorhZ ns[kjs[k lsok** ls vfHkizk; gS] lekt dh eq[;/kkjk esa fueksZfpr cUnh ds foÙkh; iquokZl rFkk lkekftd lesdu ij yf{kr dksbZ dk;Zdyki(

(vii) "संसूचना के अनुमोदित साधन" से अभिप्राय है, डाक सेवा, संचार के इलेक्ट्रॉनिकसाधन, सरकार द्वारा, समय-समय पर, यथा अनुमोदित या संसूचना का कोई अन्यlk/ku(

(viii) "बायोमिट्रिक" से अभिप्राय है, कोई माप या मानव शरीर की विशेषताएं जैसे किMh-,u-,-] vaxqfy&Nki] vka[k&jsfVuk ;k vkbfjl] okd~ i)fr ;k vax eki] ftlds }kjk ekuo dh ,dek= :i ls igpku dh tk,(

(ix) "आकस्मिक बन्दी" से अभिप्राय है, आभ्यासिक अपराधी तथा उच्च जोखिम बन्दी से fHkUu cUnh(

¼x½ ¼xi½	^^lsywyj ifjj:)** ls vfHkizk; gS] Je lfgr ;k Je ds fcuk ,slk ifj:)] tks vU; lgokfl;ksa ds lkFk lapkj ls cUnh dks lEiw.kZ :i ls fdUrq vU; lgokfl;ksa dh utj ls vyx ugha j[krk gS(^^dsUnzh; dkjkxkj** ls vfHkizk; gS] ljdkj }kjk jkti= esa vf/klwpuk }kjk bl izdkj inkfHkfgr dkjkxkj(

(xii) "मुख्य परिवीक्षा तथा कल्याण अधिकारी" से अभिप्राय है, मुख्य परिवीक्षा तथाकल्याण अधिकारी के रूप में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधीक्षक की पदवी काकोई अधिकारी;

(xiii) "सिविल बन्दी" से अभिप्राय है, कोई ऐसा बन्दी, जिसे दाण्िडक अधिकारिता काप्रयोग करने वाले किसी न्यायालय या प्राधिकरण की रिट, वारंट या आदेश केv/khu ;k lsuk U;k;ky; ds vkns'k ls vfHkj{kk ds fy, lqiqnZ ugha fd;k x;k gS तथा जो कैदी नहीं है;

(xiv) "कक्ष" से अभिप्राय है, किसी कोठरी या वार्ड से भिन्न कारागार में कोई कमरा, कर्मशाला, गोदाम, या अन्य आच्छादित, बन्द तथा संरक्ष्िात स्थान;

(xv) "सक्षम प्राधिकारी" से अभिप्राय है, प्रश्नगत विशेष मामले के निपटाने के लिए अधिकारिता और विधिक प्राधिकार रखने वाला कोई अधिकारी या प्राधिकारी;

(xvi) "परिरूद्ध" से अभिप्राय है, किसी कारगार में परिरूद्धऔर उसमें निवारक निरोध के लिए उपबन्ध करने वाली किसी विधि के अधीन निरोध भी शामिल है;

(xvii) "बन्दी" से अभिप्राय है, कोई ऐसा बन्दी, जिसे किसी विधि न्यायालय या अधिकरण द्वारा या सेना न्यायालय के अधीन किसी अवधि के लिए दंडादिष्ट किया गया है;

(xviii) "सिद्धदोषी दांडिक बन्दी" से अभिप्राय है, किसी न्यायालय या सेना न्यायालय केदंडादेश के अधीन कोई दांडिक बंदी तथा इसमें दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974का केन्द्रीय अधिनियम 2) के अध्यायVIII के उपबन्धों के अधीन या कारागारअधिनियम, 1900 (1900 का केन्द्रीय अधिनियम 3) के अधीन कारागार में निरूधकोई व्यक्ति भी शामिल है;

(xix) "बन्दी अधिकारी" से अभिप्राय है, इन नियमों के अध्याय 35 के अधीन कारागार के प्रशासन में स्टाफ सदस्य की सहायता करने के लिए नियुक्त कोई बन्दी;

(xx) "सुधारक सेवा" से अभिप्राय है, कोई ऐसी सेवा, जो अधिनियम के अनुसार याअधिनियम के अनुसार स्थापित प्रोग्राम के अधीन उपबन्धित है तथा इसमें अपराधियोंके निर्धारण, पर्यवेक्षण, उपचार, प्रशिक्षण, नियन्त्रण, अभिरक्षा, सुधार तथा पुनर्वास सेlEcfU/kr lsok,a Hkh 'kkfey gS(

(xxi) "न्यायालय" से अभिप्राय है, तत्समय लागू किसी विधि द्वारा स्थापित कोई न्यायालयतथा इसमें तत्समय लागू किसी विधि के अधीन सिविल, निवारक तथा दांडिक याराजस्व अधिकारिता की शक्तियों से निहित या प्रयोग करने वाला कोई अधिकारी याप्राधिकारी भी शामिल है;

(xxii) "आपराधिक बन्दी" से अभिप्राय है, दांडिक अधिकारिता या सेना न्यायालय का प्रयोगकरने वाले किसी न्यायालय की रिट, वारंट या आदेशों के अधीन अभिरक्षा के लिएविधिवत सुपुर्द किया गया कोई बन्दी;

(xxiii) "उप अधीक्षक जेल (प्रशासन)" से अभिप्राय है, सरकार द्वारा इस प्रकार पदाभिहित कोई राजपत्रित अधिकारी;

(xxiv) "उप अधीक्षक जेल (उद्योग तथा कल्याण)" से अभिप्राय है, सरकार द्वारा इस प्रकार पदाभिहित कोई राजपत्रित अधिकारी;

(xxv) "उप अधीक्षक जेल (सुरक्षा)" से अभिप्राय है, राज्य सरकार द्वारा इस प्रकार पदाभिहित कोई राजपत्रित अधिकारी;

(xxvi) "विभाग" से अभिप्राय है, जेल विभाग, हरियाणा;

(xxvii) "उप महानिरीक्षक" से अभिप्राय है, उप महानिरीक्षक, कारागार;

(xxviii) "नजरबन्द" से अभिप्राय है, सुसंगत निवारक विधियों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आदेशों द्वारा कारागार में निरूद्ध कोई व्यक्ति;

(xxix) "महानिदेशक" से अभिप्राय है, महानिदेशक कारागार, हरियाणा;

(xxx) "जिला कारागार" से अभिप्राय है, कोई ऐसी कारागार, जिसमें एक या इससे अधिकजिलों से बन्दी साधारणतः सुपुर्द किए जाते हैं तथा इसमें केन्द्रीय कारागार,अधिकतम सुरक्षा कारागार, विशेष कारागार, उप कारागार, खुला कारागार या अर्धखुला कारागार से भिन्न प्रत्येक कारागार भी शामिल है;

(xxxi) "जिला परिवीक्षा अधिकारी" से अभिप्राय है, अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958(1958 का केन्द्रीय अधिनियम 20) के अधीन सरकार द्वारा नियुक्त जिला परिवीक्षाअधिकारी;

(xxxii) "डयूटी अधिकारी" से अभिप्राय है, रक्षा कार्मिको का परिवेक्षण करने तथा किसीआपातिक स्थिति का निपटान करने के लिए मुख्य द्वार के कार्यकारी प्रभारी के रूपमें अधीक्षक द्वारा नियुक्त कोई अधिकारी, जो मुख्य वार्डर की पदवी से नीचे का नहो;

(xxxiii) "कार्यकारी प्रभारी" से अभिप्राय है, कारागार के किसी वार्ड, बैरक, अहाते या किसीअन्य स्थान के कार्यकारी प्रभारी के रूप में अधीक्षक द्वारा नियुक्त कोई अधिकारी,जो मुख्य वार्डर की पदवी से नीचे का न हो;

(xxxiv) "परिवार" से अभिप्राय है, बन्दी का पति/पत्नी, बच्चें, सहोदर भाई या बहन,माता-पिता, दादा-दादी, पौत्र-पौत्री;

(xxxv) "विदेशी बन्दी" से अभिप्राय है, कोई ऐसाबन्दी जो भारत का नागरिक नहीं है;(xxxvi) "फरलों" से अभिप्राय है, सुसंगत अधिनियम, नियम या हिदायतों द्वारा यथा विनिर्दिष्ट समय अवधि में सदाचार के कारण सिद्धदोष बन्दी की अभिरक्षा से अस्थाई fjgkbZ(
(xxxvii) "गैंगस्टर" से अभिप्राय है,या तो संगठित अपराध सिंडीकेट के सदस्य के रूप में या ऐसे सिंडीकेट की ओर अकेले या संयुक्त रूप से स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने या अनुचित आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने के fy, fgalk ;k fgalk dh /kedh ;k Hk;Hkhr djds ;k vU; xSj dkuwuh lk/ku dk प्रयोग करके विधि द्वारा निषिद्ध कार्यकलाप करने वाला कोई व्यक्ति;
(xxxviii) "जराचिकित्सा सहवासी" से अभिप्राय है, कोई बन्दी, जो पैंसठ वर्ष की आयु या से अधिक है, तथा सहायता के बिना स्वतन्त्र रूप से अपने दैनिक कार्यों का संचालन djus esa fpfdRlk dh n`f"V ls vleFkZ gS(
(xxxix) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासकीय विभाग में हरियाणा राज्य की सरकार; (xL) "अभ्यस्त अपराधी" से अभिप्राय है, कोई ऐसा बन्दी, जिसे दो या इससे अधिक मामलों में सिद्धदोष ठहराया गया है या एक मामले में सिद्धदोष है तथा दो या इससे अधिक मामलों में विचारण का सामना कर रहा है या तीन या इससे अधिक मामलों esa fopkj.k dk lkeuk dj jgk gS(
(xLi) "कट्टर बन्दी" का वही अर्थ होगा, जो हरियाणा सदाचारी बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 2022 (2022 का 15) में यथा परिभाषित

है;
(xLii) "विभागाध्यक्ष" से अभिप्राय है, महानिदेशक, कारागार;
(xLiii) "उच्च-जोखिम बन्दी" से अभिप्राय है, हिंसा, भाग निकलने, स्व-हानि पहुँचाने या उत्पाती व्यवहार के प्रति उच्च प्रवृति वाला बन्दी, या जिससे कारागार में अशांति उत्पन्न होने की सम्भावना है और लोक व्यवस्था को धमकी देने का ढोंग रचता है, या जो आत्मघाती प्रवृति या किसी आन्तरायिक हिंसक व्यवहार के साथ किसी प्रदार्थ से सम्बन्धित और नषे की लत विकार से पीड़ित है, या जिसे अन्य बन्दियों से अंग भंग होने या जीवन हानि होने का खतरा है या जो विशेष अभिज्ञेय धमकी का lkeuk dj jgk gS(
(xLiv) "इतिवृत-टिकट" से अभिप्राय है, अधिनियम, नियमों या समय-समय पर उसके अधीन जारी हिदायतों द्वारा प्रत्येक बन्दी के सम्बन्ध में यथा अपेक्ष्ित ऐसी सूचना का प्रदर्शन करने वाली टिकट तथा इसमें बन्दी की सभी महत्वपूर्ण घटनाएं, दी गई स्वीकृतियों तथा दिए गए दण्डों का रिकार्ड भी शामिल है;
(xLv) "सहवासी" से अभिप्राय है, कारागार में विधिपूर्वक परिरूद्ध कोई बन्दी;
(xLvi) "महानिरीक्षक" से अभिप्राय है, महानिरीक्षक, कारागार;
(xLvii) "संस्था" से अभिप्राय है, कोई ऐसा स्थान, जहां बन्दी विधिपूर्वक परिरूद्ध हैं;(xLviii) "किशोर" से अभिप्राय है, कोई व्यक्ति, जिसे किशोर न्याय (बालक की देखभाल तथा संरक्षण) अधिनियम, 2015 (2016 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 2) के उपबन्धों के अधीन इस प्रकार परिभाषित किया गया है;
(xLix) "कोट मौका" से अभिप्राय है, कारागार की बाहरी तथा भीतरी परिधीय दीवार के बीच क्षेत्र;

¼L½	^^fof/kd lykgkdkj** ls vfHkizk; gS] fof/k O;olk;h vf/kfu;e] 1879 ¼1879 dk dsUnzh; vf/kfu;e 18½ ;k vf/koDrk vf/kfu;e] 1961 ¼1961 dk dsUnzh; vf/kfu;e 25½ ds vFkksZa esa O;olk;h(

(Li) "आजीवन दण्डादिष्ट बन्दी" से अभिप्राय है, आजीवन कारावास से दण्डादेशित बन्दी;(Lii) "मजिस्ट्रेट" से अभिप्राय है, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के अधीन न्यायिक मजिस्ट्रेट की सभी या किन्हीं शक्तियों का प्रयोग करने वाला कोई व्यक्ति;
(Liii) "मुख्य द्वार" से अभिप्राय है, कारागार के एक मात्र प्रवेश के भीतरी और बाहरी द्वार के बीच का क्षेत्र, द्वार जोकि डयोडी के रूप में ज्ञात है;
(Liv) "उच्च सुरक्षा कारागार" से अभिप्राय है, उच्च जोखिम के परिरोध के लिए कारागार, जिसमें रूढ़िवादी, साम्प्रदायिक रूप से शिक्षा देने वाले व्यक्ति, नक्सलियों, आतंकवादी, उग्रवादी, गैंग का मुखिया, प्रमुख गिरोह सदस्य, कारागार के भीतर से vijk/k laxfBr djus ;k laxfBr djus ds fy, lafnX/k cUnh ;k dkjkxkj ds

भीतर निरन्तर हिंसक व्यवहार का प्रदर्शन करने वाले, पूर्व भगोड़े, तथा पुलिस या कारागार, कार्मिक पर आक्रमण के इतिहास वाले व्यक्ति (किन्तु से सीमित नहीं) भी 'kkfey gS(
(Lv) "चिकित्सा अधिकारी" से अभिप्राय है, सरकार द्वारा ऐसे रूप में नियुक्त कोई चिकित्सा अधिकारी;
(Lvi) "चिकित्सा अधीनस्थ" में औषधालय अधिकारी, पुरूष नर्स, महिला नर्स, लैब rduhf'k;u vkfn 'kkfey gSa(
(Lvii) "सैन्य बन्दी" से अभिप्राय है, सेना-न्यायालय या सशस्त्र बल अधिकरण द्वारा सिद्धदोष बन्दी;
(Lviii) "स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ" का वही अर्थ होगा, जो स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 (1985 का केन्द्रीय अधिनियम 61) में उसे दिया x;k gS(
(Lix) "अधिसूचना" से अभिप्राय है, राजपत्र में प्रकाशित कोई प्रमाण्ित सूचना या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी अन्य प्राधिकृत प्रकाशन;
(Lx) "अपराध" से अभिप्राय है, तत्समय लागू किसी विधि द्वारा दण्डनीय भूल-चूक वाला कोई कार्य;
(Lxi) "खुली कारागार, अर्ध खुली कारागार" से अभिप्राय है, किसी कारागार काम्पलैक्स के भीतर कोई स्थान या भाग या बैरक या कोई व्यक्ति, जिसे ऐसी शर्तों पर, जो उन्हें और अधिक स्वतन्त्रता तथा रिहाई के बाद सामाजिक जीवन से सहयुक्त होने के और अधिक अवसर देने के लिए तथा उनके पुनर्वास को सफल बनाने के लिए विहित की जाएं, पात्र सिद्धदोष बन्दियों के परिरोध के लिए ऐसे रूप में सरकार द्वारा घोषित किया गया है;
(Lxii) "संगठित अपराध" से अभिप्राय है, किसी व्यक्तिगत, अकेले या संयुक्त रूप से या तो संगठित अपराध सिंडीकेट के सदस्य के रूप में या ऐसे सिंडीकेट की ओर से स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने या अनुचित आर्थिक या अन्य लाभ प्राप्त करने या विद्रोह को बढ़ावा देने के लिये जारी कोई भी विधि विरूद्ध गतिविधि हिंसा या हिंसा की धमकी देते हुए या भयभीत करके या बल प्रयोग करके या अन्य गैर कानूनी साधन का प्रयोग करके;
(Lxiii) "पैरोल" से अभिप्राय है, सम्बन्धित अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए नियमों द्वारा यथा विनिर्दिष्ट समय अवधि में सदाचार के

कारण अभिरक्षा से सिद्धदोष बन्दी की अस्थाई रिहाई पैरोल पर बिताई अवधि को वास्तविक सजा के लिए नहीं गिना tk,xk(

(Lxiv) "कारागार" से अभिप्राय है, व्यक्तियों के निरोध और सिद्धदोष बन्दियो की बाद में देख-रेख करने तथा पुनर्वास के लिए सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन स्थाई रूप से या अस्थाई रूप से प्रयुक्त कोई स्थान, जिसमें किसी न्यायालय या सक्षम प्राधिकारी द्वारा आदेशित अनुसार विचाराधीन बन्दी, सिद्धदोष, सिविल बन्दी, निवारक नजरबन्दी या कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है, और इसमें उससे vkuq"kafxad] lHkh Hkwfe;ka rFkk Hkou 'kkfey gSa fdUrq fuEufyf[kr 'kkfey ugha gS]& (K) व्यक्तियों के परिरोध के लिए कोई स्थान, जो केवल पुलिस की अभिरक्षा में gS(;k

(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 417 के अधीन सरकार द्वारा विशेष रूप से नियत कोई स्थान; या

(c) किशोर न्याय (बालको की देखभाल तथा संरक्षण) अधिनियम, 2015 (2015 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के अधीन कोई निगरानी गृह, विशेषगृह, बाल गृह, आश्रय गृह, सुरक्षा का स्थान तथा सरकार द्वारा स्थापित महिलाओं के लिए lajf{kr x`g(

(Lxv) "बन्दी" से अभिप्राय है, किसी विधि न्यायालय या किसी सक्षम प्राधिकारी के आदेश/वारंट के अधीन कारागार में परिरूद्ध कोई व्यक्ति;

(Lxvi) "मानसिक बीमारी वाले बन्दी" से अभिप्राय है, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 10) में यथा परिभाषित मानसिक chekjh okyk cUnh(

(Lxvii) "परिवीक्षा अधिकारी" से अभिप्राय है, अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 (1958 का केन्द्रीय अधिनियम 20) के अधीन सरकार द्वारा नियुक्त परिवीक्षा अधिकारी;

(Lxviii) "निषेध वस्तु" से अभिप्राय है, कोई ऐसी वस्तु, जिसे अधिनियम के अधीन तथा इन नियमों के अधीन या महानिदेशक कारागार के आदेश द्वारा ऐसे रूप में प्रतिबन्धित तथा घोषित की गई है;

(Lxix) "अपराध-व्यसनी" से अभिप्राय है, कोई सिद्धदोष या विचाराधीन बन्दी, जो पुनः vijk/k djrk gS(

(Lxx)

"माफी" से अभिप्राय है, विधि, नियमों तथा नीति से सम्बन्धित उपबन्धों के अनुसार इसके स्वरूप को परिवर्तित किये बिना किसी बन्दी के सजा की अवधि को कम djus dk dk;Z(

(Lxxi) "दण्डादेश" से अभिप्राय है, दण्डादेश, जो अपील, पुनरीक्षण या अन्यथा पर अन्तिम रूप से विनिश्चित किया गया है तथा इसमें एक से अधिक दण्डादेश का समुच्चय तथा शान्ति बनाए रखने या सदाचार के लिए प्रतिभूति प्रस्तुत करने की चूक में कारागार को सुपुर्द करने का आदेश भी शामिल है;

(Lxxii) "पृथक परिरोध" से अभिप्राय है, श्रम सहित या श्रम के बिना ऐसा परिरोध, जो अन्य बन्दियों के साथ संपर्क करने से बन्दियों को अलग रखता है, किन्तु अन्य बन्दियों की नजर से नहीं तथा उसे प्रतिदिन कम से कम एक घण्टे व्यायाम करने और एक या से अधिक बन्दियों के साथ में अपना भोजन करने की अनुमति दी tkrh gS(

(Lxxiii) "एकांत परिरोध" से अभिप्राय है, श्रम सहित या श्रम के बिना ऐसा परिरोध, जो अन्य बन्दियों की नजर से तथा के संपर्क करने दोनों से बन्दी को पूर्णरूप से vyx j[kk tkrk gS(

(Lxxiv) "विशेष कारागार" से अभिप्राय है, बन्दियों की किसी विशेष श्रेणी या श्रेण्ियों के परिरोध के लिए स्थापित तथा सरकार द्वारा अधिनियम के अधीन ऐसे रूप में अधिसूचित कोई कारागार;

(Lxxv) "स्टाफ सदस्य" से अभिप्राय है, विभाग का कोई कर्मचारी, जो अधिनियम तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के कार्यान्वयन से सम्बन्धित शक्तियों का प्रयोग या कर्तव्यो या कृत्यों का निर्वहन करता है;

(Lxxvi) "राज्य" से अभिप्राय है, हरियाणा राज्य;

(Lxxvii) "उप-कारागार" से अभिप्राय है, केन्द्रीय कारागार, जिला कारागार, उच्च सुरक्षा कारागार, विशेष कारागार, खुली अथवा अर्ध-खुली कारागार से भिन्न कोई dkjkxkj(

(Lxxviii) "अधीनस्थ अधिकारी" से अभिप्राय है, विभाग में सेवारत अराजपत्रित अधिकारी;

(Lxxix) "जेल अधीक्षक" से अभिप्राय है, कारागार का जेल अधीक्षक;

(Lxxx) "विचाराधीन बन्दी" से अभिप्राय है, कोई ऐसा व्यक्ति, जिसको किसी विधि न्यायालय या किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच या विचारण की विचाराधीनता के दौरान न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय द्वारा हवालात वापस भेजा गया है;

(Lxxxi) "परिदर्षक" से अभिप्राय है, स्टाफ सदस्य या बन्दी से भिन्न कोई व्यक्ति, जिसे कारागार में निरीक्षण करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकृत किया गया है;(Lxxxii) "बेतार संचार यन्त्र" से अभिप्राय है, किसी बेतार संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से जोड़ने तथा सूचित करने के लिए प्रयुक्त कोई यन्त्र;

(Lxxxiii) "युवा अपराधी" से अभिप्राय है, कोई ऐसा बन्दी, जो अठारह वर्ष की आयु से अधिक का है और जिसने इक्कीस वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की है।

(2) इन नियमों में प्रयुक्त तथा अपरिभाषित किन्तु अधिनियम में परिभाषित शब्दों तथाअभिव्यक्तियों के वही अर्थ हांेगे, जो अधिनियम या भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का केन्द्रीयअधिनियम 45) या दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 02) में क्रमषः उन्हें दिए गएgSa(

fVIi.k&1 %& जहां कहीं अन्यथा उपबन्धित के सिवाए, पुल्लिंग के अर्थ वाले शब्दों को स्त्रीलिंग में शामिल किया जाएगा तथा एकवचन के शब्दों को बहुवचन तथा विलोमतः शामिल fd;k tk,xkA

fVIi.k&2 %& [kqyk dkjkxkj vFkok v/kZ&[kqyk dkjkxkj ds fdlh lanHkZ esa Øe'k% [kqyk f'kfoj ;k अर्ध-खुला शिविर शामिल होगा।

कारागारों कोxhZdj.kA

v/;k; 2

कारागारों का वर्गीकरण

3-	¼1½	dkjkxkjksa ds fuEufyf[kr oxZ gksaxs] vFkkZr~%&	
	¼2½	¼d½	dsUnzh; dkjkxkj(
		¼[k½	ftyk dkjkxkj(
		¼x½	mPp lqj{kk dkjkxkj(
		¼?k½	fo'ks"k dkjkxkj(
		¼³½	mi&dkjkxkj(
		izR;sd dsUnzh; rFkk ftyk dkjkxkj esa mPp&tksf[ke okys cfUn;ksa ds vkokl ds fy, mPp	

सुरक्षा घेरा होगा।

¼3½ tk,xhA ¼4½	dkjkxkjksa dh {kerk le;≤ ij egkfuns'kd }kjk ;Fkk fofuf'pr rFkk vf/klwfpr dh ljdkj [kqyh vFkok v/kZ&[kqyh dkjkxkj LFkkfir dj ldrh gSA

dsUnzh; dkjkxkjA

4- (1) सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय कारागार के नाम से ज्ञात कारागार अधिसूचित djsxhA

(2) एक या से अधिक केन्द्रीय कारागार होंगी, जिसमें सामान्यतः सिद्धदोष आपराधिक बन्दी,

fdlh vU; dkjkxkj ls LFkkUkkUrj.k }kjk viuh ltk Hkqxrus ds fy, Lohdkj fd, tk,axs rFkk

प्रशासकीय प्रयोजनों के लिए विचाराधीन बन्दियों को समायोजित किया जा सकता है।

(3) सभी केन्द्रीय कारागारो में सिद्धदोषियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए पूर्णरूप से

सुसज्जित होंगी। इस प्रयोजन के लिए शैक्ष्िाक तथा अनुदेशन अमले की पर्याप्त संख्या तैनात की जाएगी।

	(4) केन्द्रीय कारागार में सिद्धदोषियों के लिए पर्याप्त कार्य मार्ग मुहैया कराने के लिए पर्याप्त अवसंरचना सहित औद्योगिक इकाई (इकाईयां) भी होंगी।
ftyk dkjkxkjA	5- (1) सरकार ऐसी संस्था में आवश्यक जिला कारागारों को स्थापित करेगी, जो आवष्यक हो, जिनमें एक या से अधिक जिलों से बन्दी साधारणतः प्रथम बार सौंपे गए है। (2) सभी जिला कारागार में सिद्धदोषियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए पूर्णरूप से सुसज्जित होंगी। इस प्रयोजन के लिए शैक्ष्िाक तथा अनुदेशन अमले की पर्याप्त संख्या तैनात की जाएगी। (3) जिला कारागार में सिद्धदोषियों के लिए पर्याप्त कार्य मार्ग मुहैया कराने के लिए पर्याप्त अवसंरचना सहित औद्योगिक इकाई (इकाईयां) भी होंगी।
mPp lqj{kk dkjkxkjA	6- सरकार उच्च जोखिम वाले बन्दियों के परिरोध के लिए एक या एक से अधिक उच्च सुरक्षाकारागार स्थापित कर सकती है, जिसमें रूढ़िवादी, साम्प्रदायिक रूप से शिक्षा देने वाले व्यक्ति, नक्सलियो,आतंकवादी, चरमपंथियो, गिरोह के नेताओं, प्रमुख गिरोह सदस्य, कारागार के भीतर से अपराध करने याअपराध करने के लिए संदिग्ध बन्दी या कारागार के भीतर निरन्तर हिंसक व्यवहार करने वाले, पूर्व भगौड़े,और पुलिस या कारागार कार्मिकों पर आक्रमण इतिवृत वाले व्यक्ति (किन्तु से सीमित नहीं) भी शामिल है।
विशेष कारागार।	7- सरकार, समय-समय पर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इन नियमों के प्रयोजन के लिए किसीकारागार को विशेष कारागार के रूप में घोषित कर सकती है या बन्दियों के किसी विशेष वर्ग या वर्गों कोपरिरूद्ध करने लिए किसी स्थान पर विशेष कारागार स्थापित कर सकती है या किसी स्थान को विशेषकारागार के रूप में अधिसूचित कर सकती है।
mi&dkjkxkjA	8- (1) सरकार उप-कारागारों की ऐसी संख्या स्थापित करेगी, जो उप-मण्डल स्तर पर आवश्यक हों। (2) उच्च जोखिम वाले बन्दियों के सिवाए, सभी वर्ग के बन्दी कतिपय परिस्थितियों के अधीन mi&dkjkxkj esa fu:/k fd, tk ldrs gSaA
dsUnzh; dkjkxkj dk ftyk dkjkxkj ds :i esaA	9- (1) सरकार सभी या किन्हीं प्रयोजनांे के लिए किसी केन्द्रीय कारागार को जिला कारागार के रूप में घोषित कर सकती है। (2) सरकार किसी केन्द्रीय या जिला कारागार को विशेष कारागार या अधिकतम सुरक्षा कारागार के रूप में भी घोषित कर सकती है।

egkfuns'kd dkjkxkj dh fu;qfDrA	v/;k; 3 eq[;ky; laxBu 10- (1) सरकार, राज्य में कारागारों के अधीक्षण, प्रशासन तथा प्रबन्धन तथा सुधारात्मक सेवाओं के लिए महानिदेशक की नियुक्ति कर सकती है। (2) सरकार, विभिन्न अधिनियमों तथा नियमों के अधीन अपने कर्तव्यों तथा कृत्यो के fuoZgu esa egkfuns'kd dh lgk;rk ds fy, vij egkfuns'kd] egkfujh{kd] vij egkfujh{kd] mi महानिरीक्षक तथा ऐसे अन्य अधिकारी तथा अमला, जो वह उचित समझे, भी नियुक्त कर सकती है।

eq[;ky; Lrj ij laxBukRed lajpukA	11- मुख्यालय स्तर पर संरचनात्मक ढ़ाचा निम्न अनुसार होगा, अर्थात्:- (K) dk;Zdkjh foax((b) lq/kkjd rFkk dY;k.k foax((c) सूचना प्रौद्योगिक विंग; (d) vklwpuk rFkk lqj{kk foax((d) कोई अन्य विंग जो समय-समय पर सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाए।
मुख्यालय पर अधिकारीrFkk veykA	12- (1) विभाग के मुख्यालय पर संगठनात्मक ढांचा निम्न अनुसार होगा, अर्थात्:- (K)egkfuns'kd((b) vij egkfuns'kd((c)egkfujh{kd((d) vij egkfujh{kd((e) mi egkfujh{kd((f)मुख्य परिवीक्षा तथा कल्याण अधिकारी; (six)अधीक्षक जेल (मुख्यालय) ; (h)उप जिला न्यायवादी या सहायक जिला न्यायवादी की पदवी के विधि अधिकारी; (i) mi v/kh{kd((´) lgk;d v/kh{kd] mi&lgk;d v/kh{kd((t)मुख्य लेखा अधिकारी, लेखा अधिकारी; (l) अधीक्षक (कार्यालय); (d) उप अधीक्षक (कार्यालय); (n) सहायक (कार्यालय); (o) vk'kqfyfid((त)Vadd] dEI;wVj vkijsVj rFkk fyfid((थ)vVSaMsaV((The) ,slk vU; lgk;rk rFkk vuqj{k.k veyk tSls fd pkyd] O;fDrxr lqj{kk अधिकारी, सुरक्षा अमला, इलैक्ट्रीशियन, नलसाज, स्वीपर, चैकीदार, अभिरक्षक, vnZyh bR;kfnA (th) राज्य में कारागारों के पर्यवेक्षण तथा प्रशासन के लिए ऐसे अन्य अधिकारी/ कर्मचारी, जो सरकार समय-समय पर विनिश्चित करे। (2) vij egkfuns'kd] egkfujh{kd] mi egkfujh{kd] vij egkfujh{kd] v/kh{kd tsy (मुख्यालय) तथा मुख्य परिवीक्षा तथा कल्याण अधिकारी ऐसे कर्तव्य तथा कृत्य करेगा, जो समय-समय पर महानिदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी विंग। 13-	13- सभी कारागारों में रिकार्ड तथा सांख्यिकी के अनुरक्षण के लिए कम्प्यूटरीकृत प्रणाली केडिजाईन, विकसित, करने, बनाए रखने तथा सहयोग के लिए महानिदेशक द्वारा समय-समय परविनिश्चित किए जाने वाले ऐसे अधिकारी,जो उप अधीक्षक की पदवी से नीचे का न हो, के पर्यवेक्षणके अधीन मुख्यालय मंे सूचना प्रौद्योगिकी विंग की स्थापना की जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी विंग मेंविभिन्न किस्म के कर्तव्य करने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित प्रबन्धकों,इंजीनियरों, प्रणाली विश्लेषकों, प्रोग्रामर तथा सहायक अमले की ऐसी संख्या शामिल होगी, जिसमेंसूचना प्रणाली प्रबन्धन, साफ्टवेयर अनुप्रयोग, उद्यम संसाधन योजना प्रणाली का डिजाईन, विकास,कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण, अन्यों में से तथा हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर विक्रेताओं से व्यवहार करनेrFkk egkfuns'kd }kjk vH;fiZr vuqlkj fofo/k rduhdh dk;Z djuk 'kkfey gSA

vklwpuk rFkk lqj{kk foaxA	14- vklwpuk rFkk lqj{kk foax egkfuns'kd }kjk eq[;ky; ij Hkh LFkkfir dh tk,xhA ;g foax मानव तथा तकनीकी स्रोत से आसूचना के संग्रहण, मिलान तथा विश्लेषण के लिए जिम्मेवार होगी,जिसमें कारागारों इत्यादि में अन्यों में से कारागार प्रबन्धन साफ्टवेयर, अन्तर-शल्यकरणीय दांडिकन्याय प्रणाली (आई. सी.जे.एस.), कारागार सहवासी आहवाम प्रणाली (पी.आई.सी.एस.) या कोई अन्यइलैक्ट्रोनिक प्लेटफार्म तथा कारागार की सुरक्षा से सम्बन्धित सभी मामलों का पर्यवेक्षण, सुरक्षाअंकेक्षण करना, नियन्त्रण कक्ष का पर्यवेक्षण शामिल है तथा इसमें ऐसे अधिकारी तथा कर्मचारीशामिल होंगे, जो समय-समय पर महानिदेशक द्वारा विनिश्चित किए जाएं।
egkfuns'kd dh Hkwfedk] जिम्मेवारी, कर्तव्य और'kfDr;kaA	15- ¼1½ egkfuns'kd dh Hkwfedk] ftEesokjh] drZO; rFkk 'kfDr;ka fuEu vuqlkj gksaxh] vFkkZr~%& ¼d½ le;≤ ij ;Fkk la'kksf/kr vf/kfu;e vkSj bu fu;eksa ds micU/kksa dks ykxw djuk((b)सरकार द्वारा यथा अधिकथित कारागारों तथा सुधारक सेवाओं के प्रशासन से सम्बन्धित पॉलिसियों को लागू करना; (c) विभिन्न कारागारों तथा सुधारक सेवाओं के कार्य की योजना बनाने, आयोजित djus] funsZ'k nsus] lefUor rFkk fu;fU=r djuk((d)lEcfU/kr dkjkxkj dkfeZd ds fy, dk;Z fu/kkZfjr djuk rFkk fu;fU=r djus के प्राधिकार तथा चेन की स्पष्ट रेखा नियत करना; (e)बन्दियो की देखभाल, प्रशिक्षण तथा उपचार, अमले को प्रशिक्षण देने, अनुशासन तथा कल्याण आदि के अनुरक्षण के लिए विशेष प्रतिनिर्देश के साथ कारागारों तथा अन्य संस्थाओं के उचित प्रशासन, प्रबन्धन तथा निर्बाध कार्य djus ds fy, fgnk;rsa tkjh djuk(rFkk (f)विभाग के नियन्त्रण के अधीन कारागारों तथा अन्य संस्थाओं का निरीक्षण djukA (2) सरकार के सामान्य नियन्त्रण तथा अधीक्षण के अध्यधीन महानिदेशक अपने विधिपूर्णकर्तव्यों तथा जिम्मेवारियों का निर्वहन करने में उसे समर्थ बनाने के लिए सभी आवश्यक वित्तीय,प्रशासनिक तथा अनुशासनिक शक्तियों का प्रयोग करेगा। (3) महानिदेषक को उसके सरकारी आवास पर कैम्प कार्यालय की सुविधा उपलब्धdkjokbZ tk,xhA
vij egkfuns'kd] egkfujh{kd] mi egkfujh{kd rFkk vij egkfujh{kd ds lkekU; drZO;A	16- vij egkfuns'kd] egkfujh{kd] mi egkfujh{kd rFkk vij egkfujh{kd ds lkekU; drZO;] कारागार प्रशासन तथा सुधारात्मक सेवाओं से सम्बन्धित महानिदेशक द्वारा सौंपे गए अनुसार सभी मामलों में उसकी सहायता करेगा। उनकी भूमिका, जिम्मेवारी, कर्तव्य तथा शक्तियां निम्न अनुसार होंगी, अर्थात्:-

	(K) कारागारों तथा सुधारात्मक सेवाओं के प्रशासन में महानिदेशक की सहायता करना; (b) महानिदेशक द्वारा कार्य के आवंटन के अनुसार आन्तरिक प्रशासन की देखभाल करना; (c) महानिदेशक द्वारा प्रदत्त अनुसार सामग्री की खरीद/सेवाओं पर ऐसे खर्च की Lohd`fr nsuk((d) उन्नत प्रशासन तथा परिचालन कार्य करने के लिए पालिसियों तथा योजनाओं को lw=c+) djuk((e) बन्दियो की देखभाल, प्रशिक्षण तथा उपचार, अमले को प्रशिक्षण देने, अनुशासन तथा कल्याण आदि के अनुरक्षण से सम्बन्धित मामलों की देखभाल करना; (f) बजट, खर्च, क्रय, संविदा तथा सम्बन्धित समस्याओं के मामलों में महानिदेशक की lgk;rk djuk((six) महानिदेशक द्वारा विशेष रूप से सौंपा गया कोई अन्य कार्य करना।
eq[; ifjoh{kk rFkk कल्याण अधिकारी केlkekU; drZO;A	17- मुख्य परिवीक्षा तथा कल्याण अधिकारी के सामान्य कर्तव्य, सम्पूर्ण राज्य की सभी कारागारों मेंजिला परिवीक्षा अधिकारियों के माध्यम से बन्दियों के अनुरक्षण तथा पुनर्वास सहित अपराधी परिवीक्षाअधिनियम, 1958 तथा अन्य सम्बन्धित अधिनियमों तथा नियमों को कार्यान्वित करने के लिए जिम्मेवारहोगा। वह सम्पूर्ण राज्य की सभी कारागारों में बन्दियों के कल्याण, कार्यकलापों, शैक्ष्िाक कार्यक्रमों,व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा कौशल विकास इत्यादि के लिए भी जिम्मेवार होगा। मुख्य परिवीक्षा तथाकल्याण अधिकारी की भूमिका तथा जिम्मेवारी, शक्तियाँ तथा कर्तव्य ऐसे होंगे, जो समय-समय परegkfuns'kd }kjk fofuf'pr fd, tk,aA

क्षेत्रीय संगठन।	18- कारागार प्रशासन तथा सुधारात्मक सेवाओं के प्रभावी और कुषल प्रयोजनों के लिए, सरकार,विभाग में क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना करेगी, जिसकी अध्यक्षता ऐसे अधिकारी, जो उप महानिरीक्षककी पदवी से नीचे का न हो, जो समय समय पर विनिष्ि्चत किया जाए। क्षेत्रीय कार्यालयों की क्षेत्रीयअधिकारिता, शक्तियां तथा कार्य ऐसे होंगे, जो समय-समय पर सामान्य या विशेष आदेशों द्वाराljdkj }kjk fu/kkZfjr fd, tk,aA
laLFkkxr laxBuA	19- प्रत्येक संस्था में सुरक्षा तथा अनुशासन, कारागार के वर्ग, ड्यूटी स्थान, कार्य भार तथा कृत्योंका बटवारा तथा सुधारात्मक कार्यक्रमों की अपेक्षाओं के अनुसार कार्मिकों की ऐसी संख्या होगी, जोljdkj }kjk fu/kkZfjr dh tk,aA (**i**) dk;Zdkjh LFkkiuk प्रत्येक कारागार की अध्यक्षता, अधीक्षक द्वारा की जाएगी, जो कारागार पर पर्यवेक्षी,प्रशासनिक तथा प्रबंधकीय नियन्त्रण का प्रयोग करेगा। कारागार में तैनात सभी अन्यअधिकारी, उसके अधीनस्थ होंगे। अधीक्षक निम्नलिखित कार्यकारियों द्वारा सहायता प्राप्तdjsxk] vFkkZr~%& ¼d½ mi v/kh{kd ¼iz'kklu½] tks fd dkjkxkj esa iz'kklu rFkk vuqj{k.k dk;Z dh ns[kHkky djsxk(¼[k½ mi v/kh{kd ¼lqj{kk½ tks fd dkjkxkj dh lqj{kk rFkk j{kk M;qfV ds iz'kklu ds fy, ftEesokj gksxk(¼x½ mi v/kh{kd ¼m|ksx rFkk dY;k.k½ tks fd lq/kkjkRed@'kSf{kd dk;ZØeksa] O;kolkf;d izf'k{k.k rFkk vkS|ksfxd bdkbZ;ksa esa dkS'ky fodkl rFkk izcU/ku rFkk lwpuk izkS|ksfxdh ls lEcfU/kr dk;Z dk i;Zos{k.k djsxk(¼?k½ lgk;d v/kh{kd rFkk mi&lgk;d v/kh{kdksa dh ,slh la[;k] tks ljdkj }kjk le;≤ ij fofuf'pr dh tk,] tks vius lEcfU/kr {ks= esa dk;Z dk i;Zos{k.k djus rFkk dk;kZfUor djus esa mi v/kh{kdksa dh lgk;rk djsaxs(¼³½

	dkjkxkj izcU/ku rFkk mfpr dkjkxkj iz'kklu ds fy, ,sls vU; vf/kdkjh

तथा कर्मचारी होंगे, जो सरकार समय-समय पर उचित समझे।

¼**ii**½	lqj{kk dehZ	
	¼d½	lqj{kk dehZ esa eq[; okMZj rFkk okMZj 'kkfey gksaxsA çk;% Ng cfUn;ksa ds
	fy, ,d j{kk dehZ gksxkA m|ksxksa rFkk vU; dY;k.k dk;Zdykiksa esa yxs	

रक्षा कर्मियों को इस अनुपात की गणना करते समय निकाला जाएगा;

¼[k½ ¼x½	lHkh dkjkxkjksa esa fMªy] fu:'kL= çf'k{k.k rFkk vkXus;kL=ksa ds iz;ksx esa n{krk ds fy, fo'ks"k :Ik ls j{kk dfeZ;ks esa ls p;fur lqj{kk nLrk jgsxkA ;s lqj{kk nLrk dkjkxkj esa fdlh Hkh çdkj dh vkikr fLFkfr ls fuiVus gsrq ,d lq;ksX; lgk;d v/kh{kd ds v/khu gksxk(okMZj xkMZ esa loksZPp lEHkkfor ;ksX;rk ,oe~ vuq'kklu lqfuf'pr djus ds fy,] ,slh LFkkiuk dk lkekU; fu;U=.k egkfuns'kd ds lEiw.kZ i;Zos{k.k rFkk

निर्देशन के अधीन अधीक्षक में निहित होगा;

(**iii**) लिपिकीय तथा प्रशासनिक कार्मिक

प्रत्येक कारागार में प्रशासनिक तथा लिपिक वर्गीय अमले की पर्याप्त संख्या होगी जैसेकि अधीक्षक (कार्यालय), उप अधीक्षक (कार्यालय), लेखाकार, सहायक (कार्यालय), लिपिक,आशुटंकक, कम्प्यूटर आपरेटर, सेवादार इत्यादि। लिपिक-वर्गीय तथा प्रशासकीय कार्मिक,अधीक्षक तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) के सामान्य नियन्त्रण के अधीन कार्य करेगा।

(**iv**) prqFkZ Js.kh deZpkjh

कारागार में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जैसे सेवादार, स्वीपर, माली, नाई, रसोईया, अर्दलीइत्यादि की ऐसी संख्या होगी, जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करे।

बन्दियों की पहचान।	v/;k; 4 बन्दियों का प्रवेश 20- किसी बन्दी का प्रवेश करवाने से पूर्व, मुख्य द्वार का प्रभारी, बन्दी से उसका नाम तथा अन्यब्योरों का पता लगाएगा तथा उसके वारंट में दर्ज ब्योरों के साथ मिलान करेगा।
प्राप्ति केन्द्र।	21- (1) प्रत्येक कारागार में एक प्राप्ति केन्द्र होगा जहां सभी नए प्रवेश किए गए बन्दियों कोस्वीकार किया जाएगा तथा उनकी व्यक्तिगत जाँच, स्वास्थ्य जांच, स्थिति निर्धारण इत्यादि को समर्थबनाने के लिए बहत्तर घण्टे की अधिकतम अवधि के लिए रखा जाएगा। (2) प्राप्ति केन्द्र में एक कार्यालय होगा तथा यह उप अधीक्षक (प्रशासन) के नियंत्रणाधीनdk;Z djsxkA (3) प्राप्ति केन्द्र में पुरूष तथा महिला बन्दियों तथा सिद्धदोष तथा विचाराधीन बन्दियों केलिए पृथक बैरक होंगी। प्रत्येक प्रवर्ग के भीतर सहवासियों को नियम 45 के उप नियम (3) मेंअधिकथित अनुसार प्रवर्गीकरण स्कीम के अनुसार बिलकुल शुरूआत से ही अलग किया जाएगा।यदि पृथक्करण की अपेक्षा को पूरा करने के लिए प्राप्ति केन्द्र में पर्याप्त आवास उपलब्ध नहीं है, तोसाधारण बैरकों, बन्दी कक्षों (वार्डों) या अहातों में पर्याप्त स्थान समय-समय पर प्रयोजन के लिएचिहिन्त किया जा सकता है। किसी बैरक, बन्दीकक्ष या अहाते में इस प्रकार चिहिन्त स्थान काप्रयोग केवल अनुरूप

	प्रवर्ग के नए प्रवेश किए गए सहवासियों को ठहराने के लिए किया जाएगा तथाकिसी भी समय पृथक्करण के नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। (4) cUnh viuh ik=rk rFkk oxhZdj.k ds vuqlkj ;Fkk lEHko 'kh?kz cSjd] cUnhd{k] lSy में चले जाएंगे, किन्तु विनिर्दिष्ट कार्य के पूरा होने के बाद प्रवेश से बहत्तर घण्टे के बाद नहीं।किन्नरों (Transgenders) को कारागार के चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश के अनुसार उचित पुरूष;k efgyk cUnhd{k esa vyx ls j[kk tk,xkA (5) यदि वहां महामारी की व्यापकता है या महामारी अधिनियम, 1897 (1897 का केन्द्रीयअधिनियम 3) के अधीन उस आशय की अधिसूचना लागू है, तो प्राप्ति केन्द्र के किसी भी निवासी कोऐसी अवधि जो ऐसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए की समाप्ति तक किसी साधारण बैरक मेंcnyk ugha tk,xkA
आरम्भिक प्रवेश परviukbZ tkus okyh प्रक्रिया।	22- कारगार में प्रवेश पर निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी,- (K) कपड़ों सहित बन्दी के शरीर तथा उसके सामान की सम्पूर्ण तलाशी, लेना; (b) बन्दी की व्यक्तिगत वस्तुओं को हटाना तथा प्राधिकृत व्यक्तिगत सामान जारी करना; (c) इन नियमों के अध्याय 5 में अधिकथित मूल पृथक्करण के सिद्धान्तों के अनुसार प्राप्ति केन्द्र के भीतर तथा बाद में कारागार में उचित नियोजन के बारे में समुचित निर्णय djus ds fy, cUnh dh i`"BHkwfe rFkk vko';drk dh lkekU; ekuhVfjax djuk((d) फोटों, बायोमीट्रिक लेना तथा रजिस्टरों में विहित प्रविष्टियों को अभिलिखित करना; (e) प्रवेश वाले दिन चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्पूर्ण चिकित्सीय जांच करना। इसमें पदार्थ सम्बन्धी तथा व्यसन विकार से पीड़ित बन्दियों की पहचान करना शामिल है; (f) जब पुलिस अभिरक्षा से कारागार में शरीर पर चोट वाले बन्दी को प्रविष्ट किया जाता है, तो उसकी चिकित्सा अधिकारी द्वारा शीघ्र जांच की जाएगी। यदि जांच में अस्पष्ट चोट प्रकट होती है, जो बन्दी से संलग्न मैडिको-लीगल रिपोर्ट में पहले अभिलिखित नहीं है, तो सम्बन्धित न्यायालय को तुरन्त रिपोर्ट की जाएगी; (six) कारागार नियमों तथा अनुशासनिक मानकों के बारे में बन्दियों को अवगत कराना; (h) नियमों के अनुसार भोजन नियत करना तथा स्वास्थ्य किट, बिस्तर तथा कपड़े जारी djuk((i) बन्दी को स्नान, केशकर्तन तथा सेविंग करवाना तथा उसके कपड़े धुलवाना। fVIi.k%& यदि बन्दी की पहचान परेड की जानी है, तो केशकर्तन या सेविंग की अनुमति नहीं nh tk,xhA ,slk dsoy igpku ijsM ds ckn fd;k tk,xkA
रात में कोई प्रवेश नहीं।	23- दूसरी कारागार से स्थानान्तरण के सिवाए, किसी भी बन्दी को सांय 6:30 बजे के बाद किसी कारागार में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा: परन्तु यह प्रतिबन्ध निम्नलिखित मामलों में लागू नहीं होगा.- ¼d½ fopkjk/khu efgyk cUnh] ftls fdlh Hkh le; dkjkxkj esa izfo"V fd;k tk,xk tc os iqfyl }kjk rFkk jfookj rFkk dkjkxkj vodk'k lfgr lHkh fnuksa esa izos'k ds fy, is'k dh tkrh gS(

	¼[k½ fopkjk/khu iq:"k cUnh] ftuds lEcU/k esa iqfyl }kjk yky L;kgh ls muds okjaV ij fjiksVZ dh tkrh gS fd mUgsa igpku ijsM esa igpkuk tkuk gS] jfookj rFkk कारागार अवकाश सहित सभी दिनों में कारागार में प्रविष्ट किया जाएगा; तथा (c) cUnh] ftUgsa U;k;ky; lquokbZ ds fy, ;k mipkj ds fy, fdlh mPprj fpfdRlk संस्था के लिए बाहर भेजा गया था: परन्तु यह और कि विशेष परिस्थितियों में अधीक्षक, महानिदेशक को सूचना देने केअधीन किसी समय पर किसी बन्दी को प्रविष्ट करने के आदेश कर सकता है।
mfpr okjaV ds fcuk कोई प्रवेश नहीं।	24- (1) किसी भी बन्दी को सक्षम न्यायालय, न्यायिक अधिकरण या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधीक्षक को सम्बोधित जारी विधि रिट, वारंट या सुपुर्दगी के आदेश के अधीन से अन्यथा तथा निम्नलिखित दस्तावेजों को संलग्न किया बिना किसी कारागार में प्रविष्ट नहीं किया tk,xk %& (K)सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी विहित प्ररूप में वारंट; (b)प्रत्येक दोषसिद्धि वारंट के साथ सम्बद्ध न्यायालय द्वारा पारित निर्णय तथा दण्डादेश की मात्रा के आदेश की प्रति संलग्न की जाएगी; (c)कम से कम दो विशेष स्थायी पहचान चिह्न तथा निकट रिश्तेदारों के नाम सहित पहचान पंजी (फोटो सहित)। (2) प्रत्येक बन्दी के लिए पृथक वारंट होगा चाहे दो या से अधिक बन्दियों को संयुक्त रूप से आरोपित किया गया हो। घायल बन्दियों को केवल वारंट के साथ संलग्न सक्षम प्राधिकारी की मैडिको लीगल रिपोर्ट (एम एल आर) के बाद प्रविष्ट किया जाएगा।
अनुकूलन प्रोग्राम।	25- प्रत्येक नया प्रविष्ट बन्दी, कारागार के नियमों तथा विनियमों, उसके अधिकारों, कर्त्तव्यों,ik=rk] eq¶r dkuwuh lgk;rk lsok] vuq'kklu rFkk nSfud fnup;kZ ds ckjs esa mls lwfpr djus ds लिए अनुकूलन प्रोग्राम के अध्यधीन होगा। बन्दी के अधिकारों, कर्तव्यों, पात्रता, अनुशासन तथा "क्याdjuk rFkk D;k ugha djuk** ls ;qDr iSEQysV eqfnzr djok;k tk,xk rFkk dkjkxj esa mlds कारावास के दौरान उसका पालन करने तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए बन्दी को समर्थ बनानेहेतु वितरित किया जाएगा। अनपढ़ व्यक्तियों की दषा में संबधित सहायक अधीक्षक द्वारा इसेle>k;k tk,xkA
oxhZdj.k rFkk lqj{kk fuxjkuh lfefrA	26- (1) प्रत्येक कारागार तथा ऐसी अन्य संस्थाएं, जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, में अधीक्षक की अध्यक्षता में एक "वर्गीकरण तथा सुरक्षा निगरानी समिति" होगी तथा जिसमें निम्नलिखित अधिकारी शामिल होंगे, अर्थात्:- (K) चिकित्सा अधिकारी; (b) उप अधीक्षक (प्रशासन); (c) उप अधीक्षक (सुरक्षा); (d) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण); (e) उप अधीक्षक (प्रभारी, केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष); (2) ^^oxhZdj.k rFkk lqj{kk fuxjkuh lfefr** ,d lIrkg esa de ls de ,d ckj cSBd करेगी तथा प्रवेश के समय पर प्राप्ति केन्द्र में यथा निर्णीत या तो उसे अभिपुष्ट या उचित रूप से संशोधित किया गया हो नए प्रविष्ट बन्दियों के सुरक्षा प्रवर्ग का पुनरीक्षण करेगी।

	(3) बन्दी के प्रवर्ग का पता लगाने में, समिति अपराध, परिवार पृष्ठभूमि, इतिवृत तथा पुलिस से प्राप्त रिपोर्ट की प्रकृति तथा परिस्थितियों से निरन्तर मार्गदर्शित होगी। पूर्व दोषसिद्धि, यदि कोई हो, साधारणतः वारंट में या आदेश में प्रकट होगी। तथापि, समिति इस सूचना तक सीमित नहीं होगी तथा कारागार अधिकारियों से लम्बी अवधि की दोषसिद्धि से कारागार के अभिलेखों से तथा अन्य कारागारों के रिकार्ड से, यदि बन्दी पहले दोषसिद्ध किया गया है, पता लगाने का प्रयास djsxhA (4) वर्गीकरण तथा सुरक्षा निगरानी समिति, प्राप्ति केन्द्र के कार्य की ध्यानपूर्वक निगरानी करेगी तथा सुनिश्चित करेगी कि सभी प्रवेश औपचारिकताओं को सहवासी के प्रवेश के बहत्तर घण्टों के भीतर पूरा किया जाएगा तथा पृथक्करण के नियमों का गम्भीरता से पालन किया जाएगा।

cUnh dh ryk'khA	27- (1) कारागार में प्रवेश पर सभी बन्दियों की वाक-थ्रो, हैण्ड-हैल्ड धातु संसूचक, या महानिदेशक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य पहचान उपकरण के माध्यम से पूर्ण रूप से छानबीन की जाएगी। तलाशी ऐसे कारागार अधिकारी द्वारा नहीं ली जाएगी, जो उसी लिंग का नहीं है जैसा कि cUnh dh ryk'kh yh tk jgh gSA (2) तलाशी तीन विभिन्न किस्म की होगी, जो कि निम्न अनुसार तलाशी करने वाले स्टाफ सदस्य के फैसले के अनुसार विभिन्न परिस्थितियों के अधीन न्यायसंगत हो,- (K)बन्दी व्यक्ति तथा वस्त्रों की जांच, जिसमें सिरसाज, गुलूबन्द, स्वेटर, जैकेट, ओवरकोट या कोई अन्य बाहरी वस्त्र वस्तु को हटाना शामिल हो सकता है; ;k (b) बन्दी की सभी वस्त्र वस्तुओं को हटाना तथा जांच करना; या (c)उचित रीति, जो किसी छिपाई गई वस्तु का पता लगाने की आवश्यकता के अनुरूप हो, में बन्दी के शरीर के छिद्रों की गहन तलाशी करने सहित सभी वस्त्र वस्तुओं को हटाने के बाद नए प्रविष्ट (या पैरोल/फरलो/अन्तरिम जमानत से समर्पण पर) बन्दी के शरीर की जांच करनाः परन्तु उपरोक्त खण्ड (ख) या (ग) में तलाशी दूसरे बन्दी की उपस्थिति में या उसको देखते हुए नहीं ली जाएगी तथा कारागार अधिकारियों, जो दो से कम न हो, की उपस्थिति में तथा उनके द्वारा देखी तथा बन्दी के अनुसार उसी लिंग के जो तलाशी को कारगर रूप से संचालन के लिए अपेक्ष्ित हो, ली जाएगी। (3) तलाशी, छानबीन किए जा रहे बन्दी की मर्यादा, गोपनीयता तथा गरिमा का ध्यान रखते हुए की जाएगी तथा किसी भी स्तर पर बन्दी को पूर्ण रूप से नंगी स्थिति में नहीं छोड़ा

	tk,xkA (4) बन्दी तलाशी के लिए सहयोग देगा तथा पेश करेगा जब कभी ऐसा करने के लिए आदेश दिए जाएं। तथापि, बन्दी के शरीर के छिद्रों की गहन तलाशी चिकित्सक अमले द्वारा अधीक्षक या उप अधीक्षक के विशिष्ट आदेशों पर की जाएगी। (5) यदि कोई बन्दी तलाशी की अनुमति देने से इनकार करता है, तो ऐसे बल, जो बन्दी के सम्बन्ध में तलाशी करने के लिए उचित रूप से आवश्यक और अनुरूप हो, का प्रयोग किया जा ldrk gSA (6) जहां तलाशी के दौरान कारागार अधिकारी कोई वस्तु प्राप्त करता है या के कब्जे में आती है, जिसे वह विष्वास करता है कि वह किसी अपराध या लगाने से सम्बन्धित है तो वह अपराधिक कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में, या कारागार अनुशासन के भंग के लिए किसी कार्यवाही के सम्बन्ध में प्रयोग करने के लिए जब्ती की तिथि से ऐसी अवधि के लिए, जो उचित हो या किसी ऐसी dk;Zokgh ds fu"d"kZ rd mls tCr dj ldrk gS ;k j[k ldrk gSA (7) जब्त की गई वस्तुओं का एक रजिस्टर उप अधीक्षक (सुरक्षा) द्वारा अनुरक्ष्िात रखा जाएगा तथा उसमें निम्नलिखित ब्योरे दर्ज किए जाएंगे, अर्थात्:- (K)इस प्रकार जब्त वस्तु के ब्योरे; (b) O;fDr dk uke ftlls os tCr dh xbZ Fkh((c) O;fDr dk uke] ftlds }kjk os tCr dh xbZ Fkh((d) D;k j[kh xbZ gS ;k fuiVku dj nh xbZ gS((d)यदि रखी गई है, तो भण्डारण के ब्योरे; (f)jhfr] ftlesa tCr oLrq fuiVkbZ xbZ gS(rFkk (six) ऐसे अन्य ब्योरे, जो अधीक्षक उचित समझे।
बन्दियों से व्यक्तिगतसामान, वस्तुओं काi`FkDdj.kA	28- (1) lHkh ,slh lEifr@oLrq,a] ftUgsa cUnh dkjkxkj ds Hkhrj vius ikl j[kus ds fy, हकदार नहीं है, कारागार में उसके प्रवेश पर बन्दी से अलग कर दी जाएगी। (2) महिला बन्दी को मिताचार में अल्पमूल्य के कुछ आभूषण जैसे कि मंगल सूत्र, चुडियां तथा पैर की अंगुली के छल्ले रखने की अनुमति होगी। तथापि, अधीक्षक अपने विवेक से अनुशासनिक/सुरक्षा कारणों से किसी विशेष मामले में इन आभूषणों को रखना अनुज्ञात करने से budkj dj ldrk gSA (3) बन्दियों से प्राप्त की गई सभी धनराशियां उनके कारागार में उनके ठहराव के दौरान बन्दियों द्वारा प्रयोग के लिए उनके सम्बन्धित कल्याण लेखों में जमा की जाएंगी।

प्राप्त सम्पति या वस्तुdk fjdkMZA	29- किसी बन्दी से प्राप्त सभी वस्तुओं/सम्पति के उचित वर्णन सहित एक सूची सम्पति रजिस्टर में दर्ज की जाएगी तथा प्राप्त करने वाले कर्मचारी द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी।
नए प्रविष्ट बन्दियों केlEcU/k esa vuqjf{kr किए जाने वाले प्रवेशjftLVjA	30- सिद्धदोषियो, विचाराधीन और सिविल बन्दियों के लिए पृथक प्रवेश रजिस्टर कारागार में नए प्रविष्ट बन्दियों के सम्बन्ध में अनुरक्ष[ित रखा जाएगा। ये रजिस्टर इन नियमों के अध्याय 42 में दिए गए उपबन्धों के अनुसार अनुरक्ष[ित रखे जाएंगे।
प्रवेश पर चिकित्साtkapA	31- (1) प्रत्येक बन्दी की चिकित्सा अधिकारी के सामान्य तथा विशेष आदेशों के अधीन प्रवेशके दिन उसकी जांच की जाएगी, जो सुनिश्चित करेगा कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारापरिचालित कारागार में प्रवेश पर बन्दियों की स्वास्थ्य जांच के लिए प्रोफार्मा" विधिवत रूप से भराx;k gS rFkk mfpr :i ls vuqjf{kr j[kk x;k gSA (2) महिला बन्दी की दषा में, चिकित्सा अधिकारी के सामान्य या विषेष आदेषों के अधीनefgyk LVkQ }kjk fpfdRlk tk¡p dh tk,xhA (3) किसी भी किशोर को कारागार में प्रविष्ट नहीं किया जाएगा। यदि कोई बन्दी कारागारमें प्रवेश के समय पर कारागार के चिकित्सा अधिकारी की राय में किशोर के रूप में दिखाई देता है,तो इस सम्बन्ध में सूचना सम्बद्ध न्यायालय को चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट सहित अधीक्षक द्वाराभेजी जाएगी। (4) कारागार में प्रवेश के समय पर कोई बन्दी, कारागार के चिकित्सा अधिकारी की रायमें मानसिक रूप से बीमार प्रतीत होता है, तो मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 मेंस्थापित प्रक्रिया के अनुसार उसकी मानसिक स्थिति का पता लगाने के लिए अनुरोध, सम्बद्धप्राधिकारियों को भेजा जाएगा।
प्रक्रिया, यदि कोई वारंटअवैध या विधिविरूद्ध gSA	32- (1) यदि कोई बन्दी, वारंट के बिना या किसी विधि विरूद्ध आदेश से कारागार में लायाजाता है या वारंट उचित कानूनी प्ररूप में नहीं है या वारंट में नाम या पहचान के बारे में महत्वपूर्णविसंगति पाई जाती है, तो उप अधीक्षक (प्रशासन) बन्दी को प्रविष्ट करने से इनकार करेगा औरअधीक्षक को मामले की रिपोर्ट करेगा जो क्रमशः सम्बन्धित न्यायालय या सम्बन्धित जिला तथा सत्रन्यायाधीश को मामला भेजेगा, जिसके आदेश से वह बन्दी के व्यवहार के सम्बन्ध में आगे मार्गदर्शितwill be. (2) यदि किसी मामले में, अधीक्षक कारागार में प्रविष्ट किए जाने वाले किसी बन्दी केपास उस द्वारा प्राप्त सपुर्दगी के किसी वारंट या आदेश की वैद्यता के सम्बन्ध में या दण्डादेश पारितकरने तथा ऐसा वारंट जारी करने के लिए व्यक्ति, जिसकी कार्यालय मोहर उस पर लगाई गई हैतथा हस्ताक्षर किए गए है, की सक्षमता के सम्बन्ध में सन्देह है, तो वह महानिदेशक को सूचना केअधीन सम्बन्धित जिला एवं सत्र न्यायाधीश को मामला भेजेगा। (3) यदि सपुर्दगी के किसी वारंट या आदेश में कोई गलती या चूक पाई जाती है, जोv/kh{kd dh jk; esa dsoy Hkwy ;k xyrh ds dkj.k gS ;k ;fn ikfjr n.Mkns'k ;k vkns'k ;|fi न्यायालय, अधिकरण या प्राधिकरण की अक्षमता के भीतर है, जिसने इसे पारित किया है, किसीप्रकार से त्रुटिपूर्ण है या अन्यथा अनियमित है, तो बन्दी को वारंट या आदेश में उचित संशोधनकरवाने के लिए ऐसे न्यायालय, अधिकरण या प्राधिकरण, जैसी भी स्थिति हो, के निर्देश के अध्यधीनLohdkj fd;k tk,xkA
okjaV dh tkap rFkk जांच का नोटिस।	33- (1) यह पता लगाने के लिए सभी वारंटों की जांच की जाएगी कि क्या वे दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) तथा उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप है। (2) प्रत्येक वारंट में श्रेणी (आदतन या आकस्मिक) दर्शाई जाएगी, जिससे बन्दी सम्बन्धित है तथा पूर्व में सिद्धदोष व्यक्ति के मामले में पूर्व, दोषसिद्धि को दर्शाने वाली विवरणी संलग्न की tk,xhA (3) अधीक्षक वारंट पर कारागार में बन्दी को स्वीकार करने या निरूद्ध करने से इनकार

	कर सकता है, जिस पर हस्ताक्षर मोहर लगाई गई है। किन्तु साधारणतः उसे नीचे दिए गए उप-नियम (6) में विस्तृत प्रक्रिया अपनानी चाहिए। (4) हस्त रूप के सभी वारंट न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा सम्पूर्ण (न कि आद्यक्षर) हस्ताक्षरित किए जाएंगे, जो उसे जारी करता है तथा न्यायालय की मोहर से मोहरबद्ध किये जाएंगे। (5) उन बन्दियों के मामले में जिनके पृथक दण्डादेश पारित किए गए है, सुपुर्दगी के वारंट में वणर्ित तिथि के बारे में ध्यान रखा जाएगा, जिससे प्रत्येक दण्डादेश प्रभावी होगा। (6) अधीक्षक बन्दी को प्रविष्ट करने से इनकार नहीं करेगा, जहां उपरोक्त हिदायतों की पालना नहीं की गई है बल्कि सुपुर्दगी के वारंट में त्रुटियों के सम्बन्ध में सम्बद्ध मजिस्ट्रेट को तुरन्त

	ध्यान दिलाएगा और यदि वारंट कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया गया है, तो जिला मजिस्ट्रेटको, प्रति पृष्ठांकित करते समय तथा यदि वारंट सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा जारी किया गया हैपुलिस आयुक्त को, तथा यदि वारंट न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया गया है, तो जिला एवं सत्रन्यायाधीष को एक प्रति पृष्ठाकित करते हुए तुरन्त इसके संषोधन करने की मांग करेगा। (7) जहां कोई अभियुक्त व्यक्ति, दोषसिद्धि पर, किसी अवधि के लिए कारावास सेदण्डादेशित किया गया है, तो ऐसी दोष सिद्धि की तिथि, यदि कोई हो, से पूर्व उसी मामले कीछानबीन, जांच या विचारण के दौरान उस द्वारा भुगती गई निरोध की अवधि, ऐसी दोषसिद्धि पर उसपर अधिरोपित कारावास की अवधि के विरूद्ध मुजरा कर दी जाएगी तथा ऐसी दोषसिद्धि परकारावास भुगताने के लिए ऐसे व्यक्ति का दायित्व, उस पर अधिरोपित कारावास की शेष अवधि, यदिकोई हो, तक सीमित कर दिया जाएगा। (8) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के उपबन्धों के अधीनन्यायालय द्वारा जारी प्रत्येक पेशी वारंट में, उचित मोहर तथा हस्ताक्षर के अधीन हस्त वारंट केमामले में, जारी करने वाले मजिस्ट्रेट/न्यायाधीश द्वारा वणर्ित किया जाएगा कि प्रश्नगत अभियुक्तअभिरक्षा में है या नहीं है किसी भी बन्दी को केवल पेशी वारंट के प्राधिकार पर कारागार में निरूद्धनहीं किया जाएगा, यदि उसे अन्य मामलों में छोड़ा गया है, जिसमें वह दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973(1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 269 के खण्ड (ख) के उपबन्धों के अनुसार अभिरक्षा में था: परन्तु यदि किसी बन्दी को एक बार पेशी वारंट पर न्यायालय के सम्मुख पेश किया गया है,तो उसे केवल सम्बद्ध न्यायालय द्वारा सम्यक् सत्यापन के बाद छोड़ा जाएगा। (9) पुलिस द्वारा प्रस्तुत प्रतिप्रेषण कागजों तथा पूर्ववृत रिपोर्ट की प्रति, न्यायिक अभिरक्षा मेंअभियुक्त के प्रतिप्रेषण के लिए अनुरोध करते समय मजिस्ट्रेट या विशेष न्यायाधीश, जैसी भी स्थितिहो, द्वारा अभिरक्षा वारंट सहित अधीक्षक को भेजी जाएगी। (10) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 428 का लाभप्रथम दोष सिद्धि तक कारागार में उस द्वारा भुगती गई अवधि के लिए बन्दी को अनुज्ञेय होगा। जबकोई बन्दी एक मामले में सजा भुगत रहा है, तो उस सजा अवधि का लाभ किसी अन्य लम्बितमामले/मामलों में विचाराधीन अवधि के रूप में मुहैया नहीं करवाया जाएगा। उदाहरणः- बन्दी एक्स को एफ आई आर क्रमांक क, ख तथा ग के तीन विभिन्न मामलों मेंदिनांक 01-01-2016 को कारागार में प्रविष्ट किया गया है। एफ आई आर क्रमांक क में दिनांक20-10-16 को किसी अवधि के लिए दण्डादेशित किया गया था, एफ आई आर क्रमांक ख मेंदिनांक 25-11-16 को दण्डादेशित तथा उसके बाद एफ आई आर क्रमांक ग में दिनांक 30-12-16को दण्डादेशित किया गया था। दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) कीधारा 428 के अधीन मुजराई अवधि का लाभ सभी तीनों मामलों में (अर्थात् 01-01-16 से 19-10-16तक) केवल नौ मास औरउन्नीस दिन की अवधि का लाभ उसको दिया जाएगा।

lq/kkj ds fy, okil किए गए वारंट की प्रतिdk j[kk tkukA	34- यदि कोई वारंट सुधार के लिए वापस भेजा गया है, तो उसकी फोटो प्रति/डिजीटल रिकार्ड j[kk tk,xkA
प्रक्रिया, जब प्रतिवेदनij /;ku ugha fn;k x;k gSA	35- (1) अधीक्षक किसी मामले में, जिसमें अधीक्षक के प्रतिवेदनों पर सम्बन्धित न्यायालय द्वाराध्यान नहीं दिया गया है, महानिदेशक की सूचना के अधीन सम्बन्धित जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोमामला भेजेगा। (2) उप-नियम (1) के अधीन किए संदर्भ के लम्बित रहने की दषा में, बन्दी को ऐसी रीतिमें तथा ऐसे प्रतिबन्धों या सीमाओं में निरूद्ध किया जाएगा, जो वारंट या आदेश में विनिर्दिष्ट कीtk,aA
v/kh{kd ds lEeq[k बन्दियों, रजिस्टरों तथाअभिलेखों को पेश djukA	36- प्रवेश रजिस्टर तथा रिहाई डायरी में आवश्यक प्रविष्टियों को पूरा करने पर, उप अधीक्षक(प्रशासन) सामान्य प्रक्रिया के दौरान प्रवेश के चैबीस घण्टे के भीतर, किन्तु किसी भी मामले मेंअड़तालीस घण्टे के बाद नहीं, अधीक्षक के सम्मुख उनके वारंटो सहित इन रजिस्टरों तथा बन्दियोंको पेश करेगा। अधीक्षक नियमों के अनुसार प्रविष्टियों के सत्यता के बारे में अपने आपको सन्तुष्टकरने के बाद रजिस्टरों पर अपने हस्ताक्षर करेगा। प्रत्येक बन्दी की सम्पति की सूची, उप अधीक्षक(प्रशासन) द्वारा उसको पढ़ाई जाएगी तथा यदि बन्दी उसके सही होने की स्वीकृति देता है, तोv/kh{kd ml ij vk|{kj djsxkA

बन्दी को कार्य आबंटनdjukA	37- (1) कठोर कारावास के लिए दण्डादेशित बन्दियों या स्वैच्छिक रूप से कार्य के इच्छुक बन्दियों को कार्य का आबंटन वर्गीकरण तथा सुरक्षा निगरानी समिति द्वारा इस सम्बन्ध में दी गई रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। कार्य आबंटन उसकी चिकित्सा उपयुक्तता, क्षमता, कौशल, thou ds iwoZ <ax rFkk iwoZo`Rr ij fopkj djus ds ckn fd;k tk,xkA fu.kZ; mlds bfro`r fVdV esa ntZ fd;k tk,xkA (2) कार्य का कोई भी आबंटन बन्दी की जाति या श्रेणी के आधार पर नहीं किया जाएगा।
प्रक्रिया, यदि बन्दी कीf'kuk[r ugha dh xbZ gSA	38- (1) पुलिस से सूचना की प्राप्ति पर कि बन्दी की शिनाख्त नहीं की गई है, तो अधीक्षक,बन्दी की इतिवृत टिकट, वारंट तथा प्रवेश रजिस्टर में मुख्य रूप से लाल स्याही में "अशिनाख्त"शब्द दर्ज करवाएगा। यदि ऐसे किसी बन्दी का कोई पत्र प्राप्त या प्रेषित किया जाता है, तो उपअधीक्षक (प्रशासन) भेजने वाले या प्रेषिती, जैसी भी स्थिति हो, के नाम तथा पते के बारे में एकटिप्पणी करेगा और पत्रव्यवहार में वणर्ित कोई तथ्य ऐसा है, जो बन्दी की पहचान का सुराग देता हो,तो वह उसे अधीक्षक के माध्यम से जिले के जिला पुलिस अधीक्षक को भेजेगा, जिससे बन्दी स्वीकारfd;k x;k FkkA (2) इसी प्रकार उप अधीक्षक (प्रशासन), पुलिस जिला अधीक्षक को उसके रिश्तेदारों यादोस्तों के नाम तथा पते, जो कारागार में बन्दी से मुलाकात करते हैं, सूचित करेगा। (3) उप अधीक्षक (प्रशासन), बन्दी के परिवार के सदस्यों/रिश्तेदारों से संवाद करेगा, जोकारागार में उससे मुलाकात करते हैं तथा ऐसे दस्तावेजों को व्यवस्थित करेगा, जो उसकी पहचानकर सकते हैं। व्यवस्थित दस्तावेज जिले के जिला पुलिस अधीक्षक को भेजेगा, जिससे बन्दी स्वीकारfd;k x;k FkkA
i= O;ogkj esa cUnh dh Js.kh rFkk Øe la[;k m)`r djukA	39- विचाराधीन बन्दियों तथा सिद्धदोष बन्दियों को इन नियमों के अध्याय 5 में अधिकथित oxhZdj.k ds vuqlkj oxhZd`r fd;k tk,xk] (K) प्रत्येक बन्दी प्रवेश रजिस्टर में उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के अनुरूप क्रम संख्या प्राप्त djsxkA (b) बन्दी की संख्या तथा उसकी श्रेणी को सूचित करने वाले वर्णानुक्रमिक अक्षर में उसके

	uke ls igys vk,xk] tc dHkh mls fdlh ljdkjh laO;ogkj esa fufnZ"V fd;k tkrk gSA (c) यदि कोई संदर्भ किसी बन्दी के सम्बन्ध में महानिदेशक को किया जाता है, तो विधिवत रूप से भरी हुई बन्दी की वर्णनात्मक पंजी इसके साथ भेजी जाएगी।
dkjkxkj ls fdlh cUnh dh fjgkbZ ds ekeys esa पुलिस को सूचना।	40- किसी बन्दी की रिहाई के बारे में सूचना, उस जिला पुलिस अधीक्षक को भेजी जाएगी,जिसमें बन्दी का गृह स्थित है तथा जिलों के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को जिसमें उसके विरूद्धआपराधिक मामले पंजीकृत हैं।
laxf.kr dh xbZ cUnh के दण्डादेश की अवधिrFkk fjgkbZ dh frfFk और रिहाई डायरी मेंntZ djukA	41- (1) तिथि, जिसको कैदी रिहा किए जाने का हकदार है, उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा संगण्ित की जाएगी तथा प्रवेश रजिस्टर तथा रिहाई डायरी में प्रविष्टि की जाएगी। ऐसे डाटा कारागार प्रबन्धन साफ्टवेयर में डिजीटल रूप से भी अनुरक्ष्ित रखा जाएगा। (2) यदि, कारावास की अवधि में परिवर्तन या तो अतिरिक्त कारावास के न्यायिक अधिरोपण द्वारा या दण्डादेश के किसी भाग की माफी, जुर्माने के भुगतान में चूक इत्यादि से होता है, तो तथ्य को ऐसी प्रविष्टि के सामने नोट किया जाएगा तथा रिहाई की तिथि का संदर्भ किया tk,xkA (3) अधीक्षक स्वयं रिहाई डायरी में प्रत्येक प्रविष्टि की जांच करेगा तथा उसके सहीपन के लिए तथा बन्दी की किसी अवैध निरोध या इस नियम की उपेक्षा के कारण सजा को पूरा करने में असफलता के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेवार होगा।
fjgkbZ dh frfFk ds अनुसार सिद्धदोषियों केवारंटों को व्यवस्थित djukA	42- (1) कैदी की एकमात्र पहचान संख्या, नाम, दण्डादेश की तिथि, दण्डादेश की अवधि, प्रवेशdh frfFk rFkk fjgkbZ dh lEHkkO; frfFk okjaV ds QkbZy doj ij i`"Bkafdr dh tk,xh rFkk okjaV के निकाय की जांच तथा प्रवेश रजिस्टर में प्रविष्टि से उसकी तुलना करने के बाद उप अधीक्षक(प्रशासन) द्वारा पृष्ठांकन हस्ताक्षरित किया जाएगा। (2) वारंटों को रिहाई की तिथि के अनुसार व्यवस्थित किया जाएगा तथा मास तथा वर्षसहित बाहर पृष्ठांकित करके मासिक रूप से बन्डलो में इकट्ठे रखे जाएंगे तथा उसी मास में रिहाकिए जाने वाले बन्दियों के सभी वारंट उसी बण्डल में रखे जाएंगे। प्रत्येक बण्डल वारंट अलमारी मेंपृथक खाली खाने में रखे जाएंगे, जिन्हें ताले में रखा जाएगा, जिसकी चाबी उप अधीक्षक (प्रशासन)के पास या बन्दी अनुभाग के प्रभारी के पास रहेगी।

	(3) tqekZus ds Hkqxrku] oxhZdj.k] vU; lEcfU/kr fjdkMZ ls lEcfU/kr i= O;ogkj ds साथ अपील न्यायालय के निर्णयों, आदेशों तथा बन्दियों की याचिकाओं का निपटान करने के लिएसरकार के आदेशों की प्रतियों को फाईल किया जाएगा तथा बन्दी के वारंट, जिस मामले से वेlEcfU/kr gSa] ds lkFk j[kk tk,xkA
बन्दियों द्वारा स्नान djuk rFkk vius diM+s धोना।	43- प्रत्येक बन्दी के लिए स्नान करना तथा अपने कपड़ों को अच्छी तरह से धोना आवष्यकहोगा। यदि अड़ोस, पड़ोस जहां से वे आते हैं, में कोई महामारी रोग मौजूद है, तो अपने कपड़ों कोविसंक्रमित करेगा। ऐसे मामलों में बन्दी की व्यक्तिगत सफाई में भी विशेष सावधानी बरती जाएगी।
नियमों का सार पढ़ायाtkuk rFkk lgtn`'; LFkku esa	44- (1) बन्दियों के आचरण तथा व्यवहार से सम्बन्धित नियमों का सार कारागार में उसके प्रवेश के बाद यथासम्भव शीघ्र प्रत्येक बन्दी को पढ़ाया जाएगा तथा उसके बाद समय-समय पर

yVdkukA	उचित उपाय तत्समय लागू सभी ऐसे नियमों के अर्थ के भीतर प्रत्येक बन्दी को अवगत कराने के fy, v/kh{kd }kjk dne mBk, tk,axsA (2) नियमों का सार हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रत्येक कारागार में प्रत्येक बन्दीकक्ष तथा अन्य सहजदृश्य स्थानों में लगाया जाएगा।

बन्दियों कोoxhZdj.kA

v/;k; 5

बन्दियों का वर्गीकरण तथा पृथक्करण

45- (1) प्रवेश पर सभी बन्दियों को अपराध की प्रकृति तथा गंभीरता, पिछले आपराधिकइतिवृत, हिंसा की ओर प्रवृति, भाग निकलने, उत्पाती व्यवहार तथा स्वयं-हानि, लोक शांति के लिएखतरा, आयु, लिंग, स्वास्थ्य स्थिति, कारागार में आचरण तथा बन्दी के अवबोधन की आशंका कोध्यान में रखते हुए उप-नियम (3) में अधिकथित वर्गीकरण स्कीम के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा।ऐसा वर्गीकरण पुनरीक्षण तथा पुनः वर्गीकरण के अध्यधीन होगा जब कभी भी वर्गीकरण तथा सुरक्षाlfuxjkuh lfefr }kjk vko';d ik;k tkrk gSA

(2) सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जाति, धर्म, वंश, या जातीयता के आधारों पर बन्दियों कावर्गीकरण अनुज्ञेय नहीं होगा।

¼3½	cfUn;ksa dks i`FkDdj.k ds fy, fuEu vuqlkj izoxhZd`r fd;k tk,xk]&	
	¼d½	izoxZ&1 ¼l1&yky½ % :f<+oknh] lkEiznkf;d :i ls f'k{kk nsus] uDlyh]
	vkradoknh] pjeiaFkh] fxjksg usrk] izeq[k fxjksg lnL;] cfUn;ksa dks la?kfVr djuk ;k dkjkxkj ds Hkhrj ls vijk/k la?kfVr djus dk lafnX/k ;k dkjkxkj ds Hkhrj fujUrj fgald O;ogkj dk izn'kZu djus okys O;fDr] iwoZ	

भगौड़े तथा जो पुलिस या कारागार कार्मिक पर आक्रमण का इतिवृत रखते हैं;

¼[k½ ¼x½	izoxZ&2 ¼l2&uhyk½% vkijkf/kd fxjksg ds lnL;] fdjk, ij fy, x, gR;kjs] ?kksj lEifr vijk/kh] Øfed gR;kjs] fxjksg cykRdkjh ¼lkeqfgd cykRdkjh½] iqujko`r cykRdkjh] okf.kfT;d ek=k okys Mªx vijk/kh] Hkkx fudyus ds fy, mPp :i ls izo`r O;fDr rFkk dkjkxkj esa vkns'k rFkk vuq'kklu ds vuqj{k.k dh vk'kadk dk fn[kkok djus okys vU; vijk/kh(izoxZ&3 ¼l3&ihyk½ % os O;fDr tks fjgkbZ ij lekt ds fy, dksbZ vk'kadk dk fn[kkok ugha djrs tSls fd os cUnh tks O;fDrxr mn~ns'; ls gR;k esa] vU; 'kkjhfjd vijk/kksa] ekuo O;kikj djus] izfrf"k) vijk/k] vU; fo'ks"k

तथा स्थानीय कानून, रेलवे अपराध तथा अन्य लघु अपराधों में शामिल होते हैं;

(d) प्रवर्ग-4 (एस4-सफेद): बन्दी, जो खुली कारागार या अर्ध खुली कारागारों ds fy, ik= gSa(

(e) सुरक्षा प्रवर्ग-5 (एस5-हरा): पैंसठ वर्ष या से अधिक की आयु के बन्दी तथा chekj cUnh(

¼p½ ¼N½	izoxZ&6 ¼l6&cSaxuh½ % os cUnh] tks pksjh rFkk vU; lEifr vijk/kksa esa 'kkfey gSa(rFkk izoxZ&7 ¼l7&ukjaxh½ % cUnh] ftls vU; cfUn;ksa] jktuSfrd cfUn;ksa] iqfyl ;k dkjkxkj ;k dkjkxkj deZpkfj;ksa ;k fof'k"V vfHkKs; vk'kadk dk lkeuk djus okys fdlh vU; cUnh ls vax Hkax gksus ;k thou ds [krjs dh vk'kadk

होती है।

fVIi.k&1 %&	izR;sd izoxZ ds Hkhrj vkn~ru rFkk vkdfLed cUnh] mlh ;k fojks/kh fxjksg vkfn ds lnL;ksa dks fdlh ikjLifjd fØ;k ls cpkus ds fy,] tgka rd lEHko gks vyx j[kk tk,xkA
fVIi.k&2 %&	fdlh izoxZ esa cfUn;ksa dks mu izoxksZa ds flok,] tgka la[;k de gS] tgka rd lEHko gks lds o.kkZuqØe vk/kkj ij csrjrhc :i ls vkokl vkoafVr fd;k tk,xkA
fVIi.k&3 %&	egkfuns'kd lqj{kk rFkk iz'kklu ds fgr esa le;≤ ij LFkkbZ vkns'k ikfjr djds çoxZ la'kksf/kr dj de dj ldrk gS ;k u, izoxZ tksM+ ldrk gS rFkk mijksDr of.kZr izoxksZa ds fy, dksbZ MªSl dksM vkfn fofgr dj ldrk gSA
fVIi.k&4 %&	v/kh{kd] egkfuns'kd dh lwpuk ds v/khu iz'kkldh; dkj.kksa ls fdlh izoxZ esa cfUn;ksa dks mi&izoxhZd`r dj ldrk gSA

बन्दियों काi`FkDdj.kA

46- (1) सरकार बन्दियों के पृथक्करण के सम्बन्ध में अधिनियम तथा इन नियमों के अधीनfu/kkZj.k dh vuqikyuk ds lEcU/k esa ,slh jhfr esa dkjkxkj esa fufeZr rFkk fu;fer vkokl eqgS;k djk,xhA

(2) किसी कारागार में महिला तथा पुरूष बन्दियों के आवास के लिए, महिलाओं को पृथकभवन या उस भवन के पृथक भाग में पुरूष बन्दियों से उन्हें देखने या बातचीत करने या के साथकिसी सामाजिक पारस्परिक क्रिया से रोकने के सम्बन्ध में ऐसी रीति में कारावासित किया जाएगा।

(3) fdlh dkjkxkj esa] tgka bDdhl o"kZ dh vk;q ls de ds cUnh ifj:) fd, x, gSa] को अन्य बन्दियों से पूर्णतया उन्हें अलग करने के लिए पर्याप्त साधन मुहैया कराए जाएंगे।

(4) विधाराधीन बन्दियों, जहां तक सम्भव हो सके, को कैदियों से अलग रखा जाएगा।प्रशासन प्रयोजन के लिए बंदी अधिकारी उन बैरकों में प्रतिनियुक्त किए जाएं, जिसमें विचाराधीनifj:) gSaA

(5) सिविल बन्दियों, जहां तक सम्भव हो सके, को आपराधिक बन्दियों से अलग रखाtk,xkA

(6) विभिन्न सुरक्षा प्रवर्गों के अधीन वर्गीकृत बन्दियों को एक दूसरे से अलग रखा जाएगा।

(7) स्त्रीसमलिंग, विलासी, उभयलिंगी, किन्नर, समलैंगिक/विभिन्न बन्दियों को कारागार मेंचिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर उनकी चिकित्सा जांच के आधार पर क्रमशः पुरूष तथा महिलाअहातों में पृथक रूप से रखा जाएगा। उनके लिए शौचालय, स्नानधर सुविधाओं सहित पृथक आवासeqgS;k djok, tk,axsA

fVIi.k %&	fdUuj O;fDr ¼vf/kdkj laj{k.k½ vf/kfu;e] 2019 ¼2019 dk dsUnzh; vf/kfu;e 40½ ds vuqlkj ljdkj ;k egkfuns'kd }kjk tkjh fgnk;rksa ;k vkns'kksa dks bu fu;eksa

के अनिवार्य भाग के रूप में पढ़ा जाएगा तथा इसी प्रकार लागू होगा।

(8) यदि किसी कारागार में केवल एक बन्दी को किसी प्रवर्ग के अधीन ठहराया गया है,तो ऐसे बन्दी को, यदि वह ऐसा चाहता है, दूसरी श्रेणी के बन्दियों से सहयुक्त होने की अनुमति दीtk ldrh gS %

परन्तु प्रवर्ग, जिसके साथ ऐसे बन्दी को सहयुक्त होने की अनुमति दी गई है, कानिर्धारण अधीक्षक द्वारा किया जाएगा जो सुनिश्चित करेगा कि अधिनियम के उपबन्धों का इस प्रकारप्रदान की गई अनुमति से उल्लंघन का कोई मामला तो नहीं है।

(9) किसी कारागार में, जहां शोचघरों तथा भोजन करने तथा स्नान प्लेटफार्म की संख्या,परेड में पूर्ण रूप से श्रेण्ियों को अलग रखने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो पृथक्करण के लिए उचितव्यवस्था परिस्थितियों के व्यावहारिक विचारण के बाद की जाएगी।

इतिवृत टिकटों की rS;kjh rFkk vuqj{k.kA	v/;k; 6 bfro`r fVdV 47- (1) प्रत्येक बन्दी के लिए एक इतिवृत-टिकट कारागार में उसके प्रवेश पर शीघ्र तैयार कीजाएगी तथा इसमें, इसके बाद उपबन्धित रीति में सम्पूर्ण अवधि, जिसके दौरान ऐसा बन्दी परिरोध मेंjgrk gS] ds fy, vuqjf{kr dh tk,xhA (2) bfro`r fVdV fMthVy :i esa Hkh j[kh tk,xhA (3) प्रत्येक इतिवृत टिकट अन्यों में से निम्नलिखित ब्योरों से युक्त होगी,- (क) उसके फोटो सहित बन्दी की पहचान के लिए एकमात्र बन्दी संख्या, नाम, निवासी पता तथा आवश्यक अन्य ब्योरे; (ख) बन्दी का सुरक्षा प्रवर्ग; (ग) बन्दी के मामले में,- (i) अपराध की प्रवृति जिसके लिए उसे सिद्धदोष ठहराया गया है तथा उसको लागू विधि के उपबन्ध; (ii) एफ. आई. आर. संख्या, तिथि, पुलिस थाना तथा मामले के संक्ष्िाप्त rF;((iii) पारित दण्डादेश की तिथि, धारा, प्रकृति तथा सीमा; (iv) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 428 के अधीन भुगती गई अवधि; (v) प्रत्येक मामले के सारांश सहित निर्णीत तथा लम्बित मामलों सहित सिद्धदोष का विस्तृत पूर्व इतिवृत; (vi) बन्दी के नामांकित का नाम तथा ब्योरे, जिसे ऐसे बन्दी की सम्पत्ति, जहां कहीं लागू हो, सौंपी जानी है; (vii) कारागार में बन्दी के आवास के ब्योरे; (viii) बन्दी द्वारा दायर अपील या पुनरीक्षण के ब्योरे तथा स्थिति, यदि कोई हो; (ix) प्रत्येक मामले में अपील या पुनरीक्षण में उसके वकील के ब्योरे; (x) शैक्षण्िाक योग्यताएं तथा कौशल (कारगार में प्रवेश के समय पर तथा कारागार के दौरान अर्जित); (xi) सिद्धदोष अधिकारी के रूप में कर्तव्यों के ब्योरे; ¼?k½ | izR;sd fopkjk/khu cUnh dh bfrd`r fVdV fuEufyf[kr C;ksjksa ls ;qDr gksxh] vFkkZr~ %& ¼i½ | frfFk rFkk /kkjk ¼kkjkvksa½ lfgr ,Q vkbZ vkj la[;k((ii) पुलिस थाने का नाम, जहां एफ आई आर पंजीकृत है; (iii) मामले के संक्ष्िाप्त तथ्य; (iv) विचारण न्यायालय का नाम; (v) सुनवाई की तिथि; (vi) अपील तथा पुनरीक्षण सहित निर्णीत तथा लम्बित सभी आपराधिक मामलों के ब्योरे, विधिक सलाहाकार इत्यादि का नाम तथा ब्योरे। (4) इतिवृत टिकट पर की गई प्रत्येक प्रविष्टि, ऐसी घटना, जिससे वह सम्बन्धित है, केघटने के समय पर या के बाद यथासम्भव शीघ्र इस प्रकार की जाएगी और अधिकारी, जो उसे बनाएj[krk gS] }kjk uke rFkk frfFk lfgr gLrk{kfjr dh tk,xhA (5) यदि मूल इतिवृत-टिकट गुम हो गई है, तो प्रतिलिपि इतिवृत-टिकट जारी कीजाएगी। नई इतिवृत-टिकट पर प्रतिलिपि चिहिन्त किया जाएगा तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवतरूप से हस्ताक्षरित/प्रमाण्िात की जाएगी। टिकट इन नियमों या अन्यथा के अधीन अनुरक्ष्िात उपलब्धfjdkMZ ls iqu%fufeZr dh tk,xhA
bfro`r&fVdV esa चिकित्सा अधिकारी द्वाराdh tkus okyh प्रविष्टियां।	48- (1) चिकित्सा अधिकारी अपने पर्यवेक्षण के अधीन प्रत्येक बन्दी की इतिवृत-टिकट में fuEufyf[kr ntZ djsxk ;k ntZ djok,xk] vFkkZr~%& (K) प्रवेश पर बन्दी का वजन;

	(b) laf{kIr fpfdRlk bfrgkl rFkk orZeku LokLF; fLFkfr((c) श्रम की श्रेणी जिसके लिए वह योग्य है, यदि श्रम के लिए दण्डादेशित है, तो उसके लिए कारण सहित; (d) mldh orZeku fpfdRlk fLFkfr dk laf{kIr o.kZuA (2) चिकित्सा अधिकारी बाद में भी निम्नलिखित दर्ज करेगा या दर्ज करवाएगा, अर्थात्:- (K) किसी बीमारी या रोग की सूचना तथा ब्योरों सहित उपचार की पद्धति; (b) उपचार सहित बीमारी (बीमारियाँ), जिसके लिए भर्ती किया गया है, के ब्योरों सहित प्रत्येक अवसर पर अस्पताल में भर्ती तथा से छुट्टी होने की तिथि; (c) स्वास्थ्य लाभ करने वाले समूह में प्रवेश तथा से रिहा करने के ब्योरे; (d) बन्दी के पृथक्करण, यदि कोई हो, के लिए आवश्यकता; (e) बन्दी के टीकाकरण के ब्योरे, यदि कोई हो; तथा (f)v/kZ okf"kZd otuA (3) चिकित्सा अधिकारी ऐसे अन्य निर्देश या सिफारिशों को स्वयं दर्ज करेगा जिसे वह le;≤ ij cUnh ds LokLF; ds j[k&j[kko ds fy, vko';d le>sA
ntZ fd, tkus okys ब्योरे ।	<table><tr><td rowspan="11">49-</td><td rowspan="11">¼1½</td><td colspan="2">izR;sd cUnh dh bfro`r fVdV ij fuEufyf[kr izfof"V;ka ntZ dh tk,axh] vFkkZr~%&</td></tr><tr><td>¼d½</td><td>dkjkxkj esa izos'k dh frfFk(</td></tr><tr><td>¼k½</td><td>tkjh fd, x, oL= rFkk midj.k dh izR;sd oLrq dh la[;k rFkk uke(</td></tr><tr><td>¼x½</td><td>dk;Z rFkk fu;r dke] ftl ij cUnh dks yxk;k x;k gS(</td></tr><tr><td>¼?k½</td><td>fpfdRlk vk/kkjksa ls fHkUu dk;Z ;k fu;r dke dk izR;sd ifjorZu(</td></tr><tr><td>¼³½</td><td>fpfdRlk vf/kdkjh ds fdlh funsZ'k ;k flQkfj'k ij dh xbZ dkjZokbZ(</td></tr><tr><td>¼p½</td><td>fu.kZ; dh izfr ds fy, vkosnu] ;fn cUnh us vihy djuk pkgk gS(</td></tr><tr><td>¼N½</td><td>fu.kZ; dh izfr dh ikorh(</td></tr><tr><td>¼t½</td><td>vihy ;k iqujh{k.k ;k ;kfpdk dk izs"k.k(</td></tr><tr><td>¼></td><td>vihy U;k;ky; ds vkns'k dk lkj(</td></tr><tr><td>¼´½</td><td>vihy ds rF;] tks vihy djus ds fy, vuqKkr le; dh lekfIr ls iwoZ</td></tr></table> ugha fn;k x;k gS((t)त्रैमासिक रूप से प्रदान की गई माफी की सीमा, विशेष माफी के मामले में,

	सक्षम प्राधिकारी के आदेशों की संख्या तथा तिथि वण र्ित की जानी है; (l)प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर अर्जित दिनों में कुल माफी; (d)किया गया कारागार अपराध, यदि कोई हो; (n)अनुज्ञात अपवादिक मुलाकात, यदि कोई हो; (o)किसी न्यायालय में भेजना, स्थानान्तरण, रिहाई, भाग निकलने या मृत्यु; (त)उप अधीक्षक या सहायक अधीक्षक की कोई सिफारिश; (थ)सम्भावित मुलाकातियों की सूची; (The)v/kh{kd }kjk ikfjr fdlh vkns'k ij dh xbZ dkjZokbZ((th) fnu ;k jkr rd lSy esa LFkku fu/kkZj.k((No)उच्च सुरक्षा सैल में परिरोध तथा उसके कारणों के ब्योरे; (Fifth note of musical scale) कारागार से प्रत्येक रिहाई तथा समर्पण के ब्योरे। (2) प्रविष्टि (क), (ख), (ङ), (छ), (ज), (झ), (´), (ठ), (ड), (ढ), (ण), (त), (ध) सहायक अधीक्षक द्वारा की जाएगी। प्रविष्टि (ट) सहायक अधीक्षक या माफी देने के लिए प्राधिकृत्त किसी अन्य अधिकारी द्वारा की जाएगी। प्रविष्टि (ग) तथा (द) उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा की जाएगी। प्रविष्टि (घ) तथा (न) करने की डयुटी उप अधीक्षक के अधीनस्थ किसी अधिकारी को नहीं सौंपी जाएगी। fVIi.k&1%& कोई भी प्रतिकूल प्रविष्टि अधीक्षक के आदेशों के बिना इतिवृत-टिकट पर नहीं dh tk,xhA fVIi.k&2%& इतिवृत-टिकट में प्रत्येक प्रविष्टि सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अपने नाम तथा मोहर lfgr lk{;kafdr rFkk gLrk{kfjr dh tk,xhA

v/kh{kd }kjk vfHkfyf[kr dh tkus okyh çfof"V;kaA	50- (1) प्रत्येक बन्दी की इतिवृत-टिकट पर अधीक्षक निम्नलिखित अभिलिखित करेगा, vFkkZr~%& (K) कोई विषेष आदेश, जो उसने किसी बन्दी के सम्बन्ध में दिया हो अर्थात् eqykdkr djus] jkf= rd i`FkDdj.k dh vuqefr bR;kfn((b) प्रत्येक दण्ड का अवार्ड; (c) बाहरी कार्य पर नियोजन की स्वीकृति; (d) विशेष माफी का अवार्ड; (e)बन्दी द्वारा अर्जित किसी विशेष कौशल या बारी के बिना किए गए किसी विशेष कार्य के लिए कोई पुरस्कार या सम्मान; तथा (f)किसी बन्दी के पैरोल या फरलों के प्रारम्भ का अनुमोदन। (2) इन नियमों की अपेक्षाओं के अध्यधीन, महानिदेशक समय-समय पर इतिवृत-टिकट dk çk:i cny ldrk gSA

bfro`r&fVdV dh अभिरक्षा तथा प्रबन्धन।	51- सभी बन्दियों की इतिवृत-टिकट, सम्बद्ध सहायक अधीक्षक या उप-सहायक अधीक्षक द्वाराप्रत्येक बन्दी को आबंटित विष्िाष्ट पहचान संख्या सहित वर्णानुक्रम रीति में किसी उचित संदूक मेंरखी जाएगी तथा जब कभी आवष्यक हो, किसी वरिष्ठ अधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी।fVdV cUnh ds lkFk pyh tk,xh] tc dHkh og ,d dkjkxkj ls nwljh dkjkxkj esa LFkkukUrfjr होता है। इतिवृत-टिकट समय-समय पर महानिदेशक द्वारा यथा प्राय यथा निर्णीत बन्दी को दिखाईtk,xhA
इतिवृत-टिकट कोj[kukA	52- प्रत्येक बन्दी की इतिवृत-टिकट उसके अन्य रिकार्ड के साथ डिजीटल रूप मंे रखी जाएगी।

okjaV ls layXu dh जाने वाली वस्तुओं कीlwphA	v/;k; 7 cUnh dh oLrq,a 53- (1) कारागार में बन्दी के प्रवेश पर किसी बन्दी से प्राप्त की गई सभी धनराशि, वस्त्र या अन्य वस्तुओं की एक सूची बन्दी के वारंट के साथ संलग्न की जाएगी। इसे "वस्तु रजिस्टर" में vfHkfyf[kr Hkh fd;k tk,xk rFkk fMthVy :i esa Hkh j[kk tk,xkA (2) किसी बन्दी की वस्तुओं की सूची सभी परिवर्धन, काट-छांट या परिवर्तन नाम तथा पदनाम सहित अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रषासन) द्वारा हस्त रूप से या डिजीटल रूप में हस्ताक्षरित fd, tk,axsA
वस्तुओं की सूची काi<+k;k tkuk rFkk प्रत्येक प्रविष्टि को lR;kfir fd;k tkukA	54- (1) प्रत्येक बन्दी को कारागार में उसके प्रथम प्रवेश के बाद यथा सम्भव यथा शीघ्र किसीभी किस्म की सभी वस्तुओं की सूची, जो उसके प्रवेश के समय पर ऐसे बन्दी से ली गई थी याप्राप्त की थी, अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) की उपस्थिति में उसको पढाई जाएगी। बन्दी कीवस्तु की डिजीटल प्रतिकृति सहित यह सूची कारागार प्रबन्धन एप्लीकेशन में डिजीटल रूप मंे भीरखी जाएगी। उप अधीक्षक (प्रशासन), कारागार प्रबन्धन एप्लीकेशन में डिजीटल प्रतिकृति से इनसामानों का मिलान तथा सत्यापन करेगा, जब बन्दी रिहाई पर उन्हें प्राप्त करता है। (2) यदि बन्दी सूची के सहीपन की अभिस्वीकृति देता है, तो तथ्य, जो वह इस प्रकारकरता है तथा यदि बन्दी सूची से किसी वस्तु की त्रुटि में या के लिए किसी प्रविष्टि के सम्बन्ध मेंकोई आक्षेप करता है, तो आक्षेप का स्वरूप सूची पर नोट किया जाएगा। (3) यदि बन्दी लिख सकता है, तो उससे उसके सहीपन के प्रमाण-स्वरूप सूची तथा उसपर नोट किए गए आक्षेप (यदि कोई हों) पर हस्ताक्षर करने की अपेक्षा की जाएगी। (4) अधीक्षक उस पर आद्यक्षर करके सूची में प्रत्येक प्रविष्टि को सत्यापित करेगा। fVIi.k%& जब ऐसी वस्तु, इसे प्राप्त करने वाले कर्मचारी द्वारा किसी दूसरे कर्मचारी को सौंपी गई है, तो बाद के कर्मचारी रजिस्टर नम्बर 1 या 2, या 3, जैसी भी स्थिति हो, में इसकी प्राप्ति दर्ज करेगाा तथा वस्त्रों के सिवाए, सभी ऐसी वस्तुएं, उप अधीक्षक (प्रशासन) के प्रभार में रखी जाएंगी। O;k[;k%& ^^dkjkxkj çcU/k.k ,Iyhds'ku** dk vfHkçk;] ,sls lkW¶Vos;j ;k ,Iyhds'ku ls gksxk] tks bu fu;eksa ds ç;kstu gsrq ljdkj }kjk विकसित किया गया हो।
वस्तुओं का प्राप्त कियाजाना, जब	55- (1) कारागार में बन्दी के प्रवेश पर उस व्यक्ति से प्राप्त या उसके पास पाई गई सभीवस्तुएं, या बाद में मजिस्ट्रेट द्वारा उसके लेखे में भेजी गई, कारागार प्राधिकारियों द्वारा प्राप्त कीtk,axhA

कोई अपवादfd;k tk,A	(2) किसी बन्दी के नामांकित या उसकी ओर से उसके परिवार के सदस्य द्वारा या तोकारागार में ऐसे बन्दी के प्रवेश के समय पर या बाद में दी गई वस्तुएं, अधीक्षक के विवेक से या तोप्राप्त की जा सकती हैं या अस्वीकृत की जा सकती हैै। यदि किसी वस्तु को अधीक्षक द्वारा प्राप्त कीजानी अनुज्ञात की जाती हैै, तो ऐसी वस्तु कारागार में उसके प्रवेश के समय पर बन्दी से ली गई याप्राप्त की गई वस्तु के मामले में विहित रीति में ऐसे बन्दी से सम्बन्धित वस्तुओं की सूची में दर्ज कीtk,xhA
बन्दी की वस्तुओं काçfriknuA	56- cfUn;ks dh oLrqvksa dk fuiVku djus ds fy, fuEufyf[kr micU/k gkasxs] vFkkZr~ %& ¼d½ ,slh oLrq,a] tks v/kh{kd dh jk; esa u'oj fdLe dh gS ;k j[kus ls fod`r gks tkuh lEHkkO; gS ;k bl izdkj j[kus esa [kpZ 'kkfey gksxk ;k ,slh {kfrxzLr ;k xUnh fLFkfr esa gS] tks mls j[ks tkus ds yk;d ugha fn[kkbZ nsrh gS] ,sls cUnh ds ukekafdr ;k ifjokj ds lnL; dks lkSai nh tk,xhA ,slh oLrq,a] ftUgsa cUnh dk ukekafdr ;k ifjokj dk lnL; ysus ls budkj djrk gS] u"V dj nh tk,axhA bl vk'k; dh ,d fVIi.k ,sls cUnh dh oLrqvksa dh lwph esa ntZ fd;k tk,xkA mls उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा सत्यापित किया जाएगा; ¼k½ ;fn dksbZ cUnh dkjkxkj esa izos'k ds le; ij i'pkr~orh le; ij] fdlh laØked ;k Nqrgk chekjh ls ihfM+r gS rFkk ml dkj.k ls] fpfdRlk vf/kdkjh fo'okl djrk gS fd oL= ;k fcLrj dh dksbZ oLrq ;k ,sls cUnh dk mlh izdkj dk lkeku u"V fd;k tkuk pkfg,] rks og mls rnkuqlkj u"V djsxk rFkk bl vk'k; dh ,d fVIi.k ,sls cUnh dh lEifr dh lwph esa ntZ fd;k tk,xkA mls mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ }kjk lR;kfir fd;k tk,xk(

978	HARYANA GOVT. GAZ. (EXTRA.), DEC. 30, 2022 (PAUS. 9, 1944 SAKA)

	¼x½ fdlh cUnh ds tsoj ¼rkSyk gqvk rFkk QksVks½]Vwe&NYyh] izfrHkwfr;ka] /kujkf'k] rFkk vU; ewY;oku lkeku ¼;fn dksbZ gks½] i`Fkd iSdsV esa j[kk tk,xk rFkk cUnh dk jftLVj uEcj] uke] rFkk n.Mkns'k dh frfFk ml ij i`"Bkafdr dh tk,xhA izR;sd ,slk iSdsV dkjkxkj dh udnh frtksjh esa j[kk tk,xk(¼?k½ izR;sd cUnh dks dkjkxj esa mi;ksx ds fy, ,d tksM+ twrs ¼Liat ryok rFkk rleksa ds fcuk½ rFkk Lyhij ;k pIiyksa dk ,d tksM+k j[kus dh vuqefr nh tk ldrh gSA lHkh cfUn;ksa dks ,d da?kh] nks dEcy] ,d pVkbZ] ,d njh 6^x 3^] ,d lkcqunkuh] lkcqu] ,d tksM+k rksfy;k] ,d tksM+k jkf= oL=] nks tksM+s tqjkc] pkj tksM+s vkUrfjd diM+s] rhu tksM+s futh oL=] nks LosVj@tSdsV] ,d tksM+k cSM'khV] ,d VwFkcz'k] isLV] ,d IysV] ,d fxykl] ,d IykfLVd ex rFkk ,d IykfLVd ckYVh vkfn j[kus dh vuqefr nh tk ldrh gS(¼³½ fgUnw] tks tusÅ igurk gS ;fn fdlh dkjkxkj esa ifj:) fd;k tkrk gS] rks og mls j[k ldrk gSA flD[k ,d iryk dM+k ¼yksgs dk dM+k½ rFkk ,d bZap yEck ifo= fpg~u j[k ldrk gS(;fn og dksbZ yEch —ik.k igurk gS] rks mls ,d bZap yEcs ifo= fpg~u ls cnyk tkuk pkfg,A —ik.k /kkfeZd e;kZnk ds vuqlkj dkjkxkj izkf/kdkfj;ksa }kjk bZ;jekdZ LFkku esa fcydqy ifo=rk ls j[kh tkuh pkfg,A flD[kksa dks ixM+h iguus rFkk nk<+h j[kus dh vuqefr nh tk ldrh gS(¼p½ efgyk cfUn;ksa dks y?kq ewY; ds dfri; vkHkw"k.k tSls fd pqM+h ¼IykfLVd½] iSj dh Åaxyh dk NYyk] ukd dk NYyk rFkk eaxy lw= j[kus dh vuqefr nh tk ldrh gS] ftUgsa mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ }kjk bfro`r&fVdV esa ntZ djuk pkfg, rFkk vk+|{kfjr djuk pkfg,A rFkkfi] v/kh{kd

	vius foosd ls iz'kkldh; dkj.kksa ls fdlh fo'ks"k ekeyksa esa vkHkw"k.kksa dks j[kus dh vuqefr nsus ls budkj dj ldrk gSA efgyk cUnh ,slh oLrqvksa dh lqjf{kr vfHkj{kk ds fy, ftEesokj gksaxhA
बण्डलों में सामान कीflykbZ djuk rFkk ysoy yxk;k tkukA	57- (1) नियम 56 के खण्ड (ग) के उपबन्धों में वणर्ित के सिवाए, कारागार में रखे गए किसी बन्दी के प्रत्येक सामान को रखने से पूर्व, पहले पूर्ण रूप से धोया या साफ किया जाएगा तथा बण्डलों में सिला जाएगा। (2) प्रत्येक बण्डल पर बन्दी की संख्या, नाम तथा दण्डादेश की तिथि सहित लेवल लगाया जाएगा तथा दण्डादेश के मास के अनुसार बन्दी की सम्पति के कोष्ठागार में व्यवस्था की जाएगी।
cUnh dh /kujkf'k] वस्तुओं का निपटान।	58- (1) बन्दी की सभी वस्तुओं को कारागार से रिहाई के समय पर उसे सौंप दिया जाएगा। (2) बन्दियों से सम्बन्धित सभी धनराशि की प्राप्ति तथा निपटान, प्रविष्टि की तिथि सहित प्रत्येक बन्दी के वारंट से संलग्न सम्पति के ज्ञापन में उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा अभिलिखित किया tk,xkA (3) v/kh{kd] le;≤ ij] ,d frekgh esa de ls de ,d ckj Lo;a dh lUrqf"V करेगा कि बन्दियों के क्रेडिट में कारागार तिजोरी में रखी गई धनराशि वस्तु रजिस्टर में दर्ज राशि के vuq:i gSA
cUnh ds LFkkukUrj.k पर वस्तुओं का fuiVkuA	59- किसी बन्दी का एक कारागार से दूसरी कारागार में स्थानान्तरण होने पर उसकी सभी धनराशियां तथा अन्य वस्तुएं उस कारागार में भेजी जाएंगी जिसमें वह स्थानान्तरित किया गया है।
कतिपय बन्दियों के लिएदी गई वस्तु का प्राप्तu fd;k tkukA	60- अन्य कारागार में पहले ही स्थानान्तरित बन्दी की ओर से किसी व्यक्ति को दी गई वस्तुओं को स्वीकृत नहीं किया जाएगा किन्तु व्यक्ति, जिसने वस्तुएं दी हैं, यदि वह ऐसा चाहता है, तो उस कारागार को सूचित करेगा जिसमें बन्दी स्थानान्तरित किया गया है।
ukekafdr O;fDr ;k परिवार के सदस्य कोवस्तुं सौपी जा सकतीgSA	61- अधीक्षक, किसी बन्दी के अनुरोध पर या की सहमति से ऐसे बन्दी से सम्बन्धित सम्पूर्णधनराशि या उसका कोई भाग या किसी अन्य वस्तु को किसी समय पर व्यक्ति (बन्दी नहीं), जिसकोऐसा बन्दी विनिर्दिष्ट करे, को हस्तान्तरित कर सकता है, जो अधीक्षक के पास रखी हैंः परन्तु अधीक्षक इतनी अधिक धनराशि रोक तथा रख सकता है, जो वह उसकी रिहाई परcUnh dh ;k=k [kpZ ds fy, vko';d le>sA
पाई गई वर्जित वस्तुओंdk fuiVkuA	62- किसी कारागार में किसी बन्दी के प्रवेश के बाद उसके पास पाई गई कोई प्रतिषिद्ध वस्तुजब्त कर ली जाएगी तथा इस प्रकार जब्त सभी धनराशि तथा इस प्रकार जब्त किसी वस्तु के विक्रयसे प्राप्त सभी धनराशि खजाने में सरकार के पास जमा की जाएगी:

	परन्तु अधीक्षक इस प्रकार जब्त किसी सम्पति को पाने या उसकी खोज करने सेसम्बन्धित किसी व्यक्ति को किसी धनराशि या विक्रय आगमो के डेढ़ से अनधिक कोई राशि देldrk gSA

	fVIi.k%& जब्त की गई तथा जब्त वस्तु के विक्रय आगमों की राष्ि, कारागार विभाग के राजस्व प्राप्ति शीर्ष के अधीन खजाने में भुगतान की जाएगी।
भगोड़े बन्दी की वस्तुओंdk fuiVkuA	63- प्रत्येक भगोड़े बन्दी की धनराशि तथा अन्य वस्तुओं को उस कारागार, जिसमें वह अन्त में परिरूद्ध था, से भागने की तिथि से एक वर्ष के लिए रखा जाएगा। यदि बन्दी इस अवधि के भीतर दोबारा पकडा नहीं जाता है, तो उसकी धनराशि तथा अन्य वस्तुएं (यदि कोई हों) अदावाकृत वस्तुएं होने कारण पुलिस को सौंप दी जाएगी।
e`rd cUnh dh oLrqA	64- (1) मृतक बन्दी की धनराशि तथा अन्य वस्तुओं को यदि बन्दी ने किसी व्यक्ति कोनामांकित किया था या यदि उसे प्राप्त करने के लिए उसको हकदार बनाने वाले वैद्य उत्तराधिकारप्रमाण-पत्र, प्रोवेट या प्रशासन पत्र धारण करने वाले व्यक्ति द्वारा दायर किया गया है, तो ऐसेनामांकित या व्यक्ति को सौंपा जाएगा। (2) नामांकित या परिवार के सदस्य को सौंपी गई वस्तुओं सहित ऐसी वस्तुओं के रिकार्डकी सत्यापित प्रति मुहैया कराई जाएगी। (3) मरणासन्न बन्दी की वस्तुओं के निपटान के सम्बन्ध में उस द्वारा व्यक्त की किसीईच्छा की नामांकित या परिवार के सदस्य, जिसको वस्तु सौंपी जानी है, जानकारी दी जाएगी। (4) यदि कोई बन्दी मर जाता है, तो उसकी मृत्यु की सूचना उसके ज्ञात पते पर उसकेपरिवार तथा सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट को प्रति पृष्ठांकित करने सहित पुलिस थाने के थानाअधिकारी के माध्यम से भेजनी चाहिए। यदि तीन मास के भीतर अधिकथित शर्तों के अधीन वस्तुप्राप्त करने के लिए विधिवत प्राधिकृत कोई व्यक्ति, उसके लिए दावा दायर नहीं करता है, तो ऐसीवस्तुएं अदावाकृत वस्तुएं होने के कारण पुलिस को सौंप दी जाएगी।

okMZ] gokykr ls vyx djuk rFkk fnu rFkk jkr rd dM+s vuq'kklu dk vkns'kA	v/;k; 8 vuq'kklu rFkk fnup;kZ 65- (1) उन व्यक्तियों से भिन्न जिन्हें कोठरी में दिन तथा रात तक किसी समय विधिपूर्वक परिरूद्ध किया जाए, बन्दियों को यथा सम्भव सूर्योदय के बाद यथा शीघ्र उनके सोने के वार्ड, कोठरी तथा अन्य कक्षों से अलग किया जाएगा तथा हाजरी के बाद सूर्यास्त से पूर्व रात्रि के लिए उनके mfpr 'k;u okMZ rFkk gokykr esa j[kk tk,xkA (2) प्रत्येक बन्दी की गिनती की जाएगी तथा अधीक्षक द्वारा निश्चित की जाने वाली आवश्यकता के अनुसार दोपहर के समय में बैरक, वार्ड तथा सैल में बन्द किया जाएगा। बन्दी, जो odZ'kki ;k ckgjh QkeZ esa dk;Z dj jgs gSa]mudh fxurh lEcfU/kr dk;Z LFky ij dh tk,xhA (3) बन्दी दिन तथा रात के दौरान सख्त आदेश, अनुशासन तथा नियन्त्रण में रखे जाएंगे rFkk jgsaxsA
गतिविधि कैसे संचालितdh tkuh gSA	66- (1) बन्दियों की सभी गतिविधियां कड़े नियन्त्रण के अधीन विधिपूर्वक तथा नियमित रीति मेंकी जाएंगी। तालाबन्दी समय के दौरान बन्दी अपनी बैरकों के प्रागंण क्षेत्र में रहेंगे। प्रत्येक यूनिटब्लाक में बन्दी को विश्राम, खेल या अस्पतालों, कैन्टीन, मुलाकात आदि का भ्रमण करने के लिएकेन्द्रीय प्रागंण में आने के लिए पृथक समय दिया जाएगा। (2) अधीक्षक, बन्दियों के दैनिक कार्यकलापों के लिए उनकी गतिविधि जैसे कि न्यायालयपेशी, मुलाकात तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कोई अन्य कार्य/ गतिविधि से अलग बन्दी दूरभाष सुविधा(पी.आई.सी.एस.), कैन्टीन, अस्पताल, शैक्ष्िाक तथा व्यावसायिक कक्षाएं, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिकdk;Z dyki ds ckjs esa foLr`r le;&lkj.kh fu;r djsxkA

	(3) अधीक्षक, केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष के प्रभारी के रूप में किसी अधिकारी, जो मुख्य वार्डरकी पदवी से नीचे का न हो, नियुक्त करेगा, जो उप अधीक्षक (सुरक्षा) के उचित पर्यवेक्षण के अधीनसुनिश्चित करेगा कि नियत समय-सारणी का बन्दियों द्वारा सख्ती से पालन किया जाता है। (4) fdlh vlqfo/kk ;k vuq'kklu dk Hkax ;k ifjorZu ;k vis{kk dh mi&v/kh{kd (सुरक्षा) द्वारा अधीक्षक को तुरन्त रिपोर्ट की जाएगी। (5) egkfuns'kd] le;≤ ij] vius foosd ls jhfr ds lEcU/k esa foLr`r funsZ'k tkjh कर सकता है, जिसमें आदेश, अनुशासन तथा नियन्त्रण इन नियमों के अध्यधीन बनाये रखा जाएगा।
बन्दियों द्वारा विधिपूर्णआदेशों की पालन djukA	67- प्रत्येक बन्दी कारागार के किसी अधिकारी या बन्दी अधिकारी द्वारा उसको जारी किए गए प्रत्येक विधिपूर्ण आदेश का पालन करेगा।
सूर्योदय पर वार्ड खोलना तथा बन्दियोंdh fxurh djukA	68- जब सूर्योदय पर घण्टी या घण्टा बजता है, तो वार्ड के भीतर डयूटी पर बन्दी अधिकारीबन्दियों को जगाएगा तथा बिस्तरों की तह करने का पर्यवेक्षण करेगा। प्रत्येक बन्दी अपनी शयनबर्थया थड़ा पर अपने बिस्तर को दक्ष रूप से व्यवस्थित रखेगा, फिर वार्ड के मध्य पलाथी मार करबैठेगा। उप अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, उप सहायक या मुख्य वार्डर, जैसी भी स्थिति हो, के पहुंचनेपर वार्ड खोला जाएगा, बन्दियों को जोड़ों में बाहर निकाला जाएगा, तलाशी ली जाएगी, गिना जाएगातथा हवालात रजिस्टर में दर्ज प्रविष्टियों से उनकी संख्या की जांच की जाएगी।

fnup;kZ rFkk dk;Z] प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यकलापों के लिए le;&lkj.khA		69- कारागारो का कार्य समय स d- प्रातःकाल कार्यक्रम/	ामान्यतः निम्न अनुसार होगा, अथाO;oLFkk	r~%&	
		dk;Zdyki	xzh"edky 15 अप्रैल से 15 सितम्बर	'khrdky 16 सितम्बर से 14 अप्रैल	
		rkyk cUnh@gkftjh	लगभग प्रातःकाल 5:30	लगभग प्रातःकाल 6:30	
		ब्रैड, बिस्कुट सहित प्रातःकालpk; vkfn	लगभग प्रातःकाल 6:00	लगभग प्रातःकाल 7:00	
		योगा/पीटी/कसरत करना	प्रातःकाल 6:30 से 7:15 बजे	प्रातःकाल 7:30 से 8:15 बजे	
		dk;Z@v/;;u@vLirky ijsM ds fy, lewg cukus gsrq iafDr esa yxuk	प्रातःकाल 8:00 बजे	प्रातःकाल 9:00 बजे	
		dk;Z@O;kolkf;d प्रशिक्षण/ f'k{kk rFkk lk{kjrk d{kk,a	प्रातःकाल 8:15 से 9:45 बजे	प्रातःकाल 9:15 से 10:45cts	

प्रातःकालीन पाखानापरेड के बाद प्रक्रिया।	70- उपरोक्त नियम 68 में यथा वणर्ित प्रातःकालीन दिनचर्या के पूरा होने पर, हल्के नाश्ते के साथ

	चाय, नियम 69 में उपबन्धित अनुसार बन्दियों को दी जाएगी।

बन्दियों की गतिविधियां।	71- जब कभी बन्दी कारागार के एक भाग से दूसरे में जाते हैं, या समूह में बैठते या खड़े होते हैं,जब भोजन या कार्य या जब निरीक्षण के लिए परेड हो, के सिवाए, तो उन्हें जोड़ो में पंक्ति मेंO;ofLFkr fd;k tk,xk rFkk vkns'k ;k ladsr ds 'kCn ij mBsaxs] vkxs pysaxs] :dsaxs ;k cSB tk,axsA परेडों में संकेत के लिए सामान्यतः घण्टी या घण्टा बजाया जाएगा तथा संचलन, कारागार के सभीभागों में साथ-साथ किया जाएगा।
cfUn;kas }kjk lykeh nsukA	72- (1) बन्दियों के लिए उप अधीक्षक या उप अधीक्षक से वरिष्ठ अन्य अधिकारी को अधिकारी, जिसके प्रभार में वे हैं, के आदेश के शब्द पर निम्न अनुसार सलामी देना अपेक्ष्ाित होगा,- (K)प्रयाण करने तक खड़ा होकर "रूकना"; (b) cSBus dh fLFkfr ls mBus ds fy, ^^mBuk**((c)यदि कार्य कर रहा है, तो कार्य रोक कर "आदर-सत्कार" करना। (2) यदि सलामी करना चाहा गया है, तो निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग किया जाएगा,- (K)vkxs pyus ds fy, ^^dwp djuk**((b) cSBus dh fLFkfr viukus ds fy, ^^cSBuk**((c) dk;Z iqu% xzg.k djds ^^dk;Z** djukA
समूहों में व्यवस्था तथाdk;Z ds fy, dwp djukA	73- प्रातःकालीन भोजन समापन पर, बन्दियों को अपने हाथ तथा भोजन करने वाले बर्तनों कोधोने की अनुमति दी जाएगी तथा उसके बाद, रोस्टर के अनुसार समूहों में व्यवस्थित किया जाएगा;प्रत्येक समूह को जिम्मेवार अधिकारी को सौंपा जाएगा तथा अपने कार्य स्थल की और कूच करेंगे।
dk;Z ij vfrfjDr वस्त्रों का प्रबन्ध करना।	74- कार्य पर जाने वाला प्रत्येक बन्दी, अपनी कार्य ड्रैस तथा चाय और पानी के लिए बर्तन लेजाएगा। बाकी की किट तथा बर्तन, बैरकों में प्रयोजन के लिए उपलब्ध तालाबन्द संदूक में रखेtk,axsA fVIi.k%& सम्बन्धित रक्षा कार्मिक यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेवार होगा कि बन्दियों के वस्त्र तथा बिस्तर जब वे प्रयोग में नहीं हों, बन्दियों द्वारा कार्य पर जाने हेतू बैरकों को छोड़ने के बाद, वार्डों में सुव्यवस्थित और लपेट कर रखे जाएंगे।
कार्य शालाओं को बन्दfd;k tkukA	75- प्रत्येक कार्यशाला के द्वार पर फाटक लगा होगा, जो बन्दियों के प्रवेश करने के बाद तालाबन्द किया जाएगा तथा चाबियाँ, समूह के प्रभारी द्वारा रखी जाएगी या, यदि वहां एक समूह से अधिक समूह है, तो चाबियाँ, वरिष्ठ अधिकारी द्वारा रखी जाएंगी, वह जिम्मेवार ठहराया जाएगा कि कोई भी बन्दी उचित अनुमति के बिना कार्यशाला में या से बाहर न जाए।
सभी समयों पर पेशाबतथा शौच करने कीपहुंच होना।	76- प्रत्येक बन्दी की पेशाब तथा शौच करने के लिए सभी समयों पर पहुंच होगी, किन्तु किसीबन्दी द्वारा बार-बार शौचालय का प्रयोग करने बारे रिपोर्ट चिकित्सा अधिकारी को की जाएगी जो किबन्दी को सैल में निगरानी में रखेगा तथा यदि विश्वास का कारण है कि वह अनावश्यक रूप सेशौचघर का भ्रमण करता है, तो अनियमितता की रिपोर्ट की जाएगी। नए सिद्धदोष बन्दियो के मामलेमें, इस मापदण्ड के लागूकरण में कुछ छूट अनुमत की जाएगी। कार्यशाला/ कक्षों और अन्य कार्यक्षेत्रों के निकट पर्याप्त पेशाबखाने तथा शौचालय प्रशाधन मुहैया कराए जाएंगे। उप अधीक्षक(प्रशासन) के पर्यवेक्षण के अधीन सफाई अमले द्वारा उचित साफ-सफाई रखी जानी चाहिए।

भोजन परेड के ब्यौरे।	77- जब भोजन के वितरण के लिए घण्टी बजती है, तो निम्नलिखित घटनाएं अनुक्रम में घटितहोगी,- (K) ष्िकायत करने वाले बन्दी को छोडकर, सभी बन्दी खाने के लिए बैठ जाएंगे; (b) कोई बन्दी, जो खड़ा रहता है, अलग किया जाएगा और जिन्हांेने भोजन के बारे में कोई शिकायत नहीं की है, उनहंे खाने के लिए संकेत दिया जाएगा; (c) मुख्य वार्डर किसी बन्दी के भोजन के सम्बन्ध में उसकी शिकायत के कारण की जांच करेगा। यदि शिकायत भोजन कम मात्रा में वितरण करने की है, तो फिर वह राशन का तोल करवाएगा तथा यदि मात्रा कम पाई जाती है, तो कम पाई गई मात्रा की आपूर्ति करवाएगा और उप अधीक्षक (प्रशासन) को चूक करने वाले लांगरी की रिपोर्ट djsxk(¼?k½ ;fn f'kdk;r ?kfV;k xq.kork rFkk ?kfV;k Hkkstu cukus dh gS] rks eq[; okMZj fpfdRlk vf/kdkjh rFkk mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ ls tkap djus ds fy, Hkkstu dk uewuk j[ksxk tks ;Fkk vko';d f'kdk;r ds ckjs esa ,slh vfrfjDr tkap djsxk rFkk प्रथम अवसर पर अधीक्षक को परिस्थितियों की रिपोर्ट करेगा;

	(e) जब भोजन ग्रहण कर लिया जाता है, तो बन्दी इस प्रयोजन के लिए रखे गए टब में बिना उपभोग किए गए भोजन को डालेगा तथा वे अपने बर्तन, हाथ आदि धोएंगे; ¼p½ ¼N½ izkr% dky esa Hkkstu ijsM ds lekiu ij cUnh ml LFkku ij dwp djsaxs] tgka mudk forj.k dk;Z lewg esa fd;k tkuk gSA bl le; ij mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ lewgksa esa dksbZ Hkh ifjorZu dj ldrk gS] tks vko';d gksa rFkk lewg iqfLrdk esa mls vfHkfyf[kr djsxk ;k vfHkfyf[kr djok,xk(vU; Hkkstu ds forj.k rFkk [kkus esa mlh izfØ;k dk ikyu fd;k tk,xkA ykaxjh] ftUgsa Hkkstu ds forj.k ds fy, fu;ksftr fd;k x;k Fkk] tc Luku dh ijsM izxfr esa Fkh] lqfo/kktud le; ij Luku djsxk(¼t½ ;g fnup;kZ dkjkxkj ds lHkh fgLlksa esa ,d lkFk dh tk,xh vkSj ,d ?k.Vs ds Hkhrj vFkkZr~ lewgksa esa cfUn;ksa ds i`FkDdj.k ds le; ls iwoZ iwjh dh tk,xhA ,slh dkjkxkjksa esa tgka 'kkSp? kjksa] Hkkstu rFkk Luku djus ds fy, IysVQkeZ dk izcU/k vi;kZIr gS] rks ogka v/kh{kd dks fuiVku dh vuqefr ds lk/ku ds :Ik esa ckjhdh ls fgnk;rksa dk ikyu djuk pkfg,A
दोपहर बाद कार्य का iqu% xzg.k] fnu ds fy, dk;Z dh lekfIrA	78- जब प्रातःकाल कार्य घंटी बजती है, तो समूह अपने कार्य स्थलों के लिए कूच करेंगे, अपनेअतिरिक्त वस्त्र तथा बर्तन जमा करेंगे तथा दोपहर बाद की चाय वितरण करने तक कार्य पुनः ग्रहणकरेंगे। बन्दी उन स्थानों पर अपनी दोपहर बाद की चाय लेंगे, जहां वे कार्यरत हैं। सांयकाल में जबकार्य के समापन की घंटी बजती है,तो प्रत्येक बन्दी अपने वस्त्र, बर्तन आदि उठाएंगे तथा समूहगिनती करने तथा सम्बन्धित पुस्तकों से मिलान करने के लिए अपने-अपने वार्ड या नियत स्थान केलिए कूच करेंगे। तब वे प्रातःकाल की भांति भोजन लेने तथा षौचालय परेड करेंगे। खेल तथा क्रीड़ाके लिए या पाचन-शक्ति को सही रखने के लिए पर्याप्त व्यायाम करने के लिए वार्ड के घेरे मेंÅij&uhps Vgyus ds fy, mfpr le; vuqKkr fd;k tk ldrk gSA tc gokykr dh ?kaVh ctrh है, तो बन्दी पंक्ति में खड़े होंगे। उनकी तलाशी ली जाएगी तथा अपने शयन वार्ड के लिए कूचdjsaxs tgka os fxurh djus rFkk gokykr esa cUn djus rd iykFkh ekj dj cSBsaxsA tgka rd lEHko हो, बन्दी जो एक साथ कार्य करते हैं, उसी वार्ड में रहेंगे। कारागार के भीतर कार्यशाला चलाने केलिए, अधीक्षक विशेष आदेश के माध्यम से पहचान किए गए बन्दियों के लिए कार्य की समाप्ति हेतुसमय बढ़ा सकता है। जहां तक सम्भव हो ऐसे बन्दी उसी वार्ड में रहेंगे।

बन्दियों द्वारा अपनी बर्थया कुरसी न छोड़ना।	79- किसी भी बन्दी को डयूटी पर बन्दी अधिकारी की अनुमति पहले प्राप्त किए बिना, किसी भीप्रयोजन के लिए अपनी शयन बर्थ छोड़ने या किसी अन्य बन्दी को बर्थ पर बैठने या लेटने के लिएअनुमत नहीं किया जाएगा। सांयकाल 9:00 बजे के बाद, कोई भी बन्दी शौचघर में जाने के सिवाए,अपना बर्थ स्थान नहीं छोड़ेगा। किसी भी बन्दी को कारागार अधिकारी की अनुमति के बिना एकcSjd ls nwljh cSjd esa tkus ds fy, vuqer ugha fd;k tk,xkA
परेड में बन्दियों कीमनोवृति।	80- v/kh{kd ds lkIrkfgd fujh{k.k ij] cUnh vius vfrfjDr oL=] fcLrj] crZu rFkk इतिवृत-टिकट क्रम में व्यवस्थित करते हुए एकल पंकित में खड़े होंगे। भार कम वाले सभी बन्दी पृथक रूप से खड़े होंगे। अधीक्षक के पहुंचने पर, बन्दी आदेश के शब्द पर खड़े हो जाएंगे।
cUnh }kjk f'kdk;r djus ds fy, viuk स्थान न छोड़ना।	81- कोई भी बन्दी, अधीक्षक या उप अधीक्षक को कोई प्रतिवेदन करने के लिए किसी समय अपनास्थान नहीं छोड़ेगा, किन्तु वह, यदि प्रतिवेदन बहुत जरूरी किस्म का है, जैसे कि आक्रमण करने यादुर्व्यवहार या उसी प्रकार की कोई शिकायत है, तो उप अधीक्षक या अधीक्षक को मामला प्रस्तुत करसकता है, जब ये अधिकारी अपनी गश्त पर हो।
बन्दियों द्वारा अपने वस्त्रlkIrkfgd :i ls धोना।	82- सभी बन्दी अपने वस्त्र नियमित रूप से धोएंगे तथा अच्छी स्वच्छता बनाए रखेंगे। केन्द्रीय /kqykbZ lqfo/kk ;k mfpr /kqykbZ midj.k lqfo/kktud :i ls lqyHk LFkku ij eqgS;k djk, tk,axsA जब कभी आवश्यक हो, अधीक्षक बन्दियांे को कम्बल, ऊनी कोट तथा बिस्तर उबालने तथ धोने के लिए निर्दिष्ट कर सकता है, प्रयोजन के लिए उचित उपकरण मुहैया करवाएगा।
xSj&dk;Z fnol ij बन्दियों की व्यवस्थाdjukA	83- बन्दियों, किसी दिन को जब वे उन्हें श्रम करने से छूट प्राप्त हो, को या तो उनके वार्डों मेंबन्द किया जाएगा या यदि मौसम अनुकूल है, तो प्रागंण में पंक्ति में बैठने तथा प्रातःकाल में एकघण्टे तथा दोपहर बाद एक घण्टे के लिए समूहों में टहलने की कसरत करने के लिए अनुमत कियाजाएगा या उसके बदले में उन्हें खेल तथा योग में भाग लेने के लिए भी अनुमत किया जा सकतागSA
जाति या धर्म कोप्रभावित करने वालेekeysA	84- ¼1½ cfUn;ksa ds /keZ ;k tkfr ds lEcU/k esa fdlh vuqfpr gLr{ksi dh vuqefr ugha nh tk,xhA

	(2) प्रत्येक बन्दी को दोपहर विश्राम तथा जब वे रात को हवालात में हों, के दौरान शान्तिrFkk O;ofLFkr jhfr esa vius /keZ fo'okl dk ikyu djus ds fy, vuqer fd;k tk,xkA (3) अधीक्षक अपने विवेक से किसी धार्मिक या राष्ट्रीय समारोह, जिसे कारागार अवकाशके रूप में घोषित किया गया है, आयोजित करने के लिए बन्दियों को इकट्ठा होने की अनुमति देldrk gSA (4) अस्पताल में भरती या कोई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वाले या विशेष समूह के बन्दियोंसे भिन्न, मुस्लिम बन्दियों, जो रमजान के व्रत रखने की अनुमति दिऐ जाने की इच्छा व्यक्त करते हैं,को ऐसा करने की अनुमति दी जाएगीः परन्तु यदि चिकित्सा अधिकारी विश्वास करता है कि ऐसे बन्दी द्वारा व्रत को जारीरखना उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकर या खतरनाक होने की सम्भावना है, तो वह उसे व्रत समाप्तdjus dk funsZ'k ns ldrk gSA टिप्पणः-बन्दी, जो व्रत रखने के ईच्छुक हंै, को व्रत शुरू करने के लिए प्रातःकाल मेंउचित समय पर प्रातःकालीन भोजन मुहैया कराया जाएगा। उन्हें सांयकालीन आहारलेने तथा व्रत को खोलने के बाद उनके उपभोग के लिए वार्ड, सैल या अन्य कक्ष मेंसम्पूर्ण आहार या उसका कोई भाग रखने की अनुमति दी जाएगी।

	(5) कोई भी धार्मिक संरचना कारागार परिसर में स्थापित नहीं की जाएगी। इस उपबन्धds fdlh mYya?ku dk fuiVku dM+kbZ ls fd;k tk,xkA (6) जब अधीक्षक को जाति या धर्म के आधारों पर किसी बन्दी द्वारा प्रस्तुत किए गएकिसी अभिवचन की वैद्यता के सम्बन्ध में कोई सन्देह हो, तो उसे मामला महानिदेशक के आदेशों केलिए सम्पूर्ण ब्योरों सहित भेजी जाएगी, जिसका निर्णय अन्तिम होगा।
cky dkVukA	85- (1) कठोर या साधारण कारावास से दण्डादेशित प्रत्येक बन्दी और प्रत्येक विचाराधीन बन्दीके बाल कारागार में प्रवेश के समय पर या ऐसे समय पर काटे जाएंगे, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्यकरतथा स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो: ijUrq fopkjk/khu cUnh] ftudh tkap igpku ijsM ds ek/;e ls igpku dh tkuh है, को जांच पहचान परेड संचालित करने तक अपना रूप-रंग बदलने के लिए अनुमत नहीं कियाtk,xk % परन्तु यह और कि,- (K)सिक्ख बन्दियों को लम्बे बाल तथा दाढ़ी रखने के लिए अनुमत किया जाएगा; (b) हिन्दू बन्दियों को "चोटी" या ऊपरी गांठ रखने के लिए अनुमत किया जा ldrk gS(¼x½ ¼?k½ — eqfLye cfUn;ksa dks vYi :i ls drjh xbZ nk<+h j[kus ds fy, vuqer fd;k tk ldrk gS(rFkk efgyk cUnh ds cky mldh lgefr ds fcuk ugha dkVs tk,axsA rFkkfi] ;fn ihM+d tUrq ;k eSy ds dkj.k fpfdRlk vf/kdkjh] LokLF; rFkk LoPNrk ds vk/kkj ij cky dkVus vko';d le>s] rks cky dkVs tk,axs fdUrq vis{kk ls छोटे नहीं। fVIi.k%& lHkh cUnh] ftUgsa yEcs cky ;k nk<+h j[kus dh vuqefr nh xbZ gS] mUgsa lkQ] LoPN :i ls da?kk djus] cka/kus rFkk tw¡ rFkk yh[k bR;kfn ls eqDr j[kus ds fy, जिम्मेवार होंगे। (2) वे बन्दी, जो कारागार में प्रवेश से पूर्व अपने चेहरों की हजामत करने के आदी थे, कोकारागार में हजामत करने की अनुमति दी जा सकती है। केवल सन्निहित ब्लेडों वाले निस्तारणीयप्लास्टिक रेजर को स्वयं-हजामत करने के लिए अनुमत किया जाएगा। (3) कारागार में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्यापन, बाल काटना तथा हजामतकरना शामिल है तथा बन्दी उप भोज्य के खर्च को पूरा करने के लिए बाल काटने या हजामत करनेके लिए महानिदेशक द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाने वाली दर पर प्रकार प्रभारित करसकता है। राशि बन्दी कल्याण निधि में जमा की जाएगी तथा उप भोज्य निधि से खरीदे जाएंगे। अधीक्षक, उपरोक्त राशि का भुगतान करने से किसी बन्दी को छूट दे सकता है, यदि वह भुगतानdjus esa vleFkZ gSA

बाहरी व्यक्तियों काबन्दियों से सम्पर्क नj[kukA	86- कोई भी व्यक्ति, अपने विषेषाधिकार या कर्तव्य के अनुसरण में कार्यरत किसी मुलाकाती जैसे कि मुलाकाती स्टाफ सदस्य या बन्दी, न्यायिक मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी अपने अधिकारिक कर्तव्य के निर्वहन में, प्राधिकृत साक्षात्कारकर्ताओं (मुलाकातियों) तथा विधिक सलाहाकार से भिन्न किसी बन्दी से सम्पर्क या सम्पर्क करने का प्रयास नहीं करेगा।
प्रतिबन्धित किया जाना।	87- कारागारों को ऐसे रूप में डिजाईन किया जा सकता है, जो विभिन्न स्वतन्त्र सुरक्ष्ति क्षेत्रों में इसके परिसरों को विभक्त करे ताकि आन्तरिक संचलन को अलग तथा प्रतिबन्धित किया जा सके।

कठोरता के साधन।	88- जब कभी अधीक्षक, बन्दियों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए उसे (या तो कारागार की स्थिति याबन्दियों के चरित्र के संदर्भ में) आवश्यक समझता है कि उन्हें कठोरता के साधनों का प्रयोग करकेपरिरूद्ध करना चाहिए तो वह जिला एवं सत्र न्यायाधीश की स्वीकृति के अध्यधीन उन्हें इस प्रकारifj:) dj ldrk gS % परन्तु आपातिक मामलों में, किसी बन्दी को अड़तालीस घण्टों से अनधिक अवधि के लिएस्वीकृति की प्रत्याशा में अधीक्षक के आदेशों के अधीन कठोरता के साधनों का प्रयोग करके परिरूद्धfd;k tk ldrk gSA
gFkdM+hA	89- (1) कठोरता के साधनों के रूप में या कारागार अपराधों के लिए दण्ड के रूप में हथकड़ी,जो भार में पांच सौ ग्राम से अधिक न हो या महानिदेशक द्वारा समय-समय पर, स्थाई आदेश द्वाराfu;r fof'kf"V;kas ds vuqlkj yxkbZ tk ldrh gSA (2) हथकड़ी लगाने की प्रत्येक अवधि के बीच कम से कम चैबीस घण्टे के अन्तरालसहित एक समय पर चैबीस घण्टों से अनधिक की अवधि के लिए दिन या रात तक कलाई केअग्रभाग पर लगाई जा सकती है। यदि हथकड़ी हाथों को पीछे करके कलाई पर लगाई गई है, तोहथकड़ी छह घण्टें के बाद हटाई जाएगी तथा दूसरे छह घण्टों के लिए कम से कम छह घण्टे केfojke ds ckn yxkbZ tk ldrh gS % परन्तु यह उन मामलों तक निर्बन्धित होगी, जहां बन्दी, स्वयं, दूसरे बन्दी या स्टाफ सदस्य केविरूद्ध बार-बार हिंसा बल प्रयोग दोहराने का दोषी हो। टिप्पण-1:- किसी बन्दी को हथकड़ी के दण्ड को भोगते समय धूप से पूर्ण रूप से बचाया tk,xkA टिप्पण-2:- हथकड़ी हटाई जा सकती है,जब उसे पहने हुए किसी बन्दी को न्यायालय में पेश fd;k tkuk gSA
csM+hA	<table><tr><td rowspan="6">90-</td><td rowspan="6">¼1½</td><td colspan="2">dkjkxkjksa esa csfM+;ksa dh fuEufyf[kr Jsf.k;ksa dk iz;ksx fd;k tk ldrk gS] vFkkZr~%&</td></tr><tr><td>¼d½</td><td>pSu rFkk V[kuk&NYyksa ls cuh dM+h&csM+hA V[kuk NYyksa lfgr ,slh csM+h</td></tr><tr><td colspan="2">dk dqy Hkkj 1-4 fdyks xzke ls vf/kd ugha gksxk vkSj pSu de ls de nks</td></tr><tr><td colspan="2">QqV yEch gksxh(</td></tr><tr><td>¼k½</td><td>dM+h ds lkFk tqM+h nks 'kykdkvksa dh cuh vkSj V[kuk&NYyksa ls tqM+h</td></tr><tr><td colspan="2">'kykdk&csM+hA V[kuk&NYyksa lfgr ,slh csM+h dk dqy Hkkj 2-3 fdyks xzke</td></tr></table> से अधिक नहीं होगा और प्रत्येक शलाका कम-से-कम 20 ईंच लम्बी होगी; (c)टागों तथा टखना-छल्लों को अलग रखने के लिए एकल शलाका की बनी क्रास-बार बेड़ी, ऐसी बेड़ियों का कुल भार टखना-छल्लों सहित 1.1 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा। शलाका की लम्बाई, पुरूष के मामले में सौलहं ईंच से अधिक नहीं होगी, जिसकी उंचाई पांच फुट छह ईंच है या इस उंचाई से कम के व्यक्ति के मामले, में चोदह ईंच से कम न हो। (2) अधिकतम अवधि जिसके लिए बेड़ियां लगातार लगाई जा सकती हैं; निम्न अनुसार होगी, अर्थात्:- (K)dM+h&csM+h ds ekeys esa rhu ekl((b)'kykdk&csM+h ds ekeys esa rhu ekl(rFkk

	(c)Økl&ckj csM+h ds ekeys esa nl fnuA (3) दूसरे कारागार अपराध, चाहे वह उसी किस्म का हो या नहीं, के लिए किसी दण्ड के रूप में दोबारा लगाने से पूर्व किसी कारागार अपराध के लिए दण्ड के रूप में लगाई गई किसी प्रकार की बेड़ी के बाद, कम से कम दस दिन की अवधि बीत जानी चाहिए। fVIi.k%& csM+h gVkbZ tk,xh] tc mls igus gq, fdlh cUnh dks U;k;ky; esa is'k fd;k tkuk gksA

बन्दी के अधिकार।	v/;k; 9 vijk/k rFkk n.M 91- dkjkxkj esa izR;sd cUnh ds fuEufyf[kr vf/kdkj gksaxs] vFkkZr~%& ¼d½ ekuo xfjek dk vf/kdkj&dkjkxkj esa izR;sd cUnh] tgka rd ;g lehphu rFkk O;ogk;Z gks] xfjek ds lkFk cjrko fd;s tkus dk gdnkj gksxk rFkk Hkkjr ds lafo/kku rFkk rRle; ykxw fdlh vU; fof/k ds micU/kksa ds v/khu iznRr lHkh ekSfyd rFkk vU; vf/kdkjksa dk ,sls fucZU/kuksa ds v/;/khu miHkksx djsxk] tks dkjkxkj ds Hkhrj mlds cUnhdj.k ds lnkpkj ;k vuq'kklu] cpko rFkk lqj{kk ds vuqj{k.k ds c`gr fgr esa vko';d gksA izR;sd cUnh dks 'kkjhfjd vkSj ekSf[kd fgalk] xkyh nsus rFkk mRihM+u] pkgs LVkQ }kjk ;k lkFkh cfUn;ksa }kjk] ls vR;kpkj ls laj{k.k dk vf/kdkj gksxk(¼k½ U;wure ewy vko';drkvksa dk vf/kdkj-&dkjkxkj esa izR;sd cUnh U;wure ewy vko';drkvksa tSls fd i;kZIr vkgkj] LokLF;] fpfdRlk ns[kHkky rFkk mipkj] lkQ rFkk i;kZIr is; ty rd igqap] LoPNrk rFkk O;fDrxr LokLF;] lkQ rFkk i;kZIr oL= rFkk foLrj] i;kZIr dkuwuh mik; rFkk dkuwu dh lE;d izfØ;k] ikfjokfjd lnL;ksa rFkk odhyksa lfgr fu;r dkfyd lk{kkRdkj lkQ rFkk LokLF;dj thou fLFkfr rd igqap] tks izos'k ds le; ij ;k ckn esa v/kh{kd dks lwfpr dh xbZ gksa] ,sls fucZU/kuksa ds v/;/khu tks dkjkxkj ds Hkhrj mlds cUnhdj.k ds lnkpkj ;k vuq'kklu] cpko rFkk lqj{kk ds vuqj{k.k ds c`gr fgr esa vko';d gks] ds fuokZg करने का हकदार होगा।
cUnh ds dÙkZO;A	92- प्रवेश के समय पर, बन्दियो को कारागार के नियमों का पालन करने के लिए निर्देशित किया जाएगा और उन्हें निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करना होगा, अर्थात्:- ¼d½ l{ke dkjkxkj izkf/kdkfj;ksa rFkk O;fDr;ksa] tks viuh ljdkjh M;wVh dks iwjk djus esa mudh lgk;rk djrs gSa] }kjk tkjh lHkh dkuwuh vkns'kksa rFkk fgnk;rksa dk ikyu djuk((b) सभी कारागार नियमों तथा विनियमों का पालन करना तथा इन नियमों तथा विनियमों द्वारा अधिरोपित बाध्यताओं को पूरा करना;

	vius dk;Z LFky ij rFkk dkjkxkj ds fgLls ds Hkhrj] ftlesa ifj:) gSa] vius lewgksa ds lkFk loZFkk jguk rFkk mudks vkcafVr dk;ksZa dks dfeZ"B :i ls rFkk lko/kkuhiwoZd iwjk djuk(
¼x½	fdlh dqpØ ;k "kM+;U= rFkk Hkkxus dk iz;kl ;k Hkkxus ds fy, rS;kjh ;k fdlh cUnh ;k dkjkxkj vf/kdkjh ij geyk djus dh fjiksVZ djuk rFkk mu ij geys ds ekeys esa dkjkxkj vf/kdkfj;ksa dh lgk;rk djuk(
¼?k½	,slh ikjLifjd fØ;k ls ckgj] tks vko';d gks] ckgjh O;fDr;ksa] efgykvksa] flfoy ;k fopkjk/khu cfUn;ksa
¼³½	;k mudh viuh Js.kh ls fofHkUu Js.kh ds cfUn;ksa ;k igjsnkjksa ds lkFk dksbZ lEidZ ugh djuk(
¼p½	dkjkxkj ds Hkhrj tqvk ugha [ksyuk ;k oLrq&fofue; ugha djuk] u gh i'kq] i{kh ;k vU; ikyrw i'kqvksa
¼N½	dks j[kuk(
	dksbZ ,slk [ksy ugha [ksyuk ¼;fn v/kh{kd }kjk lk/kkj.kr% ;k fo'ks"kr% vuqefr ugha nh xbZ gks½ ;k fdlh [ksy ls lEcfU/kr lkexzh ;k oLrq tSls fd fØdsV cSV] gkWdh] M.Mk] okWyhoky] cSMfeUVu tky ;k jSdV vkfn vius ikl ugha j[kuk(cfYd bUgsa

खेल गतिविधि पूरी होने के बाद वार्डर प्रभारी के पास जमा करवाना होगा;

(h) किसी अधिकारी या बन्दी पर प्रहार, हमला नहीं करना या धमकी नहीं देना;

(i) सरकारी सम्पति का तथा कारागार में विक्रेताओं या ठेकेदारों की सम्पति का ध्यान से

प्रयोग करना तथा लापरवाही से या जानबूझकर उसको क्षतिग्रस्त या नष्ट नहीं करना;

(´) गिनती परेड तथा साधारण परेड के दौरान चैकस रहना;

(t) भोजन वितरण प्लेटफार्म या रसोई से आदेश के बिना कोई खाद्य पदार्थ नहीं लेना;

(l) कारागार के किसी हिस्से में उच्ची आवाज में बातें नहीं करना, दूसरों को कष्ट

igq¡pkus ds fy, xhr ugha xkuk ;k >xM+k ugha djuk(

(d) किसी भी प्रयोजन के लिए रात को बन्दी अधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना

अपना विस्तर नहीं छोड़ना या किसी अन्य बन्दी की बर्थ या कुरसी पर नहीं बैठना याugha ysVuk(

¼<½	fdlh fu"ks) oLrq ds fdlh izos'k esa lfEefyr ugha gksuk(
¼.k½	LoPNrk rFkk LokLF;dj rFkk dkjkxkj vuq'kklu ds fofgr ekudksa dks cuk, j[kuk(
¼r½	dksbZ dkjkxkj vijk/k ;k rks y?kq ;k cM+k ugha djuk(
¼Fk½	izR;sd lgoklh] dkjkxkj LVkQ rFkk fdlh vU; dh xfjek rFkk thou ds vf/kdkj

dk vknj djuk(

(The) अन्य बन्दियों की धार्मिक भावनाओं, विश्वास, निष्ठा को आघात पहुँचाने से परहेज djuk(

¼k½	dkjkxkj esa vuqdwy lq/kkjd i;kZoj.k dks lqjf{kr j[kuk rFkk mUur djuk(
¼u½	dksbZ feF;k ;k vfrjaftr f'kdk;rsa djus@vkjksi yxkus ;k dkjkxkj ds Hkhrj fdlh vkUnksyu@fo?
¼i½	kVu dk vk;kstu djus esa ekSu lgefr nsus ls fojr jguk(
fVIi.kh%&	f'kdk;r fuokj.k dh nh xbZ izfØ;k dk iz;ksx djuk rFkk nwljksa dks Hkh izsfjr djuk(dkjkxkj vf/kdkjh dks dksbZ izfrosnu nsus ds fy, viuk dk;Z ugha NksM+ukA

	cfUn;ksa dks lpsr fd;k tk,xk fd fdlh naxk ;k fgalk minzo dh fLFkfr esa] dkjkxkj vf/kdkfj;ksa dks izk.k?kkrd cy lfgr mfpr cy dk iz;ksx djus ds fy, प्राधिकृत किया गया है।
dkjkxkj vijk/kA	93- कारागार अधिनियम, 1894 (1894 का केन्द्रीय अधिनियम 9) की धारा 45 में विनिदिष्ट सभीकृत्य अपराधों का गठन करेंगे, जो किसी बन्दी द्वारा किए गए हों और उन्हें दो प्रवर्गो अर्थात् लघुdkjkxkj vijk/k rFkk cMs dkjkxkj vijk/k esa oxhZd`r fd;k tk,xkA
y?kq dkjkxkj vijk/kA	94- बन्दियों के निम्नलिखित कृत्य लघु कारागार अपराधों का गठन करेंगे, अर्थात्:- (i) कारागार अनुशासन के अनुरक्षण में सहायता करने में असफल होना; (ii) अन्य बन्दियों के दिमाग में अनावश्यक संकट सूचना सृजित करने के लिए परिकलित कोई कृत्य करना; (iii) किसी कारागार अपराध को करने की रिपोर्ट नहीं करना; ¼iv½ ¼v½ ¼vi½ — fdlh fdLe dh ck/kk igq¡puk ;k 'kjkjr djuk(fyf[kr esa ;k ekSf[kd :i ls pksjh&fNis lUns'k Hkstuk(dksbZ Hkkstu] tks mldks ugha fn;k x;k gS] [kkuk ;k vuqHkktu djuk ;k nwljs cfUn;ks ls ysuk ;k dks fn, x, Hkkstu esa feykuk] Hkkstu rFkk is; tkjh djus rFkk forj.k djus ds lEcU/k esa fdlh vkns'k dh voKk djuk((vii) निकम्मा होना, कार्य में लापरवाही, कार्य करने से दुराग्रही रूप से इनकार करना, कामचोर होना, कार्य स्थल पर या बैरकों में अन्य बन्दियों को परेषान करना; (viii) दूसरे बन्दीं को आबंटित कार्य के किसी भाग को पूरा करना या किसी कार्य को करने में दूसरे बन्दी की अप्राधिकृत सहायता प्राप्त करना; (ix) उस द्वारा किए जाने वाले कार्य के किसी भाग को किसी बन्दी के साथ प्रभाजित djuk(¼x½ ¼xi½ — fofufnZ"V ls vU;Fkk {ks=ksa esa Fkwduk] is'kkc djuk] fdlh LFkku ;k oLrq dks eSyk djuk ;k nwf"kr djuk(lkewfgd {ks=ksa tSls fd 'kkSpky; vkfn esa fo'ks"k :i ls LoPNrk dk ikyu djus esa vlQy gksuk((xii) मटरगश्ती करना, आलसी होना, बिना अनुमति के नियत स्थान, वार्ड पंक्ति स्थान या कार्य समूह को छोड़ना; (xiii) अपने वस्त्र, कम्बल, बिस्तर को साफ नही करना या करने से इनकार करना या ऐसी वस्तुओं की व्यवस्था या प्रबन्ध करने के सम्बन्ध में किसी आदेश की अवज्ञा करना। कारागार के बगीचे में वृक्षों तथा सब्जियों को हानि पहुंचाना या कारागार पशुओं पर vR;kpkj djuk((xiv) उसको दिए गए वस्त्रों को पहनने से छोड़ना या इनकार करना या अन्य बन्दियों के वस्त्रों से उसके किसी भाग को बदलना या उसके किसी भाग को गुम करना, फैंक

	nsuk] gkfu igqapkuk ;k Qsj cny djuk((xv) वस्त्र या व्यक्ति की किसी विशिष्ट संख्या, चिह्न या उससे संलग्न बैज को हटाना, विकृत करना या बदल देना या को पहनना; (xvi) विनिर्दिष्ट से भिन्न स्थान या समय पर धूम्रपान करना; (xvii) हवालात या तालाबन्दी के दौरान नियमों के अधीन यथा विहित समय पर और रीति में रिपोर्ट करने में असफल होना।

cM+s dkjkxkj vijk/kA

95-	cfUn;ksa ds fuEufyf[kr —R; cM+s dkjkxkj vijk/k xfBr djsaxs] vFkkZr~%&	
	¼i½	tkucw> dj ;k ykijokgh ds —R; ls fdlh :i esa dkjkxkj dh lqj{kk dks [krjs esa
	Mkyuk rFkk ftlesa dkjkxkj nhokjksa] Hkouksa] 'kykdksa] rkyksa rFkk pkfc;ksa] ySEiksa ;k ykbZVksa ;k fdlh vU; lqj{kk rFkk vfHkj{kk lk/kuksa ds lkFk fdlh :i esa gsj&Qsj djuk Hkh 'kkfey gS(	
	¼ii½	vkRegR;k djus ds iz;kl lfgr fdlh chekjh] pksV ;k v'kdrrk ds dkj.k ls Lo;a
	ds vk'k; ls dksbZ —R; djuk ;k —R; ugha djuk(	

(iii) लोक आदेश या कारागार अनुशासन का उल्लंघन करना;

¼iv½ ¼v½ ¼vi½	dksbZ dkjkxkj vijk/k izR;{k :i ls ;k vizR;{k :i ls djus dh ;kstuk cukuk] rS;kjh djuk] ds fy, mdlkuk ;k voizsfjr djuk(O;ogkj] fu;eksa rFkk fofu;eksa rFkk dkuwuh fgnk;rksa rFkk vkns'kksa ds ekudksa dk ikyu djus ls budkj djuk] ugha djuk(dkjkxkj vf/kdkjh dh lgk;rk djus esa vlQy gksuk] ;fn ,slk djus ds fy, cqyk;k tk, ;k dkjkxkj vf/kdkjh ;k eqykdkrh }kjk iqNs x, fdlh iz'u dk vlR; mÙkj nsrk gS(

(vii) कारागार कर्मचारियों के विरूद्ध मिथ्या, दुर्भावपूर्ण तथा आधारहीन लिखित या मौखिक f'kdk;rsa djuk(

(viii) अन्य बन्दियों के साथ झगड़ा करना, सहवासियों में भय का वातावरण पैदा करना;

(ix) अन्यों पर हमला करना, आक्रमण करना और हानि पहुँचना या कारागार अधिकारियों या अन्यों के विरूद्ध अपराधिक बल का प्रयोग करना;

¼x½ ¼xi½	naxk ;k fonzksg esa Hkkx ysuk ;k ,slk djus ds fy, nwljksa dks voizsfjr djuk(dkjkxkj ;k dkuwuh vfHkj{kk ls Hkkxuk] Hkkxus dh rS;kjh djuk ;k Hkkxus dk iz;kl djuk ;k fdlh vU; cUnh }kjk mijksDr —R; djus ds ckjs esa dkjkxkj deZpkfj;ksa dks fjiksVZ djus esa vlQy gksuk(

(xii) किसी बृहत उद्देश्य से या किसी भवन से किसी वस्तु या सामग्री हटानें के लिएकब्जा करना, जिसे इस तरह बदल दिया गया है कि इसे कारागार सम्पति कोक्षतिग्रस्त करने या कारागार से भागने में अपराध के हथियार के रूप में या सहायताके रूप में प्रयोग किया जा सकता है;

(xiii) कोई निषेद्ध वस्तु रखना, छिपाना, हस्तान्तरित करना, तस्करी करना, तस्करी का प्रयास करना, प्राप्त करना, देना, स्वीकार करना या अदला-बदली करना;

(xiv) किन्हीं निषेद्ध वस्तुओं के बारे में कारागार कर्मचारियों को रिपोर्ट करने में असफल jguk(

(xv) किसी सरकारी सम्पत्ति या दूसरे बन्दियों की सम्पति को चुराना, हानि पहुंचाना, नष्ट करना, विरूपित करना या दुरूपयोग करना;

(xvi) कारागार सम्पति या औजारों की किसी हानि, टूट-फूट या क्षति की तुरन्त रिपोर्टकरने में असफल रहना जो बन्दी अकस्मात गलती कारागार की सम्पति या औजारोको हुई है;

(xvii) कारागार के पहचान पत्रों, अभिलेखों या दस्तावेजों में हेर-फेर करना या विकृत करना;

	(xviii) पैरोल/फरलो या आपातिक स्थिति में रिहाई की शर्तों का भंग करना; (xix) खाना खाने से इनकार करना, भूखहड़ताल करना या करने की धमकी देना या ऐसा करने के लिए दूसरो को अवप्रेरित करना; (xx) प्राधिकार के बिना जानबूझकर या लापरवाही से भोजन को नष्ट करना या बिगाड़ना ;k mls nwj QSaduk(

	(xxi) भोजन या पेय प्रदार्थ में कोई चीज कुछ भी डालना, जो मानव उपभोग के लिए अस्वादिष्ट, हानिकर, या खतरनाक होना सम्भाव्य है; (xxii) भोजन के पैमाना में हेर-फेर करना; (xxiii) अप्राधिकृत भोजन बनाना; (xxiv) कैन्टीन को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए बनाए गए नियमों तथा विनियमों का उल्लंघन करना या कैन्टीन वस्तुओं की अदला-बदली करना; (xxv) कारागार अधिकारी की जानकारी या अनुमत्त्ि के बिना किसी वस्तु का निर्माण करना या निर्माण करने के दौरान मिलावट करना; (xxvi) कार्य के लिए जारी सामग्री में विजातीय देशी पदार्थ का मिश्रण करना या मिलाना; (xxvii) श्रम करने से अपने आपको जानबूझकर अशक्त करना; (xxviii) किसी बन्दी का किसी भिन्न धर्म, आस्था में धर्म परिवर्तन करवाना या धर्म परिवर्तन djokus dk ç;kl djuk((xxix) दूसरे की धार्मिक भावना, विश्वास तथा आस्था को जानबूझ कर आघात पहुँचाना; (xxx) जाति या धार्मिक पूर्वग्रह आधारित उतेजित करना या कार्य करना; (xxxi) किसी बाहरी व्यक्ति, विचाराधीन बन्दी, कैदी, सिविल बन्दी तथा इकबाली साक्षी के साथ अनुमति के बिना लिखित में या शब्द द्वारा या संकेत द्वारा कोई सम्पर्क रखना; (xxxii) अप्राधिकृत कार्यकलाप जैसे कि जुआ खेलने तथा बाजी लगाने में भाग लेना या आयोजित करना; (xxxiii) असम्मानजनक होते हए, अभद्र या अष्लील हरकतें या इषारे करते हुए अषोभनीय, गाली-गलौच, बदतमीजी करना, धमकी देना,अनुचित भाषा का प्रयोग करना; (xxxiv) भागने के प्रयास या हिंसा, हमला करने, दंगा, विद्रोह, आक्रमण, घोर व्यक्तिगत हिंसाया कोई अन्य आकस्मिक संकट को नियन्त्रित के मामले में कारागार कर्मचारियों कीसहायता करने में असफल रहना या दूसरे व्यक्ति को सहायता करने से रोकना; (xxxv) किसी अग्नि, कुचक्र या षडयन्त्र, किसी के भागने, भागने का प्रयास या तैयारी करनेतथा किसी कारागार अधिकारी या बन्दियो पर कोई आक्रमण, या आक्रमण की तैयारीकरने की घटना उसकी जानकारी में आते ही यथा शीघ्र रिपोर्ट नही करना या करनेls budkj djuk((xxxvi) किसी अप्राधिकृत वित्तीय संव्यवहार में आशक्त होना या सहायता करना, चाहे कारागार के परिसरों के भीतर या बाहर हो; (xxxvii) कारागार सहवासी संचार प्रणाली का दुरूपयोग करना; (xxxviii) एक वर्ष के भीतर तीन या तीन से अधिक बार लघु अपराध करना; (xxxix) दो या दो से अधिक लघु अपराधों का संयोजन जब उसी संव्यवहार के भाग के रूप में किया गया हो।

कारागार अपराधो केलिए दण्डों का oxhZdj.kA	96- कोई कारागार अपराध करने के लिए बन्दियों को अधीक्षक द्वारा निम्नलिखित दण्ड (दण्डों) दिए जाएंगे तथा लघु तथा बड़े प्रवर्गों में वर्गीकृत किये जाएंगे, अर्थात्:- (i) लघु कारागार अपराधो के लिए दण्ड लघु अपराधो की दषा में अधीक्षक द्वारा fuEufyf[kr n.M+ fn, tk,axs] vFkkZr~%& (K)औपचारिक चेतावनी; व्याख्या:- औपचारिक चेतावनी से अभिप्राय है, अधीक्षक द्वारा किसी बन्दी को व्यक्तिगत रूप में सम्बोधित तथा बन्दी की इतिवृत-टिकट तथा दण्ड रजिस्टर esa vfHkfyf[kr psrkouh((b) पांच दिन से अनधिक अर्जित माफी की जब्ती; (c)fdlh dyS.Mj ekl esa ,d ckj rhu fnu rd dh etnwjh ls dekbZ dh tCrh(¼?k½ fpfdRlk vf/kdkjh }kjk lR;kfir dh xbZ cUnh dh 'kkjhfjd mi;qDrrk ds v/;/khu iUnzg fnu rd ,d fnu esa ,d ?k.Vs ls vuf/kd vof/k ds fy, fMªy@dk;Z dk n.M(¼³½ rhu ekl rd dh vof/k ds fy, cUnh dks fn, x, fo'ks"kkf/kdkjksa dh tCrh(¼p½ Je dh fdLe dks fdlh Hkkjh ;k dBksj iUnzg fnu ds fy, fdLe dh Je

esa cnyuk(

(six) तीस दिन से अनधिक ऐसी अवधि, जो आवश्यक समझी जाए, के लिए आवास को दूसरी बैरक, सैल या किसी अन्य कारागार आवास में बदलना;

	nl fnu rd dh vof/k ds fy, i`Fkd ifjjks/k(
¼t½	pkSng fnu rd dh vof/k ds fy, dkjkxkj esa lkeqnkf;d lsokvksa tSlsa ty lsokvksa ;k vLirky lsokvksa ;k
¼>½	jlksbZ lsokvksa ;k lkewfgd {ks= dh LoPNrk ds vuqj{k.k esa yxkuk(rFkk
¼'½	cUnh vf/kdkjh dh Js.kh dh tCrh ;k ls fuEu Js.kh esa inP;wfr djuk ;k rhu ekl ls vuf/kd fo'ks"k vof/k ds fy, cUnh vf/kdkjh ls lkekU; Js.kh

esa ifjorZuA

¼ii½	cMs dkjkxkj+ vijk/kks ds fy, n.M+ fuEufyf[kr n.M] cM+s n.M gksaxs tks cM+s vijk/kksa ds n'kk esa v/kh{kd }kjk fn, tk ldrs gSa] vFkkZr~ %&	
	¼d½	flfoy cfUn;ksa rFkk lk/kkj.k dkjkokl ls n.Mknsf'kr cfUn;ksa ds ekeys es]
	lkr fnu ls vuf/kd rFkk fopkjk/khu cfUn;ksa ds ekeys esa pkSng fnu ls	

अनधिक अवधि के लिए अनिवार्य श्रम;

¼[k½ ¼x½ ¼? k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ ¼t½ ¼>½	ikap fnu ls vuf/kd vftZr ekQh dh tCrh(rhu fnu ls vf/kd rFkk ,d ekl esa lkr fnu rd dh etnwjh ls dekbZ dh tCrh(rhu ekl ls vf/kd rFkk Ng ekl ls vuf/kd vof/k ds fy, fo'ks"kkf/kdkjksa dh tCrh(nl fnu ls vf/kd rFkk lkB fnu ls vuf/kd vof/k ds fy, i`Fkd ifjjks/k(rhl fnu rd dh vof/k ds fy, lsyqyj ifjjks/k(,d o"kZ ds fy, vLFkkbZ fjgkbZ ls viotZu(,d o"kZ rd dh vof/k ds fy, ekQh iz.kkyh ls viotZu(vf/kdre ,d ekl ds v/;/khu] pkSgn fnu ls vf/kd vof/k ds fy, dkjkxkj esa lkeqnkf;d lsokvksa tSls fd ty lsokvksa ;k vLirky lsokvksa ;k

रसोई सेवाओं या सामूहिक क्षेत्र की स्वच्छता के रखरखाव में लगाना;

¼'½ ¼V½	,d ekl ls vuf/kd fdlh vof/k ds fy, bu fu;eksa esa ;Fkk micfU/kr ,slh i)fr rFkk ,slh jhfr esa gFkdM+h yxkuk(cUnh vf/kdkjh dh Js.kh dh tCrh djuk ;k ls fuEu Js.kh esa inP;wfr djuk ;k ,d o"kZ rd dh vof/k ds fy, cUnh vf/kdkjh ls lkekU; Js.kh esa

ifjorZu(

(l) पन्द्रह दिन से अनधिक किसी अवधि के लिए इन नियमों में यथा उपबन्धित ,slh i)fr rFkk ,slh jhfr esa ^^csM+h** Mkyuk(

¼M½ ¼<½ ¼.k½	vU; dkjkxkj esa LFkkukUrj.k djuk(iwoZorhZ fu;eksa ds v/khu vuqKs; nks y?kq n.Mksa dk dksbZ la;kstu(rFkk dkjkxkj dk;Z'kkyk esa mRiknu dks tkucw> dj fo?kfVr djus ds fy, olwyh djuk] tks fdlh dkjkxkj lEifr dh vkfFkZd gkfu ;k {kfr djus ;k esa gsj&Qsj djus ds dkj.k gqbZ gSA ,slh olwyh] cUnh }kjk dekbZ xbZ etnwjh ls dh tk,xhA dekbZ xbZ etnwjh ds vHkko esa cUnh dh dkjkxkj dSUVhu [kkrs esa tek jkf'k ls dekbZ xbZ etnwjh rFkk nksuksa ds vHkko esa] jkf'k U;kf;d izfØ;k ds ek/;e ls cUnh dh lEifÙk ls olwy dh tk,xh(

(iii) उपरोक्त दण्ड के अतिरिक्त सक्ष्म न्यायालय के आदेष के बिना कैदी को कोई अन्य ltk ugha nh tk,xhA

n.M ds fy, çfØ;kA	97- अधीक्षक द्वारा बन्दियो, जो कारागार अपराध करते हैं, को दण्ड देते हुये निम्नलिखित प्रक्रियाdk vuqlj.k fd;k tk,xk; vFkkZr~ %& (K) अधीक्षक किसी संज्ञेय अपराध, जिसमें कोई मामला पंजीकृत किया गया है, के लिए किसी बन्दी को दण्ड नहीं देगा। तथापि, कारागार में शांति, प्रषांति तथा कानून O;oLFkk cuk, j[kus ds fy, v/kh{kd }kjk fuokjd dkjZokbZ dh tk ldrh gSA ;fn

	आवष्यक हो, अधीक्षक इस संबंध में जिला मजिस्ट्रैट तथा पुलिस अधीक्षक से सहायताys ldrk gSA fVIi.k%& अधीक्षक द्वारा यह सुनिष्िचत करने के लिए, कि किसी मामले में कोई दोहरा खतरा न हो, ध्यान रखना चाहिए।

¼[k½	cUnh] ftlus dksbZ cM+k dkjkxkj vijk/k fd;k gS rFkk ml vijk/k ds fy, nf.Md ekeyk iath—r ugha fd;k x;k gS] rc mi v/kh{kd ¼ç'kklu½ }kjk mls bfro`r fVdV] xokgksa rFkk vU; lqlaxr vfHkys[kksa] ftlesa fd;k x;k vijk/k vfHkfyf[kr

gS] lfgr v/kh{kd ds le{k çLrqr fd;k tk,xk(

(c) ऐसे बडे कारागार अपराध की अंतर्वस्तु संबंधित बन्दी के सामने पढ़ी जाएगी तथा ऐसी सूचना की प्रविष्टि की एक प्रति बन्दी को निःषुल्क दी जाएगी;

¼? k½ ¼³½ ¼p½	lacaf/kr vipkjh cUnh dh mifLFkfr esa] v/kh{kd xokgksa ds C;ku vfHkfyf[kr djsxk rFkk cUnh }kjk fd, x, cMs dkjkxkj vijk/k ds fy, dksbZ n.M çLrkfor djus ls iwoZ xokgksa ds C;kuks dh ,d çfr mls nsxk(v/kh{kd }kjk bl çdkj çLrkfor n.M+ lHkh lqlaxr vfHkys[kks lfgr pkSchl ?k.Vsa ds Hkhrj] çLrkfor n.M ds U;kf;d eqY;kdau ds fy, lacaf/kr ftyk ,oa l= U;k;k/kh'k dks vxszf"kr fd;k tk,xk(ftyk ,oa l= U;k;k/kh'k] cUnh dks O;fDrxr :i ls lqu ldrk gS rFkk lE;d~

विचारण के बाद प्रस्तावित दण्ड़ का अनुमोदन/अस्वीकृत कर सकता है;

(six) प्रस्तावित दण्ड़, केवल संबंधित जिला एवं सत्र न्यायाधीष द्वारा न्यायिक मूल्यांकन की प्राप्ति के बाद लागू होगा।

fVIi.k%&	y/kq rFkk cgqr xkS.k ekeyksa ds fy,] tgk¡ n.M+ tSls psrkouh bR;kfn nh tkrh gS] rks v/kh{kd }kjk psrkouh nh tk,xh vkSj mlls mijksDr çfØ;k dk vuqlj.k djus dh dksbZ vko';drk ugha gSA

चिकित्सा अधिकारी द्वारा'kkjhfjd Lo:i ds n.M ds fy, cUnh dh उपयुक्तता प्रमाण्ित djukA	98- (1) शारीरिक स्वरूप का कोई भी बड़ा दण्ड बन्दी, जिसको ऐसा दण्ड दिया गया है, को चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांचने तक कार्यान्वित नहीं किया जाएगा जिसे, यदि वह दण्ड को भुगतने के लिए बन्दी को योग्य समझता है, तो इतिवृत-टिकट में उसे प्रमाण्ित करेगा। (2) यदि वह बन्दी को दण्ड को भुगतने के लिए अयोग्य समझता है, तो वह उसी रीति में लिखित में अपनी राय अभिलिखित करेगा तथा विशेष रूप से बताएगा कि क्या बन्दी दिए गए किसी प्रकार के दण्ड के लिए अयोग्य है या वह उसमें कोई परिवर्तन करना आवश्यक समझता है।
शास्तियों का प्रकाशन।	99- अधीक्षक, कारागार अपराधों की कोटि के प्रतिषिद्ध कृत्यों तथा उपरोक्त कृत्य करने के लिएउपगत शास्तियों को बताते हुए हिन्दी तथा अंग्रेजी में नोटिस कारागार के भीतर किसी सहज दृश्यLFkku esa fpidk;k tk,xkA
çfrf"k) oLrq,aA	100. निम्नलिखित वस्तुएं तब तक प्रतिषिद्ध वस्तुओं के रूप में समझी जाएंगी जब तक उसेअधीक्षक या इस निमित्त उस द्वारा सशक्त कोई अन्य अधिकारी की अनुमति से कारागार में प्रस्तुतया हटाई नहीं जाएं किसी बन्दी द्वारा या प्राप्त अधिकृत या अन्तरित नहीं की जाएं,-

¼d½ ¼[k½ ¼x½ ¼? k½	fdlh fdLe dh eknd ;k eknd 'kjkc(vizkf/kd`r rEckdw rFkk mlds mRikn(dksbZ eknd inkFkZ] Lokid vkS"kf/k] lkbZdksV[a]ksfid inkFkZ ;k fof/k }kjk izfrcfU/kr dksbZ vU; oLrq(Toyu'khy ;k fo"kkDr lkexzh] tks ekuo 'kjhj ;k lEifr dks gkfu igqapk ldrh gS(cgqewY;

¼3½ ¼p½	/kkrq] /kkrq] ewY;oku izfrHkwfr;ka] tsojkr ;k vkHkw"k.k ;k dksbZ udnh ;k eqnzk(lHkh 'kL= rFkk gfFk;kj rFkk fdlh Hkh çdkj dh oLrq,a] tks gfFk;kj ds :Ik esa

bLrseky dh tk ldrh gS;

¼N½ ¼t½ ¼>½	dkjkxkjksa esa dk;Z djus gsrq mi;ksx esa ykus ds fy, tkjh dh xbZ oLrqvksa dks NksM+dj] pkdw] 'kL=] jLlh] Mksjh] ckal] lh<+h rFkk ?kM+h] dksbZ vU; oLrq] tks fdlh Hkh çdkj ls Hkkxus esa vey esa ykbZ tk ldrh gS(dksbZ vU; oLrq] tks dkjkxkj Hk.Mkj rFkk vkiwfrZ ls cUnh ds iz;ksx ds fy, tkjh ugha dh xbZ gS(dksbZ lapkj lk/ku] tSls eksckbZy Qksu] fle&dkMZ] pktZj] bZ;jQksu ;k blds ?kVd]

	जिसे कोई अन्य अप्राधिकृत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण भी शामिल है; (´) सभी विस्फोटक, विषाक्त, मादक या उपशामक पदार्थ, चाहे किसी भी किस्म की जड़ी बूंटी, पाऊडर के रूप में हैं या किसी अन्य भौतिक या रसायन के रूप में हैै; (t) कोई ऐसी दवाई, जो चिकित्सा अधिकारी द्वारा विहित या अनुमोदित नहीं की गई है; (l) महानिदेशक के आदेश द्वारा, समय-समय पर, प्रतिषिद्ध घोषित कोई अन्य वस्तु; तथा (d) कोई अन्य वस्तु (वस्तुएं), जिनका उपयोग अधीक्षक द्वारा लिखित में अनुमत नहीं किया गया है, प्रतिषिद्ध वस्तु के रूप में समझी जाएगी।
n.M vfHkfyf[kr fd;k tkukA	101. कारागार नियमों का प्रत्येक उल्लंघन, अधीक्षक के ध्यान में लाया जाएगा जो निश्चित करेगाकि क्या प्रतिवेदित उल्लंघन कोई अपराध गठित करता है। यदि अधीक्षक विश्वास करता है कि नियमका उल्लंघन अनभिज्ञता या क्षम्य लापरवाही के द्वारा किया गया है, तो वह बन्दी को चेतावनी देगाऔर दण्ड रजिस्टर में उसे अभिलिखित किए बिना आरोप खारिज कर देगा। किन्तु यदि सम्बन्धितबन्दी को उस पर लगाए गए आरोप के तथ्य सूचित करने तथा उसके अपना बचाव करने के लिएउसे अनुमति देने के बाद, अधीक्षक उसे अपराध मानता है, तो वह उचित दण्ड देगा तथा उसे बन्दीकी इतिवृत-टिकट या दण्ड रजिस्टर में अभिलिखित करेगा। बन्दियों के लिए दण्ड रजिस्टर मेंबन्दियों द्वारा किए गए कारागार अपराधों के ब्योरे होंगे। ऐसे अभिलेख को समेकित कारागार प्रबन्धनप्रणाली में डिजीटल रूप में भी अनुरक्ष्िात रखा जाएगा। दण्ड का आदेश सम्बन्धित बन्दी को भीlwfpr fd;k tk,xkA
dkjkxkj n.M ds समापन की डायरीvuqjf{kr djukA	102. किसी दण्ड के लिए आदेश के दिन, जो विनिर्दिष्ट अवधि के लिए जारी रहेगा, ऐसे दण्ड कीअवधि की समाप्ति की तिथि को कार्यान्वित किया गया है, से संगण्ि।त किया जाएगा तथा बन्दी कानाम तथा दण्ड के ब्योरे ऐसी तिथि, जिसको यह समाप्त किया गया है, इस डायरी में दर्ज कियाजाएगा। उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा डायरी की हर रोज जांच की जाएगी तथा प्रत्येक दण्ड कीlekfIr ds fy, vkns'k cUnh dh bfro`r&fVdV esa fn, tk,axsA
v/kh{kd }kjk foLr`r रिपोर्ट प्रस्तुत करना।	103. अधीक्षक, प्रत्येक तिमाही को महानिदेशक को दिए गए दण्डों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
fxj¶rkj djus dh 'kfDrA	104. जब कोई व्यक्ति, कारागार के किसी अधिकारी की उपस्थिति में, कारागार की सीमाओं सेबाहर किसी प्रतिषिद्ध वस्तु को किसी कारागार में या से, प्रवेष कराता या निकालता या चाहे जो भीकिसी तरीके से प्रवेष करने या निकालने का प्रयास करता है या किसी बन्दी को आपूर्ति करता है याआपूर्ति करने का प्रयास करता है, तथा ऐसे अधिकारी के

	पूछने पर अपना नाम तथा निवास बताने सेइन्कार करता है या कोई नाम या निवास देता है जिसे ऐसा अधिकारी जानता है या के झूठा होने केविष्वास करने का कारण रखता है, ऐसे अधिकारी उसे गिरफ्तार कर सकता है तथा अनावाष्यकविलम्ब के बिना उसे पुलिस अधिकारी को सौंप सकता है तथा उसके बाद ऐसा पुलिस अधिकारी ऐसेकार्यवाही करेगाा मानो अपराध उसकी उपस्थिति में किया गया हो।
f'kdk;r fuokj.k प्रणाली।	105. (1) प्रत्येक कारागार में एक सक्रिय शिकायत निवारण प्रणाली (जी.आर.एस.) होगी, जो प्रत्येक बन्दी को उसकी शिकायतों को व्यक्त करने के लिए न्यायसंगत तथा पर्याप्त अवसर मुहैया djok,xhA (2) बन्दियों की आसान पहुँच में प्रत्येक कारागार के केन्द्र में अवस्थित तथा सुविधाजनक स्थानों में स्थापित एक या से अधिक शिकायत बाक्स होंगे। ऐसे शिकायत बाक्स महिला वार्ड में भी आसान पहुँच योग्य स्थान पर स्थापित किए जाएंगे। (3) बन्दी ऐसे बक्सों में अधीक्षक या उच्चतर प्राधिकारियों को सम्बोधित करते हुए लिखित याचिकाओं के रूप में अपनी शिकायतें डाल सकते हैं। (4) बक्सों को ताला लगाया जाएगा और चाबियां उप अधीक्षक (प्रशासन) की अभिरक्षा में रहेंगी, जो अधीक्षक द्वारा नियत तथा स्वीकृत दिन को सप्ताह में कम से कम दो बार शिकायत बक्सों को खोलेगा।शिकायत बक्से कारागार की सांय काल तालाबन्दी से पूर्व नियत समय पर खोले जाएंगे। (5) अधीक्षक स्वयं, सभी उप अधीक्षकों, चिकित्सा अधिकारी तथा एक वरिष्ठतम महिला अधिकारी (यदि कारागर में महिला वार्ड है) को मिलाकर शिकायत निवारण प्रणाली की एक समिति cuk,xkA (6) समिति जब कभी आवश्यक हो, बैठक करेगी किन्तु बन्दियों की शिकायतों की जांच-पड़ताल करने के लिए सप्ताह में कम से कम दो बार बैठक करेगी। (7) अधीक्षक, समिति की अध्यक्षता करेगा, जो शीघ्रता से सभी शिकायतों कीं जांच करेगी। जांच का परिणाम, बन्दी को सूचित किया जाएगा तथा यदि वह जांच से सन्तुष्ट नहीं है, तो वह

	अपनी शिकायत के निवारण के लिए महानिदेशक को सिफारिष कर सकता हैः (8) lfefr dk fu.kZ; rqjUr ykxw fd;k tk,xkA (9) उच्च प्राधिकारियों को सम्बोधित शिकायतें, बिना विलम्ब के अधीक्षक की टिप्पणीसहित पाने वाले को भेजी जाएंगी। (10) सरकार, न्यायाधिकारी, महानिदेशक या अन्य उच्च पदाधिकारियों को बन्दियों द्वारासम्बोधित पत्र तुरन्त उन्हें भेजे जाने चाहिए तथा उसकी दिनांकित पावती बन्दी को दी जानी चाहिए।

माफी प्रणाली।	v/;k; 10 ekQh rFkk iqjLdkj माफी प्रणाली 106. (1) माफी एक रियायत है, जो राष्ट्रपति या राज्यपाल या समुचित सरकार या महानिदेशक याअधीक्षक द्वारा किसी बन्दी को दी जा सकती है। माफी केवल वापसी/वंचित/प्रतिसंहरण के अध्यधीन हैऔर यह अधिकार नहीं है तथा इस प्रकार दावाकृत नहीं की जा सकती। समुचित सरकार के पास माफीकी रियायत से किसी बन्दी या बन्दियों के प्रवर्ग को वंचित

	करने/वापस लेने का अधिकार आरक्ष्ति है।पहले प्रदान की गई माफी से इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार वंचित किए जाने के लिए भी दायीwill be. (2) माफी, कारागार में बन्दी के रहने के दौरान सदाचार तथा कार्य, अभिरक्षा के दौरान कार्यकरने में तत्परता, कारागार प्रबन्धन में कारागार प्रशासन में सहयोग, सहायता तथा मदद करने, तथाविभिन्न संस्थागत कार्यकलापों में साधारण अनुक्रिया के लिए प्रोत्साहन के रूप में आशयित है।
ekQh lfefrA	107. प्रत्येक कारागार में निम्नलिखित से मिलकर बनने वाली माफी समिति होगी,- (K) v/kh{kd&v/;{k; (b) उप अधीक्षक (प्रशासन)-सदस्य-सचिव; (c) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण)-सदस्य; fVIi.k%& जहां उप अधीक्षक की पदवी का केवल एक अधिकारी तैनात है, तो वहां अधीक्षक, सदस्यों के रूप में एक या से अधिक सहायक अधीक्षकों को सहयोजित कर सकता है।
कार्य और बैठक।	108. (1) माफी समिति के कृत्य निम्न अनुसार होंगे, अर्थात्:- (K) माफी के सभी मामलों पर ध्यान देना; (b) इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार विशेष माफी देने के लिए बन्दियों के मामलों की flQkfj'k djukA (2) समिति के सदस्य माफी देने के सभी मामलों में, अधीक्षक की सहायता करेंगे। अधीक्षक के निर्णय को अन्तिम समझा जाएगा। (3) माफी समिति, प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में या जब कभी आवष्यक हो, बैठक करेगी।
ekQh dh fdLeA	109. माफी निम्नलिखित प्रकार की होगी,- (K)lk/kkj.k ekQh((b)okf"kZd lnkpkj ekQh((c)विशेष माफी; (d)ljdkjh ekQhA
Lkk/kkj.k ekQhA	110. अधीक्षक या इस निमित्त उस द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, जो उप अधीक्षक की पदवी से नीचे का नहो, साधारण माफी प्रदान कर सकता है।
lk/kkj.k ekQh ds fy, ik=rkA	111. निम्नलिखित बन्दी साधारण माफी अर्जित करने के लिए पात्र होंगे, अर्थात्:-

¼d½ ¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½	cUnh] ftldk eq[; n.Mkns'k rhu ekl ;k ls vf/kd dk ¼fdlh Hkh ço`fr dk½ gS(mijksDr [k.M ¼d½ esa ;Fkk of.kZr 'krksZ dks iwjk djus okys cfUn;ksa fdUrq tks muds fu;U=.k ls ckgj dkjdksa ds dkj.k laLFkkxr dk;Zdykiksa esa Hkkx ysus esa vleFkZ gSa] tSls fd U;k;ky; esa mifLFkfr ;k ,d dkjkxkj ls nwljh dkjkxkj esa ikjxeu ;k ekufld vLirky lfgr vLirky esa vUrjax jksxh ds :i esa HkrhZ] dks lEcfU/kr vof/k ds nkSjku muds lnkpkj ds v/;/khu] iwoZekl ds nkSjku mu }kjk vftZr Ldsy ij lk/kkj.k ekQh nh tk ldrh gS(cUnh] tks mijksDr [k.M ¼d½ esa ;Fkk of.kZr 'krasZ iwjk djrs gSa fdUrq vUrjax jksxh ds :i esa vLirky esa HkrhZ gSaA vius LokLF; ykHk dh vof/k ds nkSjku lk/kkj.k ekQh muds ln~Hkko ds ckjs esa fpfdRlk vf/kdkjh }kjk izek.khdj.k ds v/;/khu nh tk ldrh gS(mijksDr [k.M ¼d½ esa ;Fkk of.kZr 'krsZa iwjh djus okys cfUn;ksa rFkk fpfdRlk vf/kdkjh }kjk dk;Z djus esa vleFkZ izekf.kr fd, x, gSa(n.M vof/k dks /;ku esa j[ks fcuk lQkbZ dk;Z esa dk;Zjr cUnh(rhu ekl ;k ls vf/kd ds lk/kkj.k dkjkokl ds fy, n.Mknsf'kr cUnh vkSj tks LosPNk ls dk;Z djrs gSa ;k de&ls&de ,d ekl ds fy, yxkrkj dk;Zjr gaS] dks mu }kjk fd, x, dk;Z ds vuqlkj ekQh nh tk ldrh gS(;fn dksbZ cUnh] mlds fu;U=.k ls ckgj dkj.kksa ls vkcafVr dk;Z djus esa vleFkZ gS] rks mls ,slh

	vof/k ds fy, ekQh ls oafpr ugha fd;k tk,xkA rFkkfi] ,slh ekQh mlds lnkpkj rFkk vU; laLFkkxr dk;Zdykiksa esa mldh Hkkxhnkjh ds v/;/khu gksxhA

lk/kkj.k ekQh ds fy;s vik=rkA	112. साधारण माफी निम्नलिखित मामलों में प्रदान नहीं की जाएगी, अर्थात्:-

¼d½ ¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ ¼t½ ¼>½ ¼´½ fVIi.k%&	,sls cUnh ftudk eq[; n.Mkns'k rhu ekl ls de gS ¼fdlh Hkh ço`fr dk½(tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa n.M Hkqxrus okyk dksbZ cUnh(;fn fdlh cUnh dh ltk ;k dqy ltk vihy esa de djds rhu ekl ls de dh tkrh gS] rks mldh lk/kkj.k ekQh ds fy, ik=rk esa lekIr gks tk,xh rFkk dksbZ ekQh] tks dVkSrh ls iwoZ vftZr dh xbZ gS] tCr gks tk,xkA blh izdkj ;fn rhu ekl ls de ds n.M dks i'pkr~orhZ nks"kflf) ;k vU;Fkk }kjk rhu ekl ds n.M rd c<+k;k x;k gS] rks cUnh dks dyS.Mj ekl ds izFke fnu ls vkxkeh ekl] ftlesa mls mldh izFke ;k ewy nks"kflf) ij dkjkxkj esa çfo"V fd;k x;k Fkk rd lk/kkj.k ekQh esa tek dj nh tk,xh(cUnh] ftlds ekeys esa leqfpr ljdkj ;k l{ke U;k;ky; us vknsf'kr fd;k gS fd ekQh ugha nh tk,xh(cUnh] ftls fu;e 115 ds vuqlkj ekQh ls oafpr fd;k x;k gS(cUnh] tks fu;e 95 esa ;Fkk ifjHkkf"kr cM+s vijk/k ds fy, dksbZ n.M Hkqxr jgk gS(cUnh] tks ,slh vof/k ds fy,]tks v/kh{kd }kjk fuf'pr dh tk,] Lor% igqapkbZ xbZ gkfu ds fy, vUrjax jksxh ds :i esa vLirky esa jgk gS(cUnh] ftlus Hkw[k gM+rky ;k dk;Z gM+rky dk lgkjk fy;k gS(fof/k ds vuqlkj ekQh iz.kkyh ls fo'ks"k :i ls ckf/kr cUnh(dBksj dkjkokl ls n.Mkfn"V rFkk vkcafVr dk;Z u djus okyk cUnhA Lokid vkS"kf/k rFkk eu%izHkkoh inkFkZ vf/kfu;e] 1985 ¼1985 dk dsUnzh; vf/kfu;e 61½ ds v/khu n.Mkfn"V cUnh bu fu;eksa ds v/khu fdlh izdkj dh ekQh ds fy, ik= ugha gksaxsA

lk/kkj.k ekQh तथा अधिनिर्णयds fy, प्राधिकारी का iSekukA	113. साधारण माफी निम्नलिखित पैमाने के अनुसार माफी समिति से प्राप्त सिफारिश को ध्यान में रखतेहुए अधीक्षक द्वारा सिद्धदोष बन्दियों को दी जाएगी,-

¼d½ ¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½	lnkpkj] laLFkkxr dk;Zdykiksa esa Hkkxhnkjh tSls fd 'kSf{kd dk;ZØe] vO;lu dk;ZØe vkfn rFkk dkjkxkj fu;eksa dk vfr lko/kkuh ls vuqikyu djus ds fy, izfr dyS.Mj ekl nks fnu(fofgr ekudksa ds vuqlkj m|ksx esa dk;Z djus ;k fn, x, nSfud dk;Z dks djus ds fy, izfr dyS.Mj ekl nks fnu(dkjkxkj ds lkekU; j[k&j[kko ;k jlksbZ esa ;k [ksrh dk;Zdyki ;k cUnh vf/kdkjh ds :i esa ;k dkjkxkj vLirky vkfn esa dkjkxkj vodk'k dks dk;Z djus ds fy, izfr dyS.Mj ekl ,d fnu(mu cfUn;ksa dks izfrekl rhu fnu] tks dkjkxkj esa LosPNk ls lQkbZ dk;Z djrs gSa(rFkk v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cfUn;ksa dks izfrekl ,d fnu dh vfrfjDr ekQh iznku dh tk,xhA

lk/kkj.k ekQh] जो कारागार मेंप्रवेश के बाद fd, x, fdlh vijk/k	114. यदि किसी बन्दी को उसके कारागार में परिरोध के दौरान या अस्थाई रिहाई की अवधि के दौरानकिए गए किसी अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है, तो ऐसी दोषसिद्धि की तिथि तक, इन नियमोंके अधीन उस द्वारा अर्जित किसी प्रकार की माफी महानिदेशक की स्वीकृति से जब्त की जा सकती है।

ds fy, अर्जन योग्य नहींgSA	
पुनः प्रवेश से oafpr cUnh dk माफी प्रणाली मेंपुनः प्रवेश।	115. (1) महानिदेशक, अधीक्षक की सिफारिश पर, किसी बड़े कारागार अपराध को करने के लिए एक वर्ष तक की अवधि के लिए माफी से किसी बन्दी को वंचित कर सकता है। इसी प्रकार, अधीक्षक छह मास तक की अवधि के लिए माफी प्रणाली से बन्दी को वंचित कर सकता है। (2) ऐसे बन्दी को आगामी मास के प्रथम दिन से इन नियमों के अधीन माफी प्रणाली में पुनः प्रविष्ट किया जाएगा।
lk/kkj.k ekQh dh lax.kukA	116. (1) साधारण माफी, बन्दी के दण्ड की आगामी उत्तरवर्ती तिथि के कलैण्डर मास के प्रथम दिन से संगण्ित की जाएगी। साधारण माफी कलैण्डर मास की खंडित अवधि के लिए प्रदान नहीं की जाएगी। बन्दी यदि किसी मास के प्रथम दिन को दण्डादेशित नहीं किया गया है, तो उस मास के लिए माफी प्राप्त ugha djsxk] ftlesa mls n.Mkfn"V fd;k x;k gSA (2) रिहाई या फरलो या उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती या अभिरक्षा पैरोल आदि पर रिहाई के कारण कारागार से बाहर बिताई गई अवधि को खंडित अवधि के रूप में नहीं समझा जाएगा। ऐसी

	अवधि के दौरान बन्दी साधारण माफी अर्जित करने के लिए पात्र होगा। कारागार से बाहर बिताई गईअवधि के लिए, जो दण्ड जैसे कि जमानत, पैरोल, भागने इत्यादि, के भाग के रूप में शामिल नहीं की गईहै, बन्दी, साधारण माफी के अर्जन के लिए पात्र नहीं होंगे। ऐसे मामलों में त्रैमासिक साधारण माफी कीlax.kuk djrs le; vkuqikfrd ekQh dkV nh tk,xhA fVIi.k%& cUnh] ftls fu;fer tekur ij fjgk fd;k x;k gS] dks mlds iqu% izos'k ds vkxkeh mRrjorhZ dyS.Mj ekl ds izFke fnu dks ekQh iz.kkyh ds v/khu yk;k tk,xk rFkk fdlh ekQh esa tek dh tk,xh] tks mlus tekur ij mldh fjgkbZ ;k n.M ds fuyEcu ls iwoZ अर्जित की हो। (3) कारावास भुगतने के दौरान एक कारागार से दूसरी कारागार में स्थानान्तरित बन्दी के मामलेमें, विचाराधीन बन्दी के रूप में बिताई गई अवधि को छोड़कर, प्रथम कारागार में उस द्वारा बिताई गईअवधि माफी देने के प्रयोजन के लिए दूसरी कारागार में उस द्वारा बिताई गई अवधि सहित संगण्ित कीtk,xhA
okf"kZd lnkpkj ekQhA	117. (1) साधारण माफी के लिए पात्र कोई बन्दी, जिसने अपने दण्ड की तिथि से एक वर्ष की अवधिके लिए या तिथि, जिसको कारागार अपराध के लिए अन्तिम बार दण्िडत किया गया था, किसी भी प्रकारका कोई कारागार अपराध नहीं किया है, को इन नियमों के अधीन अर्जित किसी अन्य माफी के अतिरिक्तपन्द्रह दिन की वार्षिक सदाचार माफी (ए.जी.सी.आर.) दी जाएगी। दूसरी पन्द्रह दिन की वार्षिक सदाचारमाफी, तभी दी जाएगी यदि बन्दी किसी कारागार अपराध के लिए किसी दण्ड के बिना दण्ड के दो वर्ष पूरेdjrk gSA (2) ;fn cUnh fdlh dkjkxkj vijk/k ds fy, fdlh n.M ds fcuk n.M ds rhu o"kZ iwjs करता है, तो उसे तीसरे वर्ष की समाप्ति पर सदाचार के लिए साठ दिन की वार्षिक सदाचार माफी दीtk,xhA fVIi.k%& इस नियम के लिए, केवल औपचारिक चेतावनी से दण्िडत कारागार अपराधों को हिसाब मेंugh fy;k tk,xkA
अधिनिर्णय करनेकी	118. (1) साधारण माफी का अधिनिर्णय, अधीक्षक द्वारा त्रैमासिक आधार पर किया जाएगा, जोअधिनिर्णय करने से पूर्व सम्बन्धित सहायक अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा बन्दी कीbfro`r&fVdV ij vfHkfyf[kr mlds vkpj.k ;k

प्रक्रिया।	dk;Z ds ekfld fu"iknu ij fdlh fVIi.kh ds fy, lykg ysxkA (2) यदि किसी बन्दी को औपचारिक चेतावनी से अन्यथा तिमाही के दौरान दण्िडत नहीं कियागया है, तो उसे नियम 113 के अधीन तिमाहीं के लिए पूर्ण साधारण माफी दी जाएगी। (3) यदि किसी बन्दी को औपचारिक चेतावनी से अन्यथा तिमाही के दौरान दण्िडत किया गयाहै, तो मामला अधीक्षक के सम्मुख रखा जाएगा, जो दण्ड या दिए गए दण्डों पर विचार करने के बादfu.kZ; djsxk fd fdruh ek=k esa ekQh nh tk,xhA
ekQh dk =Sekfld :i ls fn;k tkukA	119. साधारण माफी का अधिनिर्णय, प्रथम जनवरी, प्रथम अप्रैल, प्रथम जुलाई तथा प्रथम अक्तूबर को;Fkk lEHko fudVre :i ls fd;k tk,xk rFkk cUnh dh bfro`r&fVdV esa vfHkfyf[kr fd;k tk,xkA किसी बन्दी को दी गई माफी उसके दिए जाने के बाद यथा सम्भव शीघ्र उसकी इतिवृत-टिकट परअभिलिखित की जाएगी। वार्षिक सदाचार माफी (एजीसीआर) इसके देय होने के बाद यथा शीघ्र उसकीइतिवृत-टिकट में अभिलिखित की जाएगी। इतिवृत-टिकट में ऐसी प्रविष्टियां उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वाराlR;kfir dh tk,axhA
fjgkbZ ds ekl के लिए कोईekQh ughaA	120. किसी भी बन्दी को कलैण्डर मास, जिसमें वह रिहा होने जा रहा है, के लिए साधारण माफी नहींnh tk,xh% परन्तु किसी कैदी (बंदी) को वार्षिक अच्छे आचरण की छूट, जब भी देय हो, प्रदान की जा सकतीgS% परन्तु यह और कि यदि रिहा होने की अंतिम तिथि की गणना करने पर, यह पाया जाता है किfdlh Hkh ekl ds fy, NwV dh iw.kZ ek=k çnku djus ls dSnh dh fjgkbZ dh frfFk mlh ekl ds Hkhrj आ जाएगी, तो उसे मास के अन्तिम दिन रिहा करने के लिए सिर्फ पर्याप्त छूट दी जाएगी। उदाहरण.- कोई बंदी एक बन्दी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहा है और जून मास के लिए साधारणछूट दिए बिना, वह 3 जुलाई को रिहा होने वाला है। यदि उसे जून मास के लिए 5 दिन कीसाधारण छूट प्रदान की जाती है, तो उसकी रिहाई की अन्तिम तिथि 28 जून होगी। ऐसीपरिस्थिति में, जून मास के लिए 3 दिन की साधारण छूट प्रदान की जाएगी और उसे 30जून की शाम को रिहा कर दिया जाएगा।

अन्य राज्यों से दोषसिद्ध बन्दियोंको माफी।	121. माफी उन बन्दियों को दी जाएगी, जिन्हें दण्ड देने वाले राज्य के माफी नियमों के अधीन अन्यराज्यों में उनके दण्ड को पूरा करने के लिए स्थानान्तरित किया गया है।
lsuk U;k;ky; ds v/khu n.Mkfn"V cUnh को माफी।	122. सेना न्यायालय के अधीन दण्डादिष्ट बन्दियों को माफी सुसंगत अधिनियम के उपबन्धों तथा गृहमामले मन्त्रालय, भारत सरकार के आदेशों के अनुसार दी जाएगी।
विशेष माफी।	123. (1) कारागार प्राधिकारियों के साथ अच्छे सहयोग के भाव को बढ़ावा देने तथा कारागारों केउचित प्रशासन के लिए, अधीक्षक या उसकी सिफारिश पर महानिदेशक किसी बन्दी को विशेष माफीनिम्नलिखित आधारों पर चाहे वह साधारण माफी के लिए पात्र है या नहीं है, प्रदान कर सकता है,- (K) 'kkjhfjd fgalk ;k [krjs ls fdlh ljdkjh deZpkjh] dkjkxkj eqykdkrh ;k lgoklh dk laj{k.k djus((b) बन्दियों को भागने से रोकने या भागने के लिए प्रयास करने वाले बन्दियों को पकड़ने या किसी बन्दी या बन्दियों के समूह द्वारा भागने की किसी योजना या प्रयास के बारे में तात्विक जानकारी देने; (c) आकस्मिक संकट जैसे कि अग्नि, दंगे के प्रकोप तथा हड़ताल को संभालने में कारागार कर्मचारियों की सहायता करने; (d) अनुशासन बनाए रखने में तथा कारागार विनियमों या अनुशासन के गम्भीर भंग का पता लगाने तथा निवारण करने

	में कारागार प्रशासन की सहायता करना; (e) सांस्कृतिक कार्यकलापों, खेलों, शिक्षा या व्यावसायिक प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान या कारागार रसोई या अस्पताल में किए गए श्रेष्ठ कार्य के लिए; (f) कारागार कर्मशाला, उद्योग, कृषि या किसी अन्य कार्य कार्यक्रम, जिसमें नवाचार कार्य शामिल हो सकता है या किसी विशेष कौशल या किसी अन्य असाधारण कार्यकलाप का प्रयोग करने में उत्कृष्ट कार्य; तथा (six) बन्दियों के शैक्षण्िाक स्तर जैसे कि संसाधन व्यक्ति के रूप में बन्दियों को शिक्षा या व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना, में सुधार का संचालन करने में, या कारागार कृषि या बाग प्रबन्धन में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए कारागार प्रशासन की lgk;rk djukA (2) साधारण माफी तथा वार्षिक सदाचार माफी के अतिरिक्त विशेष माफी निम्नलिखित द्वारा दीtk ldrh gS]& (K) एक वर्ष में तीस दिन से अनधिक अवधि तक अधीक्षक द्वारा; (b) एक वर्ष में साठ दिन से अनधिक अवधि के लिए महानिदेशक द्वारा। fVIi.k%& इस नियम के लिए एक वर्ष की गणना दण्ड की तिथि से की जाएगी तथा वर्ष के किसी भाग को सम्पूर्ण वर्ष के रूप में गिना जाएगा। (3) विशेष माफी का अधिनिर्णय किए जाने के बाद यथा सम्भव शीघ्रता से बन्दी की इतिवृत-टिकट मेंदर्ज किया जाएगा तथा अधीक्षक द्वारा विशेष माफी के प्रत्येक अधिनिर्णय के लिए कारण संक्ष्िाप्त रूप सेvfHkfyf[kr fd, tk,axsA fVIi.k%& cUnh ekQh ikfylh ds vuqlkj jkT; ljdkj dh ekQh ds fy, ik= ugha gS rFkkfi] स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के मामलों में सिद्धदोष बन्दियों के सिवाए कारागारअभिरक्षा के समय उनके सदाचार के लिए अर्जित विशेष माफी के लिए पात्र होगा।
ljdkjh ekQhA	124. (1) jk"Vªifr ;k jkT;iky ;k leqfpr ljdkj }kjk nh xbZ ekQh ljdkjh ekQh dgh tk,xhA (2) सरकारी माफी ऐसे बन्दियों या बन्दियों के प्रवर्गों को दी जा सकती है, जो समुचित सरकार fu.kZ; djsA (3) सरकारी माफी ऐसे पैमाने या ऐसी मात्रा में दी जाएगी, जो समुचित सरकार समय-समय ij fu;r djsA
ekQh ds अधिनिर्णय परप्रतिबन्ध।	125. इन नियमों में कहीं भी दी गई किसी बात के होते हुए भी, भारत के संविधान के अनुच्छेद 72 या161 के अधीन दी गई माफी के सिवाए, सरकारी माफी सहित इस नियम के अधीन किसी बन्दी को दी गईकुल माफी महानिदेशक की स्वीकृति के बिना उसके दण्ड के एक चैथाई भाग से अधिक नहीं होगी: परन्तु महानिदेशक दण्ड के अधिकतम एक-तिहाई तक की माफी प्रदान कर सकता है।

fjgkbZ dh frfFk laxf.kr djrs le; ekQh अवधि।	126. किसी बन्दी की रिहाई की तिथि संगण्िात करने में अर्जित माफी के दिनों की संख्या प्रत्येक मास केतीस दिनों की दर से मास तथा दिनों में परिवर्तित की जाएगी। टिप्पण-1.- यदि किसी बन्दी का दण्ड, अपील न्यायालय द्वारा संशोधित किया गया है, तो पहले अर्जितमाफी नए दण्ड के अनुसार समायोजित की जाएगी। टिप्पण-2.- यदि किसी बन्दी का दण्ड, विधि की धारा के अधीन जिसके अधीन, माफी वर्जित है, दोषसिद्धि(दोषसिद्धियों) के लिए आगामी अपील न्यायालय द्वारा संशोधित किया है, तो पहले अर्जितमाफी जब्त हो जाएगी।
vkthou cUnh dh vftZr ekQh का प्रभाव।	127. किसी भी आजीवन बन्दी को रिहा नहीं किया जाएगा यदि राज्य सरकार द्वारा ऐसा आदेश नहींfd;k x;k gSA

fjgkbZ ds le; ij ikyu dh tkus okyh प्रक्रिया।	128. यदि कोई बन्दी रिहा किया गया है, उस द्वारा अर्जित माफी की कुल मात्रा उसके वारंट पर तथाप्रवेश रजिस्टर में पृष्ठांकित की जाएगी तथा पृष्ठांकन अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा।
LFkkukUrfjr cUnh dk fjdkMZA	129. (1) यदि किसी बन्दी को दूसरी कारागार में स्थानान्तरित किया गया है, तो पूर्व मास कीlekfIr rd ml }kjk vftZr ekQh dh dqy ek=k mldh bfro`r&fVdV esa ntZ dh tk,xh rFkk ekQh शीट उप अधीक्षक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित की जाएगी। (2) प्राप्त करने वाली कारागार जिम्मेवार होगी कि उपरोक्त सूचना विधिवत प्राप्त की गई है।प्रत्येक कारागार, जिसमें बन्दी अपने दण्ड का भाग पूरा करता है, ऐसी अवधि के दौरान अर्जित माफी कीसही संगणना के लिए जिम्मेवार होगी। (3) यदि किसी बन्दी को दूसरी कारागार में स्थानान्तरित किया गया है, तो उसकी माफी शीट(या कार्ड) जहां वह रखी गई है या जहां वे रखी नहीं गई है, अधीक्षक द्वारा स्थानान्तरण की तिथि तकअर्जित कुल माफी की प्रमाण्ित विवरणी कारागार में भेजी जाएगी।
nh xbZ ;k tCr dh xbZ ekQh dk fjdkMZA	130. (1) इन नियमों के अधीन साधारण माफी प्रदान करने के लिए हकदार किसी बन्दी के प्रवेश परउप अधीक्षक (प्रशासन) ऐसे बन्दी के सम्बन्ध में "माफी शीट" तैयार करेगा या तैयार करवाएगा। ऐसेरिकार्ड को कारागार प्रबन्धन प्रणाली में डिजीटल रूप में भी रखा जाएगा, यद्यपि, बन्दी, जो साधारण माफीदेने के हकदार नहीं है, को विशेष माफी या सरकारी माफी दी गई है, के पास जब कभी आवश्यक होउसके नाम से समनुदेशित एक माफी शीट होगी। (2) सभी माफियों के बारे में प्रविष्टियां, प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर बन्दी की माफी शीट तथाइतिवृत-टिकट में उप अधीक्षक (प्रशासन) के उचित सत्यापन के अधीन की जाएगी। यदि कोई बन्दी,तिमाही के समापन से पूर्व रिहाई देने योग्य है, तो ये प्रविष्टियां सम्बन्धित मास के दौरान की जाएंगी तथाmldh fjgkbZ ds ckjs esa dkjZokbZ rnkuqlkj dh tk,xhA
माफी प्रणालीनियम का प्रकाशन।	131. हिन्दी भाषा में अनुवादित उपरोक्त माफी प्रणाली नियमों का सार कारागार के भीतर सहजदृश्यस्थानों में चिपकाया जाएगा।
ekQh 'khV dk vuqj{k.k rFkk प्रतिधारण।	132. (1) ekQh 'khV okjaV ds lkFk cUnh okjaV dk;kZy; esa lqjf{kr :i ls j[kh tk,xh rFkk fdlh भी बन्दी को किन्हीं भी परिस्थितियों में किसी माफी शीट तक पहुंच अनुज्ञात नहीं की जाएगी। (2) ekQh 'khV cUnh] ftlls os lEcfU/kr gSa] dh fjgkbZ ds ckn ,d o"kZ ds fy, dkjkxkj ds dk;kZy; esa j[kh tk,xhA fVIi.k%& जमानत या दण्ड के समापन पर रिहा किये गए प्रत्येक बन्दी की उस द्वारा अर्जित कुल माफी प्रवेश रजिस्टर में दर्ज तथा अधीक्षक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित की जाएगी।
ekQh iath dk vuqj{k.kA	133. प्रत्येक मास के प्रथम सप्ताह में सम्बन्धित सहायक अधीक्षक उन सभी बन्दियों के नाम दर्शाने वालीएक रिपोर्ट तैयार करेगा, जो अनुमान पर हैं कि वे चालू मास के दौरान अपनी सम्पूर्ण साधारण माफीअर्जित करेंगे, आगामी अनुवर्ती मास में रिहाई के हकदार होंगे। उप अधीक्षक (प्रशासन) उसी समय माफीशीट तथा इतिवृत-टिकट के साथ उसका मिलान करके पंजी में प्रविष्टियों की विशुद्धता को सत्यापितकरेगा तथा माफी पंजी तथा इतिवृत-टिकट में प्रत्येक बन्दी की रिहाई की संभाव्य तिथि दर्ज करेगा। ऐसेरिकार्ड को डिजीटल रूप में भी अनुरक्ष्ित किया जाएगा। तब माफी पंजी अधीक्षक द्वारा अनुमोदित कीtk,xhA
विशेष माफी परवार्षिक रिपोर्ट।	134. अधीक्षक संक्ष्िाप्त ब्योरों सहित किसी बन्दी को वर्ष के दौरान पन्द्रह दिन से अधिक विशेष माफीप्रदान करने के ब्योरे दर्शाने वाली रिपोर्ट महानिदेशक को प्रति वर्ष प्रस्तुत करेगा।

iqjLdkjA	135. (1) श्रम से दण्डादिष्ट सभी बन्दी, किए गए प्रत्येक अतिरिक्त दिन के कार्य के लिए एक दिनकी दर से विशेष माफी देने के लिए पात्र होंगे, कार्य की मात्रा प्रत्येक कलैण्डर मास की समाप्ति परसंगण्ित की जाएगी। इस नियम के लिए श्रम से दण्डादिष्ट बन्दियों में साधारण कारावास से दण्डादिष्टबन्दी शामिल होंगे जो स्वैच्छिक रूप से श्रम को चुनते हैं। उदाहरणः- मानो कोई बन्दी बुनाई अर्थात् दैनिक 12 मीटर कपड़ा बनाने का अपना कार्य पूरा करता है।उसका मासिक उत्पादन एक मास में 288 मीटर (जिसमें साप्ताहिक परेड दिनों को 1/2कार्य शामिल है) होना चाहिए। यदि वह 300 मीटर बुनता है, तो वह एक दिन तथा यदि वह312 मीटर कपडा बुनता है, तो दो दिन और इस प्रकार की अतिरिक्त विशेष माफी प्राप्तdjsxk A (2) संयुक्त पाली में उसी कार्य पर दो या से अधिक व्यक्तियों के नियोजन के मामले में अर्जितमात्रा उनमें बराबर रूप से या ऐसे अनुपात में, जो अधीक्षक उचित समझे, विभक्त की जाएगी। (3) कारागार में अकार्य तथा श्रम कार्य पर नियोजित बन्दी, विनिर्दिष्ट दरों पर माफी प्रदान करनेके लिए पात्र होगा। अधीक्षक अकार्य श्रम के बन्दी को माफी प्रदान कर सकता है, यदि वह सन्तुष्ट होजाता है कि उद्योग तथा बन्दी का प्रयास ऐसा है, जो माफी के लिए उसको हकदार बनाता है यदि वहश्रमिक के रूप में नियोजित था, जो कार्य करने के लिए भावुक है। (4) यह सुनिश्चित करने के लिए कि विशेष माफी प्रदान करने की प्रणाली यथा सम्भव अल्पअनियमितता से परिचालित की जाती है, अधीक्षक नियत श्रम पर नियोजित व्यावसायिक या प्रशिक्ष्ितcfUn;kasa ds fy, dk;Z dh mPp U;wure ikyh fu;r dj ldrk gSA (5) कार्य पर नियोजित समय साधारणतः अधिनियम के उपबन्धों द्वारा यथा अपेक्ष्ित प्रतिदिन 08घण्टे से अधिक नहीं होगा। (6) किया गया अतिरिक्त कार्य स्वैच्छिक होना चाहिए तथा विशेष माफी प्रदान करना अधीक्षकद्वारा अपेक्ष्ित गुणवता में अपेक्ष्ित मानकों तक होना सशर्त होगा। (7) अधीक्षक को अतिरिक्त नियत कार्य के लिए सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति की व्यवस्था करनीचाहिए। अतिरिक्त कार्य की मात्रा की कोई सीमा नहीं रखी जानी है, जिसके लिए बन्दी को कठोर श्रम केलिए योग्य माना गया है, किन्तु यह नियोजन के घण्टों की समय सीमा के अध्यधीन हो। (8) बन्दी, यदि मध्यम या हल्के श्रम के लिए योग्य है, तो श्रम की उसकी श्रेणी के मेहनती कार्यपर गिने गए प्रत्येक अतिरिक्त दिन के कार्य के लिए एक दिन की विशेष माफी की दर से क्रमशः श्रम कीइन श्रेण्ियों के लिए अधिकथित कार्य से अधिक किए गए अतिरिक्त कार्य के लिए पुरस्कृत किया जाना है। (9) मध्यम तथा हल्के श्रम के लिए योग्य किसी बन्दी को उसकी इतिवृत-टिकट में अभिलिखितचिकित्सा अधिकारी की स्वीकृति के बिना अतिरिक्त कार्य करने या मध्यम श्रम व्यक्ति के मामले मे, कठोरश्रम कार्य या हल्के श्रम व्यक्ति के मामले में, मध्यम श्रम कार्य के कुल कार्य दिवसो से अधिक की अनुमतिugha nh tk,xhA (10) अतिरिक्त कार्य करने के लिए किसी समय पर अयोग्य होने वाले संदिग्ध किसी बन्दी कोअतिरिक्त कार्य करने से उसे रोकने की दृष्टि से चिकित्सा अधिकारी के ध्यान में लाया जाएगा। (11) किसी बन्दी को अनुज्ञात की जाने वाली माफी, जो नियत या अनियत श्रम पर है, इननियमों में विहित सीमाओं से अधिक नहीं होनी चाहिए।
उद्योग के लिएminku ;k U;wure etnwjh nsus dh 'krZA	136. सरकार द्वारा समय-समय परयथा विनिश्चित उचित कटौती सहित न्यूनतम मजदूरी की दर परबन्दी को उस काम का भुगतान किया जाएगा।

fjgkbZ dh frfFk] fo'kq)rk	v/;k; 11 n.M dk fu"iknu

dh ftEesokjhA	137. (1) तिथि, जिसको कोई बन्दी रिहा किए जाने के लिए हकदार है, उप उधीक्षक (प्रशासन) केपर्यवेक्षण के अधीन बन्दी अनुभाग के प्रभारी द्वारा संगण्ित की जाएगी तथा बन्दी का नाम तथा क्रम संख्यादेते हुए उस तिथि के नीचे रिहाई रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। बन्दी अनुभाग प्रभारी के तिथि तथाहस्ताक्षर सहित क्रास-जांच करने के लिए सुपुर्दगी वारंट के पीछे एक संदर्भ नोट दिया जाएगा। (2) यदि रिहाई की तिथि या तो अतिरिक्त कारावास के अधिरोपण से या दण्ड के किसी भागकी माफी से या जमानत से फरार होने के कारण या भागने पर परिवर्तित हो जाती है, तो रिहाई की नईतिथि अवधारित की जाएगी तथा उस प्रभाव की रिहाई रजिस्टर में प्रविष्टि की जाएगी। पुरानी प्रविष्टिलाल स्याही के द्वारा गोल की जाएगी तथा नियत नई तिथि का उसके सामने संदर्भ दिया जाएगा। (3) उप अधीक्षक (प्रशासन) रिहाई रजिस्टर तथा प्रवेश रजिस्टर में प्रत्येक प्रविष्टि की स्वयं जांचकरेगा। वह उनकी विशुद्धता के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेवार होगा।
कतिपय दिनों को दण्ड के दिनों के रूप मेंfxuukA	138. (1) दिन, जिसको कोई बन्दी रिहा किए जाने के लिए हकदार है, को संगण्ित करने में दिन,जिसको दण्ड पारित किया गया है तथा दिन, जिसको बन्दी रिहा किया गया है, को दण्ड के भाग के रूपesa le>k tk,xk % परन्तु यदि बन्दी दो या से अधिक दण्ड परिणामस्वरूप भुगत रहा है, तो किसी भी दिन कोऐसे एक दण्ड से अधिक के सम्बन्ध में कारावास के दिन के रूप में नहीं गिना जाएगा: परन्तु यह और कि एक दिन या चैबीस घण्टे के कारावास के दण्ड को दिन के आगामीदिन, जिसको दण्ड पारित किया गया था, के प्रातःकाल की समाप्ति से माना जाएगा। (2) दण्ड की अवधि कलैण्डर वर्ष, मास, पखवाड़ा, सप्ताह या दिनों में संगण्ित की जाएगी।'वर्ष' शब्द से अभिप्राय है, कलैण्डर वर्ष, "मास" से अभिप्राय है, कलैण्डर मास, "पखवाड़े" से अभिप्राय है,चैदह दिन या "सप्ताह" से अभिप्राय है, सात दिन। (3) यदि बन्दी के दण्ड में एक मास का भाग शामिल है, तो रिहाई की तिथि दिनों के ऐसे भागको कम करके संगण्ित की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए एक मास में तीस दिन शामिल होंगे। उदाहरणः- यदि कोई बन्दीं 2 फरवरी को 'डेढ मास' से दण्डादिष्ट किया गया है, तो उसकी रिहाई की तिथि 16 मार्च होगी। (4) यदि मास, जिसमें बन्दी का दण्ड समाप्त हो जाता है, कोई तिथि दण्ड की तिथि के अनुरूपनहीं है, तो कथित मास के अन्तिम दिन को दण्ड की समाप्ति के दिन के रूप में लिया जाएगा। यहीसिद्धान्त जब भी लागू होगा यदि दण्ड, दण्ड में कमी या जुर्माने के भुगतान या माफी देने के कारण कमfd;k x;k gSA (5) ;fn fdlh cUnh ml ekeys] ftlesa mls tekur ugha nh xbZ gS] ds fy, mldh fjgkbZ ds उसी दिन को न्यायालय में हाजिर होता है, तो उसे प्रातःकाल में रिहा के रूप में माना जाएगा तथाविचाराधीन बन्दी के रूप में न्यायालय में भेजा जाएगा। यदि बन्दी सचमुच उसी तिथि को अतिरिक्तकारावास के लिए दण्डादिष्ट किया गया है, तो दण्ड उतरवर्ती दिन से संगण्ित किया जाएगा। | mnkgj.k%&1- | 15 tuojh] 2020 dh ,d o"kZ ds dkjkokl ls n.Mkfn"V cUnh] 14 tuojh] 2021 dks fjgk fd;k tk,xk] ,d ekl ds dkjkokl ds fy, izFke tuojh dks n.Mkfn"V cUnh mlh ekl dh 31 rkjh[k dks fjgk fd;k tk,xkA | | mnkgj.k%&2- | ;fn d rFkk [k dks Øe'k% 30 rFkk 31 tuojh dks ,d ekl ds dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks nksuksa n.M 28 Qjojh dks izkr% dky lekIr gksaxs ;fn | वह अधिवर्ष नहीं है तथा यदि वह अधिवर्ष है, तो 29 फरवरी को समाप्त होंगे।
दण्ड को भोगना।	139. किसी भी दशा में दण्ड भोगे जाते हैं, बन्दी सभी दण्डों की सम्पूर्ण अवधि भोगने के लिए दायी है,परन्तु किन्हीं परिस्थितियों में किसी बन्दी को सुपुर्दगी के वारंट की अवधि द्वारा सूचित अवधि से अधिक केलिए कारागार में निरूद्ध नहीं किया जाएगा। आदेश के सम्बन्ध में सन्देह के मामले में, जिसमें दण्ड प्रभावीहोंगे, अन्तिम दण्ड लगाने वाले न्यायालय से हिदायतें प्राप्त की जाएंगी।

vkthou dkjkokl ds fy, n.Mkfn"V बन्दियों के ekeys esa fjgkbZ dh frfFkA	140. (1) आजीवन कारावास से अभिप्राय है, सम्पूर्ण प्राकृतिक जीवन के लिए कारावास। तथापि, आजीवन कारावास से दण्डादिष्ट सभी बन्दियों की दण्ड रिहाई की काल्पनिक (वृतिमूलक) तिथि की संगणना के सीमित प्रयोजन के लिए बीस वर्ष के कारावास के दण्ड के रूप में समझी जाएगी: परन्तु यदि विचारण न्यायालय या अपील न्यायालय, जैसी भी स्थिति हो, ने विशेष रूप से आदेशित किया है कि आजीवन कारावास, बन्दी के प्राकृतिक जीवन के शेष रहने तक होगा, तो ऐसे बन्दी

	को कोई माफी नहीं दी जाएगी। (2) यदि मृत्यु दण्ड, आजीवन कारावास, या मीआदी कारावास में से एक है, तो आजीवनकारावास या मीआदी कारावास का दण्ड, उस तिथि, जिसको मृत्यु दण्ड पारित किया गया था, से प्रारम्भgqvk le>k tk,xkA
दण्ड से अवधिको निकाला tkukA	141. (1) यदि किसी सक्षम न्यायालय या प्राधिककरण के आदेश द्वारा किसी बन्दी को जमानत परिहा किया जाता है या किसी बन्दी पर पारित कारावास के किसी दण्ड का प्रचालन तत्समय के लिएनिलम्बित किया गया है तथा ऐसा बन्दी बाद में पुनः विधितः कारागर को सुपुर्द किया गया है, तो ऐसीअवधि जिसके दौरान ऐसा बन्दी जमानत पर रिहा किया गया था या कारावास का दण्ड इस प्रकारनिलम्बित किया गया था, जब तक पुनःसुपुर्दगी का वारंट या आदेश अन्यथा निर्देश नहीं करता है, कोदण्ड की अवधि की संगणना करते समय निकाल दी जाएगी: परन्तु बन्दी, जिसे उस दिन, जिसको कारावास का दण्ड पारित किया गया है, को जमानतपर रिहा किया गया है, उसके पुनः कारावास में रखने तक उसके दण्ड के किसी भाग को भुगता गया नहींle>k tk,xk % परन्तु यह और कि इस नियम को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम2) की धारा 122 के उपबन्धों के अधीन कारावास भुगतने वाले व्यक्ति को लागू हुआ नहीं समझा जाएगा। (2) उस दिन के बाद के दिन को जमानत पर रिहा बन्दी, जिसको वह कारागार को सुपुर्दकिया गया था किन्तु जिसे उसी मामले में दण्ड भुगतने के लिए पुनःसुपुर्द किया गया है, प्रवेश के प्रत्येकदिन तथा रिहाई के प्रत्येक दिन को ऐसे दण्ड के सम्बन्ध में कारावास के दिन के रूप में गिनवाने काहकदार होगा।
fjgkbZ dh frfFk] ;fn n.M ls अवधि निकालीxbZ gSA	142. यदि पूर्ववर्ती नियम के अधीन दण्ड से कोई अवधि निकाली गई है, तो रिहाई की तिथि की संगणनाकरने में अपनाई जाने वाली पद्धति पुनः प्रवेश की तिथि से प्रारम्भ तथा कारगार में पहले बिताए गए दिनोंकी संख्या उससे काट कर दण्ड की पूर्ण अवधि ली जानी है, इस प्रकार आने वाली तिथि, ऐसी तिथिहोगी, जिसको दण्ड समाप्त होता है।
frfFk] ftlls vfUre :i ls ikfjr n.M dh x.kuk dh tk,xhA	143. यदि अपील न्यायालय धारा का परिवर्तन किए बिना निचले न्यायालय द्वारा पारित दण्ड कोरूपान्तरित करता है या यदि अपील न्यायालय दोषसिद्धि धारा या दण्ड धारा या अन्यथा को परिवर्तितकरते हुए नया दण्ड पारित करता है, तो अन्तिम रूप से पारित किया दण्ड, जब तक विशेष रूप सेअन्यथा निर्देशित नहीं किया गया हो, मूल दण्ड के अधीन कारावास की तिथि से गिना जाएगा।
दो या से अधिकदण्डों प्रभाव।	144. (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 426, 427 तथा 428के उपबन्ध शासित करेंगे कि उसी समय पर या विभिन्न समयों पर अधिरोपित दो या से अधिक दण्ड उसीव्यक्ति पर कैसे प्रभावी होंगे। (2) यदि पृथक विचारण पर दो या से अधिक दण्ड उसी समय पर किसी व्यक्ति को दिए गएहैं, तो अधिक गुरूतर दण्ड अगले अधिक गुरूतर से अनुवर्ती तथा इसी प्रकार आगे प्रारम्भ होगा। इसप्रयोजन के लिए कठोर कारावास की उसी समयावधि के दण्ड को साधारण कारावास की उसी समयावधिके दण्ड से अधिक गुरूतर समझा जाएगा:

परन्तु यदि इस प्रकार पारित दण्डों में आजीवन कारावास का कोई दण्ड है, तो वहाँ सभीमीआदी दण्डों की समाप्ति के बाद अन्तिम प्रारम्भ होगा।

mnkgj.k&1%& mnkgj.k&2%& mnkgj.k&3%& mnkgj.k&4%&	;fn dksbZ O;fDr mlh fnu dks vkthou dkjkokl rFkk ehvknh dkjkokl ¼lksa½ ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks ehvknh dkjkokl dk n.M igys izkjEHk gksxkA ;fn dksbZ O;fDr mlh fnu dks ikap o"kZ ds dBksj dkjkokl rFkk pkj o"kZ ds dBksj dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks ikap o"kZ dk dBksj dkjkokl dk n.M igys izkjEHk gksxkA ;fn dksbZ O;fDr mlh fnu dh ikap o"kZ ds dBksj dkjkokl vkSj ikap o"kZ ds lk/kkj.k dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks ikap o"kZ dk dBksj dkjkokl dk n.M igys izkjEHk gksxkA ;fn dksbZ O;fDr mlh fnu dks ikap o"kZ ds lk/kkj.k dkjkokl rFkk pkj o"kZ ds dBksj dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks ikap o"kZ dk lk/kkj.k dkjkokl dk n.M igys izkjEHk gksxkA

f}rh; n.M dk प्रचालन यदि प्रथम दण्ड vikLr fd;k x;k gSA

145. (1) ;fn mlh fopkj.k esa i`Fkd n.M ikfjr fd;k x;k gS rFkk n.M fujUrj pyrs jgrs gSa] तो ऐसे द्वितीय दण्ड की तिथि अपील में अपास्त होने के कारण प्रथम दण्ड की दशा में, ऐसी तिथि, जिसकी वह इस मामले में कारगार को सुपुर्द किया गया था, से प्रभावी होने की उपधारणा की जाएगी।

(2) यदि पृथक विचारण में, पृथक दण्ड पारित किया गया है तथा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 427 के अधीन दण्ड निरन्तर चलते रहते हैं, तो अपील में अपास्त किए गए प्रथम दण्ड की दशा में, द्वितीय दण्ड का प्रचालन द्वितीय मामलों में दोष सिद्धि की तिथि से प्रारम्भ होगा।

mnkgj.k&1%& किसी बन्दी को दो अपराधों के लिए छह मास की कारावास की दो अवधियों के लिए प्रथम जुलाई को दण्डादिष्ट किया गया है। अपील में, प्रथम दण्ड 31 अगस्त को रद्द कर दिया गया है, तो बन्दी 31 दिसम्बर को रिहा किए जाने का हकदार होगा।

mnkgj.k&2%&	dksbZ cUnha Ng ekl ds dkjkokl ds fy, izFke tqykbZ dks rFkk Ng ekl ds dkjkokl dh nwljh vof/k ds fy, izFke vxLr dks n.Mkfn"V fd;k x;k gSA vihy ij izFke n.M 31 vxLr dks jn~n dj fn;k x;k gSA cUnh 31 tuojh dks fjgk fd, tkus dk gdnkj gksxkA

fjgkbZ dh frfFk यदि दो या सेअधिक दण्ड fujUrj pyrs gSA

146. यदि कोई बन्दी निरन्तर पूरे किए जाने वाले दो या से अधिक कारावास की अवधियों से दण्डादिष्टहो, तो रिहाई की तिथि ऐसे संगण्ित की जाएगी मानो अवधियों का संक्षेप एक ही दण्ड में दिया गया था।

mnkgj.k%&	,d o"kZ ds dkjkokl ls 21 twu] 2018 dks n.Mkfn"V cUnh] ,d o"kZ dh vfrfjDr vkSj vof/k ds fy, ckn esa nwljs vijk/k ds fy, n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks vof/k izFke n.M dh lekfIr ls izkjEHk djuh gSA mls 20 twu] 2020 dks fjgk fd;k tk,xk

न कि 19 जून, 2020 को।

tqekZus ds Hkqxrku dh lwpukA	147. (1) यदि बन्दियों पर लगाया गया जुर्माना किसी न्यायालय द्वारा वसूल किया जाता है, तोउसकी सूचना न्यायालय से अधीक्षक द्वारा प्राप्त की जाएगीं। यदि बन्दी और कहीं स्थानान्तरित किया गयाहै, तो अधीक्षक उस कारागार, जिसमें बन्दी परिरूद्ध है, को अनुमोदित संचार के साधन से ऐसी सूचनाभेजेगा। सभी जुर्माना सूचनाओं की अभिस्वीकृत की जाएगी। (2) कोई भी कार्रवाई, जुर्माना सूचनाओं पर नहीं की जाएगी, जिन पर न्यायालय की मोहर नहींलगी है। ऐसी सूचना उचित प्रमाणीकरण तथा न्यायालय की मोहर लगवाने के लिए न्यायालय को वापसdh tk,xhA tqekZus ds Hkqxrku ds ckjs esa lwpuk dsoy rHkh xzg.k dh tk,xh tc ;g lapkj ds अनुमोदित साधन के माध्यम से प्राप्त होती है।
dkjkxkj esa tqekZus dk HkqxrkuA	148. (1) अधीक्षक कारागार में दिए गए जुर्माने को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत है। अधीक्षक कीअनुपस्थिति में उप अधीक्षक (प्रशासन) उस को किए गए जुर्माने या उसके भाग को प्राप्त करेगा तथा प्रथमअवसर पर इस तथ्य की किसी प्रविष्टि सहित कि ऐसा भुगतान किया गया है, अधीक्षक के हस्ताक्षर केलिए वारंट प्रस्तुत करेगा। (2) कारागार में प्राप्त जुर्माने, उचित लेखा शीर्ष के अधीन स्थानीय खजाने में बिना विलम्ब केजमा कराये जाएंगे। कारागार में दिए गए सभी जुर्माने इस तथ्य को ध्यान में रखे बिना प्राप्त किए जाएंगेकि क्या बन्दी की रिहाई होने वाली है या नहीं है: ijUrq cUnh ml dkjkxkj esa ifj:U} gS] ftlesa tqekZus dk Hkqxrku fd;k x;k gSA (3) कारावास, जो जुर्माने के भुगतान की चूक में अधिरोपित की गई है, जब कभी उस जुर्मानेका विधि की प्रक्रिया द्वारा भुगतान या वसूल किया गया है, समाप्त हो जाएगी।
tqekZus ds Hkqxrku ds fy, cUnh dk nkf;RoA	149. तथापि कोई अपराधी, जिसने सम्पूर्ण अवधि का कारावास भुगता है, जिसके लिए उसे जुर्माने केभुगतान की चूक में दण्डादिष्ट किया गया था, विधि के अनुसार वसूल किया गया जुर्माना रखने के लिएदायी है। अधीक्षक सम्पूर्ण जुर्माना, यदि दिया गया है, स्वीकार करेगा चाहे वैकल्पिक कारावास का भागभुगता गया हो।
बन्दियों कोlwfpr fd;k tkukA	150. यदि जुर्माने का भुगतान किया गया है, तो सम्बद्ध बन्दी को सूचित किया जाएगा तथा भुगतानरजिस्टर में, वारंट पर तथा बन्दी की इतिवृत-टिकट में विधिवत लिखा जाएगा। रजिस्टर, वारंट तथाइतिवृत टिकट में प्रतिष्टियां अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा हस्ताक्षरित की जाएंगी।
tqekZus ds Hkqxrku ds नोटिस का fuiVku djukA	151. यदि जुर्माना कारागार में बन्दी के प्रवेश के बाद, भागतः या पूर्णतः भुगतान किया गया है, तो इसेप्राप्त करने वाला न्यायालय,जब तक यह दर्शाने वाला पृष्ठांकन कि उसे रिहा कर दिया गया है, के साथबन्दी का वारंट पहले वापस प्राप्त नहीं होता है, तो अधीक्षक जिसमें बन्दी दोषसिद्धि के बाद पहले परिरूद्धथा, को इस तथ्य से सूचित किया जाएगा। यह अधिसूचना वारंट के साथ दायर की जाएगी तथा दण्डdk;kZfUor djus ds ckn mlds lkFk okil dh tk,xhA

tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa dkjkokl ds n.M dh lax.kuk djukA	152- tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa fn, x, n.M fuEu vuqlkj laxf.kr fd, tk,axs]&	
	¼d½ ¼[k½ mnkgj.k%& ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½	tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa vf/kjksfir n.M lkFk&lkFk ugha pysaxs(fdlh cUnh dks fn, x, lHkh okLrfod n.M] tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa n.M 'kq: gksus ls iwoZ igys fu"ikfnr fd, tka,xsA tSls fd ;fn cUnh tqekZus dh pwd esa n.M Hkqxr jgk gS] ;fn dksbZ okLrfod n.M mldks fn;k x;k gS] rks tqekZus dh pwd esa n.M@n.Mksa dks lHkh okLrfod n.Mksa ds fu"iknu rd vkLFkfxr j[ks tk,axsA dksbZ cUnh nks o"kZ ds dBksj dkjkokl rFkk 50@& :i, ds tqekZus ls ;k pwd esa Ng ekl ds vfrfjDr dBksj dkjkokl ds fy, 9 twu] 2017 dks n.Mkfn"V fd;k x;k gS] mlh o"kZ dh 17 tqykbZ dks]mls 18 ekl ds dkjkokl ds fy, nwljs vkjksi esa n.Mkfn"V fd;k x;k gS rFkk 6 vDrwcj] 2018 dks mls nks o"kZ ds dkjkokl ds fy, rhljs vkjksi esa iqu% n.Mkfn"V fd;k x;k gS] rks tqekZus

mnkgj.k%& ¼N½	ds Hkqxrku dh pwd esa Ng ekl ds dkjkokl dk n.M] 9 fnlEcj] 2022 ls 'kq: gksuk pkfg, ¼ml frfFk ls Bhd ckn dh frfFk ftldks lHkh okLrfod n.M lekIr gksa vFkkZr~ 8 fnlEcj½A ;fn tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa dkjkokl ls n.Mkfn"V fdlh cUnh dks ,slk dkjkokl Hkqxrus ds nkSjku vU; okLrfod n.M fn;k tkrk gS] rks vU; okLrfod n.M ml frfFk ls 'kq: gksxk] ftldks og vf/kjksfir fd;k x;k Fkk rFkk tqekZus dh pwd esa n.M vLFkfxr j[kk tk,xkA dksbZ cUnh 300@& :i, ds tqekZus ds Hkqxrku ds fy, 31 tuojh dks ;k pwd esa nks ekl ds dBksj dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS rFkk mlh o"kZ dh 12 Qjojh dks og pkj ekl ds vfrfjDr dkjkokl ds fy, fdlh nwljs dkj.k ls n.Mkfn"V fd;k x;k gSA pkj ekl ds dkjkokl dk n.M 12 Qjojh ls 'kq: gksxkA dkjkokl] tks fdlh tqekZus ds Hkqxrku dh pwd esa vf/kjksfir fd;k x;k gS] tc dHkh ml tqekZus dk fof/k ds vuqlkj Hkqxrku ;k olwy djus ij lekIr gks tk,xkA ;fn dksbZ cUnh dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] ftldk lEiw.kZ ;k mlds fdlh Hkkx ds fdlh tqekZuk dk Hkqxrku ugh djus dh pwd esa] rFkk ;fn tqekZuk ;k mlds Hkkx dk 'kh?kz Hkqxrku ugha fd;k x;k gS] rks fjgkbZ dh frfFk laxf.kr dh tk,xh rFkk cUnh ds okjaV rFkk bfro`r fVdV ij rFkk jftLVj esa ntZ dh tk,xha rkfd tqekZus dk Hkqxrku rFkk Hkqxrku u djus ds vuq:i gks ldsA ;fn dksbZ cUnh] tks tqekZuk ds fy, n.Mkfn"V fd;k x;k gS rFkk dkjkokl dh pwd esa] tqekZus ds Hkkx dk Hkqxrku djrk gS] rks fjgkbZ dh frfFk vuqikr esa cnyh tk,xhA ;fn tqekZuk u nsus dh pwd es] dkjkokl dyS.Mj ekl esa fuf'pr fd;k x;k gS] rks ,sls Hkqxrku ds ifj.kkeLo:i dkjkokl dVkSrh dh tkuh gS] dyS.Mj ekl esa laxf.kr dh tk,xh rFkk u fd fnuksa esaA ,slh lax.kuk ls izkIr ekl dk dksbZ vUrj fnuksa esa de dj fn;k tk,xkA ;fn bl izdkj vUrj izkIr Hkkx fnuks dh fdlh la[;k ds fy, lgh :i ls cjkcj ugha gS ;k ,d fnu ls de gS] rks fnu ds Hkkx ds ifj.kke ij fopkj fd;k tk,xk rFkk mls lEiw.kZ fnu ds cjkcj le>k tk,xkA dksbZ cUnh 300@& :i, ds tqekZus ds fy, ;k pwd esa Ng ekl dh dkjkokl ds fy, izFke tuojh dks n.Mkfn"V fd;k x;k gSA tqekZus dk dksbZ Hkkx 75 iSls dh jkf'k ds flok, olwy ugha fd;k x;k gSA mls 29 twu dks fjgk fd;k tk,xk] pkgs olwy jkf'k ,d fnu ds fy, ns; lEiw.kZ jkf'k ls de gSA ;fn dksbZ cUnh tqekZus ds fy, n.Mkfn"V gS rFkk tqekZuk fdLrksa esa Hkqxrku fd;k x;k gS] rks ekQ dh tkus okyh n.M dh vof/k O;fDrxr Hkqxrku ij laxf.kr ugha dh tk,xh cfYd lEiw.kZ iwoZ Hkqxrku ds dqy ij laxf.kr dh tk,xhA ;fn dksbZ cUnh Ng ekl ds dkjkokl rFkk 300@& :i, ds tqekZus ds fy, n.Mkfn"V fd;k x;k gS rFkk ;g vknsf'kr fd;k x;k gS fd ;fn tqekZus dk Hkqxrku ugha fd;k tkrk gS] rks mls Ng ekl dh vfrfjDr vof/k ds fy, dkjkokflr fd;k tk,xk] rc ;fn cUnh nks"k flf) ij 'kh?kz 100@& :i, dk Hkqxrku djrk gS] rks fjgkbZ dh frfFk 31 vDrwcj ij igys fu;r dh tk,xh ¼vlanr tqekZus ds led{k ds :i esa Ng ekl tek pkj ekl½ ;k ;fn mlds ckn og nwljs 100@& :i, dk Hkqxrku djrk gS] rks frfFk 31 vxLr rd ifjofrZr dh tk,xh rFkk tqekZus dh lEiw.kZ jkf'k dk mlds Hkqxrku djus ij 30 twu dks ifjofrZr dh tk,xhA

¼t½	;fn dksbZ cUnh] ftls tqekZus ds fy, rFkk pwd ds fy, dqN o"kks±] eklksa rFkk fnuksa dh la[;k ds dkjkokl ls n.Mkfn"V fd;k x;k gS] tqekZus ds Hkkx dk Hkqxrku djrk gS] rks Hkqxrku ds fy, ekQh o"kZ rFkk eklksa esa laxf.kr dh tk,xh rFkk u fd fnuksa esa laxf.kr dh tk,xh rFkk ,slh lax.kuk ls izkIr ekl dk dksbZ Hkkx fnuksa esa de dj fn;k tk,xkA ;fn bl izdkj izkIr Hkkx fnuksa

	dh fdlh la[;k ds Bhd cjkcj ugha gS ;k ,d fnu ls de gS] fdlh fnu ds Hkkx ds ifj.kke ij fopkj fd;k tk,xk rFkk cUnh ds i{k esa lEiw.kZ fnu ds cjkcj ds :i esa ekuk tk,xkA
fjgkbZ dh frfFk dh lax.kuk] ;fn tqekZuk va'kr% Hkqxrku fd;k x;k gSA	153. यदि कोई बन्दी कारावास, जिसका सम्पूर्ण या कोई भाग का कोई जुर्माना न देने की चूक में,सेदण्डादिष्ट किया गया है तथा यदि जुर्माना या उसका कोई भाग शीघ्र भुगतान नहीं किया गया है, तोरिहाई की तिथि नियत की जाएगी तथा ऐसी तिथियों की रिहाई डायरी में दर्ज की जाएगी, जो जुर्माने काभुगतान करने तथा भुगतान न करने के अनुरूप होगी। यदि जुर्माने का कोई भाग बाद में भुगतान करदिया गया है, तो रिहाई की तिथि तदानुसार बदली जाएगी। mnkgj.k%& ;fn dksbZ cUnh Ng ekl ds dkjkokl rFkk 3000@& :i, ds tqekZus dk Hkqxrku djus ds fy, izFke tuojh dks n.Mkfn"V fd;k x;k gS ;k Hkqxrku u djus dh pwd esa Ng ekl dh vfrfjDr vof/k ds fy, dkjkokflr fd;k tkuk gS] rks ekuk tk,xk fd fjgkbZ dh frfFk 31 vDrwcj vFkkZr~ Ng ekl tek pkj ekl ¼vlanr tqekZus dh jkf'k dk ehvknh vuqikr gksus ds dkj.k½ igys fu;r dh tk,xh rFkk 30 twu rFkk 31 vDrwcj dh fjgkbZ jftLVj esa izfof"V dh tk,xhA rFkkfi] ;fn og ckn esa nwljs 1000@& :i, dk Hkqxrku djrk gS] rks ckn dh frfFk 31 vxLr esa cnyh tk,xhA mlds lEiw.kZ tqekZus dk Hkqxrku djus ij 30 twu dh izfof"V ds lkeus rF; dk uksV fd;k tk,xkA
tqekZus ds Hkqxrku ij ekQh dh lax.kuk djukA	154. यदि कोई बन्दी, जो जुर्माने से तथा चूक के लिए कुछ मासों की संख्या के लिए कारावास सेदण्डादिष्ट किया गया है, अपने जुर्माने के किसी भाग का भुगतान करता है, तो भुगतान के लिए माफीकलैण्डर मासों में तथा न कि दिनों में संगण्ित की जाएगी। ऐसी संगणना से प्राप्त किसी मास के किसीभाग को दिनों में कम किया जाएगा। आधे दिन से कम दिन के भाग को नहीं गिना जाएगा, कोई बृहतभाग एक दिन के रूप में गिना जाएगा। उदाहरण 1:- यदि कोई बन्दी छह मास के कारावास तथा 300 रूपए के जुर्माने का भुगतान करने केfy, ;k Ng ekl ds vfrfjDr dkjkokl ds fy, Hkqxrku u nsus dh pwd esa 15 जुलाई को दण्डादिष्ट किया गया है तथा वह 63/- रूपए का भुगतान करता है, तोlax.kuk fuEu vuqlkj dh tk,xh%&:i, 63@300 x 6 ekl ¾ 63@50 ¾ 1 $ 13/50 मास/रिहाई की तिथि एक मास काट कर 14 जून को हो जाएगी। जैसा किiwoZxkeh twu ekl 31 fnu dk gS] 13@50 x 31 ¾ 403@50 ¾ 8 $ 3@50 fnuA ;gka 63@& :i, ds Hkqxrku ds fy, ekQh ,d ekl rFkk vkB fnu gSA उदाहरण 2:- यदि कोई बन्दी 15 जुलाई की बजाए 15 जून को दण्डादिष्ट किया गया है, मास के13/50 की गणना 30 दिन के मास में की जानी होगी क्योंकि मई में उसी तिथि केलिए अप्रैल में किसी तिथि से अवधि 30 दिन है जो निम्न अनुसार हैः- 13/50x 30 ¾ 39@5 ¾ 7 $ 4@5 fnu rkfd ml ekeys esa ekQh Hkh ,d ekl rFkk vkB fnu होगी (आधे दिन से अधिक होने के कारण एक दिन का 4/5)।
प्रक्रिया, जब tqekZus ds cnys esa dkjkokl ds cUnh LFkkukUrfjr dj fn;k x;k gSA	155. यदि कोई बन्दीं, जिसके दण्ड में जुर्माना न देने की चूक में कारावास का आदेश शामिल है,कारावास जिसमें वह पहले परिरूद्ध था, से भिन्न कारागार से स्थानान्तरण द्वारा प्राप्त किया गया है, तोप्राप्त करने वाली कारागार द्वारा अधीक्षक जहां वह पहले परिरूद्ध था, को सूचना तुरन्त दी जाएगी, जोअपनी कारागार के प्रवेश रजिस्टर में ऐसी सूचना का रिकार्ड या प्राप्ति करेगा या करवाएगा। कारागार काअधीक्षक, जिसमंे बन्दी को पहले सुपुर्द किया गया था, यह देखने के लिए जिम्मेवार है कि उस द्वारा प्राप्तजुर्माने के भुगतान की सूचना कारागार जिसमें बन्दी परिरूद्ध है, में शीघ्रता से प्रेषित की गई है तथा ऐसीसूचना संचार के किसी अनुमोदित साधन द्वारा भेजी जाएगी।
okLrfod n.M ds vfrfjDr प्रतिभूति न देनेdh n'kk esa dkjkoklA	156. (1) यदि कोई व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीयअधिनियम 2) की धारा 106 या 117 के अधीन प्रतिभूति प्रस्तुत करने की उससे अपेक्षा करने वाला आदेशकिया गया है, ऐसे आदेश के समय पर कारावास से दण्डादिष्ट किया गया है या दण्ड भुगत रहा है, तोअवधि, जिसके लिए ऐसी प्रतिभूति अपेक्ष्ित है, ऐसे दण्ड की समाप्ति पर प्रारम्भ होगी। अन्य मामलों में ऐसीअवधि ऐसे आदेश के पारित किए जाने की तिथि से प्रारम्भ होगी यदि मजिस्ट्रेट पर्याप्त कारणों से बाद कीतिथि नियत नहीं करता है। यदि ऐसा व्यक्ति उसके वास्तविक दण्ड की समाप्ति की तिथि को या से पूर्व

	प्रतिभूति देने में असफल रहता है, तो उसे अवधि, जिसके लिए प्रतिभूति प्रस्तुत की जानी अपेक्ष्ाित है, कीसमाप्ति तक या अपेक्ष्ाित प्रतिभूति प्रस्तुत करने तक कारागार में निरूद्ध किया जाएगा। ऐसे मामलों में यहआवश्यक नहीं है कि औपचारिक वारंट वास्तविक दण्ड की समाप्ति के बाद कारागार में ऐसे व्यक्ति केनिरोध के लिए मजिस्ट्रेट द्वारा जारी किया जाएगा। mnkgj.k%& कोई बन्दी जब तीन मास का कारावास भुगत रहा है, छह मास की अवधि के लिए परिशान्ति कायम रखने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 106 के अधीन बन्धपत्र निष्पादित करने तथा उसी प्रकार की राशि के लिए एक प्रतिभू सहित पच्चीस हजार रूपए की राशि का बन्धपत्र निष्पादित करने के लिए सक्षम न्यायालय द्वारा आदेशित किया गया है, ऐसी तिथि, जिसको तीन मास का वास्तविक कारावास समाप्त होता है, को या से पूर्व प्रतिभूति देने में असफल रहता है, तो उसे अपेक्ष्ाित प्रतिभूति प्रस्तुत करने तक या अवधि, जिसके लिए ऐसी प्रतिभूति दी जानी है, पूरी हो गई है, तक कारागार में निरूद्ध किया जाएगा, किन्तु कोई औपचारिक वारंट ऐसे निरोध के लिए आवश्यक नहीं है। (2) यदि कोई व्यक्ति, जब प्रतिभूति प्रस्तुत न करने की चूक मे, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973(1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 122 के अधीन आदेश के अनुसार कारावास भुगत रहा है, ऐसेआदेश के करने से पूर्व कारित अपराध के लिए सिद्धदोष किया गया है तथा कारावास भुगतने के लिएदण्डादिष्ट किया गया है, तो ऐसा दण्ड, उस तिथि से, जिसको वह पारित किया गया था, प्रारम्भ होगा;तथा यदि ऐसे दण्ड की अवधि, जिसके लिए व्यक्ति प्रतिभूति न देने की चूक में कारावास भुगत रहा है, सेपूर्व समाप्त होता है, तो उसे ऐसी शेष अवधि के लिए निरूद्ध किया जाएगा। तथापि, यदि कोई व्यक्तिप्रतिभूति प्रस्तुत न करने की चूक में, कारावास भुगतने के दौरान दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 काकेन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 122 के अधीन आदेश जारी करने के बाद किए गए अपराध के लिएसिद्धदोष किया गया है तथा कारावास से दण्डादिष्ट किया गया है, तो ऐसा दण्ड प्रतिभूति प्रस्तुत करने मेंअसफलता के लिए कारावास के समापन से प्रारम्भ होगा, यदि न्यायालय निर्देश नहीं करता है कि ऐसादण्ड प्रतिभूति प्रस्तुत करने में असफलता के लिए कारावास के साथ-साथ चलेगा। (3) अधिनियम या हरियाणा सदाचार बन्दी (अस्थाई रिहाई) अधिनियम, 2022 (2022 का 15) केअधीन दिया गया कोई दण्ड प्रतिभूति प्रस्तुत न करने की चूक में कारावास की समाप्ति पर या कारागार मेंसूचना की प्राप्ति की तिथि से कि प्रतिभूति प्रस्तुत कर दी गई है, प्रारम्भ होगा। (4) जहां कोई बन्दी जो कारावास का वास्तविक दण्ड पहले ही भुगत रहा है, दण्ड प्रक्रियासंहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के अध्यायVIII ds v/khu ifj'kkafr dk;e j[kus ;k सदाचार के लिए प्रतिभूति प्रस्तुत न करने की दशा में अतिरिक्त दण्ड भुगतने के लिए आदेशित किया गयाहै, तो आदेश उस जिला एवं सत्र न्यायाधीश के ध्यान में लाया जाएगा, जिसके ऐसा न्यायिक मजिस्ट्रेटv/khuLFk gSA (5) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 122 की उप धारा (2)में वण्र्ाित अवधि जिला एवं सत्र न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के आदेश की तिथि से गिनी जाएगी, यदिबाद में वारंट में विशेष रूप से निर्देश नहीं दिया गया है कि इसे अन्यथा गिना जाना है, जिस मामले मेंofj"B U;k;ky; ds funsZ'k dh ikyuk dh tk,xhA (6) प्रतिभूति देने में असफलता के लिए निरोध दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीयअधिनियम 2) की धारा 427 के अर्थों के भीतर कारावास का वास्तविक दण्ड नहीं है।
प्रक्रिया, यदि n.M fuyfEcr fd;k x;k gSA	157. (1) ;fn vihy U;k;ky; funsZ'k nsrk gS fd n.M dk fu"iknu ;k vihy ds fo#) vkns'k निलम्बित किया जाए, तो अपीलार्थी, ऐसे न्यायालय के आगामी आदेश के लम्बित रहने तक कारागार में निरूद्ध है, सभी प्रकार से विचाराधीन बन्दी के रूप में समझा जाएगा। (2) यदि अपीलार्थी अन्त में कारावास या आजीवन कारावास से दण्डादिष्ट किया गया है, तो अवधि, जिसके दौरान मूल दण्ड निलम्बित किया गया था,- (K) ;fn n.M tc cUnh mlh ekeys esa fopkjk/khu ds :i esa dkjkxkj esa Fkk] ikfjr fd;k tk,] 'kkfey dh tk,xh(rFkk (b) ;fn n.M tc cUnh LoPNUn Fkk ;k cUnh ds :i esa dkjkxkj esa Fkk] ikfjr fd;k tk,] fudky nh tk,xk]

	अवधि जिसके लिए उसे अपील न्यायालय द्वारा दण्डादिष्ट किया गया है, में परिकलित की जाएगी।

भगोड़े बन्दी कोfn, x, कारावास को कैसे प्रभावी djuk gSA	158. (1) भगोड़े बन्दी के मामले में, जो बाद में अन्य अपराध के सम्बन्ध में गिरफ्तार किया गया है,पुलिस अभिरक्षा में उस कारण से या विचाराधीन बन्दी के रूप में बिताई गई किसी अवधि को मूल दण्ड केv/khu dkjkokl ds :i esa ugha fxuk tk,xkA (2) ऐसे सभी बन्दियों के सम्बन्ध में रिहाई की मूल तिथि के स्थान पर रिहा किए जाने वालेबन्दियों के रजिस्टर में आवश्यक प्रविष्टियां की जाएंगी। (3) यदि कारावास का अतिरिक्त दण्ड भगोड़े बन्दी पर पारित किया गया है जिसे दुबारा बन्दीकिया गया है, ऐसा दण्ड, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 426 केउपबन्धों के अनुसार प्रभावी होगा।
;fn iqu% fopkj.k vkfn"V gSA	159. यदि न्यायालय पुनः विचारण के बाद दण्ड पारित करता है या बाद में मूल दण्ड प्रतिवर्तित कियाजाता है या पुनः विचारण (नया विचारण) अपील पर आदिष्ट किया गया है, तो नए विचारण से पूर्व बन्दीद्वारा पहले से भुगते गए पूर्व दण्ड या उसका भाग, यदि विशेष रूप से अन्यथा निदेशित नहीं किया गयाहै, कोई अवधि, जिसके दौरान बन्दी स्वच्छन्द था, को निकाल कर, नए विचारण के बाद अधिरोपित दण्डकी ओर भी गिना जाएगा।
;fn vihy U;k;ky; n.M rFkk iqu% विचारण आदेशोंको रद्द करताgSA	160. यदि अपील न्यायालय कोई दण्ड रद्द करता है तथा निर्देष देता है कि बन्दी का पुनः विचारणकिया जाए तथा जमानत पर बन्दी की रिहाई के लिए वारंट प्राप्त नहीं हुआ है, तो बन्दी को विचाराधीनवार्ड (यदि वह कोई अन्य दण्ड नहीं भुगत रहा है) में प्रतिप्रेषित कर दिया जाएगा तथा अधीक्षक लम्बितविचारण के लिए उसकी अभिरक्षा हेतु वारंट के लिए सुपुर्द करने वाले न्यायालय को आवेदन करेगा यदि,slk okjaV ml le; ij ugha fn;k x;k gSA ,slk okjaV ml U;k;ky; }kjk tkjh fd;k tk,xk] ftlds द्वारा बन्दी को विचारा जाना है तथा तिथि बताई जानी है जिसको उसे न्यायालय के सम्मुख पेष कियाtkuk gSA
प्रक्रिया यदि n.M iq"V fd;k x;k gSA	161. (1) यदि कोई अपील अस्वीकार कर दी गई है या दण्ड उच्च न्यायालय से भिन्न किसी अपीलन्यायालय द्वारा पुष्ट किया गया है, तो उस आषय की सूचना ऐसे अपील न्यायालय द्वारा अधीक्षक को भेजीजाएगी तथा ऐसा आदेष रिकार्ड के लिए सम्बन्धित विचारण न्यायालय को भी सूचित किया जाएगा। (2) ;fn cUnh dh vihy ;k iqujh{k.k vkosnu dh mPp U;k;ky; }kjk vLohd`fr ml न्यायालय को सूचित की जाती है, जिसके द्वारा ऐसे बन्दी को सिद्धदोष किया गया था, ऐसा न्यायालयतुरन्त अधीक्षक तथा सम्बन्धित बन्दी को दिए गए ऐसे निर्णय की सूचना देगा। (3) उच्च न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्ड की पुष्टि के लिए सत्र न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट मामलों मेंउच्च न्यायालय, सत्र न्यायालय को इसके आदेष की प्रति भेजेगा जो तब अधीक्षक को वारंट जारी करेगा।
बन्दी को उसकीvihy ;k vkosnu ds परिणाम को lwfpr fd;k tk,xkA	162. सभी मामलों में अधीक्षक किसी वारंट या आदेष या सूचना की प्राप्ति की पत्र द्वारा पावती लेगातथा उसकी अपील या आवेदन के परिणाम को बन्दी को सूचित भी करेगा।

çfØ;k tc fdlh naMkns'k को अपील परसंषोधित या myV fn;k tkrk gSA	163. (1) यदि बन्दी का दण्ड उच्च न्यायालय से भिन्न न्यायालय द्वारा अपील पर प्रतिवर्तित यापरिवर्तित किया गया है, तो नया वारंट अपील न्यायालय द्वारा अधीक्षक को जारी किया जाएगा तथा ऐसाआदेष सम्बन्धित विचारण न्यायालय को भी सूचित किया जाएगा: परन्तु यदि दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 386 केv/khu cUnh ds vihy U;k;ky; iqu% fopkj.k vkns'k ;k fopkj.k ds fy, lqiqnZxh ds fy, og ml न्यायालय को अपने आदेष सूचित करेगा, जिसके निर्णय को प्रतिवर्तित किया गया है तथा वह न्यायालयउस पर ऐसे आदेष करेगा जो अपील न्यायालय के निर्णय के अनुरूप हों। (2) यदि कोई मामला उच्च न्यायालय द्वारा अपील या पुनरीक्षण पर निर्णीत किया गया है, तोन्यायालय या मजिस्ट्रेट, जिसको उच्च न्यायालय अपने आदेष प्रमाण्ित करता है, अधीक्षक को नया वारंटया आदेष यदि आवष्यक हो, जारी करने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2)की धारा 388 या 405 के उपबन्धों के अधीन अग्रसर होगा। (3) उन सभी मामलों में, जिनमें दण्ड या आदेष अपील या पुनरीक्षण में परिवर्तित या प्रतिवर्तितकिया गया है, तो एक पृथक वारंट प्रत्येक बन्दी, जिसका दण्ड इस प्रकार परिवर्तित या प्रतिवर्तित कियाx;k gS] ds lEcU/k esa tkjh fd;k tk,xkA

किसी बन्दी कोiqu% fxj¶rkj djus rFkk iqu% cUnh djus ij fjgkbZ dh frfFk dh lax.kukA	164. किसी बन्दी, जिसे दोषसिद्धि के बाद जमानत पर रिहा किया गया है किन्तु बाद में उसका दण्डपूरा करने के लिए कारागार को पुनः सुपुर्द किया गया है या जो भगोड़ा है तथा बाद में पुनः बन्दी, कियाx;k gS dh fjgkbZ dh frfFk dh lax.kuk djus esa fuEufyf[kr i)fr viukbZ tk,xh] vFkkZr~%& "दिनों की संख्या जोड़े, जिसके लिए बन्दी रिहाई तथा पुनः गिरफ्तार करने या भगोड़ेतथा पुनः बन्दी करने के दिनों को छोड़कर दण्ड की अवधि में जमानत पर था यास्वच्छन्द था। तिथि, जिसको इन अवधियों का जोड़ व्यपगत हो जाएगा, दोषसिद्धि कीतिथि से गिनने के लिए दण्ड की समाप्ति की तिथि होगी"। mnkgj.k%& ,d ekl ds dkjkokl ds fy, 11 tuojh dks n.Mkfn"V dksbZ cUnh 15 tuojh dks Hkkx tkrk gS rFkk 18 tuojh dks iqu% cUnh dj fy;k x;k gSA og 12 Qjojh dks रिहा किए जाने के लिए मूल वारंट पर हकदार होगा।
;fn fdlh विदेषी को dkjkokl dh अवधि के लिए n.Mkfn"V fd;k x;k gSA	165. यदि विदेषी अधिनियम, 1946 (1946 का केन्द्रीय अधिनियम 31) की धारा 4 के अधीन गिरफ्तारतथा निरूद्धविदेषी, को कारावास की अवधि भुगतनी है, तो विदेषी अधिनियम के अधीन निरोध की अवधि,कारावास जो उस पर अधिरोपित की जाए को किसी दण्ड की अवधि से निकाल दी जाएगी तथा केअतिरिक्त होगी।

वारंटों की जांच।	v/;k; 12 बन्दियों की रिहाई 166. सभी बन्दियों के वारंट निम्नलिखित समय पर जांचे जाएंगे, अर्थात्:- (क) प्रवेष के समय पर, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा428 के अधीन क्षतिपूर्ति के लिए अवधि दोषसिद्ध करने वाले न्यायालय के द्वारा पुष्ट कीजाएगी तथा रिहाई की सम्भावित तिथि (पी. डी. आर.) पर

	पहुंचने के लिए दण्ड से इननियमों के अनुसार काटी जाएगी; (ख) उस समय पर, जब वह माफी सहित उसके वास्तविक दण्ड के आधे को पूरा करता है, तोरिहाई की नई सम्भावित तिथि (पी. डी. आर.) रिहाई रजिस्टर में नोट की जाएगी; (ग) उस समय पर, जब वह माफी सहित उसके वास्तविक दण्ड के तीन चैथाई को पूरा करताहै, तो रिहाई की नई सम्भावित तिथि (पी.डी.आर.) रिहाई रजिस्टर में नोट की जाएगी; (घ) अन्त में, सभी बन्दियों के वारंट, जिनकी रिहाई किसी मास में होती है, उनके सहीपन कापता लगाने के लिए पूर्व मास के 20वें दिन को जांचे जाएंगे तथा अधीक्षक के ध्यान में लाएtk,axsA
दण्ड प्रक्रिया lafgrk] 1973 dh /kkjk 356 ds v/khu cUnh }kjk fuokl dh lwpuk djukA	167. (1) बन्दी, जिसके सम्बन्ध में दण्ड देने वाला न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973(1974 काकेन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 356 के अधीन आदेष अभिलिखित करता है, अधीक्षक द्वारा या अधीक्षकद्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा ऐसा करने के लिए अपेक्ष्ित होने पर उसकी रिहाई के लिएनियत तिथि से कम से कम दो मास पहले अधीक्षक या उस द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्ति, जैसी भीस्थिति हो, को समय-समय पर महानिदेषक द्वारा यथा विहित प्ररूप में उस स्थान को सूचित करेगा, जहाँftlesa og viuh fjgkbZ ds ckn jgsxkA (2) v/kh{kd cUnh dh fjgkbZ dh lEHkkfor frfFk ls de&ls&de ,d ekl iwoZ ftyk iqfyl अधीक्षक को समय-समय पर महानिदेषक द्वारा यथा विहित प्ररूप में रिपोर्ट करेगा, जिसमें बन्दी कीपहचान के लिए नाम तथा अन्य आवष्यक ब्यौरे तथा स्थान जिसमें ऐसा बन्दी अपनी रिहाई के बाद रहनेका इरादा रखता है, षामिल होंगे। (3) यदि बन्दी नियम 168 के अधीन उस द्वारा सूचित स्थान से भिन्न किसी स्थान में निवासकर रहा है, तो वह पन्द्रह दिन के भीतर या यथा साध्य यथा षीघ्र स्थान, जिसमें वह रहता है, की स्थानीयसीमाओं के भीतर आने वाले पुलिस थाने या चैकी में व्यक्तिगत रूप में हाजिर होगा तथा पुलिस थाने केप्रभारी अधिकारी को अपना निवास स्थान सूचित करेगा। fVIi.k%& izR;sd ekeys esa] ftlesa n.M U;k;ky; n.M izfØ;k lafgrk] 1973 ¼1974 dk dsUnzh; vf/kfu;e 2½ dh /kkjk 356 ds v/khu ¼fjgkbZ ds ckn vius fuokl rFkk fuokl ds izR;sd ifjorZu lwfpr djus ds fy, cUnh dks funsZ'k nsus½ vkns'k djrk gS] rks ,sls vkns'k dh ,d izfr v/kh{kd] ftlesa cUnh ifj:) gSa ;k ifj:) fd;k tkuk lEHkkfor gS] dks lqiqnZxh ds okjaV lfgr n.M rFkk vkns'k ikfjr djus okys U;k;ky; द्वारा प्रेषित की जाएगी।
प्रक्रिया यदिn.M lekIr होता है।	168. (1) प्रत्येक बन्दी को रिहा करने से पूर्व प्रवेष रजिस्टर में अभिलिखित ऐसे बन्दी के व्यक्तिगतवर्णन के संदर्भ से सावधानीपूर्वक पहचान की जाएगी तथा अधीक्षक तथा उप अधीक्षक (प्रषासन) क्रमषःअपनी सन्तुष्टि करेंगे कि भविष्य में लाया गया बन्दी रिहा किए जाने का हकदार है तथा कि माफी नियमोंके अनुसरण में अर्जित तथा प्रदान की गई किसी माफी को छोडकर, उसने अपना दण्ड विधिवत पूरा करलिया है, उसके बाद बन्दी को मुख्य द्वार से रिहा किया जाएगा। (2) बन्दी के अन्तिम उन्मोचन के लिए प्रत्येक आदेष अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा। (3) किसी भी बन्दी को अधीक्षक के सुस्पष्ट आदेष के बिना रिहा नहीं किया जाएगा। तथापि,अपील, जुर्माने के भुगतान पर, प्रतिभूति देने या जमानत देने पर रिहाई के मामले में, जिसमें विधिक निरोधकी षक्ति, न्यायालय का आदेष कारागार में वितरित होने के यथा षीघ्र समाप्त हो जाती है, उप अधीक्षक(प्रषासन) अपनी जिम्मेवारी पर बन्दी को रिहा करेगा, बषर्ते कि अधीक्षक को तुरन्त संदर्भ किया गया है।ऐसे बन्दी का वारंट अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा मानो बन्दी उसके स्वयं से पहले रिहा कियाx;k FkkA fVIi.k%& साधारणतः अधीक्षक कारागार परिसर में हाजिर रहेगा तथा अपनी उपस्थिति में बन्दी को रिहा करेगा। केवल अपवादिक मामलों में, यदि अधीक्षक से सम्पर्क करना व्यवहार्य नहीं है, तो उप अधीक्षक (प्रषासन) को अपनी जिम्मेवारी पर रिहाई प्रभावी करनी चाहिए।

	(4) प्रत्येक बन्दी को रिहा करने से पूर्व सुनिष्ि्चत किया जाएगा कि कोई भी दण्ड याविचाराधीन मामला उसके विरूद्ध लम्बित नहीं है। लम्बित मामलों या अन्य दोषसिद्धियों की प्रविष्टियां तथाक्रास प्रविष्टियां प्रत्येक दोषसिद्धि या निरोध वारंट तथा अनुरूप कारागार रजिस्टरों के पिछले भाग पर लालस्याही में प्रमुख रूप से अभिलिखित की जाएंगी। (5) यदि कोई बन्दी, जिसे किसी बाहरी अस्पताल में भरती किया गया है, रिहाई के लिए पात्रहै, तो उसे ऐसे अस्पताल से रिहा किया जाएगा। (6) प्रत्येक बन्दी की रिहाई में अनुचित विलम्ब के मामले की रिपोर्ट अधीक्षक द्वारा महानिदेषकको प्रस्तुत की जाएगी। बन्दी की प्रत्येक ऐसी गैर-रिहाई की हमेषा जांच की जाएगी तथा बन्दी के अधिकनिरोध के लिए जिम्मेवारी नियत की जाएगी।
nwljh dkjkxkj esa LFkkukUrfjr cUnh dh fjgkbZ dk okjaVA	169. किसी बन्दी की रिहाई के लिए वारंट की प्राप्ति पर, जिसे दूसरी कारागार में स्थानान्तरित कियागया है, ऐसा वारंट उस कारागार, जिसमें बन्दी परिरूद्ध है, को संचार के अनुमोदित साधन के द्वारा तथाविषेष सन्देषवाहक के द्वारा बिना विलम्ब के ऐसे वारंट को जारी करने वाले न्यायालय की सूचना केv/khu vxzsf"kr fd;k tk,xkA
fjgkbZ okjaV i`"Bkafdr dh tkus okyh dqy ekQ+hA	170. यदि किसी बन्दी को रिहा किया गया है, तो उस द्वारा अर्जित माफी की कुल मात्रा अधीक्षक केपृष्ठांकन सहित उसके वारंट तथा प्रवेष रजिस्टर में दर्ज की जाएगी।
cUnh dk LokLF; rFkk Hkkj vfHkfyf[kr fd;k tkukA	171. चिकित्सा अधिकारी प्रवेष रजिस्टर, रिहाई रजिस्टर तथा इतिवृत-टिकट में रिहाई पर प्रत्येक बन्दीdk LokLF; rFkk Hkkj vfHkfyf[kr djsxk ;k vfHkfyf[kr djok,xkA
cUnh dh fjgkbZ dk le;A	172. (1) किसी भी बन्दी को जिला मजिस्ट्रेट या पुलिस अधीक्षक से प्राप्त निर्देष पर किसीप्रषासकीय अत्यावष्यकता के सिवाए, रात में हवालात के समय के बाद तथा किसी दिन को सूर्योदय सेiwoZ fjgk ugha fd;k tk,xkA (2) प्रत्येक बन्दी, जिसकी रिहाई किसी दिन को सक्षम न्यायालय या प्राधिकारी द्वारा आदिष्ट कीगई है, उसकी रिहाई के निर्देष करने वाले आदेष की प्राप्ति के बाद यथा सम्भव षीघ्र-रिहा कियाजाएगा। तथापि, ऐसा बन्दी, जिसका रिहाई आदेष किसी दिन को सायंकाल 06:00 बजे के बाद प्राप्त हुआहै, तो अगले दिन को यथा सम्भव शीघ्र रिहा किया जाएगा।
cUnh }kjk fjgkbZ ij] mldh dkjkxkj ifj/kku प्रस्तुत करना।	173. (1) प्रत्येक बन्दी, उसे रिहा करने से पूर्व, उसके सम्पूर्ण कारगार परिधान साफ सुथरी स्थिति मेंनिरीक्षण करने तथा देने के लिए प्रस्तुत करने की अपेक्ष्ि्ात करेगा। कोई बन्दी, जिसके वस्त्र मैले है, उसकीfjgkbZ ls igys mls /kqyok,a rFkk lkQ djok, tk,axsA (2) रिहा किए जाने के दायरे में बन्दी अपने निजी वस्त्रों में या यदि उसके पास उसके अपनेवस्त्र नहीं हैं, तो कारागार प्राधिकारियों द्वारा उसको मुहैया कराए गए वस्त्रों में उप अधीक्षक (प्रषासन) केसम्मुख स्वयं को हाजिर करेगा।
;fn fjgkbZ dh तिथि को dkjkxkj vodk'k gSA	174. यदि उस तिथि, जिसको कोई बन्दी रिहा किया जाना है, को कारागार अवकाष, तो ऐसे बन्दी को,d fnu igys fjgk djuk pkfg,A

वायरलैस (बेतार)lUns'k ;k bZ&esy ds प्राधिकार पर fjgkbZA	175. किसी भी बन्दी को रिहा नहीं किया जाएगा यदि न्यायालय आदेष कार्यालय ई-मेल आई डी केद्वारा प्राप्त नहीं हुए है या जब तक ऐसे आदेष इस निमित्त विषेष रूप से प्रतिनियुक्त न्यायालय कर्मचारीके माध्यम से प्राप्त नही हुए हैं।
प्रक्रिया यदि fjgkbZ ds vkns'k dh oS|rk ds ckjs esa lUnsg उत्पन्न होता है।	176. (1) जब प्राप्त किए गए रिहाई आदेष की वास्तविकता के बारे में सन्देह उत्पन्न होता है, तो संचार के अनुमोदित साधन या टेलीफोन के माध्यम से जारी करने वाले प्राधिकारी से षीघ्र स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाएगा तथा ऐसे स्पष्टीकरण के लम्बित रहने तक बन्दी को निरूद्ध किया जाएगा। (2) प्रमाणीकरण के बाद, बन्दी को तुरन्त रिहा किया जाएगा, तथा नोट सम्बद्ध सहायक अधीक्षक द्वारा सुसंगत रजिस्टर में अभिलिखित तथा हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा उप अधीक्षक (प्रषासन) द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा। (3) यदि किसी आदेष की वैद्यता सन्देह में है, तो निर्देष प्राप्त करने के लिए वरिष्ठ न्यायालय esa vihy nk;j dh tk,xhA

fjgkbZ ij cUnh को प्रमाणपत्र fn;k tkukA	177. कारागार से दण्डादिष्ट बन्दी को उसकी रिहाई के समय पर महानिदेषक द्वारा यथा विहित प्ररूपमें, अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित इस आषय का एक प्रमाण-पत्र दिया जाएगा कि उसने अपनी कारावास कीअवधि पूरी कर ली है तथा माफी की मात्रा, यदि कोई हो, उसमें बताई जाएगी। कारागार में उसके चरित्र,आचरण तथा उस द्वारा प्राप्त किसी कारागार उद्योग में प्रवीणता की एक रिपोर्ट भी प्रमाणपत्र में षामिल कीtk,xh ;fn cUnh ,slk pkgrk gS] fdUrq vU;Fkk ughaA
fjgkbZ ij cUnh की वस्तुओं कीokilhA	178. प्रत्येक बन्दी की रिहाई के समय पर अधीक्षक उससे सम्बन्धित सभी धनराष्ि तथा अन्य वस्तुएं(यदि कोई हो) उसको देगा या दिलवाएगा। धनराष्ि तथा अन्य वस्तुएं (यदि कोई हो) की प्राप्ति की पावतीतथा यदि बन्दी लिखना जानता है, तो प्रवेष रजिस्टर में उस से ली जाएगी। यदि बन्दी लिखना नहींजानता है, तो उसे यह बताने के लिए बुलाया जाएगा कि क्या उसने उससे सम्बन्धित सभी धन राष्ि तथावस्तुएं प्राप्त कर ली है या नहीं तथा यदि नही तो कौन सी वस्तुएं या उनका मूल्य उसको नहीं दिया गयाहै। यदि बन्दी की धनराष्ि या अन्य वस्तुओं का कोई भाग उसको नहीं दिया गया है, तो इस तथ्य काएक नोट उसके वारंट से संलग्न सूची में नहीं दी गई वस्तु के सामने दिया जाएगा तथा अधीक्षक निर्णयकरेगा कि क्या बन्दी को उसके सम्बन्ध में कोई मुआवजा प्रदान किया जाना है तथा तदानुसार उसको ऐसेमुआवजे का भुगतान करेगा या उसका भुगतान करवाएगा। कारागार के किसी अधिकारी की अभिरक्षा केसमय गुम धनराष्ि या अन्य वस्तुओं के लिए मुआवजा ऐसी हानि के लिए जिम्मेवार अधिकारी के खर्च परHkqxrku fd;k tk,xkA
'krsZa] ftuds v/khu fjgk cUnh को वस्त्र दिए tk ldrs gSaA	179. प्रत्येक बन्दी, जिसके वस्त्र नष्ट कर दिए गए हैं या जो स्वास्थ्य या मर्यादा के प्रयोजन के लिएअपर्याप्त हंै, रिहाई पर ऐसे वस्त्रों को सरकार के खर्च पर दिए जा सकते हैं जैसा अधीक्षक आवष्यक तथाउचित समझे। परन्तु यदि किसी बन्दी के पास प्र्याप्त साधन है, यदि वह ऐसा चाहता है, तो उसे लागतewY; ds Hkqxrku ij oL= fn, tk,axsA
fjgkbZ ij बन्दियों को यात्राlgk;rkA	180. सामान्यतः बन्दियों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा, किन्तु यदि किसी बन्दी के पास प्र्याप्तधनराष्ि नहीं है, तो उसे उपलब्ध परिवहन के सस्ते ढंग का प्रयोग करने के लिए उसके घर के साधारणekxZ ds fy, fdjk;k nsus dh O;oLFkk dh tk,xhA
महिला बन्दियोंdh fjgkbZA	181. (1) प्रत्येक महिला बन्दी को रिहाई की तिथि के बारे में सूचना महिला बन्दी के परिवार केसदस्य या रिष्तेदारों को मुख्य द्वार पर उनके आने तथा उसे प्राप्त करने की दृष्टि से सूचित कियाtk,xkA

	(2) यदि किसी महिला बन्दी को प्राप्त करने के लिए कोई परिवार का सदस्य या रिष्तेदारउपस्थित नहीं होता है, तो अधीक्षक द्वारा उपयुक्त महिला मार्गरक्षी मुहैया कराई जाएगी। यदि महिला बन्दी,महिला मार्ग रक्षी स्वीकार करने की अनिच्छुक है तथा उसे लिखित में देती है, तो उसे साधारण रीति मेंरिहा कर दिया जाएगा। यदि परिवार का सदस्य या रिष्तेदार महिला बन्दी को ग्रहण करने के इच्छुक नहींहै, तो अधीक्षक सम्बद्ध जिला मजिस्ट्रेट को सूचना के अधीन नारी निकेतन या किसी अन्य ऐसी सरकारीसंस्था में उसे भेजने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगाः ijUrq ;fn efgyk cUnh ukjh fudsru ;k fdlh ,slh ljdkjh laLFkk esa tkus ds fy, Hkh इच्छुक नहीं हैं, तो उससे यह लिखित में लेने के बाद महिला बन्दी को साधारण रीति में रिहा कियाtk,xkA
tc fdlh cUnh को जमानत परfjgk fd;k tk ldrk gSA	182. (1) यदि अपील न्यायालय का वारंट निर्देष देता है कि बन्दी को जमानत पर या उसके अपनेया अन्य व्यक्ति के बन्ध-पत्र पर रिहा किया जाएगा, तो अधीक्षक, मजिस्ट्रेट या अन्य उचित प्राधिकरण सेलिखित में सूचना प्राप्त करेगा कि ऐसी जमानत या बन्ध-पत्र विधिवत रूप से प्रस्तुत किया गया है तथाकि ऐसे बन्दी को उसके निबन्धनों के अनुसार मुक्त किया जा सकता है। (2) fdlh cUnh dk O;fDrxr cU/k&i=] ftldh fjgkbZ ds vkns'k fn, x, gSa v/kh{kd }kjk या अधीक्षक की अनुपस्थिति में उप अधीक्षक (प्रषासन) द्वारा कारागार कार्यालय में तैयार तथा सांक्ष्यांकितfd;k tkuk pkfg,A
okjaV dh okilh के लिए प्रक्रिया।	183. (1) जब कोई बन्दी जमानत पर या दण्ड के समापन पर रिहा किया गया है, तो उसका वारंट उस न्यायालय (जारी करने वाले अधिकारी के नाम से नहीं) को रिहाई की तिथि तथा कारण दर्षाते हुए तथा तिथि जिसको वारंट वापस किया गया है, के पृष्ठांकन सहित जिसने उसे जारी किया है वापस किया tk,xkA (2) प्रत्येक बन्दी,किसी कारागार में मृत्यु हो गई है, का वारंट उस न्यायालय को मृत्यु की तिथि rFkk okjaV okfil djus dh frfFk n'kkZrs gq, i`"Bkadu lfgr okil fd;k tk,xk] ftlus mls tkjh fd;k gSA (3) यदि किसी बन्दी के लिए पृथक वारंट के अधीन दो या से अधिक दण्ड भुगतने अपेक्ष्ति हैं,

	तो सभी वारंट सभी दण्डों के अन्तिम निष्पादन पर वापस किए जाएंगे तथा वापस किए गए प्रत्येक वारंटकी एक फोटोप्रति कारागार रिकार्ड में रखी जाएगी। (4) सेना-न्यायालय द्वारा दण्डादिष्ट बन्दियों का सुपुर्दगी वारंट यूनिट के कमान्डिंग अधिकारीको भेजा जाएगा जिसमें न्यायालय ने दण्ड के पूरा होने के बाद रखा है। (5) भगौड़े बन्दी की सुपुर्दगी वारंट, जिसे पुनः पकड़ा नहीं गया है, भागने की तिथि से दसवर्ष के बाद सम्बन्धित न्यायालय को वापस किया जाएगा।
okjaV okil djuk gSA	184- (1) यदि किसी बन्दी को उसकी अपील की सुनवाई लम्बित होने पर जमानत मंजूर की गई है, तो सुपुर्दगी का मूल वारंट उस न्यायालय को वापस किया जाएगा, जिसने अपील न्यायालय के सम्मुख प्रस्तुति के लिए उसे जारी किया है। वापस किए गए प्रत्येक वारंट की एक फोटोप्रति कारागार रिकॉर्ड के fy, j[kh tk,xhA (2) प्रत्येक मामले में, जिसमें अपील पर दण्ड प्रतिवर्तित किया गया है, तो अपील न्यायालय उस न्यायालय को अपने आदेष की प्रति सहित मूल वारंट वापस करेगा, जिसके द्वारा अभियुक्त की उसे fjgk djus ds funsZ'k lfgr tekur eatwj dh xbZ FkhA

	(3) प्रत्येक मामले में, जिसमें अपील पर दण्ड में संषोधन किया जाता है, तो अपील न्यायालय नया वारंट तैयार करेगा तथा उस न्यायालय को मूल वारंट तथा अपने आदेष की एक प्रति सहित उसे भेजेगा, जिसके द्वारा अभियुक्त को उसके समर्पण को सुरक्ष्िात करने के लिए उपाय करने हेतु funsZ'k rFkk :ikrUrfjr okjaV ij O;fDr dh liqnZxh lfgr tekur eatwj dh xbZ FkhA (4) प्रत्येक मामले में, जिसमें अपील में दण्ड पुष्ट किया गया है, तो अपील न्यायालय उस न्यायालय को अपने आदेष की एक प्रति सहित मूल वारंट वापस करेगा, जिसने बन्दी को उसके समर्पण को सुरक्ष्िात करने के उपाय करने हेतु निर्देष तथा मूल वारंट पर बन्दी की सुपुर्दगी सहित जमानत मंजूर dh gSA fVIi.k%& mijksDr of.kZr izR;sd ekeys esa ml U;k;ky;] ftlesa cUnh leiZ.k djrk gS] tekur ij mldh fjgkbZ rFkk mlds ckn esa leiZ.k dh Øe'k% frfFk;ka okjaV ij i`"Bkafdr djus dh M;wVh gksxhA
dkjZokbZ] tgka cUnh leiZ.k djrk gSA	185. जहां बन्दी, अपील न्यायालय में समर्पण करता है, ऐसा न्यायालय प्रत्येक मामले में, जिसमें अपील मेंदण्ड प्रतिवर्तित करता है, उसे रिहा करेगा तथा प्रत्येक मामले में, जिसमें अपील पर दण्ड उपान्तरित यापुष्ट किया गया है, नियम 184 के उप-नियम (3) तथा (4) के अनुसार उसको अभिरक्षा में सुपुर्द करने केनिर्देष सहित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को उपान्तरित या मूल वारंट सहित पुलिस अधिकारी के प्रभार केअधीन अभियुक्त को भेजेगा।
fjgkbZ ds le; ij xEHkhj chekjh ls ihfM+r fdlh cUnh dk ekeyk A	186. यदि बन्दी के दण्ड के समापन पर या रिहा्ई के समय पर वह गम्भीर बीमारी से पीड़ित पाया जाताहै तथा उपचार करा रहा है, यदि वह अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कारागार में उपचाराधीन रहने काविकल्प चुनता है, तो उसे रिहाई के लिए उपयुक्त रूप से प्रमाण्ित करने तक ऐसा करने के लिए अनुज्ञातfd;k tk,xkA
cUnh dh le;iwoZ fjgkbZA	187. (1) सक्षम प्राधिकारldrkA ljdk प्रषान्ति आदिdjrh gSA le vFkkr~ ,slh l ekxZnf'kr gkr ikl vkjf{kr ds fy, M;qVh (2) fofgr U;ure समयपव रिहाइ, सरकार द्वारा सिद्धदोष बन्दिया कीा क विवक के अध्यधीन है तथा अधिकार के मार माफी की अपनी कायकारी षक्तियो का प्रयागसहित उसके विभिन्न कारको को ध्यान मे रखत;io fjgkbZ dk vueknu] vLohdkj ;k vkLFkfxr मयपव रिहाइ समाज तथा सामाजिक जाखिमी है। समयपर्व रिहाई का अनमोदन, अस्वीकार याहै, जबकि उसी समय पर प्रत्यक मामल पर विचारसक्षम पाधिकारी पर डाली जाती है। सिद्धदोष बन्दी की समयपूर्व रिहाई के लिए किसीदण्ड क समापन स पूर्व विचार नही किया जाएगा	पदान किया गया विषषाधिकार है।मल क रूप मं दावाकृत नहीं किया djr g, ykd O;oLFkk] 'kkfUr r हुए प्रत्यक मामल पर अलग से विdju dk fu.kZ; cUnh dh vko';drk ds eY;kdu d lrqyu d fopkj आस्थगित करने का अधिकार सरकारdjr le; ldkj.k vkns'k ikfjr d Hkh ekeyk ij blea] bld uhp ; %&	;g tk Fkk pkj ओ l ds jus Fkk
	1	2	3	
	प्रवर्ग	अपराध तथा अन्य कारकों का स्वरूप	le;iwoZ fjgkbZ ekeyk ;fn fopkjk x;k gS	

		(K)	उपरोक्त उप-प्रवर्ग (क) में आने वाले बन्दियों से	(i)पुरूष बन्दी-विचाराधीन अवधि	
			fHkUu cUnh] ftudk e`R;q n.M vkthou	lfgr chl o"kZ ds okLrfod	

			dkjkokl esa y?kqdj.k fd;k x;k gS ;k os cUnh] ftls ?k`f.kr vijk/k djus ds fy, vkthou dkjkokl fn;k x;k gS tSls fd % (i) बलात्कार/अप्राकृतिक अपराध सहितgR;k((ii) उसी मामले में विभिन्न व्यक्तियों कीgR;k rFkk बलात्कार/अप्राकृतिकvijk/k((iii) सामूहिक बलात्कार; (iv) बारह वर्ष से कम आयु के बालक केविरूद्ध चेतन योन हमला/गम्भीर चेतनयोन हमला; (v) फिरोती लेन/लूटपाट/डकैती/ igj.k@ vigj.k olwy djus ds bjkns ls gR;k; (vi) सामुहिक हत्या करने या जनसाधारणvkØe.k djus ds fy, ;k साम्प्रदायिक/जाति naxs ;k नक्सलवादियो के दौरान पृथक हत्याकरने विस्फोटक का प्रयोग; (vii) न्यायिक अधिकारी, कारागार अधिकारी,अभियोजक या किसी पुलिस अधिकारीdh gR;k((viii) किसी सरकारी कर्मचारी की उसकीकार्यालय डयूटी के निर्वहन के दौरानgR;k((ix) किसी निर्वाचित प्रतिनिधि की उसकेdk;Z ds fuoZgu ds lEcU/k esa gR;k((x) किसी मामले में गवाह की गवाही केlEcU/k esa gR;k((xi) विधि विरूद्ध कार्यकलाप (निवारण)अधिनियम, 1967 (1967 का केन्द्रीयअधिनियम 37) के अधीन आजीवन दण्डls n.Muh; vijk/k((xii) एक मामले में दो से अधिक व्यक्तियों कीgR;k((xiii) हत्या के लिए द्वितीय दोषसिद्धि; (xiv) क्रमिक हत्या करना; (xv) आजीवन दंडादेष भुगतने के दौरानgR;k((xvi) टाडा (आतंकवादी और विध्वंसकारीक्रियाकलाप निवारण) अधिनियम, 1987(1987 का केन्द्रीय अधिनियम 28) केv/khu fdlh vijk/k ds lkFk gR;k((xvii) चैदह वर्ष से कम आयु के किसी बालकdh gR;k((xviii) संविदा/किराया आधार पर हत्या;	दण्ड के पूरा होने पर बषर्तेंfd ekQh lfgr ,sls n.M dh कुल अवधि पच्चीस वर्ष सेकम न हो; (ii)महिला बन्दी-विचाराधीन अवधिसहित चैदह वर्ष के वास्तविकदण्ड के पूरा होने पर बषर्तेंfd ekQh lfgr ,sls n.M dh कुल अवधि बीस वर्ष से कमन हो;	

		(xix) तेजाब के प्रयोग से हत्या या स्वेच्छा सेxEHkhj gkfu igqapkuk((xx) प्रच्छन्न गृह-अतिचार या प्रच्छन्न गृह भेदन	

		में मृत्यु करना या घोर उपहति; (xxi) कारागार में लगातार बुरा आचरण; (xxii) किसी बन्दी का पांच से अधिक अपराधिकमामलों में ष्षामिल होना; (xxiii) बन्दी, जिसे कुछ निष्िचत कारणों सेलोक व्यवस्था तथा सुरक्षा के खतरे केfcuk le; iwoZ fjgk ugha fd;k tk ldrk((xxiv) कोई अन्य अपराध, जिसे राज्य स्तरीयसमिति लिखित में अभिलिखित कारणों से"जधन्य" होना समझा।	
	(b)	बन्दी, जो उपरोक्त प्रवर्ग(क) में नहीं आते हैंrFkk mls e`R;q n.M ls n.Muh; Hkkjrh; n.M संहिता या किसी अन्य विधि के अधीन कोईvijk/k djus ds fy, vkthou dkjkokl fn;k गया है या जो अपराध करने के लिए आजीवनn.Mknsf'kr gS tSls fd % (i) दहेज के कारण मृत्यु करना; (ii) कोई अन्य अपराध, जिसे राज्य स्तरीयसमिति लिखित में अभिलिखित कारणों से"जधन्य " होना समझा। (iii) राजद्रोह।	(i)महिला बन्दी-विचाराधीन अवधिसहित चैदह वर्ष के वास्तविकदण्ड के पूरा होने पर बषर्तेंfd ekQh lfgr ,sls n.M dh कुल अवधि बीस वर्ष से कम नहो; (ii)महिला बन्दी-विचाराधीन अवधिlfgr ckjg o"kZ ds okLrfod दण्ड के पूरा होने पर बषर्तेंfd ekQh lfgr ,sl n.M dh कुल अवधि सोलह वर्ष से कमन हो;
	(c)	बन्दी, जो उपरोक्त प्रवर्ग (क) तथा (ख) में नहींआते हैं तथा कोई अपराध, जो भारतीय दण्डसंहिता या किसी अन्य विधि में आजीवनकारावास से दण्डनीय,मृत्यु दण्ड नहीं है, के रूपesa ifjHkkf"kr gS] fdUrq djus ds fy, vkthou dkjkokl ls n.Mknsf'kr gSA	विचाराधीन अवधि सहित दस वर्षके वास्तविक दण्ड के पूरा होने परc'krsZa fd ekQh lfgr ,sls n.M की कुल अवधि चैदह वर्ष से कमन हो;
	(d)	बन्दी, जो मरणांत बीमारी से पीड़ित है, जिससेनिकट भविष्य में मृत्यु होने की सम्भावना है।	प्राधिकृत चिकित्सा संस्था केचिकित्सक बोर्ड की रिपोर्ट पर।
	(e)	विषेष रूप से विकलांग बन्दी	विचाराधीन अवधिष्षामिल करतेहुए तथा पैरोल या फरलो कीअवधि निकालते हुए आजीवनसिद्धदोषी के मामले में छह वर्षतथा सभी अन्य मामलों में 50प्रतिषत दण्ड के पूरा होने परc'krsZ dsoy dkjkxkj esa fu:) होने के बाद विकलांगता पैदा हुईहै तथा ऐसी स्वरूप की है,

		जोकिसी अपराध को करने मेंसिद्धदोष बन्दी को पूर्णरूप सेअसमर्थ बनाती है तथा प्राधिकृतचिकित्सा संस्था के चिकित्सक बोर्डद्वारा यथा प्रमाण्ित कारागार मेंLo;a dh ns[kHkky djus ds fy, mls vleFkZ Hkh cukrh gS;
(f)	वृद्धावस्था बन्दी (पुरूष बन्दी के मामले में 75 वर्षया से अधिक तथा महिला बन्दी के मामले में 70वर्ष या से अधिक)	विचाराधीन अवधि ष्षामिल करतेहुए तथा पैरोल या फरलो कीअवधि को निकालते हुए, "अच्छा"

या "सन्तोषजनक" आचरण केअध्यधीन आजीवन सिद्धदोषी केekeys esa lkr o"kZ rFkk lHkh vU; मामलों में 2/3 दण्ड के पूरा होनेij%	g] dk ;k j.k y, ;k j.k kjk oxZ yk ;k lh {kr yk oy धि ds ij xu kr y, dh es dk xk e gSA rk] ोई;k dk

¼[k½	^^lUrks"ktud** ;fn mls fdlh dkjkxkj vijk/k ;k le;iwoZ fjgkbZ ds fy, fopkj.k dh frfFk ls fiNys ikap o"kZ iwoZ ds nkSjku vLFkkbZ fjgkbZ dh 'krksZa dk

mYya?ku djus ds fy, dsoy ,d y?kq n.M ls nf.Mr fd;k x;k gS(

¼x½	^^lUrks"ktud ugha** ;fn mls fdlh dkjkxkj vijk/k ds fy, ;k le;iwoZ fjgkbZ ds fy, fopkj.k dh frfFk ls fiNys ikap o"kZ iwoZ ds nkSjku vLFkkbZ fjgkbZ dh 'krksZa dk mYya?ku djus ds fy, ,d cM+s n.M ;k ,d y?kq n.M ls vf/kd ls

nf.Mr fd;k x;k gS(

¼?k½	^^[kjkc** ;fn mls fdlh dkjkxkj vijk/k ds fy, ;k le;iwoZ fjgkbZ ds fy, fopkj.k dh frfFk ls fiNys ikap o"kZ iwoZ ds nkSjku vLFkkbZ fjgkbZ dh 'krksZa dk mYya?ku djus ds fy, nks cM+s n.M ;k nks y?kq n.M ls vf/kd ls nf.Mr fd;k

x;k gS(

¼³½	^^yxkrkj :Ik ls [kjkc** ;fn mls fdlh dkjkxkj vijk/k ds fy, ;k le;iwoZ fjgkbZ ds fy, fopkj.k dh frfFk ls fiNys ikap o"kZ iwoZ ds nkSjku vLFkkbZ fjgkbZ dh 'krksZa dk mYya?ku djus ds fy, nks cM+s n.M ;k rhu y?kq n.M ls vf/kd ls nf.Mr fd;k x;k gS(;k ftls dkjkxkj esa ifjjks/k dh vof/k ;k vLFkkbZ fjgkbZ ds

दौरान किए गए किसी दाण्िडक अपराध के लिए दोषसिद्ध किया गया है;

(5) सेवांत बीमारी के आधार पर रिहा किसी बन्दी की चिकित्सा पुनः जांच प्रत्येक छह मास मेंकी जाएगी तथा यदि बन्दी किसी ऐसी बीमारी से पीड़ित नहीं पाया जाता है तथा चिकित्सा रूप से स्वस्थहै, तो उसे उसके दण्ड के असमाप्त भाग को भुगतने के लिए कारागार में पुनः भरती किया जाएगा।

(6) भुगते गए दण्ड की अवधि की संगणना करने के लिए सूत्र निम्न अनुसार होगाः- 21जनवरी, 2006 को सिद्धदोष तथा आजीवन कारावास से दण्डादिष्ट व्यक्ति, जो प्रथम जनवरी, 2004 सेअभिरक्षा में रहा है। उपरोक्त कथित दण्ड अवधि के दौरान, उसने चैदह मास के लिए पैरोल का लाभलिया था तथा दस दिन के लिए पैरोल पर अधिक ठहरा था, तो 31 दिसम्बर, 2017 को उसके द्वारा भुगतीगई वास्तविक सजा बारह वर्ष नौ मास और बीस दिन होगा। यदि इस अवधि के दौरान उसने छः वर्ष दसमास बीस दिन की कुल माफी अर्जित की है, तो उसकी कुल सजा अवधि, नीचे दिये गये उदाहरण केvuqlkj laxf.kr dh tk,xh %&

	o"kZ	ekl	fnu
fopkjk/khu vof/k	02	00	20
nks"kflf) vof/k	11	11	10
?kVkbZ xbZ iSjksy vof/k	01	02	00
vf/kd Bgjko dh ?kVkbZ xbZ vof/k ¼iSjksy@Qjyks½	00	00	10
okLrfod Hkqxrh xbZ ltk	12	09	20
tek vftZr ekQh	06	10	20
Hkqxrh xbZ dqy ltk	19	08	10

¼7½	oS|kfud micU/kksa ds v/khu ljdkj }kjk nh xbZ ekQh dks fudkyrs gq, fu;eksa ds v/khu
nh xbZ ekQh] dqy ltk ds ,d pkSFkkbZ ls vf/kd ugha gksxh %	

परन्तु सभी प्राधिकारियों द्वारा दी गई कुल माफी, कुल सजा के एक-तिहाई से अधिक नहींहोगी;

(8) समय पूर्व रिहाई के लिए मामलों का निर्णय सरकार द्वारा समय-समय पर गठित राज्यLrjh; lfefr dh flQkfj'k ds vuqlkj fd;k tk,xkA

(9) किसी बन्दी का समय पूर्व रिहाई का मामला, जिसे एक से अधिक मामलों में आजीवनकारावास भुगतने के लिए दण्डादिष्ट किया गया है, सभी मामलों में अपेक्ष[ित सजा पूरी होने के बाद विचारा tk,xkA

उदाहरणः किसी बन्दी को दिनांक प्रथम जनवरी, 2019 को "ए" मामले में तथा प्रथम जनवरी,2022 को "बी" मामले में, आजीवन कारावास भुगतने के लिए दण्डादिष्ट किया गया है, तो समय पूर्वरिहाई के लिए उसके मामले पर केवल तभी विचार किया जाएगा, यदि वह दोनों मामलों अर्थात् उपरोक्तउप-नियम (2) के अनुसार मामले "ए" तथा मामले "बी" में अपेक्ष[ित न्यूनतम सजा पूरी कर लेता है।

fVIi.k %&	nks"kflf) ij] vkthou dkjkokl ls n.Mkfn"V izR;sd cUnh dks okLrfod rFkk dqy dkjkokl dh U;wure vof/k lfgr le; iwoZ fjgkbZ ls lEcfU/kr ikfylh ;k mldks ykxw lwlaxr fu;eksa] tSlh Hkh fLFkfr gks ds ckjs esa lwfpr fd;k tk,xk fd le; iwoZ fjgkbZ ds fy, mlds ekeys ij fopkj djus] ls iwoZ mlds }kjk Hkqxrh xbZ gSA v/kh{kd] O;fDrxr :Ik ls lqfuf'pr djsxk fd le; iwoZ fjgkbZ ds ekeys U;wure fofgr vof/k iwjh gksus ds ckn Hksts tk,aA visf{kr ltk iwjh gksus ls iwoZ izLrqr fdlh ekeys ij xEHkhj :I ls fopkj fd;k tk,xkA

(10) समय पूर्व रिहाई के लिए आवेदन की प्रक्रिया के लिए निम्न अनुसार कदम उठाए जाएंगे, vFkkZr~%&

¼d½ ¼[k½	v/kh{kd izR;sd pkj ekl vFkkZr~ tuojh] ebZ rFkk flrEcj ds vUrjky ij lHkh cfUn;ksa dh lwph cuk,xk] tks vkxkeh pkj ekl esa le; iwoZ fjgkbZ ds fy, fopkj.k gsrq ik= gSaA lwph bu fu;eksa esa vf/kdfFkr ik=rk ekin.M ds vuqlkj cukbZ tk,xhA v/kh{kd bl izdkj rS;kj dh xbZ lwph dh ,d izfr lEcfU/kr ftyk fof/kd lsok izkf/kdj.k dks HkstsxkA ftyk fof/kd lsok izkf/kdj.k ,sls ik= cfUn;ksa }kjk rS;kj fd, tkus okys vkosnuksa dks rS;kj djus esa lgk;rk djsxkA ftyk fof/kd lsok izkf/kdkj.k le; iwoZ fjgkbZ ikWfylh vkSj izfØ;k ds ckjs esa cfUn;ksa dks voxr djkus ds mn~ns'; ls bldh fof/kd lsok Dyhfud ds ek/;e ls dkjkxkjksa esa fof/kd tkx:drk dk;Zøe Hkh vk;ksftr djsxk; v/kh{kd rhu ekl dh vf/kdre vof/k ds Hkhrj lHkh visf{kr nLrkost ;k fjksVZ ,d= djsxk rkfd QkbZy jkT; Lrjh; lfefr dks mls Hkstus ds fy, iwjh gks ldsA le; iwoZ fjgkbZ ds ekeyksa ij fuf'pr le; ds Hkhrj fopkj fd;k tk,xk] pkgs ,sls fl)nks"k canh }kjk dh xbZ vihy yfEcr gks ;k ugha] ;fn vU;Fkk og ik= gSaA v/kh{kd] fu;r vof/k ds Hkhrj] mu ekeyksa] ftuesa nLrkostksa dk ,d=hdj.k viw.kZ gS] Hkh egkfuns'kd dks ekeys HkstsxkA ,sls ekeyksa esa] egkfuns'kd 'ks"k nLrkost ,d= djsxkA fdlh Hkh ekeys dh QkbZy viw.kZ izys[ku

उद्धृत नहीं होने के कारण अधीक्षक को वापस नहीं भेजेगा।

महानिदेषक, प्रस्ताव की प्राप्ति की तिथि से एक मास की अवधि के भीतरराज्य स्तरीय समिति को प्रस्ताव भेजेगा। सम्बन्धित जिला विधिक सेवा प्राधिकरणकी सहायता किसी षेष दस्तावेजों को एकत्र करने के लिए मांग सकता है।

¼x½ ¼? k½	jkT; Lrjh; lfefr] nLrkostksa dh izkfIr ds rhu ekl ds Hkhrj ljdkj dks viuh flQkfj'k HkstsxhA jkT; Lrjh; lfefr le; iwoZ fjgkbZ vkosnuksa ij le; ij fu.kZ; lqfuf'pr djus ds fy, izR;sd frekgh esa ,d ckj cSBd djsxhA ljdkj }kjk ikfjr vkns'k oSclkbV ij viyksM djuk pkfg,A v/kh{kd ds ek/;e ls ,d izfr cUnh dks Hkh nh tk,xhA ftyk fof/kd lsok izkf/kdj.k cUnh dks eU=.kk rFkk dkuwuh lgk;rk eqgS;k djsxh ;fn visf{kr rFkk vuqKs; gks] ;fn

समय पूर्व रिहाई आवेदन की अस्वीकृति को विधिक चुनौती देना सम्भावना हो।

fVIi.k%&	le; iwoZ fjgkbZ ds fy, ekeys] tks n.M izfØ;k lafgrk] 1973 ¼1974 dk dsUnzh; vf/kfu;e 2½ dh /kkjk 433 ds }kjk vU;Fkk ls oftZr gks] ij dkuwuh dk;Zokgh jkT; Lrjh; lfefr dh flQkfj'k ij Hkkjr ds lafo/kku ds vuqPNsn 161 ds v/khu ljdkj }kjk dh tk,xhA

(11) बन्दियों, जिनके मामले दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) कीधारा 435 में आते हैं, की समय पूर्व रिहाई करने की षक्तियों का प्रयोग केन्द्रीय सरकार के परामर्ष सेljdkj }kjk fd;k tk,xkA

(12) इस नियम के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत चिकित्सा संस्था में ए.आई.आई.एम.एस., नई दिल्ली,पी.जी.आई.एम.एस. रोहतक, पी.जी.आई.एम.ई.आर. चण्डीगढ़, बी.पी.एस. चिकित्सा महाविद्यालय, खानपुर कलां(सोनीपत), सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, नलहार (नूंह), महाराजा अग्रसेन चिकित्सा महाविद्यालय, अग्रोहा(हिसार) या प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नांमित कोई अन्य चिकित्सा संस्था षामिल होगी।

(13) इन नियमों की अधिसूचना की तिथि से, ये नियम उन बन्दियों, जिन्हें इन नियमों कीअधिसूचना की तिथि से पूर्व या को या के बाद हरियाणा राज्य के भीतर अधिकारिता रखने वाले न्यायालयोंद्वारा सिद्धदोष ठहराया गया है, की समय पूर्व रिहाई के मामलों को लागू होगा।

बन्दियो को vihy rFkk iqujh{k.k dh lqfo/kk,aA	v/;k; 13 vihy] iqujh{k.k] ;kfpdk] eqykdkr rFkk lwpuk 188. प्रत्येक बन्दी को कारागार में प्रवेष करने पर, आदेष, जिसके अधीन उसे कारागार में सुपुर्द कियागया है, के विरूद्व अपील या पुनरीक्षण, जैसी भी स्थिति हो, दायर करने की अवधि सूचित की जाएगी।उक्त प्रयोजन के लिए, प्रत्येक सुविधा उसको मुहैया कराई जाएगी, यदि वह अपील या पुनरीक्षण, जैसी भीस्थिति हो, दायर करना चाहता है। उन मामलों में, जहां अपील या पुनरीक्षण के लिए याचिका इतनी देरीसे की गई है, जो कि सीमा अवधि के भीतर अपील न्यायालय में पहुंचने के लिए उसे असम्भाव्य याअसम्भव बनाती है या परिसीमा अवधि समाप्त हो गई है, तो अधीक्षक इस प्रकार दिए गए कारणों पर अपनेविचार (यदि कोई हो) सहित उसे पहले प्रस्तुत न करने के बन्दी के कारण अपील/ पुनरीक्षण पर पृष्ठांकितdjsxkA
vihy ;k iqujh{k.k nk;j djus ds fy, अनुज्ञात अवधि।	189- ¼1½ ifjlhek vf/kfu;e] 1963 ¼1963 dk dsUnzh; vf/kfu;e 36½ ds vuqlkj vihy ;k iqujh{k.k nk;j djus ds fy, ifjlhek vof/k fuEu vuqlkj gS %&

Øe la[;k	vkns'k dk o.kZu	ifjlhek vof/k	le; ftl izkjEHk ls vof/k gksrh gSA
1	fdlh l= U;k;ky; }kjk ;k mPp U;k;ky; }kjk viuh izkjfEHkd n.M vf/kdkfjrk dk iz;ksx djrs gq, ikfjr e`R;q n.M	rhl fnu	n.Mkns'k dh frfFk ls
2	fdlh vU; n.Mkns'k ;k fdlh vkns'k] ls tks foeqfDr dk vkns'k u gks]		
	¼i½ mPp U;k;ky; esa	lkB fnu	n.Mkns'k ;k vkns'k dh frfFk ls
	¼ii½ fdlh vU; U;k;ky; esa	rhl fnu	n.Mkns'k ;k vkns'k dh frfFk ls
3	Hkkjr ds lafo/kku ds vuqPNsn 132¼1½] 133 ;k 134¼1½ ds v/khu mPpre U;k;ky; esa	rhl fnu	mPp U;k;ky; }kjk fn, x, izek.ki= dh frfFk ls

4	Hkkjr ds lafo/kku ds vuqPNsn 136 ds v/khu mPpre U;k;ky; esa	rhl fnu	fMØh] vkns'k ;k n.Mkns'k dh frfFk ls

¼2½	ifjlhek vf/kfu;e] 1963 ¼1963 dk dsUnzh; vf/kfu;e 36½ ds v/khu nkafMd vihy ds
fy, fofgr ifjlhek vof/k dh lax.kuk djus ds fy, vihy U;k;ky; dks leFkZ cukus gsrq] v/kh{kd }kjk gLrk{kfjr fuEufyf[kr uksfVl i`"Bkafdr fd;k tk,xk%&	

"परिसीमा अधिनियम, 1963 (1963 का केन्द्रीय अधिनियम 36) की धारा 12 के अधीन परिसीमा अवधि सेनिकाले जाने के लिए आदेष, जिसके विरूद्व अपील की जानी है, की प्रति प्राप्त करने के लिए अपेक्ष्ितअवधि ..... दिन थी।"

vihy ;k iqujh{k.k rS;kj करने में नोट fd;k tkukA	190. यदि निर्णय की प्रति के बाद, अपील या पुनरीक्षण याचिका तैयार करने में कोई विलम्ब होता है तोअपील या पुनरीक्षण याचिका के भाग के रूप में ऐसे विलम्ब के कारण सहित विलम्ब को माफ करने केलिए अनुरोध भी किया जाएगा।
vihy ;k iqujh{k.k ds प्रयोजन के लिएeqykdkrA	191. प्रत्येक बन्दी को उसकी अपील या पुनरीक्षण को तैयार करने के लिए उसके विधिक वकील केlkFk O;fDrxr :i esa eqykdkr djus ds fy, ;qfDr;qDr volj vuqKkr fd;s tk,axs% ijUrq ,slh çR;sd eqykdkr] dkjkxkj deZpkjh] ftlds çHkkj esa cUnh ,slh eqykdkr ds fy, j[kk x;k gS] dh n`f"V ds Hkhrj dh tk,xh] fdUrq lquokbZ ds ckgj ughaA
fdlh cUnh ds fy, vihy] iqujh{k.k] ftlds पास कोई दोस्त;k ,tsaV ugh gSA	192. विधि सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का केन्द्रीय अधिनियम 39) की धारा 12 के अनुसार,अभिरक्षा में कोई व्यक्ति, जिला, राज्य या राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विधिक सेवाएं लेने के लिएहकदार होगा। यदि कोई बन्दी अपील या पुनरीक्षण दायर करना चाहता है और घोषणा करता है कि उसकेपास ऐसा कोई रिष्तेदार, दोस्त या एजेंट नही है, जो उसके लिए अपील या पुनरीक्षण तैयार करने के लिएइच्छुक हो, तो उसे ऐसे विधिक सेवा प्राधिकरण के नियमों या हिदायतों के अनुसार उचित विधिक सेवाप्राधिकरण को निर्दिष्ट करेगा। सम्बन्धित विधिक सेवा प्राधिकरण मुफ्त में अपील या पुनरीक्षण दायर करनेds fy, lHkh visf{kr nLrkost eqgS;k djok,xkA

vihy] iqujh{k.k को तैयार करनेतथा प्रस्तुत djus dh प्रक्रिया।	193. (1) यदि कोई बन्दी, जो अपील या पुनरीक्षण दायर करना चाहता है और घोषणा करता है किउसका कोई रिश्तेदार या एजेंट नहीं है, जो उसके लिए अपील या पुनरीक्षण दायर करने का ईच्छुक हो,तो अधीक्षक ऐसे बन्दी से सम्बन्धित निर्णय या आदेश, जिसके विरूद्व वह अपील या पुनरीक्षण दायर करनाचाहता है, की प्रति के लिए महानिदेशक द्वारा समय-समय पर यथा विहित प्ररूप में आवेदन करेगा। यदिनिर्णय की प्रति सात दिन के भीतर प्राप्त नहीं होती है, तो अधीक्षक उसके लिए स्मरण-पत्र भेजेगा औरयदि वहां कोई अधिक विलम्ब होता है, तो जिला एवं सत्र न्यायाधीश को मामले की रिपोर्ट करेगा। (2) निर्णय या आदेश की प्रति की प्राप्ति पर, बन्दी से लिखित पावती प्राप्त की जाएगी। बन्दी,यदि वह लिखना जानता है, तो उसकी अपील या पुनरीक्षण लिखने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। यदिबन्दी लिखना नहीं जानता है, तो अधीक्षक किसी दूसरे बन्दी से या कारागार अधिकारी से या उसके वकीलसे या सम्बद्ध विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुहैया वकील से उसके लिए उसकी अपील लिखवाएगा। (3) जब विधिक सहायता सलाहकार, विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से याचिकाकर्ता कोमुहैया कराया गया है, तो बन्दी को उसको मुहैया ऐसे विधिक सहायता वकील के ब्योरों के बारे में सूचितकिया जाएगा। यदि ऐसा विधिक सहायता सलाहकार, न्यायालय में बन्दी का प्रतिनिधित्व करने में असफलरहता है, तो बन्दी अधीक्षक को सूचित करेगा तथा अधीक्षक सम्बद्ध विधिक सेवा प्राधिकरण को मामले कीरिपोर्ट करेगा।

(4) अपील या पुनरीक्षण लिखने के लिए प्रतिनियुक्त बन्दी या अधिकारी, अपीलार्थी के श्रुतलेखपर ऐसा करेगा और बन्दी को कोई सुझाव नहीं देगा कि क्या कहा जाएगा, न ही कोई बात जोड़ेगा, जोबन्दी स्वयं अपील पुनरीक्षण में कहना चाहता है। अपील या पुनरीक्षण लिखने के लिए प्रतिनियुक्त बन्दी याअधिकारी बन्दी को अपील पढ़ कर सुनाएगा।

fVIi.k&1-& अधीक्षक का परिसीमा के आधार पर किसी बन्दी की अपील या पुनरीक्षण को भेजने के fy, budkj djuk mfpr ugha gSA

fVIi.k&2-&	cUnh dh vksj ls v/kh{kd }kjk dh xbZ vihy ;k iqujh{k.k] izs"k.k djus ls iwoZ] v/kh{kd dh mifLFkfr esa vihykFkhZ dks i<+dj lquokbZ tk,xh] ;fn cUnh vihy ;k iqujh{k.k dk vuqeksnu dj nsrk gS] nLrkost izfrgLrk{kj djsxk rFkk dkjkxkj dh

कार्यालय मोहर उस पर लगाई जाएगी।

fVIi.k&3-&	;fn fu.kZ; ;k vkns'k dh izfr dh izkfIr ds ckn] cUnh dk fj'rsnkj] ikfjokfjd lnL; ;k ,tsaV mldh vksj ls vihy ;k iqujh{k.k djus dh lgefr nsrk gS vkSj cUnh Hkh ml izfØ;k dh lgefr nsrk gS] rks fu.kZ; dh izfr mfpr ikorh ds v/khu

ऐसे रिश्तेदार, पारिवारिक सदस्य या एजेंट जैसी भी स्थिति हो, को दी जाएगी।

fVIi.k&4-& बन्दी, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 363 (1) तथा (2) के अधीन निर्णय की प्रति मुफ्त में प्राप्त करने के हकदार है। प्रत्येक निर्णय की प्रति, अधीक्षक को भी भेजी जाएगी। इस नियम के लिए, बन्दी शब्द में विधिक वकील भी शामिल होगा।

(5) यदि बन्दी की अपील असफल हो जाती है और वह पुनरीक्षण के लिए आवेदन देना चाहताहै, तो वह पुनरीक्षण आवेदन दायर करने के लिए आक्षेपित आदेश की प्रति मुफ्त में प्राप्त करने काहकदार होगा।

(6) अपील या पुनरीक्षण याचिका पर अपीलार्थी के हस्ताक्षर, उसे अधीक्षक को भेजने से पूर्वअधिकारी, जो सहायक अधीक्षक की पदवी से नीचे का न हो, द्वारा साक्ष्यांकित तथा सत्यापित किए जाएंगे।

(7) अधीक्षक, अपील या पुनरीक्षण विलम्ब किये बिना अपीलार्थी या पुनरीक्षण न्यायालय कोभेजेगा। यदि निर्णय की प्रति की प्राप्ति के बाद अपील या पुनरीक्षण याचिका तैयार करने में कोई विलम्बहोता है, तो ऐसे विलम्ब का एक नोट याचिका पर भी किया जाएगा। समरूप मामले में सिद्धदोष बन्दी, यातो एक याचिका में संयुक्त रूप से या पृथक रूप से अपील कर सकते हैं या पुनरीक्षण के लिए आवेदनकर सकते हैं। संयुक्त याचिका के मामले में, निर्णय की एक प्रति सभी के लिए पर्याप्त होगी।

fVIi.k%& सेना-न्यायालय द्वारा पारित दण्डादेश के विरूद्व सैन्य बन्दियों द्वारा अपील या पुनरीक्षण सेना कमांड मुख्यालय को भेजी जाएगी।

(8) जब अपील या पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई की तिथि का नोटिस प्राप्त होता है, तो उसकेबारे में बन्दी को सूचित किया जाएगा तथा ऐसे नोटिस की प्राप्ति की लिखित पावती प्राप्त की जाएगी।तब नोटिस अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा सत्यापित किया जाएगा तथा सम्बन्धित न्यायालय कोवापस भेजा जाएगा।

(9) जब कोई कारण बताओ नोटिस, अपील न्यायालय से प्राप्त होता है कि क्यों न बन्दी कादण्डादेश बढ़ा दिया जाए, तो बन्दी से पूछा जाएगा कि क्या वह सम्बद्ध न्यायालय के सम्मुख व्यक्तिगत

रूप में पेश होने की अनुमति के लिए आवेदन करना चाहता है। यदि वह ऐसा कहता है, तो अधीक्षक,आदेश के लिए न्यायालय को उसका आवेदन भेजेगा। यदि ऐसी अनुमति दी जाती है, तो न्यायालय केlEeq[k mls is'k djus ds fy, O;oLFkk dh tk;sxhA

(10) अधीक्षक, मृत्यु दण्ड के अधीन प्रत्येक बन्दी को सूचित करेगा कि यदि वह उच्च न्यायालय,जैसी भी स्थिति हो, में अपील करना चाहता है, तो वह तीस दिन के भीतर ऐसा करेगा।

	(11) किसी दाण्िडक मामले में, उच्च न्यायालय के निर्णय या किसी आदेश की प्रति सिद्धदोषcUnh }kjk bl lEcU/k esa vkosnu djus ij eq¶r esa nh tk,xhA (12) यदि एक ही मामले में अनेक व्यक्तियों को दण्डादिष्ट किया गया है, तो निर्णय की केवलएक प्रति सभी ऐसे बन्दियों के लिए पर्याप्त होगी, जो उसी कारागार में परिरूद्ध हैं।
vihy rFkk iqujh{k.k jftLVj dk vuqj{k.kA	194. (1) बन्दी अनुभाग का प्रभारी, महानिदेशक द्वारा समय-समय पर यथा विनिर्दिष्ट ऐसे प्ररूप मेंअपील तथा पुनरीक्षण रजिस्टर रखेगा। वह अधीक्षक के सम्मुख, जब भी प्रायः आवश्यक हों, रजिस्टररखावाएगा। उस तिथि से शुरू, जिसको बन्दी अपील या पुनरीक्षण दायर करने के लिए अपनी इच्छा व्यक्तकरता है, कथित अपील या पुरीक्षण का निपटान करने वाले अपील न्यायालय के आदेश की प्राप्ति कीतिथि तक, सभी ऐसी तिथियां, जिनको कार्रवाई सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान की गई है, ऐसे रजिस्टर में दर्जकी जाएंगी तथा प्रत्येक प्रविष्टि अधीक्षक या उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा सत्यापित की जाएगी। (2) अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) यह सुनिश्चित करेगा कि अपीलां, पुनरीक्षणों यायाचिकाओं के निपटान की प्रक्रिया में कोई विलम्ब न हो। बन्दी अनुभाग का प्रभारी इस सम्बन्ध में अधीक्षकया उप अधीक्षक (प्रशासन) के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेवार होगा।
eq[rkjukek gLrk{kj djus ds fy, cUnh को अनुमति nsukA	195. किसी बन्दी को अपील या पुनरीक्षण दायर करने के मामले में उसकी और कार्य करने हेतु किसीव्यक्ति को प्राधिकृत करने के लिए मुखतारनामा हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जाएगी। इसमें विधिकसलाहकार के मामलों में वकालतनामा भी शामिल होगा। कारागार प्राधिकारियों द्वारा बन्दियों के दस्तावेजोंका सत्यापन करना केवल न्यायिक प्रयोजन के लिए सीमित होगा।
;fn fdlh cUnh }kjk mPp U;k;ky; esa vihy dh xbZ है, तो अधीक्षक}kjk l= न्यायाधीश को lwfpr djukA	196. जब कभी कोई बन्दी, कारागार से उच्च न्यायालय में अपील दायर करता है, तो अधीक्षक लिखित मेंऐसी अपील के सम्बन्ध में सत्र न्यायाधीश को सूचित करेगा।
cUnh }kjk mPpre U;k;ky; esa vihy ;k iqujh{k.k djukA	197. यदि उच्चतम न्यायालय को सम्बोधित कोई याचिका बन्दी द्वारा प्रस्तुत की जाती है, तो इसके साथउस न्यायालय के आक्षेपित निर्णय, जिसके विरूद्व अपील की गई है, की प्रमाण्ित प्रति और उच्चतमन्यायालय के सुसंगत नियमों के अनुसार ऐसे अन्य दस्तावेज भी संलग्न किए जाएंगे।
यदि कोई अपील;k iqujh{k.k वांछित न हो।	198. यदि कोई बन्दी कहता है कि वह कोई अपील या पुनरीक्षण दायर नहीं करना चाहता है, तो उसे दोसाथी बन्दियों की उपस्थिति में लिखित में देने के लिए कहा जाएगा तथा तथ्य उप अधीक्षक (प्रशासन)}kjk mldh bfro`r fVdV ij vfHkfyf[kr rFkk lR;kfir fd, tk,axsA

बन्दी को अपील;k iqujh{k.k nk;j djus ds लिए अवधि कीlekfIr rd LFkkukarfjr u fd;k tkukA	199. (1) ऐसे बन्दियों की श्रेणी के सिवाए, जिनके लिए स्थानान्तरण आदेश समय-समय पर जारीकिए जाते है, साधारणतः बन्दी को अपील या पुनरीक्षण दायर करने के लिए विनिर्दिष्ट परिसीमा अवधि केदौरान दूसरी कारागार में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। (2) यदि कोई बन्दी स्थानांतरित किया गया है, तो कारागार के ब्योरे, जिसमें उसे इस प्रकारस्थानांतरित किया गया है, अपील न्यायालय को सूचित किए जाएंगे।
LFkkukarfjr cUnh dh vihyA	200. यदि किसी बन्दी की अपील से सम्बन्धित कोई सूचना, जिसे स्थानांतरित किया गया है, प्राप्त हुईहै, तो उसे कारागार के उस अधीक्षक को संचार के अनुमोदित साधन के माध्यम से बिना विलम्ब के भेजीtk,xh] ftlesa cUnh] ml dkjkxkj] ftlls cUnh LFkkukarfjr fd;k x;k gS] ds lEcfU/kr jftLVj us mls नोट करने के बाद परिरूद्ध किया गया है।
vihy ;k iqujh{k.k dh fLFkfr rFkk ifj.kkeA	201. (1) यदि बन्दी द्वारा दायर अपील या पुनरीक्षण की स्वीकृति के बारे में कोई अद्यतन एक मासके भीतर प्राप्त नहीं होता है, तो सम्बद्ध विधिक प्राधिकरण को स्मरण पत्र भेजा जाएगा। अपील यापुनरीक्षण की स्थिति, विशेष रूप से सुनवाई की अगली तिथि, जो अपील या पुनरीक्षण न्यायालय कीवैबसाईट पर उपलब्ध हो, युक्तियुक्त अन्तरालों पर बन्दी को अवगत कराई जाएगी। अपील या पुनरीक्षण

	का परिणाम, जब भी प्राप्त हो, पावती के अधीन उसको तुरन्त सूचित किया जाएगा तथा उसकीइतिवृत-टिकट तथा प्रवेश रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। (2) जब कभी किसी दण्डादेश या अन्यथा की सूचना या परिवर्तन के कारण संशोधित वारंटप्राप्त होता है, तो अधीक्षक उसकी प्राप्ति की पावती देगा तथा सम्बद्ध न्यायालय को मूल वारंट वापसभेजेगा। वह संशोधित वारंट की सूचना बन्दी को भी देगा। यदि नया वारंट निष्पादन के पृष्ठांकन सहितवापस किया गया है, तो अपील न्यायालय, उस न्यायालय, जिसके निर्णय के विरूद्व अपील की गई थी, कोमूल रिकार्ड के साथ संलग्न करके उसे भेजेगा।
कतिपय मामलों में सिद्धदोष djus okys न्यायालय को विभिन्न कारागारोंesa cUnh ds LFkkukUrj.k dh सूचना भेजना।	202. (1) जब बन्दियों जिन्होंने कारागार प्राधिकारियों की जानकारी के बिना अपील या पुनरीक्षण किएहैं, को परिसीमा अवधि की समाप्ति से पूर्व अन्य कारागारों में स्थानांतरित किया गया है, ऐसे स्थानान्तरणकी सूचना अन्तिम सिद्धदोष ठहराने वाले न्यायालय को निरपवाद रूप से भेजी जाएगी। यदि किसी बन्दीकी रिहाई का आदेश, जो स्थानांतरित किया गया है या उसकी अपील या पुनरीक्षण से सम्बन्धित संशोधितवारंट या कोई सूचना न्यायालय से प्राप्त हुई है, तो अधीक्षक उस कारागार के अधीक्षक, जिसमें बन्दीस्थानांतरित किया गया है, को तुरन्त भेजेगा। (2) vihy ;k iqujh{k.k U;k;ky; dkjkxkj ftlesa og ifj:) gS] ds v/kh{kd ds ek/;e ls अपील या पुनरीक्षण का परिणाम बन्दी को अधिसूचित करेगा। यह अधिसूचना केवल बन्दी की अपील यापुनरीक्षण के परिणाम की सूचना के लिए आशयित है तथा किसी भी रूप में संशोधित वारंट जब कभी वहआवश्यक हो, जारी करने को कर्तव्य से न्यायिक अधिकारियों को मुक्त नहीं करता है। (3) उप-नियम (1) तथा (2) उन मामलों में लागू नहीं होंगे, जिनमें न्यायिक न्यायालय द्वारापारित दण्डादेश राज्यपाल या राष्ट्रपति के आदेश द्वारा परिवर्तित किया गया है। ऐसे मामलों में, सरकार केआदेश की प्रति बन्दी के वारंट के साथ संलग्न की जाएगी, जिस पर दण्डादेश के परिवर्तन बताते हुए एकनोट तथा सरकार के आदेश की संख्या तथा तिथि दी जाएगी तथा अधीक्षक द्वारा सत्यापित की जाएगी।
jkT;{kek ds fy, ;kfpdkA	203. प्रत्येक बन्दी को राज्यक्षमा के लिए सरकार को याचिका देने की स्वतन्त्रता होगी, तथा यदि वहऐसा करना चाहता है, तो ऐसी याचिका तैयार करने तथा प्रस्तुत करने के लिए युक्तियुक्त सुविधाएं प्रदानकी जाएंगी। सभी ऐसी याचिकाओं के साथ दोषसिद्धि के न्यायालय और उसके किसी वरिष्ठ न्यायालय,जिसने अपील या पुनरीक्षण

	पर मामले का निपटान किया है, के निर्णय की प्रति, सहित सभी सुसंगतnLrkost layXu fd, tk,axs rFkk os Lo;a cUnh }kjk fn, tkus gSaA
ftyk eftLVªsV ;k mlds iwoZ नियोक्ता या वरिष्ठ अधिकारीको याचिका djukA	204. जिला मजिस्ट्रेट या किसी सरकारी प्राधिकारी, या उसके पूर्व वरिष्ठ अधिकारी या नियोक्ता कोपारिवारिक कार्य, सिविल सूट, सम्पत्त्ति से सम्बन्धित तथा उसी प्रकार की अत्यावश्यकता के मामले मेंयाचिका देने के ईच्छुक किसी बन्दी के प्रसंग में, अधीक्षक, सम्यक् विचार करने के बाद, अपने विवेक सेऐसी याचिका की अनुमति दे सकता है और उसके बाद प्रतिहस्ताक्षर करेगा तथा उसके गन्तव्य स्थान परउसे सीधे भेजेगा, बषर्ते किसी भी मामले में, इस प्रकार की कोई याचिका उच्च न्यायालय को सीधे नहींभेजी जाएगी।
बन्दियों द्वारा jk"Vªifr] mijk"Vªifr] प्रधानमन्त्री तथाdsUnzh; ;k jkT; ljdkj ds vU; उच्च पदाधिकारीको याचिका djukA	205. विचाराधीन बन्दियों सहित बन्दियों द्वारा राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री तथा केन्द्रीय या राज्यसरकार के अन्य उच्च पदाधिकारियों को सम्बोधित याचिकाएं, महानिदेशक के माध्यम से उन्हें भेजी जासकती है। तथापि, महानिदेशक ऐसी याचिका रोक सकता है, यदि याचिका में दिए गए कथन असत्य हैं यायदि याचिका आपतिजनक भाषा से युक्त है। तथापि, ऐसी याचिका रोकने के लिए कारण सामान्य कार्यालयचैनल के माध्यम से महानिदेशक द्वारा प्रेषिती को सूचित किए जाएंगे।
jk"Vªifr ;k jkT;iky }kjk n;k ;kfpdk dh vLohd`fr dh lwpukA	206. राष्ट्रपति या राज्यपाल, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा दया याचिका की अस्वीकृति लिखित में या संचारके किसी अन्य अनुमोदित साधन के द्वारा बन्दी और उसके परिवार के सदस्यों को तुरन्त सूचित कीजाएगी। मृत्यु दण्ड वाले बन्दी, राष्ट्रपति या राज्यपाल, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा दया याचिका कीअस्वीकृति की प्रति प्राप्त करने के हकदार हैं।
eqykdkr rFkk lwpuk nsus ds fy, lkekU; नियम।	207. (1) साधारणतः प्रत्येक बन्दी को अपनी सम्पति का प्रबन्ध करने, किसी अन्य पारिवारिक कार्य, याअपील या पुनरीक्षण तैयार करने या जमानत प्राप्त करने में उसे समर्थ बनाने हेतु उसके परिवार केसदस्यों, रिश्तेदारों या विधिक सलाहकार के साथ सप्ताह में एक बार या अकसर मुलाकात या सूचना केलिए युक्तियुक्त सुविधाएं अधीक्षक द्वारा मुहैया कराई जाएंगी। मुलाकातियों के साथ मुलाकात काविशेषाधिकार, बन्दी के अच्छे आचरण पर निर्भर है तथा अधीक्षक द्वारा आचरण के आधार पर या सुरक्षाकारणों से निलम्बित किया जा सकता है या वापस लिया जा सकता है। (2) मुलाकात के लिए आवेदन, मौखिक या लिखित में हो सकता है। तथापि, यदि बन्दी,

	मुलाकात के लिए हकदार नहीं है, तो उसे इसके बारे में सूचित किया जाएगा। (3) प्रत्येक बन्दी अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों तथा सलाहकार, जो संख्या में 10 सेअधिक न हों, जो कारागार में उसके परिरूद्व के दौरान उससे मुलाकात कर सकते हों, सहित व्यक्तियों कीसूची प्रस्तुत करेगा। मुलाकात केवल ऐसे व्यक्तियों तक सीमित होगी। इस नियम में आने वाले "पारिवारिकसदस्य या रिश्तेदार" शब्द अक्षरशः के रूप में है तथा सर्वधा से प्रतिपादित है अर्थात् किसी भी व्यक्ति कोबन्दी के साथ तब तक मुलाकात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक व्यक्तिगत और अंतरगपरिचित या घनिष्ठ संबंध का प्रमाण नही हो। किसी रिश्तेदार के मामलों में, रिश्ते की प्रकृति सुनिष्चित कीtk,xh% परन्तु विशेष परिस्थितियों में, उसके रोजनामचे में लिखित में लिपिवद्व कारणों से, अधीक्षक किसीअन्य व्यक्ति, जिसका नाम बन्दी द्वारा प्रस्तुत सूची में दर्ज नहीं है, को उससे मुलाकात के लिए अनुज्ञातdj ldrk gS% परन्तु यह और कि व्यक्तियों की संख्या, जो एक समय में किसी बन्दी से मुलाकात कर सकते हैं,साधारणतः पांच तक सीमित होगी। मुलाकात के लिए अधिक अनुरोध के मामले में, जो अनुज्ञात किए जासकते हैं, से ऐसी मुलाकात अनुमत की जाएंगी,

	जो समय से पहले नियत किए गए हैं। (4) मृत्यु दण्डादेश के अधीन प्रत्येक बन्दी को अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों या विधिकसलाहकार के साथ ऐसी मुलाकात तथा अन्य सूचना के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जो अधीक्षक उचितle>sA (5) पत्रों की संख्या, जो बन्दी लिख या प्राप्त कर सकता है, पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा। (6) महानिदेशक, किसी बन्दी को किसी व्यक्ति से कोई और मुलाकात से मना कर सकता हैयदि उसके पास विश्वास का कारण है कि ऐसे व्यक्ति ने कारागार में मुलाकात या दौरे के परिणामस्वरूपकोई प्रख्यापन जारी किया है। (7) साधारणतः पैरोल या फरलो पर रिहा बन्दी, उनके परिवार के सदस्यों के सिवाए, को किसीcUnh ds lkFk eqykdkr djus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA (8) पूर्व-बन्दियों, जो कारगार में ठहरे उनके दोस्तों से मिलने के लिए आवेदन करते हैं, कोकिसी प्रमाण्िाक कारण के बिना ऐसी मुलाकात के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा। (9) कपड़े या बिस्तर के सिवाए मुलाकात के समय पर किसी भी खाद्य या अन्य वस्तुएं को प्राप्तकरने के लिए बन्दी को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। (10) उच्च सुरक्षा वार्ड में निरूद्ध बन्दी से मुलाकात या सम्पर्क को बन्दी से मुलाकात करने केलिए ईच्छुक व्यक्ति (व्यक्तियों) के केवल पुलिस सत्यापन के बाद अधीक्षक द्वारा अनुमत किया जाएगा। (11) अधीक्षक, महानिदेशक के अनुमोदन से, कारागार की सुरक्षा के सम्यक् विचार से एकतिमाही में एक बार से अनधिक आमने-सामने मुलाकात के लिए सुशील बन्दी को अनुज्ञात कर सकता है। (12) बन्दी, अधीक्षक की अनुमति से उसके अपने खर्च पर लेखन सामग्री खरीद सकता है औरउसको अपने खर्च पर अनेक पत्र लिख सकता है। उसको मुहैया सभी कापियों, उनके दुरूपयोग परनियन्त्रण रखने और गोपनीय पत्राचार रोकने के लिए उनके पृष्ठों को संख्यांकित करना चाहिए।
सामान्य नियमdk vioknA	208. (1) अधीक्षक, बन्दी के कदाचार के बावजूद, यदि वह समझता है कि ऐसी छूट के लिए विशेष या अत्यावश्यक आधार विद्यमान हैं, उदाहरणार्थ बन्दी गम्भीर रूप से बीमार होने की स्थिति में या किसी घनिष्ठ रिश्तेदार की मृत्यु होने पर या यदि पारिवारिक सदस्य या रिश्तेदार बन्दी से मिलने के लिए दूर से आए हैं या मुलाकात से इनकार करने से उनको अनुचित कष्ट होगा, या यदि बन्दी रिहाई के नज़दीक है और रोजगार को सुरक्ष्िात करना चाहता है, या अन्य पर्याप्त कारण है इन नियमों के अधीन उपबन्धित से कम अन्तरालों पर अपने विवेक से मुलाकात प्रदान कर सकता है। महत्व के मामले जैसे कि किसी रिश्तेदार की मृत्यु अधीक्षक को बन्दी के परिवार द्वारा किसी भी समय पर सूचित किया जा सकता है यदि वह इसे उचित समझता है, तो सम्पर्क की वास्तविकता बन्दी को सूचित कर सकता है। (2) अधीक्षक, कारागार से बाहर किसी अस्पताल में दूसरे बन्दी, जो परिवार का सदस्य है, से मिलने के लिए किसी बन्दी, सिद्वदोष बन्दी से अन्यथा, को निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन अनुमति दे ldrk gS % (K) ;fn vLirky esa cUnh xEHkhj :i ls chekj gS((b) ;fn vLirky mlh 'kgj ;k uxj esa fLFkr gS((c) यदि बन्दी पर्याप्त एस्कोर्ट में भेजा गया है जैसा अधीक्षक निर्णय करे; तथा (3) cUnh vLirky esa cUnh ls feyus ds ckn rqjUr dkjkxkj esa okil vk,xkA

eqykdkr Lohd`r व्यक्तियों की ryk'kh yh tk ldrh gSA	209. मुलाकात करने के लिए ईच्छुक प्रत्येक व्यक्ति, अपना पहचान सबूत प्रस्तुत करेगा तथा तलाशी तथाफोटोग्राफ देने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करेगा। उसके हस्ताक्षर/बायोमैट्रिक, इलैक्ट्रोनिक रूप से यामुलाकात रजिस्टर पर भी प्राप्त की जा सकती है। तथापि, यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक् ध्यान रखाजाएगा कि ऐसी कोई तलाशी किसी बन्दी या कारागार स्टाफ से भिन्न किसी व्यक्ति की उपस्थिति में नहींली जाएगी। तलाशी के दौरान, यदि कोई वर्जित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरन्त जब्त कर लिया जाएगाrFkk v/kh{kd ml O;fDr ds fo:} mfpr dkuwuh dkjZokbZ 'kq: djsxkA efgyk eqykdkrh ds ekeys esa] ऐसी तलाशी महिला स्टाफ सदस्य द्वारा ली जाएगी। यदि मुलाकाती तलाशी के लिए प्रस्तुत करने याअपना नाम तथा पता देने तथा फोटोग्राफ देने से इनकार करता है, तो उसे कारागार परिसरों में प्रवेश याcUnh ls eqykdkr djus dh vuqefr ugha nh tk,xhA
eqykdkr dk le; rFkk fnuA	210. (1) अधीक्षक, महानिदेशक द्वारा, समय-समय पर जारी मार्गदर्शनों के अध्यधीन मुलाकात का दिन तथा समय नियत करेगा तथा मुलाकात अनुज्ञात करेगा। अधीक्षक की विशेष अनुमति के सिवाए कोई Hkh eqykdkr fdlh vU; le; ij vuqKkr ugha dh tk,xhA eqykdkr dk fnu rFkk le; rFkk समय-सारणी रूपात्मकता का नोटिस कारागार के बाहर चिपकाया जाएगा। (2) eqykdkr dh vkuykbZu rFkk vkQykbZu cqfdax ds fy, O;oLFkk dh tk,xhA (3) कोई भी मुलाकात रविवार तथा कारागार अवकाश दिवस को अनुज्ञात नहीं की जाएगीः परन्तु अधीक्षक, उसके रोजनामचे में लिखित में दर्ज किए जाने वाले कारणों से, अपवादिक परिस्थितियों में अवकाश दिवस पर भी मुलाकात स्वीकृत कर सकता है।
eqykdkr ds LFkkuA	211. प्रत्येक मुलाकात मुख्य द्वार पर या के निकट प्रयोजन के लिए नियत कारागार के किसी विशेषLFkku ij tk,xh % परन्तु अधीक्षक, लिखित में दर्ज किए जाने वाले विशेष कारणों से, कारागार के किसी भाग मेंeqykdkr djus dh vuqefr ns ldrk gSA
eqykdkr dkjkxkj अधिकारी की mifLFkfr esa dh tk,xhA	212. (1) किसी बन्दी से प्रत्येक मुलाकात, कारागार अधिकारी की उपस्थिति में की जाएगी, जो जिम्मेवार होगा कि कोई अनियमितता घटित न हो, और जिसे इस प्रकार नियुक्त किया जाएगा कि पक्षकारों के बीच हस्तान्तरित की जा रही किसी वस्तु को देखने तथा रोकने में समर्थ हो सके। (2) आतंकवादी या लड़ाकू के साथ प्रत्येक मुलाकात, बन्दी के विरूद्ध मामले से परिचित गुप्तचर अधिकारी या पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में की जाएगी। अनुभवी कारागार अधिकारी भी ऐसी मुलाकात के दौरान हाजिर रहेगा।
eqykdkr dk समापन।	213- lkekU;r% eqykdkr esa ckrphr] ns'kh Hkk"kk] vaxzsth ;k fgUnh esa dh tk,xhA ;fn mifLFkr कारागार कर्मचारी द्वारा कोई अनुचित सूचना या अनियमितता देखी गई है, तो वह तुरन्त मुलाकात समाप्तकरेगा और मामला कारागार में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों के लिए तुरन्त रिपोर्ट करेगा।
eqykdkr dh अवधि।	214. मुलाकात के लिए अनुज्ञात समय साधारणतः बीस मिनट का होगा, किन्तु अधीक्षक द्वारा प्रशासकीयया सुरक्षा कारणों के दृष्टिगत बदला जा सकता है।
cUnh dh eqykdkr ls iwoZ rFkk ckn esa ryk'kh ysukA	215. प्रत्येक बन्दी की मुलाकात से पूर्व तथा बाद में सावधानीपूर्वक तलाशी ली जाएगी। महिला बन्दियोंकी तलाशी, महिला स्टाफ द्वारा और केवल महिलाओं की उपस्थिति में ली जाएगी।

प्रतीक्षा कक्ष।	216. मुलाकात के लिए मुलाकातियों की बारी आने तक उन्हें प्रतीक्षा करने के लिए समर्थ बनाने हेतु,प्रत्येक कारागार में उपयुक्त प्रतीक्षा कक्ष मुहैया कराया जाएगा। उन्हें प्रयोजन के लिए टोकन दिया जाldrk gSA
lEidZ lqfo/kk,aA	217. अधीक्षक, कारागार की सुरक्षा पर सम्यक् महत्व देने के बाद, समय-समय पर संचार के प्राधिकृतढंग के माध्यम से उसके परिवार के सदस्यों के साथ सम्पर्क रखने के लिए बन्दी को अनुज्ञात कर सकताहै। बन्दी अधीक्षक द्वारा नामित किए गए कारागार कर्मचारी के पर्यवेक्षण के अधीन इस सुविधा का प्रयोगकर सकते हैं। ऐसी सुविधा के प्रयोग के लिए बन्दी को अनुमति देते समय, अधीक्षक सुनिष्ि्चत करेगा कीउन बन्दियों को ऐसी अनुमति नहीं दी जाएगी, जिनका रिकार्ड उपद्रवी व्यवहार तथा बुरे आचरण का है।
v/kh{kd fdlh eqykdkr ls budkj dj ldrk gSA	218. अधीक्षक, किसी मुलाकात को अनुज्ञात करने से इनकार कर सकता है, जिसके लिए साधारणतःकोई बन्दी इन नियमों के अधीन हकदार हो, यदि उसकी राय में, बन्दी से मुलाकात करने के लिए किसीविशेष व्यक्ति को अनुज्ञात करना लोक हित में नहीं है, या यदि वहां मुलाकात से इनकार करने के अन्यपर्याप्त कारण हैं। ऐसे प्रत्येक मामले में, अधीक्षक अपने रोजनामचे तथा बन्दी की इतिवृत-टिकट में ऐसीbudkjh ds fy, vius dkj.k vfHkfyf[kr djsxkA

eqykdkr djus के विशेषाधिकारका दुरूपयोग djukA	219. कोई बन्दी, जो मुलाकात करने या पत्र लिखने या कारागार के बाहर किसी व्यक्ति से अन्य सम्पर्ककरने से सम्बन्धित किसी विशेषाधिकार का दुरूपयोग करता है ऐसे समय के लिए ऐसे विषेषाधिकारों कोखोने के लिए दायी होगा और ऐसे निर्बधनों प्रतिबन्धों के अध्यधीन हो सकता है, जैसा अधीक्षक निर्देशdjsaA
i= ds forj.k lEcU/k esa प्रक्रिया।	220. (1) कोई भी पत्र किसी बन्दी को तब तक वितरित या भेजा नही जाएगा जब तक अधीक्षक याउप अधीक्षक (प्रशासन) या अधीक्षक के आदेशों के अधीन किसी अन्य अधिकारी द्वारा उसकी जांच नही कीजाती है, किन्तु कोई भी अनुचित विलम्ब, वितरण या प्रेषण करने में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। यदिकोई पत्र अधीक्षक को अज्ञात भाषा में लिखा गया है, तो वह ऐसा पत्र भेजने से पूर्व अनुवाद प्राप्त करने केलिए कदम उठाएगा। संकेताक्षर या संकेतकी भाषा में लिखा गया कोई भी पत्र अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।अधीक्षक किसी भी पत्र को रोक सकता है, जो उसे किसी से अनुचित या आपतिजनक प्रतीत होता है, याकिसी अनुचित या आपतिजनक पैरो को मिटा सकता है और उसके बारे में सम्बन्धित बन्दी को सूचितdjsxkA (2) अधीक्षक के पास सुरक्षा तथा अनुशासन के कारणों से या आपातिक अवधि के दौरानबन्दियों के पत्रो को अस्वीकार करने का अधिकार होगा, यदि वह उन्हे आवश्यक समझता है।
cUnh ds fy, प्राप्त पत्रों को रोकना या okilh djuk A	221. यदि कोई पत्र किसी बन्दी को सम्बोधित है, जो नियमों के अधीन उसे प्राप्त करने के लिए हकदारनहीं है, जब तक अधीक्षक उसे सूचित करने का निर्णय नहीं करता है, तब तक उसे रोका जा सकता हैऔर उसे बन्दी के उसे प्राप्त करने के लिए हकदार होने या जारी करने तक उप-अधीक्षक (प्रशासन) कीअभिरक्षा में रखा जाएगा, इस बन्दी को जब दिया जाएगा यदि वह अनुचित या आपतिजनक नहीं है याउसे इस सूचना के साथ भेजने वाले को वापस किया जा सकता है कि बन्दी उसे प्राप्त करने के लिएहकदार नहीं है। पूर्व मामले में, प्राप्ति के तथ्य और वितरण करने से इनकार करने का कारण, बन्दी कीइतिवृत-टिकट में दर्ज किए जाएंगे और बन्दी की संख्या तथा प्राप्ति की तिथि पत्र पर लिखी जाएगी।
cUnh mls forfjr fd, x, i= j[k ldrk gSA	222. कोई बन्दी कोई पत्र रख सकता है, जो सम्यक प्राधिकार के अधीन उसे वितरित किया गया है,यदि अधीक्षक अन्यथा निर्देश नहीं करता है। बन्दी को दिया गया कोई पत्र, उप अधीक्षक (प्रशासन) या इसनिमित्त अधीक्षक द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा यह दर्शाते हुए कि यह प्राधिकृत संसूचना हैं,gLrk{kfjr fd;k tk,xkA
ys[ku lkexzh का प्रावधान।	223. नियमों के अधीन अनुज्ञेय पत्रों, लिफाफों तथा टिकटों के लिए खर्च स्वयं बन्दी द्वारा वहन किएtk,axsA

बन्दियों के गोपनीय पत्र।	224. बन्दी के विधिक सलाहकार की हिदायतों के अनुसार बन्दी द्वारा तैयार कोई निष्कपट गोपनीयfyf[kr lalwpuk iwoZ tkap fd, fcuk forfjr dh tk,xhA
विधिक lykgdkj ds lkFk eqykdkrA	225. बन्दी तथा उसके विधिक सलाहकार के बीच प्रत्येक मुलाकात दृष्टि के भीतर किन्तु स्टाफ सदस्यकी सुनवाई के बाहर की जाएगी। प्रत्येक ऐसी भेंट का रिकार्ड रखा जाएगा।
fofo/k ekeysA	226. मुलाकात को शासित करने के लिए अन्य विविध उपबन्ध निम्न अनुसार होंगे,- ¼d½ nLrkosth] vuqlU/kku] lekpkj&i= ys[k vkSj vU; ,sls ekeyksa ds iz;kstu ds fy, cfUn;ksa dh eqykdkr] ljdkj ;k egkfuns'kd }kjk] le;≤ ij] tkjh ekxZn'kZuksa }kjk शासित होंगे; ¼k½ mlh dkjkxkj esa jgus okys cfUn;ksa tks ifjokj ds lnL; gaS ;k lg&vfHk;qDr gS vkSj fyax ds vk/kkj ij ;k fdlh vU; dkj.k ls vyx fd, x, gaS] dks fdlh dkjkxkj vf/kdkjh dh mifLFkfr esa lIrkg esa ,d ckj vf/kekur% eq[; }kj ds fudV ukfer LFkku ij eqykdkr vuqKkr dh tk ldrh gS(¼x½ cfUn;ksa] tks ifjokfjd lnL; gaS rFkk fofHkUu dkjkxkjksa esa jg jgs gSa] dks egkfuns'kd }kjk ;Fkk fofufnZ"V LVkQ lnL; dh mifLFkfr esa ,d ekl esa ,d ckj bySDVªksfud lk/ku ds ek/;e ls eqykdkr vuqKkr dh tk ldrh gSA ,slh eqykdkrsa vU; izkf/kd`r eqykdkrksa ds अतिरिक्त हो सकती हैं। ¼?k½ cfUn;ksa dks vU; dkjkxkjksa esa cfUn;ksa ds lkFk i=kpkj djus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA rFkkfi] ;fn fdlh cUnh dks nwljh dkjkxkj esa vius fj'rsnkj fey x, gaS] rks mls bu fu;eksa ds micU/kksa ds v/;/khu mudks fy[kus ds fy, vuqefr nh tk ldrh gS(¼³½ dkjkxkj dk fujh{k.k djus okys fdlh O;fDr dks ljdkj ;k egkfuns'kd ;k v/kh{kd dh vuqefr ds fcuk dkjkxkj ifjljksa ds Hkhrj fdlh QksVksxzkfQd ;k ohfM;ks xzkfQd midj.k ys tkus ;k iz;ksx djus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA

'krZ] ftlds v/khu /kkfeZd प्रचारक को प्रवेश करवायाtk ldrk gSA	227. बन्दियों के समूह के आवेदन, पर उन द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार किसी सुप्रसिद्ध धार्मिकप्रचारक को कारागार में केवल किसी धार्मिक उत्सव पर धार्मिक सेवा देने के लिए प्रवेश करवाया जाldrk gS % ijUrq& ¼d½ v/kh{kd vius foosd ls fdlh /kkfeZd izpkjd dks izos'k nsus ls budkj dj ldrk gS ftldk dkjkxkj esa izos'k og fdlh i;kZIr dkj.k ls mlesa vuq'kklu cuk, j[kus ls vlaxr le>rk gS(¼k½ fdlh Hkh ,sls /kkfeZd izpkjd dks Lo;a ds fy, fofHkUu /kkfeZd vuqu; ds fdlh cUnh rd igqapus dh vuqefr ugha nh tk,xh ;fn ,slk cUnh LoSfPNd :i ls Kkud`r ugha gksuk pkgrk gS(rFkk

	¼x½ /kkfeZd izpkjd] le;] LFkku] vof/k rFkk blh izdkj ds lEcU/k esa ,slh 'krksZa ds v/;/khu gksxk] tks v/kh{kd fdlh le; ij mfpr le>sA
chekj ;k udkjk cUnh ls /kkfeZd प्रचारक की eqykdkrA	228. धार्मिक प्रचारक को किसी भी दिन बन्दी से मुलाकात करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है,यदि ऐसा बन्दी गम्भीर रूप से बीमार है या मृत्यु दण्ड के अधीन है तथा ऐसे प्रचारक से मिलना चाहता है,fdUrq vU;Fkk ughaA
विदेशी नागरिकोंds lkFk lEidZ ;k eqykdkrA	229. बन्दियों जो विदेशी नागरिक हैं, के साथ सम्पर्क या मुलाकात केन्द्रीय सरकार या सरकार केनिर्देशों, मार्गदर्शनों के अनुसार विनियमित की जाएगी।
योगा या विवेचनया खेल vuqns'kd ;k कौशल विकास ;k tkx:drk dk;ZØe ds ifjpkyd dh eqykdkrA	230. योगा या विवेचन या खेल अनुदेशक या कौशल विकास या जागरूकता कार्यक्रम करने के लिएसबल व्यक्ति को महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी शर्तों के अध्यधीन अधीक्षक की पूर्व अनुमति सेकारागार परिसरों में मुलाकात करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है।
fdlh cUnh ls सम्पर्क, जो राज्यfo/kku e.My ;k laln dk lnL; gSA	231. किसी बन्दी या कैदी, जो राज्य विधान, मण्डल या संसद का सदस्य है, द्वारा सदन, जिसका वहसदस्य है, के स्पीकर या अध्यक्ष, जिसका वह सदस्य या ऐसे सदन की समिति के अध्यक्ष का संबोधितसभी संसूचनाए समय-समय पर, इस सम्बन्ध में सरकार के मार्गदर्शनों के अनुसार अनुज्ञात की जाएगी।

mPp lqj{kk vgkrkA	v/;k; 14 उच्च सुरक्षा अहाता, सैल तथा उनमें बन्दियों का उपचार 232. (1) प्रवर्ग-I(एस 1-लाल) तथा प्रवर्ग-7 (एस 7-नारंगी) के अधीन आने वाले बन्दी विद्यमानकारागार के भीतर उच्च सुरक्षा अहाते (अहातों) के रूप में सीमांकित पृथक अहाते (अहातों) में रहेंगे। यदिअपेक्षित हो, तो सरकार प्रयोजन के लिए पृथक उच्च सुरक्षा कारागारों की स्थापना कर सकती है। किन्हींभी परिस्थितियों में उच्च जोखिम बन्दियों को अन्य बन्दियों के साथ नहीं रखा जाएगा। (2) उच्च सुरक्षा अहाते (अहातों) में आवास केवल सेलुलर होंगे। (3) सभी प्रयोजनों के लिए सैलों की पर्याप्त संख्या, प्रत्येक कारागार में मुहैया कराई जाएगी।एकल परिरोध के लिए आशयित सैल में पृथक प्रांगण, होगा, जिसमें अधिभोगी को सुबह तथा सांयकाल मेंकसरत करने की अनुमति दी जा सकती है। सेलुलर या पृथक् परिरोध के लिए आशयित सेल में सामूहिकप्रांगण होगा, जिसमें अधिभोगियों को प्रत्येक एक घण्टे के लिए सुबह तथा सांयकाल कसरत करने के लिएअनुज्ञात किया जा सकता है। बन्दियों की संख्या, जो एक समय में शारीरिक कसरत करने के लिए अनुमतgS] v/kh{kd }kjk fu;r dh tk,xhA (4) आसमान के सभी खुले स्थानों को लोहे की ग्रिलों के घेरे से कवरड किया जाएगा तथाखुले स्थानों में फर्श आर.सी.सी. का होगा। (5) उच्च सुरक्षा अहाते की भवन संरचना तथा माप ऐसी विशिष्टिया,ं का होगा जो समय-समयij egkfuns'kd }kjk fofufnZ"V fd;k tk,A

mPp lqj{kk अहाते को vk/kqfud lqj{kk rFkk lapkj midj.k ls lqlfTtr fd;k tkuk gSA	233. (1) mPp lqj{kk vgkrs dh vfHkUu fuxjkuh cuk, j[kus ds fy, lHkh vk/kqfud lqj{kk उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा तथा कारागार तथा बन्दियों की रक्षा तथा सुरक्षा सुनिश्चित कीtk,xhA (2) उपयुक्त संचार प्रणाली उच्च सुरक्षा में लगाए गए सुरक्षा कार्मिक को सभी समयों परfu;U=.k d{k rFkk vius vki esa dkjxj lapkj cuk, j[kus ds fy, mUgsa leFkZ cukus gsrq eqgS;k djkbZ tk,xhA (3) सुरक्षा कारणों के लिए, जहां कहीं आवश्यक हो, आडियों तथा विडियों रिकार्डिंग सुविधाओंlfgr lqj{kk dSejs LFkkfir fd, tk,axsA (4) पर्याप्त, समर्पित वीडियों परामर्श प्रणाली इलैक्ट्रोनिक साधन से उच्च जोखिम बन्दियों कोपेश करने तथा उनके विचारण के लिए समर्थ बनाने हेतु न्यायालयों के साथ संयोजन वाले उच्च सुरक्षाvgkrs ds Hkhrj LFkkfir dh tk,xhA (5) तालाबन्दी के समय पर रोज सुबह, को सम्बन्धित सहायक अधीक्षक यह सुनिश्चित करेगाfd mPp lqj{kk vgkrs esa LFkkfir lqj{kk xStsV rFkk lapkj midj.k dk;Z djus dh fLFkfr esa gSA ;fn कोई गैजेट कार्य न करने की स्थिति में हैं, तो वह उप अधीक्षक (सुरक्षा) को सूचित करेगा और किसीविलम्ब के बिना त्रुटि को ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।
mPp lqj{kk अहाते का प्रभारीv/kh{kdA	234. अधीक्षक, उच्च सुरक्षा अहाते की सभी सुरक्षा व्यवस्था का प्रभारी होगा तथा महानिदेशक द्वारा इससम्बन्ध में समय-समय पर जारी सभी नियमों तथा हिदायतों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिएजिम्मेवार होगा। उसकी सहायता उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा ऐसे अन्य अधिकारियों तथा इस निमित्त उसद्वारा प्रतिनियुक्त कर्मचारियों द्वारा की जाएगी।
प्रयोजन, जिसकेfy, lSy dk प्रयोग किया जाldrk gSA	235. सैल निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त किए जा सकते हैं, अर्थात्:- ¼d½ okjaV ij vknsf'kr ,dy ifjjks/k n.Mkns'k dks dk;kZfUor djus(¼[k½ dkjkxkj n.M ds :i esa cfUn;ksa dk i`Fkd~ rFkk lsyqyj ifjjks/k( ¼x½ cfUn;ksa dk i`FkDdj.k(¼?k½ chekjh dk cgkuk djus okys lafnX/k cfUn;ksa dk fpfdRlk voyksdu rFkk i`FkDdj.k] gkfudj inkFkksZa ds iz;ksx ls vius vkidks chekj djuk ;k {kfr iqgpWuk ;k tks fdlh laØked chekjh ls ihfM+r gS ;k ihfM+r ds :i esa lafnX/k gS( ¼³½ e`R;q ds fl}nks"k cfUn;ksa dk ifjjks/k(¼p½ fdUuj ¼Vªkaltsumj½ cfUn;ksa dk i`FkDdj.k( ¼N½ fonsf'k;ksa dk ifjjks/k( ¼t½ mu cfUn;ksa dk i`FkDdj.k] tks mÙkstd ;k fgald gS ;k [krjukd pfj= ds gS rFkk dkjkxkj lqj{kk ;k vuq'kklu ds fy, lEHkkO; tksf[ke ds gS(

	¼>½ fojks/kh lewg ds cfUn;ksa dk i`FkDdj.k( ¼'½ mPp tksf[ke cfUn;ksa dk ifjjks/k( ¼V½ mu cfUn;ksa dk i`FkDdj.k rFkk lqj{kk] ftUgsa nwljs cfUn;ksa ls muds thou ;k vax dh vk'kadk gSA

lSy dk अधिभोग ।	236- lkekU;r% dsoy ,d cUnh ,d lSy esa ifj:) fd;k tk,xk % परन्तु किसी सैल में ठहरा बन्दी गम्भीर रूप से बीमार है तथा बीमारी के प्रकृति के कारण असुरक्ष[ितहै, जिससे वह पीड़ित है, उसको अस्पताल से हटाना है, तो अधीक्षक चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर,उसके साथ रहने के लिए एक परिचर की अनुमति दे सकता है। किसी अन्य परिस्थितियों में दो बन्दियोंको उसी सैल का अधिभोग करने के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा: परन्तु यह और कि अधीक्षक के विशिष्ट आदेशों पर, पांच बन्दियों तक एक सैल में समायोजित किएtk ldrs gSaA
सैलों में बन्दबन्दियों को lquus ds fy, एक अधिकारीका होना।	237. रात तथा दिन के दौरान, रक्षा कार्मिक सैल मे परिरूद्ध प्रत्येक बन्दी वैध अपेक्षाओं का पता लगानेतथा पर ध्यान देने के लिए उन्हे सुनने के लिए हमेशा रहेंगे। सभी ऐसे बन्दियों पर कोई कार्य, जो वर्जितहै, करने से उन्हें रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाएगी।
टिकट अधिभोगlSy ds njokts ij fpidkbZ tkuh gSA	238. जब कभी किसी सैल का किसी बन्दी द्वारा अधिभोग किया जाता है, तो उसमें परिरूद्ध बन्दी केब्योरे दर्शाने वाली टिकट सैल के प्रांगण द्वार के बाहर चिपकाई जाएगी।
mPp lqj{kk vgkrs dh lqj{kkA	239. (1) vko';drk ds vuqlkj j{kk dkfeZd dh i;kZIr la[;k] lqj{kk rFkk fuxjkuh ds fy, mPp सुरक्षा अहाते में तथा चारों और तथा रात-दिन वार्ड डयूटी के लिए लगाई जाएगी। (2) प्रत्येक बन्दी को उच्च सुरक्षा अहाते में रखने से पूर्व, सावधानी पूर्वक तलाशी ली जाएगीतथा भागने या आत्महत्या करने में सहायक सम्भाव्य सभी वस्तुएं उससे ले ली जाएगी। सैल की भी पूर्णरूप से छान-बीन की जाएगी। सभी सैल तथा उनमें परिरूद्ध बन्दियों की प्रतिदिन तथा प्रायः, यदिआवश्यक हो, हवालात के समय पर सावधानी पूर्वक छान-बीन की जाएगी। इस आशय का एकप्रमाण-पत्र अभिलिखित किया जाएगा तथा सैल प्रभारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा तथा तलाशीरजिस्टर में कार्यकारी प्रभारी द्वारा अभिलिखित किया जाएगा। उप अधीक्षक (सुरक्षा) प्रमाणपत्रप्रति-हस्ताक्षर करेगा। (3) उच्च सुरक्षा अहाते में पहरे के प्रत्येक परिवर्तन पर डयूटी पर रक्षा कार्मिक तैनात कियाजाएगा तथा स्वयं डयूटी अधिकारी द्वारा मुक्त किया जाएगा। (4) प्रत्येक बन्दी की उसके सैल में उपस्थिति, पहरे के प्रत्येक परिवर्तन पर पता लगाई जाएगी। (5) उच्च सुरक्षा अहाते में प्रवेश करने वाली प्रत्येक सामग्री की किसी वर्जित वस्तु के प्रवेश सेरोकने के लिए एक्सरे सामान स्कैनर या अन्य उपयुक्त यन्त्र के द्वारा जांची जाएगी। (6) सैलों में परिरूद्ध बन्दियों की तालाबन्दी करने तथा खोलने के दौरान की गई गिनती केअलावा दिन में कम से कम दो बार गिनती की जाएगी। (7) अमानुष क्षेत्र उच्च सुरक्षा अहाते के निकट पहचाना जाएगा, जो उन व्यक्तियों, जो डयूटी केलिए तैनात किए गए है, के सिवाए किसी कारागार सहवासी तथा स्टाफ द्वारा पहुंच में नहीं होगा। (8) अहाते के प्रांगण में तैनात रक्षा कार्मिक उससे अधिक, जो उनकी डयूटी करने के लिएअपेक्ष[ित हों, एक दूसरे के साथ वार्तालाप नहीं करेंगे। उच्च सुरक्षा अहातें के प्रवेश द्वार को बाहर तथाHkhrj ls rkykcUn j[kk tk,xkA (9) तालाबन्दी तथा खोलना कार्यकारी प्रभारी की उपस्थिति में किया जाएगा।
dkjkxkj अधिकारी द्वारासैलों का fujh{k.kA	240. (1) सैल का अधिभोग करने वाला प्रत्येक बन्दी का निरीक्षण दिन तथा रात के दौरान कम सेकम प्रत्येक दो घण्टे में एक बार डयूटी पर रक्षा कार्मिक या पट्रोलिंग अधिकारी द्वारा किया जाएगा। जबपहरेदार को मुक्त किया जा रहा हो, अधिकारी प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण करेगा तथा अपने को सन्तुष्टिdjsxk fd lHkh cUnh gkftj gS rFkk lykerh ls jg jgs gSaA

	(2) उच्च सुरक्षा अहाता उप अधीक्षक (सुरक्षा) या उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा कम से कम एकबारfujhf{kr fd;k tk,xk rFkk tkapk tk,xkA
mPp lqj{kk vgkrs esa chekjhA	241. बीमारी के मामले में डयूटी पर रक्षा कार्मिक द्वारा वायरलैंस सैट, इन्टरकोम या सूचना के किसीअन्य साधन से नियन्त्रण कक्ष को तुरन्त सूचना दी जाएगी। नियन्त्रण कक्ष में लगाए गए स्टाफ सदस्यउच्च सुरक्षा अहाते के कार्यकारी प्रभारी तथा चिकित्सा अधिकारी को तुरन्त मामले की रिपोर्ट करंेगे।

	कार्यकारी प्रभारी सूचना की प्राप्ति पर वार्ड का तुरन्त निरीक्षण करेगा तथा परिस्थितियों के बारे में उपअधीक्षक को सूचित करेगा। इसके साथ चिकित्सा अधिकारी जांच तथा उपचार के लिए उच्च सुरक्षा अहातेका निरीक्षण करेगा तथा यदि आवश्यक हो, चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर, बन्दी को बेहतर प्रबन्धनके लिए कारागार अस्पताल में ले जाया जा सकता है। यदि उच्च जोखिम बन्दी कारागार अस्पताल मेंबदल जाता है, तो अधीक्षक को तुरन्त सूचित किया जाएगा। उप-अधीक्षक (सुरक्षा) उच्च जोखिम बन्दी कोवहां रखने तक अस्पताल में तथा चारो ओर विशेष सुरक्षा प्रबन्ध करेगा।
mPp lqj{kk vgkrs dh pkchA	242. (1) सैल, प्रांगण द्वार के तालों की चाबियाँ हमेशा डयूटी पर लगाए गए स्टाफ सदस्य द्वारासंभाली जाएगी। किन्हीं भी परिस्थितियों में चाबियां अप्राधिकृत स्टाफ सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति द्वाराlugha lEHkkyh tk,axhA (2) सैलो की चाबियाँ दिन में डयूटी पर रक्षा कार्मिक तालाबन्दी के समय से हिरासत तकअपनी अभिरक्षा में रखेगा। रात के समय, हवालात के समापन पर सैलो की चाबियाँ एकत्रित की जाएंगीतथा उप-अधीक्षक (प्रशासन) की उपस्थिति में गिनी जाएंगी, जो हवालात रजिस्टर में संख्या नोट करेगा।फिर वह मुख्य द्वार पर प्रयोजन के लिए मुहैया चाबी बाक्स में चाबियाँ ताले से बन्द करेगा तथा डयूटीअधिकारी को ऐसी चाबी बाक्स की चाबी हस्तान्तरित करेगा, जो प्रातःकाल में कारागार में उप अधीक्षक केप्रवेश करने पर उसको देगा। (3) किसी बन्दी द्वारा आत्महत्या करने के प्रयास के मामले में, सैल तुरन्त खोला जाना चाहिएतथा विफल करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे मामले में अधीक्षक, उप अधीक्षक (प्रशासन) तथाउप-अधीक्षक (सुरक्षा) को डयूटी अधिकारी द्वारा तुरन्त सूचित किया जाएगा।
रात के दौरानfuxjkuh dh cgqfo/k ys;jA	243. रात के समय के दौरान उच्च सुरक्षा अहाते के लिए छह-लेयर सुरक्षा प्रणाली होगी। अहाते में रक्षाकार्मिक प्रथम लेयर गठित करेगा, टावर पर लगाया गया रक्षा कार्मिक द्वितीय लेयर गठित करेगा, उच्चसुरक्षा अहाते का पट्रोलिंग अधिकारी प्रतिघण्टा चक्र लगाकर तीसरी लेयर गठित करेगा तथा चैथी लेयरसम्पूर्ण कारागार के पट्रोलिंग अधिकारी के निरीक्षण द्वारा गठित होगी; पांचवी लेयर डयूटी अधिकारी द्वाराजांच करने के दो चक्रों को मिलाकर बनेगी तथा अन्त में, उप अधीक्षक तथा अधीक्षक द्वारा आकस्मिकtkap NBh ys;j xfBr djsxhA
सैलों में बन्दियोंds fcLrj rFkk lSsy dh lQkbZA	244. सैल में प्रत्येक बन्दी का बिस्तर, चिकित्सा अधिकारी द्वारा विशेष मामलों में दिए गए किसी आदेशके अध्यधीन, प्रतिदिन धूप तथा हवा में छोड़े जाएंगे, यदि मौसम अनुमति देता है तथा सैल का प्रत्येकअधिभोगी उसकी सफाई के लिए जिम्मेवार होगा।
कोई बन्दी dkexkj lSy esa प्रवेश कर सकताgSA	245. कोई स्वीपर या कोई बन्दी कामगार, यदि डयूटी पर किसी अधिकारी के साथ जाता है तथा उसकीसेवाएं लेना अपेक्ष्ति है, को सैल में प्रवेश करने की अनुमति दी जा सकती है।

सैलो में श्रम कीfdLeA	246. उच्च सुरक्षा अहाते में परिरूद्ध प्रत्येक बन्दी, यदि कठोर कारावास से दण्डादेशित किया गया है, कोश्रम जैसे कि सफाई, स्वच्छता इत्यादि आबंटित किया जाएगा। विचाराधीन बन्दियों को भी सफाई तथाj[kj[kko dk;Z O;fDrxr :i ls ;k lewg esa vkcafVr fd;k tk,xkA Je dk :i ,slh jhfr es p;fur किया जाएगा ताकि उसे भागने से रोका जा सके। यदि उच्च सुरक्षा अहाते के आस-पड़ोस में बन्दियों कोकार्य पर नियोजित करना आवश्यक है, तो भागने से रोकने के लिए विषेष सावधानी बरती जाएगी।
mPp lqj{kk vgkrs esa cUnh अधिकारियों कानियोजन।	247. तीन बन्दी अधिकारी सैलों में परिरूद्ध बन्दियों पर निरन्तर निगरानी रखने के लिए उनकी प्रत्येकपंक्ति में प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। वे सैलों में डयूटी पर स्टाफ सदस्य को प्रत्येक घटना की तुरन्त रिपोर्टnsaxsA
mPp lqj{kk vgkrs ds lkekU; micUnA	248. (1) उच्च सुरक्षा अहाते का कार्यकारी प्रभारी ऐसा अधिकारी होगा जो सहायक अधीक्षक कीपद्वी से नीचे का न हो। (2) सैलों में परिरूद्ध बन्दियों को अनुज्ञेय कारागार विशेषाधिकार ऐसे होंगे, जो महानिदेशक,अधीक्षक तथा जहां तक साध्य हो, द्वारा विनिर्दिष्ट, किए जाएं, वही स्वतः उच्च सुरक्षा अहाते में मुहैयाdjk, tk,axsA (3) उच्च सुरक्षा अहाते में मुलाकात, जहां तक साध्य हो, बन्दियों के साथ स्वतः उच्च सुरक्षाअहाते में इलैक्ट्रोनिक साधन से की जाएगी, अपवादिक परिस्थितियो में, यदि भौतिक मुलाकात अनुज्ञात कीजानी है, तो जहां विशेषाधिकार सम्पर्क के प्रवर्ग में आने वाले सम्पर्क के सिवाए, ष्यह स्टाफ सदस्य कीmifLFkfr rFkk lquokbZ ds Hkhrj mPp lqj{kk vgkrs esa fufeZr eqykdkr d{k esa dh tk,xhA eqykdkr केवल पुलिस सत्यापन के बाद परिवार के सदस्यों तथा प्राधिकृत विधिक सलाहकार तक सीमित होगी। (4) सैलों में कोई भी भोजन बनना या गर्म करना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा तथा अन्य बैरक

	से कोई भी बनाया हुआ भोजन उच्च सुरक्षा अहाते में लाने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। (5) उच्च सुरक्षा अहाते में बन्दियों की शौचघर, वस्त्र तथा बिस्तर की हकदारी वही होगी, जोअन्य बन्दियों की है। (6) चिकित्सा देखभाल उच्च सुरक्षा अहाते के घेरे के भीतर उपलब्ध कराई जाएगी। तथापि,आपातिक तथा गम्भीर मामलों, में बन्दी का कारागार अस्पताल में उपचार किया जा सकता है। (7) उच्च सुरक्षा अहाते में रह रहे बन्दियों के लिए सुधार तथा उपचार कार्यक्रम विस्तारित किएजा सकते है। ये कार्यकलाप तथा कार्यक्रम स्वतः अहाते के भीतर किए जाएंगे तथा बन्दियों को अन्यबन्दियों के साथ मिलने से मना नहीं किया जाएगा। (8) सैल में बन्दी, जो हिंसक स्वभाव का है, को तलाशी, निरीक्षण आदि करने के लिए उसकेसैल को खोलने से पूर्व हथकड़ी लगाई जा सकती है। हथकड़ी खोल दी जाएगी जब सैल बन्द कियाtkrk gSA (9) अहाते का द्वार हमेशा तालाबन्द रखा जाएगा तथा बन्दी को वैध कारणों के सिवाए अहाते सेckgj tkus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA ckgj tkus okys fdlh cUnh ds lkFk de ls de ,d रक्षा कार्मिक होगा। किसी कारण से उच्च सुरक्षा अहाते से बाहर जाने वाले प्रत्येक बन्दी की प्रविष्टियांn'kkZus okyk jftLVj dk j[k&j[kko fd;k tk,xkA (10) उच्च सुरक्षा अहाते के लिए प्रयुक्त ताले तीन मास या यथा प्रायः यथा आवश्यकता के बादvnyk&cnyh fd, tk,axsA (11) इन नियमों के उपबन्धों के अध्यधीन, महानिदेशक विशेष मामलों में राज्य में किसी कारगारके लिए उच्च सुरक्षा अहाते हेतु मानक परिचालन प्रक्रिया बना सकता है।
jkT; esa rFkk ds बाहर बन्दियों	249. (1) नियम 45 में यथा विहित प्रवर्ग-I(एसI-लाल) के बन्दी साधरणतः कारगार की रक्षा तथासुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और कारागार में बन्दियों तथा अन्यों के बीच विकसित किसी सम्बन्ध कोतोडने के लिए महानिदेशक के

कोcnyukA	आदेश द्वारा प्रत्येक छह मास के बाद एक कारागार से दूसरी में बदलाtk,xkA (2) यदि कोई बन्दी उच्च सुरक्षा अहाते में या अन्यथा से परिरूद्ध है, कारागार नियमों कोबार-बार भंग करता है, तो महानिदेशक, सम्बद्ध राज्य सरकार के अनुमोदन से किसी अन्य राज्य में ऐसेबन्दी को बदलने के लिए विचार करेगा। राज्य सरकार कतिपय प्रवर्गों के बन्दियों के लिए तथा सम्बन्धितराज्य (राज्यों) की सहमति से पारस्परिक आधार पर अन्तरराज्य स्थानांतरण पालिसी बना सकती है।

egkfuns'kd dh 'kfDrA	v/;k; 15 बन्दियों का स्थानान्तरण 250. महानिदेशक राज्य में एक कारागार से दूसरी कारागार में बन्दियों का स्थानान्तरण कर सकता हैः परन्तु यदि विचारणधीन बन्दी को सम्बन्धित न्यायालय की अधिकारिता से बाहर किसी स्थान परस्थानांतरित किया गया है, तो न्यायालय को ऐसे स्थानान्तरण की सूचना दी जाएगी तथा शारीरिक रूप सेया इलैक्ट्रोनिक साधन के माध्यम से सुनवाई की प्रत्येक तिथि को विचारण न्यायालय के सम्मुख बन्दी कोपेश करने का प्रबन्ध किया जाएगा।
LFkkukUrj.k ds vk/kkjA	251. निम्नलिखित मामलों में बन्दी को महानिदेशक की स्वीकृति से राज्य के भीतर एक कारागार सेnwljh esa LFkkukafjr fd;k tk ldrk gS] vFkkZr~%& ¼d½ dkjkokl dh yEch vof/k ds fy, n.Mkfn"V cUnh mu dkjkxkj dh rqyuk esa ftUkds fy, os izfrc} gS] mUgs fu:) djus ds fy, izkf/kd`r fd;k x;k gS(¼[k½ ,sls cUnh] ftudk LFkkukUrj.k HkhM+&HkkM+ dks jksdus ;k de djus ds fy, vko';d gks(;qok vijk/kh rFkk efgyk cUnh(¼x½ fo'ks"k ;ksX;rk ;k dkS'ky okys cUnh] ;fn mudh lsok,a fdlh nwljs LFkku ds fy, visf{kr gS(¼?k½ ftys esa izHkko okys cUnh] ftlesa os ifj:) gSa] tks fgald ;k [krjukd pfj= ds gaS(fpfdRlk vk/kkjksa ;k vU;Fkk ls mi;qDr laLFkk esa vfHkj{kk rFkk mipkj ds fy,(¼³½ fopkj.k ;k lk{; nsus ds fy, U;k;ky; esa mifLFkfr ij(¼p½ muds iquokZl ds fgr esa izfriwfrZ vk/kkjksa ij(¼N½ dksbZ cUnh] ftldk LFkkukUrj.k djuk egkfuns'kd dh jk; esa dkjkxkj ds csgrj iz'kklu] dkjkxkj ;k cUnh ¼cfUn;ksa½ ds vuq'kklu ;k lqj{kk ds fy, vfuok;Z gksA ¼t½ ¼>½
अन्य राज्यों में या से बन्दियों dk LFkkukUrj.kA	252. (1) सरकार, प्राप्त करने वाले राज्य की सरकार की सहमति से किसी बन्दी को हटाने के लिएआदेश, जिसका परिरोध उस राज्य में कारागार में लोकहित में नहीं है और बन्दी की वास्तविक सजा काअसमाप्त भाग, मामले पर विचार करते समय पर तीन मास से अधिक न हो, कर सकती है। (2) सरकार लोकहित में राज्य के बाहर से किसी बन्दी का राज्य की कारागार में स्थानान्तरणको स्वीकार भी कर सकती है। यदि आवश्यक समझा जाए, तो पुलिस महानिदेशक और महानिदेशक केविचार ऐसे स्थानान्तरण का अनुमोदन करने से पूर्व प्राप्त किया जा सकता है। (3) सिद्धदोष करने वाले राज्य के माफी तथा विनिमय नियम राज्य के बाहर से अन्तरित बन्दीको लागू होंगे। (4) विचाराधीन बन्दी के मामले में, विचारण न्यायालय को ऐसे स्थानान्तरण के बारे में सूचितकिया जाएगा और या तो शारीरिक रूप से या इलैक्ट्रोनिक्स साधन के माध्यम से सुनवाई की प्रत्येक तिथिको विचारण न्यायालय के सम्मुख बन्दी को पेश करने का प्रबन्ध किया जाएगा।

विभिन्न कारागारोंमें उसी मामलों में सिद्धदोष बन्दियों का LFkkukUrj.kA	253. उसी मामले में सिद्धदोष बन्दियों को विभिन्न कारागारों में स्थानांतरित किया जा सकता है यदिमहानिदेशक की राय में कारागार में अनुशासन तथा शान्ित बनाए रखने के हित में या नियम 251 में वण्र्ाितअन्य आधारों के लिए ऐसा करना अनिवार्य है।
[krjukd बन्दियों तथाडाकूओं का LFkkukUrj.kA	254. अधीक्षक, आधार, जिनके लिए बन्दी पूर्व कारावास के कारण या अनुशासन के हित में इलाके औरपास-पड़ोस से परिचित है, पर कारागार से खतरनाक या आदतन बन्दी या आपराधिक गेंग के सदस्य केस्थानान्तरण के लिए महानिदेशक को आवेदन कर सकता है। महानिदेशक स्वयं की सन्तुष्टि करने के बादकि बन्दी को स्थानान्तरण के लिए पर्याप्त कारण विधमान हैै, ऐसे बन्दी के स्थानान्तरण के आदेश करldrk gSA
बन्दियों को lk/kkj.kr% LFkkukarfjr u fd;k tkukA	255. किसी भी बन्दी को भीड़-भाड़ को रोकने या कम करने के उपाय के रूप के सिवाए, कारागार से स्थानांतरित नहीं किया जाएगा, जिसमें उसे प्रथम दृष्टांत में सुपुर्द किया गया था यदि स्थानान्तरण के लिए ik= vU; cUnh micY/k ugha gS ;k fdlh vU; oSls gh egRoiw.kZ dkj.k ds fy,] ;fn cUnh]& (K)अपील नहीं करता है तथा अपील दायर करने के लिए परिसीमा अवधि समाप्त नहीं हुई है; (b)सुरक्षा प्राप्ति की चूक में परिरूद्ध है; या (c)tqekus ds Hkqxrku dh pwd esa ifj:) gSA

LFkkukUrj.k ls iwoZ cUnh dh fpfdRlk tkap djukA	256. किसी भी बन्दी, जो चिकित्सा उपचाराधीन है, तब तक एक कारागार से दूसरी कारागार मेंस्थानांतरित नहीं किया जाएगा जब तक चिकित्सा अधिकारी प्रमाण्ित नहीं करता कि बन्दी स्थानान्तरण केलिए उसे अयोग्य बनाने वाली किसी बीमारी से मुक्त है।
बीमार बन्दियों dk LFkkukUrj.k djukA	257. बीमार बन्दियों को निम्नलिखित आधारों पर एक कारागार से दूसरी कारागार में स्थानांतरित कियाtk ldrk gS] vFkkZr~%& ¼d½ fdlh cUnh] tks chekj gS] dks mlds LokLF; ds fgr ds flok, LFkkukarfjr ugha fd;k tk,xk(¼[k½ ;fn fpfdRlk vf/kdkjh fo'okl djrk gS fd chekj cUnh dk nwljh dkjkxkj esa LFkkukUrj.k mlds LokLF; ykHk dh vksj vxzlj gksuk lEHkkO; gS ;k mlds LokLF; esa lq/kkj djus ds fy, lgk;d jgsxkA ,sls ekeyksa esa] og ml dkjkxkj] ftlesa LFkkukUrj.k okafNr gS] dks of.kZr djrs gq, v/kh{kd dks ekeys dk laf{kIr fooj.k HkstsxkA अधीक्षक उसके बाद महानिदेशक के आदेशों के लिए उसको मामला प्रस्तुत करेगा; ¼x½ v/kh{kd] fpfdRlk vf/kdkjh ls fyf[kr esa ekax djus ij] ,slh ;k=k] muds iz;ksx ds fy, fgnk;rksa lfgr nokbZ;ksa gsrq cUnh ds fy, vfrfjDr Hkkstu] oL= rFkk fcLrj] ;fn vko';d gks] ,sls cUnh ds ,LdksfVZax vf/kdkjh dks fn, tk,axs(¼?k½ fpfdRlk vf/kdkjh ;g lqfuf'pr djus ds fy, ftEesokj gksxk fd cUnh dh fpfdRlk ekeyk 'khV mlds LFkkukUrj.k ds le; ij v|ru dj nh xbZ gSA
cUnh] tc egkekjh O;kIr है, को	258. महानिदेशक की विशेष स्वीकृति के बिना किसी बन्दी का एक स्थानान्तरण कारागार से दूसरीकारागार में जब कोई महामारी रोग या तो स्थानान्तरण करने वाली या प्राप्त करने वाली कारागार में व्याप्तरहने या रोग के

LFkkukarfjr u fd;k tkukA	कम से कम दो सप्ताह के लिए अदृश्य होने तक नहीं किया जाएगा। संक्रमण से बचावकरने के लिए विशेष सावधानियां बरती जाएंगी, यदि स्थानान्तरण उस मार्ग से किया जाना है, जहां किसीसंक्रमक प्रकृति की कोई बीमारी व्याप्त होनी ज्ञात है।
बन्दियों को तबrd LFkkukarfjr ugha fd;k tkuk] tc rd mUgsa प्राप्त नहीं कियाtk ldrkA	259. किसी भी बन्दी को दूसरी कारागार में तब तक स्थानांतरित नहीं किया जाएगा जब तक उसकारागार के अधीक्षक, जिसमें उसे स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है, से यह सुनिष्िचत नहीं किया जाताgS fd og Lohdkj dj ysxkA
cUnh ds रिश्तेदारों को LFkkukUrj.k dh lwpuk nsukA	260. जब कभी किसी बन्दी को कारागार से स्थानांतरित किया जाता है, ऐसे स्थानान्तरण की सूचनाबन्दी के परिवार को भेजी जाएगी।
o.kZukRed iath प्रस्तुत करना।	261. किसी बन्दी के स्थानान्तरण की स्वीकृति के लिए प्रत्येक आवेदन सहित जब स्थानान्तरण आदेशोंकी प्रत्याशा में किया गया है, वर्णनात्मक पंजी महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। स्थानान्तरण की मांगकरने के लिए कारण सभी मामलों में प्रकट किए जाएंगे।
LFkkukUrj.k ij cUnh ds nLrkost layXu djukA	262. (1) बन्दियों के स्थानान्तरण के समय पर, निम्नलिखित दस्तावेज प्रत्येक दस्तावेज पर पृष्ठ संख्या अंकित करते हुए, स्वीकार करने वाली कारागार के अधीक्षक को देने के लिए एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी को सौंपे जाएंगे, अर्थात्:- (K) लम्बित मामलों के वारंट सहित बन्दी के मूल वारंट (वारंटों); (b) cUnh ls lEcfU/kr dkjkxkj esa miyC/k fjdkMZ((c) ekQh 'khV rFkk bfro`r&fVdV((d) चिकित्सा कागज तथा रिपोर्ट; (e) बन्दी के निजी सामान के ब्योरे (तिहरी प्रति में); (f) बन्दी के साथ भेजे गए वस्त्र, बिस्तर तथा अन्य सरकारी सम्पत्त्ि की सूची (तिहरी प्रति में); ¼N½ ¼t½ — cfUn;ksa dh mifLFkfr dh vis{kk djus okys U;k;ky; ds vkns'kksa dh izfr;ka(eqykdkr rFkk dSUVhu ys[ks ds flok,] lHkh izfof"V;ksa dks n'kkZus okyh dkjkxkj izcU/ku vkosnu bfro`r&fVdV dh izfr((2) पूर्ववर्ती मास की समाप्ति पर स्थानांतरित बन्दी द्वारा अर्जित माफी उसकी इतिवृत-टिकट तथा वारंट पर पृष्ठांकित की जाएगी और प्रविष्टियां अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित की जाएंगी। उपरोक्त वण्र्ित

	सूचना विधिवत तथा सही रूप से रिकार्ड करने के लिए उप-अधीक्षक की जिम्मेवारी यह सुनिश्चित करनेके लिए होगी कि सभी दस्तावेज बन्दी के साथ सही रूप से भेजे गए हंै तथा पावती प्राप्त हो गई है।

एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारीको ब्योरे मुहैयाdjk;k tkukA	263. अधीक्षक स्थानांतरित किए जा रहे बन्दियों की संख्या, उनके स्वास्थ्य की स्थिति तथा स्थानान्तरणकी तिथि दर्शाने वाला ज्ञापन एस्कोर्ट प्रभारी अधिकारी को भी देगा। वह स्वीकार करने वाली कारागार केअधीक्षक पहले ही उनके पहुंचने की सम्भावित तिथि सहित को सभी ब्योरे अग्रिम में भेजे जाएंगे।
,gfr;krh mik;A	264. (1) एहतियाती उपाय के रूप में बन्दियों के निम्नलिखित किस्म के सम्पूर्ण ब्योरे स्थानान्तरणकरने वाली कारागार के अधीक्षक द्वारा पुलिस को सौंपने से पूर्व सर्वधा एस्कोर्टिंग पार्टी को दिए जाएंगे,vFkkZr~%& (क) पांच वर्ष या से अधिक दण्डादेश वाले बन्दी; (ख) उच्च-जोखिम बन्दी; (ग) घृण्ित अपराधों में लिप्त बन्दी; (घ) बन्दी, जिनका आचरण कारागार में सन्तोषजनक नहीं रहा है; या (ङ) कोई अन्य बन्दी, जिसके ब्योरे अधीक्षक की राय में एस्कोर्ट पार्टी के साथ सांझा fd, tkus vko';d gSA (2) सम्बद्ध जिला मजिस्टे"ट तथा पुलिस अधीक्षक को पहले ही सूचित किया जाएगा, यदि बन्दीद्वारा लोक ध्यान आकर्षित करने या स्थानांतरित किए जाने के कारण गड़बड़ करना सम्भावित है।
dkjZokbZ] tc LFkkukUrj.k vkns'k dk;kZfUor ugha fd;k tk ldrkA	265. यदि किसी बन्दी के स्थानान्तरण के लिए प्राप्त आदेश को बीमारी, अपील पर रिहाई या अन्यकारणों के कारण कार्यान्वित नहीं किया जा सकता है, तो बन्दी की वर्णनात्मक पंजी, जिस पर स्थानान्तरणके लिए स्वीकृति सूचित की गई थी, कारण दर्शाने वाले पृष्ठांकन सहित कि आदेश क्यों नहीं कार्यान्वितकिया गया था, महानिदेशक को वापस की जाएगी।
dkjkxkj deZpkjh dk बन्दियों के साथtkukA	266. (1) कारागार कर्मचारी को स्थानान्तरण पर बन्दी के साथ भेजा जाएगा जब उनकी संख्या बीस से अधिक होती है। बन्दियों के साथ भेजी गई सरकारी सम्पत्ति, दस्तावेज तथा निजी सामान उसके प्रभार esa jgsxkA (2) उप अधीक्षक (प्रशासन) बन्दी द्वारा कारागार छोड़ने से पूर्व स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि यात्रा के दौरान उन्हें जल आपूर्ति, भोजन आदि मुहैया करवाने के सभी आवश्यक प्रबन्ध किये गए हैं तथा dkjkxkj deZpkjh bl lEcU/k esa viuh M;wVh le>rs gSaA
पुलिस को भेजीtkus okyh vk'kf;r lwpuk प्रेषण।	267. बन्दियों के आशयित स्थानान्तरण या न्यायालय के सम्मुख बन्दियों को पेश करने का नोटिसअपेक्ष्ित रक्षा से कम से कम चैबीस घण्टे पूर्व प्रयोजन के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा पदनामित पुलिसअधिकारी को लिखित में दिया जाएगा। जहां तक सम्भव हो, सूचना शीघ्रता से दी जाएगी। एस्कोर्ट रक्षा केलिए मांग में उन द्वारा किए गए अपराध तथा अन्य सुसंगत ब्योरे अर्थात् क्या पुरूष या महिला, भारतीय याविदेशी है तथा क्या उनमें से कोई लिफर या उच्च जोखिम बन्दी (बन्दियों) सहित रक्ष्ित किए जाने वालेबन्दियों की संख्या बताई जाएगी।
पुलिस एस्कोर्ट।	268. (1) बन्दियों के स्थानान्तरण, जैसी भी स्थिति हो, के लिए पुलिस एस्कोर्ट मुहैया कराने हेतुअधीक्षक से सूचना की प्राप्ति पर प्रयोजन के लिए नामित पुलिस अधिकारी समय-समय पर लागू पुलिसविनियमों के अनुसार बन्दियों के सुरक्ष्ित तथा समय पर स्थानान्तरण के लिए मुहैया की जाने वाली पर्याप्तपुलिस रक्षा तथा उपयुक्त परिवहन का प्रबन्ध करेगा। यह सुनिश्चित करने की उसकी जिम्मेवारी होगी किपुलिस रक्षा सही समय पर कारागार द्वार पर रिपोर्ट करे। (2) उपरोक्त अनुसार पदनामित पुलिस अधिकारी सुनिश्चित करेगा कि उनके स्थानान्तरण,न्यायालय उपस्थिति या अस्पताल मुलाकात के दौरान उच्च-जोखिम बन्दियों की सुरक्ष्ित अभिरक्षा केi;kZIr lqj{kk mik; mfpr :i ls fd, x, gSaA (3) महिला बन्दियों के साथ महिला पुलिस कर्मचारी जाएंगे। महिला बन्दियों को जहां तक साध्यहो वाहन मुहैया कराया जाएगा तथा दिन के प्रकाश के दौरान यात्रा करवाई जाएगी। fVIi.k -& जिला पुलिस, जिसकी अधिकारिता में कारागार स्थित है एस्कोर्ट मुहैया कराने तथा कारागार में पुनः प्रवेश करने तक बन्दी की सुरक्ष्ित अभिरक्षा के लिए जिम्मेवार होगी।

v/kh{kd }kjk LFkkukUrj.k vkns'k tkjh djuk rFkk okjaV पर ब्योरे प्रमाण्ित करना।	269. अधीक्षक किसी बन्दी का स्थानान्तरण करने से पूर्व वांरट पर उसके सम्बन्ध में सभी प्रविष्टियों कोप्रमाण्ित करेगा तथा वारंट के पीछे स्थानान्तरण के निर्देश करने वाले आदेश की संख्या तथा तिथि,स्थानान्तरण की तिथि तथा कारागार, जिसमें बन्दी को भेजा जा रहा है, को प्रमाण्ित करेगा।

सम्बन्धित बन्दियोंको न्यायालय मेंभेजने के लिए v/kh{kd dh M~;wVhA	270. किसी बन्दी को पेश करने के न्यायालय आदेश की प्राप्ति पर, कारागार का अधीक्षक, जिसमें उसनाम का बन्दी परिरूद्ध है, उपरोक्त नियम 268 के उपबन्धों के अध्यधीन, न्यायालय, जिसमें उसकी हाजरीyxokuh vko';d gS] ,sls vkns'k esa of.kZr le; ij ,sls U;k;ky; esa is'k djus ds fy, mls ys tk,xk और उसकी परीक्ष किए जाने तक या न्यायालय के न्यायाधीश या पीठासीन अधिकारी के कारागार, जिसमेंवह परिरूद्ध है या में वापस ले जाने के लिए उसे प्राधिकृत करने तक न्यायालय में या के निकट अभिरक्षामें उसे निरूद्ध रखेगा।
cUnh dk vkgkjA	271. (1) महानिदेशक, समय-समय, पर यात्रा के दौरान बन्दियों के लिए आहार का पैमाना नियतकरेगा। जहां न्यायालय, जिसमें बन्दी को पेश किया जाना है उसी स्थान पर अब स्थित है जहां कारागारftles cUnh j[kk x;k gS] vofLFkr gS ;k ,slh nwjh ij vofLFkr tgka ls mls mlh fnu lk;adky ds भोजन से पूर्व कारागार में वापस लाया जा सकता है, अधीक्षक यात्रा के प्रारम्भ से पूर्व पैमाने के अनुसारयथा सम्भव लगभग पके हुए राशन का भोजन देगा तथा एस्कोर्ट का प्रभारी अधिकारी सुनिश्चित करेगा किबन्दी सामयिक रीति में भोजन ग्रहण कर रहा है। (2) जब यथा पूर्वोक्त अनुसार न्यायालय ऐसी दूरी पर अब स्थित है, जहां से बन्दी को उसीदिन सायंकाल भोजन से पूर्व कारागार में वापस नहीं लाया जा सकता, तो अधीक्षक यात्रा के दौरान भोजनकी खरीद के लिए महानिदेशक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाने वाली दर पर प्रत्येक बन्दी केलिए भत्ते का भुगतान पुलिस एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी को करेगा। जीवन-निर्वाह भत्ता का आकस्मिकआवश्यकता के लिए सभी अग्रिम का हिसाब उस अधिकारी द्वारा किया जाएगा, जिसको धनराशि सौंपी गईgSA
यात्रा के खर्चोंका समायोजन।	272. एस्कोर्ट रक्षा तथा परिवहन के सिवाए, जो पुलिस द्वारा मुहैया कराया जाएगा, बन्दियों केस्थानान्तरण से सम्बन्धित सभी अन्य खर्च कारागार विभाग द्वारा वहन किए जाएंगे।
LFkkukUrj.k ds दौरान श्रेण्ियोंको पृथक रखाtkukA	273. महिला बन्दियों, जब स्थानान्तरण पर हो, को पुरूष बन्दियों से पूर्ण रूप से अलग रखा जाएगा;तथा किशोरों को व्यस्क बन्दियों से अलग रखा जाएगा। किन्नर बन्दियों को भी राज्य सरकार द्वारासमय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शनों के अनुसार पृथक रखा जाएगा। सभी अन्य श्रेण्ियों कापृथक्करण, जहां तक साध्य हो, किया जाएगा।
यात्रा के दौरानckgjh lEidZA	274. एस्कोर्ट का प्रभारी अधिकारी यह देखेगा कि बन्दी बाहरी व्यक्तियों से सम्पर्क न रखे और यात्रा केदौरान अपने मित्रों या रिश्तेदारों से वर्जित वस्तुएं या धनराशि प्राप्त करने का कोई अवसर न हो। यात्रा केदौरान, बन्दी की प्रतिदिन तलाशी ली जाएगी तथा उसके निजी वस्त्रों के सिवाए कोई नकदी, जेवर याvU; futh lEifÙk j[kus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA
LFkkukUrj.k ls iwoZ cUnh dh ryk'kh ysukA	275. (1) जब बन्दी स्थानांतरित होने वाले हो उनकी कारागार के भीतर परेड करवाई जाएगी तथाअधीक्षक स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि प्रत्येक बन्दी के वस्त्र तथा बिस्तर अच्छी हालात तथा उचित मात्रा मेंgSaA (2) उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा पुलिस एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी की उपस्थिति में उनकीसावधानीपूर्वक तलाशी ली जाएगी, जिससे उसको दी गई बन्दी की सम्पत्ति तथा दस्तावेजो की पावती लीजाएगी। महिला बन्दियों की तलाशी महिला स्टाफ द्वारा ली जाएगी।
बन्दियों के प्रेषणपर भेजी जाने	276. बन्दियों की रवानगी पर, अधीक्षक शीघ्रता से उस कारागार के अधीक्षक को सूचना भेजगा, जिस परबन्दियों की संख्या तथा उनके प्रेषण की तिथि तथा समय की घोषणा करेगा।

okyh lwpukA	
बन्दियों की पहुंचdk le;A	277. बन्दियों को प्रेषित किया जाएगा ताकि कारागार, में जिसमें वे स्थानांतरित किए जा रहे हैं, मेंप्रातःकाल वार्ड के खुलने के समय तथा हवालात के बीच पहुंच सके। जहां तक साध्य हो, उनका प्रेषणle; ij fd;k tk,xk rkfd os jfookj ds flok, dkjkxkj vodk'k ij ugha igqapsxsA
बन्दियों के जेलरया प्रभारी पुलिसअधिकारी की M~;wVhA	278. (1) स्थानान्तरण पर बन्दियों के साथ वार्डर की उपस्थिति उनके एस्कोर्ट तथा सुरक्षित अभिरक्षाके प्रभारी पुलिस अधिकारी की जिम्मेवारी को किसी भी मात्रा में प्रभावित नहीं करेगी। वार्डर कीनिम्नलिखित डयूटियां होंगी, अर्थात्:- ¼d½ izfrfnu visf{kr jk'ku eqgS;k djkuk] tc Hkh vko';d gks] mls idkus ds fy, O;oLFkk djuk rFkk ns[kuk fd cfUn;ksa dks is; ty dh izpqj :i ls vkiwfrZ dh tkrh gS(¼[k½ cfUn;ksa ds lkFk Hksts x, lHkh izdkj ds nLrkostksa rFkk lEifÙk dh lqjf{kr vfHkj{kk dk lko/kkuhiwoZd ifjj{k.k djus rFkk lqjf{kr lqiqnZxh ds fy, ftEesokj will be. (c) कारागार, जिससे समूह प्रेषित किया गया था, को बन्दियों के साथ भेजे गए वस्त्र

	rFkk vU; ljdkjh lEifÙk lqjf{kr :i ls okil djuk((d) बन्दी की सम्पत्ति तथा सौंपे गए दस्तावेजों के लिए प्राप्त करने वाली कारागार के उप-अधीक्षक (प्रशासन)/डयूटी अधिकारी से पावती लेना; (e) बीमारी तथा क्षति से बन्दियों की प्रतिरक्षा सुनिष्चित करने के लिए प्रत्येक प्रयत्न का प्रयोग करना; (f) रास्ते में जल, भोजन इत्यादि की किसी आवश्यकता के बारे में पहले ही मार्ग के महत्वपूर्ण स्टेशनों के स्टेशन मास्टर से सूचना प्राप्त करना, जिनकी यात्रा में आवश्यकता हो सकती है; तथा (six) यात्रा के दौरान केवल प्राधिकृत भोजन अनुज्ञात करना। (2) यदि बन्दियों के साथ वार्डर नहीं जाता है, तो ये अतिरिक्त डयूटी पुलिस एस्कोर्ट के प्रभारीअधिकारी को मिल जाएंगी, जो यह देखेगा कि हथकड़ी, यदि लगाई गई है, उसके खाने, पीने या शौचघरमें जाने के समय बन्दी से हटाई गई है परन्तु किसी एक समय पर हथकड़ी के बिना संख्या, एस्कोर्ट केसिपाही की संख्या से आधे से अधिक नहीं होगी।
tkaps tkus okys nLrkostA	279. बन्दियों को उनके गन्तव्य पर, पहुंचने पर सभी दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी तथासरकारी तथा निजी दोनों सम्पत्तियों की सूची का प्राप्त सम्पत्ति से मिलान किया जाएगा तथा आवश्यकikorh nh tk,xhA
ikjxeu esa बीमार होने वालेcUnhA	280. (1) बन्दियों, जो पारगमन में बीमार पड जाते हैं, को अन्य बन्दियों से आसक्त नहीं कियाजाएगा, बल्कि उसके बीमार रहने के दौरान उसे अलग से यात्रा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।यदि पारगमन के दौरान कोई बन्दी इतना बीमार हो जाता है कि जिसके कारण वह उसकी यात्रा जारीरखने में अयोग्य हो जाता है, तो उसे निकटतम अस्पताल में या किसी ऐसे स्थान पर ले जाया जाएगा,जहां कोई सरकारी औषधालय हो या चिकित्सा अधिकारी द्वारा उपचार के लिए निकटतम कारागार में लेजाया जाएगा। परिस्थितियों की रिपोर्ट स्थानान्तरण करने वाली कारगार तथा उस कारागार, जिससे बन्दीहटाया गया था, के अधीक्षक को तुरन्त की जाएगी।

	(2) अधीक्षक, जिसने पारगमन के लिए बीमार बन्दी को लिया है, उसे प्राप्त करेगा तथा उसकेगन्तव्य पर प्रस्थान करने के लिए पर्याप्त रूप से ठीक होने तक उसे निरूद्ध करेगा। बन्दी से सम्बन्धितवारंट तथा सभी कागजात कारागार के अधीक्षक को हस्तान्तरित करेगा, जिसमें वह निरूद्ध किया गया है,तथा निरूद्व की परिस्थितियों का एक नोट उसकी इतिवृत-टिकट पर दिया जाएगा। स्वस्थ होने पर उसकेकागजों सहित उसके गन्तव्य के लिए उसे भेजेगा तथा बन्दी के प्रेषण की रिपोर्ट उस कारागार, जिसमेंउसे भेजा गया है तथा महानिदेशक को भेजी जाएगी। मृत्यु के मामले में, तथ्य तथा तिथि उसके वारंट परनोट की जाएगी जिसे अन्य कागजातों के साथ और उससे सम्बन्धित सम्पति उस कारागार, जहां से वहआया है, को वापस की जाएगी।
fdlh dkjkxkj में उसे प्राप्त fd, tkus ls iwoZ cUnh dh e`R;q A	281. यदि कोई बन्दी पारगमन के दौरान तथा मार्ग में किसी कारागार में उसे प्राप्त कर सकने से पूर्वमर जाता है, तो पुलिस एस्कोर्ट का प्रभारी अधिकारी, अधीक्षक, जहां से वह प्रेषित किया गया था को तथ्यकी रिपोर्ट करेगा। अधीक्षक दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 176 केvuqlkj U;kf;d eftLVªsV tkap iMrky dk;Zokgh lafLFkr djus ds fy, Øe'k% ftys tgka e`R;q gqbZ ds जिला एवं सत्र न्यायाधीश को शीघ्र सूचित करेगा। जहां स्थानान्तरण करने वाले कारागार का अधीक्षक,विधि के अनुसार बन्दी की मृत्यु के बारे में मृतक बन्दी के रिश्तेदारों, राज्य सरकार तथा राष्ट्रीय तथा राज्यमानव अधिकार आयोग को भी सूचित करेगा।
मार्ग में भागना।	282. यदि मार्ग में भागने की घटना होती है, तो उसकी सूचना उसे पुनः पकड़ना सुनिश्चित करने कीn`f"V ls iqfyl vkikfrd gSYiykbZu ij fudVre iqfyl fu;U=.k d{k esa ;Fkk lEHko 'kh?kzrk ls nh जाएगी। उस कारागार का अधीक्षक, जहां से बन्दी आया है तथा प्राप्त करने वाली कारागार का अधीक्षक,जिसने उसे प्राप्त करना था, को भी सूचित किया जाएगा। यदि वह शीघ्रता से पुनः पकड़ा नहीं जाता है,तो उसकी सम्पति, वारंट तथा अन्य दस्तावेज उस कारागार को वापस लौटा दिए जाएंगे, जहां से उसेप्रेषित किया गया था।
बन्दी को पुनः पकड़ना जो LFkkukUrj.k ij भाग गया है।	283. किसी भगोड़े बन्दी को पुनः पकड़ने की रिपोर्ट महानिदेशक जो भगोडे बन्दी को कहॉ रखा जानानिर्णय करेगा, को भेजी जाएगी।
cUnh] ljdkjh lEifr dh प्राप्ति।	284. प्राप्त करने वाली कारागार का अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) बन्दियों तथा उनसे सम्बन्धितदस्तावेजों तथा सम्पति, जो उस द्वारा निरूद्ध की गई है, की प्राप्ति की विधिवत पावती देगा। पावती पुलिसको हस्तान्तरित की जाएगी तथा इसके साथ ही सूचना प्रेषण करने वाली कारागार को भेजी जाएगी। बन्दी

	के साथ भेजी गई वस्त्र की वस्तुएंrFkk ljdkjh lEifr]प्राप्त करने वाली कारागार के लेखे में लीजाएगी। रजिस्टरों में लेखाबद्ध किया जाएगा तथा ऐसी वस्तुओं के लिए मांग पत्र में उसे बाद में प्रस्तुतfd;k tk,xkA
बन्दी की वस्तुओंका प्रेषण।	285. किसी बन्दी के स्थानान्तरण पर प्रेषण करने वाली कारागार के उप-अधीक्षक (प्रशासन) बन्दीरजिस्टर में दर्ज किए गए अनुसार बन्दी की वस्तुओं की सूची तिहरी प्रति में तैयार कराएगा तथा प्राप्ति केप्रमाण स्वरूप के रूप में प्रतिपर्ण पर वस्तु के लिए एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर प्राप्त करेगा।वस्तु के साथ-साथ प्रेषण करने वाली कारागार के उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा पूर्व हस्ताक्षरित दोहरे तथातिहरे प्ररूप प्राप्त करने वाली कारागार को सौंपने के लिए एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी को दिए जाएंगे,जहां दोहरी सूची रखी तथा फाईल की जाएगी। प्राप्त करने वाली कारागार के उप-अधीक्षक (प्रशासन)द्वारा तीनों प्रतियां हस्ताक्षरित की जाएंगी तथा एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी को सौंपी जाएंगी।
वस्तु गुम होनेपर प्रक्रिया।	286. यदि बन्दी के गन्तव्य पर उनके पहुंचने पर पाया जाता है कि प्राप्त वस्तु, सूची के अनुरूप नहीं है,तो तथ्य की तुरन्त सूचना प्रेषण करने वाली कारागार के अधीक्षक को दी जाएगी, जो मामले में जांचप्रारम्भ करेगा।

प्राप्त करने वालीdkjkxkj esa cUnh ds igqapus ij प्रक्रिया ।	287. प्राप्त करने वाली कारागार का उप अधीक्षक (प्रशासन) प्राप्त बन्दियों की संख्या की गिनती करेगातथा ज्ञापन में दर्शाई गई संख्या से वह संख्या सत्यापित करेगा। यदि कोई बन्दी गुम हो जाता है, तो वहएस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी से कारण का पता लगाएगा तथा एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी को दी जानेवाली पावती पर तथ्य अभिलिखित करेगा तथा इसकी अधीक्षक को भी रिपोर्ट करेगा।
सौंपी गई निधियों का foLr`r ys[kkA	288. उप अधीक्षक (प्रशासन) एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी द्वारा उसको सौंपी गई निधियों के विस्तृत लेखेभी प्राप्त करेगा तथा उसकी जांच करने के बाद वह किसी बकाया जो देय हो को अधिकार में लेगा तथाmls vfHkfyf[kr djsxkA
fdlh fHkUurk ds ekeys esaA	289. यदि दस्तावेजों तथा भौतिक वस्तुओं में कोई भिन्नता पाई जाती है, तो इस आषय की सूचनास्थानान्तरण करने वाली कारागार को दी जाएगी, जो इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।
ikjxeu ds दौरान उपचारds ckjs esaA	290. उप-अधीक्षक (प्रशासन) बन्दी से उनके मार्ग में उपचार, किए गए ठहराव तथा क्या उन्होंने अपनाभोजन प्राप्त लिया है के सम्बन्ध में प्रश्न करेगा। किसी प्रतिकूल कथन या की गई शिकायत, एस्कोर्ट केप्रभारी अधिकारी को दी जाने वाली पावती पर अंकित करेगा तथा अधीक्षक को रिपोर्ट करेगा।
एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी}kjk M;wVh dh vogsyukA	291. यदि एस्कोर्ट के प्रभारी अधिकारी के द्वारा डयूटी के दौरान की गई कोई उल्लंघना या अवहेलनाध्यान में आती है, तो प्रेषण या प्राप्त करने वाली कारागार, के अधीक्षक जैसी भी स्थिति हो महानिदेशकतथा सम्बद्ध जिले के पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट भेजेगा।
प्राप्त करने वालीdkjkxkj ls प्रेषित बन्दियों केलिए एस्कोर्ट कीसेवाओं का उपयोग।	292. एस्कोर्ट खारिज करने से पूर्व, प्राप्त करने वाली कारागार का अधीक्षक यह देखेगा कि क्या कोईअन्य बन्दी (बन्दियों) को जिले की कारागार, जहां से वे आए हैं या मार्ग में किसी अन्य कारागार से आए हैंतथा यदि वहां हैं, में अन्तरित किया जाना है, तो वह इतने अधिक बन्दियों को, जो एस्कोर्ट की संख्या रक्षाके लिए पर्याप्त हो इन नियमों में विहित प्रकिया तथा सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित एस्कोर्ट को सुपुर्दdjsxkA
सभी बन्दियों कीपंजी जो भागने के लिए सिद्धदोषfd, x, gSA	293. सभी बन्दियों की पंजी, जो विधिपूर्ण अभिरक्षा से भागने के लिए सिद्धदोष किए गए हैं, सभीअधीक्षकों द्वारा किसी अन्य उपयुक्त कारागार में उनके स्थानान्तरण की स्वीकृति के लिए महानिदेशक कोप्रस्तुत की जाएगी तथा प्रत्येक बन्दी के नाम के नीचे लाल स्याही में प्रविष्टि, उसमें "पुलिस से भगोड़ा" या"कारागार से भगोड़ा", जैसी भी स्थिति हो, कथित की जाएगी।

मृत्यु की रिपोर्टdh tkuh gSA	v/;k; 16 dkjkxkj esa e`R;q 294. किसी बन्दी की मृत्यु के मामले में, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) केसम्बन्धित उपबन्धों के अधीन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा समय-समय पर सम्बन्धित अन्य प्राधिकरणोंद्वारा जारी मार्गदर्शनों के अनुसार और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश (जिसकीअधिकारिता के भीतर मृत्यु हुई है) तथा पुलिस थाना (जिसकी अधिकारिता के भीतर कारागार स्थित है) कोरिपोर्ट तुरन्त की जाएगी।

मृत्यु होने परप्रक्रिया।	295. (1) जब कभी किसी कारागार में मृत्यु होती है, तो अधीक्षक तथा चिकित्सा अधिकारी को सूचनातरन्तु भेजी जाएगी। (2) किसी बन्दी की मृत्यु की घटना में शव, यदि जीवन विलुप्त है, चिकित्सा अधिकारी, पुलिसrFkk U;kf;d eftLVªsV ds igqapus rd mlh fLFkfr esa] ftlesa og ik;k x;k Fkk] j[kk tk,xk rFkk ?kVuk ds n`'; esa gsj&Qsj ugha dh tk,xh % परन्तु यदि यह निश्चित नहीं है कि मृत्यु हुई है, बन्दी को प्राथमिक उपचार मुहैयाdjkus rFkk mldk mipkj rFkk lathou djus ds fy, rqjUr mik; fd, tk,axsA dkjkxkj स्टाफ द्वारा परिस्थितियों के अनुसार बन्दी को तत्काल तथा बेहतर स्वास्थ्य सहायता मुहैयाकराने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएंगे। (3) आत्महत्या करने के प्रयास में कपड़े या किसी अन्य सामग्री की बनी रस्सी द्वारा लटकताहुआ पाए गए बन्दी के मामले में तथा यदि वहां विश्वास करने का कारण है कि वह अभी तक जीवित होसकता है, शरीर को दबाव से मुक्त करने के लिए तुरन्त ऊपर उठाया जाएगा तथा भूमि पर धीरे सेलिटाया जाएगा। किसी सहायता की प्रतीक्षा किए बिना होश में आने तक सभी उपाय किए जाएंगे, तथापि,lgk;rk fcuk foyEc ds fQj Hkh ekaxh tk,xhA
cUnh dh e`R;q dh ?kVuk esa fpfdRlk अधिकारियों कीM;wVhA	296. किसी बन्दी की मृत्यु पर, चिकित्सा अधिकारी निम्नलिखित ब्योरे चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी)रोजानामचे में तुरन्त अभिलिखित करेगा, ताकि उनका पता लगाया जा सके, अर्थात्:- ¼d½ fnu] ftldks e`rd us chekjh dh igyh f'kdk;r dh Fkh ;k chekj ds :i esa voyksfdr fd;k x;k Fkk(¼[k½ Je] ;fn dksbZ gks] ftl ij og ml fnu yxk;k x;k Fkk(¼x½ ml fnu mlds vkgkj dk ekiØe(¼?k½ fnu ftldks mls vLirky esa Hkjrh fd;k x;k Fkk(¼³½ fnu] ftldks fpfdRlk vf/kdkjh dks chekjh dh igyh ckj lwpuk nh xbZ Fkh(¼p½ chekjh dk Lo:i(¼N½ tc e`rd dks fpfdRlk vf/kdkjh }kjk mldh e`R;q ls iwoZ vfUre ckj ns[kk Fkk(¼t½ tc cUnh ej x;k(¼>½ fdlh vlk/kkj.k izdVu ds fy, 'ko dh 'kkjhfjd tkap(¼´½ e`R;q ds lEHkkfor dkj.k ij mldh jk;(rFkk ¼V½ v/kh{kd ds funsZ'kksa ds vuqlkj dksbZ vfHkfyf[kr lwpukA
jk"Vªh; ekuo अधिकार आयोगrFkk egkfuns'kd को दी जाने okyh foLr`r रिपोर्ट।	297. अधीक्षक, प्रत्येक दृष्टान्त में, जिसमें कारागार में परिरूद्ध किसी मृतक बन्दी के शव की कोईजॉच-पड़ताल की गई है, न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिसने जॉच पड़ताल की है, के निष्कर्ष की प्रति सहितप्रत्येक ऐसे मामले की परिस्थितियों की विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकारआयोग, महानिदेशक तथा सम्बद्ध सभी अन्य प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा।
'ko&ijh{k.k dSls fd;k x;k gSA	298. शव का परीक्षण राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मार्गदर्शनों के अनुसार किया जाएगा तथा वीडियोफिल्म बनाई जाएगी। वीडियो रिकार्डिंग तथा अन्य सम्बन्धित दस्तावेजों सहित मृत्यु के कारण स्पष्ट रूप सेबताते हुए शव परीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति अधीक्षक तथा सरकार के अधिदेशाधीन सभी अन्य प्राधिकरणोंको प्रस्तुत की जाएगी। fVIi.k%& वीडियोग्राफी की लागत तथा अन्य सम्बन्धित खर्चे विभाग द्वारा वहन किये जाएंगे।

vkRegR;k ;k हत्या को रोकनेds fy, पूर्वोपाय।	299. यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती जाएगी कि वस्तुएं, जो आत्महत्या या हत्या करनेकरने के लिए प्रयोग में लाई जा सकती हैं, कारागार परिसरों के भीतर इधर-उधर पड़ी रहनी अनुज्ञात नहींकी जाएंगी। कार्य शैडों, नाई की दुकान, दर्जी की दुकान, रसोई तथा कैन्टीन में प्रयुक्त चाकू तथा अन्यऔजारों की गिनती की जाएगी तथा कार्य के समापन पर वार्डर द्वारा ताला बन्द की जाएगी। फिनाईलसहित विषाक्त स्वापक किसी भी कारण से बन्दियों की पहुंच में नहीं छोड़े जाएंगे।
Li"Vr;k आत्मघाती प्रवृतिवाले बन्दियों केविरूद्व पूर्वोपाय।	300. स्पष्ट आत्मघाती प्रवृति वाले बन्दियों पर सावधानी पूर्वक निगरानी रखी जाएगी तथा सैल में अकेलानहीं छोड़ा जाएगा। ऐसे बन्दियों को कांऊसलर के पास भी भेजा जाएगा।

eq[kfcjA	v/;k; 17 fopkjk/khu cUnh 301. (1) न्यायालय या सम्बन्धित अन्वेषण अधिकारी को विचाराधीन बन्दियों के बारे में कारागार प्राधिकारियों को सूचना भेजेगा जो मुखबिर प्रवृति का है या अपराध-स्वीकरण किया है। (2) यदि विचाराधीन बन्दी, अपराध-स्वीकरण करता है या मुखबिर प्रवृति का है, तो उसे उसी समरूप मामले में अन्य विचाराधीन बन्दियों से अलग रखा जाएगा तथा सम्पर्क से रोका जाएगा। तथापि, lko/kkuh cjruh pkfg, fd mUgsa ,dkUr dkjkokl esa ugha j[kk x;k gSA (3) उन मामलों में, जिनमें अपराध स्वीकरण के बाद अभिलिखित किया गया है तथा मजिस्ट्रेट या अन्वेषण अधिकारी से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है कि पृथक कारावास लम्बे समय तक आवश्यक नहीं है, तो अधीक्षक मुखबिर के पृथक कारावास के सम्बन्ध में सम्बन्धित न्यायालय के आदेश या अन्वेषण अधिकारी से जानकारी , जैसी भी स्थिति हो, मांग सकता है।
न्यायालयों केविशेष निर्देश।	302. सम्बन्धित न्यायालय या सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिए गए किसी विचाराधीन बन्दी के पृथक्करण केसम्बन्ध में कोई विशेष निर्देश की पालना की जाएगी। तथापि, यह सुनिश्चित करने के लिए सम्यक्सावधानी बरती जाएगी कि ऐसा पृथक्करण अर्थात् समरूप या अन्य मामले में सम्बन्धित अन्य बन्दियों सेप्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः सम्पर्क करने से उसे रोकने के लिए विचाराधीन उद्देश्य प्राप्त करने के लिएआवश्यक से बाहर न हो।
U;k;ky; प्रयोजनों के लिएigpkuA	303. (1) अन्वेषण के लिए पहचान किए गए विचाराधीन बन्दियों, की पहचान में सहायता करने केलिए अपने सिर के अपने बाल काटवाने या अपनी हजामत करवाने या चेहरे को या किसी भी रूप में अपनेरूप-रंग को बदलने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, उन्हें अपने वस्त्र बदलने से नहीं रोकाtk,xk% ijUrq viuk :i&jax Hkjiwj :i ls ugha cnysxk ;fn mUgsa igpku ds fy, is'k fd;k tkrk gSA (2) अन्वेषण अधिकारी उन मामलों की कारागार प्राधिकारियों को सूचना देगा, जिनमें किसीविचाराधीन बन्दी की पहचान उसके रूप-रंग के सम्पूर्ण हुलिए सहित की जानी है, जो उसके पासfxj¶rkjh ds le; ij FkhA (3) igpku ijsM dk ijh{k.k lEcfU/kr U;kf;d eftLVªsV dh mifLFkfr esa fd;k tk,xk rFkk vkuykbZu Hkh dh tk ldrh gSA
पूर्व सिद्धदोष सेlEcfU/kr	304. (1) प्रत्येक कारागार अधिकारी या बन्दी अधिकारी का यह कर्तव्य है कि यदि उसकी जानकारीमें यह आता है कि विचाराधीन बन्दी को पूर्व में सिद्धदोष ठहराया जा चका है, तो वह ऐसी जानकारी कीरिपोर्ट अधीक्षक को करेगा तथा उसे सम्यक् सत्यापन के बाद रिकार्ड में दर्ज किया जाएगा।

अधिकारी की M;wVhA	(2) LFkkuh; iqfyl fopkjk/khu cUnh ;fn mls igyh ckj dkjkxkj esa yk;k x;k gS] ds fo:} पिछले अपराध या पहले रजिस्टर्ड किसी मामलों के ब्योरे कारागार प्राधिकारियों को सूचित करने के लिएभी जिम्मेवार होगी।
vfrfjDr ekeysA	305. यदि किसी बन्दी के विरूद्व अतिरिक्त मामला (मामले) लम्बित है, तो निम्नलिखित कार्रवाई कीtk,xh] vFkkZr~%& (K)प्रत्येक अतिरिक्त मामले की प्रविष्टि प्रतिप्रेषण वारंट पर तथा साथ ही विचाराधीन रजिस्टर तथा न्यायालय डायरी के उचित खानों में लाल स्याही में की जाएगी; (b)अधीक्षक प्रत्येक मामले में बन्दी की अभिरक्षा की स्थिति सहित सभी अन्य लम्बित मामलों के ब्योरे देते हुए सम्बन्धित न्यायालय को सूचना भेजेगा: परन्तु अधीक्षक प्रत्येक मामले में उसकी अभिरक्षा की स्थिति सहित किसी न्यायालय सेकिसी बन्दी के विरूद्व लम्बित मामलों के ब्योरे मांग सकता है।
fopkjk/khu अनुभाग ।	306. उप अधीक्षक (प्रशासन) के सम्पूर्ण मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण के अधीन विचाराधीन अनुभाग का प्रभारीविचाराधीन बन्दियों से सम्बन्धित कार्य करने के लिए जिम्मेवार होगा।
dk;ZA	307. (1) किसी विचाराधीन बन्दी को दण्ड के रूप के सिवाए, श्रम के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। (2) यदि कोई विचाराधीन बन्दी कार्य के लिए लिखित अनुरोध करता है, तो उसे, बन्दी के मामले के रूप में, उसके कार्य अनुभव तथा कौशल के अनुसार कार्य आबंटित किया जाएगा तथा उसके fy, ;Fkk fofufnZ"V etnwjh Hkqxrku dh tk,xhA
fopkjk/khu बन्दियों कीfnup;kZA	308. (1) विचाराधीन बन्दी प्रातःकाल शारीरिक प्रशिक्षण तथा ड्रिल, विवेचन, प्रार्थना, योगा, शिक्षा कक्षा,समाचार पत्र/ पत्रिका पढ़ने, सामाजिक शिक्षा, खेल, व्यावसायिक प्रशिक्षण, वार्ड, सैल या प्रागंण की सफाई,तथा रसोई कार्य में अपनी दिनचर्या के भाग के रूप में भाग लेगा। इन कार्यकलापों में भाग लेने से इनकार

	करने को जानबूझ कर अवज्ञा माना जाएंगा और इन नियमों के अनुसार दण्िडत किए जाने के लिए दायीwill be. (2) विचाराधीन बन्दियों के प्रभारी मुख्य वार्डर या वार्डर सभी दिनचर्या कार्यकलापों मेंविचाराधीन बन्दियों की भागीदारी के लिए जिम्मेवार होंगे।

U;k;ky; ds सम्मुख बन्दियोंdh mifLFkfrA	309. (1) बन्दियों को न्यायालय के सम्मुख व्यक्तिगत रूप में या इलैक्ट्रोनिक साधन के माध्यम सेप्रस्तुत किया जा सकते है। कानून तथा विषय पर मार्गदर्शनों के अनुसार इलैक्ट्रोनिक साधन के माध्यम सेविचाराधीन बन्दियों को प्रस्तुत करने या विचारण के लिए आवश्यक अवसंरचना तथा मानवशक्ति प्रत्येकdkjkxkj esa LFkkfir dh tk,xhA (2) इस प्रयोजन के लिए, न्यायालय डायरी अनुरक्ष[ित की जाएगी, जिसमें विभिन्न न्यायालयों केसम्मुख प्रस्तुत करने की सभी सुसंगत प्रविष्टियाँ की जाएंगी। ये प्रविष्टियां सम्बन्धित कर्मचारियों द्वारा हररोज की जाएंगी तथा विचाराधीन अनुभाग के प्रभारी द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी। (3) मजिस्ट्रेट के सम्मुख प्रत्येक दिन प्रस्तुत किए जाने वाले सभी बन्दियों के नाम न्यायालयअधिकारी के रूप में पदाभिहित अधिकारी द्वारा न्यायालय डायरी में दर्ज करने चाहिए, जिसकी डयूटी नियतदिन को न्यायालय में बन्दियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए होगी। इस प्रकारपदाभिहित न्यायालय अधिकारी उनके वारंट सहित उप अधीक्षक (प्रशासन) के सम्मुख डायरी रखेगा तथासम्बन्धित न्यायालय के सम्मुख बन्दियों को प्रस्तुत करने के लिए लिखित पावती प्राप्त करेगा। उप अधीक्षक(प्रशासन) या इस निमित्त इस प्रकार पदाभिहित, कोई अन्य अधिकारी इस डायरी में आद्यक्षर भी करेगा,प्रतिप्रेषण या दोषसिद्धि पर न्यायालय से प्राप्त प्रत्येक बन्दी के नाम की प्रविष्टि करेगा। (4) न्यायालय डायरी के आधार पर पुलिस एस्कोर्ट की मांग इस प्रयोजन के लिए पुलिस उपअधीक्षक द्वारा पदाभिहित पुलिस अधिकारी को पर्याप्त रूप से अग्रिम में भेजी जाएगी। इस प्रकार पदाभिहितपुलिस अधिकारी नियमों के अनुसार बन्दियों को प्रस्तुत करने के लिए परिवहन सहित पुलिस एस्कोर्ट मुहैयाकराने के लिए जिम्मेवार होगा।
fopkjk/khu बन्दियों काlkekuA	310. (1) vko';d iguus ds fy, ifj/kku ls vU;Fkk O;fDr ds ikl ikbZ xbZ /ku jkf'k ;k vU; सम्पति या विचाराधीन बन्दी का सामान नायब कोर्ट द्वारा प्रभार में लिया जाएगा, एसी सभी वस्तुओं कीlwph cUnh ds okjUV ds ihNs ntZ dh tkuh visf{kr gSA dkjkokl ls n.Mkfn"V fdlh cUnh ds ekeys esa] वस्तुएं उस कारागार में भेजी जाएंगी, जिसको उसे सुपुर्द किया गया है। (2) यदि कोई बन्दी कानूनी सहायता के लिए भुगतान करने हेतु उसे समर्थ बनाने के लिएउससे सम्बन्धित धन राशि तथा कारागार प्राधिकारियों के पास पड़ी या उसके भाग को वापस करने केअनुरोध को अनुज्ञात किया जाएगा तथा बन्दी से उसकी रसीद ली जाएगी। जब कभी भी बन्दी रिहा कियाजाता है, तो उसकी धन राशि उचित रसीद के अधीन अन्य सम्पति सहित उसको वापस कर दी जाएगी।विचाराधीन बन्दी द्वारा कारागार में लाई गई वस्त्रों की वस्तुओं को रजिस्टर संख्या-1 के उचित खाने मेंntZ fd;k tk,xkA (3) बन्दी के वस्त्रों, उसके मामले के कागजात, कारागार प्राधिकारियों द्वारा मुहैया खाद्य तथापेय जल के सिवाए, विचाराधीन बन्दी को न्यायालय में पेश करने के लिए पारगमन के दौरान अपने पासकोई अन्य वस्तुएं रखने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। (4) पुलिस एस्कोर्ट को न्यायालय में तथा उनकी यात्रा के दौरान या न्यायालय परिसरों मेंविचाराधीन बन्दियों को बाहर से कोई खाद्य पदार्थ या वर्जित वस्तुएं अनुज्ञात नहीं की जाएंगी। (5) न्यायालय से विचाराधीन बन्दी की वापसी पर यदि कोई वर्जित वस्तुएं पाई जाती हैं याडयूटी पर कारागार अधिकारी द्वारा कोई अनियमितता नोट की गई है, तो वह डयूटी पर वरिष्ठ अधिकारीको तथा यदि आवश्यक हो, उचित कार्रवाई के लिए पुलिस उप अधीक्षक को मामले की तुरन्त रिपोर्टdjsxkA (6) यदि किसी कारागार में परिरू.द्ध विचाराधीन बंदी की उपस्थिति दूसरे मामलों में, जिसमें वहजमानत पर है, अपेक्ष[ित है, तो सम्बन्धित न्यायालय कारागार प्राधिकारियों को विधिवत सूचित करेगा। (7) यदि किसी विचाराधीन बन्दी को न्यायालय से रिहा किया गया है, तो वह अपनी व्यक्तिगतसम्पति, यदि कोई हो, का तीन मास के भीतर कारागार प्राधिकारियों से दावा करेगा, जिसमें असफल होनेपर नियम 63 में विहित अनुसार उसका निपटान कर दिया जाएगा।
gFkdM+h yxkukA	311. (1) gFkdM+h U;k;ky; dh iwoZ vuqefr ls yxkbZ tk,xh ;fn ogka lansg djus dk dkj.k gS कि बन्दी का अभिरक्षा से भागना, या हिंसा के लिए प्रवृत होना सम्भावित है, तथा दूसरो को या स्वयं कोहानि पुहंचना सम्भावित है। अधीक्षक प्रत्येक बन्दी के मामले पर वरिष्ठता पर विचार करेगा तथा निर्णयकरेगा कि वह ऐसा व्यक्ति है, जिसको परिस्थितियों, साधारण आचरण, व्यवहार या चरित्र को ध्यान मेंरखते हुए हिंसक बन कर भागने का प्रयास करना या शांति भंग करने की सम्भावना है। ऐसे सभी मामलों

	में, वह बन्दी को हथकड़ी लगाने की अनुमति के लिए न्यायालय को आवेदन करेगा। (2) विचाराधीन बन्दियों के निम्नलिखित प्रवर्गों को न्यायालय की पूर्व अनुमति से पारगमन यापेशी के दौरान हथकड़ी लगाई जाएगी, अर्थात्:- (क) बन्दी, जो पूर्व में भाग गए है या भागने का प्रयास किया है; (ख) हिंसक, आक्रमणशील तथा जिद्दी बन्दी जो दूसरों या स्वयं को हानि पुहंचाने की lEHkkouk gS((ग) गम्भीर तथा हिंसक अपराधों में लिप्त बन्दी; या (d) dq[;kr ;k [krjukd Hkwfedk okys cUnhA
fopkjk/khu बन्दियों की ryk'kh ysukA	312. सभी विचाराधीन बन्दियों की प्रवेश के समय पर, न्यायालय से उन्हें लाते समय तथा पुनः प्रवेश केle; ij lEiw.kZ :i ls ryk'kh yh tk,xhA
tekur ij eqDr djus ;k fjgk djus dk नोटिस।	313. (1) जब किसी विचाराधीन बन्दी को न्यायालय द्वारा मुक्त या रिहा किया गया है, तो इस आशयका एक पृष्ठांकन विहित प्ररूप में न्यायालय द्वारा किया जाएगा। ऐसी सूचना की प्राप्ति पर विचाराधीनरजिस्टर के उचित खाने में प्रविष्टियां की जाएंगी। (2) यदि विचाराधीन बन्दी को न्यायालय द्वारा मुक्त किया गया है या न्यायालय में हाजिर होनेके समय जमानत पर रिहा किया गया है तथा तथ्य की अधिसूचना उसी दिन प्राप्त नहीं होती है, तोअधीक्षक बिना विलम्ब मामले में न्यायालय का ध्यान दिलाएगा। ऐसी सूचना की प्राप्ति पर, विचाराधीन बन्दीप्रवेश रजिस्टर के उपयुक्त खानों में प्रविष्टियां इन्द्राज की जाएंगी।
dkjkxkj ls fjgkbZA	314. (1) fdlh fopkjk/khu cUnh dh fjgkbZ ds funsZ'k djus okys fjgkbZ okjaV ;k U;k;ky; vkns'k की प्राप्ति पर उसे यथा सम्भव शीघ्र रिहा किया जाएगा। विचाराधीन बन्दी को रिहा करने से पूर्व अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) निम्नलिखित सुनिश्चित करेगा, अर्थात्:- (K) lEcfU/kr ewy dkxtkr rFkk fjdkMZ ls tekur vkns'k ;k fjgkbZ vkns'k dh laoh{kk djuk((b) जमानत आदेश की विषय-वस्तु की बन्दी को सूचना देना; (c) जांच करना कि क्या कोई अन्य मामला विचाराधीन बन्दी के विरूद्व लम्बित है, ftlesa og vfHkj{kk esa gS((d) fopkjk/khu cUnh dh igpku dh tkap djuk((e) बन्दी को उसका निजी सामान तथा नकदी सौंपना; तथा (f) विचाराधीन बन्दी प्रवेश रजिस्टर में रिहाई पर उसका भार अभिलिखित करना। (2) रिहाई के बाद, परिरोध का वारंट तथा जमानत बन्ध-पत्र अधीक्षक द्वारा रिहाई के पृष्ठांकन सहित सम्बन्धित न्यायालय को विधिवत वापस किया जाएगा।
ftyk ,oa l= न्यायाधीश कोekfld lwph भेजना।	315. अधीक्षक, सभी विचाराधीन बन्दी, जो अपराधों जो अधिकतम सात वर्ष तक के कारावास से अनुबन्धकिया गया है से आरोपित हैा तथा उनके प्रथम प्रवेश से चैदह दिन से अधिक के लिए कारावास में निरूद्वकिए गए हैा की विहित प्ररूप में नाम तथा अन्य ब्योरे देते हुए प्रत्येक मास एक सूची जिला एवं सत्रन्यायाधीश को प्रस्तुत करेगा।

tekurh; अपराधों के लिएvfHkfu/kkZfjr बन्दियों के ekeysA	316. अधीक्षक, सभी विचाराधीन बन्दी, जो पूर्व सप्ताह में जमानतीय अपराधों में प्रविष्ट किए गए थे, कीविहित प्ररूप में नाम तथा अन्य ब्योरे देते हुए प्रत्येक मास एक सूची जिला एवं सत्र न्यायाधीश को प्रस्तुतdjsxkA
fopkjk/khu cUnh dh xEHkhj chekjhA	317. (1) जब कभी कोई विचाराधीन बन्दी गम्भीर रूप से बीमार है, तो अधीक्षक चिकित्सा रिपोर्ट सहित सम्बन्धित न्यायालय को परिस्थितियों की रिपोर्ट करेगा ताकि, यदि कानून अनुमति देता है तथा न्यायालय उचित समझता है, तो बन्दी को जमानत पर रिहा किया जा सकता है। (2) यदि कोई विचाराधीन बन्दी न्यायालय में हाजिर होने तक अत्यधिक बीमार है तथा चिकित्सा अधिकारी ऐसा करने के लिए अयोग्यता प्रमाण्ित करता है, तो उसे न्यायालय के सम्मुख पेश नहीं किया जाएगा। ऐसी स्थिति में, चिकित्सा प्रमाण-पत्र सुनवाई की अगामी तिथि के लिए नया वारंट जारी करने के अनुरोध सहित न्यायालय को भेजा जाएगा।
ckgjh vLirky esa LFkkukUrj.kA	318. (1) यदि कारागार चिकित्सा अधिकारी सिफारिश करता है कि विचाराधीन बन्दी के स्वास्थ्य के fgr esa mls dkjkxkj ls ckgj mi;qDr ljdkjh fpfdRlk lqfo/kk ds fy, LFkkukarfjr fd;k tk,xk] अधीक्षक, पुलिस एस्कोर्ट के अधीन ऐसी संस्था में उसे भेजेगा।

	(2) इस प्रयोजन के लिए एक स्थायी पुलिस एस्कोर्ट को जिला पुलिस द्वारा कारागार में प्रतिनियुक्त fd;k tk,sxkA
fopkj/khu iqujh{k.k lfefrA	319- v/;{k ds :i esa ftyk ,oa l= U;k;k/kh'k] lnL; ds :i esa ftyk eftLVªsV] ftyk iqfyl अधीक्षक, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा अधीक्षक से मिलकर बनने वाली विचाराधीन पुरीक्षणसमिति, विचाराधीन बन्दियों की पहचान करेगी, जिन्होंने कानून के अधीन कथित अपराध के लिए उपबन्धितकारावास की अधिकतम आधी अवधि पूरी कर ली है।
लघु अपराधों मेंdkjkxkj esa न्यायालयों काlapkyuA	320. लघु अपराधों में लिप्त विचाराधीन बन्दियों के मामलों के निपटान के लिए, न्यायालय, उच्चन्यायालय या जिला एवं सत्र न्यायालय के आदेशों पर कारागार परिसरों में संचालन कर सकता है।
,d ekeys ls अधिक में fopkj.k ij बन्दियों के मामलो में प्रतिlUnHkZA	321. यदि किसी विचाराधीन बन्दी का एक मामले से अधिक में विचारण किया जा रहा है, तो प्रतिसन्दर्भ, उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा हस्ताक्षरित तथा दिनांकित निम्नलिखित रूप में लाल स्याही में प्रत्येकokjaV ds ihNs fn;k tk,xk%& ^^nwljk ekeyk yfEcr gSA U;k;ky; ls fjgk ugha fd;k tkuk**A
dfri; fopkjk/khu बन्दियों से	322. इस प्रभाव के न्यायालय या जिला मजिस्ट्रेट का आदेश कि विशेष विचाराधीन बन्दी को किसीO;fDr ls eqykdkr djuk vuqKkr ugha fd;k tk,xk] ftlesa ljdkjh ;k xSj&ljdkjh eqykdkrh 'kkfey हैै, ऐसे आदेशों की पालना सख्ती से की जाएगी तथा आशयित मुलाकातियों को सूचित किया जाएगा।

eqykdkr ugha djukA	
न्यायालयों से fopkjk/khu बन्दियों की शीघ्रokilhA	323. साधारणतः विचाराधीन बन्दियों को न्यायालय में इतनी देर तक नहीं रखा जाएगा, जो तालाबन्दीकरने के समय के बाद कारागार या हवालात में उनके प्रवेश के लिए आवश्यक हो। अधीक्षक, किसीदृष्टान्त, जिसमें इस नियम की पालना नहीं की जाती है, के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिकमजिस्ट्रेट, तथा पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकर्षित करेगा। जैसी ही न्यायालय की कार्रवाई समाप्त होतीहै, ऐसे विचाराधीन बन्दी, जिसका न्यायिक अभिरक्षा में प्रतिप्रेषण किया गया है, को तुरन्त कारागार मेंokil yk;k tk,xkA
अन्य राज्यों मेंfopkjk/khu बन्दियों को प्रस्तुत करना।	324. जब किसी विचाराधीन बन्दी के विचारण के लिए दूसरे राज्य को भेजा जाना अपेक्ष[ित है, राज्य,जहां से विचाराधीन बन्दी को भेजा जाना है, एस्कोर्ट का प्रबन्ध करेगा। प्रेषण करने वाला राज्य यात्रा तथासभी अन्य आनुषंगिक खर्चों का वहन करेगा।
flfoy okn dk;Zokgh esa U;k;ky; ds lEeq[k fopkjk/khu बन्दियों को पेशdjukA	325. जब तक जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा आदेष नहीं किया जाए, किसी भी विचाराधीन बन्दी कोflfoy okn dk;Zokgh ds fy, U;k;ky; ds lEeq[k is'k ugha fd;k tk,xkA
iqfyl iwNrkNA	326. किसी पुलिस अधिकारी जो निरीक्षक की पदवी से नीचे का न हो, को जब तक न्यायालय द्वाराप्राधिकृत नहीं किया जाए, किसी विचाराधीन बन्दी से पूछताछ करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परन्तु ऐसी पूछताछ कारागार अधिकारी की दृष्टि में की जाएगी, जो उप-सहायक अधीक्षक कीपदवी से नीचे का न हो।

cUnh ls fnup;kZ के कार्यकलापों को करना visf{kr gSA	v/;k; 18 lk/kkj.k dkjkokl ls n.Mkfn"V cUnh 327. साधारण कारावास से दण्डादिष्ट बन्दी, जो श्रम का चयन नहीं करता है, को दिनचर्या कार्यकलापजैसे कि समय-समय पर यथा विनिर्दिष्ट प्रातः कालीन कसरत, योगा, परेड़, शैक्ष[िाक तथा कौशल विकासकार्यक्रम को नहीं चुनने का विकल्प नहीं होगा।

lk/kkj.k dkjkokl ls n.Mkfn"V cUnh ds fy, JeA	328. (1) साधारण कारावास से दण्डादिष्ट बन्दी को, दण्ड को छोडकर, इन नियमों में यथा उपबन्धित Je djus ds fy, ck/; ugha fd;k tk,xkA (2) साधारण कारावास से दण्डादिष्ट सभी बन्दियों के नियोजन (यदि वे ऐसा चाहते हैं) के लिए अधीक्षक द्वारा प्रबन्ध किया जाएगा। (3) साधारण कारावास भुगतने के लिए दण्डादिष्ट प्रत्येक बन्दी जो श्रम करने के लिए लिखित में विकल्प चुनता है, तो साधारणतः ऐसे किस्म के श्रम पर नियोजित किया जाएगा, जो उसके लिए अधिक उपयुक्त हो और जिसके लिए वह तत्समय योग्य है। वह सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी दरों पर, ऐसे श्रम के लिए मजदूरी लेने का हकदार होगा। (4) यदि वह कार्य को बन्द करने के लिए किसी समय पर लिखित में अपनी इच्छा अभिव्यक्त करता है, तो उसे ऐसा करने की अनुमति दी जाएगी।
lk/kkj.k dkjkokl ls n.Mkfn"V cUnh ds fy, ekQhA	329. (1) तीन मास या उससे अधिक के साधारण कारावास से दण्डादिष्ट बन्दी, साधारण माफीअर्जित करने के लिए पात्र होगा। माफी का पैमाना तथा माफी देने की प्रक्रिया ऐसी होगी जो इन नियमों में;Fkk fofufnZ"V gSA (2) साधारण कारावास से दण्डादिष्ट बन्दी इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार विषेष माफीअर्जित करने का भी पात्र होगा।

सिविल बन्दियोंdk flfoy dkjkxkj esa ifj:) fd;k tkuk A	v/;k; 19 flfoy cUnh 330. प्रत्येक सिविल बन्दी को साधारणतः सिविल कारागार में परिरूद्ध किया जाएगा। यदि वहां कोई भीसिविल कारागार या सिविल कारागार में मुहैया आवास अपर्याप्त है या अनुपयुक्त है, तो सिविल बन्दी को,ऐसे बन्दियों के लिए वार्ड के रूप में प्रयोग हेतु विशेष रूप से अलग रखने के लिए दंड कारागार के भागesa fu:) fd;k tk ldrk gSA
flfoy dkjkxkj के अधिकारी rFkk eqykdkrhA	331. (1) जहां कहीं कोई सिविल कारागार है तथा आपराधिक बन्दियों के लिए भी कारागार है, तो सिविल कारागार, दण्ड कारागार के अधीक्षक तथा अन्य अधिकारियों के नियन्त्रण तथा प्रबन्धन के अधीन होगी तथा इस प्रकार प्रशासित की जाएगी मानो वह उसका अनिवार्य भाग बनाया गया है। (2) आपराधिक बन्दियों के परिरोध के लिए किसी स्थान पर स्थापित कारागार के लिए नियुक्त eqykdkrh mlh LFkku ij LFkkfir fdlh flfoy dkjkxkj ds Hkh eqykdkrh ds :i esa le>s tk,axsA
thou & fuokZg HkRrkA	332. सरकार, महानिदेशक से प्रस्ताव पर, समय-समय पर जीवन-निर्वाह भत्ते का पैमाना विनिर्दिष्टकरेगी। जीवन-निर्वाह भत्ता के लिए यदि कोई पैमाना सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट नहीं किया है, एक सौ रूपएप्रतिदिन होगा।
U;k;ky; }kjk fu;r ekfld HkRrk fdls Hkqxrku fd;k tkuk gSA	333. (1) जहां निर्णीत ऋणी को डिक्री के निष्पादन में सिविल कारागार को सुपुर्द किया गया है, तोन्यायालय नियम 332 के अधीन यथा नियत ऐसा मासिक भत्ता उसके जीवन-निर्वाह के लिए नियतdjsxkA (2) नियत मासिक भत्ता उस पक्षकार द्वारा, जिसके आवेदन पर निर्णीत ऋणी को गिरफ्तारकिया गया है, प्रत्येक मास के प्रथम दिन से पूर्व अग्रिम में मासिक अदायगी के रूप में भुगतान कियाtk,xkA (3) प्रथम अदायगी निर्णीत ऋणी को सिविल कारागार को सुपुर्द करने से पूर्व चालू मास के ऐसेभाग के लिए, जो समाप्त नहीं हुआ है, न्यायालय के उचित अधिकारी को की जाएगी तथा पश्चातवर्तीअदायगी (यदि कोई हो) सिविल कारावास के प्रभारी अधिकारी को की जाएगी।

	(4) flfoy dkjkxkj esa fu.khZr _.kh ds thou&fuokZg ds fy, fMØh /kkjd }kjk forfjr jkf'k;ka okn esa ykxr ds :i esa le>h tk,xhA fVIi.k%& mi&fu;e ¼2½ ds v/khu ekfld HkRrk] tc dkjkxkj }kjk izkIr fd;k tk,] ljdkjh [ktkus esa tek fd;k tk,xk rFkk [ktkuk jlhn ekl ds foLr`r vkdfLed fcy ds lkFk layXu dh tk,xhA bl izdkj tek jkf'k i`Fkd fcy ij izkIr dh tk,xh tc visf{kr gksA LVkd ls vkiwfrZ] cktkj ls [kjhn rFkk fMØh&/kkjd dks cdk;k Hkqxrku ds lEcU/k esa fu.khZr&_.kh dh vksj ls forfjr jkf'k lacaf/kr jftLVj esa vfHkfyf[kr dh tk,xh rFkk fofo/k iF; izHkkj 'kh"kZ ds v/khu ekl ds foLr`r vkdfLed fcy ls layXu okÅpj esa n'kkZbZ tk,xhA bl izdkj n'kkZbZ xbZ dqy jkf'k] [ktkuk jlhn esa n'kkZbZ xbZ jkf'k le:i gksxh rFkk fHkUurk] ;fn dksbZ gks] ds ekeys esa dkj.k Li"V fd, tk,axsA
flfoy cUnh dh nokbZ ds [kpsZA	334. सिविल बन्दी के बीमार होने की स्थिति में, उसके उपचार के खर्चे डिक्री धारक द्वारा वहन किएtk,axsA rFkkfi] vkikrdkyhu ekeys esa] ljdkj }kjk bls ogu fd;k tk,xkA
fu.khZr & _.kh का निरोध तथाfjgkbZA	335. (1) डिक्री के निष्पादन में सिविल कारागार में निरूद्ध प्रत्येक व्यक्ति, निम्नलिखित मामलों में विनिर्दिष्ट अवधि के समापन से पूर्व ऐसे निरोध से रिहा किया जाएगा, अर्थात्:- (K) उसके निरोध के लिए वारंट में वण◌र्◌ित राशि पर, जो सिविल कारागार के प्रभारी अधिकारी को उसके द्वारा भुगतान की जा रही है; (b) iw.kZ :i ls vU;Fkk lUrqf"V ds dkj.k mlds fo:} fMØh ij((c) व्यक्ति के अनुरोध पर, जिसके आवेदन पर उसे इस प्रकार निरूद्ध किया गया है; या (d) O;fDr }kjk pwd ij] ftlds vkosnu ij mls thou&fuokZg HkRrs dk Hkqxrku djus पर इस प्रकार निरूद्ध किया गया है: परन्तु न्यायालय के आदेश के बिना इस नियम के खण्ड (ख) या (ग) के अधीन ऐसे निरोध से उसे रिहा नहीं किया जाएगा। fVIi.k& ;fn fu.khZr _.kh] [k.M ¼?k½ }kjk HkRrs dk Hkqxrku djuk cUn dj nsrk gS] rks cUnh dks ml fnu ftlds fy, dksbZ HkRrk Hkqxrku ugha fd;k gS] dks izkr% dky fjgk fd;k tk,xkA

	(2) डिक्री के निष्पादन में सिविल कारागार में निरूद्ध प्रत्येक व्यक्ति निरोध की अवधि के समापन पर रिहा किया जाएगा।
flfoy cUnh को अतिरिक्त अपेक्षाओं के लिएप्रभार।	336. यदि सिविल बन्दी को आहार की कोई अतिरिक्त सामग्री, चिकित्सा आधारों पर देने बारे चिकित्साअधिकारी द्वारा आदेष दिया गया है, तो दैनिक निर्वाह भत्ते से अधिक हुए अतिरिक्त व्यय का भुगतानljdkj }kjk fd;k tk,xkA

chekjh ds vk/kkj ij fjgkbZA	337. (1) किसी निर्णीत ऋणी की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी होने के बाद किसी भी समय, U;k;ky; mldh xEHkhj chekjh ds vk/kkj ij mls jn~n dj ldrk gSA (2) जहां निर्णीत ऋणी को गिरफ्तार किया गया है, न्यायालय उसको रिहा कर सकता है, यदि mldh jk; esa og flfoy dkjkxkj esa fu:) fd, tkus ds fy, LokLF; fLFkfr ls fQV ugha gSA (3) जहां किसी निर्णीत ऋणी को सिविल कारागार में सुपुर्द किया गया है, तो उसे वहां से रिहा fd;k tk ldrk gS]& (क) सरकार द्वारा किसी संक्रामक या छूत के रोग के होने के आधार पर; या (ख) सुपुर्द करने वाले न्यायालय या किसी न्यायालय, जिसका वह न्यायालय अधीनस्थ है, द्वारा किसी गम्भीर बीमारी से पीड़ित होने के आधार पर। (4) इस नियम के अधीन रिहा निर्णीत ऋणी को पुनः गिरफ्तार किया जा सकता है, किन्तु सिविल कारागार में उसके निरोध की अवधि कुल मिलाकर दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का केन्द्रीय अधिनियम 45) की धारा 58 द्वारा विनिर्दिष्ट से अधिक नहीं होगी।
fjgkbZ ij thou&fuokZg ds cdk;k dk fuiVkuA	338. जब किसी सिविल बन्दी को रिहा किया गया है, तो सरकारी खजाने में जमा जीवन-निर्वाह काबकाया, यदि कोई हो, यदि किसी सिविल न्यायालय अधिकारी से प्राप्त किया गया है, न्यायालय को वापसकिया जाएगा, किन्तु यदि डिक्री-धारक से प्राप्त किया गया है, तो एक वर्ष की अवधि के भीतर इसके लिएआवेदन करने पर उसको भुगतान किया जाएगा।
सिविल बन्दियोंds fy, JeA	339. (1) इन नियमों में यथा विहित दण्ड को छोडकर, सिविल बन्दी को श्रम करने के लिए बाध्य ugha fd;k tk,xkA (2) सिविल बन्दी, जो श्रम करने के लिए लिखित में विकल्प चुनता है, साधारणतः ऐसे किस्म के श्रम पर नियोजित किया जाएगा, जो उसके लिए अधिक उपयुक्त हो तथा जिसके लिए वह तत्समय योग्य है, वह सरकार द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसी दरों पर ऐसे श्रम के लिए मजदूरी लेने का हकदार होगा। (3) यदि वह कार्य नहीं करने के लिए किसी समय पर लिखित में इच्छा व्यक्त करता है, तो mls ,slk djus dh vuqefr nh tk,xhA
इन नियमों काlykxwdj.kA	340. इन नियमों के सभी अन्य उपबन्ध, जब इस अध्याय के उपबन्धों के विपरीत हों, उसी प्रकारसाधारण बन्दियों को लागू होंगे।

महिला कारागारोंdh LFkkiukA	v/;k; 20 efgyk cUnh rFkk ckyd 341. (1) महिला बन्दियों के लिए पृथक कारागारों की ऐसी संख्या होगी, जो सरकार द्वारासमय-समय पर, अवधारित की जाए। ऐसी पृथक कारागारों की स्थापना करने तक महिला बन्दियों कोपृथक अहातों या भवनों या उसी भवन के पृथक भाग में, ऐसी रीति में, ठहराया जाएगा, जो पुरूष बन्दियोंको देखने या बातचीत करने या किसी पारस्परिक क्रिया करने लिए उन्हें रोक सके। (2) efgyk vgkrs esa lHkh M;wfV;kaW efgyk LVkQ }kjk dh tk,axhA blds vfrfjDr] tgka rd साध्य हो, महिला बन्दियों के सभी मामलों का निपटान केवल महिला स्टाफ द्वारा किया जाएगा।

	(3) वरिष्ठतम महिला अधिकारी, जो सहायक अधीक्षक की पदवी से नीचे की न हो, महिलाअहाते की सम्पूर्ण प्रभारी होगी।
efgyk vgkrs esa lqfo/kk,aA	342. (1) महिला बन्दियों के लिए अहातों में उनकी विशेष आवश्यकताओं जैसे कि सुरक्षा, पृथक्करण,xHkZ] LokLF; ns[kHkky] ckyd ns[kHkky] ifjokj bR;kfn ds lanHkZ esa lHkh visf{kr lqfo/kk,a gkasxhA (2) महिला सहवासियों के लिए कार्य तथा उपचार कार्यक्रम उनकी विशेष आवश्यकताओं कोसम्यक् महत्व देते हुए तैयार किए जाएंगे तथा उन्हें पुरूष बन्दियों के अनुसार कार्य करने, व्यावसायिकप्रशिक्षण तथा शिक्षा देने के समान अवसर दिए जाएंगे।
oxhZdj.k rFkk i`FkDdj.kA	343. महिला बन्दियों को पुरूष बन्दियों को लागू नियम 45 के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा तथा अलगj[kk tk,xkA
fyax & Hkkoqdrk ds fy, LVkQ को प्रशिक्षण।	344. जहां महिला बन्दियों के सम्बन्ध में ड्युटियों का निर्वहन करने के लिए पर्याप्त महिला स्टाफउपलब्ध नहीं है, तो वहां महिला बन्दियों के साथ कार्य करने के लिए नियत स्टाफ उनकी लिंग-विशिष्टआवश्यकताओं तथा मानव अधिकारों से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। उन्हें लैंगिक, कदाचार तथाभेदभाव के विरूद्व सुग्राहित बनाया जाएगा। ऐसे स्टाफ को ऐसी स्थितियों तथा दृष्टान्तों का निपटान, जहांमहिला सहवासी विशेष रूप से उनकी स्थिति प्रतिसंवेदी के रूप में व्यथित महसूस करे, करने के लिएvko';drk rFkk vkdfLed ladV dk le; ij mfpr :i ls mRrj nsus ds fy, cky fodkl rFkk स्वास्थ्य देखभाल में प्रशिक्ष्ि◌ात भी किया जाएगा तथा सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें उचित सहायताeqgS;k djkbZ tkrh gSA
जब कोई महिलाcUnh okMZ dh अकेली अधिभोगीgSA	345. यदि किसी कारागार में केवल एक महिला बन्दी है, तो दिन तथा रात में उसके साथ रहने के लिएएक महिला वार्डर का प्रबन्ध किया जाएगा। अधीक्षक किसी अन्य कारागार में उसके स्थानान्तरण के लिएमहानिदेशक से आदेश प्राप्त कर सकता है।
dkjkxkj esa tUe dk iathdj.kA	346. कारागार में जन्म को स्थानीय जन्म पंजीकरण कार्यालय में पंजीकृत किया जाएगा। उचित सावधानीबरती जाएगी कि कारागार को जन्म के स्थान के रूप में अभिलिखित नहीं किया गया है यद्यपि जन्म उसLFkku ij gqvk gS rFkk dsoy LFkku dk irk of.kZr fd;k tk,xkA tgka rd ifjfLFkfr;ka vuqefr nsrh हों, उप-अधीक्षक (प्रशासन) यह सुनिश्चित करेगा कि बालक ने जिला अस्पताल में जन्म लिया है तथाबालक के नामकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए सभी सुविधाएं माता को दी गई हैं।
महिला बन्दियोंds ckyd ds fy, ØSp rFkk मनोरंजनात्मकlqfo/kk,aA	347. (1) छह वर्ष तक की आयु के बालक को कारागार में उनकी माताओं या महिला अभिरक्षकों केसाथ रहने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, यदि वहॉ उन्हें रिश्तेदारों या अन्यथा के पास रखने की कोईvU; O;oLFkk ugha gS % परन्तु माता या अभिरक्षक, जैसी भी स्थिति हो, के अनुरोध पर तथा बालक की सहमति से,v/kh{kd ckyd ds csgrj fgr esa vkB o"kZ dh vk;q rd viuh ekrk ;k efgyk vfHkj{kd] tSlh Hkh स्थिति हो, के साथ कारागार में रहने के लिए उसे अनुज्ञात कर सकता है। (2) कारागार में भरती महिला बन्दी के बालक के व्यक्तिगत ब्योरे प्रवेश के समय परअभिलिखित किए जाएंगे। रिकार्ड में बच्चे का नाम, आयु तथा लिंग शामिल होगा। महिला बन्दियों केबालक का समरूप रिकार्ड, जो उनके पते ठिकाने सहित उनके साथ नहीं रहता है, भी रखा जाएगा: परन्तु बालक की पहचान से सम्बन्धित सूचना गोपनीय रखी जाएगी तथा ऐसी सूचना काप्रयोग हमेशा बालक के बेहतर हित में किया जाएगा। (3) उपरोक्त उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट आयु से अधिक के बालक को महिला बन्दी कीसहमति से किसी निकट रिश्तेदार को सौंपा जाएगा या बाल कल्याण समिति के आदेशों पर किशोर न्याय(बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 (2016 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के उपबन्धों के अधीनपंजीकृत बाल देखभाल संस्था में रखा जाएगा। ऐसे बालक को माता के रिहा होने तक या बालक के

	अठारह वर्ष की आयु का होने तक, जो भी पहले हो, बाल देखभाल संस्था में रखा जाएगा। बालक कीआयु के अवधारण के प्रयोजन के लिए किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015(2016 का केन्द्रीय अधिनियम 2) के उपबन्धों के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। एकपखवाड़े में या अकसर एक बार उनके बालकों से महिला बन्दियों को मिलवाने की व्यवस्था की जाएगी। (4) मुलाकात करने वाले बालकों को अपनी माताओं के साथ स्वतन्त्र रूप से मिलने के लिएअनुज्ञात किया जाएगा तथा मुलाकात ऐसे वातावरण में की जाएगी, जो मुलाकात करने वाले बालक केसकारात्मक अनुभुति में सहायक हो। यथासंभव, बालकों के साथ बढाया हुआ सम्पर्क करने वाली मुलाकातको प्रोत्साहित किया जाएगा। (5) कारागार प्रशासन, कारागार में परिरूद्ध सहवासियों के बालकों का समग्र विकास सुनिश्चितकरेगा। सम्भव सीमा तक कारागार प्रशासन कारागार के बाहर उस बालक के लिए यथा सम्भव यथानिकट उनके पालन-पोषण के लिए उपयुक्त पर्यावरण सृजित करने के प्रयास करेगा। (6) कारागार में रहने वाली महिला बन्दियों के बालकों को उचित शिक्षा तथा मनोरंजनात्मकअवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। महिला बन्दियों के कारागार आवास के पास भली भान्ति सुसज्जित क्रैचतथा नर्सरी स्कूल होगा। स्कूल जाने की आयु वाले बालकों को नर्सरी स्कूल में भरती किया जाएगा तथाबाकी की देखभाल क्रैच में की जाएगी। ऐसी सुविधाएं स्टाफ सदस्यों के बालकों को भी दी जा सकती हैं। (7) बालकों के लिए आहार का पैमाना स्वास्थ्य मानकों तथा जलवायु सम्बन्धी स्थितियों केअनुसार विकसित होने वाले बालकों की दैनिक-आहार सम्बन्धी अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए निश्चितकिया जाएगा। उपयुक्त आकार तथा सामग्री के पृथक बर्तन भी खाना खाने वाले बालकों के लिए मुहैयाdjk, tk,axsA (8) उप-अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सहित अधीक्षक उनकी सहमति से नियमित अन्तरालोंपर कारागार के बाहर महिला बन्दियों के बालकों की मनोरंजनात्मक मुलाकात के लिए कार्यक्रम की योजनाcuk,xkA (9) यदि महिला बन्दी कारागार के भीतर बालक छोड़कर मर जाती है, तथा उसकी जिम्मेवारीलेने के लिए कोई पारिवारिक सदस्य तथा रिष्तेदार तैयार नहीं होता है तो अधीक्षक या इस निमित्त उसद्वारा विधिवत प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी यथासाध्य शीघ्रता से देखभाल तथा संरक्षण की आवश्यकताओंहेतु बालक का उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए संज्ञान लेने हेतु बाल कल्याण समिति के सम्मुखबालक को पेश करेगा।
O;fDrxr LokLF;&foKkuA	348. (1) महिला बंदियों को स्वयं की सफाई रखना अपेक्षित होगा तथा इस उद्देश्य के लिए उन्हेंसफाई नैपकिन, तोलिए तथा स्वास्थ्य-विज्ञान बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रसाधन सामग्री मुहैया कराईजाएगी। महिला बन्दियों तथा उनके बालकों तथा विशेष रूप से उन बन्दियों, जो खाना बनाने में लगी हैया गर्भवती, स्तन पान करवाने वाली या रजोधर्म वाली हैं, के प्रयोग के लिए पर्याप्त जल भी उपलब्धdjk;k tk,xkA (2) fdlh efgyk cUnh ds cky mldh lgefr ds fcuk ugha dkVs tk,axs % परन्तु यदि पीड़क जन्तु या मैल के कारण चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के आधार परबाल काटना आवश्यक समझे, तो बाल आवष्यकता से कम नहीं काटे जाएंगे।
महिला बन्दियोंतथा बालकों कीfpfdRlk ns[kHkkyA	349. (1) महिला बन्दी कारागार आवास में महिला चिकित्सा अधिकारी नियुक्त की जाएगी। तथापि, अनुपलब्धता के मामले में, सिविल सर्जन ऐसी अनुपलब्धता के प्रत्येक सप्ताह के लिए कारागार में महिला चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करेगा। महिला चिकित्सा अधिकारी के अनुपस्थिति में, पुलिस कारागार चिकित्सा अधिकारी महिला स्टाफ सदस्य की उपस्थिति में बीमार महिला बन्दियों की देखभाल करेगा। महिला बन्दी की स्वास्थ्य जांच-पड़ताल में निर्धारण के लिए व्यापक जांच भी शामिल होगी, (K) लिंग-विशेष स्वास्थ्य स्थिति की उपस्थिति; (b) पूर्व-अभिघातज दबाव विकार तथा आत्महत्या तथा स्वयं-हानि के जोखिम सहित ekufld LokLF; ns[kHkky dh vko';drk(

	(c) वर्तमान या हाल की गर्भावस्था, बालक जन्म तथा किसी सम्बन्धित प्रजनक स्वास्थ्य मामलों सहित महिला बन्दी की प्रजनक स्वास्थ्य इतिवृत; तथा (d) लैंगिक दुर्व्यवहार या हिंसा का कोई अन्य रूप, जिससे प्रवेश से पूर्व पीड़ित हो ldrh gSA (2) सभी महिला बन्दियों की वार्षिक चिकित्सा जांच की जाएगी। (3) विशेष रूप से लैंगिक दुर्व्यवहार से पीड़ित मनःकायिक तथा मनोवैज्ञानिक विकार से पीड़ित तथा मानसिक स्वास्थ्य मामलों वाली महिला बन्दियों को उचित परामर्श तथा चिकित्सा उपचार मुहैया

	djokbZ tk,xhA (4) चिकित्सा गोपनीयता के लिए महिला बन्दियों के अधिकार, जिसमें विशेष रूप से उनकाप्रजनक स्वास्थ्य इतिवृत के सम्बन्ध में सूचना सांझा न करने तथा जांच-पड़ताल में शामिल नहीं होने काअधिकार भी शामिल है, की सभी समयों पर सूचना दी जाएगी। (5) महिला बन्दी निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपाय तथा किसी अन्य लिंग-विशेष स्वास्थ्य स्थितिके बारे में शिक्षा तथा सूचना प्राप्त करेगी। (6) बालकों के शारीरिक विकास की निगरानी करने के लिए चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनकीनियमित रूप से जांच की जाएगी तथा समय पर टीका लगाया जाएगा। प्रत्येक बालक का टीका चार्टअतिसावधानीपूर्वक अनुरक्ष[ित किया जाएगा। चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर उन्हें अतिरिक्त वस्त्rFkk vkgkj eqgS;k djk;k tk,xkA (7) यदि कोई महिला बन्दी प्रवेश के समय पर या बाद में, गर्भवती के रूप में पाई जाती है यापाई जानी संदिग्ध है, तो चिकित्सा अधिकारी अधीक्षक को तथ्य की रिपोर्ट करेगा। उसकी गर्भावस्था,स्वास्थ्य स्थिति, गर्भावस्था की अवधि तथा प्रसव की सम्भावित तिथि का पता लगाने के लिए जिलासरकारी अस्पताल में शीघ्रता से उसकी चिकित्सा जांच कराई जाएगी। सभी आवश्यक ब्योरों का पतालगाने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट महानिदेशक को भेजी जाएगी। (8) गर्भवती महिला बन्दियों की अन्तरिम जमानत या अस्थाई रिहाई के आवेदन, प्रसव समय पूर्वअधीक्षक द्वारा संचालित किए जाएंगे। बन्दी, जिन्हें न तो अन्तरिम जमानत दी गई है न ही अस्थाई आधारपर रिहा किया गया है, को चिकित्सा सलाह के अनुसार कारागार प्रशासन द्वारा उचित प्रसवपूर्व तथाप्रसवोत्र देखभाल मुहैया कराई जाएगी। कारागार में भरती गर्भवती महिला बन्दी, ष्[ाषु तथा बालक कोपर्याप्त तथा पौष्टिक आहार, नर्सिंग माता, मुहैया करवाई जाएंगी।
'krsZa ftlds v/khu iq:"k अधिकारी महिलाअहाते में प्रवेश dj ldrs gSaA	350. (1) महिला अहातों में महिला रक्षा कार्मिक की रात-दिन डयूटी होगी। (2) महिला अहाते के प्रवेश बिन्दु पर बायोमैट्रिक समर्थ चक्रदार प्रणाली स्थापित की जाएगी।महिला अहाते से प्रत्येक प्रवेश तथा निकास के मैनुअल रिकार्ड के साथ-साथ इलैक्ट्रोनिक रिकार्ड रखेtk,axsA (3) किसी भी पुरूष सदस्य को किसी भी समय किसी कारागार के महिला अहाते के निरीक्षणकी अनुमति तब तक नहीं दी जाएगीं जब तक यदि निरीक्षण पूर्ण रूप से अपेक्ष[ित न हो तथा कर्मचारी कोउसमें हाजिर होने के लिए तत्काल तथा तर्कसंगत डयूटी हो। ऐसे निरीक्षण का कारण लिखित मेंअभिलिखित किया जाएगा। वह डयूटी पर पहले महिला वार्डर को बुलाएगा, जो दरार के माध्यम से झांककर देखेगी तथा सन्देह दूर करने के बाद कि प्रवेश की कोशिश करने वाला व्यक्ति विश्वसनीय है, सभीमहिला बन्दियों को सचेत करेगी तथा दरवाजा खोलेगी तथा वार्ड या अहाते के प्रत्येक भाग में उसके साथtk,xh] ftldh mls fujh{k.k dh vko';drk gSA (4) कोई भी पुरूष स्टाफ सदस्य आपातकाल के सिवाए, रात में महिला अहाते में तथा यहां तककि केवल महिला अधिकारी तथा डयूटी अधिकारी के साथ में प्रवेश नहीं करेगा। उसके बाद वह ऐसेनिरीक्षण के कारणों सहित अपने निरीक्षण तथा उसके समय की स्पष्ट रिपोर्ट अपनी रिपोर्ट पुस्तक मेंvfHkfyf[kr djsxkA (5) कार्यालय मुलाकातियों के लिए एस्कोर्ट के रूप में पुरूष कार्यरत स्टाफ सदस्य या कर्मचारीvgkrs ds ckgj jgsaxsA

fVIi.k 1-&	;fn fdlh le; ij] dksbZ iq:"k LVkQ lnL; ;k cUnh mfpr izkf/kdkj ds fcuk efgyk cfUn;ksa ds fy, vkjf{kr dkjkxkj ds fdlh okMZ ;k mlds Hkkx esa izos'k djrk gS ;k izos'k djus dk iz;kl djrk gS] rks bldh fjiksVZ rqjUr mi&v/kh{kd ¼iz'kklu½ dks dh tk,xhA
fVIi.k 2-&	iq:"k vf/kdkjh }kjk ,sls fujh{k.kksa ds le; rFkk izkf;drk ds fofu;eu ds fy, ,sls fujh{k.kksa ds fy, vuqKs; igqap {ks= dks ifjHkkf"kr djus ds fy, Hkh egkfuns'kd }kjk

le;≤ ij fgnk;rsa tkjh dh tk ldrh gSA

fVIi.k 3-&	iq:"k vf/kdkfj;ksa }kjk ;Fkk iwoksZDr ,sls fujh{k.kksa dh izkf;drk dh =Sekfld vUrjkyksa ij feyku fjikVZ v/kh{kd ds i;Zos{k.k esa rS;kj dh tk,xh rFkk iqujh{k.k rFkk mfpr funsZ'kksa ds fy, egkfuns'kd dks Hksth tk,xhA efgyk cfUn;ksa lfgr dkjkxkj deZpkfj;ksa }kjk dnkpkj rFkk vuq'kklfud mYya?ku] inP;wfr dh 'kkfLr lfgr dM+h dkjZokbZ fd, tkus ds fy, nk;h gksxkA

महिलाओं का efgyk vgkrs esa jgukA	351. (1) कोई भी महिला बन्दी, वैध प्राधिकार से अन्यथा रिहाई, स्थानान्तरण या न्यायालय में उपस्थिति या वैध प्रयोजनों के लिए अधीक्षक के आदेशों को छोडकर किसी बहाने से कारावास के महिला अहाते को नहीं छोड़ेगी, यहां से हटाई नहीं जाएंगी। (2) अपने अहाते को छोड़ने के लिए प्राधिकृत प्रत्येक महिला बन्दी, साधारणतः उसके साथ उसके छोड़ने के समय से उसकी वापसी के समय तक महिला मुख्य वार्डर या महिला वार्डर रहेगी।
efgyk vgkrs esa भोजन की vkiwfrZ rFkk lQkbZA	352. जहां तक साध्य हो, महिला बन्दियों के लिए पृथक रसोई होगी। पृथक रसोई के अभाव में पकाहुआ भोजन वार्डर के साथ बन्दी अधिकारी द्वारा महिला अहाते में लाया जाएगा तथा अहाते के द्वार केckgj j[kk tk,xkA mls dsoy efgyk okMZj ;k efgyk cUnh }kjk vUnj yk;k tk,xkA
efgyk vgkrs dh pkfc;k¡ rFkk rkysA	353. (1) अहाते तथा बैरकों के ताले, जहां महिलाएं परिरूद्ध हैं, कारागार के अन्य भागों में प्रयुक्त तालो से भिन्न होंगे ताकि महिला बन्दियों के लिए अहातों को खोलने हेतु अन्य अहातों के तालों की चाबियों का दुरूपयोग करने की कोई सम्भावना न हो सके। (2) आकस्मिक संकट के मामले में, बैरकों को खोलने में कम से कम विलम्ब सुनिश्चित करने के लिए (जिसमें अलार्म घण्टों का प्रावधान शामिल है) उपयुक्त उपाय किए जाएंगे। (3) महिला अहाते के मुख्य प्रवेश द्वार पर दोहरी ताला प्रणाली होगी। महिला अहाते में प्रयुक्त विभिन्न तालों की चाबियाँ (मुख्य प्रवेश द्वार के बाहरी ताले से अन्यथा) प्रातःकाल तालाबन्दी से सांयकाल हवालात के दौरान महिला रक्षा कार्मिक के कब्जे में रखी जाएंगी। बाहरी मुख्य प्रवेश द्वार की चाबी प्रातःकाल में तालाबन्दी से सांयकाल में हवालात तक डयूटी अधिकारी के पास रहेगी। (4) महिला अहाते की तालाबन्दी के समय पर, महिला रक्षा कार्मिक अपने वार्ड में सभी बन्दियों को तालाबन्द करेगी तथा ऐसा करने पर, अन्दरूनी मुख्य प्रवेश द्वार की चाबी के सिवाए, जो कि सदा महिला रक्षा कार्मिक के कब्जे में रहेगी, चाबियां उप-अधीक्षक (प्रशासन) को दी जाएंगी। (5) उप अधीक्षक (प्रशासन) मुख्य प्रवेश द्वार के बाहरी ताले सहित सायंकाल हवालात के बाद

	प्रातःकाल तालाबन्दी तक महिला अहाते की सभी चाबियां रखेगा।
vkHkw"k.kA	354. (1) महिला बन्दियों को लघु मूल्य के कुछ आभूषण जैसे कि मंगल सूत्र, चूड़ियां तथा पैर की m¡xyh dh vaxwBh de ek=k esa j[kus ds fy, vuqKkr fd;k tk,xkA rFkkfi] v/kh{kd vius foosd ls अनुशासनिक या सुरक्षा कारणों से किसी विशेष मामले में इन आभूषणों को रखने की अनुमति देने से budkj dj ldrk gSA (2) दर्पणों की पर्याप्त संख्या उनके बैरकों में फिट की जाएंगी, जिसमें एक सख्त बना हुआ दृष्टि दर्पण (1.6 फुटX3.0 फुट) शामिल है।
मनोरंजनात्मकrFkk lkaLd`frd dk;ZØeA	355. उचित किस्म के कार्यकलापों सहित मनोरंजनात्मक कार्यक्रम महिला बन्दियों के लिए आयोजित किएजाएंगे जिसमें बाहरी खेल, संगीत, लोक नृत्य, ड्रामा, टी वी, रेडियो तथा फिल्म दर्शन शामिल हो सकते हैं।महिला बन्दियों को तनाव प्रबन्धन तथा उनके मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए ध्यानतथा योग हेतु सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।
ySfxad mRihM+u की शिकायतों rFkk vU; शिकायतों की tkapA	356. सम्बद्ध जिला न्यायाधीश, महिला बन्दियों के लैंगिक उत्पीड़न की किसी शिकायत की जांच करने केलिए स्थल पर महिलाओं का कार्यस्थल पर लैगिंक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम,2013 (2013 का केन्द्रीय अधिनियम 14) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधीन प्रत्येककारागार में कार्यकारी मजिस्ट्रेट, अधिमानतः महिला की अध्यक्षता तथा सदस्य-सचिव के रूप में अधीक्षकद्वारा नामांकित कारागार अधिकारी की आन्तरिक शिकायत समिति गठित करने के लिए जिम्मेवार होगा।
f'kdk;r isVhA	357. शिकायत पेटी उपयुक्त स्थानों पर स्थापित की जाएंगी ताकि महिला बन्दी अपनी शिकायतें प्रस्तुतकर सकें तथा सुरक्ष्ति रूप से समाधान प्राप्त कर सके। पेटी सम्बद्ध जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अपनेनियतकालिक निरीक्षण के दौरान खोली जाएंगी। परेड के दौरान, प्रत्येक महिला बन्दी के पास अधीक्षक कोअनुरोध/शिकायत करने का अवसर होगा जो शीघ्रता से ऐसी शिकायतों या अनुरोध का निपटान करेगा।

ekufld chekjh वाले बन्दियों केoxZA	v/;k; 21 ekufld chekjh okys cUnh 358. मानसिक बीमारी वाले बन्दी अभिव्यक्ति में निम्नलिखित वर्गों के व्यक्ति शामिल समझे जाएंगे,vFkkZr~%& ¼d½ ,slk O;fDr] tks n.M izfØ;k lafgrk] 1973 ¼1974 dk dsUnzh; vf/kfu;e 2½ dh /kkjk 328] 329] 330 ;k 335 ds v/khu U;k;ky; ;k eftLVªsV }kjk fopkj.kh; rFkk mlds v/khu vkns'k nsus ij fu:) fd;k tkuk gS(rFkk ¼[k½ cUnh] tks dkjkxkj esa muds izos'k ds ckn ekufld :i ls chekj gks x, gaSA
प्रक्रिया यदि ekufld chekjh वाले बन्दियों कोकारागार को lqiqnZ fd;k x;k gSA	359. जब कभी मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति को दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीयअधिनियम 2) की धारा 330 या 335 के अधीन कारागार में निरूद्ध किया गया है, तो अधीक्षक मानसिकस्वास्थ्य स्थापना में बन्दी के स्थानान्तरण के लिए आदेश हेतु अधिकारिता रखने वाले मानसिक स्वास्थ्यपुनरीक्षण बोर्ड को आवेदन करेगा।

ekufld chekjh okys cUnh dk परिरोध।	360- मानसिक बीमारी वाले सभी बन्दियों को मानसिक स्वास्थ्य देख-रेख अधिनियम, 2017 (2017 काकेन्द्रीय अधिनियम 10) तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन विहित सभी सुविधाओं वालीमानसिक स्वास्थ्य स्थापना में स्थानांतरित किया जाएगा। तथापि, ऐसे स्थानान्तरण तक बन्दी को कारागारकी चिकित्सा स्थापना के मनोविकृति सम्बन्धी वार्ड में स्थानांतरित किया जाएगा। कारागार में ऐसेमनोविकृति-सम्बन्धी वार्ड के अभाव में बन्दी के उपचार के लिए कारागार अस्पताल में उपयुक्त पं्रबन्ध कियेtk,axsA
ekufld chekjh ds lEcU/k esa vo/kkj.kA	361. (1) किसी बन्दी में मानसिक बीमारी के संकेत दिखने की स्थिति की घटना में, जो चिकित्साअधिकारी की राय में बहाना नहीं है, तो बन्दी को अतिरिक्त जांच के लिए सिविल सर्जन को निर्दिष्ट कियाtk,xkA (2) यदि किसी बन्दी को मानसिक रूप से बीमार घोषित किया गया है, तो उसके मामले कीरिपोर्ट मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में उसके स्थानान्तरण के लिए सरकार या मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षणबोर्ड के आदेश प्राप्त करने की दृष्टि से महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। इस रिपोर्ट के साथनिम्नलिखित दस्तावेज भेजे जाएंगे, अर्थात्:- (K) cUnh dh fooj.kkRed iath(rFkk (b) चिकित्सक बोर्ड से चिकित्सा प्रमाण पत्र। fVIi.k& चिकित्सक बोर्ड की रचना ऐसी होगी, जो मानसिक स्वास्थ्य देख-रेख अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 10) के उपबन्धों के अधीन बनाए गए नियमों में सरकार द्वारा विहित की गई हों।
ekufld chekjh okys cUnh dk ekufld LokLF; LFkkiuk esa LFkkukUrj.kA	362. (1) ekufld chekjh okys cUnh dk ekufld LokLF; ns[kHkky LFkkiuk esa LFkkukUrj.k ds fy, सरकार या मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड से आदेश की प्राप्ति पर, अधीक्षक निम्नलिखित दस्तावेजों lfgr ekufld LokLF; LFkkiuk esa cUnh dk LFkkukUrj.k djsxk] vFkkZr~%& (K) उसके स्थानान्तरण के निर्देश देने वाले सरकार या मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड के आदेश की प्रति; ¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½ cUnh dh fooj.kkRed iath(fpfdRld cksMZ ls fpfdRlk izek.k i= dh izfr(bfro`r&fVdV rFkk futh lEifr ¼;fn dksbZ gks½ rFkk cUnh ds fj'rsnkjksa rFkk nksLrksa ds irs(n.Mkns'k dh vof/k] dkjkxkj esa izos'k dh frfFk rFkk cUnh dh fjgkbZ dh lEHkkfor तिथि दर्षाते हुए कारागार को सुपुर्दगी का वारंट (यदि बन्दी है); (f) कारागार के समय अर्जित माफी, यदि कोई हो; (six) बन्दी के मामले में न्यायालय के निर्णय की प्रति; तथा (h) विचाराधीन मामलों के ब्योरे। टिप्पण- उपरोक्त दस्तावेजों की प्रत्येक प्रति कारागार रिकार्ड में रखी जाएगी। (2) अधीक्षक, उपचार या निगरानी के लिए मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में ऐसे बन्दी को भेजते

	समय मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में बन्दी की एस्कोर्ट के लिए पुलिस रक्षा की मांग करेगा। (3) ekufld chekjh okys cUnh ds LFkkukUrj.k ds ckjs esa lwpuk lEc) U;k;ky;] LFkkuh; पुलिस तथा बन्दी के परिवार को भेजी जाएगी।

	(4) यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सावधानी बरती जाएगी कि मानसिक बीमारी वाले बन्दीको मानसिक स्वास्थ्य स्थापना के मार्ग के दौरान उचित रूप से देखभाल की गई है। बन्दी के स्थानान्तरणसे सम्बन्धित इन नियमों में यथा विहित उसकी सम्पति, वस्त्र तथा भोजन के बारे में उचित व्यवस्था कीजाएगी। संयम साधनों का यदि पूर्ण रूप से आवश्यक न हो, प्रयोग नहीं किया जाएगा। fVIi.k& मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में स्थानान्तरण पर मानसिक बीमारी वाले बन्दी के साथ भेजी गईसभी सरकारी सम्पति, प्रेषण करने वाली कारगार को वापस की जाएगी।
ekufld chekjh okyh efgyk cUnh dk LFkkukUrj.kA	363. मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में या पारगमन के दौरान या उसके परिवार या रिश्तेदारों की अभिरक्षा सेउसकी रिहाई के दौरान मानसिक बीमारी वाली महिला बन्दी के साथ निरन्तर महिला अधिकारी रहेगी।
LFkkukUrj.k ls iwoZ 'krsZa yxkbZ tk ldrh gSA	364. मानसिक बीमारी वाले किसी भी बन्दी को मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में कारागार से स्थानांतरितugha fd;k tk,xk] ;fn & (K)उसके प्रेषण से ठीक पूर्व चिकित्सा अधिकारी प्रमाण्ित नहीं करता है कि वह यात्रा करने के लिए शारीरिक रूप से योग्य है; तथा (b)यह पहले पता लगाया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य स्थापना के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, जहां बन्दी स्थानांतरित किया जा रहा है, उसे प्राप्त करने के लिए तैयार नहीं है। fVIi.k& ekufld chekjh okys fdlh cUnh ds LFkkukUrj.k ds fy, mi;qDrrk izekf.kr djrs le; fpfdRlk vf/kdkjh ,sls cUnh }kjk ;k ds 'kjhj ij pksV ds fu'kku iznf'kZr djus okyh dksbZ v;ksX;rk dh fo|ekurk dh lko/kkuh iwoZd tkap djsxkA
vR;ko';d मामलों में प्रत्याषा LFkkukUrj.kA	365. अत्यावश्यक मामलों में अर्थात् यदि मानसिक बीमारी वाला व्यक्ति खतरनाक, कोलाहलपूर्ण याउसकी आदतें अष्लील हैं, तो अधीक्षक, मानसिक स्वास्थ्य स्थापना के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की पूर्वसहमति से, सरकार या मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड से स्वीकृति की प्रत्याशा में, मानसिक स्वास्थ्यस्थापना में बन्दी का स्थानान्तरण कर सकता है। ऐसे मामलों मे,ं मानसिक बीमारी वाले बन्दी को भेजतेसमय स्थानान्तरण आदेश, जिसका उसके प्राप्त होने के तुरन्त बाद पालन किया जाएगा, के अपवाद सहितनियम 404 द्वारा अपेक्ष्ित दस्तावेजों सहित भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।
पुलिस एस्कोर्ट मेंgLrkUrfjr djrs le; fpfdRlk अधिकारी की vfuok;Z mifLFkfrA	366. (1) चिकित्सा अधिकारी निरन्तर हाजिर रहेगा यदि उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा मानसिक रूपसे बीमार बन्दी को पुलिस एस्कोर्ट को हस्तान्तरित किया जाता है तथा उप-अधीक्षक (प्रशासन) अपनेरोजनामचे में तथ्य नोट करेगा। (2) चिकित्सा अधिकारी ऐसे बन्दी की सही मानसिक तथा शारीरिक स्थिति से एस्कोर्ट के प्रभारीअधिकारी को जानकारी देगा तथा ऐसी अषक्तता या चोट चिह्न, जो विद्यमान हो उसके ध्यान में लाएगाrFkk mls Lo;a dh lUrqf"V ds fy, dgsxk fd cUnh ds crk, x, vuqlkj gSA
ekufld chekjh okys cUnh ds fy, vkgkjA	367. मानसिक बीमारी वाला प्रत्येक बन्दी साधारण कारागार आहार प्राप्त करेगा यदि चिकित्सा अधिकारीvU;Fkk ls fofgr u djsA
ekufld LokLF; LFkkiuk esa व्यतीत समय कोltk ds :i esa fxuukA	368. (1) जब मानसिक बीमारी वाला बन्दी, स्वस्थचित हो गया है तथा कारागार में उसकी वापसी केलिए सरकार द्वारा आदेश जारी किया गया है, तो समय, जिसके दौरान वह मानसिक स्वास्थ्य स्थापना मेंनिरूद्ध किया गया था, को भुगती गई सजा के रूप में गिना जाएगा। (2) यदि कोई बन्दी मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में उपचार करवाते समय अपनी सजा पूरा करताहै, तो उसे प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा मानसिक स्वास्थ्य स्थापना से रिहा किया जाएगा यदि व्यक्तिको अभिसाधित किया है।

	तथा उसका उपचार पुरा हो गया है तथा उसे उसके परिवार को सुपुर्द कर दियाजाएगा। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ऐसी रिहाई के बारे में सम्बन्धित अधीक्षक को सूचित करेगा।
ekufld chekjh okys cUnh dh dkjkxkj esa okilhA	369. (1) जब कभी मानसिक बीमारी वाला बन्दी अभिसाधित हो जाता है तथा वह रिहाई के लिएयोग्य नहीं है, तो उसे ऐसी कारागार में, जो ऐसे बन्दी के बेहतर हित में हो, वापस स्थानांतरित कर दियाtk,xkA (2) मानसिक स्वास्थ्य स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रीति जिसमें मानसिक बीमारी वालेबन्दी को उसके स्थानान्तरण के समय तक मानसिक स्वास्थ्य स्थापना में नियोजित किया गया है, दर्शातेहुए मामला पुस्तिका से सार तथा विवरण सहित चिकित्सा इतिवृत शीट की एक प्रति अधीक्षक को भेजेगा।

	fVIi.k& ekufld chekjh ls LoLF; cUnh dks izFke n`"VkUr esa ftyk] ftlesa ekufld LokLF; LFkkiuk fLFkr gS dh dkjkxkj esa LFkkukarfjr fd;k tk,xk] fdUrq lk/kkj.kr% ckn esa mlds x`g dh fudVre dkjkxkj esa cny fn;k tk,xkA
fQj ls chekj hkssa jkus ds ekeys esa प्रक्रिया।	370. (1) जब मानसिक बीमारी से स्वस्थ बन्दी, फिर से बीमार हो जाता है, तो उसे मानसिक स्वास्थ्यस्थापना, जिस से वह आया है, नियम 415 के अधीन मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड के आदेशों कीप्रत्याशा में, को तुरन्त वापस भेजा जाएगा। ऐसे मामलों में नियम 404 के अधीन अपेक्ष्ित दस्तावेज उसकेसाथ भेजे जाएंगे तथा स्थानान्तरण आदेश प्राप्त होने के बाद तुरन्त पालन किया जाएगा। (2) अधीक्षक नियम 404 के अधीन अपेक्ष्ित दस्तावेज उसी समय प्रस्तुत करके मानसिकस्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड द्वारा अपनी कार्यवाही की पुष्टि के लिए तुरन्त आवेदन करेगा।
dkjkxkj esa iqu% प्रवेश पर कार्यdk vkcaVuA	371. जब मानसिक बीमारी वाला बन्दी स्वस्थ हो गया है तथा कारागार में पुनः भरती किया गया है, तोउसे चिकित्सा अधिकारी की सलाह के अनुसार उपयुक्त कार्य में लगाया जाएगा।
ekufld chekjh वाले बन्दियों कीरिपोर्ट।	372. (1) अधीक्षक प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी तथा 10 जुलाई को मानसिक बीमारी से पीडित बन्दियों की रिपोर्ट महानिदेषक को अग्रेषित करेगा। fVIi.k& जब कोई ऐसा बन्दी कारागार में परिरूद्ध नहीं है, तो शून्य रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। (2) कारागार का चिकित्सा अधिकारी मानसिक स्वास्थ्य देख-रेख अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 17) तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधीन यथा उपबन्धित मानसिक बीमारी वाले बन्दियों की स्थिति के बारे में मानसिक स्वास्थ्य पुनरीक्षण बोर्ड को त्रैमासिक रिपोर्ट भेजेगा।
vuq'kklu rFkk 'kkfLrA	373. (1) मानसिक बीमारी वाले बन्दी को उस द्वारा किए गए किसी कार्य के लिए दण्ि डत नहीं कियाजाएगा, किन्तु ऐसे प्रतिबन्ध अधिरोपित किए जा सकते हैं जो स्वयं या अन्य को हानि पहंुॅचाने से याअसुविधा पहंुॅचाने से उसे रोकने के लिए आवश्यक हों। (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 335 के अधीनपरिरूद्ध कोई व्यक्ति, जब वह वास्तव में मानसिक रूप से बीमार नहीं है, कठोर कारावास से दण्डादिष्टबन्दी के अनुसार सामान्य अनुशासन के अध्यधीन होगा, कि वह श्रम करने में असमर्थ हो, को छोडकर। (3) कोई व्यक्ति, जो विकृतचित होने के कारण से निगरानी के अधीन परिरूद्ध है, यदि बाद में,स्वस्थचित पाया जाता है, तो निगरानी अवधि के दौरान कारागार अनुशासन के भंग हेतु दण्ड के लिए दायीwill be.

प्रक्रिया जब बन्दीको रक्षा करने केयोग्य होने की रिपोर्ट की गई gSA	374. यदि मानसिक बीमारी वाले बन्दी की रक्षा करने के योग्य पाए जाने की रिपोर्ट की गई है, तोमामले का निपटान दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 337 के अनुसारfd;k tk,xkA

e`R;q n.Mkns'k ds v/khu cUnhA	v/;k; 22 मृत्यु के लिए सिद्धदोष बन्दी 375. मृत्यु दण्डादेश के अधीन प्रत्येक बन्दी को निम्नलिखित रीति में माना जाएगा, अर्थात्:- ¼d½ ;fn dksbZ O;fDr n.M izfØ;k lafgrk] 1973 ¼1974 dk dsUnzh; vf/kfu;e 2½ dh /kkjk 366 ds vuqlkj l= U;k;ky; }kjk e`R;q naMkns'k fn;k gS] rks n.Mkns'k mPp U;k;ky; }kjk iq"V u fd, tkus rd dk;kZfUor ugha fd;k tk,xk(¼[k½ tc mPp U;k;ky; }kjk ltk iq"V dh xbZ gS ;k vihy ;k iqujh{k.k esa mPp U;k;ky; }kjk ikfjr fd;k x;k gS] rks l= U;k;ky; n.Mkns'k dks dk;kZfUor djus ds fy, v/kh{kd dks okjaV tkjh djsxkA v/kh{kd n.Mkns'k dks rc rd dk;kZfUOkr ugha djsxk tc rd l= U;k;ky; us ml vk'k; ds fy, visf{kr okjaV tkjh ugha fd;k gS(¼x½ ;fn fl}nks"k cUnh dks nwljh dkjkxkj esa LFkkukarfjr fd;k x;k gS] rks v/kh{kd] ftldks lqiqnZxh dk ewy okjaV lEcksf/kr fd;k Fkk] dkjkxkj] ftlesa cUnh dks LFkkukarfjr fd;k x;k gS] ds C;ksjs mlh le; ij mls lwfpr djrs gq, l= U;k;k/kh'k dks okjaV okil fd;k tk,xk(¼?k½ l= U;k;k/kh'k lEcfU/kr v/kh{kd dks e`R;q naMkns'k ds fu"iknu ds fy, la'kksf/kr okjaV tkjh djsxk(¼³½ lHkh fu"iknu ml dkjkxkj esa fd, tk,axs] ftlesa okjaV funsZf'kr fd;k x;k gS ;fn okjaV esa Li"V :i ls vU;Fkk ls vkns’k ugha fd;k x;k gSA lk/kkjr% mUgsa dkjkxkj ls layXu fo'ks"k vgkrs ;k nhokj ds Hkhrj dk;kZfUor fd;k tk,xkA fdlh Hkh naMkns’k dks ml fnu dks dk;kZfUor ugha fd;k tk,xk] ftls ljdkjh vodk'k ds :i esa vf/klwfpr fd;k x;k gSA
mPp U;k;ky; dks अपील।	376. अधीक्षक मृत्यु दंडादेश के अधीन प्रत्येक सिद्धदोषी को सूचित करेगा कि यदि वह उच्च न्यायालयमें अपील करना चाहता है, तो उसे तीस दिन के भीतर ऐसा करना चाहिए। यदि कोई सिद्धदोषी अपीलदायर नहीं करना चाहता है, तो वह एक घोषणा करेगा जो सदस्य सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणrFkk v/kh{kd }kjk lR;kfir dh tk,xhA
mPPre U;k;ky; esa vihyA	377. (1) दोषसिद्ध ठहराने वाले न्यायालय से निष्पादन के वारंट की प्राप्ति पर तुरन्त उच्च न्यायालयद्वारा मृत्यु दंडादेश की पुष्टि के परिणामस्वरूप अधीक्षक बन्दी को सूचित करेगा कि यदि वह उच्चतमन्यायालय में अपील करना चाहता है, तो वह उच्चतम न्यायालय के नियमों द्वारा विहित अवधि के भीतर,slk dj ldrk gSA (2) यदि मृत्यु दंडादेश के अधीन बन्दी ऐसा करना चाहता है, तो उप अधीक्षक (प्रशासन) याविधि अधिकारी या विधिक सहायता सलाहकार, जैसी भी स्थिति हो, यथा सम्भव साध्य उसके अपने शब्दोंesa blds fy, mldh vihy ;k iqujh{k.k rqjUr rS;kj djsxk rFkk ljdkj rFkk egkfuns'kd dh lwpuk ds अधीन उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार को संचार के अनुमोदित साधन के माध्यम से भेजी जाएगी तथाdkjkxkj deZpkjh }kjk nLrh nh tk,xhA (3) mPpre U;k;ky; esa vihy nk;j djus ;k ml U;k;ky; ds lEeq[k vihy djus dh विशेष इजाजत के लिए आवेदन या ऐसा करने का आशय दायर करने की सूचना की प्राप्ति पर सम्बन्धितराज्य सरकार उच्चतम न्यायालय में सरकार के स्थाई वकील

	को इलैक्ट्रोनिक साधन से तुरन्त निम्नलिखितlwpuk lwfpr djsxh] vFkkZr~%& (K) e`R;q naMkns'k ds v/khu cUnh dk uke(rFkk (b) अपील या आवेदन से सम्बन्धित ब्योरे। (4) यदि अपील या आवेदन का विरोध करना वांछित है, तो पेपर बुक की तीन प्रतियां तथाउच्च न्यायालय के निर्णय, उच्चतम न्यायालय द्वारा विहित प्ररूप में मुखतारनामा तथा हिदायतें, यदि कोईहां, अपील या आवेदन का विरोध करने के लिए सरकार के स्थाई वकील को तुरन्त भेजी जाएगी। आशयितअपील या आवेदन का नोटिस यदि तथा जब बन्दी द्वारा या की ओर से तामील किया गया है, बिना विलम्बके उसको भी भेजा जाएगा। यदि आशयित अपील या आवेदन उच्चतम न्यायालय के नियमों द्वारा विहितअवधि के भीतर दायर नहीं किया गया है, तो स्थाई वकील राज्य सरकार को इलैक्ट्रोनिक साधन द्वाराrF; dh lwpuk nsxkA (5) यदि अपील करने की विशेष इजाजत के लिए अपील या आवेदन बन्दी की और से उच्चतमन्यायालय में दायर किया गया है, तो स्थाई वकील राज्य सरकार को कथित तथ्य सूचित करेगा। वह

	उच्चतम न्यायालय में सभी परिणामों से राज्य सरकार को सूचित भी रखेगा। उन मामलों में, जिसमेंअसाधारण विशेषता विद्यमान हैं। तथापि, सभी मामलों में, वह इलैक्ट्रोनिक साधन जिसकी इलैक्ट्रोनिकसाधन से पावती दी जाएगी, द्वारा सरकार को अपील करने की विशेष इजाजत के लिए अपील पर आवेदनका परिणाम सूचित करेगा। मृत्यु दंडादेश का निष्पादन अपील करने की विशेष इजाजत के लिए अपील याआवेदन खारिज़ करने के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्णय की प्रमाण्ति प्रति की प्राप्ति तक तथा बन्दीद्वारा या की ओर से प्रस्तुत दया याचिका, यदि कोई हो, के लिए याचिका की भारत के राष्ट्रपति द्वाराअस्वीकृति के बारे में गृह मामले मन्त्रालय, से सूचना प्राप्त होने तक कार्यान्वित नहीं किया जाएगा। (6) उन मामलों, जहां दया याचिका बन्दी द्वारा या की ओर से की गई है के सिवाए दण्डादेशके निष्पादन का कोई भी स्थगन नहीं होगा यदि कोई भी अपील या आवेदन उच्चतम न्यायालय के सम्मुखugha fd;k x;k gSA
n;k ;kfpdkA	378. (1) बन्दी द्वारा या की ओर से दायर अपील करने की विशेष इजाजत के लिए वकील याआवेदन को उच्चतम न्यायालय द्वारा खारिज करने की सूचना की प्राप्ति पर, यदि सम्बन्धित बन्दी ने दयाके लिए कोई पूर्व याचिका नहीं की है, तो अधीक्षक तुरन्त बन्दी को सूचित करेगा कि यदि वह दया केलिए याचिका प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह ऐसी सूचना की तिथि के सात कार्य दिवसों के भीतर लिखितमें प्रस्तुत करेगा तथा ऐसी याचिका की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए अनुज्ञात सात दिन की अवधि उसदिन को छोड़कर, जिसको अधीक्षक उसके अधिकार की बन्दी को सूचित करता है, संगण्ति की जाएगी।यदि कोई बन्दी दया याचिका करना नहीं चाहता, तो वह लिखित में उसकी घोषणा देगा, जो सदस्यसचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा अधीक्षक द्वारा सत्यापित की जाएगी। fVIi.k& mu ekeyksa esa] tgka mPpre U;k;ky; esa dksbZ vihy ;k mlesa fo'ks"k btktr ds fy, dksbZ vkosnu ,slh vihy ;k vkosnu ds fy, fofgr oS/kkfud vof/k dh lekfIr ij cUnh }kjk ;k mldh vksj ls nk;j ugha fd;k x;k gS] ;fn cUnh us n;k ds fy, igys dksbZ ;kfpdk ugha dh gS] rks v/kh{kd] cUnh dks n;k ds fy, ,slh ;kfpdk djus ds fy, mlds vf/kdkj rFkk rF; dks Hkh lwfpr djsxk fd blds fy, ml frfFk] ftldks mPpre U;k;ky; esa vihy ;k mlesa vihy djus dh fo'ks"k btktr ds fy, vkosnu nk;j djus ds fy, vuqKkr le; lekIr gks x;k gS] ds ckn vxys दिन से गिने गए सात कार्य दिवसों की अवधि के भीतर प्रस्तुत किया जाना अपेक्ति है। (2) यदि बन्दी उप नियम (1) के अधीन विहित नियत अवधि के भीतर याचिका प्रस्तुत करता है,तो यह राज्य के राज्यपाल तथा भारत के राष्ट्रपति को सम्बोधित की जाएगी। अधीक्षक निष्पादन के लिएनियत तिथि की रिपोर्ट करने के लिए कवरिंग पत्र सहित सम्बन्धित विभाग में राज्य सरकार के सचिव कोतुरन्त प्रेषित करेगा तथा प्रमाण्ति करेगा कि निष्पादन, याचिका पर सरकार के आदेशों की लम्बित प्राप्तितक स्थगित कर दिया गया है। यदि याचिका के प्रेषण की तिथि से पन्द्रह दिन के भीतर कोई उत्तर प्राप्तनहीं होता है, तो अधीक्षक सम्बन्धित विभाग में राज्य सरकार के सचिव को

	इलैक्ट्रोनिक साधन या विशेषUns'k okgd ds ek/;e ls rF; ds fy, /;ku vkdf"kZr djsxk] fdUrq og fdlh Hkh ekeys esa jkT; सरकार के उत्तर की प्राप्ति से पूर्व दण्डादेश कार्यान्वित नहीं करेगा। (3) यदि बन्दी उप-नियम (1) द्वारा विहित अवधि के बाद याचिका प्रस्तुत करता है, तो अधीक्षकइलैक्ट्रोनिक साधन द्वारा तुरन्त राज्य सरकार को उसे भेजेगा तथा उसी समय पर उसका सारांश सूचितकरेगा, आदेशों का अनुरोध करने के लिए कि क्या निष्पादन स्थगित कर दिया जाएगा तथा बताते हुए किलम्बित उत्तर तक दण्डादेश कार्यान्वित नहीं किया जाएगा। यदि ऐसी याचिका पूर्ववर्ती दिन, जो निष्पादनके लिए नियत है, को दोपहर के बाद अधीक्षक द्वारा प्राप्त की गई है, तो वह तुरन्त उसे निष्पादन कीतिथि देते हुए उसका सारांश सूचित करने के लिए इलैक्ट्रोनिक साधन द्वारा राज्य सरकार को उसे भेजेगातथा बताएगा कि दण्डादेश कार्यान्वित किया जाएगा जब तक कि प्रतिकूल आदेश प्राप्त नहीं होते हैं।
ljdkj] v/kh{kd }kjk dkjZokbZA	379. (1) जब कभी मृत्यु दण्डादेश किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा पारित किया गया है, तोदण्डादेश, अपील या आवेदन के खारिज होने के बाद तक या यदि कोई भी ऐसी अपील नहीं की गई हैया कोई आवेदन नहीं किया गया है, तो अपील के लिए या ऐसे आवेदन को करने के लिए अनुज्ञात अवधिdh lekfIr ds ckn rd fu"ikfnr ugha fd;k tk,xk% परन्तु यदि मृत्यु दण्डादेश उसी मामले में एक व्यक्ति से अधिक पर पारित किया गया हैतथा यदि अपील या आवेदन केवल एक या से अधिक द्वारा या की ओर से किया गया है किन्तु उन सभीने नहीं, दण्डादेश का निष्पादन सभी ऐसे बन्दियों के मामले में तथा न केवल व्यक्ति या व्यक्तियों, जिनकेद्वारा या जिनकी ओर से अपील या आवेदन किया गया है, के मामले में स्थगित कर दिया जाएगा। (2) यदि बन्दी नियतअवधि के भीतर दया याचिका प्रस्तुत करता है, तो वह राज्य के राज्यपालतथा भारत के राष्ट्रपति को सम्बोधित की जाएगी। दण्डादेश का निष्पादन सभी मामलों में उनके आदेशों

की लम्बित प्राप्ति तक स्थगित कर दिया जाएगा।

(3) प्रथमतः याचिका विचारण तथा राज्यपाल के आदेशों के लिए राज्य सरकार को भेजीजाएगी। यदि विचारण के बाद यह अस्वीकृत की जाती है, तो उसे भारत सरकार के सचिव, गृह मामलेमन्त्रालय को भेजी जाएगी।

(4) यदि बन्दी नियत अवधि के बाद याचिका प्रस्तुत करता है, तो यह याचिका के विचारण तथाऐसे विचारण के लिए लम्बित निष्पादन को स्थगित करने तथा राष्ट्रपति को सम्बोधित याचिका को रोकनाया न रोकना भी राज्य सरकार के विवेक में होगा। तथापि, याचिका निम्नलिखित परिस्थितियों में भारत केराष्ट्रपति के विचारण के लिए भारत सरकार के सचिव, गृह मामले मन्त्रालय को भेजी जाएगी, अर्थात्:-

¼d½	;fn e`R;q n.Mkns'k foeqfDr ds fo:) vihy esa vihy U;k;ky; }kjk ;k ,sls U;k;ky; }kjk n.Mkns'k dh o`f) ds ifj.kkeLo:i] pkgs mlds vius izLrko ij

;k n.Mkns'k dh o`f) ds fy, vkosnu ij ikfjr fd;k x;k Fkk(;k

(b) जब मामले के बारे में कोई ऐसी परिस्थितियां है, जो राज्य सरकार की राय में, उसे वांछनीय बनाती है कि राष्ट्रपति को राजनैतिक स्वरूप के मामले में तथा मामले, जिनमें लोक हित में विचारण योग्य किसी विशेष कारण के लिए उठाया गया है, उसे विचारने का अवसर होगा।

fVIi.k& जब याचिका सचिव भारत सरकार, गृह मामले मन्त्रालय को भेजी गई है, तो निष्पादन के साथ-साथ उस पर राष्ट्रपति के आदेशों की प्राप्ति के लम्बित रहने तक स्थगित हो tk,xhA

(5) यदि सरकार या राज्यपाल द्वारा मृत्यु दण्डादेश के लघूकरण का निर्णय किया गया है, तोभारत के राष्ट्रपति को सम्बोधित याचिका, रोक ली जाएगी तथा तथ्य की सूचना याचिकाकर्ता को भेजीtk,xhA

fVIi.k%& याचिका, उन मामलों में जहां मृत्यु दण्डादेश ऐसे मामलों, जिसमें संघ को कार्यकारी शक्ति दी गई है, सम्बन्धित केवल किसी विधि के विरूद्ध अपराध के लिए है, की गई है, तो उसे राज्य सरकार द्वारा विचारा नही जाएगा किन्तु वह तुरन्त सचिव, भारत सरकार, गृह मामले मन्त्रालय को भेजी जाएगी।

(6) किसी बन्दी द्वारा प्रस्तुत याचिका, सरकार द्वारा रोक ली जाएगी यदि याचिका राष्ट्रपति कोपहले प्रस्तुत की गई समरूप प्रार्थना से युक्त है। यदि याचिका इस प्रकार रोकी गई है, तो याचिकाकर्ताको तथ्य तथा उसे रोकने के लिए कारण सूचित किए जांएगे।

(7) उन सभी मामलों में, जिनमें मृत्यु दण्डादेश के अधीन किसी बन्दी से दया के लिए याचिकासचिव भारत सरकार, गृह मामले मन्त्रालय या राष्ट्रपति को भेजी जानी है, तो राज्य सरकार मामले केरिकार्ड तथा याचिका में अनुरोध के किन्हीं कारणों के सम्बन्ध में अपनी टिप्पणी सहित यथा सम्भव शीघ्रताके साथ ऐसी याचिका भेजी जाएगी। किसी मामले में राज्य सरकार ने उसको या राज्यपाल को सम्बोधितकिसी याचिका को पहले अस्वीकृत किया था, तो पूर्व में याचिका या याचिकाओं की अस्वीकृति के लिएकारणों का संक्षिप्त कथन भी भेजा जाएगा।

(8) राष्ट्रपति के आदेशों की प्राप्ति पर, पावती तुरन्त सचिव, भारत सरकार, गृह मामले मन्त्रालयको भेजी जाएगी। यदि याचिका अस्वीकृत की गई है, तो आदेशों को इलैक्ट्रोनिक माध्यम से सूचित कियाजाएगा तथा उसकी पावती इलैक्ट्रोनिक साधन से अभिस्वीकृत की जाएगी। मृत्यु दण्डादेश लघुकरण केआदेश इलैक्ट्रोनिक माध्यम द्वारा सूचित किए जाएंगे तथा उसकी पावती इलैक्ट्रोनिक रूप से अभिस्वीकृतdh tk,xhA

(9) जब राज्य सरकार या राज्यपाल या राष्ट्रपति दया याचिका को अस्वीकार करता है, तोअधीक्षक ब्योरों सहित सम्बन्धित न्यायालय को आदेश सूचित करेगा तथा न्यायालय के दण्डादेश के अनुसारबन्दी के निष्पादन के लिए तिथि नियत करने के लिए अनुरोध करेगा।

fVIi.k& यदि अपील या दया के सभी विकल्प समाप्त हो गए हैं, मृत्यु दण्डादेश से सिद्धदोष बन्दी की सभी अन्य न्यायालयों में पेशीयां इसी प्रकार के अन्य मामलों में बन्द कर दी tk,axhA

(10) दण्डादेश के निष्पादन से पूर्व किसी समय पर अधीक्षक की जानकारी में आने की स्थिति मेंकि कुल मिलाकर ऐसी अपवादिक परिस्थितियां उत्पन्न हो गई है, जो दण्डादेश के पुनः विचारण कीस्वभावतः मांग है, तो पूर्वगामी खण्डों में किसी बात के होते हुए भी, उसे राज्य सरकार को इलैक्ट्रोनिकमाध्यम से परिस्थितियों की रिपोर्ट करने तथा उसके आदेशों के लिए निवेदन करने तथा उनके प्राप्त होनेतक निष्पादन स्थगित करने की स्वतन्त्रता होगी। ऐसे दृष्टान्तों में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कीसहायता प्राप्त की जा सकती है।

	(11) दया याचिका की अस्वीकृति तथा बन्दी को स्वयं को तैयार करने तथा अपने कार्य निपटाने तथा अन्तिम समय में अपने परिवार के सदस्यों से मिलने या किसी न्यायिक उपाय का लाभ उठाने के लिए उसे समर्थ बनाने हेतु निष्पादन की नियत तिथि के बीच न्यूनतम चैदह दिन का अन्तराल होगा। (12) विधिक सहायता, यदि मांगी गई है, दया याचिका की अस्वीकृति के बाद भी सभी स्तरों पर बन्दी को मुहैया कराई जाएगी।
विशेष अंकन कीlwpukA	380. (1) e`R;q n.Mkns'k ls lEcfU/kr lHkh lapkj esa irs ls iwoZ ^^e`R;q n.M** 'kCn lfEefyr fd;k tk,xkA (2) सभी मामलों में, याचिकाओं की अस्वीकृति सूचित करने के लिए आदेशों की प्राप्तियां निरन्तरइलैक्ट्रोनिक माध्यम से अभिस्वीकृत की जाएगी, निष्पादन करने के सरकार के आदेषो को तुरन्तइलैक्ट्रोनिक माध्यम से अभिस्वीकृत किया जाएंगा। (3) "मृत्युदण्ड" तथा "तात्कालिक" शब्द मृत्यु दण्ड के मामलों में पत्राचार के लिए प्रयुक्तलिफाफे के बाएं सिरे और दाएं कोने पर अंकित किए जाएंगे। सभी अधीक्षक यह सुनिश्चित करने काविशेष प्रबन्ध करेंगे कि इन विशेष लिफाफों में प्राप्त सूचना दिन या रात के समय पर कारागार में प्राप्त कीजाती है या तो उप अधीक्षक (प्रशासन) या उसकी अनुपस्थिति में संचार के समय पर उपस्थित वरिष्ठतमअधिकारी द्वारा दी गई है, जो प्राप्ति रजिस्टर में संचार की प्राप्ति का समय तथा तिथि नोट करेगा तथाlapkj rqjUr v/kh{kd ds lEeq[k j[kk tk,xkA
प्रवेश पर सिद्धदोष बन्दियोंdh ryk'khA	381. (1) मृत्यु दण्ड के अधीन प्रत्येक बन्दी की दण्डादेश के बाद कारागार में उसके पहुंचने परशीघ्रता से उप अधीक्षक (सुरक्षा) द्वारा या के आदेश द्वारा तलाशी ली जाएगी तथा उससे सभी वस्तुएं प्राप्तकी जाएंगी, जिन्हें उप-अधीक्षक (सुरक्षा) उसके कब्जे में छोड़ना खतरनाक या अनुपयुक्त समझता है। (2) मृत्यु से दण्डादिष्ट प्रत्येक बन्दी, जिसकी दोषसिद्धि तथा दण्डादेश के विरूद्व अपील लम्बितहै या जिसके किसी विधि के अधीन उसको उपलब्ध सभी उपाय जैसे कि दया याचिका, पुनरीक्षण याचिकाया उपचारात्मक याचिका समाप्त नहीं

	हुए है, अन्य बन्दियों के साथ परिरूद्ध किया जाएगा। (3) मृत्यु दण्ड के अधीन बन्दी को अपील या याचिका के प्रत्येक स्तर की समाप्ति तक कठोरकारावास से दण्डादिष्ट अन्य बन्दियों की तरह कारागार में रखा जाएगा।
बन्दी को सूचितfd, tkus ds fy, nk;h lwpukA	382. (1) प्रत्येक मामले में निष्पादन के लिए नियत तिथि, अवधि, जिसके भीतर याचिकाएं प्रेषितकरनी चाहिए तथा याचिका के परिणाम उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा सिद्धदोष बन्दी को सूचित कियाtk,xkA (2) अधीक्षक, जहां तक साध्य हो, सुनिश्चित करेगा कि सिद्धदोष बन्दी के कम से कम एकपरिवारिक सदस्य को शीघ्रता से तिथि की अधिमानतः निष्पादन की तिथि नियत करने के लिए मृत्यु वारंटकी प्राप्ति के अड़तालीस घण्टे के भीतर लिखित में सूचित किया गया है। (3) अधीक्षक सुनिश्चित करेगा कि सिद्धदोष बन्दी को राष्ट्रपति या राज्यपाल, जैसी भी स्थितिहो, द्वारा दया याचिका की अस्वीकृति की एक प्रति मुहैया कराई गई है।
lSy dh tkap djukA	383. प्रत्येक सैल, जिसमें कोई बन्दी, जो मृत्यु दण्ड के अधीन है, में किसी समय परिरूद्ध किया गया है,ऐसे बन्दी को उसमें रखने से पूर्व, उसकी उप-अधीक्षक (प्रशासन) या उस निमित्त नियुक्त किसी अन्यअधिकारी की उपस्थिति में तलाशी ली जाएगी, जो स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि यह सुरक्ष्ित है तथा किसीfdLe dh oLrq ls ;qDr ugha gS] ftls cUnh }kjk vijk/k ds gfFk;kj ds :i esa ;k midj.k ds :i esa] जिससे वह आत्महत्या करने के लिए संभवतः प्रयोग कर सकता है या जो अधीक्षक की राय में, ऐसे सैल मेंj[kus dh vuqefr nsus ds fy, vuqi;qDr gSA
सिद्धदोष बन्दीdh ryk'kh ysukA	384. सम्बन्धित सहायक अधीक्षक, मृत्यु से दण्डादिष्ट प्रत्येक बन्दी तथा उसके अधिभोग के सैल कीप्रातःकाल तथा सांयकाल में प्रतिदिन सावधानीपूर्वक जांच करेगा तथा इस प्रकार की गई जांच के लिएरिपोर्ट पुस्तिका में अपना एक नोट तथा परिणाम को नोट करेगा। यह डयूटी किन्हीं भी परिस्थितियों मेंवार्डर को प्रत्यायोजित नहीं की जाएगी। महिला बन्दियों की तलाशी महिला रक्षा कार्मिक द्वारा ली जाएगीतथा उनके सैल की जांच वरिष्ठतम महिला कारागार अधिकारी की उपस्थिति में की जाएगी।
oL= rFkk fcLrjA	385. सिद्धदोष बन्दियों को जारी कारागार वस्त्र, बिस्तर तथा आवश्यक वस्तुएं उसी पैमाने की होंगी, जोअन्य बन्दियों के लिए है।
सिद्धदोष बन्दियोंdh j{kk A	386. यदि कारागार की स्थाई स्थापना, सिद्धदोष बन्दियों की रक्षा करने के लिए वार्डरों की आवश्यकसंख्या देने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो अस्थाई स्थापना मांगी जा सकती है।

सिद्धदोष बन्दियोंds fy, j{kk dkfeZd dh la[;kA	38 fu	7. सिद्धदाष बन्दियो की रक्षानियमानुसार है, अथ्ाात्:- ¼d½ fdlh fl)nks"k cU fy, rhu j{kk dkf cUnh ij yxkrkj lfuf'pr dh tk, ¼[k½ tc mlh le; ij njh ij fLFkr lSy tk,xk fdUrq tc fy, rSukr fd;k	करन के लिए अपेक्ष्ित वाडरो nh ij yxkrkj fnu rFkk jkr d र्मक प्रत्यक का आठ घण्टे की डयू fnu rFkk jkr dh M;Vh ij गी, जिसका प्रत्यक आठ घण्टे की किसी कारागार मं दा या से अधि ो में परिरूद्ध किए गए ह, ता प्रत्lSy lyXu g] rk ,d j{kk dkfeZ tk,xk(ka dh fdlh l[;k d fy, vfrf (u vkj mfpr njh d Hkhrj lSyk सैलो तथा दसरे चार सैला तक	dh l[;k rFkk mudh M;wVh l k M;wVh ds fy, ,d lUrjh nus Vh nu ds fy, visf{kr gSA fl)n तीन रक्षा कामिक नियोजित करM;Vh nsuk visf{kr gkxk(क सिद्धदोष बन्दी, एक दसर से क;sd lSy e iFkd j{kk dkfed j क अधिकतम चार बन्दियां की रक्षा	e; d ोषds qN [kk ds x] d tk dj

		¼x½ ¼?k½ ¼³½ pkj l vf/kd lSy pkgs lSy lehi gks(,d nwlj d lke dks ,d rjQ pkj ldrk gS(tc nks ;k ls vf pyxk] rkfd jf{kr (f)lUrjh uhp nh xb	धक सैल अधिभोग किए गए हं,पत्यक बन्दी का अल्प अन्तरालो प Z rkfydk ds vuqlkj HkkjeqDr fd;	jDr j{kk dkfeZd rSukr fd, tk, dh nk ifDr;k es] ,d j{kk dkfe की किसी सख्या का प्रभार दिया तो सन्तरी उनस आग-पीछ होंj fuxjkuh es j[kk tk lds(k tk,xk %&	
		d	[k	x	
		iwokZg~u 6&9	दोपहर 9-12	दोपहर बाद12-3	
		iwokZg~u3&6	दोपहर बाद 6-9	दोपहर बाद9-11	
		iwokZg~u11&1	iwokZg~u1&3	iwokZg~u 3&6	

सिद्धदोष बन्दीij j{kk dkfeZd dh M;wVhA	388. (1) fdlh lSy esa M;wVh ij j{kk dkfeZd M.Ms rFkk lhVh] VkpZ ykbZV rFkk ladV ?kaVh ctkus के लिए वायरलैस संचार यन्त्र से सुसज्जित होगा, यदि आवश्यकता हो । (2) रक्षा कार्मिक, सैल के जाली लगे दरवाजे के सामने तैनात किया जाएगा तथा बन्दी को लगातार ध्यान में रखेगा। (3) वह प्राधिकृत मुलाकाती, अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी, उप अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, fpfdRlk v/k~huLFk] M;wVh ij eq[; okMZj rFkk v/kh{kd ls fyf[kr esa ;k ds lkFk vkns'k ds fcuk cUnh के पास जाने या से सम्पर्क करने के लिए उचित रक्षा के अधीन कारगार के प्राधिकृत स्वीपर के सिवाए किसी व्यक्ति को अनुज्ञात नहीं करेगा।
चाबियों काप्रबन्धन।	389. सैल का दरवाजा निम्नलिखित स्थितियों में खोला जाएगा, अर्थात्:- ¼d½ lSy dh pkfc;ka ftlesa fl)nks"k cUnh ifj:) fd, x, gaS] M;wVh ij fl)nks"k lSy ds izHkkjh dh vfHkj{kk esa jgsaxh tks ?kaVh lquus ij vkikfrd ekeys esa ,sls lSy esa vxzlj होगा तथा डयूटी पर अन्य रक्षा कार्मिक के साथ उसमें प्रवेश करेगा; ¼[k½ ¼x½ lSy] ftlesa fl)nks"k cUnh ifj:) fd, x, gS] dk njoktk [kksyus ls iwoZ cUnh dks gFkdM+h yxkbZ tk ldrh gS rFkk cka/kk tk ldrk gS] ;fn j{kk dkfeZd ds fo:} cUnh }kjk fgalk dk iz;ksx djus dh dksbZ laHkkouk gksA rFkkfi] ;fn og gFkdM+h yxokus ls budkj djrk gS] rks de&ls&de rhu j{kk dkfeZd lSy dks [kksyrs le; mifLFkr jgsaxsA fl)nks"k lSy esa ,sls rkys iz;ksx esa gksaxs ftUgsa dkjkxkj esaiz;ksx esa fdlh vU; pkch }kjk [kksyk ugha tk ldrk gksA

सैल, प्रांगण काअधिभोग तथा gFkdM+h yxkukA	390. (1) सिद्धदोष बन्दी, जब तक उसके विरूद्व कोई विशेष कारण नहीं हो, जो अधीक्षक द्वारा अपनेरोजनामचे में अभिलिखित किए जाएंगे, को प्रत्येक प्रातःकाल तथा सांयकाल आधे घण्टे के लिए उसके सैलके प्रांगण का उपभोग करने के लिए अनुमत किया जाएगा, किन्तु एक समय में केवल एक ऐसे बन्दी कोऐसा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। सिद्धदोष बन्दी कठोरता के किसी साधन के अध्यधीन नहींहोगा, जब तक वह इतना हिंसक नहीं है, जो रक्षा कार्मिक या स्वयं के लिए खतरनाक हो। यदि, कठोरताके किसी साधन का प्रयोग करना आवश्यक समझा जाता है, तो ऐसी कार्रवाई के लिए कारण महानिदेशकको सूचित किए जाएंगे। (2) सिद्धदोष बन्दी को अपने प्रांगण का अधिभोग करने के समय के दौरान सैल तथा प्रांगण के

	दोनों दरवाजे तालाबन्द रखे जाएंगे। (3) सिद्धदोष बन्दी को सिद्धदोष सैल के प्रभारी की उपस्थिति के सिवाए किसी प्रयोजन के लिएउसकी सैल स सैल प्रांगण या इसके विपरीत से हटाया नहीं जाएगा। (4) कोई डयूटी करने के लिए सिद्धदोष बन्दी के सैल में प्रवेश करने के लिए अनुज्ञात कोईस्वीपर या अन्य बन्दी सावधानीपूर्वक जांच करेगा तथा घनिष्ठ निगरानी रखेगा।
सिद्धदोष बन्दीij eq[; okMZj dh M;wVhA	391. (1) डयूटी पर सिद्धदोष सैल का प्रभारी, बार-बार और दिन तथा रात के दौरान असाधारण समय पर सिद्धदोष बन्दी द्वारा अधिभोग सैल का निरीक्षण करेगा तथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि रक्षा कार्मिक चैकसी पर है, सैल सुरक्ष्ित है तथा वह बन्दी उपस्थित है। (2) वह सिद्धदोष की और से किसी संदिग्ध व्यवहार या रक्षा कार्मिक की और से डयूटी की किसी लापरवाही की उप-अधीक्षक (सुरक्षा) को तुरन्त रिपोर्ट करेगा।
vkgkj laca/kh lko/kkfu;kaA	392. (1) मृत्यु दण्ड के अधीन बन्दी को श्रम बन्दी का साधारण आहार अनुज्ञात किया जाएगा। (2) सिद्धदोष बन्दी द्वारा उपभोग के लिए आशयित सभी भोजन उप-अधीक्षक (प्रशासन) यासहायक अधीक्षक या चिकित्सा अधीनस्थ द्वारा जांचा जाएगा जो किसी वस्तु को रोक सकता है जिसे वहसदिग्ध के रूप में समझता है तथा परिस्थितियों की रिपोर्ट अधीक्षक को करेगा। बन्दी को भोजन भी इनअधिकारियों में से किसी एक अधिकारी की उपस्थिति में दिया जाएगा।
मुलाकातियों, पुस्तकों तथा समाचारपत्रों काप्रवेश।	393. सिद्धदोष बन्दी को ऐसी पुस्तकों की आपूर्ति जो कारागार पुस्तकालय में उपलब्ध हैं, उनके अनुरोधपर पढ़ने के लिए दी जा सकती है, मुहैया कराई जा सकती है। अधीक्षक के अनुमोदन के अध्यधीन वेउनके अपने खर्च पर खरीदने या अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से कोई अन्य पुस्तकें प्राप्त करने के लिएअनुज्ञात किया जा सकता है। बन्दी जो धूम्रपान करते है उनके अपने खर्च पर धूम्रपान करने के लिएअनुज्ञात किया जा सकता है। उन्हें उनके अपने खर्च पर कोई समाचार पत्र खरीदने के लिए भी अनुज्ञातकिया जा सकता है। सभी उचित अनुग्रह रिश्तेदारों, दोस्तों, विधिक वकीलों तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) यासहायक अधीक्षक की उपस्थिति में अनुमोदित धार्मिक पुरोहित से मुलाकात के विषय में अनुज्ञात किया जाldrk gSA
ckgjh vLirky esa LFkkukUrj.k पर प्रतिबन्ध।	394. (1) सिद्धदोष बन्दी को अधीक्षक की विशेष स्वीकृति के बिना उपचार करवाने के लिए कारागारअस्पताल से नहीं ले जाया जाएगा यदि ऐसे बन्दी को कारागार अस्पताल से ले जाया जाता है, तो उसेअस्पताल में सभी अन्य बन्दियों से अलग किया जाएगा तथा यथा अपेक्ष्ित विशेष रक्षक तैनात कियाtk,xkA (2) सिद्धदोष बन्दी को महानिदेशक की विशेष स्वीकृति के बिना उपचार करवाने के लिए किसीckgjh vLirky esa ugha ys tk;k tk,xk % परन्तु अधीक्षक स्वीकृति की प्रत्याशा में किसी बाहरी अस्पताल में ऐसे बन्दी के स्थानान्तरण केआदेश कर सकता है यदि चिकित्सा अधिकारी प्रमाण्ित करता है कि बन्दी की मृत्यु होने का खतरा है तथाबाहरी अस्पताल में तुरन्त उपचार करवाने की आवष्कता है। यदि ऐसे बन्दी को बाहरी अस्पताल में लेजाया जाता है, तो उसे विशेष पुलिस

	एस्कोर्ट द्वारा ले जाया जाएगा तथा अस्पताल में सभी अन्य बन्दियोंसे अलग रखा जाएगा तथा यथा अपेक्ष्ित विशेष रक्षक अस्पताल में तैनात किया जाएगा।
मृत्युदण्ड को dk;kZfUor djus esa foyEcA	395. यदि, दया याचिका की प्रस्तुति से उत्पन्न विलम्ब से अन्यथा, मृत्युदण्ड के निष्पादन में कोई विलम्बहोता है, तो अधीक्षक सत्र न्यायाधीश को परिस्थितियों की तुरन्त रिपोर्ट करेगा तथा निष्पादन करने के लिएया तो नया वारंट जारी करने या दूसरी तिथि नियत करने के आदेश के उसी वारंट पर पृष्ठांकन हेतु मूलवारंट वापस भेजेगा।
xHkZorh ds :i में प्रमाण्ित efgykA	396. यदि मृत्यु से दण्डादिष्ट किसी महिला बन्दी को चिकित्सा अधिकारी द्वारा गर्भवती के रूप मेंप्रमाण्ित किया गया है, उस पर नोट किए गए तथ्य सहित वारंट सत्र न्यायाधीश को वापस किया जाएगाजो दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 416 के अधीन उपबन्धित आदेशdk ikyu djus ds fy, dne mBk,xkA
efgyk }kjk Lo;a xHkZorh होने की घोषणाdjukA	397. यदि मृत्यु से दण्डादिष्ट कोई महिला बन्दी स्वयं गर्भवती होने की घोषणा करती है तथा चिकित्साअधिकारी कथन की सच्चाई या अन्यथा को तसदीक करने में असमर्थ है, तो वह अपने रोजनामचे में तथ्यतथा बिन्दु पर निर्णय करने के लिए उसे समर्थ बनाने के लिए आवश्यक समय के अन्तराल कोअभिलिखित करेगा। वारंट सहित इस रिकार्ड की एक प्रति सत्र न्यायाधीश को भेजेगा।
दण्डादेश को LFkfxr ;k y?kqd`r fd;k tk ldrk gSA	398. यदि मृत्यु से दण्डादिष्ट कोई महिला गर्भवती पाई जाती है, तो उच्च न्यायालय दण्डादेश केनिष्पादन को स्थगित करने के आदेश करेगा तथा यदि वह उचित समझे तो, आजीवन कारावास के लिएदण्डादेश को कम कर सकता है।

lk{; nsus ds fy, e`R;q n.M ds v/khu बन्दियों के LFkkukUrj.k ds विरूद्व प्रतिषेध।	399. यदि मृत्युदण्ड के अधीन बन्दी के साक्ष्य किसी मामले में अपेक्ष्ित हैं, तो न्यायालय प्रयोजन के लिएकारागार को कार्यवाही करने को कहेगा तथा बन्दी (न्यायालयों में उपस्थिति) अधिनियम, 1955 (1955 काकेन्द्रीय अधिनियम 32) के अधीन बन्दी की उपस्थिति अपेक्ष्ित नहीं होगीः परन्तु यदि मृत्युदण्ड के अधीन बन्दी की उपस्थिति दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीयअधिनियम 2) की धारा 391 के अधीन मामले में अतिरिक्त साक्ष्य लेने के लिए सत्र या उच्च न्यायालय द्वाराअपेक्ष्ित है, तो बन्दी की उपस्थिति बन्दी (न्यायालयों में उपस्थिति) अधिनियम, 1955 (1955 का केन्द्रीयअधिनियम 32) के अधीन अपेक्ष्ित हो सकती है। यदि वह अन्य मामलों में विचारण का सामना कर रहा है,तो सम्बन्धित न्यायालय वीडियो कान्फ्रैन्सिंग या अन्य उपयुक्त साधन का प्रयोग करते हुए कारागार परिसरोंके भीतर विचारण करने का अनुरोध करेगा।
fu"iknu ds fy, ftEesokj अधिकारी।	400. अधीक्षक सुनिश्चित करेगा कि निष्पादन प्रबन्ध उचित समय पर पूरे किए गए है तथा कि फांसीका तख्ता, रस्सी, टोपी तथा जकड़ने वाला पट्टा सही हालात में है। अधिकथित आदेशों से किसी अनर्थया रवानगी की घटना महानिदेशक को सूचित की जाएगी।
ekufld LokLF; ewY;kduA	401. (1) मृत्यु से दण्डादिष्ट सभी बन्दियों का नियमित मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया जाएगाrFkk mudh vko';drk ds vuqlkj mfpr fpfdRlk ns[kHkky eqgS;k djkbZ tk,xhA (2) यदि अधीक्षक, सरकारी चिकित्सक या मनोचिकित्सक की रिपोर्ट के आधार पर विचार करताहै कि बन्दी शारीरिक रूप से या मानसिक रूप से योग्य नहीं है, तो वह तुरन्त निष्पादन रोक देगा तथाव्यापक मूल्यांकन के लिए चिकित्सा बोर्ड के सम्मुख बन्दी को पेश करेगा तथा उसकी रिपोर्ट आगामीकार्रवाई के लिए सरकार को भेजेगा।
ikxyiu ds ladsr n'kkZus वाले सिद्धदोषcUnhA	402. (1) यदि मृत्युदण्ड की प्रतीक्षा करने वाले किसी बन्दी में मानसिक बीमारी के संकेत दिखाई देतेहैं, जो चिकित्सा अधिकारी की राय में काल्पनिक नहीं है, या जिसका अवधारण करने के लिए निगरानीअपेक्ष्ित है कि क्या वे काल्पनिक है या नहीं, की परिस्थितियों की रिपोर्ट निम्नलिखित दस्तावेजों सहितमहानिदेशक के माध्यम से सरकार को तुरन्त की जाएगी, अर्थात्:-

(K) cUnh dh ukekoyh(

(b) वारंट की प्रति जिसके अधीन उसे परिरूद्ध किया गया है (दोहरी प्रति में); तथा

(c) विहित प्ररूप में चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र।

टिप्पण- निर्णय की एक प्रति भी यथा सम्भव शीघ्रता से भेजी जाएगी।

(2) यदि सरकार, मृत्युदण्ड के बन्दी की मानसिक स्थिति की जांच करने के लिए विशेषचिकित्सा बोर्ड की नियुक्ति के आदेश करती है, यदि आवश्यक समझा जाए, तो विशेष चिकित्सा बोर्ड द्वाराजांच से पूर्व उसे दस दिन या लम्बे समय के लिए निकटतम मनोचिकित्सक या समरूप संस्था या सिविलसर्जन के प्रभारी चिकित्सक द्वारा कारागार में निगरानी के अधीन रखा जाएगा।

(3) विशेष चिकित्सा बोर्ड नियुक्त करने तथा बन्दी को निगरानी में रखने के बाद, यथा सम्भवशीघ्रता से, अधीक्षक, संस्था या व्यक्तिगत, जिसके वह सम्पर्क में था, से ऐसे बन्दी का इतिवृत प्राप्तकरेगा। मनोचिकित्सक, जिसकी निगरानी में बन्दी कों विशेष चिकित्सा बोर्ड द्वारा लम्बित जांच के लिएरखा गया है, अपेक्ष्ाित सूचना के संग्रहण के लिए प्रष्नावाली सहित अधीक्षक को देगा। बन्दी की मानसिकस्थिति से सम्बन्धित वास्तविक सामग्री अधिकारी, जिसने उसे गिरफ्तार किया है, सहित रिकार्ड से याचश्मदीद गवाहों से प्राप्त की जाएगी। अपराध के करने के ठीक पहले, के समय और उसके तुरन्त बादबन्दी के दिमाग के अनुमान के लिए बन्दी के रिश्तेदारों सहित चश्मदीद-गवाहों से रिपोर्ट प्राप्त कीtk,xhA

fVIi.k& विचारण के समय पर बन्दी के व्यवहार से सम्बन्धित साक्ष्य तथा विशेष रूप से न्यायालय में जांच के दौरान साक्ष्य तथा मामले की फाईल तथा निर्णय सहित न्यायालय की कार्यवाहियों से उपलब्ध हो सकते हैं। बन्दी की रिपोर्ट उन व्यक्तियों से प्राप्त की जाएगी, जो उसके प्रतिप्रेषण तथा बाद में कारागार में निरोध के दौरान mlds lEidZ esa jgs gSaA ;g lwpuk ,d= djrs le;] ;g ns[kus ds fy, cgqr lko/kkuh cjrh tk;sxh fd mn~ns'; ftlds lkFk ;g ,df=r dh xbZ gS] dk रहस्योद्घाटन न हो। आवष्यक ध्यान इस तथ्य की उपेक्षा न करने के लिए भी दिया जाएगा जिससे बन्दी के रिश्तेदार विशेष रूप से हितबद्ध होने सम्भावित है तथा उन द्वारा दी गई सूचना अधिकतम सावधानी में प्रयुक्त की जाएगी।

(4) ज्योंहि उप-नियम (3) में निर्दिष्ट चिकित्सक या सिविल सर्जन अपनी रिपोर्ट के साथ तैयारहै, तो वह विशेष चिकित्सा बोर्ड के सम्मुख सभी रिकार्ड रखेगा। विशेष चिकित्सा बोर्ड का प्रधान,महानिदेशक के माध्यम से सरकार को उनकी अपनी राय सहित बोर्ड की कार्यवाही भेजेगा।

(5) सरकार के आदेशों की प्राप्ति पर, अधीक्षक उन्हें कार्यान्वित करेगा। यदि वे निर्देश देते है

कि मृत्यु दण्ड कार्यान्वित किया जाएगा, तो अधीक्षक सत्र न्यायाधीश को तुरन्त लिखित सूचना भेजेगा,

जिसने निष्पादन का संशोधित वारंट जारी करने के लिए मृत्यु दण्ड के निष्पादन हेतु वारंट जारी किया है।

jLlh rFkk Qkalh के तख्तों की fdLe rFkk tkapA

403. रस्सी तथा फांसी के तख्तों की जांच करने के बारे में निम्नलिखित उपाय अपनाए जाएंगे, अर्थात्:-

¼d½	C;kl esa 2-54 lsaVhehVj euhyk jLlh fu"iknu ds fy, iz;qDr dh tk,xhA fVdkÅ fLFkfr esa de ls de nks ,slh jfLl;ka izR;sd dkjkxkj esa j[kh tk,axh] tgka fu"iknu fd;k

tkuk lEHko gS(

fVIi.k&	jLlh yEckbZ esa 6 ehVj] Hkyh Hkkafr cynkj] rFkk iw.kZ :i ls ruh gqbZ gksuh pkfg,A ;g cjkcj eksVkbZ] QUnk lgt gh xqjtus esa 1{ke] rFkk 125 fdyksxzke ;k cUnh ds Hkkj dk 150 izfr'kr] 2-2 ehVj ds yVdu vf/kdre gks(ds f[kapok dks ogu djus ds fy,

पर्याप्त रूप से मजबूत होनी चाहिए;

	¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼M½ fVIi.k&	jfLl;ksa dh tkap] fu"iknu ds fy, fu;r frfFk ls de ls de nks lIrkg iwoZ v/kh{kd dh mifLFkfr esa dh tk,xh rFkk ;fn os tkap esa ikl gksus esa vlQy gks tkrh gS] rks nwljh rqjUr izkIr dh tk,axh rFkk tc izkIr gks] tkaph tk,xh(tkap ds ckn] jLlh rFkk vU; midj.k lqjf{kr LFkku esa rkykcUn fd;s tk,axs(fu"iknu djus ls iwoZ lka;dky dks Qkalh dk r[rk rFkk jfLl;ka ;g irk yxkus ds fy, tkaph tkuh pkfg, fd os fcuk fdlh {kfr ds tkap fd, x, vuqlkj gh ikbZ xbZ gS(v/kh{kd fu"iknu ds ckjs esa lEcfU/kr dk;Zdkjh vfHk;Ur dks lwfpr djsxk tks fu"iknu dh frfFk ls iwoZ Qkalh ds r[rs ds fujh{k.k dh O;oLFkk djsxkA jLlh] Qkalh ij p<+k, tkus okys cUnh ds Hkkj ls Ms<+ xquk ds cjkcj Hkkj okys jsr ;k feV~Vh ds cksjs dks ,d fljs ls cka/krs gq, vkSj cUnh dks nh tkus okyh yVdu ds vuqekj bruh gh mapkbZ ls leku Hkkj dks yVdkrs gq, tkaph tk,xhA
fu"iknu esa हाजिर होने वालेअधिकारी।	404. (1) कारागार का अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट या उस द्वारा प्रतिनियुक्तकार्यकारी मजिस्ट्रेट तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रतिनियुक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट उपस्थित होंगे, जबफांसी दी जा रही हो। (2) जब किसी सिद्धदोष बन्दी को एक कारागार से दूसरी कारागार में स्थानांतरित किया गयाहै, तो प्राप्त करने वाली तथा भेजने वाली कारागार के अधीक्षक सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट को तथ्य कीरिपोर्ट करेंगे।	
व्यक्ति, जो Qkalh ds xokg हो सकते हैं।	405. (1) यदि बन्दी ऐसा चाहता है, तो सुरक्षा तथा कारागार अनुशासन की अपेक्षाओं के अध्यधीनअधीक्षक के विवेक पर, उसके विश्वास का पुरोहित फांसी के स्थान पर उपस्थित किया जाना अनुज्ञातfd;k tk ldrk gSA (2) बन्दी के रिश्तेदारों तथा अन्य बन्दियों को फांसी देखने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।सुरक्षा जाँच के बाद अधिकतम बारह व्यस्कों को फांसी देखने के लिए या तो कारागार के भीतर या फांसीds r[rs ds vgkrs esa] ;fn Qkalh dk r[rk dkjkxkj ls ckgj gS] egkfuns'kd dh Lohd`fr ds v/khu स्वीकार किए जा सकते हैं, परन्तु महानिदेशक अपने विवेक से, या सर्वथा किसी विशेष व्यक्ति को प्रवेशदेने से इनकार कर सकता है। तथापि, महानिदेशक सामाजिक वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानी तथा मनोचिकित्सकको अनुमति दे सकता है, जो फांसी के दौरान उपस्थित होकर अन्वेषण करते हैं। गवाहों को दूरी पर रखाजाना है तथा वार्डर रक्षक की पर्याप्त संख्या किसी बाधा को रोकने या किसी बचाव प्रयास को विफलdjus ds fy, mifLFkr jgsxhA	
tYykn dk p;uA	406. (1) deZpkjh dh miyC/krk ds v/;/khu] Qkalh tYykn }kjk nh tk,xh rFkk vuqiyC/krk ds मामले में, उसे उसके सहायक या प्रयोजन के लिए विशेष रूप से लगाए गए किसी विश्वसनीय व्यक्ति }kjk nh tk,xhA (2) जल्लाद के कार्य को करने के लिए किसी व्यक्ति के नियोजन के प्रथम अवसर पर, v/kh{kd Lo;a dh lUrqf"V djsxk fd og le>rk gS fd M~;wVh dSls dh tkuh gSA ,slk O;fDr Qkalh ds लिए नियत दिन से दो दिन पूर्व कारागार में रहेगा।	
प्रत्येक फांसी मेंउपस्थित होने okys l'kL= j{kdA	407. (1) यदि फांसी कारागार की दीवारों के भीतर दी जानी है, तो वार्डर रक्षक के बारह व्यक्तिफांसी के लिए नियत समय से कम से कम तीस मिनट पूर्व मुख्य द्वार के निकट अपने अग्नि-शस्त्रों तथाकम से कम कारतूस/गोलाबारूद के दस राऊण्ड प्रति, व्यक्ति के साथ तैनात किए जाएंगे। रक्षक कोकारागार में तब तक प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा जब तक उपद्रव को दबाने या यदि गवाह प्रवेश करतेहैं, के लिए बुलाया नहीं जाता है। कार्यकारी मजिस्ट्रेट सशस्त्र पुलिस रक्षकों को पर्याप्त संख्या में बुलाएगा	

	यदि वहां कानून और व्यवस्था की समस्या की किसी घटना के घटने की कोई उचित आशंका हो। (2) यदि फांसी कारागार दीवारों के बाहर दी जाती है, तो अधीक्षक, फांसी के लिए नियत तिथिसे दो दिन पूर्व पुलिस अधीक्षक को एक उप-निरीक्षक, दो मुख्य सिपाही तथा बारह और अधिक सिपाही,यदि उपद्रव होने की आशंका हो, के पुलिस रक्षक की उपस्थिति के लिए व्यवस्था करने में समर्थ बनाने केलिए तथ्य की सूचना भेजेगा। पुलिस रक्षक कारागार में उपलब्ध वार्डर रक्षक के अतिरिक्त होनी चाहिए, जोउसी रीति, में तैनात किए जाएंगे जब फांसी कारागार के भीतर होती है। (3) जब कभी फांसी दी जा रही हो, तो बन्दियों को कारागार परिसरों से शव को ले जाने तकउनको बैरकों में बन्द किया जाएगा।
iru ds विनियम।	408. बन्दी के भार के समानुपात पतन को निम्नलिखित पैमाना साधारण मार्गदर्शन के लिए प्रवृत है तथाअधीक्षक अपने विवेक का प्रयोग करेगा तथा चिकित्सा अधिकारी की सलाह तथा बन्दी की शारीरिक स्थितिद्वारा मार्गदर्शित होगा,- ¼d½ ;fn cUnh dk Hkkj 45 fdyksxzke ls de gS] rks mls 2-4 ehVj dk iru fn;k tk,xk(¼x½ ¼k½ ;fn cUnh dk Hkkj 45 fdyksxzke ls vf/kd gS] fdUrq 60 fdyksxzke ls ¼?k½ vuf/kd gS] rks mls 2-3 ehVj dk iru fn;k tk,xk(;fn cUnh dk Hkkj 60 fdyksxzke ls vf/kd gS fdUrq 75 fdyksxzke ls vuf/kd gS] rks mls 2-1 ehVj dk iru fn;k tk,xk(;fn cUnh dk Hkkj 75 fdyksxzke ls vf/kd gS fdUrq 90 fdyksxzke ls vuf/kd gS] rks mls 2-0 ehVj dk iru fn;k tk,xk(rFkk ¼³½ fVIi.k& ;fn cUnh dk Hkkj 90 fdyksxzke ls vf/kd gS] rks mls 1-8 ehVj dk iru fn;k tk,xkA ^^iru** jLlh ds ml fljs] tgka jLlh dks xys esa cka/kus dh vuqefr nsus ds ckn ck/kk tkrk gS] tks Qkalh esa gksrk gS] ls vijk/kh ds fupys tcM+s ds dks.k ds lkeus jLlh ds fljs ls jLlh dh yEckbZ gS] tSlk fd og Qkalh ds r[rs ij [kM+k gSA

फांसी के दौरानviukbZ tkus वाली प्रक्रिया।	409. (1)	Qklh fuEuf	Qkalh fuEufyf[kr le; ij nh tk,xh] vFkkZr~%&	
		(K)	uoEcj ls Qjojh	प्रातः काल 8 बजे
		(b)	मार्च, अप्रैल, सितम्बर तथा अक्तूबर	प्रातः काल 7 बजे
		(c)	ebZ ls vxLr	प्रातः काल 6 बजे
	(2) feuV ioZ ml uked vuqlkj cUnh }kjk lR v/kh{kd dh m होगा, बन्दी अपबांधेगा। (3) lkeu] nk ihN tk,xkA	v/kh{kd rF d lSy e f igy cUn ;kiu d f ifLFkfr e u ly ea j vc cUnh] rFkk iR;	ाा उप-अधीक्षक (पशासन) फासी क लिए अधीक्षकसद्धदोष बन्दी स मुलाकात करगा। फिर अधीक्षक वh dh igpku djxk rFkk cUnh dk n'kh Hkk"kk ea y, vko';d fdlh vU; nLrkostk] tSl fd ml gLrk{kfjr rFkk lR;kfir djsxkA fQj v/kh{kd Qkl हगा। उप अधीक्षक (प्रशासन) की उपस्थिति म बन्दी उप अधीक्षक (पशासन) क प्रभार क अधीन तथा मुख्यd ,d cktw dk idM dj pyus okyk	}kjk fu;r le; ls dN kjV e fn, x, O;fDr ds okjaV dk vuokn i<k,xkA dh bPNk dk mld ckn h d r[rs dh vkj vxzlj क हाथो का पीछे की और okMZj rFkk Ng okMZjka] nk r Qklh d r[rs dh vkj

	(4) u igys gh v igpku dj yh dj fn;k tk,xkA (5) uhp [kMk] okMZ (6) स ढकगा औरबाई ओर 3-4xnu d pkjka gSA (7) ldsr ij tYy	Qklh d r iu LFkku gS rFkk n kA vc cUnh Q j rc rd tYykn] vk mldh xn lsVhehVj ओर रस्सी सिद्धदोष बन्kn flVfd	}kjk jf{k [r ij cUnh ds igqpus ij] tgk v/kh{kd] eftLV गहण कर लिए है, अधीक्षक, मजिस्ट्रट को सचितs'kh Hkk"kk e mldk okjV i<k fn;k x;k gSA fQj klh d r[r ij p<+xk vkj lh/k :i l che] ft बाजआ से उस पकड रखेगा। x mldh Vkaxka dk ,d lkFk dldj ck/kxk] mld न के चारो ओर रस्सी को कसकर व्यवस्थित करगा,का फन्दा कैप के पल्ल स मुक्त होगा। अधीक्षक निmfpr :i l O;ofLFkr dj nh xb gS rFkk xkB m दी की बाजओ का पकडन वाल वार्डर अब वापस हuh dk [khpxkA	a ेट तथा चिकित्सा अधिकारीdjxk fd mlu cUnh dh cUnh dk tYykn d linZ ll jLlh c/kh gb gS] ds flj rFkk psgj dk diMs chp dh j[kk d nkbZ ;k रन्तर देखेगा कि बन्दी कीfpr fLFkfr es yxk nh xbZ V tk,ax rFkk v/kh{kd ds

सिद्धदोष बन्दीको मृत घोषितdjukA	410. (1) शव आधे घण्टे के लिए लटका रहेगा तथा चिकित्सा अधिकारी द्वारा जीवन समाप्त कीघोषणा करने तक नीचे नहीं उतारा जाएगा। (2) Qkalh dk okjaV v/kh{kd }kjk i`"Bkadu lfgr bl vk'k; ls okil fd;k tk,xk fd दण्डादेश कार्यान्वित कर दिया गया है, चिकित्सा अधिकारी तथा मजिस्ट्रेट द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित कियाx;k gSA
'ko dk fuiVkuA	411. (1) e`R;q 'kkfLr ds fu"iknu ds ckn] Qkalh ij p<+k, x, cUnh ds 'ko dh 'ko&ijh{kk dh tk,xhA (2) ;fn Qkalh ij p<+k, x, cUnh ds fj'rsnkj vfUre /kkfeZd d`R; djus ds fy, fyf[kr आवेदन करते हैं, तो अधीक्षक, अपने विवेक से, ऐसे अनुरोध को अनुज्ञात करेगा, परन्तु रिश्तेदार लिखित मेंसहमति देते है कि वे अन्तिम धार्मिक कृत्य के समय पर किसी प्रकार का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं करेगे।यदि अधीक्षक के पास विश्वास करने के कारण है कि अन्तिम धार्मिक कृत्य के दौरान सार्वजनिक प्रदर्शनहो सकता है, तो उनका अनुरोध जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशों के अध्यधीन अधीक्षक द्वारा अस्वीकार कियाtk ldrk gSA (3) फांसी पर लटकाए गए बन्दी का शव, जहां तक साध्य हो, का धार्मिक कृत्यों के अनुसारrFkk lHkh /kekZuq"Bku lfgr fuiVku fd;k tk,xkA
फांसी के प्रभार।	412- v/kh{kd 'ko ds ifjogu rFkk fuiVku lfgr Qkalh ds lEcU/k esa vko';d lHkh mfpr [kpZ ogu करने के लिए प्राधिकृत है।
Qkalh dh रिपोर्ट।	413. अधीक्षक उसी दिन महानिदेशक को बन्दी की फांसी की रिपोर्ट भेजेगा।
सिद्धदोष बन्दीds [kpZA	414. (1) अधीक्षक, बन्दी को उचित सांत्वना देने के लिए योग्य मामले में, सरकार द्वारा नियत की जाने वाली राशि तक खर्च वहन करने के लिए प्राधिकृत है, उदाहरण के लिए उसकी फांसी से पूर्व उसके निकटतम रिश्तेदारों की उपस्थिति सुनिश्चित करना। (2) महानिदेशक भी तत्काल, अनुकंपा तथा योग्य मामलों में मृत्यु से दण्डादिष्ट बन्दी पर अतिरिक्त खर्च अनुज्ञात करने के लिए सशक्त होगा।

प्रवेश पर jk"Vªh;rk dk lR;kiuA	v/;k; 23 fons'kh cUnh 415. (1) अधीक्षक, प्रवेश के समय पर विदेशी बन्दी की राष्ट्रीयता की जांच करेगा या जांच करवाएगाऔर सुनिश्चित करेगा कि उसका रिकार्ड विदेशी बन्दी के ब्योरों सहित रखा गया है। (2) fons'kh cUnh dh jk"Vªh;rk ds vo/kkj.k ds fy,] v/kh{kd dkjkxkj esa fons'kh cUnh ds प्रवेश के एक सप्ताह के भीतर विदेशी प्रादेशिक पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.आर.ओ.) या विदेशीपंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.ओ.), जैसी भी स्थिति हो, को लिखेगा। (3) यदि प्रवेश के समय पर, विदेशी बन्दी कारागार प्राधिकारियों को उसके वारंट पर प्रलेखितराष्ट्रीयता से भिन्न राष्ट्रीयता की सूचना देता है, तो इस सम्बन्ध में स्पष्टीकरण सम्बन्धित पुलिसप्राधिकारियों या विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.आर.ओ.) या विदेषी पंजीकरण अधिकारी(एफ.आर.ओ.) से प्राप्त करेगा तथा इस सम्बन्ध में सूचना सम्बन्धित न्यायालय से सांझा करेगा। (4) यदि विदेशी बन्दी की राष्ट्रीयता अवधारित नहीं की गई है, तो अधीक्षक, महानिदेशक कोलिखेगा जो राष्ट्रीयता के अवधारण के लिए ऐसी कार्यवाही करेगा, जो वह उचित समझे। (5) कारागार में भरती प्रत्येक विदेशी बन्दी के ब्योरे कारागार में विदेशी बन्दी के प्रवेश के एकlIrkg ds Hkhrj lh-ih-oh- e.My] fons'kh eU=ky;] Hkkjr ljdkj] x`g ekeys eU=ky;] Hkkjr ljdkj] महानिदेशक, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को सूचित करेगा।
प्रक्रिया जब fons'kh cUnh dk दण्डादेश समापनds fudV gSA	416. अधीक्षक, निर्वासन कार्यवाही प्रारम्भ करने के लिए ऐसे समापन के कम से कम छह मास पहले हीविदेशी बन्दियों के दण्डादेश के पूरा होने के बारे में विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरण अधिकारी (एफ. आर. आर.ओ.) या विदेषी पंजीकरण अधिकारी(एफ आर ओ), जैसी भी स्थिति हो, को सूचित करेगा। रिहाई कीvfUre frfFk de ls de ,d ekl igys gh lwfpr dh tk,xhA
आकस्मिकता कीरिपोर्ट करना।	417. (1) किसी विदेशी बन्दी की मृत्यु के मामले में, अधीक्षक उसी प्रक्रिया का पालन करेगा जो ऐसेबन्दियों, जो भारत के नागरिक हैं, के मामले में पालन की जाती है। इसके अतिरिक्त, अधीक्षक प्रत्येकविदेशी बन्दी की मृत्यु की रिपोर्ट बिना विलम्ब के नियम 331 में विहित अन्य प्राधिकरणों के अतिरिक्त एफ.आर.आर.ओ. या एफ.आर.ओ., सी.पी.वी. मण्डल, विदेष मामले मन्त्रालय, भारत सरकार तथा गृह मामलेमन्त्रालय, भारत सरकार को भी करेगा। (2) मृत्यु-समीक्षा कार्यवाही बिना किसी विलम्ब के प्रारम्भ की जाएगी, शव-परीक्षा यथा सम्भव'kh?kzrk ls dh tk,xh rFkk 'ko ds fuiVku dh lwpuk lh ih oh e.My] fons'k ekeys eU=ky;] Hkkjr सरकार के माध्यम से सम्बन्धित दूतावास या उच्च आयोग को भेजनी चाहिए। शव का संलेपन कियाजाएगा। उन मामले में, जहां सम्बन्धित दूतावास या उच्च आयोग शव वापस नहीं लेना चाहता तथा शव केनिपटान के लिए अनापति प्रमाणपत्र देता है, तो शव धर्म, जिससे मृतक सम्बन्ध रखता है, की प्रथा केअनुसार निपटान किया जाएगा तथा निपटान कार्यवाही की वीडियोग्राफी की जाएगी।
fons'kh cUnh }kjk ;kfpdk,aA	418. (1) विदेशी बन्दी अत्यावश्यकता के मामले में, अधीक्षक के विवेक पर, उनकी सम्बन्धित सरकारोंके वाण्िाज्यदूतावास को याचिका करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है, किन्तु ऐसी याचिका सी.पी.वी.,विदेष मामले मन्त्रालय, भारत सरकार के माध्यम से भेजी जाएगी। (2) विचाराधीन बन्दियों सहित विदेशी बन्दियों द्वारा राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री तथाकेन्द्रीय या राज्य सरकार के अन्य उच्च पदाधिकारियों को सम्बोधित याचिकाएं महानिदेशक के माध्यम सेभेजी जा सकती है। तथापि, महानिदेशक, ऐसी याचिका रोक सकता है यदि उसमें दिए गए विवरण असत्यहैं, या याचिका असंयमित या आपतिजनक भाषा में व्यक्त की गई है। तथापि, याचिका को रोकने के लिएकारण सामान्य कार्यालय चैनल के माध्यम से महानिदेशक द्वारा प्रेषिती को सूचित किए जाएंगे।

विदेशी बन्दियोंds lkFk lEidZ ;k eqykdkrA	419. (1) v/kh{kd vuqfpr foyEc ds fcuk lh-ih-oh- e.My] fons'k ekeys eU=ky;] Hkkjr ljdkj के माध्यम से विदेशी बन्दी द्वारा वाण्िाज्य, दूतावास को सम्बोधित किसी सूचना को भेजेगा। अधीक्षक, नियम257 के उपबन्धों के अनुसार विदेशी बन्दी के आने वाले तथा जाने वाले पत्रों के ब्योरों को सेंसर करेगा।यदि किसी विदेशी राष्ट्र से आने वाले तथा जाने वाले पत्रों के ब्योरे असंयमित या आपतिजनक पाए जातेहै, तो ऐसे पत्र महानिदेशक को प्रस्तुत किए जाएंगे। (2) किसी विदेशी बन्दी को अधीक्षक द्वारा उसके वाण्िाज्यदूत सहित चाहे किसी भी नामावली सेवह ज्ञात हो, कारागार सहवासी संचार प्रणाली या संचार के अन्य अनुमोदित साधन के माध्यम से सूचितकरने के लिए सी पी वी मण्डल, विदेष मामले मन्त्रालय, भारत सरकार से पूर्व अनुमोदन के बाद अनुमतिप्रदान की जा सकती है। तथापि, विदेशी बन्दी को सम्यक् सत्यापन के बाद, कारागार सहवासी संचारप्रणाली के माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों तथा विधिक वकील (वकीलों) सहित सूचित करने की

	vuqefr nh tk ldrh gSA (3) यदि सम्बन्धित वाण्िाज्य दूतावास से कोई कर्मचारी विधिक सहायता मुहैया कराने के लिएया किसी अन्य प्रयोजन के लिए, विदेशी बन्दी से मुलाकात करने का अनुरोध करता है, तो अधीक्षकमुलाकातों को शासित करने के लिए इन नियमों के उपबन्धों के अध्यधीन सी. पी. वी. मण्डल, विदेष मामलेमन्त्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के बाद उसको अनुमत करेगा। fVIi.k& dkjkxkj esa fons'kh ukxfjd ls eqykdkr dk vf/kdkj dk vFkZ futh eqykdkr ugha gksrk vkSj u gh blesa cUnh ds jgus ds DokVZj dh tkap dk vf/kdkj 'kkfey gSA
vkgkjA	420. (1) उप-नियम (2) के अधीन के सिवाए आहार से सम्बन्धित सभी उपबन्ध अन्य बन्दियों के समरूप विदेशी बन्दियों को भी लागू होंगे। (2) विशेष परिस्थितियों के अधीन, यदि किसी विदेशी का आहार बन्दी की भोजन आदतों के आधार पर, सम्बन्धित न्यायालय द्वारा या चिकित्सा अधिकारी द्वारा विहित किया गया है, तो अधीक्षक विहित vkgkj eqgS;k djsxkA
oL=] fcLrj] twrs rFkk प्रसाधन सामग्री।	421. अधीक्षक, महानिदेशक के अनुमोदन से, विदेषी बन्दी प्रथा तथा आदतों के अनुरूप, जहां तक साध्यहो, वस्त्र, बिस्तर, जूते तथा प्रसाधन सामग्री मुहैया करेगा।
जब कोई विदेशीdkjkokl dh अवधि से n.Mkfn"V gSA	422. यदि कोई विदेशी, विदेशी अधिनियम, 1946 (1946 का केन्द्रीय अधिनियम 31) की धारा 4 के अधीनगिरफ्तार तथा निरूद्ध है, तो उसे कारावास की अवधि भुगतनी है, विदेशी अधिनियम के अधीन निरोध कीअवधि, कारावास के किसी दण्डादेश, जो उस पर अधिरोपित किया जा सकता है, की अवधि को छोड़करया के अतिरिक्त होगी।
fjgkbZA	423. विदेशी बन्दियों को अन्य बन्दियों की तरह कारागार से रिहा नहीं किया जाएगा। उसके दण्डादेशके समापन के दिन को विदेशी बन्दी को कारागार से रिहा किया जाएगा तथा पुलिस एस्कोर्ट के अधीनव्यक्तिगत रूप में विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.आर.ओ.) या विदेषी पंजीकरण अधिकारी(एफ.आर.ओ), जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय के सम्मुख प्रस्तुत करना चाहिए। यदि किसी अनुचितपरिस्थितियों के कारण, विदेशी बन्दी को दण्डादेश के समापन के दिन को विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरणअधिकारी (एफ.आर.आर.ओ) या विदेषी पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.ओ.) के सम्मुख प्रस्तुत नहीं किया जासका, तो उसे विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरण अधिकारी

	(एफ.आर.आर.ओ.) या विदेषी पंजीकरण अधिकारी(एफ.आर.ओ.) के सम्मुख प्रस्तुत करने तक जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों से तत्समय कारागार में निरूद्धकिया जाना चाहिए। उसके बारे में सूचना सम्बन्धित विदेषी प्रादेष्िाक पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.आर.ओ.)या विदेषी पंजीकरण अधिकारी (एफ.आर.ओ.), महानिदेशक तथा दोषसिद्ध करने वाले न्यायालय को संचारके अनुमोदित साधन के माध्यम से भेजी जाएगी। अधीक्षक आगामी दिन को विदेशी बन्दी की रिहाई के बारेमें महानिदेशक को सूचित करेगा।
बन्दियों का सप्रत्यावर्तन।	424- Hkkjr ls fdlh vU; ns'k esa fdlh cUnh ds LFkkukUrj.k rFkk fdlh vU; ns'k ls fdlh cUnh dh भारत में प्राप्ति के मामले में, बन्दियों (कैदियों) का संप्रत्यावर्तन (स्वदेषी वापसी) अधिनियम, 2003 (2003का केन्द्रीय अधिनियम 49) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों का पालन किया जाएगा।
lHkh i=kpkj ls महानिदेशक कोlwfpr fd;k tkukA	425. विदेशी बन्दियों से सम्बन्धित सभी पत्राचार अधीक्षक द्वारा महानिदेशक को सूचित किए जाएंगे।

vkoklA	v/;k; 24 utjcUn dSnh 426. कैदी को सैलों या पृथक बैरकों या वार्डों में रखा जाएगा।
vkgkj] फोटोग्राफ तथाबायोमैट्रिक ।	427. (1) आहार तथा सभी अन्य सुविधाएं विचाराधीन बन्दियों के बराबर कैदी को अनुज्ञेय होंगी, जबतक विधि में प्रतिकूल कोई उपबन्ध न हो, जिसके अधीन उसे निरूद्ध किया गया है, या सक्षम प्राधिकारीनिरोध प्राधिकृत करने के लिए अन्यथा निर्देश नहीं करता है। (2) जिला पुलिस अधीक्षक या इस निमित्त उस द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य पुलिस अधिकारीअपनी कार्यालय डयूटी के निर्वहन या तत्समय लागू किसी विधि द्वारा या के अधीन उसको प्रदत्त किसीशक्ति का प्रयोग करने के सम्बन्ध में कारागार में किसी कैदी के फोटोग्राफ या बायोमैट्रिक ले सकता है।
eqykdkrA	428. (1) कैदी को सप्ताह में एक बार अपने परिवार से मुलाकात करने के लिए अनुमति दी जासकती है। मुलाकात जिम्मेवार कारागार अधिकारी की दृष्टि तथा सुनने के भीतर की जाएगी। मुलाकातआधे घण्टे से अधिक नहीं होगी और ऐसी मुलाकात के दौरान अधिकतम तीन व्यक्तियों, इसमें बारह वर्षकी आयु तक के बालक शामिल नहीं है, को अनुमति दी जाएगी। (2) dSnh }kjk vkosnu djus ij v/kh{kd] egkfuns'kd dh lwpuk ds v/khu] dSnh ;k mlds परिवार के कारोबार या व्यावसायिक मामलों के सम्बन्ध में एक समय में परिवार से अन्यथा दो व्यक्तियों सेअनधिक के साथ विशेष मुलाकात प्रदान कर सकता है। मुलाकात कारागार कर्मचारी की दृष्टि तथा सुननेके भीतर की जाएगी। ऐसी मुलाकात विशेषाधिकार के स्वरूप में की जाएगी तथा इस प्रकार यह अधिकारसम्बन्धी मामले के रूप में दावाकृत किए जाने के अधीन नहीं होगी तथा यह अपवर्तित किए जाने के अधीनहोगी, यदि अधीक्षक कारागार अनुशासन के हित में तथा कैदी की और से उचित व्यवहार सुनिश्चित करनेds fy, bls mfpr le>rk gSA (3) उप नियम (1) तथा (2) में विनिर्दिष्ट मुलाकात के अतिरिक्त, प्रत्येक कैदी, अपनी पसन्द केवकील के साथ मुलाकात करने के लिए इस शर्त के अध्यधीन हकदार होगा कि मुलाकात पूर्ण रूप सेकिसी आवेदन के प्रयोजन के लिए होगी, जो कैदी विधि न्यायालय या मामलों से सम्बन्धित सलाह केसम्बन्ध में, जो किसी विधि न्यायालय में लम्बित हों, जिनमें कैदी पक्षकार है, करना चाहता हो। ऐसीमुलाकात कारागार अधिकारी की दृष्टि तथा सुनने के भीतर की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक द्वाराप्रतिनियुक्त कोई अधिकारी ऐसी मुलाकात के दौरान उपस्थित भी रह सकता है। (4) किसी मुलाकात को रद्द करने का अधिकार उस प्राधिकारी में निहित होगा, जो ऐसीमुलाकात प्रदान कर सकता है और उसका निर्णय अन्तिम होगा: परन्तु मुलाकात रद्द करने वाला प्राधिकारी (सरकार से अन्यथा) ऐसी कार्रवाई के लिएकारण देते हुए महानिदेशक के माध्यम से सरकार को गोपनीय रिपोर्ट भेजेगा।

	(5) साधारणतः मुलाकात वीरवार को होगी, किन्तु विशेष परिस्थितियों में, जहां इस नियम काप्रवर्तन कठोरता के लिए आवश्यक हो, सक्षम प्राधिकारी सप्ताह के किसी अन्य दिन को मुलाकात करानाअनुज्ञात कर सकता है। ऐसे सभी मामलों में, जहां मुलाकात सरकार से अन्यथा किसी प्राधिकारी द्वारावीरवार से अन्यथा दिन को अनुज्ञात की जाती है, तो मुलाकात के लिए नियत तिथि तथा समय सूचितकरते हुए जिला पुलिस अधीक्षक को तुरन्त रिपोर्ट भेजेगा। ऐसी रिपोर्ट कम से कम बारह घण्टे से पहलेसक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जाएगी, ताकि उप-नियम (2) तथा (3) में निर्दिष्ट अधिकारी की उपस्थिति केfy, O;oLFkk dh tk ldsA (6) प्रत्येक मुलाकात में हाजिर व्यक्तियों के नाम तथा पते सहित कैदी तथा उसके परिवार केसदस्यों या रिश्तेदारों के बीच सभी मुलाकातों का अधीक्षक द्वारा एक रजिस्टर अनुरक्ष्िात रखा जाएगा। (7) जिला पुलिस अधीक्षक या उस द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारी या कारागार अधिकारी मुलाकातरोक सकता है, यदि बातचीत अवांछित मोड़ पर की जाती है अर्थात् यदि यह राजनैतिक या वैचारिक श्रेणीdh gSA (8) सरकार के निर्देशों के अध्यधीन, पुलिस महानिदेशक सामान्य या विशेष आदेश द्वारा किसीकैदी से मुलाकात करने के लिए किसी पुलिस अधिकारी को या तो एकल रूप से या अन्य पुलिसअधिकारी के साथ या अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों के साथ प्राधिकृत कर सकता है। (9) इस प्रकार प्राधिकृत पुलिस अधिकारी को, इस आशय की लिखित मांग करने पर, कारागारअधिकारी की दृष्टि के भीतर, किन्तु उसके सुनने से बाहर, मुलाकात कक्ष में कैदी से मुलाकात करनाlvuqKkr dj ldrk gSA

dSnh dk ijh{k.kA	429. अधीक्षक, राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी, या किसी अधिकारी जोपुलिस निरीक्षक की पदवी से नीचे का न हो, को ऐसे अधिकारी से उस आशय की लिखित मांग की प्राप्तिपर, उसकी कार्यालय डयूटी के निर्वहन या तत्समय लागू किसी विधि द्वारा या के अधीन उसको प्रदत्तकिसी शक्ति का प्रयोग करने के सम्बन्ध में, किसी कैदी की जांच करना अनुज्ञात कर सकता है।
i=kpkj rFkk lsaljf'kiA	430. (1) विधानसभा के अध्यक्ष को विधायक कैदी से पत्र और अध्यक्ष से उस कैदी को पत्र व्यवहारतथा कैदी तथा विधि न्यायालयों के बीच पत्राचार को सेंसर नहीं किया जाएगा तथा उन्हें अधीक्षक द्वाराप्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित क्वार्टर को भेजा जाएगा। ऐसे सभी पत्र, उस द्वारा उनकी प्राप्ति के चैबीस घण्टेके भीतर अधीक्षक द्वारा भेजे जाएंगे। विधायी सचिवालय से प्राप्त विधायक कैदी के लिए पत्र तथा किसीकैदी को विधि न्यायालय (न्यायालयों) से पत्र साधारणतः उसी दिन, जब वे प्राप्त होते हैं, दिए जाएंगे। (2) प्रत्येक बन्दी को उसके अपने खर्च पर अगण्ित संख्या में पत्र लिखने की अनुमति दी जासकती है तथा प्रति सप्ताह अगण्ित संख्या मे पत्र प्राप्त कर सकता है। (3) किसी पत्र पर सेंसरष्िाप का प्रयोग करने में कारागार प्राधिकारी निम्नलिखित सुनिश्चितdjsxk] vFkkZr~%& (K) कि पत्रों के प्रेषण या वितरण में अनुचित विलम्ब नहीं हो; (b) कि वितरित या प्रेषित पत्र में राज्य या किसी व्यक्ति की सुरक्षा के लिए कोई भी बात प्रतिकूल नहीं दी गई हो। (4) कोई भी पत्र, समाचार-पत्र या अन्य संचार, अधीक्षक या ऐसे अन्य अधिकारी, जिसे सरकारसामान्य या विशेष आदेश द्वारा, इस निमित्त पदाभिहित करे, के माध्यम के सिवाए किसी कैदी को या द्वाराप्रेषित नहीं किया जाएगा। (5) कैदी को प्राप्त हुए या उस द्वारा प्रेषित सभी पत्रों को अधीक्षक द्वारा पढ़ा जाएगा औरसरकार के किसी विशेष आदेशों के अध्यधीन, अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित जिला पुलिस अधीक्षक को प्रत्यक्षरूप से प्रस्तुत किये जाएंगे, जो अपने विवेक पर या तो बिना विलम्ब से पत्र भेजेगा या उसे रोक लेगा।संदेह के मामले में, सम्बन्धित जिला पुलिस अधीक्षक पुलिस, के गुप्तचर ब्यूरो के मुखिया को मामलाfufnZ"V djsxkA (6) यदि कैदी द्वारा किए गए या को वितरित किए जाने के लिए आशयित कोई संचार कारागारअनुशासन की दृष्टि से आपतिजनक किसी बात से युक्त है, तो अधीक्षक उसे काट सकता है या काटने केलिए उसे मार्क कर सकता है तथा वर्णन कर सकता है कि जब उचित प्राधिकारी को ऐसा संचार भेजाx;k gS] D;k fd;k x;k gSA

	(7) कैदी को या द्वारा भेजे गए प्रत्येक पत्र को अधिकारी, जो पत्र सम्भालता है, द्वारा आद्याक्षरितrFkk fnukafdr fd;k tk,xkA (8) सभी मामलों में, जिनमें पत्र रोका गया है, अधीक्षक द्वारा बन्दी को अवरोधन के तथ्य सूचितकिये जाएंगे। सभी रोके गए पत्र पुलिस के गुप्तचर ब्यूरो के मुखिया या इस निमित्त पदाभिहित अन्यअधिकारी को भेजे जाएंगे जो या तो उन्हें रख सकता है या नष्ट कर सकता है। (9) कैदी उसके बाहर जाने वाले सभी पत्राचारो के साथ पत्र में वण्र्ात प्रेषिती और प्रत्येकव्यक्ति का पूरा नाम, पता तथा उसका संबंध, यदि कोई हो, देते हुए एक पर्ची संलग्न करेगा। इन पर्चियोंको पुलिस के गुप्तचर ब्यूरों के मुखिया या इस निमित्त सरकार द्वारा पदाभिहित अन्य अधिकारी को भेजीजाएंगी, जो यदि वह आवश्यक समझता है कि लेखक को प्रेषिती के साथ पत्राचार करने की अनुमति नहींदी जाएंगी, उसके आगामी मार्ग दर्शन के लिए अधीक्षक या सम्बन्धित अधिकारी को सूचित करेगा। (10) कैदी को तथा के द्वारा पत्राचार पूर्णरूप से घरेलू मामलों या ऐसे मामले, जो कैदी या उसकेपरिवार के कल्याण से सम्बन्धित हों तथा उसके निजी कारबार से सम्बन्धित मामलों तक सीमित होंगे।राजनैतिक या साम्प्रदायिक मामलों के संदर्भ से युक्त पत्र रोक लिए जाएंगे।
e`R;q] LFkkukUrj.k ;k fjgkbZ ij प्रक्रिया।	431. (1) किसी कैदी की मृत्यु पर, आवश्यक ब्योरों सहित विशेष रिपोर्ट, सरकार को प्रस्तुत करने केलिए महानिदेशक को की जाएगी। उसके निरोध को प्राधिकृत करने वाले आदेश/वारंट को उसी समय परबन्दी की मृत्यु प्रमाण्ित करने के पृष्ठांकन सहित महानिदेशक के माध्यम से जारी करने वाले प्राधिकारी कोokil fd;k tk,xkA (2) एक रिपोर्ट महानिदेशक को की जाएगी, जब बन्दी को सरकार के आदेशों के अधीन दूसरीकारागार में स्थानांतरित किया गया है या रिहा किया गया है। बाद के मामलों में, आदेश/वारंट की एकप्रति कैदी की रिहाई को प्रमाण्ित करने के पृष्ठांकन सहित रिपोर्ट संलग्न की जाएगी।

dk;ZA	432. किसी भी मामले, में कैदी को तब तक शारीरिक श्रम सहित कोई कार्य नहीं दिया जाएगा जब तकog LoSPNk ls mls djus ds fy, fyf[kr esa viuh bPNk LosfPNd :i ls O;Dr ugha djrk gSA lHkh मामलों में, जहां कार्य उसके अनुरोध पर कैदी को दिया गया है, तो विहित मजदूरी भुगतान की जाएगी।
निरोध काLFkkuA	433. कैदी को महानिदेशक के आदेशों के अधीन राज्य की किसी कारागार में निरूद्ध किया जा सकतागSA
vkosnu rFkk प्रतिवेदन।	434. (1) कैदी दोहरी प्रति में, सरकार को अपना आवेदन या प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकता है। ऐसे आवेदन या प्रतिवेदन की एक प्रति आगामी संदर्भों का निपटान करने के लिए अधीक्षक द्वारा रखी जाएगी। (2) अधीक्षक, सरकार को सम्बोधित ऐसे आवेदनों या प्रतिवेदनों को रोक लेगा, जो अशिष्ट या अभद्र भाषा से युक्त हों।
fpfdRlk lqfo/kk,aA	435. साधारणतः कैदियों का उपचार कारागार के चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया जाएगा। उन मामलोंमें, जहां आपरेशन (शल्यक्रिया) या अन्य विशेष उपचार के लिए कारागार के बाहर उपयुक्त सरकारी संस्थामें कैदी को ले जाना आवश्यक है, जो स्वतः कारागार में सुविधाजनक रूप से नहीं दिया जा सकता, ऐसेउपचार के लिए सरकार के आदेश कारागार के महानिदेशक के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। अत्यावश्यकमामलों में अधीक्षक, सरकार की स्वीकृति की प्रत्याशा के अधीन प्राधिकृत है, किन्तु उसके लिए सभीमामलों, जिनमें प्राधिकार का उसने स्वयं लाभ उठाया है, की रिपोर्ट तुरन्त करना अपेक्ष्ित है। अधीक्षक,कारागार से बाहर उपयुक्त सरकारी संस्था में उनके परिवहन तथा ठहराव के दौरान इन कैदियों की रक्षाdjus dh O;oLFkk djus gsrq ftyk iqfyl ls dgsxkA dkjkxkj vuq'kklu ds fy,] v/kh{kd ;g ns[kus ds लिए कारागार कर्मचारी को प्रतिनियुक्त करेगा कि इस आदेश के उपबन्धों का उचित रूप से पालन कियाx;k gSA

bfro`r&fVdVA	436. इन नियमों में कैदियों को लागू सूचना से युक्त प्रत्येक कैदी के लिए एक इतिवृत-टिकट रखीजाएगी। इतिवृत-टिकट, उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा रखी जाएगी।
djus dh 'kfDrA	437. ऐसी अन्य हिदायतें, जो कैदी के सम्बन्ध में कारागार अधिकारियों के मार्गदर्शन के लिए आवश्यकgSa] le;≤ ij egkfuns'kd }kjk tkjh dh tk ldrh gSA
कैदियों काfjdkMZA	438. कैदियों से सम्बन्धित सभी ब्योरंे, सिविल कैदियों के मामले में रजिस्टर संख्या-3 में दर्ज किएजाएंगे। तथापि, कैदियों को कारागार प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सभी विवरण्ियों तथा रिपोर्ट में बन्दियों केपृथक प्रवर्ग के रूप में दर्शाया जाएगा।

बन्दियों द्वारा कोई वस्तु, जो fofgr ugha gS] नहीं रखना, प्राप्तugha djuk ;k उपभोग नहीं djukA	v/;k; 25 बन्दियों का भोजन अनुभाग-1 439. (1) कोई भी बन्दी, किसी भी समय इन नियमों में, इसमें, इसके बाद उपबंधित रीति में, विहितया आपूर्ति नहीं की गई, खाद्य या पेय की किसी वस्तु को प्राप्त नहीं करेगा या न ही रखेगा या प्राप्तकरने, उपभोग करने या रखने के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा। तथापि, वह लागू नियमों तथा हिदायतोंके अनुसार कारागार कैन्टीन से वस्तुएं प्राप्त कर सकता है। (2) कारागार के बाहर से किसी भी पके हुए भोजन या किसी खाद्य वस्तु लाने के लिए किसीबन्दी को अनुमति नहीं दी जाएगी।
dkjkxkj vkgkj dk iSekuk fu;r djus dh 'kfDrA	440. (1) सरकार की पूर्व स्वीकृति से, महानिदेशक बन्दियों के लिए आहार का पैमाना नियत करेगा। आहार, स्वास्थ्य प्राधिकारियों के प्रचलित और मार्गदर्शन के अनुसार पोषण्िाक आवष्कताओं के अनुसार fu;r fd;k tk ldrk gSA og le;≤ ij]& (K) साधारणतः कारागार आहार के पैमाने को बदल सकता है या किसी बन्दी के सम्बन्ध esa fofgr dj ldrk gS((b) किसी विनिर्दिष्ट स्थानीय क्षेत्र के भीतर स्थित किसी कारागार या कारागारों में परिरूद्ध बन्दियों के सम्बन्ध में कारागार आहार का विशेष पैमाना विहित कर सकता gS((c) वर्ष के किसी भी मौसम के दौरान किसी भी अवधि या अवधियों के सम्बन्ध में कारागार आहार का विशेष पैमाना विहित कर सकता है। (2) विहित पैमाना के अनुसार आहार-सम्बन्धी वस्तुओं की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी ऐसे उपाय करने के लिए सरकार तथा महानिदेशक की जिम्मेवारी होगी।
dkjkxkj vkgkj का प्रतिदिन forj.kA	441. (1) प्रत्येक बन्दी को प्रातःकाल तथा दोपहर बाद की चाय के अतिरिक्त एक दिन में दो बारभोजन दिया जाएगा। (2) आहार में विविधता, सप्ताह के विभिन्न दिनों को मिश्रित दाले और सब्जियां या विभिन्नभोजनों को वितरित करते हुए सुनिश्चित की जा सकती है। अधीक्षक, नियम 446 के अनुसार गठितभोजनालय समिति की सिफारिश पर सप्ताह के विभिन्न दिनों के लिए व्यंजन-सूची निर्धारित कर सकताgSA

विशेष अवसरोंij vkgkjA	442. (1) महानिदेशक द्वारा समय-समय पर निर्णीत की जाने वाली आहार-सम्बन्धी वस्तुओं की अतिरिक्त वस्तुएं, राष्ट्रीय दिवस, त्योहारों या निम्नलिखित से भिन्न अन्य विशेष अवसरों पर बन्दियों को fn;k tk ldrk gS] vFkkZr~%& (K) uo o"kZ (b) x.krU= fnol (c) होली (d) LorU=rk fnol (e) bZn&Åy&fQrj (f) nhokyh (six) gfj;k.kk fnol (2) बन्दी, जो धार्मिक उपवास रखते हंै, स्थानीय प्रथाओं के अनुसार ऐसे उपवास के लिए उपयुक्त भोजन के अतिरिक्त वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं या अपने भोजन का सम्पूर्ण या कोई अंष किसी स्थान तथा दिन के समय पर ले सकते है, जो उन द्वारा उपवास के उचित पालन के लिए महानिदेशक }kjk vuqKkr fd;k tk,A (3) यदि कोई व्यक्ति या संघ कारागार की सम्पूर्ण जनसंख्या को किसी विशेष अवसर पर फल या मिठाई मुहैया कराने का प्रस्ताव करता है, तो उसे अधीक्षक के विवेक पर, अनुज्ञात किया जा सकता है। यदि भोजन के लिए प्रबन्ध ऐसे व्यक्ति या संगठन द्वारा किया जाना आशयित है, तो उसे कच्चे राशन के रूप में दिया जाना अपेक्ष्ित होगा, जिसे कारावास में पकाया जाएगा तथा दानी द्वारा चाहे गए अनुसार बन्दियों को वितरित किया जाएगा और तथ्य महानिदेशक की सूचना के अधीन अधीक्षक के रोचनामचे में vfHkfyf[kr fd, tk,axsA

कतिपय बन्दियोंds fy, vkgkj dh vfrfjDr oLrq,aA	443. (1) चिकित्सा अधिकारी, बीमार बन्दियों, बालकों, दुध पिलाने वाली माताओं, बुजुर्गों या स्वास्थ्यलाभ प्राप्त करने वाले समूह के बन्दियों को आहार की ऐसी अतिरिक्त वस्तुएं, जो उसकी राय में, आवश्यकप्रतीत हांे और समय, जिसमें भोजन वितरित किया जाना है, नियत करने के आदेश कर सकता है। (2) कोई भी अतिरिक्त आहार, उसके रोजनामचे में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा अभिलिखितकिए जाने वाले विशेष कारणों के सिवाए, किसी अवधि में चैदह दिन से अधिक के लिए स्वीकृत नहीं कीtk,xhA (3) अस्पताल में बन्दी के आहार का नियन्त्रण करने की जिम्मेवारी प्रभारी चिकित्सा अधिकारीकी होगी तथा वह ऐसे अतिरिक्त भोजन के आदेश कर सकता है, जो वह आवश्यक समझे। तथापि, वहशामिल लागत को ध्यान में रखेगा तथा पूर्ण किफायत का पालन करेगा।
भोजन केforj.k ds lEcU/k esa fjdkMZA	444. प्रत्येक भोजन करने वाले बन्दियों की संख्या का विस्तृत लेखा, पैमाने के अनुसार वितरित की जारही भोजन की वस्तुओं की मात्रा पर नियन्त्रण रखने के लिए अनुरक्ष्ित रखा जाएगा। यह मामले पर याअटकलबाजी पर नियन्त्रण रखने के लिए भी आवश्यक है। यह सूचना समेकित कारागार प्रबन्धन प्रणाली मेंfMthVy :i esa Hkh j[kh tk,xhA
रसोईयों में lh- lh- Vh- oh- dh	445. रसोई के भीतर भोजन पकाने के स्थान तथा उस स्थान, जहां भोजन बन्दियों को परोसा यावितरित किया जाता है, की निगरानी सी. सी. टी. वी. कैमरों द्वारा की जाएगी। कैमरे ऐसी स्थिति में होंगेकि भोजन की गुणवता

LFkkiukA	की सुस्पष्ट रिकार्डिंग हो सके जब इसे पकाया तथा परोसा जा रहा हो। सहायकअधीक्षक, भोजनालय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में प्रतिदिन राशन वितरित करेगा। भोजनालय समितिप्रत्येक मास में एक बार पुनःगठित की जाएगी।
भोजनालयlfefrA	446. (1) बन्दियों के लिए भोजन तैयार करने या राशन के वितरण के लिए एक भोजनालय समिति प्रत्येक रसोई में गठित की जाएगी। (2) समिति में कम से कम पांच तथा अधिकतम नौ सदस्य होंगे तथा विचाराधीन बन्दियों और बन्दियों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए स्टाफ सदस्य तथा विचाराधीन बन्दी तथा सिद्धदोष भी शामिल होंगे। समिति के लिए दो स्टाफ सदस्य अधीक्षक द्वारा नामांकित किए जाएंगे। समिति के लिए विचाराधीन बन्दी तथा सिद्धदोष की पंचायत द्वारा नामांकित किए जाएंगे। (3) सहायक अधीक्षक भोजनालय के कार्यकारी प्रभारी तथा समिति के संयोजक के रूप में कार्य करेगा। वह विशेष रूप से जब प्रातःकाल तथा सांय काल भोजन तैयार किया जा रहा हो रसोई का vkdfLed fujh{k.k djsxkA (4) भोजनालय समिति सम्बन्धित सहायक अधीक्षक, लंगर प्रभारी तथा स्टोरकीपर की उपस्थिति में राशन प्राप्त करेगा। (5) भोजनालय समिति एक रजिस्टर बनाए रखेगी, जिसमें प्रत्येक भोजन के ब्योरे शामिल किए tk,axs] vFkkZr~%& (K) उत्पादों के नाम; (b) बन्दियों का प्रतिदिन विहित पैमाना; (c) बन्दियों की कुल संख्या; तथा (d) प्राप्त किए गए राशन की कुल मात्रा। (6) भोजनालय समिति पके हुए तथा वितरित भोजन की गुणवता तथा मात्रा के लिए जिम्मेवार होगी। वह यह सुनिश्चित भी करेगी कि भोजन उचित रूप से पकाया गया है और इसकी सम्पूर्ण मात्रा बन्दियों तक पहुंचती है। (7) भोजनालय समिति सुनिश्चित करेगी कि बन्दी बावर्ची दैनिक आपूर्ति वितरित करने के बाद आवश्यक सभी तैयारियों और प्रक्रियाए कार्यान्वित करेंगे तथा भोजन उचित रूप से सावधानी पूर्वक तथा /;ku ls rS;kj djsaxsA (8) समिति के प्रत्येक बन्दी सदस्य को आई-कार्ड (पहचान-पत्र) जारी किया जाएगा, जो कि उनके पास रहेगा जब सदस्य अपनी डयूटी पर हों।
[kk| inkFkZ rFkk ty vkiwfrZ dk i;Zos{k.kA	447. क्रमशः अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) की हर समय पर निम्नलिखित केसम्बन्ध में अपने आपको सन्तुष्टि करने की डयूटी होगी, अर्थात्:- ¼d½ ;g fd ihus ;ksX; ikuh cfUn;ksa ds miHkksx ds fy, eqgS;k djk;k tkrk gS rFkk ,sls ikuh dh vkiwfrZ ihus ds iz;kstuksa ds fy, gj le; ij izR;sd cUnh dks eq¶r miyC/k djk;k tkrk gSA izR;sd dkjkxkj esa ,sjksfcd eyty mipkj la;U= gksxk rFkk bl izdkj nqckjk mi;ksx esa yk, x, vkSj cpk, x, ikuh dk ckxokuh ds fy, iz;ksx fd;k tk ldrk gS(

¼[k½	;g fd cUnh ¼cfUn;ksa½ dh vko';drkvksa ds vuqlkj vkgkj ds fy, gj le; ij forfjr ;k forfjr fd, tkus ds fy, vk'kf;r izR;sd oLrq vPNh] iqf"Vdj rFkk ekuo miHkksx

के लिए योग्य हैं;

¼x½ ¼? k½	;g fd fdlh cUnh dks fn, x, Hkkstu dh ikS"kf.kdrk rFkk mfpr Lokfn"Vrk dks lqfuf'pr djus gsrq Hkkstu dh izR;sd oLrq vPNh idh gqbZ gS ;k ftls bl izdkj forfjr djus ls iwoZ mfpr :i ls vkSj lQkbZ ls idk;k x;k gS(;g fd Hkkstu dh izR;sd oLrq pkgs og idh gqbZ gS ;k idh gqbZ ugha gS fdlh cUnh dks

उपभोग के लिए इसे वितरित करने से पूर्व उचित जांच तथा निरीक्षण के अध्यधीन है;

¼³½	;g fd dkjkxkj esa fdlh le; ij izkIr rFkk Hk.Mkj lHkh [kk|&inkFkksZa dks izk;% fujhf{kr fd;k tkrk gS rFkk fd lHkh oLrq,a] tks viqf"Vdj ;k fdlh izdkj ls ekuo miHkksx ds fy, v;ksX; gaS] rks mls rqjUr vLohd`r fd;k x;k gS rFkk cfUn;ksa ds iz;ksx

ds fy, forfjr ugha dh xbZ gSa(

¼p½ ¼N½ ¼t½ ¼>½	;g fd Hkkstu ds miHkksx ds fy, lqfo/kktud rFkk fof/kor forj.k ds fy, mfpr LFkku rFkk mi;qDr crZu rFkk vU; midj.k fof/kor :i ls eqgS;k djk, x, gSa(;g fd v/kh{kd dh in~oh rd ds lHkh LVkQ lnL;ksa tks M;wVh ij gSa] dks cfUn;ksa ds fy, fofgr iSekuk ds vkgkj ds vk/ks ds cjkcj ,d eq¶r Hkkstu rFkk nks di pk; izfrfnu eqgS;k djkbZ xbZ gSA ,slk Hkkstu vkSj pk; dsoy cfUn;ksa dh jlksbZ&?kj esa rS;kj dh tk,xh rFkk M;wVh ij LVkQ ds fy, dksbZ i`Fkd jlksbZ ?kj ugha gksxkA ;g fd vis{kk ds vuqlkj jlksbZ esa Lopkfyr e'khu] lkQ bZa/ku] [kkuk cukus okys mfpr crZu] Øksdjh] lfoZl crZu] lCth Nqjk] e'kkyk xzkbZaMj] gksV dsflt] pikrh okeZj] jsÝjhtjsVj vkSj vU; ,sls midj.k ;k miLdj eqgS;k djk, x, gS(ok;q 'khryu iz.kkyh lfgr fpeuh vis{kk vuqlkj jlksbZ esa LFkkfir dh xbZ gSA

भोजन आपूर्ति उपभोग के समयrFkk LFkku ls lEcfU/kr vijk/kA	448. (1) कोई भी बन्दी उसके अपने उपभोग के लिए किसी समय पर आपूर्ति किए गए भोजन यापेय पदार्थ की कोई वस्तु छिपाएगा नहीं, जलाएगा नहीं, नष्ट नहीं करेगा या किसी अन्य बन्दी को अन्तरणनहीं करेगा और प्रत्येक बन्दी प्रयोजन के लिए विहित समय पर अपने भोजन का उपभोग करेगा। (2) महानिदेशक द्वारा उस निमित्त जारी निर्देश, यदि कोई हो, के अध्यधीन, अधीक्षकसमय-समय पर समय विहित करेगा, जिस पर बन्दियों को भोजन परोसा जाना है तथा अवधि, जिसकेभीतर बन्दियों को अपना भोजन करना है और रीति जिसमें तथा स्थान, जिस पर भोजन का वितरण कियाtkuk gSA (3) कोई भी बन्दी कारागार रसोई से परोसे गए भोजन का उपभोग करने से इनकार नहींकरेगा। जानबूझकर भोजन करने से इन्कार करने को बड़े कारागार अपराध के रूप में समझा जाएगा।किसी बन्दी द्वारा भोजन करने से इनकार करने की स्थिति में, चिकित्सा अधिकारी को कृत्रिम भोजन देनेका तरीका अपनाना चाहिए, यदि उसकी राय में, उसकी शारीरिक स्थिति ऐसी है कि बन्दी को जिन्दारखने के लिए केवल कृत्रिम भोजन का तरीका ही उपलब्ध है। कृत्रिम भोजन की वास्तविक कार्यवाहीचिकित्सा अधिकारी या उसके चिकित्सा अधीनस्थ द्वारा की जानी चाहिए।

	fVIi.k& यदि कोई बन्दी भोजन की अपर्याप्त मात्रा प्राप्त करने के बारे में शिकायत करता है, तो डयूटी पर स्टाफ सदस्य तुरन्त भोजन का तोल करेगा और यदि कम पाया जाता है, तो कमी को ठीक किया जाएगा और यदि भोजन पुष्टिकर नहीं है, तो ऐसा स्टाफ सदस्य, आगामी उपचारी उपाय करने के लिए शिकायत के बारे में उप अधीक्षक (प्रशासन) को lwfpr djsxkA
fpfdRlk अधिकारी द्वाराभोजन तथा रसोई घर कीtkap djukA	449. चिकित्सा अधिकारी,- (K)प्रतिदिन भोजन की जांच करेगा तथा यदि इसकी गुणवता में त्रुटियां पाई जाती हैं, तो तथ्यों को रसोई रिपोर्ट पुस्तक में इन्द्राज करेगा; ¼[k½ vfuf'pr le; ij rFkk lIrkg esa de ls de ,d ckj] jlksbZ&?kj dk fujh{k.k djsxk rFkk LokLF;&foKku rFkk lQkbZ dh fLFkfr dh tkap djsxk rFkk v/kh{kd dks fjiksVZ djsxk(¼x½ jlksbZ&?kj esa vkcafVr Je ij lHkh lgokfl;ksa dh lEiw.kZ :i ls tkap djsxk rFkk lqfuf'pr djsxk fd os fdlh laØe.k ls ihfM+r rks ugha gSA mlds ckn mudh ekl esa ,d ckj tkap dh tk,xh(

	¼?k½ tc Hkkstu idk;k tkrk gS rFkk forfjr djus ds fy, rS;kj gS] rks tkap djsxk rFkk dHkh&dHkkj cUnh dks forj.k djus ds ckn viuh mifLFkfr esa ,sls Hkkstu dks rqyok,xk तथा अपनी रसोई रिपोर्ट पुस्तक में परिणाम इन्द्राज करेगा।
भोजन का fujh{k.k djukA	450. अधीक्षक सप्ताह में दो बार बन्दियों के आहार के लिए तैयार भोजन का निरीक्षण करेगा। अन्य दिनोंमें, उप अधीक्षक (प्रशासन) प्रतिदिन भोजन की जांच करेगा।
LFkkukUrj.k ij बन्दी का भोजन।	451. (1) स्थानान्तरण पर बन्दी या जब कभी न्यायालय में भेजा जाना हो, तो वह जाने से पहले पकेहुए राशन का आहार प्राप्त करेगा। (2) यदि यात्रा बारह घण्टे से अधिक है, तो पुलिस एस्कोर्ट का प्रभारी अधिकारी, यात्रा के दौरानभोजन की खरीद के लिए प्रति बन्दी भोजन के साधारण आहार खर्च की दर पर प्रत्येक बन्दी के लिएजीवन-निर्वाह भत्ता प्राप्त करेगा। जीवन-निर्वाह भत्ता या आकस्मिक अपेक्षाओं के लिए सभी अग्रिमों काअधिकारी, जिसकों धनराशि सौंपी गई है, द्वारा हिसाब दिया जाएगा। (3) पुलिस एस्कोर्ट की यह देखने की डयूटी होगी कि बन्दी, जो पहले कारागार में नहीं रहे हैं,उन्हें कारागार में लेने से पूर्व कारागार में देरी से आने की संभावना से अपना भोजन पहले ही ग्रहण करचूके हैं। बिना भोजन के बन्दियों को सांय 4:00 बजे के बाद कारगार में भरती नहीं किया जाएगा।

lHkh oLrq,a तोली जानी हैं।	अनुभाग**II** भोजन तैयार करना 452. आहार की सभी वस्तुएं, जब भी सम्भव हों, पकाने हेतु तैयार करने के लिए तैयार स्थिति में रसोईयांमें तोली जाएगी। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित हिदायतों का पालन किया जाएगा, अर्थात्:-

	¼d½ ¼[k½	vukt Hk.Mkj ls dPps jk'ku dks tkjh djrs le; v/kh{kd }kjk fu;r fd;k tk,xk rFkk dM+kbZ ls ikyu fd;k tk,xk(vkVk pDdh esa ihlus ls iwoZ xsgwa] iw.kZ :i ls /kwy] dPps vukt rFkk fdlh vU; gkfudj

पदार्थों से मुक्त की जानी चाहिए;

¼x½	jlnkj] rktk lfCt;ka] ;fn miyC/k gksa] 'kq"d lfCt;ksa ij vf/keku nsdj vkgkj&lEcU/kh vUo; esa iz;ksx esa ykbZ tk,axh mUgsa MaBy] lM+u rFkk rUrqe; Hkkx ls eqDr fd;k tk,xk

और तौलने से पहले पात्र में काट कर तैयार की जाएगी।

भोजन से lEcfU/kr iSekuk] Hkkj] eki rFkk f'kdk;rsaA	453. उचित रूप से समायोजित प्लेटफार्म, बीम तराजू तथा सही बाटों का थोक तथा व्यक्तिगत राशनकी आपूर्ति को तोलने के लिए प्रत्येक कारागार में प्रयोग किया जाएगा। उन्हें अधीक्षक द्वारा बार-बारनिरीक्ष[ित किया जाएगार्। इंट, पत्थर या किसी अन्य वस्तु के टुकड़ों को उचित बाटों के स्थान पर नहीं रखेजाएंगे। विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 (2010 का केन्द्रीय अधिनियम 01) के अनुसार समय-समयपर निरीक्ष[ित बाट सभी भोजन जो पैमाने के अनुसार ही दिया जाना है, का वितरण करने के लिए पर्याप्तसंख्या में रखे जांएगे। राशन की मात्रा, गुणवत्ता या पकाने से सम्बन्धित बन्दियों की सभी शिकायतों कोप्रथम अवसर पर ही अधीक्षक के ध्यान में लाया जाएगा।

भोजन पकाने केदौरान सफाई ।	454. (1) vo';dr rjg l T;knk u भाग बिन LoPN r djk;k t (2 vFkkZr~%&	) jl kulkj u ,d gh gh gkuk k ids u Fkk lkQ k,xkA) fof	kb;k] mfpr lko/kkuh rFkk /; मक और पानी क साथ धीर-धीरमाटाई की होनी चाहिए। पके हुएचाहिए, भोजन को धीर-धीर पकाk jgA lHkh idku okys cru -सुथरी होना चाहिए। जहां तक HkUu vuktk dh lQkbZ rFkk i	ान स भोजन तयार करन की डयटी करगs rFkk vPNh rjg l xaW/kk tk,xkA iR;d p pkoyk dk Hkkj viu 'kq"d Hkkj l 2-5 l 3 ;k tk,xk rkfd lrg ty u ld] tcfd lkQ rFkk pedhys j[k tku pkfg, rFkk j साध्य हो बर्तन साफ करन क लिए गम पा छाडने क लिए अधिकतम अनुमत हानि निम्ना	kA vkVk] ikrh ijh xquk ls vUn:uh lkbZ&?kj uh eg;k uqlkj gS]
			oLrq	अनुमत हानि का प्रतिशत	
		(K)	xsgwa	3 %	
		(b)	nkysa	2 %	
		(c)	lCth	10 %	
		(d)	dkWUMheSUV elkys	2 %	

रसोई-घर काप्रभार।	455. (1) प्रत्येक रसोई-घर मासिक आधार पर मुख्य वार्डर या वार्डर के प्रभार के अधीन रहेगी, जिसेभोजन को तैयार करने के सम्बन्ध में किसी अनियमितता की पहचान के लिए जिम्मेवार ठहराया जाएगा। (2) रसोई-घर के प्रभारी मुख्यवार्डर या वार्डर यह देखने के लिए जिम्मेवार होंगे कि भोजनपकाने वाले सभी बर्तन तथा अन्य उपकरण ईमानदारी से चमकीले तथा साफ रखे गए है। रसोई-घर हरसमय पर स्वच्छ तथा साफ-सुथरी होगी। (3) रसोईया, रसोई-घर में कार्य करते समय टोपी, एप्रन, मास्क, दस्तानों आदि का प्रयोगकरेगा। रसोईयों के लिए कार्य करने से पहले तथा बाद में अपने हाथ उचित रूप से साफ करने कीपर्याप्त व्यवस्था होगी। भोजन को हाथों से सम्भालना अवांछनीय है तथा उसका परिहार किया जाएगा।
भोजन के दौरानमौसम से laj{k.kA	456. बन्दियों को भोजन करने के दौरान वर्षा तथा तीव्र गर्मी से सुरक्ष्ित किया जाएगा। यदि साधारणभोजन करने के स्थानों पर छत नहीं है तो उन्हें बरामदे, या यदि आवश्यक हो, कार्य-शेडों या वार्डों में याजहां कहीं शरणस्थान पाए जा सकते हों, उन्हें बैठने के लिए अनुमत किया जा सकता है।
भोजन के forj.k esa अधिकारियों कीftEesokjhA	457. (1) भण्डारी, अनाज भण्डार में अनाज तथा अन्य वस्तुओं की उचित सफाई तथा रसोई-घर को उनका सही निर्गम करने तथा आटा-मिलों में अनाज की पिसाई कराने के लिए जिम्मेवार होगा। (2) उप अधीक्षक (प्रशासन), बैरकों के कार्यकारी प्रभारी तथा बैरक प्रभारी किसी बन्दी या बन्दियों की श्रेणी के लिए अधिकथित पैमाने के अनुसार सही रूप से बन्दियों को भोजन के सही वितरण के

	लिए जिम्मेवार होगा। (3) अधीक्षक द्वारा विधिवत, नामांकित भेषजी अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी के नियन्त्रण केअधीन अस्पताल में भरती बन्दियों के लिए भोजन तैयार करने हेतु जिम्मेवार होगा।
उपकरणों कीtkap djukA	458. (1) रसोई-घर तथा बेकरी के प्रभारी मुख्य वार्डर या वार्डर, औजारों, उपकरणों तथा बर्तनों तथा उसमें रखी अन्य सम्पति के रिकार्ड, सुरक्ष्ित रखने तथा उचित रखरखाव के लिए जिम्मेवार होगा। (2) उप अधीक्षक (प्रशासन), रसोई-घर तथा बेकरी में सभी औजारों, उपकरण तथा बरतनों को रसोई-घर बेकरी में किसी दुर्घटना जैसे कि अग्नि, विद्युत आधात, पलायन आदि से बचानै के लिए उचित :i ls j[kok,xkA
रसोई-घर,रसोइए काlp;uA	459. (1) प्रत्येक पच्चीस बन्दियों के लिए एक बन्दी रसोइया, सहायक नियोजित किया जा सकता है। एक प्रशिक्ष्ित पूर्ण कालिक रसोइया भोजन पकाने तथा खान-पान में बन्दियों का मार्ग दर्शन तथा प्रशिक्ष्ित करने के लिए पांच सौ बन्दियों के लिए नियुक्त किया जाएगा। (2) बन्दी रसोइया अच्छे आचरण के निष्कपट तथा परिश्रमी बन्दियों में से चयनित किया जाएगा। जहां तक सम्भव हो, रसोइया समय-समय पर बदला जाना चाहिए। किसी भी बन्दी को अलग से अपना स्वयं का भोजन बनाने के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा। भोजन में किसी चोरी या हेर-फेर रोकने ds fy, mudh fuxjkuh j[kh tk,xhA
भोजन बनाने केlEcU/k esa vU; micU/kA	460. (1) भोजन जंगरोधी स्टील के बरतनों में बनाया जा सकता है। हर भोजन को बनाने के बरतनसाफ तथा चमकदार रखे जाएंगे तथा रसोई तथा खाना खाने वाला स्थान भी स्वच्छ तथा साफ-सुथराहोना चाहिए। (2) यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा कि सभी बर्तन, जिसमें दूध रखाजाता है, पूर्णरूप से स्वच्छ है। सभी बर्तन उपयोग के बाद तुरन्त उबलते पानी से साफ तथा स्वच्छ किएजाएंगे। उन्हें गंदा नहीं छोड़ा जाएगा।

	(3) बने हुए और भोजन के उसका वितरण करने तक ढक कर रखा जाएगा तथा बिगड़ने वालीवस्तुओं के भण्डारण के लिए उचित व्यवस्था (फ्रीजर, रेफ्रिजरेटर इत्यादि के रूप में) की जाएगी। (4) अधीक्षक तथा चिकित्सा अधिकारी भोजन, आपूर्ति के पर्यवेक्षण में परम चैकसी का प्रयोगकरेगा तथा जब भोजन बन गया हो तथा बन्दियों को वितरण के लिए तैयार है, तो वे नित्यचर्या निरीक्षणके अतिरिक्त सप्ताह में कम से कम एक बार आकस्मिक निरीक्षण करेंगे। इन निरीक्षणों पर वितरित भोजनको भार और स्वाद की भी जांच की जाएगी। (5) बन्दी रसोइए द्वारा भोजन या पैमाना में की गई हेर-फेर को बड़े अपराध के रूप में मानाtk,xkA (6) अधीक्षक द्वारा बन्दियों को उनकी बैरकों या वार्डों के प्रागंण में तालाबन्दी के दौरान उनकोवितरित गए कारागार भोजन को गर्म करने के लिए अनुमत किया जा सकता है। तथापि, ऐसी सुविधाउच्च सुरक्षा अहातों में रहने वाले बन्दियों को मुहैया नहीं कराई जाएगी।

Hk.Mkj dh fujh{k.kA	461-[kk|ku fVIi.kh lUrk"k fd;k fuEufy	bles bld k] nkyk] elk vfHkfyf[kr tud ugh g tk,xkA ;fn खित अधिका	अनुभाग-**III** vukt dk Hk.Mk.k नीच वण◌र्ित सदस्यो से मिलकरबनन वाली निरीक्षण समिति,yk vkfn dh lHkh vkifrZ;k dk fujh{k.k djxh rFkk bldh djxh rFkk Lo; dk bldh ek=k dh mi;Drrk d ckj e ै या नियन्त्रित नमने क तुल्य नही है या मात्रा कम है, तोयह सही पाया जाता है, ता उसे भण्डार के लिए अनमोदिjh@depkjho`U) dk feykdj cukbZ tk,xh] vFkkZr~%&	dkjkxkj Hk.Mkj xq.kork ds ckjs e lUr"V djsxhA ;f if"kr eky Lohd r fd;k tk,xkA	ea ikIr s viuh n ek=k `r ugh lfefr
		(K)	v/kh{kd	v/;{k	
		(b)	चिकित्सा अधिकारी	lnL;	
		(c)	उप अधीक्षक(प्रशासन)	lnL;	
		(d)	सहायक अधीक्षक (भोजनालय प्रभारी)	lnL;	
		(e)	Hk.Mkjh	lnL;	
Hk.Mkj.k ds fy, ftEesokjhA	462. अधीक्षक, उप-अधीक्षक (प्रशासन) तथा भण्डारी को समय-समय पर महानिदेशक द्वारा यथाvo/kkfjr vkiwfrZ lhek rFkk miyC/k Hk.Mkj.k d{k esa miyC/krk ds v/;/khu] vukt ds Hk.Mkj.k dh उचित व्यवस्था के लिए जिम्मेवार ठहराया जाएगा। जहां तक सम्भव हो, अनाज, इसको तैयार करने मेंनियोजित व्यक्तियों के सिवाए, सभी बन्दियों की पहुंॅच से बाहर रहेगा। अनाज थैलों में भण्डारित कियाtk,xk rFkk u fd <sj esa Hk.Mkfjr fd;k tk,xkA			
vukt dk Hk.Mkj.k rFkk ckn esa ns[kHkkyA	463. (1) vukt dk rc rd vfUre :i ls Hk.Mkj ugha fd;k tk,xk tc rd ;g lEiw.kZ :i ls सूख नहीं जाता तथा यदि यह गीला है, तो इसे कुछ दिनों के लिए धूप में फैलाया जाएगा तथा बाद मेंप्रायः उसे निकाला जाएगा, किन्तु रात में खुला नहीं छोड़ा जाएगा। सारा अनाज, पक्ष◌ियों, कीड़े मकोड़ोंतथा कीटों से सुरक्ष◌ित किया जाएगा तथा ताले तथा चाबी के अधीन सुरक्ष◌ित किया जाएगा। भण्डारणगोदाम या भूमिगत कक्षों को कीटों से दूर रखने के लिए समय-समय पर उचित रसायनों से धुम्रीकृत कियाजाएगा। इसे भण्डार या गड्ढ़े की दीवारों तथा फर्श से कम से कम एक फुट तक अलग रखा जाएगा, यहदेखने के लिए जांच की जाएगी कि यह क्षतिग्रस्त तो नहीं हो रहा है। यदि क्षति या सड़न के लक्षणदिखाई देते हैं, तो सारे अनाज को निकाला जाएगा, धूप में रखा जाएगा, साफ किया जाएगा तथा पुनःभण्डारित किया जाएगा। यदि कोई हानि होनी पाई गई है, तो परिस्थितियों की सम्पूर्ण रिपोर्ट महानिदेशकको की जाएगी।			

	(2) अनाज, दालें तथा आटा को बारदानों में अनाज लागत भण्डार में रखा जाएगा, प्रत्येक मेंप्रावधान के अनुसार एक समान भार का उल्लेख हो (प्रत्येक थैले पर भार अंकित होना चाहिए) या उन परमुद्रित क्षमता चिह्न सहित धानियों में रखा जाएगा। पात्रों का भार, जिनमें मसाले तथा तेल तथा घी तथाअन्य वस्तुएं रखी गई है, स्टाक की जांच या सत्यापन को सुकर बनाने के लिए अंकित किया जाएगा।
dkjkxkj Jfed का उपयोग; tkjh dh xbZ dPph lkexzh ls mRiknu dk feykuA	464- जहां तक साध्य हो, बन्दियों के भोजन के लिए अपेक्षित आहार की सभी वस्तुओं को कारागारHkwfe ij mRiUu rFkk dkjkxkj Jfed }kjk rS;kj fd;k tk,xkA tc oLrq,a [kjhnh tk,a] os dPph gkyr में होंगी, ताकि कारागार श्रमिक उन्हें तैयार करने में उपयोग कर सकें तथा किफायत की जा सके। तैयारकरने के लिए जारी किसी प्रकार के खाद्य-पदार्थ की मात्रा उससे प्राप्त तैयार सामग्री की वापसी से प्रायःमिलाई जाएगी तथा अधीक्षक तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) दोनों स्वयं की सन्तुष्टि करेंगे कि कोई भीबरबादी या अप्राधिकृत हानि नहीं हो। यह विशेष रूप से आटा तथा तेल के उत्पादन में भी लागू होती है,जो जारी किए गए अनाज के आनुपातिक होगी।

oL=] fcLrj] twrs rFkk प्रसाधन lkexzh dh vkiwfrZA	v/;k; 26 वस्त्र, बिस्तर, जूते तथा प्रसाधन सामग्री 465. (1) अधिनियम की धारा 31 तथा 33 के उपबन्धों के अध्यधीन, बन्दियों को वस्त्र, बिस्तर, जूतेतथा प्रसाधन सामग्री इन नियमों द्वारा शासित होंगी। (2) बन्दी को स्वयं को बनाए रखने तथा उचित समय पर प्राईवेट स्रोत से वस्त्र, बिस्तर याप्रसाधन सामग्री खरीदने या प्राप्त करने के लिए अनुमत किया जाएगा किन्तु जो जांच तथा समय-समयपर, सरकार या महानिदेशक द्वारा जारी ऐसे मार्गदर्शनों या हिदायतों के अध्यधीन होगी: परन्तु कोई भी वस्तु किसी बन्दी को अनुज्ञात नहीं की जाएगी यदि,- (क) वह स्वास्थ्य के लिए हानिकर है; या (ख) वह मदोन्मत स्वापक या मादक शराब है; या (c)og fdlh oftZr oLrq ls ;qDr ;k xqIr ds :i esa lafnX/k gSA (3) प्रत्येक बन्दी जो पर्याप्त वस्त्र, बिस्तर, जूते तथा प्रसाधन सामग्री स्वयं से उपलब्ध करनेमें असमर्थ है, को इन नियमों में यथा विहित अनुसार अधीक्षक द्वारा दी जाएंगी। बन्दी को जारी सभीवस्तुओं का रिकार्ड बन्दी की इत्तिवृत टिकट में रखा जाएगा। (4) कोई बन्दी जिसे कोई वस्त्र, बिस्तर, जूते या प्रसाधन सामग्री उप-नियम (3) के अधीनदी गई है, इस प्रकार दी गई किसी वस्तु से अन्यथा वस्त्र, बिस्तर, जूते या प्रसाधन सामग्री प्राप्त नहींकरेगा, रखेगा नहीं या प्रयोग नहीं करेगा या किसी वस्तु जिसकी प्राप्ति, स्वामित्व या प्रयोग अधीक्षकfdlh le; fdlh ,sls cUnh ds lEcU/k esa Lohd`r dj ldrk gSA (5) किसी बन्दी से सम्बन्धित वस्त्र, बिस्तर, जूते या प्रसाधन सामग्री का कोई भाग, किसीअन्य बन्दी को नहीं दिया जाएगा, किराए पर नहीं दिया जाएगा या न ही बेचा जाएगा तथा इस नियमके उपबन्धों का उल्लंघन करने वाला कोई बन्दी ऐसे समय के लिए जो अधीक्षक उचित समझे, प्राईवेटस्रोत से वस्तुएं प्राप्त करने के विशेषाधिकार खो देगा। (6) बन्दी जो संघ के सशस्त्र बल या केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के सदस्य हैं या के कारागारमें रहने के दौरान वर्दी पहनने के हकदार नहीं है। कोई ऐसा बन्दी जिसके पास उसकी वर्दी के सिवाए,कोई प्राईवेट वस्त्र नहीं है, बन्दियों के लिए मुहैया मापक्रम से अनधिक अधीक्षक द्वारा आवश्यक वस्त्रeqgS;k djok;k tk,xkA (7) किसी भी बन्दी को जाति, धार्मिक या राजनैतिक संबंधन के चिह्न या प्रतीक वाला कोईवस्त्र पहनने या कोई वस्तु रखने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

बन्दियों द्वाराdkjkxkj पोशाक iguukA	466. प्रत्येक बन्दी विहित कारागार पोशाक पहनेगा। बन्दी के वस्त्रों पर कोई जेब नहीं होगी या पंक्तिमें खुली जगह नहीं होगी। सभी वस्त्र राज्य की प्रथा के अनुसार होंगे। बन्दियों को उनके शारीरिकमाप के अनुकूल पोशाक मुहैया करवाई जाएगी: परन्तु बन्दी को प्राईवेट वस्त्र पहनने के लिए अनुमत किया जा सकता है जब,- (क) न्यायालय में हाजिर होने के लिए; (ख) दूसरी कारागार में स्थानांतरण पर; (c) रिश्तेदारों या विधिक वकील से मुलाकात करने; या (d) हवालात समय के दौरान: परन्तु यह और कि महानिदेशक, किसी समय पर अपने विवेक से इस निमित्त साधारण याविशेष आदेश द्वारा साधारण कारावास से दण्डादिष्ट किसी बन्दी के सम्बन्ध में इस नियम के उपबन्धोंसे छूट ऐसी शर्तों (यदि कोई हों) के अध्यधीन दे सकता है, जो वह इस निमित्त अधिरोपित करनीmfpr le>sA
oL= bR;kfn ds lEcU/k esa ftEesokjhA	467. (1) सरकार तथा महानिदेशक की ऐसे सभी उपाय करने के लिए जिम्मेवारी होगी, जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों कि प्रत्येक बन्दी को हर समय युक्तियुक्त सुख में तथा अच्छे LokLF; esa mls cuk, j[kus ds lEcU/k esa oL= rFkk fcLrj fn, x, gSaA (2) सभी सम्भव अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वस्त्रों का पर्याप्त स्टाक प्रत्येक कारागार ds Hk.Mkj esa j[kk tk,xkA

बन्दियों कावस्तुओं कीns[kHkky bR;kfn ds lEcU/k esa vkns'k ds vuqlkj pyukA	468. प्रत्येक बन्दी जिसे वस्त्र या बिस्तर या अन्य उपकरण की कोई वस्तु किसी समय दी गई है, कीदेखभाल, अभिरक्षा तथा प्रयोग, जैसी भी स्थिति हो, के सम्बन्ध में ऐसे सभी आदेशों के अनुसार चलेगा,जो महानिदेशक के इस निमित्त निर्देशों (यदि कोई हों) के अध्यधीन समय-समय पर, अधीक्षक द्वाराtkjh dh tk,aA ,slh fdlh oLrq dk tkucw>dj fouk'k dkjkxkj vijk/k le>k tk,xkA			
oL=] fcLrj] twrs rFkk प्रसाधन lkexzh dk ekiØeA	469. (gS%& (ls 31 xehZ ;k ((dEcy mfpr	1) वस्त्र, बिस्तर तथा जूतों का निम्नलिख्ि	kr ekiØe cfUn;k d fy, fofgr fd;k x;	k j , r j

iq:"k	
ik;tkek@dqrkZ&2 lsV izfr o"kZ ¼lQsn½	
vUnj ds diM+s&3 lsV izfr o"kZ	
VkWoy&3 izfr o"kZ	
Lyhij&,d izfr o"kZ	
ns'kh twrs&,d izfr o"kZ	

	efgyk
	lyokj] deht] pquUh&2 lsV izfr o"kZ ¼vklekuh uhyh½ ¼lkM+h }kjk izfrLFkkiuh;½ ¼vklekuh uhyh½
	vUnj ds diM+s&3 lsV izfr o"kZ
	VkWoy&3 izfr o"kZ
	Lyhij&,d izfr o"kZ
	ns'kh twrs&,d izfr o"kZ

fVIi.k% (	tqjkc&2 tksM+s lwrh rFkk ,d tksM+h Åuh izfr o"kZ njh&,d izfr rhu o"kZ pn~nj&2 izR;sd nks o"kZ dEcy&,d izfr rhu o"kZ 'kkf;dk ds vkdkj dh jcM+ ;k vU; ,slh lkexzh dh cuh pVkbZ&izfr rhu o"kZ esa ,dA (2) ग्रीष्म-ऋत क रूप मे प्रथम अप्रैल स ekp rd le>h tk,xhA rFkkfi] egkfun'kd सर्दी क प्रारम्भ का उपयक्त रूप से पहले य (3) सर्दी म, एक अतिरिक्त कम्बल प्रत्यक (4) तीव सर्द मौसम के दौरान, अधिमानतः कम्बल अपेक्षा के अनुसार बन्दी को दिया जा सकता है। lnhZ ds ckn vfrfjDr dEcy cfUn;ka ls ok mfpr mik; djds Hk.Mkj fd, tk,axsA &धुलने योग्य वस्त्र आवरण के साथ कम्बल (5) बन्दियो क लिए प्रशाधन सामग्री का नि	tqjkc&2 tksM+s lwrh rFkk ,d tksM+h Åuh izfr o"kZ njh&,d izfr rhu o"kZ pn~nj&2 izR;sd nks o"kZ dEcy&,d izfr rhu o"kZ 'kkf;dk ds vkdkj dh jcM+ ;k vU; ,slh lkexzh dh cuh pVkbZ&izfr rhu o"kZ esa ,dA 30 सितम्बर तक तथा शीत-ऋतु प्रथम अक्तूबअभिभावी मौसम स्थिति का ध्यान मं रखते हुk njh l dj ldrk gA cUnh dk fn;k tk,xkA 15 fnlEcj ls 15 Qjojh rd ,d vfrfjD gSA पस ल लिए जाएग तथा इन नियमा क अनसा miyC/k djok;k tk,xkA Eufyf[kr ekiØe fofgr fd;k x;k gS %&	
	iq:"k	efgyk	
	सरसों का तेल 50 एम. एल. साप्ताहिक	सरसों का तेल 100 एम. एल. साप्ताहिक	
	एक कंघी प्रति वर्ष	एक कंघी प्रति वर्ष	
	नहाने का साबुन 200 ग्राम प्रति मास	नहाने का साबुन 400 ग्राम प्रति मास	

		कपड़े धोने का साबुन 500 ग्राम प्रतिमास	कपड़े धोने का साबुन 500 ग्राम प्रतिमास	
		प्रक्षालक/धुलाई पाऊडर 50 ग्राम प्रतिIrkg	प्रक्षालक/धुलाई पाऊडर 50 ग्राम प्रति सप्ताह	

cUnh अधिकारियोंds oL=A	470. (1) पुरूष बन्दी अधिकारी साधारण पुरूष बन्दियों के अनुसार किन्तु भूरे (ग्रे) रंग के वस्त्र dh ogh oLrq,a igusaxsA (2) महिला बन्दी अधिकारी साधारण बन्दियों के अनुसार किन्तु गुलाबी रंग के वस्त्र की वही oLrq,a igusaxsA (3) रात के समय बैरकों के बाहर डयूटी करने वाले बन्दी अधिकारियों को सर्दी के मौसम के दौरान गर्म जर्सी या ऊनी शाल मुहैया करवाई जाएगी।
dfri; बन्दियों को dkjkxkj oL= bR;kfn dh vkiwfrZA	471. अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों के अधीन किसी बन्दी को दिए गए सभी वस्त्र, बिस्तर,जूते तथा प्रसाधन सामग्री बन्दियों को दी गई अनुसार उसी किस्म की होगी: परन्तु उनके वस्त्र का रंग पहचान की सुगमता के लिए बन्दियों के वस्त्र के रंग से भिन्न होगा।
सहवासियोंको वस्त्र vkfnA	472. (1) सहवासियों को दिए जाने वाले वस्त्र, बिस्तर आदि जो कारागार में रहने के लिए अनुमत है, ऐसे होंगे, जो चिकित्सा अधिकारी प्रत्येक विशेष मामले में विनिर्दिष्ट करें। (2) प्रत्येक बालक को स्थानीय जलवायु अपेक्षाओं के अनुसार तथा साधारणतः मुक्त समूह में बालक द्वारा प्रयुक्त वस्त्रों के समरूप प्रत्येक छह मास में वस्त्रों का एक सेट दिया जाएगा।
सभी वस्तुओंdh ekud i)frA	473. वस्त्र, बिस्तर, जूते तथा प्रसाधन सामग्री की सभी वस्तुएं महानिदेशक द्वारा अनुमोदित मानकपद्धति की होगी तथा प्रत्येक बन्दी के मामले में, बिस्तर तथा कम्बल के अपवर्जन सहित सभी समयmlds ikl jgsxhA
वस्तुओं कोlfpfg~ur djukA	474. जहां तक साध्य हो, प्रत्येक बन्दी को जारी किए गए वस्त्र, बिस्तर, जूते तथा प्रसाधन सामग्रीउपयुक्त रीति में लोगो सहित बन्दी की एक विशिष्ट पहचान संख्या चिह्ित की जाएगी।
वस्तुओं का vfUre le; अनुपयोगी वस्त्रों का fuiVkuA	475. (1) नियम 469 के उप नियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर वस्त्र तथा बिस्तरमदों की सभी वस्तुओं को अधीक्षक के सम्मुख लाया जाएगा, जो प्रत्येक ऐसी मद का निरीक्षण करेगातथा उसे नकारा घोषित करेगा यदि वह अनुपयोगी पाई जाती है। (2) अधीक्षक द्वारा नकारा घोषित की गई सभी वस्त्र वस्तुओं को उसके आद्यक्षर के अधीनलेखों से अपलिखित करेगा। ऐसे भाग जो अन्य वस्त्रों से मरम्मत करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं,इस प्रयोजन के लिए अलग कर दिए जाएंगे तथा भण्डार में वापस नहीं किए जाएंगे। बाकी को छोटेटुकड़ों में काट दिया जाएगा। रूई के टुकड़े निकटतम कारागार में भेजे जा सकते हैं, जो कागज कानिर्माण करते हैं तथा उनके लिए अपेक्ष्ित हो; ऊनी टुकड़े बेहतर फायदे के लिए निपटा दिए जाएंगे।

वस्त्रों काforj.kA	476. बन्दियों को कारागार में प्रवेश के समय पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर नए वस्त्रदिए जाएंगे। वस्त्र या बिस्तर जो पहले ही प्रयोग में तथा प्रयोज्य स्थिति में है को पुनः जारी कियाजा सकता है। ऐसे सभी वस्त्र तथा बिस्तर मदों को पुनः जारी करने से पूर्व उचित रूप से साफ तथाविसंक्रमित किया जाएगा। यदि वस्त्र तथा बिस्तर जो पहले ही प्रयोग में है जारी किए गए है, तो तथ्यइत्त्ािवृत-टिकट पर नोट किया जाएगा।
fpfdRlk अधिकारी	477. चिकित्सा अधिकारी, अधीक्षक के अनुमोदन से किसी समय पर चिकित्सा आधार पर तथा किन्हींबन्दियों के स्वास्थ्य के लाभ के लिए किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए या वर्ष के किसी मौसम के दौरान

vfrfjDr वस्त्रों के vkns'k ns ldrk gSA	किसी ऐसे बन्दी या बन्दियों के किसी प्रवर्ग को अतिरिक्त वस्त्र या बिस्तर जारी करने के निर्देश देldrk gSA
vLirky esa प्रवेश पर vLirky वस्त्रों की प्रक्रिया।	478. (1) अस्पताल में भरती बन्दियों को साधारणतः दो चद्दरों सहित भरा हुआ गद्दा, एकतकिया तथा तकिया कवर, शय्यागत मेज तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं चिकित्सा अधिकारी की सलाहds vuqlkj eqgS;k djkbZ tk,axhA (2) अस्पताल प्रयोग के लिए वस्त्र तथा बिस्तर की सभी वस्तुएं हरे रंग की होंगी या विशेषरूप से सुभिन्न के रूप में चिह्ित की जाएंगी। प्रत्येक बन्दी के वस्त्र अस्पताल में उसके प्रवेश परउससे ले लिए जाएंगे तथा सम्पूर्ण अस्पताल सज्जीकरण प्रतिहस्त किए जाएंगे। बन्दी के वस्त्र साफकिए जाएंगे तथा उसके निर्मुक्त होने तक अस्पताल भण्डार-कक्ष में रखे जाएंगे जब उसको वापसकिए जाएंगे। मृत्यु के मामले में, वस्त्र नष्ट किए जाएंगे, यदि चिकित्सा अधिकारी ऐसी कार्यवाहीआवश्यक समझे। चिकित्सा अधीनस्थ अस्पताल वस्त्र गोदाम तथा उसमें भण्डारित वस्तुओं की देखभालके लिए जिम्मेवार होंगे।
LokLF; ykHk djus ds fy, vfrfjDr oL=A	479. स्वास्थ्य लाभ करने वाले समूह में बन्दी को 15 दिसम्बर से 15 जनवरी तक अतिरिक्त कम्बल,ऊनी पायजामा तथा पुराने कम्बलों का बनाया गया कमरबन्द कोट मुहैया कराया जाएगा।
बन्दियों को dfri; le; ij iqjkus oL= nsukA	480. प्रत्येक बन्दी जो किसी प्रकार के श्रम में नियोजित है जो वस्त्रों का विनाशक है या विशेष रूपसे उसे मैला करता है, को वस्त्रों के साधारण मापक्रम के अतिरिक्त आवश्यकता के अनुसार डांगरी याकोई अन्य उचित वस्त्र दिए जाएं।
वस्त्रों कोउपयोगी j[kukA	481. प्रत्येक बन्दी के वस्त्र तथा उपकरण आवश्यकता होने के अनुसार मरम्मत किए जाएंगे; किसीभी बन्दी को फटे-पुराने तथा अनुपयोगी वस्त्रों में रहने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। एक याअधिक बन्दी दर्जी परिस्थितियों के अनुसार वस्त्रों की मरम्मत करने की स्थिति में रखने के लिएनियोजित किए जाएंगे।
बन्दियों केवस्त्रों को धोना।	482. कम्बल तीन मास में एक बार तथा अस्पताल वस्त्र तथा बिस्तर अल्प अन्तरालों पर इस कार्य केलिए विशेष रूप से अलग से रखे गए व्यक्तियों के समूह द्वारा उबाले हुए पानी में साफ किये जाएंगे।rkfd bls lqO;ofLFkr :i ls rFkk lEiw.kZ :i ls fd;k tk lds] bls okMZ ls okMZ rd fd;k tk,xkA प्रत्येक कारगार में कम्बलों तथा नए रूप से भरती बन्दियों के वस्त्र तथा अस्पताल मरीजों के वस्त्र भीउबालने तथा साफ करने के लिए बायलर तथा निचोड़ने की मशीन मुहैया कराई जाएगी। क्थन सम्पूर्णरूप से करना चाहिए, जिससे वस्त्रों में कोई भी पीड़क जन्तु नहीं रह सके। सप्ताह में कम से कमएक बार जब मौसम बढ़िया हो, तो बिस्तर तथा कम्बल कम से कम तीन घण्टे के लिए धूप में रखेजाएंगे। साधारणतः इसे दोपहर के बाद करना चाहिए तथा बिस्तरों को बन्दियों के सांयकाल में कार्यसे वापस आने तक छोड़ा जाएगा।

oL= rFkk fcLrj dh ejEer] vuqj{k.k rFkk fujh{k.kA	483. वस्त्रों तथा बिस्तरों के साप्ताहिक अनुरक्षण तथा निरीक्षण के लिए एक दिन नियत किया जाएगा।बन्दियों की साप्ताहिक परेड में अधीक्षक उनके वस्त्रों तथा बिस्तरों पर विशेष ध्यान देगा तथा स्वयं कीसन्तुष्टि करेगा कि प्रत्येक व्यक्ति की किट सम्पूर्ण है तथा उचित स्थिति में है। बन्दी के वस्त्र तथाबिस्तर की प्रत्येक बाजू को धोने तथा साफ करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी।
dkjkxkj yk¡Mªh (धुलाई-घर)।	484. (1) सभी कारागारों में वस्त्र तथा बिस्तर की वस्तुओं को धोने के लिए उनकी अपनी धुलाई-घर सुविधा होगी। (2) सभी बन्दी अपनी पोशाके स्वयं धोएंगे। बन्दी धोबी का उनके लिए, जो बीमार हैं; नियोजन fd;k tk,xkA
oL= rFkk fcLrj dh vkiwfrZ dk i;Zos{k.kA	485. अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) की सभी समय पर क्रमशः स्वयं कीसन्तुष्टि करने की यह डयूटी होगी, कि,- (क) प्रत्येक बन्दी को उसके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पर्याप्त वस्त्र या बिस्तर मुहैया कराए x, gS(

	(ख) दिए गए सभी वस्त्र तथा बिस्तर विहित किस्म तथा गुण, साफ, अच्छी हालत में तथा बन्दी द्वारा सभी प्रकार से प्रयोग के लिए उपयुक्त है; तथा ¼x½ oL= ;k fcLrj dh lHkh oLrq,a fdlh Hkh le; izkIr gS rFkk dkjkxkj esa Hk.Mkj dh xbZ gSa ftUgsa izk;% fujf{kr fd;k tkrk gS rFkk fd lHkh oLrq,a tks fofgr fdLe rFkk xq.k esa fdlh Hkh izdkj ls vuqi;qDr ;k ?kfV;k gSa] mUgsa rqjUr vLohd`r fd;k tkuk gS rFkk cfUn;ksa ds iz;ksx ds fy, tkjh ugha dh tkrh gSaA
fjgkbZ ij प्राप्त वस्त्रों dk fuiVkuA	486. रिहाई पर बन्दियों से प्राप्त वस्त्र भण्डार में वापस किए जाएंगे। यदि आगे प्रयोग के लिए योग्यहैं, तो उसे धोने, विसंक्रमित या मरम्मत, यदि आवश्यक हो, करने के बाद पुनः जारी किया जाएगा,यदि योग्य नहीं हैं, तो उन्हें नियम 476 के अनुसार अधीक्षक के सम्मुख रखा जाएगा।
oL= ekaxi= की प्रस्तुति।	487. वस्त्र, बिस्तर आदि के लिए मांग-पत्र प्रत्येक वर्ष के 15 अप्रैल को या से पूर्व महानिदेशक कोदोहरी प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा। आवश्यकता को सावधानी से निर्धारित किया जाएगा ताकिअनुपूरक मांग-पत्र को प्रस्तुत करने की आवश्यकता का निवारण किया जा सके।
वस्त्र गोदामका प्रभार।	488. वस्त्र गोदाम उप अधीक्षक (प्रशासन) की साधारण जिम्मेवारी के अध्यधीन विश्वसनीय कर्मचारीके प्रभार में रखा जाएगा। ढेर तथा पीड़क-जन्तु की हानि तथा कीट कण्टक से वस्त्रों को बचाने केलिए मास में कम से कम एक बार धूप में उन्हें सुखाने तथा नैप-थेलीन गोलियों या अन्य उपयुक्तसाधनों का भरपूर प्रयोग करते हुए प्रत्येक सावधानी बरतनी चाहिए।
LFkkukarfjr ;k fjgk fd, गए बन्दियों ds oL=A	489. (1) स्थानांतरण पर बन्दियों के साथ भेजी गई वस्त्रों की वस्तुओं को उसकी इत्तिवृत-टिकटesa vfHkfyf[kr fd;k tk,xk rFkk LFkkukarj.k djus okyh dkjkxkj ds LVkd ls vifyf[kr fd, tk,axsA (2) रिहाई पर बन्दी, सरकार के खर्च पर उसको दिए गए (अन्दरूनी वस्त्र के सिवाए), बिस्तरतथा अन्य उपकरण की प्रत्येक वस्तु कारागार से उसकी रिहाई के समय पर समर्पित करेगा।

परिसरों कोlkQ j[kukA

v/;k; 27

lQkbZ rFkk LokLF;&foKku

490. (1) अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी, उप अधीक्षक (प्रशासन) तथा सभी अधीनस्थ अधिकारियोंकी कारागार तथा इसके पास-पड़ोस की सफाई से सम्बन्धित प्रत्येक ब्योरों पर विशेष ध्यान देने कीडयूटी होगी तथा मुलाकातियों की स्वयं की सन्तुष्टि के लिए प्रत्याशित है कि कारागार परिसरों केभीतर उचित सफाई का प्रबन्ध है।

(2) वार्डों, सैलों, कारखानों, अस्पताल तथा मनोरंजनात्मक क्षेत्रों की छतें तथा दीवारें नियमितरूप से साफ की जाएंगी। कारखाने में फर्श, उपकरणों, मशीनों तथा औजारों को कार्य के बाद प्रतिदिनlkQ fd;k tk,xkA

(3) स्थल, गिरे हुए पत्तों, अपतृण तथा सभी किस्म के कूड़े-करकट से मुक्त होगा। यहसुनिश्चित किया जाएगा कि घास पौधों को निकट से काटा जाएगा, उनकी चोटी कतरी की गई है,रास्ते मरम्मत करके रखे गए हैं, कच्चे नल निकासों को संवारा जाना है तथा उनके तल जब कभीआवश्यक हों पुनः ठीक किए जाएंगे। मौसमी फूल प्रत्येक मौसम में कारागार लॉनों के आसपास लगाएजाएंगे। बन्दियों के पुनर्वास पर सुधारक सेवाओं के प्रयासों की सहायता से उसके लिए सभी सम्भाव्यअवसरों की कारागार लॉनों के अनुरक्षण सहित खोज की जाएगी। जो लाभप्रद प्रतियोगी प्रयास बनसकता है जिसमें बन्दियों के विभिन्न अनुभागों से सम्बन्धित टीमों को लॉनों के रखरखाव में वरिष्ठकारागार कर्मचारियों द्वारा आखिरकार पुनरीक्ष्ाित तथा पुरस्कृत किए जाने के लिए लगाया जा सकताgSA

(4) जलनिकास तथा शौचालयों को श्रम साध्य रूप से साफ करना चाहिए तथा यह सुनिश्चितकरने के लिए कदम उठाने चाहिए कि कोई भी मलजल इसके रास्ते से बाहर न हो। किसी प्रकार कीहौदी कारागार अहातों के भीतर वर्जित है। गन्दे पानी के लिए जलमग्न नालियों के प्रयोग से बचा जासकता है। कारागार दीवारों के भीतर या निकट कोई भी कूड़ा-करकट या खाद गड्ढे अनुज्ञात नहींकिए जाएंगे। सभी भोजन जूठन खाने की प्लेटों तथा भोजन बनाने के बरतनों को धोने से पहलेकचरा-पेटी (डस्टबीन) में जमा किया जाएगा।

(5) जहां तक स्वास्थ्य विज्ञान तथा सफाई का सम्बन्ध है अस्पताल विशेष ध्यान देगा। गोदामसाफ, उचित रूप से व्यवस्थित, भली भान्ति संवातित रखे जाएंगे तथा उनकी विषय-वस्तुओं को जितनीबार सम्भव हो वायु विगोपन दिया जाएगा। पर्याप्त कदम स्टाफ तथा वार्ड/सैलों तथा अन्य कारागारअहातों से कृन्तक, छिपकली, तिलचटे, मक्खी, मच्छर तथा अन्य कीड़े-मकोड़े से पीछा छुड़ाने के लिएनियतकालिक अन्तरालों पर उठाए जाएंगे।

(6) कारागार क्षेत्र प्रतिदिन साफ किया जाएगा तथा सभी अवांछित पौधों, टूटी हुई ईंटों केसमूह, विनिर्माण रद्दी इत्यादि से मुक्त रखा जाएगा। रसोई जूठन तल पर फैंकी जानी अनुमत नहींकी जाएगी तथा उसे प्रयोजन के लिए मुहैया ढके हुए कूड़ा-धानी में प्रत्यक्ष रूप से जमा किया जाएगा,न ही किसी प्रकार का कूड़ा-कचरा कारागार में या के निकट एकत्र करना अनुज्ञात किया जाएगा। इनधानियों को सप्ताह में कम से कम एक बार कच्चे तेल से पोता जाएगा तथा विहित कीटनाशकों,तांतियानाशी, फफूंदनाशी से आस-पास स्प्रे किया जाएगा।

(7) रसोई तथा कैन्टीन उचित समय पर विहित मक्खी-रोधी घोल के मिश्रण से मक्खी मौसममें प्रतिदिन स्प्रे किया जाएगा।

(8) कारागार अहातों तथा अन्य परिसरों को नियमित विसंक्रमण तथा फोगिंग की जाएगी।

(9) प्रत्येक कारागार में महामारी या संक्रामक बीमारी के फैलने के दौरान सफाई का प्रबन्धतथा स्वास्थ्य-विज्ञान के बारे में मानक परिचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) निम्नलिखित स्पष्ट मार्गदर्शनोंdk ikyu fd;k tk,xk] vFkkZr~%&

(क) हस्त स्वास्थ्य-विज्ञान तथा खास शिष्टाचार;

(ख) सामाजिक दूरी;

(c) i`FkDdj.k(

(d) सहवासियों की सुरक्षा;

(e) LokLF; fuxjkuh(

(f) U;wure lapyu(

(six) संविदाओं की खोज तथा का पता लगाना; तथा

	(ज) एकान्त बैठक।

बन्दियों द्वारावार्डों तथा प्रांगणों को lkQ j[kukA	491. बन्दी अपने वार्डों तथा प्रांगणों को साफ रखने के लिए जिम्मेवार होंगे। ऐसा कार्य समूह आधारपर आबंटित किया जा सकता है ताकि सभी बन्दियों के संचित कार्य के माध्यम से प्रांगणों, बैरकों,सैलों को, सभी समय पर साफ-सुथरा तथा साफ रखा जा सके। सभी बन्दियों पर अपने वस्त्र, बिस्तरतथा उपकरण उचित रूप से धोकर, साफ तथा निसंक्रमित रखने के लिए अनिवार्य होगा।
बैरकों तथाअन्य भवनोंdh lQkbZA	492. (1) बन्दियों द्वारा अधिभोग की गई बैरकों, सैलों को प्रत्येक प्रातःकाल सम्पूर्ण रूप से साफ किया जाएगा। दरवाजों, खिड़की-सिल, जालियां तथा शटर की धूल झाड़ी जानी चाहिए तथा सभी /kwy rFkk feV~Vh gVkbZ tk,xhA (2) फर्श दिन में दो बार, प्रातःकाल में एक बार तथा दोपहर बाद एक बार गीले कपड़े से पोंछा लगाया जाएगा, रोगाणुनाशी से उपचारित किया जाएगा। (3) कारागार परिसरों की जब कभी आवश्यक हो सफेदी कराई जाएगी। (4) सभी स्नानघर तथा शौचालय एक दिन में दो बार, प्रातःकाल में एक बार तथा दोपहर बाद में एक बार धोए तथा विसंक्रमित किए जाएंगे। (5) रहने वाले क्षेत्र और अस्पताल भवन की भीतरी दीवारो को ब्रष और नियमित रूप से lkQ fd;k tk,xkA (6) सभी मेनहोलों तथा सीवरों को बन्द होने तथा ओवर फलो से रोकने के लिए समय-समय ij tkapk tk,xkA (7) सभी बिस्तर प्रत्येक सप्ताह में एक बार बाहर ले जाए जाएंगे तथा धूप में रखे जाएंगे। (8) साबुन सेनीटाईजरों सहित रसोई के प्रवेश द्वार पर पर्याप्त सफाई व्यवस्था उपलब्ध कराई tk,xhA
बन्दियों द्वाराप्रतिदिन स्नानdjukA	493. सभी बन्दी प्रतिदिन स्नान करेंगे।
mfpr eyty शोधन संयन्त्राfgr ¶yS'k शौचघर।	494. (1) प्रत्येक अहाते या बैरक में उससे संलग्न फलैश-किस्म के शौचघर तथा स्नान घर होंगेताकि बन्दी युक्तियुक्त समय में अपने शौच तथा स्नान परेड़ को पूरा कर सके। सभी फ्लैश शौचघरनगरपालिका मलजल प्रणाली से संयोजित की जाएगी या उचित मलजल शोधन संयन्त्र होगा। (2) प्रत्येक शौचघर तथा स्थान जहां बन्दी परिरूद्ध है किसी भी समय उचित बरतनों के बिनानहीं होंगे। ऐसे बरतन प्रतिदिन सम्पूर्ण रूप से साफ तथा मांजे जाएंगे तथा बार-बार उचित रूप सेlkQ fd, tk,axsA (3) सभी शौचालय चाहे व्यक्तिगत या सामूहिक हो, संक्रामक रोग के प्रसारण से रोकने केलिए वासबेसिन से सुसज्जित होगा। (4) पर्याप्त स्नान व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी ताकि प्रत्येक बन्दी मौसम के अनुसार साधारणस्वास्थ्य के लिए यथा प्रायः यथा आवश्यक स्नान या फुहारा-स्नान कर सके। (5) सरकार तथा कारागार प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कारागार के भीतर कोई भीty fudkl] eyty rFkk lQkbZ lqfo/kk th.kZ&'kh.kZ fLFkfr esa ugha gSA

	(6) यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रबन्ध किए जांएगे कि सतह पर बहने के रूप में वर्षाजल तथा भवनों पर जमा जल को जहां तक सम्भव हो उचित वर्षा जल एकत्रीकरण प्रणाली कीस्थापना के माध्यम से विधिवत् एकत्र किया जाता है।
dkjkxkj Hkwfe ds tyfudkl rFkk lQkbZ deh dh रिपोर्ट करना।	495. (1) कारागार के चारों ओर भूमि के जल निकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा सभीनीची भूमि को साफ मिट्टी से भरा जाएगा। सफाई तथा सुरक्षा कारणों से कारागार दीवारों के 50xt ds Hkhrj Åaph Qly ugha mxkbZ tk,axhA (2) कारागार क्षेत्र इसके पास-पड़ोस के भीतर जल निकास की किन्हीं कमियों को अधीक्षकके ध्यान में लाने के लिए चिकित्सा अधिकारी की डयूटी होगी। कारागार के अड़ोस-पड़ोस में सार्वजनिकशौचालय, मलजल या जलनिकास या बन्दियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने की सम्भाव्य या किसीअन्य सफाई स्थिति के अस्तित्व, की महानिदेशक को रिपोर्ट की जाएगी। (3) नगरपालिका स्वास्थ्य अधिकारी या जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, मासमें एक बार अपनी अधिकारिता के अधीन सभी कारागारों का निरीक्षण करेगा तथा स्वच्छता तथाLokLF;&foKku ds fy, lq>ko nsxkA

o"kkZty gsrq O;oLFkkA	496. सभी खड़े जल को खाली करने की व्यवस्था की जाएगी। वर्षा ऋतु के बाद, कारागार की दीवारतथा वार्डों की दीवार की परिधि के भीतरी तथा बाहरी पक्ष को झाड़ा जाएगा। कारागार अहाते केभीतर मार्गों को अपतृण तथा पुनः साफ किया जाएगा। जब कभी मार्ग तारकोली रोही का बना है, तोउबड़-खाबड़ सतह को उचित रूप से समतल किया जाएगा। कारागार की मुख्य सड़क के खुले स्थानोंतथा भीतरी सड़कों को फुलवारी के लिए पर्याप्त स्थान छोड़कर उचित रूप से पक्का किया जाएगा।
dkjkxkj अस्पताल कोlanw"k.k ls eqDr j[kukA	497. कारागार अस्पताल को संदूषण मुक्त रखने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे, अर्थात्:- (क) फर्श तथा दीवारों को रंगा जाएगा या मृतिका-टाईलों से ढकी जाएंगी। फर्श तथा टाईल लगाई गई दीवारों को प्रतिदिन रोगाणुनाशी से पोंछा जाएगा; (ख) शौचालयों को दिन में दो बार उचित रोगाणुनाशी से पोंछा जाएगा; ¼x½ laØked rFkk Li'kZtU; chekjh ls ihfM+r cfUn;ksa dks nwljksa ds lEidZ ls jksdus ds fy, ,dkar esa j[kk tk,xkA
efgyk बन्दियों के LokLF;&foKk u dk प्रबन्धन।	498. सरकार महिला बन्दियों की स्वच्छ जल तक पहुंच, सैनिटरी पैड का पर्याप्त मात्रा, प्रयुक्त पैडसका उचित निपटान तथा जनन स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगी तथा कारागारस्टाफ तथा रजोधर्म-विषयक स्वास्थ्य-विज्ञान के मामलों पर महिला बन्दियों में जागरूकता उत्पन्नकरने के लिए चिकित्सा अधिकारी नियमित मुआयना करेगा।
ty vkiwfrZ के स्रोत।	499. (1) जहां कहीं नगरपालिका जल आपूर्ति विद्यमान है, तो कारागार को उससे जोड़ने कीव्यवस्था की जाएगी। नागरिक या नगरपालिका प्राधिकरणों से जल आपूर्ति के अभाव में, प्रत्येक कारागारमें नलकूपों की पर्याप्त संख्या स्थापित की जाएगी। (2) प्रत्येक कारागार में उपभोग किए गए जल के नमूने साधारणतः किसी स्वास्थ्य खतरे कोरोकने के लिए रासायनिक तथा जीवाणु-विज्ञान जांच दोनों के लिए वर्ष में दो बार अपेक्ष्ति प्राधिकारीको प्रस्तुत किए जाएंगे। यदि जल के नमूने मानव उपभोग के लिए अयोग्य पाए जाते हैं, तो अधीक्षकजल आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोत का प्रबन्ध करेगा। (3) हर सम्भव सावधानी जल के संदूषण चाहे वह इसके स्रोत से, इसके वहन के दौरान याइसके वितरण में हो, को रोकने के लिए बरती जाएगी।

is; ty dh vkiwfrZA	500. (1) पीने योग्य पानी की पर्याप्त मात्रा की प्रत्येक बन्दी को आपूर्ति करने के लिए उपयुक्तव्यवस्था की जाएगी। डयूटी पर जेलर की यह देखने की जिम्मेवारी होगी कि अन्दर बन्द करने से पूर्वपर्याप्त पीने का पानी बन्दियों को उपलब्ध है। कार्य पर बन्दियों को पीने के पानी की पर्याप्त आपूर्तिकी जाएगी। यदि पानी भण्डार किया जाना है, तो इसे ढके हुए पात्रों में किया जाएगा जिसे प्रतिदिनसम्पूर्ण रूप से साफ किया जाएगा। नलकूप या जल टंकी से 15 मीटर के घेरे के भीतर कोई भीकूड़ा-कचरे का ढेर या मलजल टैंक नहीं होगा। (2) ऊपरी टंकी तथा कुण्ड त्रैमासिक साफ तथा ब्लीच घोल से विसंक्रमित किए जाएंगे। (3) स्थल पर किसी अनुचित गोले या पाईपलाईन के साथ अनुचित हरे पैबन्द को संदेह सेविचारा जाएगा कि वे रिसाव के सूचक है। ऐसे पाईपों को खोदा जाएगा तथा कमियों को ठीक करfn;k tk,xkA
स्टाफ क्वार्टरोंesa ty dh vkiwfrZA	501. कारागार स्टाफ के आवासीय क्वार्टरों में जल की पर्याप्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।स्टाफ क्वार्टरों का अधिभोग करने वाले प्रत्येक अधिकारी को अपने परिसरों की सफाई के लिए जिम्मेवारठहराया जाएगा। अधीक्षक तथा चिकित्सा अधिकारी समय-समय पर साधारण सफाई की जांच करनेके लिए स्टाफ क्वार्टरों का निरीक्षण करेंगे।

दवाईयों lfgr eq¶r fpfdRlk mipkjA	v/;k; 28 चिकित्सा प्रशासन तथा स्वास्थ्य प्रबन्धन 502. बन्दी कारागार में परिरोध के दौरान सरकारी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा उपचार तथा परिचर्याके लिए हकदार होंगे।
dkjkxkj vLirkyA	503- ¼1½ dsUnzh; rFkk ftyk dkjkxkjksa esa vUrjax jksfx;ksa ds fy, vLirky vkokl fuEufyf[kr ekiØe ds vuqlkj vkSlr nSfud cUnh tula[;k ds U;wure 3 izfr'kr ds fy, eqgS;k djk;k tk,xk%& ¼d½ 500 cfUn;ksa rd dh dkjkxkj 15 fcLrj ¼[k½ 1000 cfUn;ksa rd dh dkjkxkj 30 fcLrj ¼x½ 1500 cfUn;ksa rd dh dkjkxkj 50 fcLrj ¼?k½ 1500 cfUn;ksa ls vf/kd dh dkjkxkj 60 fcLrj ¼2½ dkjkxkj vLirky nks fdLe ds gksaxsA 50 fcLrj ;k ls vf/kd ds vLirkyksa dks fdLe&^d* vLirky dgk tk,xkA 50 fcLrj ls de ds vLirkyksa dks fdLe&^[k* vLirky dgk tk,xkA dkjkxkj vLirkyksa esa LVkQ tgka rd lk/; gks fuEufyf[kr ekiØe ds vuqlkj gksxk %& vf/kdkjh ¼vf/kdkfj;ksa½ ;k LVkQ fdLed fdLe [k fpfdRlk vf/kdkjh 4 2 nUr&fpfdRld 1 1

Hks"kth vf/kdkjh	4	2
LVkQ ulZ ¼iq:"k ;k efgyk½	6	3
iz;ksx'kkyk rduhf'k;u	3	1
lykgdkj	1	1
nUrd lgk;d@LokLF;&foKkuh	1	1
okMZ ifjpj	6	3
Lohij	4	2

¼3½	dkjkxkj esa rSukr ofj"Bre fpfdRlk vf/kdkjh dkjkxkj dh fpfdRlk LFkkiuk dk
lEiw.kZ izHkkjh gksxkA og rFkk mldh fpfdRlk vf/kdkfj;ksa rFkk vU; v/khuLFkksa dh Vhe] cfUn;ksa ds LokLF;&ns[kHkky ds fy, la;qDr :i ls ftEesokj gksxhA	
¼4½	vLirky LFkkiuk] v/kh{kd ds lk/kkj.k fu;U=.k rFkk v/kh{k.k ds v/khu dk;Z djsxh
rFkk izHkkjh fpfdRlk vf/kdkjh ml }kjk ikfjr lHkh fof/kiw.kZ vkns'kksa dk ikyu djsxk %	

परन्तु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशासकीय नियन्त्रण उनके मूल विभाग में रहेगा तथाअधीक्षक सहित कोई भी कारागार अधिकारी नैदानिक कार्य से सम्बन्धित किसी मामले में हस्तक्षेप नहींdjsxkA

(5) कारागारों में तैनात चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएं "कठिन" तैनाती के रूप में गिनीtk,xhA

(6) उचित उपकरण सहित एम्बुलैंस अपेक्षा के अनुसार प्रत्येक कारागार में मुहैया कराईtk,axhA

(7) महिला अहाते वाली कारागारों में साधारणतः कम-से-कम एक महिला चिकित्सा अधिकारीहोगी। यदि कोई महिला चिकित्सा अधिकारी महिला अहाते वाली कारागार में तैनात नहीं है, तो सिविलअस्पताल से महिला चिकित्सा अधिकारी सप्ताह में एक बार ऐसी कारागार का निरीक्षण करेगी। अन्यविशेषज्ञ भी अपेक्षा के अनुसार समय-समय पर कारागार का निरीक्षण करेंगे।

(8) fpfdRlk LVkQ M;wVh ds le; fofgr onhZ igusaxsA

i=O;ogkj dk pSuyA	504. चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) द्वारा महानिदेशक को या महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं या किसीअन्य प्राधिकारी को सभी पत्राचार अधीक्षक के माध्यम से भेजे जाएंगे।
fpfdRlk अधिकारियों मेंडयूटियों का vkcaVuA	505. (1) कारागारों में जहां कहीं एक चिकित्सा अधिकारी से अधिक है, तो डयूटी के घण्टे चिकित्साअधिकारी (प्रभारी) द्वारा उनके बीच इस प्रकार वितरित किए जाएंगे कि कम से कम एक चिकित्साअधिकारी रात-दिन उपलब्ध रहे। (2) कारागारों में जहां कहीं केवल एक चिकित्सा अधिकारी है, तो वह दिन के दौरान डयूटीपर रहेगा तथा किसी आकस्मिक संकट का ध्यान रखने के लिए रात को बुलाने पर बना रहेगा। भेषजीअधिकारी चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के आदेशानुसार रात-दिन डयूटी पर रहंेगे।

fpfdRlk अधिकारी (प्रभारी) कीM;wVhA	506. (1) चिकित्सा अधिकारी कारागार की चिकित्सा स्थापना से सम्बन्धित सभी मामलों में अधीक्षकको रिपोर्ट करेगा। (2) वह कारागार अस्पताल के निर्बाध प्रशासन के लिए जिम्मेवार होगा तथा सुनिश्चित करेगाकि व्यवस्था, सफाई तथा अनुशासन अस्पताल तथा इसके अहातों में अनुरक्ष्ित किया गया है। (3) वह सुनिश्चित करेगा कि भेषजी अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, परिचर तथा नर्सिंग अर्दलीअपनी डयूटी उचित प्रकार से कर रहे हैं तथा परिचरों की किसी अधिकता या कमी को तथा इननियमों की उल्लंघना की सूचना सम्बन्धित प्राधिकारी के ध्यान में लाई गई है। (4) वह डायरी रखेगा जिसमें वह कारागार में की गई प्रत्येक मुलाकात का रिकार्ड रखेगा,समय जिस पर अपने कारागार में प्रवेश किया तथा छोड़ा है, कारागार के क्षेत्रों या मुलाकात किए गएबन्दियों की श्रेण्ियों, अस्पताल में रोगियों की संख्या, दैनिक निरीक्षण का परिणाम तथा कोई मामलाftls og 'kh?kzrk ls v/kh{kd ds /;ku esa yk;k tkuk vko';d le>s rFkk viuh fpfdRlk Mk;jh esa fuEufyf[kr Hkh vfHkfyf[kr djsxk%& (क) कारागारों में सफाई, जलनिकास, स्वच्छता, जल आपूर्ति या अन्य प्रबन्धनों मेंकिन्हीं कमियों को जिसे वह ऐसी कमियों के उपाय के लिए सुझाव सहित बन्दियोंके स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के लिए हानिकर होने की सम्भावना समझता है; (ख) चिकित्सा स्थापना तथा उसके स्पष्ट कारणों के सम्बन्ध में महत्व की किसी घटनातथा व्यक्तिगत बन्दियों के बारे में किसी अवलोकन, सिफारिश या निर्देश। (5) वह कारागार के उनके निरीक्षण या मुलाकात के दौरान महानिदेशक तथा अन्य सरकारीमुलाकातियों के साथ जाएगा। वह अधीक्षक के साप्ताहिक निरीक्षण परेड में उपस्थित भी रहेगा। (6) यदि कोई महामारी या असाधारण बीमारी अभिभावी होती है या बीमारी का कोई गम्भीरमामला होता है, तो वह जितनी बार आवश्यक हो कारागार का मुआयना करेगा तथा अपनी डायरी मेंउसके तथ्यों तथा कारणों को अभिलिखित करेगा। (7) वह यथा विनिर्दिष्ट नियमित अन्तरालों पर चिकित्सा स्थापना के बारे में विवरणी तथाकोई अन्य सूचना प्रस्तुत करेगा। निरीक्षण या अंकेषण के दौरान, वह कारागार की चिकित्सा स्थापनाके सम्बन्ध में अपेक्ष्ित रिकार्ड प्रस्तुत करेगा या प्रस्तुत करवाएगा। (8) वह सुनिश्चित करेगा कि वार्षिक मांगपत्र पर प्राप्त सभी दवाईयां, उपकरण तथा के सदृशवस्तुएं बन्दियों के प्रयोग के लिए उचित रूप से प्रयुक्त की गई हैं। (9) वह यह देखने के लिए जिम्मेवार होगा कि सभी दवाईयां उचित रूप से व्यवस्थित कीगई हैं, लेबल लगाए गए हैं तथा ताले तथा चाबी में भण्डार की गई हैं, उसके प्रभार में उपकरणों तथायन्त्रों की उचित देखभाल करने के लिए तथा किसी बन्दी परिचर को उपकरण सम्भालने या दवाईयांवितरित करने की अनुमति नहीं देना जिसका दुरूपयोग करना हानिकर बन सकता है। वह भण्डार मेंरखी सभी दवाईयों की शुद्धता तथा वैद्यता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर, जांच करेगा तथास्थानीय रूप से खरीदी गई दवाईयों के लेखे की नियमित रूप से जांच करेगा। (10) वह निपटान करने के लिए समाप्त हुई दवाईयों का रजिस्टर रखेगा या रखवाएगा। (11) वह सुनिश्चित करेगा कि चिकित्सा आहार उचित रूप से प्रयुक्त की जाती है। (12) वह सफाई, स्वास्थ्य विज्ञान, नशामुक्ति इत्यादि के बारे में जागरूकता शिविर तथासैनिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित करेगा।

fpfdRlk अधिकारी केdÙkZO;A	507. (1) वह कार्य दिवसों पर तथा रविवार तथा अवकाश के दिन भी, जब कभी आवश्यक हो,dkjkxkj esa mifLFkr jgsxkA (2) वह कोई बन्दी, जो बीमार होने की शिकायत करता है या बीमार प्रतीत होता है, की ओरध्यान देगा तथा उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाएगा या चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के सम्मुख,जैसा भी मामला अपेक्ष्ित हो, पेश करेगा। (3) वह उच्च सुरक्षा अहातों का प्रतिदिन निरीक्षण करेगा तथा कोई बन्दी जो बीमार होने कीशिकायत करता है या प्रतीत होता है, की ओर ध्यान देगा।

	(4) वह सभी स्टाफ सदस्यों तथा कारागार परिसरों में रहने वाले उनके परिवारों की ओरध्यान देगा। वह इन कर्त्तव्यों को करने के लिए चिकित्सा अधीनस्थ को प्रतिनियुक्त करेगा। (5) वह रोजगार के लिए सभी उम्मीदवारों तथा कारागार अधिकारियों, जिन्हें प्रयोजन के लिएअधीक्षक द्वारा उसके पास भेजा जाए, की जांच करेगा तथा वह उनकी शारीरिक क्षमता तथा स्वास्थ्यdh fLFkfr ds ckjs esa fyf[kr esa lR;kfir djsxkA (6) वह सहवासियों द्वारा उनके अपने खर्च पर विद्यमान बीमारी के उपचार के लिए लाई गईकिसी दवाई (दवाईयों) की जांच करेगा तथा उन्हें केवल तभी अनुज्ञात करेगा यदि किसी पंजीकृतचिकित्सा व्यवसायी से प्रिस्क्रिप्शन साथ लगाई गई हो तथा वह ऐसे प्रयोजन के लिए अनुरक्ष[ित रजिस्टरमें ऐसी दवाई की आवक की रिपोर्ट करेगा। (7) वह स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि अस्पताल में बीमार के लिए भोजन उचित रूप से तैयारfd;k tkrk gS rFkk forfjr fd;k tkrk gSA (8) वह चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के ध्यान में किसी महिला जिसका उसे गर्भवती होने कासन्देह हो, को लाएगा। (9) वह किसी बन्दी को शारीरिक या मानसिक कमजोरी के कारण सैल या वार्ड से स्थानांतरितकरने की आवश्यकता की अधीक्षक को लिखित में रिपोर्ट करेगा। (10) वह नए भर्ती किए गए बन्दियों, जो संगरोधन में हैं तथा अपनी माताओं के साथ ठहरेहुए शिशुओं को भी टीका लगाएगा। (11) वह संक्रामक या स्पर्श-जन्म बीमारी का कोई मामला, जो स्टाफ सदस्यों या बन्दियों मेंप्रकट हो, को शीघ्रता से अधीक्षक तथा चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के ध्यान में लाएगा। (12) वह अर्धवार्षिक रूप से प्रत्येक बन्दी का भार उसके भार चार्ट में अभिलिखित करेगा याअभिलिखित करवाएगा तथा सभी बन्दियों, जिन्होंने किसी सुस्पष्ट सीमा तक अपना भार खो दिया है,की चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के सम्मुख परेड करेगा। (13) प्रत्येक चिकित्सा अधिकारी रिपोर्ट पुस्तक रखेगा जिसमें वह महत्व के सभी मामलों कोअभिलिखित करेगा जिसे वह चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के ध्यान में लाना चाहता है।
LVkWd lR;kiuA	508. औषधि तथा उपकरणों के स्टॉक की अधीक्षक द्वारा जांच की जाएगी तथा रिपोर्ट वर्ष में दो बारमहानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी।
fpfdRlk LVkQ }kjk vuqefr ds fcuk dkjkxkj परिसर को नहीं छोड़ना।	509. (1) कारागारों में चिकित्सा स्टाफ राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैनात किया जाएगा। (2) चिकित्सा अधिकारियों को आकस्मिक अवकाश चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) द्वारा प्रदानकिया जाएगा। यदि कारागार में केवल एक चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध है, तो उसके आकस्मिकअवकाश का आवेदन अवकाश अवधि के लिए कोई प्रतिस्थानी मुहैया कराने के अनुरोध सहित सिविलसर्जन को अधीक्षक द्वारा भेजा जाएगा। चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) ऐसा अवकाश प्रदान करने सेसम्बन्धित नियमों के अनुसार सभी अन्य चिकित्सा स्टाफ को आकस्मिक अवकाश अनुज्ञात करने केलिए सक्षम होगा। यदि बाहर से कोई प्रतिस्थानी अवकाश अवधि के लिए अपेक्ष[ित है, तो मुख्य चिकित्साअधिकारी उसे मुहैया करेगा। (3) कारागार के चिकित्सा अधिकारी, भेषजी अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ या तैनात या आसक्तकोई अन्य चिकित्सा स्टाफ, चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की अनुमति के बिना कारागार अहातों को नहींछोड़ेगा तथा चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) को कारागार अहाता छोड़ने से पहले अधीक्षक की पूर्व अनुमतिलेनी आवश्यक होगी।

बन्दी के प्रवेशrFkk foeqfDr ij fpfdRlk	510. (1) प्रत्येक बन्दी की स्वास्थ्य स्थिति को "अच्छा", "खराब" या "साधारण" के रूप मेंप्रवर्गीकृत किया जाएगा। कारागार में प्रवेश पर, बन्दियों की स्वास्थ्य स्थिति, जिन्हें चिकित्सा उपचारकी तुरन्त आवश्यकता है को "खराब" के रूप में अभिलिखित किया जाएगा यदि वह किसी तुच्छ तथाअस्थाई बीमारी से पीड़ित नहीं है। वे जो बन्दी

अधिकारी द्वाराfjdkMZA	कारागार कार्य करने के लिए योग्य नहीं हैं, किन्तुजिन्हें अस्पताल उपचार की आवश्यकता नहीं है, को "साधारण" स्वास्थ्य वाले के रूप में अभिलिखितfd;k tk,xkA टिप्पणः- यदि कोई बन्दी "खराब" या "साधारण" स्वास्थ्य में है, तो चिकित्सा अधिकारी उसकी इतिवृत्त-टिकट तथा प्रवेश रजिस्टर में अयोग्यता का कारण दर्ज करेगा। (2) यदि प्रवेश पर चिकित्सा जांच के दौरान कोई बन्दी उभयलिंगी के रूप में अन्वेषित कियागया है, तो चिकित्सा अधिकारी ऐसे तथ्य को अभिलिखित करेगा तथा इसे अधीक्षक के ध्यान में लाएगा। (3) जब किसी बन्दी को उसके शरीर पर चोट सहित कारागार पुलिस चैकी की अभिरक्षा मेंप्रवेश करवाया गया है, तो उसकी चिकित्सा जांच की जाएगी तथा यह सत्यापित किया जाएगा किक्या ऐसी चोट साथ लगी मैडिकोलीगल रिपोर्ट (एम.एल.आर.) में वण्र्ित है तथा यदि चोटों की भिन्नताहै, तो वह सभी चोटों को वण्र्ित करके नई एम.एल.आर. तैयार करेगा तथा मामलों की अधीक्षक कोरिपोर्ट करेगा।
भेषजी अधिकारी कीM~;wfV;k¡A	511. (1) भेषजी अधिकारी नैदानिक कार्य से सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी)तथा चिकित्सा अधिकारी के विधिपूर्ण आदेशों का पालन करेगा तथा सभी अन्य मामलों में अधीक्षकतथा उप अधीक्षकों के आदेशों का भी पालन करेगा। (2) वह चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) तथा चिकित्सा अधिकारी की हिदायतों के अनुसारअस्पताल की दवाईयों तथा उपकरण, बिस्तर तथा वस्त्रों की सुरक्ष्ित अभिरक्षा तथा अस्पताल में मरीजोंकी इन वस्तुओं की उचित आपूर्ति को सुनिश्चित करेगा। (3) वह दवाईयों का सही तथा उचित वितरण सुनिश्चित करेगा तथा सुनिश्चित करेगा किvyekjh lqjf{kr :i ls rkykcUn gSA (4) वह औषद्यालय को स्वच्छ तथा साफ-सुथरा रखेगा। (5) वह स्टाफ तथा बन्दियों के स्वास्थ्य के अनुरक्षण, अस्पताल में दवाईयाँ मिश्रित करने तथावितरण करने, टीका लगाने तथा बन्दियों को मापने, लिपिक-वर्गीय कार्य करने, व्यवस्था तथा अनुशासनबनाए रखने तथा उसी स्वरूप की ऐसी अन्य ड्यूटियां जो चिकित्सा अधिकारी, (प्रभारी) या अधीक्षकद्वारा उन पर अधिरोपित की जाएं, में चिकित्सा अधिकारी की सहायता करेगा। (6) कारागारों जहां कहीं एक भेषजी से अधिक है, में चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) उनकीडयूटी इस प्रकार से व्यवस्थित करेगा कि कम से कम एक हमेशा कारागार में हाजिर रहे जिसमें रातHkh 'kkfey gSA
uflZax LVkQA	512. (1) कारागार में नियुक्त नर्सिंग स्टाफ नैदानिक कार्य से सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्साअधिकारी (प्रभारी) तथा चिकित्सा अधिकारी के विधिपूर्ण आदेशों का पालन करेगा तथा सभी अन्यमामलों में अधीक्षक तथा उप अधीक्षकों के आदेशों का भी पालन करेगा। (2) रात के समय के दौरान, अपेक्ष्ित नर्सिंग अर्दली, जहां कहीं एक से अधिक है, रात कीडयूटी पर चिकित्सा अधिकारी की सहायता के लिए रात-दिन कारागार अस्पताल के भीतर डयूटी परस्वयं को उपलब्ध रखेंगे।
dkjkxkj अस्पतालों केलिए रोगात्मकySc rFkk vU; lqfo/kk,aA	513. प्रत्येक कारागार अस्पताल समय-समय पर, सरकार द्वारा यथा विनिश्चित रोगात्मक लैब तथाऐसी अन्य सुविधाओं से सज्जित होगा।
बन्दियों कीtkapA	514. (1) किसी बीमारी से पीड़ित प्रत्येक बन्दी को या तो बाहरी रोगी के रूप में या भीतरी रोगीके रूप में चिकित्सा उपचार प्रेक्षण के अधीन लाया जाएगा तथा उसका नाम उचित रजिस्टर मेंvfHkfyf[kr fd;k tk,xkA

	(2) किसी भी बन्दी को अस्पताल रजिस्टर में लाए बिना चिकित्सा प्रेक्षण के अधीन चार घण्टे

	से अधिक के लिए अस्पताल में निरूद्ध नहीं किया जाएगा अर्थात् यदि लम्बी अवधि के लिए उसे निरूद्ध करना आवश्यक है, तो उसे भरती करना चाहिए। (3) बाहरी-रोगी सेवा सोमवार से शनिवार तक बन्दियों को मुहैया कराई जाएगी, जबकि vkikrdkfyu lsok,¡ 24 x7 उपलब्ध होंगी। (4) चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) अस्पताल में सभी बीमार बन्दियों तथा प्रेक्षण के अधीन बन्दियों से प्रतिदिन मुलाकात करेगा। (5) वह विनिश्चिय करेगा कि क्या बन्दी को अस्पताल में भरती किया जाएगा या से विमुक्त fd;k tk,xkA
ckgjh vLirky esa cSM&gSM fVdV rFkk jSQjyA	515. अस्पताल में भरती बीमार बन्दियों की संख्या भीतरी रोगी के रजिस्टर में प्रतिदिन अभिलिखितdh tk,xhA mudk mipkj rFkk vkgkj cSM&gSM fVdV esa vfHkfyf[kr fd;k tk,xkA cUnh ftUgsa विशेषज्ञ चिकित्सकों से उपचार अपेक्ष्ित है, को विशेषज्ञ सेवाओं वाले कारागार के बाहर अस्पतालों मेंभेजा जाएगा।
बीमार बन्दियोंको हल्का dk;Z fn;k tkukA	516. जैसे कि शारीरिक कसरत की कुछ मात्रा कुछ मामलों में स्वास्थ्य में सुधार के लिए सलाह दीजाती है, बन्दी जो अधिक बीमार नहीं है को कुछ हल्का कार्य दिया जा सकता है।
रिश्तेदार कोxEHkhj chekjh dh lwpukA	517. किसी बन्दी की गम्भीर बीमारी के बारे में सूचना उसके रिश्तेदारों को दी जाएगी। विचारणभुगतने वाले बन्दियों के मामले में सूचना सम्बन्धित न्यायालय को भी दी जाएगी।
fpfdRlk vkgkjA	518. (1) बीमार बन्दी जब अस्पताल में हो का आहार चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) द्वारा सलाह केअनुसार होगा जो या तो बन्दी को साधारण कारागार आहार पर रख सकता है या उसमें किसीउपान्तरण सहित या बिना नियमित अस्पताल आहार पर उसे रख सकता है या कोई अनुपूरक शामिलकर सकता है, जो वह अधीक्षक के परामर्श से आवश्यक समझे। (2) अपेक्ष्ित अस्पताल आहार की संख्या तथा ब्योरे दर्शाने वाला मांगपत्र भण्डारी को प्रतिदिनप्रातःकाल 9 बजे के पहले भेजा जाएगा। सावधानी बरती जाएगी कि आहार समय पर बन्दियों तकपहुंच जाए। आपातिक मांगपत्र आकस्मिक मामलों में तुरन्त भेजा जा सकता है, किन्तु आवश्यकता केekeys ds flok, cpk tk,xkA (3) अस्पताल आहार की अपेक्ष्ित विशेष तैयारी रसोई में बनाई जाएगी तथा चिकित्साअधिकारी प्रायः इन आहारों की जांच करेगा तथा वजन से स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि विहित वस्तुओंकी सम्पूर्ण मात्रा मौजूद है तथा कि वे भली भान्ति बनाया गया है।
vLirky oL= rFkk fcLrjA	519. (1) प्रत्येक बन्दी को अस्पताल में प्रवेश पर अस्पताल वस्त्र तथा बिस्तर दिए जाएंगे, उसबन्दी के वस्त्र तथा बिस्तर वापस लिए जाएंगे तथा अस्पताल से उसकी मुक्ति पर उसको वापस लौटादिए जाएंगे। सावधानी बरती जाएगी कि वस्त्र तथा बिस्तर सफाई के प्रयोजन के लिए प्रायः बदले जातेहों तथा सभी वस्त्र तथा बिस्तर सम्पूर्ण रूप से विसंक्रमित किए जाएंगे। (2) अस्पताल प्रयोग के लिए अपेक्ष्ित वस्त्र तथा बिस्तर की मात्रा अधीक्षक को चिकित्साअधिकारी (प्रभारी) द्वारा सही समय पर सूचित की जाएगी, जो महानिदेशक की स्वीकृति के लिए प्रस्तुतdkjkxkj oL= ds lk/kkj.k ekax i= esa mUgsa 'kkfey djsxkA vkgkj] oL= rFkk fcLrj ls vU;Fkk वस्तुओं के लिए चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) पत्र द्वारा या अपनी डायरी में प्रविष्टि द्वारा मंाग करेगा।

vkikr esa दवाईयों की[kjhnA	520. प्रतिदिन प्रयोग के लिए अपेक्ष्ित सभी दवाईयों का बल्क खरीद द्वारा स्टाक करने के प्रयासकिए जाएंगे। तथापि, अपवादिक बीमारी के मामलों में तथा आपातिक मांग को पूरा करने के लिएअधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की सिफारिश पर, कोडल औपचारिकताओं का विधिवत् पालनकरके दवाईयां खरीद सकता है, आपातिक या अन्य साधारण अपेक्षाओं के मामले में जीवन रक्षकदवाईयां आवश्यक कोडल औपचारिकताएं विधिवत् पालन करके थोक दरों पर स्थानीय बाजार से[kjhnh tk ldrh gSA

uflZax vnZyh ds :i esa cUnhA	521. (1) बीमार की परिचर्या के प्रयोजन के लिए कुछ शिक्ष्ित तथा लम्बे दण्डादिष्ट के कुछ अच्छेआचरण वाले बन्दियों को चिकित्सा अधिकारियों के साथ परामर्श करके अधीक्षक या उप अधीक्षक(प्रशासन) द्वारा चयनित किया जाएंगा तथा नर्सिंग अर्दली के रूप में प्रशिक्ष्ित किया जाएगा। (2) नर्सिंग अर्दली के रूप में नियोजित बन्दियों की संख्या साधारणतः प्रत्येक दस रोगियों केलिए एक के अनुपात में होगा। महामारी तथा अन्य आपातों के समय इस अनुपात को बढ़ाया जा सकतागS % परन्तु अधीक्षक, यदि वह उचित समझे, अच्छे व्यवहार वाले विचाराधीन बन्दी को नर्सिंगअर्दली के रूप में भी प्रतिनियुक्त कर सकता है, जो ऐसे कार्य के लिए अभ्यस्त है तथा स्वैच्छिक रूपसे सेवाएं देते हों।
cUnh dk LFkkukarj.kA	522. (1) जहां चिकित्सा अधिकारी की सलाह के अनुसार, किसी बन्दी या विचाराधीन बन्दी कोकारागार या अन्य आपातिक उपचार के लिए जो स्वतः कारागार अस्पताल में उचित रूप से नहीं दियाजा सकता, कारागार से बाहर अस्पताल में ले जाना आवश्यक है, तो जिला पुलिस, नियम 268 केअनुसार पर्याप्त पुलिस एस्कोर्ट मुहैया करेगी। टिप्पण-1:- पुलिस एस्कोर्ट गार्ड अधीक्षक के आदेशों के अनुसार किसी चिकित्सा अत्यावश्यकता मेंबाहरी अस्पताल के लिए बन्दी को रक्षण हेतु सभी केन्द्रीय तथा जिला कारागारों में तैनातकिए जाएंगे। यदि उच्च-जोखिम बन्दी को बाहरी अस्पताल में ले जाया जाता है, तोस्थानीय पुलिस थाने की पुलिस नियन्त्रण कक्ष वैन निरन्तर एस्कोर्ट गार्ड के साथ जाएगी। टिप्पण-2:- अत्यधिक आकस्मिक संकट (तथा पुलिस एस्कोर्ट गार्द की अनुपलब्धता) के मामले में,अधीक्षक वार्डर गार्ड के प्रभार में बाहरी अस्पताल में बीमार बन्दी को भेज सकता है तथाऐसी वार्डर गार्ड यथा सम्भव शीघ्र पुलिस गार्ड से बदले जाएंगे। यदि उच्च-जोखिम बन्दीबाहरी अस्पताल में ले जाया जा रहा है, तो सहायक अधीक्षक की पदवी के किसी अधिकारीको प्रतिनियुक्त किया जाएगा। स्थानीय पुलिस थाने की पुलिस नियन्त्रण कक्ष वैन, निरन्तरdkjkxkj xkMZ ds lkFk tk,xhA (2) v/kh{kd cUnh okMZ rFkk mlesa Hkjrh cUnh dh lqj{kk dh tkap ds fu;fer fujh{k.k ds लिए व्यवस्था करेगा। किसी भी बाहरी या अप्राधिकृत व्यक्ति को अस्पताल में बन्दी से मिलने के लिएअनुज्ञात नहीं किया जाएगा। तथापि, परिवार के सदस्यों को अधीक्षक द्वारा बन्दी से मुलाकात करनाvuqKkr fd;k tk ldrk gSA (3) बन्दियों के उपचार के सम्बन्ध में अस्पताल प्राधिकारियों द्वारा उपगत सभी खर्च कारागारविभाग द्वारा उठाए जाएंगे, यदि सरकारी अस्पताल के मामले में स्वास्थ्य विभाग के बजट से पूरा नहींकिया गया हो।
विशेष मामलोंesa cUnh }kjk muds vius [kpZ ij ckgjh mipkj प्राप्त करना।	523. विशेष मामलों में बन्दियों को उनके अपने खर्च पर किसी बाहरी विशेषज्ञ से उपचार कराने केलिए अनुज्ञात किया जा सकता है। यदि कोई ऐसा आवेदन बन्दी से प्राप्त होता है, तो निम्नलिखितप्रक्रिया का पालन किया जाएगा, अर्थात्:- (क) चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) अपनी सिफारिशों सहित अधीक्षक को बन्दी का आवेदन भेजेगा; (ख) अधीक्षक सिविल सर्जन को बन्दी के आवेदन की प्रति सहित ऐसी सिफारिश भेजेगा जो flQkfj'k dk lR;kiu djsxk(

¼x½ ¼?	cUnh ds vkosnu lfgr lR;kfir flQkfj'k rFkk v/kh{kd dh flQkfj'k vuqeksnu ds fy, egkfuns'kd dks Hksth tk,xh(

	k½ ¼3½	egkfuns'kd ekeys dh tkap djsxk rFkk vuqeksnu iznku djsxk ;k budkj djsxk ftls v/kh{kd dks lwfpr fd;k tk,xk(,sls mipkj rFkk iqfyl ,LdksVZ ds fy, [kpZ Lo;a cUnh }kjk mBk;k tk,xkA
मिथ्या रोगी dk mipkjA	524. यदि चिकित्सा अधिकारी की राय है कि बन्दी मिथ्यारोगी है, तो वह तुरन्त अधीक्षक को तथ्यकी रिपोर्ट करेगा। कोई भी उपचार जाली बीमारी के बन्दी को नहीं दिया जाएगा। रोगनाशक प्रयोजनls vU;Fkk ds fy, mipkj iw.kZ :i ls oftZr gSA	

Hkw[k&gM+rky पर बन्दियों dk mipkjA	525. (1) भूख हड़ताल पर बन्दियों के साथ अतिसंवेदनशील रूप से निपटा जाएगा। उन्हें भोजननियमित रूप से दिया जाएगा तथा यदि आवश्यक हो, तो जबरदस्ती खाना खिलाया जाएगा। सभी ऐसेमामलों में प्रतिदिन रिपोर्ट महानिदेशक को भेजी जाएगी। (2) कारागार प्राधिकारियों की उनके प्रभार में रखे गए बन्दियों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए जोवो कर सकते हैं उसे करने की डयूटी है तथा यदि भूख-हड़ताल के कारण बन्दी की स्वयं की मृत्युसम्भावित है, तो चिकित्सा अधिकारी, अपने विवेक से, ऐसी अवस्था में जो वह उचित समझे,निर्देश देसकता है कि बन्दी को जबरदस्ती खाना खिलाया जाए, यदि उसकी राय में केवल यह उसको जीवितरखने का साधन है। जबरदस्ती भोजन अनावश्यक हिंसा से नहीं खिलाया जाएगा। जब तक जबरदस्तीभोजन खिलाने की आवश्यकता न हो, चिकित्सा अधिकारी द्वारा अनुमोदित भोजन भूख हड़ताल करनेवाले के उपभोग के लिए उसकी तरफ नियमित रूप से रखा जाएगा तथा समय-समय पर नवीकृतfd;k tk,xkA
voS/k lewgA	526. (1) अवैध समूह निम्नलिखित का होगा, अर्थात्:- (क) वे व्यक्ति जो आयु द्वारा या शारीरिक दुर्बलता द्वारा, कारागार कार्य करने से शारीरिक रूप से तथा स्थाई रूप से अयोग्य ठहराए गए है; वे समूह के स्थाई सदस्य होंगे; या (ख) वे जिन्हें स्वास्थ्य लाभ करने वाले के रूप में अस्पताल से विमुक्त किया गया है, किन्तु कारागार कार्य करने के लिए अस्थाई रूप से अयोग्य है; या (c) कारागार कार्य करने के लिए स्थाई रूप से अयोग्य ठहराए गए या अस्पताल से हाल में foeqDr ;k fdlh lfØ; chekjh ds v/khu ihfM+r] Hkkj esa fujUrj fxjkoV ds :i esa पाए जाने वाले बन्दी या जो अरक्तक है, से अन्यथा बन्दी। (2) अवैध समूह के बन्दियों को उनकी संख्या के अनुकूल कुछ हल्का कार्य दिया जाएगा तथाजहां तक संभव हो दिन तथा रात दोनों तक आहार तथा प्रेक्षण के प्रयोजन के लिए इकट्ठे रखेजाएंगे। उक्त बन्दियों का रजिस्टर अनुरक्ष्ित किया जाएगा तथा किसी भी बन्दी को चिकित्सा अधिकारी(प्रभारी) की अनुमति के बिना इस समूह में नहीं रखा जाएगा या से विमुक्त नहीं किया जाएगा। उन्हेंचिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रतिदिन तथा चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) द्वारा सप्ताह में एक बार जांचाtk,xkA
egkekjh दौरान iwokZo/kkurkA	527. (1) जब महामारी बीमारी किसी कारागार के अहाते में विद्यमान हो, तो स्टाफ तथा संक्रमितस्थान के बीच सम्पर्क को रोका जाएगा; ऐसे जिलों से आने वाले बन्दियों को सावधानीपूर्वक जांचाजाएगा तथा कारागार में प्रवेश से पूर्व पूर्णतया विसंक्रमित किया जाएगा। फिर उन्हें कम से कम दसदिन की अवधि के लिए या ऐसी रीति, जो चिकित्सा अधिकारी उचित समझे, में अलग तथा उपचारितfd;k tk,xkA (2) उन सभी बन्दियों को जो सफाई वार्ड में नियोजित हैं जिसमें महामारी दस्त, हैजा, प्लेग,स्वाईन फ्लू आदि हुए हैं या जो प्रथम रोगलक्षण दिखाई देने के बाद रोगी के सम्पर्क में आए हैं, कोकिसी पृथक भवन में चिकित्सा प्रेक्षण के अधीन रखने के लिए उच्चतम ध्यान दिया जाएगा। इनविसंक्रमित करने वाली पार्टियों को, जहां तक सम्भव हो, उन बन्दियों में से चयनित किया जाएगा जोउसी वार्ड या बैरक में परिरूद्ध किए गए हैं, उस वार्ड जिसमें महामारी बीमारी का मामला प्रकट हुआgSA

	(3) बैरक, जिनमें कोई मामला पाया गया है, तुरन्त खाली की जाएगी तथा सहवासियों केलिए आबंटित किए जाने वाले अन्य आवास, जो इकट्ठे रखे जाएंगे, तथा अन्य बन्दियों को किसी भीकारण से मिलाया नहीं जाएगा। रिक्त बैरकों को पूर्णतया विसंक्रमित किया जाएगा। (4) चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर, पेय जल को सम्पूर्ण रूप से उबाला जाएगा।कथित प्रयोजन तथा उचित रूप से उबालना सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपकरण का प्रावधानसुनिश्िचत करने के लिए ध्यान दिया जाएगा। (5) आरम्भिक मामलों का पता लगाने के उद्देश्य से बन्दियों की साधारण स्थिति कीसावधानीपूर्वक निगरानी की जाएगी। बन्दी अधिकारी के लिए बीमारी के किसी लक्षण की तुरन्त रिपोर्टकरना अपेक्ष्ित होगा तथा प्रायः साधारण से अधिक शौच जाने वाले बन्दी को प्रेक्षण के अधीन रखाtk,xkA (6) संक्रमित वार्ड के सहवासियों के वस्त्र तथा बिस्तर या तो उबलते पानी में 30 मिनट केलिए निमज्जित किए जाएंगे या रोगाणुनाशी घोल में भिगोए जाएंगे तथा फिर सुखाए जाएंगे तथा उनकेनहाने के बाद उन्हें वापस किए जाएंगे। संक्रमित मरीजों द्वारा प्रयुक्त अस्पताल वस्त्र तथा बिस्तर कोउपयुक्त उपकरण का प्रयोग करके जलाया जाएगा।

	(7) जब कभी किसी कारागार में महामारी बीमारी अभिभावी हो, तो प्रतिदिन रिपोर्ट महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। इस रिपोर्ट में चिकित्सा अधिकारी महामारी की प्रगति, उपाय जो वह उसे रोकने के लिए कर रहा है तथा कोई सूचना जिसे वह महत्वपूर्ण समझे का संक्ष्िाप्त नोट देगा। इस विवरणी की एक प्रति महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं को भी भेजी जाएगी। (8) egkfuns'kd] LokLF; lsok,a ds ijke'kZ ls egkfuns'kd ejd&foKkuh tkap djok ldrk है, या रिपोर्ट मांग सकता है जब कभी वह ऐसी कार्यवाही उचित समझता है। (9) केन्द्रीय सरकार, सरकार तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का vfrlko/kkuh ls ikyu fd;k tk,xkA
क्षेत्र जहां संक्रामक रोगका प्रकोप याQSyko ik;k x;k gS ls प्राप्त बन्दी।	528. प्रकोप के क्षेत्र से भरती बन्दियों को समय-समय पर चिकित्सा अधिकारी द्वारा दी गई सलाहके अनुसार ऐसी अवधि के लिए विशेष चिकित्सा प्रेक्षण के अधीन रखा जाएगा, ताकि उनके कारावासतथा कारागार आहार को नोट किया जा सके तथा आगे फैलने से रोका जा सके।
आवधिक LokLF; dSai rFkk VsfyesfMfluA	529. (1) flfoy ltZu ds ijke'kZ ls v/kh{kd] fdlh LokLF; lEcU/kh ekeys ds fy, lHkh बन्दियों की सम्पूर्ण जांच करने के लिए, प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार या यथा अपेक्ष्ित यथाप्रायः स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। इस प्रयोजन के लिए, सिविल सर्जन विशेषज्ञ चिकित्सकों कीटीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करेगा। उन बन्दियों जिनकी बीमार के रूप में पहचान की गई है तथाविशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, को विशेष उपचार मुहैया कराने के लिए व्यवस्था की जाएगी। (2) जहां तक साध्य हो, प्रत्येक कारागार अस्पताल के रूप में टैलीमैडिसिन (दूर चिकित्सा)eqgS;k djkus ds fy, i;kZIr dne mBk, tk,axsA
tSo&vif'k"V mipkjA	530. चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का केन्द्रीय अधिनियम 29) केअधीन अधिसूचित जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबन्धन नियमों के अनुसार उत्पन्न जैव अपशिष्ट के उचितfuiVku ds fy, mi;qDr O;oLFkk djsxk

fpfdRlk jftLVj rFkk प्ररूपों का vuqj{k.kA	531. (1) केवल बीमार बन्दियों के मामलों को किन्हीं विहित चिकित्सा रजिस्टरों में दर्ज किया जाएगा। यदि कोई स्टाफ सदस्य उपचार प्राप्त करता है, तो अलग रिकार्ड रखा जा सकता है। (2) अंतररंग रोगी रजिस्टर चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) के नियन्त्रण तथा जिम्मेवारी के अधीन रखा जाएगा जो स्वयं बीमार बन्दियों की मासिक विवरणी में नियोजित बीमारियों की संशोधित नामावली के अनुसार रोगी की बीमारी के ब्योरे दर्ज करेगा। (3) बहिरंग रोगी रजिस्टर में, ऐसी लघु बीमारी, जिनके लिए अस्पताल में भरती करना आवश्यक नहीं है, के लिए उपचाराधीन सभी बन्दियों के ब्योरे, दर्ज करेगा। (4) chekj vkgkj rFkk vfrfjDr dh vLirky iath vuqjf{kr dh tk,xhA (5) प्रिस्क्रिप्शन पुस्तक में प्रेक्षण अधीन बन्दियों को जारी प्रत्येक प्रिस्क्रिप्शन दर्ज किया tk,xkA (6) बहिरंग-रोगी तथा अवैध समूह में बन्दियों के लिए प्रिस्क्रिप्शन को अलग पुस्तक में दर्ज fd;k tk,xkA (7) कोई अन्य रजिस्टर जिसे चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) अपनी डयूटियों के लिए आवश्यक rFkk mfpr le>sA
fpfdRlk LVkQ dh lqj{kkA	532. चिकित्सा अधिकारी तथा स्टाफ जब वे कारागार परिसरों में अपनी डयूटी कर रहे हों, को पर्याप्तसुरक्षा मुहैया कराने के लिए अधीक्षक की डयूटी होगी।

शैक्ष्िाक कार्यक्रमोंds mn~ns';A	v/;k; 29 बन्दियों की शिक्षा तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण 533. कारागार में संस्थित किए जाने वाले शैक्ष्िाक कार्यक्रमों के निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य होंगे,- (क) पढ़ने, लिखने तथा अंकगण्िात के सम्बन्ध में साक्षरता सहित शिक्षा के कुछ न्यूनतम स्तर को प्राप्त करने के लिए अनपढ़ सहवासियों को अवसर मुहैया करवाना; (ख) उनके शैक्ष्िाक मानकों को बढ़ावा देने के लिए साक्षर सहवासियों के लिए सुविधाएं c<+kukA
शैक्ष्िाक कार्यक्रमdh fo"k;&oLrqA	534. शैक्ष्िाक कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल होगा;- (क) शारीरिक कसरत, योग, स्वास्थ्य तथा निजी स्वास्थ्य-विज्ञान सहित शारीरिक तथा LokLF; f'k{kk((ख) प्राथमिक तथा उच्च विद्यालय ग्रेड के विषयों में शिक्षा के माध्यम से प्रोढ साक्षरता सहित शैक्ष्िाक शिक्षा;

¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½	lkekftd f'k{kk ftlesa ukxfjd 'kkL= esa rFkk ewy fof/kd <kaps]ftu ij lekt tSls xzke iapk;rsa] lgdkfjrk bR;kfn pykrh gSa(esa f'k{kk nsuk 'kkfey gksxkA O;kolkf;d f'k{kk vFkkZr~ lekt esa fu;fer dk;Zcy dk Hkkx cuus ds fy, cUnh dks leFkZ cukus ds fy, vfrfjDr dkS'ky@o`f) djus ds mn~ns'; ls fofHkUu Vªsa Mksa esa izf'k{k.k nsuk( uSfrd rFkk vk/;kfRed f'k{kk] foospu] lewg izkFkZuk] uSfrd ewY;ksa bR;kfn ls lEcfU/kr lkfgR; ds p;fur dk;ksZa dks i<+uk( lgokfl;ksa dh dkjxj Hkkxhnkjh ls lkaLd`frd dk;ZØeksa ds vk;kstu lfgr lkaLd`frd f'k{kkA

शैक्ष्िाक uhfr तथा आयोजना।	535. (1) शैक्ष्िाक पालिसी ऐसी रीति में सूत्रबद्ध की जाएगी जो समाज की मुख्य धारा में बन्दीके पुनर्वास के मूल उद्देश्य सहित वर्तमान सामाजिक पर्यावरण के लिए उपयुक्त तथा आवश्यक हो। (2) सभी प्रौढ़ निरक्षर बन्दियों को शिक्षा अनिवार्य होगी तथा शिक्षा कारागार से उनकीरिहाई से पूर्व पढ़ने तथा लिखने में उन्हें समर्थ बनाने के उद्देश्य से इस प्रकार शिक्षा दी जानी है। (3) शिक्षा तीन स्तरों पर निम्न अनुसार संगठित की जाएगी, अर्थात्:- (क) पढ़ने, लिखने तथा अंकगण्िात सहित मौलिक साक्षरता; (ख) प्राथमिक तथा माध्यमिक (विद्यालय शिक्षा); तथा (c)उच्चतर शिक्षा (महाविद्यालय शिक्षा)। (4) किसी संस्था में बन्दी अध्यापकों सहित अध्यापकों की संख्या सहवासी की जनसंख्यातथा उसके लिए आयोजित शैक्ष्िाक कार्यक्रमों के अनुसार नियत की जाएगी। सुशिक्ष्िात तथा सुशीलबन्दियों को अध्यापकों के रूप में प्रतिनियुक्त किया जा सकता है। (5) यदि कोई बन्दी, जो अपने कारावास से पूर्व अध्ययन जारी रख रहा था, अपना अध्ययनजारी रखने तथा किसी बोर्ड या विश्व-विद्यालय या संस्था द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में बैठने केलिए इरादा अभिव्यक्त करता है, तो उसे वह जारी रखने के लिए सभी सुविधाएं दी जाएंगी। (6) बन्दियों को विभिन्न सरकारी विभागों तथा शैक्ष्िाक संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगीपरीक्षाओं में बैठने के लिए उन्हें समर्थ बनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा तथा सुविधाएं मुहैया कराईtk,axhA (7) jk"Vªh; eqDr fo|ky; laLFkk] bfUnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky; ;k fdlh vU; विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र कारागारों में स्थापित किए जाएंगे। बन्दियों को कारागार में स्थापितअध्ययन केन्द्रों में प्रशिक्षण लेने तथा मुक्त विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए प्रोत्साहित कियाजाएगा। बन्दियों के मामले में अध्ययन सामग्री तथा फीस के सभी खर्च सरकार द्वारा उठाए जाएंगे। (8) बन्दियों को पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद सम्बन्धित प्राधिकरणों द्वारा संचालित विभिन्नपरीक्षाओं में भाग लेने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। बन्दी जो इन परीक्षाओं को पास करता है,को उसी प्रकार प्रमाण-पत्र प्रदत्त किए जाएंगे जो नियमित विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों

	को प्रदत्त किए जाते हैं। यदि सम्भव हो तथा उचित समझा जाए, तो उन्हें दीक्षान्त समारोह में भेजाजा सकता है। उत्कृष्ट बन्दियों के लिए प्रोत्साहन के रूप में पुरस्कार या छात्रावृत्त्िायों की सिफारिशdh tk,xhA fVIi.k%&जहां तक संभव हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बन्दियों को जारी किएगए प्रमाणपत्रों में कारागार स्थापना से अर्जित की गई शिक्षा का कोई संदर्भugha fn;k tk,A (9) बन्दी जो सूचना तथा प्रौद्योगिकी तथा मूल इंजीनियरिंग कौशल के विषय में तकनीकीमानक अर्जित करना चाहते हैं, को जहां कहीं सम्भव हो सभी आवश्यक उपकरण तथा प्रशिक्षण अवसरeqgS;k djk;k tk ldrk gSA (10) अधीक्षक राज्य में कारागारों के लिए आविष्कृत शिक्षा कार्यक्रम के लागूकरण में सहयोगतथा सहायता प्राप्त करने के लिए सम्बन्धित विश्वविद्यालयों के प्राधिकारियों से सम्पर्क करेगा।
dkjkxkj fo|ky;A	536. (1) प्रत्येक कारागार में एक कारागार विद्यालय होगा। अध्यापक विभागीय रूप से भर्ती किएजाएंगे या शिक्षा विभाग से स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति पर लिए जा सकते हैं। साक्षर बन्दी, जिनकाआचरण अच्छा है, को दूसरों को शिक्षा प्रदान करने में प्रशिक्ष्िात किया जाएगा। ये प्रशिक्ष्िात सहवासीकारागारों के लिए आविष्कृत शैक्ष्िाक कार्यक्रमों का आयोजन करने में नियमित अध्यापकों की सहायताकरेंगे। बन्दी अध्यापकों को "कुशल" कर्मकारों के रूप में नियोजित बन्दियों के बराबर प्रोत्साहन काभुगतान किया जाएगा। विख्यात गैर-सरकारी संगठनों की सेवाएं भी कथित प्रयासों में ली जाएंगी।अध्यापकों को महानिदेशक द्वारा संविदा आधार पर भी नियुक्त किया जा सकता है।

	(2) vko';d lkt&leku tSls iqLrdsa] ys[ku&lkexzh] fy[kus dk lkeku bR;kfn ljdkj की लागत पर मुहैया करवाया जाएगा। शैक्ष्िाक प्रयोजनों के लिए आडियो-विडियों उपकरण के प्रयोगको प्रोत्साहित किया जाएगा। कारागार विद्यालय विहित मानकों तथा मूल अवसरचना के अनुरूप होगाजैसे स्वतन्त्र भवन, फर्नीचर, शौचघर, जल सुविधा, जिसमें अच्छा संवातन शामिल है, सुनिश्चितfd;k tk,xkA (3) पाठ्यक्रम प्रत्येक सहवासी समूह की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया जाएगा। जहांतक संभव हो, बन्दियों को शिक्षा राज्य की शैक्ष्िाक प्रणाली से एकीकृत की जाएगी ताकि रिहा किएगए बन्दी किसी कठिनाई के बिना अपनी शिक्षा जारी रखने में समर्थ हो सकें। (4) शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कारागार शिक्षा की कारगरता को बढ़ाने में तथा इसेअधिक अर्थपूर्ण बनाने में सभी सम्भव सहायता भी मांगी जाएगी।
dkjkxkj iqLrdky;A	537. (1) नीचे बताए गए उद्देश्यों सहित कारागार पुस्तकालय में निम्नलिखित सुविधाएं मुहैयाdjkbZ tk,axh] vFkkZr~%& (क) पुस्तकालय में पुस्तकें सहवासियों के विभिन्न शैक्ष्िाक मानकों, बौद्धिकआवश्यकताओं की सन्तुष्टि तथा ज्ञान के विकास की आवश्यकताओं को पूराकरना में होनी चाहिए; (ख) कारागार पुस्तकालय पुस्तकों, पत्रिकाओं तथा समाचार-पत्रों से पर्याप्त रूप सेसज्जित किया जाएगा जो बन्दियों को जारी किए जाएंगे तथा बन्दियों को पढ़नेकी आदतें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा; (ग) शिक्ष्िात सिद्धदोष बन्दी को पुस्तकों तथा अन्य पठन सामग्री के प्रबन्धन तथापुस्तकालय चलाने के लिए लगाया जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकोंतथा पत्रिकाओं को संगठित करने के लिए शैक्ष्िाक कार्मिक द्वारावर्गीकरण/सूचीबद्ध करने के लिए उचित तरीका अपनाया जाएगा ताकि बन्दियोंद्वारा प्रयोग के लिए तथा प्रशासकीय/रिकार्ड प्रयोजनों के लिए इसे सुविधाजनकcuk;k tk ldsA (घ) गैर-सरकारी संगठनों द्वारा पुस्तकों का दान स्वागत किया जाएगा तथा लोकतथा सरकारी विद्यालयों को बन्दियों के लिए कारागार के भीतर चलाए जा रहेशैक्ष्िाक कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है; तथा (ङ) अधीक्षक कारागार पुस्तकालय के लिए पुस्तकों का उचित संग्रहण सुनिश्चितdjus ds fy, igy djsxkA

	(2) पुस्तकालय में पुस्तकों का अर्धवार्षिक सत्यापन प्रत्येक वर्ष जून तथा दिसम्बर में अधीक्षक ;k mlds ukefunsZf'krh }kjk fd;k tk,xkA
शैक्ष्िाक कार्मिकdh M;wVhA	538. कारागारों में शिक्षा सुधारात्मक उपचार के उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण साधन होने के कारणशिक्षा कार्मिक अपनी डयूटी बन्दियों को शिक्षा के व्यापक कार्यक्रम के प्रस्ताव के सम्बन्ध में इस प्रकारनिर्वहन करेंगे तथा शिक्षा पदाधिकारियों की विशिष्ट ड्युटियां निम्न अनुसार होंगी, अर्थात्:- (क) स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक तथा नैतिक शिक्षा को कवर करने के लिए विविध शैक्ष्िाक कार्यक्रमों का संचालन करना; (ख) कारागार शिक्षा तथा मुख्यधारा शिक्षा के बीच सहजीवी नेटवर्क सृजित करना; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ — u, Hkjrh lgokfl;ksa ds mudh 'kSf{kd mi;qDrrk] ;ksX;rk rFkk :fp;ksa ds vo/kkj.k ds fy, LØhfuax djuk(oxhZdj.k lfefr ds dk;Z esa Hkkxhnkjh(dkjkxkj ifjljksa esa lkfgfR;d] lkekftd&lkaLd`frd rFkk vk/;kfRed dk;ZØeksa dk lapkyu djuk(lgokfl;ksa dh 'kSf{kd izxfr dh ijh{kk rFkk tkap rFkk le;≤ ij fu/kkZj.k dh O;oLFkk djuk('kSf{kd dk;ZØeksa dks] ;fn vko';d gks] le;≤ ij c<+kok nsuk@mfpr ifjorZu djuk(

	(ज) पर्याप्त पठन सामग्री सहित पुस्तकालय का अनुरक्षण करना; तथा ¼>½ JO;&n``; rFkk vko';d vkbZ- Vh- volajpuk ds fy, i;kZIr izko/kku lqfuf'pr djukA
कौशल विकासdk;ZØe rFkk O;kolkf;d प्रशिक्षण ds mn~ns';A	539. व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा कौशल विकास कार्यक्रम बन्दियों के कारागार में उपचार का मुख्यआधार बनेंगे, इसके कारण कारागार के भीतर अवधि दोहरा प्रयोजन है अर्थात् प्रथमतः कठोरीकृतअपराधियों की मुक्ति की सीमा तक ताकि उन द्वारा अपराध को करने से आगे रोका जा सके,द्वितीयतःयह सुनिश्चित करना कि सभी बन्दियों को सुधारना है तथा फलस्वरूप समाज की मुख्य धारा में लानेके योग्य बनाना है। इस विचारण को ध्यान में रखकर, कारागार मुख्यालय के पर्यवेक्षण के अधीनतथा मार्गदर्शन से, प्रत्येक कारागार निम्नलिखित उद्देश्यों सहित व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा कौशलfodkl ds fy, dk;ZØe djsxh]& (क) बन्दियों में अनुशासन तथा कार्य पालन को मन में बैठाना है; (ख) कार्य तथा श्रम की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सही मनोवृत्ति का विकास करना; (c) fuEufyf[kr mUur djuk]& (i) बन्दियों की शारीरिक तथा मानसिक तंदुरूस्ती; (ii) cqf)eku gLr Je ds ek/;e ls fnekx dk mfpr fodkl((iii) मैत्रीभाव तथा जीने की सहयोगी शैली; (iv) भाईचारे की अनुभूति; (d) lrr~ ifjJe ds fy, {kerk dk fodkl((e) dk;Z esa ,dkxzrk] fLFkjrk] fu;ferk rFkk ;FkkFkZrk dh vknr dk fuekZ.k((f) dk;Z&fuiq.krk çnku djuk rFkk lq/kkj((six) बन्दियों में आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता का विकास; (ज) कारगर सामाजिक पुनः समायोजन तथा पुनर्वास प्राप्त करने के लिए बन्दियों को प्रशिक्षण देना तथा तैयार करना; ¼>½ O;kolkf;d Lor% i;kZfIr eu esa cSBkuk ftlls cfUn;ksa esa vkfFkZd lqj{kk dh vuqHkwfr l`ftr djuk(¼'½ vFkZiw.kZ rFkk mRiknd dk;Z esa cfUn;ksa dks ykHknk;d :i ls fu;ksftr j[kuk(¼V½ lgokfl;ksa esa vkyL;] vuq'kklughurk rFkk vO;oLFkk ls jksduk(

	¼B½ mu esa eukscy ds vPNs Lrj dks cuk, j[kuk rFkk bl izdkj muesa Lor% xq.k rFkk laLFkkxr vuq'kklu dh vuqHkwfr dks mUur djukA
O;kolkf;d प्रशिक्षण परियोजनाएं।	540. व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजनाओं को पुनर्वास आवश्यकताओं के दृष्टिगत निम्नलिखित विषयोंesa vfHkdfYir@lafLFkr fd;k tk,xk] vFkkZr~%& (क) लघु उद्योग; (ख) कुटीर तथा ग्राम उद्योग; (c) vfuok;Z lsok rFkk j[kj[kko dk;Z tSls uylkth&fo|qr fQfVax bR;kfn((d) कृषि-आधारित उद्योग तथा सहबद्ध क्षेत्र; तथा (e) लोक निजी भागीदारी के माध्यम से आधुनिक उद्योग तथा वाणिज्यिक इकाई।

O;kolkf;d प्रशिक्षण।	541. (1) स्व-रोजगार ट्रेडों तथा व्यवसाय में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम बन्दियों के लिएप्रत्येक कारागार में आयोजित किए जाएंगे जो उसके लिए रोजगार योग्य तथा वांछित हैं। (2) ऐसे कार्यक्रम विचाराधीन बन्दियों के लिए खुले होंगे जो ऐसा प्रशिक्षण लेने के लिएLoSfPNd gSaA (3) स्थानीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं को बन्दियों के प्रशिक्षण में सहायता करने केfy, lgc) fd;k tk,xkA (4) कारागार में विभिन्न प्रशिक्षण परियोजनाओं के दक्ष आयोजन के लिए पर्याप्त स्टाफहोगा तथा यह सहवासियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुकूल बहुविद्य परियोजनाओं का आयोजनकरने के लिए प्रशिक्षण सहायता तथा कक्षाकक्ष सहित उचित रूप से सुसज्जित की जाएगी। (5) कारागार में समरूप समूहों की रचना के अनुसार तथा परियोजनाओं की दिनचर्या तथासमय अनुसूची लिपिबद्ध करने के लिए प्रशिक्षण परियोजनाओं हेतु उचित रूप से परिभाषित संगठनहोंगे। (6) प्रशिक्षण परियोजनाओं में उपगत लागत, स्टाफ, उपकरण तथा सामग्री पर खर्च कोअपराधियों के प्रशिक्षण तथा पुनर्वास के प्रयोजन के लिए अनिवार्य निवेश के रूप में समझा जाएगा। (7) किशोर अपराधियों, प्रथम बार-अपराधियों तथा अन्य जो प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभप्राप्त करने के लिए खड़े हो सकते है, को व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए विशेष बल दियाtk,xkA (8) प्रत्येक उत्पादन इकाई में तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अर्हकतकनीकी कार्मिक को पर्याप्त संख्या में नियुक्त किया जाएगा तथा ऐसे कार्मिक औद्योगिक प्रशिक्षणसंस्थाओं या ऐसे कार्य में लगी अन्य सरकारी संस्थाओं से स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति आधार पर,जहाँ कहीं सम्भव हो, कारागार में तैनात किए जा सकते है। अर्हक तकनीकी कार्मिक महानिदेशक}kjk lafonk vk/kkj ij Hkh fu;qDr fd, tk ldrs gSaA (9) व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम लघु, मध्यम तथा लम्बी अवधि कारावास से दण्डादिष्टबन्दियों की आवश्यकताओं के अनुकूल अभिकल्प किए जाएंगे। (10) व्यवहार्य तथा व्यावहारिक आधार पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने केलिए तकनीकी शिक्षा विभाग, उद्योग निदेशालय, (कुटीर उद्योगों सहित), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,बहुशिल्प, व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्था तथा निदेशक, रोजगार मिशन से सम्पर्क स्थापित किया जाएगा। (11) व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के पूरा होने पर, सहवासियों को राज्य के तकनीकीशिक्षा विभाग द्वारा जांचा जाएगा तथा विहित परीक्षा पास करने पर, यह सुनिश्चित किया जाएगा किप्रशिक्षणार्थियों को विभाग द्वारा नियमित प्रमाणपत्र या डिप्लोमा दिया गया है। (12) कार्य, कार्यक्रमों तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण में अच्छी प्रगति का प्रदर्शन करने वालेसहवासियों को "प्रोत्साहन" के उपाय के रूप में उन्हें महत्वपूर्ण कारबार उपक्रमों तथा अन्य सरकारीस्वामित्वाधीन उद्योगों में मुलाकात करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा। (13) कारागार उद्योग सरकार द्वारा स्थापित विभिन्न औद्योगिक या उत्पादन इकाईयों कोचलाने के लिए अनुमति या अनुज्ञप्ति या मांग के मामले में अधिमान्य निरूपण देगा तथा कार्यकारीतथा पर्यवेक्षी कार्मिक द्वारा प्रबन्धन की आधुनिक प्रणाली में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

rduhdh dkfeZd dh M~;qfV;k¡A	542. (1) तकनीकी कार्मिक सुधारात्मक प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक के रूप में व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा विविध उत्पादक कार्य के लिए कार्यक्रम के विकास के लिए जिम्मेवार होगा। (2) तकनीकी रूप से अर्हक तथा प्रशिक्ष्ति स्टाफ को आर्थिक पुनर्वास के लिए ज्ञान तथा कौशल मुहैया कराने के समय अन्य स्टाफ कारागार अवसंरचना के उचित अनुरक्षण सुनिश्चित करेगा। (3) तकनीकी कार्मिक निम्नलिखित कृत्यों का पालन करेगा, अर्थात्:- (क) उनके साक्षात्कार तथा सहवासियों, व्यावसायिक इतिवृत्त, कौशल योग्यता तथा

	रूचि के बारे में डाटा के संग्रहण सहित सहवासियों की व्यावसायिक उपयुक्तता परीक्षा आयोजित करेगा; (ख) सहवासियों के लिए यथा सम्भव, कारगर तथा उचित कार्य तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सम्बन्ध में सुधार प्रस्तुत करना; (c)व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजनाओं के लिए योजनाएं तैयार करना; (d)सहवासियों को नौकरी तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पर प्रशिक्षुता प्रदान करना; (e)प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए सेवा तथा अनुरक्षण इकाई के संसाधनों का उपयोग; (f)कला तथा हस्तशिल्प परियोजनाओं का प्रबन्ध करना; (six)बन्दियों को प्रशिक्षण; (ज) बन्दियों की प्रशिक्षण की प्रगति रिपोर्ट का अनुरक्षण करना; ¼>½ dk;Z'kkyk esa midj.k rFkk e'khuksa dks vPNh dk;Z fLFkfr mfpr vfHkj{kk esa j[kuk rFkk nqdku rFkk dkj[kkuksa dk vuqj{k.k djuk(¼´½ deZ'kkykvksa rFkk dkj[kkuk {ks=ksa esa mfpr lqj{kk mik; viukuk lqfuf'pr djuk(¼V½ muds izHkkj ds v/khu {ks= esa vuq'kklu dk vuqj{k.k] vkikfrd fLFkfr esa mifLFkfr gksuk(¼B½ lgokfl;ksa dks dk;Z dk vkcaVu(¼M½ fofHkUu vuqHkkxksa esa dk;Z djus okys lgokfl;ksa dk eLVjjksy ¼ukekoyh½ dk vuqj{k.k djuk(¼<+½ lgokfl;ksa dks mRiknu vkStkj rFkk lkexzh nsuk(¼.k½ mRiknu dh xq.koRrk rFkk ek=k ij i;Zos{k.k(¼r½ dk;Z 'khV dk vuqj{k.k djuk(¼Fk½ dk;Z rFkk etnwjh ds foHkktu dk eki(¼n½ Hk.Mkjksa ls dPph lkexzh dh ekax djuk] muds izHkkj esa dPph lkexzh dk Hk.Mkj djuk] dPph lkexzh rFkk muds izHkkj esa fofufeZr oLrqvksa] Hk.Mkjksa ls fofufeZr oLrqvksa ds izs"k.k ds ys[kksa dk vuqj{k.k djuk(muds izHkkj ds v/khu Hk.Mkj dh ekfld tkap djuk rFkk lEcfU/kr izkf/kdkfj;ksa dks mldh fjiksVZ djuk((th)उनके नियन्त्रण के अधीन कार्य-शैडों के लिए कार्य योजना तैयार करना तथा उन्हें अधीक्षक को भेजना।
lEidZA	543. संस्था, सामग्री तथा अन्य सहायता के लिए अनुमोदित शैक्षिक तथा व्यावसायिक प्रशिक्षणसंस्थाओं के साथ सम्पर्क स्थापित करेगी।
ijh{kk ds fy, एस्कोर्ट।	544. किसी बन्दी को सरकारी सेवा में भरती के लिए विद्यालय बोर्ड परीक्षा, विश्वविद्यालय/संस्थागतपरीक्षा, प्रतियोगी परीक्षा या प्रतियोगी परीक्षा साक्षात्कार या शारीरिक क्षमता-परीक्षा या चिकित्सापरीक्षा में बैठने के लिए अधीक्षक द्वारा अनुमति दी जा सकती है, तथापि-इस प्रकार की अनुपतिकेवल उचित सत्यापन के बाद उचित पुलिस एस्कोर्ट के अधीन दी जाएगी। पुलिस एस्कोर्ट जिलापुलिस जिसकी अधिकारिता के भीतर कारागार स्थित है, द्वारा मुहैया कराई जाएगी।

dkjkxkj eSxthu izdk'kuA dk	545. बन्दियों तथा स्टाफ के प्रशंसनीय कार्यकलापों के प्रकाशन के लिए पत्रिका का वार्षिक प्रकाशनउपलब्ध सुविधाओं के अनुसार किया जा सकता है।
tokcnsghA	546. उप-अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) द्वारा सहायता प्राप्त अधीक्षक की प्राथमिक जिम्मेवारीहोगी कि शिक्षा तथा व्यवसाय के लिए कार्यक्रम उचित भावना में लागू किया गया है तथा कार्यक्रमोंकी सफलता या असफलता तथा शैक्ष्िाक तथा व्यावसायिक कार्य कलापों की सीमा मुख्य कारकों मेंसे एक कारक होगा जिस पर इन अधिकारियों के कार्य को मूल्यांकित किया जाएगा।

dY;k.k कार्यक्रमों के मूल?kVdA	v/;k; 30 बन्दियों तथा स्टाफ सदस्यों का कल्याण भाग-क बन्दियों का कल्याण 547. कारागारों में कल्याण प्रोग्रामों को निम्नलिखित उद्देश्यों से किया जाएगा, अर्थात्:-(क) बन्दियों की देखभाल तथा कल्याण सुनिश्चित करना; (ख) संस्था में सकारात्मक तथा रचनात्मक वातावरण विकसित करना; ¼x½ ijLij fo'okl ij vk/kkfjr mfpr dkfeZd&cUnh lEcU/k cuk, j[kuk(¼?k½ ckgjh nqfu;k esa vius ifjokjksa rFkk leqnk;ksa ds lkFk fu;fer lEidZ cuk, j[kus esa cfUn;ksa dh lgk;rk djuk(¼³½ ekxZn'kZu rFkk lykg eqgS;k djkuk(¼p½ ekQh] vLFkkbZ fjgkbZ] v/kZ&[kqyh rFkk [kqyh dkjkxkjksa esa LFkkukUrj.k rFkk le;iwoZ fjgkbZ ds :i esa Lor% vuq'kklu ds fy, izksRlkgu dh iz.kkyh lqfuf'pr djuk(lewg dk;Zdykiksa rFkk LokLF;dj lekt esa jgus ds fy, izksRlkfgr djuk(rFkk ¼N½ (ज) अच्छी आदतों तथा व्यवहार को मन में बैठाना तथा साधारण जीवन के लिए उन्हें तैयार djukA
ijke'kZA	548. परामर्श सुविधा निम्नानुसार बन्दियों के लिए विस्तारित की जाएगी, अर्थात्:- (क) व्यावसायिक रूप से अर्हक सलाहकार गरीब बन्दियों, विशेष रूप से दुर्व्यवहार से पीड़िततथा व्यसनी विकार सम्बन्धी पदार्थ से पीड़ित बन्दियों को सलाह मुहैया कराने के लिएकारागार विभाग द्वारा लगाए जाएंगे; (ख) बन्दियों के मानसिक स्वास्थ्य का उचित तथा नियमित मूल्यांकन कारागार विभाग द्वारा अपेक्ष्िात मनो सामाजिक सहायता सेवा को समर्थ बनाने के लिए किया जाएगा; तथा ¼x½ xEHkhj ekufld jksxh ds fy, mfpr euksfpfdRlh; mipkj visf{kr gksxk rFkk ekufld LokLF; ns[kHkky vf/kfu;e] 2017 ¼2017 dk dsUnzh; vf/kfu;e 10½ ds micU/kksa ds v/khu fuiVku fd;k tk,xkA
ekxZn'kZuA	549. (1) बन्दियों के अधिकार, कर्त्तव्यों, हकदारी, अनुशासन तथा दिनचर्या से युक्त पैम्फलेटमुद्ि्रत कराए जाएंगे तथा "करना" तथा "नहीं करना" का पालन करने के लिए बन्दियों को समर्थबनाने तथा उसके परिरोध के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए वितरित किए जाएंगे।

	(2) उपरोक्त साहित्य कारागार पुस्तकालय में भी रखा जाएगा तथा उन बन्दियों को जारीकिया जाएगा जो पढ़ सकते है। अनपढ़ बन्दियों को स्टाफ सदस्यों द्वारा स्वयं या शैक्ष्िाक कार्यक्रमोंके लिए लगे अन्य साक्षर बन्दियों की सहायता से मार्गदर्शनों को समझाया जाएगा।
dSUVhu lqfo/kkA	550. (1) प्रत्येक कारागार में बन्दियों के लिए दैनिक आवश्यकता तथा अन्य अनिवार्य वस्तुओं केपर्याप्त स्टॉक सहित कैन्टीन सुविधा होगी। कैन्टीन में बेची जाने वाली मदें ऐसी होंगी जो समय-समयij egkfuns'kd }kjk fu.khZr dh tk,axhA (2) कैन्टीन का प्रबन्धन तथा कार्य इन नियमों के अध्याय 44 के उपबन्धों के अनुसार'kkflr fd, tk,axsA
मनोरंजन, खेल,fQYe] iqLrdky; rFkk lkaLd`frd dk;ZdykiA	551. (1) खेल, सांस्कृतिक तथा अन्य मनोरंजनात्मक कार्यकलाप बन्दियों का मानसिक तथाशारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए कारागार शासन-प्रणाली के अनिवार्य भाग के रूप में सभीकारागारों में आयोजित किए जाएंगे। योग तथा विवेचन प्रतिदिन किए जाएंगे जिसके लिए विशेषघण्टे निध्ा्ारित किये जाएंगे। विवेचन के लिए पृथक स्थान भी मुहैया कराया जाएगा। यह सुनिश्ि्चतकिया जाएगा कि कारागार में सभी प्रवचन धर्म निरपेक्ष स्वरूप के है। (2) खेल कार्यकलापों में स्थल, जलवायु तथा मौसम, बन्दियों के संयोजन तथा सुरक्षाअपेक्षाओं की उपलब्धता पर निर्भर भीतरी तथा बाहरी खेल शामिल होंगे, प्रत्येक कारागार मेंव्यायामशाला का निर्माण करने के प्रयास किए जाएंगे। अन्य मनोरंजनात्मक तथा सांस्कृतिककार्यकलापों में निम्नलिखित शामिल हो सकता है,-

	(क) फिल्म प्रदर्शन:- प्रत्येक केन्द्रीय तथा जिला कारागार में बन्दियों तथा स्टाफसदस्यों को फिल्म दिखाने की सुविधाएं होंगी। ऐतिहासिक, देशभक्तिपूर्ण,जीवनी-सम्बन्धी, वैज्ञानिक तथा शैक्ष्िाक फिल्म, यात्रा-फिल्म, वृत-चित्र,समाचार-फिल्म तथा सामाजिक विषयों से सम्बन्धित फिल्म दिखाई जाएंगी।अपराध, सेक्स, अहिंसा तथा ऐसे अन्य विषय, जो बन्दियों के दिमागों परहानिकर प्रभाव डाल सकते हों, नहीं दिखाए जाएंगे; (ख) संगीत:- संगीत कारागार के संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। यह अकेले,व्यथित तथा दुःखी दिमाग में राहत ला सकता है। यह संस्थागत कार्यक्रमों मेंउचाटी को कम कर सकता है तथा रूचि को बढ़ा सकता है। संगीत कार्यक्रमोंमें रेडियो संगीत, रिकार्डिड संगीत, समूह गायन, लोक संगीत, वाद्य संगीत,वादक-दल इत्यादि शामिल हो सकता है। कारागार रेडियो प्रत्येक केन्द्रीय तथाजिला कारागारों में स्थापित किए जा सकते हैं। (c) सामुदायिक तथा लोक नृत्य:- समूह तथा लोक नृत्य त्योहारों तथा सामाजिक अवसरों पर किए जाएंगे; (d) नाटक:- लाभदायक सामाजिक मूल्यों तथा व्यवहार के नमूनों को नाटकीय प्रदर्शन के माध्यम से बन्दियों के सम्मुख उन्नत किया जाएगा। सामाजिक समस्याओं, समारोहों, संगीतीय नाटक, चित्र तथा रेडियो प्ले बन्दियों के लाभ के लिए किए जा सकते हैं। स्वयं बन्दियों को इन कार्यकलापों में भाग लेने तथा आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए; (e) कला तथा शिल्प:- कला तथा शिल्प किसी व्यक्ति की सहजात योग्यताओं की vfHkO;fDr nsus ds fy, ekxZ eqgS;k djuk gS rFkk thfodk vftZr djus ds लिए उन्हें पहचान तथा योग्यता देते हुए बन्दियों के सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका fuHkk ldrk gSA ;s dk;Zdyki dkjkxkj ds uhjl thou ls vU;Fkk esa lgk;rk fpfdRlk mik; dk dke dj ldrk gS((f) अध्ययन:- बन्दियों को पुस्तकें, समाचार पत्र तथा पत्रिकाएं पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। समूह अध्ययन तथा मार्गदर्शित अध्ययन भी उनके लिए लाभदायक हो सकता है; तथा (six) Vsyhfotu %& fn[kk, tkus okys pSuy rFkk mudk le;] le;≤ ij] egkfuns'kd }kjk fofgr fd;k tk,xkA (3) कला, खेल, साहित्य, संस्कृति तथा संगीत के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध व्यक्तियों को बन्दियोंको प्रेरित करने के विभिन्न अवसरों पर मेहमान के रूप में तथा उनके लिए रोल माडल बनने केfy, dkjkxkj esa vkefU=r fd;k tk ldrk gSA

xSj&ljdkjh laxBuksa HkwfedkA dh	552. अच्छे प्रत्यय-पत्र तथा प्रमाण्ित पदांक रिकार्ड वाले गैर-सरकारी संगठन (एन जी ओ) तथाजो अपने समर्पण तथा निस्स्वार्थ सेवा के लिए ज्ञात हैं, को खेलों, सांस्कृतिक तथा अन्य मनोरंजनात्मकतथा कल्याण कार्यकलापों में महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन से शामिल किया जा सकता है।
cfUn;ksa iapk;rA dh	553. (1) प्रत्येक कारागार में एक या से अधिक बन्दियों की पंचायतें होंगी। पंचायतों मेंसावधानीपूर्वक चयनित बन्दियों को शामिल किया जाएगा, जो अच्छे आचरण के हैं तथा जिनमेंकार्यक्रम तथा गतिविधियां आयोजित करने की क्षमता तथा योग्यता है। पंचायतें बन्दियों के लिएप्रतिदिन मनोरंजनात्मक कार्यक्रम की योजना बनाएंगी तथा कार्यान्वित करेगी। यह बन्दियों कोकारागार प्रबन्धन में भागीदारी की अनुभूति देगी, जो कल्याण तथा सुधार की किसी पॉलिसी का एकमहत्वपूर्ण घटक है। बन्दियों की पंचायतें उनकी शिकायतें व्यक्त करने तथा निवारण करने के लिएबन्दियों हेतु एक मंच के रूप में भी सेवा करेंगी। (2) पंचायत के गठन के लिए केवल अल्प तथा अनिवार्य कार्यकलाप वाला अनौपचारिकनिर्वाचन वरिष्ठ कारागार अधिकारियों के कड़े पर्यवेक्षण के अधीन किया जा सकता है। बन्दियों जिन्हेंउनके सदाचार या शैक्ष्िाक प्रयासों में उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया है, को उम्मीदवारों केरूप में दावा करने के लिए पात्र घोषित किया जा सकता है। अनुशासन के हित में, निर्वाचन गणकी सदस्यता केवल उन बन्दियों तक सीमित की जाएगी जिन्हें किसी कारागार अपराध के लिएपिछले दो वर्षों में दण्िडत नहीं किया गया है। पंचायतों की चयन प्रक्रिया तथा पदावधि समय-समयij] egkfuns'kd }kjk fofuf'pr dh tk,xhA

	(3)पंचायतों के कार्य की कारागार प्रशासन द्वारा निगरानी की जाएगी। अधीक्षक, जहां तकसंभव हो, पंचायत की बैठकों में व्यक्तिगत रूप से भाग लेगा। (4) सभी पंचायतों की एक 'महापंचायत' बन्दियों की शिकायतों के निवारण तथा उनकेसुझावों के लागूकरण के लिए एक तिमाही में कम से कम एक बार अधीक्षक की उपस्थिति में कीtk,xhA
jk"Vªh; दिवसोंतथा त्योहारों की[kq'kh eukukA	554. (1) राष्ट्रीय दिवस बन्दियों में देशभक्ति को मन में बैठाने के लिए प्रत्येक कारागार में मनाएजाएंगे। ऐसे अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा बन्दियों को विशेष भोजनपरोसा जाएगा। (2) सभी धर्मों के महत्वपूर्ण त्योहार प्रथा के अनुसार मनाए जाएंगे तथा प्रत्येक बन्दी कोभाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसे कारागार की सुरक्षा तथा अनुशासन के अध्यधीनfd;k tk,xkA
vk/;kfRed LorU=rkA	555. प्रत्येक बन्दी को शान्त तथा सुशील रीति में अपनी निष्ठा का पालन करने की स्वतन्त्रताअनुज्ञात की जाएगी। तथापि, कोई भी धार्मिक संरचना कारागार में अनुज्ञात नहीं की जाएगी तथायह सुनिश्चित किया जाएगा कि वहाँ धर्म, मानवजातीय या जाति आदि के आधार पर कोई भेदभावन हो।
dY;k.k कार्यकलापों काykxwdj.kA	556. (1) अधीक्षक कारागार में कल्याण कार्यकलापों के निबार्ध तथा शान्तिपूर्वक लागूकरण केलिए जिम्मेवार होगा। वह महानिदेशक को अपनी कारागार में आयोजित किए जा रहे कल्याणकार्यक्रमों की त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। (2) कारागार प्रशासन बन्दियों तथा स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न कल्याण कार्यकलापोंको करने के लिए निगमित सामाजिक जिम्मेवारी के अधीन उपलब्ध निधियों में पहुंच के लिए प्रयासdjsxkA
स्टाफ सदस्यों केfy, dY;k.k निधि।	भाग-ख स्टाफ सदस्यों का कल्याण 557. स्टाफ सदस्य, जो निधि में अंशदान करते हैं, को आर्थिक सहायता, ऋण तथा अन्य राहतदेने के उद्देश्य से कारागार कार्मिक के लाभ के लिए एक कल्याण निधि की स्थापना की जाएगी।समय-समय पर महानिदेशक द्वारा गठित प्रबन्धन समिति कल्याण निधि के प्रशासन के लिए जिम्मेवारहोगी। महानिदेशक प्रबन्धन समिति का अध्यक्ष

	होगा। आवश्यक विनियम लाभार्थियों की पहचान करनेतथा विभिन्न प्रयोजनों अर्थात् चिकित्सा, शैक्ष्िाक, अन्यों में से परिवार में विवाह के लिए ऋण, सहायताrFkk vU; jkgr Lohd`r djus ds fy, cuk, tk,axsA
विधिक सहायता।	558. सरकारी लागत पर सभी आवश्यक सहायता स्टाफ सदस्यों को दी जाएगी जिसमें कार्यालयडयूटी के निष्कपट निर्वहन करने में उत्पन्न आपराधिक अभियोजन या सिविल कार्यवाही की घटनामें उनकी स्वयं की रक्षा के लिए विभाग के सेवानिवृत्त कार्मिक शामिल होंगे।
LVkQ cSBdsaA	559. (1) अधीक्षक संस्था में तैनात सभी स्टाफ सदस्यों की मासिक बैठक बुलाएगा। स्टाफ बैठक के उद्देश्य निम्न अनुसार होंगे, अर्थात्:- (क) संस्थागत कार्यकलापों में समन्वय; (ख) कार्य की प्रणाली का सुधार करना; ¼x½ LVkQ lnL;ksa dks ljdkjh ikWfyfl;ksa dks le>kuk(¼?k½ cUnh vuq'kklu] cfUn;ksa ls O;ogkj rFkk laLFkkxr] izcU/ku ds ckjs esa ubZ izfØ;k] fu;e rFkk fofu;e rFkk ikfyfl;ksa dks Li"V djuk(¼³½ dkfeZd izcU/ku] LVkQ vuq'kklu rFkk LVkQ ykbZuksa esa eukscy ls lEcfU/kr ikWfyfl;ksa dks Li"V djuk(¼p½ dY;k.k dk;ZØeksa dks Li"V djuk(¼N½ LVkQ lnL;ksa dks mudh lkewfgd leL;kvksa ij ppkZ djus ds fy, volj iznku djuk((ज) अच्छे कार्य की सराहना जब कभी आवश्यक हो, सूचित करना; तथा (i) जब कभी आवश्यक हो स्टाफ सदस्यों को पुरस्कार देना।

	(2) बैठक की कार्यवाहियों के कार्यवृत्त अभिलिखित किए जाएंगे तथा उसकी एक प्रति अधीक्षक की टिप्पणी सहित महानिदेशक को भेजी जाएगी।
M;wVh ds le; lqfo/kk,aA	560. डयूटी पर कार्मिक को निम्नलिखित सुविधाएं दी जाएंगी, अर्थात्:- (क) रक्षा कार्मिक के लिए विश्राम कक्ष; (ख) नियम 447 के खण्ड (छ) के अनुसार सभी स्टाफ सदस्यों को मुफ्त भोजन तथा चाय eqgS;k djokbZ tk,xh((c)सामान जो भीतर ले जाने अनुमत नहीं है, को रखने के लिए गार्द कक्ष में लाकर।
dk;Z ds ? k.VsaA	561. प्रत्येक कार्मिक प्रवर्ग के लिए कार्य घण्टे स्पष्ट रूप से निर्धारित किए जाएंगे। साधारणतः रक्षाकार्मिक सहित किसी भी स्टाफ सदस्य के लिए एक दिन में आठ घण्टे से अधिक के लिए कार्य करनाअपेक्ष्िात नहीं होगा, परन्तु अधीक्षक स्थानीय अपेक्षाओं पर निर्भर कार्य के घण्टों में युक्तियुक्तसमायोजन कर सकता है। संस्थागत डयूटी, दिन की डयूटी, रात की डयूटी, अनुभाग डयूटी, परिसरडयूटी इत्यादि की चक्रानुक्रम सारणी का समय-समय पर महानिदेशक द्वारा जारी मार्गदर्शनों केअनुसार पालन किया जाएगा। प्रत्येक कार्य की जिम्मेवारी स्पष्ट रूप से परिभाषित की जाएगी। प्रत्येकस्टाफ सदस्य साप्ताहिक बन्द का हकदार होगा।
lsokfuo`fRr ykHkA	562. सभी आवश्यक प्रलेखन तथा कोडल औपचारिकताएं किसी स्टाफ सदस्य की अधिवर्षिता कीतिथि के पहले ही पर्याप्त रूप से पूरी की जाएंगी। दस्तावेजों को पूरा करने में विलम्ब से हर हालतesa cpk tk,xkA
f'kdk;r fuokj.k	563. कर्मचारी अपनी शिकायतों के निवारण के लिए महानिदेशक या किसी अन्य वरिष्ठ अधिकारीको प्रतिवेदन कर सकते है। मुख्यालयों के अधिकारियों को सम्बोधित प्रतिवेदन अधीक्षक के माध्यमसे प्रस्तुत किए जाएंगे। महानिदेशक

eSdsfuteA	तथा मुख्यालय में अन्य वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों को व्यक्तिगतध्यान/सुनवाई देने के लिए प्रत्येक सप्ताह पृथक समय नियत करंेगे। व्यक्तिगत ध्यान/सुनवाई केलिए सभी ऐसे अनुरोध भी अधीक्षक के माध्यम से भेजे जाएंगे। स्टाफ सदस्यों को निरीक्षण के दौरानउनकी शिकायतें रखने तथा संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए अवसर भीeqgS;k djk;k tk,xkA
vkoklA	564. जहां तक साध्य हो, कारागार कैम्पस में सभी कारागार कार्मिक को किराया मुक्त आवासीयआवास मुहैया कराया जाएगा। कारागार स्टाफ के लिए आवास पर्याप्त नागरिक सुख-सुविधाओं तथासुविधाओं जैसे पार्क, खेल मैदान, सामुदायिक केन्द्र, स्वास्थ्य तथा तंदुरूस्ती केन्द्र आदि सहितआधुनिक पद्धतियों पर विकसित किये जाएंगे। यदि संस्था लोक परिवहन सुविधा से संयोजित नहींहै, तो विद्यालय बस या वैन स्टाफ के बच्चों के लिए मुहैया भी कराई जाएगी।
LokLF; lqfo/kkA	565. कारागार परिसरों में रहने वाले स्टाफ सदस्य तथा उनके परिवार कारागार के चिकित्साअधिकारियों से मुफ्त चिकित्सा उपचार के लिए हकदार हैं। कारागार औषद्यालय से दवाईयां, उन्हेंeq¶r tkjh dh tk,axhA
वित्तीय सहायताrFkk eqvkotkA	566- जब कोई स्टाफ सदस्य उसकी डयूटी के निर्वहन के दौरान मर जाता है या घायल होजाता है, तो महानिदेशक, समय-समय पर, सरकार द्वारा यथा विहित ऐसी वित्तीय सहायता तथाIeqvkotk Lohd`r dj ldrk gSA
खेल प्रतियोगिता।	567. वार्षिक खेल प्रतियोगिता राज्य प्रतियोगिता के बाद प्रत्येक कारागार में आयोजित की जाएगी।प्रत्येक प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कार दिए जाएंगे। महानिदेशक, स्टाफ कल्याण निधि से इसप्रयोजन के लिए उपगत आवश्यक खर्च की स्वीकृति दे सकता है।
egkfuns'kd dh प्रशंसा डिस्क।	568. विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों को दी जाने वाली निदेशक प्रशंसा डिस्क के लिए निम्न अनुसारप्रावधान किया जाएगा,- (क) प्रति वर्ष अधिकतम दस तक वार्डर/मुख्य वार्डर; (ख) प्रति वर्ष अधिकतम दस तक उप सहायक/सहायक अधीक्षक; (c)प्रति वर्ष दो तक उप अधीक्षक; (d)प्रति वर्ष एक तक अधीक्षक तथा से ऊपर; (e)प्रति वर्ष छह तक अन्य स्टाफ सदस्य। fMLd nsus ds fy, ekin.M le;≤ ij] egkfuns'kd }kjk fofuf'pr fd, tk,axsA

laoxZ la[;k rFkk ikfjJfedA	569. प्रत्येक संवर्ग की संख्या नियत करते समय ध्यान रखा जाएगा कि किसी पदवी के कारागारकार्मिक पर अधिभार तो नहीं है तथा कि उनके पास जीवन प्रगति के लिए पर्याप्त अवसर हैै। वेतनतथा अन्य नियोजन लाभ आधुनिक सुधारक प्रणाली में किए जाने वाले कार्य के अनुरूप भी होनेचाहिए जो जटिल तथा कठिन हैं तथा महत्वपूर्ण समाज सेवा के स्वरूप की हैै।

विधिक lsok प्राधिकरणों का उपयोग।	v/;k; 31 विधिक सहायता 570. भारत के संविधान का अनुच्छेद 39 क समाज के गरीब तथा कमजोर वर्गों को मुफ्त विधिकसहायता मुहैया कराने तथा सभी के लिए न्याय प्राप्त करने के लिए समान अवसर सुनिश्चित करनेके लिए राज्य पर डयूटी डालता है। संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 22(1) कानून के सम्मुख समानतासुनिश्चित करने तथा उचित विधिक प्रणाली प्रस्तुत करने हेतु राज्य के लिए इसे आगे बाध्यकारीबनाते हैं जो सभी के लिए समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देते हैं। इन संविधानिकउपबन्धों से आगे, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एन.एल.एस.ए.), राज्य विधिक सेवा

	प्रधिकरण (एस.एल. एस. ए.), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डी.एल.एस.ए.) तथा उप मण्डल विधिक सेवा समितियां(एस.डी.एल.एस.सी.) समान अवसर के आधार पर समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त तथा सक्षम विधिकसेवा मुहैया कराने के लिए देशव्यापी नेटवर्क की स्थापना करने के उद्देश्य से विधिक सेवा प्राधिकरणअधिनियम, 1987 (1987 का केन्द्रीय अधिनियम 39) के अधीन गठित की गई हैं।
विधिक सहायतावकीलों dh fu;qfDrA	571. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गरीब तथा अप्रतिनिधित्व वाले बन्दियों की सहायता के लिएसप्ताह के नियत दिनों को नियमित रूप से कारागारों में मुलाकात करने के लिए विधिक सहायतावकील नामनिर्दिष्ट करेगा। कोई बन्दी विधिक सहायता वकील के माध्यम से जमानत आवेदन, पैरोलआवेदन या कोई अन्य याचिका, अपील आदि दायर करने के लिए सहायता तथा सलाह प्राप्त करldrk gSA
विधिक सहायताds lEcU/k esa v/kh{kd ds dÙkZO;A	572. अधीक्षक निम्नलिखित सुनिश्चित करेगा,- (क) सम्बन्धित विधिक सहायता प्राधिकरण के माध्यम से दरिद्र बन्दियों के लिए मुफ्त विधिक सहायता का प्रबन्ध करने; (ख) उनके अधिकारों तथा कर्त्तव्यों के बारे में तथा मुफ्त विधिक सहायता सेवा की उपलब्धता के बारे में बन्दियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से कारागार में विधिक साक्षरता कक्षाओं का प्रबन्ध करना; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ iSjk fof/k Lo;alsodksa rFkk fof/kd lgk;rk odhyksa dh lsok,a fu;ksftr djds cfUn;ksa dh fof/kd lgk;rk vko';drkvksa dk irk yxkukA nks"kflf) ds fo:) vihy ds muds vf/kdkj ;kfpdk,a rFkk vihysa rS;kj djus esa cUnh dks tkudkjh nsuk rFkk tkx:d djuk(fo'ks"k U;k;ky;ksa] fof/kd lsok f'kfojksa rFkk yksd vnkyrksa dk vk;kstu djus esa l{ke izkf/kdkfj;ksa dh lgk;rk djuk(fof/kd lgk;rk odhyksa dh eqykdkrksa lfgr cfUn;ksa dh fof/kd lgk;rk ds lEcU/k esa mfpr fjdkMZ cuk, j[kukA
eq¶r विधिकlgk;rk fDyfudA	573. (1) विधिक सहायता वकीलों की पर्याप्त संख्या तथा सभी कार्य दिवसों में बन्दियों को मुफ्तविधिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए ऐसे क्लिनिकों में प्रतिनियुक्त पैरा विधिक स्वयंसेवकों सहितप्रत्येक कारागार में विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित किया जाएंगे। कुछ बन्दियों को कारागारों मेंस्थापित विधिक सहायता क्लिनिकों की सहायता करने के लिए पैरा विधिक स्वयं सेवक (पी.एल.पी.)के रूप में प्रशिक्षित किया जा सकता है। विधिक सहायता क्लिनिकों के उद्देश्य निम्न अनुसारहोंगे,- (क) मुफ्त कानूनी सलाह मुहैया कराना; (ख) कानूनी साक्षरता तथा कानूनी जागरूकता फैलाना; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ eq¶r dkuwuh lsok eqgS;k djkuk tSls ;kfpdkvksa] uksfVlksa] vkosnuksa] mÙkj bR;kfn dk izk:i.k djuk(oSdfYid fookn fuokj.k ¼-Mh-vkj-½ eSdsfute tSls foospu vkfn ds ek/;e ls fooknksa ds eS=hiw.kZ fuiVku dks izksRlkgu nsuk(fof/kd ekeyksa esa odhyksa dh eq¶r fof/kd lsok,a eqgS;k djkuk(dksbZ vU; dk;Z ;k lsok] tks le;≤ ij] gfj;k.kk jkT; fof/kd lsok izkf/kdj.k }kjk vf/kdfFkr dh tk,aA

(2) मुफ्त विधिक सेवा में निम्नलिखित शामिल होगा,-
(क) उचित मामलों, प्रक्रिया फीसों तथा किसी विधिक कार्यवाही के सम्बन्ध में भुगतान योग्य या उपगत सभी अन्य प्रभारों में न्यायालय फीस का भुगतान;
(ख) विधिक कार्यवाहियों में पैनल वकीलों की सेवा मुहैया कराना;

¼x½ ¼?k½	fof/kd dk;Zokfg;ksa esa vkns'kksa rFkk vU; nLrkostksa dh lR;kfir izfr;ka izkIr djuk rFkk nsuk(fof/kd dk;Zokfg;ksa esa nLrkostksa ds eqnz.k rFkk vuqokn lfgr vihy] isij cqd rS;kj djukA

mn~ns';A	v/;k; 32 दोषसिद्ध बन्दियों का अनुरक्षण तथा पुनर्वास 574. अनुरक्षण सेवाओं का उद्देश्य निम्न अनुसार है,- (क) जहां कहीं आवश्यक हो, सभी रिहा बन्दियों की सहायता करना, मार्गदर्शन, परामर्श, lgk;rk rFkk laj{k.k((ख) किसी सामाजिक कलंक के निराकरण में सहायता करना जो उसके बन्दीकरण के कारण बन्दी या उसके परिवार से जुड़ा हो सकता है; ¼x½ lkeqnkf;d thou dh lkekftd ftEesnkfj;ksa] ck/;rkvksa rFkk vis{kkvksa esa mldh vknrksa] O;ogkj] igqap rFkk foosdh ewY;kadu ds ewY;ksa ds lek;kstu ds fy, O;fDrxr vko';drk dks izHkkfor djuk(¼? k½ vius ifjokj] vM+ksl&iM+ksl] dk;Z lewg rFkk leqnk; ds lkFk lUrks"ktud iqu% lek;kstu djus esa O;fDr dh lgk;rk djuk(¼³½ 'kkjhfjd] ekufld] O;kolkf;d] vkfFkZd] lkekftd rFkk eukso`frd fjgkbZ&iwoZ iqu% lek;kstu rFkk vafre iquokZl dh izfØ;k esa lgk;rk djukA
vuqj{k.k lsok,aA	575. अनुरक्षण सेवा साधारणतः कम-से-कम पांच वर्ष का कारावास भुगतने वाले कारागारों सेसप्रतिबंध या अप्रतिबंध या लाईसेंस पर रिहा सभी गरीब व्यक्तियों को दी जाएंगी।
मामला प्रबन्धन<kapkA	576. मामला प्रबन्धन ढांचा बन्दी की रिहाई से पूर्व तथा बाद में उसकी पुनर्वासित प्रक्रिया मेंनिरंतरता सुनिश्िचत करनी अपेक्षित है। सेवा में निम्नलिखित शामिल है,- (क) बन्दी की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का निर्धारण करना; (ख) उचित सेवाओं की पहचान करना जो उसकी आवश्यकताओं को पूरा करे; (c) व्यक्ति के अनुकूल बना लेने वाली सेवा की व्यापक योजना विकसित करना; (d) सेवाओं में मुवक्किल की पहुंच तथा के प्रयोग की वकालत करना; (e) lsok dh lqiqnZxh dh dkjxjrk dh fuxjkuh rFkk ewY;kadu djukA
vuqj{k.k leL;kvksa mipkjA dk	577. किसी व्यक्ति की अनुरक्षण समस्या को उसकी सम्पूर्णता में समझा जाएगा तथा न कि एकाकीपनमें समझा जाएगा। न केवल व्यक्तिगत बल्कि उसकी सम्पूर्ण सामाजिक स्थिति के विषय में उसी समयckrphr djuh pkfg,A

अनुरक्षण सेवाओंdh pj.kc)rkA	578. अनुरक्षण कार्य को मोटे तौर पर निम्नानुसार चरणबद्ध किया जाएगा,- (क) जब व्यक्ति संस्थागत देखभाल तथा उपचार के अधीन है; (ख) संस्था से रिहाई के तुरन्त बाद; (c) रिहाई बाद की अवधि।
eqDr vuqj{k.k iquokZl lfefr;ksa xBuA cUnh rFkk dk	579. (1) रिहा किए गए बन्दियों के पुनर्वास के लिए मैकेनिजम का आविष्कार तथा विकसितकरना सरकार की जिम्मेवारी है। इस प्रयोजन के लिए मुक्त बन्दी अनुरक्षण तथा पुनर्वास समितियांजिला स्तर पर स्थापित की जाएंगी जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे,- (क) जिला मजिस्ट्रेट - अध्यक्ष (ख) अधीक्षक - संयोजक (c)जिला परिवीक्षा अधिकारी - सदस्य (2) ऐसी समितियां अन्य बातों के साथ रिहा बन्दियों के लिए पुनर्वास तथा अनुरक्षण सहायताहेतु स्कीमों का आविष्कार करेंगी। मैकेनिजम का आविष्कार करते समय तथा सहायता देते समयसंरक्षण तथा रिहाई के बाद देखभाल तथा बच्चों, किशोरों, महिलाओं, बीमार, वृद्धों, अशक्त तथाविकलांग व्यक्तियों की सहायता करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। आभ्यासिक अपराधियों,यदि वे ऐसा अनुरोध करें, के अनुरक्षण पर विशेष बल डालेंगे।
अयोजना।	580. (1) अनुरक्षण के लिए योजना संस्था में बन्दी के प्रवेश के ठीक बाद आरम्भ की जाएगी। (2) अनुरक्षण व्यक्ति के हित में होगा तथा उसकी आवश्यकताओं पर आधारित होगा। पोस्ट-रिहाई सहायता की योजना बनाते समय कारक जैसे कि बन्दी का व्यक्तित्व, उसकी कमजोरियों

	तथा बल, सीमाओं तथा योग्यताओं तथा उसकी पुनर्वास की आवश्यकताओं को विचारण में लियाजाएगा। रिहाई के बाद सहायता के लिए बन्दी की ईच्छा को व्यावहारिक तथा वास्तविक आधार परfopkjk tk,xkA (3) बन्दी को सूचित किया जाएगा कि किस किस्म की सहायता उसकी आवश्यकताओं केबेहतर अनुकूल होगी। उसे उसके रिहाई के बाद जीवन की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित कियाजाएगा जैसा कि यह अनुरक्षण योजना की उसकी स्वैच्छिक स्वीकृति में सहायक होगी। (4) कारगार में बन्दी के प्रवेश के समय से उसे ऐसे सम्बन्ध (संस्था से बाहर व्यक्तियों याएजेंसियों के साथ) बनाए रखने या स्थापित करने में सहायता प्राप्त करनी चाहिए, जो उसके परिवारके उत्तम हित तथा उसके स्वयं के पुनर्वास को बढ़ावा दें। बन्दी तथा उसके परिवार के बीच ऐसेसम्बन्ध के अनुरक्षण तथा सुधार की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा जो दोनों के बेहतर हित मेंवांछित हों। (5) बन्दी को उसकी आवश्यकता के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण मुहैया कराया जाएगातथा उसे कारागार के बाहर विभिन्न रोजगार एजेंसियों के साथ पंजीकृत किया जाएगा।
vuqj{k.k lgk;rk foLrkjA dk	581. अनुरक्षण सहायता का क्षेत्र विमुक्त बन्दी अनुरक्षण तथा पुनर्वास समिति द्वारा अवधारित कियाजाएगा तथा इसमें निम्नलिखित शामिल होगा, अर्थात्:- (क) उसके दण्डादेश भुगतने की अवधि के दौरान बन्दी के परिवार से सम्पर्क तथा सहायता; (ख) परिवार, पड़ोसी, नियोक्ता तथा समुदाय के साथ सम्बन्ध बनाने में निरन्तरता बनाए j[kus esa lgk;rk(
¼x½ ¼?k½	fjgkbZ ds ckn O;fDr dks izkIr djus ds fy, ifjokj] fu;ksDrk rFkk iM+ksfl;ksa dks rS;kj djuk(fjgkbZ ds ckn fo'okl fufeZr djus rFkk mRihM+u dks jksdus ds fy, LFkkuh; iqfyl ds lkFk lEidZ(

¼3½ ¼p½	vM+ksl&iM+ksl esa lkekftd lsok laxBu ds funsZ'k tgka fjgkbZ ds ckn cUnh ds clus dh lEHkkouk gS(
¼N½	fjgk O;fDr dh Hkwfedk] leL;k rFkk vko';drkvksa ds ckjs esa iapk;r@LFkkuh; izkf/kdkfj;ksa dks lwfpr djukA cUnh ds iquokZl esa iapk;r] lkeqnkf;d fodkl vf/kdkjh] jk"Vªh; foLrkj lsok dk;ZdrkZ rFkk xzke lsod dk lg;ksx rFkk lgk;rk izkIr djuk(fjgkbZ ds ckn] fjgk O;fDr ds ifjokj dh lgk;rk izkIr djus ;k jkstxkj izkIr djus ds le; rd] vkjfEHkd [kpZ dks doj djus ds fy, thou&fuokZg /kujkf'k(

(ज) आवास की व्यवस्था करने तक अस्थाई आवास;

¼>½ ¼´½ ¼V½ ¼B½ ¼M½ ¼<½ ¼.k½	jkstxkj] izf'k{kqrk vkfn izkIr djus esa lgk;rk(vkStkj rFkk O;olk; midj.kksa dh vkiwfrZ(dqVhj m|ksx] dksbZ y?kq dkjckj O;olk;] Leky ;k LVky 'kq: djus esa lgk;rk(vis{kk ds vuqlkj fpfdRlk mipkj eqgS;k djuk(mlds dY;k.k rFkk iquokZl esa fgrc) O;fDr ;k ifjokj dh ns[kHkky ds v/khu fjgk cUnh dks j[kuk(fo'oluh; iM+kslh] lg&fuoklh ;k lg&deZdkjksa ds lkFk lEidZ] tku&igpku rFkk fe=rk LFkkfir djus esa lgk;rk(vijk/k&O;lu ds fo:) iwoksZik;A

ftyk ifjoh{kk अधिकारी ds —R;A	582. (1) जिला परिवीक्षा अधिकारी उसके प्रवेश-संगरोध अवधि के दौरान बन्दी से मुलाकातकरेगा तथा बन्दी तथा उसके परिवार के लिए सहायता के स्वरूप की योजना बनाएगा। उसके बाद,og laLFkk esa mlds Bgjus ds }kjk ,d i[kokM+s esa de&ls&de ,d ckj cUnh ls feysxk rFkk lEcU/k rFkk nh tk jgh lgk;rk dh fuxjkuh djsxkA (2) जिला परिवीक्षा अधिकारी उसके परिवार, नियोक्ता तथा समुदाय के साथ बन्दी केनिरन्तर सम्बन्ध को बनाए रखने में हर सम्भव सहायता देगा।

	¼3½jgsxkA — ftyk ifjoh{kk vf/kdkjh eq[;ky; Lrj ij cUnh dh dY;k.k lsok ls lEc) Hkh
xSj&ljdkjh laxBuksa dh HkwfedkA	583. पुनर्वास कार्यक्रमों में विख्यात गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भागीदारी को व्यापकरूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। स्वैच्छिक संगठन, जो पुनर्वास परियोजनाओं में सरकार की सहायताकरना चाहते है, को हर आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाएगी।
iwoZ सिद्धदोषबन्दियों ds iquokZl ds fy, tulk/kkj.k esa tkx:drkA	584. जनता को प्रिन्ट तथा श्रव्य-दृश्य मीडिया के माध्यम से पूर्व सिद्धदोष बन्दियों के पुनर्वास कीआवश्यकता के बारे में शिक्ष[ित किया जाएगा। व्यक्तियों तथा हस्तियों के साथ सतत् सम्पर्क रखाजाएगा, जो रिहा बन्दियों को रोजगार देने के ईच्छुक हैं। कारपोरेट हस्तियों को कारपोरेट सामाजिकजिम्मेवारी (सी.एस.आर.) ढांचे के अधीन बन्दियों के पुनर्वास के लिए निधियों में अंशदान करने केलिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

fu/kkZj.kA	585. (1) अनुरक्षण एजेंसी बन्दी के लिए अनुरक्षण कार्यक्रम की योजना से निकट रूप में सम्बद्ध होंगी। (2) बन्दी की अनुरक्षण योजना ऐसे परिवर्तनों के अध्यधीन होंगी जो अनुरक्षण सेवा द्वारा vko';d ik, tk,aA (3) जिला परिवीक्षा अधिकारी अधीक्षक के निर्देशों के अधीन पूर्व-रिहाई अवधि के दौरान विशेष ध्यान देगा तथा सभी विहित रिकार्ड बनाए रखेगा। (4) संस्था से रिहाई के बाद रिहा व्यक्ति के मामले का प्रत्येक मामले की अपेक्षा के अनुसार एक से दो वर्ष तक की अवधि के लिए अनुवर्तन किया जाएगा। (5) जिला परिवीक्षा अधिकारी मुलाकात या पत्राचार के माध्यम से अनुवर्तन करेगा। रिहा बन्दी के समायोजन तथा पुनर्वास की छह माही मूल्यांकन रिपोर्ट उस द्वारा तैयार की जाएगी तथा उसकी प्रतियां कारागार मुख्यालय सहित सभी पणधारियों को भेजी जाएंगी। (6) मुख्यालय में रिकार्ड शाखा सभी मामलों की फाईले रखेगी तथा केन्द्रीय सूची प्रणाली के अनुसार रिपोर्ट का अनुवर्तन करेगी।
Ldheksa lw=hdj.kA dk	586. सरकार का उद्योग विभाग लघु उद्योग इकाईयों में रिहा बन्दियों के रोजगार के लिए स्कीमेंlw=c) djsxkA
औद्योगिक इकाईयों Tovkxs c<+kukA	587. उद्योगों को रिहा बन्दियों के पुनर्वास तथा सामाजिक समायोजन के हित में उनको नौकरी मेंअधिमान देने के लिए कारागार मुख्यालय के स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा।

lsok 'krsZaA	v/;k; 33 कारागार अधिकारी 588. (1) मानव संसाधन की गुणवत्ता कारागार प्रशासन की कारगर प्रणाली में परम महत्व की है।कारागार विभाग में सेवा की शर्तें ऐसी होगी कि वे बेहतर अनुकूल कार्मिक को आकर्षित करें तथारखे। सुधारात्मक संस्थाओं की कारगरता तथा उपयोगिता सन्तुष्टि के स्तर पर विशाल रूप से निर्भरहोगी जो सेवा में अभिभावी हो। बेहतर सेवा शर्तें बेहतर कार्मिक प्रस्तुत करेंगी, जिसके फलस्वरूपबेहतर संस्थाएं विकसित होगी। (2) राज्य की सभी कारागारों में, कार्मिक कारागार के आकार, कारागार क्षमता, सुरक्षा कीअपेक्षा, अनुशासन, कार्य भार तथा कार्यों के वितरण के अनुसार लगाए जाएंगे। सैद्धान्तिक रूप में,प्रत्येक छह बन्दियों के लिए कम-से-कम एक रक्षा कार्मिक होगा। (3) प्रत्येक कारागार में ऐसी स्टाफ संख्या होगी जो समय-समय पर सरकार द्वारा विनिश्चितdh tk,A

eq¶r vkokl vkokl HkRrkA ljdkjh rFkk fdjk;k	589. (1) अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी, उप-अधीक्षक, नर्सिंग स्टाफ, भेषजी अधिकारी, अधीनस्थअधिकारी, मुख्य वार्डर तथा वार्डर, जिन्हें कारागार में सरकारी आवास मुहैया कराए गए है, को किराएका भुगतान करने के दायित्व से छूट दी जाएगी। ऐसे मामलों में, जहां सरकारी आवास मुहैया नहींकराए जा सकते, मकान किराया भत्ता दिया जाना कारागार से उचित दूरी के भीतर (अधीक्षक द्वाराअनुमोदित किया जाना है) उसकी डयूटी के प्रयोजन के लिए सुविधाजनक तथा आकस्मिक संकट मेंबुलाने पर डयूटी के लिए स्वयं को उपलब्ध कराने के लिए स्वयं के निवास हेतु व्यवस्था करने वालेकर्मचारी पर निर्भर होगा। (2) कारागार का प्रत्येक अधीनस्थ अधिकारी, जिसके लिए आवासीय क्वार्टर मुहैया कराए गएहैं, उसमें रहेंगे। जब मुफ्त क्वार्टर मुहैया नहीं कराए गए हों, तो अधीनस्थ ऐसे अड़ोस-पड़ोस मेंकारागार के यथा सम्भव निकटतम रूप से रहेगा। मकान किराया भत्ता उस स्टाफ को मुहैया करायाजाएगा, जिन्हें सरकार द्वारा नियत दरों पर आवासीय क्वार्टर मुहैया नहीं कराए गए हैं।
v/kh{kd ds dk;kZy; esa नियुक्तियों dk राजपत्रित होना।	590- vLFkkbZ vuqifLFkfr ds ifj.kkeLo:i mRiUu fLFkfr ls vU;Fkk v/kh{kd ds in ij lHkh नियुक्तियों तथा में परिवर्तन राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे। अधीक्षक का पद राजपत्रित वर्ग-1होगा। अधीक्षक के पद पर सभी पदोन्नतियां उप अधीक्षक के पद पर सेवारत उप अधीक्षकों में सेपदोन्नति द्वारा की जाएंगी।
vLFkkbZ fjfDr;kaA	591- fdlh dkjkxkj ds v/kh{kd ds dk;kZy; esa ;k v/kh{kd fdlh dkj.k ls vius in ds dÙkZO; का निर्वहन करने में असमर्थ होने या निर्वहन करने से रोकने के कारण होने वाली किसी अस्थाई रिक्तिके मामले में,यह तथ्य ऐसे अधीक्षक या उसके अभाव में उप-अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा महानिदेशक के/;ku esa rqjUr yk;k tk,xkA
v/kh{kd 'kfDr;ksa iz;ksxA dh dk	592. अधीक्षक को इन नियमों द्वारा प्रदत्त सभी या किन्हीं शक्तियों तथा द्वारा अधिरोपित डयूटी का,उसकी अनुपस्थिति में, ऐसे अन्य अधिकारी द्वारा प्रयोग तथा पालन किया जा सकता है, जिसे महानिदेशकइस निमित्त या तो नाम से या कार्यालय पदनाम से सौंपे।
v/kh{kd lk/kkj.k M~;qfV;k¡A dh	593. (1) महानिदेशक के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण के अध्यधीन, अधीक्षक अनुशासन, प्रशासन,श्रम, खर्च, सुधारक तथा कल्याण कार्यक्रम, दण्ड तथा नियन्त्रण सहित सभी मामलों में कारागार काप्रबन्ध कार्यकारी होगा। (2) अधीक्षक कारागार तथा उसमें परिरूद्ध बन्दियों की सुव्यवस्था, अनुशासन, प्रबन्धन तथासुरक्षा के पूर्वोक्त वण◌र्ि◌त मामलों में अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में लागू विधियों तथा नियमों तथासरकार के निर्देशों द्वारा बाध्य होगा। (3) अधीक्षक सुनिश्◌िचत करेगा कि सभी लागू नियम उचित रूप से, निष्पक्ष रूप से तथाभेदभाव के बिना लागू हैं तथा कि सभी व्यक्ति जिनको नियम लागू ह◌ै, को नियमों तथा नियमों केअधीन अनुशासन के किसी भंग के परिणामों के बारे में पहले ही अवगत कराया गया है। (4) अधीक्षक स्वयं को अधिनियम तथा सभी अन्य वैधानिक अधिनियमितियों के उपबन्धों सेजो कारागार प्रबन्धन को शासित करती हैं तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों से भी सम्पूर्ण रूप सेअभिज्ञ करेगा। वह सभी वैधानिक उपबन्धों तथा नियमों तथा उसके प्रभार में सुपुर्द किए गए बन्दियोंके सभी दण्डादेशों के वैध निष्पादन को प्रभावी करने के लिए जिम्मेवार होगा।

	(5) अधीक्षक कागज पर या डिजीटल रूप से या दोनों के ऐसे रिकार्ड बनाए रखेगा यारखवाएगा, जो विनिर्दिष्ट किया जाए।

	(6) अधीक्षक कारागार में किसी समय पर परिरूद्ध सभी बन्दियों को सहायता, देखभाल, कीअभिरक्षा उपलब्ध करेगा तथा पर नियन्त्रण रखेगा। (7) अधीक्षक कारागार की सुरक्षा, कल्याण तथा साधारण प्रशासन के मामलों में आधुनिकतकनीक तथा उपायों को अपनाएगा। (8) अधीक्षक कारागार से सम्बन्धित सभी खर्च का नियन्त्रण करेगा तथा रिकार्ड बनाए रखेगातथा सुनिश्चित करेगा कि ऐसे खर्च वित्तीय नियमों के अनुरूप तथा कोडल औपचारिकताओं तथा वित्तीयvuq'kklu dk ikyu djus ds ckn mixr fd, x, gSaA (9) अधीक्षक कारागार अपराध करने तथा अनुशासन का भंग करने वाले सभी मामलों में जांचकरेगा तथा निर्णय देगा तथा उन सभी को उसके लिए किए गए उपबन्धों के अनुसार दण्ि◌डत करेगाजो उसके दोषी पाए गए हैं। (10) अधीक्षक बन्दियों तथा स्टाफ सदस्यों के मनोरंजन के लिए उचित सुविधाएं मुहैया कराने ds fy, dne mBk,xkA (11) अधीक्षक उस द्वारा संचालित कारागार में बन्दियों के वर्गीकरण, उनके प्रशिक्षण, उपचारकार्यक्रम तथा सुधारात्मक कार्यकलापों तथा सुधारात्मक प्रशासन से सम्बन्धित राज्य पॉलिसी केलागूकरण के लिए योजना तैयार करेगा।
egkfuns'kd dk fu;U=.kA	594- v/kh{kd] egkfuns'kd ds fu;U=.k ds v/khu vius M;wVh dk fuoZgu djsxk rFkk ml }kjk पारित सभी आदेश महानिदेशक के पुनरीक्षण के अध्यधीन होंगे।
v/kh{kd }kjk प्रतिदिन कारागार dk fujh{k.k djukA	595. (1) अधीक्षक प्रत्येक कार्य-दिवस को दोपहर पूर्व कम से कम एक बार तथा दोपहर बाद एकबार तथा इसी प्रकार शनिवार, रविवार तथा अवकाश में यदि विशेष परिस्थितियां उसे वांछित करें,निरीक्षण करेगा; यदि किसी कारण अधीक्षक को निरीक्षण करने से रोका गया है या किसी दिन कारागारका निरीक्षण करने में असमर्थ है जिसको उसे इस नियम द्वारा ऐसा करना अपेक्ष्ि◌ात है, तो वह अपनी Mk;jh esa viuh vuqifLFkfr ds rF; rFkk dkj.k vfHkfyf[kr djsxkA (2) अधीक्षक का प्रथम कर्तव्य कारागार में उसके दैनिक निरीक्षण के अवसर पर, विधि तथाउस निमित्त नियमों के उपबन्धों के अनुसार समय-समाप्त बन्दियो को रिहा करना होगा तथा विषेषरूप से उसके कर्तव्य के निर्वहन में उनकी नीजि सम्पति को वापस करने से सम्बन्धित नियमों कापालन करना होगा।
v/kh{kd }kjk रात को निरीक्षण djukA	596. अधीक्षक सप्ताह में कम-से-कम एक बार रात (सायं काल 10 बजे से प्रातःकाल 4 बजे के बीच)के दौरान कारागार रैंडमली निरीक्षण करेगा तथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि कारागार उचित रूप सेसुरक्ष्ि◌ात तथा रक्ष्ि◌ात है तथा कि बन्दियों, रक्षा कार्मिक तथा डयूटी अधिकारी तथा उनके कर्त्तव्यों कारात्रिकालीन व्यवस्था को शासित करने वाले सभी नियमों तथा आदेशों का विधिवत पालन किया जाताहै। उसके रात के दौरे के दौरान अधीक्षक अपनी उपस्थिति में मुख्य द्वार पर आने तथा जाने वालेवार्डर गार्ड की प्रायः तलाशी लेगा तथा जांच करेगा। अधीक्षक किसी अप्रिय घटना के घटने पर तुरन्त jkr esa dkjkxkj dk fujh{k.k djsxkA
v/kh{kd dk fuokl LFkkuA	597. अधीक्षक कारागार परिसरों में निवास करेगा जब तक महानिदेशक और कहीं रहने के लिएलिखित में उसे अनुमति न दे। अधीक्षक कोई अन्य अतिरिक्त नियोजन स्वीकार नहीं करेगा।
v/kh{kd dk jkr के दौरान हाजिरहोना।	598. अधीक्षक महानिदेशक से अनुमति के बिना रात को भी कारागार परिसरों से अनुपस्थित नहींjgsxk fdUrq ;fn vfuok;Z vko';drk ds dkj.k jkr ds fy, vodk'k ds fcuk vuqifLFkr jguk अनिवार्य है, तो वह तुरन्त महानिदेशक को तथ्य तथा उसके कारण की रिपोर्ट करेगा।

v/kh{kd M;wfV;ksa izR;k;kstu otZuA }kjk ds dk	599. यदि अधीक्षक को उस पर अधिरोपित किसी डयूटी को करने से अपरिहार्य कारण से किसी समयपर रोका गया है, तो वह महानिदेशक की पूर्व अनुमति के बिना किसी अन्य अधिकारी को किसी डयूटीका प्रत्यायोजन नहीं करेगा।
dkjkxkj To fujf{kr djuk rFkk n{k fLFkfr esa vuqjf{kr djukA	600. (1) अधीक्षक कारागार की प्रत्येक बैरक, प्रागंण, सैल, कर्मशाला, शस्त्रागार, वार्डर लाईन तथाप्रत्येक अन्य भाग तथा इसके अहातों तथा उससे सम्बन्धित या संलग्न, या उससे संयोजित सभी परिसरोंका प्रायः मुआयना तथा निरीक्षण करेगा तथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि सभी भवन, संरचना, साथ

	yxrh nhokjsa vkfn lqjf{kr gSa rFkk csgrj lEHko ejEer fLFkfr esa vuqjf{kr gSa rFkk fd dfFkr कारागार अहातों तथा परिसरों के प्रत्येक भाग को साफ तथा उचित सफाई स्थिति में रखा गया है। (2) अधीक्षक, दिन तथा रात के हर समय के दौरान कारागार परिसरों के प्रत्येक अनुभाग,ब्लाक, भवन, खुले क्षेत्र, मुख्य द्वार, कार्यालय, परिधीय दीवार, कोटमौका, अस्पताल तथा प्रत्येक अन्यस्थान को कारागार के दक्ष कार्य करने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों की ऐसी संख्या, जो वह आवश्यकसमझे, के स्पष्ट प्रभार के अधीन रखवाएगा।
v/kh{kd vLirky eqvk;ukA }kjk dk	601. अधीक्षक प्रायः कारागार अस्पताल का निरीक्षण करेगा तथा किसी संक्रामक बीमारी से पीड़ित यापीड़ित होने वाले संदिग्ध के उचित पृथक्करण के सम्बन्ध में चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए सभीलिखित निर्देशों को कार्यान्वित करेगा या कार्यान्वित करवाएगा।
v/kh{kd }kjk lIrkg esa de&ls&de ,d ckj dkjkxkj cxhps dk eqvk;uk djukA	602. (1) v/kh{kd lIrkg esa de&ls&de ,d ckj dkjkxkj cxhps dk eqvk;uk djsxk rFkk Lo;a dh lUrqf"V djsxk fd]& (क) बन्दियों के उपभोग के लिए सब्जियों, मसालों तथा अन्य फसलों की खेती करनेतथा पर्याप्त उत्पादन तथा सत्त आपूर्ति के प्रयोजन के लिए सभी आवश्यक उपायmlesa fd, tk jgs gSa((ख) बगीचे में शामिल भूमि उचित अनुक्रम में रखी गई है तथा अपतृण से मुक्त है; (c) dkjkxkj ls xUnxh rFkk dwM+k&djdV dk fuiVku dkjxj :i ls rFkk iw.kZ :i ls fd;k tkrk gS((d) vLrcy ySVj rFkk vU; [kkn dk mi;qDr :i ls fuiVku fd;k tkrk gS rFkk कि साधारणतः परिसरों को अच्छी सफाई स्थिति में अनुरक्ष्ाित किया गया है; तथा (e) dkjkxkj cxhps oSKkfud rFkk mRiknu&mUeq[k vk/kkj ij pyk;k tk jgk gSA (2) अधीक्षक व्यक्ितगत रूप से सुनिश्ाचित करेगा कि कारागार बगीचे के लिए विहित लक्ष्यपूरे किए गए हैं तथा आधुनिक तथा वैज्ञानिक पद्धतियों पर कृषि प्रशिक्षण सहवासियों को दिया जातागSA

v/kh{kd }kjk LVkd] e'khujh तथा औजारों कीtkap djukA	603. अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से छह मास में कम से कम एक बार भण्डार की प्रत्येक वस्तु की जांचकरेगा तथा भण्डार रजिस्टर के टिप्पणी खाने में अभिलिखित करेगा कि क्या कतिपय तिथि को जांचागया बकाया सही या गलत था तथा भिन्नताएं, यदि कोई हो, नोट की गई थी। इस जांच का एक नोटउसकी डायरी में भी किया जाएगा तथा भिन्नताएं, यदि कोई हो, तुरन्त महानिदेशक को सूचित कीtk,axhA टिप्पण1:- वस्तुओं की जांच इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि कारागार का अधीक्षक एक तिमाही मेंआधी जांच जिसे उप अधीक्षक (प्रशासन) दूसरी तिमाही में तथा विलोमतः जांच करेगा। यहसुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक वस्तु तीन मास में या तो अधीक्षक या उप-अधीक्षक(प्रशासन) द्वारा एक बार जांची गई है। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा की गई जांच काप्रमाण-पत्र प्रत्येक वर्ष प्रथम जनवरी तथा प्रथम जुलाई तक महानिदेशक को प्रस्तुत कियाजाएगा। अधीक्षक कार्यभार ग्रहण करने पर पुस्तकों को यह देखने के लिए जांच करेगा किउसके पूर्वाधिकारी द्वारा आधे वर्ष में कौन सी वस्तुएं नहीं जांची गई हैं तथा आधे-वर्ष कीशेष अवधि के दौरान इनकी जांच करेगा। fVIi.k2%& ;fn fdlh Hk.Mkj esa dh xbZ tkap ds ifj.kkeLo:i ;k egkys[kkdkj] gfj;k.kk }kjk vkfMV रिपोर्ट के परिणामस्वरूप कमियां पाई गई हैं, तो अधीक्षक कमी के लिए जिम्मेवारी नियतकरने हेतु तुरन्त कार्रवाई करेगा तथा आदेशों के लिए महानिदेशक को सिफारिश सहितअपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
बन्दियों dh lkIrkfgd fujh{k.k ijsMA	604. (1) अधीक्षक हाजिरी लेने तथा निरीक्षण करने के प्रयोजनों के लिए कारागार में तत्समयपरिरूद्ध सभी बन्दियों की साप्ताहिक परेड का आयोजन करेगा। (2) उपनियम (1) के अधीन की गई प्रत्येक परेड में अधीक्षक स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि,- (क) प्रत्येक बन्दी को नियमों में उपबन्धित अनुसार उचित रूप से वर्गीकृत किया गया gS((ख) प्रत्येक बन्दी को नियमों में उपबन्धित अनुसार उचित वस्त्र तथा बिस्तर मुहैया djk, x, gSa(

	(c) प्रत्येक बन्दी व्यक्तिगत रूप में तथा वस्त्र दोनों से साफ है; (d) बन्दियों द्वारा माफी तथा पैरोल नियमों के उपबन्धों को समझा गया है; (e) बन्दियों पर लागू नियमों तथा आदेशों का विधिवत् पालन किया जा रहा है; (f) सभी चिरकालिक रूप से या गम्भीर रूप से बीमार बन्दी उचित उपचार प्राप्त कर jgs gSaA (3) अधीक्षक प्रत्येक ऐसी परेड में प्रत्येक अनुरोध या शिकायत (यदि कोई हो) सुनेगा जोकोई बन्दी करना चाहता है तथा सम्यक् अनुक्रम में जांच करेगा तथा उस पर आदेश पारित करेगा।टिप्पण1:- वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/ चिकित्सा अधिकारी, सभी उप अधीक्षक तथा सम्बन्धित अधीनस्थ LVkQ v/kh{kd ds lkFk tk,xkA टिप्पण2:- ऐसी परेड में प्रत्येक बन्दी अपनी बैरक के प्रागंण में अपना बिस्तर, फालतू वस्त्र, कप तथा प्लेट स्वच्छ रूप से व्यवस्थित करेगा तथा लाईन में सावधानी से खड़ा होगा।
बन्दियों dh प्रतिदिन दो बारtkap rFkk fxurh djukA	605. अधीक्षक बन्दियों की प्रतिदिन कम-से-कम दो बार अर्थात् प्रातःकाल में वार्ड के खोलने तथासांयकाल में बन्दियों को हवालात में करने के समय पर जांच तथा गिनती करवाएगा।
कारागार परिसरोंesa laO;ogkfjr fd, tkus okyk dkjkxkj dkjckjA	606. अधीक्षक साधारणतः कारागार से संबंधित सभी कारबार उसके परिसर में संव्यवाहित करेगा, तथाआवश्यकता या आपात के मामलों से अन्यथा, ऐसे परिसरों से बाहर किसी स्थान पर किसी स्टाफlnL; dh gkftjh dh vis{kk ugha djsxkA

v/khuLFk अधिकारियों ds बीच डयूटियों काforj.kA	607. (1) अधीक्षक अधीनस्थ अधिकारियों में डयूटियों के वितरण तथा प्रत्येक ऐसे अधिकारी कोआबंटित डयूटी का स्वरूप तथा सीमा उसमें अधिकथित करते हुए लिखित आदेश पारित करेगा: परन्तु इस नियम के अधीन पारित किसी आदेश में दी गई कोई भी बात कारागार केप्रबन्धन के सम्बन्ध में अधीक्षक के अधीन उप अधीक्षक को अपनी साधारण जिम्मेवारी से या तत्समयलागू किसी विधि या नियमों द्वारा उस पर अधिरोपित किसी डयूटी के उप अधीक्षक या किसी अन्यअधीनस्थ अधिकारी को किसी भी प्रकार से मुक्त नहीं करेगी। (2) अधीक्षक कारागार में नियोजित अधीनस्थ अधिकारियों में डयूटियों के वितरण के मामलेesa le;≤ ij pØkuqØe dk fl)kUr ykxw djsxkA (3) कारागार में नियोजित अधीनस्थ अधिकारियों में डयूटियों का वितरण इस प्रकार आबंटितकिया जाएगा कि जो यर्थाथता सहित तथा अनिश्चितता की किसी सम्भावना को छोड़े बिना कारागार,रिकार्ड में किसी गलती के लिए जिम्मेवारी नियत करने में अधीक्षक को समर्थ बना सकें, इसलिए,कार्यकारी तथा लिपिक वर्गीय कार्य के वितरण की प्रति प्रस्तुत की जाएगी तथा कारागार कार्यालय मेंfdlh lgtn``; LFkku esa vuqjf{kr dh tk,xhA
v/kh{kd }kjk mi v/kh{kd dh M~;wfV;ka fy;k tkukA	608. (1) अधीक्षक किसी उप अधीक्षक की ऐसी डयूटियों को लिखित आदेश द्वारा स्वयं ले सकताहै, जो वह कारागार को दक्ष रूप से चलाने के लिए आवश्यक समझे। (2) उप-नियम (1) के अधीन की गई प्रत्येक कार्रवाई उसके लिए कारण देते हुए अधीक्षकद्वारा महानिदेशक को तुरन्त सूचित की जाएंगी तथा महानिदेशक ऐसे आदेश को पुष्ट, रूपान्तरित तथाjn~n dj ldrk gSA
v/kh{kd }kjk lHkh dkjkxkj अपराधों में जांचdjuk rFkk n.M vfHkfyf[kr djukA	609. अधीक्षक अपराधी के बचाव के लिए अपराधी को पूरा अवसर देने के लिए उसी समय सम्बन्धितसभी गवाहों के कथन अभिलिखित करके न्यायिक-कल्प रीति में कारागार में किसी बन्दी द्वारा किएगए प्रत्येक अपराध या तथा कथित किए गए अपराध के रूप में जांच करेगा। अपराधी के संस्वीकृतिकथन भी दो गवाहों की उपस्थिति में अभिलिखित किए जांएगे। न्यायसम्मत चित्त का उपयोग करने केबाद विधि द्वारा उपबन्धित रीति में उसके निष्कर्ष तथा प्रस्तावित दण्ड बन्दी की इतिवृत्त-टिकट मेंअधीक्षक द्वारा उसके अपने हाथ से अभिलिखित करना चाहिए। निष्कर्ष तथा प्रस्तावित दण्ड वालीसम्पूर्ण जांच फाईल उसी दिन न्यायिक अंकन प्राप्त करने के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भेजीजाएगी। जहां आकस्मिक संकट के कारण ऐसी सूचना कठिन है, तो उसे कार्रवाई के दो दिन के भीतरदिया जाएगा। अधीक्षक स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि इस प्रकार प्रस्तावित प्रत्येक दण्ड विधि के अनुसारविधिवत् कार्यान्वित किया गया है:

	परन्तु किसी भी समय अधीक्षक को किसी कारण से ऐसे अभिलेख बनाने से शारीरिकरूप से रोका गया है, तो वह उसे अपनी उपस्थिति में तथा अपने निदेश के अधीन बनवाएगा। टिप्पणः- दण्ड का आदेश अधीनस्थ अधिकारी द्वारा दण्ड के विहित रजिस्टर (रजिस्टर संख्या 5) में प्रतिकृत/प्रविष्ट किया जाएगा।
स्टाफ सदस्यों कीfu;qfDr rFkk n.MA	610. (1) अधीक्षक स्टाफ सदस्यों की नियुक्ति तथा दण्ड के बारे में ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा, जो ऐसे अधिकारियों की सेवा शर्तों से सम्बन्धित नियमों में विनिर्दिष्ट हैं। (2) v/kh{kd fdlh Hkh le; fdlh LVkQ lnL; ds vkpj.k dh tkap dj ldrk gS rFkk अपनी राय अभिलिखित कर सकता है। ऐसी सभी जांच करने में वह सुसंगत दण्ड तथा अपील नियमों द्वारा मार्गदर्शित होगा।
v/kh{kd }kjk	611. अधीक्षक तुरन्त दूरभाष तथा अन्य साधनों द्वारा निम्नलिखित घटनाओं को रिर्पोट करेगा जिसमेंमहानिदेशक को संचार के अनुमोदित साधनों के माध्यम से विस्तृत रिपोर्ट का हमेशा पालन कियाtk,xk] vFkkZr~%&

lHkh egRoiw.kZ घटनाओं dh रिपोर्ट करना।	(क) कारागार अनुशासन तथा कारगार सुरक्षा के सभी गम्भीर उल्लंघनों; (ख) प्रत्येक मामला जिसमें कोई बन्दी भाग जाता है या भागने का प्रयास करता है या पुनःपकड़ा जाता है या आत्महत्या करता है या गम्भीर क्षति से मर जाता है या प्राप्त करताgS(¼x½ egkekjh jksx ;k jksx ds lHkh izdksi]ftuls cfUn;ksa ;k LVkQ lnL;ksa esa egkekjh dk :i /kkj.k djus dh lEHkkouk gS] QSyus ls jksdus ds fy, fd, x, mik;(¼?k½ HkhMHkkM+ ds lHkh xEHkhj ekeys rFkk ,sls lHkh ekeys tks le;≤ ij egkfuns'kd vius foosd ls ml fufeÙk lk/kkj.k ;k fo'ks"k vkns'k ls v/kh{kd }kjk mldks ,slh fjiksVZ djus dh vis{kk djsA ¼³½ rkRdkfyd dkj.kksa lfgr cfUn;ksa dh e`R;q ds lHkh ekeysA
v/kh{kd }kjk egkfuns'kd rFkk dk;kZy; मुलाकातियों केlkFk pyukA	612. (1) egkfuns'kd] vij egkfuns'kd] egkfujh{kd] vij egkfujh{kd ;k mi egkfujh{kd tc कभी वह अधिकारी उसके या उसके किसी भाग के निरीक्षण के प्रयोजन के लिए कारागार का भ्रमणकरता है, के साथ चलने की अधीक्षक की डयूटी होगी तथा निरीक्षण को सूकर बनाने तथा निरीक्षणकरने वाले अधिकारी की सुरक्षा सुरक्ष्ित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। (2) अधीक्षक, यदि ऐसा वांछित हो, कारागार में उसके भ्रमण के दौरान किसी कार्यालयमुलाकाती के साथ उसी प्रकार चलेगा।
v/kh{kd }kjk प्राप्तियों rFkk [kpZ ij lrdZ fu;U=.k dk प्रयोग करना।	613. (1) v/kh{kd dkjkxkj esa fdlh le; ifj:) cUnh ;k fdlh cUnh]ljdkj ds fy, ;k ds मद्दे उस द्वारा या किसी अधीनस्थ अधिकारी द्वारा या जो किसी समय उसके प्रभार में या किसीअधीनस्थ अधिकारी के प्रभार में है, द्वारा प्राप्त किसी भी प्रकार की सभी धन-राशियों, मदों तथा सम्पत्त्िापर सतर्क पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण का सभी समय प्रयोग करेगा; dkjkxkj ds vuqj{k.k rFkk प्रबन्धन, उसमें तत्समय परिरूद्ध बन्दियों या किसी रूप में उसके सम्बन्ध में या उससे सम्बन्धित को भीतत्समय लागू उस निमित्त किसी नियम के प्राधिकार से उस द्वारा या उसके प्राधिकार या आदेश केअधीन उपगत किसी प्रकार के सम्पूर्ण खर्च पर भी समरूप पर्यवेक्षण रखेगा तथा इन नियमों तथा उसनिमित्त तत्समय लागू लोक लेखों के प्रबन्धन को विनियमित करने वाले नियमों तथा आदेशों के उपबंधोंके अनुसार सभी ऐसी प्राप्तियां तथा खर्च तथा सम्पति के उचित लेखे तथा वाउचर तत्परतापूर्वक रखेगाrFkk ys[kkijhf{kr djok,xkA (2) अधीक्षक उसके भाग पर किसी लापरवाही, अवज्ञा या कदाचार के कारण या के फलस्वरूपकिसी प्रकार के सभी गबन, हानि या क्षति के लिए व्यक्तिगत रूप से दायी होगा। अधीक्षक से प्रत्येकविभाग में हर सम्भव किफायत को बढ़ावा देने तथा उनसे स्वीकृति लेने या स्वीकृति के लिए उन्हेंप्रस्तुत करने से पूर्व सभी मांगों तथा मांगपत्रों की सावधानीपूर्वक जांच करने के लिए कारागार प्राप्तियोंतथा खर्च पर निरन्तर निगरानी रखना अपेक्ष्ित है। वह व्यक्तिगत निरीक्षण से स्वयं को सन्तुष्ट करेगाfd]& (क) रजिस्टर तथा लेखाबही नियमित रूप से तथा सम्यक् रूप से लिखी जाती हैं तथा दैनिक प्रविष्टियां दिन की पुस्तकों में की जाती हैं; (ख) नकद बकाया पुस्तकों में दर्ज बकायों के अनुरूप है तथा कि बाद का बकाया सही gS(

	(c) बकाया को आवश्यकता से अधिक समय तक अकार्यान्वित रखना अनुज्ञात नहीं हैं। (3) अधीक्षक कारागार स्थापना के किसी सदस्य के भाग पर गबन के लिए दायी है जो कारगर पर्यवेक्षण का प्रयोग करने हेतु उसके भाग पर डयूटी या चूक की किसी लापरवाही से किसी :i esa lwdj rFkk lEHko gqvk gSA
vkiwfrZ;ksa dk rRijrk ls	614. अधीक्षक स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि आपूर्तियों का उनके खरीदने के समय पर या उसके बाद;Fkk 'kh?kz ;Fkk Hkqxrku dj fn;k x;k gSA

Hkwxrku tkukA fd;k	
v/kh{kd }kjk fpfdRlk अधिकारी (प्रभारी)dh ekax Todk;kZfUor djukA	615. (1) v/kh{kd mfpr fopkj.k rFkk viuh lUrqf"V ds ckn] fdlh cUnh ds ekeys esa ftldk चित्त या शरीर चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की राय में यह अपेक्ष्ाित हो, अतिरिक्त बिस्तर या वस्त्र याकिसी बन्दी के आहार के परिवर्तन या अनुशासन या उपचार के किसी परिवर्तन संबंधी प्रावधान केसम्बन्ध में चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की सभी लिखित मांगों को कार्यान्वित करवाएगा। (2) चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की डायरी प्रतिदिन अधीक्षक के सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी।
v/kh{kd dh Mk;jhA	616. (1) अधीक्षक एक डायरी रखेगा जिसमें वह कारागार के प्रबन्धन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण प्रत्येक? kVuk vfHkfyf[kr djsxkA (2) अधीक्षक कारागार के प्रबन्धन, अनुशासन, प्रशासन या अन्य सम्बन्धित मामलों के सम्बन्धमें उस द्वारा पारित सभी आदेशों का परिबद्ध संकलन अनुरक्ष्ाित करवाएगा। वह स्वयं की सन्तुष्टि करेगाकि प्रत्येक ऐसे आदेश को विधिवत् कार्यान्वित किया जाता है। सभी आदेशों से गठित परिबद्ध संकलनकिसी ऐसे आदेश के निष्पादन की किसी रीति में सौंपे गए अधिकारी (अधिकारियों) द्वारा आदेश कोदेखने तथा प्राप्त करने की प्राप्ति सूचना से युक्त होगा।
v/kh{kd ds :i esa fu;qDr अधिकारियों ds ifjorZu ij प्रक्रिया।	617. किसी कारागार के अधीक्षक के रूप में प्रभार लेने के समय पर प्रत्येक अधिकारी, कार्यालय मेंप्रवेश करने से पूर्व स्वयं को सन्तुष्ट करेगा कि सभी रिकार्ड तथा रजिस्टर अद्यतन है तथा अच्छी स्थितिमें है तथा कि नकद बकाया, स्थाई अग्रिम तथा लेखे सम्पूर्ण है तथा विधिवत् रखे गए है। वह या तोप्रभार लेने के समय पर या उसके बाद एक मास के भीतर पता लगी त्रुटियों, कमियों या अनियमितताओं,यदि कोई हों, का लिखित में एक नोट देगा तथा उसकी महानिदेशक को सूचना देगा।
v/kh{kd fooj.kh djukA }kjk izLrqr	618. (1) अधीक्षक, महानिदेशक को निम्नलिखित विवरणी नियमित रूप से प्रस्तुत करेगा, अर्थात्:- (क) सांख्यिकीय सूचना की विवरणी; (ख) प्राप्ति, खर्च तथा सम्पति के सम्बन्ध में लेखों का विवरण; (c) fcy] chtd rFkk vU; ewy nLrkost((d) नियतकालिक रिपोर्ट तथा अन्य सूचना। (2) अधीक्षक कारागार के कार्य के अपने सम्पूर्ण निर्धारण देते हुए महानिदेशक को साप्ताहिकतथा मासिक बैठकों पर आधारित मासिक रिपोर्ट भेजेगा। (3) अधीक्षक स्टाफ सदस्यों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श के लिए प्रतिदिन समय निश्चितकरेगा। इस समय के दौरान, स्टाफ सदस्य उससे मिल सकते हैं तथा कारागार के कृत्यों या व्यक्तिगतशिकायतों के निवारण से सम्बन्धित अपने सुझाव दे सकते हैं। चिकित्सा अधिकारियों तथा राजपत्रितअधिकारियों की साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाएगी तथा कारागार के प्रशासन के बारे में सुझावोंपर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा कारागार कार्यों के दक्ष संचालन के लिए पॉलिसी सूत्रबद्ध कीtk,xhA
mi v/kh{kdA	619. उप-अधीक्षक की नियुक्ति तथा सेवा शर्तें लागू सेवा नियमों के अनुसार होंगी।
अधिकारियों का^mi&v/kh{kd* ds :i esa le>s tkukA	620. डयूटी के प्रयोजन के लिए, 'उप-अधीक्षक' अभिव्यक्ति में उप अधीक्षक (प्रशासन), उप-अधीक्षक(सुरक्षा), उप-अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) तथा इस प्रकार किए गए कार्यों या डयूटियों के सम्बन्धमें उप-अधीक्षक के सभी या किन्हीं कृत्यों या ड्यूटियों को करने के लिए तत्समय प्रत्येक व्यक्ति शामिलfd;k x;k le>k tk,xkA

mi v/kh{kd dk fuoklA	621. उप-अधीक्षक कारागार परिसरों में निवास रखेगा यदि अधीक्षक कहीं ओर रहने के लिए लिखितesa vuqer ugha djsA

mi v/kh{kd }kjk रात को उपस्थितjgukA	622. उप अधीक्षक (उप अधीक्षकों), अधीक्षक से लिखित में अनुमति के बिना रात के लिए कारागारपरिसरों से अनुपस्थित नहीं रहेगा, तथापि, यदि उप अधीक्षक अनिवार्य कारण के कारण किसी रात केलिए अवकाश के बिना अनुपस्थित रहता है, तो वह तुरन्त अधीक्षक को तथ्य तथा उसके कारण सूचितdjsxkA
mi v/kh{kd dh lk/kkj.k M~;wfV;k¡A	623. (1) उप अधीक्षक, अधीक्षक के सीधे निर्देश तथा आदेशों तथा नियंत्रण के अधीन डयूटियों काfuoZgu djsxkA (2) कारागार के प्रबंधन तथा उसमें परिरूद्ध बन्दियों से सम्बन्धित तत्समय लागू सभी विधियों,नियमों, विनियमों, निर्देशों तथा आदेशों को सही रूप से लागू करने या इस प्रकार लागू करवाना उपअधीक्षक की डयूटी होगी। (3) उप अधीक्षक अन्य उप अधीक्षकों की डयूटी का निर्वहन करने में उनकी हर सम्भवसहायता तथा सहयोग देने के लिए दायी होगा। (4) उप अधीक्षक अधिनियम, नियमों या महानिदेशक/अधीक्षक की हिदायतों/निर्देशों द्वारायथा अपेक्ष्ित उसके प्रभार में सभी रिकार्ड तथा अन्य वस्तुओं की सुरक्ष्ित अभिरक्षा के लिए जिम्मेवारwill be. (5) उप अधीक्षक सप्ताह में कम-से-कम एक बार रात (सांय काल 10 बजे से प्रातःकाल 4बजे के बीच) के दौरान कारागार का निरीक्षण करेगा तथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि कारागार उचितरूप से सुरक्ष्ित तथा रक्ष्ित है तथा कि बन्दियों, रक्षा कार्मिक तथा डयूटी अधिकारी तथा उनकी डयूटियोंकी रात्रि कालीन व्यवस्था को शासित करने वाले सभी नियमों तथा आदेशों का विधिवत् पालन कियाजाता है। उसके रात के चक्कर के दौरान उप अधीक्षक अपनी उप स्थिति में मुख्य द्वार पर आने तथाजाने वाले वार्डर गार्ड की प्रायः तलाशी लेगा तथा जांच करेगा। उप अधीक्षक किसी अप्रिय घटना केघटने पर तुरन्त रात में कारागार का निरीक्षण करेगा। वह रात्रि रिपोर्ट पुस्तक में रात्रि निरीक्षण कीरिपोर्ट करेगा। (6) उप अधीक्षक, जब कभी ऐसा करना अपेक्ष्ित हो, से अधीक्षक तथा प्रत्येक निरीक्षणअधिकारी तथा कारागार में उनके निरीक्षण पर कार्यालय मुलाकातियों के साथ चलेगा।
mi v/kh{kd }kjk कारागार छोड़नेपर प्रभार देना।	624. उप अधीक्षक किसी प्रकार के किसी प्रयोजन के लिए कारागार छोड़ने से पूर्व तथा प्रत्येक अवसरपर जिस पर कारागार छोड़ने का प्रस्ताव करता है, अधीक्षक द्वारा यथा निर्देशित ऐसे अधिकारी कोअपना प्रभार देगा तथा तथ्य अभिलिखित करेगा कि उसने अपनी डायरी में ऐसा कर लिया है। उसकेबाद प्रभार प्राप्त करने वाला अधिकारी ऐसा करने की अभिस्वीकृति में की गई प्रविष्टि प्रतिहस्ताक्षरdjsxkA
vuqefr ds fcuk mi v/kh{kd }kjk viuh M;wVh dk प्रत्यायोजन नहींdjukA	625. यदि उप अधीक्षक को उस पर अधिरोपित किसी डयूटी को करने से अपरिहार्य कारण से किसीसमय पर रोका गया है, तो वह अधीक्षक की पूर्व अनुमति के बिना किसी अन्य अधिकारी को कोई डयूटीप्रत्यायुक्त नहीं करेगा।

mi v/kh{kd dh Mk;jhA	626. (1) प्रत्येक उप अधीक्षक नियमित रूप से एक डायरी रखेगा जिसमें वह अपने कार्यों सेसम्बन्धित सभी महत्व की घटनाएं ज्यों ही वे होती है समय-समय पर अभिलिखित करेगा तथा कारागारकी साधारण स्थिति का दैनिक रिकार्ड बनाएगा। वह सभी रिपोर्ट तथा प्रतिवेदन जिसे अधीक्षक कोकरने की उसकी डयूटीहै, अपनी डायरी में दर्ज करेगा तथा सभी अन्य मामले जो तत्समय लागू नियमों,विनियमों, निर्देशों तथा आदेशों के किन्हीं उपबन्धों द्वारा उसमें दर्ज करने उसके लिए अपेक्ष्ति हों। (2) उप अधीक्षक की डायरी अधीक्षक के सम्मुख साप्ताहिक रूप से (या बाद में यदि आवश्यकहो) रखी जाएंगी, जो प्रत्येक प्रविष्टि के विरूद्ध अपने आदेश पृष्ठांकन करेगा या यदि कोई आदेश याfVIi.kh vko';d ugha gS] vius vk|{kj layXu djsxkA
mi v/kh{kd (प्रशासन) }kjk viuh Mk;jh esa प्रतिदिन प्रविष्टिdjukA	627. उप अधीक्षक (प्रशासन) अपनी डायरी में प्रतिदिन निम्नलिखित दर्ज करेगा, अर्थात्:-(क) तालाबन्दी समय; (ख) दिन के दौरान भरती बन्दियों की संख्या; (c)उपचार के लिए बाहरी अस्पतालों/संस्थानों में भेजे गए बन्दियों की संख्या;

	(d) दिन के दौरान रिहा या अन्तरित किए गए बन्दियों की संख्या; (e) कारागार की जाली तथा तालों की जांच के परिणाम; (f) किसी विशेष रीति में बन्दियों के रोजगार के लिए स्वीकृति; (six) gokykr le;((ज) दिन की कोई अन्य महत्वपूर्ण घटना; (i) कारागार प्रशासन के बारे में सुझाव, यदि कोई हों।
mi v/kh{kd (सुरक्षा) }kjk viuh Mk;jh esa प्रतिदिन प्रविष्टिdjukA	628. उप अधीक्षक (सुरक्षा) अपनी डायरी में प्रतिदिन निम्नलिखित दर्ज करेगा, अर्थात्:-(क) तालाबन्दी समय तथा उसमें परिरूद्ध बन्दियों की संख्या; (ख) स्टाफ सदस्यों की संख्या जो अनुपस्थित हैं; ¼x½ LVkQ lnL;ksa dh la[;k tks vodk'k ij gaS(¼?k½ LVkQ lnL;ksa dh la[;k tks vodk'k ls okil vk, gSa(¼³½ dkjkxkj dh tkyh rFkk rkyksa dh tkap ds ifj.kke(¼p½ lHkh n`"VkUr ftlesa mlus fdlh cUnh ij izfrcU/k dk iz;ksx djuk vko';d ik;k gks(¼N½ gokykr lekiu le; rFkk mlesa ifj:) cfUn;ksa dh fxurh((ज) दिन की कोई अन्य महत्वपूर्ण घटना; (i) कारागार प्रशासन के बारे में सुझाव, यदि कोई हों।
mi v/kh{kd (उद्योग rFkk कल्याण) }kjk viuh Mk;jh esa प्रतिदिन प्रविष्टिdjukA	629. उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) अपनी डायरी में प्रतिदिन निम्नलिखित दर्ज करेगा,vFkkZr~ %& (क) कार्य पर तथा अनुपस्थित बन्दियों की संख्या; (ख) समय जिस पर बन्दी कार्य, प्रशिक्षण, विद्या शुरू करता है; ¼x½ le; ftl ij dk;Z] izf'k{k.k] fo|k nksigj iwoZ esa jksdh xbZ Fkh rFkk nksigj ckn esa mls iqu% 'kq: fd;k x;k Fkk(¼?k½ le; ftl ij dk;Z fnu ds fy, jksdk x;k Fkk(¼³½ mu cfUn;ksa dh la[;k ftUgksaus O;kolkf;d rFkk 'kSf{kd izf'k{k.k esa Hkkx fy;k gS(dkjkxkj cUnh dkfyax lqfo/kk ¼ih-vkbZ-lh-,l-½ ds ek/;e ls dh xbZ dkWyksa dh la[;k(

	¼p½ ¼N½ fnu dk dksbZ vU; fo'ks"k lkaLd`frd] vk/;kfRed ;k lkekftd dk;ZØe ;k vU; egRoiw.kZ ? kVuk((ज) कारागार प्रशासन के बारे में सुझाव, यदि कोई हों।
mi v/kh{kd dk उसको सौंपी गईlEifÙk rFkk /kujkf'k ds fy, जिम्मेवार होना।	630. उप अधीक्षक उसकी देखभाल के अधीन सौंपी गई सभी सरकारी तथा अन्य सम्पति तथा धनराशिके स्थानान्तरण या अन्तरण के लेखे देगा।
बन्दियों dh lqj{kk] vuq'kklu] fujh{k.k rFkk gktjh ds lEcU/k esa mi v/kh{kd dh M;wVhA	631. (1) उप अधीक्षक सभी कार्य तथा बातें करेगा या करवाएगा जो कारागार में प्राप्ति या परिरूद्धकरने के समय पर सभी बन्दियों की सुरक्ष्ति अभिरक्षा तथा ऐसे बन्दियों तथा किसी समय उसके आदेशोंया नियन्त्रण के अधीन कार्यरत कारागार के सभी अधीनस्थ अधिकारियों में अनुशासन लागू करने तथाबनाए रखना सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तथा समीचीन हो तथा सुधारात्मक/शैक्ष्िाक कार्यक्रमोंdk v/kh{k.k Hkh djsxkA (2) उप अधीक्षक अस्पताल सहित कारागार की प्रत्येक बैरक, वार्ड, सैल, कक्ष तथा प्रत्येकअन्य भाग तथा उसके परिसरों का कम-से-कम प्रत्येक चैबीस घण्टे में एक बार निरीक्षण करेगा तथाउस निमित्त तत्समय लागू नियमों, विनियमों, निर्देशों तथा आदेशों में यथा उपबन्धित के सिवाए कारागारया उसके परिसरों के भीतर हमेशा उपस्थित रहेगा।

gokykr] rkykcUnh] Je] भोजन तथा vlk/kkj.k घटनाओं की रिपोर्ट के लिएmi v/kh{kd (प्रशासन) की M~;wfV;kaA	632. उप अधीक्षक (प्रशासन) की निम्नलिखित डयूटी होगी,- (क) प्रत्येक सांयकाल जब बन्दियों को रात्रि के लिए बन्द किया जाता है तथा प्रत्येक प्रातःकाल जब बन्दियों को शयन वार्ड, सैल या अन्य कक्षों से बाहर निकाला जाता है, हाजिर रहना;(ख) रात्रि तथा प्रातःकाल दोनों तक स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि सभी बन्दी हाजिर तथा lqjf{kr vfHkj{kk esa gS(¼x½ dBksj dkjkokl Hkqxrus ds fy, n.Mkfn"V izR;sd cUnh dks mfpr dk;Z vkcafVr djuk rFkk Lo;a dh lUrqf"V djuk fd izR;sd ,slk cUnh tks Je djus ds fy, ;ksX; gS izfrfnu mfpr Je ij j[kk tkrk gS rFkk mldks vkcafVr dk;Z djrk gS(¼?k½ izfrfnu jk'ku rqyokus rFkk ijkslus rFkk Lo;a dh lUrqf"V djsxk fd [kk|&inkFkZ mfpr :i ls lkQ rFkk ids gq, gSa(¼³½ Hkkstu ds forj.k dk i;Zos{k.k djus rFkk Lo;a dh lUrqf"V djuk fd izR;sd cUnh mfpr le; ij viuh mfpr ek=k izkIr djrk gS(¼p½ v/kh{kd dks xEHkhj Lo:i dh izR;sd vlk/kkj.k ?kVuk dh rqjUr fjiksVZ djsxkA
दण्डों के fu"iknu ds :i esa mi v/kh{kd (प्रशासन) की M;wVhA	633. उप अधीक्षक (प्रशासन) की निम्न अनुसार डयूटी होगी,- (क) सुपुर्दगी के सभी विधिपूर्ण वारंट तथा आदेशों की विधिवत् पालना तथा को कार्यान्वित djuk((ख) विधिपूर्ण अर्जित या प्रदान किए गए दण्डों की सभी माफी को कार्यान्वित करना तथा le;≤ ij fjgkbZ ds jftLVj esa fjgkbZ dh lgh frfFk dk iqujh{k.k djuk rFkk ntZ djuk(¼x½ vko';d ;k lehphu lHkh mik; djuk fd dksbZ Hkh cUnh mldh fof/kiw.kZ fjgkbZ ds fy, gdnkj gksus ls iwoZ fjgk ugha fd;k x;k gSA

बन्दी के प्रवेश ij mi v/kh{kd (प्रशासन) की M;wVhA	634. प्रत्येक बन्दी के प्रवेश पर उप अधीक्षक (प्रशासन)- (क) वारंट या आदेश जिसके अधीन ऐसे बन्दी को कारागार के सुपुर्द किया है, की जांचकरेगा या जांच करवाएगा तथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि वह सभी प्रकार से सम्पूर्ण,mfpr rFkk oS/k gSa((ख) स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि बन्दियों के प्रवेश के सम्बन्ध में अधिनियम तथा इन नियमों के उपबन्धों का विधिवत् पालन किया गया है।
ljdkjh lEifÙk dh vfHkj{kkA	635. (1) उप अधीक्षक (प्रशासन) सभी भण्डार, मशीनरी, औजार, संयन्त्र, कच्ची सामग्री, विनिर्मितमाल तथा किसी भी प्रकार की सभी अन्य वस्तुओं की प्राप्ति, जारी करने, सुरक्ष्ति अभिरक्षा तथा उपयोगया निपटान के लिए जिम्मेवार होगा जो तत्समय कारागार में तथा सरकार की सम्पत्त्ि है तथा वहउसके उचित लेखे तथा रजिस्टर अनुरक्ष्ति करेगा या अनुरक्ष्ति करवाएगा। वह प्रायः स्टाक चैकिंग तथासमय-समय पर अनुरक्ष्ति लेखों तथा रजिस्टरों की जांच तथा सत्यापन करेगा। (2) उप अधीक्षक (प्रशासन) छह मास में कम से कम एक बार स्टोर की सभी वस्तुओं कीजांच करेगा तथा स्टोर रजिस्टर के टिप्पणी खाने में अभिलिखित करेगा कि कतिपय तिथि को जांचागया बकाया सही या गलत था तथा भिन्नता, यदि कोई हो, नोट की गई थी। इस जांच का एक नोटअपनी डायरी में भी करेगा तथा भिन्नता, यदि कोई हो, अधीक्षक को सूचित की जाएगी; यदि यहांपदग्राही में कोई परिवर्तन है, तो वह प्रभार ग्रहण करने पर सभी वस्तुओं की जांच करेगा तथा इसेNekgh tkap ds :i esa fd;k tk ldrk gSA
fpfdRlk अधिकारी केनिर्देशों काfjdkMZA	636. ऐसे मामलों के सम्बन्ध में दवाईयों की आपूर्ति या निर्देशों के लिए आदेशों के अपवाद सहित,किसी बन्दी के सम्बन्ध में चिकित्सा अधिकारों द्वारा सभी सिफारिश जो स्वयं चिकित्सा अधिकारी याmlds v/kh{kd ds v/khu dk;kZfUor dh xbZ gS] cUnh dh bfro`Ùk fVdV ;k ;Fkk fofufnZ"V ,sls vU; रिकार्ड में दिन प्रति दिन दर्ज की जाएगी। उप अधीक्षक (प्रशासन) ऐसे संलग्न आक्षेप, यदि कोई हो,की पालना की गई है अथवा नहीं की गई है प्रत्येक निर्देश के तथ्य के सम्बन्ध में बताए गए उसकेउचित स्थान पर प्रविष्टि करेगा जैसा उप अधीक्षक (प्रशासन) प्रविष्टि करना तथा तिथि डालना उचितle>sA

mi v/kh{kd (प्रशासन) द्वारास्टाफ सदस्योंdh le; ij gkftjh सुनिश्ि्चत djukA	637. उप अधीक्षक (प्रशासन) सुनिश्चित करेगा कि सभी स्टाफ सदस्य समय पर डयूटी पर हाजिर हैंतथा अधीक्षक को दैनिक हाजरी की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। दैनिक हाजरी जहां तक साध्य हो, डिजीटल:i ls Hkh vfHkfyf[kr dh tk,xhA
mi v/kh{kd (प्रशासन) कीतराजू, तोल, Hk.Mkj rFkk गोदाम की fLFkfr ds fy, ftEesokjhA	638. उप अधीक्षक (प्रशासन) निम्नलिखित के लिए जिम्मेवार होगा, अर्थात्:- (क) यह सुनिश्चित करना कि भण्डार तथा कच्ची सामग्री को जारी करने तथा वितरण करनेलिए कारागार में प्रयुक्त तराजू, भार तथा माप सही तथा सुव्यवस्थित है तथा वितरणकरने से पूर्व कारागार को दी जाने वाली सामग्री का तोल, माप या गिनती करेगा याvius i;Zos{k.k ds v/khu mls djok,xk(rFkk (ख) कारागार भण्डार कक्षों की स्थिति तथा बन्दियों तथा को उनकी अप्राप्यता तथा अन्य को उनमें प्रवेश के लिए प्राधिकृत नहीं करना।
mi v/kh{kd (प्रशासन) द्वाराdk;kZy; dk i;Zos{k.k djuk rFkk	639. उप अधीक्षक (प्रशासन) कार्यालय के कार्य पर साधारण पर्यवेक्षण का प्रयोग करेगा। विवरण्ियोंकी तैयारी, रजिस्टरों में प्रविष्टियों या उप अधीक्षक (प्रशासन) की किन्हीं डयूटियों को किसी प्राधिकृतअधीनस्थ को प्रत्यायोजन किसी भी रूप में यह सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी से उप अधीक्षक (प्रशासन)को मुक्त नहीं करेगा कि ये सही रूप से तथा ठीक समय पर की गई हैं, तथापि, उसकी प्राथमिकडयूटी बन्दियों के सीधे नियन्त्रण तथा कारागार के प्रबन्धन से सम्बन्धित होगी। वह अधीक्षक के निर्देशोंके अनुसार रोकड़ बही, रिहाई डायरी तथा ऐसे अन्य

dfri; jftLVj j[kukA	रजिस्टर रखेगा या रखवाएगा। वह रोकड़ बही मेंदर्शाए गए बकायों से हाथ नकदी के बकायों से प्रतिदिन मिलान करेगा, बाद में आद्यक्षर करेगा यदिसही है तथा जांच के लिए प्रतिदिन अधीक्षक को उसे प्रस्तुत करेगा। टिप्पणः- साधारणतः नकद तथा रोकड़ बही का कामकाज अनुरक्षण अनुभाग के लिए अधीक्षक(कार्यालय) या उप अधीक्षक (कार्यालय) द्वारा तथा उद्योग अनुभाग के लिए लेखा/लिपिक}kjk fd;k tk,xkA
mi v/kh{kd (प्रशासन) द्वाराln{k fLFkfr esa dkjkxkj cxhps dk vuqj{k.k djukA	640. उप अधीक्षक (प्रशासन) कारागार खेती जैसे फसलों तथा मौसमी सब्जियों आदि की उचित तथासमय पर बुआई से सम्बन्धित सभी मामलों के लिए जिम्मेवार होगा। वह सहवासी, जिन्हें उसके लिएविधिवत् अनुमत किया गया है, कारागार खेती में कार्य करने के लिए समय पर संचलन सुनिश्चितकरेगा। वह सप्ताह में कम-से-कम दो बार कारागार बगीचे का निरीक्षण करेगा।
प्रत्येक विभाग मेंfdQk;r ds fy, ftEesokjhA	641. उप अधीक्षक (प्रशासन) ऐसी किफायत को बढ़ावा देगा जो अन्य बातों के साथ, कारागार केप्रत्येक विभाग में दक्षता के अनुकूल हो, तथा,- (क) अपेक्ष्ति प्रत्येक किस्म के भोजन, वस्त्र तथा वस्तुओं के लिए सभी मांगपत्र तैयार करेगा या तैयार करवाएगा तथा अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा; (ख) सरकारी सम्पति के किसी अनावश्यक विनाश को रोकना, कारागार की तथा अन्य विभागअपेक्षाओं की आपूर्ति करने में सम्पूर्ण सीमा तक बन्दी श्रम का उपयोग करना तथा किसीअनुचित अपव्यय या फिजूल खर्चों को अधीक्षक के ध्यान में लाना।
प्रभार सौंपने केle; ij lEifÙk&lwphA	642. जब कोई उप अधीक्षक,विमुक्त या निलम्बित, स्थानान्तरित होता है या त्यागपत्र देता है, अवकाशलेता है (आकस्मिक अवकाश से अन्यथा), तो वह अपने उत्तराधिकारी को प्रभार देने में, सभी क्रेडिटविक्रय के वाऊचरों सहित उसके हाथ में सभी सम्पत्ति, स्टोर आदि की सम्पति-सूची देने की डयूटी सेबाध्य होगा। यह सूची कारागार रिकार्ड में रखी जाएगी जबकि एक प्रति उसके उत्तराधिकारी को दीजाएगी तथा दूसरी प्रति महानिदेशक को भेजी जाएगी। अधीक्षक कारागार छोड़ कर जाने वाले उपअधीक्षक की जाने की तिथि से दो मास के भीतर सूची के सहीपन के सम्बन्ध में स्वयं की सन्तुष्टिकरेगा तथा यदि परिस्थितियां उसके ऐसा करने को समर्थित करंे विदा होने वाले उप अधीक्षक को एकप्रमाणपत्र देगा कि कोई भी मांग या दायित्व उस कारागार में उसके विरूद्ध लम्बित नहीं है। टिप्पण-1:- किसी उप अधीक्षक के मामले में, जो छह सप्ताह से अनधिक का अवकाश लेता है, आदेशनिलम्बित किया जा सकता है, किन्तु उस मामले में, उप अधीक्षक जो अवकाश लेता है,उसकी अनुपस्थिति के दौरान स्टोर आदि के लिए प्राथमिक रूप से जिम्मेवार होगा तथाकिसी हानि के लिए उसके स्थानापन्न की जिम्मेवारी साबित करने का भार उस पर होगा।

	fVIi.k&2%&सभी अधीनस्थ अधिकारी जिनकी अभिरक्षा में सम्पत्ति सूची की वस्तुएं रखी हैं अपने स्टोरतथा वार्डों में सम्बन्धित वस्तुओं की उन द्वारा प्रभार देने हेतु जिम्मेवार होंगे। वे उनकेप्रभार के अधीन सभी सम्पत्ति-सूची की वस्तुओं तथा अन्य स्टोर के सम्पूर्ण लेखे देंगे तथाउनकी लापरवाही के कारण किसी हानि या क्षति के लिए जिम्मेवार होगा।
v/kh{kd ds cnyus ij mi v/kh{kd (प्रशासन) कीM;wVhA	643. यदि कोई नया अधीक्षक कारागार का प्रभार ग्रहण करता है, तो उस कारागार से सम्बन्धितविशेष रूप से सभी आदेश लिखित में उसके ध्यान में लाने की उप अधीक्षक (प्रशासन) की डयूटीहोगी। किसी ऐसे आदेश की अधीक्षक के भाग पर अपालन के परिणाम-स्वरूप हुई किसी गंभीरअनियमितता की घटना में उप अधीक्षक (प्रशासन) को जिम्मेवार ठहराया जाएगा जब तक वह यह दिखानहीं देता कि वह अधीक्षक के ध्यान में प्रश्नगत आदेश लाया था। जिम्मेवारी नियत करने की आवश्यकताके हित में उप अधीक्षक द्वारा उपरोक्त अनुसार इस प्रकार संक्ष्ति किए जाने पर अधीक्षक द्वारा आदेश(आदेशों) पर अपने हस्ताक्षर करने अपेक्ष्ति होंगे जो उसके ध्यान में लाए गए हैं।

प्रशासन के fuckZ/k dk;Z djus ds ckjs esa mi v/kh{kd (प्रशासन) की M;wVhA	644. (1) उप अधीक्षक (प्रशासन) अधीक्षक के तत्काल पर्यवेक्षण में कारागार प्रशासन के प्रत्येकअन्य भाग का सम्पूर्ण प्रभारी होगा जो कि केवल उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा उप अधीक्षक (उद्योग तथाकल्याण) से सम्बन्धित नहीं है। (2) उप अधीक्षक (प्रशासन) उसके प्रभार के अधीन सभी शाखाओं विशेष रूप से विचाराधीनअनुभाग, बन्दी अनुभाग, अस्पताल प्रबन्धन तथा स्थापना अनुभाग के निर्बाध कार्य के लिए जिम्मेवारहोगा। वह सम्बन्धित सक्षम प्राधिकारियों सहित इन अनुभागों से सम्बन्धित सभी पत्राचारों के लिएजिम्मेवार होगा। (3) उप अधीक्षक (प्रशासन) अधीक्षक के तत्काल पर्यवेक्षण में कम्प्यूटरीकरण, सुरक्षा उपकरणतथा अन्य उपकरण, स्वच्छता, जल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, भोजन, सफाई तथा कारागार परिसरों केसौन्दर्यकरण इत्यादि के सम्बन्ध में दक्ष स्थिति में कारागार को बनाए रखेगा। (4) उप अधीक्षक (प्रशासन) अस्पताल वार्ड का सम्पूर्ण प्रभारी होगा।
mi v/kh{kd (सुरक्षा) का गार्डdh i;kZIrrk ds fy, ftEesokj होना।	645. उप अधीक्षक (सुरक्षा) स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि हर आकस्मिक संकट का मुकाबला करने केलिए रक्षा स्टाफ की पर्याप्त संख्या कारागार में सभी समयों पर उपस्थित तथा सशस्त्र के रूप में तैयारहै तथा कि रक्षा स्टाफ उनको आबंटित क्वार्टरों में शयन करता है तथा अनुमति के बिना कारागारपरिसरों को नहीं छोड़ता। सूर्यास्त से एक घण्टा पूर्व प्रतिदिन या बाद में, यदि आवश्यक हो, हाजिरीyh tk ldrh gSA
mi v/kh{kd (सुरक्षा) कीM;wVhA	646. उप अधीक्षक (सुरक्षा) अधीनस्थ अधिकारियों में हर समय कड़ा अनुशासन बनाए रखेगा तथासुनिश्िचत करेगा कि,- ¼d½ ,sls v/khuLFk vf/kdkjh tks lsok vuq'kklu ds ln`'k izf'kf{kr gS fMªy ¼dok;n½ rFkk vius 'kL= ds iz;ksx ls ifjfpr gksa(¼[k½ lHkh LVkQ lnL; ftlds lEcU/k esa onhZ fofgr dh xbZ gS] gj le; fofgr jhfr esa ,slh onhZ igurs gSa tc ,slh onhZ iguh tkuh visf{kr gks(¼x½ gkftjh rFkk M;wVh dk fofufnZ"V jksLVj dk;kZfUor fd;k tkrk gS(¼?k½ tc M;wVh ij gks] lHkh vf/kdkjh ns[kus esa lkQ&lqFkjs rFkk LoPN] mfpr :i ls वर्दी में तथा सज्जित हो; तथा ¼³½ izR;sd n`"Vkar ftlesa dksbZ v/khuLFk vf/kdkjh M;wVh dh fdlh ykijokgh] vuq'kklu ds Hkax ;k vU; dnkpkj] tks mldh tkudkjh esa vkrk gS] dk nks"kh gS]mldh Mk;jh esa ntZ gS rFkk v/kh{kd ds /;ku esa yk;k x;k gSA
mi v/kh{kd (सुरक्षा) की vM+rkfyl ?k.Vs dk vodk'k nsus dh 'kfDrA	647. अवकाश प्रदान करने तथा उसके लिए अनुरक्ष्िात किए जाने वाले रिकार्ड को शासित करने वालेनियमों के अध्यधीन, उप अधीक्षक (सुरक्षा) किसी रक्षा कार्मिक को एक समय पर अड़तालिस घण्टे/दोदिन से अनधिक अवधि की अनुपस्थित का अवकाश प्रदान कर सकता है: परन्तु प्रत्येक मामले में जहां कोई ऐसा अवकाश दिया गया है, उप अधीक्षक (सुरक्षा) रक्षा कार्मिकजिसे ऐसा अवकाश उसकी अनुपस्थिति के दौरान किया गया है कि डयूटी के उचित निष्पादन के लिएसभी आवश्यक प्रबन्ध करेगा।

mi v/kh{kd (सुरक्षा) द्वारा प्रतिषिद्ध वस्तुओंकी	648. उप अधीक्षक (सुरक्षा), अनिश्चित समयों पर ऐसी रीति में प्रतिषिद्ध वस्तुओं के लिए प्रत्येक बन्दी,सभी वस्त्र तथा बिस्तर, सभी वार्डों, सैलों तथा अन्य कक्षों, कर्मशालाओं, शौचघरों तथा बन्दी (बन्दियों)द्वारा बार बार

प्रतिदिन Nkuchu djukA	जाने वाले अन्य स्थानों की सम्पूर्ण रूप से छानबीन करवाएगा ताकि सम्पूर्ण कारागार को,d i[kokM+s esa doj fd;k tk ldsA
mi v/kh{kd (सुरक्षा) }kjk eqykdkr rFkk lapkj Tofofu;fer djukA	649. (1) बन्दियों तथा व्यक्तियों जो बन्दी नहीं है, के बीच सभी मुलाकात तथा संचार को विनियमितकरने तथा सभी व्यक्ति जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा उस निमित्त विधिवत् प्राधिकृत नहीं है, को कारागारपरिसरों में प्रवेश करने तथा किसी बन्दी से किसी प्रकार की पहुंच रखने या से संचार करने को रोकनेतथा व्यवस्था करने कि कारागार के उचित अधिकारी, की जाने वाले सभी मुलाकातों के दौरान हाजिरहै, के लिए उप अधीक्षक (सुरक्षा) की डयूटी होगी। (2) वह मुलाकातियों के साथ बन्दियों की मुलाकात के दौरान कड़ी निगरानी तथा सघनसतर्कता भी सुनिश्चित करेगा। बन्दियों द्वारा अपने रिश्तेदारों से प्राप्त प्राधिकृत वस्तुएं केवल सम्पूर्णजाँच के बाद ही उन्हें सौंपी जाएंगी। वह आगे सुनिश्चित करेगा ऐसी वस्तुओं का किसी भी व्यक्ति}kjk xcu ugha fd;k tkrk gSA (3) वह सभी मुलाकातों का (हस्तरूप से या डिजीटल रूप से) रिकार्ड रखेगा। वह उसकेसम्बन्ध में साफ्ट्वेयर या अन्यथा में उचित प्रविष्टि के बिना कोई भी मुलाकात नहीं करवाना सुनिश्चितdjsxkA
mi v/kh{kd (सुरक्षा) की अन्यM~;wfV;k¡ rFkk ftEesokfj;k¡A	650. (1) उप अधीक्षक (सुरक्षा) स्टाफ सदस्यों के आचरण पर विशेषतः भ्रष्ट आचरण के विरूद्धजांच के रूप में आन्तरिक सतर्कता बनाए रखने की डयूटी से बाध्य होगा। वह दिन के समय के दौरानतालाबन्दी से हवालात तक बन्दियों के कार्यकलापों पर नजर रखेगा। बन्दियों को अनावश्यक रूप सेvkuk&tkuk vuqKkr ugha fd;k tk,xkA (2) अधीक्षक के पर्यवेक्षण के अधीन उप अधीक्षक (प्रशासन), उप अधीक्षक (उद्योग तथाकल्याण) के परामर्श से लाईन अधिकारी के माध्यम से रक्षा कार्मिक का अभिनियोजन सुनिश्चित करनेके लिए उप अधीक्षक (सुरक्षा) की भी डयूटी होगी। (3) वह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी प्रतिषिद्ध वस्तु कारागार के भीतर ग्रहण नहीं की जातीहै तथा कोई भी ऐसी वस्तु या कार्यकलाप जो कारागार की सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है, कारागारके भीतर अनुज्ञात नहीं की जाएंगी। इस प्रयोजन के लिए वह निम्नलिखित सुनिश्चित करेगा,vFkkZr~ %& (क) उनकी प्रविष्टि तथा निकास के समय पर मुख्य द्वार (डयोडी) पर बन्दियों की ryk'kh ysuk((ख) उनकी प्रविष्टि तथा निकास के समय पर मुख्य द्वार (डयोडी) पर स्टाफ सदस्यों dh ryk'kh ysuk((c) कारागार में आने वाली तथा बाहर जाने वाली वस्तुओं की छानबीन करना। (4) वह सुनिश्चित करेगा कि कारागार में लाई जाने वाली या बाहर ले जाने वाली प्रत्येकवस्तु गेट पास के साथ रखी जाती है तथा ऐसी वस्तुओं के ब्योरे सम्बन्धित रजिस्टर में दर्ज किए जातेgSaA (5) वह सुनिश्चित करेगा कि किसी कारागार अपराध को करने पर विधिक् कार्रवाई शुरूdjus ds fy, lHkh dne mBk, tkrs gSaA (6) उप अधीक्षक (सुरक्षा) की डयूटी के अन्य शीर्षों में निम्नलिखित शामिल होंगे, अर्थात्:- (क) "अलार्म परेड" आयोजित करना; (ख) कारागार में दंगे तथा लोक व्यवस्था में विघ्न को सम्भालना; ¼x½ mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ ds lEidZ ls izkFkfedrk ij fpfdRlk vkikr dk mÙkj nsuk(¼?k½ dkjkxkj dh lqj{kk ls lEcfU/kr lHkh ekeyksa ds fy, lEidZ vf/kdkjh ¼lEidZ lw=½(¼³½ j{kk LVkQ ds vodk'k dk fofu;eu(¼p½ fu;U=.k d{k ds dk;Z dh n{krk(

	(six) बन्दियों की आॅडियो/विडियो कॉलिंग प्रणाली के प्रयोग की मानीटरिंग; (ज) कारागार के भीतर अपराधों के लिए पंजीकृत मामलों के अन्वेषण का पालन करने के लिए स्थानीय पुलिस थाने तथा पुलिस प्राधिकारियों से सम्पर्क।
mi v/kh{kd (उद्योग rFkk कल्याण)dh M;wVhA	651. (1) अधीक्षक के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) बन्दियों केसुधारात्मक प्रशासन, सुधार, तथा कल्याण से सम्बन्धित राज्य पॉलिसी को लागू करने के लिए जिम्मेवारहोगा। वह बन्दियों के लिए शैक्ष्ािक, सांस्कृतिक, मनोरंजनात्मक तथा अन्य कल्याण कार्यकलाप आयोजितकरने के लिए जिम्मेवार होगा। (2) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) कारागार में सुधारात्मक स्टाफ के कार्य का पर्यवेक्षणdjsxkA (3) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) किसी कारागार में कृषि से अन्यथा किए जा रहेनिर्माण इकाई तथा अन्य उत्पादक उद्यमों का पर्यवेक्षण करेगा तथा कारखाना इकाई के दक्ष प्रबन्धनके लिए जिम्मेवार होगा तथा सरकार के अधिकतम सम्भव लाभ के लिए कारागार में वस्तुओं के निर्माणls lEcfU/kr lHkh dk;Zokgh djsxkA (4) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सुनिश्चित करेगा कि कारागार की कारखाना इकाईमें अनुरक्ष्ाित सभी भण्डार चाहे कच्ची सामग्री, निर्माण की प्रक्रिया में सामग्री या निर्मित माल, मशीनरी,संयन्त्र, औजार या अन्य वस्तुएं शामिल हैं; जो उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) की देखरेख यापर्यवेक्षण के अधीन हैं, की देखरेख करने की जिम्मेवारी है तथा वह हर समय अधीक्षक को उसकेविधिवत् लेखे देने के लिए दायी होगा। (5) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) उस द्वारा या उसके प्राधिकार या आदेश के अधीनक्रमशः स्टाक में खरीदे गए, प्राप्त तथा विस्तारित किए गए सभी भण्डार तथा प्राप्त या विस्तारित किसीसमय पर किसी प्रकार की धनराशि के भी उचित लेखे रखवाएगा। वह जिम्मेवार होगा कि कारखानाविभाग से सम्बन्धित विहिति सभी रजिस्टर तथा लेखे सभी समय पर सही रूप से तैयार करवाएगा तथाअद्यतन रखेगा कि स्टोर के सभी मामलों के लिए उचित वाऊचर तथा भुगतान प्राप्त किए गए हैं तथासुरक्ष्ाित अभिरक्षा में रखे गए हैं तथा अधीक्षक द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत किए गए हैं तथा कि उसकेलेखे उचित प्राधिकरण के अधीन विधिवत् लेखापरीक्ष्ाित करवाए गए हैं। (6) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) स्वयं की सन्तुष्टि करने के उद्देश्य से समय-समयपर सभी नकद, भण्डार, मशीनरी, संयन्त्र, औजार, कच्ची सामग्री, निर्माण की प्रक्रिया में सामग्री तथानिर्मित वस्तुओं की जांच करेगा कि नकद, स्टाक, सामग्री, निर्मित वस्तुएं, मशीनरी, संयन्त्र तथा औजारलेखों में दर्शाए गए बकाया के अनुसार हैं। (7) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) उसके भाग पर किसी लापरवाही, अवज्ञा या कदाचारके कारण या आरोप्य के कारण किसी रूप में किसी गबन, हानि या क्षति के लिए व्यक्तिगत रूप सेदायी होगा। (8) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) बन्दियों के श्रम को सरकार के लिए लाभकारी बनानेहेतु अपनी शक्ति के सभी साधनों का प्रयोग करेगा। वह कारखाने में मितव्यय तथा गबन को रोकेगातथा सुनिश्ाित करेगा,- (क) कच्ची सामग्री के उपभोग की जांच करना तथा देखना कि उसके लिए प्रभारित सामग्री की मात्रा प्राप्त की गई है; (ख) कि सभी आपूर्तियों के लिए भुगतान की गई दरें उचित हैं; तथा (ग) कि मूल्य जिस पर निर्मित माल बेचा गया है उचित रूप से लाभकारी तथा तत्परता ls lanÙk fd, x, gSaA (9) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) प्रशिक्षण/उत्पादन कर्मशालाओं में हाजिर होने वालेबन्दियों की डयूटी/हाजरी रोस्टर रखने तथा ऐसे प्रत्येक बन्दी को भुगतान योग्य या दिए गए पुरस्कारपारिश्रमिक की संगणना के लिए जिम्मेवार होगा। (10) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक बन्दी को देय पुरस्कारया पारिश्रमिक अंकित करने के लिए प्रशिक्षण, उत्पादन केन्द्र कार्यक्रमों में उसकी हाजिरी अभिलिखितकरने के लिए हाजिरी शीट जारी की गई है। वह ऐसे पारिश्रमिक हेतु बिल प्रस्तुत करने तथा उसकेसमय पर वितरण के लिए जिम्मेवार भी होगा। (11) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक बन्दी, जो पारिश्रमिकके लिए हकदार है के नाम से बैंक खाता खोला गया है तथा कि उसकी कमाई बैंक खाते में जमा

	कराई जाती है। बन्दी बैंक खाता खोलने के लिए आवश्यक दस्तावेज देगा। बन्दी को कारागार कैन्टीनया अन्य खर्च में प्रयोग किए जाने के लिए बैंक से इस राशि के भाग को प्राप्त करने के लिए अधीक्षक}kjk vuqKkr fd;k tk ldrk gSA (12) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) उसके प्रभार के अधीन कार्यरत बन्दी का पारिश्रमिकखाता रखने के लिए रोकड़ बही तथा व्यक्तिगत क्रेडिट रजिस्टर रखेगा। टिप्पणः- उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) प्रशिक्षण तथा कारखाना विभाग की प्राप्तियों तथा खर्चेrFkk mlls lEcfU/kr fdlh fdLe dh lHkh lEifRr ij fujUrj fuxjkuh j[kus dh M;wVh से बाध्य होगा। वह उसके आदेशों के अधीन सेवारत प्रत्येक अधिकारी के भाग पर गबन केलिए दायी होगा जो कारगर पर्यवेक्षण का प्रयोग करने में उसकी मांग पर डयूटी कीलापरवाही या चूक द्वारा किसी प्रकार से सूकर बना है या सम्भव हुआ है। (13) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) अधीक्षक के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन कारागार प्रबन्धनसाफ्टवेयर, कारागार सहवासी कांॅलिंग प्रणाली (पी.आई.सी.एस.) तथा सूचना प्रौद्योगिकी के सभी अन्यमामलों का सम्पूर्ण प्रभारी होगा। (14) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सभी सांस्कृतिक, खेल, योग इत्यादि का सम्पूर्णप्रभारी होगा। (15) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) लोक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) रूपात्मकता कासम्पूर्ण प्रभारी होगा तथा कारागार में स्कीम को लागू करने के लिए हर सम्भव उपाय करेगा। (16) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) कल्याण स्कीमो से सम्बन्धित सभी मामलों में स्थानीयप्रशासन के साथ समन्वय करेगा। (17) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) सर्व शिक्षा अभियान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविष्वविद्यालय या राष्ट्रीय मुक्त विद्याालय ष्िाक्षा संस्थान के माध्यम से बन्दियों के शिक्षा, स्तर में वृद्धिdjok,xkA (18) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) विभिन्न क्षेत्र, जहां तक उपलब्ध अवसंरचना की सीमाके भीतर अनुज्ञेय हैं, में बन्दियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए जिम्मेवार होगा।
mi v/kh{kd (उद्योग rFkk कल्याण) }kjk रिपोर्ट पुस्तक का vuqj{k.kA	652-उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) एक रिपोर्ट पुस्तक का अनुरक्षण करेगा जिसमें अधीक्षक केआदेशों के लिए अपेक्ष्ित सभी मामलों जैसे बन्दियों, सामग्री, मशीनरी, औजार, संयन्त्र तथा इसी प्रकारकी मांग, कारखाना विभाग से सम्बन्धित प्रत्येक किस्म के माल के निर्माण, विक्रय, या प्रेषण तथासिफारिश की प्रविष्टियां की जाएंगी। अधीक्षक द्वारा पारित कारखाने तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम सेसम्बन्धित आदेश रिपोर्ट पुस्तक में दर्ज किए जाएंगे।

dPph lkexzh] औजार rFkk उपकरणोंdh lesfdr ekaxA	653. (1) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) अधीक्षक को कच्ची सामग्री, मशीनरी, औजार तथाउपकरण की समेकित मांग उसकी खरीद की व्यवस्था करने हेतु सक्षम प्राधिकारी को समर्थ बनाने केfy, lgh le; ij lwfpr djsxkA (2) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) कार्यशालाओं से बाहर किए गए प्रशिक्षण तथाविनिर्माण की गुणवत्ता में सुधार करने की डयूटी से बाध्य होगा तथा वह जिम्मेवार होगा कि वस्तुएं,जो विशिष्टयों के अनुसार नहीं है, विशेष रूप से अधीक्षक के ध्यान में लाई जाएंगी। वह समय-समयपर, स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि उद्योग की प्रत्येक शाखा में प्राप्त कार्य अभिनियोजित श्रम तथा उपयुक्तdPph lkexzh ds vuq:i gSA (3) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) उसके अधीन कार्यरत प्रत्येक बन्दी के चरित्र, कौशल,व्यक्तिगत रूचि तथा इतिवृत्त से यथा सम्भव स्वयं को परिचित करेगा ताकि न्यूनतम खर्च तथा समयपर बेहतर सम्भव परिणाम प्राप्त किए जा सकें। वह अच्छे कार्य के लिए माफी देने में तथा पुरस्कारप्रदान करने में अधीक्षक की सहायता करेगा। वह अधीक्षक को उनको आबंटित कार्य को पूरा करने मेंअसफल सभी बन्दियों या जो सीखने या प्रशिक्षण लेने में रूचि नहीं लेते हैं या जानबूझकर खराब कार्यकरते हैं तथा वे सभी जो कारागार अनुशासन के उल्लंघन के दोषी हैं जो उसके संज्ञान में आए है,को दण्ड देने के लिए रिपोर्ट करेगा। (4) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) कार्य शीट की जांच करने तथा प्रत्येक कर्मकार द्वाराकिए गए कार्य का सत्यापन करने के लिए समूहों को श्रम वितरण का निरीक्षण करने के लिए प्रत्येकप्रातःकाल पर्याप्त मात्रा में कारागार कारखाने में पहुंचेगा तथा साधारणतः सम्पूर्ण दिन कारागार के भीतरjgsxkA

	(5) उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) विभिन्न सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थाओं मेंव्यक्तिगत रूप में मुलाकात करेगा तथा कारागार में प्रशिक्षण तथा उत्पादन की गतिविधियों से उनसेजानकारी प्राप्त करेगा ताकि कारागार कारखाने में विभिन्न वस्तुओं के लिए निर्माण आदेश प्राप्त किएtk ldsaA
lgk;d v/kh{kd rFkk mi lgk;d v/kh{kdA	654. (1) विभाग में सहायक अधीक्षक तथा उप सहायक अधीक्षक की सेवा अधीनस्थ सेवा है, तथाइन नियुक्तियों को धारण करने वाले अधिकारी अराजपत्रित अधिकारी होंगे। (2) lgk;d v/kh{kd rFkk mi lgk;d v/kh{kd dh HkrhZ rFkk lsok 'krsZa ljdkj }kjk bl निमित्त बनाए गए नियमों द्वारा शासित होंगी। (3) सहायक अधीक्षक तथा उप सहायक अधीक्षक, उप अधीक्षक के अधीनस्थ होंगे तथा उसकेआदेशों की पालना करेंगे। सहायक अधीक्षक तथा उप सहायक अधीक्षक सप्ताह में कम-से-कम एकबार मुख्य द्वार के बीच भारमुक्त तथा भारमुक्त होने वाले गार्ड की तलाशी लेगा।
lgk;d v/kh{kd rFkk mi&lgk;d v/kh{kd dh lk/kkj.k M;wfV;kaWA	655. (1) वह सुनिश्चित करेगा कि रक्षा कार्मिक अपनी सम्बन्धित डियूटियों पर सतर्क हैं। (2) वह उसके प्रभार के अधीन वार्डों, सैलों, बैरकों की तालाबन्दी तथा हवालात के समय परअपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेगा तथा हवालात के समय पर तथा अनिश्चित समयों पर भी उनमेंपररूद्ध बन्दियों की तलाशी लेगा। वह सप्ताह में कम-से-कम एक बार अपने प्रभार के अधीनवार्डों/सैलों/बैरकों की सम्पूर्ण तलाशी करेगा। (3) वह वार्डों तथा बन्दियों की प्रत्येक ऐसी तलाशी के परिणाम तलाशी पुस्तक में उसकेvius gkFk ls vfHkfyf[kr djsxkA (4) वह लिखने के लिए किसी बन्दी को कोई रजिस्टर/विवरणी/दस्तावेज नहीं सौंपेगा। (5) वह बन्दियों के साथ व्यवहार-कौशल, मानवतावादी, दयालुता तथा स्थिरता से व्यवहारdjsxkA (6) वह अपने प्रभार के अधीन वार्डों, सैलों, बैरकों तथा बन्दियों की स्वच्छता तथा रख-रखावका अनुरक्षण सुनिश्िचत करेगा। वह यह भी सुनिश्िचत करेगा कि सभी बन्दी नियमित स्नान करते हैं,बाल छोटे तथा दाढ़ी रखंेगे (या दाढ़ी बनाकर रखेंगे), साफ वस्त्र/कारगार वर्दी पहनेंगे तथा कम्बलतथा बैडशीट (चद्दर) नियमित रूप से साफ करते हंै तथा साफ रखते हैं।

	(7) वह सुनिश्चित करेगा कि उसके कार्यकारी प्रभार के अधीन वार्डों के बीमार सहवासियोंको चिकित्सा उपचार यथा समय मुहैया करवाया जा रहा है। (8) वह उसके प्रभार के अधीन बन्दियों के लिए खेल, क्रीड़ा, योग, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षणrFkk vU; lq/kkjkRed@lkaLd`frd dk;Zdyki vkfn dk i;Zos{k.k djsxkA (9) वह उप अधीक्षक के नियन्त्रण के अधीन बन्दियों से सम्बन्धित अन्य डयूटियां करेगा जिसमेंबन्दियों में अनुशासन तथा आदेश का अनुरक्षण (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष के प्रभारी के रूप में डयूटी),रक्षा कार्मिक का प्रबन्धन (लाईन अधिकारी के रूप में डयूटी), कारागार बगीचे तथा डेयरी का अनुरक्षण,बन्दियों के वारंटों का अनुरक्षण, सम्बन्धित रजिस्टरों का अनुरक्षण, बन्दियों का प्रवेश तथा रिहाई,विचारण न्यायालयों के सम्मुख बन्दियों को पेश करना तथा उनके पारगमन, बन्दियों के अन्तरण केदौरान सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना, बन्दियों के पैरोल/फरलों मामले तैयार करना, रिट याचिकाओंके उत्तर समय पर प्रस्तुत करना, बन्दियों इत्यादि को दिए गए दण्डों का न्यायिक अंकन करना शामिलwill be. टिप्पणः- सहायक अधीक्षक या उप सहायक अधीक्षक की डयूटियों के निष्पादन के दौरान उन द्वाराकी गई प्रत्येक रिपोर्ट उप अधीक्षक के सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी जो अधीक्षक के अन्तिमआदेशों के लिए अपनी टिप्पणी सहित अधीक्षक के सम्मुख रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
लाईन अधिकारीds :i esa lgk;d v/kh{kd ;k mi lgk;d v/kh{kd dh M;wfV;kaWA	656. (1) वह बल के अनुशासन तथा प्रशिक्षण और लाईन के प्रबन्ध से सम्बन्धित सभी ब्योरों सेपूर्णरूप से परिचित होगा। (2) वह कारागार परिसर में गार्ड, कक्ष, वार्डर होस्टल, कोटमौका, कारागार बगीचे तथा अन्यभवनों पर अपनी निरन्तर चैकसी (विजिल) रखेगा तथा यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेवार होगाकि वे स्वच्छ, साफ-सुथरे तथा उचित रूप से रखे गए हैं। (3) वह उप अधीक्षक (सुरक्षा) के आदेशों के अधीन रक्षा कार्मिक को पद की डयूटियों तथाजिम्मेवारियों को उनमें प्रत्येक को स्पष्ट करते हुए तैनात करेगा।

	(4) og mfpr Lohd`fr ds fcuk dkjkxkj ifjlj ds ckgj fdlh j{kk dkfeZd dk pqipki चला न जाना सुनिश्चित करेगा तथा कि अप्राधिकृत व्यक्तियों को कारागार सीमाओं से अलग कर दियाx;k gSA (5) वह कारागार परिसर में होने वाली सभी औपचारिक परेड़ों में हाजिर होगा तथा जिम्मेवारहोगा कि सभी हाजरी उचित रूप से ली गई है। (6) og dkjkxkj ds Hkhrj M;wVh ij tkus rFkk cUn djus ij j{kd dk O;fDrxr :i ls निरीक्षण करेगा तथा किसी पाली (शिफ्ट) का निरीक्षण करने में असमर्थता के मामले में, वह ऐसीव्यवस्था करेगा कि ऐसा निरीक्षण किसी जिम्मेवार अधिकारी द्वारा किया गया है। निरीक्षण करने वालेअधिकारी के नाम सहित ऐसे निरीक्षण की प्रविष्टियां दैनिक डायरी में निरन्तर की जाएंगी। (7) वह अधीक्षक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट ऐसे अन्तरालों पर कारागार परिसर में सभी गार्डों काfujh{k.k djsxkA (8) शस्त्रागार की चाबियों का सेट हमेशा लाईन अधिकारी की व्यक्तिगत अभिरक्षा में होगा। (9) वह वार्डर के मेस का पर्यवेक्षण करेगा तथा उसको आपूर्ति से अद्यतन बनाए रखेगा। (10) वह गार्ड में व्यवस्था बनाए रखेगा तथा अधीक्षक के साथ स्टाफ सदस्यों की मासिककल्याण बैठकों का आयोजन करेगा। (11) वह अधीक्षक तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) को रक्षा कार्मिक के मामलों, उनके अनुशासन,डयूटी तथा उपकरण के बारे में सूचित रखने के लिए जिम्मेवार होगा। (12) वह कारागार की रक्षा करने के लिए अन्य बलों, यदि कोई हों, के दक्ष कार्य करने तथाउचित अभिनियोजन के लिए जिम्मेवार होगा। (13) वह सुनिश्चित करेगा कि समारोह गार्ड अद्यतन हैं तथा अभिवादन तथा अन्य डयूटियों केfy, rS;kj gSA

	(14) वह कारागार के बाहर अस्पतालों में बीमार बन्दियों के लिए गार्ड अभिनियोजन के लिएजिला पुलिस के आरक्ष्ित निरीक्षक तथा लाईन अधिकारी से सम्पर्क बनाए रखेगा।
dsUnzh; fu;U=.k कक्ष के प्रभारी के:i esa lgk;d v/kh{kd rFkk mi lgk;d v/kh{kd dh M;wfV;kaWA	657. (1) वह ताला खोलने पर वार्ड, बैरक तथा सैल प्रभारी, दोपहर की गिनती, हवालात, तथाप्रातःकाल तथा सांयकाल में श्रम के लिए वितरण का पर्यवेक्षण करेगा। (2) वह दोपहर पूर्व एक बार तथा दोपहर बाद एक बार महिला वार्डर से पता लगाएगा किfxurh lgh gS rFkk lc dqN Bhd gSA (3) वह अपनी डयूटी समय के दौरान सभी वार्डों/बैरकों/सैलों का निरीक्षण करेगा तथास्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि रक्षा कार्मिक तथा बन्दी पहरेदार अपनी चैकियों पर हाजिर हैं तथा सतर्कgSaA (4) वह भोजन के वितरण तथा संरक्षण व्यवस्था का पर्यवेक्षण करेगा। (5) वह सभी ग्रिलों, जालियों, दरवाजों, तालों या अहातों तथा बैरकों के अन्य खुले स्थानोंftuesa cUnh ifjs) gS lqjf{kr djok,xk rFkk O;fDrd fujh{k.k ls Lo;a dhs lUrqf"V djsxk fd os सुरक्ष्ित हैं तथा यदि वहां कोई भिन्नताएं है, तो उनकी रिपोर्ट करेगा। (6) वह कारागार के भीतर कार्यरत सभी गिरोह (कार्य पर अभिनियोजित बन्दियों के समूह)का आकस्मिक निरीक्षण करेगा तथा गिरोह पुस्तक से प्रत्येक गिरोह में बन्दियों की संख्या की गिनतीतथा जांच करेगा। वह दौरे के दौरान स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि रक्षा कार्मिक सभी बन्दियों पर नजररखते है तथा उनको आबंटित श्रम के अनुसार उनका अभिनियोजन किया जाता है तथा नियमों तथाविनियमों की किसी अवज्ञा की उप अधीक्षक (सुरक्षा) को रिपोर्ट करेगा। (7) वह न्यायालय पेशी, मुलाकात, कैन्टीन तथा अस्पताल आदि में जाने वाले बन्दियों काlapyu vuq'kkflr jhfr esa fofu;fer djsxkA (8) वह उप अधीक्षक (सुरक्षा) की कड़ी निगरानी पर्यवेक्षण के अधीन उपरोक्त वण्र्ित डयूटियॉंdjsxkA
डयूटी अधिकारी।	658. (1) अधीक्षक के साधारण या विशेष आदेशों द्वारा यथा विनिर्दिष्ट अधिकारी, जो मुख्य वार्डरकी पदवी से नीचे का न हो डयूटी अधिकारी के रूप में डयूटी करेगा। (2) डयूटी अधिकारी तीन पालियों (शिफ्टों) अर्थात्, प्रातःकाल 06:00 बजे से सांय 02:00 बजेतक, सांय 02:00 बजे से 10:00 बजे तक तथा सांय 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक, में कार्यdjsxkA

	(3) डयूटी अधिकारी मुख्य द्वार का प्रभारी होगा। वह अपनी डयूटी के समय के दौरान रक्षाdkfeZd dh ikyh ds ifjorZu dk i;Zos{k.k djsxkA (4) डयूटी अधिकारी प्रायः प्रशासकीय ब्लांॅक में सी सी टी वी नियन्त्रण कक्ष का निरीक्षणकरेगा तथा अपनी डयूटी समय के दौरान कारागार के कम-से-कम दो दौरे करेगा तथा सुनिष्ित करेगा कि डयूटी पर रक्षा कार्मिक चैकस हैं; रात्रि के दौरान पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था उपलब्ध हैतथा बन्दी सुरक्ष्ित हैं तथा सुरक्ष्ित अभिरक्षा के अधीन है। वह इसमें इसके पूर्व विहित दौरों के प्रारम्भतथा समापन का वास्तविक समय बताते हुए डयूटी अधिकारी की रिपोर्ट पुस्तक में विस्तृत रिपोर्टvfHkfyf[kr djsxk] mlesa dfFkr djsxk fd mlus ;s M;wfV;kaW dh gS rFkk vuqfpr ?kVuk ;k vfu;ferrk जो उसके ध्यान में आई है, को नोट किया है। टिप्पणः- रिपोर्ट पुस्तक लाईन अधिकारी द्वारा प्रतिदिन उप अधीक्षक (प्रशासन) तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) के सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी। (5) डयूटी अधिकारी अपनी डयूटी समय के दौरान प्रत्येक रिपोर्ट पर ध्यान देगा तथा यथाआवश्यक प्रत्येक ऐसा उपाय करेगा तथा किसी की आपातिक मामलों में उप अधीक्षक (प्रशासन) तथाउप अधीक्षक (सुरक्षा) को सूचित करेगा।

दवाईयों, मैडिकल स्टोरतथा मांग पत्रोंds lEcU/k esa fpfdRlk अधिकारी की M;wVhA	चिकित्सा अधिकारी 659. चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए दायी होगा कि बेहतर गुणवत्ता की सामान्यnokbZ;ka [kjhnh tkrh gaS rFkk fd ejht csgrj ns[kHkky rFkk U;wure rFkk mfpr dher ij csgrj उपचार प्राप्त करते हैं।
Ms;jh QkeZ okyh कारागारों के fy,a M;wfV;kaA	660. चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन गौषालाओं, डेयरी तथा दुग्ध बरतनों की स्वच्छता की जांच करेगा।
fpfdRlk v/khuLFk LVkQ द्वारा प्रत्येक fpfdRlk vkikr dh lwpuk fpfdRlk अधिकारी को lwfpr djukA	661- fpfdRlk v/khuLFk LVkQ] fcuk foyEc ds] dkjkxkj vLirky esa ;k dkjkxkj esa fdlh okMZ esa प्रत्येक चिकित्सा आपात की सूचना चिकित्सा अधिकारी को देगा।
dkjkxkj dh lsok esa dsoy fpfdRlk अधीनस्थों को 'kkflr djus ds fy, micU/kA	662. प्रत्येक चिकित्सा अधीनस्थ स्टाफ जिसकी डयूटी केवल कारागार के सम्बन्ध में है,- (क) अपने ग्रेड का साधारण वेतन तथा ऐसा विशेष भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा, जोराज्य सरकार विशेष कारागार जिससे वह डयूटी के सन्तोषजनक निष्पादन की शर्त आसक्त है, के लिएLohd`r djrh gS((ख) मुफ्त सरकारी आवास के लिए हकदार होगा; यदि ऐसा आवास उपलब्ध नहीं है, तो वहअधीक्षक के अनुमोदन पर कारागार के निकट रहेगा तथा उसके बदले में मकान किराए का हकदारहोगा; तथा (c)प्राईवेट व्यवसाय में लगने के लिए दायी नहीं होगा और न ही अधीक्षक या चिकित्साअधिकारी (प्रभारी) की उचित अनुमति के बिना कारागार परिसरों से स्वयं को अनुपस्थित करेगा।
प्रक्रिया जब fpfdRlk v/khuLFk LVkQ कोई अपराध djrk gSA	663. यदि चिकित्सा अधीनस्थ स्टाफ विधि द्वारा दण्डनीय किसी अपराध से अन्यथा कोई अपराध करताहै, तो रिपोर्ट महानिदेशक को की जाएगी तथा अधीनस्थ को, यदि आवश्यक हो, आदेश प्राप्त होने तकfuyEcuk/khu j[kk tk,xkA
fpfdRlk v/khuLFk LVkQ dh lk/kkj.k M;wfV;kaA	664- fpfdRlk v/khuLFk LVkQ dh fuEufyf[kr lk/kkj.k M;wfV;ka gkasxh] vFkkZr~ %& (क) प्रयोगशाला नमूनों का संग्रहण तथा जांच तथा ऐसे नमूनों को सिविल अस्पताल की प्रयोगशाला में भेजना यदि कारागार अस्पताल में कोई प्रयोगशाला विद्यमान नहीं है;(ख) प्रयोगशाला नमूनों की रिपोर्टों का संग्रहण तथा उनको चिकित्सा अधिकारी को प्रस्तुत djuk(

	¼x½ ¼?k½ ,Dl&js e'khuksa] vYVªklkÅ.M LdSfuax midj.k] bZ-lh-th- e'khuksa vkfn dk lapkyu djuk(fpfdRlk vf/kdkjh dh vuqifLFkfr esa Hks"kth vf/kdkjh }kjk nokbZ eqgS;k djokukA
'ko&ijh{kk esa lgk;rk rFkk निर्दिष्ट बन्दियोंds lkFk tkukA	665. चिकित्सा अधीनस्थ स्टाफ मृतक बन्दियों की शव-परीक्षा के समय पर आवश्यक सहायता देगातथा प्रत्येक बन्दी के साथ जाएगा जिसे आकस्मिक संकट के मामले में बाहरी अस्पताल में निर्दिष्टfd;k tkrk gSA
j{kk dkfeZdA	j{kk dkfeZd 666. रक्षा कार्मिक में मुख्य वार्डर तथा वार्डर शामिल होंगे। विभिन्न डयूटी चैकियों पर रक्षा स्टाफके प्रत्येक सदस्य की विशेष डयूटी ऐसी होगी जो अधीक्षक के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन निम्नलिखितक्षेत्रों में उप अधीक्षक (सुरक्षा) द्वारा सौंपी गई है,- (क) सुरक्षा, अभिरक्षा तथा दिनचर्या; (ख) बन्दियों की तलाशी तथा गिनती; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ dkjkxkj [kksyuk rFkk cUn djuk(dkjkxkj Hkouksa] nhokjksa] rkyksa] jks'kuh O;oLFkk] lyk[kksa esa =qfV;ksa rFkk dfe;ksa dh fjiksVZ djuk ftlesa rqjUr ifj'kkspu dkjZokbZ djuk rFkk rkyksa rFkk pkfc;ksa] gFkdfM+;ksa rFkk vU; lqj{kk midj.k dh vfHkj{kk dk /;kuk j[kuk 'kkfey gS(cfUn;ksa dh ns[kHkky rFkk dY;k.k(dkjkxkj ifjljksa] }kjksa] laxjks/k vgkrksa] cSjdkas] 'k;u'kkykvksa] lSyksa] mPp lqj{kk vgkrksa] dk;Z'kSMkas] i`FkDdj.k izkxa.k] vLirky] jlksbZ] dkjkxkj cxhps rFkk dkjkxkj ds izR;sd vU; vuqHkkx esa vuq'kklu dk vuqj{k.k(mlds izHkkj ds v/khu {ks=ksa esa LoPNrk rFkk LokLF;&foKku((ज) कार्य के लिए बन्दियों की एस्कोर्टिंग, उनके कार्य का पर्यवेक्षण, औजारों, सम्पत्ति, midj.k] csdkj eky rFkk i'kq /ku dh ns[kjs[k rFkk vfHkj{kk((झ) खाद्य, कैन्टीन वस्तुओं तथा अन्य उपकरणों का वितरण करना; ¼´½ ¼V½ ¼B½ ¼M½ ¼<½ ¼.k½ dk;Z'kSMksa esa rduhdh dkfeZd dh lgk;rk djuk(fu;eksa ds vuqlkj rqjUr dkjZokbZ djus ds fy, leqfpr vf/kdkfj;ksa dks vuq'kklu ds mYya? kuksa dh fjiksVZ djuk(cfUn;ksa dh vknrksa rFkk O;ogkj dk voyksdu djuk rFkk lEcfU/kr vf/kdkjh ¼vf/kdkfj;ksa½ dks mldh fjiksVZ djuk] mudh vknrksa rFkk O;ogkj esa lq/kkj djus ds fy, cfUn;ksa dh lgk;rk djuk(lHkh vkdfLed ladVksa ds fy, fuokjd rFkk fu;U=.k mik; djuk(LVkQ DokVZjksa esa vuq'kklu(ih-Vh- fMªy ijsM rFkk fn[kkoVh ¼ekWd½ fMªy bR;kfnA
M;wVh] rSukrh bR;kfn dk विनियमन।	667. निगरानी की साधारण डयूटी, रक्षक तथा सन्तरी की तैनाती तथा डयूटी, रक्षकों तथा सन्तरियोंके लिए डयूटी की अवधि तथा ऐसे रक्षकों की संख्या का नियतन कारागार तथा बन्दियों की सुरक्षा सेसम्बन्धित अन्य मामले रक्षा कार्मिक की डयूटी तथा उसी प्रकार की डयूटी समय-समय पर महानिदेशकद्वारा इस निमित्त जारी साधारण या विशेष आदेशों के अनुसार विनियमित की जाएगी तथा आपातिकमामलों में या ऐसे मामलों में जिसके लिए कोई भी प्रावधान किसी ऐसे आदेश में नहीं किया गया है,अधीक्षक के आदेशों से उसे विनियमित किया जाएगा।

tc j{kk dkfeZd vodk'k ij tkrs gaS ;k fuyEcuk/khu gSaA	668. यदि रक्षा कार्मिक को अवकाश दिया जाता है या निलम्बनाधीन है, तो अधीक्षक जिससे रक्षा,कार्मिक उस समय आसक्त है, अनुपस्थिति के कार्य को करने के लिए उसकी अपनी व्यवस्था करेगा।
j{kk dkfeZd ds fy, vkoklA	669. सभी मुख्य वार्डरों तथा वार्डरों को उनके स्वयं तथा उनके परिवारों के लिए पृथक क्वार्टर मुहैयाकरावाए जाएंगे तथा वार्डर कारागार परिसरों में शयन तथा भोजन बनाने तथा उनके परिवारों के लिएभी क्वार्टरों की उपलब्धता के अध्यधीन आवास के हकदार होंगे। टिप्पणः- वार्डर होस्टल में सरकार के खर्च पर विद्युत प्रकाश, पंखे तथा जल कूलर मुहैया करावाएtk,axsA

कतिपय व्यक्तियोंको ग्रहण नहीdjukA	670. किसी भी रक्षा कार्मिक जिसने कारागार सेवा छोड़ दी है, को महानिदेशक की स्वीकृति के बिनाliqu% xzg.k ugha fd;k tk,xkA
j{kk dkfeZd dk lSU; vuq'kkluA	671. रक्षा कार्मिक सैन्य अनुशासन के स्वरूप में ऐसे अनुशासन के अध्यधीन होगा जो महानिदेशककी राय में कारागार के संरक्षण तथा प्रबन्धन के सम्बन्ध में सभी डयूटियों तथा कार्यों के दक्ष निर्वहनds fy, vko';d le>sA
ljdkjh lEifr ds lEcU/k esa j{kk dkfeZd dh ftEesokjhA	672. रक्षा कार्मिक अपने प्रभार के अधीन सरकारी सम्पत्ति तथा बन्दियों के सभी बिस्तर, वस्त्र, बर्तनइत्यादि की रक्ष्ित अभिरक्षा के लिए जिम्मेवार होगा।
आकस्मिक संकटोंesa vLFkkbZ j{kk dkfeZdA	673. जब, किसी पर्याप्त कारण से, अधीक्षक की राय में तत्समय नियत मापक्रम की अधिकता में रक्षाकार्मिक की कोई संख्या ग्रहण करनी आवश्यक है, तो अधीक्षक महानिदेशक को तुरन्त मांग भेजेगा जोसरकार के परामर्श से अपेक्ष्ित अतिरिक्त रक्षा कार्मिक के अभिनियोजन के लिए आगे कार्यवाही करेगा।
j{kk dkfeZd }kjk viuk LFkku ugh छोड़ना।	674. (1) कोई भी रक्षा कार्मिक किसी भी समय डयूटी पर किन्हीं भी परिस्थितियों में, किसी भीबहाने पर, अपनी चैंकी नहीं छोड़ेगा या स्वयं डयूटी से तब तक अनुपस्थित नहीं होगा जब तक उसेM;wVh ls ;Fkk le; dk;ZeqDr ugha dj fn;k tkrk % परन्तु वह भागने से रोकने या उसकी नजरों में होने वाले उपद्रव को शान्त करने मेंसहायता, जब वह मुख्य दीवार गश्त लगाने की डयूटी पर है, या जब वह बन्दियों का प्रभारी है यदिवह उन बन्दियों की सुरक्ष्ित अभिरक्षा के गम्भीर जोखिम के बिना ऐसा नहीं कर सकता, के लिए अपनाहल्का (बीट) छोड़ सकता है। यह दर्शाना कि परिस्थितियां ऐसी अपवादिक थी कि उसका ऐसा करनान्यायसंगत था, सम्बन्धित वार्डर पर छोड़ा जाएगा। (2) दिन या रात में कोई भी कार्यमुक्ति कार्यमुक्त होने वाले तथा कार्यमुक्त दोनों कार्मिकतथा तीसरे कार्मिक की भी उपस्थिति से अन्यथा से प्रभावित होगी जो साधारणतः मुख्य वार्डर होगाftldh M;wVh ,slh dk;ZeqfDr dh tkuh gSA
dk;ZeqfDr होनेij j{kk dkfeZd dh M;wVhA	675. कार्य मुक्त होने पर रक्षा कार्मिक कार्यभार की डयूटी अपने उत्तराधिकारी को स्पष्ट करेगा तथाकिसी दीर्घकालिक या खतरनाक बन्दियों को उसके ध्यान में लाएगा। कार्यमुक्त करने वाला कार्मिककार्यभार लेने से पूर्व स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि उसको दी गई सम्पति तथा बन्दियों की संख्या सहीgSA

M;wfV;ksa forj.kA dk	676. प्रत्येक कारागार में अधिक महत्वपूर्ण डयूटियां, वरिष्ठ अनुभवी तथा दक्ष रक्षा कार्मिक को सोंपीजाएगी जबकि प्रशिक्षु तथा अन्य को कम जिम्मेवारी के कार्यभार में रखा जा सकता है।
j{kk dkfeZd ds 'kL=A	677. (1) प्रत्येक रक्षा कार्मिक को आधुनिक शस्त्र तथा गोलाबारूद को सम्भालने तथा प्रयोग करने में प्रशिक्षण मुहैया करवाया जाएगा। (2) सभी शस्त्र तथा गोलाबारूद, जब वे वास्तविक उपयोग में न हो, शस्त्रागार में सुरक्ष्ित रूप से रखे जाएंगे।
M;wVh vof/k;kWA dh	678. (1) साधारणतः प्रत्येक रक्षा कार्मिक प्रतिदिन आठ घण्टे के लिए डयूटी पर रहेगा। (2) प्रत्येक रक्षा कार्मिक शस्त्रों के प्रयोग तथा अन्य मामलों में ड्रिलिंग, कौषल, अभ्यास मेंशिक्षण के लिए ऐसी ड्रिल तथा परेड़ों में उपस्थित होगा जो अधीक्षक समय-समय पर उस निमित्तfofgr djsA (3) डयूटी की अवधि इस प्रकार व्यवस्थित की जाएगी कि मुख्य वार्डर सम्पूर्ण दिन तथा रातकी किसी प्रकार की डयूटी से रक्षा कार्मिक के प्रत्येक कार्यमुक्ति पर हाजिर रहेगा।
efgyk बन्दियोंij j{kd dh dk;ZeqfDr esa प्रक्रिया।	679. महिला बन्दियों के लिए अलग रखी गई कारागारों, वार्डों तथा अन्य कक्षों के मामले में रक्षाकार्मिक के प्रत्येक परिवर्तन कार्य पर मुक्त तथा कार्यमुक्त करने वाला मुख्य वार्डर महिला बन्दियों द्वाराअधिभोग किए गए वार्डो, सैलों, कक्षों या अहातों में प्रवेश किए बिना महिला रक्षा कार्मिक से पताyxk,xk fd mlesa ifj:) lHkh efgyk dkfeZd mifLFkr gSaA
pkfc;ksa ns[kHkky izcU/kuA dh rFkk	680. (1) कोई भी रक्षा कार्मिक जिसे किसी समय कोई चाबी सौंपी गई है, किन्हीं भी परिस्थितियों में या किसी प्रकार के बहाने से,-

	(क) कारागार केबाहर किसी बन्दी की अभिरक्षा सुरक्ष्ित करने के लिए प्रयोग में किसी ताले से सम्बन्धित कोई चाबी नहीं लेगा; (ख) इधर-उधर पड़ी ऐसी किसी चाबी को नहीं छोड़ेगा; (c) ऐसी चाबी को प्राप्त करने या उसकी देखभाल करने या अभिरक्षा में रखने के लिए विधिवत् प्राधिकृत कारागार के किसी अधिकारी से अन्यथा किसी व्यक्ति को कोई ऐसी चाबी नहीं देगा; (d) उस से उसे प्राप्त करने के लिए विधिवत् प्राधिकृत अधिकारी को ऐसी चाबी दिए बिना अपनी चैकी या डयूटी या कारागार नहीं छोड़ेगा। (2) किसी वार्ड, सैल, कक्ष, गोदाम, मुख्य द्वार या मुख्य द्वार खिड़की की चाबी, किन्हीं भीपरिस्थितियों में या किसी बहाने पर किसी भी समय किसी बन्दी को नहीं दी जाएगी। टिप्पणः- यदि कोई चाबी गुम या गलत जगह पर रखी गई है, तो ताला या ताले जिससेवे सम्बन्धित हैं तुरन्त प्रयोग से बाहर रख दिए जाएंगे तथा पूर्वोक्त तालों केस्थान पर नए ताले लगाए जाएंगे तथा उपरोक्त के कारणों का पता लगानेके सम्बन्ध में कारागार के प्रभारी अधिकारी के आदेशों पर जांच की जाएगी।

eq[; okMZj (केन्द्रीय नियन्त्रणकक्ष)।	681. प्रत्येक कारागार में एक मुख्य वार्डर (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) तैनात किया जाएगा जो अधीक्षकद्वारा यथा विनिष्चत किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए मुख्य वार्डरों में से चयनित किया जाएगा।
eq[; okMZj (केन्द्रीय नियन्त्रणकक्ष) की साधारणM;wVhA	682. सहायक अधीक्षक (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) के सीधे प्रभार में मुख्य वार्डर (केन्द्रीय नियन्त्रणकक्ष),- (क) हवालात को खोलने के समय पर उसके प्रभार में सभी बैरक, बन्दियों की दोपहर कीगिनती तथा बन्दियों को बंद करने प्रातःकाल तथा दोपहर में श्रम के वितरण में पर्यवेक्षणकरेगा तथा बैरक के कार्यकारी प्रभारी तथा सहायक अधीक्षक (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष)को रिपोर्ट करेगा; (ख) अनुशासित रीति में न्यायालय पेशी, मुलाकात, कैन्टीन, अस्पताल मुलाकात, व्यावसायिक प्रशिक्षण, शैक्ष्िाक कक्षाओं आदि के लिए जाने वाले बन्दियों का संचलन विनियमित करेगा; ¼x½ viuh M;wVh le; ds nkSjku lHkh okMksZa@cSjdksa@lSyksa rFkk vU; Hkouksa dk fujh{k.k djsxk rFkk Lo;a dh lUrqf"V djuk fd j{kk dkfeZd rFkk cUnh igjsnkj vius pkSdh ij gkftj rFkk lrdZ gSa(¼?k½ Hkkstu forj.k rFkk laj{k.k O;oLFkk dk i;Zos{k.k djsxk((ङ) सभी ग्रिलों, जालियों, दरवाजों, तालों या अहातों तथा बैरकों के अन्य खुले स्थानों जिसमेंबन्दी परिरूद्ध है, सुरक्ष्िात करवाएगा तथा व्यक्तिक निरीक्षण से स्वयं को सन्तुष्ट करेगाकि वे सुरक्ष्िात हैं तथा भिन्नताएं यदि कोई हांे, तो उसकी रिपोर्ट करेगा। ¼p½ dkjkxkj ds Hkhrj dk;Zr lHkh fxjksg ¼dk;Z ij vfHkfu;ksftr cfUn;ksa ds lewg½ dk vkdfLed fujh{k.k djsxk rFkk fxjksg iqLrd ls izR;sd fxjksg esa cfUn;ksa dh la[;k dh fxurh rFkk tkap djsxkA og nkSjksa ds nkSjku Lo;a dh lUrqf"V djsxk fd j{kk dkfeZd lHkh cfUn;ksa ij utj j[krs gSa rFkk mudks vkcafVr Je ds vuqlkj mudk vfHkfu;kstu fd;k tkrk gS rFkk fu;eksa rFkk fofu;eksa dh fdlh voKk dh lgk;d v/kh{kd ¼dsUnzh; fu;U=.k d{k½ rFkk lEcfU/kr mi v/kh{kd dks fjiksVZ djsxkA ¼N½ izkr%dky esa ,d ckj rFkk nksigj ckn esa ,d ckj efgyk okMZj ls irk yxk,xk fd fxurh lgh gS rFkk lc Bhd gS((ज) दिन के कार्य के लिए अपेक्ष्िात सभी आवश्यक औजार, उपकरण, कच्ची सामग्री तथा अन्य वस्तुएं जारी करेगा तथा इस प्रकार जारी सभी वस्तुओं को अभिलिखित करेगा; ¼>½ izR;sd lka;dky dk;Z ds fy, fofgr vof/k ds ckn cUnh ds Je dks mRikn] ;fn dksbZ gks] lfgr lHkh ,slh oLrq,a ,d= djsxk(¼´½ Lo;a dh lUrqf"V djsxk fd tkjh dh xbZ lHkh oLrq,a mldks cdk;nk okil dj nh xbZ gSa rFkk ys[kk ns fn;k gS(¼V½ izR;sd cUnh }kjk fd, x, dk;Z] ;fn dksbZ gks] dk eki rFkk tkap rFkk Je jftLVj esa mldks uksV djsxkA

eq[; okMZj] बैरक प्रभारी कीडयूटियों का lkjka'kA	683. प्रत्येक मुख्य वार्डर, बैरक प्रभारी की निम्नलिखित डयूटी होंगी,- (क) उसके प्रभार के अधीन सभी बन्दियों की सुरक्षा तथा सुरक्ष्ित अभिरक्षा सुनिश्चित करेगातथा सुनिश्चित करेगा कि कोई भी बन्दी अनुमति के बिना अपनी शायिका/बैरक नहींछोड़ता है तथा कोई भी बन्दी उसके प्रभार के अधीन बैरक से अन्य बैरक में प्रवेश नहींdjrk((ख) अपने प्रभार में सभी बन्दियों से भली भान्ति परिचित होगा, जिसमें उसका नाम, रूप-रंग, बनावट तथा मामले के ब्योरे शामिल है;

¼x½	mlds v/khuLFk okMZjksa dk mudh M;wfV;ksa ds fuoZgu esa v/kh{k.k djuk(
¼?k½	dkjkxkj ds izcU/ku esa izR;sd lEHko rjhds ls lgk;rk djuk(
¼³½	Hkkxus ls jksdus ds fy, gj lEHko mik; djuk(
¼p½	mlds izHkkj ds v/khu cfUn;ksa esa vuq'kklu cuk, j[kuk(
¼N½	M;wVh tks mls djuh gSa rFkk jhfr ftlesa mls mUgsa iwjh djuk gS] ds lEcU/k esa ykxw lHkh fof/k;ksa] fu;eksa] fofu;eksa] funsZ'kksa rFkk vkns'kksa dh vis{kkvksa dk ikyu djuk(

(ज) पदवी में उससे वरिष्ठ सभी अधिकारियों के वैध आदेशों का पालन करना;

¼>½	izR;sd izkr%dky 'k;u okMksZa] lSyksa rFkk vU; d{kksa dks mi&v/kh{kd ¼lqj{kk½] lgk;d v/kh{kd ¼dsUnzh; fu;U=.k d{k½] eq[; okMZj ¼dsUnzh; fu;U=.k d{k½ dh mifLFkfr esa [kksyuk rFkk cfUn;ksa dh fxurh djuk rFkk mudh gkftjh vfHkfyf[kr djuk(
¼´½	cUnh tks izR;sd izkr%dky muds lEcfU/kr dk;Z&fxjksg esa Je ds fy, nk;h gS] dk forj.k djuk(
¼V½	fdlh okMZj ds izHkkj esa j[ks x, izR;sd cUnh dk uke rFkk dkjkxkj la[;k mfpr fxjksg iqLrd esa ntZ djok,xk(
¼B½	Luku] 'kkSp?kj ds iz;ksx dk v/kh{k.k djuk(
¼M½	j{kd ds izR;sd ifjorZu ij cfUn;ksa dh tkap djuk rFkk iz;kstu ds fy, fofufnZ"V iqLrd@jftLVj esa rF; vfHkfyf[kr djuk(
¼<½	lHkh }kjksa] njoktksa rFkk ds le:i dks bl izdkj cUn djokuk rFkk rkys yxokuk rFkk le;≤ ij Lo;a dh lUrqf"V djuk fd os lqjf{kr gSa(
¼.k½	fdlh cUnh ds Hkkxus esa iz;qDr fd, tkus rFkk dks lqdj cukus ds fy, lEHkkO; lHkh ckal] cYys] lh<h] jLlh rFkk vU; oLrqvksa dks nwj djok,xk rFkk mls lqjf{kr j[kus ds fy, fofgr LFkkuksa esa cfUn;ksa dh igqap ls ijs j[kok,xk(
¼r½	M;wVh ds le; cfUn;ksa esa b/kj&m/kj fujUrj vkuk&tkuk j[kuk rFkk dkjkxkj ds dk;Z rFkk vuq'kklu dk i;Zos{k.k djuk rFkk j{kk dkfeZd rFkk cUnh igjsnkj dks pkSdl j[kuk(
¼Fk½	mi v/kh{kd ¼lqj{kk½] lgk;d v/kh{kd ¼dsUnzh; fu;U=.k d{k½] eq[; okMZj ¼dsUnzh; fu;U=.k d{k½ dh mifLFkfr esa cfUn;ksa ds lEcfU/kr okMksZa] lSyksa rFkk vU; d{kksa esa fofgr le; ij mudh fxurh djuk] ryk'kh ysuk rFkk cUn djuk(
¼n½	;fn dksbZ cUnh xqe gS] ;k ;fn fd minzo gksrk gS ;k lfUudV ds :i esa izrhr gksrk gS] rks viuh lhVh ctkdj rqjUr psrkouh nsuk(
¼k½	Hkkxus ;k dksbZ vkØe.k djus ;k dksbZ fonzksg djus ;k vkRegR;k djus dk iz;kl djus ;k izfrf"k} oLrqvksa dks izkIr djus ds fy, cfUn;ksa }kjk fd, x, fdlh "kM;U= dh lEcfU/kr ofj"B vf/kdkjh dks lwpuk nsuk(
¼u½	dkjkxkj Hkou] ia[ks] ySEi] oklcsflu] 'kkSp?kj nhokj] 'kykdk] rkys rFkk pkch] gFkdM+h] vU; lqj{kk midj.k vkfn esa =qfV;ksa rFkk dfe;ksa dh fjiksVZ djuk rFkk rqjUr lq/kkj djus dh dkjZokbZ djuk(
¼i½	

	cfUn;ksa dh vknrksa rFkk O;ogkj dk voyksdu djuk rFkk lEcfU/kr izkf/kdkjh ¼izkf/kdkfj;ksa½ dks mldh fjiksVZ djuk] mudh vknrksa rFkk O;ogkj esa lq/kkj djus ds fy, cfUn;ksa dh lgk;rk djuk(

	¼Q½ cfUn;ksa dh ns[kHkky rFkk dY;k.k esa lgk;rk djuk(¼c½ lqfuf'pr djuk fd mlds izHkkj ds v/khu cUnh U;k;ky; is'kh rFkk vLirky j{kk] eqykdkr ¼Hk½ vkfn ds fy, fofufnZ"V le; ds Hkhrj dsUnzh; fu;U=.k d{k esa fjiksVZ djrs gS(¼e½ mlds izHkkj ds v/khu cfUn;ksa esa Hkkstu dk fuckZ/k forj.k lqfuf'pr djuk(¼;½ HkkjeqDr fd, fcuk viuk pksdh ugha NksM+uk(vius izHkkj ds v/khu {ks= esa rFkk cfUn;ksa esa LokLF; foKku rFkk lQkbZ lqfuf'pr djukA
}kjiky dh M;wfV;kaWA	684. (1) रक्षा कार्मिक सभी समय पर प्रत्येक कारागार के मुख्य द्वार पर द्वारपाल के रूप में निरन्तरM;wVh ij jgsxkA (2) द्वारपाल की प्रत्येक मुक्ति पर ऐसी भार मुक्ति के समय का एक नोट अभिलिखित कियाजाएगा तथा भार मुक्त होने वाले तथा भार मुक्ति करने वाले रक्षा कार्मिक दोनों द्वारा हस्ताक्षरित कियाtk,xkA (3) वह डयूटी अधिकारी, उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) की कडी निगरानीds v/khu viuh lHkh M;wfV;ka djsxkA
ryk'kh ds lEcU/k esa }kj iky dh fM;wVh;kaA	685. इस सम्बन्ध में अधीक्षक द्वारा प्राधिकृत कारागार का द्वारपाल या कोई अन्य अधिकारी, कारागारesa ykus ;k ckgj ys tkus okyh fdlh oLrq dh tkap dj ldrk gS rFkk dkjkxkj esa ;k ds ckgj किसी प्रतिषिद्ध वस्तु को लाने या कारागार से सम्बन्धित किसी वस्तु को ले जाने के लिए संदिग्ध किसीव्यक्ति को रोक सकता है तथा तलाशी ले सकता है या छानबीन करवा सकता है तथा यदि कोई ऐसीवस्तु या सम्पति पाई जाए, तो वह उसकी तुरन्त सूचना उप-अधीक्षक (सुरक्षा) तथा उप-अधीक्षक(प्रशासन) को देने के लिए दायी होगा।
द्वारपालों केjftLVjA	686. (1) अधिनियम के सुसंगत उपबन्धों में द्वारपालों के लिए विहित डयूटियों के अतिरिक्त, द्वारपालऐसे रजिस्टर अनुरक्ष[िात करेंगे या अनुरक्ष[िात करवाएंगे, तथा उनमें ऐसे ब्योरे दर्ज करेंगे या करवाएंगे जोegkfuns'kd le;≤ ij] bl fufeÙk fofgr djsA (2) द्वारपाल व्यक्तियों को विनियमित करने के समय तत्समय लागू सभी नियमों, विनियमों,निर्देशों तथा आदेशों की पालना करेंगे, जिन्हें कारागार में प्रवेश या से निकास तथा वस्तुएं जो कारागारमें लाई जाएं तथा से ले जाई जाएं तथा साधारणतः डयूटी जो उसे सौंपी गई है करना तथा रीतिftlesa mls mUgsa djuk gSA
dkjkxkj esa ls xqtjus okys ;k ckgj tkus okys व्यक्तियों rFkk वस्तुओं dk fjdkMZA	687. द्वारपाल सभी व्यक्तियों चाहे जो भी हो, जो किसी समय पर कारागार में प्रत्येक ऐसे व्यक्ति केऐसे प्रवेश तथा निकास के घण्टे तथा मिनट सहित कारागार में आने या बाहर जाने के नाम तथा जहांतक सम्भव हो कारागार में से गुजरने या बाहर जाने वाली किसी भी प्रकार की प्रत्येक वस्तु का नामतथा पर्याप्त विवरण का विहित रजिस्टर में रिकार्ड रखेगा। टिप्पणः- अधिकारी का नाम जिसके प्रभार में प्राधिकृत वस्तुएं, उनके पारगमन के घण्टे तथा मिनटसहित, आती हैं या बाहर जाती है, अभिलिखित की जाएंगी। व्यक्तियों या वस्तुओं की सभीप्रविष्टियां उनके पारगमन के समय पर तथा क्रमिक क्रम में की जाएंगी।

}kjiky }kjk lHkh LVkQ सदस्यों को igpkuuk rFkk dkjkxkj ds ckgj tkus okys बन्दियों का अवलोकन djukA	688. (1) द्वारपाल सभी कारागार अधिकारियों के चेहरों से सम्पूर्ण रूप से स्वयं को परिचित करेगातथा छल-कपट में भागने के किसी प्रयास को रोकने के उद्देश्य से कारागार छोड़ने वाले सभी बन्दियोंके चेहरों तथा रूप-रंग का सावधानीपूर्वक अवलोकन करेगा। (2) प्रत्येक कारागार में द्वारपालों के पर्यवेक्षण के अधीन सभी सम्बन्धित रजिस्टर बनाए रखनेके लिए द्वारपाल की सहायता हेतु ऐसे बहुत से वार्डर प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। वह आगे सुनिश्चितकरेगा कि पुलिस एस्कोर्ट के प्रभारी को सौंपे जा रहे सभी वारंट/चिकित्सा रिकार्ड उचित क्रम में है।वह सुनिश्चित करेगा कि बाहर जाने वाले प्रत्येक बन्दी को बायोमीट्रिक प्रणाली या अन्यथा के द्वारा,यदि बायोमीट्रिक प्रणाली प्रचालन में नहीं है, उप अधीक्षक (प्रशासन) तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) कीlwpuk ds v/khu lR;kfir fd;k tkrk gSA

दोहरी द्वारप्रणाली काlapkyuA	689. दोहरे द्वार तथा खिड़की के प्रावधान वाली कारागारों में द्वारपाल एक समय में केवल एक द्वारया खिड़की खोलेगा तथा ऐसा करने से पूर्व, स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि प्रवेश तथा निकास के अन्यसाधनों को सुरक्ष[ित रूप से चटखनी लगी हुई है तथा ताला लगाया गया है। साधारण प्रयोजनों केलिए प्रवेश तथा निकास खिड़की दरवाजे के रास्ते में किया जाएगा। दोनों द्वारों पर या तो भीतरी द्वारया खिड़की को खोलने की आवश्यकता के बिना कारागार में देखने के लिए द्वारपाल को समर्थ बनानेहेतु एक झरोखा रखा जाएगा।
rhljk iz.kkyh lapkyuA }kj dk	690. एक तीसरा द्वार कारागार से बाहर जाने या आने वाले व्यक्तियों तथा सामग्री की उचित जांचdjus rFkk lEiw.kZ Nkuchu djus ds fy, Hkhrjh }kj ds ihNs nwljh mPp lqj{kk nhokj lfgr ykbZu में प्रत्येक कारागार में स्थापित किया जाएगा।
प्रक्रिया tc dkjkxkj ds vUnj ;k ckgj गुजरना हो।	691. जब बन्दी दोहरे द्वारों से कारागार के अन्दर या बाहर गुजरते हैं, तो निम्नलिखित प्रक्रिया काlikyu fd;k tk,xk]& (क) बन्दियों के बाहर जाने पर द्वारपाल पहले उन्हें भीतरी खिड़की के माध्यम से ले जाएगातथा उसे बन्द करेगा, प्रयोजन के लिए मुहैया रजिस्टर में पूर्ण रूप से सभी बन्दियों,प्रभारी तथा उनकी सहायता करने वाले रक्षा कार्मिकों के नाम लिखेगा। फिर वह बाहरीद्वार में खिड़की को खोलेगा तथा बन्दियों की कुल संख्या के सत्यापन के लिए उनकेप्रवेश पत्र के अनुसार उनकी गिनती करेगा। (ख) गिरोह की सूची की द्वार रजिस्टर में एक बार प्रविष्टि करने के बाद मुख्य द्वार के माध्यमसे उसके पारगमन के प्रत्येक अवसर पर लिखे जाने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु गिरोहमें प्रत्येक परिवर्तन को नोट करना चाहिए तथा प्रभारी तथा द्वारपाल के हस्ताक्षर सेसाक्ष्यांकित किया जाना चाहिए जो तुरन्त परिस्थितियों की रिपोर्ट उप अधीक्षक को करेगा। ¼x½ ckgj ls izos'k djus ds fy, fxjksg ds ykSVus ij] }kjiky ckgjh f[kM+dh [kksysxk ¼Hkhrjh }kj dks igys rkyk yxk,xk½ rFkk }kjksa ds chp ds jkLrs ls fxjksg dks izos'k djus nsxkA ¼?k½ fQj og ckgjh f[kM+dh dks rkyk yxk,xk rFkk izR;sd cUnh rFkk okMZj dks jftLVj esa vfHkfyf[kr vuqlkj uke ls cqyk,xkA fxjksg ds lgh ik, tkus ij] og Hkhrjh f[kM+dh [kksysxk rFkk dqy la[;k ds lR;kiu ds fy, dkjkxkj esa muds xqjtus ds vuqlkj cfUn;ksa dh fxurh djsxkA }kjiky fdlh cUnh dks dkjkxkj ls ckgj ys tkuk vuqKkr ugha djsxk tks mls ckgj ys tkus ds fy, fof/kor izkf/kd`r mfpr la[;k dh xkMZ dk izHkkjh ugha gSA

eq[; }kj vkfn dh lQkbZ ds fy, ftEesokj }kjikyA	692. द्वारपाल कारागार के अग्र भाग, मुख्य द्वार तथा उसके बीच पारगमन तथा उसके प्रभार के अधीनरखी गई सभी वस्तुओं की सफाई के लिए जिम्मेवार होगा। वह जिम्मेवार भी होगा कि टार्च, डोर फ्रेममैटल डिटेक्टर (डी.एफ.एम.डी.), हैण्ड होल्ड मैटल डिटेक्टर (एच.एच.एम.जी.) आदि तथा रात्रि चेतावनीके मामले में अपेक्ष्ति ऐसी अन्य वस्तुएं विद्यमान हैं तथा उपयोगी स्थिति में है।
कारागार में प्रवेशdjus ds fy, व्यक्तियों TovuqKkr djukA	693. (1) द्वारपाल को सभी सरकारी तथा गैर-सरकारी मुलाकातियों की सूची दी जाएगी जोकारागार में प्रवेश के लिए हकदार है तथा ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) को प्रवेश के लिए अपने आपकोउनके पेश करने पर प्रवेश करने देगा। वह स्टाफ सदस्य जो प्रवेश करने के लिए प्राधिकृत है केसिवाए, किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने देगा यदि अधीक्षक या महानिदेशक द्वारा जारी लिखितvkns'k ugha gS ;k eqykdkrh muds lkFk ugha gSA (2) किन्हीं भी परिस्थितियों में द्वारपाल, निम्नलिखित के सिवाए, हवालात के बाद कारागार मेंप्रवेश करने के लिए किसी व्यक्ति को अनुज्ञात नहीं करेगा,- (क) स्टाफ सदस्य जो इन समयों के दौरान वैध डयूटी पर हाजिर होते हैं; (ख) कारागार के अधिकारियों द्वारा आकस्मिक रात्रि दौरों के लिए; (3) बन्दी जो न्यायालय पेशी से वापस आते हैं, को डयूटी अधिकारी द्वारा उचित सत्यापन केबाद रात्रि हवालात समय के दौरान कारागार में प्रवेश करना अनुज्ञात किया जाएगा।
lk/kkj.kr% अधिकारीdk Nkuchu djus ls छूट प्राप्त होना।	694. (1) द्वारपाल निम्नलिखित के सिवाए, कारागार में प्रवेश करने या बाहर जाने वाले प्रत्येक O;fDr dh vfuok;Z :i ls ryk'kh ysxk]& (क) माननीय उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश;

	(ख) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग के सदस्य तथामाननीय न्यायालय या सरकार द्वारा नियुक्त किसी आयोग के सदस्य या राज्यमानवाधिकार आयोग के सदस्य; ¼x½ dsUnzh; rFkk jkT; ljdkj dh eU=h ifj"kn~ ds lnL;(¼?k½ laln lnL; rFkk fo/kku lHkk lnL;(¼³½ ljdkjh fujh{k.k ij ftyk ,oa l= U;k;k/kh'k rFkk lHkh v/khuLFk U;kf;d vf/kdkjh(¼p½ e.My vk;qDr rFkk ftyk eftLV$sV(¼N½ iqfyl v/kh{kd((ज) विभाग के चिकित्सा अधिकारी, उप अधीक्षक तथा ऊपर की पदवी के अधिकारी; (2) अधीक्षक विशेष मामलों में या विशेष अवसर पर आदेश द्वारा किसी व्यक्ति, (व्यक्तियों)को अनिवार्य तलाशी से छूट दे सकता है। (3) यदि द्वारपाल के पास सन्देह के कारण हैं कि साधारणतः तलाशी से छूट प्राप्त कोईअधिकारी प्रतिषिद्ध वस्तु अन्दर ले जाता है या बाहर ले जाता है, तो वह द्वारों के बीच व्यक्ति को रोकसकता है तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) को नोटिस भेज सकता है जो स्वयं व्यक्ति की तलाशी लेगा। इसआदेश की एक प्रति साधारण जानकारी के लिए मुख्य द्वारों के बीच पारगमन में लटकाई जाएगीः परन्तु अधीक्षक सूचना या संदेह पर साधारणतया विशेष आदेश द्वारा साधारणतय तलाशीसे छूट प्राप्त किसी अधिकारी/व्यक्ति की अनिवार्य तलाशी ले सकता है। कथित तलाशी गुप्त रूप सेyh tk,xhA

O;fDr;ksa jksdus }kjiky 'kfDrA dks dh dh	695. उप अधीक्षक (प्रशासन) तथा अधीक्षक को रिपोर्ट करने के लम्बित रहने के दौरान द्वारपाल किसीव्यक्ति को अभिरक्षा में रोक सकता है या रूकवा सकता है जो अपनी उपस्थिति में कारागार द्वार पर;k ds vkl&ikl nkf.Md fdlh vijk/k ;k dkjkxkj vijk/k djuk ns[krk gS ;k lqurk gSA
pkfc;ksa lEcU/k }kjiky M;wVhA ds esa dh	696. प्रत्येक कारागार का द्वार या खिड़की, जब कारागार के भीतर या बाहर किसी व्यक्ति या वस्तुको वैध, रूप से गुजारने के प्रयोजन के लिए उसे खोलना आवश्यक हो के सिवाए, बन्द तथा तालालगाकर रखा जाएगा तथा तत्समय डयूटी पर द्वारपाल बन्दियों को रात्रि के लिए हवालात में बन्द करनेतक अपने व्यक्तिगत कब्जे में ऐसे द्वार तथा खिड़की के तालों की चाबियां रखेगा।
gokykr ij }kj dh pkfc;ka gLrkUrfjr djukA	697. जब बन्दियों को रात्रि के लिए हवालात में बन्द किया जाता है, तो द्वारपाल भीतरी तथा बाहरीद्वारों की चाबियां डयूटी अधिकारी को देगा जो रात्रि के दौरान अपने व्यक्तिगत कब्जे में चाबियां रखेगातथा प्रातःकाल में द्वारपाल को हस्तान्तरित करेगा।
}kjiky dh चाबियों को अन्योंds lkFk xqPNs esa j[kukA	698. द्वारपाल मुख्य द्वारों तथा खिड़कियों की चाबियां जंजीर से अपनी कमरबन्द से आसक्त तथाकुछ अन्यों के साथ गुच्छे में रखेगा ताकि गुच्छें का कब्जा प्राप्त करने वाले किसी बन्दी के लिए यहपता लगाना कठिन हो कि कौन सी चाबी किस विषेष ताले से सम्बन्धित है।
jkf= esa pedhyh रोशनी।	699. रात्रि में द्वारों के बीच में निरन्तर रूप से चमकीली रोशनी, जलाकर रखी जाएंगी।
वस्तुओं का द्वारोंds chp esa j[kk tkukA	700- lk/kkj.kr% fuEufyf[kr oLrq,a eq[; }kj ds chp ikjxeu esa j[kh tk,axh] vFkkZr~ %& (क) घड़ी; (ख) ताले तथा चाबी सहित शलाका पर बन्धी हुई फालतू हथकड़ी; ¼x½ }kjiky dh iqLrdksa rFkk fy[kus dh lkexzh ds fy, rkys rFkk pkch lfgr LFkk;h est ¼?k½ ¼MSLd½(pkfc;ksa ds fy, nhokj&vYkekjh ;k ckWaDl(¼³½ VkpZ ds fy, ckaWDl(¼p½ vfXu 'keu ds fy, ;U=(¼N½ lwpuk iV~V(

	(h) चेतावनी डोंग या घंटी मुख्य स्वीच; (i) डोर फ्रेम मैटल डिक्टेटर, हाथ में रखा जाने वाला मैटल डिक्टेटर आदि।
वार्डरों }kjk उनको सौंपे गएविशेषप्रभारj[kuk A	701. प्रत्येक वार्डर के पास अधीक्षक या उप अधीक्षक द्वारा उसको सौंपी गई विशेष तथा भिन्न डयूटीहोगी जैसे या तो कारागार के भीतर या बाहर बन्दियों की बैरक (बैरकों)/वार्ड (वार्डों), सुरक्षा चैकियों,गश्त इलाका, द्वार डयूटी, कर्मशाला (कर्मशालाओं) या गिरोह का प्रभार। वार्डर सभी सुरक्षा डयूटी जैसेगश्त, निगरानी टावर/द्वार सन्तरी आदि तथा सुधारात्मक तथा कल्याण डयूटियों के लिए भी जिम्मेवारहोंगे। वार्डरों की तैनाती तथा डयूटी बार-बार परिवर्तित की जाएंगी ताकि किसी बन्दी के साथ किसीसम्बन्ध की स्थापना को रोका जा सके।

okMZjksa lk/kkj.k M~;wfV;kaA	dh

702. प्रत्येक वार्डर हर समय निम्नलिखित के लिए दायी होगा,-

(क) कारागार के प्रबन्धन में, कारागार के अधिकारियों तथा बन्दियों दोनों में व्यवस्था तथाअनुशासन तथा रक्षा तथा बचाव करने का अनुरक्षण तथा किसी व्यक्ति द्वारा आपराधिकबल के प्रयोग के विरूद्व उसमें या उससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों तथा सम्पति में अपनी'kfDr esa lHkh lgk;rk nsuk(

(ख) पदवी में उससे वरिष्ठ सभी अधिकारियों के आदेशों का पालन करना;

	rRle; ykxw lHkh fof/k;ksa] fu;eksa] fofu;eksa] funsZ'kksa rFkk vkns'kksa] tks M;wfV;ksa dks 'kkflr djrs gSa] tks mls djuh gSa] rFkk jhfr ftlesa mls mudks iwjk djuk gS] dk ikyu djuk(
¼x½	mldks fdlh le; ij lkSaih xbZ fdlh Hkh izdkj dh lHkh lEifÙk dh mfpr ns[kjs[k djus rFkk mlds fof/kor~ ys[ks nsus] tc dHkh ,slk djus ds fy, dgk tk,(
¼?k½ ¼³½ ¼p½	rqjUr iw.kZ :i ls lfTtr rFkk l'kL= vkus ds fy, eqLrSnh dh fLFkfr esa gksuk tc dHkh ,slk djus ds fy, dgk tk, ;k psrkouh nh tkrh gS rFkk O;oLFkk cuk, j[kus] fdlh minzo dks nckus] dkjkxkj ls Hkkxus ds fdlh la;qDr iz;kl ;k Hkkx fudyus dks jksdus] dkjkxkj ds Hkhrj ;k ckgj ds vkØe.k ls dkjkxkj rFkk mlesa ;k mldh lHkh lEifRr dks cpkus ds iz;kstu ds fy, vko';d ;k lehphu lHkh oS/k dk;Z rFkk ckrs djus(
¼N½	tc M;wVh ij gksa viuh onhZ dk dksbZ Hkkx ugha mrkjuk ;k ugha ysVuk ;k ugha cSBuk(
	M;wVh dh viuh ckjh ds nkSjku ckj&ckj mudh fxurh djus ds fy, mlds izHkkj esa cfUn;ksa dh la[;k ls ifjfpr gksus rFkk Lo;a dh lUrqf"V ds fy, fd os mldh vfHkj{kk esa gS] u dsoy lgh la[;k cfYd fo'ks"k cUnh Hkh tks mlds izHkkj esa gS(

(ज) सभी बन्दियों जिन्हें वह अपने प्रभार में प्राप्त करता है या क्रमशः प्रभार प्राप्त करने तथाहस्तान्तरित करने के समय पर किसी अन्य अधिकारी को प्रभार हस्तान्तरित करता है, कीryk'kh ysus(

(झ) उसके प्रभार में प्रत्येक बन्दी, जो सुस्त है या जिसने आंबटित कार्य पूरा नहीं किया है या जिसने कोई अन्य कारागार अपराध किया है, की रिपोर्ट करना;

	ns[kuk fd dksbZ cUnh tks vizkf/kd`r le;ksa ij 'kkSp?kj esa tkrk gS] dks tc fxjksg ls nwj fdlh ftEesokj vf/kdkjh ds izHkkj esa gLrkUrfjr fd;k x;k gS(
	chekj ds :i esa fn[kkbZ nsus okys ;k chekjh dh f'kdk;r djus okys fdlh cUnh dks mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ ds /;ku esa ykus(
¼¥½ ¼V½ ¼B½ ¼M½ ¼<½ ¼.k½	Hkkxus ;k vkØe.k djus ds ;k fonzksg djus ds ;k fNikbZ xbZ oLrqvksa dks izkIr djus ds mn~ns'; ds fdlh "kM+;U= dh fjiksVZ djus(
	gkftjh rFkk ijsM ds fy, cfUn;ksa dks rS;kj djus rFkk ;g ns[kus ds fy, fd izR;sd cUnh mfpr O;oLFkk rFkk lgh O;ogkj esa vius mfpr LFkku ij vkrk gS(
	;fn dksbZ cUnh xqe gS] rks mlds ekxZn'kZu ds fy, vf/kdfFkr izfØ;k dk ikyu djus(rFkk
	vius 'kL=ksa rFkk lkt&lkeku dks lkQ] lqO;oLFkk esa rFkk rqjUr iz;ksx ds fy, ;ksX; j[ksxkA

lUrjh dh fLFkfr rFkk l'kL=hdj.kA	703. (1) एक सालस् सहित एक सन्तरी दिन के समय के दौरान कारागार के मुख्य द्वार के बाहरrSukr fd;k tk,xkA (2) eq[; }kj ij fnu dk lUrjh ckgjh }kj ij Bhd ckgj dh rjQ rSukr fd;k tk,xk तथा नियत बेनट तथा गोलाबारूद सहित अपनी राइफल पास रखेगा। राइफल चैम्बर में बिना राउन्डके भरी जाएगी, किन्तु 12 राउन्ड (10 कारतूस का एक पैकेट तथा 2 खुले कारतूस) की राइफल(हथियार) पाऊच में रखेगा जिसे बेल्ट के अग्र भाग के आस-पास बांधा जाएगा, फ्लैप को खुला छोड़ाजाएगा। सालस् बेटन सहित सशस्त्र हो सकता है। (3) मुख्य द्वार पर रात्रि सन्तरी द्वारों के बीच में तैनात किया जाएगा तथा 12 राउन्ड कागोला बारूद भी रखेगा। (4) सशस्त्र सन्तरी गोला बारूद के 10 राउन्ड सहित भरी हुई राइफल के साथ रात-दिनप्रषासकीय ब्लॉक की छत पर भी नियुक्त किया जाएगा तथा 10 राउन्ड पाऊच में रखेगा जिसे बेल्टके अग्रभाग पर आसपास बांधा जाएगा, फ्लैप को खुला छोड़ा जाएगा। (5) ,d lUrjh mi;qDr fuxjkuh midj.k jkfgr jkr&fnu dsUnzh; fu;U=.k Vkoj ;k vU; dekfUMax fLFkfr esa Hkh rSukr fd;k tk,xkA (6) सशस्त्र सन्तरी गोला बारूद के 10 राउन्ड सहित भरी हुई राइफल के साथ रात-दिनप्रत्येक निगरानी टावर पर भी तैनात किया जाएगा तथा अतिरिक्त 10 राउन्ड पाऊच में रखेगा, जिसेबेल्ट के अग्रभाग पर आसपास बांधा जाएगा, फ्लैप को खुला छोड़ा जाएगा।
lUrjh M;wfV;kaA dh	704. सन्तरी की निम्नलिखित डयूटी होगी,- (क) अपनी डयूटी के दौरान हर समय सतर्क रहना; (ख) वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रश्नगत होने के सिवाए किसी व्यक्ति से बातचीत नहीं करना; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ — fdlh cUnh ;k dkjkxkj vf/kdkjh ds lkFk vuko';d gLr{ksi ugha djuk(fdlh izdkj ds fdlh cgkus ij fu;fer jkgr ds fcuk viuk pkSdh ugha NksM+uk(pqukSrh ds fcuk vU/ksjs ds ckn viuh pkSdh ds fudV igqapus ds fy, fdlh O;fDr dks vuqKkr ugha djuk(vU/ksjs ds ckn pqukSrh nsus ds fy,] pqukSrh nsus okys O;fDr dks psrkouh nsuk rFkk mÙkj vlUrks"ktud gks] rks M;wVh vf/kdkjh ds igqapus rd [kM+k jguk] mlh le; ij viuh jkbQy ^^Hkjdj** ykuk(vkokt lqukbZ nsus ij ;k ix/ofu ij va/ksjh jkr esa pqukSrh nsuk] ;fn og dksbZ mÙkj izkIr ugha djrk gS] ;k mÙkj vlUrks"ktud gks] rks M;wVh vf/kdkjh dks cqykuk ;k ;fn vko';d gks] rks ladV lwpuk nsuk((ज) स्वयं की सन्तुष्टि करना कि मुख्य द्वार तथा खिड़की सुरक्ष्ति रूप से तालाबन्द हैं;

		mlds b/kj&m/kj HkhM+&HkkM+ djus ds fy, O;fDr;ksa dks vuqKkr ugha djuk(
	¼>½	;fn og Hkkxus dk iz;kl djus ds fy, fdlh cUnh dks ns[krk gS] rks mldks [kM+k jgus ds fy, dgsxk rFkk ;fn og ,slk djus ls budkj djrk gS rFkk ogkaW dksbZ ofj"B vf/kdkjh ekStwn ugha gS] rks cUnh ij Qk;j djuk c'krsZ fd og Hkkxus dks vU;Fkk jksd ugha ldrk(
	¼´½	;fn og iqdkj ls ijs gS rFkk j{kd dks ladV lwpuk nsrk gS] ladV&lwpuk ds ladsr ds :i esa gokbZ Qk;j djus dh dksf'k'k djuk(
	¼V½	;fn og dkjkxkj esa ;k ds fudV dksbZ oLrq ns[krk gS tks Hkkxus dks lqdj cukus ds fy, lEHkkO; gS ;k ;fn mlds voyksdu esa dksbZ vlk/kkj.k ?kVuk vkrh gS] rks rqjUr M;wVh vf/kdkjh dks ekeys dh fjiksVZ djuk(
	¼B½	tc jkr esa eq[; }kj ij M;wVh ij gks] rks fdlh O;fDr dks izos'k djuk ;k dkjkxkj NksM+uk vuqKkr ugha djuk tks ljdkjh M;wVh ij ugha gS ;k izos'k djus ;k NksM+us ds fy, izkf/kd`r ugha gS(
	¼M½	O;fDr;ksa ij vius vkns'k etcwrh ls rFkk HksnHkko ds fcuk ykxw djukA
	¼<½	

fuxjkuh Vkoj lUrjh dh M;wVhA		705. निगरानी टावर सन्तरी की डयूटी निम्नानुसार होंगी,- (क) अपनी डयूटी के दौरान हर समय सतर्क रहना; (ख) अपनी चैकी/डयूटी पर ऐसे तरीके से हाजिर रहना कि वह हर समय कारागार अधिकारियों को दृष्टिगोचर हो;
	¼x½	fdlh Hkh izdkj ds cgkus ij fu;fer jkgr ds fcuk viuh pkSdh ugha NksM+uk(dkjkxkj ifjljks dh ckgjh pkgjnhokj ds fudV igqapus ds fy, fdlh O;fDr dks vuqKkr ugha djuk(
	¼? k½	lqfuf'pr djuk fd dksbZ Hkh oLrq dkjkxkj ifjljks ds Hkhrj ;k ckgj ugha Qsadh tkrh gks(
	¼³½	fdlh vizkf/kd`r O;fDr dks pqukSrh nsus(pqukSrh nsus okys O;fDr dks psrkouh nsuk rFkk ;fn mÙkj vlUrks"ktud gks] rks vU; j{kk dkfeZd dks pkSdl djuk rFkk M;wVh vf/kdkjh ds igqapus rd [kM+k jguk] mlh le; ij viuh jkbQy ^^Hkjh fLFkfr** esa ykuk(
	¼p½	;fn og Hkkxus dk iz;kl djus ds fy, fdlh cUnh dks ns[krk gS] rks mldks [kM+k jgus ds fy, dgsxk rFkk ;fn og ,slk djus ls budkj djrk gS rFkk ogkW dksbZ ofj"B vf/kdkjh ekStwn ugha gS] rks cUnh ij Qk;j djuk c'krsZ fd og Hkkxus dks vU;Fkk jksd ugha ldrk(
	¼N½	
		(ज) यदि वह पुकार से परे है तथा रक्षक को संकट सूचना देता है, संकट-सूचना के संकेत के रूप में हवाई फायर करने की कोशिश करना;
	¼>½	;fn og dkjkxkj esa ;k ds fudV dksbZ oLrq ns[krk gS tks Hkkxus dks lqdj cukus ds fy, lEHkkO; gS ;k ;fn mlds voyksdu esa dksbZ vlk/kkj.k ?kVuk vkrh gS] rks rqjUr M;wVh vf/kdkjh dks ekeys dh fjiksVZ djuk(
	¼´½	O;fDr;ksa ij vius vkns'k etcwrh ls rFkk HksnHkko ds fcuk ykxw djukA
efgyk LVkQ dh M;wfV;kaA		706. (1) प्रत्येक कारागार में, जिसमें महिला बन्दियों के लिए आवास मुहैया कराए गए हैं, याजिसमें ऐसे बन्दी साधारणतः निरूद्ध किए गए हैं या निरूद्ध किए जाने के लिए दायी है, तो वहां महिलासहायक अधीक्षक या उप सहायक अधीक्षक या मुख्य महिला वार्डर होगी जिसके पास, अधीक्षक केनियन्त्रण के अध्यधीन, कारागार को किसी समय पर सुपुर्द या में निरूद्ध सभी महिला बन्दियों कासम्पूर्ण प्रभार होगा।

	(2) महिला बन्दियों के सम्बन्ध में, महिला रक्षा कार्मिक की डयूटी प्ररुष बन्दियों के सम्बन्धमें, प्ररुष रक्षा कार्मिक द्वारा किए गए कार्य के समरूप होगी तथा पुरुष रक्षा कार्मिक को तत्समय लागूसभी नियम, विनियम, आदेश तथा निर्देश महिला रक्षा कार्मिक को भी लागू होंगे।
lk/kkj.kr% अधिकारियों कोलागू नियम vkfnA	707. (1) कारागार विभाग की स्थापना में अन्य विभागों से लिए गए व्यक्तियों के अलावा कार्यकारी,सुधारात्मक तथा लिपिक-वर्गीय सेवा शामिल हैं। इन सेवाओं से सम्बन्धित नियम राजपत्रित सेवा केलिए कारागार सेवा नियम, अराजपत्रित सेवा के लिए कारागार अधीनस्थ सेवा नियम तथा लिपिक वर्गीयस्टाफ के लिए लिपिक-वर्गीय सेवा नियमों में दिए गए हैं। (2) प्रत्येक कारागार कार्मिक अपने पद से सम्बन्धित नियमों तथा विनियमों से पूर्णरूप सेस्वयं को परिचित करेंगे तथा अनभिज्ञता का कोई भी बहाना लापरवाही के लिए माफी के रूप में स्वीकृतugha fd;k tk,xkA
dkjkxkj ds अधिकारियों काfu;U=.k rFkk M;wfV;kaA	708. (1) कारागार के सभी अधिकारी अधीक्षक के निर्देशों का पालन करेंगे; उप-अधीक्षक के अधीनस्थ सभी अधिकारी ऐसी डयूटी करेंगे, जो अधीक्षक की स्वीकृति से उप-अधीक्षक द्वारा उन पर अधिरोपित की जाएं। (2) प्रत्येक अधीनस्थ, वरिष्ठ अधिकारियों के सभी कानूनी आदेशों को शीघ्र लागू करेगा तथा सख्ती से पालन करेगा तथा हर समय सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मान का व्यवहार करेगा। (3) किसी विशेष पद जैसे चालक, नलसाजी, इलैक्ट्रीकल, कम्प्यूटर संचालन इत्यादि में स्टाफ की कमी के मामले में, अर्हक वार्डरों या अन्य स्टाफ की सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है।
स्टाफ सदस्यों}kjk dkjkxkj संविदाओं में fgrc) ugh होना।	709. कोई भी स्टाफ न तो सदस्य उसके लिए विश्वास में या द्वारा नियोजित कोई व्यक्ति, प्रत्यक्ष याअप्रत्यक्ष, कारागार की आपूर्ति के लिए किसी संविदा में कोई हित नहीं रखेगा; और न ही कारागार कीओर से या बन्दी से सम्बन्धित किसी वस्तु के विक्रय या क्रय से प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप सेकोई लाभ प्राप्त करेगा।

dsoy v/kh{kd द्वारा बन्दियों कोn.M nsuk(vuqfpr Hkk"kk ls cpukA	710. (1) अधीक्षक से अन्यथा किसी कारागार का कोई अधिकारी किसी समय किसी बन्दी को कोई दण्ड नहीं देगा; (2) कोई भी स्टाफ सदस्य किसी बन्दी के लिए हिंसात्मक, निंदापूर्ण, या अपमान करने वाली भाषा का प्रयोग नहीं करेगा।
बन्दियों ls व्यवहार-कौशल,ekuork rFkk dM+h fu"i{krk ls cjrko djukA	711. प्रत्येक स्टाफ सदस्य हर समय किसी बन्दी को अनुचित रूप से चिढाने या खिजाने के लिएपरिकलित सभी आचरण से दूर रहेगा तथा प्रत्येक बन्दी के साथ व्यवहार-कौशल, अच्छे मिजाज,मानवता तथा सम्पूर्ण निष्पक्षता से बरताव करेगा तथा प्रत्येक शिकायत या रिपोर्ट, जो कोई बन्दी किसीसमय पर उसको करे, को सुनेगा तथा प्रत्येक बन्दी के लिए सभी ऐसी दयालुता तथा सम्मान दर्शाएगाजो उसकी डयूटी में स्थिर तथा कारगार निर्वहन के अनुकूल हो। इस नियम के पूर्ववर्ती उपबन्धों केअध्यधीन, प्रत्येक ऐसा अधिकारी स्थित रूप से तथा पूर्ण रूप से कड़ा अनुशासन बनाए रखेगा तथाउसके पद से सम्बन्धित सभी या किन्हीं डयूटियों के निर्वहन के लिए तत्समय लागू सभी विधियों,नियमों, विनियमों, निदेशो तथा आदेशों को लागू करेगा। टिप्पणः- यह महत्वपूर्ण है कि किसी बन्दी द्वारा की गई प्रत्येक शिकायत ध्यान से सुनी जाएगी ताकियदि उचित पाई गई है , तो की गई शिकायत का निवारण या प्रतिकारित की जा सकती हैतथा कि किसी भी मामले में, असन्तोष के लिए कोई उचित कारण बाकी रहना अनुज्ञात नहींdjuk pkfg,A

बन्दी को बल सेvkrafdr ugha djukA	712. (1) कोई भी स्टाफ सदस्य, किसी भी समय किन्हीं भी परिस्थितियों में या किसी बहाने सेविधिपूर्ण दिए गए दण्ड को कार्यान्वित करने में उसकी डयूटी के अनुसरण में या विधि या उसके अधीनबनाए गए किन्हीं नियमों के किसी अन्य उपबन्ध से अन्यथा किसी बन्दी पर प्रहार नहीं करेगा। (2) किसी कारागार का कोई भी अधिकारी, अपनी डयूटी के निर्वहन में, किसी भी समय किसीघटना या आक्रमणशील बन्दी को वश में रखने के प्रयोजन के लिए या विधि या उसके अधीन बनाएगए किन्हीं नियमों को लागू करने या उसकी डयूटियों को कार्यान्वित करने के लिए पूर्णतया आवश्यकहो, अधिक बल का प्रयोग नहीं करेगा। टिप्पणः- गिरफ्तार करने के लिए (दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) कीधारा 45 सभी आवश्यक साधनों का प्रयोग करना विधिपूर्ण होगा तथा बन्दी के पास, अपनीडयूटी के निर्वहन में भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का केन्द्रीय अधिनियम 45) की धारा98 कार्य करने वाले कारागार अधिकारियों के विरूद्ध निजी रक्षा का कोई अधिकार नहीं हैतथा प्रत्येक अधिकारी विधिपूर्ण प्राधिकार के विरूद्ध बन्दियों द्वारा प्रयुक्त किसी बल कोरोकने के लिए, बषर्ते परिस्थितियॉ इस प्रकार अपेक्ष्ति, सभी आवश्यक बल का प्रयोग करldrk gSA
बन्दियों को निजीdk;Z ij नियोजितugh djukA	713. कोई भी स्टाफ सदस्य, उस निमित्त इसमें दिए गए किसी नियम के किसी उपबन्ध द्वारा यथाप्राधिकृत के सिवाए, किसी भी समय उसके अपने स्वयं के निजी कार्य के लिए या उसके अपने मनाफेया लाभ के लिए किसी बन्दी को नियोजित नहीं करेगा; न ही कोई ऐसा अधिकारी सरकार के लाभतथा फायदे से अन्यथा किसी बन्दी को तथा अधिनियम तथा बन्दियों के नियोजन से सम्बन्धित उसकेअधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार कड़ाई से नियोजित करेगा।
dnkpkj dh तुरन्त रिपोर्ट।	714. अधीक्षक के अधीनस्थ या के आदेशों के अधीन प्रत्येक स्टाफ सदस्य किसी अन्य स्टाफ सदस्य,;k fdlh cUnh }kjk fd, x, fdlh dnkpkj dh ;k tkucw>dj vkKkHkax dh ;k rRle; ykxw fdlh विधि, नियमों या विनियमों के भंग की, जो उसकी जानकारी में किसी समय आता है या उसकीउपस्थिति, नजर या सुनवाई में किया गया है, की उस अधिकारी को तुरन्त रिपोर्ट करने की डयूटीWill happen.
cUn djus ls सूर्योदय rd किसी अधिकारी}kjk vdsys fdlh okMZ ;k lSy esa प्रवेशugha djukA	715. कोई भी स्टाफ सदस्य किसी बन्दी द्वारा अधिभोग किए गए किसी वार्ड, सैल या अन्य कक्ष में,किसी भी समय, ऐसे वार्ड, सैल या कक्ष को रात्रि के लिए बन्द किया गया है, से आगामी प्रातःकालसूर्योदय तक प्रवेश नहीं करेगा जब तक उसके साथ कम से कम एक अन्य स्टाफ सदस्य नहीं है बशर्तेकि ऐसी प्रवेष आपातिक किसी मामले या अन्य विशेष परिस्थिति द्वारा बाध्य किया गया हो।

lHkh LVkQ सदस्यों dh भागने से रोकनेrFkk vuq'kklu के भंग की रिपोर्टdjus dh M;wVhA	716. (1) हर समय सभी विधिपूर्ण कार्य, जो आवश्यक हों तथा कारागार को तोड़ने या भागने सेया कारागार को तोड़ने या भागने का प्रयास करने या कोई उपद्रव या दंगा सृजित करने या सृजितकरने का प्रयास करने या कोई अन्य हिंसक तथा उपद्रवी कार्य करने का प्रयास करने से किसी बन्दीको रोकने की प्रत्येक स्टाफ सदस्य की डयूटी होगी। (2) प्रत्येक स्टाफ सदस्य निम्नलिखित डयूटी से बाध्य होगा,- (क) कोई कारागार अपराध करने से रोकने के लिए सभी सम्भव वैध उपाय करना; (ख) अधिनियम तथा सभी नियमों, विनियमों, निर्देशों तथा आदेशों के उपबन्धों को लागू करना, जो तत्समय लागू हैं या किसी रूप में बन्दियों के आचरण तथा अनुशासन तथा कारागार के प्रशासन के सम्बन्ध में लागू हैं; तथा ¼x½ rRle; ykxw ;k fdlh :i esa dkjkxkj ;k mlesa ifj:) fdlh cUnh dks ykxw fdlh fof/k] fu;eksa] fofu;eksa] funsZ'kksa rFkk vkns'kksa ds fdlh micU/k ds izR;sd Hkax ;k Hkax ds iz;kl ;k Hkax djus dh ;kstuk cukus dh ofj"B izkf/kdkjh dks fjiksVZ djukA
onhZ iguus rFkk lQkbZ ls lEcfU/kr ekeysA	717. (1) प्रत्येक स्टाफ सदस्य, उस द्वारा धारण किए गए पद के सम्बन्ध में, तथा जिसके लिएकोई वर्दी किसी समय पर विहित की गई है, सभी समयों पर विहित पद्धति के अनुसार ऐसी वर्दीपहनेगा, जब डयूटी पर हो, तथा, जब डयूटी बन्द करे, तो कारागार परिसरों के भीतर या किसीसार्वजनिक स्थान में या तो वर्दी या निजी वस्त्र पहन सकता है: परन्तु किसी अधिकारी द्वारा वर्दी तथा निजी वस्त्र का कोई संयोजन किसी समय पर नहींiguk tk,xkA (2) प्रत्येक अधिकारी सभी समयों पर तथा सभी अवसरों पर अपनी ड्रैस के सम्बन्ध में साफतथा स्वच्छ तथा अपने व्यक्तिगत के सम्बन्ध में साफ होगा।
नियोजन के लिएmi;qDrrk dk प्रमाणपत्र।	718. विभाग में नियोजन के लिए किसी भी उम्मीदवार को तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जबतक सिविल सर्जन प्रमाण्ित नहीं करता कि उसके पास आवश्यक चिकित्सा उपयुक्तता है।
cj[kkLr rFkk vijk/kh :i ls nf.Mr O;fDr को प्राधिकार केfcuk नियोजितugha djukA	719. (1) कोई व्यक्ति जो किसी समय पर सरकारी सेवा में किसी पद से बरखास्त किया गया है,ऐसी बरखास्तगी से सम्बन्धित तथ्यों के पूर्ण विवरण देते हुए राज्य सरकार की विशेष स्वीकृति के बिनाLVkQ lnL; ds :i esa fdlh le; ij fu;qDr ds :i esa fu;qfDr ds fy, vgZd ds :i esa ugha le>k tk,xkA (2) कोई व्यक्ति, जो किसी समय पर दाण्िडक विधि के विरूद्व किसी अपराध का सिद्धदोषrFkk dkjkokl ls nf.Mr fd;k x;k gS] jkT; ljdkj dh Lohd`fr ds fcuk LVkQ lnL; ds :i esa fdlh le; ij fu;qDr ds :i esa fu;qfDr ds fy, vgZd ugha le>k tk,xkA टिप्पणः- केवल सदाचार तथा अच्छे चरित्र के व्यक्ति को स्टाफ सदस्य के रूप में नियोजित कियाtk,xkA
iwoZ n.M To प्रकट करने के लिए उम्मीदवारों dh M;wVhA	720. किसी व्यक्ति, चाहे अस्थाई रूप से या स्थाई रूप से, को स्टाफ सदस्य के रूप में नियुक्त करनेसे पूर्व उसे एक घोषणा करनी अपेक्ष्ित होगी कि उसे सरकारी सेवा से किसी समय पर बरखास्त याकिसी अपराध का सिद्धदोष तथा कारावास से दण्िडत नहीं किया गया है: परन्तु यदि किसी ऐसे व्यक्ति को बरखास्त या सिद्धदोष तथा दण्िडत किया गया है, तो वहपूर्वोक्त अनुसार घोषणा करने की बजाए सूचना तथा उचित प्राधिकारी के आदेशों के लिए ऐसीबरखास्तगी या दोष सिद्धि तथा दण्ड में विद्यमान परिस्थितियों का सम्पूर्ण प्रकटीकरण कर सकता है।
dkjckj rFkk foRrh; laO;ogkj ds fo:) प्रतिषेध।	721. कोई भी स्टाफ सदस्य, चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से,- (क) किसी व्यापार कारबार या ऐसे स्टाफ सदस्य के रूप में उसकी डयूटियों से भिन्न किसी रोजगार में नियोजित नहीं होगाय या

	(ख) किसी बन्दी को धनराष्ि नहीं देगा या से धनराष्ि नहीं लेगा या के साथ कोई वित्तीय संव्यवहार नहीं करेगा या के पक्ष में कोई दायित्व नहीं लेगा।
LVkQ सदस्यों}kjk viuh M;wfV;ka n{k :i ls djukA	722. अपने पद की डयूटी तथा उससे सम्बन्धित तत्समय लागू विधि, नियम तथा विनियमों तथाउत्साह, ईमानदारी, तत्परता, नियमितता, निष्कपटता, विनियमितता तथा समयनिष्ठा से अपनी डयूटियोंके निर्वहन के लिए सम्पूर्ण रूप से स्वयं को परिचित करने की प्रत्येक स्टाफ सदस्य की डयूटी होगी।

dfri; अधिकारियों द्वाराvuqjf{kr dh tkus okyh नोट-बुक।	723. प्रत्येक उप अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, उप सहायक अधीक्षक तथा मुख्य वार्डर (केन्द्रीय नियन्त्रणकक्ष) हर समय अपने पास एक नोट-बुक रखेगा जिसमें वह ऐसे समय जब ऐसा आदेश इस प्रकारदिया गया है, किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा उसको दिए गए प्रत्येक मौखिक आदेश दर्ज करेगा।
v/khuLFk अधिकारी }kjk rRdky vuqlj.k प्रस्तुत करना।	724. प्रत्येक अधीनस्थ अधिकारी की किसी अधिकारी द्वारा उसको दिए गए प्रत्येक वैध आदेश की हरसमय शीघ्रता तथा निर्विवाद आज्ञापालन करने की डयूटी होगी, जिससे वह किसी रूप में अधीनस्थ हैया जिसके अधीन वह तत्समय नियोजित है तथा प्रत्येक वरिष्ठ अधिकारी के साथ शिष्टाचार तथाlEeku ds lkFk O;ogkj djsxkA
बन्दियों, बन्दियोंके रिश्तेदारों तथादोस्तों के साथlEidZ j[kus ds विरूद्व प्रतिषेध।	725. (1) कोई भी अधीनस्थ अधिकारी, अधीक्षक की विशेष अनुमति के सिवाए, किसी भी समय,- (क) किसी बन्दी के किसी रिश्तेदार या मित्र के साथ किसी भी किसी प्रकार का कोई सम्पर्क नहीं रखेगा या संचार नहीं करेगा; (ख) किसी मुक्त बन्दी से किसी प्रकार का कोई सम्पर्क नहीं रखेगा या पत्राचार नहीं djsxk(;k (ग) किसी मुक्त बन्दी या ऐसे बन्दी के किसी रिश्तेदार या दोस्त से मुलाकात करने ;k vius DokVZj ij j[kus dh vuqefr ugha nsxkA (2) कोई भी अधीनस्थ अधिकारी किसी भी समय पर,- (क) किसी भी बन्दी से कोई अनावश्यक वार्तालाप नहीं करेगा; (ख) किसी भी बन्दी से अनावष्यक मेलजोल का व्यवहार नहीं करेगा; (ग) किसी बन्दी के साथ या उसकी पेषी के दौरान कारागार के अनुशासन या विनियमों ls lEcfU/kr fdlh ekeys ij ppkZ ugha djsxkA
अधिकारीdk viuh chV esa jgukA	726. (1) प्रत्येक अधीनस्थ अधिकारी, जब वह डयूडी पर हो, जब किसी वरिष्ठतम अधिकारी द्वाराकिसी अन्य स्थान पर जाने के लिए आदेशित हो या जब डयूटी पर जा रहा हो या डयूटी से वापिसआ रहा हो, के सिवाए अपने हलके (गष्त) या डयूटी के स्थान की सीमाओं के भीतर स्वयं को परिसीमितरखेगा तथा वहां पर रहेगा; कारागार परिसरों के भीतर सभी समयांे पर आलस्य या मटरगश्ती प्रतिषिद्धWill happen. (2) कोई भी स्टाफ का सदस्य, डयूटी के दौरान किसी भी समय धुम्रपान नहीं करेगा यामद्यपान नहीं करेगा या गाना नहीं गाएगा, जोर से बात नहीं करेगा या अपना भोजन नहीं पकाएगा यानहीं खाएगा या स्वयं किसी भी प्रकार से किसी भी अनुचित या उपद्रवी रीति में व्यवहार नहीं करेगा। टिप्पण- अधीनस्थ अधिकारियों के मध्य अपनी डयूटी से सम्बन्धित किसी भी मामले में सभी झगडों,या मतभेदों या असहमतियों को तुरन्त उप अधीक्षक (प्रशासन) को निर्दिष्ट किया जाएगा।उप अधीक्षकों या उप-अधीक्षकों या चिकित्सा अधिकारी के मध्य झगड़े या मतभेदों की दषामें मामला अधीक्षक को निर्दिष्ट करना चाहिए।

v/khuLFk vf/kdkfj;ksa eqykdkrhA ds	727. किसी भी अधीनस्थ अधिकारी को किसी भी समय पर कारागार की दीवारों के भीतर या कारागारके बाहर डयूटी के दौरान किसी मुलाकाती से मुलाकात करने के लिए अनुमत नहीं किया जाएगा।
f'kdk;rsa djus की प्रक्रिया।	728. (1) किसी प्रकार की कोई शिकायत करने का ईच्छुक कोई भी अधीनस्थ अधिकारी, शिकायत करने के कारण के घटित होने के अड़तालीस घण्टों के भीतर, अधीक्षक को, लिखित में, ष्िकायत djsxkA (2) तुच्छ, तंग करने वाली या मिथ्या शिकायतें करना प्रतिषिद्ध होगा।
अधिकारियों काfeydj la;qDr dkjZokbZ djuk प्रतिषिद्ध होना।	729. किसी भी शिकायत या कथित शिकायत के निवारण के लिए या किसी भी प्रकार के किसी अन्यप्रयोजन के लिए आन्दोलन करने की दृष्टि से स्टाफ के सदस्यों का किसी संयुक्त या सम्मिलित कार्रवाईमें भाग लेना प्रतिषिद्ध है।
डयूटी पर सोनेrFkk vU; अनियमितताओं का प्रतिषेध।	730. कोई भी स्टाफ का सदस्य किसी भी समय पर,- (क) स्वापक तथा मनःप्रभावी पदार्थ (पदार्थों) के सेवन का आदी या के प्रभाव के अधीन नहीं will be;

¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½	vU; LVkQ ds lnL;ksa ;k cfUn;ksa ds lkFk feydj fdlh Hkz"V vkpj.k esa Lo;a dks 'kkfey ugha djsxk(dkjkxkj ds ifjljksa ds Hkhrj fdlh Hkh oftZr lkexzh dh ?kqliSB esa xqIr :i ls lg;ksx ugha nsxk(tc vius in dh fdlh M;wVh dk fuoZgu dj jgk gks] rks dk;jrk ugh fn[kk,xkA mUekn dh vofLFkfr esa ugha jgsxk(M;wVh ds nkSjku lks,xk ugha(leqfpr izkf/kdkjh }kjk ml fufeÙk ;k bu fu;eksa ds v/khu fofgr le;kof/k rFkk jhfr ls vU;Fkk fdlh efgyk ds fy, vkjf{kr ;k ds iz;ksx ;k vf/kHkksx ds fy, vkcafVr dkjkxkj ds fdlh vgkrs] izkx¡.k] okMZ] lSy d{k ;k vU; Hkkx esa izos'k ugha djsxk ;k fdlh O;fDr dks izos'k djus dh vuqefr ugha nsxk(

(ज) किन्हीं बन्दियों को या के मध्य भोजन, वस्त्र या अन्य वस्तुओं की आपूर्ति या वितरण मेंकोई अनियमितता नहीं करेगा या करने की अनुमति नहीं देगा या करने के लिए अवप्रेरितugha djsxk(

¼>½ ¼´½ ¼V½	fdlh ;wfu;u ;k fdlh lkslkbVh] laLFkk ;k la?k dk lnL; ugha cusxk ;k mlls lgc) ugha jgsxk ;k vU; v/khuLFk vf/kdkfj;ksa ds lkFk feydj dksbZ ;wfu;u ugha cuk,xk(vu/khurk] voKk ;k drZO; ds Hkax ds fdlh dk;Z dk nks"kh ugha gksxk(vius drZO;ksa ;k muesa ls fdlh ds fuoZgu esa chekjh dk cgkuk ugha cuk,xk ;k Lo;a dks vleFkZ ;k v;ksX; ugha cuk,xkA

टिप्पण-1:- (ख), (ग) तथा (घ) पर सूचीबद्ध अनियमितताओं के मामले में, साधारणतः एक बार सिद्धहोने के बाद बरखास्तगी की जाएगी।

	टिप्पण-2:- स्टाफ के सदस्यों का मद्यसार स्तर रिकार्ड के लिए प्रत्येक कारागार में प्रिन्टर सहितएल्कोमीटर उपलब्ध करवाया जाएगा।
स्टाफ के सदस्यों}kjk vijk/kA	731 (1) स्टाफ का प्रत्येक सदस्य, सजा जो कर्तव्य के किसी उल्लंघन या सक्षम प्राधिकारी द्वाराबनाए गए किसी नियम या विनियम या विधि सम्मत आदेश को जानबूझकर भंग करने या उपेक्षा करनेके दोषी के रूप में पाया जाता है, या जो अपने पद के कर्तव्यों से अनुमति के बिना या ऐसा करने केअपने आशय का लिखित में दो मास का अग्रिम नोटिस दिए बिना पीछे हटता है, या जो उसको दिएगए किसी अवकाश से अधिक अवधि के लिए जानबूझकर गैर हाजिर रहता है, या जो अपनी कारागारकी डयूटी से अन्यथा किसी रोजगार में प्राधिकार के बिना लगता है, या जो कायरता का दोषी है, यदिअधीक्षक उस पर अभियोजित करने का निर्णय लेता है, तो न्यायिक मजिस्ट्रेट के सम्मुख दोष सिद्धिपर जुर्माना जो तीन हजार रूपए से अधिक न हो, या कारावास की ऐसी अवधि, जो तीन मास सेअधिक न हो, से या दोनों से दण्डनीय होगा। (2) किसी भी कार्मिक को एक अपराध के लिए दोबारा दण्िडत नहीं किया जाएगा।
अपराधिक मामलेका प्रभाव।	732. (1) यदि किसी स्टाफ के सदस्य पर दण्ड न्यायालय में अभियोजित किया गया है तथा विचारणके बाद उसके विरूद्ध लगाए गए आरोप से बेगुनाह घोषित कर दिया जाता है, तो निर्णय को अन्तिमनिर्णय के रूप में स्वीकार किया जाएगा तथा स्टाफ के ऐसे सदस्य को विभागीय रूप से दण्िडत नहींfd;k tk,xk] ;fn vijk/k] ftlds fy, mls fopkjk x;k Fkk] n.M ds fy, ,dek= vk/kkj xfBr djrk gSA (2) कतिपय मामलों में विभागीय संज्ञानः- तथापि, यदि ऐसे अधिकारी को तकनीकी आधारोंपर विमुक्त किया जाता है या यदि मामले के अन्वेषण द्वारा प्रमाण्ित तथ्यों से दोषी ठहराया जाता हैकि उसका आचरण तथा चरित्र ऐसा नहीं है, जो जेल अधिकारी के लिए उचित हो, तो महानिदेशकअपराध या ऐसे आचरण या चरित्र के सम्बध में विभागीय संज्ञान ले सकता है।
iqjLdkjA	733. (1) किसी एक अवसर पर निम्नलिखित पुरस्कार सभी और दो में, जो तीन से अधिक न हो,अच्छा सदाचार फीतियां किसी वार्डर को उसकी डयूटी की अवधि के भीतर अच्छी सेवा के लिएमहानिदेशक द्वारा, दी जा सकती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे;

(क) ड्रिल में विशेष श्रेष्ठता;
(ख) कारागार कृषि, उद्योग या अन्यत्र में अच्छा कार्य;
(c) दुर्घटना की स्थिति में मामले में शीघ्र प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना; (d) लम्बी अवधि में अनुकरणीय सेवा; अथवा
(e) बहुमूल्य सूचना प्रस्तुत करना।
(2) सदाचार फीती पुरस्कार, प्रापक की सेवा पुस्तिका में दर्ज किया जाएगा।
(3) v/kh{kd] egkfuns'kd dh iqf"V ds v/;/khu] dnkpkj ds fdlh dk;Z ds fy, j{kk dkfeZd को एक या अधिक सदाचार फीतियों से वंचित कर सकता है।
(4) सदाचार फीती की ऐसी जब्ती, सम्बन्धित अधिकारी की सेवा पुस्तिका में दर्ज की जाएगी। (5)
सदाचार फीती, बांई बाजू की बांह पर कोहनी तथा कंधे के बीच बीच में पहनी जाएगी। (6) जेलर से मुख्य वार्डर के पद पर पदोन्नत वार्डर सभी सदाचार फीतियों को पहनना जारीरख सकता है, जो उसे किसी भी समय प्रदान की गई हों।
(7) अधीक्षक, सदाचार फीती देने का प्रत्येक मामला महानिदेशक को निर्दिष्ट करेगा, जो ऐसाअधिनिर्णय करेगा, जो वह उपयुक्त समझे तथा वह नकद पुरस्कार जो, दो हजार रूपए से अधिक नहो, भी दे सकता है।
(8) वार्डर अपनी वर्दी पर अपने आप आठ वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर एक फीती, सोलह वर्षकी सेवा पूर्ण होने पर दो फीती तथा चैबीस वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर तीन फीती लगाएगा। (9) अधीक्षक, वार्डर या मुख्य वार्डर, जो बहुमूल्य सूचना प्रदान करता है, को किसी अन्यपुरस्कार, जिसके लिए वह पात्र हो सकता है, के अतिरिक्त प्रषस्ति प्रमाणपत्र प्रदान कर सकता है। (10) महानिदेशक, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी प्रकार की विशेष सेवा के लिए तथानिम्नलिखित सेवाओं के लिए भी वार्डर अथवा मुख्य वार्डर अथवा सन्तरी को सदाचार फीती तथा उचितudn iqjLdkj ns ldrk gS] vFkkZr~%&
(क) भगदड या उपद्रव इत्यादि रोकने में वीरता;
(ख) भगोडे को दोबारा पकड़ने में विशेष निपुणता या ऊर्जा का खर्च, जहां भगोड़ा उस वार्डर या मुख्य वार्डर की लापरवाही के कारण नहीं भागा था, जिसको यह दिया जाना प्रस्तावित है;

¼x½ ¼? k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½	okf"kZd xksykckjh izfr;ksfxrk esa mPpre vad la[;k izkIr djuk(dkjkxkj ds vf/kdkfj;ksa dks mlds izcU/ku esa cgqewY; lgk;rk nsuk(lqjkx nsuk] tks pqjkbZ xbZ ljdkjh lEifÙk dh [kkst dh vksj ys tkrh gks ;k Hkkxus ;k cxkor bR;kfn ds "kM~;U= ds ckjs esa lwpuk nsrk gS(lsok ;k lkgl ds fy, viokfnd fu"Bk(onhZ] l'kL= rFkk midj.k dh fo'ks"k ns[kHkky djuk(

(ज) बागवानी करना; या
(i) कोई अन्य विविध सेवा।
(11) महानिदेशक, कारागार विभाग के किसी अधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति को उचित नकदपुरस्कार दे सकता है, जो मूल्यवान सूचना देता है अर्थात् स्टाफ सदस्यों का कदाचार, कारागार आदिमें वर्जित वस्तुओं का पता लगाने में सहायता करता है।

परिदर्षक बोर्ड।	v/;k; 34 ifjn'kZd 734. (1) सरकार, अधिसूचना द्वारा, सरकारी सदस्यों तथा दो गैर-सरकारी सदस्यों (एक पुरूषतथा एक महिला) से मिलकर बनने वाले जिला स्तरीय परिदर्षक बोर्ड का गठन करेगी। राज्य सरकारगैर-सरकारी सदस्यों की नियुक्तियाँ राजपत्र में अधिसूचना द्वारा बोर्ड की जिम्मेवारियों में निम्नलिखितशामिल होगा,- (क) कारागार में अवसंरचना तथा सुविधाओं की प्रभावषीलता के लिए विशेष ध्यान lfgr lq/kkjkRed dk;Z dh fuxjkuh djuk((ख) सुधारात्मक कार्य में सुधार लाने के उद्देश्य से सुधारात्मक कार्य के लिए नए दृष्टिकोणों का सुझाव देना; तथा ¼2½ ¼x½ cfUn;ksa dh O;fDrxr rFkk lkewfgd f'kdk;rksa ij fopkj djuk rFkk dkjkxkj izkf/kdkfj;ksa ds ijke'kZ ls fuokj.k miyC/k djokukA ifjn'kZd cksMZ dk xBu mu ftyksa esa fd;k tk,xk] tgka dkjkxkj fLFkr gSA
ljdkjh lnL;A	ljdkjh lnL;A 735. परिदर्षक बोर्ड में निम्नलिखित सरकारी सदस्य शमिल हांेगे, अर्थात्:- (क) जिला मजिस्ट्रेट; (अध्यक्ष); (ख) पुलिस अधीक्षक; (c) अधीक्षक (सदस्य सचिव); (d) जिला रोजगार अधिकारी; (e) जिला समाज कल्याण अधिकारी; (f) निदेशक उद्योग; (six) कार्यकारी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य विभाग; (ज) कार्यकारी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़के);(i) जिला शिक्षा अधिकारी।
ifjn'kZdksa M;wVhA dh	736. प्रत्येक परिदर्षन पर सभी परिदर्षक,- (क) बने हुए भोजन की जांच करेगा; (ख) साधारणतः कारागार की बैरकों, वार्डो, कार्य शैड़ो तथा अन्य भवनों का निरीक्षण करेगा;(c) सुनिष्ंचित करेगा कि स्वास्थ्य, सफाई और सुरक्षा से सम्बन्धित सभी आवष्यक उपाय विधिवत रूप से किये जाते है या नहीं;

	(d) सुनिष्ि्चत करेगा कि उचित प्रबन्धन तथा अनुशासन, हर सम्बन्ध में अनुरक्ष्ि्ात है तथा क्या किसी बन्दी को अवैध रूप से निरूद्ध किया गया है या विचारण की प्रतीक्षा के समय अनुचित अवधि के लिए निरूद्ध किया गया है; (e) गोपनीय रिकार्ड तथा लेखों से सम्बन्धित रिकार्ड के सिवाए, कारागार रजिस्टर तथा fjdkMZ dh tkap djsxk((f) बन्दियों द्वारा या की ओर से किए गए सभी प्रतिवेदन तथा याचिकाओं को सुनेगा तथा /;ku nsxk((six) निर्देष देगा, यदि उचित समझता है कि किसी ऐसे प्रतिवेदन या याचिका को महानिदेशक को भेजा जाए; तथा (ज) सुधारात्मक कार्य में सुधार लाने के उद्देश्य से सुधारात्मक कार्य के लिए नए दृष्टिकोणों dk lq>ko nsxkA
परिदर्षक बोर्डds dÙkZO; rFkk M;wfV;akA	737. (1) जिला मजिस्ट्रेट, बोर्ड का अध्यक्ष होगा। (2) बोर्ड प्रति तिमाही में कम से कम एक मुलाकात करेगा तथा इस प्रयोजन के लिए,गणपूर्ति तीन सदस्यों तथा अध्यक्ष से मिलकर होगी। (3) बोर्ड की प्रत्येक बैठक के कार्यवृत्त, मुलाकात कार्यवृत्त पुस्तक में अभिलिखित किएजाएंगे और उन्हें अधीक्षक की टिप्पणी सहित महानिदेशक को भेजा जाएगा। कार्यवृत्तों की एक प्रतिबोर्ड के प्रत्येक सदस्य को भी प्रेषित की जाएगी। महानिदेशक ऐसे कार्यवृत बैठक की एक प्रति उनमामलों में सरकार को भेजेगा जहां सरकार के स्तर पर कार्रवाई की जानी अपेक्ष्ि्ात है। (4) यदि बोर्ड का कोई गैर-सरकारी सदस्य, कारागार का परिदर्षन करता है, तों उसकेसाथ कम से कम एक सरकारी सदस्य होगा। अधीक्षक के परामर्श से, बोर्ड का अध्यक्ष, कारागार मेंबोर्ड के सदस्यों द्वारा किए जाने वाले निरीक्षणों का मासिक रोस्टर (तालिका) बनाएगा।

	(5) रोस्टर, ऐसी रीति में इस बात को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा कि प्रति-मासfdlh lnL; }kjk de ls de ,d ifjn'kZu fd;k tk,A (6) प्रत्येक गैर-सरकारी निरीक्षणकर्ता से बन्दियों की देखभाल में स्वयं रूचि लेना अपेक्ष्ि्ातहै तथा उस कारागार का निरीक्षण करेगा, जिसका वह रोस्टर के अनुसार या बाद में अधीक्षक केijke'kZ ls ,d eqykdkrh gSA (7) परिदर्षन के दौरान, बोर्ड का सदस्य, किसी बन्दी, जो परिदर्षक से बात करने काईच्छुक है, से गोपनीय रूप से तथा अलग रूप से बातचीत करने के अधिकार का उपभोग करेगा।rFkkfi] ifjn'kZd rFkk cUnh ds chp ,slk i`Fkd ikjLifjd fopkj&foe'kZ dkjkxkj dh nhokj ds भीतर किसी स्थान पर किया जाएगा, जो कारागार अधिकारी की दृष्टि में भी होगा। बन्दी के साथबातचीत के बाद, परिदर्षक बोर्ड के अध्यक्ष को बन्दी के साथ हुई बातचीत के बारे में लिखित मेंसूचित करेगा। अध्यक्ष, यदि वह आवश्यक समझता है, तो अधीक्षक के पास मामले को उठाएगा। (8) अधीक्षक सुनिश्चित करेगा कि बोर्ड के सदस्यों के पास शिकायतें दायर कराने वालेबन्दी, अभियुक्त या स्टाफ सदस्य, जिनके विरू~ शिकायत की गई है, बाद में प्रतिषोध के शिकार नहों।
ifjn’kZd lqfo/kk djukA dks iznku	738. (1) बोर्ड के सदस्यों को कारागार की स्थिति तथा उसके प्रबन्धन का अवलोकन करने केलिए प्रत्येक सुविधा प्रदान की जाएगी तथा कारागार के सभी हिस्सों तथा उसमें निरूद्ध प्रत्येक बन्दीके उचित विनियमन के अधीन पहुंच अनुज्ञात की जाएगी। साधारणतः, वे तब तक उच्च सुरक्षा क्षेत्रोंका निरीक्षण नहीं करेंगे, जब तक महानिदेशक द्वारा इस निमित्त विधिवत निर्देशित नहीं किया जाए। (2) परिदर्षन,बन्दियों को रात के लिए बन्द करने के बाद या कारागार अवकाश के दिन,ifjn'kZu ugha fd;k tk,xkA (3) परिदर्षकों को उचित सम्मान दिया जाएगा। सूचना के लिए उनके अनुरोध के सम्बधमें इन नियमों के अनुसार पालना की जाएगी।

	(4) किसी भी परिदर्षक को सुरक्षा कार्मिक की एस्कोर्ट के बिना कारागार का चक्कर लगानेके लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, जो उसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक है। किसी भी मुलाकातीको कारागार का निरीक्षण करते समय अपने साथ कोई हथियार या अपना सशस्त्र व्यक्तिगत सुरक्षाअधिकारी ले जाने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। (5) बोर्ड के दौरे के अवसर के सिवाए, कोई भी परिदर्षक, अधीक्षक या उप अधीक्षक द्वाराउसके परिदर्षन के दौरान साथ ले जाने की मांग नहीं करेगा। (6) अधीक्षक की स्पष्ट सहमति के अभाव में, मुलाकाती को एक ही समय एक से अधिकबन्दियों से मुलाकात करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। किसी बैठक या सम्मेलन के स्वरूपमें कोई भी बात, चाहे राजनैतिक विषय या कारागार शिकायतों पर विचार-विमर्ष हो, पूर्ण रूप सेवर्जित होगी। (7) बन्दियों के साथ सभी निजी मुलाकात साधारणतः दस मिनट की समय सीमा केv/;/khu fd;k tk,xkA
ifjn'kZu dh frfFk fyfic) djukA	739. (1) प्रत्येक परिदर्षक, कारागार में उसका निरीक्षण पूरा होने के बाद, अपने परिदर्षन कीतिथि तथा समय को परिदर्षक पुस्तक में दर्ज करेगा तथा उसमें कोई टिप्पणी या सुझाव जो वहnsuk pkgs mlesa ntZ dj ldrk gSA (2) प्रत्येक परिदर्षक द्वारा की गई टिप्पणी की एक प्रति उस पर अधीक्षक की टिप्पणी, याउस पर अधीक्षक द्वारा की गई कार्रवाई सहित महानिदेशक को भेजी जाएगी। यदि किसी विचाराधीनबन्दी के दीर्घ समय तक निरोध से सम्बन्धित टिप्पणी है, तो ऐसी टिप्पणी की एक प्रति, जिला एवंसत्र न्यायाधीश को भी भेजी जाएगी।
ifjn'kZd }kjk dh xbZ fVIi.kh dk fuiVku djukA	740. (1) पूर्ववर्ती नियमों के अधीन किसी परिदर्षक द्वारा की गई टिप्पणी, कथन तथा तथ्यों कीस्पष्ट समालोचना तक सीमित होनी चाहिए, जो उसकी जानकारी में आए हां तथा ऐसे सुझाव, जोवह चाहता हो कि अधीक्षक या महानिदेशक विचार करे। समालोचना, कारागार के सामान्य प्रशासनतथा प्रबन्धन के ऐसे पहलुओं तक सीमित रखी जाएगी, जो परिदर्षक की राय में, सुधारी जानी हो।किसी कारण के बिना परिदर्षक, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी स्टाफ के सदस्यों के चरित्र या आचरणपर अनुकूल अथवा प्रतिकूल रूप से प्रभाव डालती हो।

	(2) egkfuns'kd] fdlh ifjn'kZd }kjk dh xbZ fdlh fVIi.kh ij vkns'k ikfjr dj ldrk है, तथा यदि किसी महत्व के मामले में सरकार के आदेश अपेक्षित हों, तो उसे सरकार को भेजेगा। (3) fdlh ifjn'kZd }kjk dh xbZ fdlh fVIi.kh ij egkfuns'kd ;k jkT; ljdkj }kjk पारित आदेश की एक प्रति अधीक्षक के माध्यम से सम्बन्धित परिदर्षक को भेजी जाएगी।
ftyk eftLVªsV द्वारा कारागारोंdk ifjn'kZu rFkk eqvk;uk djukA	741. (1) जिला मजिस्ट्रेट की अपनी क्षेत्रीय अधिकारिता के अधीन कारागारों का वर्ष में एक बारपरिदर्षन करने की डयूटी होगी और ऐसे कारागारों को लागू अधिनियम, तथा उसके अधीन बनाएगए सभी नियमों, विनियमों, जारी किए गए निर्देशों तथा आदेशों के उपबन्धों को सम्यक रूप सेअवलोकित तथा लागू किया गया है। (2) जिला मजिस्ट्रेट, कारागार के किसी भी हिस्से का परिदर्षन कर सकता है और निरीक्षणके दौरान कोई रिकार्ड मांग सकता है।
fujh{k.k fjdkMZA dk	742. किए गए प्रत्येक परिदर्षन तथा निरीक्षण के परिणाम का रिकार्ड, इस प्रयोजन के लिए अधीक्षक}kjk vuqjf{kr fd, x, jftLVj esa ntZ fd;k tk,xkA

ftyk eftLVªsV }kjk v/kh{kd ls i=kpkj djukA	743. (1) ftyk eftLVªsV lk/kkj.kr% fdlh dkjkxkj ds v/kh{kd ls uhps dh inoh okys fdlh अधिकारी से कोई पत्राचार नहीं करेगा या आदेश नहीं लिख भेजेगा। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारीसभी आदेश लिखित में होंगे। (2). जिला मजिस्ट्रेट के आदेश साधारणतः परिदर्षक पुस्तक में प्रविष्टि के रूप में जारीकिये जाएंगे। जिला मैजिस्ट्रेट से कारागार के प्रबन्धन को प्रभावित करने वाले ब्यौरों के मामलों मेंहस्तक्षेप नहीं करने की उम्मीद की जाती है। वह कोई ऐसी कार्रवाई नहीं करेगा, जो अधीक्षक केप्राधिकार को क्षीण करने वाली हो। (3). यदि जिला मजिस्ट्रेट ऐसा आदेश देता है जिससे अधीक्षक या उसका वरिष्ठ आपत्तिकरता है, तो सम्बन्धित अधिकारी सरकार को महानिदेशक के माध्यम से मामला प्रस्तुत कर सकताहै, किन्तु वह तुरन्त किसी आदेश का पालन करेगा जो अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किसीनियम से असंगत न हो तथा जिसमें कोई सीधा जोखिम या खतरा शामिल न हो।
iqfyl अधिकारियों काप्रवेश।	744. (1) पुलिस अधीक्षक, पुलिस अपर अधीक्षक या किसी सहायक पुलिस अधीक्षक को ऐसेपुलिस अधिकारी के रूप में अपनी डयूटी का निर्वहन करने के लिए कारागार को बन्द करने से पूर्वकेवल कार्य समय के दौरान कारागार में प्रवेश करने लिए अनुमत किया जा सकता है। केवल अतिविशेष तथा आपातिक परिस्थितियों में, उन्हें महानिदेशक द्वारा कार्य समय के बाद कारागार में प्रवेशdjus dh vuqefr nh tk ldrh gSA (2) उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट पुलिस अधिकारियों से अधीनस्थ पदवी के पुलिसअधिकारियों को निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए कार्य समय के दौरान कारागार में प्रवेश करने कीvuqefr nh tk ldrh gS] vFkkZr~%& (क) पुराने अपराधियों की पहचान करने हेतु; (ख) बन्दियों की शिनाख्त करने हेतु। (3) दाण्ि◌डक अपराध का अन्वेषण करने के लिए पुलिस अधिकारी को कार्य समय के दौरानअधीक्षक द्वारा नामित कारागार अधिकारी की उपस्थिति में बन्दी का कथन अभिलिखित करने के लिएvuqer fd;k tk ldrk gSA (4) किसी भी पुलिस अधिकारी को किसी समय पर, किसी भी बहाने से, जो भी हो, किसीमहिला वार्ड या किसी सैल या कक्ष, जिसमें किसी महिला को तत्समय परिरूद्ध किया गया है याअधीक्षक को लिखित में अनुमति प्रस्तुत किए बिना प्रवेश करने लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।
का वर्दी में होना।	745. किसी भी अधीनस्थ पुलिस अधिकारी को तब तक कारागार में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगाजब तक वह उचित वर्दी में न हो है।
अधिकारियों कोdk;Z le; ds दौरान कारागारमें प्रवेश करने केfy, vuqKkr djukA	746. (1) लोक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा पुलिस आवास निगम तथा उनकेकर्मचारियों या विक्रेता या विक्रेता स्टाफ, विभाग का विक्रेता या विक्रेता स्टाफ कार्य समय के दौरानऐसी सीमा तक कारागार में प्रवेश कर सकता है, जो उनके प्राधिकृत कार्य से सम्बन्धित प्रयोजनों केलिए आवश्यक हो। ऐसी मुलाकातों की अग्रिम सूचना अधीक्षक को दी जाएगी।

	(2)सिविल सर्जन/मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी तथा बन्दियों की स्वास्थ्यदेखभाल के सम्बन्ध में उसके द्वारा प्रतिनियुक्त पैरामैडिकल स्टाफ भी कारागार अस्पताल तथाकारागार परिसरों में आवष्यकता अनुसार प्रवेश कर सकता है।
vU; व्यक्तियों	747. इन नियमों में यथा उपबन्धित के सिवाए, किसी भी परिदर्षक को तब तक किसी कारागार मेंप्रवेश नहीं करने दिया जाएगा जब तक उसके पास महानिदेशक या अधीक्षक की लिखित अनुमतिनहीं है या प्राप्त नहीं की है।

To विशेष vuqefr प्रदान djukA	

v/kh{kd dh शक्तियों dk प्रयोग करना।	v/;k; 35 कारागारों का सामान्य पर्यवेक्षण तथा निरीक्षण 748. (1) महानिदेशक, कारागारों के प्रशासन के सम्बन्ध में अधीक्षक की सभी या किन्हीं शक्तियोंका प्रयोग कर सकता है। (2) egkfuns'kd] ekeys ls ekeys ds vk/kkj ij] v/kh{kd ls Åij dh inoh ds fdlh अधिकारी को कारागारों के प्रशासन के सम्बन्ध में अधीक्षक की सभी या किन्हीं शक्तियों का प्रयोगकरने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।
कारागारों esa वस्तुओं dh vkiwfrZ rFkk निर्मित वस्तुओं dk foØ; djukA	749. सरकार के सामान्य नियन्त्रण तथा इन नियमों के उपबन्धों के अध्यधीन, महानिदेशक ऐसी सभीव्यवस्थाएं कर सकता है, जो कारागारों से सम्बन्धित सभी कार्यों के निर्माण, तथा में प्रयोग के लिएसभी वस्तुओं की आपूर्ति या किसी प्रकार से उससे सम्बन्धित या आनुषंिगंक या संयोजित तथाकारागारों में निर्मित सभी वस्तुओं के विक्रय के लिए आवश्यक हो।
निधियों, O;; तथा लेखों केmicU/kA	750. सरकार उस निमित्त किए गए आदेशों के अधीन कारागार विभाग के खर्च को पूरा करने केलिए बजट प्रावधान तथा निधियों के आबंटन को सुरक्ष्ति करने के लिए व्यवस्था के अध्यधीन, कारागारोंके अनुरक्षण पर तथा कारागारों के प्रशासन से किसी भी प्रकार से सम्बधित या से आनुषगिंक यासयोजित सभी मामलों पर सभी खर्चों पर सम्पूर्ण नियन्त्रण महानिदेशक में निहित होगा।
egkfuns'kd rFkk fu;qfDr अधिकारियों द्वारा कारागारोंdk fujh{k.kA	751. (1) जहां तक हो सके, महानिदेशक की कम से कम दो वर्ष में एक बार प्रत्येक कारागारका दौरा तथा निरीक्षण करने तथा स्वयं की सन्तुष्टि करने की डयूटी होगी कि ऐसे कारागारो कोलागू अधिनियम तथा इसके अधीन बनाए गए सभी नियमों, विनियमों, तथा जारी किए गए निर्देशोंतथा आदेशों के उपबन्धों को सम्यक रूप से प्रभावी तथा लागू किया गया है और कि प्रत्येक कारागारका प्रबंधन सभी प्रकार से दक्ष तथा सन्तोषजनक है। प्रत्येक परिदर्षन तथा निरीक्षण के परिणाम काएक नोट, उस प्रयोजन के लिए अधीक्षक द्वारा अनुरक्ष्ति की जाने वाली मुलाकाती पुस्तक में अभिलिखितकिया जाएगा या नोट के रूप में अन्यथा से सूचित किया जाएगा। (2) (K) महानिदेशक, राज्य में कारागारों के निरीक्षण के लिए अधीक्षक की पदवी से ऊपर के किसी अधिकारी को नियुक्त कर सकता है। कारागारों का इस नियतन तथा आबंटन प्रति वर्ष की 15 जनवरी तक अग्रिम में महानिदेशक द्वारा किया जाएगा; (ख) नियुक्ति ऐसी रीति में की जाएगी कि प्रत्येक ऐसा निरीक्षण अधिकारी, औपचारिक निरीक्षण के लिए कम से कम दो कारागारों का प्रतिवर्ष निरीक्षण करेगा; (ग) निरीक्षण अधिकारी, महानिदेशक को निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा; (घ) निरीक्षण नोट पर जारी निर्देशों की पालना रिपोर्ट, ऐसे निरीक्षण के तीन मास के भीतर सम्बन्धित अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। (3) महानिदेशक, राज्य में किसी कारागार का निरीक्षण करने के लिए किसी अधीक्षक कोHkh fu;qDr dj ldrk gSA (4) अपर महानिरीक्षक या से ऊपर की पदवी के अधिकारी, महानिदेशक के आदेशों से किसीकारागार का अनौपचारिक निरीक्षण कर सकते हैं। (5) महानिदेशक, नियत कालिक रीति में सम्पूर्ण राज्य के जिला परिवीक्षा अधिकारी(अधिकारियों) के कार्यालयों का

	निरीक्षण करने के लिए अधीक्षक या उससे ऊपर की पदवी केअधिकारियों को भी नियुक्त कर सकता है। निरीक्षण अधिकारी, महानिदेशक को ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुतdjsxkA
egkfuns'kd rFkk fujh{k.k ij fu;qDr अधिकारी ds drZO;A	752. (1) पूर्ववर्ती नियम के उपबन्धों के अनुसार, महानिदेशक या नियुक्त कोई अन्य अधिकारी, साधारणतः ऐसा निरीक्षण करने हेतु प्रत्येक कारागार के निरीक्षण में निम्नलिखित को शामिल करते हुए विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगा, अर्थात्:- (क) पूर्व निरीक्षण नोट पर जारी किए गए कथनों/निर्देशों की पालना पर टिप्पणी; (ख) अवसंरचना के रूप में,- (i) lHkh dkjxkj Hkou rFkk lk/kkj.k lQkbZ((ii) जल तथा मलजल सुविधाओं सहित कारागार में स्वास्थ्य कर स्थिति; (iii) रसोई तथा भोजन की गुणवत्ता; (iv) भण्डारण; (v) dkjkxkj cxhpk((vi) कारागार उद्योग; तथा

	(vii) कारागार अस्पताल, चिकित्सा सुविधाएं, चिकित्साLVkQ vkfn((c)कारागार प्रबन्धन के रूप में,- (i) प्राधिकृत कारागार जनसंख्या तथा वास्तविक कारागार जनसंख्या; (ii) संचार सुविधाओं सहित बन्दियों के लिए मुलाकात सुविधाएं; (iii) महिला बन्दी तथा शिशु; (iv) डिजीटल रिकार्ड सहित बन्दियों का रिकार्ड; (v) पैरोल, फरलो, माफी तथा समय पूर्व रिहाई इत्यादि से सम्बधित रिकार्ड; (vi) बन्दी प्रबन्धन साफ्टवेयर; (vii) विडियो सम्मेलन सुविधा; (viii) कारागार में कार्य अवसर; तथा (ix) बन्दियों को मजदूरी; (घ) बन्दी कल्याण के रूप में, - (i) dSUVhu lqfo/kk,((ii) iqLrkdky;((iii) मनोरंजन सुविधाएं, खेल, आध्यात्मिक कार्यकलाप; rFkk (iv) बन्दी पंचायत; (ङ) कारागार सुरक्षा के रूप में,- (i) सुरक्षा तथा प्रकाश व्यवस्था; (ii) tjusVj lsV((iii) अलार्म प्रणाली; (iv) उच्च सुरक्षा अहाते; (v) उच्च जोखिम बन्दी; (vi) सशस्त्र एवं गोलाबारूद (vii) दिन-रात दोनों के लिए रक्षा की व्यवस्था; (viii) सुरक्षा उपकरण; (ix) गार्ड ड्रिल करने हेतु उच्च अधीनस्थों की योग्यता; rFkk

	(x) lh lh Vh oh fu;U=.k d{k dh dk;Z i)fr((च) स्टाफ प्रबन्धक के रूप में,- (i) LVkQ dh fjfDr dh fLFkfr((ii) v/khuLFk LVkQ esa M;wVh dk vkcaVu((iii) कारागार स्टाफ की शिकायतं, शिकयत निवारण बैठक; (iv) आवासीय क्वार्टर, वार्डर होस्टल आदि; (v) कारागार स्टाफ से भेंटवार्ता; (छ) स्थापना के रूप में,- (i) स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि क्रय के सभी मामलों में अनावष्यक खर्च नही किया x;k gS((ii) लेखे तथा रजिस्टर, नियमों के अनुसार अनुरक्ष[ित किए जाते हैं; (iii) सभी रिकार्डो की सुरक्ष[ित अभिरक्षा के लिए उचित प्रबन्ध किए जाते हैं; (iv) कारागार, बन्दियों तथा स्टाफ से सम्बन्धित अन्य प्रशासकीय मामले।
निरीक्षण रिपोर्टया उसके भागको सरकार कोप्रस्तुत करना।	753. पूर्ववर्ती पैराग्राफ द्वारा अपेक्ष[ित निरीक्षण रिपोर्ट या उसके किसी भाग की प्रति, जो मामले सेसम्बन्धित है, जिसे महानिदेशक की राय में सरकार के ध्यान में लाया जाएगा, सरकार को महानिदेशकद्वारा भेजी जाएगी।
वार्षिक रिपोर्टrFkk fooj.khA	754. महानिदेशक, यथा सम्भव प्रत्येक कलैण्डर वर्ष के समापन के बाद यथा शीघ्र तथा प्रत्येक वर्षमें जून के प्रथम सप्ताह के अपश्चात, सरकार को ऐसी सांख्यिकीय तथा अन्य विवरण, विवरण[ियोंतथा सूचना सहित राज्य में कारागारों के प्रशासन पर रिपोर्ट ऐसे रूप में प्रस्तुत की जाएगी, जोljdkj] le;≤ ij] vis{kk ;k fofufnZ"V djsA
lapkj ds ek/;e (चैनल)।	755. किसी प्रतिकूल निर्देश के अभाव में महानिदेशक, राज्य सरकार तथा कारागार विभाग के सभीअन्य अधिकारियों के बीच संचार का माध्यम (चैनल) होगा।

ifjp;A	v/;k; 36 बन्दियों की सुरक्ष[ित अभिरक्षा तथा बन्दियों की रक्षा 756. कारागार के भीतर बन्दियों की सुरक्ष[ित अभिरक्षा, कारागार विभाग की प्राथमिक जिम्मेवारी है।lq/kkj rFkk iquokZl dk leLr mís';] vfHkj{kk ds <kaps esa lq/kkj djuk gSA blds vfrfjDr] कारागार अभिरक्षा में बन्दी प्रक्[िरया के तहत मानव के रूप में बन्दियों के मूल अधिकारों पर कतिपयनिर्बन्धन शामिल हैं, जिनसे बन्दियों को गुजरना पडता है।
dkjkxkj ds ckgj cUnh dh vfHkj{kk rFkk fu;U=.kA	757. कोई बन्दी, जब किसी कारागार, जिसमें उसे विधिपूर्वक परिरूद्ध किया जा सकता है, में लायाtk jgk gS ;k ls ys tk;k tk jgk gS] ;k tc dHkh og ,slh dkjkxkj ls lEcfU/kr fdlh ,sls कारागार अधिकारी की सीमाओं से बाहर या अन्यथा से कार्य कर रहा है, तो कारागार में समझाजाएगा तथा सभी ऐसे नियमों के अध्यधीन होगा, मानो वह वास्तव में कारागार में था।
lqj{kk rFkk j{kk vis{kk,aA	758. (1) कारागार के भीतर सुरक्षा तथा किसी प्रकार की वर्जित वस्तुओं को फेंकने पर रोकसुनिश्चित करना, इसके परिसर बन्द क्षेत्र होंगे। कारागार परिसरों में सन्तरी चैकी तथा उचितरूकावट के साथ एकल प्रवेष द्वार होगा। कारागार के भीतर तथा चारों ओर अच्छी रोषनी कीO;oLFkk dh tk,xhA (2) प्रत्येक कारागार में रक्षा कार्मिकों की पर्याप्त संख्या होगी। प्रत्येक कारागार में रक्षाकार्मिक की स्थायी संख्या प्रत्येक कारागार की आवष्यकता के अनुसार सरकार द्वारा, समय-समयij] fu/kkZfjr dh tk,xhA Vkoj ;k dkjkxkj ds ckgj fdlh vU; LFkku dh fuxjkuh gsrq] ckgjh परिधि पर केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ.) महानिदेशक की सिफारिश पर सरकार द्वाराकारागार में नियोजित किया जा सकता है।

	(3) साधारणतः नीचे वण◌र्◌ित अनुसार पर्याप्त उपकरण, कारागार परिसरों की सुरक्षा तथाबचाव के लिए प्रत्येक कारागार में स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:- (क) महिला बन्दियों के स्नान घरों/शौचालयों तथा निवास क्षेत्र के सिवाए, कारागारोंके निवास क्षेत्रों सहित सभी अतिसंवेदनशील तथा असुरक्ष◌ित स्थानों पर प्रत्येकdkjkxkj esa fuxjkuh midj.k LFkkfir fd, tk,axs((ख) कारागार परिसरों में सभी स्थलों पर बेहतर संचार के लिए कारगर वायरलैस संचार प्रणाली तथा इन्टरकोम/ आई. पी. आधारित फोन स्थापित किए जाएंगे; ¼x½ fdlh vuqfpr ?kVuk ds ckjs esa LVkQ lnL;ksa] tulk/kkj.k rFkk fudVorhZ iqfyl Fkkuksa dks lrdZ djus ds fy, mPp Lojeku lkbjsu mi;qDr LFkku ij yxk, tk,axs((d) प्रत्येक कारागार में उचित स्कैनिंग, पता लगाने तथा भेदक उपकरण लगाए tk,axsA (4) उप अधीक्षक (सुरक्षा) नियमित रूप से कारागार की मुख्य दीवार तथा सभी अन्य भवनोंकी जांच करेगा। यदि कोई मरम्मत अपेक्ष◌ित हो, तो अधीक्षक को तुरन्त सूचित करेगा तथा अपेक्ष◌ितejEer fcuk foyEc dh tk,xhA
dkjkxkj 'kL=kxkjA	759. (1) मुख्यद्वार के निकट एक विशेष कक्ष, शस्त्र तथा गोलाबारूद का भण्डारण करने के लिएvyx j[kk tk,xkA jkbZQy j[kus ds fy, bls mi;qDr LVhy@ydM+h ds jSd rFkk ml ij साज-सामान लटकाने के लिए खूंटी से सुसज्जित किया जाएगा। कक्ष के दरवाजे दोहरे प्रबलितस्टील से बने होंगे, जिनमें से एक प्रशासकीय ब्लॉक के भीतर तथा दूसरा स्टील दरवाजा सुरक्षाchV ds fudV dkjkxkj ds ckgj [kqysxkA (2) उपयुक्त गोलाबारूद, अंगरक्षक कवच, हेलमेट (शिरस्त्राण), डण्डा (बेटन), गैस मास्क,दस्ताने, पैर कवच, अग्निशमक, मिर्च स्प्रे तथा समय-समय पर उपलब्ध अन्य शरीर रक्षक उपकरणसहित आधुनिक प्राणघातक तथा अप्राणघातक हथियारों की पर्याप्त संख्या, आपातिक स्थिति में प्रयोगकरने हेतु प्रत्येक कारागार में उपलब्ध कराई जाएगी। (3) सशस्त्रागार प्रभारी,- (क) प्रतिदिन सभी शस्त्रों तथा गोलाबारूद का निरीक्षण करेगा तथा देखेगा कि उन्हें तुरन्त प्रयोग करने हेतु स्वच्छ और दुरूस्त रखा गया है;

	(ख) शस्त्रागार, गोलाबारूद तथा फालतू गोलाबारूद का प्रभार लेगा और शस्त्रागारकी चाबी अपने कब्जे में रखेगा, देखेगा कि गोला बारूद शुष्क तथा सुव्यवस्थितरखा गया है। प्रत्येक राइफल के लिए राइफल (हथियार) गोलाबारूद के दसराउंड प्रयोग के लिए हमेशा तैयार रखे गए हैं; (c) स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि प्रत्येक सन्तरी अपने पद के लिए आदेशों को tkurk gS rFkk le>rk gS(rFkk (d) प्राप्त तथा खर्च किए गए स्टॉक में गोलाबारूद का लेखा रखना। (4) गोलाबारूद बक्सों में सुरक्ष◌ित रूप से तालाबन्द किया जाएगा तथा कारागार शस्त्रागारके बाहरी द्वार की चाबियों का एक सेट लाइन अधिकारी द्वारा रखा जाएगा तथा दूसरा सेट शस्त्रागारके प्रभारी द्वारा रखा जाएगा। कारागार शस्त्रागार के भीतरी द्वार की चाबियों का एक सेट उपअधीक्षक (प्रशासन) द्वारा रखा जाएगा तथा दूसरा सेट उप-अधीक्षक (सुरक्षा) द्वारा रखा जाएगा। (5) नियमित प्रयोग के लिए ले जाए गए सभी शस्त्र गोलाबारूद तथा ऐसे गोलाबारूदों काप्रत्येक निरीक्षण परेड में अधीक्षक द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। (6) प्रत्येक वर्ष की प्रथम जनवरी को स्टाक में शस्त्र गोलाबारूद तथा गोलाबारूद कीस्थिति के सम्बन्ध में टिप्पणी सहित उसकी एक सूची महानिदेशक की सूचना के लिए प्रस्तुत कीtk,xhA

गोलाबारूद dh vkiwfrZ] शस्त्रों dh ejEerA	760. महानिदेशक, सरकार के परामर्श से, कारागार की सुरक्षा अपेक्ष्ित पुलिस विभाग या सशस्त्रबलों से शस्त्रों तथा गोलाबारूद की प्राप्ति के लिए उसके अनुरक्षण तथा मरम्मत के लिए उचितव्यवस्था करेगा। निराकृत तथा बेकार शस्त्र तथा प्रयुक्त किए गए, गुम गोलाबारूदों का सुसंगतनियमों के अनुसार निपटान किया जाएगा।
vfXu'kL= dkjkxkj esa u ykukA	761. अग्नि शस्त्र निम्नलिखित परिस्थितियों, जो कोई भी हो, को छोडकर किसी भी परिस्थिति मेंdkjkxkj ds Hkhrj ugha yk, tk,axs] vFkkZr~%& (क) किसी विशेष कारागार या कारागारों की श्रेणी के केन्द्रीय नियन्त्रण टावर पर डयूटीij lUrjh ds fy, egkfuns'kd }kjk fof'k"V vkns'k ds ek/;e ls fdlh Hkh volj पर किसी समय किसी स्थान पर केन्द्रीय नियन्त्रण टावर पर कम से कम दो सशस्त्रकार्मिक अभिनियोजित किए जाएंगे; (ख) आकस्मिक-संकट अवसर पर अधीक्षक या उप अधीक्षक (प्रशासन) संकट-सूचना(अलार्म) परेड के दौरान या के स्पष्ट आदेश के अधीन। टिप्पणः- लाठी या बेंत डण्डा, डयूटी पर रक्षा कार्मिक को जारी किया जा सकता है, यदि सुरक्षा fLFkfr mldh ekax djsaA
fu;U=.k d{k dh LFkkiukA	762. (1) प्रत्येक कारागार में एक नियन्त्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा, जहां से सभी सी.सी.टी.वी., वायरलैस सेट तथा इन्टर कोम की निगरानी तथा नियन्त्रिण किया जा सके। (2) नियन्त्रण कक्ष उप-अधीक्षक (सुरक्षा) तथा सहायक अधीक्षक की सहायता से अधीक्षकके पर्यवेक्षण के अधीन कार्य करेगा। डयूटी अधिकारी इसके कारगर कार्य के लिए जिम्मेवार होगा। (3) स्टाफ सदस्य को नियन्त्रण कक्ष में नित्य नियोजित किया जाएगा, जो नियन्त्रण कक्षमें स्थापित सभी उपकरणों की देखभाल, अनुरक्षण तथा उचित कार्य करने के लिए जिम्मेवार होगा।यदि कोई उपकरण कार्य नही करने की स्थिति में पाया जाता है, तो डयूटी अधिकारी को तुरन्तसूचित किया जाएगा जो यथा साध्य शीघ्रता से त्रुटि को ठीक करने के लिए सभी प्रयास करेगा। (4) एक लैंडलाइन फोन नियन्त्रण कक्ष में स्थापित किया जाएगा तथा डयूटी पर उपस्थितस्टाफ सदस्य सभी आने वाली कालों को प्राप्त करेगा तथा ई-मेल तथा अन्य इलैक्ट्रॉनिक पद्धति केमाध्यम से सन्देश प्राप्त करने तथा भेजने के लिए भी जिम्मेवार होगा। (5) डयूटी पर उपस्थित सभी अधिकारी तथा अन्य स्टाफ सदस्य वायरलैस सेट, इन्टरकामया उपलब्ध संचार के किसी अन्य स्रोत के माध्यम से किसी विलम्ब के बिना किसी महत्वपूर्ण घटनाके बारे में नियन्त्रण कक्ष को सूचित करेगा।

	(6) घटनाओं की डायरी के रूप में रजिस्टर नियन्त्रण कक्ष में एक रजिस्टर को नियन्त्रणकक्ष में अनुरक्ष्ित किया जाएगा, जिसमें सभी महत्वपूर्ण सूचना/रिपोर्ट प्राप्त करने की तिथि तथासमय को इस प्रयोजन के लिए पदनामित डयूटी पर स्टाफ सदस्य द्वारा दर्ज किया जाएगा। डयूटीअधिकारी, सम्बद्ध उप अधीक्षक तथा अधीक्षक को मामला पहुँचाएगा। (7) स्टाफ सदस्य को कारागार परिसरो के भीतर प्रत्येक कार्यकलाप पर निगरानी रखने केलिए केवल लाइव फुटेज (फुटमान) की निगरानी करने के लिए नियोजित किया जाएगा तथा किसीसंदिग्ध गति-विधि या गैरकानूनी गतिविधि या उसके ध्यान में आई कोई अन्य घटना/हित सम्बन्धीमामलों के बारे में उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा अधीक्षक को सूचित करेगा।
xqIrpj uSVodZ rFkk mlds Q.MA	763. (1) कारागार प्रशासन बन्दियों के साथ परस्पर विश्वास बनाए रखने के लिए प्रयास करेगाताकि बन्दियों में रचनात्मक सम्बन्ध रखे जा सके। सदाचारी बन्दियों को ऐसी रीति में शामिल कियाजाएगा कि वे पहले से संवेदी सूचना के बहाव के लिए अग्रसर प्रशासन के प्रति सम्बन्ध रखने कीHkkouk fodflr dj ldsA (2) किसी अवैध या गैर कानूनी गतिविधि के बारे में सूचना एकत्र करने के लिए गुप्तचरनेटवर्क स्थापित किया जाएगा। पर्याप्त वार्षिक निधियां, कारागार के भीतर अवैध सैल फोनरखने/संचालन करने, स्वापक का प्रयोग करने, गैंगवार,

	कारागार तोड़ने, अन्य बन्दियों से खसोट,dkjkxkj LVkQ vfkn ij vkØe.k djus ds ckjs esa O;ogk;Z xqIr lwpuk dk irk yxkus rFkk ,df=r करने के लिए प्रत्येक अधीक्षक तथा महानिदेशक के निपटान पर उपलब्ध कराई जाएगी। अधीक्षकइस प्रयोजन के लिए पुलिस विभाग के गुप्तचर विंग की सहायता भी ले सकता है।
j{kk djus esa ikyu fd;s tkus okys fl)kUrA	764. किसी कारागार में प्रत्येक बन्दी दिन-रात हर समय ऐसी रीति में कुछ रक्षाकार्मिकों कीदेख-रेख में रहेंगे ताकि लापरवाही के परिणामस्वरूप भागने के लिए जिम्मेवारी निश्चित रूप सेनियत की जा सके। दिन के दौरान प्रत्येक रक्षा कार्मिक को स्थानान्तरित किए गए बन्दियों के नामोंका रिकार्ड, गिरोह-पुस्तक में दर्ज किया जाएगा तथा एक गिरोह से दूसरे गिरोह में बन्दी के प्रत्येकपश्चात्वर्ती परिवर्तन को ऐसे अधिकारी,ं जो मुख्य वार्डर की पदवी से नीचे का न हो, के प्राधिकारतथा हस्ताक्षर के अधीन उसमे दर्ज किया जाएगा, जो इसी प्रकार रक्षक के प्रत्येक परिवर्तन पर,कार्यभार से मुक्त करते समय रक्षा कार्मिक को स्थानान्तरित बन्दियों की प्रत्यक्ष तथा संख्या काlR;kiu djus ds fy, mifLFkr jgsxkA
j{kk djus esa ikyu dh tkus वाली प्रक्रिया केब्यौरे।	765. (1) रक्षा कार्मिक को तीन प्रवर्गों में विभक्त किया जाएगा, अर्थात्:- प्रवर्ग-क, प्रवर्ग-खतथा प्रवर्ग-ग। कारागार की विशेष छानबीन के समय पर तीनों प्रवर्गों के सभी कार्मिक हाजिर रहेंगे। (2) प्रवर्ग क में ऐसे कार्मिक शामिल होंगे, जो सुरक्षा, सन्तरी (स्थैतिक तथा गतिमान),गश्त (हथियार सहित या के बिना) तथा तलाशी डयूटी करेंगे। टिप्पण-1:- उन्हें तीन समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह प्रतिदिन चार घण्टे की दोपालियों में (दिन तथा रात) या आठ घण्टे की एक पाली में अपनी डयूटियां करेंगे। fVIi.k&2%&पाली (शिफ्ट) छह घण्टे के बाद बदली जाएगी। (3) प्रवर्ग ख में ऐसे कार्मिक शामिल होंगे, जो बैरक प्रभारी, द्वारपाल तथा अपने सहायकस्टाफ, कारखाना सुरक्षा प्रभारी, मुलाकात प्रभारी आदि की डयूटी करेंगे। fVIi.k&1%&उन कार्मिक, जिन्हें बैरक प्रभारी के रूप में डयूटियों के लिए नियोजित किया गया है,ds flok, lHkh vU; dkfeZd vkB ?k.Vs dh ,dy ikyh esa viuh M;wVh djsaxsA fVIi.k&2%&कार्मिक, जिन्हें बैरक प्रभारी के रूप में डयूटी के लिए नियोजित किया गया है, को दोसमूहों में बांटा जाएगा, एक समूह तालाबन्दी से सांयकाल 2:00 बजे तक, प्रथम पालीesa M;wVh djsxk rFkk nwljk lewg lka;dky 2%00 cts ls rkykcUnah rd] nwljh ikyh में डयूटी करेगा। दूसरी पाली में कार्यरत कार्मिक रोस्टर के अनुसार रात्रि में दो घण्टेdh x'r M;wVh Hkh djsxkA ikyh Ng fnu ds ckn cnyh tk,xhA (4) प्रवर्ग ग में, ऐसे कार्मिक शामिल होंगे, जो कारागार बगीचा के प्रभारी तथा हेल्पर,बाहरी गिरोह प्रभारी, चालक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पी.एस.ओ.), मेस प्रभारी, डयूटी रोस्टर प्रभारीrFkk gsYij] U;k;ky; M;wVh] dEI;wVj vkWijsVj] dk;kZy; M;wVh] dY;k.k M;wVh rFkk vU; fofo/k M;wfV;ka djsaxsA

	टिप्पण-1:- वे दोपहर के भोजनावकाष में एकल पाली में कार्य करेंगे। fVIi.k&2%&वे प्रत्येक सप्ताह एक रात गश्त डयूटी करेंगे। (5) रक्षा कार्मिक सहित सम्बधित उप अधीक्षक (सुरक्षा) तथा सहायक अधीक्षक (अहातों काकार्यकारी प्रभारी) जो प्रातःकाल में डयूटी पर जाते है, कारागार में, एक साथ प्रवेश करेंगे। (6) सहायक अधीक्षक (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) के प्रभार के अधीन बैरक खोलने से पूर्व रक्षाकार्मिक सहित वह बैरकों की लोहे की शलाकों तथा दीवारों का निरीक्षण करेगा तथा सुनिश्चितकरेगा कि पूर्व रात्रि के दौरान किसी प्रकार की कोई उल्लंघना तो नहीं हुई है। (7) वार्डों को खोला जाएगा तथा बन्दियों की बैरक से बाहर गिनती की जाएगी। सहायकअधीक्षक (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) या मुख्य वार्डर (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) हवालात रजिस्टर में, प्रविष्टिसे मिलान करते हुए प्रत्येक वार्ड के बाहर की गई गिनती की संख्या का सत्यापन करेंगे। (8) प्रातःकालीन परेड के समापन पर बन्दियों को उनकी सम्बन्धित टोली में विभाजित कियाजाएगा और जिम्मेवार रक्षा कार्मिक को प्रत्येक गिरोह का प्रभारी बनाया जाएगा। किसी गिरोह केप्रभारी की जिम्मेवारी दो या दो से अधिक रक्षा कार्मिकों के बीच कभी भी

विभक्त नहीं की जाएगी।कारागार दीवारों से बाहर कार्य करने वाली टोली की संख्या, किन्तु कारागार अहातों के भीतर,महानिदेशक की स्वीकृति के बिना, बारह बन्दियों से अधिक नहीं होगी, प्रत्येक ऐसी टोली के लिएदूसरे वार्डर की सहायता से कम से कम एक मुख्य वार्डर प्रभारी होगा। कारागार दीवारों के भीतरकार्य करने वाले बन्दियों के मामले मे, प्रत्येक टोली में इतने बन्दियों को शामिल किया जा सकताgS] ftudk lqfo/kktud rFkk dkjxj :i ls i;Zos{k.k fd;k tk ldsA egkfuns'kd dh fyf[kr esa विशेष स्वीकृति के बिना बन्दियों को कारागार अहातों के बाहर नियोजित नहीं किया जाएगा।

(9) प्रातःकाल में वार्डो के खुलने पर डयूटी पर आने वाले बैरक प्रभारी, उसके भार मुक्तकरने वाले द्वारा सांयकाल 2:00 बजे भार मुक्त किया जाएगा जो बन्दियों को बन्द करने तथा रात्रिरक्षक की तैनाती तक प्रभारी रहेगा।

(10) यदि रक्षा कार्मिक प्रातःकाल में विभिन्न गिरोह में तैनात हैं, प्रत्येक गिरोह शामिल करतेहुए, बन्दियों के नाम, प्रभार लेने वाले रक्षा कार्मिक की उपस्थिति में गिरोह पुस्तक से पुकारे जाएंगे,जो उनकी कुल गिनती से सत्यापित करेगा। रक्षा कार्मिक के नाम फिर गिरोह पुस्तक में अभिलिखितकिए जाएंगे तथा उसकी पावती ली जाएगी। प्रत्येक दीर्घ अवधि तथा खतरनाक बन्दी उसका प्रभारलेने वाले वार्डर को विशेष रूप से बताएगा, ताकि उन पर विशेष निगरानी रखी जा सके। रक्षक कीप्रत्येक तबदीली पर प्रत्येक टोली में बन्दियों की संख्या गिनी जाएगी तथा कारागार से बाहर टोलीके मामले में, प्रत्येक टोली को शामिल करते हुए बन्दियों की हाजिरी ली जाएगी। बड़ी कारागारों में,जहां कई गिरोह पुस्तकें होंगी, ताकि समय बचाने के लिए रजिस्टर सूचियों की एक साथ मांगी जाldsA

(11) बाहरी गिरोह में कार्यरत सभी बन्दी, साधारणतः दोपहर बाद हवालात में बन्द करने केलिए अपने सम्बन्धित वार्डो में आगे भेजे जाने के लिए मुख्य द्वार पर लौटेंगे। उन्हें दोपहर बादहवालात से बाहर शेष कार्य दिवस के लिए पुनः ले जाया जाएगा और बाहरी टोली (ओ.एस.जी.)प्रभारी को विधिवत रूप से सौंपा जाएगा। सांयकाल में कार्य के समापन पर समूहों को एकत्रित कियाजाएगा तथा बाहरी टोली प्रभारी द्वारा प्रत्येक टोली के बन्दियों की गणना की जाएगी तथा सत्यापितfd;k tk,xkA

(12) सांयकाल में कार्य के समापन पर गिरोहों को एकत्रित किया जाएगा तथा प्रत्येक गिरोहके बन्दियों की गणना की जाएगी तथा सत्यापित किया जाएगा।

(13) बाहरी गिरोह प्रभारी अपने गिरोह के बन्दियों पर सतर्क नजर रखेगा तथा किसी भीप्रकार के किसी भी बहाने से, मटरगश्ती करने या नजरों से दूर जाने के लिए उन्हें अनुज्ञात नहींकरेगा। वह अपनी डयूटी की सम्पूर्ण अवधि में अपनी स्वयं की अभिरक्षा के लिए व्यक्तिगत रूप सेजिम्मेवार होगा। मुख्य वार्डर, बाहरी गिरोह प्रभारी की सहायता करने वाले रक्षा कार्मिक, इसी प्रकारगिरोह की सुरक्ष्ात अभिरक्षा के लिए जिम्मेवार होंगे, किन्तु उनकी जिम्मेवारी, किसी प्रकार से बाहरीगिरोह प्रभारी की जिम्मेवारी से कम नहीं होगी और कम नहीं की जाएगी। कारागार से दूरी पर पूरेदिन कार्य करने वाले बन्दियों को कार्य स्थल के समीप तथा रक्षा कार्मिक की दृष्टि के अधीन अस्थाईशौचघट मुहैया कराया जाएगा।

lka;dky gokykr fxurh] चाबियों dk fuiVku] jkf= गश्त अधिकारी।	766. (1) सांयकाल परेड के समापन के बाद रात्रि रक्षक को डयूटी अधिकारी द्वारा कारागार केभीतर लगाया जाएगा। बैरक प्रभारी तब बन्दियों की उनके वार्डों, सैलों या अन्य कक्षों में गिनतीकरेगा तथा रात्रि के लिए उन्हें बन्द करेगा। सहायक अधीक्षक (केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष) बैरकों काकार्यकारी प्रभारी तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) हवालात के समय पर कारागार के भीतर उपस्थित रहेगा।जब सभी बन्दियों को बन्द करने पर, बन्दियों की कुल संख्या सत्यापित की जाएगी। यदि सही पाएजाते हैं, तो रात्रि रक्षक को कारागार के भीतर उनके सम्बन्धित बीट स्थानों पर तैनात किया जाएगा।प्रत्येक वार्ड या अन्य भवन में बन्द बन्दियों की संख्या तथा कारागार में बन्दियों की कुल संख्याहवालात रजिस्टर में दर्शाई जाएगी, जिस पर अधीक्षक (सुरक्षा) उसके सहीपन के प्रमाणस्वरूप अपनेgLrk{kj djsxkA (2) हवालात के समापन पर, वार्डों, सैलों तथा अन्य कक्षों की चाबियां, जहां बन्दी परिरूद्धहैं, उप अधीक्षक (प्रशासन) की उपस्थिति में एकत्रित की जांएगी तथा गिनी जांएगी, जो हवालातरजिस्टर में संख्या दर्ज करेगा। तब वह मुख्य द्वार पर प्रयोजन के लिए उपलब्ध चाबी बक्से मेंचाबियों को तालाबन्द करवाएगा तथा डयूटी अधिकारी को ऐसे चाबी बक्से की चाबी स्थानान्तरितकरेगा जो क्रमशः अपने उत्तराधिकारी को चाबी स्थानान्तरित करेगा, जो आगे प्रातःकाल में कारागारमें उप-अधीक्षक के प्रवेश करने पर उसे देगा। रसोई-घर तथा वार्डो की चाबियां, जिसमें रसोइयेपरिरूद्ध हैं, भी डयूटी अधिकारी के प्रभार में रखी जाएंगी। (3) रात्रि गश्त अधिकारी (प्रवर्ग ख या प्रवर्ग ग में से दो घण्टे की पाली के लिए नियोजितकरना) कारागार के प्रत्येक वार्ड, बैरक, सैल, अस्पताल तथा प्रत्येक अन्य भाग का निरीक्षण करेगातथा स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि सब कुछ उचित (सब अच्छा) है। वह रात्रि रिपोर्ट पुस्तक मेंकारागार की सामान्य स्थिति तथा उसको भारमुक्त करने वाले के साथ-साथ डयूटि अधिकारी कोरिपोर्ट करेगा।
jkf= fuxjkuh dh M;wVhA	767. (1) रात्रि के दौरान कारागार की मुख्य दीवार के साथ गश्त डयूटी पर रक्षा कार्मिक याबन्दी अधिकारी अपना बीट नहीं छोड़ेगा या लेटेगा नहीं। वह डण्डे, बैटरी या अन्य ऐसे उपकरण सेसशस्त्र होगा। भीतरी मुख्य दीवार 'कोट मौका' बीट गश्त, डिस्क (पत्र) प्रणाली से सयोजित कीजाएगी, जहां प्रत्येक बीट को एक बीट से दूसरी बीट तक डिस्क लोलक(पेन्डूलूम) को आगे बढ़ातेहुए गतिमान रखी जाएगी। कोट मौका प्रभारी प्रायः कोट मौका के सभी बीटों का निरीक्षण करेगातथा सुनिश्चित करेगा कि डयूटी पर सभी रक्षा कार्मिक सतर्क हैं तथा डिस्क परिचालन नियमनुसारgSA (2) बैरकों का डयूटी पर तैनात रक्षा कार्मिक द्वारा सम्पूर्ण रात्रि में प्रत्येक आधे घण्टे मेंएक बार निरीक्षण किया जाएगा, जिसे तालों, जालियों तथा दरवाजों की जांच करनी चाहिए तथास्वयं की सन्तुष्टि करनी चाहिए कि वे सुरक्षित हैं तथा भीतर डयूटी पर तैनात बन्दी अधिकारी सतर्कहै। उसे अपने आपको इस उद्देश्य से प्रायः चुनौती देनी चाहिए तथा बन्दियों की संख्या की जांचdjuh pkfg, rFkk Loa; dh larqf"V djuh pkfg, fd lHkh cUnh mifLFkr gSaA (3) रक्षक कार्मिक तथा बन्दी अधिकारी सुनिष्चित करेगा कि सभी बन्दी सांयकाल 10:00बजे के बाद शांत हैं और अपनी-अपनी बर्थ में है और कोई भी गाना, अध्ययन, खेल खेलना,टेलीविजन देखना या किसी प्रकार के मनोरंजनात्मक कार्यकलाप नहीं कर रहे हैं।
अधिकारियों का jkf= esa chV डयूटी से रोस्टर cnyuk rFkk fjdkMZ j[kukA	768. (1) प्रत्येक कारागार में एक डयूटी रोस्टर अनुरक्षित किया जाएगा। 'लाइन अधिकारी' काप्रभार धारण करने वाला सहायक अधीक्षक इस रजिस्टर के उचित अनुरक्षण के लिए जिम्मेवार होगा।रजिस्टर में डयूटी पर तैनात रक्षा कार्मिक के नाम, डयूटी के घन्टे तथा डयूटी समय को समझानेके लिए उनके हस्ताक्षर दर्ज होंगे। रजिस्टर उप अधीक्षक (सुरक्षा) को जांच तथा सत्यापन करनेतथा उसके हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन भेजा जाएगा। रजिस्टर प्रत्येक सप्ताह में कम सेकम एक बार अधीक्षक के सम्मुख भी प्रस्तुत किया जाएगा। (2) लाइन अधिकारी तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) की यह सुनिश्चित करने की डयूटी होगीकि डयूटी रोस्टर के लिए उनके पदो ंके अनुसार वार्डर फीते लगाए हैं तथा इस बारे में किसीउल्लंघन को अधीक्षक के ध्यान में तुरन्त लाएगा। अधीक्षक दिन-रात के दौरान कारागारों के विभिन्नभागों के अपने औचक निरीक्षण के दौरान उसे सत्यापित भी करेगा। ध्यान रखा जाएगा कि रात्रिM;wVh pØkuqØe esa yxkbZ tkrh gSA

	(3) किसी भी रक्षा कार्मिक को एक ही बीट पर लगातार दो रातों के लिए तैनात नही

	किया जाएगा, न ही उसे तैनात किए जाने तक उसको बीट के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।
रात्रि में वार्डो केHkhrj fuxjkuh की प्रणाली।	769. (1) बन्दी अधिकारी द्वारा बैरकों के भीतर से रक्षा की जाएगी तथा वे शयन बैरकों से किसीके भागने, ऐसी बैरकों में आत्महत्या होने, समूहिक लड़ाई या झगड़े होने के लिए भी जिम्मेवार होंगे।डयूटी के घण्टों सहित प्रत्येक वार्ड में गश्त के लिए नियोजित बन्दी अधिकारियों के नाम दर्शानेवाला एक रोस्टर रखा जाएगा। प्रत्येक वार्ड में तीन बन्दी अधिकारी प्रत्येक आठ घण्टे की तीनपालियों में नियोजित किए जाएंगे। डयूटी के दौरान बन्दी अधिकारी अपने वार्डो में गश्त करेगें, जहांतक उनके अधिकार में निहित हो, कारागार अनुशासन के किसी भंग को रोके, बार-बार गिनती करतेहुए अपने आप को सन्तुष्ट करेगा कि सभी बन्दी हाजिर हैं तथा प्रत्येक आधे घण्टे की डयूटी पररक्षा कार्मिक को तथ्यों के बारे में सूचित करेंगें। निगरानी के प्रत्येक परिवर्तन पर, बन्दी अधिकारीहाजिर बन्दियों की संख्या के बारे में सम्बन्धित रक्षा कार्मिक को रिपोर्ट करेगा। किसी असाधारणघटना के मामले में, वह कोई कार्रवाई जो आवश्यक हो, करने के लिए डयूटी पर तैनात रक्षा कार्मिकको तुरन्त सूचना देगा। (2) बन्दी अधिकारी को रात्रि तक मुख्य दीवार की रक्षा करने में नियोजित किया जा सकताहै, यदि रक्षा कार्मिकों की संख्या अपर्याप्त है। किसी समय डयूटी पर प्रत्येक बन्दी अधिकारी के लिएकम से कम दो रक्षा कार्मिक होंगे। उनकी पाली का समय रक्षा कार्मिक के समरूप होगाः परन्तु किसी भी बन्दी अधिकारी को किसी बीट गश्त के लिए तैनात नही किया जाएगा,जहां वह रक्षा कार्मिक की निगरानी में नहीं हो सकता हो। (3) अल्पतम असमाप्त दण्ड सहित बन्दी अधिकारी साधारणतः रात्रि में बैरक के बाहर डयूटीds fy, p;fur fd;k tk,xkA (4) बन्दी अधिकारी को रक्षा कार्मिक के पर्यवेक्षण के अध्यधीन दिन या रात के घण्टों केदौरान बैरकों की रक्षा के लिए नियोजित किया जा सकता है।
M;wfV ds fy, foLr`r cUnh अधिकारियों कोvyx j[kk tkukA	770. रात्रि के दौरान बाहर रक्षा के लिए बन्दी अधिकारी, यदि डयूटी पर नहीं है तथा जब कभीसम्भव हो, के ब्यौरे एक अलग वार्ड में बन्द किए जाएं। उन्हें, भारमुक्त होने वाले तथा भारमुक्तकरने वाले रक्षा कार्मिक, दोनों द्वारा क्रमशः डयूटी की उनकी बारी से पूर्व तथा बाद में निकालाtk,xk rFkk cUn fd;k tk,xkA
रात्रि में शौचघरोंका प्रयोग तथाबीमार बन्दियों केmipkj gsrq प्रबन्ध।	771. (1) कोई भी बन्दी, सांयकाल 10:30 बजे से प्रातःकाल 04:30 बजे के बीच डयूटी पर बन्दीअधिकारी की अनुमति प्राप्त किए बिना शौचघर का प्रयोग नहीं करेगा। यदि शौचघर/संडास बन्दकरने के साधन से सज्जित किया गया है, तो उसे इस अवधि के दौरान बन्द रखा जाएगा तथा चाबीडयूटी पर तैनात बन्दी अधिकारी के कब्जे में रहेगी। इस अवधि के दौरान शौचघर संडास का प्रयोगकरने वाले बन्दी की निगरानी, डयूटी पर तैनात बन्दी अधिकारी द्वारा ध्यानपूर्वक की जाएगी ताकिआत्महत्या या यौन हमले या बचकर भागने या स्वापक आदि के प्रयोग को रोका जा सके। (2) यदि बन्दी अधिकारी को यह प्रतीत होता है कि बन्दी बीमार है, तो वह डयूटी परतैनात स्टाफ सदस्य के ध्यान में तथ्य को तुरन्त लाएगा, जो डयूटी अधिकारी को सूचित करेगा तथाmlds mipkj dh vko';d O;oLFkk djsxkA
jkf= esa x'r M;wVh ij x'r अधिकारी dh M;wVhA	772. (1) jkf= esa x'r ij rSukr j{kk dkfeZd xfreku jgsxk] M;wVh ij rSukr okMZj rFkk cUnh अधिकारियों का निरीक्षण करेगा। वह प्रभार लेने के बाद अपने आप की सन्तुष्टि करेगा कि अभिरक्षामें रखे गए बन्दियों की संख्या की सही रिपोर्ट की गई है तथा सब कुछ सुरक्षित है। (2) गम्भीर बीमारी के मामले में, गश्त अधिकारी या रक्षा कार्मिक, तुरन्त डयूटी अधिकारी,चिकित्सा अधिकारी तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) को सूचना भेजेगा, जो, यदि आवश्यक हो, बीमारबन्दी को अस्पताल में स्थानान्तरित करने के लिए कदम उठाएगा। यदि, रक्षा कार्मिक या बन्दीअधिकारी या बन्दियों की ओर से कोई अनियमितता उसके ध्यान में आती है, तो वह अगली सुबहउप अधीक्षक (प्रशासन) को मामले की रिपोर्ट करेगा तथा उसे रात्रि रिपोर्ट पुस्तक में भी दर्ज करेगा। (3) डयूटी अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी तथा उप अधीक्षक (सुरक्षा) को किसी घटना मेंअपेक्षित शीघ्र कार्रवाई जैसे कि भागने, भागने का प्रयास करने, दंगा, अग्नि या गम्भीर बीमारी कीगश्त अधिकारी द्वारा तुरन्त सूचना दी जाएगी। प्रत्येक गश्त अधिकारी उस समय को रिकार्ड करने

	के लिए नियन्त्रण घडी रखेगा, जिस पर वह कारागार के प्रत्येक भाग का दौरा करता है तथा रात्रिरिपोर्ट पुस्तक में भी दर्ज करेगा। (4) रक्षक को राहत देने के समय पर मुख्य वार्डर या वरिष्ठ वार्डर, अगले रक्षा कार्मिक केबारे में भारमुक्त होने वाले रक्षक को सूचित करेगा, जिसे आगामी निगरानी करनी है। वह मुख्य द्वारमें फ्रिस्किंग के लिए नियोजित अधिकारियों द्वारा उनकी छानबीन की जाएगी। डयूटी अधिकारी कीउपस्थिति में, कारागार में प्रवेश करने तथा छोड़ने पर भी उनकी छानबीन की जाएगी।
बर्थों को la[;kafdr djukA	773. (1) प्रत्येक बैरक में बर्थों को ऐसी रीति में संख्यांकित किया जएगा कि एक तरफ पर समसंख्याएं तथा दूसरी तरफ विषम संख्याएं हों। प्रत्येक बन्दी को बर्थ आबंटित की जाएगी तथा बर्थसंख्या, बैरक सूची तथा बन्दी की इतिवृत-टिकट में दर्ज की जाएगी। नियम 45 में यथा विहितबन्दियों के प्रवर्गीकरण के अध्यधीन, बन्दियों को धर्म, वंश, जाति तथा निवास स्थान पर विचार केबिना बैरकों में एक साथ बिना भेदभावपूर्ण ढंग से मिश्रित किए जाएंगे। बन्दियों को अधीक्षक केपरामर्श से उप अधीक्षक (सुरक्षा) के आदेशों के बिना एक बैरक से दूसरी बैरक में अन्तरित नहींfd;k tk,xkA (2) प्रत्येक बैरक में बर्थ की उचित संख्या, ऐसे बन्दी के लिए ईयरमार्क की जाएगी, जिसपर कारागार की सुरक्षा तथा रक्षा के हित में विशेष निगरानी करना आवष्यक है। बन्दी अधिकारी,रक्षा कार्मिक तथा गश्त अधिकारी इन बन्दियों पर विशेष निगरानी बनाए रखेगें।
rkyk rFkk चाबियों के बारे lko/kkuhA	774. (1) सभी शयन बैरकों तथा सैलों के दरवाजों के ताले, इस प्रकार व्यवस्थित किए जाएंगे fd cUnh vUnj ls muds ikl igqap u ldsaA (2) सभी चाबियां, जो डयूटी के समय कोई अधिकारी अपने पास रख सकता है, मजबूत pSu ls ml O;fDr ds lkFk uRFkh jgsxhA (3) कारागार की चाबी, यदि प्रयोग में नहीं है या कारागार के किसी अधिकारी की व्यक्तिगत अभिरक्षा में है, तो मुख्य द्वार पर इस प्रयोजन के लिए रखे गए तालाबन्द पात्र में रखी जाएगी तथा ऐसे पात्र की चाबी डयूटी अधिकारी द्वारा रखी जाएगी। (4) बैरक/सैल की चाबी हर समय हवालात घण्टों के दौरान प्रयोग की जाती है, तो प्रत्येक ऐसी घटना का रिकार्ड, द्वारपाल द्वारा प्राप्त करने तथा जमा करवाने के समय सहित सम्बन्धित स्टाफ सदस्य का नाम तथा हस्ताक्षर सहित अभिलिखित किया जाएगा। स्टाफ सदस्य, जो चाबी की अभिरक्षा लेता है, रात्रि रिपोर्ट पुस्तक में इस प्रयोजन की संक्ष्िाप्त रिर्पोट करेगा। (5) बैरकों के ताले तथा सैलों के ताले क्रमशः पाक्ष्िाक एक बार तथा दो बार बदले जाएंगे। (6) कोई ताला, जिसकी चाबी गुम या गलत जगह पर रखी गई है, अधीक्षक की उपस्थिति esa u"V dj fn;k tk,xk rFkk rkyk rFkk pkch jftLVj ls cV~Vs [kkrs esa Mky nh tk,xhA (7) चाबियों के प्रत्येक गुच्छे पर, गुच्छे की संख्या तथा उस गुच्छे की चाबियों की संख्या दर्शाने वाली एक पीतल की कुडंल होगी तथा चाबी पेटी, चाबियों के गुच्छों पर संख्या के अनुरूप क्रमानुसार संख्यांकित हुक(खूंटी) सहित मुहैया कराई जाएगी। (8) चाबियां एक छल्ले में रखी जाएंगी, जिसके सिरे या तो टांका लगे हुए या खिट लगे हुए होंगे ताकि कोई भी चाबी उससे अलग न की जा सके। (9) ताले तथा चाबियों के रजिस्टर में गुच्छों के साथ सभी तालों तथा चाबियों और बैरकों,

	सैलों या स्टोर कक्ष, जहां वे प्रयोग में है, के वर्णन तथा संख्या दर्ज की जाएगी।
रात्रि में रोषनीtyk, j[kukA	775. यह सुनिश्चित करने के लिए कि बन्दी हर समय निगरानी में रह सकें सूर्यास्त से सूर्योदयतक पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। आपातिक विद्युत की विफलता के मामले में, उपयोग केलिए अपातकालीन रोषनी के रूप में, व्यवस्था की जाएगी।
प्रातःकालीन काभोजन rS;kj djus ds fy, रसोईयों Tockgj tkus nsukA	776. जब प्रातःकालीन का भोजन तैयार करने के लिए सूर्योदय से रसोईयों को डे-ब्रेक से पूर्वबाहर छोड़ना आवश्यक है, तो रक्षा कार्मिक तथा गश्त अधिकारी, नियत समय पर, आवश्यक संख्यामें रसोईयों को बाहर जाने देंगे और उन्हें एक रक्षा कार्मिक के चार्ज में रखेंगे।

jkf= esa अधिकारियों द्वाराfoftV djuk rFkk vlk/kkj.k घटना की रिपोर्टdjukA	777. रात्रि में परिदर्षन करने वाले कार्यकारी अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि डयूटी पर रक्षा कार्मिकसतर्क हैं, अपनी बीट में गतिषील हैं, और यह कि बत्ती दीप्त रूप से जलाकर रखी जाती है।परिदर्षन का समय को पहले से सूचित नहीं किया जाएगा। कारागार के परिदर्षन की तिथि, प्रवेशकरने तथा छोड़ने का समय तथा किसी असाधारण घटना, जो घ्यान में आती है, की रिपोर्ट पुस्तकमें अभिलिखित की जाएगी, जो कि मुख्य द्वार पर इस प्रयोजन के लिए मुहैया कराई जाएगी। द्वारपालद्वारा प्रातःकाल में कारागार में अधीक्षक के पहुंचने पर उसके सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी।
jkf= esa okMkasZ को खोलना तथाllko/kkuh cjrukA	778. सभी शयन वार्डों की चैखट की बाजू पर मुक्त सिरे पर हुक से जंजीर (चैन) लगाई जाएगी,जो दरवाजे की दीवार से अटैच की जाएगी, ताकि एक समय में एक व्यक्ति के प्रवेश या निकास कोअनुज्ञात कर सके तथा उससे अधिक नहीं। यदि अग्नि के आकस्मिक-संकट से अन्यथा प्रयोजनों केलिए रात्रि में शयन वार्ड को खोलना आवश्यक हो, तो दरवाजे का ताला खोलने से पूर्व जंजीरहुकनुमा की जाएगी। अग्नि के मामले के सिवाए, किसी भी वार्ड को रात्रि में नहीं खोला जाएगा,यदि डयूटी अधिकारी या सहायक अधीक्षक या उप अधीक्षक तथा कोई अन्य अधिकारी उपस्थित नहों।
dfri; स्थितियों में iqfyl j{kd eqgS;k djukA	779. जब कभी भी बिना दीवारों की कारागार के किसी स्थान में परिरूध बन्दियों को रखनाआवश्यक है, तो अधीक्षक ऐसे पुलिस रक्षकों के लिए पुलिस अधीक्षक से अनुरोध करेगा, जो उत्तरवर्तीअधिकारी की राय में, आवश्यक हों तथा पुलिस अधीक्षक, तदानुसार ऐसे रक्षकों की आपूर्ति करेगा।
बन्दियों की j[kokyh djrs le; iqfyl रक्षकों की ftEesokjhA	780. प्रत्येक मामले में, जिसमें बन्दियों की रखवाली पूर्ववर्ती नियम के उपबन्धों के अधीन, पुलिसद्वारा की जाती है, तो बन्दियों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जिम्मेवारी पुलिस रक्षक/रक्षकों कीWill happen.
dkjZokbZ ;fn कोई बन्दी vLFkkbZ :i ls असुरक्षित हो tkrk gSA	781. यदि, किसी भी कारण से किसी भी समय पर कोई व्यक्ति अस्थाई रूप से असुरक्षित हो जाताहै, तो अधीक्षक, तथ्य को जिला पुलिस अधीक्षक को सूचित करेगा तथा यह उस अधिकारी कीकारागार को सुरक्षित करने लिए बन्दियों की सुरक्षा के लिए ऐसी पुलिस गार्ड, जो वह मुहैया करानीआवश्यक समझे, की आपूर्ति करने की डयूटी होगी।
त्वरित प्रतिक्रियाटीम (क्यू आर टी)।	782. सभी केन्द्रीय तथा जिला कारागारों में उपयुक्त रक्षा कार्मिकों की पर्याप्त संख्या को मिलाकरएक त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यू आर टी) होगी। त्वरित प्रतिक्रिया टीम, उप अधीक्षक (सुरक्षा) के ठीकपर्यवेक्षण के अधीन सहायक अधीक्षक के प्रभार के अधीन होगी और किसी अपात स्थिति से निपटनेके लिए हमेषा तैयार रहेगी। टीम के पास संयोजकता के लिए वायरलैस सेट तथा अपेक्षित आधुनिकप्राणघातक तथा अप्राणघातक हथियार होंगे, जो आपात स्थिति में प्रयुक्त किए जा

	सकते हैं। त्वरितप्रतिक्रिया टीम का केवल उसके लिए विनिर्दिष्ट डयूटियों के लिए प्रयोग किया जाएगा। जहां तकसाध्य हो, इसमें युवा, ईमानदार, आज्ञाकारी तथा विश्वसनीय कर्मचारियों का ही चयन किया जानाचाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया टीम को कारागार की मुख्य दीवार के साथ-साथ गश्त करने के लिएउचित वाहन भी मुहैया कराया जाएगा। अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से स्वयं को सन्तुष्ट करेगा कि त्वरितप्रतिक्रिया टीम उचित रूप से प्रशिक्ष्ाित, सुसज्जित तथा सभी समय पर सतर्क रहेगी। त्वरित प्रतिक्रियाटीम की मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) महानिदेशक द्वारा प्रत्येक कारागार में परिचालित कीजाएगी। रक्षा कार्मिक की कमी के मामले में, जिला पुलिस अधिकारी, त्वरित प्रतिक्रिया टीम मुहैयाकराने के लिए अधीक्षक से अनुरोध कर सकता है।
भागने को सुकरcukus okyh वस्तुओं की vfHkj{kkA	783. सभी स्टाफ सदस्य, विशेषकर सम्बधित उप अधीक्षक (सुरक्षा, सम्बन्धित सहायक अधीक्षक तथारक्षा कार्मिक), हर समय यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेवार होंगे कि कोई भी सीढ़ी, तख्ता, बांसतथा रस्सियां, जो भागने को सरल बनाने के लिए सम्भाव्य हैं, कारागार में पड़ी न छोड़ी गई हों।यदि ऐसी सामग्री प्रयोग के लिए भीतर ले जाई जानी हैं, तो इन्हें उचित रूप से अनुरक्ष्ाित रखीजांएगी तथा उनके प्रयोग के बाद कारागार के बाहर भेजी जाएंगी। कर्मशाला का प्रत्येक प्रभारीवार्डर यह देखने के लिए जिम्मेवार होगा कि ऐसी सभी सामग्रियां उचित रूप से सुरक्ष्ाित हैं तथाकार्य समाप्त होने पर दूर रखी जाती हैं तथा उस आशय का एक प्रमाणपत्र हवालात रजिस्टर मेंfn;k tk,xkA

fdlh vkikfrd vk/kkj ij fLFkfr lEHkkyukA	784. निम्नलिखित परिस्थितियों को आपातिक के रूप में सम्भाला जाएगा, अर्थात्:- (क) कारागार से भागने; (ख) विद्रोह; (c) naxk((d)gM+rky((e) भूख-हड़ताल (व्यक्तिगत या सामूहिक); (f) vkØe.k((six) vkRegR;k((ज) दुर्घटना; ¼>½ vfXu(¼´½ egkekjh(¼V½ Hkkstu fo"kkDrhdj.k(¼B½ HkhM+ HkkM+(¼M½ ty vkiwfrZ] fo|qr izdk'k O;oLFkk rFkk vU; vfuok;Z dkjkxkj lsok,a BIi gksuk tSls fd lQkbZ&O;oLFkk rFkk uylkth(¼<½ dkjkxkj fnup;kZ esa gLr{ksi ds ifj.kkeLo:i Hkkstu ;k dPph lkexzh dh vukiwfrZ(ck<+(¼.k½ HkwdEi(¼r½ vkradoknh geyk(¼Fk½ ce foLQksVu(¼n½ ;q)@ceckjh(¼/k½ ukfHkd] tSfod rFkk jklk;fud vkink(¼u½ dksbZ vU; ekuo fufeZr@izkd`frd vkinkA ¼i½
vkikfrd fLFkfr को रोकने तथाfu;fU=r djus ds mik;A	785. अधीक्षक, आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 (2005 का केन्द्रीय अधिनियम 53) तथा किसी अन्यअधिनियम, जो सुसंगत हों तथा सक्षम प्राधिकारी, द्वारा समय-समय पर, जारी सभी अन्य हिदायतोंया आदेशों के अनुरूप आपातिक स्थितियों के निवारण तथा नियन्त्रण करने के लिए जिम्मेवार होगा।वह सभी उपलब्ध उपायों तथा स्थिति का निपटान करने के लिए अपेक्ष्ाित बल का प्रयोग करेगा।

vkikr fLFkfr ds fy, midj.kA	786. (1) प्रत्येक कारागार विभिन्न किस्म के आकस्मिक संकटों का निपटान करने के लिए निम्नलिखित उपकरणों से उचित रूप से सज्जित होगा, अर्थात्:- (क) उपयुक्त अग्नि शमन उपकरण; (ख) आपातिक प्रकाश व्यवस्था जैसे कि विद्युत बैटरी, प्रतीपक (इन्वर्टर) बैक अप rFkk tujsVj((c) सर्चलाइट (खोजबत्ती); (d) स्टील हेलमैट (शिरस्त्राण); (e) csar((f) vJq xSl midj.k((six) जल होज;

	(ज) टैलीफोन, आन्तरिक संचार प्रणाली तथा वायरलैस सेट; (i) शस्त्र तथा गोलाबारूद; (´) सीढ़ी, कुल्हाड़ी, चाकू, रस्सी, जंजीर, हथकड़ी, अलार्म तथा भोंपू (सायरन); (t) प्राथमिक उपचार किट; तथा (l) LVªspj (2) राज्य सरकार, समय-समय पर, ऐसे उपकरणों की सूची के पुनरीक्षण के लिए गृहमामले मन्त्रालय/ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल/राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल से परामर्श कर सकतीहै। अधीक्षक, उपरोक्त वणर्ित वस्तुओं के क्रय के लिए महानिदेशक से आवश्यक स्वीकृति प्राप्तकरेगा। अधीक्षक की यह सुनिश्चित करने की डयूटी होगी कि, आपात स्थिति में प्रयोग करने केलिए ये सभी उपकरण हमेषा सही स्थिति में रखे गए हैं।
vkikr fLFkfr ds fy, rS;kjhA	787. आपात स्थिति को सम्भालने के लिए ड्रिल (कवायद) नियमित नियत अन्तरालों पर की जाएगीतथा इस सम्बध में रिपोर्ट महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी।
Hkkxuk minzoA rFkk	788. कारागारों से भागने तथा उपद्रव के मामलों में बचाव करने तथा निपटने के लिए निम्न अनुसारपूर्व सावधानी बरती जानी है तथा प्रक्रिया अपनाई जानी हैं, अर्थात्:- (क) प्रत्येक कारागार के पास "अलार्म" के रूप में ज्ञात पूर्व व्यवस्थित संकेत होगा, जिसकेमाध्यम से सूचना विद्रोह, भागने या अन्य अनुचित घटनाए घटित होने की सूचना सभीस्टाफ सदस्यों तथा निकटवर्ती पुलिस थाने को दी जा सके; (ख) अलार्म की ध्वनि सामान्य परेडों में प्रयोग की जाने वाली उस ध्वनि से भिन्न आवाजमें होनी चाहिए;

¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½	vykeZ ctkus esa rRijrk cgqr t:jh gS rFkk ;g egRoiw.kZ M;wVh gSA ;fn fdlh xk;c cUnh dks [kkstk tkrk gS ;k minzo 'kq: gks x;k gS ;k 'kq: gksus okyk gS] rks tkap ;k neu] tSlh Hkh fLFkfr gks] dk dksbZ Hkh iz;kl rc rd ugha fd;k tk,xk tc rd vykeZ ctkus ds fy, igys mik; ugha fd, tkrs gSa(rF; ;g gS fd ykirk O;fDr dks <wa< fy;k x;k Fkk ;k ,slk djus dh vko';drk ds fcuk minzo nck fn;k x;k Fkk] bl vkns'k dh ykijokgh dks fdlh Hkh :i esa de djus ds :i esa Lohdkj ugha fd;k tk,xk(j{kk dkfeZd] ftlds /;ku esa ?kVuk igys vkrh gS] yxkrkj viuh lhVh ctkuk tkjh j[ksxk rFkk lhVh lquus okys lHkh lqj{kkdehZ lhVh dks rc rd ctkrs jgsaxs tc rd fd dkjkxkj }kj ij mPp Loj lk;ju ds yxkrkj ctus ls irk pyrk gS fd lwpuk ogka igq¡p xbZ gSA dkjkxkj ds fdlh Hkkx

esa ;k blds vM+ksl&iM+ksl esa lhVh ;k vykeZ ctus dh ?kaVh ;k /ofu lquus ij lUrjh] lEiw.kZ izfr"Bku dks lpsr djus rd vykeZ ckj&ckj ctk,xk(

?kVuk] tks ?kV xbZ gS ;k ?kVus okyh gS] ds Lo:i ds ckjs esa lwpuk dh tkudkjh gksus ij fu;U=.k d{k dks rqjUr lwfpr fd;k tk,xk rkfd ofj"B vf/kdkjh rnkuqlkj izR;{k dk;Zokgh djus dh fLFkfr esa gks lds(

;fn dksbZ cUnh ykirk ;k dkjkxkj rksM+us dk dksbZ iz;kl djrk gqvk ;k dksbZ vU; minzo djrk gqvk ik;k tkrk gS ;k lfUudVrk izrhr gksrh gS] rks vykeZ ijsM ¼dok;n½ cqykbZ tk,xh rFkk mi v/kh{kd ¼iz'kklu½] v/kh{kd dks ?kfVr ?kVus ds ckjs rqjUr laf{kIr lwpuk nsxk(

vykeZ ctus dh vkokt lquus ij] dkjkxkj ds ckgj fxjksg ds izHkkjh okMZj] vius cfUn;ksa dks ,df=r djsaxs vkSj iwoZ&O;ofLFkr LFkku ds fy, dwp djsaxs(

टिप्पणः- जैसा कि अलार्म परेड (कवायद) के लिए किसी समय आदेष दिया जा सकता है और यहमहत्वपूर्ण है कि बन्दियों को ज्ञात नहीं होना चाहिए कि करवाई गई कोई परेड केवलअभ्यास के लिए है या नहीं, सभी अवसरों पर समरूप ध्यान दिया जाएगा। बन्दियों केकिसी समूह द्वारा मुख्य द्वार के किसी हिस्से को तोड़ने के प्रयास के मामले में, कारागार

में बाहरी गिरोह को लौटाने के लिए द्वारों या खिड़कियों को खोलना अनुचित होगा जबतक कि भीतरी द्वार के आस-पास के घेरे को पहले बन्दियों से मुक्त नहीं किया जाता है,इस कारण से बाहर कार्यरत गिरोह को अलार्म की घटना पर जंजीर से बांध दिया जाएगा,जहां कार्य प्रगति पर है;

(ज) अलार्म के बजने पर, कारागार के भीतर सभी बन्दियों को निकटतम या अधिकlqfo/kktud okMZ] odZ'kki ;k vU; Hkou esa cUn fd;k tk,xk rFkk M;wVh ij rSukr सुरक्षाकर्मी, बन्दियों के परिरूध के स्थानों पर निगरानी रखेंगे;

¼>½	vykeZ ctus ij] izR;sd j{kk dkfeZd ¼fxjksg ds izHkkjh okMZjksa ds flok,½ rqjUr] dksbZ QdZ ugha iMrk fd dgk¡ ;k dSls yxs gq, gSa] ;k mfpr onhZ esa gSa ;k ugha] dkjkxkj 'kL=kxkj dh rjQ c<+saxs rFkk i;kZIr xksykck:n ds lkFk Lo;a dks izk.k?kkrd rFkk vizk.k?kkrd gfFk;kjksa ls lfTtr djsaxsA rc os ykbu esa [kMs gksaxs vkSj v/kh{kd ;k vU; mifLFkr ofj"B vf/kdkjh ds vkns'kksa ds v/khu Lo;a dks j[kasxs(
¼'½	
¼V½	
¼B½	v/kh{kd }kjk viukbZ tkus okyh izfØ;k] ?kVuk ds Lo:i ij vfuok;Z :i ls fuHkZj gksuh pkfg,] ftlls mlus fuiVuk gSA rFkkfi] lHkh ekeyksa esa] lUrjh dks eq[;}kj dh Nr ij ;k vU; LFkku ij] tgka ls og dkjkxkj ds Hkhrjh n`'; dks fu;U=.k esa dj lds] rSukr fd;k tk,xk rFkk nks NksVh VqdfM;ka eq[; okMZj ;k ofj"B okMZj izR;sd ds izHkkj eas dkjkxkj ds fiNys Hkkx ds dks.k ds fudV iksft'ku ysus ds fy, Hksth tk,axh rFkk ml fn'kk esa cfUn;ksa dks nhokjksa ls mrjus ds muds fdlh iz;kl dks jksdus ds fy, funsZf'kr fd;k tk,xk(
¼M½	
¼<½	
¼.k½	dqN j{kk dkfeZd dks fdlh LFkku] tgka mudh lsok,a fo'ks"k :i ls vko';d gks] ij lgk;rk djus ds fy, fjtoZ ds :i esa vyx ls j[kk tk,xk vkSj funsZ'kksa ds lkFk ml LFkku dh rjQ Hkstk tk,xk] tgk¡ ls jkbQy pyus dh vkokt vkrh gS ¼lgk;rk dh vko';drk esa j{kk dkfeZd rF; lwfpr djus ds fy, gok esa xksyh pyk,xk½(
	;fn dkjkxkj ds ckgj Hkkxus ;k minzo dk dksbZ ekeyk gks] rks v/kh{kd dk ;g drZO; gksxk fd og vius foosd ls viuh 'kfDr;ksa dk iz;ksx djrs gq, vkSj vius mís'; dks iwjk djus ds fy, de ls de cy ds izn'kZu tks ifjfLFkfr;ksa ds vuqlkj vko';d gks] ls ykirk cUnh dks ryk'k djus esa ;k minzo dks neu djus ds mik; djus ds fy,] tSlh Hkh fLFkfr gks] vius vfrfjDr O;fDr;ksa dks Hkstsxk(
	;fn] dkjkxkj ds Hkhrj minzo ;k naxs dk dksbZ ekeyk gks] rks v/kh{kd mls nckus ds fy, vius O;fDr;ksa dk usr`Ro djsxkA rFkkfi] ,slh dk;Zokgh djus ls iwoZ] og izFker% eq[; }kj dh Nr ij lUrjh ls iwNrkN ds ek?;e ls viuh lUrqf"V djsxk fd ogka }kj ds vkl&ikl vgkrs esa dksbZ cUnh rks ugha gSA }kj dks HkhM+ dks frrj&fcrj djus rd [kksyk ugha tk,xk] rFkk eq[; }kj dh Nr ls izHkkoh :i ls fd;k tk,xkA fQj og vius O;fDr;ksa dks }kjksa ds

chp esa nksgjh iafDr esa ;k ^^frgjh** iafDr esa ys tk,xkA ;fn ckgjh }kj dks rkyk yxk;k x;k gS] rks Hkhrjh }kj [kksyk tk ldrk gS rFkk O;fDr dk;Z djus ds fy,] tks fu;U=.k vf/kdkjh vkns'k djs] minzo ds ?kVuk LFky ij nksgjh ykbZu esa dwp djsaxs(

;fn dksbZ vykeZ okLrfod gS ;k feF;k gS] rks j{kk dkfeZd dh izkFkfed lhVh ls ykirk cUnh dh ryk'kh ;k minzo ds neu] tSlh Hkh fLFkfr gks] dh lekfIr rd lHkh C;kSjksa dks iwjk fd;k tk,xkA okMZjks dks vH;LFk cukus ds fy, fofHkUu ifjfLFkfr;k¡] ftlls mUgsa fuiVus ds fy, rFkk y?kq uksfVl ij mudh rS;kjh dh tkap ds fy, mUgs cqyk;k tk ldrk gS] ds fy, vykeZ ijsM ¼dok;n½] iw.kZ psrkouh ds fcuk ;nk&dnk fnu ;k jkr ds fdlh Hkh le; vk;ksftr dh tk,xh vkSj fdlh ,sls LFkku] tgka lk/kkj.kr% cUnh ,d= gksrs gS] ls 'kq: dh tk,xh(

jkf= esa ;k lHkh fxjksgksa ds dkjkxkj ds Hkhrj djus ds ckn] Hkkxus ;k minzo ds ekeys esa] vykeZ 'kq: djus dh ,d gh fof/k dk ikyu fd;k tk,xk vFkkZr~ lhVh ctkuk rFkk rkykcUnh ds ckn x'kr vf/kdkjh }kjk ;k ml le; ls iwoZ fdlh dfu"B deZpkjh }kjk] fu;U=.k d{k dks vko';d lwpuk dk lUns'k nsukA Hkkxus ds

किसी प्रयास को विफल करने के लिए मुख्य द्वार पर एक सन्तरी और कारागार कीfiNokM+s esa vko';d VqdM+h rSukr dh tk,xh] tSlk fd fnu esa vykeZ ijsM es fd;k जाता है। यदि यह रिपोर्ट की गई है कि कोई बन्दी भाग गया है तथा यह सम्भाव्यप्रतीत होता है कि वह कारागार के भीतर अभी तक छिपा हुआ है, तो प्रदीप्त बैटरीसहित वार्डरो को अहाते की दीवारों के भीतर अन्तरालों पर तैनात किया जाएगा तथाशेष वार्डरो को दो पक्षो में विभाजित किया जाएगा और प्रदीप्त बैटरी सहित एक पक्षको कारागार के भीतर तथा दूसरे पक्ष को कारागार के बाहर जांच करने के लिएrSukr fd;k tk,xk(

टिप्पणः- बैटरियों की पर्याप्त संख्या हमेशा मुख्य द्वार पर बक्शे में तथा केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष में प्रयोग के लिए तैयार रखी जाएंगी;

¼r½ ¼Fk½ ¼n½	vykeZ ds le; ij }kj lUrjh ds }kj ds izfr j{kk djus rFkk dkjkxkj ds fdlh vf/kdkjh ;k vU; O;fDr] ftl ij dksbZ cUnh okLro esa fgalk dk iz;ksx dj ldrk gS] dk laj{k.k djus dh M;wVh gksxh(vykeZ ijsM esa lEiw.kZ 'kkafr cuk, j[kh tk,xh rFkk lHkh C;ksjs 'kkfUriwoZd rFkk Øec) jhfr esa dk;ZfUor fd, tk,axsA lgk;d v/kh{kd] mi lgk;d v/kh{kd] lqj{kk dehZ] ftUgsa O;fDr;ksa dh vyx i{kksa dk izHkkj ysuk gS] dks mUgsa visf{kr iDdh M;wVh nsus ls iwoZ lwfpr fd;k tk,xk rkfd os lgh :i ls tku lds fd mUgsa izHkkoh vf/kdkjh ds funsZ'kksa ds fy, izrh{kk fd, fcuk] D;k djuk gS vkSj dgk tkuk gS] tc vykeZ ctrk gS(minzo ds ekeys esa] v/kh{kd vius O;fDr;ksa dks ,d lkFk iafDr esa j[ksxk rFkk rhl xt ds fudVre cfUn;ksa ds lewg ds ikl tkus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xk] ftl nwjh ls os naxkbZ;ksa ls fuiVus ds fy, csgrj fLFkfr esa gksA lHkh ekeyksa esa] dqN okMZj M.Mksa ls lfTtr gkasxs rFkk fxj¶rkj djus ds fy, gFkdM+h nh tk,xh rFkk fdlh fjax fyMlZ ;k Hkkxus okys cfUn;ksa ls lqjf{kr fd, tk,axs(

fVIi.k%& vkikfrd ekeys esa] tc dHkh vko';d le>k tk,] iqfyl vJw xSl VqdM+h ekaxh tk ldrh gS(

¼k½ ¼u½	lHkh vf/kdkjh] tks dkjkxkj }kj ij lEiw.kZ ykbu esa ykSVus ds fy, ijsM esa Hkkx ysrs gS] ds fy, ladsr ds :i esa fcxqy ij ^^okilh dk ladsr** ctkdj ;k vykeZ ?kfM+;ky dh /ofu djds vykeZ dk fu"d"kZ fudkyk tk,xk rFkk v/kh{kd ;k mi v/kh{kd }kjk [kkfjt fd;k tk,xk(mi v/kh{kd ¼iz'kklu½ rFkk mi v/kh{kd ¼lqj{kk½ viuh Mk;jh esa frfFk rFkk le;] ftl ij ijsM dh xbZ Fkh] okMZjks }kjk vkus esa rFkk lfTtr gksus esa fy;k x;k le;] fdUgh

	v/khuLFkksa ds uke] tks nsjh ls vk, Fks ;k vuqifLFkr Fks vkSj vU; =qfV;ka] tks /;ku esa vkbZ Fkh] uksV djsxkA टिप्पणः- ऐसी रिपोर्ट की एक प्रति, अधीक्षक द्वारा अलार्म परेड करने के शीघ्र बाद चूककर्ता, यदिकोई हो, के विरूद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्रवाई के ब्योरे देते हुए महानिदेशक कोप्रस्तुत की जाएगी।
mi v/kh{kd ds dRrZO;A	789. जैसे ही किसी के भागने की रिपोर्ट प्राप्त होती है, तो डयूटी पर उपस्थित उप अधीक्षक याडयूटी पर उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, उस स्थान, जहां पर भागने की घटना घटित हुई है, कीछानबीन करने के लिए पर्याप्त संख्या बलवाली पार्टी भेजेगा, तथा अधीक्षक को भागने वाले की सूचनादी जाएगी, जो भगोड़े बन्दियों को पकडकर वापिस लाने के लिए उचित कार्रवाई करेगा।
उपद्रव को गंभीरnaxs esa cnyus dh laHkkouk ds ekeys esa dh tkus okyh dkjZokbZA	790- dkjkxkj esa ?kfVr minzo dh ?kVuk dh fLFkfr esa] ftlls xEHkhj naxk HkMdus dh laHkkouk gS] v/kh{kd ftyk iqfyl v/kh{kd rFkk ftyk eftLV²sV ;k mudh vuqifLFkfr esa] LVs'ku ij उपस्थित अगले वरिष्ठ अधिकारी को, स्थिति के बारे में उसे टेलीफोन पर सूचित करेगा या ई-मेलद्वारा सन्देश भेजेगा और यदि अधीक्षक समझता है कि जिला पुलिस अधीक्षक या जिला मजिस्ट्रेट याउनकी अनुपस्थिति में अगले वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति आवश्यक है, तो वह उसी समयकारागार में आने के लिए उससे अनुरोध करेगा। ऐसे सन्देश की प्राप्ति पर, उपरोक्त वण◌र्◌ित अधिकारी

	तुरन्त कारागार के लिए प्रास्थान करेंगे और वे व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के लिए ऐसे सभीउपाय, जो मामले की विषेष परिस्थितियों में आवष्यक हो, के लिए स्वतंत्र होंगे। उस द्वारा की गईसभी कार्यवाहियों की सूचना तत्काल उच्च प्राधिकारियों को दी जाएगी।
iqfyl lgk;rkA ls	791. (1) अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक के परामर्श से, विद्रोह या भागने के मामले में, कार्रवाई की संगठित योजना के लिए ऐसी व्यवस्था करेगा, जो उचित लगती हो। (2) उप अधीक्षक (सुरक्षा) भागने या विद्रोह की घटना पर निकटतम पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को संदेश भेजेगा।
कतिपय अधिकारीको बच निकलकर भागने कीसूचना भेजना।	792. (1) यदि कोई बचकर भागने की घटना घटित होती है तथा पुनः पकड़ने का प्रयास निष्फलहो गया है, तो पुलिस अधीक्षक को तथा जिला मजिस्ट्रेट को बन्दी की पहचान के प्रयोजनों के लिएउसके सामान्य निवास स्थान सहित उपलब्ध सभी सूचनाओं के साथ बन्दी की तुरन्त सूचनाविवरणात्मक पंजी प्रत्येक मामले के साथ भेजी जाएगी। यदि बन्दी जिला, जिसमें वह परिरूद्ध था,से भिन्न जिले से सम्बन्धित है, तो रिपोर्ट तथा विवरणात्मक पंजी उस जिले के पुलिस अधीक्षक तथामजिस्ट्रेट तथा सभी जिले, जिससे उसके अपने घर के लिए उसके रास्ते में आने वाले जिलों सेआर-पार जाना सम्भाव्य है, भेजी जाएगी। रिपोर्ट तथा विवरणात्मक पंजी रेलवे पुलिस महानिदेशकको भी भेजी जाएगी। यदि बन्दी का रेलवे में स्वयं उपलब्ध होना सम्भाव्य है तथा यदि यह समीचीनप्रतीत होता है, तो सूचना अन्य जिलों की पुलिस को भी भेजी जाएगी। (2) अधीक्षक, किसी बचकर भागने की घटना या कोई अन्य गम्भीर असाधारण घटना घटितहोने पर, तुरन्त महानिदेशक, पुलिस आयुक्त या पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट और जिला एवंसत्र न्यायाधीष को रिपोर्ट करेगा।
भागने तथा पुनःidM+us dh महानिदेशक कोरिपोर्ट करना।	793. (1) प्रत्येक भागने पर, जो घटित होते है, की संक्ष◌िप्त रिपोर्ट जांच, जो अधीक्षक यथा सम्भवघटना के बाद यथा शीघ्र करेगा के परिणामों के विवरण की सम्पूर्ण रिपोर्ट का पालन करके तुरन्तमहानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। भागने के लिए कोशिश करने वाले बन्दी के मामले में, निर्णयकी एक प्रति भी महानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। बचकर भागने के मामलो में, जो न केवलykijokgh ds dkj.k ?kfVr gq, gSa] cfYd Hkou esa fdlh =qfV ds dkj.k ;k lqj{kk ds <ax esa fdlh त्रुटि के कारण हुए हैं, तो ऐसी त्रुटि को स्पष्ट रूप से बताया जाएगा।

	(2) बन्दी को पुनः पकड़ने की रिपोर्ट, पुनः पकड़ने की तिथि तथा परिस्थितियों के ब्यौरेतथा भागने के ऐसे अतिरिक्त ब्यौरे, जो बन्दी से प्राप्त किए जाएं, की जाएगी। टिप्पणः- विस्तृत रिपोर्ट की एक प्रति सरकार को भेजने के लिए दोहरी प्रति में भेजी जाएगी।
भागने के प्रयासdh रिपोर्टdjukA	794. (1) प्रत्येक मामले में ब्योरों सहित भागने के प्रत्येक प्रयास की बन्दी की विवरणात्मक पंजी साथ लगाकर महानिदेशक को रिपोर्ट की जाएगी। (2) भागने के प्रत्येक प्रयास की एक संक्ष्िाप्त रिपोर्ट, जिला मजिस्ट्रेट तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश को भी की जाएगी।
iqu% idM+us ds fy, iqjLdkjA	795. (1) अधीक्षक सभी परिस्थितियों पर विचार करते हुए नियत पुरस्कार दे सकता है किन्तुवह किसी भी मामले में बन्दी के दण्डादेश को ध्यान में रखे बिना किसी भगोड़े बन्दी को पुनः पकड़नेके लिए 10,000/- रूपए से अधिक नहीं दिया जा सकता। (2) यदि कभी असाधारण परिस्थितियों में बृहत पुरस्कार देना अधिकारी को समीचीन करताहै, तो विशेष आवेदन महानिदेशक को किया जाएगा, जो किसी बन्दी को पुनः पकड़ने के लिए एकलाख रूपए तक स्वीकृत करने के लिए सशक्त है। यदि महानिदेशक को लगता है कि और उच्चतरपुरस्कार आवश्यक है, तो वह राज्य सरकार के आदेशों के लिए मामला भेजेगा। (3) किसी बन्दी को पुनः पकड़ने, जो पुलिस की अभिरक्षा से भागा है, के लिए कोई भीपुरस्कार, विभाग द्वारा भुगतान नहीं किया जाएगा। टिप्पण-1:- कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी अपराधी आदि को गिरफ्तार करने के लिए प्रदान किए जाने वाले किसी पुरस्कार को विशेष अनुमति के बिना प्राप्त कर सकता है।fVIi.k&2%&यदि दो या दो से अधिक व्यक्ति, किसी बन्दी, जो कारागार से भागा है, को पुनः पकड़ने में सहायक है, तो पुरस्कार को उनके मध्य ऐसी रीति में विभाजित किया tk,xk] tSlk egkfuns'kd funsZ'k djsaA

भागने से रोकनेके लिए बन्दियोंgsrq iqjLdkjA	796. प्रत्येक बन्दी, जो किसी भी प्रकार से किसी रूप में भागने से रोकने में सहायता करता है,यदि उसे माफी नियमों के अधीन अधीक्षक द्वारा पर्याप्त रूप से पुरस्कृत नहीं किया जा सकता है तोekeys ij fopkj djus rFkk i;kZIr iqjLdkj nsus ds fy,] egkfuns'kd ds /;ku esa yk;k tk,xkA
cUnh ds iqu% idM+us ij प्रक्रिया।	797. (1) किसी बन्दी को पुनः पकड़ने पर तथ्य महानिदेशक, जिला मजिस्ट्रेट, जिला एवं सत्रन्यायाधीश तथा पुलिस अधीक्षक को तुरन्त सूचित किए जाएंगे। (2) पुनः पकड़े गए बन्दी को उसके मूल वारंट के प्राधिकार के कारागार में भरती तथानिरूद्ध किया जा सकता है तथा समय, जब वह स्वच्छंद था, को भुगते गए दण्डादेश के रूप में नहींfxuk tkrkA (3) प्रत्येक बन्दी, जो किसी समय किसी अभिरक्षा से भागता है या भागने का प्रयास करताहै, जिसमें उसे कारागार में प्रवेश के बाद विधिवतः निरूद्ध किया गया है, यदि वह सामयिक श्रेणीका है, तो तुरन्त उस श्रेणी से हटा दिया जाएगा तथा अभ्यस्त श्रेणी में रखा जाएगा।
भागने को सुकरcukus ds fy, n.MA	798. प्रत्येक स्टाफ सदस्य, जिसकी सहायता, मौन सहमति या लापरवाही के कारण भागने कीघटना घटित हुई है, को विधि के सम्बन्धित उपबन्धों के अधीन अभियोजित किया जाएगा, जब तकबहुत विकट परिस्थितियाँ विद्यमान न हो या अधीक्षक दोषसिद्धि के लिए साक्ष्य को अपर्याप्त नहींle>rk gSA

iqu% ugha idM+s गए बन्दी कोभगोड़ा रजिस्टरrFkk bfro`r fVdV esa ntZ djukA	799. प्रत्येक बन्दी का नाम, रजिस्टर संख्या तथा भागने की तिथि, जो भाग गया है तथा पुनः नहींपकड़ा गया है, रिहाई रजिस्टर के खाली पृष्ठ में दर्ज की जाएगी तथा दस वर्ष के लिए प्रयोग मेंलाए गए प्रत्येक पश्चात्वर्ती रजिस्टर में नकल लगाई जाएगी जब तक इसी बीच उसे पुनः नहींपकड़ा जाता है, तब उसका नाम चिन्हित किया जाएगा तथा पुनः पकड़ने की तिथि नोट कर लीtk,xhA
प्रक्रिया, tc भगोड़े के सम्बन्धesa n.Mkns'k vi;kZIr gSA	800. जब किसी बन्दी को भागने या भागने के प्रयास करने के लिए किसी बन्दी या लापरवाही सेपीड़ित होने या उसकी मौन सहमति के लिए कारागार अधिकारी के सम्बध में पारित दण्डादेशअधीक्षक की राय में अपर्याप्त है, तो वह दण्ड में वृद्धि के दृष्टिगत सक्षंम पुनरीक्षण न्यायालय केlEeq[k vihy nk;j djsxkA
vkØe.k minzo fjiksVZA ;k dh	801. (1) कारागार के किसी अधिकारी पर किसी बन्दी द्वारा किए गए प्रत्येक आक्रमण तथाबन्दियों में संयुक्त विद्रोह के प्रत्येक गम्भीर उपद्रव की सम्पूर्ण रिपोर्ट महानिदेशक को प्रस्तुत कीtk,xhA (2) जहां कहीं कोई संज्ञेय अपराध, जो पुलिस और अदालत की जांच का विषय है औरबाद में अपराधिक विचारण में समाप्त होता है, तो अधीक्षक को तुरन्त जांच करनी चाहिए तथा मामलेमें शामिल कारागार अनुशासन तथा नियमों के पालन के पहलुओं पर महानिदेशक को परिणाम प्रस्तुतकरना चाहिए तथा यदि वह समझता है कि कोई कर्मचारी दोषी है,तो बताएगा कि उसके सम्बध मेंवह कैसे कार्यवाही करना प्रस्तावित करेगा।
शस्त्रों का प्रयोगजब अनुमत हो।	802. कोई भी स्टाफ सदस्य किसी बन्दी के विरू~ संगीन (बेनट) या किसी अन्य हथियार का प्रयोगdj ldrk gS] ;fn og fuEufyf[kr ds :i esa ik;k tkrk gS]& (क) भागने या भागने का प्रयास करने, यदि स्टाफ सदस्य के पास विश्वास करने कायुक्तियुक्त आधार है कि उसे भागने से अन्यथा रोका नहीं जा सकता; (ख) व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से विद्रोह करने या बल के प्रयोग कारागार केबाहरी द्वार या अहाते की दीवार को तोडकर खोलने के प्रयास में लगा है कि बशर्तेवह केवल तभी हथियार का प्रयोग कर सकता है यदि ऐसा विद्रोह या प्रयास जारीjgrk gS(¼x½ LVkQ lnL;ksa ;k vU; O;fDr;ksa ds fo:) fgalk dk iz;ksx djrk gS] c'krsZ fd ogka fo'okl djus ds ;qfDr;qDr vk/kkj gks fd LVkQ lnL; ;k fdlh vU; O;fDr ds thou ;k vax dks {kfr igqWpus dk [krjk gS ;k fd xEHkhj {kfr ,sls LVkQ lnL;@O;fDr dks dh tkuh lEHkkO; gSA

psrkouhA ”	803. नियम 802 में सूचित प्राधिकार के अधीन किसी बन्दी के विरूद्ध अग्निशस्त्र का प्रयोग करनेसे पूर्व, कारागार का अधिकारी बन्दी को चेतावनी देगा कि वह उस पर गोली चलाने वाला है।
ofj"B vf/kdkfj;ksa ds vkns'kA	804. कोई भी स्टाफ सदस्य, ऐसे वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों के सिवाए, किसी विद्रोह या भागनेके प्रयास के मामले में किसी बन्दी के विरूद्ध किसी प्रकार के शस्त्र का प्रयोग अपने वरिष्ठ अधिकारीdh mifLFkfr esa ugha djsxkA
[krjukd dk;Z esa सिद्धदोषअपराधियों dk नियोजन।	805. जब बन्दियों को खतरनाक स्वरूप के कार्य में नियोजित किया गया है, तो स्टाफ सदस्य कीहादसो से बचाव करने की सुरक्षा की प्रत्येक युक्तियुक्त सावधानी बरत कर कार्य कराने की डयूटीWill happen.

fo"kkDr Lokid dh vfHkj{kkA	806. विषाक्त स्वापक तथा तन्द्रा को दूर करने वाला स्वापक, शल्य उपकरण तथा अन्य समरूपवस्तुएं बन्दियों की पहुंच के भीतर नहीं छोडी जाएंगी। किसी विषाक्त स्वापक से युक्त प्रत्येक पात्रपर मुद्रित बड़े अक्षरों में "विष" लेबल लगाया जाएगा इन सभी को ताले तथा चाबी में रखा जाएगातथा चाबी स्वापक भण्डार के प्रभारी के पास रखी जाएगी। किन्हीं भी परिस्थितियों में चाबी बन्दीको नहीं सौंपी जाएगी।
vfXu ls cpkoA	807. (1) lHkh fo|qr vfXu ykbusa rFkk midj.k] fu;fer :i ls tkaps tk,axs rFkk mlesa किसी त्रुटि को बिना किसी विलम्ब के ठीक किया जाएगा। (2) कार्यालयांे तथा भण्डारों के सभी स्टाफ प्रभारी, कार्यालयों तथा भण्डार कक्षों का रात्रिds fy, mUgsa cUn djus ls iwoZ pØ yxk,axs rFkk Lo;a dh lUrqf"V djsaxs fd lc dqN lqjf{kr gSA (3) अग्नि उचित रूप से निर्मित अग्नि स्थानों में कर्मशालाओं में प्रयोग की जाएगी तथावरिष्ठ अधिकारी, जो कारागार को बन्द करता है, उसे छोड़ने से पहले स्वयं की सन्तुष्टि करेगा किअग्नि को उचित रूप से बुझा दिया गया है। अनुभाग का सम्बन्धित वरिष्ठ तकनीकी स्टाफ भी इससम्बन्ध में जिम्मेवार होगा। (4) साधारणतः कारागार में पाईप से एल.पी.जी. प्रयुक्त की जाएगी, यदि पाईप से एल.पी.जी. आपूर्ति उपलब्ध नहीं है, तो वह सुनिश्चित किया जाएगा कि गैस सिलैण्डर, एल.पी.जी. सिलैण्डरोंके भण्डार के लिए सुरक्षा नियमों के अनुसार किसी सुरक्षित कक्ष में भण्डार किए जाते हैं तथा किसीभी बन्दी की ऐसे स्थान पर पहुंच नहीं है। यदि कोई अग्नि होती है, तो किसी भी व्यक्ति को अग्निds iw.kZ :i ls 'keu djus rd xSl d{k ds fudV tkus ds fy, vuqKkr ugha fd;k tk,xkA (5) कारागार के सभी हिस्सों में तथा जिला अग्नि अधिकारी के परामर्श से निश्चित विशेषरूप से सभी असुरक्षित स्थानों पर अग्नि हाईडेण्ट तथा अग्निशमन उपकरण (रेत तथा जल बालटी)होंगी। (6) कारागार में विद्युत स्थापनाओं की नियमित अन्तरालों पर जांच की जाएगी। कोई भीढीले तार तथा खुले जंक्षन या जोडों की अनुमति नही दी जाएगी। (7) प्रत्येक अधीक्षक, अग्नि अलार्म बजने पर कारागार स्थापना के सभी सदस्यों की सम्बन्धितडयूटियां दर्शाने के लिए, अपनी कारागार में अपनाई जाने वाली अग्नि सुरक्षा तथा ड्रिल (कवायद)पर हिदायतें तैयार करेगा। वह छह मास में कम से कम एक बार अग्नि ड्रिल (कवायद) स्टाफ रिहर्सलकरेगा। इसमें अग्निशमन सुरक्षा उपाय तथा शून्यीकरण तकनीक शामिल होगी। (8) किसी अग्नि की घटना में अग्नि शमन केन्द्र को भी तुरन्त सूचना भेजी जाएगी। फायरब्रिगेड से सहायता प्राप्त होने तक अग्नि को बुझाने के लिए प्रत्येक प्रयास किए जाएंगे। दिन या राततक कारागार में अग्नि की घटना घटित होने पर अलार्म बजाया जाएगा। किसी वार्ड में अग्नि कीघटना घटित होने पर प्रथम प्राथमिकता वार्ड तथा निकटतम भवनों से बन्दियों को हटा दिया जाएगाrFkk vfXu cq>kbZ tk,xhA (9) अधीक्षक यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा कि अग्नि कारागारके अन्य हिस्सों में न फैले और बन्दियों तथा स्टाफ के सदस्यों के जीवन संकटापन्न न हो। (10) भोजन बनाना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा भोजन गर्म करने के लिए मुहैया कोयलाअंगीठी शयन वार्ड के बाहर रखी जाएंगी। कोई जलाने की लकड़ी या सुखी घास या अन्य ज्वलनशीलसामग्री बन्दियों के अहाते में कहीं भी भण्डार नहीं की जाएगी।

i`FkDdj.k Hkou esa LFkkukUrj.kA	egkekjh 808. (1) किसी संक्रामक बीमारी के मामले या संदिग्ध मामलों की घटना घटित होने पर, अधीक्षक,आवश्यक व्यवस्था करने के लिए सिविल सर्जन से सम्पर्क करेगा तथा बन्दियों को कारागार से बाहरकिसी संक्रामक रोग अस्पताल में ले जाया जाएगा। अधीक्षक के अनुरोध पर जिला पुलिस अधीक्षकबन्दियों की रक्षा तथा सुरक्षा के लिए आवश्यक पुलिस रक्षक नियोजित करेगा।

	(2) यदि संक्रामक बीमारी के संदिग्ध मामले बहुत संख्या में होने की आंषका है, तो अधीक्षककारागार दीवारों के बाहर बन्दियों के पृथक्करण के लिए पृथक भवन की पहचान करने के लिएजिला मजिस्ट्रेट को लिखित अनुरोध भेजेगा। (3) जब कभी भवन की पहचान के बारे में रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट से प्राप्त होती है, अधीक्षककथित पहचान करेगा। भवन का निरीक्षण करेगा और स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि भवन किसी बन्दीको भागने से रोकने के लिए सही सलामत तथा सुरक्ष्ित है। अधीक्षक, सरकार से "पृथक्करण तथाअलगाव सुविधा" के रूप में घोषित भवन को प्राप्त करने के लिए महानिदेशक को अपनी सिफारिशसहित अपना लिखित अनुरोध भेजेगा। (4) जब एक बार "पृथक्करण तथा अलगाव सुविधा" सरकार द्वारा अधिसूचित कर दी जातीहै, तो कारागार में किसी संक्रामक बीमारी के संदिग्ध मामलो को अस्पताल में नही ले जाया जाएगाकिन्तु इन अधिसूचित "पृथक्करण तथा अलगाव सुविधा" में तुरन्त ले जाए जाएंगे। अधीक्षक केअनुरोध पर जिला पुलिस अधीक्षक ऐसे "पृथक्करण तथा अलगाव सुविधा" के चारो-ओर बन्दियों कीरक्षा तथा सुरक्षा के लिए आवश्यक पुलिस रक्षक अभिनियोजित करेगा। (5) महानिदेशक बन्दियों में संक्रमित या बीमारी के संदिग्ध मामलों को अलग करने के लिए"पृथक्करण तथा अलगाव सुविधा" के रूप में एक या एक से अधिक कारागारों को अधिसूचित करसकता है। ऐसे मामलें में, महानिदेशक अधिसूचित कारागार में पहले ही परिरूद्ध सभी बन्दियों कोअन्य कारागारों में अन्तरित कर सकता है तथा बीमारी के संक्रमित मामलों को ऐसे "पृथक्करण तथाvyxko lqfo/kk** esa LFkkukUrfjr dj ldrk gSA (6) अधीक्षक के अनुरोध पर जिले का जिला पुलिस अधीक्षक, जहां से संक्रमित बन्दीस्थानान्तरित किए जाने हैं, अधिसूचित कारागारों में बन्दियों के स्थानातरण के लिए आवश्यक वाहनrFkk iqfyl j{kd eqgS;k djsxkA (7) स्वास्थ्य विभाग सुनिश्चित करेगा कि चिकित्सा स्टाफ, पैरामैडिकल स्टाफ, अपेक्ष्ितउपकरण, दवाईयां तथा सभी अन्य आवश्यक व्यवस्था अधिसूचित कारागार तथा "पृथक्करण तथाvyxko lqfo/kk** esa le; ij miyC/k djkbZ xbZ gSaA
Vhdkdj.k VhdkA ;k	809. जब कभी कोई महामारी का मामला आता है, तो चिकित्सा अधिकारी, सभी बन्दियों, कारागारकार्मिक/ स्टाफ तथा उनके परिवार के सदस्यों के टीकाकरण या टीकों, जैसी भी स्थिति हो, के लिएrqjUr O;oLFkk djsxkA
ejht vkoklA dk	810. अस्पताल तथा प्रत्येक सैल तथा वार्ड दोनों में भीड-भाड़ सख्ती से बचा जाएगा। यदि महामारीगंभीर है, तो महामारी के मामलों के उपचार के लिए सम्पूर्ण अस्पताल का प्रयोग करना वांछनीय है,तो सभी अन्य मामलों को अस्थाई अस्पताल में स्थानान्तरित किया जा सकता है, जो किसी वार्ड,बैरक या कार्य शैड (यदि कोई बेहतर स्थान उपलब्ध नहीं है) में स्थापित किया जा सकता है।
cfUn;ksa LoPNrkA dh	is; ty dk folaØe.k 811. बन्दियों तथा उनके वस्त्रों की स्वच्छता के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। धुलाई के लिएप्रयुक्त जल को कारागार की दीवारों के भीतर रहने देना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।
laØfer 'ko dk fuiVkuA	812. कोई व्यक्ति, जिसकी संक्रामक बीमारी से मृत्यु हो गई है, के शव को 2 प्रतिशत कार्बोलिकया सरीसोल लोशन सहित शराबोर शीट में पूर्णरूप से लपेटा जाएगा और सभी कानूनी औपचारिकताएंपूरी करने के बाद विलम्ब किए बिना कम से कम समयावधि के भीतर दफनाया/जलाया जाएगा।

भूख हड़ताल कोlekIr djus dh v/kh{kd dh 'kfDrA	Hkw[k gM+rky

	813. (1) अधीक्षक, विशेषाधिकारों को रोकने, एक बैरक से दूसरी बैरक आदि में स्थानान्तरणकरने सहित सभी उपाय/कदम उठाएगा।यह सुनिश्चत करने के सभी साधनों के माध्यम से सभीउपाए किए जाएंगे कि भूख हड़ताल शान्तिपूर्वक रूप से समाप्त हो गई है। (2) बन्दियों, जो भूख हड़ताल पर गए हैं, को सचेत किया जाएगा कि किसी भी कथितशिकायतों का निवारण नही किया जाएगा जब तक हड़ताल जारी रहती है तथा कि वे विधि केविभिन्न उपबन्धों के अनुसार किसी कारागार दण्ड या अभियोजन के लिए दायी होंगे। (3) बन्दी, जो भूख हड़ताल में भाग लेने के लिए अन्य बन्दियों को प्रेरित करते हुए पाएजाते हैं, उन्हें साधारणतः महानिदेशक के अनुमोदन से राज्य के भीतर अन्य कारागार के उच्च सुरक्षाokMZ esa rqjUr vUrfjr fd;k tk,xkA (4) अधीक्षक किसी प्रकार की सम्भाव्य घटना से निपटने के लिए "आरक्षित गार्ड" के रूपमें पर्याप्त गार्ड की संख्या रखेगा। (5) भोजन उनके सम्मुख नियमित रूप से रखा जाएगा तथा यदि वे खाने से इनकार करतेहैं, तो उसका निपटान कर दिया जाएगा।
Hkw[k gM+rky ij बैठे बन्दियों कोtcjnLrh [kkuk f[kykukA	814. कारागार प्राधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे उनके प्रभार के अधीन बन्दियों को स्वस्थरखने तथा मृत्यु से उन्हें बचाने के लिए, जो भी उचित रूप से कर सकते हों, करें। इस प्रकार, यदिकोई बन्दी भोजन लेने से निरन्तर रूप से इनकार करता है और उसकी मृत्यु होना सम्भाव्य है, तोचिकित्सा अधिकारी निर्देश दे सकता है कि बन्दी को जीवित रखने के लिए उसे जबरदस्ती भोजनखिलाया जाए। जबरदस्ती भोजन खिलाने के लिए अनावश्यक जबरदस्ती का प्रयास नहीं कियाtk,xkA
महानिदेशक कोप्रतिदिन रिपोर्टdjukA	815. चिकित्सा अधिकारी, अधीक्षक को प्रतिदिन बन्दियों, जो भूख हड़ताल पर हैं, के स्वास्थ्य कीरिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। वह उसे महानिदेशक को भी भेजेगा। अधीक्षक जिला मजिस्ट्रेट को भी रिपोर्टभेजेगा।
HkhM+HkkM+ dh रिपोर्ट करना औरभीड़भाड़ को कमdjus ds mik; djukA	HkhM+HkkM 816. ज्योंही किसी कारागार या अस्पताल में उपलब्ध आवास से अधिक बन्दी होते हैं, तो अधीक्षकउपायों के विवरण सहित महानिदेशक को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जो वह भीड़भाड़ को कम करनेके लिए अपनाने का प्रस्ताव करता है तथा इस प्रयोजन के लिए ऐसी अस्थाई व्यवस्था, जो वहcsgrj le>s] rqjUr viukbZ tk,xhA
बन्दियों को शैडों या तम्बुओं मेंj[kukA	817. यथा अस्थाई उपायों के सिवाए, उपलब्ध आवास से अधिक बन्दियों को कार्य शैडों या बरामदोंमें नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें कारागार के भीतर शैडों या तम्बुओं में रखा जाएगा। अधीक्षक इससम्बन्ध में उपगत होने वाले खर्च, जब कभी आवश्यक हो, हमेशा पूर्व स्वीकृति प्राप्त करेगा तथाप्रत्येक पहलू में किफायत सुनिश्चित करेगा। वह भागने वाले बन्दी के लिए सभी आवश्यक सुरक्षाO;oLFkk djsxkA
HkwdEiA	818. किसी भूकम्प की घटना घटित होने पर, निम्नलिखित कार्रवाई की जाएगी, अर्थात्:- (क) बन्दियों को किसी खुले स्थान की ओर शान्ति पूर्वक तथा शान्त रीति में जाने के लिए dgk tk,xk((ख) बन्दियों को आवरण लेने (घुटनों के बल बैठने तथा बाजूओं सहित सिर ढकना) के fy, dgk tk,xk(¼x½ cfUn;ksa dks >Vdksa ds ckn dqN feuV ds fy, mlh fLFkfr esa jgus ds fy, dgk tk,xk(¼?k½ cfUn;ksa dks f[kM+dh] niZ.k] fpeuh] cMh iqLrd isfV;ksa] QuhZpj] iqjkus rFkk Åaps Hkouksa] [kEcksa] o`{kksa rFkk fo|qr rkjksa ls de ls de pkSng QwV nwj j[kk tk,xk(¼³½ vkSj fudklh rFkk cpko mik;] fdlh fudklh ny ls çkIr fgnk;rksa ds vuqlkj fd, tk,axs rFkk izHkkfor {ks= esa vuko';d HkhM+ ls cpk tk,xkA

vU; vkdfLed ladVA	819- v/kh{kd ds fy, tgka dh 'kgj esa dkuwu rFkk O;oLFkk dh leL;k gS] lrdZ jgus dh vis{kk की जाएगी तथा उग्र चरम जलवायु परिस्थितियों, विशेष रूप से गर्मी तथा वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़के दौरान सतर्क भी रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य आकस्मिक संकटों के मामलों में अपेक्षाओं केअनुसार उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षक, महानिदेशक को परिस्थितियों के बारे में सूचितकरेगा। अधीक्षक, उपचारात्मक कार्रवाई करने के लिए सभी विशेष तथा आलोचनात्मक परिस्थितियोंमें जिला मजिस्ट्रेट/जिला पुलिस अधीक्षक को सिफारिष करेगा। किसी आपातिक परिस्थिति जैसेकि बाहर से आक्रमण होना तथा समरूप घटनाओं से निपटने के लिए प्रत्येक कारागार में एकआकस्मिक योजना बनाई जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी अपनी मुलाकात/निरीक्षण के दौरान ऐसीआकस्मिक योजना का पुनरीक्षण करेगा।

lfefr }kjk ubZ कारागारों ds fy, LFky dh flQkfj'k djukA	v/;k; 37 संस्थागत ढांचा तथा लोक संकर्म 820. (1) महानिदेशक नई कारागार के लिए स्थलों की सिफारिश करने के लिए एक समिति कागठन करेगा। समिति द्वारा अनुशंसित स्थल, महानिदेशक के अनुमोदन के अध्यधीन होगा। यदिमहानिदेशक, समिति की सिफारिश स्वीकार करते हैं, तो मामला सरकार की स्वीकृति के लिए निर्दिष्टfd;k tk,xkA (2) नई कारागारों के लिए स्थल का चयन करते समय कारक जैसे कि परिवहन सुविधाएं,जल आपूर्ति, विद्युत प्रकाश, उच्च शक्ति विद्युत प्रसारण लाईन से संयोजन, जल निकास तथा मलनिकास, संचार सुविधाओं के अनुमोदित साधन (जैसे कि डाक, टैलीफोन तथा ईन्टरनेट), जलवायुपरिस्थितियों, संस्थागत आपूर्ति की खरीद के लिए सुविधाएं, संस्था की निकटता जैसे कि न्यायालय,सिविल अस्पताल, मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र, विषेषतः स्टाफ सदस्यों के बालकों के लिए विद्यालय कोविचार में लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नई कारागारों के लिए स्थल, आसानी से बाढ़ तथा जलमग्नक्षेत्रों, सीमान्त तथा अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं, वायुपतन तथा भीड़भाड वाले शहरी स्थानों के निकट नहींwill be.
ubZ dkjkxkj Hkou ds fuekZ.k djus ds fy, dkjkxkj okLrqdyk ekudA	821. साधारणतः सभी नए कारागार भवनों का निर्माण निम्नलिखित मानकों पर आधारित होगा,vFkkZr~%& (क) कारागार से भिन्न कोई भी भवन, केन्द्रीय कारागार की दीवार के सौ मीटर के भीतरrFkk ftyk rFkk mi&dkjkxkj dh nhokj ds ipgRrj ehVj ds Hkhrj fufeZr ugha किया जाएगा। कारागार परिसरों को बंजर जोन के रूप में "आबद्ध क्षेत्र के बाहर" केरूप में सीमांकित किया जाएगा तथा कारागार परिसरों में प्रवेश का अधिकार अधीक्षकके पास आरक्षित होगा; (ख) कारागार की चार दीवारी के भीतर परिबद्ध क्षेत्र कुल क्षमता के पचासी वर्गमीटर प्रतिव्यक्ति से कम नहीं होगा। जहां भूमि अपर्याप्त है जैसे कि बड़े शहरों में न्यूनतम क्षेत्रसाठ वर्गमीटर प्रति बन्दी होगा; ¼x½ dkjkxkj esa ifjf/k nhokjsa gksaxhA ifjf/k nhokj dh ÅapkbZ bDdhl QqV gksxhA dkjkxkj ds Hkhrj efgyk vuqHkkx dh nhokj dh ÅapkbZ vBkjg QqV gksxhA vU; Hkhrjh nhokjsa ÅapkbZ esa de ls de nl QqV gksxh(¼?k½ fdlh dkjkxkj ds Hkhrj dksbZ Hkh Hkou ckgjh ifjf/k nhokj ls lkS QqV ls fudVre ugha gksxk(¼³½ cSjd] fdlh izfrdwy fLFkfr ds ekeys esa dkfeZd dks laj{k.k ds ;ksX; LFkkbZ <kaps dh gksaxhA dkjkxkj ds Hkhrj LFkkbZ tujsVj@bZUojVj ls fo|qr lqfo/kk lfgr vko';d izdk'k rFkk ia[kksa dh O;oLFkk dk izko/kku gksxkA cSjdksa ds Hkhrj Qyf’kax O;oLFkk rFkk dksBjh fdLe ds Luku? kj lfgr LokLF;dj fdLe ds 'kkSp?kj dk Hkh izko/kku gksxk(¼p½ ÅtkZ n{k izdk'k lzksr dk dkjkxkj Hkou ds Hkhrj iz;ksx fd;k tk,xkA v{k; mtkZ ij fuHkZj izdk'k dks xyh izdk'k ds iz;kstu ds fy, fopkj esa fy;k tk ldrk gS(¼N½

	fuekZ.k ds vfHkdYi pj.k ds LoRo ls ^^xzhu fcfYMax** ¼gfjrHkou½ ladYiuk ls dkjkxkj ifjljksa dks i;kZoj.kh; :i ls fo'oluh; rFkk lalk/ku&n{k lqfuf'pr djus ij fopkj fd;k tk,xk(

(ज) सभी कारागार भवनों में वर्षा जल एकत्रीकरण प्रणाली तथा मलजल उपचार संयन्त्रwill be;

¼>½ ¼'½	lHkh fuekZ.kksa esa ch-vkbZ-,l- ekudksa dk ikyu fd;k tk,xk(;g lqfuf'pr fd;k tk,xk fd Hkou ds vgkrk nhokj tkyh ;k fdlh vU; Hkkx esa dksbZ Hkh lapukRed deh ugha gks] tks fdlh cUnh] tks Hkkxus dk bjknk djrk gS] dh lgk;rk dk lzksr cu ldsA

	fVIi.k %& सी.सी.टी.वी. कैमरे स्नानघरों/शौचालयों तथा महिला अहातों में निवास क्षेत्रों के सिवाए,बन्दियों के निवास क्षेत्रों सहित सभी अति संवेदनशील तथा मर्मस्थानों पर प्रत्येक कारागार में स्थापितfd, tk,axsA
ckgjh nhokjA ifjf/k	822. (1) कारागार परिसर एक बन्द क्षेत्र होगा। बाहरी दीवार कम-से-कम छह फुट ऊंची होगीतथा इसके अतिरिक्त इसके ऊपरी सिरे पर अढाई फुट कन्सरटीना तारें लगाकार कारागार परिसरोंको चारों ओर से निर्मित किया जाएगा। चारों कोनों पर निगरानी टावर भी सुरक्षा तथा निगरानीप्रयोजनों के लिए निर्मित किए जाएंगे। सन्तरी पोस्ट तथा उचित रूकावट सहित कारागारों परिसरोंमें एकल प्रवेश द्वार होगा। (2) जहां तक साध्य हो, स्टाफ सदस्यों के आवासीय काम्पलैक्स के चारों ओर कम से कमvkB QqV Åaph ckgjh nhokj fufeZr dh tk,xhA eq[; }kj lfgr vkoklh; dkEiySDl esa ,dy प्रवेष द्वारा होगा।
dkjkxkjksa nhokjsaA dh	823. (1) प्रत्येक कारागार की बाहरी दीवारों का ष्िाखर गोलाकार होगा और दीवार के ष्िाखरके बर्हिगत हिस्से पर काँच के टूकडे लगाए जाएंगे, जो कम्बल या कपड़े का भार भी वहन करने मेंअसमर्थ हों। बाहरी दीवार के साथ विभाजन दीवार के प्रत्येक जंकषन पर तथा बाहरी दीवार केप्रत्येक कोण पर ऊँचाई के लिए पर्याप्त परिवर्धन किया जाएगा ताकि इन स्थानों पर दीवार पर किसीबन्दी के चढ़ने की सम्भावना को रोका जा सके। कारागार की मुख्य अहाता दीवार साधारणतः बीसफुट से कम ऊँची नहीं होगी तथा सौ फुट का स्पष्ट अन्तराल इसके और इसके अन्य तरफ बनेकिसी भवन के बीच छोड़ा जाएगा। (2) समरूप वास्तुकला तथा कम से कम अठारह फुट की ऊंची एक दूसरी दीवार, प्रत्येककारागार में निर्मित की जाएगी। इन दीवारों के बीच दूरी तीस फुट से कम नहीं होगी। (3) प्रत्येक गश्त को समर्थ बनाने के लिए दोनों तरफ इन दीवारों के साथ एक उचितlM+d fufeZr dh tk,xhA
स्टाफ सदस्यों केfy, vkoklh; dkEiySDl dk fuekZ.k djukA	824. प्रत्येक कारागार में स्टाफ सदस्यों के लिए एक आवासी काम्पलैक्स निर्मित किया जाएगा।गृह/होस्टल का निर्माण राज्य सरकार/विभाग की पालिसी के अनुसार किया जाएगा। प्रत्येककारागार में सामुदायिक केन्द्र-एवं-राजपत्रित अधिकारी मेस वार्डर हॉस्टल-एवं-अराजपत्रित अधिकारीमेस तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों का निर्माण किया जाएगा।
fuxjkuh VkojA	825- ¼1½ tk,axs% ¼2½ ¼3½ gksxh(¼4½ izR;sd dsUnzh; rFkk ftyk dkjxkj esa de ls de Ng fuxjkuh Vkoj fufeZr fd, ijUrq nks fuxjkuh Vkojksa ds chp dh nwjh lkS ehVj ls vf/kd ugha gksxh(fuxjkuh Vkoj U;wure vkB QqV ds o`Rrkdkj ?ksjs esa gksxk( tgka rd lk/; gks] fuxjkuh Vkoj dh lhesaV dh lhf<;ak o`Rrkdkj gksxh(tgka rd lk/; gks] ckgjh nhokj rFkk fuxjkuh Vkoj ds dsUnz ds chp nwjh rsjg QqV

	¼5½ ¼6½	izR;sd fuxjkuh Vkoj esa 'kkSp?kj rFkk okl osflu eqgS;k djk;k tk,xk(izR;sd fuxjkuh Vkoj esa tkyh dh fxzy yxkbZ tk,xhA

वार्डों तथा सैलोंdh {kerkA	8 o	8 26. (1) dh vkokl k;q&lpkj	lk/kkj.kr% {kerk iR;d }kjk fuEufy	बन्दियोक cUnh d f[kr rkfyd	अधिभागकlEcU/k e k es n'kk,	fy, vk'kf; lrgh rFkk x, vuqlkj	r okMkZ] lS ?kuh; Li'k fofu;fer	लो तथा अन्य d ekiØe dh tk,xh%&	'k;u d{k rFkk ik'o	k Z
			'k;u cSjdsa			lSy		vLi	rky	
		भू-क्षेत्र dk oxZ ehVj	ok;q LFky dk ?ku ehVj	ik'oZ laokru dk oxZ ehVj	भू-क्षेत्रdk oxZ ehVj	ok;q LFky dk ?ku ehVj	ik'oZ laokru dk oxZ ehVj	भू-क्षेत्रdk oxZ ehVj	ok;q LFky dk ?ku ehVj	
		3-71	15-83	1-12	8-92	13-98	2-23	5-58	23-75	

	(2) दरवाजे तथा खिड़कियां, बन्दियों को वर्षा तथा सर्दी से बचाने के लिए कारागारों मेंबैरक, सैले तथा अस्पताल मुहैया कराई जांएगी। शटर, बाहर से लोहे की जाली से तैयार किएtk,axsA (3) सुरक्षा सैलों के लिए दोहरे तालों की व्यवस्था अपेक्षित है, किन्तु एकल ताला अन्यसभी सैलों के लिए अपेक्षित है। सैलों के लिए संयुक्त ताला लगाने की व्यवस्था करना अनावश्यकgSA (4) प्रत्येक कारागार में, संस्था की कुल क्षमता तथा बन्दियों के साथ मुलाकात के लिएप्रतिदिन आने वाले मुलाकातियों की औसत संख्या के अनुसार उपयुक्त आकार के उचित मुलाकातकक्ष होंगे। मुलाकातियों, जो बन्दियों के साथ मुलाकात करते हैं, के लिए इन्टरकोम सहित पारदर्शीमजबूत शीशे को प्राथमिकता दी जाएगी। (5) प्रत्येक कारागार में सुविधा जैसे कि शौचघर, पेयजल आपूर्ति, बैठने की व्यवस्था आदिसहित मुख्य द्वार के बाहर एक पूछताछ कार्यालय के साथ-साथ एक प्रतिक्षा कक्ष का निर्माण कियाtk,xkA (6) अधीक्षक के पर्यवेक्षण के अधीन एक नियन्त्रण कक्ष, प्रत्येक कारागार के मुख्य द्वार पर;k ds fudV LFkkfir fd;k tk,xkA ;g lEiw.kZ dkjkxkj ds fy, raf=dk ds :i esa dk;Z djsxkA (7) प्रत्येक कारागार में बन्दियों के विचारण के लिए पर्याप्त अवसंरचना तथा संयोजकतासहित विडियों सम्मेलन कक्ष होगा।
cjkensA	827. सभी बैरकों तथा सैलों में, यदि सम्भव हो, कम से कम दो मीटर चैड़ा बरामदा मुहैया करायाtk,xkA
वार्डों तथा सैलोंesa osafVys'ku A	828. एक सीलिंग वेंटिलेषन होगा जो दिवार और छत के जंकषन के नजदीक खुला रहेगा। छतोंतथा सीलिंग की न्यूनतम ऊँचाई, फर्ष से ग्यारह फीट से कम नही होगी
अधिभोग के लिएmi;qdrrk प्रमाण-पत्र।	829. किसी भी नए निर्मित वार्ड, सैल या अन्य कक्ष का किसी बन्दी द्वारा तब तक अधिभोग नहींकिया जाएगा जब तक चिकित्सा अधिकारी तथा अधीक्षक सत्यापित नहीं करता कि ऐसा वार्ड, सैलया अन्य कक्ष सभी प्रकार से अधिभोग के लिए योग्य है।

वार्डों की क्षमताnjokts ij vafdr djukA	830. साधारणतः बन्दियों के लिए शयन आवास के रूप में प्रयुक्त प्रत्येक वार्ड तथा अन्य कक्ष केnjokts ij fuEufyf[kr vafdr fd;k tk,xk] vFkkZr~%& (क) साधारण फर्श-क्षेत्र वर्ग फुट में बताया जाएगा; (ख) इसमें दिए गए वायु-स्थल की मात्रा घन फुट में बताई जाए; तथा ¼x½ lrgh {ks= ;k ?ku LFkku] tks Hkh de gks] ij laxf.kr cfUn;ksa dh la[;k tks izkf/kd`r vkokl ds ;ksX; gSA fVIi.k%&साधारणतः आवास इकाई में परिरूद्ध बन्दियों की संख्या, इसके प्राधिकृत आवास से अधिकनहीं होगी किन्तु किसी भी मामले में प्राधिकृत आवास के डेढ सौ प्रतिशत से अधिक नहींWill happen.
वार्डों में शयनcFkZA	831. रात्रि में बन्दी के आवास के लिए आशयित प्रत्येक वार्ड या अन्य कक्ष, विहित पैमाना केvuqlkj okMZ {kerk dh la[;k ds led{k bZaV ;k iRFkj ls cuk, x, 'k;u cFkZ eqgS;k djok;k जाएगा। प्रत्येक बर्थ साढे छह फुट लम्बा, अढाई फुट चैडा तथा अठारह ईंच की ऊँचाई का होगाऔर सिरहाने से नीचे की तरफ थोडी सी ढलान में निर्मित किया जाएगा। प्रत्येक बर्थ का सिरहाना,उसके दूसरी तरफ वाले बर्थों,यदि कोई हो, के सिरहाने की विपरीत दषा में होगा। प्रत्येक दो बर्थोंकि बीच दूरी साधारण रूप से दो फुट से कम नहीं होगी। यदि बैरकों मंे प्लिंथ का निर्माण कियाजाता है, तो विहित पैमाना के अनुसार स्पेष की गणना की जाएगी। सभी शायिकाएं संख्याकित कीtk,axhA
O;fDrxr lkeku ds fy, LFkkuA	832. बन्दियों के व्यक्तिगत सामान के लिए स्थान प्रत्येक बन्दी को मुहैया करवाया जाएगा।
मुख्य प्रवेश द्वाराlrFkk eq[; }kj के निकट ब्लाकोंds fuekZ.k ds fy, ekudA	833. मुख्य प्रवेश द्वार तथा मुख्य द्वार के निकट ब्लाकों का नया निर्माण साधारणतः निम्नलिखितमानकों पर आधारित होगा, अर्थात्:- (क) मुख्य द्वार का परिमाप, चैड़ाई में कम से कम चैदह फुट तथा ऊंचाई में सौलह फुटहोगा ताकि अग्नि टैन्डर, कंक्रीट मिक्सचर ट्रक वाहन या बोरवेल रिग इसमें से पारजा सके। मुख्य द्वारा, पच्चीस मिली मीटर व्यास या मोटाई के ऊर्ध्वाधर गोल या

	चैकोर स्टील छड़ वाले एक मजबूत स्टील फ्रेम के बने हुए दोहरे द्वार की व्यवस्थाहोगी। दोनों द्वारों के बीच स्पेष, द्वार के संचालन को सुकर बनाने के लिए लम्बाई मेंसाठ फुट तथा चैड़ाई में पचास फुट तथा ऊंचाई में अठारह फुट से कम नहीं होगा।प्रत्येक द्वार में कम से कम तीन फुट चैड़ा तथा सात फुट ऊंचा छोटा दरवाजा होगा।मुख्य द्वार तथा छोटे दरवाजों को भीतर की तरफ से मजबूत ताला लगाने की व्यवस्थाहोगी। दोनों द्वारों में शटरों को आसानी से खोलने तथा बन्द करने की व्यवस्था होगी।द्वारों को बाहर से दस फुट की ऊंचाई तक लोहे की सीट से ढका जाएगा। छोटेदरवाजों में आंख स्तर तक शीशे से ढका हुआ झरोखा होगा; (ख) मुख्य द्वार के सन्निकट कारागार की प्रत्येक श्रेणी के लिए प्रशासन के दक्ष कार्य करनेds fy, dk;kZy; d{k] fjdkMZ d{k] Hk.Mkj d{k] lEesyu gky] lkewfgd d{k rFkk नियन्त्रण कक्ष होगा। प्रशासकीय ब्लाक के सन्निकट मुलाकात कक्ष तथा बाहर से हालमें अलग प्रवेश सहित अमानती सामान, घर तथा शौचघर सहित मुलाकाती हाल होगा; ¼x½ ¼?k½ — eq[; }kj ds fudV Lokxr okMZ gksxk] ftlesa izos'k&laxjks/k&vofLFkfr&oxhZdj.k izksxzke ds mfpr dk;ZkUo;u ds fy, vko';d lqfo/kk,a gksaxhA blesa fopkjk/khu cfUn;ksa rFkk fl)nksf"k;ksa ds fy, vyx cSjd] dqN O;fDrxr lSy] [kqys dk;Z 'kSM rFkk dk;kZy; gkasxsA eq[; }kj jaxkas ls mfpr :i ls jaxk gqvk gksxkA
dsUnzh; fu;U=.k d{kA	834. प्रत्येक कारागार में प्रतिदिन कारागार दिनचर्या करने तथा उचित एवं अनुशासित रीति मेंबन्दियों के संचालन को नियन्त्रित करने के लिए पर्याप्त अवसंरचना सहित एक केन्द्रीय नियन्त्रण कक्षका निर्माण किया जाएगा। सभी कारागार परिसरों की निगरानी करने के लिए प्रत्येक कारागार मेंdsUnzh; fuxjkuh Vkoj dk fuekZ.k fd;k tk,xkA
u, okMZ rFkk सैलों के निर्माणds fy, ekudA	835. नए वार्ड तथा सैल के निर्माण के लिए निम्नलिखित मानकों का पालन किया जाएगा, अर्थात्:- (क) यहां रहने के लिए दो किस्म के आवास अर्थात् वार्ड तथा सैल होंगे; (ख) वार्डों तथा सैलों की न्यूनतम आवास क्षमता तथा विशिष्टियां, महानिदेशक द्वाराfofuf'pr dh tk,axh((c)वार्डों तथा सैलों के फर्श, अपारगम्य सामग्री जैसे कि सीमेंट तथा कंक्रीट, से बनाएtk,axs((d)प्रत्येक सैल में इसके साथ लगता एक प्रांगण होगा, जहां बन्दी को पर्याप्त वायु तथाप्रकाश का लाभ होगा; (e)बैरकों की फिटिंग तथा फिक्सचर तथा ताला लगाने के यन्त्र की संरचनात्मक व्यवस्थाकिसी को भागने से रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्ष्ति की जाएगी। दरवाजों, खिड़कियोंतथा वायु-संचारो के फ्रेम लोहे/स्टील के होंगे। दरवाजों, खिड़कियों तथा वायु-संचारांे में प्रयुक्त लोहे की छड़े पच्चीस मिली मीटर चोकोर क्रास प्रशाखा के व्यास की हांेगीतथा दो छड़ों के बीच स्पष्ट दूरी 7.5 मिली मीटर होगी; (f) प्रत्येक वार्ड की अहाता दीवार कम से कम दस फुट ऊंची होगी। बैरक में चैड़ाई मेंचार फुट तथा ऊंचाई में सात फुट का केवल एक मुख्य दरवाजा होगा। बैरक केदरवाजे के लिए खुलने की स्पष्ट तीन फुट जगह होगी। बैरक के भीतर सभी अन्यद्वार, जंजीर प्रणाली सहित लोहे की जाली की सहायता से बनाए जाएंगे। खिड़कीतथा दरवाजों के फ्रेम लोहे के होंगे तथा कम से कम दस मिली मीटर मोटाई वालेलोहे के एंगल के बनाए जाएंगे; (six)प्रत्येक वार्ड मंे लाईटें, पंखे तथा एग्ज्हैस्ट पंखे पर्याप्त संख्या में लगाए जाएंगे। वार्डोंमंे दो प्रकाश सर्किट एक सामान्य प्रकाश तथा अन्य शयन समय के दौरान मन्द सुरक्षाप्रकाश के लिए मुहैया कराए जाएंगे। बैरकों के सभी शौचघर, बरामदे, प्रांगण तथाबाहरी क्षेत्र सम्पूर्ण रात्रि में पर्याप्त रोशनी से प्रदीप्त किए जाएंगे। उर्जा बचत उपकरणों,जहां कहीं सम्भव हो का प्रयोग किया जाएगा; (ज) बन्दियों के प्रयोग के लिए प्रत्येक वार्ड के प्रांगण में एक दर्पण (विशेष रूप से मजबूत)yxk;k tk,xkA

वार्डों का आवासn'kkZukA	836. प्रत्येक वार्ड में उपलब्ध आवास, अधीक्षक को यह देखने के लिए समर्थ बनाने हेतु कि किसीविशेष वार्ड में भीड़-भाड़ है या नहीं हवालात रजिस्टर में दर्शाया जाएगा।

शौचघरों rFkk Luku?kj सुविधाओं के नवfuekZ.k ds fy, ekudA	837. (1) फ्लष्िंग व्यवस्था के साथ दिन तथा रात दोनों के लिए शौचघर स्वच्छ किस्म के होंगे।शौचालय इस प्रकार से डिजाइन किए जाएंगे कि सभी मलमूत्र तथा धुलाई सामग्री, स्थलों को गन्दाकिए बिना आधानों में बह जाए। (2) प्रत्येक दस बन्दियों के लिए दिन के समय में एक शौचालय तथा शयन वार्डों में रात्रिके समय में दो शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। वे अपारगम्य होगे, जो आस-पास के भूतल सेऊंचे होंगे तथा इस प्रकार से निर्मित किए जाएंगे कि सूर्य की किरणें आसानी से शौचालयों में प्रवेशकर सकें तथा वर्षा जल इनके अन्दर प्रवेष न कर सके। (3) प्रत्येक बैरक में कम से कम एक शौचालय पाश्चात्य किस्म का होगा। कारागार परिसरोंके भीतर उपयुक्त स्थानों पर स्टाफ सदस्यों के लिए शौचालयों की पर्याप्त संख्या मुहैया कराईtk,xhA (4) प्रत्येक शीट स्टेनलैस स्टील की होगी तथा अपारगम्य सतह सहित पायदान मुहैयाकराए जाएंगे जो सही स्थिति में होंगे और बहुत दूर नहीं होंगे। (5) शौचालयों को अलग करने के लिए पृथक्करण, निजता की उचित सीमा मुहैया करानेके लिए काफी ऊंचे होंगे। (6) शौचालयों की भीतरी दीवारों, जहां तक सम्भव हो, फर्श स्तर से सात फुट ऊंचाई तकfpduh phuh feV~Vh VkbZysa yxkbZ tk,axhA
dkjkxkj Hkwfe ds ty] fudkl rFkk lQkbZ dh कमियों dh रिपोर्ट करना।	838. (1) कारागार के चारों ओर भूमि से वर्षा जल की निकासी पर विशेष ध्यान दिया जाएगातथा सभी नीचे क्षेत्रों को साफ मिट्टी से भरा जाएगा। कारागार दिवारों के पचास मीटर के भीतरकोई ऊंची फसल नहीं उगाई जाएगी। जो किसी बन्दी के भागने के लिए या भागने का प्रयास करनेके लिए सुविधाजनक आड़ प्रदान करती हो। (2) कारागार क्षेत्र के भीतर या इसके आस-पास स्वास्थ्य तथा स्वच्छता में किसी कमी कोध्यान में लाने की डयूटी चिकित्सा अधिकारी की होगी। कारागार के अड़ोस-पड़ोस में सार्वजनिकशौचालय, सीवर या जल निकासी (ड्रेन) का निर्माण या किसी अन्य अस्वास्थ्यकर स्थिति की विधमानता,जिससे बन्दियों का स्वास्थ्य प्रभावित होने की सम्भावना हो, वर्जित होगी। कारागार शौचालयों सेमलजल तथा रसोईयों के जल को वायुजीवी मलजल उपचार संयन्त्रो का निर्माण करके उपचारितकिया जाएगा तथा रिसाईकल्ड जल तथा मलजल कम्पोस्ट को खेती करने के लिए प्रयोग में लायाtk ldrk gSA (3) जल/मलजल की निकासी के लिए कारागार दीवारों में निकासी बिन्दुओं को विशेष:i ls lqjf{kr fd;k tk,xkA
रसोई के नएfuekZ.k ds fy, ekudA	839. साधारणतः रसोईयों का निर्माण निम्नलिखित मानकों पर आधारित होगा, अर्थात्:- (क) साधारणतः सामान्य रसोई कारागार के भीतर केन्द्रीय स्थान पर स्थित की जाएगी ताकिबन्दियों के मध्य भोजन का वितरण शीघ्रता से पूरा किया जा सके। रसोई का निर्माणवार्डों के निकट नहीं किया जाएगा; (ख) रसोई में न्यूनतम आवष्यक स्थल, जहां तक सम्भव हो, प्रति सौ बन्दियों के लिए सौवर्गमीटर होगा। वस्तुओं के भण्डारण की व्यवस्था, सब्जियों को साफ करने तथा काटने,भोजन पात्रों तथा भोजन बनाने के बरतनों आदि के लिए पर्याप्त स्थान की सुविधाहोगी; jlksbZ Hkyh&HkkfUr ok;q&lapkfjr rFkk izdkf'kr gksxh(¼x½ jlksbZ esa rUnwj gksxk] tks ,slh fdLe dk gksxk] ftlesa xehZ ckgj u fudys rFkk iz;qDr bZa/ku dh fdLe dk vuis{k /kqvka mfpr fpeuh ls fudkyrk gks(¼?k½ jlksbZ lHkh pkjksa vksj ls eD[kh jks/kh rkj tkyh ls lqjf{kr dh tk,xhA i;kZIr la[;k esa fudkl ia[ks yxk, tk,axs rFkk d`f=e ok;q&lapkj miyC/k fd;k tk ldrk gS] ;fn vko';d gksA ¼³½ jlksbZ esa eD[kh jks/kh Lor% cUn gksus okys njokts eqgS;k djk, tk,axs(

	¼p½ ¼N½ izR;sd jlksbZ esa 'kq) ikuh dh i;kZIr vkiwfrZ eqgS;k djkbZ tk,xh] ftls Hkkstu cukus rFkk crZu /kksus nksuksa ds fy, iz;ksx fd;k tk,xkA ty] jlksbZ ds Hkhrj VksafV;ka yxkdj ,df=r fd;k tk,xkA Hkkstu cukus rFkk ijkslus okys crZu LVsuySl ¼taxjks/kh½ LVhy ds cus gksaxsA ;g lqfuf'pr fd;k tk,xk fd Lopkfyr e'khu] ikbZi ,y-ih- xSl] Hkkstu cukus ds fy, mfpr crZu] Øksdjh] lsok irhys] lCth dkVus okys Nqjs] e'kkyk xzkbZUMj] gksV&dsl vko';drk vuqlkj jlksbZ esa eqgS;k djk, x, gaSA ok;q 'khryu iz.kkyh lfgr fpefu;ka vko';drk ds vuqlkj jlksbZ esa yxkbZ tk,axhA (ज) कारागारों में ढके हुए भोजन करने के स्थान का प्रावधान, ताकि बन्दी छत के नीचेतथा प्लेटफार्म पर अपना भोजन कर सकें; ¼>½ ¼´½ jlksbZ dh nhokjksa dks vklkuh ls lkQ djus ds fy, lkr QqV dh ÅapkbZ rd VkbZys yxkbZ tk,axhA blds Q'kZ vikjxE; lkexzh ds cuk, tk,axs(jlksbZ dkEiySDl lk/kkj.kr% mlesa fu;ksftr cfUn;ksa ds vkokl dh cSjd esa gksxkA
अस्पतालों के fuekZ.k ds fy, ekudA	840. साधारणतः अस्पतालों का निर्माण निम्नलिखित मानकों पर आधारित होगा, अर्थात्ः- (क) प्रत्येक कारागार में, कारागार के मुख्य द्वार के निकट भवन को पुरूष वार्ड, महिलावार्ड, संक्रामक तथा छूत की बीमारी वाले मरीजों तथा मानसिक रूप से बीमार मरीजोंके आवास के लिए एकाकीपन कक्ष, लघु सर्जरी, फार्मेसी, प्रयोगशाला के लिए कक्षतथा अस्पताल फर्नीचर/उपकरणों के लिए भण्डारकक्ष तथा चिकित्सा अधिकारियों केलिए कक्षों की पर्याप्त संख्या कारागार अस्पताल में ईयरमार्क की जाएगी। अस्पतालोंमें पोलीथीन शीट, मक्खी रोधी तार जाली तथा मक्खी रोधी स्वचालित/बन्द होने वालेदरवाजे मुहैया कराए जाएंगे। जहां ऐसे भवन में दो या तीन कक्ष या वार्ड उपलब्धनहीं है, वहां बीमार बन्दियों की चिकित्सा जांच तथा उपचार मुहैया कराया जाएगा। (ख) अस्पताल के फर्श तथा दीवारें अपारगम्य सामग्री की बनाई जाएंगी। प्रत्येक पांच मरीजोंके लिए एक की दर से शौचालय तथा स्नानघर, अस्पताल वार्ड के निकट मुहैया कराएजाएंगे, ताकि बीमार बन्दियों को उनके प्रयोग के लिए दूर न जाना पड़े। अस्पतालोंesa is; ty dh yxkrkj vkiwfrZ dh O;oLFkk dh tk,xhA
मनोरंजनात्मक सुविधओं dk fuekZ.kA	841. मनोरंजनात्मक सुविधाएं जैसे कि बाहरी खेलों के लिए मैदान, सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिएसभा भवन, भीतरी खेल, योगा आदि के लिए उचित व्यवस्था (कारागार की सुरक्षा तथा अनुशासन केअध्यधीन) निर्मित की जाएंगी।
औद्योगिक इकाईds u, fuekZ.k ds fy, ekudA	842. प्रत्येक कारागार में एक औद्योगिक इकाई होगी। सभी निर्माण इकाईयों में विद्यमान स्थानोंका उद्योग में सम्पूर्ण उर्जा आवश्यकताओं को कम करने के दृष्टिगत पुनरूद्धार किया जाएगा।औद्योगिक इकाई के भीतर संरचना, भार, नमी, रसायन या अग्नि लगने की उम्मीद की जा सकतीहै, इसलिए प्राथमिक उपचार किट, पुराने उपकरण के भौतिक नवीनीकरण तथा पर्याप्त अग्नि सुरक्षाप्रणाली के प्रावधान सहित ऐसे स्वास्थ्य तथा सुरक्षा खतरों के लिए प्रर्याप्त एहीतयाती उपाए किएtk,axsA
बन्दियों के लिएvLFkkbZ vkoklA	vLFkkbZ vkokl 843. जब कभी महानिदेशक को यह प्रतीत होता है कि किसी कारागार में बन्दियों की संख्या, उनमेंसुविधाजनक या सुरक्ष्ति रूप से रखने से अधिक है, तथा कुछ अन्य कारागारों में अतिरिक्त संख्याको अन्तरण करना सुविधाजनक नहीं है या जब कभी किसी कारागार के भीतर महामारी के प्रकोपसे या किसी अन्य कारण से किसी बन्दी को अस्थाई आश्रय तथा सुरक्ष्ति अभिरक्षा मुहैया करानावांछित है, तो ऐसे अधिकारी द्वारा ऐसी रीति में, जो

	राज्य सरकार निर्देश करे, इतने अधिक बन्दियों,जो कारागार में सुविधाजनक या सुरक्ष्ित रूप से नहीं रखे जा सकते हैं, को अस्थाई कारागारों मेंvkJ; rFkk lqjf{kr vfHkj{kk ds fy, O;oLFkk dh tk,xhA
प्रक्रिया ;fn dkjkxkj ds ckgj vkJ; eqgS;k djuk vko';d yes.	844. जब कभी भी किसी कारागार की दीवारों के बिना किन्हीं भी बन्दियों के अस्थाई आश्रय तथासुरक्ष्ित अभिरक्षा के लिए व्यवस्था करना आवश्यक हो जाता है, तो अधीक्षक, महानिदेशक कोपरिस्थितियों के संबंध में रिपोर्ट करेगा, जो, यदि आवश्यक हो, राज्य सरकार से विशेष निर्देश प्राप्तdjsxkA

सामान्य निर्देशोंdk ikyu djukA	845. किन्हीं विशेष निर्देश के अध्यधीन, जो पूर्ववर्ती नियम के उपबन्धों के अधीन किसी विशेषमामले में दिए जाएं, सामान्य निर्देशों, जिनका इसमें, इसके बाद पालन किया गया है, की पालना कीजाएगी, जब कभी किसी कारागार की दीवारों के बिना किसी बन्दी के अस्थाई आश्रय तथा सुरक्ष्ितअभिरक्षा के लिए मुहैया कराई जानी आवश्यक हो जाती है।
vuqjf{kr tkus rqEcwvksa O;oLFkkA dh okyh dh	846. महानिदेशक, अस्थाई भीड़-भाड़ या किसी अन्य आपात स्थिति से राहत देने के लिए प्रत्येककारागार में रिजर्व के रूप में तम्बुओं की अल्प संख्या बनाए रखेगा।
rEcqvksa mi;ksxh tkukA dks j[kk	847. तम्बुओं को उपयोगी स्थिति में रखा जाएगा तथा केवल कारागार प्रयोजनों के लिए प्रयोग मेंलाए जाएंगे। उन्हें प्रायः खड़ा तथा सुखाया जाएगा। प्रत्येक तम्बू को सम्बन्धित कारागार द्वारा (क)निर्माण की तिथि तथा (ख) प्राप्ति की तिथि से चिहिन्त किया जाएगा।
HkhM+HkkM+ ds fo:} lko/kkuh	848. जब बन्दियों की जनसंख्या, अधिकतम संख्या तक पहुंच जाती है, जिनके लिए वहां आवासहैं, तो महानिदेशक तथा पुलिस अधीक्षक को कुछ बन्दियों को अन्तरित करने या उनके लिए बाहरअस्थाई आश्रय की व्यवस्था करने, जैसी भी स्थिति हो, की दृष्टि से सूचित किया जाएगा।
आवासों ls अधिक बन्दियोंdh vfHkj{kk ds fy, O;oLFkkA	849. (1) किसी कारागार में आवासों से अधिक सभी बन्दियों को मुख्य अहता दीवारों के बाहर या भीतर बनाई झोंपड़ी या गाड़े गए तम्बुओं में अस्थाई आश्रय मुहैया कराया जाएगा। (2) कारागार के बाहर आवास करने वाले बन्दियों की सुरक्ष्ित अभिरक्षा पुलिस को सौंपी tk,xhA
लोक कार्य।	850. सरकार, कारागारों के नए निर्माण, मरम्मत तथा नवीकरण सहित लोक कार्यों को किसी एजेंसीको सौंप सकती है।
cUnh Jfed dk उपयोग।	851. प्रत्येक कारगार कार्य के निष्पादन में बन्दी श्रमिकों का पूर्ण रूप से प्रयोग किया जाएगा।
okf"kZd ejEer rFkk j[k&j[kko ds fy, vuqnkuA	852. सरकार, कारागारों की वार्षिक मरम्मत तथा अनुरक्षण के लिए नियमित अनुदान जारी करेगी।
प्रत्येक कारागारds fy, dfczLrkuA	853. प्रत्येक कारागार में किसी उचित स्थान पर तथा स्पष्ट रूप से चिहिन्त एक कब्रिस्तान होगा।इसे ऐसे बन्दियों के शवों के निपटान के लिए प्रयुक्त किया जाएगा, जिनके शव सुरक्षा कारणों सेरिश्तेदारों या

	दोस्तों को नहीं सौंपे जा सकते। कब्िरस्तान का एक भाग हिन्दुओं के शवों के दाहसंस्कारतथा दूसरा भाग मुसलमानों/ईसाईओं को दफनाने के लिए अलग रखा जाएगा।

कारागारों में नियोजन योग्यट्रेडों तथा O;olk; esa O;kolkf;d प्रशिक्षण।	v/;k; 38 श्रम तथा कारागार उद्योग 854. बन्दियों के बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ताकि उनके दिमाग में अनुषासय केमहत्व को प्रभावित किया जा सके और बेहतर व्यवहारिक मनोवृत्त्ि विकसित की जा सके, कारागारप्रशासन, महानिदेशक के अनुमोदन से कारागारों में व्यावसायिक तथा चयन टे*डों में नौकरी प्रशिक्षणतथा व्यवसाय उपलब्ध करवाने के लिए जिम्मेवार होगा। कारगार में व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा कार्यक्रमोंके लिए टे*ड का चयन, रिहाई के बाद समाज में समायोजन और अपनी आजीविका अर्जित करने केलिए बन्दियों की योग्यता में वृद्वि करने के लिए उस प्रष्िाक्षण की ट्रेड की नियोजन योग्यता, विपणनऔर उत्पाद की, सम्भाव्यता के अनुसार किया जाएगा। प्रत्येक कारागार में चयनित टे*डों में आधुनिकविद्युत चालित मशीनरी का उपयोग करते हुए पढ़ाया जाएगा। प्रत्येक टे*ड में उसके उत्पाद केन्द्र भीहोंगे ताकि बन्दियों को नौकरी प्रशिक्षण तथा कार्य अनुभव दिया जा सके।
fopkjk/khu बन्दियों को कार्यesa yxkukA	855. सिद्धदोषी के अलावा, विचाराधीन बन्दियों, यदि इसके लिए उपयुक्त पाए जाते हैं और जोस्वेच्छापूर्व कार्य के लिए तैयार हैं, को कौशल विकास कार्यक्रमों में भी नियोजित किया जा सकता हैतथा व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जा सकता है, और सिद्धदोषियों के लिए यथा विनिर्दिष्ट समरूपiSekus ij ikfjJfed fn;k tk,xkA
dkjkxkj dk;ZA	856. अधीक्षक निम्नलिखित कार्यो को ध्यान में रखते हुए सिद्धदोषी तथा कठोर कारावास से दण्डादिष्टसभी बन्दियों को कार्य मुहैया कराएगा, अर्थात्:- (क) किसी विशेष कार्य के लिए सिद्धदोषी की शारीरिक तथा मानसिक उपयुक्तता;(ख) सिद्धदोषी को किसी उद्योग टे*ड या पारिवारिक व्यवसाय में पूर्व अनुभव तथा प्रशिक्षण; ¼x½ ¼?k½ — fdlh fo'ks"k dk;Z rFkk n.Mkfn"V le;of/k ds fy, fl)nks"kh dh mi;qDrrk ;k vfHk:fp(dkjkxkj ls mldh fjgkbZ ij iquokZl ifjn`';A
dkjkxkj esa कौशल विकासdk;ZØe rFkk बन्दियों को रोजगार।	857. (1) कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करते समय निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखाtk,xk] vFkkZr~%& (क) मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य; (ख) सुरक्षा, अभिरक्षा तथा अनुशासन की अपेक्षा; (ग) आयु; (घ) दण्ड की अवधि; (d) बन्दी का कौशल तथा योग्यता तथा कौशल अर्जित करने के लिए सम्भावता। (2) मध्यम तथा लम्बी अवधि कारावास से दण्डादिष्ट बन्दियों को बहुविध कौशल में प्रशिक्षणfn;k tk,xkA (3) जहां तक सम्भव हो, बड़े उद्योगों को, केन्द्रीय कारागारों तथा बड़े जिला कारागारों मेंladsfUnzr fd;k tk,xkA
कारागार उद्योगोंesa dkjkxkj श्रमिकों का नियोजन।	858. साधारणतः कारागार श्रमिकों को निम्नलिखित की आपूर्ति करने के लिए नियोजित किया जाएगा,- (क) कारागारों तथा विभाग की अपेक्षाओं; (ख) किसी अन्य मामले में सरकार की अपेक्षाओं; तथा (c) अन्य मांग, जो महानिदेशक, समय-समय पर, अनुमोदन करे।
बन्दियों को vkcafVr nSfud	859. (1) बन्दियों द्वारा दोपहर बाद कार्य बन्द करने पर अपने कार्य शैडो या कार्य स्थलों को छोड़ने से पूर्व, उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) तथा सम्बन्धित स्टाफ सदस्य या कार्य लेने वाले, यदि कोई

dk;Z dh fuxjkuh djukA	हां, सम्बन्धित बन्दियों के किए गए कार्य का मूल्यांकन करेगा, उसी समय पर कार्य रजिस्टर में उसे सावधानी पूर्वक नोट करेगा। रजिस्टर कम्प्यूटरीकृत रीति में भी रखा जाएगा। (2) efgyk cUnh] efgyk vgkrs ls ckgj dk;Z ugha djsxhA
कारागारों के fy, vko';d कौशल की Js.khA	860. (1) कौशल विकास कार्यक्रमों में अनिवार्य संस्थागत अनुरक्षण सेवाएं जैसे कि पाक्य, सफाईrFkk LokLF; lsok,a] dkjkxkj vLirky] vU; dkjkxkj lsok,a] ejEer rFkk vuqj{k.k lsok,a Hkh 'kkfey gSaA (2) बन्दियों को कारागार भवनों के रख रखाव तथा निर्माण सेवाओं में भी नियोजित कियाजा सकता है, जिसके लिए वे लोक निर्माण विभाग के नियमों के अनुसार उचित पारिश्रमिक या मजदूरी

	प्राप्त करेंगे। ऐसे बन्दियों को कुशल श्रेणी की मजदूरी का भुगतान किया जाएगा तथा शेष पारिश्रमिकबन्दी कल्याण निधि में भुगतान किया जाएगा। (3) कारागार कौशल विकास कार्यक्रमों में ऐसी सेवाएं जैसे कि निर्माण कार्य, चिनाई, बढ़ईगिरी,नलसाजी, विद्युत फिटिंग, सिलाई, तैयार वस्त्रों की गढ़ाई, चमड़ा कार्य, चालक, कारागार सेवा, कृषि,बागवानी, डेयरी, कुक्कुट, पुष्पोत्पादन, डीजल इंजनों का अनुरक्षण, विद्युत पम्पों का अनुरक्षण, ट्रैक्टरमरम्मत, आटो मोबाइल सर्विस तथा मरम्मत, केन कार्य, टोकरी बनाने, कुम्हारी, पुस्तक जिल्द चढ़ाना,टाईप करने, कम्प्यूटर संचालन, हस्तकौशल, आशुलिपि, कपड़ा मुद्रण, कढाई, होजरी, बेकरी, नमकीनबनाना, कागज बनाना, मुद्रण, सिलाई, बुनाई, साबुन बनाना, मोमबत्ती बनाना, खिलौने बनाना, सिलाईमशीन मरम्मत, खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि शामिल होंगे।
कार्य घण्टों कीअवधि।	861. (1) किसी भी बन्दी को उसकी अपनी इच्छा पर श्रम या श्रम पर नियोजन के लिए दण्डादिष्ट, आपात स्थिति के सिवाए, अधीक्षक की लिखित में स्वीकृति से प्रतिदिन आठ घण्टे से अधिक के लिए Je ij ugha j[kk tk,xkA (2) चिकित्सा अधिकारी, समय-समय पर, श्रम करने वाले बन्दियों की जांच करेगा। (3) यदि चिकित्सा अधिकारी की राय है कि किसी बन्दी का स्वास्थ्य किसी प्रकार के श्रम पर नियोजन से पीड़ित है, तो ऐसे बन्दी को उस श्रम पर नियोजित नहीं किया जाएगा, किन्तु ऐसे किसी अन्य किस्म के श्रम पर रखा जाएगा, जो चिकित्सा अधिकारी उसके लिए उचित समझे।
कौशल अर्जित djus ds fy, fn;k tkus okyk le;A	862. प्रत्येक बन्दी, किसी प्रकार का कार्य करने के लिए पहली बार लगाए जाने पर जिससे वह परिचितनहीं है, को कार्य करने में योग्य बनाने हेतु आवश्यक कौशल अर्जित करने के लिए उचित समय अनुज्ञातकिया जाएगा। समय तीन से चार मास तक कुछ दिनों के लिए घटाया बढ़ाया जाएगा। प्रत्येक मामलेमें, यदि नया कार्य आबंटित किया गया है, तो अधीक्षक या उसके नियन्त्रण के अध्यधीन, उप अधीक्षक(उद्योग तथा कल्याण) बन्दी का कार्य शुरू करने तथा बाद में प्रगति को उसकी इतिवृत टिकट पर नोट करेगा।
fnol] ftl पर बन्दियों कोJe djus ls NwV nh tkrh gSA	863. (1) किसी भी बन्दी के लिए ऐसे श्रम से भिन्न, जो कारागार के आन्तरिक प्रबन्धन तथा घरेलूकिफायत को करने या किसी कारागार अवकाश तथा रविवार को आकस्मिक-संकट के किसी रोल कोपूरा करने के लिए आवश्यक हो, कोई श्रम करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी। (2) महानिदेशक उस निमित्त सामान्य या विशेष आदेश द्वारा साधारणतः पूर्ववर्ती खण्ड मेंविनिर्दिष्ट किसी विशेष दिन या दिनों भिन्न दिन के लिए श्रम करने से किसी बन्दी या सभी बन्दियोंको छूट दे सकता है।

o`Rrkar&fVdV esa Je ds lEcU/k में प्रविष्टि।	864. कठोर कारावास से दण्डादिष्ट प्रत्येक बन्दी के प्रवेश पर, चिकित्सा अधिकारी, श्रम, जिसके लिएऐसा बन्दी सम्बन्धित रजिस्टर में फिट है, की किस्म दर्ज करके कारागार अधिनियम, 1894 (1894 काकेन्द्रीय अधिनियम 9) के उपबन्धों की पालना करते समय बन्दी की वृत्तांत-टिकट मंे की जाने वालीसमरूप प्रविष्टि करवाएगा।
dk;Z 'kq: djus rFkk cUn djus ds fy, fu;r le;A	865. कारागार उद्योग में कार्यरत बन्दियों के मामले के सिवाए, बन्दी प्रातःकालीन परेड तथा गिरोह मेंवितरण पूरा होने के यथा शीघ्र अर्थात् साधारणतः वार्ड के खुलने के लगभग एक घण्टे के बाद कार्यशुरू करेंगे; तथा दोपहर बाद मौसम के अनुसार सूर्यास्त से पूर्व लगभग एक घण्टा पहले कार्य करनाcUn djsaxsA
विश्राम अवधि केदौरान बन्दियों को बन्द करना।	866. विश्राम अवधि के दौरान बन्दियों को उनके शयन वार्ड में या उनके कार्य शैडों में बन्द कियाtk,xk ;fn ckn okys mfpr rFkk lqjf{kr gSaA
बन्दियों को dkjkxkj उद्योगों/ कर्मषालाओं मेंनियोजित। djukA	867. सभी हृष्ट-पुष्ट बन्दियों जो कारागार सेवा में अन्यथा से नहीं लगे है, को कर्मशालाओं तथाप्रशिक्षण-एवं-उत्पादन केन्द्रों में कार्य आबंटित किया जाएगा। बन्दियों को प्रत्येक कर्मशाला में भर्तीतथा मांग पर निर्भर रहते हुए सभी कर्मशालाओं में आबंटित किया जाएगा।
बन्दियों को oxhZd`r djus ds fy, lfefrA	868. (1) विभिन्न उद्योगों तथा टे"डों में नियोजन के लिए पात्र प्रत्येक बन्दी का वर्गीकरण "वर्गीकरण rFkk lqj{kk fuxjkuh lfefr** }kjk fofufnZ"V fd;k tk,xkA (2) मजदूरी/प्रोत्साहन के भुगतान के प्रयोजन के लिए, बन्दियों को निम्नलिखित श्रेणीयों में oxhZd`r fd;k tk,xk] vFkkZr~%&

	(क) व्यावसायिकः-बन्दियों, जो किसी विशेष टे"ड में अत्यधिक योग्य और व्यावसायिक रूप से सक्षम हैं, को मार्गदर्शन, डिजाईन तथा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रवृन्त किया जाएगा; (ख) कुशलः-दिए गए कार्य को समय पर दक्ष रूप से पूरा करने तथा सम्पूर्ण करने में मानसिक और शारीरिक कौशल वाले कार्य पर बन्दियों को लगाया जाएगा; ¼x½ v/kZ&dq'ky%&dk;Z ij yxk, x, cUnh] tks vizf'kf{kr etnwj iwjk ugha dj ldrs] fdUrq ftls dqN izf'k{k.k rFkk vH;kl ls iwjk dj ldrs gS fdUrq lw{erk dk dksbZ lgh ekud visf{kr u gks((d)अकुशलः-ऐसे कार्य पर लगे बन्दी, जिसमें किसी विशेष प्रशिक्षण या कौशल visf{kr ugha gS(¼³½ izf'k{k.kkFkhZ%&rhu ekl dh U;wure vof/k ds fy,] ;k mu }kjk dkS'ky vftZr djus rd] izf'k{k.k esa yxs cUnh] ml vof/k ds fy, izksRlkgu jkf'k izkIr ugha djsaxsA
etnwjhA	869. (1) पेषेवरों, कुशल, अर्ध-कुशल तथा अकुशलों की मजदूरी, समय-समय पर, राज्य सरकारद्वारा नियत की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष में मजदूरी पुनरीक्ष्ाित की जाएगी तथा जबकभी आवश्यक हो पुनरीक्ष्ाित की जाएगी।

	(2) एक दैनिक कार्य शीट प्रत्येक बन्दी के ब्योरे नोट करने के लिए रखी जाएगी जैसे किकार्य का स्वरूप, जिस पर नियोजित है, दिए गए कार्य का मानक तथा इसी प्रकार इसे अनुदेशक द्वाराप्रतिदिन अनुरक्ष्िात रखा जाएगा तथा उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित कियाtk,xkA (3) यदि कोई बन्दी, दिए गए कार्य से अधिक मानक गुणवत्ता का कार्य करता है, तो वह,उस द्वारा किए गए अतिरिक्त कार्य के अनुपात में अतिरिक्त प्रोत्साहन राष्ि्ा के भुगतान के लिए हकदारwill be. (4) तैयार उत्पाद को भण्डार में भेजने से पूर्व उसकी गुणवत्ता का निरीक्षण करने की ड्यूटीअधीक्षक की होगी। (5) मजदूरी को बन्दी के बचत बैंक खाता (तिमाही) में जमा करवाया जाएगा तथा पास बुकlEcfU/kr cUnh ds ikl j[kh tk,xhA
बन्दी, जो dkjkxkj dk;Z djus ds fy, ik= ughaA	870. बन्दियों की निम्नलिखित श्रेणीयाँ, कारागार कार्य करने के लिए पात्र नहीं होगी, अर्थात्:- (क) सत्तर वर्ष की आयु से अधिक के बन्दी, यदि चिकित्सा अधिकारी द्वारा कार्य करने के fy, mi;qDr ugha ik, tkrs gSa((ख) चिकित्सा अधिकारी द्वारा या 'वर्गीकरण तथा सुरक्षा निगरानी' समिति द्वारा अनुपयुक्त पाए tkrs gSa((c) आतंकवादी, उग्रवादी, रूढ़िवादी, हठधर्मी, जिनका अन्य बन्दियों पर बुरा प्रभाव पडेगा; (d) बीमार तथा अशक्त बन्दी तथा अन्य बन्दी, जो कारागार दण्ड भुगत रहे हैं।
dk;Z esa yxs बन्दियों के लिएरक्षोपाय।	871. (1) कार्य शैडों तथा अन्य स्थानों, जहां बन्दी कार्य करते हैं पर निम्नलिखित सुविधाएं मुहैया djkbZ tk,axh] vFkkZr~%& (क) गर्मी, सर्दी, वर्षा, धूल, धुआं, भभक, गैस तथा रसायन से संरक्षण; (ख) निष्पन्द तथा आर्द्रता से संरक्षण; (c) lqjf{kr is; ty rFkk is'kkc?kj lqfo/kk,a((d) प्राथमिक-उपचार सुविधाएं; (e)vfXu 'kked ;k vU; mi;qDr vfXu'keu midj.k((f)पर्याप्त वायु-संचार तथा प्रकाश; (six)lqj{kk midj.k rFkk nq?kZVuk fuokj.k mik;A (2) व्यावसायिक बीमारियों के खतरे वाली उत्पादन इकाईयों में कार्यरत बन्दियों की मासिक fpfdRlk tkap dh tk,xhA

	(3) बदियों को मुआवजे का भुगतान, जो चिकित्सा अधिकारी द्वारा यथा प्रमाण्ित व्यावसायिक बीमारियों के कारण शारीरिक या मानसिक अयोग्यता, गम्भीर क्षति, मृत्यु या स्वास्थ्य की हानि के ifj.kkeLo:i nq?kZVuk ls feyh gSA (4) प्रत्येक इकाई के लिए दैनिक समय सारिणी तैयार की जाएगी।
खेती तथा कृषिमें बन्दियों को प्रशिक्ष्ित करना।	872. (1) भूमि का पर्याप्त क्षेत्र, खेती तथा कृषि में बन्दियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रत्येक नईकारागार के साथ लगता होगा। ऐसी कारागारों में, जहां कहीं खेती करने के लिए पर्याप्त भूमि है, तोअधीक्षक तथा उप-अधीक्षक (प्रशासन) रबी तथा खरीफ खेती करने के लिए दिनचर्या तैयार करेगा तथासुनिश्चित करेगा कि कृषि उत्पादन उस क्षेत्र के किसानों के बराबर है। (2) प्रत्येक कारागार में बागबानी बगीचा तैयार करने के लिए केन्द्रीय प्रागंण में पर्याप्त क्षेत्रwill be.

dk;Z esa fujUrj ifjorZu ls cpukA	873. चिकित्सा आधारों के सिवाए, कार्य में निरन्तर परिवर्तन करने से बचना चाहिए।
Je ds fy, lk/ku rFkk midj.k eqgS;k djukA	874. (1) उत्पादन इकाई में अपेक्ष्ित, उपकरणों, औजारों, सहायक सामग्री तथा अतिरिक्त पुरजों dh ekud lwph rS;kj dh tk,xh rFkk vuqjf{kr dh tk,xhA (2) जहां तक व्यवहार्य हो, प्रत्येक सहवासी की विभिन्न सेवाओं, नौकरी तथा उत्पादन इकाईयों में हस्त औजारों के प्रयोग में प्रशिक्षण तथा कार्य अनुभव दिया जाएगा। (3) प्रत्येक कारागार, में समय पर मशीनरी तथा उपकरणों की मरम्मत तथा खराब होने से रोकने के लिए पृथक तथा उचित रूप से अनुरक्षण कर्मशाला आयोजित की जाएगी।
कारागार उद्योगोंds fy, mRiknu ds y{;A	875. (1) आगामी वर्ष के लिए प्रत्येक इकाई हेतु उत्पादन के लक्ष्य, इकाई के नियोजन योग्यlgoklh tula[;k rFkk mRiknu dh lEHkkouk ds vuqlkj v/kh{kd }kjk fu;r fd;k tk,xkA ;s y{; कारागार मुख्यालय तथा इकाई के उत्पादन को सूचित किए जाएंगे और कारागार मुख्यालय द्वारा तिमाहीvk/kkj ij iqujhf{kr fd;s tk,axsA (2) उपरोक्त बताए गए अनुसार उत्पादन के लक्ष्यों को पूरा करवाने की अधीक्षक की जिम्मेवारीWill happen.
Je dh mi;qDr ष्ौली।	876. (1) कठोर कारावास भुगतने या साधारण कारावास भुगतने के लिए दण्डादिष्ट प्रत्येक बन्दी,जो स्वैच्छिक रूप से श्रम करना चुनता है, साधारणतः ऐसी किस्म के श्रम पर नियोजित किया जाएगा,जो संस्था और कारागार के लिए अधिक उपयुक्त है और जिसके लिए वह तत्समय उपयुक्त है। (2) लाभ या सुविधा के किसी भी प्रतिफल को उस श्रम की श्रेणी या रूप, जो कठोर कारावासभुगतने के लिए दण्डादिष्ट किसी बन्दी से किसी समय पर करना अपेक्ष्ित है, को प्रभावित करने कीअनुमति नहीं दी जाएगी। इसे मात्र सिद्धद्वोषी के स्वास्थ्य तथा बन्दियों के नियोजन के सम्बन्ध मेंकारागार के विनियमों के संदर्भ में नियत किया जाएगा।
उत्पादों को ifjofrZr rFkk ekudhd`r djukA	877. (1) कारागार उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार के प्रचलन तथा मांग के आधार परifjofrZr@rcnhy fd, tk,axsA (2) कारागार उद्योगों के विभिन्न उत्पादों को मानकीकृत किया जाएगा। कार्मिकों के मार्गदर्शनके लिए मानकीकरण तथा विभिन्न उत्पादन इकाईयों की निर्माण प्रक्रिया के ब्यौरों से युक्त एक पुस्तिकाrS;kj dh tk,xhA (3) विभिन्न उत्पादन इकाईयों के लिए बाजार से मॉग सुनिश्चित करने के लिए कारागारउद्योगों के मानकीकृत उत्पादों की सूची तैयार की जाएगी। (4) तकनीकी पर्यवेक्षण को सुधारा जाएगा तथा उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता नियन्त्रणप्रणाली प्रारम्भ की जाएगी, ताकि बाजर में प्रतिस्पर्धा बनी रहे। कारागार उद्योगों द्वारा किए गए उत्पादनका प्रयोजन लाभ का प्रतिशत नहीं होगा। (5) कारागार उद्योगों के उत्पादों की ब्िरक्री को बढ़ावा देने के लिए कारागार के प्रवेष द्वार केबाहर तथा अन्य स्थानों पर, विक्रय केन्द्र स्थापित किए जा सकते हैं। एक विवरण्िाका भी रखी जाएगीजिसमें, बेचे जाने वाले उत्पादों के बारे में जनता को उनके मूल्यों सहित सूचना मुहैया करवाई जाएंगी। (6) बन्दी, जो दण्डादेश की समाप्ति के बाद रिहा किए गए हैं तथा उपयुक्त पाए जाते हैं, कोजहां तक सम्भव हो, शोरूमों में या कारागार उत्पादनों के ब्िरक्री केन्द्रों में, नियोजित किया जा सकताgSA

dkjkxkj ds j[kj[kko ds लिए बन्दियों कानियोजन।	878. कारागार रखरखाव की सेवा, जैसे कि निगरान, प्रशासकीय सहायक, नाई, जल-वाहक, स्वीपरतथा इसी प्रकार की समान सेवा में नियोजित बन्दियों की संख्या महानिदेशक की विशेष स्वीकृति केfcuk]& (क) केन्द्रीय कारागार में या जिला कारागार में, कैद किए गए कैदियों का बीस प्रतिशत; तथा (ख) किसी अन्य कारागार के मामले में, प्राधिकृत क्षमता के पहन्द्र प्रतिशत या ऐसे कारागार मेंपरिरोध समय के लिए बन्दियों की कुल संख्या, जो भी, अधिक हो, से अधिक नही होगी।
बन्दियों का कतिपय कार्यों पर नियोजित नfd;k tkukA	879. किसी भी बन्दी को, जब तक की वह कार्य करने का इच्छुक न हो, खतरे से जुड़े किसी भीप्रकार के श्रम पर नियोजित नहीं किया जाएगा।
fdlh Hkh cUnh को निजी कार्यहेतु नियोजित नdjukA	880. किसी भी बन्दी को, किसी भी समय पर, किसी भी स्टाफ के सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति द्वाराकिसी भी निजी कार्य या किसी भी प्रकार की सेवा जो भी हो, पर नियोजित नहीं किया जाएगा।
बन्दियों के छोटेसमूहों में नियोजन का प्रतिषेध।	881. कारागार की दीवारों के बाहर स्थित छोटे-मोटे कार्यों पर छोटे समूहों या टोलियों में बन्दियोंका नियोजन प्रतिषिद्व हैः परन्तु यह प्रतिषेध ऐसे निर्देशों के अध्यधीन, जो महानिदेशक, उस निमित्त समय-समय पर दे,कारागार के फार्म में कारागार के कार्यों पर या कारागार के अधिकारियों द्वारा अधिभोग किए गए परिसरोंके प्रबन्धन से सम्बन्धित डयूटियों पर नियोजित बन्दियों को लागू नहीं समझा जाएगा।
cfgoZrhZ नियोजन हेतुv/kh{kd dh Lohd`frA	882. किसी भी बन्दी को, किसी समय पर, कारागार की दीवारों के बाहर नियोजित नहीं किया जाएगातथा श्रम पर नहीं लगाया जाएगा अथवा इस प्रकार नियोजित किए जाने के प्रयोजन के लिए कारागारls ckgj tkus dh vuqefr ugha nh tk,xh tc rd dh v/kh{kd]& (क) उसे इस प्रकार नियोजन के लिए स्वीकृति नहीं देता; (ख) बन्दी के इतिवृत्त-टिकट पर तथ्य कि ऐसी स्वीकृति दे दी गई है, अभिलिखित नहीं करता gS ;k djokrk gSA
dkjkxkj dh दीवारों के बाहरबन्दियों के नियोजन पर प्रतिबन्ध।	883. किसी भी बन्दी को, किसी भी समय पर, कारागार की दीवारों के बिना किसी श्रम पर नियोजितugha fd;k tk,xk]& (क) यदि कारावास से दण्डादिष्ट है, तो वास्तविक दण्डादेश का कम से कम एक-चैथाई तथा vkthou dkjkokl ls n.Mkfn"V dh n'kk esa] ikap o"kZ] u Hkqxr yas((ख) यदि जुर्माने के बदले कारावास (यदि कोई हो) सहित वास्तविक कारावास की असमाप्तअवधि, जिसके लिए उसे दण्डादिष्ट किया गया है, दो वर्ष से अधिक है,तो महानिदेषकdh Lohd`fr ds fcuk((c) यदि उसके विरूद्व कोई अन्य आरोप लम्बित है या हैं; (d) यदि उसने किसी पैरोल/फरलो का लाभ नहीं उठाया है; (e) यदि पिछले दो वर्षों में उसे कोई बड़ा दण्ड दिया गया था। टिप्पण1:- खण्ड (क), (ख) तथा (घ) किसी कारागार को लागू हुए नहीं समझे जाएंगे, जहां कारागार की औद्योगिक इकाई, कारागार की दीवारों के बाहर स्थित है। टिप्पण 2:- केवल ऐसे बन्दी, जो अच्छे चरित्र के हैं तथा जो विदेशी राज्य क्षेत्र के निवासी नहीं है, कोकारागार से बाहर नियोजित किया जाएगा। यदि, जितने बन्दियों की वास्तविक रूप सेआवष्यकता है, से अधिक पात्र बन्दी हैं, तो साधारणताः वे, जिनका असमाप्त दण्डादेषसबसे कम हो, को चुनना चाहिए।

	टिप्पण 3:- नियम 881 तथा 882 में स्वीकृति, एक समय में अधिकतम छह मास की अवधि के लिए Will happen.
fjgk;k'kh vkokl ds fy, >kMw कष टोली।	884. झाड़ू कष टोली की लघु टुकड़ियां प्रतिदिन कारागार परिसरों के रिहायाषी आवास को साफdjsaxhA

लिपिकों के रूपमें बन्दियों कानियोजन।	885. कारागारो के कार्यालयों में बन्दियों का लिपिकों के रूप में नियोजन वर्जित है। किन्तु, अधीक्षक,जब वहां इसके लिए विशेष आवश्यकता हो, तो लिपिकीय कार्य में किसी शिक्ष्ित बन्दी के नियोजन कीस्वीकृति दे सकता है, जिसका वारंट, माफी या धन संव्यवहारो से कोई सम्बन्ध न हो।
बन्दियों का बन्दीअधिकारी के रूपमें नियोजन।	886. (1) बन्दी, जिसे बन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, भारतीय दण्ड संहिता, 1860(1860 का केन्द्रीय अधिनियम 45) के अर्थ के भीतर लोक सेवक के रूप में समझा जाएगा। (2) बन्दी अधिकारियों के पद पर सभी नियुक्तियां अधीक्षक द्वारा की जाएंगी: परन्तु कोई भी बन्दी, जिसके पास आवश्यक योग्यताएं न हों, को किसी भी समय परमहानिदेशक की पूर्व स्वीकृति के बिना इस प्रकार नियुक्त नहीं किया जाएगा। (3) कोई बन्दी, जो शारीरिक रूप से तथा मानसिक रूप से बन्दी अधिकारी की डयूटियां करनेके लिए तन्दुरूस्त है, बन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र होगा, बशर्ते कि वहउपरोक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित योग्यताएं रखता हो, अर्थात्:- (क) वह अभ्याष्ित बन्दी नहीं है; (ख) उसका कारावास का वास्तविक दण्डादेश बारह मास से कम नहीं है; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ;fn vkof/kd dkjkokl dk n.Mkns'k gS] rks vius okLrfod n.Mkns'k dk ,d&pkSFkkbZ rFkk ;fn vkthou dkjkokl ls n.Mkfn"V gS rks] ikap o"kZ] mlus iwjk dj fy;k gS(og lH; rFkk esgurh cUnh gS(rFkk mls fiNys nks o"kksZa esa] fdlh cM+s n.M ds fy, nf.Mr ugha fd;k x;k gSA
cUnh अधिकारियों केlkekU; dRrZO; A	887. बन्दी अधिकारी के सामान्य कर्त्तव्य निम्नलिखित होंगे;- (क) रात्रि में, वार्डों के भीतर गश्त करना तथा अनुशासन तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहायता djuk((ख) आवश्यक प्रयोजन के लिए, अनुमति के सिवाए, अपनी शायिकाओं को छोड़ने से बन्दियों को रोकना; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ ckjackj vius izHkkj esa cfUn;ksa dks fxuuk] Lo;a dh lUrqf"V djuk fd lHkh mifLFkr gSa] rFkk tc Hkh ckgjh x'r }kjk pqukSrh nh tk,] mRrj nsuk(tgka rd mldh 'kfDr esa fufgr gS] mlds izHkkj esa fdlh Hkh cUnh }kjk dkjkxkj fu;eksa ds fdlh Hkh mYya?ku dks jksduk vkSj mldh fjiksVZ djuk(chekjh ds ekeyksa rFkk ml fufeRr fofufnZ"V le; ls vU;Fkk 'kkSpky; ds mi;ksx dh fjiksVZ djuk(fdlh minzo dks 'kkUr djus esa lgk;rk djuk rFkk vko';drk ds ekeys esa] fdlh Hkh LVkQ ds lnL; dh j{kk djuk(

	,sls dk;Z djuk] tks fnu ds nkSjku mldks vkcafVr fd, tk,a rFkk mldh Vksyh ds izHkkjh j{kk dkfeZd dks lHkh izdkj dh mfpr lgk;rk nsuk(

(ज) जब भी आवष्यकता हो, कारागार की दीवारो के भीतर सन्देशवाहक के रूप में कार्य करना तथा कारागार के एक भाग से दूसरे भाग तक बन्दियों के पहरेदार के रूप में कार्य करना;

¼>½ ¼'½ ¼V½	dkjkxkj dh nhokjksa dh fuxjkuh djuk rFkk cfUn;ksa dks muds fudV fNius ls jksduk(tc Hkh vko';drk gks] okMZjksa ds fy, fofgr jhfr esa] iwjh jkr okMksZa ds ckgj x'r djuk(;g ns[kuk fd cUnh vius vki dks lkQ&lqFkjk j[krs gS] Luku djrs gS rFkk vius oL=ksa dh mfpr :i ls rg yxkrs gS rFkk vius [kkus ds cjruks dks lkQ j[krs gSA

ckgjh अभिकरणों के fy, dk;Z dk निष्पादन (लोक-प्राईवेट भागीदारी)।	888. प्राईवेट पार्टी/औद्योगिक इकाईयों को कारागारों के भीतर उनके निर्माण कार्य को कारागार सेश्रमिकों द्वारा कारखाने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, ऐसे निर्माण के लिए मशीनरी, सामग्री तथातकनीकी जानकारी सम्बन्धित पार्टी द्वारा मुहैया करार्इ जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसीप्राईवेट पार्टियों तथा औद्योगिक इकाईयों द्वारा उचित मजदूरी तथा अन्य खर्चों का भुगतान किया गयाgSA

lkexzh dh dherA	889. कारागार उद्योगों में प्रयुक्त किया जाने वाला कच्चा माल जिम्मेवार अधिकारी के प्रभार के अधीनहोगा, जो प्रत्येक सुबह जारी करेगा कि दिन के कार्य के लिए किस चीज की आवष्यकता है तथासांयकाल में, स्टोर में सामग्री जिसका उपयोग नहीं किया गया है, को प्राप्त करेगा। वह, जहां तकसम्भव हो स्वयं की सन्तुष्टि करेगा कि सामग्री की कोई बर्बादी नहीं की गई है, किन्तु यह, उप अधीक्षक(उद्योग तथा कल्याण) या उप अधीक्षक (प्रशासन), जैसी भी स्थिति हो, को उत्पादन भण्डारों की सुरक्षितvfHkj{kk rFkk mfpr fuiVku djus dh ftEesokjh ls HkkjeqDr ugha djsxkA
नए उद्योगों काp;u rFkk 'kq: djukA	890. नया उद्योग, जब कभी भी आवश्यक हो, किसी भी कारागार में महानिदेशक की पूर्व स्वीकृति से,'kq: fd;k tk,xkA
राज्य के उद्योगविभाग द्वारा rduhdh lykgA	891. उद्योगों को उचित तर्ज पर चलाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञ सलाह उद्योग विभाग के अधिकारियोंद्वारा प्रदान की जाएगी। वे उद्योगों के विविधीकरण का भी सुझाव देंगे तथा कारागार के सामान केविपणन में भी सहायता करेंगे। वे समय-समय पर सम्बन्धित अधीक्षक के साथ उद्योगों के कामकाज कीसमीक्षा करेंगे तथा संषोधनों का सुझाव देंगे।
सरकारी विभागोंrFkk vU; अभिकरणों द्वाराldkjkxkj ds उत्पादों को ojh;rk nsukA	892. सभी सरकारी विभाग, अर्ध-सरकारी विभाग, सहकारी तथा निजी क्षेत्र के उपक्रम, अपने कार्यालयोंमें उपयोग के लिए कारागार द्वारा बनाई गई वस्तुओं की आपूर्ति के लिए अग्रिम में जहां कहीं सम्भवहो, मांगपत्र भेज सकते हैं। कारागार विभाग, मांग करने पर और कीमत का भुगतान करने पर, माल कीआपूर्ति करेगा। सरकारी विभाग, स्वयं के लिए निर्मित माल की खरीद करते समय कारागारों में निर्मितउत्पादों को प्रथम अधिमान देंगे।
dkjkxkj mRikn ds fuiVku ds fy, lafonkA	893. महानिदेशक के अनुमोदन से, कारागार उत्पाद या निर्माण का निपटान करने के लिए व्यापारिकफर्में या वैयक्तिकों के साथ संविदाएं की जा सकती हैं।

बन्दियों के नियोजन कीvk; dk fuiVkuA	894. स्टाफ का कोई भी सदस्य किसी भी समय, अपने कब्जे में निम्नलिखित नहीं रखेगा या उचितप्राधिकार से अन्यथा,- (क) किसी कारागार में कार्यान्वित किसी उद्योग में उपयोग के लिए आपूर्ति की गई या किसी cUnh }kjk fufeZr fdlh oLrq dk fuiVku ugha djsxk((ख) किसी ऐसी वस्तु के विक्रय के कारण से वसूल या प्राप्त या किसी बन्दी की कमाई कीकोई धनराशि। वस्तुओं के विक्रय से वसूल या बन्दियों की कमाई के कारण से प्राप्तकिसी धन राशि में से कोई भी खर्च पूरा नहीं किया जाएगा या उसमें से कोई भुगताननहीं किया जाएगा। इस प्रकार वसूल या प्राप्त की गई सभी धन राशियां यथाशीध्र सरकारीखजाने में, जमा की जानी हैं, चुंकि, प्रयोजन के लिए सरकारी खजाने द्वारा उचितप्राधिकार के अधीन दी गई राशि से खर्च पूरा किया जा रहा है। इन नियमों में यथाउपबन्धित के सिवाए कारागार की सभी कमाईयो को पूर्ण रूप से, सरकारी खजाने तथालेखों में रखा जाना है, ताकि प्राप्ति तथा संवितरण की प्रत्येक मद उन लेखों में दिखाईदे और उचित संवीक्षा तथा नियन्त्रण के अध्यधीन हो। बन्दियों द्वारा किए गए कार्य केलिए पारिश्रमिक या प्रोत्साहन, तिमाही रूप से निकाले जाएगे तथा उनके बचत बैंक खातेesa tek fd;k tk,xsA
dkj[kkuk QSDVªh के लेखें को j[kukA	895. कारागार निर्माण से सम्बन्धित सभी लेखे, उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) के पर्यवेक्षण केअधीन, किसी जिम्मेवार कर्मचारी द्वारा रखे जाएगे।
अन्य विभागों केसाथ लेखों कासमायोजन।	896. लेखों को ध्यान में रखे बिना, किसी सरकारी विभाग से प्राप्त आपूर्ति की दी गई सभी वस्तुओंके लिए भुगतान बुक-अन्तरण द्वारा समायोजित किए जाएंगे।
/kujkf'k dk [ktkus esa Hkqxrku fd;k tkukA	897. सभी धनराशियों का भुगतान उचित शीर्ष के अधीन खजाने में किया जाना चाहिए।
कारखाना लेखोंdh okf"kZd ys[kk ijh{kkA	898. सभी जिला तथा केन्द्रीय कारागारों के कारखाना लेखों की लेखा परीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष केलिए सरकारी लेखा परीक्षकों द्वारा नियमानुसार की जाएगी।

dkjkxkj cxhps gsrq ifjljA	v/;k; 39 dkjkxkj cxhpk 899. कारागार बगीचे में कारागार की परिधि सुरक्षा दीवारों के भीतर कृषि भूमि के साथ-साथसुरक्षा दीवारों के बाहर कारागार भूमि शामिल होगी किन्तु कारागार परिसरों के भीतर, उपयोग केलिए उपलब्ध होगी।
ckã Je dh fof'k"V;kaA	900. बाह्य श्रम पर बन्दी केवल कार्यालय प्रयोजन के लिए तथा निम्नलिखित प्रकार के श्रम परनियोजित किए जाएगे, अर्थात्:- (क) कारागार के बगीचे में कार्य; (ख) कारागार की दीवारों के बाहर, कारागार परिसरों की लघु मरम्मत; (c) रिहायषी काम्पलैक्स सहित कारागार परिसरों का सौन्दर्यीकरण; (d) v/kh{kd }kjk ;Fkk fofgr vU; fofo/k dk;ZA

बगीचे की खेती।	901. (1) उप अधीक्षक (प्रशासन) सुनिश्चित करेगा कि कारागार बगीचे में, सभी मौसम में,कारागार के उपयोग के लिए अच्छे स्वास्थ्यकर फूल, सब्जियाँ, मसाले तथा रक्तषोधक (जहां तकउन्हें उगाना सम्भव हो) की पर्याप्त मात्रा हो और यह कि खेती के लिए उपलब्ध कारागार कीदीवारों से बाहर सम्पूर्ण कारागार भूमि की सर्वोतम लाभ के लिए खेती की जाती है। अपेक्ष्ति सभीसब्जियों तथा मसालों की आपूर्ति के लिए पर्याप्त आकार का एक बगीचा बनाया जाएगा तथा बन्दियोंके भोजन तथा कारागार के पशुओं के चारे हेतु उपयुक्त फसलंे उगाने के लिए प्रयुक्त कियाtk,xkA (2) जहाँ कहीं भी सम्भव हो, मुर्गीपालन, सुअर पालन तथा मछली पालन के बगीचे स्थापितfd, tk,axsA (3) किसी भी अधीनस्थ स्टाफ को बगीचे में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तककी उसे वहां डयूटी न करनी हो। (4) कारागारों की हरियाली तथा बागवानी गतिविधियों, जैसे कि कारागार मेंसुधार/पुनर्वास के मूलभूत लक्ष्य से कारागार के लिए उत्पादन के प्रयोजन के अतिरिक्त नौकरीप्रशिक्षण के तौर पर बगीचे की पैदावार या अनुरक्षण को बढावा दिया जाएगा। प्रकृति के साथपारस्परिक क्रिया के लिए अवसर कि हरित पुनर्वास कार्यक्रम प्रस्ताव तनाव को कम करके, बन्दियोंके स्वास्थ्य तथा तंदुरूस्ती को सुधारेगा।
वृक्षारोपण तथाydM+h dk fuiVkuA	902. (1) लाभदायक वृक्ष सड़कों के किनारे, कारागार भूमि की सीमाओं तथा अन्य उपलब्धस्थानों के साथ-साथ, जहां फसलों तथा कारागार की सुरक्षा में कम से कम हस्तक्षेप की सम्भावनाहो, व्यापक रूप से लगाए जाएंगे। ये वृक्ष छाया देंगे यदि कारागार के अहाते के भीतर लगाए जातेहैं किन्तु उन्हें अहाते की दीवारों के निकट इतनी सघनता से लगाने या भवनों के इतने निकटलगाने की अनुमति नहीं देना चाहिए ताकि वे मुक्त वायु संचार में हस्तक्षेप न करें। (2) कारागार की भूमि पर कोई भी वृक्ष महानिदेशक की स्वीकृति के बिना काटा नहींजाएगा या अन्यथा हटाया नहीं जाएगा। प्राप्त लकड़ी, यदि वृक्ष,- (क) कारागार के बगीचे में उगाया गया था, कारागार के प्रयोजनों के लिए प्रयोगdh tk,xh ;k csph tk,xh rFkk vkenuh dkjkxkj esa tek dh tk,xh(;k (ख) कारागार की भूमि के किसी अन्य भाग में उगाया गया था, बेची जाएगी विक्रयvkenuh ljdkj ds [kkrs esa tek dh tk,xhA (3) अधीक्षक वृक्षों का एक रजिस्टर बनाएगा जिसमें, कारागार भूमि पर उगे हुए एक मीटरके घेरे तथा 165 सेंटीमीटर की ऊंचाई तक मापे गए सभी वृक्षों को, उनके सटीक स्थान तथा क्रमसंख्या, किस्म, आयु इत्यादि सहित दर्ज किया जाएगा। क्रम संख्या वृक्षों की छाल पर चित्रित कीजाएगी। फलो के वृक्ष जैसे कि नींबू, पपीता इत्यादि को सख्यांकित नहीं किया जाएगा, किन्तु प्रत्येककिस्म के पौधों की कुल संख्या रजिस्टर में नोट की जाएगी।

	(4) अधीक्षक, प्रत्येक वर्ष सितम्बर के महीने में रजिस्टर को सत्यापित करेगा। वह वर्ष केदौरान काटे गए वृक्षों तथा नए लगाए गए वृक्षों की संख्या के सम्पूर्ण ब्योरों सहित ऐसे सत्यापनके परिणाम की रिपोर्ट महानिदेशक को करेगा। (5) राज्य, टपका सिंचाई, ट्ै"क्टरों, बगीचों के उपकरणों, विद्युत मोटरों तथा पम्प, नईफसलों तथा बीज उत्पादन, नई सिंचाई पद्धतियों तथा जैविक-खेती में भी जैसे कि कृमि-खादतथा बायोगैस प्लांट, में निवेश करेगा। उत्पादन बढ़ाने के लिए मृदा विश्लेषण भी किया जाएगा। (6) राज्य, बागवानी, सामाजिक वनखण्ड, नर्सरी तथा हैंगिंग फार्म को प्रोत्साहित करेगा।फलों के बाग जैसे कि आम, खटटे् फलों को उगाने के लिए योजना तैयार की जाएगी। औषधीयपौधे, नीम के वृक्ष इत्यादि भी उगाए जा सकते हैं। (7) घास उगाई जाएगी तथा लगाए गए पौधों की सुव्यवस्थित ढंग से छंटाई की जाएगी। (8) कारागार के बगीचे में उत्पादित फूल, कारागार के सौन्दर्यीकरण तथा उसे सजाने केलिए प्रयोग किए जाएंगे।
dkjkxkj ds cxhps को साफ-सुथरा rFkk	903. कारागार के बगीचे को साफ-सुथरा, सुव्यवस्थित तथा खरपतवार तथा झाड़-झंखाड़ से मुक्तरखा जाएगा। बंजर भूमि को हरित खण्ड में बदलने का प्रयास किया जाएगा।

lqO;ofLFkr j[kukA	
Ckxhps dh Qly dh dVkbZ rFkk संग्रहण और उपयोग।	904. (1) अधीक्षक तथा उप अधीक्षक (प्रशासन) जिम्मेवार है कि कारागार की भूमि पर उगाईगई फसलों की उचित समय पर कटाई की जाती है और कटाई तथा संग्रहण के बीच कोईअनावश्यक विलम्ब न हो। कीड़े-मकौड़ों से परिस्रवण या हानि के विरूद्ध उचित सावधानी बरतीगई है, कि सह-उत्पादों का केवल सरकारी प्रयोजनों के लिए उचित रूप से निपटान किया गयाहै तथा कि सभी ऐसी वस्तुओं का कारागार लेखों में विधिवत हिसाब रखा गया है। कारागार भूमिकी उपज को, जहां तक सम्भव हो, या तो बन्दियों के भोजन के रूप में या कारागार पशुओं केचारे हेतु प्रयुक्त की जाए। कारागार के अनुरक्षण विभाग के लिए क्रय अनुपूरक आपूर्ति के लिएप्रयुक्त कारागार भूमि की सब्जियों तथा अन्य उत्पादों का मूल्य दर्शाने वाली एक वार्षिक विवरणीमहानिदेशक को प्रस्तुत की जाएगी। (2) कारागार के बगीचे से प्रतिदिन एकत्रित सब्जियों को तोला जाएगा तथा वजन कोसम्बन्धित रजिस्टर में भी अभिलिखित किया जाएगा। बन्दियों को तथा स्टाफ के सदस्यों को जारीकी गई मात्रा, यदि कोई हो, को भी उप अधीक्षक (प्रशासन) द्वारा अनुरक्ष्ित किए गए रजिस्टर मेंntZ fd;k tk,xk% परन्तु कोई भी सब्जी, स्टाफ के सदस्यों को तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कीबन्दियों की आवश्यकताओं की पूर्ण रूप से सन्तुष्टि करने के बाद अधिषेष उपलब्ध नहीं है। स्टाफके सदस्य ऐसी मात्रा में जो अधीक्षक द्वारा नियत की जाए, कारागार के बगीचे से सब्जियां प्राप्तdjus ds fy, vuqer gSA (3) कारागार की आवश्यकताओं से अधिक, किसी भी बगीचो के उत्पाद, फल तथा घासइत्यादि को महानिदेशक की स्वीकृति से, जनता को बेची जा सकती है। इस प्रकार वसूल की गई/ku jkf'k mfpr 'kh"kZ ds v/khu tek dh tk,xhA
cxhps esa नियोजित किए जाने वाले बन्दियोंdh la[;kA	905. अनाज, सब्जियाँ, फूल, मसाले तथा रक्तषोधक इत्यादि के उत्पादन के लिए बगीचे मेंनियोजित बन्दियों की संख्या, कारागार बगीचे की आवश्यकता के अनुसार या महानिदेशक द्वारायथा विनिर्दिष्ट के अनुसार होगी।
बन्दियों के कौशलको सुधारने के लिए प्रशिक्षण।	906. (1) कारागार के भीतर पर्यवेक्षकों के अलावा, कृषि तथा कृषि आधारित उद्योगों कीआधुनिक पद्धति में, बन्दियों के कौशल को सुधारने के लिए, कृषि विश्वविघालयों, निकटतम संस्थानोंतथा स्थानीय किसानों से भी सहायता तथा प्रष्िाक्षण माँगा जाएगा। (2) fdlh laLFkk ds ikl miyC/k Hkwfe] e`nk fo'ys"k.k] miyC/krk] mitkÅiu] yo.krk तथा जलनिकास की अपेक्षा के अनुसार विस्तृत रुप से सर्वेक्षण किया जाएगा, ताकि इसका अधिकसे अधिक उपयोग किया जा सके। इस सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारियों, राज्य कृषि विभाग केअधिकारियों तथा अन्य सम्बद्ध एजेंसियों की सहायता ली जाएगी।

i'kq jftLVjA	907. उप अधीक्षक (प्रशासन), आयु, पशु संख्या, नस्ल पहचान का चिह्न मुख्यतः रंग, सींगों काvkdkj bR;kfn okyk ,d jftLVj cuk,xkA i'kq] i'kq la[;k rFkk tsy ds uke okyh ,d yVdu igusxkA
i'kq ds fy, jk'ku@pkjkA	908. पशु के लिए राशन/चारा, समय-समय पर महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट अनुसार होगा। टिप्पण 1.- अनाज, भूसी, खली, चारे इत्यादि की प्राप्तियों तथा खपत के प्रतिदिन के लेखे, चाहेजेल में उत्पादित किए गए हांे या बाहर से खरीदे गए हांे, सम्बन्धित रजिस्टर में रखेtk,axsA टिप्पण 2.- कारागार में पशुओं के लिए अपेक्ष्ित सारा चारा उगाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।lk/kkj.kr% Hkwlk] egkfuns'kd dh Lohd`fr ds fcuk] ckgj ls ugha [kjhnk tk,xkA ऐसी खरीद अधिमानतः फसल की कटाई के दौरान की जाएगी।

nw/kA	909. उप अधीक्षक (प्रशासन) दुधारू पशु से उत्पादित दूध की मात्रा, उसे उत्पादित करने वालेपशुओं की संख्या के सामने प्रतिदिन रजिस्टर में दर्ज करेगा।
अनुत्पादक पशुओंdk fuiVkuA	910. अधीक्षक, एक वर्ष में एक बार अनुत्पादक पशुओं की संवीक्षा करेगा। अनुत्पादक पशुओं कानिपटान, समय-समय पर, सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार किया जाएगा।

v/kh{kd }kjk fjdkMZ j[kukA	v/;k; 40 कारागार रजिस्टर, कार्यालय प्रक्रिया तथा प्रबन्धन911. अधीक्षक, निम्नलिखित रिकार्ड रखेगा या रखवाएगा, अर्थात्:- (क) भर्ती किए गए बन्दियों का रजिस्टर; (ख) प्रत्येक बन्दी को कब रिहा किया जाना है, दर्शाने वाली पुस्तक; ¼x½ dkjkxkj vijk/kksa ds fy, cfUn;ksa dks fn, x, n.Mksa dh izfof"V ds fy, n.M iqLrd(¼?k½ dkjkxkj ds iz'kklu ls lEcfU/kr fdlh ekeys esa] eqykdkfr;ksa }kjk dh xbZ fVIif.k;ksa ds fy, eqykdkrh iqLrd(¼³½ cfUn;ksa ls yh xbZ /kujkf'k rFkk vU; oLrqvksa dk fjdkMZ(rFkk ¼p½ ,sls vU; lHkh fjdkMZ] tks le;≤ ij] ljdkj ;k egkfuns'kd }kjk fofufnZ"V fd, tk,aA

cuk, tkus वाले रजिस्टरोंdh lwphA	912- dkb Hkh e vuqjf{kr f तथा पस्तकं (इ	jftLVj f d, tku d yDV³kfud	tl] egkfuns'kd] fdlh Hkh le; dk;dkjh vkns'k }kjk] fdlh Hkh dkjkxkj fy, vif{kr dj] d vfrfjDr lHkh dkjkxkjk e fuEufyf[kr jftLVjतथा डिजीटल रूप मं) अनरक्ष्ति की जाएंगी, अर्थात्:-	
		jftLVj la[;k	jftLVj dk o.kZu	
		1-	विचाराधीन बन्दियों का रजिस्टर;	
		2-	सिद्धदोष बन्दियों का रजिस्टर;	
		3-	सिविल बन्दियों का रजिस्टर;	
		4-	बन्दियों का रिहाई रजिस्टर/रिहाई डायरी;	
		5-	कारागार अपराधों के लिए बन्दियों को दिए गए दण्ड का रजिस्टर;	
		6-	eqykdkrh iqLrd;	
		7-	मुलाकाती की प्रविष्टि का रजिस्टर;	
		8-	v/kh{kd dh Mk;jh;	
		9-	उप अधीक्षक (प्रशासन) की डायरी;	
		10-	उप अधीक्षक (सुरक्षा) की डायरी;	

		11-	उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) की डायरी;	
		12-	चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की डायरी;	
		13-	vLirky jftLVj;	
		14-	सभी बन्दियों का हवालात रजिस्टर;	
		15-	okMZ@cSjd@lSy ykWdvi jftLVj;	
		16-	कारागार में आने वाले तथा बाहर जाने वाले व्यक्तियों का रजिस्टर;	
		17-	अन्दर तथा बाहर आने-जाने वाले बन्दियो का रजिस्टर (न्यायालय में पेषहोने, अस्पतालों के बाहर, बाहरी टोलियो इत्यादि);	
		18-	अन्दर तथा बाहर आने-जाने वाले बन्दियों का रजिस्टर (नए प्रवेश,पैरोल/ फरलों/अन्तरिम जमानत, से वापसी, अन्य कारागारों से अन्तरणइत्यादि किसी भी प्रकार की रिहाई);	

		19-	कारागार गेट से अन्दर या बाहर भेजी गई वस्तुओं का रजिस्टर;
		20-	सामान्य रोकड़ बही;
		21-	udnh cgh&[kkrk;
		22-	अधिकारियों का सेवा रजिस्टर;
		23-	कारागार दण्ड के समापन की डायरी;
		24-+	बन्दियों का वर्णानुक्रमिक रजिस्टर;
		25-	बन्दियों की मूल्यवान सम्पतियों का रजिस्टर;
		26-	fu;U=.k d{k jftLVj;
		27-	कारागार में बन्दियों का सामान्य सारांश;
		28-	Je forj.k jftLVj;
		29-	प्राप्त पत्रों/ई-मेल आदि का रजिस्टर;
		30-	प्रेषित पत्रों/ई-मेल आदि का रजिस्टर;
		31-	j{kk dkfeZd lsok jftLVj;

32-	बन्दियों का शिकायत रजिस्टर;
33-	y{; vH;kl dk jftLVj;
34-	nokbZ LVkWd jftLVj;
35-	अस्पताल में रोगियों का दैनिक आहार का रजिस्टर;
36-	स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वाले रोगियों के दैनिक आहार का रजिस्टर;
37-	सेवा तथा आपूर्ति के प्रभारों का रजिस्टर;
38-	vukt rFkk bZa/ku dh [kjhn dk nSfud jftLVj;
39-	गोदाम तथा मिल दैनिक लेखा रजिस्टर;
40-	बहिरंग रोगी रजिस्टर;
41-	वस्त्र गोदाम स्टॉक रजिस्टर;
42-	fofo/k lEifr dh lwph;
43-	विधिक सहायता रजिस्टर;
44-	हिरासत में मौत/बलात्कार के मामलों का रजिस्टर;
45-	शस्त्र तथा गोलाबारूद रजिस्टर;
46-	राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग/राज्य मानव अधिकार आयोग/ मुख्यमन्त्रीविंडो/ लोकायुक्त मामले रजिस्टर;
47-	कारखाना रोकड़ बही;
48-	dkj[kkuk QqVdj [kpZ dk jftLVj;
49-	कच्ची सामग्री की प्राप्ति तथा जारी करने का रजिस्टर;
50-	dPph lkexzh dk LVkd jftLVj;
51-	निर्मित वस्तुओं का स्टाक रजिस्टर;
52-	dkj[kkuk [kkrk&cgh;

		53-	foØ; nSfud cgh;

54-	[kjhn nSfud cgh;
55-	dkj[kkuk vkns'k iqLrd;
56-	दैनिक प्राप्तियों का रजिस्टर;
57-	दैनिक मामलों का रजिस्टर;
58-	स्टोर खाता-बही;
59-	अधिकारियों की रिपोर्ट पुस्तक (दिन तथा रात);
60-	रक्षा कार्मिक डयूटी रजिस्टर (दिन तथा रात);
61-	okMZ@vgkrk ryk'kh jftLVj;
62-	eq[; }kj ryk'kh jftLVj;
63-	mPp lqj{kk vgkrk ryk'kh jftLVj;
64-	dkjkxkj cxhpk jftLVj;
65-	Ms;jh rFkk i'kq jftLVj;

रजिस्टरों केQkeZA	913. पूर्ववर्ती नियम में विनिर्दिष्ट, सभी रजिस्टरों के स्वरूप तथा रजिस्टरों में अभिलिखित किए जानेवाले ब्योरे, समय-समय पर, महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएंगे। विनिर्दिष्ट तथा प्रयोग में लाएजा रहे प्रत्येक रजिस्टर को उसके वर्तमान स्वरूप में निरन्तर अनुरक्ष्िात रखा जाएगा, जब तक किमहानिदेशक, इस नियम के अधीन दिए गए निर्देशों द्वारा उसे अधिक्रमित नही करतें।
foojf.k;ka	914. अधीक्षक द्वारा, समय-समय पर प्रस्तुत किए जाने वाले बिल, विवरण्ियाँ, रिपोर्टें आदि,egkfuns'kd }kjk fofufnZ"V fd, tk,axsA
dEI;wV$h—r लेखा प्रणाली।	915. प्रत्येक कारागार में, लेखे, कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली में किए जाएंगे। प्रत्येक डिवीजन में, लेखोंकी प्रणाली, समय-समय पर, वित्त विभाग, हरियाणा तथा महानिदेशक, कारागार द्वारा जारी हरियाणावित्तीय नियमों तथा आदेशो/ अधिसूचनाओं के अनुसार होगी।
i=kpkj dk fuiVkuA	916. अधीक्षक, पत्रों तथा पत्राचार के वर्गीकरण के सम्बन्ध में अपने विवेक का निम्नलिखित केसिवाए परिरक्षण के लिए प्रयोग करेगा,- (क) स्थाई आदेशों से सम्बन्धित पत्र; (ख) महत्वपूर्ण लोक संकर्म तथा निर्माण; (c)Hkwfe dk vtZu rFkk fdjk, ij nsus((d)पैंशनों तथा सरकार पर किन्हीं स्थाई प्रभारों; तथा (e)भागने यदि बन्दी पुनः नहीं पकड़ा गया है।
fjdkMZ dk oxhZdj.kA	917. प्रत्येक विवरण के सभी कारागार रजिस्टर, विवरण्ियाँ, पत्र तथा अभिलेख को संरक्षण याविनाश के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित चार शीर्षों के अधीन वर्गीकृत किया जाएगा,- (क) स्थाई रूप से संरक्ष्िात करना; (ख) बारह वर्ष के लिए रखना;

	(c)ikap o"kZ ds fy, j[kuk((d)दो वर्ष के लिए रखना;
fjdkMZ dh O;oLFkk	918. रिकार्ड की हरेक चारों श्रेणीयांे को, इस प्रकार से व्यवस्थित किया जाएगा कि उस रिकार्ड काचयन करना आसान हो, जिसे विहित अवधि की समाप्ति पर नष्ट किया जाना है तथा, यदि सम्भवहो, तो रिकार्ड की प्रत्येक श्रेणी को अन्य श्रेणी से अलग रखा जाएगा। महानिदेशक को ऐसे रिकार्डको नष्ट करने की स्वीकृति देने का अधिकार है।

LFkkbZ :i ls lajf{kr fd;k tkus okyk fjdkMZA	919. निम्नलिखित रिकार्ड को स्थाई रूप से संरक्ष्ति किया जाएगा, अर्थात्:- (क) सामान्य रोकड़-बही; (ख) पेंशन मामले (सेवा पंजी तथा अवकाश लेखा सहित); (c)रिहा किए गए बन्दियों तथा उनको भुगतान की गई राशि की डायरी; (d)eqykdkrh iqLrd((e) विचाराधीन बन्दियों का रजिस्टर; (f)सिद्धदोष बन्दी रजिस्टर; (six)flfoy cUnh jftLVj((ज) कारखाना रोकड़-बही; (i)विभाग की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट; (´) ljdkj@egkfuns'kd ds ifji=((t)jkti=((l)v/kh{kd dh vkns'k iqLrd((d)fuxZe jftLVj&lkekU; rFkk dkj[kkuk((n)fjdkMZ d{k dk QkbZy jftLVj((o)बन्दियों के बचकर भाग निकलने का रजिस्टर; (त)अधिकारियों का सेवा रजिस्टर; (थ)वार्डरों का सेवा रजिस्टर।
ckjg o"kZ rd ds fy, j[kk tkus okyk fjdkMZA	920- fuEufyf[kr fjdkMZ ckjg o"kZ rd ds fy, j[kk tk,xk] vFkkZr~%& (क) कारागार की प्रशासनिक रिपोर्ट तथा विवरण्ियां, चिकित्सा अधिकारियों की प्रशासनिक रिपोर्ट तथा विवरणी; (ख) अधीक्षक की डायरी; (c)चिकित्सा अधिकारी की डायरी; (d)अधिकारियों की रिपोर्ट पुस्तक; (e)रिहा किए जाने वाले बन्दियों का रजिस्टर; (f)फरलो रजिस्टर; (six)विविध वस्तुओं का स्टाक रजिस्टर; (ज) दण्ड पंजी; ¼>½ ifjoh{kk rFkk iqf"V jftLVj ¼laoxZ&okj½(¼´½ LVkQ dks vfxze dk jftLVj ¼vfxze&okj½(¼V½ cfUn;ksa dh n.M iqLrd(¼B½ O;frØeh iqLrd(¼M½ tqekZuk fooj.k iqLrd(¼<½ dkjkxkj dh lEifRr dk jftLVj(¼.k½ cfUn;ksa dh ewY;oku lEifRr dk jftLVj(¼r½ eqykdkr jftLVj(¼Fk½ ekStwnk izkIr rFkk fuxZe jftLVj(¼n½ iz;ksx'kkyk jftLVj(¼/k½ ekQh'khV ¼cfUn;ksa ftuls oks lEcfU/kr gS] dh fcuk 'krZ fjgkbZ] e`R;q ;k vUrj.k ds

¼u½	ckn ,d o"kZ dh vof/k ds fy, dkjkxkj esa j[kk tkuk gS½(
¼i½	jk'ku dk LVkd jftLVj(
	vkgkj iath(

	(फ) प्राप्त की गई वस्तुओं की प्राप्ति पुस्तक; (b)तौल रजिस्टर; (bh)lqiqnZxh iqLrd((m)jk'ku dh [kjhn ds fy, Hkqxrku dh fcycqd((y) dPph lkexzh dh LVkWd cqd((कक) निर्मित वस्तुओं की स्टाक बुक; (कख) क्रेडिट विक्रय का वैयक्तिक बही-खाता; (कग) अंतरंग रोगी का अस्पताल रजिस्टर; (कघ) बहिरंग रोगी का अस्पताल रजिस्टर; (कङ) अस्पताल पंजी; (कच) क्रेडिट विक्रय की दैनिक बही; (कछ) कारखाना की स्टॉक बुक।
ikap o"kZ rd ds fy, j[kk tkus okyk fjdkMZA	921- fuEufyf[kr fjdkMZ ikap o"kZ rd ds fy, j[kk tk,xk] vFkkZr~%& (क) बन्दियों की सभी श्रेण्ियों का सामान्य सारांश; (ख) बन्दियों की सभी श्रेण्ियों का हवालात रजिस्टर; (c)Je jftLVj((d)उन बन्दियों का रजिस्टर, जिन पर सुरक्षा हेतु बेड़िया लगाई गई थी; (e) oL= rFkk fcLrj jftLVj((f)लेखन सामग्री तथा प्ररूपों की स्टॉक बुक तथा बही-खाता; (six)वार्डरों से प्राप्त तथा को जारी वर्दी की वस्तुओं का रजिस्टर; (ज) गोलाबारूद रजिस्टर;

¼>½	xksyk cukus dk vH;kl jftLVj(
¼´½	eq[; }kj jftLVj(
¼V½	dkj[kkuk foHkkx esa fu"iknu ds fy, vkns'kksa dk jftLVj(
¼B½	vlUrq"V dkj[kkuk ekax&i=ksa dh lwph(
¼M½	lHkh ekfld] =Sekfld] v/kZ&okf"kZd rFkk okf"kZd foojf.k;ksa rFkk vfHkO;fDr;ksa dh dk;kZy; izfr;ka(
¼<½	ekaxi=ksa ds izfri.kZ(
¼.k½	vkdfLed [kpZ dk jftLVj(
¼r½	foLr`r ctV vuqeku(
¼Fk½	cfUn;ksa dh ej.k'khyrk dh fooj.kh(
¼n½	okMZjks dk M;wVh jksLVj(
¼/k½	gktjh iath(
¼u½	vUrj rFkk bUV$k foHkkxh; vkiwfrZ dk jftLVj(
¼i½	csjd&okj cfUn;ksa dk jftLVj(

(फ) बजट आबंटन रजिस्टर;
(b)vforfjr osru jftLVj(
(bh)uhykeh cqd(
(m)[ktkuk fcy cqd(
(y)

	[ktkuk lwpuk cqd((कक) बयाना राष्ि रजिस्टर; (कख) आपूर्ति की गई वस्तुओं का अग्रेषण मेमो बुक;

	(कग) चिरभोग बुक; (कघ) बैड हैड टिकट; (कङ) अस्पताल के वस्त्रों का रजिस्टर; (कच) औषधियों की खर्च बुक।
दो वर्ष तक केfy, j[kk tkus okyk fjdkMZA	922. निम्नलिखित रिकार्ड दो वर्ष तक के लिए रखा जाएगा, अर्थात्:- (क) कारागार में बन्दियों के प्रवेश का प्रमाण पत्र; (ख) स्टाफ का आकस्मिक अवकाश रजिस्टर; (c)बन्दियों की नामिक पंजी; (d)fcuk 'krZ ds fjgk fd, x, ;k e`r cfUn;kas dh bfro`r&fVdV((e) कारागार तथा अस्पताल के वस्त्रों के लिए मांगपत्र; (f)कालकोठरी की सजा भुगतने के लिए चिकित्सा अधिकारी का उपयुक्तता प्रमाणपत्र; (six)अधीक्षक के कार्यालय के प्रभार की सुपुर्दगी की रिपोर्ट; (ज) आंकड़ों में फर्क से सम्बन्धित मासिक प्रगतिशील खर्च तथा पत्राचार की विवरणी; (i)एक वर्ष के भीतर सेवानिवृत्ति होने वाले अधीनस्थों का रजिस्टर; (´) अन्य कागजात जो इन नियमों में उल्लिखित नहीं है;
fjdkMZ dk fuiVku@u"V djus ds fy, विशेष नियम।	923. (1) इन नियमों के अधीन नष्ट किये जाने वाले रिकार्ड को कार्यालय अधीक्षक या इसप्रयोजन के लिए अधीक्षक द्वारा नामांकित किसी अधिकारी, के पर्यवेक्षण के अधीन रिकार्ड कीपर द्वारानष्ट किया जाएगा। रिकार्ड कीपर तथा कार्यालय अधीक्षक, या नामांकित अधिकारी, जैसी भी स्थितिहो, नष्ट करने के कार्य में किसी गलती या विलम्ब के लिए जिम्मेवार ठहराए जाएंगे। (2) रिकार्ड के वास्तव में नष्ट होने से पूर्व,- (क) रिकार्ड को नष्ट करने के रजिस्टर में अधीक्षक के हस्ताक्षराधीन इसके नष्ट होने की इंगित करने का एक नोट दिया जाएगा; (ख) नष्ट करने की तिथि, सम्बन्धित रिकार्ड के रजिस्टर के टिप्पणी के खाने में दर्ज की जाएगी तथा क्रम संख्या लाल स्याही से गोल की जाएगी; (c) यदि, कोई और रिकार्ड है, जिनका इन नियमों में उल्लेख नहीं है, ऐसे रिकार्ड एक पृथक रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे तथा तदनुसार उनके नष्ट होने को इंगित करने का एक नोट दिया जाएगा। (3) यदि, अधीक्षक की राय है, कि कोई रिकार्ड, जो इन नियमों के अधीन नष्ट किया जासकता है, को स्थाई-रूप से या इन नियमों के अधीन उपबन्धित अवधि के लिए संरक्ष्ित किया जाएगा,तो वह तदानुसार कार्य करेगा। (4) सभी कागजों को फाड़ कर रिकार्ड को नष्ट किया जाएगा, परन्तु स्टांपित कागजों,प्रयुक्त स्टांप, गोपनीय चिह्न वाले कागजों को उप अधीक्षक (प्रशासन) या अधीक्षक द्वारा इस प्रयोजनके लिए नामांकित किसी अन्य अधिकारी की उपस्थिति में, जलाया जाएगा। (5) QV+s gq, fjdkMZ dk fuiVku] bl lEcU/k esa] le;≤ ij tkjh] ljdkj ;k महानिदेशक के स्थाई आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

v/;k; 41

dkjkxkj dk dEI;wVjhdj.k

924. पूर्ण कारागार प्रशासन को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा ताकि मूल डाटा पर आसानी से पहुंचाजा सके तथा अधिक दक्षता से व्यस्थित किया जा सके। निम्नलिखित न्यूनतम उद्देश्य है, जिन्हेंकारागारों के कम्प्यूटरीकरण के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा,-

(क) बन्दी व्यवस्था प्रणाली:-इसमें बन्दी डाटाबेस व्यवस्था के प्राधिकृत अन्तरा पृष्ठ का प्रयोग करना शामिल है, न केवल वास्तविक समय रिपोर्ट उपलब्ध कराना जैसे कि रिहाई की सम्भाव्य तिथि; कारागार अधिभोग, पैरोल/फरलो, जमानत, भागने, जुर्माना dk Hkqxrku] ?kVuk dh ltk] cUnh vkokl] U;k;ky; vihy] U;k;ky; is'kh] ekQh] रिमांड, मजदूरी, कार्य आबंटन, रिहाई, अन्तरण, मुख्य द्वार (डयोढी) से अन्दर-बाहर, चिकित्सा रिकार्ड, मुलाकात रिकार्ड, बन्दी संचार प्रणाली इत्यादि, बल्कि प्रायः अपेक्ष्ित प्रक्रियाओं के प्रक्रिया स्वचालन के लिए जैसे कि न्यायालयों द्वारा अपेक्ष्ित अभिरक्षा प्रमाणपत्र, कैषलैस कारागार कैन्टीन, डयूटी आबंटन तथा निगरानी, पुलिस एस्कॉर्ट मांग आदि भी। इसमें, निम्नलिखित मापदण्ड भी शामिल होंगे, अर्थात्:-

(i) fopkjk/khu cUnh O;oLFkk ekinaM(

(ii) सिद्धदोष व्यवस्था मापदंड;

(iii) मुलाकाती व्यवस्था मापदंड;

(iv) द्वार व्यवस्था मापदंड;

(v) vLirky O;oLFkk ekinaM(

(vi) केन्द्रीय नियन्त्रण कक्ष व्यवस्था मापदंड;

(vii) आॅनलाईन कैन्टीन निधि जमा मापदण्ड;

(viii) कैन्टीन व्यवस्था मापदण्ड;

(ix) स्टोर व्यवस्था मापदण्ड;

(x) bZ&vfHkj{kk ekin.M(

(xi) ई-पेशी (पेशी)/विचारण मापदण्ड;

(xii) ई-पैरोल/फरलो मापदण्ड;

(xiii) बन्दी सूचना कियोस्क;

(xiv) आजीवन बन्दी की समय पूर्व रिहाई मापदण्ड;

(xv) कोई अन्य मापदण्ड शामिल किया जाएगा, जो समय-समय पर सरकार या egkfuns'kd }kjk fu.khZr fd;k tk,A

dkjkxkj ç'kklu dk dEI;wVjhdj.kA

(ख) कारागार प्रशासन:- बन्दियों के साथ-साथ स्टाफ सदस्यों के सभी रजिस्टर, फार्म तथा रिकार्ड, जहां तक मुमकिन हो डिजीटल रूप में अनुरक्ष्ित किए जाएंगे। कारागार ds fofHkUu ?kVd vFkkZr~ fu;U=.k d{k] dsUnzh; fu;U=.k d{k] dkjkxkj dSUVhu] okjaV कार्यालय, लिपिकीय स्टाफ इत्यादि को उपयुक्त प्राधिकृत अन्तरापृष्ठ के माध्यम से डाटा के नियमित अद्यतीकरण के लिए जोड़ा जाएगा। प्रायः अपेक्ष्ित कार्यवाहियों के लिए प्रक्रिया स्वचलता समाधान का प्रयोग किया जाएगा।

¼x½	vkijkf/kd U;k; iz.kkyh rFkk vU; fgr/kkfj;ksa ds fofHkUu dk;Z{ks=ksa ds chp leUo; %& vUr% çpkyuh; vkijkf/kd U;k; iz.kkyh ¼vkbZ-lh-ts-,l-½ ds ek/;e ls =; ds :i esa dkjkxkjksa] U;k;ky;ksa rFkk iqfyl Fkkuksa dk lhoughu var%lca/ku gksxkA ;g iqfyl rFkk U;k;ky;ksa ds lkFk ,dh—r MkVk lk>k djus esa l{e cuk,xk ftlls vijkf/k;ksa dh dq'ky vkSj O;kid VªSfdax vkSj rsth ls fof/k çorZu çfrfØ;k,a l{e gksxhA vijkf/k;ksa rFkk 'kh?kzxkeh fof/k dkjkxkjksa dh dk;Zfof/k;ksa esa] iqfyl] U;k;ky; rFkk ckgjh ,tsafl;ka tSls fd vLirky] fpfdRlk izkf/kdj.k] jk"Vªh; vijk/k fjdkMZ C;wjks bR;kfn lfgr fofHkUu fgr/kkjd 'kkfey gSa vkSj mi;qDr vUrjki`"B fodflr fd, tkus pkfg,a] tks fofHkUu ,tsafl;ksa ds chp lwpuk ds lhoughu 'ks;fjax esa lgk;rk dj ldrs gSA

¼?k½	dkjkxkj lqj{kk%& dkjkxkj lqj{kk] bUVjusV dh oLrqvksa ¼vkbZ-vks-Vh-½ vFkkZr~ ijLij laca/k lqj{kk rFkk fuxjkuh xStsV Vh&,p lh ch ,l vFkkZr~ lkeatL;iw.kZ dkWy CykWfdax

	¼³½ ¼p½	iz.kkyh] eksckbZy tSej] bR;kfn ¼,-vkbZ- vk/kkfjr lh-lh-Vh-oh-] ,Dl&js&LdSuj] xfrfof/k VSªdj] xfr laslj] vykeZ] ekbZØksQksu bR;kfn½ dk iz;ksx djds vf/kd lqn`<+ cukbZ tk,xhA LVkQ M;wVh vkcaVu rFkk fuxjkuh iz.kkyh ds fy, mi;qDr ck;ksehfVªd vk/kkfjr ekin.M dk iz;ksx fd;k tk,xkA fu;U=.k d{k %&,sls midj.k rFkk i;kZIr] mi;qDr :i ls ;ksX; LVkQ ds mi;ksx rFkk çcU/ku gsrq] çHkkoh ;k O;oLFkk ç'kkld@eSustj ds v/khu] dk;Zokfg;ksa ds fy,] ,d dUVªksy :e LFkkfir fd;k tk,xkA dkfeZd izcU/ku%& LVkQ ds dk;Z fu"iknu dks pje lhek rd c<+kus ds fy, dkfeZd izcU/ku] tSls fd LVkQ dh gktjh] xkMZ vfHkfu;kstu] LVkQ dh f'kdk;rsa bR;kfn ds fofHkUu igyqvksa ds çcU/ku ds fy, ,d mi;qDr vUrjki`"B fodflr fd;k tk,xkA
vfuok;Z कार्यकलापों काlaiknuA	925. कारागार प्रशासन द्वारा अनिवार्य कार्यकलापों को कारगर रूप से और कुषलता से करने केfy, fuEufyf[kr gSa] vFkkZr~ %& (क) केन्द्रीय स्तर पर वास्तविक समय की जानकारी की उपलब्धता; (ख) बन्दियों का केन्द्रीयकृत सूचना संग्रह; (c)बन्दी गतिविधियों की उचित ट्रैकिंग; (d)विभिन्न हितधारी एजेंसियों के साथ पर्याप्त पारस्परिक अंतः क्रिया; (e)mfpr MkVk fo'ys"k.k((f)सभी कारागारों में उपलब्ध एकल समेकित आई.टी. प्रणाली; (six)बाहर, पैरोल/फरलो पर बन्दी की पर्याप्त ट्रैकिंग; (ज) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का केन्द्रीय अधिनियम 2) की धारा 436-क के v/khu] le; iwoZ fjgkbZ ;k fjgk djus ds fopkj.k ds fy, n.Mkns'k dh fjgkbZ dh समाप्ति या पात्रता की दषा में, विनिर्दिष्ट समय से पूर्व प्रभावषाली अलार्म प्रणाली;	
dEI;wVjhdj.k ds dkj.k कारागारों कोlqfo/kk,aA	926. कम्प्यूटरीकरण, कारागारो की निम्नलिखित मूल भूत सुविधाओं के लिए तथा एकीकृत डाटाशेयरिंग प्लेटफार्म के लिए समर्थ बनाएगा, अर्थात्:- (क) न्यायालयों तथा पुलिस थानों के साथ परस्पर संबंध सहित व्यापक सहजात विंडो ,sIyhds'ku&vk/kkfjr dkjkxkj lk¶Vos;j((ख) अंतःप्रचालनीय अपराधिक न्याय प्रणाली मैटरिक्स के अनुसार न्यायालयों तथा पुलिस के साथ एकीकृत डाटा शेयर करना; ¼x½ O;kid fofM;ks lEesyu lqfo/kk,a(¼?k½ cfUn;ksa ds vUnj rFkk ckgj lapyu ds fy, ck;ksehfVªd igqap(¼³½ izsj.k rFkk iqu'p;kZ izf'k{k.k ikB~;Øeksa ds fy, jkT; Lrjh; izf'k{k.k ySc(¼p½ cfUn;ksa dks muds ekeyksa rFkk vU; C;kSjksa dh igqap ds fy, Vp LØhu fd;ksLd(U;k;ky;ksa rFkk lEcfU/kr vU; çkf/kdj.kksa ds lkFk fujUrj lapkj ds fy, i;kZIr xfr lfgr bUVjuSV lqfo/kk dh miyC/krk(¼N½ (ज) एफ ए एस टी ई आर (इलैक्ट्रॉनिक रिकार्ड का तेज तथा सुरक्ष्ति प्रसारण) प्रणाली का ykxwdj.k(
dEI;wVjhdj.k ds ifj.kkeA	927. कारागार कम्प्यूटरीकरण के सफलतापूर्वक लागूकरण के पष्चात निम्नलिखित परिणाम होंगे,vFkkZr~%& (क) सभी कारागारों तथा पुलिस विभाग, राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो तथा सम्बन्धित अन्यविभागों/प्राधिकरणों में सूचनाओं का निर्बाध तथा एकीकृत प्रवाह, जिससे सूचनाओंकी वास्तविक समय पर उपलब्धता सम्भव हो सके अर्थात् बन्दियों के एक केन्द्रीयकृतडेटाबेस से बन्दी की जानकारी की त्वरित पुनः प्राप्ति आसान हो सके।	

	¼[k½ ¼x½ ¼?k½ ¼³½ ¼p½ ¼N½ — le;≤ ij] egkfuns'kd }kjk ;Fkk fofgr ;k ljdkj@,u-lh-vkj-oh- }kjk;Fkk visf{kr fofHkUu QkjeSVksa esa MS'kcksMZ@lkaf[;dh; fjiksVksZ@,e-vkbZ-,l- fjiksVksZ dh miyC/krk(vuqeksnu dk;Zokfg;ksa tSls fd iSjksy@Qjyks rFkk flLVe esa mlds okLrfod dky ijkorZu ds fy, dk;Z çxfr vk/kkfjr lek/kku(Lopkfyr ih-Mh-vkj- ¼fjgkbZ dh lEHkkO; frfFk½ lax.kuk] bl izdkj lqfuf'pr djuk fd fu;ekoyh oS/khdj.k dh vko';drk ds fcuk cfUn;ksa dh fjgkbZ esa foyEc u gks(csgrj eqykdkrh izcU/ku izfØ;k bl izdkj eqykdkfr;ksa dk çcU/ku lqfuf'pr djuk] fdlh fo'ks"k cUnh ds fy, eqykdkfr;ksa dh la[;k] eqykdkr dh vko`fr bR;kfn ij utj j[kuk( dsUnzh;d`r cUnh jftLVj cukuk] ftl rd] fjdkMZ ds MsVk fMthVkbZts'ku ds ek/;e ls o;SfDrd ds lR;kiu rFkk oS/khdj.k ds fy, iz;kstuksa ds fy, egkfuns'kd ;k iqfyl foHkkx }kjk] rFkk vU; izeq[k fof/k izorZu ,tsafl;ksa }kjk] vuqeksnu ij] igqapk tk ldrk gS(dkjkxkj lqj{kk rFkk fuxjkuh iz.kkyh dks mUur djuk((ज) कारागार कार्मिकों के प्रबन्धन के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ कारागार के विभिन्न घटकों की सभी नियमित गतिविधियों का विनियमन।
अंत प्रचालनीय आपराधिक न्यायप्रणाली का fdz;kUo;uA	928. अंत प्रचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली का क्रियान्वयन एक प्रमुख घटक होगा, जिसेपुनर्निर्माण अपराध तथा आपराधिक टैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सी.सी.टी.एन.एस.) परियोजना में प्राप्तकिया जाना है। इसमें निम्नलिखित घटक शामिल होंगे, अर्थात्:- (क) राज्यों/संघ क्षेत्रों में कारागार साफ्टवेयर को एक समान करना (रोल आऊट); (ख) कारागारों के लिए मूल्यांकन आधारित हार्डवेयर तथा नेटवर्क का प्रावधान; ¼x½ ¼?k½ ¼³½ — vfHk;kstu dk;kZy;ksa rFkk U;kf;d iz;ksx'kkykvksa ds fy, gkMZos;j dk izko/kku(U;kf;d iz;ksx'kkykvksa rFkk vfHk;kstu dk;kZy;ksa ds fy, ekinaMksa dk fodkl(rFkk bu lHkh vuqiz;ksxksa esa vijk/k rFkk vkijkf/kd VªSfdax usVodZ flLVe ¼lh-lh-Vh-,u-,l-½ dk ,dhdj.kA
gkMZos;j rFkk uSVodZ dh dusfDVfoVhA	929. प्रत्येक कारागार में केन्द्रीयकृत कारागार प्रबन्धन प्रणाली के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिएपर्याप्त हार्डवेयर तथा पर्याप्त नेटवर्क कनैक्टिविटी साफ्टवेयर ऐप्लीकेशन को रोलआऊट के अनुसार,eqgS;k djkbZ tk,xh rFkk bldh fLFkjrk dkjkxkj esa visf{kr dk;Zy; gkMZos;j rFkk usVodZ duSfDVfoVh dh miyC/krk ij fuHkZj gSA

onhZ/kkjh dkjkxkj अधिकारियों कीjSad lajpukA		930-	dkjkxkj lsok dh fuEuf	onhZ] yf[kr	v/;k; प्रशिक्षण, वदी jSd lajpuk	42 rFkk fodkl vkjkgh Øe ea LFkkfir	dh xbZ ekuh tk,xh]&	
		okMZj				j{kk	dkfeZd	

		eq[;	okMj					
		mi l	mi lgk;d v/kh{kd			kif	k	
		lgk;	d v/kh{kd			jktif	dkjh	
		mi v	/kh{kd rFkk mlls Åij			jktif=	त अधिकारी	
jktif=r अधिकारियों केjSad rFkk cStA		931-dh Qh	jd d cSt] iqfyl iSVuZ rh ij fuEu vulkj igus	ij] x %&	jtr /kkr ds	होग। अधिकारी, अपन	रक क बैज का कन्धे	
			jSad			cSt		
			v/kh{kd] tsy		dU/k dh Qh jkT; fpg~u	तियो पर पीतल क बड़ेrFkk ,d LVkjA	v{kjk ^^,p-ts-** lfgr	
			mi&v/kh{kd] tsy		dU/k dh Qh jkT; fpguA	fr;k ij ihry d cM v	{kjka ^^,p-ts-** lfgr	
vjktif=r अधिकारियों केjSad rFkk cStA		932-dh Qh	jd d cSt] iqfyl iSVuZ rh ij fuEu vulkj igus	ij] x %&	jtr /kkr ds	होग। अधिकारी, अपन	रक क बैज का कन्धे	
			jSad			cSt		
		lgk;	d v/kh{kd	dU/ nk	k dh Qhfr;k LVkjA	ij ihry ds cM v{kj	k ^^,p-t-** lfgr	
		mi l	gk;d v/kh{kd	dU/ LVk	k dh Qhrh i jA	र पीतल क बड़ अक्षरो	^^,p-ts-** lfgr ,d	

रक्षा कार्मिकों केjSad rFkk cStA	933. रैंक के बैज, पुलिस पैटर्न पर रजत धातु के होंगे। रक्षा कार्मिक, अपने रैंक के बैज को कन्धेdh Qhrh ij fuEu vuqlkj igusaxs %&	
	jSad	cSt
	eq[; okMZj	मुख्य वार्डर, कोहनी तथा कन्धे के बीच दोनों बाजुओं की आधीदूरी पर तीन शैवरन पहनेगा। शैवरन, लाल तल पर नेवी-ब्लू गोटेसे मिलकर बनी होगी तथा कन्धे की फीती के तल पर पीतल केcM+s v{kj ^^,p-ts-**A
	okMZj	कन्धे की फीती के तल पर पीतल के बड़े अक्षर "एच.जे."।

mi&v/kh{kd tsy rFkk v/kh{kd tsy ds fy, onhZ dh oLrq,aA		934-	mi&v/kh{kd rFkk v/kh{kd	] t	y dh onh fu	म्न अनसार होगी,-		
					oLrq		iSVuZ@jax	
			lnhZ					
			ifyl iSVu ij flyh g अंगाला खाकी कमीज (जHkjs peM dh] ihry ds डरबी बट (टा-कप सहितuhyh Mkjh] dkyh i`"BHkw पटटी (द्विभाषी-हिन्दी तथ्	bZ l lhZ lf cDdY), पी fe ij kk v	tZ [kkdh ir gr ;k d fcu l dh cSYV] ry dh lhVh lQsn v{kjk ग्रजी)	ywu rFkk ijh ckt dh ी), अक्षर एच.जे. सहित[kkdh Åuh tjkc] Hkj rFkk eSMy fjcu lfgr a esa IykfLVd dh uke	iqfyl [kkdh iSVUkZ@	
			xehZ					

vjktif=r अधिकारियों केfy, onhZ dh oLrq,aA	935. अराजपत्रित अधिकारियों की वर्दी निम्न अनुसार होगी,-

lnhZ	
iqfyl iSVuZ ij flyh gqbZ ltZ [kkdh irywu rFkk iwjh cktw dh vaxksyk [kkdh deht ¼tlhZ lfgr ;k ds fcuk½],p-ts- v{kj lfgr Hkwjs peMs dh cDdy okyh cSYV] [kkdh Åuh tqjkc] Hkwjs Mjch cqV ¼Vks dSi lfgr½] ihry dh lhVh rFkk eSMy fjcu lfgr [kkdh Mksjh] dkyh i`"BHkwfe ij lQsn v{kjksa esa IykfLVd dh uke iV~Vh ¼f}Hkk"kh&fgUnh rFkk vaxzsth½	iqfyl iSVuZ@[kkdh
xehZ	
lnhZ ds ;Fkk vuqlkj ds flok, ;g fd os [kkdh Vsjhdk V ;k dkVu irywu rFkk deht ¼xksy cktw ;k vk/kh cktw½ rFkk ukbZyksu@dkVu [kkdh tqjkc igusaxsA jtr /kkrq ds ,p-ts- cSt lfgr Hkwjs peM+s ds Qhrs okyh ihd VksihA ihd Vksih ds fodYi ds :i esa] vf/kdkjh] jtr /kkrq ds cSt lfgr [kkdh jax dh cSjV Vksih igu ldrs gSaA	iqfyl iSVuZ@ [kkdh

टिप्पण:- महिला अधिकारी, वर्दी तथा इसकी वस्तुएं पुरूष अधिकारियों के लिए यथा विनिर्दिष्टvuqlkj gh igusaxhA

j{kk dkfeZd (पुरुष) के लिएonhZ dh oLrq,aA	936. वार्डर (पुरुष) की वर्दी निम्न अनुसार होगी;-

lnhZ	
jtr /kkrq ds Vksih cSt lfgr [kkdh cSjV Vksih ¼flD[k iq#"k vf/kdkjh [kkdh ixM+h igusaxs½] iqfyl i)fr ij flyh gqbZ ltZ [kkdh irywu rFkk iwjh cktw dh vaxksyk [kkdh deht ¼[kkdh tlhZ lfgr ;k ds fcuk½ ,p-ts- v{kj lfgr Hkwjs peM+s dh cDdy okyh cSYV] [kkdh Åuh tqjkc] Hkwjs	iqfyl iSVuZ @[kkdh

	Mjch cwV ¼Vks dSi lfgr½] ihry dh lhVh rFkk eSMy fjcu lfgr [kkdh Mksjh] dkyh i`"BHkwfe ij lQsn v{kjksa esa IykfLVd dh uke iV~Vh ¼f}Hkk"kh&fgUnh rFkk vaxzsth½yEck dksV iqfyl i)fr ds vuqlkj gksxkA	
	xehZ dh onhZ	
	lnhZ ds ;Fkk vuqlkj ds flok, ;g fd os [kkdh VsjhdkV ;k dkVu irywu rFkk deht ¼xksy cktw ;k vk/kh cktw½ rFkk ukbZyksu@dkVu dh [kkdh tqjkc igusaxsA	

<table>
<tr><td></td><td>टिप्पणः- मुख्य वार्डर की वर्दी, कोहनी के ऊपर दोनो बाजुओं पर ओर तीन शैवरन सहित, जेलर केलिए यथा विहित अनुसार होगी।</td></tr>
<tr><td>रक्षा कार्मिकों (महिला) के लिएonhZ dh oLrq,aA</td><td>937. महिला वार्डर के लिए वर्दी निम्न अनुसार होगी,-
<table>
<tr><td>lnhZ</td><td></td></tr>
<tr><td>foHkkxh; cSt lfgr [kkdh csfjV Vksih] xehZ esa [kkdh dqrkZ rFkk lyokj rFkk lnhZ esa vaxksyk [kkdh rFkk lyokj ¼;k iq#"k okMZj ds vuqlkj ltZ [kkdh irywu rFkk vaxksyk [kkdh deht½ iwjh cktw lfgr v{kj ,p-ts- lfgr Hkwjs peM+s dh ihry dh cDdy cSYV] lnhZ esa [kkdh Åuh tqjkc rFkk xehZ esa ukbZyksu dh tqjkc]
Hkwjs Mjch cwV ¼Vks dSi lfgr½] ihry dh lhVh rFkk eSMy fjcu lfgr [kkdh Mksjh] dkyh i`"BHkwfe ij lQsn v{kjksa esa IykfLVd dh uke iV~Vh ¼f}Hkk"kh&fgUnh rFkk vaxzsth½ yEck dksV iqfyl i)fr ds vuqlkj</td><td>iqfyl iSVuZ@[kkdh</td></tr>
<tr><td>xehZ</td><td></td></tr>
<tr><td>lnhZ ds vuqlkj ds flok, ;g fd os [kkdh VsjhdkV ;k dkVu irywu rFkk deht ;k dqrkZ rFkk lyokj ¼xksy cktw ;k vk/kh cktw½ rFkk ukbZyksu@dkVu [kkdh tqjkc igusaxsA</td><td>iqfyl iSVuZ@[kkdh</td></tr>
</table>
टिप्पणः- मुख्य महिला वार्डर की वर्दी, कोहनी के ऊपर दोनों बाजुओं पर तीन शैवरन सहित,वार्डर के लिए यथा विहित अनुसार होगी।</td></tr>
<tr><td>MªSl HkÙkkA</td><td>938. (1) वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता, सिलाई भत्ता, बूट भत्ता, वर्दी की वस्तुओं का भत्ता, किट अनुरक्षण भत्ता इत्यादि 'ड्रैस भत्ते' में शामिल किए जाएंगे।
(2) ^^MªSl HkÙkk** inoh rFkk mudh onhZ dh vko';drkuqlkj] ljdkj }kjk le;≤ ij fu;r fd;k tk,xkA
(3) "ड्रैस भत्ते" की राशि वर्ष में एक बार सीधे ही कर्मचारी के वेतन में जमा की जाएगी।</td></tr>
</table>

प्रशिक्षण संस्थानों कीLFkkiukA	प्रशिक्षण तथा विकास 939. कारागार अधिकारियों के प्रशिक्षण तथा विकास के लिए, कारागार विभाग, सम्पूर्ण वर्ष ऐसेप्रशिक्षण संस्थान स्थापित करेगा, जो कारागार कार्मिको के सभी प्रवर्गों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमआयोजित करने के लिए अपेक्ष[ित हों।
स्टाफ प्रशिक्षण।	940. (1) भर्ती पर, प्रत्यक्ष रूप से भर्ती सभी रक्षा कार्मिक या कार्यकारी अधिकारी, आरम्भिक मूल/प्रेरण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम करेंगे। (2) नए रूप से भर्ती कोई भी रक्षा कार्मिक या कार्यकारी अधिकारी मूल प्रशिक्षण किए बिना कारागार में सक्रिय डयूटी पर प्रतिनियुक्त नहीं किया जाएगा। (3) परिवीक्षा अवधी, रक्षा कार्मिक या कार्यकारी अधिकारी द्वारा मूल/प्रेरण प्रशिक्षण करने rFkk lQyrkiwZd iwjk djus ds le; rd] lEiw.kZ ugha le>h tk,xhA (4) प्रशिक्षण स्कूल का पाठ्यक्रम विभाग, अन्तरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय मानकों की परिचालन अपेक्षाओं तथा बन्दियों के बेहतर कार्य तथा सुधार तथा पुनर्वास के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुरूप j[kus ds mís'; ls le;≤ ij iqujhf{kr fd;k tk,xkA
LVkQ fodkl तथा पदोन्नतिपूर्व प्रशिक्षण।	941. प्रशिक्षण एक सतत् प्रक्रिया है तथा यह सर्वोपरि है कि कारागार अधिकारी सुधारात्मक प्रषासनके क्षेत्र में वर्तमान विकास के निरन्तर सम्पर्क में है। इसे प्राप्त करने के उद्देश्य से कारागार अधिकारियोंके विभिन्न रैंकों के लिए अनिवार्य पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
ofj"B अधिकारियों कोlykeh ds lEcU/k esa fgnk;rsaA	942. वरिष्ठ अधिकारियों को सलामी देने के सम्बन्ध में निम्नलिखित हिदायतों का पालन कियाtk,xk]& (क) उप अधीक्षक तथा सहायक अधीक्षक के लिए,-

		जिन अधिकारियो को सलामीnsuh gS	tc dek.M ds okMZ ij ryokj lfgr l'kL= परेड में हो	tc ijsM esa ugha gS	यदि रैंकों मेंवार्डरों lfgr fMªyhax dj jgs yes.	
		कारागार विभाग के अधीक्षक, ljdkjh rFkk xSj&ljdkjh परिदर्षक, वरिष्ठ अधिकारी तथा vf[ky Hkkjrh; lsok ds अधिकारी	dek.M esa ryokj lfgr lykeh nsxk	lko/kku [kM+k होगा तथा हाथ सेlykeh nsxk	dek.M ij 'kL= ls lykeh nsxkA	

ifjHkk"kk,aA	v/;k; 43 ckgjh dkjkxkj rFkk v/kZ&ckgjh dkjkxkj 943. इस अध्याय में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्ष्ित न हो,- (क). "प्रभारी अधिकारी" से अभिप्राय है, अर्ध-बाहरी कारागार या बाहरी कारागार में रखे गए बन्दियों के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण, सुरक्षा तथा सुरक्ष्ित अभिरक्षा के प्रयोजन के लिए महानिदेशक द्वारा मनोनीत कोई कारागार अधिकारी, जो उप सहायक अधीक्षक की पदवी से नीचे का न हो; (ख). "नियमित कारागार" से अभिप्राय है, बाहरी कारागार पर अधिकारिता रखने वाला कारागार तथा जहां बन्दी को बाहरी कारागार में स्थानान्तरित करने से पूर्व अन्तरित fd;k tk,xkA
ckgjh rFkk v/kZ&ckgjh कारागारों कीLFkkiukA	944. महानिदेशक की सिफारिश पर, सरकार, सम्बन्धित अधीक्षकों के साधारण निर्देश तथा नियन्त्रणds v/khu fu;fer dkjkxkj ds vkl&ikl ;Fkk vko';d ckgjh dkjkxkj LFkkfir dj ldrh gSA कारागार के किसी वार्ड या प्रागंण को महानिदेशक द्वारा अर्ध-बाहरी कारागार के रूप में घोषितfd;k tk ldrk gSA
बाहरी कारागारोंesa vkoklA	945. बन्दियों के आवास के लिए विद्युत, जल आपूर्ति तथा अन्य मूल-भूत सुविधाओं सहित, आवासउपलब्ध करवाए जाएंगे तथा बाहरी कारागारों में आवष्कतानुसार उचित संख्या में पारिवारिक आवासHkh miyC/k djok;s tk,axsA
ckgjh dkjkxkj esa cnys x, बन्दी का भोजन,oL= rFkk vU; vko';drk,aA	946. (1) ckgjh f'kfoj esa LFkkukUrfjr cUnh vius rFkk vius ifjokj ds fy, viuh dekbZ esa से भोजन, वस्त्र तथा दिनचर्या की अन्य आवष्यकताओं के लिए प्रबन्ध करेगा। (2) बाहरी कारागार के अनुरक्षण के लिए बन्दी महानिदेशक द्वारा नियत अनुसार प्रशासकीयप्रभारों का भुगतान अपनी कमाई में से करेगा। एक पृथक अनुरक्षण निधि सृजित की जाएगी तथाअधीक्षक के कड़े नियन्त्रण तथा पर्यवेक्षण के अधीन बाहरी कारागार के बन्दियों द्वारा अनुरक्ष्ित कीtk,xhA
v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnyus ds fy, vik=rkA	947. कोई बन्दी, अर्ध-बाहरी कारागार या बाहरी कारागार में बदलने के लिए पात्र नहीं होगा, जो,- (क) कट्टर बन्दी है; या (ख) अर्ध-बाहरी कारागार या बाहरी कारागार के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि को 25 o"kZ ls de vk;q dk gS(;k ¼x½ dk;Z djus ds ;ksX; ugha gS(;k ¼?k½ fopkjk/khu cUnh] utjcUn ;k flfoy cUnh gS(;k ¼³½ ,d ls vf/kd ekeys esa vkjksi&if=r ;k fl)nks"kh gS(;k ¼p½ fiNys rhu o"kksZa esa cM+s dkjkxkj n.M ds fy, nf.Mr gS(;k ¼N½ LFkkbZ fuoklh ugha gS ;k ftlds ifjokfjd lnL; dk jkT; esa LFkkbZ fuokl ugha gS(;k (ज) पिछले तीन वर्षों में किसी पैरोल/फरलो का लाभ नहीं उठाया है; या ¼>½ fdlh Hkh le; ij dkjkxkj] iqfyl vfHkj{kk ;k fdlh vU; dkuwuh vfHkj{kk ls Hkkx x;k gS ;k Hkkxus dk iz;kl fd;k gS(;k ¼´½ mldk dksbZ ifjokj ugha gS(;k ¼V½ jkT; ds ckgj vf/kdkfjrk j[kus okys U;k;ky; }kjk ;k lsuk U;k;ky; }kjk fl)nks"k fd;k x;k gS(;k ¼B½ jktuSfrd gypy ;k jktuSfrd vkUnksyu vkfn ds lEcU/k esa fl)nks"kh gS(;k ¼M½ vkradoknh rFkk fo?kVudkjh dk;Zdykiksa] vuSfrd O;kikj] Lokid vkS"kf/k;ksa ;k u’khys inkFkksZa dh vkiwfrZ ;k rLdjh ;k jkT; dh lqj{kk dks tksf[ke esa Mkyus okys fdUgh dk;Zdykiksa ls lEcfU/kr ekeyksa esa fl)nks"kh gS(;k ¼<+½ jktuSfrd gypy ;k jktuSfrd vkUnksyu vkfn ds lEcU/k esa fl)nks"kh gS(;k

	fdlh QSyus okys ;k laØked jksx ls xzflr gS ;k ekufld :i ls chekj gS(;k

	¼.k½ v/kh{kd dh jk; esa v/kZ&[kqyhdkjkxkj ;k ckgjh dkjkxkj es cnys tkus ds fy, v;ksX; gSA
v/kZ&[kqyh dkjkxkj ds fy, ik=rkA	948. बन्दी अर्ध-खुली कारागार में बदलने के लिए विचारण हेतु पात्र हो सकता है, यदि वह,- (क) नियम 947 में विनिर्दिष्ट किन्हीं प्रवर्गों में नहीं आता है; (ख) नीचे वण◌र्◌ित वास्तविक दण्डादेश भुगत चुका है,- (i) दो वर्ष का वास्तविक दण्डादेश यदि पांच वर्ष से कम के लिए दण्डादिष्ट किया x;k gS((ii) तीन वर्ष का वास्तविक दण्डादेश यदि पांच से दस वर्ष के लिए दण्डादिष्ट किया x;k gS((iii) पांच वर्ष का वास्तविक दण्डादेश यदि दस वर्ष से अधिक की अवधि के लिए n.Mkfn"V fd;k x;k gS((iv) आठ वर्ष का वास्तविक दण्डादेश यदि आजीवन कारावास से दण्डादिष्ट किया x;k gS(¼x½ dkjkxkj dkj[kkus] ckgjh fxjksg esa ;k fdlh vU; dkjkxkj lsok,a esa mldks fn, x, dk;Z fu;fer :i ls lUrks"ktud :i esa fd, x, gS(¼?k½ vPNs vkpj.k dk gS rFkk Lor%&vuq'kklu cuk, j[krk gS (rFkk ¼³½ etcwr fxjksg lek;ksT;rk rFkk ftEesokjh dh le> j[krk gSA
[kqyh dkjkxkj ds fy, ik=rkA	949. बन्दी खुली कारागार में बदलने के लिए विचारण हेतु पात्र हो सकता है, यदि वह,-(क) नियम 947 में विनिर्दिष्ट किन्हीं प्रवर्गों में नहीं आता है ; (ख) अर्ध-खुली कारागार में एक वर्ष पूरा कर लिया है, यदि दस वर्ष तक दण्डादिष्ट किया गया है तथा यदि दस वर्ष से अधिक के लिए दण्डादिष्ट किया गया है, दो वर्ष पूरे dj fy, gS(¼x½ v/kZ&[kqyh f'kfoj dkjkxkj ds Hkhrj Js"B vkpj.k vuqjf{kr fd;k gS rFkk mfpr fu"Bk rFkk ifjJe ls Je fd;k gS (¼?k½ vPNs vkpj.k dk gS rFkk Lor%&vuq'kklu cuk, j[krk gS (rFkk ¼³½ etcwr fxjksg lek;ksT;rk rFkk ftEesokjh dh le> j[krk gSA
बन्दियों को cnyus ds fy, चयन प्रक्रिया।	950. (1) (क) अधीक्षक प्रत्येक वर्ष जनवरी तथा जुलाई के प्रथम सप्ताह में महानिदेशक कोoxhZdj.k rFkk lqj{kk fuxjkuh lfefr dh flQkfj'k lfgr v/kZ&[kqyh कारागार में बदलने के ईच्छुक तथा पात्र बन्दियों के आवेदन भेजेगा ; (b) अर्ध-खुली कारागार का प्रभारी अधिकारी खुली कारागार में बदलने के लिए ईच्छुक तथा पात्र बन्दी का आवेदन अधीक्षक को भेजेगा जो प्रत्येक वर्ष अप्रैल तथा अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में महानिदेशक को वर्गीकरण तथा सुरक्षा निगरानी lfefr dh flQkfj'k lfgr vkosnu vxzsf"kr djsxkA (2) महानिदशेक सूची में से अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार, जैसी भी स्थिति हो,में बदले जाने वाले पात्र बन्दियों के नामों की सिफारिश करने के लिए स्क्रीनिंग समिति का गठनdjsxkA (3) egkfuns'kd] le;≤ ij] vkokl dh miyC/krk ds v/;/khu] LØhfuax lfefr dh सिफारिश की जांच करने के बाद अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार, जैसी भी स्थिति हो, मेंपात्र बन्दियों को बदलने के आदेश देगा।

	(4) उन बन्दियों को अधिमान दिया जाएगा, जो दस्तकार, नाई, दर्जी, कारीगर, चिकित्सक,पैरामैडिक्स, आई टी व्यावसायिक आदि हैं या किसी क्षेत्र में कुछ कौशल या विशेषज्ञता रखते है तथावृद्ध बन्दियों को युवा बन्दियों की अपेक्षा अधिमान दिया जाएगा।
बन्धपत्र प्रस्तुतdjukA	951. (1) अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार में प्रवेश के लिए चयनित प्रत्येक बन्दीमहानिदेशक द्वारा अच्छे व्यवहार के लिए यथा विनिर्दिष्ट राशि के प्रतिभूति बंधपत्र प्रस्तुत करेगा।ca/ki= fu;fer dkjkxkj ds v/kh{kd }kjk Lohd`r fd;k tk,xkA (2) यदि बन्दी को अधीक्षक द्वारा किसी बड़े कारागार अपराध के लिए दण्िडत किया गयाहै, तो बंधपत्र जब्त कर लिया जाएगा।

dk;Z dh ifjfLFkfrA	952. (1) cUnh v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa uhps fofufnZ"V Lo:i ds ,d ;k इससे अधिक कार्य करके अपनी आजीविका अर्जित करेगा, अर्थात्,- (क) कृषि ; (ख) डेयरी फार्मिंग ; (c) निर्माण कार्यकलाप या औद्योगिक कार्य ; (d) सूचना प्रौद्योगिकी या सेवा क्षेत्र ; (e) fuekZ.k ;k ejEer dk;Z bR;kfn((f) बाहरी कैन्टीन प्रबन्धन या कारागार विभाग द्वारा खोली गई दुकाने; या (six) समय-समय पर अधीक्षक या महानिदेशक द्वारा अनुमत किए गए कोई अन्य dk;ZA (2) साधारणतः बन्दियों के लिए कार्य समय नियमित कारागार के खुलने तथा बन्द होने केसमय के बीच होगा: परन्तु लिखित में अभिलिखित कारणों से महानिदेशक इन समयों से बाहर कार्य करनेके लिए किसी बन्दी को अनुज्ञात कर सकता है। (3) ;fn fdlh cUnh ds ikl v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa djus ds fy, कोई कार्य नहीं है, तो उसे अधीक्षक द्वारा अर्ध-खुली कारागार के मामले में 10 किलोमीटर तथाखुली कारागार के मामले में 20 किलोमीटर के घेरे के भीतर बाहर कार्य करने के लिए अनुज्ञात कियाtk ldrk gS % परन्तु ऐसा बन्दी प्रभारी अधिकारी को कार्य के स्थान में तथा नियोजक आदि के सम्पूर्णब्योरे देगा। (4) कारागार प्राधिकारी किसी भी समय पर कार्य के स्थान का निरीक्षण कर सकते हैं, यदिबन्दी कार्य के स्थान पर नहीं पाया जाता है, तो उसे नियमित कारागार में स्थानान्तरित किया जाएगातथा उसके विरूद्व इस प्रकार कार्यवाही की जाएगी मानो उसने कोई बड़ा कारागार अपराध कियाgSA (5) v/kh{kd v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnys x, cUnh dh mlds dk;Z की प्रक्रिया में सहायता करेगा तथा सुनिश्चित करेगा कि बन्दी को उसके नियोजक द्वारा समय-समयij ljdkj }kjk ;Fkk fu;r U;wure etnwjh dk Hkqxrku fd;k tk jgk gSA (6) यदि खुली कारागार में बदले गए किसी बन्दी को कोई कार्य करने के लिए अधीक्षकद्वारा नियोजित किया गया है, तो उसे ऐसी न्यूनतम मजदूरी का भुगतान किया जाएगा जो समय-समयij ljdkj }kjk fu;r dh tk,A (7) सरकारी संगठनों तथा पंजीकृत गैर-सरकारी संगठनों को अर्ध-खुली कारागार याबाहरी कारागार में बदले गए बन्दी को कार्य मुहैया कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। (8) कोई बन्दी, जिसका आचरण प्रभारी अधिकारी की राय में असन्तोषजनक है या जोअपनी आजीविका अर्जित करने में असफल होता है या जो किसी अन्य कारण से अर्ध-खुली कारागारया खुली कारागार में ठहरने के लिए अयोग्य पाया जाता है, ऐसे बन्दी की विस्तृत रिपोर्ट अधीक्षकको भेजी जाएगी, जो ऐसे बन्दी को नियमित कारागार में वापस अन्तरित करने के लिए अपनीसिफारिश सहित महानिदेशक को रिपोर्ट भेजेगा। टिप्पणः- महानिदेशक उचित एस्कोर्ट के अधीन मेले आदि में कारागार उत्पाद के विपणन के लिए भाग लेने के लिए अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार के बन्दियों को अनुमति दे ldrk gSA

बन्दियों का बैंक[kkrkA	953- v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnyk x;k cUnh Lo;a ;k vius ifjokj ds lnL; के माध्यम से अपना बैंक खाता अनुरक्ष[ित करेगा तथा उससे उत्पन्न या अर्जित आमदनी वही रखेगा।
[kqyh dkjkxkj में बन्दियों काifjokjA	954. (1) खुली कारागार में बदला गया बन्दी अपने परिवार सहित रहेगा। किसी भी बन्दी कोखुली कारागार में नहीं बदला जाएगा, जिसके साथ परिवार का कोई सदस्य रहने के लिए तैयारugha gSA (2) [kqyh dkjkxkj esa jgus okyk ifjokfjd lnL; vuq'kklu] lkQ&lQkbZ rFkk mfpr स्वास्थ्यकारिता बनाए रखेगा।

	(3)खुली कारागार में रहने को ईच्छुक परिवारिक सदस्य प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वाराविधिवत सांक्ष्याकिंत शपथ-पत्र के रूप में इस आशय का एक वचन देगा कि वह खुली कारागार मेंअनुशासन तथा व्यवस्था के अनुरक्षण के लिए प्रभारी अधिकारी/अधीक्षक द्वारा दिए गए आदेशों,निर्देशों तथा हिदायतों का पालन करेगा। (4) fdlh cUnh ds fdlh ifjokfjd lnL; }kjk dnkpkj ds ekeys esa v/kh{kd] [kqyh कारागार से परिवार के सदस्य को वापिस लौटाएगा। सम्बन्धित बन्दी को भी तुरन्त बाहरी कारागारls fu;fer dkjkxkj esa cnyk tk,xkA
ekQh] vLFkkbZ fjgkbZ bR;kfnA	955. (1) v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnyk x;k cUnh mlds lnkpkj] vuq'kklu तथा कार्य के लिए छह दिन प्रति मास के मापक्रम पर साधारण माफी का हकदार होगा तथानियमानुसार समय-समय पर सरकारी माफी या अधीक्षक तथा महानिदेशक द्वारा दी गई विशेष माफीके लिए भी पात्र होगा। बन्दी की विवरण-टिकट तथा अन्य दस्तावेज नियमित कारागार में रखे तथाvuqjf{kr fd, tk,axsA (2) v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnyk x;k cUnh] mldh ik=rk ds v/;/khu] नियमित कारागार के अन्य बन्दियों के बराबर पैरोल या फरलो के लिए हकदार होगा। किसी बन्दीको इस सम्बन्ध में औपचारिकताएं पूरी करने के उद्देश्य से उसकी रिहाई की तिथि से एक दिन पूर्वfu;fer dkjkxkj esa cnyk tk ldrk gSA (3) बन्दी की रिहाई की तिथि नियमित कारागार प्राधिकारियों द्वारा परिकलित की जाएगीतथा तदानुसार ऐसे बन्दी को उसकी रिहाई की तिथि से एक सप्ताह पूर्व नियमित कारागार मेंvUrfjr fd;k tk,xkA
भागना।	956. (1) अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार या कार्य स्थल से किसी का भागना नियमितकारागार से भागने के बराबर होगा तथा नियमित कारागार में यथा लागू ऐसी विधिक कार्रवाई केअध्यधीन होगा। (2) अधीक्षक को अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार या कार्य स्थल से भागने की तिथितक भगोड़े बन्दी द्वारा अर्जित सभी माफी जब्त करने की स्वतन्त्रता होगी। (3) v/kh{kd v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh dkjkxkj esa cnyus ds le; ij cUnh }kjk nh गई प्रतिभूति बंधपत्र को भी जब्त करेगा। यदि प्रतिभूति राशि वसूल नहीं की गई है, तो वह सम्बन्धितजिले से जिला मैजिस्ट्रेट को भू-राजस्व के बकाया के रूप में उसकी वसूली के लिए मामला भेजेगा।
cUnh iapk;rA	957. (1) नियम 553 के अनुसार पांच सदस्यों से मिलकर बनी बन्दियों की पंचायत गठित कीजाएगी। इस प्रकार चयनीत सदस्य उनमें से एक सरपंच का चयन करेंगे। पंचायत प्रत्येक वर्ष प्रथमअप्रैल को चुनी जाएगी तथा इसकी अवधि एक वर्ष होगी। (2) बन्दी पंचायत बन्दियों तथा उनके परिवार के सदस्य की चूक, कार्य या कदाचार केलघु कार्यों का निपटान करने के लिए सशक्त होगी। यह पांच सौ रूपए तक जुर्माना अधिरोपित करसकती है या ऐसे चूक कर्ता के साधारण उपयोगिता का श्रम करने के लिए या ऐसे चूककर्ता कोसुविधाओं को कम करने के आदेश कर सकती है: परन्तु ऐसी शास्तियां केवल प्रभारी अधिकारी के अनुमोदन पर प्रभावी होंगी।
औषधालय।	958. खुली कारागार में एक औषधालय स्थापित किया जाएगा। नियमित कारागार में तैनात चिकित्साअधिकारी एक सप्ताह में दो बार खुली कारागार का दौरा करेगा तथा जरूरत मन्द बन्दियों या उसकेपरिवार के सदस्य को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराएगा। बन्दी नियमित कारागार में बन्दियों केसमान दवाई तथा अन्य चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त

	करने के हकदार होगा। आपात चिकित्सा की स्थितिमें बीमार बन्दी को नियमित कारागार अस्पताल या सरकारी अस्पताल ले जाया जाएगा, तथा अंतरंगउपचार के लिए बन्दी को उसके स्वास्थ्यलाभ तक नियमित कारागार में अन्तरित किया जाएगा।
vkUrfjd प्रबन्धन, vuq'kklu] lqj{kk rFkk lq[k&lqfo/kk,aA	959. (1) egkfuns'kd dk;Z LFky dh fLFkfr cUnh }kjk fd, tkus okys dk;Z rFkk lqj{kk vkfn] के बारे में अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार के आन्तरिक प्रबन्धन के लिए साधारण हिदायतेंजारी करेगा। ये हिदायतें बन्दियों तथा उनके परिवार के सदस्यों द्वारा पालन किए जाने वाले मानकोंसे युक्त होंगी। (2) v/kh{kd [kqyh dkjkxkj esa vuq'kklu rFkk O;oLFkk ds vuqj{k.k ds fy, fgnk;rsa tkjh या, युक्तियुक्त शर्ते भी अधिरोपित कर सकता है। ऐसी हिदायतें या शर्ते लिखित में होंगी तथा सभीबन्दियों को उसकी एक प्रति दी जाएगी।

	(3)बन्दी नियमित कारागार के खुलने तथा बन्द होने के लिए नियत समय पर प्रत्येकप्रातःकाल तथा सांयकाल हाजिरी में उपस्थित होगा। (4) अधीक्षक प्रत्येक सप्ताह हाजिरी के समय पर खुली कारागार का निरीक्षण करेगा तथासहवासियों से मुलाकात करेगा। (5) प्रभारी अधिकारी प्रतिदिन हाजिरी के समय अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार कादौरा करेगा तथा अनुशासन तथा व्यवस्था के अनुरक्षण के लिए जिम्मेवार होगा। (6) खुली कारागार में सुरक्षा के प्रयोजन के लिए अधीक्षक द्वारा आवश्यक समझे गए अनुसारअपेक्ष्ित रक्षा कार्मिक प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। अनुकूल स्थानों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे स्थापित किएजाएंगे। खुली कारागार में नियुक्त सुरक्षा अमला त्रैमासिक बदला जाएंगा। सुरक्षा अमला प्रभारीअधिकारी के नियन्त्रण तथा पर्यवेक्षण के अधीन डयूटी करेगा, जो बन्दियों के उचित अनुशासन,नियमित हाजिरी तथा उनके कार्य कलापों पर निगरानी सुनिश्चित करेगा। (7) खुली कारागार में मुलाकातियों की प्रविष्टि विनियमित की जाएगी तथा सुरक्षा कारणोंrFkk vuq'kklu cuk, j[kus ds mís'; ls vLohd`r Hkh dh tk ldrh gSA eqykdkrh dh ryk'kh yh जाएगी तथा मुलाकात के लिए उसे अनुज्ञात करने से पूर्व उसके प्रत्यय-पत्रों की जांच की जाएंगी।eqykdkr ,oa eqykdkrh jftLVj lqj{kk LVkQ }kjk vuqjf{kr fd;k tk,xk rFkk fu;fer dkjkxkj को यथा लागू मुलाकात के लिए नियमों का पालन किया जाएगा। (8) परिवार के सदस्यो सहित खुली कारागार के सभी बन्दियों के सम्पूर्ण ब्योरों सहित सूचीअधिकारिता रखने वाले पुलिस थाने में भेजी जाएगी। (9) अर्ध-खुली कारागार या खुली कारागार के प्रत्येक बन्दी तथा परिवार सदस्यों, जो खुलीकारागार में बन्दियों के साथ रहते हैं। को अधीक्षक द्वारा एक पहचान-पत्र जारी किया जाएगा प्रत्येकबन्दी तथा उसके परिवार के सदस्यों के लिए हर समय पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। (10) किसी बन्दी को खुली कारागार में उसके अपने खर्च पर टेलीविजन सेट, खेल तथाअन्य मनोरंजनात्मक सुविधाएं रखने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है। (11) आठ वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए खुली कारागार में एक क्रेच स्थापित कीtk,xhA
fujh{k.kA	960- vij egkfujh{kd] egkfujh{kd ;k vij egkfuns'kd] dkjkxkj] v/kZ&[kqyh dkjkxkj ;k [kqyh कारागार का एक कलैण्डर वर्ष में कम से कम एक बार निरीक्षण करेगा तथा महानिदेशक को अपनीरिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
gfj;k.kk कारागार नियमोंdk ykxwdj.kA	961. इन नियमों के सभी अन्य उपबन्ध यदि इस अध्याय के नियमों से भिन्नता में नहीं है, अर्ध-खुलीकारागार या खुली कारागार को भी लागू होंगे।

dkjkxkj dSUVhu dh LFkkiukA

v/;k; 44

dkjkxkj dSUVhu

962. निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए प्रत्येक कारागार में एक कैन्टीन खोली जाएगी, अर्थात्:- (क) उचित मूल्य पर वस्तुओं जैसे कि खाद्य, दैनिक प्रयोग वस्तुएं, निजी स्वास्थ्य कारिता oLrq,a] ys[ku lkexzh] varjh; oL=] oL=] cwV vkfn dh vkiwfrZ dk lqxe cukuk((ख) क्रीड़ा, ख्ेाल, सांस्कृतिक कार्यकलापों, राष्ट्रीय त्योहारों का मनाना, अन्य त्योहार तथा अन्य मनोरंजनात्मक प्रयोजनों के लिए निधियां उपलब्ध कराना;

(c) किसी अन्य प्रयोजन के लिए जो समय-समय पर महानिदेशक द्वारा निर्णीत किया जाए।

dSUVhu dk प्रबन्धन।

963-¼1½ vFkkZr~ %&	dSUVhu dk lk/kkj.k izcU/ku fuEufyf[kr dks feykdj cuh lfefr dks lkSaik tk,xk]

¼d½	v/kh{kd	v/;{k
¼[k½	mi v/kh{kd ¼m|ksx rFkk dY;k.k½	mik/;{k
¼x½	mi lgk;d@lgk;d v/kh{kd	lnL;&lfpo
¼?k½	lgk;d dk;kZy;@ys[kkdkj@fyfid	lnL;
¼³½	eq[; okMZj@okMZj	lnL;
¼p½	rhu cUnh	lnL;
¼N½	nks fopkjk/khu cUnh	lnL;

(2) अधीक्षक कैन्टीन कार्य में सहायता के लिए कार्य की मात्रा के अनुसार एक या अधिक बन्दियों को नियुक्त कर सकता है।

(3) v/kh{kd ds futh i;Zos{k.k rFkk fu;U=.k ds v/khu dSUVhu pykus ds fy, eq[; :i से उप सहायक/सहायक अधीक्षक, जिम्मेवार होगा।

(4) समिति के सदस्य-सचिव तथा सदस्यों की पदावधि छह मास होगी। उन्हें दो वर्ष की lekfIr ls iwoZ lfefr esa iqu% ukekafdr ugha fd;k tk,xkA

vkoklA

964. (1) dSUVhu ds fy, mi;qDr Nrnkj vkokl dsUnzh; rFkk lqfo/kktud LFkku ij miyC/k djk;k tk,xkA

(2) भोजन बनाने तथा भोजन तथा पेय की वस्तुओं के भण्डारण के लिए उचित स्वास्थ्यकारिता O;oLFkk dh tk,xhA

(3) कारागार की प्राधिकृत क्षमता के अनुसार बन्दियों की युक्तियुक्त संख्या के लिए बायोमीट्रिक leFkZ foØ; dkÅaVj rFkk cSBus dh i;kZIr O;oLFkk miyC/k djkbZ tk,xhA

tekA

965-(1) बन्दियों के परिवार के सदस्य/रिश्तेदारों को केवल आनलाईन पद्धति के माध्यम से उनके

	कैन्टीन खाते में धनराशि जमा करने के लिए अनुमति होगी। (2) LVkQ lnL; Hkh dSUVhu ls fdlh oLrq dh [kjhn ds fy, dSUVhu [kkrs esa /kujkf'k tek dj ldrs gSaA (3) धनराशि की अधिकतम राशि, जो एक कलैण्डर मास में जमा की जा सकती है, समय-समय ij egkfuns'kd }kjk fu/kkZfjr dh tk,xh % परन्तु किसी भी समय पर कोई बन्दी या स्टाफ सदस्य विहित राशि से अधिक कोई धनराशि नहीं रखेगा।
लेखों का vuqj{k.k rFkk ys[kk ijh{kkA	966. (1) dSUVhu esa fuEufyf[kr jftLVj rFkk fjdkMZ vuqjf{kr fd, tk,axs] vFkkZr~%& (क) स्टॉक रजिस्टर ; (ख) विक्रय रोजनामचा ; (c)रोकड़-बही; (d) [kkrk&cgh(

	(e)भोजन तैयार करने का रजिस्टर। (2) उपरोक्त (क), (ख) तथा (ग) पर वणर्ित रजिस्टर तथा रिकार्ड उप-अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) तथा अधीक्षक के निजी पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण के अधीन उप-सहायक/सहायक अधीक्षक }kjk vuqjf{kr fd, tk,axsA (3) रोकड़ बही तथा खाता-बही अधीक्षक के निजी पर्यवेक्षण के अधीन सहायक dk;kZy;@ys[kkdkj@fyfid }kjk vuqjf{kr fd;k tk,xkA (4) रोकड़-बही अधीक्षक के हस्ताक्षर के अधीन प्रतिदिन सन्तुलित किया जाएगा तथा प्रत्येक ekl ds vUr esa feyku fd;k tk,xkA (5) कैन्टीन खाते महानिदेशक द्वारा यथा विनिर्दिष्ट बैंक में खोले जाएंगे। (6) कैन्टीन खाते लेखाकार, यदि कोई हो, या स्वयं उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) द्वारा rhu ekl esa de ls de ,d ckj tkaps tk,axsA (7) खाते महानिदेशक द्वारा प्रतिनियुक्त अनुभाग अधिकारी/वरिष्ठ लेखा अधिकारी द्वारा वार्षिक :i ls ys[kkijhf{kr fd, tk,axsA
Ø;A	967. (1) कैन्टीन की वस्तुएं अधीक्षक के नियन्त्रण तथा आदेशों के अधीन क्रय की जाएंगी। (2) Ø; ;Fkk lEHko fdQk;rh jhfr esa fd;k tk,xkA tc oLrq, [kqys cktkj ls [kjhnh जाती हैं, तो दरों/कुटेषनों की तुलनात्मक प्रणाली यथासंभव अपनाई जाएगी तथा क्रय निम्नतम दरपर किए जाएंगे, यदि इसके प्रतिकूल विशेष कारण हैं, तो उसे लिखित में अभिलिखित किया जाएगा। (3) क्रय विकारीय वस्तुओं के मामले के सिवाए, लघु मात्राओं में नहीं किए जाएंगे। अविकारीयवस्तुओं के समय-समय पर मांगपत्र तैयार किए जाएंगे तथा यथा सम्भव ज्यादा से ज्यादा वस्तुएं ऐसेमांगपत्रों द्वारा प्राप्त की जाएंगी। क्रय वास्तविक आवष्कताओं से अधिक अग्रिम में नहीं की जाएगी यदिऐसी वस्तुएं अलाभकर साबित होती हैं।

	(4) ,sls Ø; ds fy, ekaxi= mi lgk;d@lgk;d v/kh{kd }kjk rS;kj fd;k tk,xkA mls उप अधीक्षक(उद्योग तथा कल्याण) द्वारा विधिवत सत्यापित तथा अधीक्षक द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। (5) प्राप्ति के बाद सारी आपूर्ति उप सहायक/सहायक अधीक्षक के आद्याक्षर अधीन कैंटीन केLVkWd jftLVj esa ntZ dh tk,xhA
foØ;A	968. दस प्रतिशत से अनधिक लाभ किसी वस्तु के थोक मूल्य पर प्रभारित किया जाएगा: परन्तु कोई भी उत्पाद किसी भी परिस्थिति में अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक पर नहीं बेचाtk,xkA
dSUVhu esa j[kh tkus okyh oLrq,aA	969. कैन्टीन में रखी जाने वाली वस्तुएं ऐसी होंगी जो महानिदेशक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्टdh tk,aA
dSUVhu dk le;A	970- ¼1½ ¼2½ jgsxhA | dSUVhu dk dk;Z le; dkjkxkj ds cUn gksus ds ckn vkSj [kqyus ls iwoZ gksxkA dSUVhu] lR;kiu ds ckn LVkd ysus ds fy, izR;sd ekl ds vfUre 'kfuokj dks cUn
ykHk dk उपयोग।	971. (1) कैन्टीन विक्रय आदि से उत्पन्न लाभ "कारागार सहवासी कल्याण निधि" संघटित करेगातथा प्रत्येक कारागार में इस निधि के लिए एक पृथक खाता खोला जाएगा। (2) इस निधि का प्रयोग महानिदेशक द्वारा विहित मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) केअनुसार केवल बन्दियों के कल्याण के लिए किया जाएगा। (3) अधीक्षक निम्नलिखित रीति में "कारागार सहवासी कल्याण निधि" का प्रयोग करने केलिए सशक्त होगा, अर्थात्:- (क) राष्ट्रीय त्योहार मनाने तथा महानिदेशक द्वारा यथा अधिसूचित अन्य अवसरों पर 20/- रूपए प्रति बन्दी की दर से ; (ख) प्रति मास एक समय पर खेल की एक मद पर 5/- रूपए प्रति बन्दी की दर से ; ¼x½ | cfUn;ksa ds iz;ksx ds fy, okVj dwyj] iz{ksid ¼izkstSDVj½] VSyhfotu lsV] /ofu iz.kkyh vkfn tSls enksa dh [kjhn rFkk ejEer ds fy, 25000@& :i, izfr

	मास। यदि राशि 25000/- रूपए से अधिक हो जाती है, तो महानिदेशक की पूर्व स्वीकृति प्राप्त की जाएगी ; (d) नाटक, संगीत तथा नृत्य, संगोष्ठी आदि जैसे सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए ;(e) महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन से किसी अन्य कल्याण प्रयोजन के लिए।
dSUVhu esa कार्यरत बन्दियोंds fy, etnwjhA	972. कैन्टीन में कार्यरत बन्दियों की मजदूरी 'कारागार सहवासी कल्याण निधि' से भुगतान की जाएगी।
lkekU; micU/kA	973. (1) कैन्टीन में सभी संचालन/संव्यवहार कैषलैस होगा। (2) कैन्टीन के स्टाक का भौतिक सत्यापन प्रत्येक वर्ष जनवरी तथा जुलाई के प्रथम सप्ताहमें उप अधीक्षक (उद्योग तथा कल्याण) द्वारा तथा अप्रैल तथा अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में अधीक्षक द्वाराकिया जाएगा। इस सम्बन्ध में भौतिक सत्यापन के एक सप्ताह के भीतर एक प्रमाण-पत्र महानिदेशकको भेजा जाएगा।

	(3) कैन्टीन वाण्िाज्यिक आधार पर नहीं चलाई जाएगी। यह बन्दियों के लाभ तथा कल्याण केलिए चलाई जाएगी तथा पूंजी निवेश बन्दियों द्वारा अपने कैन्टीन खातों में जमा के माध्यम से स्वयंfd;k tk,xkA rFkkfi] dSUVhu ds fy, QuhZpj] fQfVax rFkk vU; midj.k ^^dkjkxkj lgoklh dY;k.k निधि" में से क्रय किये जा सकते हैं। (4) प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर एक तुलन-पत्र तैयार किया जाएगा तथा अनुमोदन केलिए प्रबन्धन समिति के सम्मुख रखा जाएगा। तुलन-पत्र की एक प्रति बन्दियों की सूचना के लिएकैन्टीन के निकट स्थान पर प्रदर्शित की जाएगी। (5) कैन्टीन की उपभोज्य वस्तुओं से अन्यथा सभी सम्पतियाँ, सम्पति रजिस्टर में दर्ज कीtk,axh rFkk v/kh{kd }kjk frekgh :i ls lR;kfir dh tk,axhA (6) कैन्टीन के दिन-प्रतिदिन के कार्य के बारे में विस्तृत हिदायतें समय-समय पर महानिदेशक}kjk tkjh dh tk,xhA
fujlu rFkk O;ko`fRrA	974. (1) हरियाणा राज्य को यथा लागू पंजाब जेल मैन्युअल तथा इस निमित्त जारी अन्य सभी सुसंगत आदेष, अधिसूचनाएं तथा हिदायतें, इसके द्वारा, निरसित की जाती हैं। (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित पंजाब जेल मैन्युअल, आदेष, अधिसूचनाएं तथा हिदायतों के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई, इन नियमों के समरूप उपबन्धों के अधीन की गई कोई बात या की गई कोई कार्रवाई समझी जाएगी।

टी० वी० एस० एन० प्रसाद,
vij eq[; lfpo] gfj;k.kk ljdkj]
जेल विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
JAILS DEPARTMENT
Notification
The 30th December, 2022
No. S.O.89/C.A.9/1894/S.59/2022.— In exercise of the powers conferred under section 59 of the Prisons Act, 1894 (Central Act 9 of 1894) the Governor of Haryana, hereby makes the following rules, namely:-

CHAPTER 1

TITLE AND DEFINITIONS

Short title, application, commencement and application of other laws.

1.	(1)	These rules may be called the Haryana Prison Rules, 2022.
	(2)	These rules shall apply to all prisons in the State with regard to its administration and management, staff members, convicts, under-trial prisoners, civil prisoners, female prisoners, young offenders, and detainees under preventive detention laws.

(4) The establishment and management of prisons, the confinement, release, treatment, and transfer of prisoners, the maintenance of discipline, and all other matters relating to prisons and prisoners shall also be governed by the enactments for the time being in force, including inter alia the following, namely: -

	Part 1 *Central and State Acts* (i) *The Indian Penal Code, 1860 (Central Act 45 of 1860)* (ii) *The Prisons Act, 1894 (Central Act 9 of 1894)* (iii) *The Prisoners Act, 1900 (Central Act 3 of 1900)* (iv) *The Code of Civil Procedure, 1908 (Central Act 5 of 1908)* (v) *The Criminal Procedure (Identification) Act, 2022 (Central Act 11 of 2022)* (vi) *The Factories Act, 1948 (Central Act 63 of 1948)* (vii) *The Transfer of Prisoners Act, 1950 (Central Act 29 of 1950)* (viii) *The Representation of People's Act,1951 (Central Act 43 of 1951)* (ix) *The Prisoners (Attendance in Courts) Act, 1955 (Central Act 32 of 1955)* (x) *The Foreigner Act, 1946 (Central Act 31 of 1946)* (xi) *The Probation of Offenders Act, 1958 (Central Act 20 of 1958)* (xii) *The Arms Act, 1959 (Central Act 54 of 1959)* (xiii) *The Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act,2022 (15 of 2022)* (xiv) *The Code of Criminal Procedure Code, 1973 (Central Act 2 of 1974)* (xv) *The National Security Act, 1980 (Central Act 65 of 1980)* (xvi) *The Protection of Human Rights Act, 1993 (Central Act 10 of 1994)* (xvii)*The Repatriation of Prisoners Act, 2003 (Central Act 49 of 2003)* (xviii)*The Right to Information Act, 2005 (Central Act 22 of 2005)* (xix) *The Haryana Right to Service Act, 2014 (4 of 2014)* (xx) *The Juvenile Justice Act, 2015 (Central Act 2 of 2016)* (xxi) *The Mental Healthcare Act, 2017 (Central Act 10 of 2017)*

	Part 2 *Rules and Manuals* (i) The Punjab Jails Department (Class-I), Service Rules, 1972, as amended from time to time (ii) The Punjab Jails Department (Class-II), Service Rules, 1963 (iii) The Haryana Jails Services (Group - C), Rules, 2022. (iv) The Punjab Jails Department (Clerical and Technical Class-III), Rules, 1963 (v) The Haryana Civil Services (General) Rules, 2016 (vi) The Punjab Financial Rules as applicable to the State of Haryana. (vii) The Haryana Civil Services (Government Employees Conduct) Rules, 2016.
	Part 3 All relevant standing orders, rules issued by the Government and Jails Department, from time to time, regarding financial and administrative matters of the Prisons and rulings of High Court and Supreme Court on Prison administration.

2.	(1)	In these rules, unless the context otherwise requires, -		
		(i)	**"Act"** means the Prisons Act, 1894(Central Act 9 of 1894);	
		(ii)	**"Additional Director General" means** Additional Director General of	

Definitions.

Prisons;

(iii) **"Additional Inspector General" means** Additional Inspector General of Prisons;

(iv) **"adolescent prisoner"** means a prisoner who has not attained the age of twenty-one years;

(v) **"adult prisoner"** means a prisoner who is of the age of twenty-one years or above;

(vi) **"aftercare service"** means any activity aimed at financial rehabilitation and social integration of released prisoners into the mainstream of society;

(vii) **"approved means of communication"** means postal services, electronic means of communication or any other means of communication as approved by the Government from time to time;

(viii) **"biometrics"** means any measurement or human body characteristics, such as DNA, fingerprints, eye-retina or iris, voice pattern or limb measurements by which a human being may be uniquely identified;

(ix) **"casual prisoner"** means a prisoner other than a habitual offender and high-risk prisoner;

(x) **"cellular confinement"** means such confinement, with or without labour, as entirely secludes a prisoner from communication with but not from sight of other inmates;

(xi) **"central prison"** means a prison designated as such by the Government by

(xii) **"Chief Probation and Welfare Officer"** means an officer of the rank of Superintendent appointed by the Government as Chief Probation and Welfare Officer;

(xiii) **"civil prisoner"** means any prisoner who is not committed to custody under a writ, warrant, or order of any court or authority exercising criminal jurisdiction, or by order of a Court-martial and who is not a detenue;

(xiv) **"compartment"** उमंदे ंदल तववउए ूवतीवचए हवकवूद वत वजीमत बवअमतमकए enclosed and protected place in a prison, other than a cell or ward;

(xv) **"competent authority"** means an officer or authority having jurisdiction and legal authority to deal with a particular matter in question;

(xvi) **"confinement"** means confinement in a prison and includes detention therein under any law providing for preventive detention;

(xvii) **"convict"** means any prisoner who has been sentenced for any term by a Court of law or tribunal or under Court-martial;

(xviii) "**convicted criminal prisoner**" means any criminal prisoner under sentence of a Court or Court-martial, and includes a person detained in prison under the provisions of Chapter VIII of the Code of Criminal Procedure, 1973(Central Act 2 of 1974) or under the Prisoners Act, 1900 (Central Act 3 of 1900);

(xix) **"convict officer"** means a prisoner appointed to assist the staff members in the administration of the prison under Chapter 35 of these rules;

(xx) **"correctional services"**means any service that is provided pursuant to the Act, or under a program established pursuant to the Act, and includes services related to the assessment, supervision, treatment, training, control, custody, reformation, and rehabilitation of offenders;

(xxi) **"Court"** means a Court established by any law for the time being in force and includes any officer or authority vested with the powers or exercising civil, preventive criminal or revenue jurisdiction under any law for the time being in force;

(xxii) **"criminal prisoner"** means any prisoner duly committed to custody under the writ, warrant or orders of any court exercising criminal jurisdiction or Court-martial;

(xxiii) **"Deputy Superintendent Jail (Administration)"** means agazetted officer designated as such by the Government;

(xxiv) **"Deputy Superintendent Jail (Industries and Welfare)"** means a gazetted officer designated as such by the Government;

(xxvi) **"Department** "means the Jails Department, Haryana;

(xxvii) **"Deputy Inspector General"** means Deputy Inspector General of Prisons;

(xxviii) **"detenue"** means any person detained in a prison on the orders of the competent authority under the relevant preventive laws;

(xxix) **"Director General"** means the Director General of Prisons;

(xxx) **"District Prison"** means any prison to which prisoners from one or more districts are ordinarily committed and includes every prison other than a Central Prison, maximum security prison, Special Prison, Sub Prison, Open Air Prison or Semi-Open Air Prison;

(xxxi) **"District Probation Officer"** means the District Probation Officer appointed by the Government under the Probation of Offenders Act, 1958 (Central Act 20 of 1958);

(xxxii) **"duty officer"** means an officer not below the rank of Head Warder assigned by the Superintendent to be the executive in- charge of the main gate, to supervise the guarding personnel and deal with any emergent situation;

(xxxiii) **"executive in-charge"** means an officer, not below the rank of Head Warder assigned by the Superintendent to be the executive in- charge of any ward, barrack, enclosure, or any other area of the prison;

(xxxiv) **"family"** means the spouse, children, sibling, parents, grand parents, or grand children of the prisoner;
(xxxv) **"foreign prisoner"** उमंदे ं चतपेवदमत ूीव पे दवज ं बपजप्रमद व िप्दकपंय
(xxxvi) **"furlough"** means temporary release from custody of a convicted prisoner on account of good behavior over a period of time as specified by the relevant Act, rules, or instructions.

(xxxvii)**"gangster"** means an individual, committing an activity prohibited by law, ेपदहसल वत रवपदजसलए मपजीमत ंे ं उमउइमत व िद वतहंदप्रमक बतपउम ेलदकपबंजम वत वद behalf of such syndicate, by use of violence or threat of violence or intimidation or other unlawful means, to gain pecuniary benefits, or gaining undue economic or other benefits for himself or any other person;
(xxxviii)**"geriatric inmate"** means a prisoner who is sixty-five years of age or above and medically unable to manage his daily affairs independently without assistance;
(xxxix) **"Government"** means the Government of the State of Haryana in the administrative department;
(xl) **"habitual offender"** means a prisoner who has been convicted in two or more cases, or is convicted in one case and facing trial in two or more cases, or is facing trial in three or more cases;
(xli)
"hardcore prisoner" shall have the same meaning as defined in the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 2022 (15 of 2022); (xlii) **"Head of the Department"** means the Director General of Prisons;
(xliii) **"high-risk prisoner"** means a prisoner with a high propensity towards violence, escape, self-harm, or disorderly behavior, or who is likely to create unrest in the prison and pose threat to public order, or who suffers from suicidal tendencies or any substance-related and addictive disorder with intermittent violent behavior, or who has a threat to limb or life from other prisoners or who are facing specific identifiable threat;
(xliv) **"history ticket"** means the ticket exhibiting such information as required in respect of each prisoner, by the Act, rules or instructions issued thereunder from time to time and includes a record of all important occurrences, sanctions accorded, and punishments awarded to the prisoner;
(xlv) **"inmate"** means a prisoner lawfully confined in a prison;
(xlvi) **"Inspector General"** means Inspector General of Prisons ;
(xlvii) **"institution"** means a place where prisoners are lawfully confined;
(xlviii) **"juvenile"** means any person who has been so defined under the provisions of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 (Central Act 2 of 2016);
(xlix) **"kotmauka"** means the area between the outer and inner peripheral walls of the prison;
(l) **"legal counsel"** means a practitioner within the meaning of the Legal Practitioners Act, 1879 (Central Act 18 of 1879) or the Advocates Act, 1961 (Central Act 25 of 1961);
(li) **"life sentenced prisoner"** means a prisoner sentenced to imprisonment for life;
(lii) **"Magistrate"** means any person exercising all or any of the power of a judicial magistrate under the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974);
(liii) **"maingate"** means the area between the inner and outer gate of the only entrance of prison also known as deodi;

(liv) **"maximum security prison"** means a prison meant for the confinement of high-risk prisoners including (but not limited to) Fundamentalists, communally indoctrinated persons, naxalites, terrorists, extremists, gang समंकमतेए चतवउपदमदज हंदह उमउइमतेए चतपेवदमते वतहंदप्रपदह वत ेनेचमबजमक व ि वतहंदप्रपदह बतपउम तिवउ पदेपकम जीम चतपेवदए वत जीवेम मगीपइपजपदह चमतेपेजमदज अपवसमदज behavior inside the prison, previous escapees, and those having a history of attack on police or prison personnel;

(lv) **"Medical Officer"** means a medical officer appointed as such by the Government;

(lvi) **"medical subordinate"** includes pharmacy officer, male nurse, female nurse, lab technician, etc.;

(lvii) **"military prisoner"** means a prisoner convicted by Court-martial or Armed Forces Tribunal;

(lviii) **"Narcotic Drug or Psychotropic Substance"** shall have the same meaning as assigned to it in the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (Central Act 61 of 1985);

(lix) **"notification"** means any authenticated information published in the Official व्ंमजजम वत ं दल वजीमत ंनजीवतप्रमक चनइसपबंजपवद पेनमक इल ं बवउचमजमदज ंनजीवतपजलय

(lx) **"offence"** means any act of commission or omission made punishable by any law for the time being in force;

(lxi) **"open prison, semi-open prison"** means any place or part or barrack inside any prison complex or any prison which is declared by the Government as such for the confinement of eligible convicted prisoners on such conditions, as may be prescribed for giving them more liberty and more opportunity of association with the social life and facilitating their rehabilitation after release;

(lxii) **श्वतहंदप्रमक बतपउमश्**means any continuing unlawful activity by an individual, ेपदहसल वत रवपदजसलए मपजीमत ंेे ं उमउइमत व िद वतहंदप्रमक बतपउम ेलदकपबंजम वत वद behalf of such syndicate, by use of violence or threat of violence or intimidation or coercion, or other unlawful means, to gain pecuniary benefits, or gaining undue economic or another advantage for himself or any person or promoting insurgency;

(lxiii) **"parole"** means the temporary release of a convicted prisoner from custody on account of good behavior over a period of time as specified by the relevant Act and rules framed thereunder. The period spent on parole shall not be counted towards the actual sentence;

(lxiv) **"prison"** means any place used permanently or temporarily under the general or special orders of the Government for the detention of persons including under trial prisoners, convicts, civil prisoners, preventive detenues or any other person as ordered by a court or a competent authority, and for the aftercare and rehabilitation of convicts, and includes all lands and buildings appurtenant thereto, but does not include,–

(a) any place for the confinement of persons who are exclusively in the custody of the police; or

(b) any place specially appointed by the Government under section 417 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974);

(c) any observation home, special home, children home, shelter home, place of safety under the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 (Central Act 2 of 2015) and protective home for women set up by the Government;

(lxv) **"prisoner"** means any person confined in prison under the order/warrant of a Court of law or any competent authority;

(lxvi) **"prisoner with mental illness"** means a prisoner with mental illness as defined in the Mental Health Care Act, 2017 (Central Act 10 of 2017);

(lxvii) **"Probation Officer"** means Probation officer appointed by the Government under the Probation of Offenders Act, 1958 (Central Act 20 of 1958);

(lxviii) **"prohibited article"** means an article which is prohibited and declared as such under the Act and under these rules or by an order of the Director General, Prisons;

(lxix) **"recidivist"** means a convict or under trial prisoner who re-offends;

(lxx) **"remission"** means the act of reducing the period of sentence of a prisoner without changing its character as per relevant provisions of law, rules and policy;

(lxxi) **"sentence"** means sentence as finally decided on appeal, revision or otherwise, and includes an aggregate of more sentences than one and an order of committal to prison in default of furnishing security for keeping the peace or good behavior;

(lxxii) **"separate confinement"** means such confinement with or without labour, as secludes a prisoner from communication with, but not from sight of other prisoners, and allows him not less than one hour's exercise per day, and to have his meals in association with one or more prisoners;

(lxxiii) **"solitary confinement"** means such confinement with or without labour as entirely secludes the prisoner both from the sight of, and communication with other prisoners;

(lxxiv) **"special prison"** means any prison established for the confinement of a particular class or classes of prisoners and notified as such under the Act by the Government;

(lxxv) **"staff member"** means an employee of the Department who exercises the powers or performs duties or functions related to the administration of the Act and rules made thereunder;

(lxxvi) **"State"** means State of Haryana;

(lxxvii) **"sub-prison"** means any prison other than central prisons, district prison, maximum security prison, special prisons, open air prison or semi-open Air Prison;

(lxxviii)**"Subordinate Officer"** means a non gazetted officer serving in the Department;

(lxxix) **"Superintendent Jail"** means Superintendent Jail of the prison;

(lxxx) **"undertrial prisoner"** means a person who has been remanded by the court to judicial custody during the pendency of investigation or trial by a court of law or any competent authority;

(lxxxi) **"visitor"** means any person other than a staff member or prisoner, who is permitted by the competent authority to visit a prison;

(lxxxii) **"wireless communications device"** means a device used for connecting and communicating through any wireless communication technology;

(lxxxiii)**"young offender"** means any prisoner who is above the age of eighteen years and has not attained the age of twenty-one years.

(2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act or Indian Penal Code, 1860 (Central Act 45 of 1860) or in the Code of Criminal Procedure, 1973(Central Act 2 of 1974), shall have the same meaning as respectively assigned to them in those enactments;

NOTE 1.- Except where otherwise provided, the words having the import of masculine gender shall be taken to include the feminine gender, and words in the singular shall include the plural and vice versa;

NOTE 2.- Any reference to open air prison or semi-open air prison shall include open air camp or semi-open air camp respectively.

Classification of prisons.

CHAPTER 2

CLASSIFICATION OF PRISONS

3.	(1)	There shall be the following classes of prisons, namely:-	
	(2)	(a)	central prison;
		(b)	district prison;

		(c)	maximum security prison;	
		(d)	special prison;	
		(e)	sub-prison;	
		Every central and district prison shall have a high security enclosure for housing high-		

risk prisoners

(3) The capacity of prisons shall be such, as decided by the Director General and notified from time to time.

(4) The Government may establish open air prisons and semi-open air prisons.

Central prison.

4.	(1)	The Government shall, by notification in the Official Gazette, notify the prisons to be

called the central prison.

(2) There shall be one or more central prisons in which ordinarily convicted criminal prisoners shall be received to undergo their sentence, by transfer from any other prison and may accommodate undertrial prisoners for administrative purposes.

(3) All central prison shall be fully equipped for imparting vocational training to convicts and for this purpose an adequate number of educational and instructional staff shall be posted.

(4) The central prison shall also have industrial unit(s) with adequate infrastructure to provide adequate work avenues to the convicts.

District prisons.

5.	(1)	The Government shall establish such number of district prisons, as may be necessary in

which prisoners from one or more districts are, in the first instance, ordinarily committed.

(2) All district prisons shall be fully equipped for imparting vocational training to convicts.

Adequate number of educational and instructional staff shall be posted for the purpose.

(3) The district prison may also have industrial unit(s) with adequate infrastructure to provide adequate work avenues to the convicts.

Maximum security prison.

6. The Government may establish one or more Maximum Security Prison for the confinement of high-risk prisoners including (but not limited to) fundamentalists, communally indoctrinated persons, दंगंसपजमेए जमततवतपेजेए मगजतमउपेजेए हंदह समंकमतेए चतवउपदमदज हंदह उमउइमतेए चतपेवदमते वतहंदप्रपदह वतsuspected of organising crime from inside the prison, or those exhibiting persistent violent behavior inside the prison, previous escapees, and those having a history of attack on police or prison personnel.

Special prison.

prison to be a special prison for the purposes of these rules, or establish a special prison at any place for the confinement of a particular class or classes of prisoners, or notify any place as a special prison.

Sub-prison.	**8.** (1) The Government shall establish such number of sub-prisons, as may be necessary at Sub Divisional level. (2) All classes of prisoners except high-risk prisoners may, under certain circumstances, be detained in a sub prison.
Central prison to be district prison.	**9.** (1) The Government may declare any central prison to be a district prison for all or any purposes. (2) The Government may also declare any central or district prison as a special prison or a maximum security prison.

Appointment of Director General of Prisons.	**CHAPTER 3** **HEADQUARTERS ORGANISATION** **10.** (1) The Government shall appoint a Director General for superintendence, administration, and management of the prisons and correctional services in the State. (2) The Government may also appoint Additional Director General, Inspector General, Additional Inspector General, Deputy Inspector General, and such other officers and staff, as it may deem fit, to assist the Director General in the discharge of his duties and functions under various Acts and rules.
व्तहंदप्रंजपवदंसStructure of headquarter.	**11.** ज्ीम वतहंदप्रंजपवदंस ेजतनबजनतम ंज जीम ीमंकुनंतजमत समअमस ेींसस इम ंे विससवूेए दंउमसलरू द (a) Executive Wing; (b) Correctional and Welfare Wing; (c) Information Technology Wing; (d) Intelligence and security Wing; (e) any other wing, as may be decided by the Government from time to time.
Officers and staff at the headquarters.	**12.** (1) The organizational set up at the Headquarters of the Department shall be as follows**,** namely: - (a) Director General; (b) Additional Director General; (c) Inspector General; (d) Additional Inspector General; (e) Deputy Inspector General;

	(f) Chief Probation and Welfare Officer; (g) Superintendent Jail (HQ); (h) Law Officers of the rank of Deputy District Attorney or Assistant District Attorney; (i) Deputy Superintendents (j) Assistant Superintendents, Sub-Assistant Superintendents; (k) Chief Account Officer, Account Officers; (l) Superintendents (Office); (m) Deputy Superintendents (Office); (n) Assistants (Office); (o) Stenographers; (p) ज्लचपेजेए ब्वउचनजमत व्चमतंजवतेए ंदक ब्समतोय (q) Attendants; (r) such other supporting and maintenance staff like Drivers, Personal Security Officers, Security staff, Electricians, Plumbers, Sweepers, Watchmen, Care Taker, Orderly, etc. (s) such other officers/officials, as the Government may decide, from time to time, for supervision and administration of the prisons in the State. (2) Additional Director General, Inspector General, Deputy Inspector General, Additional Inspector General**,** Superintendent Jail (Head Quarter), and Chief Probation and Welfare Officer shall perform such duties and work, as assigned to them by the Director General from time to time.
Information Technology wing.	**13.** An Information Technology wing shall be established at the Headquarters, under the supervision of an officer not below the rank of Deputy Superintendent to be decided by the Director ळमदमतंसए तिवउ जपउम जव जपउमए जव कमेपहदए कमअमसवचए उंपदजंपद ंदक ेनचचवतज बवउचनजमतप्रमक े लेजमउे वितmaintenance of records and statistics in all prisons. The Information Technology wing shall comprise such number of Managers, Engineers, System Analysts, Programmers and Support Staff as decided by the Government from time to time, to perform variety of duties including design, development,

	implementation and maintenance of management information systems, software applications, Enterprise Resource Planning system, amongst others and for dealing with hardware and software अमदकवते ंदक जव चमतवितउ उपेबमससंदमवने जमबीदपबंस जंो ंंे ंंेपहदमक इल जीम क्पतमबजवत ळमदमतंसण्
Security Wing. **14.**	**14.** An Intelligence and Security Wing shall also be established at the headquarters by the Director General. This wing will be responsible for the collection, collation, and analysis of intelligence from human as well as technical sources including amongst others the Prison Management Software, Inter-operable Criminal Justice System Prison Inmate Calling System, or any other electronic platform and supervision of all matters related to the security of prisons, conduct of security audits, supervision of control rooms in the prisons etc and shall comprise such officers and officials as decided by the Director General, from time to time.
Role, responsibilities, duties and	**15.** (1) The role, responsibilities, duties and powers of the Director General shall be as follows,

powers of Director General.	namely: – (a) to implement the provisions of the Act and these rules as amended from time to time; (b) to implement policies relating to the administration of prisons and correctional services as laid down by the Government; (c) जव चसंदए वतहंदप्रमए कपतमबजए बववतकपदंजम ंदक बवदजतवस जीम निदबजपवदपदह व िअंतपवने prisons and correctional services; (d) to define the functions and fix clear lines of authority and chain of command for the respective prison personnel; (e) to issue instructions for proper administration, management and smooth functioning of prisons and other institutions with special reference to care, welfare, training and treatment of inmates, training of staff, maintenance of discipline and welfare etc.; and (f) to inspect prisons and other institutions under the control of the Department. (2) The Director General, subject to the general control and superintendence of the Government, shall exercise all necessary financial, administrative and disciplinary powers to enable him to discharge his lawful duties and responsibilities. (3) The Director General shall be provided with the facility of camp office at his official residence.
General Functions of Additional Director General, Inspector General, Deputy Inspector General and Additional Inspector General.	**16.** The Additional Director General, Inspector General, Deputy Inspector General and Additional Inspector General shall assist the Director General in all matters connected with the prison administration and correctional services as entrusted by him. Their role, responsibilities, duties, and powers shall be as follows, namely:- (a) to assist the Director General in the administration of prisons and correctional services; (b) to look after the internal administration as per the allocation of work by the Director General; (c) to sanction such expenditure on the procurement of material/services as delegated by the Director General; (d) to formulate policies and plans for improved administrative and operational functioning; (e) to look after matters related to care, welfare, training and treatment of inmates, training of staff, maintenance of discipline and welfare, etc.; (f) to assist the Director General in matters of budget, expenditure, purchases, contracts, and related issues; (g) to attend any other work specifically entrusted by the Director General.
General Functions of Chief Probation and Welfare Officer.	**17.** Chief Probation and Welfare Officer shall be responsible for the implementation of the Probation of Offenders Act, 1958 and other relevant Acts and rules, including after care and rehabilitation of prisoners through District Probation Officers in all prisons across the State. He shall also be responsible for welfare activities of prisoners, educational programs, vocational training and skill development, etc. in all prisons across the State. The role and responsibilities, powers, and duties of the Chief Probation and Welfare Officer shall be such as decided by the Director General, from time to time.

Regional Organisation.	**18.** For the purposes of effective and efficient prison administration and correctional services, the Government shall establish Range Offices in the Department headed by an officer not below the rank of Deputy Inspector General as may be decided from time to time. The territorial jurisdiction of the Range Offices, powers, and functions shall be such as determined by the Government from time to time by general or specific orders.
Institutional Organisation.	**19.** Each institution shall have such number of personnel as per the requirements of security and discipline, class of prison, duty posts, workload, and distribution of functions and reformative programs, as may be determined by the Government. **(i) Executive Establishment:-**Every prison shall be headed by a Superintendent who shall exercise supervisory administrative, and managerial control over the prison. All other officers posted in the prison shall be subordinate to him. The Superintendent shall be assisted by the following executives, namely: - (a) Deputy Superintendent (Administration), who shall look after the administration and maintenance work in the prison; (b) Deputy Superintendent (Security), who shall be responsible for the security of the prison and administration of guarding duties; (c) Deputy Superintendent (Industries and Welfare), who shall supervise the correctional/educational programs, vocational training, and skill development and manage the industrial units and the work relating to information technology; (d) such number of Assistant Superintendents and Sub- Assistant Superintendents, as may be decided by the Government from time to time, to assist the Deputy Superintendents in supervising and executing the work in their respective sphere; (e) such other officers and officials, as the Government may deem appropriate, from time to time, for effective management and proper prison administration. **(ii) Guarding personnel:-** (a) the guarding personnel shall consist of Head Warders and Warders. Preferably, there may be one guard for six prisoners. The guarding personnel engaged in the industries and other welfare activities shall be excluded while calculating this ratio; (b) in all prisons, there shall be a reserve guard from guarding personnel specially selected for their efficiency in the drill, unarmed combat and use of firearms. They shall be under the charge of an efficient Assistant Superintendent to combat any emergent situation in the prison; (c) The general control of such establishment shall be vested in the Superintendent, under the overall supervision and direction of the Director General in order to ensure the greatest possible efficiency and discipline in the warder establishment. **(iii) Ministerial and Administrative Personnel:-** Every prison shall have an adequate number of administrative and ministerial staff such as Superintendent (Office), Deputy Superintendent (Office), Accountant, Assistant (Office), Clerk, Steno typist, Computer Operator, Peon, etc. The ministerial and administrative personnel shall work under the general control of the Superintendent and the Deputy Superintendent (Administration). **(iv) Group D Staff :-** The prisons shall have such number of Group D personnel such as peon, sweepers, gardeners, barbers, cook, orderly etc. as the Government may determine from time to time.

Identification of prisoner.	**CHAPTER 4** **ADMISSION OF PRISONERS** **20.** Before admitting a prisoner, the in-charge Main Gate shall ascertain from the prisoner his name and other particulars, and cross-check with the particulars entered in his warrant.
Reception center.	**21.** (1) Every prison shall have a reception center, where all newly admitted prisoners shall be received and kept for a maximum period of seventy-two hours to enable their individual study, health screening, orientation, etc. (2) The reception center shall have an office and it shall function under the control of the Deputy Superintendent (Administration). (3) ज्ीम तमबमचजपवद बमदजमत ेींसस ींअम े मचंतंजम इंततंबो वित उंसम ं दक मिउंसम चतपेवदमते ंदकconvicted and undertrial prisoners. Within each category, the inmates shall be segregated from the अमतल इमहपददपदह पद ं बबवतकंदबम ू पजी जीम बंजमहवतप्रंजपवद े बीमउम ंे संपक कवूद पद ेनइ.तनसम ;3द्ध व ितनसम 45ण्In case sufficient accommodation is not available in the reception center to meet the requirement of ेमहतमहंजपवदए ं कमुनंजम े चंबम पद जीम हमदमतंस इंततंबोए ू तकेए वत मदबसवेनतमे उंल इम मंतउंतामक वित जीमpurpose from time to time. Space so earmarked in any barrack, ward or enclosure shall be used to house the newly admitted inmates of the corresponding category only and at no point in time, the rules of segregation shall be violated. (4) The inmate shall be moved to the barrack, ward, cell as per his entitlement and classification as soon as possible but not later than seventy-two hours from admission after बवउचसमजपवद व िजीम ेचमबपपिमक जंोण् ज्तंदेहमदकमत ेींसस इम ामचज ेमचंतंजमसल पद ं चचतवचतपंजम उंसम वत मिउंसमward as per the recommendation of the Medical Officer of the prison. (5) If there is a prevalence of an epidemic or notification to that effect under the Epidemic Disease Act, 1897 (Central Act 3 of 1897) is in force, no resident of the reception center shall be shifted to any general barrack until the expiry of such period, as may be specified in such notification.
Procedure to be adopted on initial admission.	**22.** The following procedure shall be adopted on admission to the prison, - (a) a thorough search of the prisoner's body and his belongings including clothing; (b) तमउवअंस व ि चतपेवदमतष्े चमतेवदंस पजमउे ं दक जीम पेनम व ि नजीवतप्रमक चमतेवदंस इमसवदहपदहेय (c) general monitoring of prisoner's background and needs to decide the appropriate placement within the reception center and subsequently in the prison as per the principles of basic segregation laid down in Chapter 5 of these rules; (d) taking photographs, biometrics, and recording of prescribed entries in registers; (e) a thorough medical examination by the Medical Officer on the day of admission. This shall include identification of prisoners suffering from substance-related and addictive disorders; (f) when a prisoner with injuries on his body is admitted into a prison from police

	custody, he shall be examined immediately by the Medical Officer. If the examination reveals unexplained injuries not already recorded in the medico-legal report accompanying the prisoner, a report shall at once be made to the Court concerned; (g) orientation of prisoners to the prison rules and disciplinary norms; (h) fixing of diet and issuance of hygiene kit, bedding, and clothing as per the rules; (i) bathing, haircut and shaving of the prisoner and washing of his clothing. **NOTE -** If identification parade of the prisoner is to be done, no haircut or shaving shall be allowed. The same shall be done only after the identification parade.
No admission at night.	**23.** No prisoner shall, except on transfer from another prison, be admitted to any prison after 6:30 PM: Provided that this restriction shall not apply in the following cases, - (a) female under trial prisoners, who shall be admitted in the prison at whatever time they are presented for admission by the police, and on all days including Sunday and prison holidays;

	(b) male under trial prisoners, in respect of whom it is reported by the police on their warrants by a red ink entry that they are to be identified in an identification parade, shall be admitted in prisons at all hours on all days including Sunday and prison holidays; and (c) prisoners who were sent out for Court hearing or to a higher medical institute for treatment: Provided further that the Superintendent in special circumstances may order to admit any prisoner at any hour under intimation to the Director General.
No admission without a proper warrant.	**24.** (1) No prisoner shall be admitted into any prison otherwise than under a lawful writ, warrant, or order of commitment addressed to the Superintendent, issued by a competent court, judicial tribunal, or any other competent authority, and unless accompanied by the following documents:- (a) a warrant in the prescribed form, as issued by the competent authority; (b) every conviction warrant shall be accompanied with the copy of judgment and order on quantum of sentence passed by the Court concerned; (c) identification roll (with the photograph) containing at least two specific permanent पकमदजपपिबंजपवद उंतो ंदक दंउमे व िबसवेम तमसंजपअमेण् (2) There shall be a separate warrant for every prisoner, even if two or more prisoners have been jointly charged. Injured prisoners shall be admitted only after a Medico-Legal Report (MLR) from a competent authority is annexed with the warrants.

Orientation Program.	**25.** Every newly admitted prisoner shall be subjected to an orientation program in order to inform him about the rules and regulations of the prison, his rights, duties, entitlement, free legal aid services, discipline and daily routine. Pamphlets containing the rights, duties, entitlements, discipline and '*dos and don'ts*' for the prisoner shall be printed and distributed to enable the prisoner to follow the same and maintain discipline during his stay in the prison. For illiterate persons, the same shall be explained by the Assistant Superintendent concerned.
Classification and Security Monitoring Committee.	**26.** (1) Each prison and such other institutions as may be specified by the Director General shall have a 'Classification and Security Monitoring Committee headed by the Superintendent and shall comprise the following officers, - (a) Medical Officer; (b) Deputy Superintendent (Administration); (c) Deputy Superintendent (Security); (d) Deputy Superintendent(Industries and Welfare); (e) Assistant Superintendent (in-charge, Central Control room) (2) The Classification and Security Monitoring Committee shall meet at least once a week and review the security category of the newly admitted prisoners as decided at the reception center at the time of the admission and either ratify or suitably amend the same. (3) In ascertaining a prisoner's category, the committee shall invariably be guided by the nature and circumstances of the crime, family background, previous history and the report received from the police. Previous convictions, if any, shall generally appear on the warrant or in the order. However, the committee shall not be limited to this information and shall endeavor to ascertain from the prison officers, from long-term convicts, from the records of the prison and records of other prisons, if the prisoner has been previously convicted. (4) The classification and security Monitoring committee shall closely monitor the functioning of the reception center and ensure that all admission formalities are completed within seventy-two hours of the admission of an inmate and the rules of segregation are followed in letter and spirit.

Search of prisoner.	**27.** (1) On admission into a prison, all prisoners shall be thoroughly searched using walk-through, hand-held metal detectors, or through any other detection device approved by the Director General. The search shall not be undertaken by a prison officer who is not of the same gender as the prisoner being searched. (2) The search shall be of the three different types which may be justified under different circumstances as per the judgment of the staff member conducting the search as follows: - (a) an examination of the prisoner's person and clothing which may involve

removal of the headgear, muffler, sweater, jacket, overcoat, or any other outer clothing item; or

(b) removal and examination of all clothing items of the prisoner; or

(c) examination of the newly admitted (or on surrender from parole/furlough/ interim bail) prisoner's body after removal of all clothing items including invasive searching of the orifices of the prisoner's body in as seemly a manner as is consistent with the necessity of discovering any concealed article:

Provided that search in clause (b) or (c) above shall not be conducted in the presence or view of another prisoner and shall be conducted in the presence and be viewed by prison officers, not less than two and of the same gender as the prisoner, as are required for the effective conduct of the search.

(3) The search shall be carried out with regard to decency, privacy and dignity of the prisoner being searched and at no stage shall a prisoner be left in a state of complete undress.

(4) A prisoner shall cooperate and submit to search as and when ordered to do so.

However, invasive searching of the orifices of a prisoner's body shall be conducted on specific orders of the Superintendent or Deputy Superintendent by the medical staff.

(5) If a prisoner refuses to allow the search, such force as is reasonably necessary and proportionate to carry out the search in relation to the prisoner, may be applied.

(6) Where in the course of a search, a prison officer finds or comes into possession of anything that he believes to be related to the commission or alleged commission of an offence, he

उंल ेमप्रम ंदक तमजंपद पज वित नेम ंे मअपकमदबम पद ंदल बतपउपदंस चतवबममकपदहेए वत पद तमसंजपवद जव ंदल

चतवबममकपदहे वित ं इतमंबी व ि चतपेवद कपेबपचसपदमए वित े नबी चमतपवक तिवउ जीम कंजम व ि मप्रनतम ंे पे तमं ेवदंइसम

or, until the conclusion of any such proceedings.

(7) । तमहपेजमत व ि तजपबसमे े मप्रमक ें सस इम उंपदजंपदमक इल जीम क्मचनजल ैनचमतपदजमदकमदज

(Security) and the following details shall be entered in it, namely:-

(a) चंतजपबनसंते व ि जीम पजमउ े व े मप्रमकय

(b) दंउम व ि जीम चमतेवद तिवउ ूीवउ पज ूंे े मप्रमकय

(c) दंउम व ि जीम चमतेवद इल ूीवउ पज ूंे े मप्रमकय

(d) whether retained or disposed off;

(e) details of storage if retained;

(f) जीम उंददमत पद ूीपबी जीम े मप्रमक ंतजपबसम पे कपेचवेमक व ि य ंदक

(g) such other particulars as the Superintendent considers appropriate.

Removal of personal belongings, articles from prisoner.	**28.** (1) All such property/articles which the prisoner is not entitled to retain with him inside the prison shall be removed from the prisoner on his admission to the prison. (2) Female prisoners shall be allowed to retain, in moderation, certain ornaments of minor value such as mangal sutras, bangles, and toe rings. The Superintendent may, however, at his discretion, refuse to allow the retention of these ornaments in any particular case for disciplinary/security reasons. (3) All monies taken from prisoners shall be deposited in their respective welfare accounts for use by the prisoners during their stay in their prisons.
Record of property or article received.	**29.** A list alongwith a reasonable description of all items/property taken from a prisoner shall be entered in the property register and signed by the receiving official.

Admission registers to be maintained in respect of newly admitted prisoners.	**30.** Separate admission registers for convicts, under-trials, and civil prisoners shall be maintained in respect of the newly admitted prisoners in the prison. These registers shall be maintained in accordance with the provisions contained in Chapter 42 of these rules.
Medical examination on admission.	**31.** (1) Every prisoner shall be examined on the day of his admission under the general or special orders of the Medical Officer, who shall ensure that the Proforma for Health Screening of Prisoners on Admission to Prison circulated by the National Human Rights Commission is duly filled and properly maintained. (2) In case of a female prisoner, the medical examination shall be carried out by female staff under the general or special orders of the Medical Officer. (3) No juvenile shall be admitted to prison. If any prisoner, at time of admission in the prison, appears to be a juvenile in the opinion of the Medical Officer of the prison, intimation in this regard shall be sent by the Superintendent along with the Medical Officer's report to the court concerned. (4) Any prisoner, at the time of admission in the prison, appears to be mentally ill in the opinion of the Medical Officer of the prison, a request for ascertaining his mental condition as per the procedure established in the Mental Health Care Act, 2017 shall be sent to the authorities concerned.
Procedure if a warrant is illegal or unlawful.	**32.** (1) If a prisoner is brought to the prison without a warrant or any unlawful order or the warrant is not in appropriate legal form or the warrant is found to contain material discrepancy in name or identification, the Deputy Superintendent (Administration) shall refuse to admit the prisoner and shall report

	the matter to the Superintendent, who in turn shall refer the matter to the Concerned court or the concerned District and Sessions Judge, by whose order he shall be further guided as to the treatment of the prisoner. (2) If, in any case, the Superintendent is in doubt as to the legality of any warrant or order of commitment received by him with any prisoner to be admitted to the prison or as to the competency of the person whose official seal and signature are affixed thereto, to pass the sentence and issue such warrant, he shall refer the matter to the concerned District and Sessions Judge under intimation to the Director General. (3) If any error or omission is found in any warrant or order of commitment, which in the opinion of the Superintendent is due to mere oversight or mistake or if the sentence or order passed, though within the competency of the court, tribunal or authority which passed it, is in any way defective in form or is otherwise irregular, the prisoner may be received subject to reference to such court, tribunal or authority as the case may be, for appropriate modification in the warrant or order
Examination of warrant and notice of examination.	**33.** (1) All warrants shall be examined to ascertain whether they conform to the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) and the orders of the High Court. (2) Every warrant shall show the class (habitual or casual) to which the prisoner belongs and in case of those previously convicted, a statement showing the previous conviction shall be attached. (3) The Superintendent may refuse to receive or detain a prisoner in prison on a warrant, to which is affixed a signature, by means of a stamp. But he should ordinarily adopt the procedure detailed in sub-rule (6) below. (4) All warrants in manual form shall be signed in full (not initials) by the Judge or Magistrate who issues it and shall be sealed with the seal of the court. (5) In the case of prisoners on whom separate sentences are passed, care shall be taken about the date mentioned in the warrant of commitment from which each sentence shall have effect. (6) The Superintendent shall not refuse to admit the prisoner where the above instructions have not been complied with but shall draw the immediate attention of the Magistrate concerned to the defects in the warrant of commitment and ask for its rectification at once while endorsing a copy to the District Magistrate in case warrant is issued by an Executive Magistrate and to the Commissioner of Police, in case warrant is issued by an Assistant Commissioner of Police and to the District and Sessions Judge, in case warrant is issued by a Judicial Magistrate for information.

	(7) Where an accused person has, on conviction, been sentenced to imprisonment for a term, the period of detention undergone by him during the investigation, inquiry, or trial of the same case before the date of such conviction, if any, shall be set off against the term of imprisonment imposed on him on such conviction, and the liability of such person to undergo imprisonment on such conviction shall be restricted to the remainder, if any, of the term of imprisonment imposed on him. (8)In every production warrant issued by a court under the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), it shall be mentioned by the issuing Magistrate/Judge in case of a manual warrant under proper seal and signature that the accused in question is in custody or not. No prisoner shall be detained in prison merely on the authority of a production Warrant, if he has been

	released in other cases in which he was in custody, as per provisions of clause (b) of section 269 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974): Provided that when a prisoner has been produced before the court on a production warrant once, he shall be released only after due verification by the Court concerned. (9) A copy of remand papers and antecedent report submitted by the police while requesting for remanding the accused to judicial custody shall be forwarded to the Superintendent alongwith the custody warrant by the Magistrate or Special Judge, as the case may be. (10) Benefit of section 428 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) shall be admissible to a prisoner for the period undergone by him in prison till the first conviction. When a prisoner is undergoing conviction in one case, the benefit of that conviction period shall not be provided as under-trial period in any other pending case/s. **Illustration:-** Prisoner X is admitted in prison on 01-01-16 in three different cases bearing FIR No. A, B and C. He was sentenced to a term on 20-10-16 in FIR No. A, sentenced on 25-11-16 in FIR No. B and thereafter sentenced on 30-12-16 in FIR No. C. The benefit of set off period under section 428 of the Code of Criminal Procedure, 1973(Central Act 2 of 1974) shall be given to him for only nine months and nineteen days in all three cases (i.e. w.e.f. 01-01-16 to 19-10-16).
Copy of warrant returned for correction to be retained.	**34.** When a warrant is returned for correction, its photocopy/digital record shall be retained.
Procedure when representations is not attended to.	**35.** (1) The Superintendent shall in any case in which superintendent's representations have not been attended to by the concerned court, refer the matter to the concerned District and Sessions Judge under intimation to the Director General. (2) In case a reference made under sub-rule (1) is pending, the prisoner shall be detained in such manner and with such restrictions or limitations, as may be specified in the warrant or order.
Production of prisoners, registers, and records before the Superintendent.	**36.** On completion of the necessary entries in the admission register and release diary, the Deputy Superintendent (Administration) shall present these registers and the prisoners with their warrants before the Superintendent within twenty-four hours of admission during the normal course, but not later than forty-eight hours in any case. The Superintendent shall affix his signature on the registers after satisfying himself regarding the correctness of the entries as per rules. The list of every prisoner's property shall be read over to him by the Deputy Superintendent (Administration), and if the prisoner acknowledges it to be correct, the Superintendent shall initial the same.

Allotment of work to prisoner.	**37.** (1) Allocation of work to prisoners sentenced to rigorous imprisonment or prisoners willing to work voluntarily shall be made based on the report in this regard given by the classification and security monitoring committee. The work allocation shall be made after considering his medical fitness, capacity, skill, previous mode of life, and antecedents. The decision shall be entered in his history ticket. (2) No allocation of work shall be based on caste or class of the prisoner.

Procedure when a prisoner has not been identified.	**38.** (1) On receipt of information from the police that a prisoner has not been identified, the Superintendent shall cause the word "Unidentified" to be entered prominently in red ink on the prisoner's history ticket, warrant, and in the admission register. When such a prisoner receives or dispatches a letter, the Deputy Superintendent (Administration) shall make a note of the name and address of the sender or addressee, as the case may be, and if any, facts mentioned in the communication are such as may afford a clue to the identity of the prisoner, he shall forward the same through the Superintendent to the District Superintendent of Police of the district from which the prisoner was received. (2) The Deputy Superintendent (Administration) shall similarly communicate to the District Superintendent of Police, the names and addresses of the relatives or friends who visit the prisoner in prison. (3) The Deputy Superintendent (Administration) shall communicate with the family members/relatives of the prisoner who visit him in the prison and arrange for such documents which may establish his identity. The arranged document shall be sent to the District Superintendent of Police of the District from which the prisoner was received.
Classes and serial numbering of the prisoner to be quoted in communications .	**39.** Undertrial prisoners and convicted prisoners shall be classified as per the classification laid out in Chapter 5 of these rules. (a) Every prisoner shall receive a serial number corresponding with the entry relating to him in the admission register. (b) Prisoner's number and the *alphabetical letter* signifying his class shall precede his name whenever he is referred to in any official communication. (c) When any reference is made to the Director General concerning any prisoner, a descriptive roll of the prisoner duly filled shall be sent with it.

Intimation to police in case of release of a prisoner from the prison.	**40.** Intimation regarding the release of a prisoner shall be sent to the District Superintendent of Police in which prisoner's home is situated as well as to all the District Superintendents of Police of the districts in which criminal cases are registered against him.
Duration of prisoner's sentence and date of release to be calculated and entered in the release diary.	**41.** (1) The date on which a convict is entitled to be released shall be calculated by the Deputy Superintendent (Administration) and an entry shall be made in the admission register and release diary. Such data shall also be maintained digitally in the Prison Management Software. (2) In case, the term of imprisonment changes, either by the judicial imposition of additional imprisonment or by the remission of any part of the sentence, default in payment of fine, etc., the fact shall be noted opposite such entry and a reference to the date of release shall be made. (3) The Superintendent shall himself check each entry in the release diary and shall be personally responsible for the correctness thereof, and for any illegal detention of a prisoner or failure to execute a sentence due to the neglect of this rule.
Warrants of convicts to be arranged according to date of release.	**42.** (1) Convict's unique identification number, name, date of sentence, term of sentence, date of admission, and probable date of release shall be endorsed on the file cover of the warrant and the endorsement shall be signed by the Deputy Superintendent (Administration) after examination and comparison with the body of the warrant and with the entries in the admission register. (2) Warrants shall be arranged according to the date of release and put together in the monthly bundles, docketed outside with the month and year, and all the warrants of prisoners to be released in the same month shall be placed in the same bundle. Each bundle shall occupy a separate pigeon hole in the warrant almirah, which shall be kept under a lock, the keys of which shall be with the Deputy Superintendent (Administration) or with the in-charge convict section. (3) Copies of judgments, orders of appellate courts, and orders of the Government disposing of prisoner's petitions, together with correspondence relating to the payment of fine, classification, and the other connected records shall be filed and kept with the warrant of the prisoner to whose case they relate.

Prisoners to take bath and wash their clothes.	**43.** Every prisoner shall be required to take bath and wash his clothes thoroughly. If an epidemic disease exists in the neighborhood from which he comes, his clothing shall be disinfected. In such cases, special care shall also be taken to cleanse the prisoner.
Abstract of rules to be read and hung up in a conspicuous place.	**44.** (1) An abstract of the rules relating to the conduct and treatment of prisoners shall be read over to every prisoner as soon as possible after his admission into prison, and proper means shall from time to time thereafter, be taken by the Superintendent to make every prisoner acquainted within the

	purport of all such rules for the time being in force. (2) An abstract of the rules, in Hindi and English, shall be hung up in every ward and other conspicuous places in every prison.

CHAPTER 5
CLASSIFICATION AND SEPARATION OF PRISONERS

45.	(1)	All prisoners, on admission, shall be classified according to the scheme of classification

laid down in sub-rule (3), taking into account the reformation, nature and gravity of the crime, past criminal history, propensity towards violence, escape, disorderly behavior and self-harm, threat to public order, age, gender, health status, conduct in the prison and threat perception of the prisoner. Such classification shall be subject to review and re-classification as and when found necessary by the 'classification and security monitoring committee'.

(2) Classification of prisoners on grounds of socio-economic status, caste, religion, race, or ethnicity shall not be permissible.

Classification of prisoners.

(3) च्तपेवदमते ेींसस इम बंजमहवतप्रमक वित ेमहतमहंजपवद ंदे नदकमतए.
(a) **Category-1 (S1-Red):** Fundamentalists, Communally Indoctrinated, Naxalites, Terrorists, Extremists, Gang Leaders, prominent gang members, prisoners वतहंदप्रपदह वत ेनेचमबजमक व िवतहंदप्रपदह बतपउम तिवउ पदेपकम जीम चतपेवदए वत जीवेम exhibiting persistent violent behavior inside the prison, previous escapees, and those having a history of attack on police or prison personnel;
(b) **Category- 2 (S2-Blue):** Members of a criminal gang, hired assassins, heinous property offenders, serial killers, gang rapists, repeat rapists, drug traffickers involving commercial quantity, those highly prone to escape and other offenders posing threat to the maintenance of order and discipline in the prison;
(c) **Category - 3 (S3-Yellow):** Those who do not pose any threat to society upon release, like those involved in murders on personal motives, other bodily offences, human trafficking, prohibition offences, other special and local laws, railway offences, and other minor offences;
(d) **Category-4 (S4-White):** Prisoners who are eligible for open prisons or semi- open prisons;
(e) **Security Category-5(S5-Green):** prisoners aged sixty-five or above, and sick prisoners;
(f) **Category- 6 (S6- Purple):** Those who are involved in theft and other property crimes; and
(g) **Category–7 (S7-Orange):** Prisoners who have a threat to limb or life from other prisoners, political prisoners, police or prison officials, or any other prisoner facing a specific identifiable threat.

NOTE1.- The habitual and casual prisoners, members of the same or opposite gang, etc.

within each category, shall be kept separate as far as possible to avoid any interaction.

NOTE 2.- Within a category, the prisoners shall be allotted accommodation randomly, on alphabetical basis, as far as possible, except in categories where the number is small.

NOTE 3.- The Director General may modify or add new categories by passing standing orders from time to time in the interest of security and administration and may prescribe dress code for different categories.

NOTE 4.- ज्ीम ैनचमतपदजमदकमदज उंल ेनइ.बंजमहवतप्रम चतपेवदमते ूपजीपद ंदल बंजमहवतल वित administrative reasons under intimation to the Director General.

Separation of prisoners.	**46.** (1) The Government shall provide accommodation in prisons constructed and regulated in such manner as to comply with the prescriptions under the Act and these rules in respect of the separation of prisoners. (2) In a prison housing female as well as male prisoners, the females shall be imprisoned in separate buildings or separate parts of the same building, in such a manner as to prevent their seeing or conversing with or holding any social interaction with the male prisoners.

(3) In a prison where prisoners under the age of twenty-one years are confined, adequate means shall be provided for separating them altogether from other prisoners.

(4) Undertrial prisoners shall, as far as practicable, be kept apart from convicts. For ंकउपदपेजतंजपअम चनतचवेमेए बवदअपबज वतिपबमते उंल इम कमचनजमक पद इंततंबो ूीमतमपद नदकमत जतपंसे ंतमconfined.

(5) Civil prisoners shall, as far as practicable, be kept apart from criminal prisoners.

(6) Prisoners classified under different security categories shall be kept separate from each other.

(7) Lesbian, Gay, Bisexual, Transgender, Queer prisoners shall be kept separately in male and female enclosures respectively based on their medical examination on recommendation of the medical officer of the prison. Separate accommodation including toilet/bathroom facilities shall be provided for them.

NOTE:- Instructions or orders issued by the Government or the Director General in accordance with the Transgender Persons (Protection of Rights) Act, 2019 (Central Act 40 of 2019) shall be read as part and parcel of these rules and applicable as such.

(8) When in any prison, only one prisoner is lodged under any category, such prisoner may, if he so desires, be permitted to associate with prisoners of another class:

Provided that the category, with which such prisoner is permitted to associate, shall be determined by the Superintendent who shall ensure that the provisions of the Act are not in any case infringed by the permission so accorded.

(9) In a prison where number of toilets and feeding and bathing platforms is not sufficient to keep the classes completely apart at parades, appropriate arrangements for separation shall be made after giving pragmatic consideration to circumstances.

Preparations and maintenance of history tickets.	**CHAPTER 6** **HISTORY TICKETS** **47.** (1) A history-ticket for each prisoner shall be prepared immediately on his admission into prison and it shall be maintained in the manner hereinafter provided, throughout the period during

which such prisoner remains in confinement.

(2) The history–ticket may also be maintained digitally.

(3) Every history-ticket shall contain the following details amongst others, -

(a) the unique prisoner number, name, residence address, and other particulars necessary for the identification of the prisoner along with his photograph**;**

(b) security category of the prisoner;

(c) In case of a convict, -

(i) the nature of the offence for which he has been convicted and the provisions of the law applicable thereto;

(ii) FIR Number, date, police station, and brief facts of the case;

(iii) the date, sections, nature and extent of the sentence passed;

(iv) period undergone under section 428 of the Code of Criminal Procedure, 1973(Central Act 2 of 1974);

(v) detailed previous history of convicted including decided and pending cases along with the gist of each case;

(vi) name and details of the prisoner's nominee who is to be handed such prisoner's property, wherever applicable;

(vii) prisoner's accommodation details in the prison;

(viii)details and status of appeal or revisions filed by the prisoner, if any;

(ix) particulars of his lawyer in each case, appeal or revision;

(x) educational qualifications and skills (at the time of admission to prison and acquired while in prison);

(xi) details of duty as convict officer.

(d) The history-ticket of every under-trial prisoner shall contain the following particulars, namely: -

(i) FIR number alongwith date and section(s);

(ii) name of the police station where the FIR is registered;

(iii) brief facts of the case;

(iv) name of the trial court;

(v) date of hearing;

(vi) details of all criminal cases decided and pending, including appeals and revisions, name and particulars of the legal counsel etc.

(4) Every entry made on the history-ticket shall be so made at the time of, or as soon as possible after, the occurrence of the event to which it relates, and shall be signed with name and date

by the officer who maintains it.

	(5) A duplicate history-ticket shall be issued in case the original history-ticket is lost. The new history-ticket shall be marked duplicate and duly signed/certified by the competent authority. The ticket shall be reconstructed from available records maintained under these rules or otherwise.

Entries to be made by the medical officer in history-ticket.	**48.** (1) The medical officer shall, in the history-ticket of every prisoner, enter or cause to be entered under his supervision the following, namely:- (a) the prisoner's weight on admission; (b) brief medical history and present health condition; (c) the class of labour for which he is fit, if sentenced to labour, along with the reasons therefor; (d) brief description of his present mental state. (2) The medical officer shall also subsequently enter or cause to be entered the following, namely:- (a) any sickness or ailment reported and the line of treatment alongwith details; (b) date of admission to and discharge from hospital on every occasion, with particulars of the disease (s) for which admitted alongwith treatment; (c) particulars of admission to and discharge from the convalescent group; (d) necessity for segregation of the prisoner, if any; (e) vaccination details of the prisoner, if any; and (f) half yearly weighments. (3) the medical officer shall himself enter such other directions or recommendations as he may from time to time consider necessary for the maintenance of the health of the prisoner.
Particulars to be entered.	**49.** (1) The history-ticket of every prisoner shall contain the following entries, namely:- (a) date of admission to prison; (b) number and name of every article of clothing and equipment, issued; (c) work and task to which the prisoner is put; (d) any change of work or task other than medical grounds;

(e)	action taken on any direction or recommendation of the medical officer;
(f)	application for a copy of judgment, if the prisoner desires to appeal;
(g)	receipt of the copy of judgment;
(h)	dispatch of appeal or revision or petition;
(i)	substance of the order of the appellate court;
(j)	fact of an appeal not having been made before the expiration of the term allowed

for appealing;
(k) amount of remission awarded quarterly, in case of special remission, number and date of orders of the competent authority to be mentioned;
(l) total remission in days earned up to the end of each quarter;
(m) prison offence if any, committed;
(n) exceptional interview if any, allowed;
(o) dispatch to a Court, or transfer, discharge, escape or death;
(p) any recommendation of the Deputy Superintendent or the Assistant Superintendent;
(q)
list of visitors expected; (r) action taken on any order passed by the Superintendent;
(s) location in a cell by day or night;
(t) particulars of confinement in high security cells and reasons thereof;
(u) details of every release from and surrender to the prison.

(2) The entries (a), (b), (e), (f), (g), (h), (i), (j), (l), (m), (n), (o), (p), (q), (s), may be made by the Assistant Superintendent. Entry (k) may be made by the Assistant Superintendent, or any other वf◌िपबमत ◌ंनजीवतप्रमक जव ◌ंू◌ंतक तमउपेपवदण् म्दजतल ;बद्ध ◌ंदक**(r)** shall be made by the Deputy Superintendent (Administration). The duty of making the entries (d) and (t) shall not be delegated to any officer subordinate to the Deputy Superintendent.

NOTE 1.- No adverse entries shall be made on the history-ticket without the orders of the Superintendent.

NOTE 2.- Every entry in the history-ticket shall be attested and signed by the officer concerned with his name and seal.

Entries to be recorded by Superintendent.

50.	(1)	The Superintendent shall on the History-Ticket of every convict, record the following,

namely:-
(a) any special order he may have to give relating to any prisoner, e.g. permission to hold an interview, separation by night, etc.;
(b) award of every punishment;
(c) sanction for employment on extra-mural work;

	(d) award of special remission; (e) any reward or appreciation for acquiring any special skills or any out of turn special work done by the prisoner; and (f) approval of initiation of parole or furlough of a convict. (2) Subject to the requirements of these rules, the Director General may, from time to time, change the format of the history-ticket.
Custody and management of history-tickets.	**51.** The history-ticket of all the prisoners shall be kept in a proper receptacle in alphabetical manner, alongwith a unique identification number allotted to every prisoner by the Assistant Superintendent or Sub Assistant Superintendent concerned and shall be produced before any superior officer whenever required. The ticket shall go with the prisoner whenever he is transferred from one prison to another prison. The history-ticket shall be shown to a prisoner as frequently as decided by the Director General from time to time.
Retention of history-ticket.	**52.** The history-ticket of every prisoner shall be retained digitally with his other record.

List of items to be attached to warrants.	**CHAPTER 7** **PRISONER'S ITEMS** **53.** (1) A list of all money, clothing or other items removed from any prisoner on his admission to prison shall be attached with the prisoner's warrant and shall be recorded in the items register and stored digitally. (2) All additions, erasures or alterations to the list of any prisoner's items shall be signed, manually or digitallby the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration) along with name and designation.
List of items to be read over and every entry to be attested.	**54.** (1) Every prisoner shall, as soon as possible, after his first admission to prison, be made to have read over to him in the presence of the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration), a list of all items of whatever description which was removed from his person or received with such prisoner at the time of his admission. This list along with a digital image of the prisoner's item may also be stored digitally in the Prison Management Application. The Deputy Superintendent (Administration) shall match and verify these belongings from the digital image in the Prison Management Application when the prisoner collects them on discharge. (2) If the prisoner acknowledges the correctness of the list, the fact that he does so, and if the prisoner makes any objection to any entry in or to the omission of any article from the list, the nature of the objection shall be noted on the list. (3) If the prisoner can write, he shall be required to sign the list in token of the correctness thereof and the objections (if any) noted thereon. (4) Superintendent shall attest every entry in the list by initialing the same.

	NOTE:-When such item is handed over by an official receiving it to another official, the receipt of the latter official shall be taken in register No. 1 or 2 or 3 as the case may be, and all such items shall, except for clothing be kept under the charge of the Deputy Superintendent (Administration). **Explanation:-** 'Prison Management Application' shall means such software or application as developed by the Government for the purposes of these rules.
Items to be received, when an exception may be made.	**55.** (1) All items received with or found on the person of a prisoner on his admission to prison, or subsequently sent by the Magistrate on his account, shall be received by the prison authorities. (2) Items tendered by the nominee or family member of any prisoner, on his behalf, either at the time of such prisoner's admission to the prison or subsequently, may, in the discretion of the Superintendent, be either received or refused. When any item is allowed to be received by the Superintendent, such item shall be entered in the list of items belonging to such prisoner in the manner prescribed in the case of item taken from or received with the prisoner at the time of his admission to the prison.
Treatment of items of a prisoner.	**56.** The following shall be the provisions for dealing with the prisoners item, namely, - (a) such items which in the opinion of the Superintendent are of a perishable nature or are likely to deteriorate by keeping, or shall involve expenditure in such keeping, or is in such damaged or filthy state as shows it to be not worth keeping, shall be handed over to the nominee or family member of such prisoner. Such articles, which the nominee or family member of the prisoner refuses shall be destroyed. A note to that effect shall be made in the list of items of such prisoner. The same shall be attested by Deputy Superintendent (Administration). (b) If any prisoner at the time of admission to the prison or at any subsequent time is suffering from any contagious or infectious disease and for that reason, the Medical Officer believes that any item of clothing or bedding or the like belonging to such prisoner should be destroyed, it shall be destroyed accordingly and a note to that effect shall be made in the list of the property of such prisoner. The same shall be attested by Deputy Superintendent (Administration). (c) The jewelry (weighed and photographed), trinkets, securities, money and other valuables (if any) belonging to a prisoner, shall be placed in a separate packet and the prisoner's register number, name and the date of sentence shall be endorsed thereon. Every such packet shall be kept in the prison cash chest.

	(d) Every prisoner may be allowed to retain one pair of shoes (without sponge sole and laces) and one pair of slippers or chappals for use in prison. All prisoners may be allowed to retain a comb, two blankets, one mat, a durry 6'x3', a soap dish, soap, a pair व िजवूमसए ं चंपत व िदपहीजकतमे जूव चंपते व िवबोए विनत चंपते व िपददमत ूमंतए जीतमम चंपते व ि private clothing, two sweaters/jacket, a pair of bed sheets, a toothbrush, paste, one plate, one glass, one plastic mug, and one plastic bucket, etc. (e) Hindus who wear sacred thread may retain it when confined in a prison. Sikhs may be allowed to retain a thin Kara (iron bangle) and one inch long holy symbols; if he swears a long sword then it should be replaced by 1-inch long holy symbol. The sword should be kept with due sanctity in the place earmarked by the prison authorities as per religious decorum. Sikhs may be allowed to wear a turban and keep a beard.

	(f) Female prisoners may be allowed to retain certain ornaments of minor value such as bangles (plastic), toe-rings, nose-rings, and mangal sutra, which should be entered on the History-Tickets and initialed by the Deputy Superintendent (Administration). Superintendent may, however, at their discretion refuse to allow the retention of ornaments in any particular case for administrative reasons. The female prisoners shall be responsible for the safe custody of such articles.
Belongings to be stitched in bundles and labeled.	**57.** (1) Every belonging of any prisoner retained in the prison, except mentioned in the provision clause (c) of rule 56 shall be first thoroughly washed or cleaned and stitched into a bundle before being stored. (2) Every bundle shall be labeled with the number, name and date of sentence of the prisoner and arranged in the prisoner's property godown according to the month of sentence.
Disposal of money, items of prisoner.	**58.** (1) All items of a prisoner shall be handed over to him at the time of release from the prison. (2) The receipt and disposal of all money belonging to prisoners shall be recorded by the Deputy Superintendent (Administration) in the memorandum of property attached to each prisoner's warrant along with the date of entry. (3) The Superintendent shall periodically, minimum once in a quarter, satisfy himself that the amount of money kept in the prison chest to the credit of prisoners, corresponds with the amount received in the items register.
Disposal of items on transfer of prisoner.	**59.** On the transfer of a prisoner from one prison to another, all of his money and other items shall be sent to the prison to which he is transferred.
Item tendered for certain prisoners not to be received.	**60.** Items tendered at a prison on behalf of a prisoner already transferred to another prison, shall not be accepted but the person who tenders the item shall, if he so desires, be informed of the prison to which the prisoner has been transferred.
Item may be handed over to the nominee or family member.	**61.** The Superintendent may, at the request or with the consent of any prisoner, at any time handover the whole or any part of the money or any other items belonging to such prisoner, which may be in the keeping of the Superintendent, to any person (not being a prisoner) whom such prisoner may specify: Provided that the Superintendent may withhold and retain so much of the money as he may think necessary for travel expenses of the prisoner upon his release.
Disposal of forbidden items found.	**62.** Any prohibited items found with any prisoner after his admission into any prison shall be बवदपिबंजमकए ंदक ंसस उवदमल ेव बवदपिबंजमक ंदक ंसस उवदमल तमंसप्रमक तिवउ जीम ेंसम व िदल ंतजपबसम ेवconfiscated shall be credited to the Government in the public treasury: Provided that the Superintendent may award any sum, not exceeding one-and-half of any money or the sale proceeds of any items so confiscated, to any person concerned in the finding or discovery thereof.

	NOTE.- Sum of money confiscated, as well as sale proceeds of confiscated item, shall be paid into the treasury under the head revenue receipts of the Department.

Disposal of item of an escaped prisoner.	**63.** The money and other items of every escaped prisoner shall be retained for one year from the date of escape at the prison in which he was last confined. If the prisoner is not recaptured within this period, his money and other items (if any) shall be handed over to the police as being unclaimed items.
Item of deceased prisoner.	**64.** (1) The money and other items of a deceased prisoner shall if the prisoner had nominated any person, or if a claim is lodged by a person holding a valid succession certificate, probate or letters of administration entitling him to receive it, be handed over to such nominee or person. (2) A certified copy of the record of such items shall be provided alongwith the items handover to the nominee or family member. (3) Any wish expressed by a dying prisoner as to the disposal of his items shall be made known to the nominee or family member to whom the items is handed over. (4) When a prisoner dies, intimation of his death shall be sent to his family at his known address as well as through the Station House Officer of the police station concerned with a copy मदकवतेमक जव जीम क्पेजतपबज डंहपेजतंजम बवदबमतदमकण् प्ि पजीपद जीतमम उवदजी दव चमतेवदए कनसल ं नजीवतप्रमक जवreceive the item under the conditions laid down, lodges claim to it, such items shall be handed over to the police as being unclaimed items.

Removal from wards, lock-ups and prescription of strict discipline by day and night.	**CHAPTER 8** **DISCIPLINE AND DAILY ROUTINE** **65.** (1) Prisoners, other than those who may at any time be lawfully confined in cells by day as well as night, shall be removed from their sleeping wards, cells and other compartments, as soon after day-break as possible, and shall be placed in their proper sleeping wards and locked up for the night, before sunset after roll call. (2) Every prisoner shall be counted and locked up in the barrack, ward, and cell in the noon hours, as per the need to be decided by the Superintendent. Prisoners who are working in the ूवतीवच वत वनजेपकम ं ितउ ेींसस इम बवनदजमक ं ज जीमपत तमेचमबजपअम ूवताचसंबमेण् (3) Prisoners shall be kept and shall remain under strict order, discipline and control during day and night.

<table>
<tr>
<td>Movements how to be conducted.</td>
<td>
<table>
<tr><td>66.</td><td>(1)</td><td>All movements of prisoners shall be conducted in an orderly and regular manner, under</td></tr>
</table>
ेजतपबज बवदजतवसण् क्नतपदह सवबावनज जपउमए जीम चतपेवदमते ेींसस तमउंपद पद जीम बवनतजलंतक ंतमे व िजीमपत इंततंबोण्Prisoners in each unit block shall be given separate timings for coming into the central courtyard for relaxation, games or visiting hospitals, canteen, interview, etc.

(2) The Superintendent shall fix a detailed schedule regarding the movement of prisoners for their daily activities such as Prison Inmates Calling System, canteen, hospital, educational and vocational classes, cultural and spiritual activities apart from Court appearances, interviews, and video conferencing or any other work/activity.

(3) The Superintendent shall appoint an officer not below the rank of Head Warder as in-charge of the central control room, who shall, under the immediate supervision of the Deputy Superintendent (Security), ensure that the fixed schedule is strictly adhered to by the prisoners.

(4) Any inconvenience or breach of discipline or change or requirement shall be reported forthwith to the Superintendent by the Deputy Superintendent (Security).

(5) The Director General may in his discretion, from time to time, issue detailed directions as to the manner in which the order, discipline and control shall be maintained subject to these rules.
</td>
</tr>
<tr>
<td>Prisoners to obey lawful orders.</td>
<td>67. Every prisoner shall obey every order issued to him by any officer of the prison or convict officer.</td>
</tr>
<tr>
<td>Unlocking wards and counting of prisoners at day-break.</td>
<td>68. When the bell or gong is sounded at daybreak, the convict officer on duty inside the wards shall wake the prisoners and supervise the folding of the bedding. The prisoners, each having neatly arranged his bedding on his sleeping berth or plinth, shall then sit in double file down the center of the ward. On the arrival of the Deputy Superintendent, Assistant Superintendent, Sub Assistant superintendent, or the Head warder as the case may be, the ward shall be opened, the prisoners shall marched out in pairs, searched, counted, and their number shall be checked with the entries in the lockup register.</td>
</tr>
<tr>
<td>Daily routine and Schedule for Work, training and other activities.</td>
<td>
69. The working hours of prisons shall ordinarily be as follows, namely: -

A. Morning Program/Regime
<table>
<tr><th>Activity</th><th>Summer Time
April 15 to September 15</th><th>Winter Time
September 16 to April 14</th></tr>
<tr><td>Lockout/Roll call</td><td>Around 5:30 AM</td><td>Around 6:30 AM</td></tr>
<tr><td>Morning Tea with Bread, Biscuits, etc.</td><td>Around 6:00 AM</td><td>Around 7:00 AM</td></tr>
<tr><td>Yoga/PT/Exercise</td><td>6:30 AM to 7:15 AM</td><td>7:30 AM to 8:15 AM</td></tr>
<tr><td>Fall in for group formation for work/study/ hospital parade</td><td>8:00 AM</td><td>9:00 AM</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
</table>

Work/ Vocational training /Education and Literacy classes	8:15 AM to 9:45 AM	9:15 AM to 10:45 AM
Morning meal	9:45 AM to 10:15 AM	10:45 AM to 11:15 AM
Work /vocational Training/ Education and Literacy classes	10:30 AM to 05:00 PM	11:30 AM to 5:00 PM
Afternoon lockup	12:00 Noon to 03:00 PM	1:00 PM to 03:00 PM

B. Afternoon Program/Regime

Activity	**Summer Time April 15 to September 15**	**Winter Time September 16 to April 14**
Afternoon Tea	3:00 PM	3:00 PM
Maintenance Work	3:00 PM to 5:00 PM	3:00 PM to 4:00 PM
Games	5:00 PM to 6:00 PM	4:00 PM to 5:00 PM
Evening Meal	7:00 PM	6:00 PM
Evening Roll call	7:30 PM	6:30 PM
Lock Up	7:45 PM	6:45 PM
Light out	10:00 PM	10:00 PM

C. Hospital Timings

Activity	**Summer Time April 15 to September 15**	**Winter Time September 16 to April 14**
Prison dispensary (OPD)	9:00 AM to 12:00 Noon 05:00 PM to lockup	9:00 AM to12:00 noon 04:00 PM till lockup

	Afternoon visit /Medical Examination	Medical Officer shall be on call for duty at other times	Medical Officer shall be on call for duty at other times
	Round by Medical Officer in prison hospital (for indoor prisoners)	8:30 AM to 9:00 AM 5:00 PM to5:30 PM	8:30 AM to 9:00 AM 4:00 PM to 4:30 PM
	ज्ीवेम ूीव ंतम वद ेचमबपपिब जंेो व ूिवता वत अवबंजपवदंस जतंपदपदह ेींसस बवदजपदनम जव ूवता वत नदकमतहवtraining during afternoon lockup and shall be counted at their place of work/training. Such working hours shall be up to 5.00 PM. Those who are deputed for literacy classes in the forenoon shall be deputed for work/vocational training in the afternoon and vice versa. Education and literacy classes shall be held from 8:15 AM to 9:45 AM and10:30 AM to 12:00 noon in the forenoon and two hours in the afternoon (summer time). During winters, such classes shall be held from 9:15 AM to 10:45 AM and from 11:30 AM to 01:00 PM in the forenoon and two hours in the afternoon. Literacy classes as far as possible shall be held block-wise. **NOTE. -** Schedule of lock-up and lock-out time shall ordinarily be notified by the Director General, provided that the Superintendent may cause minor changes in such schedule in view of the local requirements. The schedule may be reviewed by the Director General and necessary instructions/guidelines in this regard may be issued from time to time.		
Procedure after morning latrine parade.	**70.** On the completion of the morning routine as mentioned in rule 68 above, tea with minor ेदंबो ेींसस इम ेमतअमक जव चतपेवदमते ंे चतवअपकमक वित पद तनसम 69ण्		

Movement of prisoner.	**71.** Whenever prisoners are marched from one part of the prison to another or are sitting or standing in a group, except when at meals or work or when paraded for inspection, they shall be arranged in files of pair and shall rise, move forward, stop or sit down at the word of command or signal. At parades, the signal shall usually be the stroke of a bell or gong and the movements shall be carried on simultaneously in all parts of the prison.
Prisoner to salute.	**72.** (1) Prisoners shall be required to salute the Deputy Superintendent or other officer superior to the Deputy Superintendent, at the word of command of the officer in whose charge they are, as follows, - (a) *"Halt"* to stand still if marching; (b) *"Rise"* to rise from the sitting position; (c) *"Attention"* - to stop work if working. (2) When it is desired to conclude the salute, the following words shall be used, - (a) "March" to move forward; (b) "Sit" to assume the sitting position; (c) "Work" to resume work.

Arrangement in groups and march to Work.	**73.** On the completion of the early morning meal, the prisoners shall be allowed to wash their hands and feeding vessels, and thereafter shall be arranged in groups according to the roster; each group shall be made over to a responsible officer and marched to its working place.
Arrangement of spare clothing at work.	**74.** Every prisoner going for work shall carry his working dress and utensils for tea and water. The remaining kit and utensils shall be kept in a locked receptacle provided for the purpose in the इंततंबोण् **NOTE -** Guarding personnel concerned shall be responsible for ensuring that the clothing and bedding of prisoners, when not in use, is kept well-arranged and folded in the wards after जीम चतपेवदमते समंअम जीम इंततंबो वित ूवतोण्
Work sheds to be locked.	**75.** The gate of every work-shed provided with a gate shall be kept locked after the prisoners have entered and the key shall be kept by the in charge of the group or if there is more than one group, by the senior officer, who shall be held responsible that no prisoner passes into or out of the work-shed without proper permission.
Access to a urinal and latrine at all hours.	**76.** Every prisoner shall have access to a urinal and latrine at all hours, but frequent use of latrine by any prisoner should be reported to the medical officer, who shall place the prisoner under observation in a cell, and if there is reason to believe that he has visited the latrine unnecessarily, the irregularity shall be reported. In the case of newly convicted prisoners, some latitude shall be allowed in the enforcement of this measure. Enough urinals and toilets shall be provided near the ूवतीवचेध्बसंैतववउे ंदक वजीमत ूवता ंतमंैण् च्तवचमत ेंदपजंजपवद ेींसस इम उंपदजंपदमक इल जीम ेंदपजंजपवदstaff under the supervision of Deputy Superintendent (Administration).
Details of food parade.	77. When the bell for the distribution of meals rings, the following events shall take place in sequence, - (a) The prisoners shall**,** except for anyone who has a complaint to make, sit down to eat; (b) Any prisoner who remains standing shall be separated and those who have no complaint to make shall b**e** given the signal to eat; (c) The head warder shall enquire as to the cause of complaint of any prisoner concerning his food. If the complaint is of short distribution, he shall have the ration weighed there and then, and if the quantity is short, have the deficiency supplied and report the defaulting cook to the Deputy Superintendent (Administration); (d) If the complaint is of bad quality or bad cooking, the Head-Warder shall retain a sample of the food for examination by the medical officer and Deputy Superintendent (Administration), who shall make such further inquiry regarding the complaint as may be necessary and report the circumstances to the Superintendent on the first opportunity;

	(e) When the meal is finished, the prisoners shall throw the unconsumed food in the tub meant for this purpose, and they shall wash their utensils, hands, etc.; (f) On the completion of the food parade in the morning**,** the prisoners shall be marched to the place where their distribution into working groups is to take place. At this time, the Deputy Superintendent (Administration) shall make any alterations in the groups that उंल इम दमबमेंतल ंदक तमबवतक जीम ेंउम वत बंनेम जव इम तमबवतकमक पद जीम हतवनच इववोय (g) The same procedure shall be followed in distribution and eating at the other meals. The बववो ूीव ूमतम मउचसवलमक वित कपेजतपइनजपदह जीम विवकए ूीमद जीम इंजीपदह चंतंकम ूंे पद progress, shall at some convenient time be taken to wash themselves; (h) This routine shall be carried on simultaneously in all parts of the prison and completed within an hour, i.e. before the time for sequestration of prisoners into groups. In prisons where the arrangement of latrines, feeding, and bathing platforms is inadequate, the Superintendent must follow the instructions as closely as the means at his disposal permit.
Work resumed in afternoon, cessation of Work for the day.	**78.** When the work bell sounds in the morning, the groups shall be marched to their workplaces, deposit their spare clothing, and utensils and resume work until the afternoon tea is brought for distribution. The prisoners shall get their afternoon tea at the places where they are working. In the evening when the bell rings for cessation of work, each prisoner shall take up his clothing, utensils, etc., and the groups shall march to their respective wards or appointed place, to be counted and बवउचंतमक ूपजी जीम बवदबमतदमक इववोण् ज्ीमल ेींसस जीमद चमतवितउ जीम मिमकपदह ंदक संजतपदम चंतंकमे ंंे पद जीमmorning. Reasonable time may be allowed for sports and games or to walk up and down in the enclosure of the ward to give sufficient exercise for keeping the digestion in order. When the bell for lock-up sounds**,** the prisoners shall stand in a line. They shall be searched and marched to their sleeping wards where they shall sit in a double file till counted and locked up. As far as practicable**,** prisoners who work together shall occupy the same ward. ज्व तनद ं ू वर्तीवच पदेपकम जीम चतपेवदए जीम ै नचमतपदजमदकमदज उंल मगजमदक जीम जपउम वित बमेंजपवद व िwork for identified prisoners through a specific order. As far as practicable, such prisoners shall occupy the same ward.
Prisoners not to leave their berths or plinth.	**79.** No prisoner shall be allowed to leave his sleeping berth for any purpose, without first obtaining the permission of the convict officer on duty, or to sit or lie on any other prisoner's berth. After 9:00 P.M., no prisoner shall leave his sleeping place except to visit the washroom. No prisoner from one barrack shall be allowed to visit another barrack without the permission of a prison officer.
Disposition of prisoners on parade.	**80.** At the Superintendent's weekly inspection, the prisoners shall stand in single file, with their spare clothing, bedding**,** utensils, and history-ticket arranged in order. All prisoners losing weight shall stand separately. On the arrival of the Superintendent**,** the prisoners shall**,** at the word of command, standup.
Prisoners not to leave their Place to make complaints.	**81.** No prisoner shall leave his place at any time to make any representation to the Superintendent or Deputy Superintendent, but he may**,** if the representation is an urgent one, such as a complaint of assault or ill-treatment or the like, represent the matter to the Deputy Superintendent or Superintendent when these officers are doing their rounds.

Prisoners to wash their clothing weekly.	**82.** All prisoners shall wash their clothing regularly and maintain good hygiene. A central washing facility or appropriate washing equipment shall be provided at a conveniently accessible location. Whenever necessary, the Superintendent may direct prisoners to boil and wash blankets, woolen coats, and bedding and appropriate equipment shall be provided for the purpose.
Disposal of Prisoners on non-working days.	**83.** Prisoners may, on the days they are exempt from labour, be either locked up in their wards or, if the weather is favorable, be allowed to sit in a single file in the yards and take walking exercise in groups for an hour in the morning and an hour in the afternoon or in lieu thereof, they may be allowed to take part in the games and yoga.

Matters affecting caste or religion.	**84.** (1) No undue interference with the religion or caste affiliations of prisoners shall be permitted. (2) Every prisoner shall be allowed to pursue his religious beliefs in a quiet and orderly manner during the mid-day rest and when locked up for the night. (3) The Superintendent may in his discretion, permit the gathering of prisoners to hold any religious or national functions which have been declared as a prison holiday. (4) Muslims prisoners**,** other than those admitted in hospital or in any convalescent or special groups**,** who express a desire to be allowed to keep the fast of 'Ramzan, shall be permitted to do so: Provided that if the Medical Officer believes that the continuance of fast by such prisoner is likely to be injurious or dangerous to his health, he may direct its discontinuance. **NOTE.-**Prisoner who wish to keep fast, shall be provided with a morning meal at an appropriate time in the morning to start the fast. They shall be permitted to take evening meal and to retain the whole or any portion thereof in wards, cells, or other compartments for consumption after they break the fast. (5) No religious structure shall be established in the prison premises. Any violation of this provision shall be dealt with sternly. (6) When the Superintendent has any doubt as to the validity of any plea advanced by a prisoner on grounds of caste or religion, he shall refer the matter with full particulars for the orders of the Director General whose decision shall be final.
Hair cutting.	**85.** (1) The hair of every convict sentenced to rigorous or simple imprisonment, and of every under-trial prisoner shall be trimmed at the time of admission to prison and at such times, as may be necessary for ensuring personal hygiene and cleanliness: Provided that the undertrial prisoners who are to be identified through a test identification parade shall not be allowed to change their appearances till the conduct of test identification parade: Provided further that, -

	(a) Sikh prisoners shall be allowed to keep long hair and beard; (b) Hindu prisoners may be allowed to retain the 'choti' or top-knot; (c) Muslim prisoners may be allowed to keep a shortly trimmed beard; and (d) A woman prisoner's hair shall not be cut without her consent. However, if, on account of vermin or dirt, the medical officer deems cutting of hair necessary on the ground of health and cleanliness, the hair shall be cut but not shorter than required. **NOTE. -** All prisoners who are permitted to keep long hair or beard shall be responsible for ामचपदह जीम ेंउम बसमंदए दमंजसल बवउइमकए जपमकए ंदक तिमम तिवउ सिमं ंदक जपबोण् (2) Those prisoners who were accustomed to shave their faces before admission to prison may be permitted to shave in prison. Only disposable plastic razors with embedded blades shall be allowed for self- shaving. (3) The vocational training program in prisons shall include teaching haircutting and shaving and the prisoners may be charged at the rate to be determined from time to time by the Director General for hair cutting or shaving to meet the expenditure of consumables. The amount shall be deposited in the Prisoner Welfare Fund and consumables shall be purchased from the fund. The Superintendent may exempt any prisoner from paying the above amount if he is unable to pay.
Outsiders not to communicate with prisoners.	**86.** No person, other than a visitor acting in pursuance of his privilege or duty as such visitor**,** staff member or prisoner**,** Judicial Magistrate or police officer in the discharge of his official duties, ंनजीवतप्रमक पदजमतअपमूमते ;उनसंांजपेद्ध ं दक समहंस बवनदेमसए ेीं सस बवउउनदपबंजम वत ंजजमउचज जव बवउउनदपबंजम with any prisoner.
Internal movement to be restricted.	**87.** The prisons may be designed in such a way as to divide its premises into several independent secured areas so that internal movements can be segregated as well as restricted.

Instruments of restraint.	**88.** Whenever the Superintendent considers it necessary (with reference either to the state of the prison or the character of the prisoner) for the safe custody of prisoners that they should be confined by the use of instruments of restraint, he may, subject to the sanction of District and Sessions Judge, so confine them: Provided that in emergent cases, any prisoner may be confined by the use of instruments of restraint under the orders of the Superintendent in anticipation of sanction for a period not exceeding forty-eight hours.
Handcuffs.	**89.** (1) Handcuffs may be imposed as instruments of restraint or by way of punishment for prison offences, weighing not more than five hundred grams or as per the specifications fixed by the Director General by way of a standing order from time to time. (2) Handcuffs may be imposed on the wrist in front, by day or night for a period of not more than twenty-four hours at a time, with intervals of not less than twenty-four hours between each period of handcuffing. If

	the handcuffs are applied on the wrist with hands behind, the handcuffs shall be removed after six hours and may be imposed after six hours minimum break for another six hours: Provided that this shall be restricted to cases where the prisoner has been guilty of repeated violence against self, another prisoner, or staff member. **NOTE 1.-** A prisoner while undergoing punishment in handcuffs shall be under complete shelter from the sun. **NOTE 2.-** Handcuffs may be removed when a prisoner wearing the same is to be produced in Court.
Fetters.	**90.** (1) The following classes of fetters may be used in prison, namely: – (a) link-fetters composed of a chain and ankle-rings. The total weight of such fetters including the ankle-rings shall not exceed 1.4 kilograms and the chain shall be not less than two feet in length; (b) bar-fetters composed of two bars joined together by a link and attached to ankle- rings. The total weight of such fetters including the ankle-rings, shall not exceed 2.3 kilograms and each bar shall be not less than twenty inches in length; (c) cross-bar fetters composed of a single bar to keep the legs apart and of ankle- rings, the total weight of such fetters, including ankle-rings, shall not exceed 1.1 kilograms. The length of the bar shall not exceed sixteen inches in the case of men who are not less than five feet six inches in height, or fourteen inches in the case of men below this height. (2) The maximum period for which fetters may be continuously imposed shall be as follows, namely:- (a) in case of linked fetters, three months; (b) in case of bar-fetters, three months; and (c) in case of cross-bar-fetters, ten days. (3) A period of at least ten days must elapse after fetters of any kind have been imposed as a punishment for a prison offence, before they again be imposed as a punishment for another prison offence, whether of the same kind or not. **NOTE. -** Fetters shall be removed when a convict wearing the same is to be produced in court.

Rights of a prisoner.	**CHAPTER 9** **OFFENCES AND PUNISHMENTS** **91.** Every prisoner in a prison shall have the following rights, namely:- (a) **Right to human dignity:-** Every prisoner in a prison shall, as far as it may be expedient and practical, be entitled to be treated with dignity and shall enjoy all the fundamental and other rights conferred under the provisions of the Constitution of India and any other law for the time being in force, subject to such restrictions as may be necessary by virtue of his incarceration or the larger interest of maintenance of discipline, safety and security inside the prison. Every prisoner shall have the right of protection against torture from physical and verbal violence, abuse and harassment, whether by staff or by fellow prisoners;

	(b) **Right to basic minimum needs:-** Every prisoner in a prison shall be entitled to the fulfillment of basic minimum needs such as adequate diet, health, medical care and treatment, access to clean and adequate drinking water, access to clean and hygienic living conditions including sanitation and personal hygiene, clean and adequate clothing and bedding, adequate legal remedies and access to due process of law, periodic interviews with family members and lawyers, who are notified to the Superintendent at the time of admission or later, subject to such restrictions as may be necessary by virtue of his incarceration, or in the larger interest of maintenance of discipline, safety and security inside the prison.
Duties of prisoners.	**92.** At the time of admission, prisoners shall be directed to obey the prison rules and shall have to perform the following duties, namely: - (a) to obey all lawful orders and instructions issued by the competent prison authorities and persons who help them in the performance of their official duties; (b) to abide by all prison rules and regulations and perform obligations imposed by these rules and regulations; (c) to remain strictly with their groups, in their workplace and within the part of the prison पद ूी पबी जीमल ं तम बवदपिदमक ं दक चमतवितउ जीमपत ं ससवजजमक जंो कपसपहमदजसल ं दक बंतमनिससलय (d) to report any plot or conspiracy and any attempt to escape or preparation for an escape, or an attack upon any prisoner or prison officer, and help the prison officers in case of an attack upon them; (e) not to hold any communication with outsiders, women, civil or under-trial prisoners or prisoners of a class different from their own, or with the guards, beyond such interaction as is necessary; (f) not to gamble or barter within the prison, nor keep animals, birds or other pets; (g) not to play any game (unless generally or specially permitted by the Superintendent) or keep any games-related material or items like a cricket bat, hockey, stumps, volleyball, badminton net or racket etc. with them; rather, these shall have to be deposited with the warder in charge after games activity is over; (h) not to strike, assault or threaten any officer or prisoner; (i) to use government property and those of vendors or contractors in the prison with care and not to damage or destroy the same negligently or willfully; (j) to be alert during the count parade and general parade; (k) not to take any eatables without an order from the food distribution platform or kitchen; (l) not to talk loudly, sing to the annoyance of others or quarrel in any part of the prison; (m) not to leave his bed at night for any purpose without first obtaining the permission of the convict officer, or to sit or lie on any other prisoner's berth or plinth; (n) not to be a party to any ingress of any prohibited article; (o) to maintain the prescribed standards of cleanliness and hygiene and prison discipline;

	(p) not to commit any prison offence either minor or major;

	(q) to respect the dignity and the right to life of every inmate, prison staff and others; (r) to abstain from hurting religious feelings, beliefs, and faiths of other persons; (s) to preserve and promote a congenial correctional environment in the prison; (t) to refrain from making any false or exaggerated complaints/ allegations or conniving in organising any agitation/disruption within the prison; (u) to use the given mechanism of grievance redressal and encourage others too; To not leave his work to make any representation to the prison officer. **NOTE.** - Prisoner shall be warned that in the event of any riot or violent outbreak, the prison वf िपबमते ंतम ंनजीवतप्रमक जव नेम ंचचतवचतपंजम वितबमincluding lethal force.
Prison offences.	**93.** All the acts specified in section 45 of the Prison Act, 1894 (Central Act 9 of 1894) shall constitute offences when committed by a prisoner and the same shall be classified in two categories अप्रण् उपदवत चतपेवद वf िमदबमे ंदक उंरवत चतपेवद वf िमदबमेण्
Minor prison offences.	**94.** The following acts of the prisoner shall constitute minor prison offences, namely: - (i) failing to assist in the maintenance of prison discipline; (ii) doing any act calculated to create unnecessary alarm in the minds of other prisoners; (iii) omitting to report the commission of any prison offence; (iv) committing nuisance or mischief of any sort; (v) sending messages surreptitiously by writing or verbally; (vi) eating or apportioning any food not assigned to him or taking from or adding to the portions assigned to another prisoner, disobeying any order as to the issue and distribution of food and drink; (vii) being idle, careless at work, contumaciously refusing to work, malingering, disturbing वजीमत चतपेवदमते ंज ूवताए वत पद इंततंबोय (viii)performing any portion of the task allotted to another prisoner or obtaining नदंनजीवतप्रमक ंेपेजंदबम व िदवजीमत चतपेवदमत पद जीम चमतवितउंदबम व िवदमष्े जंाण्य (ix) apportioning to any prisoner any part of the task to be performed by him; (x) spitting, urinating in areas other than specified**,** soiling or befouling any place or article; (xi) failing to observe cleanliness especially in common areas like toilets etc.; (xii) loitering or lingering, leaving the appointed area, ward, place in the file or workgroup without permission; (xiii)omitting or refusing to keep clean his clothing, blankets, bedding or disobeying any orders as to the arrangement or disposition of such articles. Damaging the trees and vegetables in the garden of the prison or maltreating the prison cattle;

	(xiv)omitting or refusing to wear the clothing given to him or exchanging any portion of it for the clothing of other prisoners or losing, discarding, damaging, or altering any part of it; (xv) removing, defacing, or altering any distinctive number, mark or badge attached to, or worn on, the clothing or person; (xvi)smoking at a place, or at a time, other than specified; (xvii)failing to report on time and in such manner as prescribed under the rules, at the time of lockup and lockout.
Major prison offences.	**95.** The following acts of the prisoner shall constitute major prison offences, namely: - (i) endangering the security of the prison in any way, by a willful or negligent act ंदक ैींसस पदबसनकम जंउचमतपदह पद ंदल ूंल ूपजी चतपेवद ूंससेए इनपसकपदहेए इंतेए सवबो and keys, lamps or lights or with any other security and custody measure;

(ii) doing or omitting to do any act with intent to cause to oneself any illness, injury or disability including an attempt to suicide;
(iii) violating public order or prison discipline;
(iv) planning, making preparation for, instigating or abetting, directly or indirectly, the commission of any prison offence;
(v) refusing, omitting to abide by standards of behaviour, rules and regulations and lawful instructions and orders;
(vi) failing to assist a prison officer when called to do so or answering untruthfully any question put up by a prison officer or a visitor;
(vii) making false, malicious and groundless, written or verbal, complaints against prison officials;
(viii) quarrelling with other prisoners, creating an environment of fear amongst the inmates;
(ix) attacking, assaulting and causing injuries to others, or use of criminal force against prison officers or others;
(x)
participating in a riot or mutiny or abetting another prisoner to do so; (xi) escaping, preparing to escape or attempting to escape from prison or legal custody or failing to report to prison officials about the same by any other prisoner;
(xii) possessing any object or material removed from any larger object or from a building, which has been altered in such a manner that it can be used for damaging prison property or as a weapon of offence or as an implement to assist in escape from prison;
(xiii) possessing, hiding, transferring, smuggling, attempting to smuggle, obtaining, giving, receiving or bartering any prohibited article;
(xiv) failing to report to prison officials about any prohibited articles;
(xv)
stealing, damaging, destroying, disfiguring or misappropriating any government property or another prisoner's property;
(xvi) failing to report at once any loss, breakage or injury, which the prisoner may accidentally have caused, to prison property or implements;
(xvii) tampering with or defacing identity cards, records or documents of the prison; (xviii)
breach of the conditions of parole/furlough or emergency release; (xix) refusing to eat or threatening to go or going on a hunger strike or abetting others to do so;
(xx) wilfully or negligently destroying or spoiling food or throwing it away without ंनजीवतप्रंजपवदय

	(xxi) introducing into food or drink anything likely to render it unpalatable, unwholesome or dangerous for human consumption; (xxii) tampering with the scale of food; (xxiii) नदंनजीवतप्रमक बववापदहय (xxiv) violating rules and regulations framed for the systematic running of the canteen or bartering canteen articles; (xxv) manufacturing any article without the knowledge or permission of a prison officer or causing adulteration during manufacturing; (xxvi) mixing or adding a foreign substance to the materials issued for work;

	(xxvii) wilfully disabling himself from labour; (xxviii) converting, or attempting to convert, a prisoner to a different religious faith; (xxix) wilfully hurting other's religious feelings, beliefs and faiths; (xxx) agitating or acting based on caste or religious prejudices; (xxxi) having any communication, in writing or by word or by signs, without permission, with any outsider, an undertrial prisoner, detenue, civil prisoners and approvers; (xxxii) चंतजपबपचंजपदह पद वत वतहंदप्रपदहए नदंनजीवतप्रमक ं बजपअपजपमे सपाम हंउइसपदह ंदक इमजजपदहय(xxxiii) using indecent, abusive, insolent, threatening or improper language; being disrespectful, making indecent or vulgar acts or gestures; (xxxiv) failing to assist or preventing another person from assisting, prison officials in case of an attempted escape or suppressing violence, assault, riot, mutiny, attack, gross personal violence or any other emergencies; (xxxv) omitting or refusing to report, as soon as it comes to his knowledge, the occurrence of any fire, plot or conspiracy, any escape, attempt or preparation to escape and any attack or preparation for an attack, upon any prison officer or prisoners; (xxxvi) पदकनसहपदह पद वत ंे पेजपदह पद ं दल नदंनजीवतप्रमक पिदंदबपंस जतंदेंबजपवदए ूीमजीमतwithin the premises of the prison or without; (xxxvii) misuse of prison inmate communication system; (xxxviii) commission of a minor offence three or more times within one year; (xxxix) a combination of two or more minor offences when committed as part of the same transaction.
Classification of punishments for prison offences.	**96.** The following punishment(s) shall be awarded by the Superintendent to prisoners for committing any prison offence and shall be classified into minor and major categories, namely:- **(i) Punishment for minor prison offences**:- The following punishments shall be awarded in case of minor offences by the Superintendent, namely: - (a) formal warning; Explanation:- Formal warning means a warning personally addressed to a prisoner by the Superintendent and recorded in the history-ticket of the prisoner and punishment register; (b) forfeiture of remission earned, not exceeding five days; (c) forfeiture of earning from wages of up to three days once in a calendar month; (d) punishment drill/work for a period not exceeding one hour a day up to fifteen

	days subject to the prisoner's physical fitness being certified by the Medical Officer; (e) forfeiture of privileges given to the prisoner for a period up to three months; (f) बींदहम व ितउ व िसंइवनत वित पिजिममद कंले जव ेवउम पतोवउम वत ेमअमतम वितउय (g) change of accommodation to another barrack, cell or any other prison accommodation for a period, as deemed necessary, not exceeding thirty days; (h) separate confinement for a period up to ten days; (i) engagement in community services in prison, like water services or hospital services or kitchen services or maintenance of cleanliness of the common area, for a period up to fourteen days; or (j) forfeiture or removal of class of a convict officer to a lower class or to a normal convict for a specific period not exceeding three months.

	(ii) Punishment for major prison offences:- The following punishments shall be major punishments which may be awarded by the Superintendent in case of major offences, namely: - (a) compulsory labour for a period not exceeding seven days in the case of civil prisoners and prisoners sentenced to simple imprisonment and not exceeding fourteen days in the case of under-trial prisoners; (b) forfeiture of remission earned, not exceeding five days; (c) forfeiture of earnings from wages for more than three days and up to seven days in a month; (d) forfeiture of privileges beyond three months and not exceeding six months; (e) separate confinement for a period beyond ten days and not exceeding sixty days; (f) cellular confinement for a period up to thirty days; (g) exclusion from temporary release for one year; (h) exclusion from remission system for a period upto one year; (i) to engage in community services in prison, like water services or hospital services or kitchen services or maintenance of cleanliness of the common area, for a period exceeding fourteen days subject to a maximum of three months; (j) imposition of handcuffs of such pattern and in such manner as provided in these rules, for any period not exceeding a month; (k) forfeiture or removal of class of a convict officer to a lower class or to a normal

	convict for a period upto one year; (l) imposition of fetters of such pattern and in such manner as provided in these rules, for any period not exceeding fifteen days; (m) transfer to other prisons; (n) any combination of two minor punishments admissible under the preceding rules; or (o) तमबवअमतल वित ूपससनिससल कपेतनचजपदह चतवकनबजपवद पद चतपेवद ूवतोीवच समंकपदह जव pecuniary loss or damaging or tampering with any prison property. Such recovery shall be made from the wages earned by the prisoner. In absence of wages earned, from the amount deposited in the jail canteen account of the prisoner, and in absence of both the sum will be recovered from the prisoner's property through a judicial process. **(iii)** Apart from above, punishments, no other punishment shall be awarded to the prisoner without an order from the competent Court.
Procedure for punishment.	**97.** The following procedure shall be followed while awarding punishment by the Superintendent to the prisoners who commit a prison offence, namely:- (a) जीम ै नचमतपदजमदकमदजों सस दवज ंू तक ं दल चनदपीउमदज जव ं दल चतपेवदमत वित ं दल बवहदप्रंइसम offence in which a case has been registered. However, necessary preventive action may be taken by the Superintendent to ensure peace, tranquility and to maintain law and order in prison. If necessary, the Superintendent may take assistance from District Magistrate and Superintendent of Police in this regard. **NOTE.-** Care should be taken by the Superintendent to ensure that there is no double jeopardy in any case. (b) prisoner who has committed any major prison offence but criminal case has not been registered for that offence, then he shall be produced before the Superintendent by the Deputy Superintendent (Administration) along with his history ticket, witnesses and other relevant records in which the offence committed is recorded; (c) contents of such major prison offence shall be read over to the concerned prisoner and a copy of the entry of such information shall be given free of cost to the prisoner;

	(d) the Superintendent shall record the statements of witnesses in the presence of the concerned delinquent prisoner and give him a copy of statements of witnesses before proposing any punishment for major prison offence committed by the prisoner; (e) the punishment so proposed by the Superintendent shall be forwarded by the Superintendent to the District and Sessions Judge concerned within twenty-four hours with all the relevant record for judicial appraisal of the proposed punishment; (f) the District and Sessions Judge may hear the prisoner personally and may approve/disapprove the proposed punishment after due consideration;

	(g) the proposed punishment shall come into effect only after the receipt of the judicial appraisal by the respective District and Session Judge. **NOTE.-** For minor and very petty matters, where the punishment like warning etc, is imposed the same shall be imposed by the Superintendent and there is no need to follow the above said procedure.
Article I. edical officer to certify fitness of prisoner punishment of physical nature.	**98.** (1) No major punishment of physical nature shall be executed until the prisoner to whom such punishment has been awarded, has been examined by the medical officer, who, if he considers the prisoner fit to undergo the punishment, shall certify the same in the history-ticket. (2) If he considers the prisoner unfit to undergo the punishment, he shall in like manner record his opinion in writing and shall specifically state whether the prisoner is unfit for the punishment of the kind awarded, or whether he considers any modification necessary.
Publication of penalties.	**99.** The Superintendent shall cause to be affixed, in a conspicuous place inside the prison, a notice in Hindi and English setting forth the prohibited acts amounting to prison offences and the penalties incurred for the commission thereof.
Prohibited articles.	**100.** The following articles shall be deemed to be prohibited articles unless it is introduced into or removed from the prison, or received, possessed or transferred by any prisoner with the permission of the Superintendent or any other officer, empowered by him in this behalf, - (a) alcohol or spirituous liquors of any kind; (b) unauthorised tobacco and its products; (c) any intoxicating substance, narcotic drug, psychotropic substance or any other article banned by law; (d) inflammable or poisonous material which any cause damage to the human body or property; (e) bullion, metal, valuable securities, jewellery or ornaments or any cash or currency; (f) all arms and weapons and articles which are capable of being used as weapons, of whatever description; (g) ादपअमेए ंतउेए तवचमेए ेजतपदहए इंउइववेए संककमतेए ंदक ेजपबोए ंदल ंतजपबसम सपामसल जव ंिबपसपजंजम escape or implements of any kind, except those issued for use in the performance of work in prisons; (h) any other article which has not been issued for the use of prisoner from the prison stores and supplies; (i) any communication device like mobile phones, sim-card, charger, earphones or its components including any other unauthorised electronic equipment; (j) all explosive, poisonous, intoxicating or sedative substances whether in the form of herbs, powder or any other physical or chemical form, of whatever description; (k) any medicine which has not been prescribed or approved by the medical officer; (l) any other article declared prohibited from time to time by the order of the Director General; and (m) any other article(s), the use of which is not permitted by the Superintendent in writing, shall be treated as a prohibited article.

Punishments to be recorded.	**101.** Every infringement of prison rules shall be brought to the notice of the Superintendent, who shall decide whether the infringement reported constitutes an offence. If the Superintendent believes that the infringement of rule was committed through ignorance or excusable carelessness, he shall admonish the prisoner and dismiss the charge without recording it in the punishment register. But, if after communicating to the prisoner concerned the facts alleged against him and also allowing him to state his defense, the Superintendent finds it to be an offence, he shall award appropriate punishment, and have it recorded in the prisoner's history ticket and punishment register. The punishment register for prisoners shall have details of prison offences committed by the prisoners. Such record shall also be maintained digitally in the Integrated Prison Management System. The order of punishment shall also be communicated to the concerned prisoner.
Diary of termination of prison punishment to be maintained.	**102.** On the day of the order for any punishment, which shall continue for a specified term, is given effect to, the date of expiry of the term of such punishment shall be calculated and the name of the prisoner and particulars of the punishment shall be entered in this diary under the date on which it shall terminate. The diary shall be examined by the Deputy Superintendent (Administration) daily and orders shall be given on the prisoner's history tickets for the discontinuance of every punishment which terminates on that day.
Superintendent to furnish a detailed report.	**103.** The Superintendent shall present a detailed report on the punishments inflicted to the Director General quarterly.
Power to arrest.	**104.** When any person, in the presence of any officer of a prison, introduce or removes or attempts by any means whatsoever to introduce or remove, into or from any prison, or supplies or attempts to supply to any prisoner, outside the limits of a prison any prohibited article and refuses on demand of such officer to state his name and residence, or gives a name or residence which such officer knows, or has reason to believe, to be false, such officer may arrest him and shall without unnecessary delay make him over to a police officer and thereupon, such police officer shall proceed as if the offence had been committed in his presence.
Grievance redressal system.	**105.** (1) There shall be an active grievance redressal system in every prison which shall provide every prisoner with legitimate and adequate opportunity to voice his grievance. (2) There shall be one or more complaint boxes in every prison installed in centrally located and convenient places, within easy reach of the prisoners. Such complaint boxes shall also be installed in an easily accessible place in the female ward. (3) The prisoners may drop their complaints in the form of written petitions addressed to the Superintendent, or the higher authorities, into such boxes. (4) The boxes shall remain under lock and key and the keys shall remain in the custody of the Deputy Superintendent (Administration), who shall unlock the complaint boxes at least twice a week on the days fixed and approved by the Superintendent. The complaint boxes shall be opened at the appointed time before the evening locking up of the prison. (5) The Superintendent shall form a permanent committee of grievance redressal system, comprising himself, all the Deputy Superintendents, medical officer, and one senior-most female officer (if the prison has female enclosure).

	(6) The committee shall meet as and when necessary, but at least twice a week to look into the complaints of the prisoners. (7) The Superintendent shall preside over the committee which shall enquire into all the complaints at the earliest. The outcome of the enquiry shall be communicated to the prisoner and if he is not satisfied with the enquiry, he may approach the Director General for redressal of his grievance: (8) The decision of the committee shall be executed forthwith. (9) Complaints addressed to the higher authorities shall be forwarded to the addressee with comments of the Superintendent without delay. (10) Letters addressed by prisoners to the Government, Director General, Judiciary, or other high functionaries should be forwarded to them immediately and a dated receipt of it should be given to the prisoner.

CHAPTER 10

REMISSIONS AND REWARD

Remission System.	**106.** (1)	Remission is a concession which may be granted to a prisoner by the President or the Governor or appropriate Government or by the Director General or by the Superintendent. Remission is merely subject to withdrawal/forfeiture/revocation and is not a right and cannot be claimed as such. The appropriate Government reserves the right to debar/withdraw any prisoner, or category of prisoners, from the concession of remission. The remission already granted is also liable to be forfeited as per provisions of these rules. (2) Remission is intended to be an incentive for good conduct and work during a prisoner's stay in the prison, willingness to work while in custody, cooperation, assistance and help to the prison administration in prison management, and general response to various institutional activities.
Remission committee.	**107.** Each prison shall have a remission committee consisting of, - (a) Superintendent – Chairman (b) Deputy Superintendent (Administration)- Member Secretary (c) Deputy Superintendent (Industry and Welfare)- Member **NOTE.-** Where only one officer of Deputy Superintendent rank is posted, Superintendent may co-opt one or more Assistant Superintendents as members.	
Functions and meetings of remission committee.	108. (1) The functions of the remission committee shall be following, namely:- (a) to attend to all matters of remission; (b) to recommend cases of prisoners for the grant of special remission as per provisions of these rules; (2) The members of the committee shall assist the Superintendent in all matters of the award of remission. The decision of the Superintendent shall be final.	

	(3) The remission committee shall meet in the last week of every month, or as and when required.
Kinds of remission.	**109.** Remission shall be of the following types, namely:- (a) ordinary remission; (b) annual good conduct remission; (c) special remission; (d) Government remission;
Ordinary remission.	**110.** ज्ीम ै नचमतपदजमदकमदज वत ं द वा िपबमत दवज इमसवू जीम तंदा व ि क्मचनजल ैनचमतपदजमदकमदज ंनजीवतप्रमक इल him in this behalf shall grant ordinary remission.
Eligibility for ordinary remission.	**111.** The following prisoners shall be eligible for earning ordinary remission, namely:- (a) prisoners having substantive sentence (of either description) of three months or more; (b) prisoners fulfilling the conditions as mentioned in clause (a) above, but who are unable to participate in institutional activities because of factors beyond their control such as court attendance or transit from one prison to another or admission as an indoor patient in a hospital including mental hospital, may be granted ordinary remission at the scale earned by them during the previous month, subject to their good conduct during the relevant period; (c) prisoners who fulfill conditions as mentioned in clause (a) above, but are admitted in hospital as indoor patients. During the period of their convalescence, ordinary remission may be granted subject to certification by the Medical officer regarding their bonafides; (d) prisoners fulfilling conditions as mentioned in clause (a) above and have been certified by the Medical Officer as unable to work;

	(e) prisoners working on conservancy jobs irrespective of the length of their sentence; (f) prisoners sentenced to simple imprisonment of three months or more and who volunteer to work continuously for a minimum of one month shall be granted remission as per work performed by them; (g) if a prisoner is unable to perform the allotted work for reasons beyond his control, he shall not be debarred from remission for the period. Such remission shall, however, be subject to his good conduct and participation in other institutional activities.
Non-eligibility for ordinary remission.	**112.** Ordinary remission shall not be granted in the following cases, namely:- (a) prisoners having substantive sentence (of either description) of less than three months; (b) any prisoner undergoing sentence in default of payment of fine; (c) in case prisoner's sentence or total of sentences is reduced on appeal to less than three

	months, he shall cease to be eligible for ordinary remission and any remission that may have been earned before the reduction shall be forfeited. Similarly, when a sentence of less than three months has by subsequent conviction or otherwise, been raised to a sentence of three months, the convict shall be credited with ordinary remission from the first day of the calendar month following the month in which he was admitted to prison on his first or original conviction; (d) prisoner in whose case the Government or the competent court has ordered that remission shall not be granted; (e) prisoner who has been debarred from remission as per rule 115; (f) prisoner undergoing any punishment for major offence as defined in rule 95: (g) prisoner who has been in hospital as indoor patients for self-inflicted injuries for such period as shall be decided by the Superintendent; (h) prisoner who resort to hunger strike or work strike; (i) prisoner specifically barred from the remission system as per law; (j) convicts sentenced to rigorous imprisonment and not performing allotted labour. **NOTE. -** Prisoners sentenced under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (Central Act 61 of 1985) shall not be eligible for any kind of remission under these rules.
Scale of ordinary remission and authority to award.	**113.** Ordinary remission shall be granted to convicted prisoners by the Superintendent in the light of recommendations received from the remission committee as per the following scale, - (a) two days per calendar month for good conduct, participation in institutional activities like educational programs, de-addiction programs, etc. and meticulous compliance of prison rules; (b) two days per calendar month for working in industry or performance of the assigned daily work according to the prescribed standards; (c) one day per calendar month for working on prison holidays for general maintenance of prison or in the kitchen or farm activities or as convict officer or in the prison hospital etc; (d) three days per month to those who volunteer for sanitation work in the prison; and (e) one day extra remission per month shall be granted to the prisoners in semi-open air prison or open Air prison.
Ordinary remission not earnable for any offence committed after admission to prison.	**114.** If a prisoner is convicted for any offence committed during his confinement in the prison or during the period of temporary release, the remission of whatever kind earned by him under these rules up to the date of such conviction, may with the sanction of the Director General be forfeited.

Readmission to the remission system of a prisoner barred therefrom.	**115.** (1) The Director General, on the recommendation of the Superintendent, may debar any prisoner from remission for a period up to one year for committing any major prison offence. Similarly, the Superintendent may debar a prisoner from the remission system for a period of up to six months. (2) Such prisoner shall be re-admitted to remission system under these rules from the first day of the following month.
Calculation of ordinary remission.	**116.** (1) Ordinary remission shall be calculated from the first day of the calendar month next following the date of the prisoners' sentence. Ordinary remission shall not be granted for the broken period of a calendar month. A prisoner, unless sentenced on the first day of a month, shall not get remission for the month in which he has been sentenced. (2) The period spent outside the prison, on account of release on furlough or admission in hospital for treatment or custody parole, etc, which are included as part of a sentence, shall not be treated as a broken period. During such a period, the prisoner shall be eligible for earning ordinary remission. For periods spent outside the prison which is not included as part of a sentence such as interim bail, parole, escape etc prisoners shall not be eligible for earning ordinary remission. In such cases, while calculating quarterly ordinary remission, proportionate remission shall be deducted. **NOTE. -** A prisoner who has been released on regular bail shall be brought under the remission system on the first day of the calendar month next following his re-admission and be credited with any remission he may have earned before his release on bail or suspension of sentence. (3) In the case of a prisoner transferred from one prison to another while undergoing imprisonment, the period spent by him in the first prison, excluding the period spent as an undertrial prisoner, shall be calculated along with the period spent by him in the second prison, for grant of remission purpose.
Annual good conduct remission.	**117.** (1) Any prisoner eligible for ordinary remission, who for a period of one year from the date of his sentence or the date on which he was last punished for a prison offence, has committed no prison offence whatsoever, shall be awarded fifteen days annual good conduct remission in addition to any other remission earned under these rules. Another fifteen days sannual good conduct remission shall be awarded if a prisoner completes two years of sentence without any punishment for any prison offence. (2) If a prisoner completes three years of sentence without any punishment for any prison offence, he shall be granted sixty days annual good conduct remission for good conduct at the end of the third year. **NOTE -** For this rule, prison offences punished only with a formal warning shall not be taken into account.
Procedure in making award.	**118.** (1) The award of ordinary remission shall be made on a quarterly basis by the Superintendent who, before making the award, shall consult the prisoner's history ticket for any comments on his conduct or monthly performance in work recorded by the Assistant Superintendent concerned or the Deputy Superintendent (Administration). (2) If a prisoner has not been punished during the quarter otherwise than by a formal warning, he shall be awarded full ordinary remission for the quarter under rule 113. (3) If a prisoner has been punished during the quarter otherwise than by a formal warning, the case shall be placed before the Superintendent who, after considering the punishment or punishments awarded, shall decide what amount of remission shall be granted.

Remission to be awarded quarterly.	**119.** The award of ordinary remission shall be made, as nearly as possible, on the 1st January, 1st April, 1st July and the 1stOctober and recorded in the prisoner's history ticket. Remission granted to a prisoner shall be recorded on his history ticket as soon as possible after it is awarded.annual good conduct remission shall be recorded in his history ticket as soon as it is due. Such entries shall be attested by the Deputy Superintendent (Administration) in the history-ticket.

No remission for the month of Release.	**120.** No prisoner shall receive ordinary remission for the calendar month in which he is going to be released: Provided that Annual Good Conduct Remission (AGCR) may be granted to a prisoner whenever it is due. Provided further that if on calculating the final date of release, it is found that the grant of the full amount of remission for any month would bring the prisoner's date of release within the very month, remission just sufficient to release him on the last day of the month shall be given. **Illustration.-** A prisoner is working as convict officer and he is due for release on 3rd July without giving ordinary remission for the month of June. If ordinary remission of 5 days for the month of June is awarded to him, his final date of release will be 28th June. In such scenario, ordinary remission of 3 days for the month of June shall be given and he shall be released in the evening on 30th June.
Remission to prisoners convicted from other States.	**121.** Remission shall be awarded to the prisoners who have been transferred to serve their sentence from other states under the remission rules of the punishing State.
Remission to prisoners sentenced under Court martial.	**122.** Remission to prisoners sentenced under Court-martial shall be awarded as per provisions of the relevant Act and orders of the Ministry of Home Affairs, Government of India.
Special remission.	**123.** (1) To promote a spirit of healthy cooperation with the prison authorities and for the proper administration of prisons, the Superintendent or on his recommendation the Director General, may grant special remission to any prisoner, whether eligible for ordinary remission or not, on the following grounds, - (a) protecting a government employee, prison visitor, or inmate from physical violence or danger; (b) preventing or assisting in the prevention of an escape of prisoners, apprehending prisoners attempting to escape, or giving material information about any plan or attempt by a prisoner or a group of prisoners to escape; (c) assisting prison officials in handling emergencies like a fire, outbreak of riots, and strike; (d) assisting prison administration in maintaining discipline and detecting and preventing serious breach of prison regulations or discipline; (e) outstanding contribution in cultural activities, sports, education, or vocational training or for excellent work done in the prison kitchen or hospital;

	(f) वनजेजंदकपदह ूवता पद जीम चतपेवद ूवतीवचए पदकनेजतलए ंहतपबनसजनतम वत ंदल वजीमत work program which may include innovative practices or using any special skills or any other extraordinary activities; and (g) assistance to the prison administration in its drive to improve the educational standards of prisoners, such as imparting education or vocational training to prisoners as a resource person, or for excellent work done in managing prison farm or garden. (2) Special Remission may be awarded, in addition to ordinary remission and annual good conduct remission, - (a) by the Superintendent up to a period not exceeding thirty days in one year; (b) by the Director General for a period not exceeding sixty days in one year. **NOTE. -**For this rule, a year shall be reckoned from the date of sentence and any fraction of a year shall be reckoned as a complete year. (3) An award of special remission shall be entered in the history ticket of the prisoner as soon as possible after it is made and the reasons for every award of special remission by the Superintendent shall briefly be recorded. **NOTE. -** Convicts not eligible for Government remission as per the remission policy shall, however, be eligible for special remission earned for their good conduct while in prison custody except those who are convicted in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act cases.

Government remission.	**124.** (1) Remission granted by the President or the Governor or appropriate Government shall be called government remission. (2) Government remission may be awarded to such prisoners or categories of prisoners as the appropriate Government may decide. (3) Government remission will be granted at such scale or such quantum as may be fixed by the appropriate Government from time to time.
Restriction on award of remission.	**125.** Notwithstanding anything contained anywhere in these rules, the total remission awarded to a prisoner under these rules including the Government remission, except remission granted under article 72 or 161 of the Constitution of India, shall not, without the sanction of the Director General, exceed one-fourth part of his sentence: Provided that the Director General may grant remission up to the maximum of one-third of the sentence.
Remission period while calculating date of release.	**126.** In calculating the date of release of a prisoner, the number of days of remission earned shall be converted into months and days at the rate of thirty days to each month. **NOTE 1.-** If the sentence of a prisoner is amended by the appellate Court, the remission already earned shall be adjusted as per the new sentence. **NOTE 2.-** If the sentence of a prisoner is amended by the appellate Court leading to conviction(s) under sections of law under which remission is barred, the remission already earned shall be forfeited.

Effect of remission earned on a life convict.	**127.** No life convict shall be released unless ordered so by the State Government.
Procedure to be followed at the time of release.	**128.** When a prisoner is released, the total amount of remission earned by him shall be endorsed on his warrant as well as in the admission register and the endorsement shall be signed by the Superintendent.
Record of transferred prisoner.	**129.** (1) When a prisoner is transferred to another prison, the total amount of remission earned by him up to the end of the previous month shall be entered in his history ticket and remission sheet duly signed by the Deputy Superintendent (Administration.). (2) The receiving prison shall be responsible that the above information is duly obtained. Each prison at which a prisoner serves a portion of his sentence shall be responsible for the correct calculation of the remission earned during such period. (3) When a prisoner is transferred to another prison, his remission sheet (or card) where such is maintained, or where they are not maintained, a statement certified by the Superintendent, of the total remission earned up to the date of transfer, shall be sent with the prisoner.
Record of remission awarded or forfeited.	**130.** (1) On the admission of any prisoner entitled to the grant of ordinary remission under these rules, the Deputy Superintendent (Administration) shall prepare or cause to be prepared a "Remission Sheet" in respect of such prisoner. Such record shall also be maintained digitally in the prison management system. Prisoners who, though not entitled to the award of ordinary remission, have been granted special remission or government remission shall have a remission sheet assigned to their name whenever necessary. (2) The entries regarding all remissions shall be made under proper attestation of the Deputy Superintendent (Administration) in the remission sheet and the history-ticket of the prisoner at the end of every quarter. In case a prisoner is due for release before the completion of a quarter, these entries shall be made during relevant months, and action regarding his release shall be taken accordingly.
Publication of remission system Rule.	**131.** An abstract of the above remission system rules translated into the Hindi language shall be pasted in conspicuous places inside the prison.
Maintenance and retention of remission sheet.	**132.** (1) The remission sheet shall be kept securely in the Convict Warrant Office along with the warrant and no prisoner shall under any circumstances be allowed access to any remission sheet. (2) The remission sheet shall be retained in the office of prison for one year after the release of the prisoner to whom they relate. **NOTE.** - For every convict released on bail or completion of sentence, the total remission earned by him shall be entered in the admission register and duly signed by the Superintendent.

Maintenance of remission roll.	**133.** In the first week of every month, the Assistant Superintendent concerned shall generate a report showing the names of all those prisoners who on the supposition that they shall earn their full ordinary remission during the current month shall be entitled to release in the month next ensuing. Deputy Superintendent (Administration) shall at the same time verify the accuracy of the entries in the roll by comparing it with the remission sheet and history ticket and enter the probable date of release of each prisoner in the remission roll and history ticket. Such record shall also be maintained digitally. The remission roll shall then be approved by the Superintendent.
Annual report on special remission.	**134.** The Superintendent shall furnish annually to the Director General, a report showing in detail the grant of special remission during the year above fifteen days to any prisoner along with brief details.
Rewards.	**135.** (1) All prisoners sentenced to labour shall be eligible for the grant of special remission at the rate of one day for every additional day's task performed, the amount of work being calculated at the end of each calendar month. For this rule, the prisoners sentenced to labour shall include prisoners sentenced to simple imprisonment who voluntarily elect to labour. **Illustration: -** Suppose a convict performs his full task of weaving, that is 12 meters of cloth daily. His monthly output should be 288 meters a month (including 1/2 task on weekly parade days). If he weaves 300 meters, he will receive additional special remission of one day, and if he weaves 312 meters, two days, and so on. (2) In the case of two or more men employed on the same work with joint out-turn, the amount earned may be divided equally amongst them or in such proportion as the Superintendent considers equitable. (3) Convicts employed on un-tasked as well as the task of labour in prison shall be eligible for the grant of remission at the specified rates. The Superintendent may grant remission to a prisoner on un-tasked labour, if he is satisfied that the industry and exertion of the prisoner have been such as would have entitled him to the concession if he had been employed on the form of labour which is susceptible of being tasked. (4) To ensure that the system of grant of special remission operates with as little unevenness as possible, the Superintendent may fix high minimum out-turn of work for professional or trained prisoners employed on tasked labour. (5) The time employed on work shall ordinarily not exceed 08 hours daily as required by provisions of the Act. (6) The extra work done must be voluntary, and the grant of special remission will be conditional on its being up to the requisite standard in quality required by the Superintendent. (7) The Superintendent must arrange for an adequate supply of materials for extra task work. No limit is to be placed on the amount of extra work which a convict, passed as fit for hard labour, but may be subject to the time limit of hours of employment. (8) A convict, if passed for medium or light labour, is to be rewarded for the extra work done over and above the task laid down for these classes of labour, respectively, at the rate of one day's special remission for every additional day's work reckoned on the labourious task of his class of labour.

	(9) No convict passed for medium or light labour shall be permitted to do extra work without the sanction of the Medical officer recorded in his history-ticket or to exceed in the total days' work- a hard labour task in the case of medium labour man, or a medium labour task in the case of a light labour man. (10) Any convict suspected of being unfit at any time to do extra work shall be brought to the notice of the medical officer with a view to him being stopped from doing extra work. (11) The remission to be allowed to a convict whether on tasked or untasked labour should not exceed the limits prescribed in these rules.
Conditions of award of gratuity and minimum wages for industry.	**136.** Gratuity shall be paid to the convicts at the rate of minimum wages with reasonable deduction, as decided by the Government, from time to time.

Date of release, responsibility for correctness.	**CHAPTER 11** **EXECUTION OF SENTENCE** **137.** (1) The date on which a prisoner is entitled to be released shall be calculated by the In-charge convict section under the supervision of the Deputy Superintendent (Administration) and an entry made in the release register under that date, giving the name and the serial number of the prisoner. A reference note shall be made on the back of the commitment warrant also for cross-checking along with the date and signature of the in-charge convict section. (2)In case the date of release is changed either by the imposition of additional imprisonment or by the remission of any part of the sentence, or because of absconding from bail or on escape, a new date of release shall be determined and an entry made in the release register to that effect. The old entry shall be scored through with red ink and a reference made against it of the new date fixed. (3)The Deputy Superintendent (Administration) shall himself check each entry in the release register and admission register. He shall be personally responsible for their correctness.
Certain days to count as days of sentence.	**138.** (1) In calculating the day on which any prisoner is entitled to be released, the day on which the sentence is passed and the day on which the prisoner is released, shall be deemed to be part of the sentence: Provided that in case two or more sentences are to be undergone consecutively by the prisoner, no day shall be counted as a day of imprisonment in respect of more than one such sentence: Provided further that a sentence of imprisonment for one day or twenty-four hours shall be deemed to expire on the morning of the day following that on which the sentence was passed. (2) The duration of a sentence shall be calculated in calendar years, months, fortnight, ूममो वत कंलेण् ज्ीम जमतउ श्लमंतश् उमंदे ं बंसमदकंत लमंतए ं ष्उवदजीष् उमंदे ं बंसमदकंत उवदजीए ं श्वितजदपहीजश्means fourteen days and a 'week' means seven days.

(3) When a prisoner's sentence includes a fraction of a month, the date of release shall be calculated by reducing such fraction to days. A month, for this purpose, shall consist of thirty days.

Illustration.- If a prisoner is sentenced to 'one and half months' on the 2nd February, the date of his release shall be 16th March.

(4) If the month in which the sentence of a prisoner expires has no date corresponding to the date of sentence, the last day of the said month shall be taken as the day of expiry of the sentence. The same principle shall apply when the sentence is reduced due to reduction in sentence or payment of fine or grant or remission.

(5) In the case of a convict who has to attend the court on the very day of his release, for a case for which he is not on bail, he shall be treated as released in the morning and sent to court as an under-trial prisoner. If the prisoner is sentenced to further imprisonment, on that very date, the sentence shall be calculated from the following day.

Illustration 1.-	A prisoner sentenced to one year's imprisonment on the 15th January 2020 shall be released on the14th January 2021, a prisoner sentenced on the 1st January to one month's imprisonment shall be released on the 31st of the same month.

Illustration 2.- If A and B are sentenced to one month's imprisonment on the 30th and 31st January respectively, both sentences expire on the morning of the 28th February if it is a non-leap year and on 29th February if it is a leap year.

Serving of sentences.

139. In whatever order the sentences are served, a prisoner is liable to serve the aggregate of the terms of all the sentences, provided that under no circumstances shall a prisoner be detained in prison beyond the period indicated by the terms of the warrant of commitment. In case of doubt as to the order in which the sentences shall take effect, instructions shall be taken from the court imposing the last sentence.

Date of release in the case of prisoners sentenced to imprisonment for life.

140.	(1)	Imprisonment for life means imprisonment for the whole of the natural life. However,

the sentence of all prisoners sentenced to imprisonment for life shall, for the limited purpose of calculation of the notional date of release, be deemed to be a sentence of imprisonment for twenty years:

Provided that if the trial court, or as the case may be the appellate court, has specifically ordered that imprisonment for life shall be for the remainder of the natural life of the prisoner, no remission shall be given to such prisoner.

(2) If a sentence of death is commuted to one of imprisonment for life, or imprisonment for a term, the sentence of imprisonment for life or imprisonment for a term shall be deemed to commence from the date on which the sentence of death was passed.

Period to be excluded from sentence.

141.	(1)	When by the order of any competent court or authority, any prisoner is released on bail

or the operation of any sentence of imprisonment passed upon any prisoner is suspended for the time being, and such prisoner is subsequently again lawfully committed to prison, the period during which

	such prisoner was released on bail or the sentence of imprisonment was so suspended, shall unless the warrant or order of recommitment otherwise directs, be excluded in calculating the period of the sentence: Provided that a prisoner who is released on bail on the day on which the sentence of imprisonment is passed shall not be deemed to have undergone any part of his sentence until he is again placed in confinement: Provided further that this rule shall not be deemed to apply to persons undergoing imprisonment under the provisions of section 122 of the Code of Criminal Procedure, 1973. (Central Act 2 of 1974). (2) A prisoner released on bail on a day subsequent to that on which he was committed to prison but who is recommitted to undergo sentence in the same case, shall be entitled to count every day of admission and every day of release as days of imprisonment in respect of such sentence.
Date of release when a period has been excluded from sentence.	**142.** When a period has been excluded from a sentence under the preceding rule, the mode to be adopted in calculating the date of release is to take the full term of the sentence as commencing from the date of re-admission and deduct from it the number of days already passed in prison, the date so arrived at will be the date on which the sentence expires.
Date from which a sentence finally passed shall count.	**143.** When an appellate court modifies a sentence passed by a lower court without change of section or when an appellate court passes a new sentence by changing the conviction section or the punishment section or otherwise, the sentence finally passed shall count, unless otherwise specially directed, from the date of imprisonment under the original sentence.
more sentences.	**144.** (1) Provisions of sections 426, 427 and 428 of the Code of Criminal Procedure Code, 1973 (Central Act 2 of 1974) shall govern how two or more sentences inflicted at the same time or at different times, on the same person shall take effect. (2) When two or more sentences on separate trials are awarded to a person at the same time, the most severe sentence shall commence first followed by the next most severe and so on. For this purpose, the sentence of the same length of rigorous imprisonment shall be deemed more severe than the sentence of the same length of simple imprisonment: Provided that if life imprisonment is one of the sentences so passed, it shall commence last after the expiry of all the term sentences. **Illustration 1.-** When a person is sentenced to life imprisonment and term imprisonment/s on the same day, the sentence of term imprisonment shall commence first. **Illustration2.-** When a person is sentenced to five years rigorous imprisonment and four years rigorous imprisonment on the same day, the sentence of five years rigorous imprisonment shall commence first. **Illustration 3.-** When a person is sentenced to five years rigorous imprisonment and five years simple imprisonment on the same day, the sentence of five years rigorous imprisonment shall commence first. **Illustration 4.-** When a person is sentenced to five years simple imprisonment and four years rigorous imprisonment on the same day, the sentence of five years simple imprisonment shall commence first.

Operation of a second sentence when first sentence is set aside.	**145.** (1) When separate sentences have been passed in the same trial and the sentences are to run consecutively, the date of such second sentence shall, in the event of the first sentence being set aside on appeal, be presumed to take effect from the date on which he was committed to prison in this case. (2) When separate sentences have been passed in separate trials and the sentences are to run consecutively under section 427 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), the operation of the second sentence shall in the event of the first sentence being set aside on appeal commence from the date of conviction in the second case. **Illustration 1.-** A prisoner is sentenced on 1st July to two periods of six months imprisonment for two offences. On appeal, the first sentence is quashed on the 31st August the prisoner will be entitled to be released on 31st December. **Illustration 2.-** A prisoner is sentenced on 1st July to six months imprisonment and on 1st August to another period of six months imprisonment. On appeal, the first sentence is quashed on 31st August. The prisoner will be entitled to be released on 31st January.
Date of release when two or more sentences run consecutively.	**146.** When a prisoner is sentenced to two or more terms of imprisonment to be served consecutively, the date of release shall be calculated as if the sum of the terms was awarded in one sentence. **Illustration.-** A prisoner sentenced on the 21st June 2018, to one year's imprisonment is for another offence subsequently sentenced to a further term of one year, the period to commence from the expiration of the first sentence. He will be released on the 20th June 2020, not on the 19th June 2020.
Intimation of payment of fine.	**147.** (1) When fines imposed on prisoners are recovered by a Court, the intimation of the same shall be received by the Superintendent from the court. If the convict has been transferred elsewhere, the Superintendent shall forward such intimation by approved means of communication to the prison in which the convict is confined. All fine intimations shall be acknowledged. (2) No action shall be taken on fine intimations which do not bear the seal of the Court. Such intimation shall be returned to the Court for proper authentication and affixing seal of the court. The intimation regarding payment of fine shall be entertained only when it is received through approved means of communication.
Payment of fine at the prison.	**148.** (1) The Superintendent is authorized to receive fines tendered at the prison. In the absence of the Superintendent, the Deputy Superintendent (Administration) shall receive the fine or portion thereof tendered to him and shall on the first opportunity produce the warrant, with any entry of the fact that such payment has been made, for the signature of the Superintendent.

	(2) Fines received at the prison shall without delay be remitted into the local treasury under the appropriate head of account. All fines tendered to prison shall be received irrespective of the fact whether the prisoner is due for release or not: Provided that the prisoner is confined in the prison in which the fine is paid. (3) The imprisonment which is imposed in default of payment of a fine shall terminate whenever that fine is either paid or recovered by process of law.
Liability of prisoner for payment of fine.	**149.** An offender, who has undergone the full term of imprisonment to which he was sentenced in default of payment of fine, is still liable to have the fine recovered as per law. The Superintendent shall accept the whole fine, if tendered, even though a part of the alternative imprisonment has been undergone.
Prisoners to be informed.	**150.** When the fine has been paid, the prisoner concerned shall be informed and the payment shall be duly noted in the register, on the warrant and the prisoner's history-ticket. The entries in the register, the warrant and the history ticket shall be signed by the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration).
Disposal of notice of payment of fine.	**151.** If a fine is paid in part or whole after a prisoner is admitted to prison, the Court receiving it will, unless it has already received back the prisoner's warrant with an endorsement showing that he has been released, notify the fact to the Superintendent in which the prisoner was first confined after conviction. This notification shall be filed with the warrant and returned with it after the sentence has been carried out.

Calculation of sentence of imprisonment in default of payment of fine.	**152.** Sentences awarded in default of payment of fine shall be calculated as follows, - (a) Sentences imposed in default of payment of fines shall not run concurrently; (b) All substantive sentences awarded to a prisoner shall be executed first before starting the sentence in default of payment of fine. Even when a prisoner is undergoing sentence in default of fine, if a substantive sentence is awarded to him, the sentence/s in default of payment of fine shall be held in abeyance till the execution of all substantive sentences. **Illustration.-** A prisoner is sentenced on the 9th June, 2017 to two years rigorous imprisonment and a fine of Rs. 50 or in default, six months further rigorous imprisonment, on the 17th July of the same year he is sentenced on another charge to imprisonment for 18 months, and on the 6th October, 2018, he is again sentenced on a third charge to imprisonment for two years, the sentence of six months imprisonment in default of payment of fine should begin from the 9th December, 2022 (the date immediately after that on which all the substantive sentences expire, i.e. the 8th December). (c) If a prisoner sentenced to imprisonment in default of payment of fine receives another substantive sentence while undergoing such imprisonment, the second substantive sentence shall begin from the date it was imposed and sentence in default of fine shall be kept in abeyance. A prisoner is sentenced on the 31st January to pay a fine of Rs. 300/- or in default to two months' rigorous imprisonment and on 12thFebruary of the same year he is sentenced on another account to additional

	imprisonment for four months. The sentence of four months of imprisonment shall begin from 12th February. (d) The imprisonment which is imposed in default of payment of a fine, shall terminate whenever that fine is either paid or recovered as per law. (e) If a prisoner is sentenced to imprisonment of which the whole or any portion thereof is in default of the payment of any fine, and if the fine or a portion of it is not immediately paid, the dates of release shall be calculated and entered on the prisoner's warrant and history ticket and in the registers so as to correspond both with payment and with non- payment of fine. (f) If a prisoner who is sentenced to a fine and in default to imprisonment, pays a portion of the fine, the date of release shall be proportionally altered. If the imprisonment in default of payment of fine is expressed in calendar months, then the reduction of imprisonment to be made in consequence of such payment, shall be calculated in calendar months and not in days. Any fraction of a month obtained by such calculation shall be reduced to days. When the fraction thus obtained is not exactly equal to any number of days or is less than a single day, the portion of a day which results shall be considered and treated as being equal to a full day. **Illustration:-** A prisoner is sentenced on 1st January to a fine of Rs. 300 or in default to six months' पउचतपेवदउमदजण् छव चंतज व ि जीम पिदम पे तमंसप्रमक मगबमचज ं े नउ व ि 75 चंपेमण् भम ेीं सस इमreleased on the 29thश्रनदमए मअमद जीवनही जीम ं उवनदज तमंसप्रमक पे समे जींद जीम निसस ंउवनदजdue for a single day. (g) When a prisoner is sentenced to fine and the fine is paid in installments, the period of sentence to be remitted shall not be calculated on the individual payments but the aggregate of the several previous payments. If a prisoner is sentenced on 1st January to six months imprisonment and a fine of Rs. 300 and it is ordered that if the fine is not paid, he shall be imprisoned for a further period of six months, then if the prisoner immediately on conviction pays Rs.100 the date of release shall be first fixed at 31st October (six months plus four months as equivalent of the fine unpaid), or if he afterwards pays another Rs.100, then the date will be changed to 31st August and on his paying the entire amount of the fine, to 30th June. (h) If a prisoner, who is sentenced to a fine and in default imprisonment for a certain number of years, months and days, pays a part of the fine, the remission for the payment shall be calculated in year and months and not in days, and any fraction of a month, obtained by such calculation shall be reduced to days. When the fraction thus obtained is not exactly equal to any number of days, or is less than a single day, the portion of a day which results shall be considered and treated as being equal to a full day, in favour of the prisoner.

Calculation of date of release when fine is partially paid.	**153.** If a prisoner is sentenced to imprisonment of which the whole or any portion is in default of the payment of any fine and if the fine or a portion of it is not immediately paid, the date of release shall be fixed and entered in the release diaries on such dates as shall correspond to payment as well as non-payment of the fine. When any portion of the fine is subsequently paid, the date of release shall be altered accordingly. **Illustration.-** If a prisoner is sentenced on the 1st January to six months imprisonment and to pay a fine of Rs. 3000 or in default of payment to be imprisoned for a further period of six months then, supposing

	that the prisoner immediately on conviction, pays Rs. 1000, the date of release shall be first fixed as 31st October, that is, six months plus four months (being the term proportionate to the amount of the fine unpaid) and entries shall be made in the release register on the 30th June and 31st October. However, if he afterwards pays another Rs. 1000, the later date shall be changed to 31st August. On his paying the whole fine, the fact shall be noted opposite the entry on the 30th June.
Calculation of remission on payment of fine.	**154.** If a prisoner, who is sentenced to a fine and in default to imprisonment for a certain number of months, pays any part of his fine, the remission for the payment shall be calculated in calendar months and not in days. Any fraction of a month obtained by such calculation shall be reduced to days. A fraction of a day less than one-half shall not be counted, any greater fraction shall count as one day. **Illustration 1.-** If a prisoner is sentenced on the 15th July to six months imprisonment and to pay a fine of Rs. 300, or in default of payment to six months further imprisonment and he pays Rs. 63, the calculation shall be made as follows: Rs. 63/300x6 months=63/50=1+13/50 months. The date of release, deducting one month, would fall on the 14th June. As the month preceding June has 31 days, the 13/50x31=403/50=8+3/50 days. Here the remission for payment of Rs. 63 is one month and eight days. **Illustration 2.-** If the prisoner has been sentenced on 15th June instead of 15th July, the calculation of the 13/50 of a month would have to be made on a 30 days month, because the duration from any date in April to the same date in May is 30 days, as follows: - 13/50x30=39/5=7+4/5 days so that in that case the remission would be also 1 month and 08 days (4/5 of a day being more than half a day).
Procedure when a prisoner with imprisonment in lieu of fine is transferred.	**155.** When a prisoner, whose sentence includes an order of imprisonment in default of payment of fine, is received by transfer from a prison other than the prison in which he was first confined, intimation shall forthwith be given by the receiving prison to the Superintendent where he was first confined who shall cause a record or the receipt of such intimation to be made in the admission register of his prison. The Superintendent of the prison to which a prisoner was first committed is responsible for seeing that notification of payment of the fine received by him is promptly transmitted to the prison in which the prisoner is confined, and such notice shall be sent by any approved means of communication.
Imprisonment in default of giving security in addition to a substantive sentence.	**156.** (1) When a person, in respect of whom an order requiring him to furnish security is made under section 106 or 117 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), is at the time of such order sentenced to or is undergoing a sentence of imprisonment, the period for which such security is required shall commence on the expiry of such sentence. In other cases, such period shall commence on the date of such order being passed, unless the Magistrate, for sufficient reasons, fixes a later date. If such a person fails to give security on or before the date of expiry of his substantive sentence, he shall be detained in prison until the expiry of the period for which security is required to be furnished, or until the requisite security is furnished. It is not necessary in such cases that a formal warrant shall be issued by the Magistrate for the detention of such person in the prison after the expiry of the substantive sentence. **Illustration.-** A prisoner, while undergoing three months imprisonment, is ordered by a competent court to execute a bond under section 106 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) for keeping peace for a term of six months and execute a bond in a sum of Rupees Twenty-five Thousand with one surety for a like amount, fails to give security on or before the date on which the three months substantive imprisonment expires, he shall be detained in prison until he furnishes the required security, or until the term for which such security is to be given is completed, but no formal warrant is necessary for such detention.

(2) If a person, while undergoing imprisonment in terms of an order under Section 122 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) in default of furnishing security, is convicted of an offence committed prior to the making of such order, and is sentenced to undergo imprisonment, such sentence shall commence from the date on which it was passed; and if such sentence expires before the period for which the person is undergoing imprisonment in default of giving security, he shall be detained for the remainder of such period. If, however, a person while undergoing imprisonment in default of furnishing security is convicted of an offence committed after issue of the order under section 122 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), and is sentenced to imprisonment, such sentence shall commence at the expiration of imprisonment for failure to furnish security, unless the Court directs that such sentence shall run concurrently with the imprisonment for failure to furnish security.

(3) Any sentence awarded under the Act or the Haryana Good Conduct Prisoners (Temporary Release) Act, 2022 (15 of 2022) shall commence on the expiry of imprisonment in default of furnishing security or from the date of receipt in the prison of intimation that the security has been furnished.

(4) Where a prisoner, who is already undergoing a substantive sentence of imprisonment, has been ordered to undergo a further sentence in default of furnishing security for keeping peace or good behaviour under Chapter VIII of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), the order shall be brought to the notice of the District and Sessions Judge to whom such Judicial Magistrate is subordinate.

(5) The period mentioned in sub-section (2) of section 122 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), shall be counted from the date of the order of the District and Sessions Judge or the High Court, unless the latter specifically directs in the warrant that it is to be counted otherwise, in which case the direction of the superior court shall be complied with.

(6) Detention for failure to give security is not a substantive sentence of imprisonment within the meaning of section 427 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974).

Procedure when sentence is suspended.

157.	(1)	When an appellate court directs that the execution of a sentence or order appealed

against, be suspended, the appellant shall, if detained in prison pending further orders of such court, be treated in all respects as an undertrial prisoner.

(2) If the appellant is ultimately sentenced to imprisonment or imprisonment for life, the period during which the original sentence was suspended shall, -

(a)	if sentence be passed while the prisoner was in prison as an	undertrial in the

same case, be included; and

(b) if sentence be passed when the prisoner was at large or was in prison as a convict, be excluded, in computing the term for which he is sentenced by the appellate court.

Imprisonment awarded to an escaped convict.

158.	(1)	In the case of an escaped prisoner, subsequently arrested in connection with another

offence, any period spent on that account in police custody, or as an under-trial prisoner, shall not be reckoned as imprisonment under the original sentence.

	(2) Necessary entries shall be made in the register of prisoners to be released in place of the original date of release in respect of all such prisoners. (3) When an additional sentence of imprisonment is passed on an escaped convict who has been recaptured, such sentence shall take effect according to the provisions of section 426 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974).
When re-trial is ordered.	**159.** When a court passes a sentence after a re-trial, or after the original sentence is reversed and re-trial (fresh trial) is ordered on appeal, the previous sentence, or portion thereof, already undergone by the prisoner before the fresh trial, shall also count, unless otherwise specifically directed, towards the sentence imposed after the fresh trial, excluding any period during which the prisoner was at large.
When an appellate court annuls a sentence and orders re-trial.	**160.** When an appellate court annuls a sentence and directs that the prisoner be re-tried, and a warrant for the prisoner's release on bail is not received, the prisoner shall be remanded to the under trial ward (unless he is undergoing some other sentence), and the Superintendent shall apply to the committing court for a warrant for his custody pending trial if such warrant is not at the same time furnished. Such warrant shall be issued by the court by which the prisoner is to be tried and set forth the date on which he is to be produced before the court.

Procedure when a sentence is confirmed.	**161.** (1) When an appeal is rejected, or a sentence is confirmed by an appellate Court other than the High Court, intimation to that effect shall be sent to the Superintendent by such appellate court and such order shall also be communicated to the trial court concerned for the record. (2) When the rejection by the High Court, of an appeal or revision application of a prisoner is communicated to the court by which such prisoner was convicted, such court shall at once cause the intimation of such decision to be given to the Superintendent as well the prisoner concerned. (3) In the cases referred by the Court of Sessions for the confirmation of a sentence of death by the High Court, the High Court will send a copy of its order to the court of Sessions which will then issue a warrant to the Superintendent.
Prisoner shall be informed of result of his appeal or application.	**162.** In all cases, the Superintendent shall acknowledge by a letter the receipt of any warrant or order or intimation, and shall also inform the prisoner of the result of his appeal or application.
Procedure when a sentence is modified or reversed on appeal.	**163.** (1) When a sentence on a prisoner is reversed or modified on appeal by a court, other than the High Court, a fresh warrant shall be issued by the appellate court to the Superintendent and such order shall also be communicated to the trial court concerned:

	Provided that when the appellate court orders re-trial, or committal for trial, of a prisoner under section 386 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) , it shall communicate its order to the Court whose decision has been reversed and that court shall thereupon make such orders as conform to the judgment of the appellate court. (2) When a case is decided on appeal or revision by the High Court, the Court or Magistrate to which the High Court certifies its order shall proceed, under the provisions of section 388 or 405 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) to issue, when necessary, fresh warrant or order to the Superintendent. (3) In all cases in which a sentence or order is modified or reversed, whether, in appeal or revision, a separate warrant shall be issued as regards each prisoner whose sentence has been so modified or reversed.
Calculations of date of release on re-arrest and re-capture of a prisoner.	**164.** The following method shall be adopted in calculating the date of release of a prisoner who, after conviction, is released on bail but is afterwards re-committed to prison to serve his sentence, or who escapes and is subsequently recaptured, namely: - "Add the number of days for which the prisoner was on bail, or was at large, to the term of the sentence, exclusive of the day of release and re-arrest, or escape and re-capture. The date on which the sum of these periods will elapse, counting from the date of conviction, shall be the date of expiry of the sentence". **Illustration.-** A prisoner sentenced on the 11th of January to one month's imprisonment escapes on the 15th January and is re-captured on the 18th January. He shall be entitled on the original warrant to be released on the 12th of February.
When a foreigner is sentenced to term of imprisonment.	**165.** If a foreigner, apprehended and detained under section 4 of the Foreigners Act, 1946 (Central Act 31 of 1946), has to undergo a term of imprisonment, the period of detention under the said Act shall be exclusive of and in addition to the period of any sentence of imprisonment which may be imposed upon him.

Examination of warrants.	**CHAPTER 12** **RELEASE OF PRISONERS** **166.** The warrants of all convicts shall be examined at the following times, namely:- (a) at the time of admission, the period to be set off under section 428 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), shall be confirmed through the convicting Court and shall be deducted as per these rules from the sentence to arrive at a probable date of release;

	(b) at the time when he completes half of his substantive sentence including remissions, a new probable date of release (PDR) shall be noted in the release register; (c) at the time when he completes three fourth of his substantive sentence including remissions, a new probable date of release shall be noted in the release register; and (d) finally, warrants of all convicts whose release is due in any month shall be examined on the 20th day of the month preceding, to ascertain their correctness and bring it to the notice of the Superintendent.
Notification of residence by prisoner under section 356 of the Code of Criminal Procedure, 1973.	**167.** (1) Prisoner, in respect of whom the sentencing Court has recorded an order under section 356 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), shall, at least two months before the date fixed for his release, upon being required to do so by the Superintendent or by any person ंनजीवतप्रमक पद जीपे इमींस ि इल जीम ै नचमतपदजमदकमदजए दवजपलि पद जीम वितउ ंे चतमेबतपइमक इल जीम क्पतमबजवत ळमदमतंसतिवउ जपउम जव जपउमए जव जीम ैनचमतपदजमदकमदज वत चमतेवद ंनजीवतप्रमक पद जीपे इमींस िइल ीपउए ंे जीम बंेम उंल इमएthe place in which he intends to reside after his release. (2) The Superintendent shall, at least one month before the probable date of the prisoner's release, report, in the form as prescribed by the Director General from time to time, to the District Superintendent of Police, which contains the name and other particulars necessary for the identification of the prisoner and the place at which such prisoner intends to reside after his release. (3) If the prisoner is residing in any place other than that notified by him under rule 168, he shall, within fifteen days or as early as practicable, attend in person at the police station or the outpost within the local limits of place in which he is residing and shall, notify his place of residence to the officer in charge of police station. **NOTE. -** In every case in which a Criminal Court makes an order under section 356 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) (directing a convict to notify his residence and every change of residence after release), a copy of such order shall be transmitted by the Court passing the sentence and order, along with the warrant of commitment, to the Superintendent in which the prisoner is, or is about to be confined.
Procedure when sentence expires.	**168.** (1) Every prisoner shall, before being released, be carefully identified by reference to the personal description of such prisoner recorded in the admission register, and the Superintendent and the Deputy Superintendent (Administration) shall satisfy themselves respectively that the prisoner brought forward is entitled to be released and that his sentence has been duly executed, except in respect of any remission earned and granted in pursuance of the remission rules, where after the prisoner shall be released at the main gate. (2) Every order for the final discharge of a prisoner shall be signed by the Superintendent. (3) No prisoner shall be released without the explicit order of the Superintendent. However, in case of release on appeal, payment of fine, furnishing security, or giving bail, in which the power of legal detention ceases as soon as the order of the court is delivered at the prison, the Deputy Superintendent (Administration) shall release the prisoner, on his responsibility, provided that an immediate reference to the

	Superintendent is made. The warrant of such prisoner shall be signed by the Superintendent as if the prisoner was released before himself. **NOTE.-** Ordinarily the Superintendent shall remain present in the prison premises and release the prisoner in his presence. Only in exceptional cases, when it may not be practicable to contact the Superintendent, the Deputy Superintendent (Administration) should affect release on his responsibility.

	(4) It shall be ensured before the release of every prisoner that no other sentence or under-trial case is pending against him. Entries and cross entries of pending cases or other convictions shall be recorded prominently in red ink at the back of every conviction or detention warrant as well as the corresponding prison registers. (5) If a prisoner, who is admitted to an outside hospital, is eligible for release, he shall be released from such hospital. (6) The case of undue delay in the release of every prisoner shall be reported to the Director General by the Superintendent. An inquiry shall invariably be held in every such non-release of prisoner and responsibility be fixed for over-detention of the prisoner.
Warrant of release of prisoner transferred to another prison.	**169.** On receipt of a warrant for the release of a prisoner, who has been transferred to another prison, such warrant shall be forwarded, without delay, through approved means of communication as well as through a special messenger, to the prison in which the prisoner is Confined, under intimation to the court issuing such warrant**.**
Total remission to be endorsed on warrant on release.	**170.** When a prisoner is released, the total amount of remission earned by him shall be entered in his warrant and admission register along with the endorsement of the Superintendent.
Health and weight of prisoner to be recorded.	**171.** The Medical Officer shall record, or cause to be recorded, the health and weight of every prisoner on release, in the admission register, release register, and history-ticket.
Time of release of prisoners.	**172.** (1) No prisoner shall be released after the hour of lock-up for the night and before sunrise on any day, except in any administrative exigency on a reference received from the District Magistrate or the Superintendent of Police. (2) Every prisoner whose release has been ordered by a competent court or authority on any day, shall be released, as soon as possible, after the receipt of the order directing his release. However, such prisoners

	whose release orders are received after 06:00 PM, on any day, shall be released as soon as possible on the next day.
Prisoner to produce his prison outfit on release.	**173.** (1) Every prisoner shall, before he is released, be required to produce, for inspection and deliver his complete prison outfit in a clean condition. Any prisoner whose clothing is dirty shall be made to wash and clean it before he is released. (2) A convict about to be released shall present himself before the Deputy Superintendent (Administration) in his private clothes, or if he has no clothing of his own, in the clothing provided to him by the prison authorities.
When the date of release falls on prison holidays.	**174.** If the date, on which any prisoner is to be released falls on a prison holiday, such prisoner should be released a day earlier.
Release on the authority of wireless message or E-mail.	**175.** No prisoner shall be released unless the Court orders are received through an official e-mail Id or unless such orders are received through a court employee specifically deputed in this behalf
Procedure when doubt is raised about legality of order of release.	**176.** (1) When doubt is raised about the authenticity of a release order received, immediately a clarification shall be sought from the issuing authority through approved means of communication or telephonically, and pending such clarification, the prisoner shall be detained. (2) After authentication, the prisoner shall be released immediately, and a note shall be recorded and signed in the relevant register by the Assistant Superintendent concerned and countersigned by Deputy Superintendent (Administration). (3) When the legality of any order is in doubt, an appeal shall be filed with the superior court seeking directions.

Prisoner on release to be furnished with a certificate.	**177.** A prisoner sentenced to imprisonment shall be furnished at the time of his release with a certificate, in the form as specified by the Director General, signed by the Superintendent, to the effect that he has completed his term of imprisonment, and the amount of remission, if any, be stated therein. A report on his character, conduct in prison, and proficiency in any prison industry attained by him shall also be included in the certificate, if the prisoner so desires, but not otherwise.
Return of prisoner's items	**178.** At the time of releasing every prisoner, the Superintendent shall deliver, or cause to be delivered to him all money and other items (if any) belonging to him. An acknowledgment of the receipt of the money and other items (if any) shall if the prisoner know to write, be taken from him in the admission register. If

on release.	the prisoner does not know to write, he shall be called upon to state, whether has or has not received all money and the items belonging to him and if not, what articles or their value, have not been delivered to him. If any part of a prisoner's money or other items is not delivered to him, a note of the fact shall be made opposite the item not delivered in the list attached to his warrant, and the Superintendent shall decide whether any compensation is to be granted to the prisoner in respect thereof and shall pay such compensation, or cause it to be paid, to him accordingly.Compensation for money or other items lost while in the custody of any officer of the prison shall be paid at the expense of the officer responsible for such loss.
Conditions under which clothing may be supplied to a released prisoner.	**179.** Every prisoner whose clothing has been destroyed or is insufficient for purpose of health or decency, may upon release, be supplied, at the expense of the Government, with such clothing as the Superintendent may consider necessary and suitable. Provided that if any prisoner possesses sufficient means, he shall, if he so desires, be supplied with clothing at cost price, on payment.
Travelling assistance to prisoners on release.	**180.** No traveling allowance shall usually be granted to the prisoner but if any prisoner does not have sufficient money with him, he shall be provided with the fare for the normal route to his home using the cheapest mode of transport available.
Release of female prisoners.	**181.** (1) Information regarding the date of release of every female prisoner shall be communicated to the family members or relatives of the female prisoner, with a view to their coming and receiving her at the main gate. (2) In case no family member or relative appears to receive a female prisoner, a suitable female escort shall be provided by the Superintendent. If the female prisoner is unwilling to accept the female escort and gives the same in writing, she shall be released in an ordinary manner. If the family member or relative is not willing to accept the female prisoner, the Superintendent shall be the competent authority to send her to the NariNiketan or any other such Government institution under intimation to the District Magistrate concerned: Provided that in case the female prisoner is not willing to go to even NariNiketan or any such Government institution, then after taking it in writing from her, the female prisoner shall be released in an ordinary manner.
When a prisoner may be released on तमबवहदप्रंदबम.	**182.** (1) If the warrant of an appellate Court direct that a prisoner shall be released on bail or his own or another person's bond, the Superintendent shall receive from the Magistrate or other proper authority, intimation in writing, that such bail or bond has been duly furnished, and that such prisoner may be set at liberty as per the terms thereof. (2) The personal bond of a prisoner whose release has been ordered, should be drawn up in the prison office and attested by the Superintendent or by the Deputy Superintendent (Administration) in the absence of the Superintendent.

Procedure for return of warrant.	**183.** (1) When a prisoner is released on bail or on expiry of the sentence, his warrant shall be returned to the Court which (and not by name to the officer who) issued it, with an endorsement showing the date and cause of release, and the date on which the warrant is returned. (2) The warrant of every prisoner who dies in prison shall be returned to the court which issued it, with an endorsement showing the date of death and the date on which the warrant is returned. (3) If any prisoner is required to undergo two or more sentences under separate warrants, all warrants shall be returned on the final execution of all the sentences and a photocopy of each warrant returned shall be retained for prison record. (4) Warrants of commitment of prisoners sentenced by Court-martial shall be sent to the officer commanding of the unit in which the Court was held after the sentences have been executed. (5) Warrants of commitment of escaped prisoner, who has not been re-captured, shall be returned to the court concerned after ten years from the date of escape.

Return of warrant.	**184.** (1) When a prisoner has been admitted to bail pending the hearing of his appeal, the original warrant of commitment shall be returned to the Court which issued it, for submission before the appellate Court. A photocopy of each warrant returned shall be retained for prison record. (2) In every case in which a sentence is reversed on appeal, the appellate court shall return the original warrant with a copy of its order to the Court by which the accused was admitted to bail with directions to discharge him. (3) In every case in which a sentence is modified on appeal, the appellate Court shall prepare a fresh warrant and shall forward the same, with the original warrant and with a copy of its order to the court by which the accused was admitted to bail with directions to take measures to secure his surrender and commitment to prison on the modified warrant. (4) In every case in which a sentence is confirmed on appeal, the appellate Court shall return the original warrant with a copy of its order to the court which admitted the prisoner to bail, with direction to take measures to secure his surrender and commitment to prison on the original warrant. **NOTE.-** In each of the above-mentioned cases it shall be the duty of the Court to which the prisoner surrenders, to endorse on the warrant the respective dates of his release on bail and his subsequent surrender.
Action where a prisoner surrenders.	**185.** Where a prisoner surrenders in the appellate Court, such Court in every case in which the sentence is reversed on appeal, shall discharge him and in every case in which the sentence is modified or confirmed on appeal, shall forward the accused under the charge of a police officer with the modified or original warrant to the Chief Judicial Magistrate with the direction to commit him to custody as in sub-rule (3) and (4) of rule 184.

<table>
<tr><td>Case of a prisoner suffering from serious illness at the time of release.</td><td colspan="3">186. If, on the expiration of his sentence or at the time of release, a prisoner is found to be suffering from serious illness and undergoing treatment, he shall, if he elects to remain under treatment in prison, under provisions of the Act be allowed to do so until certified fit for discharge.</td></tr>
<tr><td>Premature release of convicts.</td><td colspan="3"><table><tr><td>187.</td><td>(1)</td><td>Premature release is a privilege granted to the convicted prisoners by the Government. It</td></tr></table>
is subject to the discretion of the competent authority and cannot be claimed as a matter of right. The Government in the exercise of its executive power of remission is to consider each case separately keeping in view various factors including public order, peace and tranquility etc. having bearing on the same. The decision to approve, reject or defer premature release is to be guided by considerations balancing the needs of the prisoner vis-à-vis those of the society and an appraisal of the social hazards of such premature release. The right to approve, reject or defer premature release is reserved with the Government, while at the same time, a duty is cast upon the competent authority to pass speaking order while considering each case.
(2) No case for premature release of a convicted prisoner shall be considered before the expiry of the minimum sentence as prescribed below:-</td></tr>
<tr><td>1</td><td>2</td><td colspan="2">3</td></tr>
<tr><td>Category</td><td>CategoryNature of offence and other factors</td><td colspan="2">Premature Release Case when considered</td></tr>
<tr><td>(a)</td><td>Convicts, whose death sentence has been commuted to life
imprisonment, or those who have been imprisoned for life
having committed a heinous crime such as:
(i) Murder with rape/unnatural offences;
(ii) Murder and rape/unnatural offence of different
persons in the same case;
(iii) Gang rape;
(iv) Penetrative sexual assault/ aggravated penetrative
sexual assault against a child below twelve years
of age;</td><td colspan="2"><table><tr><td>(i)</td><td>Male</td><td>convicts</td><td>-On</td></tr></table>
completion of twenty years actual sentence including under trial period, provided that the total period of such sentence including remission is not less than twenty-five years;
<table><tr><td>(ii) Female</td><td>convicts</td><td>-</td><td>On</td></tr></table>
completion of 14 Years actual sentence including</td></tr>
</table>

	(v) Murder with the intention to collect ransom/robbery/dacoity/kidnapping/abduction; (vi) Use of explosives for mass killing or attacking the public or separate murder during communal/caste riots or Naxalites; (vii) Murder of a Judicial Officer, Prison Officer, Prosecutor or a Police Officer; (viii) Murder of a public servant during the discharge of his official duties; (ix) Murder of an elected representative in connection with the discharge of his functions; (x) Murder of a witness in connection with his testimony in any case; (xi) Offences punishable with a life sentence under the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (Central Act 37 of 1967); (xii) Murder of more than two persons in one case; (xiii) Second conviction for murder; (xiv) Serial killing; (xv) Murder while undergoing life sentence; (xvi) Murder with any offence under TADA Act, 1987 (Central Act 28 of 1987); (xvii) Murder of a child under the age of fourteen years; (xviii) Murder on contract/hired basis; (xix) Murder or voluntarily causing grievous hurt by use of acid; (xx) Causing death or grievous hurt in lurking house- tress pass or lurking house-breaking; (xxi) Persistent bad conduct in prison; (xxii) A convict involved in more than five criminal cases; (xxiii) Convicts who cannot for some definite reason be prematurely released without danger to public order and safety; (xxiv) Any other crime that the State Level Committee considers to be 'heinous' for reasons to be recorded in writing.	under trial period, provided that the total period of such sentence including remission is not less than twenty years;
(b)	Convicts who are not covered under category (a) above and have been imprisoned for life having committed any crime under the Indian Penal Code or any other law punishable with a death sentence, or who are sentenced for life having committed a crime such as: (i) Causing dowry death; or (ii) Any other crime that the State Level Committee considers to be 'heinous' under this sub-rule for reasons to be recorded in writing; or (iii) Sedition	(i) Male convicts - On completion of fourteen years actual sentence including under trial period, provided that the total period of such sentence including remission is not less than twenty years; (ii) Female convicts - On

		completion of twelve years actual sentence including under trial period, provided that the total period of such sentence including remission is not less than sixteen years;

(c)	Convicts who are not covered in categories (a)and (b) above and have been imprisoned for life sentence having committed a crime which is defined in Indian Penal Code or any other law as punishable with life Imprisonment, but not with a death sentence.	On completion of ten years actual sentence including under trial period, provided that the total period of such sentence including remission is not less than fourteen years;
(d)	Convicts who suffer from a terminal disease which is likely to result in death in the near future.	On the report of a Board of क्बजवते व िद ं नजीवतप्रमक डमकपबंसInstitution.
(e)	Specially challenged convicts	On completion of six years in the case of a life convict and 50% of the sentence in all other cases, including the under trial period and excluding the period of parole or furlough, provided that the disability has developed only after confinement in the prison and is of such a nature as to render the convicted prisoner totally incapable of committing any offence and also rendering him incapable of looking after himself in the prison as certified by of a ठवंतक व िक्बजवते व िद ं नजीवतप्रमकMedical Institution;
(f)	Old Age convicts (seventy-five years or above in case of male convicts and 70 Years or above in case of female convicts)	On completion of seven years in the case of a life convict and 2/3rd of the sentence in all other cases, including the undertrial period and excluding the period of parole or furlough, subject to 'good' or 'satisfactory' conduct:

Provided that the case of premature release of a convict who has overstayed from parole or furlough, will be considered after a further period as mentioned below, beyond the period prescribed hereinabove, subject to his good conduct during the extended period:-

Overstay of more than ten Days up to six months	Three months

Overstay of above six months up to one year	Six months
Overstay of above one year up to three years	One year
Overstay of above three years	One year and six months:

Provided further that the case of premature release of a convict, whose conduct during the confinement in prison or temporary release in the last five years prior to the date of consideration for चतमउंजनतम तमसमंेम ींे इममद बंजमहवतप्रमक ंदे ष्दवज ेंजपेंिबजवतलष् वत ष्इंकष्ए ींसस इम कममिततमक वित बवदेपकमतंजपवदfor a further period of upto two years:

Provided further that the case of premature release of a convict whose conduct during the confinement in prison or temporary release in the last five years prior to the date of consideration for चतमउंजनतम तमसमंेम ींे इममद बंजमहवतप्रमक ंदे ष्चमतेपेजमदजसल इंकष्ए ींसस इम बवदेपकमतमक नदकमत बसंनेम ;गगपद्ध व िजीमcategory (a) in case the life convict is not already covered under the same. However, if he is already covered under clause (xxi) of the category (a), his case for premature release shall not be considered before a further period upto five years beyond the completion of the required minimum sentence:

Provided further that no benefit of remission shall be granted during such period of deferment.

EXPLANATION- The period mentioned hereinabove is the minimum length of sentence a convicted prisoner is required to undergo before his case for premature release can be considered. The competent authority may approve, reject or defer the case for any length of time for reasons to be recorded in writing. A case once deferred shall be considered only after the expiry of the period of such deferment. The order of deferment shall make a reference to the period for which it has been deferred. The case for premature release of a convict can be deferred for a maximum of two times, provided that any deferment on the ground of non-completion of the minimum sentence, actual or total, as provided hereinabove shall not be counted. Premature release shall neither be claimed nor allowed solely on the ground that the case has been deferred in the past.

(3) In addition to the nature of the crime, the age and gender of the convicted prisoner, his conduct during the last five years prior to the date of consideration for premature release, capacity to commit the crime again, social impact of his release, safety of the victim and the witnesses shall be relevant factors amongst others in deciding the case for premature release:

Provided that if any discrepancy is found in the age of a convict in the warrant or the copy of the judgment, proof of age like matriculation certificate, birth certificate, or school leaving certificate shall be obtained and got verified from the authority concerned. If any convict is unable to produce the proof of ंहमए ीम उंल इम मगंउपदमक इल ं ठवंतक व िक्बजवते व िद ंनजीवतप्रमक उमकपबंस पदेजपजनजपवदण् प्ज ेींसस इम जीमresponsibility of the Superintendent concerned to arrange for the medical examination:

Provided further that all cases of pre-mature release under these rules shall be considered subject to the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) and any convict so released shall be liable to be re-called by the competent authority in case any irregularity, mistake or deficiency is found in any respect at a later stage.

(4) ज्ीम बवदकनबज व ि बवदअपबज ेींसस इम बंजमहवतप्रमक ंदे नदकमतए .

(a)‘good’ if he has not been punished for any prison offence or for violating any conditions of temporary release;

(b) ‘satisfactory’ if he has been punished with only one minor punishment for any prison offence or for violating conditions of temporary release during the last five years prior to the date of consideration for premature release;

(c)‘not Satisfactory’ if he has been punished with one major punishment or more than one minor punishment for any prison offence or for violating conditions of temporary release during the last five years prior to the date of consideration for premature release;

(d)‘bad’ if he has been punished with two major punishments or more than two minor punishments for any prison offence or for violating conditions of temporary release during the last five years prior to the date of consideration for premature release; or

(e)‘persistently Bad’ if he has been punished with more than two major punishments or more than three minor punishments for any prison offence or for violating conditions of temporary release during the last five years prior to the date of consideration for premature release, or who has been convicted for any criminal offence committed during the period of confinement in prison or temporary release.

(5) Medical re-examination of a convict released on the ground of terminal disease shall be conducted every six months and if the convict is not found to be suffering from such disease any longer and is medically fit, he shall be re-admitted in the prison to undergo the unexpired portion of his sentence.

(6) **The formula for calculating the period of sentence undergone shall be as follows:** A person convicted and sentenced for life imprisonment on the 21st January, 2006 who has been in custody since the 1st January, 2004. During the above-said sentence period, he had availed parole for fourteen months and overstayed parole for ten days. Then on the 31st December, 2017, his actual sentence undergone will be twelve years nine months, and twenty days. If during this period he has earned six years ten months twenty days total remission, his total sentence period will be calculated for example i.e.

as under:

Y		M	D
Under Trial Period 02		00	20
Conviction Period 11		11	10
Less parole period 01		02	00
Less overstay period	00	00	10

(parole/furlough)

Actual Sentence undergone 12 09 20

Add remission earned 06 10 20

Total sentence undergone 19 08 10

(7) Remissions granted under these rules, excluding those granted by the Government under statutory provisions, shall not exceed one-fourth of the total sentence:

Provided that the total remission granted by all authorities shall not exceed one-third of the total sentence.

(8) The cases for premature release shall be decided as per the recommendation of a State level committee constituted by the Government from time to time.

(9) The premature release case of a convict who has been sentenced to undergo life imprisonment in more than one case shall be considered after completion of the requisite sentences in all the cases.

Example.- A convict has been sentenced to undergo life imprisonment in case "A" on the 1st January, 2019 and case "B" on the 1st January, 2022, his case for premature release shall be considered only when he completes the requisite minimum sentence in both cases, i.e. case "A" and case "B" as per sub-rule (2) above.

NOTE.- Upon conviction, every convict sentenced to life imprisonment shall be informed regarding the relevant policy of premature release or as the case may be the relevant rule applicable to him alongwith minimum period of actual and total imprisonment that he has to undergo before his case for premature release may be considered. The Superintendent shall personally ensure that cases for premature release shall be sent after completion of the minimum prescribed period. Any case put up before completion of the requisite sentence shall be viewed seriously.

(10) Steps for processing the application for premature release shall be as under, namely: -

(a) The Superintendent shall, at an interval of every four months i.e. in January, May and September, make list of all convicts who are eligible for consideration for premature release in the next four months. The list will be made as per the eligibility criteria laid down in these rules. The Superintendent shall send a copy of the list so prepared to the District Legal Services Authority concerned. The District Legal Services Authority shall assist in preparing applications to be made by such eligible convicts. The District स्महंस ैमतअपबमे ।नजीवतपजल ेींसस ंसेव वतहंदप्रम समहंस ंूंतमदमे चतवहतंउउमे पद चतपेवदेthrough its Prison Legal Services clinics, with the aim to make the prisoners aware about the premature release policy and procedures.

(b) The Superintendent shall collect all requisite documents or reports within a maximum period of three months so that the file is complete for forwarding the same to the State Level Committee. The premature release case shall be considered within a fixed time, irrespective of whether appeal by such convicted prisoner is pending or not, if otherwise he is eligible. The Superintendent shall forward the case to the Director General within the stipulated time, even in cases where in the collection of documents is incomplete. In such cases, the Director General shall collect the remaining documents. In no case, the file shall be returned to the Superintendent citing incomplete documentation as a reason.

The Director General shall forward the proposal to the State Level Committee within a period of one month from the date of receipt of the proposal. Assistance of the District Legal Services Authority concerned may be sought for the collection of any remaining documents.

(c) The State Level Committee shall make its recommendation to the Government within three months of the receipt of the documents. The State Level Committee may meet once in every quarter to ensure timely decision on premature release applications.

(d) The order passed by the Government should be uploaded on the website. A copy may also be given to the convict through the Superintendent. The District Legal Services Authority shall advise and provide legal assistance, if required and admissible, to the convict, if there is a possibility of legal challenge to the rejection of the premature release application.

NOTE.- Cases for premature release which are otherwise barred by section 433A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) shall be processed by the Government under article 161 of the Constitution of India on the recommendation of the State Level Committee.

(11) The powers of premature release of convicts whose cases are covered under section 435 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) shall be exercised by the Government in consultation with the Central Government.

;12द्ध ।नजीवतप्रमक डमकपबंस प्देजपजनजपवद वित जीम चनतचवेम व िजीपे तनसम ेींसस पदबसनकम ।प्डै छमू क्मसीपएPGIMS Rohtak, PGIMER Chandigarh, BPS Medical College, KhanpurKalan (Sonipat), Government Medical College, Nalhar (Nuh), Maharaja Aggrasen Medical College, Agroha (Hisar), or any other Medical Institution designated by the Government for the purpose.

(13) From the date of notification of these rules, all premature release cases of prisoners who are convicted by the courts having jurisdiction within the State of Haryana before or on or after the date of notification of these rules.

Appeals and Revisions facilities to the prisoners.

CHAPTER 13

APPEALS, REVISIONS, PETITIONS, INTERVIEWS, AND COMMUNICATIONS

188. Every prisoner shall, on admission to prison, be informed of the period of limitation within which an appeal or revision, as the case may be, against the order under which he has been committed to prison may be filed. Every facility shall be provided to him, for the said purpose, if he desires to file an appeal or revision as the case may be. In cases where a petition for appeal or revision is made so late as to render it unlikely or impossible for it to reach the appellate court within the limitation period or the limitation period has expired, the Superintendent shall endorse on the appeal/revision the convict's reasons for not submitting it earlier, together with his views (if any) on the reasons so given.

Periods allowed to file appeal or revision.

189. (1) The limitation period as per the Limitation Act, 1963 (Central Act 36 of 1963) for filing of appeal or revision is as follows, -

Sr. No.	**Description of order**	**Period of limitation**	**Time from which period begins to run**
1	From a sentence of death passed by a Court of Sessions or by a High Court in the exercise of its original criminal jurisdiction	Thirty days	The date of sentence
2	From any other sentence or any order not being an order of an acquittal		
(i)	In the High Court	Sixty days	The date of the sentence or order
(ii)	In any other Court	Thirty days	The date of the sentence or order
3	In the Supreme Court under articles 132 (1), 133, or 134 (1) of the Constitution of India	Thirty days	The date of the certificate granted by The High Court
4	In the Supreme Court under Articles 136 of the Constitution of India	Thirty days	The date of decree, order, or sentence

2. To enable the appellate courts to calculate the period of limitation prescribed for criminal appeals under the Limitation Act, 1963 (Central Act 36 of 1963), every appeal petition shall be endorsed with the following

	notice, signed by the Superintendent:- "The period requisite for obtaining a copy of the order appealed against to be excluded from the period of the limitation under section 12 of the Limitation Act, 1963 (Central Act 36 of 1963), was …… days."
Delay in preparing appeal or revision to be noted.	**190.** If any delay has occurred in preparing the appeal or revision petition after the receipt of the copy of the judgment, a request to condone the delay including the reason for such delay shall also be made as part of the appeal or revision petition.
Interview for purpose of appeal or revision.	**191.** Every prisoner shall be allowed reasonable opportunities to personally interview his legal counsel, for preparation of his appeal or revision: Provided that every such interview shall be held within sight, but out of the hearing, of the prison official in whose charge the prisoner is placed for such interview.

Appeal, revision for a prisoner who has no friend or agent.	**192.** As per section 12 of the Legal Services Authorities Act, 1987 (Central Act 39 of 1987) a person in custody shall be entitled to legal services of the District, State, or National Legal Services Authority. If a prisoner desires to file an appeal or revision and declares that he has no relative, friend, or agent who is willing to prepare the appeal or revision for him, he shall be referred to the appropriate legal services authority as per rules or instructions of such legal services authority. The legal services authority concerned shall provide all required documents for filing an appeal or revision free of cost.
Procedure for preparation and presentation of appeal, revision.	**193.** (1) If a prisoner, who desires to appeal or to file revision, declares that he has no relative or agent who is willing to make an appeal or file revision for him, the Superintendent shall apply, in the form as prescribed from time to time by the Director General, for a copy of the judgment or order relating to such prisoner against which he desires to appeal or file revision. If the copy of the judgment is not received within seven days, the Superintendent shall send a reminder for it and if there is any excessive delay, shall report the matter to the District & Sessions Judge. (2) On receipt of the copy of judgment or order, a written acknowledgment shall be obtained from the prisoner. The prisoner shall if he knows to write, be allowed to write his appeal or revision. If the prisoner does not know to write, the Superintendent shall cause his appeal to be written for him by another prisoner or by a prison officer or by his counsel or the counsel provided by the legal services authority concerned. (3) When a legal aid counsel is provided to the petitioner through legal services authority, the prisoner shall be informed about the particulars of such legal aid counsel provided to him. If such legal aid counsel fails to represent the prisoner in court, the prisoner will intimate the Superintendent and the Superintendent shall report the matter to the legal services authority concerned. (4) A prisoner or officer deputed to write an appeal or revision shall do so at the appellant's dictation and shall neither make any suggestion to the prisoner as to what shall be stated nor add anything to what the prisoner himself desires to have stated in the appeal or revision. The prisoner or officer deputed to write an appeal or revision shall read out the appeal to the convict.

	NOTE.-1 The Superintendent is not justified in refusing to forward the appeal or revision of any prisoner on the ground of limitation. **NOTE.-2** An appeal or revision made by the Superintendent on behalf of a prisoner should, before dispatch, be read over to the appellant, in the presence of the Superintendent, who shall if the prisoner approves of the appeal or revision, countersign the document and the official seal of the prison be stamped thereon. **NOTE.- 3** If, after the receipt of the copy of the judgment or order, a relative, family member, or agent of the prisoner undertakes to make the appeal or revision on his behalf and the prisoner consents to that course, the copy of the judgment shall be delivered to such relative, family member or agent as the case may be, under proper receipt. **NOTE.- 4** Convicts are entitled under section 363 (1) and (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) to a copy of the judgment free of all cost. A copy of every judgment shall also be sent to the Superintendent. For this rule, the word prisoner shall include his legal counsel (5) If a prisoner's appeal fails and he desires to prefer an application for revision, he is entitled to get, for filing revision application, a free copy of the impugned order. (6) The signature of the appellant on the appeal or revision petition shall be witnessed and attested by an officer not below the rank of Assistant Superintendent before forwarding the same to the Superintendent. (7) The Superintendent shall forward the appeal or revision without delay to the appellate or the revisional court. If any delay has occurred in preparing the appeal or revision petition after the receipt of the copy of the judgment, a note of such delay shall also be made on the petition. Prisoners convicted in the same case may appeal or apply for revision either jointly in one petition or separately. In case of joint petition, one copy of judgment shall suffice for all. **NOTE.-** Appeal or revision by military prisoners against sentences passed by the Court Martial shall be forwarded to the Military Command headquarters.

	(8) When notice of the date of hearing of an appeal or revision petition is received, it shall be communicated to the convict and a written acknowledgment of receipt of such notice shall be obtained. The notice shall then be attested by the Superintendent or the Deputy Superintendent (Administration) and returned to the court concerned. (9) When notice to show cause, why a prisoner's sentence shall not be enhanced, is received from the appellate court, the prisoner shall be asked whether he wishes to apply for permission to appear in person before the court concerned. If he says so, the Superintendent shall forward his application to the court for orders. Arrangements shall be made for his appearance before the court if such permission is granted. (10) The Superintendent shall inform every convict under sentence of death that if he wishes to appeal to the High Court, as the case may be, he must do so within thirty days. (11) Copy of the judgment or any order of the High Court in a criminal case, shall, on an application made in this regard by the convicted prisoner, be supplied free of cost. (12) If several persons are sentenced in the same case, only one copy of the judgment shall suffice for all such prisoners who are confined in the same prison.
Maintenance of appeal and revision register.	**194.** (1) The In-charge convict section shall maintain an appeal and revision register, in such form as specified by the Director General from time to time. He shall cause the register to be placed before the Superintendent as frequently as may be necessary. Starting from the date on which the prisoner expresses his desire to file an appeal or revision, till the date of receipt of the order of the appellate court disposing of the said appeal or revision, all such dates on which action is taken during the entire process shall be entered in such register and each entry attested by the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration). (2) The Superintendent or Deputy Superintendent (Administration) shall ensure that there is no delay in the process of disposing of appeals, revisions, or petitions. The In-charge convict section is directly responsible to the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration) in this regard.
Allowing convicts to sign a power-of-attorney.	**195.**। बवदअपबज ेींसस इम ंससवूमक जव ेपहद ं चवूमत.व.िजजवतदमल ंनजीवतप्रपदह ंदलवदम जव ंबज वित ीपउ पद the matter of filing an appeal or revision. This shall include the Vakaltnama in the case of legal counsel. Attestation of the prisoner’s documents by prison authorities shall be limited for a judicial purpose only.
Superintendent to inform the Sessions Judge when an appeal to High Court preferred by a prisoner.	**196.** Whenever a prisoner files an appeal from prison to the High Court, the Superintendent shall inform the Sessions Judge, in writing, with regard to such appeal.
Appeal or revision by a	**197.** If a petition addressed to the Supreme Court is submitted by the prisoner, it shall be accompanied by a certified copy of the impugned judgment of the court, appealed against and such

prisoner to Supreme Court.	other documents required as per the relevant Supreme Court rules.
When an appeal or revision is not desired.	**198.** If any prisoner states that he does not desire to file an appeal or revision, he shall be asked to give, in writing, in the presence of two fellow prisoners, and the fact shall be recorded and attested by the Deputy Superintendent (Administration) on his history-ticket.
Prisoner not to be transferred till the expiry of term for filing appeal or revision.	**199.** (1) Except such classes of prisoners for whom transfer orders are from time to time issued, convicts shall not ordinarily be transferred to another prison during the limitation period specified for filing appeal or revision. (2) In case a prisoner is transferred, the particulars of the prison to which he is so transferred shall be communicated to the appellate court.
Appeal of prisoner transferred.	**200.** When any communication relating to the appeal of a prisoner, who has been transferred, is received, it shall be forwarded without delay, through approved means of communication, to the Superintendent of Prison in which the prisoner is confined after noting the same in the relevant Register of the prison from which the prisoner has been transferred.

Status and result of appeal or revision.	**201.** (1) If no update regarding admission of appeal or revision, filed by a convict is received within one month, a reminder may be sent to the legal authority concerned. Status of the appeal or revision, in particular the next date of hearing, as available on the website of the appellate or revisionalcourt, shall be apprised to the prisoner at reasonable intervals. The result of the appeal or revision shall, when received, be immediately communicated to him under receipt and entered in his history-ticket and admission register. (2) Whenever, either because of the commutation or alteration of any sentence or otherwise, an amended warrant is received, the Superintendent shall acknowledge the receipt of the same and return the original warrant to the court concerned. He shall also inform the prisoner of the amended warrant. When the fresh warrant is returned with an endorsement of execution, the appellate court shall forward it to the court from the decision of which the appeal was preferred, to be attached to the original record.
Notice of transfer of convict to a different prison to be sent to the convicting Court in certain cases.	**202.** (1) When prisoners who have not, to the knowledge of the prison authorities, preferred an appeal or revision, are transferred to other prisons before the expiry of the limitation period, a notice of such transfer shall invariably be sent to the last convicting court. When an order to release a prisoner who has been transferred, or a revised warrant or any communication relating to his appeal

	or revision, is received from the court, the Superintendent shall forward it immediately to the Superintendent of the prison to which the prisoner has been transferred. (2) The appellate or the revisional court shall notify the prisoner through the Superintendent of the prison in which he is confined, the result of his appeal or revision. This notification is intended solely for the communication of the result of the appeal or revision to the prisoner, and in no way relieves judicial officers from the duty of issuing a revised warrant wherever the same is necessary. (3) Sub rules (1) and (2) shall not apply to cases in which a sentence passed by a judicial Court is commuted by order of the Governor or of the President. In such a case, a copy of the order of the Government shall be attached to the prisoner's warrant, on which a note setting forth the alteration of the sentence, and the number and date of the Government order shall be made and attested by the Superintendent.
Petition for clemency.	**203.** Every prisoner shall be at liberty to petition the Government for clemency, and shall, if he so desires, be accorded reasonable facilities for preparing and submitting such a petition. All such petitions shall be accompanied by all the relevant documents including the copy of the judgments of the court of conviction and that of any superior court which may have dealt with the case on appeal or revision, and the same are to be supplied by the petitioners themselves.
Petition to district Magistrate or his erstwhile employer or official superior.	**204.** In the event of any convict desiring to petition the District Magistrate or any Government authority, or his erstwhile official superior or employer in the matter of urgency relating to family affairs, civil suits, property, and the like, the Superintendent, after due consideration, may at his discretion permit such petition and shall then countersign and forward it directly to its destination, provided that in no case shall any petition of this nature be forwarded directly to the High Court.
Petitions by prisoners to President, Vice-President, Prime Minister, and other high dignitaries of the Central or State Government.	**205.** Petitions addressed by the prisoners including the under-trial prisoners to the President, Vice-President, Prime Minister, and other high dignitaries of the Central or State Government may be forwarded to them through the Director General. The Director General may, however, withhold such petition if the statements contained in the petition are untrue or if the petition contains objectionable language. The reasons for withholding such petition may, however, be reported to the addressee by Director General through the ordinary official channel.
Communication of rejection of mercy petition by the president or Governor.	**206.** The rejection of mercy petition by the President or the Governor, as the case may be, shall forthwith be communicated to the convict and his family members in writing or through any other approved means of communication. Death convicts are entitled to receive a copy of the rejection of the mercy petition by the President or the Governor, as the case may be.
General rules for Grant of interviews and communication.	**207.** (1) Every prisoner shall ordinarily be provided with reasonable facilities, for interviewing or communicating with his family members, relatives or legal counsel, by the Superintendent, once a week or oftener, to enable him to manage his property, any other family affairs or to prepare an appeal or revision or for obtainingof bail. This privilege of an interview with visitors is contingent

	upon the prisoner's good conduct and may be suspended or withdrawn by the Superintendent on grounds of conduct, or for security reasons.

	(2) The application for interview may be oral or in writing. However, if the prisoner is not entitled to an interview, he shall be so informed. (3) Every prisoner shall submit a list of persons including his family members, relatives, and counsel, numbering not more than 10, who may interview him during his confinement in the prison. The interviews shall be restricted to such persons only. The term "family member or relative" as occurring in this rule is to be literally and strictly interpreted, that is to say, no one shall be allowed an interview with a prisoner unless there is proof of a personal and intimate acquaintance or a close relationship. In the case of a relative, the nature of the relationship shall be ascertained: Provided that, under special circumstances, for reasons to be recorded in writing in his journal, the Superintendent may allow any other person, whose name does not figure in the list submitted by the prisoner, to interview him: Provided further that the number of persons who may interview a prisoner at one time shall ordinarily be limited to five. In case of more requests for interviews than what can be allowed, such of the interviews shall be permitted as are fixed earlier in time. (4) Every prisoner under sentence of death shall be allowed such interviews and other बवउउनदपबंजपवदे ूपजी ीपे ंि उपसल उमउइमतेए तमसंजपअमेए वत समहंस बवनदेमस ंे जीम ै नचमतपदजमदकमदज जीपदोreasonable. (5) There shall be no restriction on the number of letters a prisoner may write or receive. (6) The Director General may forbid any person from having any further interview with any prisoner if he has reason to believe that such person has issued any publication as a result of an interview or visit to the prison. (7) Prisoners released on parole or furlough, ordinarily, shall not be allowed to have an interview with any prisoner except their family members. (8) Ex-prisoners, who apply to see their friends lodged in prison, shall not be permitted such interviews without a genuine reason. (9) No eatables or other articles except clothing or bedding shall be allowed to be received by the prisoner at the time of interview. (10) Interview or communication with a prisoner detained in the high security ward, shall be permitted by the Superintendent only after police verification of the person(s) desiring to interview the prisoner. (11) Superintendent may allow well-behaved prisoners to have a face-to-face interview, not more than once in a quarter, with due consideration to the security of the prison, with the approval of the Director General. (12) A prisoner may with the permission of the Superintendent purchase writing material at ीपे वूद मगचमदेम ंदक ू तपजम ं दल दनउइमत व ि समजजमते ं ज ी पे वूद बवेजण् ।सस दवजमइववो चतवअपकमक जव ीपउshould have their pages numbered to keep a check on their misuse and to prevent secret correspondence.
Exception to general rule.	**208.** (1) The Superintendent may at his discretion grant interviews at shorter intervals than

	provided under these rules, despite the prisoner's misconduct if he considers that special or urgent grounds exist for such concession, as for example, in the event of the prisoner being seriously ill or on the occurrence of the death of a near relative or if the family members or relatives have come from a distance to see the prisoner and it would be an undue hardship on them to refuse an interview, or if the prisoner is nearing release and wishes to secure employment, or for other sufficient cause. Matters of importance, such as the death of a relative, may also be communicated at any time by the ंिउपसल व ि चतपेवदमत जव जीम ैनचमतपदजमदकमदजए ूीव उंलए प िीम जीपदो पज मगचमकपमदजए पदवितउ जीम चतपेवदमत व िthe substance of the communication. (2) The Superintendent may permit a prisoner, other than a condemned prisoner, to see another prisoner who is a family member, in a hospital outside the prison subject to the following conditions, (a) in case the prisoner in hospital is seriously ill; (b) in case hospital is situated in the same city or town; (c) in case prisoner is sent under adequate escort as the Superintendent may decide; and (3) The prisoner shall return to the prison immediately after seeing the prisoner in the hospital

Persons granted an interview may be searched.	**209.** Every person desiring to hold an interview shall furnish his identity proof and present himself to be searched and photographed. His signature/biometrics may also be obtained electronically or on the interview register. However, due care shall be taken to ensure that no such search shall be made in the presence of any prisoner or any person other than the prison staff. During a search, if any चतवीपइपजमक ं तजपबसम पे विनदकए जीम ें उम ेीं सस इम े मप्रमक वितजीपजी ं दक जीम ैनचमतपदजमदकमदजींसस पदपजपंजमappropriate legal action against that person.In the case of a female visitor, such search shall be conducted by a female staff member. If the visitor refuses to submit to be searched or to give his name or address or to be photographed, he shall not be permitted to enter the prison premises or to interview the prisoner.
Time and days of interview.	**210.** (1) The Superintendent shall fix the interview days and hours and allow interviews, subject to the guidelines issued by the Director General from time to time. No interview shall be allowed at any other time except with the special permission of the Superintendent. A notice of the interview days and hours and scheduling modalities shall be pasted outside the prison. (2) Arrangement shall be made for online as well as offline booking of interviews. (3) No interviews shall be allowed on Sundays and prison holidays provided that the Superintendent may, under exceptional circumstances, for reasons to be recorded in his journal, grant interviews on a holiday as well.
Places of interview.	**211.** Every interview shall take place in a special part of the prison appointed for the purpose, at or near the main gate: Provided that the Superintendent may, for special reasons to be recorded in writing, permit an interview to take place in any part of the prison.

Interview to take place in presence of prison officer.	**212.** (1) Every interview with a prisoner shall take place in the presence of a prison officer, who shall be responsible that no irregularity occurs, and who shall be so placed as to be able to see and to prevent any article being passed between the parties. (2) Every interview with a terrorist or militant shall take place in the presence of an intelligence officer or a police officer conversant with the case against the prisoner. An experienced prison officer shall also be present during such interview.
Termination of interview.	**213.** The conversation at the interviews shall ordinarily be in Vernacular, English, or Hindi. If any unwarranted communication or irregularity is noticed by the prison official present, he shall immediately terminate the interview and the matter shall be reported at once for the orders of the senior officer present in the prison.
Duration of interview.	**214.** The time allowed for an interview shall ordinarily be twenty minutes, but may be altered by the Superintendent in view of administrative or security reasons.
Prisoner to be searched before and after interview.	**215.** Every prisoner shall be carefully searched before and after an interview. The search of female prisoners shall be undertaken by female staff and only in the presence of females.
Waiting room.	**216.** Suitable waiting rooms may be provided in every prison to enable visitors to wait for their turn for interview. They may be given a token for the purpose.
Communication facilities.	**217.** The Superintendent may allow a prisoner to communicate with his family members through ंद ंनजीवतप्रमक उवकम व ि बवउउनदपबंजपवद तिवउ जपउम जव जपउमए ं जिमत हपअपदह कनम बवदेपकमतंजपवद जव जीमsecurity of the prison. The prisoners can use this facility under the supervision of a prison official to be designated by the Superintendent. While permitting a prisoner the use of such facility, the Superintendent shall ensure that such permission is not given to prisoners who have a record of unruly behavior and bad conduct.
Superintendent may refuse any interview.	**218.** The Superintendent may refuse to allow any interview, to which a prisoner shall ordinarily be entitled under these rules, if in his opinion it is not in the public interest to allow a particular person to interview the prisoner, or if, there are other sufficient reasons to refuse an interview. In every such case, the Superintendent shall record his reasons for such refusal in his journal and prisoner's history-ticket.

Abuse of privilege of	**219.** Any prisoner who abuses any privilege, relating to the holding of an interview or the writing of letters or other communication with any person outside the prison, shall be liable to lose such

holding interview.	privilege for such time and may be subjected to such further restrictions, as the Superintendent may direct.
Procedure as to delivery of letters.	**220.** (1) No letter shall be delivered to or sent by a prisoner until it has been examined by the Superintendent or by the Deputy Superintendent (Administration) or any other officer under the orders of the Superintendent, but no undue delay shall be allowed to occur in delivery or dispatch. If a letter is written in a language unknown to the Superintendent, he shall take steps to procure a translation before forwarding such letter. No letter written in cipher or code language shall be allowed. The Superintendent may withhold any letter which seems to him to be in any manner improper or objectionable, or may erase any improper or objectionable passages and shall inform the prisoner concerned about the same. (2) The Superintendent shall have the right to disallow letters to prisoners for reasons of security and discipline or during periods of emergencies, if he considers it necessary.
Detention or return of letters received for prisoner.	**221.** If a letter is addressed to a prisoner who is not entitled under the rules to receive it, may, unless the Superintendent decides to communicate it, be withheld and kept in the custody of the Deputy Superintendent (Administration) until the prisoner is entitled to receive it or is released, when it shall be delivered to him unless it is improper or objectionable, or it may be returned to the sender with an intimation that the prisoner is not entitled to receive it. In the former case, the fact of receipt and reason for refusal to deliver shall be entered on the prisoner's history ticket and the prisoner's number and date of receipt shall be written on the letter.
Prisoner may retain a letter delivered to him.	**222.** A prisoner may retain any letter which has been delivered to him under due authority unless the Superintendent otherwise directs. Any letter delivered to a prisoner shall be signed by the Deputy ैनचमतपदजमदकमदज ;।कउपदपेजतंजपवदद्ध वत ं दल वf िपबमत ं नजीवतप्रमक इल जीम ैनचमतपदजमदकमदज पद जीपे इमींसएि जव ेीवू जींज पज पे ंद ंनजीवतप्रमक बवउउनदपबंजपवदण्
writing material.	**223.** Expenses for letters, envelopes, and postage, permissible under the rules, shall be borne by the prisoners themselves.
Confidential letters of prisoner.	**224.** Any bonafide confidential written communication prepared by a prisoner as instructions to his legal counsel shall be delivered without being previously examined.
Interview With legal counsel.	**225.** Every interview between a prisoner and his legal counsel shall take place within sight, but out of hearing, of a staff member. A record shall be kept of every such visit.
Miscellaneous matters.	**226.** Other miscellaneous provisions governing interviews shall be as follows, - (a) Interviews of prisoners for purpose of documentaries, research, newspaper articles, and other such matters shall be governed by the guidelines issued from time to time by the Government or the Director General; (b) Prisoners lodged in the same prison, who are family members or are co-accused and separated on grounds of gender or for any other reason, may be allowed interview at a designated place preferably near

	the main gate, once a week, in the presence of a prison officer; (c) Prisoners who are family members and are lodged in different prisons may be allowed interview through electronic means once a month in the presence of a staff member as specified by the Director General. Such interviews may be in addition to the other ंनजीवतप्रमक पदजमतअपमेूण्य (d) Prisoners shall not be allowed to correspond with prisoners in other prisons. If, however, a prisoner has got his relatives in another prison, he may be permitted to write to them, subject to the provisions of these rules; (e) No person visiting the prison shall be allowed to carry or use any photographic or video graphic equipment inside the prison premises without the permission of the Government or Director General or Superintendent.

Conditions under which a religious preacher may be admitted.	**227.** On the application of a group of prisoners, any well-known religious preacher as requested by them may be admitted to prison, for religious ministration only, on any religious festival Provided that, - (a) the Superintendent may, in his discretion, refuse to admit any religious preacher whose admission to the prison he considers, for any sufficient reason, to be inconsistent with the maintenance of discipline therein; (b) no such religious preacher shall be permitted to have access to any prisoner of a different religious persuasion to himself, unless at the voluntarily expressed desire of such prisoner; and (c) the religious preacher shall be subject to such conditions, as to time, place, duration and the like, as the Superintendent may at any time deem fit.
Visit of a religious preacher to a sick or condemned prisoner.	**228.** A religious preacher may be allowed to visit a prisoner on any day if such prisoner is seriously ill or is under sentence of death and desires to see such preacher, but not otherwise.
Communication with or visit to foreign Nationals.	**229.** The communication with or visit to prisoners who are foreign nationals shall be regulated as per directions, guidelines of the Central Government or the Government.
Visit of a Yoga or meditation or sports instructor or conductor of skill development or awareness program.	**230.** A yoga or meditation or sports instructor or resource person for skill development or to conduct an awareness program may be allowed to visit prison premises, with the prior permission of the Superintendent, subject to such conditions, as may be specified by the Director General.
Communications from a prisoner who is a member of State	**231.** All communications addressed by a prisoner or a detenue, who is a member of the State

Legislature or of Parliament.	Legislature or the Parliament, to the Speaker or Chairperson of the House of which he is a member, or to the Chairperson of a Committee of such a House, shall be allowed as per the guidelines of the Government in this regard from time to time.

CHAPTER 14

HIGH SECURITY ENCLOSURES, CELLS AND TREATMENT OF PRISONERS THEREIN

High security enclosures.

232. (1) Prisoners falling under Category-1 (S1-Red) and Category-7 (S7-Orange) shall be lodged in separate enclosure(s) demarcated as high security enclosure(s) within the existing prison. If required, the Government may establish separate high security prisons for the purpose. Under no circumstances high-risk prisoners shall be kept with other prisoners.

(2) Accommodation in high security enclosure(s) shall be cellular only.

(3) A sufficient number of cells for all purposes shall be provided in every prison. Cells intended for solitary confinement shall have a separate yard in which the occupant may be allowed to exercise in the morning and evening. Cells intended for cellular or separate confinement may have a common yard in which the occupants may be allowed to do exercise in the morning and evening for one hour each. The number of prisoners who are allowed to do physical exercise at a time shall be fixed by the Superintendent.

(4) All open places to the sky shall be covered with iron grill enclosures and the flooring in the open spaces shall be of Reinforced Cement Concrete.

(5) The building structure and measurements of the high security enclosure shall be of such specifications, as may be specified by the Director General from time to time.

High security enclosure to be equipped with modern security and communication equipment.

233. (1) The high security enclosure shall be equipped with all modern security equipment to maintain close surveillance and ensure the safety and security of the prison and the prisoners.

(2) A suitable communication system shall be provided to the guarding personnel deployed at high security enclosure to enable them to maintain effective communication with the control room and amongst themselves at all times.

(3) For security reasons, wherever necessary, security cameras with audio and video recording facilities shall be installed.

(4) Sufficient, dedicated video conferencing systems shall be set up within the high security enclosure having linkage with the courts to enable the production of high-risk prisoners and their trial, through electronic means.

(5) On every morning at the time of the lockout, the Assistant Superintendent concerned

	shall ensure that the security gadgets and the communication devices installed in the high security enclosure are in working condition. If any gadget is in non-working condition, he shall inform the Deputy Superintendent (Security) and necessary steps shall be taken to rectify the fault without any delay.
Superintendent in-charge of high security enclosure.	**234.** The Superintendent shall be in-charge of all the security arrangements of high security enclosure and shall be responsible for the effective implementation of all rules and instructions issued from time to time in this regard by the Director General. He shall be assisted by the Deputy Superintendent (Security) and such other officers and officials as deputed by him in this behalf.
Purpose for which cells may be used.	**235.** Cells may be used for the following purposes, namely :- (a) carrying out sentences of solitary confinement ordered on a warrant; (b) separate and cellular confinement of prisoners as a prison punishment; (c) separation of prisoners; (d) medical observation and separation of prisoners suspected of malingering, causing sickness or injury to themselves by use of deleterious substances, or who are suffering or suspected to be suffering from any communicable disease; (e) confinement of prisoners condemned to death; (f) separation of transgender prisoners; (g) confinement of foreigners; (h) segregation of prisoners who are instigators, or who are of violent or dangerous बींतंबजमते ंदक ंतम चवजमदजपंस तपो जव चतपेवद ेमबनतपजल वत कपेबपचसपदमय

	(i) segregation of prisoners of opposite groups; (j) confinement of high-risk prisoners; (k) separation and security of prisoners who have a threat to their life or limb from other prisoners.
Occupancy in a cell.	**236.** Only one prisoner shall ordinarily be confined in a cell: Provided that when a prisoner lodged in a cell is seriously ill and it is unsafe owing to the nature of the disease from which he suffers, to have him removed to hospital, the Superintendent may, on the recommendation of the Medical Officer, permit one attendant to remain with him. Under no other circumstances shall two prisoners be permitted to occupy the same cell: Provided further that on specific orders of the Superintendent, upto five prisoners may be accommodated in one cell.

An Officer to be within hearing of prisoners in cells.	**237.** During the day and night, guarding personnel shall always remain within hearing of every prisoner confined in a cell to ascertain and attend to his lawful requirements. A strict watch shall be kept over all such prisoners to prevent them from committing any act which is forbidden.
Ticket to be posted on door of occupied cell.	**238.** Whenever a cell is occupied by any prisoner, a ticket showing particulars of the prisoner confined therein shall be pasted on the exterior of the cell yard door.
Security of high security enclosure.	**239.** (1) Sufficient number of guarding personnel as per requirement shall be deployed in and around the high security enclosure for security and watch and ward duty round the clock. (2) Every prisoner shall, before being placed in a high security enclosure, be carefully searched and all articles likely to aid escape or suicide shall be taken away from him. The cell shall also be thoroughly searched. All cells and prisoners confined therein shall be carefully searched at the lockup time each day and oftener, if necessary. A certificate to this effect shall be recorded and signed by the cell in-charge and executive in-charge in the search register. Deputy Superintendent (Security) shall countersign the certificate. (3) The guarding personnel on duty at every change of guard in high security enclosure shall be posted and relieved by the duty officer himself. (4) Presence of every prisoner in his cell shall be ascertained at each change of guard. (5) Every material entering the high security enclosure shall be screened through X-ray Baggage Scanner or other suitable devices to prevent the ingress of any prohibited article. (6) The prisoners confined in cells shall be counted at least twice a day besides the counting done during locking up and opening. (7) A no man's area shall be identified near the high security enclosure which shall not be accessed by any prison inmate and the staff, except those who are detailed for duties. (8) The guarding personnel posted in the yards of the enclosure shall not hold a conversation with each other more than what may be required to perform their duty. The entrance door of the High Security enclosure shall always be kept locked from outside as well as inside. (9) The locking and opening shall be conducted in the presence of the executive in charge.
Visit to cells by prison officers.	**240.** (1) Every prisoner occupying a cell shall be visited by the guarding personnel on duty or the patrolling officer at least once every two hours during the day and night. Officers, when relieving the guard, shall visit each ward and satisfy themselves that all the prisoners are present and are safely lodged.

	(2) High security enclosure shall be visited and checked at least once a day by Deputy Superintendent (Security) or Deputy Superintendent (Administration).
Sickness in high security enclosure.	**241.** In case of sickness, immediate notice shall be given by the guarding personnel on duty to the control room on wireless set, intercom, or through any other means of communication. The staff member deployed in the control room shall at once report the case to the executive in charge of high

	security enclosure and Medical Officer. The executive in charge shall immediately visit the ward on receiving the information and inform the Deputy Superintendent about the circumstances. Simultaneously the Medical Officer shall visit the high security enclosure for checkup and treatment, and if necessary, on the recommendation of the Medical Officer, the prisoner may be moved to the prison hospital for better management. If the high-risk prisoner is shifted to the prison hospital, Superintendent shall immediately be informed. Deputy Superintendent (Security) shall make special security arrangements in and around the hospital till the time high-risk prisoner is kept there.
Keys of high security enclosures.	**242.** (1) Keys of locks of the cell, yard doors shall always be carried by the staff member मदजतनेजमक ूपजी जीम कनजलण् ज्ीमल ेींसस नदकमत दव बपतबनउेजंदबमे इम ींदकसमक इल ंदल नदंनजीवतप्रमक ेजंतिmember or any other person. (2) The guarding personnel on duty by day shall have custody of the keys of cells from the time of lockout till lockup. During the night, on completion of the lock-up, the keys of cells shall be collected and counted in the presence of the Deputy Superintendent (Administration) who shall note the number in the lock-up register. He shall then lock the keys into the key box provided for the purpose at the main gate and makeover the key of such key box to the duty officer who shall deliver it to the Deputy Superintendent on his entering the prison in the morning. (3) In the case of an attempt of suicide by any prisoner, the cell should be opened at once and attempt frustrated. In such a case, Superintendent, Deputy Superintendent (Administration), and Deputy Superintendent (Security) shall be informed at once by the Duty Officer.
Multiple layers of monitoring during night.	**243.** There shall be six-layer security system for the high security enclosure during night time. The guarding personnel at the enclosure shall constitute the 1st layer; guarding personnel deployed at tower shall constitute the 2nd layer; hourly round by the patrolling officer of the high security enclosure shall constitute the 3rd layer; and the 4th layer shall be constituted by the visit of the patrolling officer of the whole prison; the 5th layer shall consists of two rounds of checking by the Duty Officer, and lastly, the surprise checking by the Deputy Superintendent and Superintendent shall constitute the 6th layer.
Bedding of prisoners in cells and cleanliness of cell.	**244.** The bedding of every prisoner in a cell shall, subject to any order given in special cases by the Medical Officer, be exposed to the sun and air daily when the weather permits and every occupant of a cell shall be responsible for its cleanliness.
A convict worker may enter	**245.** A sweeper or a convict worker may, when accompanied by an officer on duty and his services

a cell .	are required therein, be permitted to enter a cell.
Kinds of labour in cells.	**246.** Every convict confined in high security enclosure, if sentenced to rigorous imprisonment shall be allotted labour like cleanliness, sanitation, etc. The undertrial prisoners may also be allotted बसमंदसपदमे ंदक उंपदजमदंदबम जंो पदकपअपकनंससल वत पद ं हतवनचण् ज्ीम वितउे व ि संइवनत ेीं सस इम ेमसमबजमक पदं उंददमत े व ंे जव चतमअमदज मेबंचमण् प् ि पज पे दमबमेंतल जव मउचसवल चतपेवदमते वद जंो पद जीम अपबपदपजल व ीपहीsecurity enclosure, special precautions shall be taken to prevent escape.
Deployment of convict officers in high security enclosure.	**247.** Three convict officers shall be deputed in each row of cells to keep a constant watch on prisoners confined therein. They shall immediately report every unusual occurrence to the staff member on duty at cells.
General provisions of high security enclosure.	**248.** (1) The Executive in charge of high security enclosure shall be an officer of the rank not below Assistant Superintendent. (2) The prison privileges admissible to prisoners confined in cells shall be as specified by the Director General, Superintendent, and as far as practicable, the same shall be provided in high security enclosure itself. (3) Interviews in high security enclosure prisoners shall, as far as practicable, be held through electronic means in high security enclosure itself; in exceptional circumstances, if physical interview is allowed, it shall be held in the interview room constructed in the high security enclosure in the presence and within hearing of a staff member, except where the communication falls in the category of privileged communication. Interviews shall be limited to members of the family after चवसपबम अमतपपिबंजपवद ंदक ंनजीवतप्रमक समहंस बवनदेमसे वदसलण्

	(4) No cooking or warming of food shall be allowed in cells and no cooked food from वजीमत इंततंबो ेीं सस इम ंससवूमक पद ीपही ेमबनतपजल मदबसवेनतमेण् (5) Entitlement to toiletries, clothing, and bedding of the prisoners in high security enclosure shall be the same as of other prisoners. (6) Medical care shall be made available within the enclosures of the high security enclosure. However, in emergent and serious cases, the prisoner may be treated in the prison hospital. (7) The reform and treatment programs may be extended to the prisoners lodged in the high security enclosure. These activities and programs shall be conducted within the enclosure itself and the prisoners shall not be taken out to mix with other prisoners. (8) A prisoner in a cell, who is of violent disposition, may be handcuffed before his cell is opened for search, inspection, etc. The handcuffs shall be removed when the cell is locked. (9) Gate of the enclosure shall always be kept locked and prisoners shall not be allowed to go out of the enclosure except for valid reasons. Any prisoner going out shall be accompanied by at least one guarding personnel. A register showing entries of every prisoner moving out of high security enclosure for any reason shall be maintained.

	;10द्ध स्वबो नेमक वित जीम ी पही े मबनतपजल मदबसवेनतम ैं सस इम पदजमतबींदहमक ं जिमत जीतमम उवदजीए वतas often as necessary. (11) Subject to provisions of these rules, the Director General in special circumstances may make a standard operating procedure for high security enclosure for any prison in the State.
Shifting of prisoners within and outside State.	**249.** (1) Prisoners of Category-1 (S1-Red) as prescribed in rule 45 may be shifted from one prison to another after every six months, by the order of Director General on receipt of request from Jail Superintendent to ensure safety and security of prison and to break any nexus that might develop between prisoners and others in the prison. (2) If any prisoner confined in high security enclosure or otherwise, commits frequent breach of prison rules, the Director General, with the approval of the State Government concerned, shall consider shifting such prisoner to any other state. The State Government may formulate an inter-state transfer Policy for prisoners of certain categories on reciprocal basis with the consent of the concerned State(s).

Power of Director General.	**CHAPTER 15** **TRANSFER OF PRISONERS** **250.** The Director General may transfer prisoners from one prison to another within the State: Provided that if an undertrial prisoner is transferred to a place outside the jurisdiction of the court concerned, the court shall be intimated of such transfer and arrangements shall be made to produce the prisoner before the trial court on every date of hearing either physically or through electronic means.
Grounds of transfer.	**251.** Prisoners in the following cases may, with the sanction of the Director General, be transferred from one prison to another within the State, namely: - (a) prisoners sentenced to a longer term of imprisonment than what the prisons to which जीमल ंतम बवउउपजजमकए ंतम ंनजीवतप्रमक जव कमजंपदय (b) prisoners whose transfer is necessary to prevent or relieve overcrowding; (c) young offender and female prisoners; (d) prisoner with special qualifications or skills, when their services are required elsewhere; (e) prisoners with influence in the district in which they are confined or who are of violent or dangerous character; (f) for custody and treatment in a suitable institution on medical grounds or otherwise; (g) or attendance in a court for trial or giving evidence; (h) on compensatory grounds in the interest of their rehabilitation; (i) any prisoner whose transfer in the opinion of the Director General is essential for better administration of the prison, discipline or security of the prison or prisoner(s).
Transfer of prisoners to or	**252.** (1) The Government may, with the consent of the Government of the receiving state, order

from other states.	for the removal of any prisoner whose confinement in a prison in the State is not in the public interest, and the unexpired portion of the actual sentence of the prisoner is more than three months at the time of considering the case. (2) The Government may also accept on transfer any prisoner from outside the state to a prison in the State in the public interest. If deemed necessary, the views of the Director General of Police and the Director General may be obtained before approving such transfer. (3) The remission and commutation rules of the convicting state shall apply to convicts transferred from outside the state. (4) In the case of an undertrial prisoner, the trial court shall be intimated of such transfer and arrangements shall be made to produce the prisoner before the trial Court on every date of hearing either physically or through electronic means.
Transfer of prisoners convicted in same case to different prisons.	**253.** Prisoners convicted in the same case may be transferred to different prisons if, in the opinion of the Director General, it is essential to do so in the interest of discipline and maintenance of order in the prison or for any other ground mentioned in rule 251.
Transfer of dangerous prisoners and gangsters.	**254.** The Superintendent may apply to the Director General for transfer of a dangerous or habitual prisoner or member of a criminal gang from the prison on the ground that the prisoner is familiar with the locality and surroundings because of the previous imprisonment or in the interest of discipline. The Director General may order the transfer of such prisoner after satisfying himself that sufficient reasons for transferring the prisoner exists.
Prisoners not to be transferred ordinarily.	**255.** No prisoner shall be transferred from the prison to which he was in the first instance committed, except as a measure to prevent or relieve over-crowding when other prisoners eligible for transfer are not available, or for some other equally important reason, if the prisoner : - (a) has not appealed and the limitation period for filing of appeal has not elapsed; (b) is confined in default of finding security; or (c) is confined in default of payment of fine.

Medical examination of prisoner prior to transfer.	**256.** No prisoner who is under medical treatment shall be transferred from one prison to another unless the medical officer certifies that the prisoner is free from any illness rendering him unfit for transfer.
Transfer of sick prisoners.	**257.** Sick prisoners may be transferred from one prison to another prison on the following grounds, namely:- (a) no prisoner who is sick shall be transferred except in the interest of his health; (b) when the medical officer believes that the transfer of a sick prisoner to another prison is likely to lead to his recovery, or will help in improving his health. In such cases, he shall forward a brief statement of

	the case to the Superintendent, mentioning the prison to which a transfer is desirable. The Superintendent shall thereafter submit the case to the Director General for his orders; (c) the Superintendent shall, on a requisition in writing from the medical officer, supply extra food, clothing and bedding to prisoners for such journeys. Medicines, with instructions for their use, shall if necessary, be supplied to the officer escorting such prisoner; (d) the medical officer shall be responsible to ensure that the medical case sheet of a prisoner is up to date at the time of his transfer.
Prisoners not to be transferred when epidemic prevails.	**258.** No prisoner shall, without the special sanction of the Director General, be transferred from one prison to another while any epidemic disease is prevalent in either the transferring or receiving prison वत नदजपस जीम कपेमंम ींे कपेंचचमंतमक वित ंज समंेज जूव ूममोण् ैचमबपंस चतमबंनजपवदे ेींसस इम जंामद जव हनंतकagainst infection when a transfer has to be made along a route where any disease of an infectious nature is known to prevail.
Prisoners not to be transferred unless they can be received.	**259.** No prisoner shall be transferred to another prison until it is ascertained from the Superintendent to which he is proposed to be transferred, that he shall be received.
Relatives of prisoner to be informed of transfer.	**260.** Whenever a prisoner is transferred from a prison, intimation of such transfer shall be sent to the family of the prisoner.
to be submitted.	**261.** With every application for sanction to transfer a prisoner, including when the transfer has been made in anticipation of the orders, a descriptive roll shall be submitted to the Director General. The reasons for requiring the transfer shall in all cases be stated.
Documents to accompany prisoner on transfer.	**262.** (1) At the time of transfer of prisoners, the following documents, with marking of page numbers on each document, shall be handed over to the officer in charge of escort to be delivered to the Superintendent of the receiving prison, namely :- (a) original warrant(s) of the prisoner including pending cases warrants; (b) available records in the prison related to the prisoner; (c) remission sheet and history-ticket; (d) medical papers and reports; (e) details of personal belongings of the prisoner (in triplicate); (f) list of clothing, bedding and other Government property sent with the prisoner (in triplicate); (g) copies of the orders of the court requiring the attendance of prisoners; (h) copy of the prison management application history-ticket showing all entries except interviews and canteen account.

	(2) The remission earned by the transferred prisoner up to the end of the preceding month shall be endorsed on his history-ticket and the warrant, and the entries shall be signed by the Superintendent. It shall be the responsibility of the Deputy Superintendent (Administration) to record the above-mentioned information duly and correctly, to ensure that all documents to accompany the prisoners are correctly sent and acknowledgement received.

Details to be provided to officer in charge of escort.	**263.** The Superintendent shall also furnish to the officer in-charge of the escort a memorandum showing the number of prisoners being transferred, their state of health and the date of transfer. He shall also send all these details to the Superintendent of the receiving prison, alongwith the probable date of their arrival, well in advance**.**
Precautionary measures.	**264.** (1) As a precautionary measure, the complete details of the following types of prisoners shall always be supplied to the escorting party before they are handed over to the police by the Superintendent of the transferring prison, namely, - (a) prisoners with a sentence of five years or more; (b) high-risk prisoners; (c) prisoners involved in heinous offences; (d) prisoners whose conduct in prison is not satisfactory; or (e) any other prisoner whose details in the opinion of the Superintendent are required to be shared with the escort party. (2) The District Magistrate and Superintendent of Police concerned shall be informed in advance when a prisoner likely to attract public attention or cause unrest is being transferred
Action when a transfer order cannot be carried out.	**265.** When an order received for the transfer of any prisoner cannot be given effect to owing to illness, release on appeal or other cause, the descriptive roll of the prisoner on which sanction for the transfer was conveyed, shall be returned to the Director General with an endorsement showing the reason why the order was not given effect to.
Prison official to accompany prisoners.	**266.** (1) A prison official shall accompany prisoners on transfer when their number exceeds twenty. The Government property, documents and personal effects sent with the prisoners shall be in his charge. (2) The Deputy Superintendent (Administration) shall satisfy himself before the prisoner leaves the prison that all necessary arrangements have been made to provide them with the means of water supply, food, etc. while en route, and that the prison officials understand their duties in this connection.

Notice of intended dispatch to be sent to police.	**267.** Notice of the intended transfer of prisoners or the production of prisoners before a court shall be given in writing to the police officer designated by the Superintendent of Police for the purpose, at least twenty-four hours before the guard is required. Intimation shall be given earlier, whenever possible. Requisitions for an escort guard shall state the number of prisoners to be guarded along with offences committed by them and other relevant details, namely, whether male or female, Indian or foreign and whether there are any lifer or high-risk prisoner(s) amongst them.
Police escort.	**268.** (1) Upon receipt of intimation from the Superintendent for providing a police escort for the transfer or as the case may be, the production of prisoners, the designated police officer for the purpose shall cause adequate police guard and suitable transport to be provided for the safe and timely transfer of prisoners, according to the police regulations in force from time to time. It shall be his responsibility to ensure that the police guard reports at the prison gate, well in time. (2) The designated police officer as above shall ensure that sufficient security measures are put in place for the safe custody of high-risk prisoners during their transfer, court appearance or hospital visit. (3) Female police officials shall accompany female prisoners. Female prisoners shall be provided with conveyance as far as practicable and shall travel during the daylight. **NOTE.-** District Police within whose jurisdiction the prison is situated shall be responsible for providing escort and for the safe custody of the prisoner till he is re-admitted to the prison.
Superintendent to issue transfer order and certify details on warrant.	**269.** The Superintendent shall, before transferring a prisoner, verify all the entries regarding him on the warrant and certify on the back of the warrant, the number and date of the order directing the transfer, the date of transfer and the prison to which the prisoner is being sent.

Duty of Superintendent concerning prisoners to be sent to Court.	**270.** Upon receipt of the court order for production of a prisoner, the Superintendent of the prison in which the prisoner named therein is confined, subject to the provisions of rule 268 above, shall cause him to be taken to the court in which his attendance is required, to be present in such court at the time mentioned in such order, and shall cause him to be detained in custody in or near the court until he has इममद मगंउपदमक वत नदजपस जीम श्रनकहम वत जीम चतमेपकपदह वा िपबमत व ि जीम बवनतज ंनजीवतप्रमे ीपउ जव इम जंामद इंबाto the prison in which he was confined.
Diet of prisoners during transit.	**271.** (1) The Director General shall, from time to time, fix the scale of diet for prisoners during transit. Where the court in which the prisoner is to be produced is situated at the same station as the prison where the prisoner is lodged or at such distance from where he may be lodged back in the prison before evening meal on the same day, the Superintendent shall supply meals of cooked rations as nearly as possible as per scale before the commencement of the journey and the officer in charge of the escort shall ensure that prisoners receive the food in a timely manner.

	(2) When the court as aforesaid is situated at such distance from where the prisoner may not be lodged back in prison before evening meal on the same day, the Superintendent shall pay to the officer in charge of the police escort an allowance for each prisoner at the rate to be specified by the Director General from time to time for the purchase of food during transfer. All advances for subsistence allowance or contingent requirements shall be accounted for by the officer to whom the money is entrusted.
Adjustment of expenses of travelling.	**272.** Except for the escort guard and transport which shall be provided by the police, all other expenses connected with the transfer of prisoners shall be borne by the prison department.
Classes to be kept separate during transfer.	**273.** Female prisoners shall, when on transfer, be kept completely apart from male prisoners; and juveniles shall be kept separate from adult prisoners. Transgender prisoners shall also be kept separate as per the guidelines of the Government from time to time. Segregation of all other classes shall be maintained as far as practicable.
Outside communication during transit.	**274.** The officer in charge of escort shall see that the prisoners do not communicate with outsiders and have no opportunity of obtaining prohibited articles or money from their friends or relatives while in transit. During transit, the prisoners shall be searched daily and shall not be allowed to handle any cash, jewellery or other private property, except his private clothing.
Prisoners to be searched before transfer.	**275.** (1) When prisoners are about to be transferred, they shall be paraded inside the prison, and the Superintendent shall satisfy himself that the clothing and bedding of each prisoner are in good order and proper quantity. (2) They shall be carefully searched in the presence of the Deputy Superintendent (Security) and of the officer in charge of the police escort, from whom a receipt shall be taken for the prisoner's property and documents made over to him. Female prisoners shall be searched by female staff.
Intimation to be sent on dispatch of prisoners.	**276.** Immediately on the departure of the prisoners, the Superintendent shall send intimation to the Superintendent of the prison to which they are proceeding announcing the number of prisoners and the date and hour of their dispatch.
Time of arrival of prisoners.	**277.** Prisoners shall be dispatched so as to reach the prison to which they are being transferred between the hours of opening the wards in the morning and lock-up. As far as possible, their dispatch shall be timed so that they shall not arrive on a prison holiday except Sunday.
Duties of warder or police officer in charge of prisoners.	**278.** (1) The presence of a warder with prisoners on transfer shall in no degree affect the responsibility of the police officer charged with their escort and safe custody. Following shall be the duties of the warder, namely :- (a) to provide the daily rations required, arrange when necessary for the cooking of the same, and see that the prisoners are plentifully supplied with drinking water;

	(b) to preserve carefully and be responsible for the safe custody and safe delivery of the documents and property of all sorts sent with the prisoners; (c) to return safely to the prison from which the group was dispatched, the clothing and other government property sent with the prisoners;

	(d) to take receipts from the Deputy Superintendent (Administration)/duty officer of the receiving prison for the prisoner's property and documents made over; (e) to use every endeavour to secure the immunity of the prisoners from sickness and injury; (f) to get information from the Station Master of important stations on the route in advance of any requirements in the way of water, food, etc, that may be needed on the journey; and (g) जव ंससवू वदसल ंनजीवतप्रमक विवक कनतपदह जीम रवनतदमलण् (2) When prisoners are not accompanied by a warder, these additional duties devolve on the officer in charge of the police escort, who shall see that handcuffs, if imposed, are removed from a prisoner while he is eating, drinking or going to the latrine, provided that the number without handcuffs at any one time shall not exceed one-half of the number of constables in the escort.
Documents to be examined.	**279.** On the arrival of prisoners at their destination, all documents shall be carefully examined, and the list of property, both government and private, compared with the property received and the necessary receipts furnished.
Prisoner falling sick in transit.	**280.** (1) Prisoners who fall sick in transit shall not be attached to other prisoners, but shall be allowed, while they remain sick, to travel separately. If during transit a prisoner becomes so ill as to be unable to continue his journey, he shall be taken to the nearest hospital, or to any place where there is a public dispensary, or to the nearest prison for treatment by a medical officer. A report of the circumstances shall immediately be made to the Superintendent of the transferring prison and of the prison to which the prisoner was being moved. (2) The Superintendent to which a sick prisoner in transit is taken, shall receive and detain him until he is well enough to proceed to his destination. The warrant and all papers connected with the prisoner shall be made over to the Superintendent of the prison at which he is detained, and a note of the circumstances of detention shall be made upon his history ticket. On recovery, he shall be forwarded to his destination with his papers, and a report of the dispatch of the prisoner shall be sent to the prison to which he is to be consigned and to the Director General. In the case of death, the facts and the date shall be noted on his warrant, which along with other papers and property accompanying him shall be returned to the prison from where he came.

Death of prisoner before he can be received in any prison.	**281.** If a prisoner dies while in transit and before he can be received in any prison en route, the officer in charge of the police escort shall report the fact to the Superintendent from where he was dispatched. The Superintendent in turn shall immediately inform the District and Sessions Judge of the district where the death has taken place for the institution of inquest proceedings by a Judicial Magistrate as per Section 176 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974). The Superintendent of the transferring prison shall also inform the deceased prisoner's relatives, the State Government, and the National and State Human Rights Commission of the death of the prisoner, as per law.
Escape in route.	**282.** If an escape occurs in route, an intimation of the same shall be given as soon as possible to the nearest police control room on the police emergency helpline number with a view to ensure his re-capture. The Superintendent of the prison from where the prisoner came and the Superintendent of the receiving prison who was to receive him, shall also be informed. If he is not immediately re-captured, his property, warrant and other documents shall be returned to the prison from where he was dispatched.
Recapture of a prisoner who escapes on a transfer.	**283.** A report of the recapture of an escaped prisoner shall be sent to the Director General, who shall decide where the escape prisoners be lodged.
Receipt of prisoner, Government Property.	**284.** The Superintendent or Deputy Superintendent (Administration) of the receiving prison shall duly acknowledge the receipt of the prisoners and of the documents and property relating to them which is detained by him. The receipt shall be made over to the police and simultaneous intimation shall be sent to the dispatching prison. Articles of clothing and other government property sent with the prisoner shall be taken over in the account of the receiving prison. Property so detained shall be accounted for in the registers of both the prisons and in the indents for such articles subsequently submitted.

prisoner's item.	**285.** On the transfer of a prisoner, the Deputy Superintendent (Administration) of the dispatching prison shall get a list of the prisoner's item prepared in triplicate, as entered in the prisoner register, and obtain the signature of the officer in charge of the escort for the item on the counterfoil, as a token of receipt. The duplicate and triplicate forms, the former signed by the Deputy Superintendent (Administration) of the dispatching prison, together with the item, shall be given to the Officer in charge of the escort to be handed over to the receiving prison, where the duplicate list shall be retained and filed. The triplicate shall be signed by the Deputy Superintendent (Administration) of the receiving prison and handed over to the officer in charge of the escort.
item is missing.	**286.** If it is found on the arrival of the prisoner at their destination that the item received does not correspond with the list, immediate notice of the fact shall be given to the Superintendent of the dispatching prison, who shall institute an enquiry into the matter.
Procedure on arrival of prisoner at the receiving prison.	**287.** The Deputy Superintendent (Administration) of the receiving prison shall count the number of prisoners received and verify the number from that shown in the memorandum. If any prisoner is missing, he shall ascertain the cause from the officer in charge of the escort and record the fact on the receipt to be given to the officer in charge of the escort and also report it to the Superintendent.

Detailed account of funds entrusted.	**288.** The Deputy Superintendent (Administration) shall also receive from the officer in charge of the escort a detailed account of the funds entrusted to him, and after examining it, he shall take over any balance that may be due and record it.
In case of any discrepancy.	**289.** If in case any discrepancy is noted in the documents and physical articles, the information to this effect shall be given to the Superintendent of transferring prison who shall ensure necessary action in this regard.
Regarding treatment during transit.	**290.** The Deputy Superintendent (Administration) shall question the prisoners as to their treatment en route, the halts made and whether they received their meals. Any statement to the contrary, or complaints made shall be noted on the receipt to be given to the officer in charge of the escort and reported to the Superintendent.
Neglect of duty on part of officer in-charge of escort.	**291.** If any breach or neglect of duty on the part of the officer in charge of escort is noticed, the Superintendent of the dispatching or the receiving prison, as the case may be, shall send a report to the Director General and the Superintendent of Police of the district concerned.
Utilisation of services of escort for dispatching prisoners from receiving prison.	**292.** Before dismissing the escort, the Superintendent of the receiving prison shall see whether any other prisoner(s) have to be transferred to the prison of the district whence it came or to any other prison en route and if there are, he shall deliver to the escort with all necessary documents and procedures prescribed in these rules so many of the prisoners as the strength of the escort is sufficient to guard.
Rolls of all prisoners who have been convicted for escape.	**293.** The rolls of all prisoners who have been convicted for escape from lawful custody shall be submitted, by all Superintendents, to the Director General for sanction of their transfer to any other suitable prison, and an entry in red ink under the name of each prisoner shall be made stating therein "escaped from police", or "escaped from prison", as the case may be.

Report of death to be made.	**CHAPTER 16** **DEATH IN PRISONS** **294.** In case of death of any prisoner, a report shall forthwith be made to the District and Sessions Judge (within whose jurisdiction the death has occurred), and Police Station (within the jurisdiction of which the prison is situated) for taking necessary action under relevant provisions of the Code of Criminal

	Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) as also the guidelines issued by the National Human Rights Commission and other authorities concerned from time to time.
Procedure when death occurs.	**295.** (1) Whenever a death takes place in a prison, immediate notice shall be sent to the Superintendent and the Medical Officer. (2) On the occurrence of death of a prisoner, the body shall, if life is extinct, be left in the position in which it was found until the arrival of the Medical Officer, police, and the Judicial Magistrate, and scene of occurrence shall not be tampered with: Provided that if it is not certain that death has taken place, measures shall be taken at once for providing first-aid to the prisoner and his treatment and revival. The prison staff shall make best efforts to provide quick and best health assistance to the prisoner as per the circumstances. (3) In the case of a prisoner found suspended by a rope made of cloth or any other material, in an attempt to commit suicide, and if there is reason to believe that he may still be alive, the body shall be raised at once to relieve pressure and shall be laid gently on the ground. All measures shall be taken to restore consciousness, without waiting for any assistance, however the assistance shall nonetheless be called for without delay.
Duties of medical officers in event of death of prisoners.	**296.** On the death of any prisoner, the medical officer shall forthwith record in the medical officer (in-charge) journal the following particulars, so far as they can be ascertained, namely :- (a) day on which the deceased first complained of illness or was observed to be ill; (b) labour, if any, on which he was engaged on that day; (c) scale of his diet on that day; (d) day on which he was admitted to hospital; (e) day on which the medical officer was first informed of the illness; (f) nature of the disease; (g) when the deceased was last seen before his death by the medical officer; (h) when the prisoner died; (i) physical examination of the dead body for any unusual appearance; (j) his opinion on probable cause of death; and (k) any other record information as per the directions of the Superintendent.
Detailed report to be made to National Human Rights Commission and Director General.	**297.** The Superintendent, in every instance in which an inquest has been held on the body of any deceased prisoner confined in the prison, shall submit a detailed report of the circumstances of each such case along with a copy of the findings of the Judicial Magistrate who conducted the inquest, to the National Human Rights Commission, the State Human Rights Commission, the Director General and all other authorities concerned.
Post mortem how conducted.	**298.** The post mortem shall be done as per guidelines of the National Human Rights Commission and shall be video-filmed. A copy of the post-mortem report clearly stating the cause of death, along with video recording and other relevant documents shall be submitted to the Superintendent and all other authorities mandated by the Government. **NOTE. -** The cost of videography and other relevant expenses shall be borne by the Department.

Precautions for preventing suicides or murder.	**299.** Care shall be taken to ensure that articles which can be used to commit suicide or murder are not allowed to lie around within the prison premises. Knives and other tools used in the work sheds, barber-shop, tailor shop, kitchen, and canteen shall be counted and locked up by the warders at the close of work. Poisonous drugs including phenyl shall on no account be left within the reach of the prisoners.
Precautions against prisoners with apparently suicidal tendencies.	**300.** Prisoners with apparent suicidal tendencies shall be carefully watched and not left alone in a cell. Such prisoners shall also be referred to a counselor.

CHAPTER 17

UNDERTRIAL PRISONERS

301.	(1)	The court or the investigating officer concerned shall send intimation to the prison

Approvers.

authorities about under trial prisoners who have turned approver or have made a confession.

(2) When an under trial prisoner makes a confession or turns approver, he shall be kept separate and prevented from communicating with other under trial prisoners in the same case. Care must be taken, however, that they are not kept in solitary confinement.

(3) In cases in which after a confession has been recorded and no intimation has been received from the Magistrate or the investigating officer that separate confinement is no longer necessary, the Superintendent may seek the orders of the Court concerned or inputs from the investigating officer as the case may be, as to the approver's separate confinement.

Special directions of courts.

302. Any special direction as to the separation of an undertrial prisoner given by the Court or the competent authority concerned shall be complied with. However, due care shall be taken to ensure that such separation is not beyond what is necessary to secure the object in view, namely, to prevent him from communicating directly or indirectly with other prisoners concerned in the same or other case.

Identification for court purposes.

303. (1)Undertrial prisoners to be identified for investigation shall not be allowed to cut or shave their hair on their heads or faces or in any way to alter their appearance, to aid in identification. They shall not, however, be prevented from changing their clothes, provided that their appearance is not materially altered when they are presented for identification.

The investigating officer shall give intimation to the prison authorities of cases in which identification of any under trial prisoner is to be carried out along with a full description of his appearance which he had at the time of the arrest.

	The test of identification parade shall be held in presence of the Judicial Magistrate concerned and may also be held online.
duty of officer concerning previous convictions.	**304.** (1) It is the duty of every prison officer or convict officer if it comes to his knowledge that an undertrial prisoner has been previously convicted, to report such information to the Superintendent, and the same shall be entered in the record after due verification. (2) The local police shall also be responsible for conveying to prison authorities details of the criminal past or any cases already registered against the under trial prisoner when he is first brought to prison.
additional cases.	**305.** When additional case(s) are pending against a prisoner, the following action shall be taken, namely :- (a) entries of each additional case shall be made in red ink on the remand warrant as well as in the appropriate columns of under trial register and the Court diary; (b) Superintendent shall send intimation to the court concerned, giving details of all other pending cases along with the status of the prisoner's custody in each case: Provided that the Superintendent may seek details of pending cases against any prisoner from any court along with the status of his custody in each case.
Undertrial section.	**306.** The work pertaining to under trial prisoners shall be the responsibility of the in charge undertrial section, under the overall guidance and supervision of the Deputy Superintendent (Administration).
Work.	**307.** (1) An undertrial prisoner shall not be compelled to labour except by way of punishment. (2) In case any under trial prisoner submits a written request to work, he may be allotted work according to his work experience and skills, as in the case of convicts, and shall be paid the wages as specified for it.
Daily routine for under trial prisoners.	**308.** (1) The undertrial prisoner shall participate in morning physical training and drill, meditation, prayer, yoga, educational classes, newspaper /magazine reading, social education, sports, vocational training, cleaning of the ward, cells or the yard and kitchen work as part of their daily routine. Any refusal to participate in these activities shall be regarded as willful disobedience liable to be punished as per these rules. (2) Head warder or the warder in charge of under trial prisoners shall be responsible for the participation of under trial prisoners in all daily routine activities.

Attendance of prisoner before the court.	**309.** (1) Prisoners may be produced before the Court in person or through electronic means. Necessary infrastructure and manpower for the production or trial of under trial prisoners through electronic means, as per law and guidelines on the subject, shall be established in every prison. (2) For this purpose, a Court diary shall be maintained in which all relevant entries of production before various Courts shall be made. These entries shall be made daily by the officials concerned and signed by the in charge undertrial section. (3) The names of all prisoners to be produced each day before the Magistrate must be entered in the Court diary by the officer designated as Court officer, whose duty shall be to ensure the punctual attendance of prisoners in the Court on the day fixed. The Court Officer so designated shall place the diary before the Deputy Superintendent (Administration) along with their warrants and obtain written acknowledgement for production of prisoners before the court concerned. The Deputy Superintendent (Administration) or any other officer so designated on this behalf shall also initial in this diary, the entry of the name of every prisoner received from the court either on remand or conviction. (4) Based on the Court diary, requisition for police escort shall be sent to the police officer designated by the District Superintendent of Police for this purpose, sufficiently in advance. The police officer so designated shall be responsible to provide the police escort along with transport for the production of the prisoners as per the rules
Belongings of under trial prisoners.	**310.** (1) Money or other property found on the person or belonging to an undertrial prisoner, other than necessary wearing apparel, shall be taken charge of by the Naib Court, who is required to enter on the back of the prisoner's warrant, a list of all such articles. In the case of a prisoner sentenced to imprisonment, the articles shall be forwarded to the prison to which he is committed. (2) A request of any prisoner to return the money belonging to him and lying with the prison authorities or part thereof, to enable him to pay for legal assistance, may be allowed and a receipt shall be taken from the prisoner. As and when the prisoner is released, his money shall be returned to him together with other property under proper receipt. Articles of clothing brought to prison by an undertrial prisoner shall be entered into the appropriate column of Register No. 1 (3) Excepting the clothes on his person, the papers of his case, the eatables and the drinking water provided by the prison authorities, the undertrial prisoner shall not be allowed to keep any other articles with him during transit for court production (4) The police escort shall not allow any eatables from outside or prohibited articles to be delivered to the undertrial prisoners during their journey to and from the court or on the court premises. (5) On return of an undertrial prisoner from the court, if any prohibited article is found or any irregularity is noted by the prison officer on duty, he shall forthwith report the matter to the senior officer on duty and if necessary, to the District Superintendent to Police for appropriate action. (6) When the presence of an undertrial prisoner confined in a prison is required in another case in which he is on bail, the court concerned shall duly intimate the prison authorities (7) If an under trial prisoner is released from the Court, he shall claim his personal property, if any, from the prison authorities within three months, failing which the same shall be disposed off as prescribed in rule 63.

Handcuffing.	**311.** (1) Handcuffing shall be resorted to, with the prior permission of the Court, when there is a reason for suspecting that a prisoner is likely to escape from custody or is prone to violence and is likely to cause harm to others or himself. The Superintendent shall consider the case of each prisoner on merit and decide whether he is a person who having regard to his circumstances, general conduct, behaviour or character is likely to attempt escape or disturb the peace by becoming violent. In all such cases, he shall apply to the Court for permission to handcuff the prisoner (2) The following categories of undertrial prisoners shall be handcuffed during transit or production with the prior permission of the Court, namely :- (a) prisoners who have previously escaped or attempted to escape; (b) violent, aggressive and refractory prisoners who are likely to cause harm to others or themselves; (c) prisoners involved in serious and violent offences; or (d) prisoners having notorious or dangerous background.

Search of under trial prisoners.	**312.** All undertrial prisoners shall be searched thoroughly at the time of admission, while taking them to the court and at the time of re-admission.
Notice of discharge or release on bail.	**313.** (1) When an under trial prisoner is discharged or released from the Court, an endorsement to that effect shall be made by the Court in the prescribed form. On receipt of such intimation, entries in the appropriate columns of the under trial register shall be made. (2) If an undertrial prisoner is discharged in court or released on bail while attending court and a notification of the fact is not received the same day, the Superintendent shall, without delay call the attention of the court to the matter. On receipt of such intimation, entries in the appropriate columns of the undertrial prisoner admission register shall be made.
Release from prison.	**314.** (1) On receipt of a release warrant or Court order directing the release of an undertrial prisoner, he shall be released as soon as possible. Before releasing an undertrial prisoner, the Superintendent or the Deputy Superintendent (Administration) shall ensure the following, namely :- (a) scrutiny of bail orders or release orders with relevant original papers and records; (b) informing the prisoner of the contents of the bail order; (c) checking whether any other case is pending against the under trial prisoner in which he is in custody; (d) checking the identity of the undertrial prisoner; (e) handing over personal belonging and cash to the prisoner; and

	(f) recording of weight on release in the under trial prisoner admission register. (2) After release, the warrant of detention and bail bonds shall be duly returned to the Court concerned along with an endorsement of release by the Superintendent.
Monthly list to be sent to the District and Sessions Judge.	**315.** The Superintendent shall submit to the District and Sessions Judge a list every month, giving the names and other particulars in the prescribed form, of all undertrial prisoners who are charged with offences which stipulate maximum imprisonment up to seven years and have been detained in prison for more than fourteen days since their first admission.
Cases of prisoners held for bailable offences.	**316.** The Superintendent shall submit to the District and Sessions Judge a list every month, giving the names and other particulars in the prescribed form, of all undertrial prisoners who were admitted for bailable offences in the previous week.
Serious Illness of an undertrial prisoner.	**317.** (1) Whenever an undertrial prisoner is seriously ill, the Superintendent shall report the circumstances to the Court concerned, along with the medical report so that, if the law permits and the ब्वनतज जीपदो चतवचमतए जीम चतपेवदमत उंल इम तमसमंे मक वद इंपसण् (2) If an undertrial prisoner is too sick to attend the Court and the medical officer certifies the prisoner's inability to do so, he shall not be produced before the court. In such an event, the medical certificate shall be forwarded to the Court with a request to issue a fresh warrant for the next date of hearing.
Transfer to an outside Hospital.	**318.** (1) When the prison medical officer recommends that in the interest of the health of an undertrial prisoner, he shall be transferred to a suitable government medical facility outside the prison, the Superintendent may send him to such institute under police escort (2) A permanent police escort for the purpose shall be deputed at the prison by the district police.
Under trial review committee.	**319.** An under trial review committee consisting of the District & Sessions Judge as Chairperson, the District Magistrate, the District Superintendent of Police, the Secretary, District Legal Service Authority and the Superintendent as members, shall identify under-trial prisoners who have completed half of the maximum period of imprisonment provided for the said offence under the law.
Conducting of Courts in prisons in petty offences.	**320.** To dispose of the cases of under-trial prisoners involved in petty offences, Courts may be conducted in the prison premises on the orders of the High court or the District and Sessions Judge.

Cross-references in	**321.** If an under trial prisoner is being tried in more than one case, a cross-reference, signed and dated by the Deputy Superintendent (Administration), shall be made on the back of each warrant in

cases of prisoners on trial in more than one case.	red ink in the following form:- "Another case pending. Not to be released from Court".
Certain under trial prisoners not to be Interviewed.	**322.** Order of the court or the District Magistrate to the effect that a particular under trial prisoner shall not be allowed to be interviewed, by any person including official or non-official visitors, shall be strictly complied with and intending interviewers informed of such orders.
Early return of undertrial prisoners from Courts.	**323.** Undertrial prisoners shall not ordinarily be kept in Courts so late as to necessitate their admission to the prison or the lock-up after locking-up time. The Superintendent shall draw the attention of the District and Sessions Judge, Chief Judicial Magistrate and the Superintendent of Police to any instances in which this rule has not been observed. As soon as the Court work is over, such undertrial prisoners who have been remanded to judicial custody shall be brought back to the prison immediately.
Production of under trial prisoners in other states.	**324.** When an under trial prisoner is required to be sent to another state for trial, the state from where the under trial prisoner is to be sent shall arrange for the escort. The dispatching state shall bear the travel and all other incidental expenses.
Production of under trial prisoners before a Court in civil suit proceedings.	**325.** Unless ordered by the District and Sessions Judge, no under trial prisoner shall be produced before a Court for civil suit proceedings.
Police Interrogation.	**326.** No police officer below the rank of the inspector shall be allowed to interrogate an under trial चतपेवदमत नदसमे ंनजीवतप्रमक इल जीम ब्वनतजरू Provided that such interrogation shall be held within the sight of a prison officer, not below the rank of Sub-Assistant Superintendent.

Convicts required to perform routine activities.	**CHAPTER 18** **CONVICTS SENTENCED TO SIMPLE IMPRISONMENT** **327.** A convict sentenced to simple imprisonment, who does not elect to labour, shall not have the option to opt-out of daily routine activities like morning exercise, yoga, parade, educational and skill development programs as specified from time to time.
Labour to convicts sentenced to simple imprisonment.	**328.** (1) A convict sentenced to simple imprisonment shall not be compelled to labour except by way of punishment, as prescribed in these rules. (2) Provisions shall be made by the Superintendent for the employment (if they so desire) of

	all convicts sentenced to simple imprisonment (3) Every prisoner sentenced to undergo simple imprisonment, who opts in writing to do labour, shall ordinarily be employed on a labour of a kind that is most suitable for him and for which he is, for the time being, fit. He shall be entitled to wages for such labour at such rates, as may be specified by the Government. (4) If, he expresses a desire in writing at any time to cease work, he shall be permitted to do so.
Remission to convicts sentenced to simple imprisonment.	**329.** (1) Prisoners sentenced to simple imprisonment of three months or more shall be eligible for earning ordinary remission. The scale of remission and the procedure to award remission shall be such as specified in these rules. (2) Prisoners sentenced to simple imprisonment shall also be eligible for earning special remission as per the provisions of these rules.

Civil prisoners to be confined in civil prison.	**CHAPTER 19** **CIVIL PRISONERS** **330.** Every civil prisoner shall ordinarily be confined in the civil Prison. In case there is no civil prison or the accommodation provided in the civil prison is inadequate or unsuitable, the civil prisoner may be detained in a portion of the criminal prison specially set apart for use as a ward for such prisoners.
Officers and visitors of a civil prison.	**331.** (1) Wherever there is a civil prison and also a prison for criminal prisoners, the civil prison shall be under the control and management of the Superintendent and other officers of the criminal prison, and shall be administered as if it formed an integral part thereof. (2) Visitors appointed to a prison established at any place for the confinement of criminal prisoners, shall be deemed to be visitors also of any civil prison established at the same place.
Subsistence allowance.	**332.** The Government shall, on a proposal from the Director General, specify the scale of subsistence allowance from time to time. The subsistence allowance, if no scale is specified by the Government, shall be one hundred rupees per day.
Monthly allowance fixed by the Court to whom to be paid.	**333.** (1) Where a judgment-debtor is committed to a civil prison in execution of a decree, the Court shall fix for his subsistence such monthly allowance as fixed under rule 332. (2) The monthly allowance fixed shall be paid by the party on whose application the judgment-debtor has been arrested, by monthly payments in advance before the first day of each month.

	(3) The first payment shall be made to the proper officer of the court for such portion of the current month as remains unexpired before the judgment debtor is committed to civil prison and the subsequent payment (if any) shall be made to the officer in charge of the civil prison. (4) Sums disbursed by the decree-holder for the subsistence of the judgment-debtor in civil prison shall be deemed to be costs in the suit. **NOTE.-** The monthly allowance under sub-rule (2) shall when received by the prison, be credited into the Government treasury and the Treasury receipt shall be attached to the detailed contingent bill for the month. The amount so credited shall be drawn on an abstract bill when required. Amounts disbursed on behalf of judgment-debtor in respect of supplies from stock, purchase from bazaar, and balances paid to the decree-holder, shall be recorded in the relevant register and shown in voucher attached to the detailed contingent bill for the month under head miscellaneous dietary charges. The total amount thus shown shall of the same amount as in the treasury receipt and in case of a difference, if any, reasons be explained.
Expenses of medicine of civil prisoner.	**334.** In the event of civil prisoner falling sick, expenses of his treatment shall be borne by the decree holder. However in case of emergency, it may be borne by the Government.
Detention and release of Judgment debtor.	**335.** (1) Every person detained in the civil prison in execution of a decree shall be released from such detention before the expiration of the specified period in the following cases, namely :- (a) on the amount mentioned in the warrant for his detention, being paid by him to the Officer in charge of the civil prison; (b) on the decree against him being otherwise fully satisfied; (c) on the request of the person on whose application he has been so detained; or (d) on the omission by the person on whose application he has been so detained to pay subsistence allowance: Provided that he shall not be released from such detention under (b) or (c) of this rule without the order of the court. **NOTE.-** If the judgment-creditor omits to pay the allowance vide clause (d), the prisoner shall be released on the morning of the day for which no allowance is paid (2) Every person detained in the civil prison in execution of a decree shall be released on completion of detention period.

Charge for additional requirements of civil prisoners.	**336.** If any extra articles of diet are ordered by the Medical Officer for a civil prisoner, on medical grounds, any excess expenditure over and above shall be met by the daily subsistence allowance to be paid by the Government.

Release on ground of illness.	**337.** (1) At any time after a warrant for the arrest of a judgment-debtor has been issued, the court may cancel it on the ground of his serious illness. (2) Where a judgment-debtor has been arrested, the court may release him, if in its opinion he is not in a fit state of health to be detained in the civil prison. (3) Where a judgment-debtor has been committed to the civil prison, he may be released therefrom, - (a) by the Government, on the ground of the existence of any infections or contagious disease, or (b) by the committing court or any court to which that court is subordinate, on the ground of his suffering from any serious illness. (4) A Judgment-debtor released under this rule may be re-arrested, but the period of his detention in the civil prison shall not in the aggregate exceed that specified by section 58 of the Code of Civil Procedure Code, 1908 (Central Act 45 of 1908).
Disposal of balance of subsistence allowance on release.	**338.** When a civil prisoner has been released, the balance, if any, of subsistence allowance in the Government Treasury, shall if received from a civil court officer, be returned to the court, but if received from the decree-holder, it shall be paid to him in case he applies for the same within a period of one year.
Labour to civil prisoners.	**339.** (1) Civil prisoners shall not be compelled to labour except by way of punishment as prescribed in these rules. (2) Civil prisoner who opts in writing to do labour, shall ordinarily be employed on labour of a kind that is most suitable for him and for which he is, for the time being, fit. He shall be entitled to wages for such labour at such rates as may be prescribed by the Government. (3) If he expresses a desire in writing at any time to cease work, he shall be permitted to do so.
Application of these rules.	**340.** All other provisions of these rules, when not at variance with the provisions of this Chapter, shall apply to civil prisoners as well.

Establishment of female prisons.	**CHAPTER 20** **FEMALE PRISONERS AND CHILDREN** **341.** (1) There shall be such number of separate prisons for female prisoners as the Government may determine from time to time. Till the time such separate prisons are established, the female prisoners shall be lodged in separate enclosures or buildings or separate parts of the same building, in such manner as to prevent their seeing or conversing, or holding any interaction with the male prisoners.

	(2) All duties in the female enclosure shall be performed by female staff. Further, as far as practicable, all the matters of the female prisoners shall be dealt with by female staff only. (3) Senior-most female officer, not below the rank of Assistant Superintendent, shall be the overall in charge of the female enclosure.
Facilities in female enclosure.	**342.** (1) The enclosures for female prisoners shall have all the requisite facilities with reference to their special needs such as security, segregation, pregnancy, health care, child care, family, etc. (2) The work and treatment programs for female inmates shall be devised, giving due consideration to their special needs and they shall be granted equal access to work, vocational training, and education as male prisoners.
and separation.	**343.** Female prisoners shall be classified and kept separate as per rule 45 applicable to the male prisoners.
Training of staff for gender-sensitivity.	**344.** Where adequate female staff is not available to discharge duties with respect to female prisoners, the staff assigned to work with female prisoners shall receive training relating to their हमदकमत.ेचमबपपिब दममके ंदक ीनउंद तपहीजेण् ज्ीमल ेींसस इम ेमदेपजप्रमक ंहंपदेज ेमगनंस उपेबवदकनबज ंदकdiscrimination. Such staff shall also be trained on child development and healthcare to respond appropriately in times of need and emergencies, to deal with situations and instances where a female inmate may feel particularly distressed, to be sensitive to their situation, and ensure that they are provided appropriate support.
When a female prisoner is the only occupant of ward.	**345.** If there is only one female prisoner in any prison, arrangement shall be made for a female warder to remain with her by day and night. The Superintendent may take orders of the Director General for her transfer to any other prison.
Registration of birth in prison.	**346.** Birth in prison shall be registered at the local birth registration office. Due care shall be taken that prison is not recorded as the place of birth, even though the birth has taken place there, and only the address of the locality shall be mentioned. As far as the circumstances permit, the Deputy Superintendent (Administration) shall ensure that the child is born in the district hospital and all facilities for performing the naming rites of the child are extended to the mother.
Children of female prisoners, crèche and recreational facilities.	**347.** (1) Children up to six years of age shall be allowed to remain with their mothers or female guardians in the prison, if, there is no other arrangement for keeping them with relatives or otherwise : Provided that on the request of the mother or the guardian, as the case may be, and with the consent of the child, the Superintendent may, in the best interest of the child, allow him to remain in the prison with his mother or the female guardian, as the case may be, up to the age of eight years. (2) Personal details of the children of female prisoners admitted to the prison shall be recorded at the time of admission. The record shall include the name, age, and gender of the child. A similar record of children of female prisoners, who are not lodged with them including their whereabouts, shall also be kept:

	Provided that information relating to the child's identity shall be kept confidential, and the use of such information shall always be guided by the best interest of the child. (3) Children above the age specified in sub-rule (1) above shall be handed over to a close relative with the consent of the female prisoner or placed in a Child Care Institution registered under the provisions of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 (Central Act 2of 2016) on the orders of the Child Welfare Committee. Such child shall be kept in Child Care Institution until the mother is released or the child attains the age of eighteen years, whichever is earlier. For the purpose of determination of the age of the child, the procedure specified under the provisions of the

	Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 (Central Act 2of 2016) shall be followed. Arrangements may be made for a meeting of the female prisoners with their children once in a fortnight or oftener. (4) Visiting children shall be allowed to meet freely with their mothers and the visits shall take place in an environment that is conducive to a positive experience for the visiting children. As far as possible, visits involving extended contact with children shall be encouraged. (5) Prison administration shall ensure the holistic development of children of inmates confined in the prison. To the extent possible, the prison administration shall strive to create a suitable environment for their upbringing as close as possible to that of a child outside prison. (6) The children of female prisoners living in the prison shall be given proper education and recreational opportunities. There shall be a well-equipped creche and nursery school attached to the prison housing female prisoners. Children of school-going age shall be enrolled in nursery school and the rest shall be looked after in the crèche. Such facilities may also be extended to the children of staff members. (7) The scale of diet for children shall be decided while keeping in view the dietary requirements of growing children as per health norms and climatic conditions. Separate utensils of ेनपजंइसम ेप्रम ंदक उंजमतपंस ेींसस ंसेव इम चतवअपकमक वित मिमकपदह बीपसकतमदण् (8) The Superintendent, alongwith Deputy Superintendent (Industry and Welfare), shall design programs for recreational visits of the children of female prisoners outside the prison at regular intervals, with their consent. (9) If a female prisoner dies leaving a child inside the prison, and no family member or तमसंजपअम पे तमंकल जव जंाम ी पे तमेचवदेपइपसपजलए जीम ै नचमतपदजमदकमदज वत ं दल वजीमत वfिपबमत कनसल ंनजीवतप्रमक इलhim in this behalf, shall produce the child before the Child Welfare Committee as soon as practicable, वित जंापदह बवहदप्रंदबम जव मदेनतम ं चचतवचतपंजम तमींइपसपजंजपवद व िजीम बीपसक पद दममक व िबंतम ंदक चतवजमबजपवदण् (10) The Superintendent shall ensure that the child is produced before the Child Welfare Committee within twenty-four hours of the death of the mother, excluding the time necessary for the journey, and shall submit a report to the Committee regarding the circumstances leading to the death of the mother.

Personal hygiene.	**348.** (1) Female prisoners shall be required to keep themselves clean, and to this end, they shall be provided with sanitary napkins, towels, and toiletries necessary for maintaining hygiene. Sufficient water shall also be made available for the use of female prisoners and their children, and those prisoners, in particular, who are involved in cooking and those who are pregnant, breastfeeding or menstruating. (2) A female prisoner's hair shall not be cut without her consent: Provided that if on account of vermin or dirt, the medical officer deems cutting of hair necessary on the ground of health and hygiene, the hair shall not be cut shorter than required.
Medical Care of female prisoners and children.	**349.** (1) A female Medical Officer shall be deputed in the prison housing female prisoners. However, in case of non-availability, the Civil Surgeon shall depute a female medical officer to the prison for every week of such non-availability. In the absence of a female Medical Officer, the male prison Medical Officer shall look after sick female prisoners in the presence of a female staff member.The health screening of female prisoners shall also include a comprehensive examination to determine, - (a) the presence of gender-specific health conditions; (b) mental health care needs, including post-traumatic stress disorder and risk of suicide and self-harm; (c) reproductive health history of the female prisoner, including current or recent pregnancies, childbirth, and any related reproductive health issues; and (d) sexual abuse or any other form of violence that may have been suffered prior to admission. (2) An annual medical check-up of all female prisoners shall be conducted. (3) Female prisoners, especially victims of sexual abuse, suffering from psychosomatic and psychological disorders, and those having mental health issues shall be provided with proper counseling and medical treatment. (4) The right of female prisoners to medical confidentiality, including specifically the right not to share information and not to undergo screening in relation to their reproductive health history, shall be respected at all times.

	(5) Female prisoners shall receive education and information about preventive healthcare measures and any other gender-specific health conditions. (6) Children shall be regularly examined by the Medical Officer to monitor their physical growth and shall be given timely vaccination. The vaccination chart of each child shall be maintained meticulously. Extra clothing and diet may also be provided to them on the recommendation of the Medical Officer. (7) When a female prisoner is found or suspected to be pregnant at the time of admission or later, the Medical Officer shall report the fact to the Superintendent. Arrangements shall be made at the earliest to get her medically examined at the District Government Hospital for ascertaining the pregnancy, state of health, duration of pregnancy, and the probable date of delivery. After ascertaining all necessary particulars, a detailed report shall be sent to the Director General. (8) Interim bail or temporary release application of pregnant female prisoners shall be moved by the Superintendent before the time of delivery. The prisoners who are neither granted interim bail nor released

	on a temporary basis shall be provided with proper pre-natal and post-natal care by the prison administration as per medical advice. An adequate and nutritious diet shall be provided to pregnant female prisoners, nursing mothers, infants and children admitted to the prison.
Conditions under which male officers may enter female enclosure.	**350.** (1) There shall be round-the-clock duty of female guarding personnel in the female enclosures. (2) A Biometric enabled turnstile system shall be installed at the entry point of the female enclosure. Manuals as well as electronic records of every entry and exit from the female enclosure shall be maintained. (3) No male staff member shall be permitted to visit the female enclosure of any prison, at any time, unless the visit is absolutely required and the official has an urgent and legitimate duty to attend therein. The reason of such a visit shall be recorded in writing. He shall first call the female warder on duty, who shall peep through the slit and after being convinced that the person trying to enter is trustworthy, shall caution all the female prisoners and open the door and shall accompany him into every part of the ward or enclosure he may need to visit. (4) No male staff member shall enter the female enclosure at all by night, except in an emergency and even then, only in the company of a female officer and the duty officer. He shall thereafter, record a clear report of his visit alongwith the reasons for such visit, and the hour thereof, in his report book. (5) Male staff members or officials acting as escorts to official visitors shall remain outside the enclosure. **NOTE 1.-** If at any time, a male staff member or prisoner enters or attempts to enter, any ward or portion of a prison reserved for female prisoners, without proper authority, it shall be reported to the Deputy Superintendent (Administration) forthwith. **NOTE 2.-** Instructions may be issued from time to time by the Director General for regulation of the timing and frequency of such visits by the male officers as also to define the permissible access areas for such visits. **NOTE 3.-** Collated report on quarterly intervals, of the frequency of such visits as aforesaid, by male officers, shall be prepared under the supervision of the Superintendent and forwarded to the Director General for review and appropriate directions. Misconduct and disciplinary violations by the prison officials involving female prisoners shall be liable to be visited with strict action including the penalty of dismissal.
Females to remain in the female enclosure.	**351.** (1) No female prisoner shall, otherwise than under lawful authority, leave or be removed from the female enclosure of the prison on any pretext except for release, transfer, or attendance in court, or under the orders of the Superintendent for legitimate purposes. (2) म्अमतल मिउंसम चतपेवदमत ं नजीवतप्रमक जव समंअम ी मत मदबसवेनतम ेीं सस वतकपदंतपसल इम ंबबवउचंदपमकby a female head warder or female warder from the time she leaves till she returns.

Supply of food to and conservancy of	**352.** There shall be a separate kitchen for female prisoners as far as practicable. In the absence of a separate kitchen, cooked food shall be brought to the female enclosure by a convict officer

the female enclosure.	accompanied by a warder and placed outside the enclosure gate. It shall be taken inside only by a female warder or a female prisoner.
ज्ञमले ं दक सवबोof female enclosure.	**353.** (1) ज्ीम सवबो व ि मदबसवेनतम ं दक इंततंबोए ू ी मतम ू वउमद ं तम बवदपिदमकए ेीं सस इम कपfि मतमदज तिवउजीवेम पद नेम पद वजीमत चंतजे व िजीम चतपेवदे ेव जींज जीमतम पे दव चवेपइपसपजल व िामले व िसवबो व िवजीमतenclosures being misused for opening enclosures for women prisoners. (2) Suitable measures shall be taken (including the provision of alarm bells) to ensure उपदपउनउ कमसंल पद वचमदपदह इंततंबो पद बंेम व िद मउमतहमदबलण् (3) The main entrance door of the female enclosure shall have a double lock system. The ामले व िजीम अंतपवने सवबो पद नेम पद जीम मिउंसम मदबसवेनतम ेीं सस ;वजीमत जींद जीम वनजमत सवबा व ि जीम उंपदentrance gate) be kept in possession of the female guarding personnel during morning lockout to evening lockup. Key of the outer gate of main entrance shall remain with Duty Officer from the lock-out in the morning to the lock-up in the evening. (4) At the time of lock-up of the female enclosure, the female guarding personnel shall lock all the prisoners into their wards and having done so, make the keys over to the Deputy Superintendent (Administration)except the inner main entrance gate key, which shall always be in the possession of the female guarding personnel. (5) The Deputy Superintendent (Administration) shall retain all keys of the female enclosure after evening lock-up including the outer lock of the main entrance, till morning lock-out.
Ornaments.	**354.** (1) Female prisoners shall be allowed to retain, in moderation, certain ornaments of minor value such as mangal sutras, bangles, and toe rings. Superintendent may, however, at his discretion, refuse to allow the retention of these ornaments in any particular case for disciplinary or security reasons. (2) ै नfि पबपमदज दनउइमत व ि सववापदह उपततवते ेीं सस इम पिजजमक पद जीमपत इंततंबो पदबसनकपदह वदमtoughened looking mirror (1.6 feet x 3.0 feet).
Recreational and cultural programmes.	**355.** त्मबतमंजपवदंस चतवहतंउे पदबसनकपदह ं बजपअपजपमे व ि चचतवचतपंजम दंजनतम ेीं सस इम वतहंदप्रमक वित मिउंसम prisoners which may include outdoor games, music, folk dances, drama, TV, radio, and film shows. Female prisoners shall be provided facilities for meditation and yoga for stress management and for improving their mental and physical health.
Inquiry into complaints of sexual harassment and other complaints.	**356.** The concerned District Magistrate shall be responsible for constituting Internal Complaints Committee to be headed by an Executive Magistrate, preferably female, and a prison officer nominated by the Superintendent as Member Secretary, in every prison under the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (Central Act 14 of 2013) and the rules framed thereunder to enquire into any complaint of sexual harassment of a female prisoner.
Complaint boxes.	**357.** Complaint boxes shall be installed at reasonable places so that female prisoners can submit their complaints and safely seek redress. The box shall be opened by the District and Sessions Judge concerned during their periodical inspection. During the parades, every female prisoner shall have an opportunity of

	making requests/complaints to the Superintendent who shall promptly deal with such complaints or requests.

	CHAPTER 21 **PRISONERS WITH MENTAL ILLNESS**
Classes of prisoners with mental illness.	**358.** The expression *prisoner with mental illness* shall be deemed to include persons of the following classes, namely :- (a) persons being dealt with by the Court or Magistrate under sections 328, 329, 330 or 335 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) and ordered to be detained thereunder; and (b) prisoner who becomes mentally ill after his admission into the prison.
Procedure when prisoners with mental illness are committed to prison.	**359.** Whenever a person with mental illness is detained in a prison under section 330 or 335 of the Code of Criminal Procedure, 1973(Central Act 2 of 1974), the Superintendent shall apply to the Mental Health Review Board having jurisdiction, for an order for the prisoner's removal to a mental health establishment.
Confinement of prisoner with mental illness.	**360.** All prisoners with mental illness shall be transferred to a mental health establishment having all the facilities prescribed under the Mental Healthcare Act, 2017 (Central Act 10 of 2017) and the rules framed thereunder. However, till such transfer the prisoner shall be transferred to the psychiatric ward of the medical establishment of the prison. In the absence of such a psychiatric ward in prison, suitable arrangements shall be made for the treatment of the prisoner in the prison hospital.
Determination as to mental illness.	**361.** (1) In the event of any prisoner showing signs of mental illness which, in the opinion of the Medical Officer are not feigned, the prisoner shall be referred to the Civil Surgeon for further examination. (2) If any prisoner is declared mentally ill, a report regarding his case shall be submitted to the Director General with a view to obtaining orders of Government or Mental Health Review Board for his removal to a mental health establishment. Following documents shall be forwarded with this report, namely – (a) A descriptive roll of the prisoner; and (b) Medical Certificate from Board of Doctors. **NOTE.-** The composition of the Board of Doctors shall be such as prescribed by the Government in the rules framed under the provisions of the Mental Healthcare Act, 2017(Central Act 10 of 2017).
Transfer of a prisoner with mental illness to mental health establishment.	**362.** (1) On receipt of an order from the Government or Mental Health Review Board, for the removal of a prisoner with mental illness to a mental health establishment, the Superintendent shall transfer the prisoner to the mental health establishment, along with the following documents, namely :- (a) copy of the order of the Government or Mental Health Review Board directing

	his transfer; (b) descriptive-roll of the prisoner; (c) copy of the Medical Certificate from the Board of Doctors; (d) history ticket and private property (if any) and addresses of prisoner's relatives and friends; (e) warrant of commitment to prison, (if a convict) indicating term of sentence, date of admission to the prison and probable date of release of the prisoner; (f) remission,if any, earned while in prison; (g) copy of the court's judgment in case of a convict; and (h) details of under-trial cases. **NOTE.-** A copy each of the above documents shall be retained in the prison record. (2) The Superintendent, while sending such a prisoner to a mental health establishment for treatment or observation, shall requisition police guard to escort the prisoner to the mental health establishment.

	(3) Information regarding transfer of a prisoner with mental illness shall be sent to the court concerned, local police and family of the prisoner. (4) Every precaution shall be taken to ensure that the prisoner with mental illness is properly taken care of whilst in transit to the mental health establishment. Proper arrangements shall be made regarding his property, clothing, and food as prescribed in these rules relating to transfer of prisoners. Instruments of restraint shall not be used unless absolutely necessary. **NOTE.-** All Government property accompanying a prisoner with mental illness on transfer to a mental health establishment shallbe returned to the dispatching prison.
Transfer of female prisoner with mental illness.	**363.** A female prisoner with mental illness, during transit to and from a mental health establishment or during her release to the custody of her family or relatives, shall invariably be accompanied by a female officer.
Conditions before a transfer can be made.	**364.** No prisoner with mental illness shall be transferred from prison to a mental health establishment, unless :- (a) the Medical Officer certifies, immediately before his dispatch, that he is physically fit to undertake the journey; and

	(b) it has first been ascertained that the Medical Officer in charge of the mental health establishment**,** where the prisoner is being transferred, is prepared to receive him. **NOTE.-** While certifying the fitness for transfer of any prisoner with mental illness, the Medical Officer shall carefully examine the existence of any disability exhibited by or injury उंतो वद जीम चमतेवद वएि ेनबी चतपेवदमतण्
Transfer in anticipation, in urgent cases.	**365.** In urgent cases i.e. if the prisoner with mental illness is dangerous, noisy or filthy in his habits, the Superintendent may, with the previous consent of the medical officer in charge of the mental health establishment, transfer the prisoner to the mental health establishment, in anticipation of the sanction from the Government or the Mental Health Review Board. In such cases, while forwarding the prisoner with mental illness, it shall be ensured to send along the documents required vide rule 404, with the exception of transfer order which shall follow immediately after it has been received.
Mandatory presence of medical officer at the time of making over to police escort.	**366.** (1) The Medical officer shall invariably be present when a mentally ill prisoner is made over by the Deputy Superintendent (Administration) to the police escort and the Deputy Superintendent (Administration) shall note the fact in his journal. (2) The Medical officer shall acquaint the officer in charge of the escort with the exact mental and physical condition of such prisoner and shall bring to his notice such disability or injury उंतो ंे उंल मगपेजए ंदक ेींसस ंेा ीपउ जव ेंजपेलि ीपउेमस िजींज जीम बवदकपजपवद व िजीम चतपेवदमत पे ंे ेजंजमकण्
Diet for prisoner with mental illness.	**367.** Every prisoner with mental illness shall receive the ordinary prison diet unless the Medical Officer prescribes otherwise.
Time spent in mental health establishment to count as sentence.	**368.** (1) When a convict with mental illness has become of sound mind, and an order has been issued by the Government for his return to prison, the time during which he was detained in the mental health establishment shall be reckoned as sentence undergone. (2) In case a convict completes his sentence while undergoing treatment in a mental health establishment, he shall be released from the mental health establishment by the medical officer in charge when the person is cured and the treatment is over and he shall be handed over to his family. The medical officer in charge shall inform the Superintendent concerned about such release.
Return of prisoner with mental illness to prison.	**369.** (1) As and when a prisoner with mental illness is cured and he is not due for release, he shall be transferred back to such prison which is in best interest of such prisoner. (2) The Medical Officer in charge of the mental health establishment shall forward to the Superintendent, a copy of the medical history sheet together with an extract from the case book and a statement showing the manner in which the prisoner with mental illness has been employed in the mental health establishment till the time of his transfer. **NOTE.-** A recovered prisoner with mental illness shall, in the first instance be transferred to the prison of the district in which the mental health establishment is situated, but shall ordinarily be removed later to the prison nearest to his home.

case of relapse.	**370.** (1) When a recovered prisoner with mental illness has a relapse, he shall be immediately returned to the mental health establishment from which he came, in anticipation of the orders of the Mental Health Review Board under rule 415. In such a case, the documents required under rule 404, shall be forwarded with him, and the transfer order shall follow immediately after it has been received. (2) The Superintendent shall forthwith apply for confirmation of his action by the Mental Health Review Board, submitting at the same time the documents required under rule 404.
Allotment of work on re-admission to prison.	**371.** When a prisoner with mental illness has recovered and is re-admitted to the prison, he shall be engaged in suitable work as per advice of the Medical Officer
Report of prisoners with mental illness.	**372.** (1) The Superintendent shall, on the 10th of January and 10th of July every year, forward a report of prisoners suffering from mental illness to the Director General**.** **NOTE.-** When no such prisoner is confined in the prison, a nil report shall be submitted. (2) The Medical Officer of a prison shall send a quarterly report to the Mental Health Review Board regarding the status of prisoners with mental illness, as prescribed under the provisions of Mental Healthcare Act, 2017(Central Act 17 of 2017) and the rules framed thereunder.
Discipline and punishment.	**373.** (1) A prisoner with mental illness shall not be punished for any act committed by him, but such restraints may be imposed as are necessary to prevent him from injuring himself or others or causing inconvenience. (2) A person confined under section 335 of the Criminal Procedure Code, 1973 (Central Act 2 of 1974), when not actually mentally ill, shall be subjected to the same discipline as a convict sentenced to rigorous imprisonment, except that he shall not be made to labour. (3) A person who is confined under observation for being of unsound mind, if subsequently found sane, shall be liable to punishment for breach of prison discipline during observation period.
Procedure when prisoner is reported capable of making defence.	**374.** If a prisoner with mental illness is reported to be capable of making defence, the case shall be dealt with as per section 337 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974).

Prisoners under	**CHAPTER 22** **PRISONER CONDEMNED TO DEATH**

sentence of death.	**375.** Every prisoner under sentence of death shall be treated in the following manner, namely :- (a) when any person is sentenced to death by a Court of Sessions, in terms of section 366 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), the sentence shall not be executed unless it is confirmed by the High Court; (b) when the sentence has been confirmed by the High Court or is passed by the High Court in appeal or revision, the Court of Sessions shall issue a warrant to the Superintendent to cause the sentence to be carried into effect. The Superintendent shall not cause the sentence to be executed unless the Court of Sessions has issued the requisite warrant to that effect; (c) if the condemned prisoner has been transferred to another prison, the Superintendent to whom the original warrant of commitment was addressed, shall return the warrant to the Sessions Judge, informinghim at the same time the particulars of the prison to which the prisoner has been transferred; (d) the Sessions Judge shall issue a revised warrant for the execution of sentence of death to the Superintendent concerned; (e) all executions shall take place at the prison to which the warrant is directed unless expressly ordered otherwise in the warrant. They shall usually be carried out in a special enclosure attached to, or within the walls of the prison. No convict shall be executed on a day that has been notified as a public holiday.
Appeal to High Court.	**376.** The Superintendent shall inform every convict under the sentence of death that if he wishes to appeal to the High Court, he must do so within thirty days. In case a convict does not wish to file an appeal, he shall give a declaration which shall be attested by the Member Secretary, District Legal Services Authority, and the Superintendent.
Supreme Court.	**377.** (1) Immediately on receipt of a warrant of execution from the convicting court, consequent upon confirmation of the sentence of death by the High Court, the Superintendent shall inform the convict that if he wishes to appeal to the Supreme Court, he may do so within the period prescribed by the Supreme Court Rules. (2) If the prisoner under sentence of death so desires, the Deputy Superintendent (Administration) or law officer or legal aid counsel, as the case may be, shall at once get his appeal or revision prepared for him as far as possible in his own words and it shall be forwarded through approved means of communication or hand delivered by a prison official to the Registrar of the Supreme Court under intimation to Government and the Director General. (3) On receipt of the intimation of the lodging of an appeal in the Supreme Court or of an application for special leave to appeal before that Court or of an intention to do so, the State Government concerned shall forthwith communicate by electronic means to the Standing Counsel of the Government in the Supreme Court, the following information, namely:– (a) the name of the convict under sentence of death; and (b) particulars relating to the appeal or the application. (4) If it is desired to oppose the appeal or the application, three copies of the paper book and the judgment of the High Court, a power of attorney in the form prescribed by the Supreme Court, and instructions, if any, to oppose the appeal or the application shall be immediately sent to the Standing Counsel of the Government. Notice of the intended appeal or application, if and when served by or on behalf of the convict, shall also be transmitted to him without delay. If the intended appeal or application is not lodged within the period prescribed

	by the Supreme Court Rules, the Standing Counsel shall intimate the fact by electronic means to State Government. (5) If an appeal or an application for special leave to appeal has been lodged in the Supreme Court on behalf of the convict, the Standing Counsel shall intimate the said fact to the State Government. He shall also keep the State Government informed of all developments in the Supreme Court, in the cases which present unusual features. In all cases, however, he shall communicate the result of the appeal or application for special leave to appeal, to the Government by electronic means

	which shall be acknowledged by electronic means. The execution of the sentence of death shall not be carried out until the receipt of the certified copy of the judgment of the Supreme Court dismissing the appeal or the application for special leave to appeal and until an intimation has been received from the Ministry of Home Affairs about the rejection by the President of India, of the petition for mercy submitted, if any, by or on behalf of the convict. (6) There shall be no postponement of the execution of sentence, if no appeal or petition has been preferred before the Supreme Court, except in cases where a mercy petition has been preferred by or on behalf of the convict.
Mercy petition.	**378.** (1) Immediately on receipt of intimation of the dismissal by the Supreme Court of the appeal or the application for special leave to appeal to it lodged by or on behalf of the convict, if the convict concerned has made no previous petition for mercy, the Superintendent shall forthwith inform the convict that if he desires to submit a petition for mercy it shall be submitted in writing within seven working days of the date of such intimation and the period of seven days allowed for the preparation and submission of such petition, shall be calculated exclusive of the day on which the Superintendent informs the convict of his right herein. In case a convict does not wish to file a mercy petition, he shall give a declaration of the same in writing which shall be attested by the Member Secretary, District Legal Services Authority, and the Superintendent. **NOTE.-** In cases where no appeal to the Supreme Court or no application for special leave to it, has been lodged by or on behalf of the convict, on expiry of the statutory period prescribed for such appeal or application, if the convict has made no previous petition for mercy, the Superintendent shall inform the convict of his right to make such a petition for mercy and also the fact that it is required to be submitted within a period of seven working days counted from the date next after the date on which the time allowed for an appeal to the Supreme Court or for lodging an application for special leave to appeal to it, expired. (2) If the convict submits a petition within the stipulated period prescribed under sub-rule (1), it shall be addressed to the Governor of the State and the President of India. The Superintendent shall forthwith dispatch it to the Secretary to the State Government in the Department concerned, together with a covering letter reporting the date fixed for the execution, and shall certify that the execution has been stayed pending receipt of the orders of the Government on the petition. If no reply is received within fifteen days from the date of the dispatch of the petition, the Superintendent shall draw attention to the fact through electronic communication or special messenger to the Secretary to the State Government in the Department concerned, but he shall in no case execute the sentence before the receipt of the State Government's reply.

	(3) If the convict submits a petition after the period prescribed by sub-rule (1), the Superintendent shall at once forward it to the State Government by electronic means and at the same time convey the substance of it, requesting orders whether the execution shall be postponed and stating that, pending a reply, the sentence will not be carried out. If such petition is received by the Superintendent later than noon on the day preceding that fixed for the execution, he shall at once forward it to the State Government by electronic means informing the substance of it, giving the date of execution, and stating that the sentence will be carried out unless orders to the contrary are received.
Action by Government.	**379.** (1) Whenever a sentence of death has been passed by any court or tribunal, the sentence shall not be executed until after the dismissal of the appeal or the application or, in case no such appeal has been preferred, or no such application has been made, until after the expiry of the period allowed for an appeal or for making of such application: Provided that if the sentence of death has been passed on more than one person in the same case, and if an appeal or an application is made by or on behalf of only one or more but not all of them, the execution of the sentence shall be postponed in the case of all such convicts and not only in the case of the person or persons by whom, or on whose behalf, the appeal or the application has been made. (2) If a convict submits a mercy petition within the stipulated period, it shall be addressed to the Governor of the State and the President of India. The execution of sentence shall in all cases be postponed pending receipt of their orders.

(3) The petition shall in the first instance be sent to the State Government for consideration and orders of the Governor. If after consideration it is rejected, then it shall be forwarded to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs.

(4) If the convict submits the petition after the stipulated period, it shall be within the discretion of the State Government to consider the petition and to postpone execution pending such consideration and also to withhold or not to withhold the petition addressed to the President. However, the petition shall be forwarded to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs for consideration of the President of India, in the following circumstances, namely :-

(a) if the sentence of death was passed by an Appellate Court in an appeal against acquittal or as a result of an enhancement of sentence by such Court, whether on its own motion or on an application for enhancement of sentence; or

(b) when there are any circumstances about the case which in the opinion of the State Government, render it desirable that the President shall have an opportunity of considering it, as in cases of political character and those in which, for any special reason considerable public interest has been aroused.

NOTE.- When the petition is forwarded to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs, the execution shall simultaneously be postponed pending receipt of orders of the President thereon.

(5) If it is decided to commute the sentence of death by the Government or the Governor, the petition addressed to the President of India shall be withheld and an intimation of the fact shall be sent to the petitioner.

NOTE.- The petition made, in cases where the sentence of death is for an offence against any law exclusively relatable to a matter to which the executive power of the Union extends, shall not be considered by the State Government but shall forthwith be forwarded to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs.

(6) A petition submitted by a convict shall be withheld by the Government if a petition containing a similar prayer has already been submitted to the President. When a petition is so withheld the petitioner shall be informed of the fact and the reason for withholding it.

(7) In all cases in which a petition for mercy from a convict under sentence of death is to be forwarded to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs, or the President, the State Government shall forward such petition as expeditiously as possible along with the records of case and its observations in respect of any of the grounds urged in the petition. In the case the State Government had previously rejected any petition addressed to itself or the Governor, it shall also forward a brief statement of the reasons for the rejection of the previous petition or petitions.

(8) Upon the receipt of the orders of the President, an acknowledgment shall be sent to the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs immediately. If the petition is rejected, the orders shall be communicated by electronic means and receipt thereof shall be acknowledged by electronic means. Orders commuting the death sentence shall be communicated by electronic means and receipt thereof shall be acknowledged electronically.

(9) When the State Government or Governor or President declines mercy, the Superintendent shall communicate the orders to the court concerned with details and shall request it to fix a date for executing the prisoner as per court sentence.

NOTE.- In case all the options of appeal or mercy get exhausted, all other court appearances of the prisoner condemned with a death sentence shall be barred in other cases whatsoever

(10) In the event of it coming to the knowledge of the Superintendent at any time before the execution of the sentence that altogether exceptional circumstances have arisen which per se demand a reconsideration of the sentence, he shall be at liberty, notwithstanding anything in the foregoing clauses, to report the circumstances by electronic means to the State Government and ask for its orders and to defer execution till they are received. In such instances, the assistance of the District Legal Services Authority may be sought.

(11) There shall be a gap of a minimum of fourteen days between the rejection of the mercy petition and the scheduled date of execution to enable the convict to prepare himself and settle his affairs and meet his family members for one last time or to avail any judicial remedy.

(12) Legal aid, if sought, shall be provided to the convict at all stages even after the rejection of a mercy petition.

Communication to have special marking.	**380.**	(1)	The words ‘Death Sentence’ shall be inserted before the address in all communication relating to capital sentence. (2) In all cases, the receipts of orders communicating the rejection of petitions shall invariably be acknowledged by electronic means. The orders of the Government postponing the execution shall immediately be acknowledged by electronic means. (3) The words ‘Death Sentence’ and ‘Immediate’ shall be marked on the top left and right corners of the envelope used for communication in death sentence cases. All Superintendents shall make special arrangements to ensure that communication received in these distinctive envelopes are received in the prison at any time of the day or night either by the Deputy Superintendent (Administration) or in his absence by the senior-most officer present at the time the communication is delivered who shall note the time and date of receipt of the communication in the receipt register, and shall immediately place the communication before the Superintendent.

Search of condemned prisoners on admission.	**381.** (1) Every prisoner under sentence of death shall, immediately on his arrival in the prison after sentence, be searched by, or by order of the Deputy Superintendent (Security), and all articles shall be taken from him, which the Deputy Superintendent (Security) considers dangerous or inexpedient to leave in his possession. (2) Every prisoner sentenced to death, whose appeal against conviction and sentence is pending or who has not exhausted all the remedies available to him under any law such as mercy petition, review petition, or a curative petition, shall be confined with other prisoners. (3) A prisoner under sentence to death shall be kept in prison like other prisoners sentenced to rigorous imprisonment till the expiry of every stage of appeal or petition.
Information liable to be conveyed to prisoner.	**382.** (1) The date fixed for the execution, the period within which petitions must be dispatched and the result of the petition in each case, shall be intimated to the condemned prisoner by the Deputy Superintendent (Administration). (2) The Superintendent, as far as practicable, shall ensure that at least one family member of the condemned prisoner is informed in writing, of the date of execution at the earliest, preferably within forty-eight hours of receipt of death warrant fixing date of execution. (3) The Superintendent shall ensure that the condemned prisoner is provided with a copy of the rejection of mercy petition by the President or the Governor, as the case may be.
Cell to be examined.	**383.** Every cell in which any convict who is under sentence of death is at any time to be confined shall, before such convict is placed in it, be searched in the presence of the Deputy Superintendent (Administration), or any other officer appointed in that behalf, who shall satisfy himself that it is secure and contains no article of any kind which the prisoner may potentially use as a weapon of offence or as an instrument with which to commit suicide, or which, in the opinion of the Superintendent, is inexpedient to be permitted to remain in such cell.
Search of condemned prisoner.	**384.** The Assistant Superintendent concerned shall carefully search everyday in the morning and evening every prisoner sentenced to death and the cell he occupies and make a note of his having done so and of the result in the report book. This duty shall in no circumstances be delegated to the warders. Female prisoners shall be searched by female guarding personnel, and their cell shall be searched in the presence of the senior-most female prison officer.
Clothing and bedding.	**385.** Prison clothing, bedding, and necessaries issued to condemned prisoners shall be of the same scale as that of other convicts.
Guarding of condemned prisoners.	**386.** If the permanent establishment of the prison is not sufficient to furnish the necessary number of warders to guard condemned prisoners, a temporary establishment may be entailed.
Number of guarding personnel for	**387.** The number of warders required for guarding condemned prisoners and their duty hours is as follows namely :-

condemned prisoners.	(a) to furnish one sentry for continuous day and night duty over a condemned prisoner, three guarding personnel are required each to give eight hours of duty. Continuous day and night duty over a condemned prisoner shall be ensured by deploying three guarding personnel who shall be required to give duty of eight hours each;

	(b) i (c) f (d) (e) t (f) t	when there are two n cells situated at be placed over each posted to guard a m or any number of when the cells are c with two rows of guarding personnel and four on the other; when two or more hat each prisoner g he sentry shall be r	or more condemned pris some distance from one a cell, but if the cells are c aximum of four prisoners cells in excess of four, ex ontiguous; cells facing and within may be given charge of er; cells are occupied, the se uarded may be brought in elieved as per table below	oners confined in a prison at nother, a separate guarding ontiguous, one guarding pe ; tra guarding personnel shall a reasonable distance of e any number of cells up to f ntry shall walk up and dow to view at short intervals; :-	the same time, personnel shall rsonnel shall be be posted even ach other, one our on one side n past them, so
		A	B	C	
		6-9 A.M.	9-12 NOON	12-3 P.M.	
		3-6 P.M.	6-9 P.M.	9-11 P.M.	
		11-1 A.M.	1-3 A.M.	3-6 A.M.	

Duties of guarding personnel over a condemned Prisoner.	**388.** (1) The guarding personnel on duty in a cell shall be armed with a baton and equipped with a whistle, torchlight, and wireless communication device to raise an alarm when necessary. (2) The guarding personnel shall be posted in front of the grated door of the cell and shall keep the prisoner constantly in view. (3) भ्म ेींसस ंससवू दव चमतेवदए मगबमचज ंनजीवतप्रमक अपेपजवतेए जीम ैनचमतपदजमदकमदजए जीम डमकपबंसOfficer, the Deputy Superintendent, Assistant Superintendents, the Medical Subordinate, the head ूंतकमत वद कनजलए ं दक जीम ं नजीवतप्रमक ेू ममचमत व ि जीम चतपेवद नदकमत चतवचमत हनंतकए जव हव दमंत वतcommunicate with the prisoner, without an order in writing from, or accompanied by the Superintendent.

Management of keys.	**389.** The door of the cell be opened in following conditions namely :- (a) The keys of the cell in which a condemned prisoner is confined shall be kept in the custody of the in charge of condemned cells on duty, who on hearing the alarm shall proceed to such cell in case of emergency and enter the same along with other guarding personnel on duty; (b) Before opening the door of the cell in which a condemned prisoner is confined, the prisoner may be handcuffed and secured if there is any likelihood of use of violence by the prisoner against the guarding personnel. However, if he declines to be handcuffed, at least three guarding personnel shall be present while opening the cell; (c) ज्ीम सवबो पद नेम पद ं बवदकमउदमक बमसस ेींसस इम ेनबी ंे बंददवज इम वचमदमक इल ंदल वजीमत key in use in the prison.
Occupation of cell, yard, and handcuffing.	**390.** (1) A condemned prisoner shall, unless there are any special reasons against it which shall be recorded in writing by the Superintendent in his journal, be permitted to occupy the court-yard of his cell for half an hour each morning and evening, but only one such prisoner at a time shall be allowed to do so. A condemned prisoner shall not be subjected to any instrument of restraint unless he is so violent as to be dangerous to the guarding personnel or to himself. If it is deemed necessary to use any instrument of restraint, the reasons for such action shall be reported to the Director General. (2) During the time a condemned prisoner occupies his cell-yard, both the cell and yard doors shall be kept locked. (3) A condemned prisoner shall not be removed from his cell to the cell-yard or vice versa for any purpose, except in presence of the in charge of condemned cells. (4) A sweeper or other prisoner allowed to enter the cell of a condemned prisoner to perform any duty, shall be carefully searched and kept under close observation.

Duty of head warder over condemned prisoner.	**391.** (1) The in-charge of condemned cells on duty shall visit the cell occupied by a condemned prisoner frequently and at unusual hours during the day and night and satisfy himself that the guarding personnel is on the alert, the cell secure and that the prisoner is present. (2) He shall forthwith report to the Deputy Superintendent (Security) any suspicious conduct on the part of a condemned prisoner or any dereliction of duty on the part of the guarding personnel.
Diet precautions.	**392.** (1) A prisoner under sentence of death shall be allowed the ordinary diet of a labouring convict. (2) All food intended for consumption by a condemned prisoner shall be examined by the Deputy Superintendent (Administration) or Assistant Superintendent or Medical Subordinate, who may withhold

	any article which he considered as suspicious and report the circumstances to the Superintendent. The food shall also be delivered to the prisoner in the presence of any one of these officers.
Admission of अपेपजवतेए इववोand newspapers.	**393.** Condemned prisoners who can read may be provided, at their request, with a supply of such इववो ंे ंतम ं अंपसंइसम पद जीम चतपेवद सपइतंतलण् ै नइरमबज जव जीम ं चचतवअंस व ि जीम ैनचमतपदजमदकमदजए जीमल उंलalso be allowed to purchase at their own cost, or, obtain from their relatives or friends any other इववोण् च्तपेवदमते ूीव ेउवाम उंल इम ंससवूमक जव ेउवाम ंज जीमपत वूद बवेजण् ज्ीमल उंल ं सेव इम ं ससवूमक जवpurchase any newspaper at their own cost. All reasonable indulgences shall be allowed in the matter of interviews with relatives, friends, legal counsels, and approved religious ministers in the presence of the Deputy Superintendent (Security) or an Assistant Superintendent.
Restriction on removal to an outside hospital.	**394.** (1) A condemned prisoner shall not be removed to the prison hospital for treatment without the special sanction of the Superintendent. If such prisoner is removed to the prison hospital, he shall be segregated from all other prisoners in the hospital and a special guard shall be posted as required. (2) A condemned prisoner shall not be removed to any outside hospital for treatment without the special sanction of the Director General: Provided that the Superintendent may order the removal of such prisoner to an outside hospital in anticipation of sanction if the Medical Officer certifies that the prisoner is in danger of dying and requires immediate treatment in an outside hospital. When such prisoner is removed to an outside hospital, he shall be taken by a special police escort and kept segregated from all other prisoners in the hospital, and a special guard be posted at the hospital as required.
Delay in carrying out a death sentence.	**395.** If there occurs any delay in executing a sentence of death, other than that arising from the submission of a mercy petition, the Superintendent shall forthwith report the circumstances to the Sessions Judge and return the original warrant either for the issue of a new one or for the endorsement upon the same warrant of an order fixing another date for the execution.
Female, certified to be pregnant.	**396.** When a female prisoner sentenced to death is certified by the Medical Officer to be pregnant, the warrant with the fact noted thereon, shall be returned to the Sessions Judge who shall take steps to pursue the mandate provided for under section 416 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974).
Female declares herself pregnant.	**397.** When a female prisoner sentenced to death declares herself to be pregnant and the Medical Officer is unable to attest to the truth or otherwise of the statement, he shall record the fact and the interval of time necessary to enable him to decide on the point, in his journal. A copy of this record along with the warrant shall be forwarded to the Sessions Judge.
Sentence may be postponed or commuted.	**398.** If a female sentenced to death be found to be pregnant, the High Court shall order the मगमबनजपवद व िजीम ेमदजमदबम जव इम चवेजचवदमकए ंदक उंलए प िपज जीपदो पिजए बवउउनजम जीम ेमदजमदबम वित imprisonment for life.
Prohibition against	**399.** When the evidence of a convict under sentence of death is required in a case, the Court shall

removal of convicts under sentence of death to give evidence.	proceed to the prison for the purpose and shall not require the convict's attendance under Prisoners (Attendance in Courts) Act, 1955 (Central Act 32 of 1955): Provided that in case the presence of a convict under sentence of death is required by a Sessions or High Court to take additional evidence in the case under section 391 of the Code of

	Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974), the attendance of the convict may be required under Prisoners (Attendance in Courts) Act, 1955 (Central Act 32 of 1955) If he is facing trial in other cases, the court concerned shall be requested to hold the trial inside the prison premises using video conferencing or other suitable means.
Officer responsible for the execution.	**400.** The Superintendent shall ensure that the execution arrangements are complete and made in good time and that the gallows, rope, cap, and pinioning straps are in good order. The occurrence of any mishap or departure from the orders laid down shall be reported to the Director General.
Mental health evaluation.	**401.** (1) A regular mental health evaluation of all death row convicts shall be conducted and appropriate medical care provided to those in need. (2) If the Superintendent considers, based on the report of government doctor or psychiatrist, that the prisoner is not physically or mentally fit, he shall forthwith stop the execution, and produce the prisoner before a medical board for a comprehensive evaluation and shall forward its report to the Government for further action.
Condemned prisoner showing signs of insanity.	**402.** (1) If any prisoner awaiting sentence of death shows signs of mental illness which, in the opinion of the Medical Officer, are not feigned, or which require observation to determine whether they are feigned or not, the circumstance shall at once be reported to the Government, through the Director General along with the following documents, namely – (a) nominal roll of the prisoner; (b) copy of the warrant under which he is confined (in duplicate); and (c) Medical Officer's certificate in the prescribed form. **NOTE.-** A copy of the judgment shall also be sent as soon as possible. (2) If the Government orders the appointment of a Special Medical Board to examine the mental condition of a convict sentenced to death, he shall be kept under observation in the prison by the doctor in charge of the nearest psychiatric or similar institution or the Civil Surgeon for ten days or longer, if considered necessary, before an examination by the Special Medical Board. (3) As soon as possible, after the Special Medical Board is appointed and the convict is placed under observation, the Superintendent shall obtain the history of such convict from institutions or individuals with whom he has had contacts. The psychiatrist, under whose observation the convict is kept pending

	examination by the Special Medical Board, shall furnish the Superintendent with a questionnaire for collection of required information. Factual material concerning the mental condition of the convict shall be obtained either from records or from eye-witnesses including the officer who arrested him. For an estimation of the convict's state of mind just prior to, at the time of, and soon after the commission of the offence, the reports shall be obtained from eye-witnesses including relatives of the convict. **NOTE.-** Evidence regarding the behavior of the prisoner at the time of the trial and especially during examination in court may be available from the proceedings of the court including the evidence and the case file and the judgment. Reports on the convict shall be obtained from individuals who have been in contact with him during his remand and subsequent detention in the prison. While collecting this information, utmost care shall be taken to see that the objective with which it is collected is not divulged. Requisite care shall also be taken to not overlook the fact that the relatives of the convict are likely to be especially interested and the information supplied by them shall be used with the greatest care. (4) As soon as the doctor or Civil Surgeon referred in sub rule-(3) is ready with his report, he shall place all the records before the Special Medical Board. The President of the Special Medical Board shall forward the proceedings of the Board together with their own opinion to the Government through the Director General. (5) On receipt of orders of the Government, the Superintendent shall give effect to them. If they direct that the sentence of death shall be carried out, the Superintendent shall immediately send a written intimation to the Sessions Judge who issued the warrant for the execution of sentence of death, for issuing a revised warrant of execution.

Description and testing of rope and gallows.	**403.** The following measures shall be adopted regarding the testing of rope and gallows, namely – (a) a Manila rope 2.54 cm in diameter shall be used for executions. At least two such ropes in serviceable condition shall be maintained at every prison where executions are liable to take place; **NOTE.-** The rope should be 6 meters in length, well twisted, and fully stretched. It should be of equal thickness, capable of passing readily through the noose-ring, and sufficiently strong to bear a strain of 125 Kilograms or 150 percent of the weight of the prisoner, whichever is higher with a 2.2-meter drop; (b**)** the ropes shall be tested in the presence of the Superintendent, at least a week before the date fixed for the execution and if they fail to pass the test, others shall be obtained at once and tested when received; (c) after testing, the ropes and other equipment shall be locked up in a safe place; (d) on the evening before the execution is to take place, the gallows and ropes should be examined to ascertain that they have received no damage since being tested; (e) on the evening before the execution is to take place, the Superintendent shall inform the Executive Engineer concerned about the execution, who shall arrange the inspection of the gallows before the date of execution. **NOTE. -** The rope shall be tested by attaching to one end a sack of sand or clay having weight equal to one and a half times the weight of the prisoner to be executed and dropping this weight from a height same as that of the drop to be given to the prisoner.
Officers to attend execution.	**404.** (1) The Superintendent, the Medical Officer of the prison, the District Magistrate or an Executive Magistrate deputed by him, and a Judicial Magistrate deputed by the District and Sessions Judge are to be present when execution is being carried out.

	(2) When a condemned prisoner is transferred from one prison to another, the Superintendents of the receiving and dispatching prisons shall report the fact to the respective District Magistrates.
Persons who may witness execution.	**405.** (1) If the prisoner so desires, a priest of his faith may be allowed, at the discretion of the Superintendent, to be present at the place of execution, subject to the requirements of security and prison discipline. (2) Relatives of the prisoner and other prisoners shall not be allowed to witness the execution. Security vetted adults up to a maximum of twelve may be admitted under the sanction of the Director General to witness an execution either inside the prison or into the gallows enclosure when the gallows is outside the prison, provided that the Director General may, in his discretion, refuse admission altogether or to any particular individual. The Director General may, however, permit social scientists, psychologists, and psychiatrists who are researching to be present during the execution. Witnesses are to be kept at a distance and sufficient strength of the warder guard shall be present to suppress any disturbance or to frustrate any rescue attempt.
Selection of hangman.	**406.** (1) Subject to availability of the official, executions shall be carried out by the hangman and in case of non-availability, the same shall be carried out by his assistant or some trustworthy individual specially engaged for the purpose. (2) On the first occasion of the employment of any person to perform the work of hangman, the Superintendent shall satisfy himself that he understands how to perform the duty. Such person shall reside at the prison for two days prior to the day fixed for the execution.
Armed guard to be present at every execution.	**407.** (1) When the execution is to take place within the walls of the prison, twelve men of the warder guard shall 'fall in', with their firearms and minimum of ten rounds of cartridge/ammunition per man, near the main gate minimum thirty minutes before the hour fixed for execution. The guard shall not enter the prison unless called upon to suppress a disturbance or when witnesses are admitted. The Executive Magistrate shall call for a sufficient number of armed police guards if there is a reasonable apprehension of any incidence of law and order problem.

	(2) When the execution is to take place outside the prison walls, the Superintendent shall send intimation of the fact to the Superintendent of Police two days before the date fixed for the execution to enable that latter to arrange for the attendance of police guard of one Sub-Inspector, two Head Constables and twelve Constables, and more if a disturbance is apprehended. The police guard is to be in addition to the available Warder Guard of the Prison which shall also "fall in" in the same manner as when the execution is inside the prison. (3) Whenever an execution is being carried out, the prisoners shall be locked up in their इंततंबो जपसस जीम इवकल पे तमउवअमक तिवउ जीम चतपेवद चतमउपेमेण्

Regulation of drop.	**408.** The following scale of drop proportioned to the weight of the prisoner is given for general guidance, and the Superintendent shall use his discretion and be guided by the advice of the Medical Officer and the physical condition of the prisoner, - (a) if the prisoner weighs less than 45 kilograms, he shall be given a drop of 2.4 meters; (b) If the prisoner weighs more than 45 kilograms, but not more than 60 kilograms, he shall be given a drop of 2.3 meters; (c) If the prisoner weighs more than 60 kilograms, but not more than 75 kilograms, he shall be given a drop of 2.1 meters; (d) If the prisoner weighs more than 75 kilograms, but not more than 90 kilograms, he shall be given a drop of 2.0 meters; and (e) If the prisoner weighs more than 90 kilograms, he shall be given a drop of 1.8 meters. **NOTE. -** The drop is the length of the rope from a point on the rope opposite the angle of the lower jaw of the criminal as he stands on the scaffold, to the point where the rope is embraced in the noose after allowing for the constriction of the neck that takes place in hanging.
Procedure to be adopted during execution.	**409.** (1) Executions shall take place at the following hours, namely – (2) (a) November to February 8 A.M (b) March, April, September, and October 7 A.M. (c) May to August 6 A.M. The Superintendent and Deputy Superintendent (Administration) shall visit the condemned prisoner in his cell a few minutes before the hour fixed by the Superintendent for execution. The Superintendent shall then first identify the prisoner as the person named in the warrant and read over a translation of the warrant in vernacular to the prisoner. Any other documents requiring attestation by the prisoner, such as his will, shall thereafter be signed and attested in the presence of the Superintendent. The Superintendent shall then proceed to the scaffold, the prisoner remaining in his cell. In the presence of the Deputy Superintendent (Administration), the hands of the convict shall next be pinioned behind his back. (3) The prisoner shall now be marched to the scaffold under the charge of the Deputy Superintendent (Administration) and guarded by a head-warder and six warders, two proceeding in front, two behind and one each holding either arm. (4) On the arrival of the prisoner at the scaffold where the Superintendent, Magistrates, and Medical Officer have already taken their places, the Superintendent shall inform the Magistrates that he has identified the prisoner and read the warrant over to him in vernacular. The prisoner shall then be made over to the executioner. (5) The prisoner shall now mount the scaffold and shall be placed directly under the beam to which the rope is attached, the warders still holding him by the arms.

	(6) The hangman shall next strap his legs tightly together, place the cap over his head and face and adjust the rope tightly around his neck, the noose being 3-4 centimeters to the right or left of the middle line and free from the flap of the cap. The Superintendent shall invariably see that the rope around the neck of the prisoner is adjusted properly and the knot is placed in the proper position. (7) The warders holding the condemned prisoner's arms shall now withdraw and at a signal from the Superintendent, the hangman shall draw the bolt.

Convict to be declared dead.	**410.** (1) The body shall remain suspended for half an hour and shall not be taken down till the Medical Officer declares life extinct. (2) The warrant of execution shall be returned with an endorsement by the Superintendent to the effect that the sentence has been carried out, duly countersigned by the Medical Officer and the Magistrates.
Disposal of the body.	**411.** (1) After the execution of the death penalty, post mortem shall be performed on the body of the executed prisoner. (2) If the executed prisoner's relatives make a written application for performing the last rites, the Superintendent may, in his discretion, allow such request, provided that the relatives give an undertaking in writing that they shall not make a public demonstration of any kind at the time of last rites. If the Superintendent has reasons to believe that, during the last rites, a public demonstration may occur, their request may be turned down by the Superintendent subject to the directions of the District Magistrate. (3) The body of the executed prisoner, so far as practicable, shall be disposed of according to the religious prescriptions and with all solemnity.
Charges of execution.	**412.** ज्ीम ै नचमतपदजमदकमदज पे ं नजीवतप्रमक जव पदबनत ं सस तमं ेवदंइसम मगचमदकपजनतम तमुनपतमक पद बवददमबजपवद with execution including transportation and disposal of the dead body.
Report of execution.	**413.** The Superintendent shall send a report of the prisoner's execution to the Director General on the same day.
Expenditure on condemned prisoner.	414. (1) The Superintendent is authorized to incur expenditure up to an amount to be fixed by the Government in a deserving case to give reasonable solace to the prisoner, for instance securing the presence of his near relatives, before his execution. (2) The Director General shall also be empowered to allow further expenditure on a prisoner sentenced to death in urgent, compassionate, and deserving cases.

CHAPTER 23

FOREIGN PRISONERS

415.	(1)	The Superintendent shall check or cause to be checked, the nationality of a foreign

Verification of nationality on admission.

prisoner at the time of admission and shall ensure that a record of the same is kept along with the particulars of the foreign prisoner.

(2) For determination of the nationality of a foreign prisoner, the Superintendent shall write to Foreigner Regional Registration Officer (FRRO) or as the case may be to Foreigner Registration Officer (FRO), within a week of the foreign prisoner's admission to prison.

(3) In case, at the time of admission, a foreign prisoner informs the Prison authorities of a different nationality than the one documented on his warrant, clarification in this regard shall be sought from the police authorities or Foreigner Regional Registration Officer or Foreigner Registration Officer concerned and information in this regard shall be shared with court concerned.

(4) In case the nationality of a foreign prisoner is not determined, the Superintendent shall write to the Director General who shall take steps as deemed fit to determine the nationality.

(5) Details of every foreign prisoner admitted in the prison shall be communicated to CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India, Ministry of Home Affairs, Government of India, Director General, District Magistrate, the Superintendent of Police, and District Legal Services Authority within a week of the foreign prisoner's admission to prison.

Procedure when sentence of a foreign prisoner is near to completion.

416. The Superintendent shall inform the Foreigner Regional Registration Officer or as the case may be the Foreigner Registration Officer, regarding the completion of sentence of foreign prisoners, at least six months in advance of such completion for initiation of deportation proceedings. The final date of release shall be communicated at least one month in advance.

Contingency to be reported.

417. (1) In case of death of a foreign prisoner, the Superintendent shall follow the same चतवबमकनतम ंे विससवूमक पद जीम बंेम व िचतपेवदमते ूी व ं तम बपजप्रमदे व ि प्दकपंण् प्द ं ककपजपवदए जीमSuperintendent shall report the death of every foreign prisoner, without delay, to the Foreigner Regional Registration Officer or Foreigner Registration Officer, CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India and the Ministry of Home Affairs, Government of India, in addition to other authorities prescribed in rule 331.

(2) Inquest proceedings shall be initiated without any delay. Post-mortem shall be conducted as soon as possible and communication must be sent to the Embassy or the High Commission concerned through CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India, asking for disposal of the dead body. Embalming of the dead body shall be done. In cases where the Embassy or the High Commission concerned does not want the dead body back and gives no objection certificate for disposal of the dead body, the dead body shall be disposed of, as per the practices of the religion to which the deceased belongs and videography of disposal process be done.

Petitions by foreign prisoner.	**418.** (1) Foreign prisoners may, in matters of urgency, at the discretion of the Superintendent, be allowed to petition the consulate of their respective Governments, but such petition shall be forwarded through the CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India. (2) Petitions addressed by the foreign prisoners, including the under-trial prisoners, to the President, Vice-President, Prime Minister, and other high dignitaries of the Central or the State Government may be forwarded to them through the Director General. The Director General, may, however, withhold such petition if the statements contained therein are untrue or the petition is couched in intemperate or objectionable language. The reasons for withholding the petition may, however, be reported to the addressee by the Director General through the ordinary official channel.
Communicatio n or interview with foreign prisoner.	**419.** (1) The Superintendent shall forward any communication addressed to a Consulate by a foreign prisoner, through CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India without undue delay. The Superintendent shall censor the particulars of incoming and outgoing letters of a foreign prisoner, in terms of the provisions of rule 257. If the particulars of incoming and outgoing letters of a foreign national are found intemperate or objectionable, then such letters shall be furnished to the Director General. (2) Permission may be granted by the Superintendent to a foreign prisoner, upon prior approval from CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India to communicate,

	through Prison Inmate Communication System or other approved means of communication, with his consulate by whatever nomenclature it is known. However, foreign prisoners may be granted permission to communicate with members of their family and legal counsel(s) through Prison Inmate Communication System, after due verification. (3) In case any official from the consulate concerned requests an interview with the foreign prisoner for providing legal assistance or for any other purpose, the Superintendent shall permit the same upon approval of the CPV Division, Ministry of External Affairs, Government of India, subject to the provisions of these rules governing interviews. **NOTE.-** The right to interview a foreign national in prison does not mean a private interview and does not include the right to inspect the living quarters of the prisoner.
Diet.	**420.** (1) All provisions related to diet, except those under sub-rule (2), shall apply to foreign prisoners at par with other prisoners. (2) Under special circumstances, if the diet of a foreigner is prescribed by the Court concerned or by the Medical Officer, based on the food habits of the prisoner, the Superintendent shall provide the prescribed diet.

Clothing, bedding, footwear, and toiletries.	**421.** The Superintendent shall provide the foreign prisoner with clothing, bedding, footwear, and toiletries, as far as possible, conforming to his customs and habits, with the approval from the Director General.
When a foreigner is sentenced to a term of imprisonment.	**422.** If a foreigner apprehended and detained under section 4 of Foreigners Act, 1946 (Central Act 31 of 1946), has to undergo a term of imprisonment, the period of detention under the Foreigners' Act shall be exclusive of and in addition to the period of any sentence of imprisonment which may be imposed upon him.
Release.	**423.** Foreign prisoners shall not be released from the prison like other prisoners. On the day of completion of his sentence, a foreign prisoner shall be released from prison and must be produced before the office of Foreigner Regional Registration Officer or as the case may be the Foreigner Registration Officer, in person, under police escort. In case due to any untoward circumstances, the foreign prisoner could not be produced before the Foreigner Regional Registration Officer or the Foreigner Registration Officer on the day of the completion of sentence, he should be detained in prison for the time being with the orders of the District Magistrate, till he is produced before the Foreigner Regional Registration Officer or the Foreigner Registration Officer. An intimation regarding the same shall be sent through an approved means of communication to Foreigner Regional Registration Officer or the Foreigner Registration Officer concerned, the Director General, and the convicting Court. The Superintendent shall inform the Director General about the release of a foreign prisoner on the following day.
Repatriation of the prisoner.	**424.** In the matter of transfer of a prisoner from India to any other country and reception in India of a prisoner from any other country, the Repatriation of Prisoners Act, 2003 (Central Act 49 of 2003) and the rules framed there under shall be followed.
All correspondence to be intimated to Director General.	**425.** All correspondence related to the foreign prisoners shall be intimated to the Director General by the Superintendent.

Accommodation	**CHAPTER 24** **DETENU** **426.** क्मजमदन ेींसस इम ामचज पद बमससे वत ेमचंतंजम इंततंबो वत ूंतकेण्
Diet, photography and Biomatrics.	**427.** (1) Diet and all other facilities shall be admissible to a detenu at par with the undertrial prisoners unless there is any provision to the contrary in the law under which he has been detained, or जीम बवउचमजमदज ंनजीवतपजल ंनजीवतप्रपदह जीम कमजमदजपवद कपतमबजे वजीमतूपेमण् (2) The District Superintendent of police or any other police officer authorised by him in this behalf may take photographs or biometrics of any detenu in prison in connection with the

	discharge of his official duty or in exercise of any power conferred upon him by or under any law for the time being in force.

428.	(1)	A detenu may be allowed to interview his family once a week. The interview shall be

held within the sight and hearing of a responsible prison officer. The interview shall last no more than a half-hour and a maximum of three persons, not including children up to twelve years of age, shall be permitted during such interview.

(2) On an application by the detenu, the Superintendent under intimation to the Director General, may grant a special interview with not more than two persons other than the family at a time, in connection with the business or professional matters of the detenu or his family. The interview shall be held within the sight and hearing of a prison official. Such interview shall be in the nature of a privilege and thus not liable to be claimed as a matter of right, and it shall be liable to be forfeited if the Superintendent considers it expedient in the interest of the prison discipline and to ensure proper conduct on the part of the detenu.

(3) Over and above the interviews specified in sub-rules (1) and (2), every detenu shall be entitled to interview with an advocate of his choice, subject to the condition that the interview shall be purely for purposes of any application which the detenu may wish to make to a court of law or in connection with advice relating to matters which may be pending in a court of law in which the detenu is a party. Such interview shall be held within the sight and hearing of a prison officer. An officer deputed by the District Superintendent of Police may also remain present during such interview.

(4) The right to cancel any interview shall vest in the authority that granted such interview and its decision shall be final:

Interview.

Provided that the authority (other than the Government) canceling the interview shall send a confidential report to the Government through the Director General, giving reasons for such action.

(5) Interviews shall ordinarily take place on Thursday, but in special circumstances where the enforcement of this rule shall entail harshness, the competent authority may allow an interview to take place on any other day of the week. In all such cases where the interview is allowed on a day other than a Thursday by an authority other than the Government, a report shall be sent forthwith to the District Superintendent of Police intimating the date and time fixed for the interview. Such report shall be given by the competent authority not less than twelve hours in advance, so that arrangements may be made for the attendance of the officer referred in sub-rules (2) and (3).

(6) A register shall be maintained by the Superintendent of all interviews between a detenu and his family members or relatives with the names and addresses of the persons present at each interview.

(7) The District Superintendent of police or the officer deputed by him or the prison officer may stop the interview if the conversation takes an undesirable turn i.e. if it proceeds along political or ideological lines.

(8) Subject to the directions of the State Government, the Director General of Police may, इल हमदमतंस वत ेचमबपंस वतकमतए ंनजीवतप्रम ंदल चवसपबम वfिपबमत मपजीमत ेपदहसल वत ंसवदह ूपजी ंदवजीमत चवसपबमofficer and accompanied or unaccompanied by subordinate police officers to interview any detenu.

(9) ज्ीम च्वसपबम वfिपबमते ेव ंनजीवतप्रमक ेींसस इम ंससवूमक जव पदजमतअपमू कमजमदन पद जीम पदजमतअपमूroom, within sight, but out of hearing of a prison officer, on making a written requisition to this effect.

Examination of detenu.	**429.** The Superintendent may allow any Gazetted Officer of the State Government or Central Government or any officer not below the rank of Inspector of Police to examine any detenu in connection with the discharge of his official duty or exercise of any power conferred upon him by or under any law for the time being in force, on receipt of a written requisition to that effect from such officer.
Correspondence and censorship.	**430.** (1) Letters from a Legislator detenu to the Speaker of the Legislative Assembly and communication from the Speaker to that detenu as well as correspondence between a detenu and courts of law shall not be censored and the same be forwarded directly by the Superintendent to the quarters concerned. All such letters shall be sent by the Superintendent within twenty-four hours of their receipt by him. The letters meant for the Legislator detenu received from the Legislative Secretariat and the letters from the Court(s) of law to any detenu shall ordinarily be delivered on the day these are received. (2) Each detenu may be permitted to write any number of letters at his own expense and may receive any number of letters per week. (3) In exercising censorship on a letter, the prison authority shall ensure the following, namely:– (a) that there is no undue delay in transmission or delivery of letters; (b) that the letter delivered or transmitted contains nothing prejudicial to the security of the State or any individual. (4) No letter, newspaper, or other communication shall be transmitted to or from any detenu except through the Superintendent or such other officer as the Government may, by general or special order designate in this behalf. (5) All letters to and from a detenu shall be perused by the Superintendent and subject to any special orders of the Government, shall be submitted by the Superintendent directly to the District Superintendent of Police concerned who may, at his discretion either forward the letter without delay or withhold them. In case of doubt, the District Superintendent of Police concerned shall refer the matter to the Head of Intelligence Wing of the police. (6) If any communication made by or intended to be delivered to a detenu contains anything objectionable from the point of view of prison discipline, the Superintendent may delete the same or mark it for deletion and mention what has been done when forwarding such communication to the proper authority. (7) Every letter forwarded to or from a detenu shall be initialed and dated by the officer who handled the letter. (8) In all cases in which a letter is withheld, the detenu shall be informed through the Superintendent of the fact of the retention. All letters withheld shall be sent to the Head of the Intelligence Wing of Police or other officer designated in this behalf, who may either retain or destroy them. (9) Detenu shall attach to all their outgoing correspondence a slip containing the full name, address, and their relationship, if any, with the addressee and each person mentioned in the letter. These slips shall be sent to the Head of Intelligence Wing of Police or other officer designated by the Government in this behalf, who, if he considers it necessary that the writer shall not be allowed to correspond with the addressee, shall inform the Superintendent or the officer concerned for his future guidance. (10) The correspondence to and from a detenu shall confine purely to domestic matters or such matters relating to the welfare of the detenu or his family and matters relating to his private business. Letters

	containing references to political or communal matters shall be withheld.
Procedure on death, transfer or release.	**431.** (1) On the death of a detenu, a special report with necessary particulars shall be made to जीम क्पतमबजवत ळमदमतंस वित े नइउपेपवद जव जीम ळवअमतदउमदजण् ज्ीम वतकमतधूंततंदज ंनजीवतप्रपदह ीपे कमजमदजपवदshall at the same time to be returned to the issuing authority through the Director General with an endorsement certifying the prisoner's death. (2) A report shall be made to the Director General when a detenu is transferred to another jail or released under the orders of the Government. In the latter case, a copy of the order/warrant shall accompany the report with an endorsement certifying the release of the prisoner.

Task.	**432.** In no case, a detenu shall be assigned a task including physical labour unless he voluntarily expresses his willingness in writing to undertake it. In all cases where a task is assigned to a detenu on his request, prescribed wages shall be paid.
Place of detention.	**433.** The detenu may be detained in any prison of the State under the orders of the Director General.
Applications and representation.	**434.** (1) Detenu shall submit their applications or representations to the Government, in duplicate. One copy of such application or representation shall be retained by the Superintendent to deal with future references. (2) The Superintendent shall withhold such applications or representations addressed to the Government, which contain disrespectful or discourteous language.
Medical facilities.	**435.** Detenu shall ordinarily be treated by the Medical Officer of the prison. In cases where it is necessary to remove a detenu to a suitable Government institute outside the prison for operation or other special treatment which cannot conveniently be given in the prison itself, the order of Government for such treatment shall be obtained through the Director General of Prisons. In मउमतहमदज बंेमेए जीम ैनचमतपदजमदकमदज पे ं नजीवतप्रमक जव ं दजपबपचंजम जीम ें दबजपवद व ि जीम ळवअमतदउमदज इनज ीमshall be required to make an immediate report of all cases in which he avails himself of the authority. The Superintendent shall ask the District Police to make arrangements for guarding these detenu during their transport to and stay in a suitable Government institute outside the prison. For prison discipline, the Superintendent shall depute a prison official to see that the provisions of this order are properly observed.
History-ticket.	**436.** A history-ticket shall be maintained for each detenu containing information applicable to prisoners in these rules. The history-ticket shall be kept by the Deputy Superintendent (Administration).

Power to issue instructions.	**437.** Such other instructions as are necessary for the guidance of the prison officers concerning the detenu may be issued by the Director General from time to time.
Records of detenus.	**438.** All particulars related to detenu shall be entered in Register No. 3 as in the case of civil prisoners. However, detenu shall be shown as a separate category of prisoners in all returns and reports submitted by the prison authorities.

CHAPTER 25
PRISONERS FOOD
SECTION I

Prisoners not to possess receive or consume any article not prescribed.

439.	(1)	No prisoner shall at any time receive or possess, or be permitted to receive, consume or

possess, any article of food or drink not prescribed or supplied to him in the manner provided hereinafter in these rules. He may, however, purchase articles from the prison canteen as per applicable rules and instructions.

(2) No cooked food or any food article from outside the prison shall be permitted to any prisoner.

Power to fix scales of prison diet.

440.	(1)	The Director General, with the previous sanction of the Government, shall fix the

scales of diet for prisoners. The diet may be fixed as per nutritional requirements in vogue and guidelines of the health authorities. He may from time to time:-

(a) vary the scale of prison diet generally or that prescribed in respect of any prisoner;

(b) prescribe a special scale of prison diet in respect of the prisoners confined in any prison or the prisons situated within any specified local area; and

(c) prescribe a special scale of prison diet in respect of any period or periods during any season of the year.

(2) It shall be the responsibility of the Government and the Director General to take all such measures to ensure an uninterrupted supply of dietary articles as per the prescribed scale.

Daily issue of prison diet.

441.	(1)	Every prisoner shall have two meals a day, in addition to morning and afternoon tea.
	(2)	Variety in the diet may be ensured by issuing a mix of pulses and vegetables on

different days of the week or for different meals. The Superintendent shall lay down the menu for different days of the week on the recommendation of the mess committee constituted as per rule 446.

Diet on special occasions.	**442.** (1) Extra items of dietary articles, to be decided by the Director General from time to time, may be given to the prisoners on national days, festivals, or other special occasions apart from the following, namely – (a) New Year (b) Republic Day (c) Holi (d) Independence Day (e) Id-ul-Fittar (f) Diwali (g) Haryana Day (2) Prisoners who observe religious fasts may receive extra articles of food suitable for such fasts as per local practices or may have the whole or a part of their meal at a place and time of day, as may be allowed by the Director General for the proper observance of fasts by them. (3) When any person or association offers to provide fruits or sweets on any special occasion to the entire population of the prison, it may be allowed at the discretion of the ैनचमतपदजमदकमदजण् प् िचतवअपेपवद वित विवक पे पदजमदकमक जव इम उंकम इल े नबी चमतेवद वत वतहंदप्रंजपवदए जीम ेंउमshall be required to be supplied in the form of raw ration which shall be cooked in the prison and issued to prisoners as desired by the donor, and the fact shall be recorded in the Superintendent's Journal under intimation to the Director General.
Extra articles of diet for certain prisoners.	**443.** (1) The Medical Officer may order such extra articles of diet to sick prisoners, children, feeding mothers, old aged or prisoners in a convalescent group as may, in his opinion, appear to be necessary and to fix the hours at which the food is to be distributed. (2) No extra diet shall be sanctioned for more than fourteen days at a stretch except for special reasons to be recorded by the Medical Officer in charge in his journal. (3) The control of diet of a prisoner in the hospital shall be the responsibility of the Medical Officer in charge and he may order such extras, as he considers necessary. However, he shall keep in mind the cost involved, and shall observe strict economy.

Record in respect of the issue of food.	**444.** A detailed account of the number of prisoners fed at each meal shall be maintained to afford a check upon the quantity of food items being issued according to scale. It is also necessary for checking over-issue or speculation. This information shall also be maintained digitally in the Integrated Prison Management System.
Installation of CCTV in	**445.** The cooking place within the kitchen and the place where the food is served or distributed to prisoners shall be monitored by CCTV Cameras. The cameras shall be so positioned that distinct

kitchens.	recording of the quality of food as it is being cooked and served, takes place. The Assistant Superintendent shall release the daily ration in presence of members of the mess committee. Mess committee shall be reconstituted once every month.
Mess Committee.	**446.** (1) For preparing food for the prisoners and distribution of ration, a mess committee shall be constituted in every kitchen. (2) The committee shall comprise a minimum of five and a maximum of nine members and shall include staff members as well as undertrial prisoners and convicts to ensure adequate representation to them. Two staff members for the committee shall be nominated by the Superintendent. Undertrial prisoners and convicts for the committee shall be nominated by the Prisoners' Panchayat. (3) An Assistant Superintendent shall act as the executive in charge of the mess and convener of the committee. He shall pay surprise visits to the kitchen, especially when morning and evening meals are being prepared. (4) The mess committee shall obtain ration in the presence of Assistant Superintendent concerned, langar in charge, and storekeeper. (5) The mess committee shall maintain a register in which the following particulars of each meal shall be included, namely:– (a) name of the products; (b) daily prescribed scale of the prisoners; (c) total strength of prisoners; and (d) total amount of ration obtained. (6) The mess committee shall be responsible for the quality and quantity of food cooked and distributed. It shall also ensure that the food is properly cooked and that its full quantity reaches the prisoners. (7) The mess committee shall ensure that convict cook carry out all preparations and processes necessary after being issued the daily supplies and shall prepare the food with due care and attention. (8) Every prisoner member of the committee shall be issued an I-card which shall remain with him while the member is on his duty.
Supervision of food stuffs and water supply.	**447.** It shall be the duty of the Superintendent, the Medical Officer, and the Deputy Superintendent (Administration), respectively, at all times to satisfy themselves as to the following, namely:– (a) that potable drinking water is provided for consumption by the prisoners and that a supply of such water is at all times freely available to every prisoner for drinking purposes. Every prison shall have its aerobic sewerage treatment plant and the water thus recycled and saved may be used for gardening; (b) that every article at any time issued or intended to be issued for the dietary requirements of the prisoner(s) is of the prescribed quantity and quality and is good, wholesome, and fit for human consumption; (c) that every article of food supplied to any prisoner in a cooked state or which requires to be cooked before being so supplied, is properly and hygienically cooked to ensure its wholesomeness and reasonable palatableness; (d) that every article of food, whether cooked or uncooked, is subjected to proper examination and inspection before it is issued for consumption by any prisoner;

	(e) that all food-stuffs obtained and stored, at any time, in the prison are frequently inspected, and that all articles which are unwholesome or in any respect unfit for human consumption, are forthwith rejected and are not issued for the use of prisoners; (f) that proper place for the convenient and orderly distribution of and suitable utensils and other appliances for the consumption of food are duly provided; (g) that all Staff members upto the rank of Superintendent who are on duty, are provided one free meal equivalent to half of the diet of scale prescribed for prisoners and two cups of tea per day. Such meal and tea shall be prepared in the prisoners' cook-house only and there shall no separate cook-house for staff on duty; (h) that automated machines, clean fuel, appropriate cooking utensils, crockery, service vessels, vegetable choppers, masala grinders, hot cases, chapati warmers, refrigerators, and other such instruments or equipment are provided in the kitchen as per requirement; (i) chimneys with an aircooling system shall be installed in the kitchen as per requirement.
Offences connected with food supply time and place of consumption.	**448.** (1) No prisoner shall conceal, burn, waste, or transfer to any other prisoner any article of food or drink supplied, at any time, for his own consumption, and every prisoner shall consume his food at the times prescribed for the purpose. (2) Subject to the directions, if any, issued by the Director General in that behalf, the Superintendent shall, from time to time, prescribe the times at which meals are to be served to prisoners and the period within which prisoners are to consume their food including the manner in and place at which the distribution of food is to take place and the like. (3) No prisoner shall refuse to consume the food served from the prison kitchen. Such deliberate refusal of food shall be deemed as a major prison offence. In the event of the refusal of food by a prisoner, the Medical Officer must adopt methods of artificial feeding if, in his opinion, the physical condition is such that artificial feeding provides the only method of keeping the prisoner alive. The actual operation of artificial feeding must be carried out by the Medical Officer or his Medical Subordinate. **NOTE.-** When a prisoner complains about receiving insufficient quantity of food, the staff member on duty shall immediately weigh the food and if found short, the shortage shall be made good and if the food is not wholesome, such staff member shall inform the Deputy Superintendent (Administration) about the complaint for taking future remedial measures.
Examination of food and cook-house by Medical Officer.	**449.** The Medical Officer shall, - (a) examine the food daily and in case it is found to be defective in quality, make a note of the fact in Kitchen Report Book; (b) at uncertain times and at least once a week, inspect the cook-house and examine the hygiene and sanitary conditions and make a report to the Superintendent; (c) thoroughly examine all inmates on being allotted labour in cook-house and to ensure that they are not carrying any infection. Thereafter, they shall be examined once in a month;

	(d) examine when the food is cooked and ready for issue, and occasionally, after distribution to the prisoner, cause such food to be weighed in his presence and note the result in his Kitchen Report Book.
Inspection of food.	**450.** The Superintendent shall inspect the food prepared for prisoner's meals twice a week. On other days, the Deputy Superintendent (Administration) shall examine the daily meal
Food of prisoner on transfer.	**451.** (1) The prisoner on transfer or when about to be sent to court shall receive a meal of cooked rations before leaving. (2) If a journey exceeds twelve hours, the officer in charge of the police escort shall receive subsistence allowance for each prisoner at the rate of normal diet expenses of food per prisoner for the purchase of food during the journey. All advances for subsistence allowance or contingent requirements shall be accounted for by the officer to whom the money is entrusted. (3) It shall be the duty of the police escort to see that prisoners who have not been in prison previously have had their food before they are taken to the prison, in the likelihood of belated arrival at the prison. Unfed prisoners shall not be admitted into prison after 4 P.M.

All articles to be weighed.	**SECTION II** **452.**।सस ं तजपबसमे व ि कपमज ेींससए ूी मदमअमत चवेपइसम इम ू मपहीमक वनज जव जीम बववो पद ं ेजंजम तमंकल जव इमprepared for cooking. The following instructions in this regard shall be attended to, namely – (a) the time for the issue of raw rations from the grain storage shall be fixed by the Superintendent and be strictly adhered to; (b) wheat, before being ground into flour, should be thoroughly freed from dirt, unsound grain, and any other deleterious substances; (c) succulent, fresh vegetables when available, shall be used in the dietary regimen in चतममितमदबम जव कतपमक अमहमजंइसमेण् ज्ीमल ेींसस इम तिममक तिवउ ेजंसोए कमबंलमक ं दक पिइतवने portions, and cut up ready for the pot before being weighed out.
Scale, weights, measures and complaints concerning food.	**453.** Properly adjusted platform, beam scales, and correct weights shall be used in every prison for weighing supplies in bulk and individual rations. They shall be frequently inspected by the Superintendent. Pieces of brick stone or any other articles shall not be substituted for proper weights. Measures periodically tested as per the Legal Metrology Act, 2009 (Central Act 01of 2010) shall be kept in sufficient number for the distribution of all food that has to be given out by measure. All complaints of prisoners respecting the quantity, quality, or cooking of the rations shall, on the first opportunity be brought to the notice of the Superintendent.

Cleanliness while cooking.		**454.** (1) The cooks shall pe The dough shall be slowly and th necessary. Each chapatti should weight after being cooked, to 2.5 that the surfaces may not get bu must be kept clean and bright, an as possible for cleaning vessels. (2) The maximum los vegetables shall be as follows, na	rform the duty of prepa oroughly kneaded with p be of the same thickne to 3 times from its dry w rned, while the inner pa d the cook-house clean a s allowed for cleaning a mely:-	ring the food with due care and attention. ortion of the salt and not more water than is ss throughout. The rice shall increase in eight. The cooking shall be slowly done, so rt remains uncooked. All cooking vessels nd tidy. Hot water shall be provided as far nd winnowing various grains, pulses and
			Commodity	Percentage of Loss allowed
		(a)	Wheat	3%
		(b)	Pulses	2%
		(c)	Vegetable	10 %
		(d)	Condiment Masalas	2%
Charge of cook-house.		**455.** (1) Each cook-house shall be under the charge of a Head Warder or Warder on monthly basis, who shall be held responsible for any irregularity detected in connection with the preparation of food. (2) Head Warder or Warder in charge of the cook-house shall be responsible for seeing that all cooking utensils and other equipment are kept scrupulously bright and clean. The cook-house shall at all times be neat and tidy. (3) ब्ववो ेींसस नेम बंचेए ंचतवदेए उंेोए हसवअमेए मजबण् ूीपसम ूवतापदह पद जीम बववा.ीवनेमण्ज्ीमतम ेींसस इम ंकमुनंजम ंततंदहमउमदजे वित बववो जव ूंेी जीमपत ींदके चतवचमतसल इमवितम ंदक ंजिमत ूवताण्Manual handling of food is undesirable and shall be avoided.	
Protection from the weather during meals.		**456.** Prisoners shall be protected from rain and intense heat during meals. If there are no roofs over the ordinary feeding places they may be allowed to sit in verandas, or if necessary, in the work-sheds or wards or wherever shelter can be found.		

Responsibility of officers in	**457.**	(1)	The store keeper shall be responsible for the proper cleaning of grains and other

distribution of food.	articles in the grain store and their correct issue to the cook-house and grinding of grain in the mill-house. (2) ज्ीम क्मचनजल ै नचमतपदजमदकमदज ;।कउपदपेजतंजपवदद्धए मगमबनजपअम पद बींतहम व िजीम इंततंबो ं दकbarrack in charges shall be responsible for the correct distribution of food to the prisoners strictly in accordance with the scales laid down for any prisoner or class of prisoners. (3) A pharmacy officer duly nominated by the Superintendent shall be responsible for the preparation of food for prisoners admitted in the hospital, under the control of the Medical officer.
Checking of equipment.	**458.** (1) Head Warder or Warder in charge of the cook-house and bakery shall be responsible for maintaining a record, safekeeping and proper maintenance of the tools, equipment and utensils and other property kept therein. (2) The Deputy Superintendent (Administration) shall cause all tools, equipment, and utensils in the cook-house and bakery to be maintained properly to avoid any accident in the cook-house and bakery such as fire, electric shock, escape, etc.
Cook-house, selection of cook.	**459.** (1) One prisoner cook, helper may be employed for every twenty-five prisoners. One trained full-time cook shall be appointed for five hundred prisoners to guide and train prisoners in cooking and catering. (2) ज्ीम चतपेवदमत बववो ेीं सस इम े मसमबजमक तिवउ ं उवदह े पदबमतम ं दक ीं तकूवतापदह बवदअपबजे व ि हववक बवदकनबजण् ।े ंि त ंे चवेपइसमए जीम बववो ेी वनसक इम बींदहमक चमतपवकपबंससलण् छव बवदअपबज ेींसस इमpermitted to cook his own food separately. They shall be watched to prevent any theft or tampering with the food.
Other provisions regarding cooking.	**460.** (1) Cooking shall be done in stainless steel vessels. All cooking utensils must be kept clean and shining and the kitchen and eating area too must be clean and tidy (2) Special care shall be taken to ensure that all vessels, in which milk is kept, are perfectly clean. All vessels shall be scalded and cleaned with boiling water immediately after use. These must not be left unclean. (3) All cooked food shall be kept covered until it is distributed, and appropriate arrangements (in the form of freezers, refrigerators, etc.) shall be made for the storage of perishable items. (4) The Superintendent and the Medical Officer shall exercise utmost vigilance in the supervision of food supplies, and when the food is cooked and is ready for distribution to prisoners, they shall make surprise inspections at least once a week, in addition to routine inspections. At these inspections, the weight and taste of the food distributed shall also be examined. (5) ज्ंउचमतपदह ू पजी विवक वत े बंसमे इल बवदअपबज बववो ेीं सस इम जतमंजमक ंे ं उंरवत वा िमदबमण् (6) Prisoners may be allowed by the Superintendent to warm the prison food given to them कनतपदह सवबावनज जपउम पद जीम बवनतजलंतक व िजीमपत इंततंबो वत ू तकेण् भ्वूमअमतए े नबी ंि बपसपजल ेींसस दवज इमprovided to prisoners lodged in high security enclosures.

Inspection of stores.		**461.** suppli obser case t short, stored	**SECTION III** **THE STORAGE O** An inspection committee consisting of members es of food grains, pulses, condiments, etc., rece vation regarding its quality and satisfy itself abou he quality is not satisfactory or comparable to t the consignment shall not be accepted. If found in . The committee shall consist of the following offi	**II** **F GRAIN** mentioned herein below ived by the prison stores t the appropriateness of he controlled sample, or order, the same shall be cer/staff, namely:–	shall inspect all and record its its quantity. In the quantity is approved to be
		(a)	Superintendent	Chairperson	
		(b)	Medical Officer	Member	
		(c)	Deputy Superintendent (Administration)	Member	
		(d)	Assistant Superintendent (Mess in Charge)	Member	
		(e)	Store Keeper	Member	

Responsibility for storage.	**462.** The Superintendent, Deputy Superintendent (Administration) and Store Keeper shall be responsible for proper arrangements of storage of grain, subject to the supply limits as determined by the Director General from time to time and the storage room available. As far as possible, the grain shall remain inaccessible to all prisoners except those employed in its preparation. Grain shall be stored in bags and shall not be left loose in bulk.
storage and subsequent Care of grain.	**463.** (1) Grain shall not be finally stored until it is thoroughly dry, and if it is damp then it shall be spread out and turned over frequently in the sun for a few days but must not be left uncovered at night. All grain shall be protected from birds, vermin, and insects and secured under lock and key. The storage godowns or silos shall be fumigated with appropriate chemicals periodically to keep insects away. It shall be separated from the walls and floor of the store or pit by at least one foot, examined at intervals to see that it is not being damaged. If it shows signs of damage or decay, it shall be all turned out, exposed to the sun, cleaned, and restored. If any loss is discovered, a full report of the circumstances shall be made to the Director General. (2) Grain pulses and flour shall be kept in the grain expense store in gunny bags, each containing a mention of uniform weight of provisions (the weight being marked on each bag) or in इपदे ूपजी जीम बंचंबपजल उंतो चतपदजमक वद जीमउण् ज्ीम ूमपहीज व िजीम बवदजंपदमते पद ूीपबी बवदकपउमदजे ंदकoil, and ghee, and other articles are kept, shall be marked on them to facilitate examination or verification of stock.
न्जपसप्रंजपवद व ि prison labour;	**464.** As far as practicable, all articles of diet required for feeding prisoners shall be raised on prison land and prepared by prison labour. When articles are purchased they shall be in the crudest बवदकपजपवदए ेव जींज चतपेवद संइवनत उंल इम नजपसप्रमक पद जीमपत चतमचंतंजपवद ंदक मबवदवउल मगमतबपेमकण्

comparison of output with raw material issued.	ज्ीमamount of every kind of food-stuff issued for preparation shall be frequently compared with the return of prepared material received therefrom and both the Superintendent and Deputy ैनचमतपदजमदकमदज ;।कउपदपेजतंजपवदद्ध ेीं सस ें जपेलि जीमउेमसअमे जींज दव ूंे जम वत नदंनजीवतप्रमक सवे वबबनतेण्This applies particularly in the output of flour and oil, which shall commensurate with the grains issued.

Supply of clothing, bedding, footwear and toiletries.

CHAPTER 26

CLOTHING, BEDDING, FOOTWEAR AND TOILETRIES

465.	(1)	Subject to the provisions of section 31 and 33 of the Act, the supply of clothing,

bedding, footwear and toiletries to prisoners shall be governed by these rules.

(2) A prisoner shall be permitted to maintain himself, and to purchase or receive from private sources at proper hours clothing, bedding or toiletries but subject to examination and to such guidelines or instructions issued by the Government or the Director General from time to time:

Provided that no article shall be allowed to any prisoner if, -

(a) it is injurious to health; or

(b) it is an intoxicating drug or spirituous liquor; or

(c) it is suspected to contain or conceal any prohibited item.

(3) Every prisoner unable to provide himself with sufficient clothing, bedding, footwear and toiletries shall be supplied by the Superintendent as prescribed in these rules. A record of all items issued to the prisoner shall be kept in the history ticket of the prisoner.

(4) No prisoner to whom any clothing, bedding, footwear or toiletries is supplied under sub-rule (3) shall receive, possess or use any article of clothing, bedding, footwear or toiletries other than an article so supplied or an article the receipt, possession or use of which the Superintendent may, at any time, sanction in respect of any such prisoner.

(5) No part of clothing, bedding, footwear or toiletries belonging to a prisoner shall be given, hired or sold to any other prisoner and any prisoner transgressing the provisions of this rule shall lose the privilege of receiving the articles from private sources for such time as the ैनचमतपदजमदकमदज जीपदो चतवचमतण्

(6) Prisoners who are or were members of the Armed Forces of the Union or Central Armed Police Forces are not entitled to wear uniform while in prison. Any such prisoner who possesses no private clothing, except his uniform, shall be provided with the necessary clothing by the Superintendent not exceeding the scale provided for convicts.

(7) छव चतपेवदमत ेीं सस इम ं ससवूमक जव ू मंत ं दल बसवजीपदह वत ा ममच ं दल ं तजपबसम इमंतपदह उंतो वत

	symbols of caste, religious or political affiliations.
Convicts to wear prison dress.	**466.** Every convict shall wear the prescribed prison dress. The clothes of convicts shall have no pockets or openings in the lining. All clothing shall be according to the custom of the State. The prisoners shall be provided with dresses to suit their physical measurement: Provided that convicts may be permitted to wear private clothing when, - (a) attending court; (b) on transfer to another prison; (c) having an interview with relatives or legal counsel; or (d) during lockup hours: Provided further that the Director General, may, at any time in his discretion, by general or special order in that behalf, relax the provisions of this rule in respect of any prisoner sentenced to simple imprisonment, subject to such conditions (if any) as he may think fit to impose in that behalf.
Responsibility with regard to clothing etc.	**467.** (1) It shall be the responsibility of the Government and the Director General to take all such measures, as may be necessary to ensure that every prisoner is at all times be supplied with clothing and bedding as to preserve him in reasonable comfort and good health. (2) Sufficient stock of clothing to meet all possible requirements shall be kept in store in every prison.
Prisoners to conform to order as to the care etc. of articles.	**468.** Every prisoner to whom any article of clothing or bedding or other equipment is at any time supplied shall conform to all such orders as to the care, custody and use, as the case may be thereof, as may from time to time be issued by the Superintendent, subject to the directions (if any) in that behalf, of the Director General. Willful destruction of any such article shall be considered a prison offence.

Scales of clothing, bedding, footwear and toiletries.

469. (1) The following scales of clothing, bedding and footwear are prescribed for convicts, -

Male	**Female**
Pyjama/Kurta- 2 sets per year (White)	Salwar, Kameez, Chunni- 2 sets per year (sky blue) Replaceable by Sari (sky blue)
Undergarments- 3 sets per year	Undergarments- 3 sets per year
Towel- 3 per year	Towel-3 per year
Slippers- 1 per year	Slippers- 1 per year

Country shoe-1 per year	Country shoe-1 per year
Socks- 2 pair cotton and 1 pair woolen per year	Socks- 2 pair cotton and 1 pair woolen per year
Durry– 1 every three years Bed sheets– 2 every two years.	Durry– 1 every three years Bed sheets –2 every two years.
Blankets- One every three years.	Blankets- One every three years.
Mat made of rubber or other such material of the size of the berth- one every three years.	Mat made of rubber or other such material of the size of the berth- one every three years.

(2)	Summers shall be deemed to be from 1st April to 30th September and Winters

from 1st October to 31st March. However, the Director General keeping in view the prevailing weather conditions may prepone or delay the onset of summer or winter suitably.

(3) In winters, one extra blanket shall be given to each prisoner.

(4) During severe cold season, preferably from 15th December to 15th February, an extra blanket may be given to a prisoner as per requirement.

Note.— (5)	Blanket shall be provided with washable cloth cover. The following scale of toiletries are prescribed for convicts, -

Male	**Female**
Mustard oil 50 ml. weekly	Mustard oil 100 ml. weekly
1 comb per year	1 comb per year
Bathing soap 200 gms. per month	Bathing soap 400 gms. per month
Washing soap 500 gms. per month	Washing soap 500 gm. per month
Detergent/Washing Powder 50 gm. per week	Detergent/Washing Powder 50 gm. per week
Toothpaste 100 gms per month	Toothpaste100 gms per month
Toothbrush, one per quarter	Toothbrush, one per quarter
--	1 Shampoo sachet per week :

Provided that the Director General may, with the previous sanction of the Government from time to time, -

	(a) vary the scale of clothing, bedding, footwear and toiletries generally, or that prescribed in respect of prisoner of any class; (b) prescribe a special scale in respect of any period or periods of time or during any season of the year.

convict officers.	**470.** (1) Male convict officer shall wear the same articles of clothing as ordinary male convicts but of grey colour. (2) Female convict officer shall wear the same articles of clothing as ordinary female convicts but of pink colour. (3) ब्वदअपबज वतिपबमत कवपदह कनजल वनजेपकम इंततंबो ंज दपहीज ेींसस इम चतवअपकमक ूपजी ं ूंतउjacket or a woolen shawl during winter season.
Supply of prison clothing etc, to certain prisoners.	**471.** All clothing, bedding, footwear and toiletries supplied to any prisoner under the provisions of the Act or these rules shall be of the same description as that supplied to convicts: Provided that the colour of their clothing shall be other than the colour of the clothing of the convicts for ease of identification.
Clothing etc. of infants.	**472.** (1) The clothing, bedding etc. to be supplied to infants who are permitted to reside in prisons, shall be such as the Medical Officer may in each particular case, specify. (2) Every child shall be given a set of clothes every six months as per local climatic requirements and similar to that normally used by children in the free community.
Standard patterns of all articles.	**473.** All articles of clothing, bedding, footwear and toiletries, shall be of the standard pattern approved by the Director General and, in case of every prisoner, shall, with the exception of the bedding and blankets, remain with him at all times.
Articles to be marked.	**474.** As far as practicable, every article of clothing, bedding, footwear and toiletries issued to every convict shall be marked with unique identification number of the prisoner along with logo in a suitable manner.
Time articles may last. disposal of unserviceable clothing.	**475.** (1) All articles of clothing and bedding items on expiry of the period as specified in sub-rule (1) of rule 469, shall be brought before the Superintendent who shall inspect each such item and declare the same condemned if it is found non serviceable (2) All clothing items declared condemned by the Superintendent shall be written off the accounts under his initials. Such portions as may be useful for repairing other clothing shall be set aside for this purpose

	and not returned to store, the remainder shall be cut into small pieces. Cotton rags may be sent to nearest prison that manufactures paper and requires them; woolen rags shall be disposed of to the best advantage.
Distribution of clothing.	**476.** Convicts shall be supplied with new clothing at the time of entry in the prison on first come first serve basis. Clothing or bedding articles which have been previously in use and in serviceable condition may be re-issued. All such clothing and bedding items shall be properly washed and disinfected before re-issue. When clothing or bedding that has been previously in use is issued, the fact shall be noted on the history-ticket.
Medical Officer may order extra clothing.	**477.** The Medical Officer, with the approval of the Superintendent, at any time may direct, on medical grounds and for the benefit of the health of any prisoners, the issue of extra clothing or bedding to any such prisoner or any category of prisoners for any specified period or during any season of the year.
Hospital clothing procedure on admission to hospital.	**478.** (1) Prisoners admitted in hospital shall ordinarily be provided with a stuffed mattress with two bed sheets, a pillow and pillow cover, a bed-side table and other needful articles as per advice of the Medical Officer. (2) All articles of clothing and bedding for hospital use shall be of green colour or shall be marked specially to be distinguished. The clothing of every prisoner shall, on his admission to hospital, be taken from him and a complete hospital outfit substituted. The prisoner's clothing shall then be washed and placed in the hospital store-room until he is discharged when it shall be returned to him. In case of death, the clothing shall be destroyed, if the Medical Officer considers such a course necessary. The Medical Subordinate shall be responsible for the care of the hospital clothing godown and the articles stored therein.
Extra clothing for convalescents.	**479.** Prisoner in the convalescent group shall be provided with an extra blanket, a woolen pyjama and a waist-coat made of old blanketing from 15th December to 15th February.

Prisoners to get old clothing at certain times.	**480.** Every prisoner who is employed on any form of labour which is destructive of clothing or especially liable to soil it, in addition to the ordinary scale of clothing be supplied with dangri or any other appropriate clothing as per requirement.
Clothing to kept serviceable.	**481.** Every prisoner’s clothing and equipment shall be repaired as necessity arises; no prisoner shall be allowed to remain in tattered and unserviceable clothing. One or more prisoner tailors may, according to circumstances, be employed in keeping the clothing in repair.

<table>
<tr><td>Washing of prisoners clothing.</td><td>482. Blankets shall be washed in boiled water once in three months, and hospital clothing and bedding at shorter intervals, by a group of men specially set apart for this work. In order that this may be done systematically and thoroughly, it shall be done ward by ward. Each prison shall be provided with a boiler and wringing machine for boiling and washing blankets and clothing of newly admitted prisoners and also the clothing of hospital patients. The boiling must be done thoroughly; there ought to be no vermin in the clothing. At least once a week, when the weather is fine, the bedding and blankets shall be aired in the sun for at least three hours. This should ordinarily be done after the mid-day meal, and the bedding left out until the prisoners return from work in the evening.</td></tr>
<tr><td>Repair, maintenance and inspection of clothing and bedding.</td><td>483. A day shall be fixed for weekly maintenance and inspection of clothing and bedding. At the weekly parade of prisoners, the Superintendent shall pay special attention to their clothing and bedding and shall satisfy himself that each man's kit is complete and is in proper condition. Suitable arrangements shall be made for washing and cleaning of every article of prisoners' clothing and bedding.</td></tr>
<tr><td>Prison laundry.</td><td><table><tr><td rowspan="2">484.</td><td>(1)</td><td>All prisons shall have their own laundry facility to wash items of clothing and bedding.</td></tr><tr><td>(2)</td><td>All prisoners shall wash their wearables themselves. Convict dhobi shall be employed</td></tr></table>to wash for those who are sick.</td></tr>
<tr><td>Supervision of supply of clothing and bedding.</td><td>485. It shall be the duty of the Superintendent, the Medical Officer and the Deputy Superintendent (Administration) at all times to satisfy themselves, respectively, that, -
(a) every prisoner is provided with sufficient clothing and bedding to secure his health;
(b) all clothing and bedding supplied is of the prescribed description and quality, clean, in good condition and in all respects suitable for use by prisoner; and
(c) all articles of clothing or bedding at any time obtained and stored in the prison are frequently inspected, and that all articles which are in any respect unsuitable or inferior to the prescribed description and quality are forthwith rejected and are not issued for the use of prisoners.</td></tr>
<tr><td>Disposal of clothing received on release.</td><td>486. Clothing received from prisoners on release shall be returned to the store. If, fit for further use, it shall, after being washed, disinfected and repaired, if necessary, be re-issued; if not, it shall be placed before the Superintendent in accordance with rule 476.</td></tr>
<tr><td>Submission of clothing indent.</td><td>487. Indents for clothing, bedding etc. shall be submitted in duplicate to the Director General on or before 15th April of each year. The requirements shall be carefully assessed so as to obviate the necessity of submitting a supplementary indent.</td></tr>
<tr><td>Charge of clothing</td><td>488. The clothing godown shall be placed in the charge of a trustworthy official, subject to the general responsibility of the Deputy Superintendent (Administration). Every care must be taken to</td></tr>
</table>

godown.	protect the clothing from dump and the ravages of vermin and insect pests by airing it in the sun at least once a month and by liberal use of naphthalene balls or other suitable means.
Clothing of prisoners transferred or released.	**489.** (1) The articles of clothing sent with prisoners on transfer shall be recorded in his history ticket and written off from the stock of the transferring prison. (2) Prisoners on release shall surrender every article of clothing (except under garments), bedding and other equipment, provided to him at the Government expense, at the time of his release from the prison.

Premises to be kept clean.

CHAPTER 27

SANITATION AND HYGIENE

490. (1) It shall be the duty of the Superintendent, Medical Officer, Deputy Superintendent (Administration), and all subordinate officers to pay special attention to every detail connected with the cleanliness of the prison and its surroundings and the visitors are expected to satisfy themselves that there is proper sanitation inside the prison premises.

(2) The roofs and walls of wards, cells, factory, hospital and recreational areas shall be regularly cleaned. The floor, equipment, machines and tools in the factory shall be cleaned every day after work.

(3) The ground shall be free from fallen leaves, weeds, and rubbish of all descriptions. It shall be ensured that the grass plants are closely cropped, their edges are trimmed, the paths kept in repair, kacha drains are dressed, and their levels shall be re-adjusted whenever necessary. Seasonal flowers shall be planted around prison lawns every season. To aid the efforts of Correctional Services at rehabilitation of the prisoners, all potential opportunities therefor shall be explored including the maintenance of prison lawns which may be turned into a healthy competitive endevour wherein respective teams from various sections of prisoners may be engaged in maintenance of lawns to be ultimately reviewed and rewarded by the senior prison officials.

(4) Drains and latrines must be kept scrupulously clean and steps be taken to ensure that no sewage matter finds its way into them. Cesspools of any kind are prohibited within prison precincts. The use of sunk reservoirs for refuse water may be avoided. No rubbish or manure pits shall be allowed within or near the prison walls. All food waste shall be collected in dustbins, before washing the eating plates and cooking vessels.

(5) The hospital shall receive special attention as far as hygiene and sanitation is concerned. Godowns shall be kept clean, properly arranged, well ventilated, and their contents given air exposure as often as possible. Adequate steps shall be taken at periodic intervals to get rid of तवकमदजेए सप्रंतकेए बवबातवंबीमेए ीवनेम सिपमेए उवेनपजवमेए ंदक वजीमत अमतउपद तिवउ जीम ेजवबो ंे ूमसस ंेfrom the wards/cells and other prison premises.

(6) The prison area shall be cleaned daily and kept free from all unwanted plants, ंबबनउनसंजपवद व िइतवामद इतपबोए उंदनंिबजनतपदह ूंे जम मजबण् ज्ञपजबीमद ूंे जम ेींसस दवज इम चमतउपजजमक जव इमthrown on the ground and the same shall be directly deposited in covered refuse bins provided for the purpose, nor shall garbage of any kind be allowed to accumulate in or near the prison. These bins shall be smeared with crude oil at least once a week and the surroundings sprayed with prescribed insecticides, weedicides, fungicides fortnightly.

	(7) The kitchen and canteen shall be sprayed daily in the fly season with a mixture of prescribed anti-fly solution at an appropriate time. (8) Regular disinfecting and fogging of prison enclosures and other premises shall be undertaken. (9) Each prison shall follow a Standard Operating Procedure (SOP) regarding sanitation and hygiene during epidemics or spread of contagious disease, containing clear guidelines on the following, namely– (a) hand hygiene and respiratory etiquettes, - (b) social distancing; (c) segregation; (d) security of inmates; (e) health monitoring; (f) minimum movement; (g) tracking and tracing of contacts; and (h) remote meetings.
Prisoners to keep the wards and yards clean.	**491.** Prisoners shall be responsible for keeping their wards and yards clean. Such work may be ंससवजजमक वद ं हतवनच इंेपे ेव जींज जीतवनही जीम बनउनसंजपअम ूवता व िसस जीम चतपेवदमतेए जीम लंतकेए इंततंबोए cells remain neat and clean at all times. It shall also be incumbent upon all prisoners to keep their clothing, bedding, and equipment properly washed, cleaned and disinfected.

Cleanliness of इंततंबो ंदक other buildings.	**492.** (1) The barracks, cells occupied by prisoners shall be thoroughly cleaned every morning. Doors, window-sills, gratings, and shutters shall be dusted. (2) The floors shall be mopped with a wet cloth treated with disinfectants twice a day, once in the morning and once in the afternoon. (3) The prison premises shall be white-washed as and when necessary. (4) All bathrooms and toilets shall be washed and disinfected twice a day, once in the morning and once in the afternoon. (5) Inner walls of the living area and hospital building shall be brushed and cleaned regularly. (6) All manholes and sewers shall be checked periodically to prevent blockages and overflows. (7) All beddings shall be taken out and placed in the sun once every week. Bed linen shall be washed every week. (8) ।कमुनंजम बसमंदपदह ं ततंदहमउमदजे पदबसनकपदह े वंच ं दक ें दपजप्रमते ेीं सस इम उंकम ंअंपसंइसमat the entrance of the kitchen.

Prisoners to bath daily.	**493.** All prisoners shall take bath every day.
Flush latrines with proper sewrage treatment plant.	**494.** (1) Each enclosure or barrack shall have a sufficient number of flush-type latrines and bathrooms attached to it so that prisoners complete their latrine and bathing parade in a reasonable time. All flush latrines shall be connected to the municipal sewage system or have a proper sewage treatment plant. (2) Every latrine and place where prisoners are confined shall at no time be without proper vessels. Such vessels shall be thoroughly washed out and scrubbed daily and frequently cleaned appropriately. (3) All toilets, whether individual or common, shall be equipped with a washbasin, to prevent the transmission of infectious diseases. (4) Adequate bathing installations shall be provided so that every prisoner can have a bath or shower, as frequently as necessary for general hygiene according to the season. (5) The Government and the prison administration shall ensure that no drainage, sewerage, and sanitation facility inside a prison is in a dilapidated condition. (6) All arrangements shall be made to ensure that rainwater in the form of surface run-offs and those collected on buildings are duly harvested, as far as possible through the installation of proper rainwater harvesting systems.
Drainage of prison land and sanitary defect to be reported.	**495.** (1) The drainage of land around the prison shall receive careful attention and all low ground be filled up with clean earth. For sanitary and security reasons, high crops shall not be grown within 50 Yards of the prison walls. (2) It shall be the duty of the Medical Officer to bring to the notice of the Superintendent, any defects of drainage within the prison area or its vicinity. The construction of public latrines, sewers, or drains or the existence of any other sanitary condition in the neighborhood of the prison, likely to affect the health of the prisoners, shall be reported to the Director General. (3) The Municipal Health Officer or District Health Officer, as the case may be, shall visit all prisons under their jurisdiction once a month and offer suggestions for sanitation and hygiene.
Arrangements for rain water.	**496.** Arrangements shall be made to pump out all stagnant water. After the rainy season, the inner and outer sides of the perimeter wall of the prison and wall of the wards shall be scrubbed. Pathways inside the prison compound shall be de-weeded and re-laid. Wherever the paths are made of tarmac, the uneven surface shall be leveled properly. The open spaces and roads inside the main wall of the prison shall be properly paved leaving enough space for flower beds.

Prison hospital to be kept free of contamination.	**497.** Following measures shall be taken for keeping the prison hospital free of contamination, namely:- (a) the floor and walls shall be painted or cladded with ceramic tiles. The floor and tiled walls shall be mopped with disinfectants every day; (b) the toilets shall be cleaned with appropriate disinfectant twice a day; and (c) prisoners suffering from infectious and contagious diseases shall be kept in isolation to prevent contact with others.
Hygiene management of female prisoners.	**498.** The Government shall make an endeavor to ensure access to clean water, sufficient quantity of sanitary pads, proper disposal of used pads, as well as a reproductive health check of women prisoners and regular visits of Medical Officer to raise awareness among the prison staff and women prisoners on issues of menstrual hygiene.
Source of water supply.	**499.** (1) Wherever municipal water supply exists, arrangements shall be made to connect the prison with it. In absence of water supply from civic or municipal authorities, adequate number of borewells shall be established in every prison. (2) Samples of the water consumed in every prison shall ordinarily be submitted to the requisite authority twice a year, for both chemical and bacteriological examination to prevent any health hazard. In case the samples of water are found unfit for human consumption, the Superintendent shall arrange for an alternate source of water supply. (3) Every possible precaution shall be taken to prevent contamination of the water whether at its source, during its carriage, or in its distribution.
Supply of drinking water.	**500.** (1) Suitable arrangements shall be made to supply every prisoner with a sufficient quantity of potable drinking water. It shall be the responsibility of the warder on duty to see that sufficient drinking water is available before the prisoners are locked-in. Prisoners at work shall be supplied with an adequate supply of drinking water. If water is to be stored, it shall be done in covered receptacles which must be thoroughly cleaned every day. There shall be no garbage dump or sewerage tank within a radius of 15 Meters from a tube well or water tank. (2) व्अमतीमंक जंदो ंदक तमेमतअवपते ेींसस इम ुनंतजमतसल बसमंदमक ंदक ेजमतपसप्रमक ूपजी इसमंबीsolution. (3) Any undue wet patches on the ground or undue green patches along the pipeline shall be viewed with suspicion as they are indicators of leakage. Such pipes shall be dug up and the defects repaired.
to staff quarters.	**501.** An adequate supply of water shall also be ensured to the residential quarters of the prison staff. Every officer occupying staff quarters shall be held responsible for the cleanliness of his premises. The Superintendent and the Medical Officer shall periodically inspect the staff quarters to check general cleanliness.

Free of cost medical treatment including medicines.

CHAPTER 28

MEDICAL ADMINISTRATION AND HEALTH MANAGEMENT

502. Prisoners shall be entitled to free medical treatment and attendance at Government hospitals during confinement in prison.

prison hospitals.

503. (1) Hospital accommodation for indoor patients in Central and District Prisons shall be provided for a minimum of 3% of the average daily prisoner population as per the following scale, -

(a)	Prisons with up to 500 prisoners	15 Beds;
(b)	Prisons with up to 1000 prisoners	30 Beds;
(c)	Prisons with up to 1500 prisoners	50 Beds;
(d)	Prisons more than 1500 prisoners	60 Beds;

(2) The prison hospitals shall be of two types. Hospitals with 50 beds or more shall be called Type 'A' hospitals. Those with less than 50 beds shall be called Type 'B' hospitals. Staffing of prison hospitals shall as far as practicable be as per the following scale, -

Officer(s) or Staff	**Type A**	**Type B**
Medical Officers	4	2
Dentist	1	1
Pharmacy Officers	4	2
Staff Nurses (Male or Female)	6	3
Laboratory Technicians	3	1
Counsellor	1	1
Dental Assistant/Hygienist	1	1

Ward Attendant	6	3
Sweeper	4	2

(3) The senior most Medical Officer posted in a prison shall be the overall in charge of the medical establishment of the prison. He and his team of medical officers and other subordinates shall be jointly responsible for the health-care of the prisoners.

(4) The hospital establishment shall function under the general control and superintendence of the Superintendent and the Medical Officer in charge shall abide by all lawful orders passed by him:

Provided that the administrative control of the Medical officers shall lie with their parent department and no prison officer including the Superintendent shall interfere in any matter related to clinical work.

(5) Services of Medical Officers posted at prisons shall be counted as 'Difficult' posting.

(6) Ambulances with appropriate equipment shall be provided in every prison as per requirement.

(7) Prisons having a female enclosure shall ordinarily have minimum one female Medical Officer. In case no female Medical Officer is posted in a prison having female enclosure, a female Medical Officer from the Civil Hospital shall visit such prison once a week. Other specialists shall also visit the prison periodically as per requirement.

(8) The medical staff shall wear prescribed uniform while on duty.

communication.	**504.** All correspondence by the Medical Officer (in charge) to the Director General or to the Director General Health Services or any other authority shall be routed through the Superintendent.
Allotment of Duties among Medical Officers.	**505.** (1) In prisons where there is more than one Medical Officer, the hours of duty shall be so distributed amongst them by the Medical Officer (in charge) that at least one Medical Officer remains available round the clock. (2) In prisons where there is only one Medical Officer, he shall be on duty during the day and shall remain on call at night to take care of any emergency. The pharmacy officers shall be on duty round the clock as per the orders of the Medical Officer (in charge).
Duties of Medical Officer (in charge).	**506.** (1) The Medical Officer shall report to the Superintendent on all matters relating to medical establishment of the prison. (2) He shall be responsible for smooth administration of prison hospital and ensure that order, cle anliness and discipline are maintained in the hospital and its enclosure. (3) He shall ensure that the pharmacy officers, nursing staff, attendants and nursing orderlies perform their duties properly, and any excess or deficiency of attendants is brought to notice of the authority

	concerned and to report any violation of these rules. (4) He shall keep a journal in which he shall record every visit paid to the prison, the hour at which he entered and left the prison, the areas of the prison or classes of prisoners visited, the number of the sick in hospital, the result of daily inspection and any matter which he considers necessary to be brought to the notice of the Superintendent promptly and the following shall also be recorded in his medical journal, - (a) Any shortcomings in the cleanliness, drainage, sanitation, water supply or other arrangements of the prisons which he considers likely to be injurious to the health and safety of the prisoners, together with suggestions for the remedy of such defects; (b) Any occurrence of importance connected with the medical establishment and the apparent causes of the same; and any observations, recommendations or directions regarding individual prisoners. (5) He shall accompany the Director General and other official visitors during their inspection or visit of the prison. He shall also be present at the Superintendent's weekly inspection parade. (6) If any epidemic or unusual sickness prevails, or any serious case of illness occurs, he shall visit the prison as often as may be necessary, and record the fact and the reason thereof in his journal. (7) He shall submit returns and any other information regarding the medical establishment, at regular intervals as specified. During inspection or audit, he shall produce or cause to be produce the requisite record connected with the medical establishment of the prison. (8) He shall ensure that all medicines, instruments and the like procured on annual indents ंतम चतवचमतसल नजपसप्रमक वित जीम नेम व िचतपेवदमतेण् (9) He shall be responsible to see that all medicines are properly arranged, labeled, and stored under lock and key, to take proper care of the instruments and appliances in his charge and to not permit any convict attendant to handle instruments or distribute medicines whose misapplication may turnout harmful. He shall from time to time examine all the medicines kept in store to ensure purity and validity, and shall regularly check the account of medicine purchased locally. (10) He shall maintain or cause to maintain a register of expired medicines for disposal. (11) भ्म ेींसस मदेनतम जींज उमकपबंस कपमज पे चतवचमतसल नजपसप्रमकण् (12) भ्म ेीं सस वतहंदप्रम ंू तमदमे बंउचे ं दक े मदेपजप्रंजपवद चतवहतंउे तमहंतकपदह बसमंदसपदमेएhygiene, drug de-addiction etc.
Medical Officer.	**507.** (1) He shall be present in the prison hospital on working days and also on Sundays and holidays, whenever necessary. (2) He shall attend to any prisoner who complains or appears to be ill, and have them removed to the hospital or placed before the Medical Officer (in charge) for examination, as the case may require.

	(3) He shall visit high security enclosures daily, and attend any prisoner who complains or appears to be ill. (4) He shall attend to all staff members and their families residing in prison premises. He may depute the medical subordinate to do these duties.

	(5) He shall examine all candidates for employment, and the prison officers who may be sent to him by the Superintendent for the purpose, and shall certify in writing regarding their physical capacity and state of health. (6) He shall examine any medicine(s) brought by inmates for treatment of an existing ailment at their own expense and the same shall be allowed only if accompanied by a prescription from a registered medical practitioner and he shall make a record of such incoming medicine in a register maintained for such purpose. (7) He shall satisfy himself that the food for the sick in hospital is properly prepared and distributed. (8) He shall bring to the notice of the Medical Officer (in charge) any female whom he may suspect to be pregnant. (9) He shall report in writing to the Superintendent, the necessity for the removal of any prisoner from the cell or ward on account of bodily or mental infirmity. (10) He shall vaccinate newly admitted prisoners who are in the quarantine and also the infants lodged with their mothers. (11) He shall bring promptly to the notice of the Superintendent and the Medical Officer (in charge), any case of a contagious or infectious disease that may appear amongst the staff members or prisoners. (12) He, bi-annually, shall record or cause to be recorded each prisoner's weight in his weight chart, and shall parade before the Medical Officer (in charge), all prisoners who are losing weight to any noticeable extent. (13) Every Medical Officer shall maintain a report book in which he shall record all matters of importance that he wishes to bring to the notice of the Medical Officer (in charge).
Stock verification.	**508.** The stock of drugs and instruments shall be checked by the Superintendent and a report shall be submitted to the Director General twice a year.
Medical staff not to leave prison premises without permission.	**509.** (1) Medical staff shall be posted in prisons by the Health Department of the State Government. (2) Casual leave may be granted to a Medical Officer by the Medical Officer (in charge). If there is only one Medical Officer available in a prison, his application for casual leave shall be forwarded by the Superintendent to the Civil Surgeon with the request to provide a substitute for the leave period. The Medical Officer (in charge) shall be competent to allow casual leave to all other Medical staff in accordance with the rules relating to the grant of such leave. In case a substitute from outside is required for the leave period, the Chief Medical Officer shall provide the same. (3) Medical Officers, Pharmacy Officers, Nursing staff or any other medical staff posted or attached to a prison shall not leave the prison precincts without permission of the Medical Officer (In charge), and the Medical Officer (In charge) shall need prior permission of the Superintendent before leaving the prison precincts.
Record by Medical Officer on admission	**510.** (1) The health status of every prisoner shall be categorized as 'good', 'poor' or 'indifferent'. On admission to the prison, the health status of the prisoners who are in immediate need of medical treatment shall be recorded as 'poor', unless suffering from any trivial and temporary ailment.

and discharge of prisoners.	Those who are not fit for prison work, but do not need hospital treatment, shall be recorded as having 'indifferent' health. **NOTE. -** If a prisoner is in 'poor' or 'indifferent' health, the Medical Officer shall enter the cause of the disability in his history ticket and admission register. (2) If any prisoner during the medical examination upon admission is discovered to be a transgender, the Medical Officer shall record such fact and bring this to the notice of the Superintendent. (3) When a prisoner with injury on his body is admitted to a prison post police custody, his medical examination shall be conducted and it shall be verified whether such injuries are mentioned in the accompanying Medico Legal Report (MLR) and if there is a variance in the injuries, he shall prepare a fresh MLR describing all injuries and the matter shall be reported to the Superintendent.

Duties of Pharmacy Officer.	**511.** (1) The Pharmacy Officer shall obey the lawful orders of the Medical Officer (in charge) and Medical Officer in all matters connected with clinical work and also obey the Superintendent and Deputy Superintendents in all other matters. (2) He shall ensure safe custody of medicines and equipment, bedding and clothing of the hospital and for the proper supply of these articles to the patients in hospital according to the instructions of the Medical Officer (in charge) and the Medical Officer. (3) He shall ensure correct and proper dispensing of medicines and ensure that almirahs are securely locked. (4) He shall keep the dispensary clean and tidy. (5) He shall assist the Medical Officer in the maintenance of the health of the staff and prisoners by compounding and distributing medicines, vaccinating and weighing prisoners, performing clerical work, maintaining order and discipline in the hospital and by carrying out such other duties of the like character as may be imposed on him by the Medical Officer (in charge) or Superintendent. (6) In prisons where there is more than one pharmacy, the Medical Officer (in charge) shall so arrange their duties that at least one is always present in the prison including at night.
Nursing staff.	**512.** (1) Nursing staff appointed in a prison shall obey the lawful orders of the Medical Officer (in charge) and Medical Officer in all matters connected with clinical work and also obey the Superintendent and Deputy Superintendents in all other matters. (2) During the night hours, requisite number of nursing orderlies, where there is more than one, shall make themselves available on duty inside the prison hospital round the clock to assist the Medical Officer on night duty.

Pathological Labs and other facilities for prison hospitals.	**513.** Every prison hospital shall be equipped with pathological labs and such other facilities as decided by the Government from time to time.
Examination of prisoner.	**514.** (1) Every prisoner suffering from any disease shall be brought under medical treatment or observation, either as an out-patient or as an in–patient and his name shall be recorded in the appropriate register. (2) No prisoner shall be detained in hospital for more than 04 hours under medical observation without being brought on the hospital register i.e. if it is necessary to detain him for a longer period, he must be admitted. (3) Out-patient services shall be provided to prisoners from Monday to Saturday**,** whereas emergency services shall be available 24*7**.** (4) The Medical Officer (In charge) shall pay daily visit to all the sick prisoners in hospital and those under observation. (5) He shall decide whether any prisoner shall be admitted into or discharged from hospital.
Bed-head tickets and referral to outside hospitals.	**515.** The number of sick prisoners admitted in the hospital shall be recorded daily in the register of in-patients. Their treatment and diet shall be recorded in the bed-head tickets. Prisoners who require treatment from specialist doctors shall be sent to hospitals outside the prison having specialist services.
Sick prisoners may be given light work.	**516.** As certain amount of physical exercise is advised for improvement in health in some cases, prisoners who are not too ill may be provided with some light work.
Intimation of serious illness to relative.	**517.** Intimation regarding serious illness of a prisoner shall be given to his relatives. In the case of prisoners undergoing trial, intimation shall also be given to the court concerned.
Medical diet.	**518.** (1) The diet of sick prisoners while in hospital shall be as advised by the Medical Officer (in charge) who may either keep the prisoner on the normal prison diet or may place him on the regular hospital diet, with or without any modification therein and may include any supplements he may consider necessary in consultation with the Superintendent.

	(2) An indent showing the number and details of required hospital diets shall be sent not later than 9 AM daily to the store keeper. Care shall be taken that diets reach the prisoners in time. Emergent indents may in cases of urgency be sent at once, but shall be avoided except in cases of necessity.

	(3) Hospital diets requiring special preparation shall be cooked in the kitchen and the Medical Officer shall examine these diets frequently and satisfy himself by weight that the full quantities of the prescribed articles are present and that they are well cooked.
Hospital clothing and bedding.	**519.** (1) Every prisoner shall on admission to hospital be supplied with hospital clothing and bedding, his convict clothing and bedding be withdrawn and returned to him on his discharge from hospital. Care shall be taken that the clothing and bedding are changed frequently for purpose of cleanliness and all clothing and bedding is thoroughly disinfected. (2) The quantities of clothing and bedding required for hospital use shall be reported well in time by the Medical Officer (In charge) to the Superintendent who shall include them in the general indent of prison clothing submitted for the sanction of Director General. For articles other than diet, clothing and bedding, the Medical Officer (in charge) shall indent by letter or by entry in his journal.
Purchase of medicines in emergency.	**520.** Efforts shall be made to stock all medicines required for daily use through bulk purchase. However, in cases of exceptional illness and in order to meet urgent demands, the Superintendent, on the recommendation of the Medical Officer (In charge) may purchase medicines duly following the codal formalities. In case of emergency or other general requirement, lifesaving medicines may be purchased from the local market at wholesale rates duly following the necessary codal formalities.
Prisoners as nursing orderlies.	**521.** (1) For the purpose of attendance on the sick, a few well conducted convicts of some education and long sentence shall be selected by the Superintendent or Deputy Superintendent (Administration) in consultation with the Medical Officers and trained as nursing orderlies. (2) The number of convicts employed as nursing orderlies shall ordinarily be in the proportion of one for every ten patients. At times of epidemics and other emergencies, this proportion may be increased: च्तवअपकमक जींज जीम ैनचमतपदजमदकमदजए प िीम जीपदो पिजए उंल ंसेव कमचनजम ं ूमसस इमींअमक नदकमत जतपंसprisoner as nursing orderly who is accustomed to such work and renders the services voluntarily.
Transfer of prisoner.	**522.** (1) Where as per the advice of Medical Officer, it is necessary to remove a convict or undertrial prisoner to a hospital outside the prison for operative or other emergency treatment which cannot properly be given in the prison itself, the district police shall provide adequate police escort on the pattern as prescribed in rule 268. **NOTE 1.-** Police escort guard shall be posted at all Central and District Prisons to escort a prisoner to an outside hospital in any medical urgency as per orders of the Superintendent. In case a high-risk prisoner is being taken to outside hospital, Police Control Room Van of the local police station shall invariably accompany the escort guard. **NOTE 2.-** In case of extreme emergency and non-availability of police escort guard, the Superintendent may send the sick prisoner to the outside hospital under the charge of Warder guard and such Warder guards shall be replaced by police guards as soon as possible. In case a high-risk prisoner is being taken outside hospital,

	an officer of the rank of Assistant Superintendent shall be deputed. Police Control Room Van of the local police station shall invariably accompany the prison guard. (2) The Superintendent shall arrange for regular inspection to check the security of चतपेवदमत ूतक ंदक चतपेवदमत ं कउपजजमक जीमतमपदण् छव वनजेपकमत वत नदंनजीवतप्रमक चमतेवद ींसस इम ं ससवूमक जवmeet the prisoner in the hospital. However, family members may be allowed to visit the prisoner by the Superintendent. (3) All expenses incurred by the hospital authorities in connection with the treatment of prisoners shall be borne by the Prison Department, if the same are not met from the budget of the Health Department in case of Government Hospitals.

Prisoner in special cases to get outside treatment at their own expenses.	**523.** Prisoners, in special cases, may be allowed to get treatment from an outside specialist at their own expense. In case any such application is received from a prisoner, the following procedure shall be followed, namely:– (a) Medical Officer (in charge) shall forward the application of the prisoner to the Superintendent alongwith his recommendations; (b) The Superintendent shall send such recommendation alongwith copy of the prisoner's application to the Civil Surgeon, who shall verify the recommendation; (c) the verified recommendation along with the prisoner's application and recommendation of the Superintendent shall be sent to the Director General for approval; (d) the Director General shall examine the case and grant or deny approval, which shall be communicated to the Superintendent; (e) The expenses for such treatment as well as the police escort shall be borne by the prisoner himself.
Treatment of malingerers.	**524.** If the Medical Officer is of the opinion that a prisoner is malingering, he shall at once report the fact to the Superintendent. No treatment shall be given to the prisoners feigning illness. Treatment for other than curative purpose is strictly prohibited.
Treatment of prisoners on hunger strike.	**525.** (1) Prisoners on hunger strike shall be dealt with sensitively. Food shall be supplied to them regularly and if necessary, it shall be administered by force feeding. Daily report shall be sent to the Director General in all such cases. (2) It is the duty of the prison authorities to do what they reasonably can do to keep prisoners in their charge in good health, and in case, on account of hunger strike a prisoner is likely जव बंनेम ीपे वूद कमंजीए जीम डमकपबंस व्fिपबमत उंल पद ीपे कपेबतमजपवदए ं ज े नबी े जंहमए ंे ीम जीपदो पिजएdirect that the prisoner be forcibly fed, if in his opinion, it is the only means of keeping him alive. Forcible feeding shall not

	be attended with unnecessary violence. Until the stage at which forcible feeding is necessary is reached, food approved by the Medical Officer shall be regularly placed at the side of the hunger striker for his consumption and shall be renewed periodically.
Invalid group.	**526.** (1) The invalid group shall consist of the following, namely:– (a) those who by age or bodily infirmity are physically and permanently incapacitated from the performance of prison work shall be permanent members of the group; or (b) those that have been discharged from hospital as convalescent but are temporarily unfit to perform prison work; or (c) convicts other than those permanently incapacitated for prison work or lately discharged from hospital, or Suffering under any active disease, those found to be steadily falling in weight, or those who are anaemic. (2) Prisoners of the invalid group shall be given some light work suited to their strength and shall as far as possible be kept together for the purpose of diet and observation, both by day and night. A register of the said prisoners shall be maintained and no prisoner shall be placed in or discharged from this group without the permission of the Medical Officer (in charge). They shall be examined daily by the Medical Officer and once a week by the Medical Officer (in charge).
Precautions during epidemics.	**527.** (1) When epidemic disease is present in the vicinity of a prison, contact between the staff and the infected locality shall be prevented; the prisoners received from such districts shall be carefully examined and thoroughly disinfected before admission into prison. They shall then be segregated and treated for a period of not less than ten days or in such manner as the Medical Officer may deem fit. (2) Utmost care shall be taken to retain under medical observation in a separate building all those prisoners who are employed in cleaning a ward wherein case of epidemic diarrhea, cholera, plague, swine flu etc. has occurred, or who have been in contact with the patient after the first symptoms appeared. These disinfecting parties shall, as far as possible, be selected from among those prisoners who have been confined in the same ward or barrack as that in which the case of epidemic disease has appeared.

	(3) The barrack in which a case occurs shall be immediately vacated and other accommodation to be allocated for the inmates who shall be kept together, and on no account mixed up with the other prisoners. The vacated barrack shall be thoroughly disinfected. (4) Drinking water shall, on the recommendation of the Medical Officer, be thoroughly boiled. Care shall be taken to ensure provision of sufficient appliances for the said purpose and to ensure proper boiling. (5) The general condition of the prisoners shall be carefully watched in order to detect incipient cases. Convict officer shall be required to report at once any sign of sickness and a prisoner visiting the latrine more often than usual, shall be placed under observation.

	(6) The clothing and bedding of the inmates of an infected ward shall be either immersed for 30 minutes in boiling water or steeped in disinfectant solution and then dried and returned to them after they have bathed. Hospital clothing and bedding used by infected patients shall be burnt using suitable equipment. (7) Whenever epidemic sickness prevails in a prison, a daily report shall be furnished to the Director General. In this report, the Medical Officer shall briefly note the progress of the epidemic, the measures he is taking to arrest it, and any information he may consider important. A copy of this return shall also be sent to the Director General Health Services. (8) The Director General in consultation with the Director General Health Services, may call for an epidemiological inquiry or report whenever he considers such a course advisable. (9) All guidelines issued by the Central Government and Health Department shall be followed meticulously.
prisoner received from an area where the outbreak or spread of a contagious disease occurred.	**528.** Prisoners admitted from an area of outbreak shall be kept under special medical observation for a period as advised by the Medical Officer from time to time in order that the effect of imprisonment and prison diet upon them may be noted and further spread can be prevented.
Periodic health camps and telemedicine.	**529.** (1) The Superintendent in consultation with the Civil Surgeon, shall organize health camps at least once in every quarter or as frequently as required, for conducting a thorough check up of all the prisoners for any health related issues. For this purpose, the Civil Surgeon shall ensure the deputation of a team of specialist doctors. Arrangements shall be made to provide special treatment to those prisoners who have been identified as sick and need special attention. (2) Adequate steps to provide for telemedicine shall, as far as practicable, be taken qua every prison hospital.
Bio-waste treatment.	**530.** Medical Officer (in charge) shall make suitable arrangements for proper disposal of bio-waste generated as per Bio-Medical Waste Management Rules notified under the Environment (Protection) Act, 1986 (Central Act 29 of 1986).
Maintenance of medical registers and forms.	**531.** (1) Only cases of sick prisoners shall be entered in any of the prescribed medical registers. If any staff member receives treatment, a separate record may be kept. (2) The in-patient register shall be maintained under the control and responsibility of the Medical Officer (in charge), who himself shall enter the details of the patient's disease in accordance with the revised nomenclature of diseases, employed in the monthly return of sick prisoners. (3) In the out-patients' register, the details of all prisoners under treatment for such minor

	ailments as do not render admission to hospital necessary, shall be entered. (4) Hospital roll of sick diets and extras shall be maintained. (5) In the prescription book, every prescription issued for prisoners under observation shall be entered. (6) Prescriptions for out-patients and prisoners in the invalid group may be entered in a separate book. (7) Any other register as Medical Officer (in charge) deems necessary and suitable for his duties.
Security of medical staff.	**532.** It shall be the duty of the Superintendent to provide adequate security to the Medical Officers and staff while they are performing their duty in the prison premises.

Objectives of educational programs.	**CHAPTER 29** **EDUCATION AND VOCATIONAL TRAINING OF PRISONERS** **533.** The main objectives of educational programs to be instituted in the prison shall be,- (a) to provide opportunities to the illiterate inmates to achieve a minimum level of education including literacy as to reading, writing and arithmetic; (b) to extend facilities to literate inmates to advance their educational standards.
Contents of educational program.	**534.** The educational program shall consist of, - (a) physical and health education including physical exercises, yoga, health and personal hygiene; (b) academic education including adult literacy by way of instruction in primary and high school grade subjects; (c) social education which shall include instruction in civics, and basic legal framework on which the society operates like gram panchayats, co-operation, etc.; (d) vocational education i.e. training in different trades aimed at skill addition/enhancement enabling the prisoner to become part of the regular workforce in society; (e) उवतंस ंदक ेचपतपजनंस मकनबंजपवदए उमकपजंजपवदए हतवनच चतंलमतेए तमंकपदह व िमसमबजमक ूवतो व ि literature dealing with ethics, moral values, etc.; (f) ब्रसजनतंस मकनबंजपवद पदबसनकपदह वतहंदप्रंजपवद व िबनसजनतंस चतवहतंउे ूपजी जीम मfिमबजपअम participation of inmates.
Educational policy and planning.	**535.** (1) Educational policy shall be formulated in a manner which is suitable to and necessary for the existing social environment with the ultimate aim of rehabilitation of a prisoner in the mainstream of the society.

(2) The education of all adult illiterate prisoners shall be compulsory, and instruction is to be so given with the aim of enabling them to read and write before their release from prison.

(3) म्कनबंजपवद ेींसस इम वतहंदप्रमक ंज जीतमम समअमसेए दंउमसल द

(a) fundamental literacy including reading, writing and arithmetic;

(b) primary and secondary (School education); and

(c) higher education (college education).

(4) the number of teachers including prisoner teachers at an institution shall be fixed in ंबबवतकंदबम ूपजी जीम पदउंजम चवचनसंजपवद ंदक जीम मकनबंजपवदंस चतवहतंउे वतहंदप्रमक जीमतमवितमण् ॅमससeducated and well behaved prisoners may be deputed as teachers.

(5) If a prisoner, who was pursuing studies before his imprisonment, expresses intention to continue his studies and to appear for an examination conducted by any Board or University or Institution, he shall be given all facilities to pursue the same.

(6) Prisoners shall be encouraged and provided with facilities enabling them to appear for competitive examinations conducted by various government departments and educational institutions.

(7) Study Centers of National Institute of Open Schooling, Indira Gandhi National Open University, or of any other university shall be established in prisons. Prisoners shall be encouraged to take coaching in study centers established in prison and to appear for open university examinations. All expenditure on reading material and fees in the case of prisoners shall be borne by the Government.

(8) Prisoners shall be allowed, after the completion of course, to take various examinations conducted by the authorities concerned. The prisoners who pass these examinations, shall be conferred with certificates as are conferred upon students studying in regular schools. If possible and deemed appropriate, they may be sent to convocation. Outstanding prisoners shall be recommended for awards or scholarships as an incentive.

NOTE.- It shall be ensured, as far as possible, that the certificates issued to the prisoners do not contain any reference to the education having been acquired from a prison establishment.

(9) Prisoners who wish to acquire technical standards in discipline of Information and Technology and basic engineering skills, may be provided with all necessary equipment and training opportunity, wherever possible.

(10) The Superintendent shall liaise with the authorities of the concerned universities to secure co-operation and support in the implementation of the education program devised for the prisons in the State.

Prison school.

536.	(1)	There shall be a prison school in every prison. Teachers shall be recruited

departmentally or may be drawn from Education Department on transfer or on deputation. Literate prisoners, whose conduct has been good, shall be trained in imparting education to others. These जतंपदमक पदउंजमे ेींसस ंे पेज जीम तमहनसंत जमंबीमते पद वतहंदप्रपदह जीम मकनबंजपवदंस चतवहतंउे कमअपेमक वितthe

	prisons. Prisoner teachers shall be paid incentives at par with the prisoners deployed as "skilled" ूवतामतेण् ज्ीम े मतअपबमे व ि तमचनजमक दवद.ळवअमतदउमदजंस व्तहंदप्रंजपवदे उंल ं सेव इम जं ामद पद जीम ेंपकendeavours. The teachers may also be appointed on contract basis, by the Director General. (2) छमबमेंतल मुनपचउमदज सपाम इववोए े जंजपवदमतलए ू तपजपदह उंजमतपंसए मजबण्ए ेीं सस इम चतवअपकमक ं जgovernment cost. Use of audio-visual equipment for educational purposes shall be encouraged. The prison school shall conform to the prescribed standards and basic infrastructure like independent buildings, furniture, toilets, water facility including proper ventilation. (3) Syllabi shall be drawn up according to the needs of each inmate group. As far as possible, the education of prisoners shall be integrated with the educational system of the State so as to enable the released prisoners to continue their education without any difficulty. (4) Officers of Education Department shall also be entailed to render all possible help to enhance the effectiveness of prison education and to make it more meaningful.
Prison library.	**537.** (1) The following shall be the facilities provided in prison library with the below stated objectives, namely, - (a) जीम इववो पद जीम सपइतंतल ेी वनसक बंजमत जव जीम दममके व ि कपfि मतमदज मकनबंजपवदंस standards, satisfaction of intellectual needs and development of knowledge of the inmates; (b) जीम चतपेवद सपइतंतल ेीं सस इम ं कमुनंजमसल मुनपचचमक ू पजी इववोए उंहं्रपदमे ं दक newspapers which shall be issued to the prisoners and prisoners shall be encouraged to develop reading habits; (c) ंद मकनबंजमक बवदअपबज चतपेवदमत उंल इम मदहंहमक वित जीम उंदंहमउमदज व ि इववो ं दक other reading material and to run the library. Appropriate methods of classification/cataloguing shall be adopted by the educational personnel to वतहंदप्रम जीम इववो ं दक चमतपवकपबंसे ं अंपसंइसम पद जीम सपइतंतल े व ंे जव उं ाम पज convenient for use by prisoners and for administrative/record purposes; (d) कवदंजपवद व ि इववो इल दवद.ळवअमतदउमदजंस व्तहंदप्रंजपवद ेीं सस इम ू मसबवउमक ं दक the public and Government schools may be encouraged to adopt the educational programs being run inside the prison for prisoners; and (e) the Superintendent shall take initiative for ensuring appropriate collection of इववो वित चतपेवद सपइतंतलय (2) भ्ंस.ि लमंतसल अमतपपिबंजपवद व ि इववो पद सपइतंतल ेीं सस इम बंततपमक वनज इल जीम ैनचमतपदजमदकमदजor by his nominee in June and December, every year.
Duties of educational personnel.	**538.** Education in prisons being an important means towards the objective of reformative treatment, the education personnel shall so discharge their duties as to offer a comprehensive program of education to prisoners and the specific duties of the education functionaries shall be as follows, namely:- (a) conducting diversified educational programs covering health, academics, social and moral education; (b) creating symbiotic network between prison education and mainstream education; (c) screening of newly admitted inmates for the determination of their educational aptitude, abilities and interests;

	(d) participation in Classification Committee's work; (e) conducting literary, socio-cultural and spiritual development programs in the prison premises; (f) arranging tests and examinations and periodical assessment of the educational progress of inmates; (g) periodical upgradation/appropriate modification of the educational programs, when necessary; (h) maintenance of a library with sufficient reading material; and (i) ensure adequate provision for Audio-visual and needed IT infrastructure.
Objectives of skill development programs and vocational training.	**539.** Vocational training and skill development programs shall form the mainstay of the in-prison जतमंजउमदज व िजीम चतपेवदमते पद जींज जीम चमतपवक पदेपकम जीम चतपेवद पे उमंदज जव ींअम जूवविसक चनतचवेमेए अप्रए *firstly*, to limit the liberty of hardened criminals so as to prevent further commission of crime by them, *secondly*, to ensure that all prisoners are reformed and consequently re-habilitated in the mainstream society. With this consideration in view, every prison, under the supervision of and guidance from prison headquarters, shall undertake programs for vocational training and skill development with the following objectives:- (a) inculcation of discipline and work culture among prisoners; (b) development of right attitude towards work and ensuring dignity of labour; (c) promoting, - (i) physical and mental well-being of prisoners; (ii) proper development of mind through intelligent manual labour; (iii) spirit of fellowship and a co-operative way of living; (iv) a sense of fraternity; (d) development of the capacity for sustained hardwork; (e) building habits of concentration, steadiness, regularity and correctness in work; (f) imparting and improvement of work-skills; (g) development of self-confidence and self-reliance in prisoners; (h) training and preparing the prisoners for achieving effective social re- adjustment and rehabilitation; (i) inculcating occupational self-sufficiency thereby creating a sense of economic security

	among prisoners; (j) keeping prisoners usefully employed in meaningful and productive work; (k) preventing idleness, indiscipline and disorder amongst inmates; (l) maintaining a good level of morale amongst them and thus promoting a sense of self-worth as well as institutional discipline among them.
training projects.	**540.** Vocational training projects shall be designed/instituted in the following disciplines, keeping in view the rehabilitation needs, namely:- (a) small scale industries; (b) cottage and village industries; (c) essential services and maintenance work like plumbing, electrical fitting, etc.; (d) agro-based industries and allied fields; and (e) modern industries and commercial units through Public Private Partnership.
Vocational training.	**541.** (1) Vocational training programs, in self-employment trades and occupations, shall be वतहंदप्रमक पद मअमतल चतपेवद वित बवदअपबजे ूीव ंतम मउचसवलंइसम ंदक कमेपतवने जीमतमवण्ि (2) Such programs shall be open for under-trial prisoners who are volunteer to undergo such training.

	(3) The local industrial training Institutes shall be associated to assist in training the prisoners. (4) ज्ीम चतपेवद ेीं सस ीं अम ं कमुनंजम े जंतंि वित मतंिपबपमदज वतहंदप्रंजपवद व ि अंतपवने जतंपदपदहprojects and it shall be properly equipped with training aids and classrooms for conducting multifarious projects to suit the training needs of the inmates. (5) ज्ीम चतपेवद ेीं सस ीं अम ं चतवचमतसल कमपिदमक वतहंदप्रंजपवद वित जतंपदपदह चतवरमबजे पद जमतउे व िformation of homogeneous groups and setting down routine and time schedule for projects. (6) The cost incurred in the training projects, expenditure on staff, equipment and material, shall be treated as essential investment for the purpose of training and rehabilitation of offenders. (7) Special emphasis shall be given to the vocational training of adolescent offenders, first time offenders, and others who may stand to derive benefit from the training projects. (8) Qualified technical personnel shall be appointed in adequate numbers in every production unit and for every program of vocational training and such personnel may be posted in the prison on transfer or deputation basis from the industrial training Institutes or other Government Institutions engaged in such work, wherever possible. Qualified technical personnel may also be appointed on contract basis by the Director General.

	(9) Vocational training programs shall be designed to suit the needs of prisoners sentenced to short, medium and long term imprisonment. (10) Liaison shall be established with the department of Technical Education, Directorate of Industries (including Cottage Industries), Industrial Training Institutes, Polytechnics, Vocational Training Institutions and Director, Employment Mission to develop vocational training programs on a practical and pragmatic basis. (11) On the completion of vocational training courses, inmates shall be examined by the Department of Technical Education of the State and on passing the prescribed examination, it shall be ensured that the trainees are awarded a regular certificate or diploma by the department. (12) As a measure of "incentive" to inmates demonstrating good progress in work programs and vocational training, they shall be allowed to visit business undertakings of significance and other government owned industries. (13) The prison industry shall be given preferential treatment in the matter of granting permission or license or requisition to run various industrial or production units established by the Government and the executive and supervisory personnel shall be given training in modern methods of management.
Duties of technical personnel.	**542.** (1) The technical personnel shall be responsible for the development of programs for vocational training and diversified productive work as an important component of the reformative process. (2) While technically qualified and trained staff has to provide knowledge and skills for economic rehabilitation, the other staff shall ensure proper maintenance of the prison infrastructure. (3) Technical personnel shall perform the following functions, namely:- (a) conducting vocational aptitude test of the inmates including their interviews and collection of data about inmates, vocational history, skill abilities and interests; (b) offering suggestions as to possible, effective and appropriate work and vocational training programs for inmates; (c) preparation of plans for vocational training projects; (d) imparting apprenticeship on the job and vocational training to inmates; (e) नजपसप्रंजपवद व ितमेवनतबमे व िमतअपबम ंदक उंपदजमदंदबम नदपज वित जतंपदपदह चनतचवेमेय (f) arranging arts and handicrafts projects; (g) training of prisoners; (h) maintaining progress reports of the training of prisoners; (I) ंाममचपदह जीम मुनपचउमदज ं दक उंबीपदमे पद जीम ू वतोीवच पद हववक ू वतापदह condition, proper custody and maintenance of shops and factories;

	(j) मदेनतपदह ं कवचजपवद व ि चचतवचतपंजम ें मिजल उमं ेनतमे पद जीम ू वतोीवचे ं दक ंि बजवतल areas; (k) maintenance of discipline in the area under their charge, attending emergency situations; (l) distribution of work to inmates; (m) maintaining muster rolls of inmates working in various sections; (n) supplying inmates with production tools and materials; (o) supervision over quality and quantity of production; (p) maintaining work sheets; (q) उमं ेनतमउमदज व िजं ो ंदक ंचचवतजपवदउमदज व ूिहमेय

	(r) indenting raw material from the Store Keeper storing raw material in their charge, maintaining accounts of raw material and manufactured articles in their charge, dispatch of manufactured articles to the Store Keeper, monthly checking of stores under their charge and reporting the same to the authorities concerned; (s) preparation of work plans for work-sheds under their control and forwarding them to the Superintendent.
Liaison.	**543.** The institution shall establish liaison with approved educational and vocational training institutions for material and other assistance.
Escort for examination.	**544.** A prisoner may be permitted by the Superintendent to appear in a School Board examination or University/Institution examination, Competitive examination or Competitive examination interview or Physical Endurance Test or Medical examination for Government service recruitment, however, it shall be so permitted only under proper police escort after due verification. The police escort shall be provided by the District police within whose jurisdiction the prison is situated.
Publication of prison magazine.	**545.** Annual publication of a magazine publishing the commendable activities of prisoners and staff may be undertaken in accordance with the facilities available.
Accountability.	**546.** It shall be the primary responsibility of the Superintendent assisted by the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) that the programs for education and vocation are implemented in proper spirit and the success or failure of the programs and the extent of the educational and vocational activities in each institution, shall be one of the principal factors on which the performance of these officers shall be evaluated.

Basic elements of welfare programs.	**CHAPTER 30** **WELFARE OF PRISONERS AND STAFF MEMBERS** **PART-A Welfare of Prisoners** **547.** The welfare programs in prisons shall be undertaken with the following objectives, namely:– (a) to ensure care and welfare of prisoners; (b) to develop a positive and constructive atmosphere in the institution; (c) to maintain good personnel-prisoner relationship based on mutual trust; (d) to help the prisoners to maintain regular contact with their families and communities in the outside world; (e) to provide guidance and counseling; (f) to ensure a system of incentives for self-discipline by way of remission, temporary release, transfer to semi-open and open prisons and premature release; (g) to encourage group activities and healthy community living; and (h) to inculcate good habits and attitudes and prepare them for a normal after life.

Counseling.	**548.** Counseling facilities shall be extended to the prisoners as follows, namely: – (a) professionally qualified counselors shall be engaged by the Prison Department to provide counseling to the needy prisoners particularly victims of abuse and those suffering from substance-related addictive disorders; (b) proper and regular evaluation of prisoner's mental health shall be done to enable the requisite psycho social support services by the Prison Department; and (c) severe mental disorders shall require appropriate psychiatric treatment and shall be dealt with under the provisions of the Mental Healthcare Act, 2017 (Central Act 10 of 2017).
Guidance.	**549.** (1) Pamphlets containing the rights, duties, entitlements, discipline and daily routine of prisoners shall be printed and distributed to enable the prisoners to follow the 'dos' and 'don'ts' and maintain discipline during his confinement. (2) The above literature shall also be kept in the prison library and issued to prisoners who can read. Illiterate prisoners shall be explained the guidelines by the staff members themselves or with the help of other literate prisoners engaged for educational programs.
Canteen facility.	**550.** (1) Every prison shall have canteen facility with adequate stock of daily needs and other essentials for the prisoners. Items which may be sold in the canteen shall be as decided by the Director General from time to time. (2) The management and functioning of the canteen shall be governed as per provisions of Chapter 44 of these rules.
Recreation, sports, films, library and cultural activities.	**551.** (1) Sports, cultural and other recreational activities shall be organized in all prisons as integral part of the prison regime for maintaining mental and physical health of the prisoners. Yoga and meditation will be practiced daily for which special hours shall be earmarked. Separate space for meditation may also be provided. It shall be ensured that all discourses in the prison are secular in nature. (2) Sports activities may comprise indoor and outdoor games depending upon availability of space, climate and weather, the composition of prisoners and security requirements. Efforts shall be made to build a gymnasium in every prison. Other recreational and cultural activities may include, - (a) Film shows: Every Central and District Prison shall have facilities for showing films to the prisoners and staff members. Historical, patriotic, biographical, scientific and educational films, travelogues, documentaries, newsreel and films dealing with social themes will be shown. Films depicting crime, sex, violence and such other subjects that may have an adverse effect on the minds of prisoners shall not be shown;

	(b) Music**:** Music has special significance in the context of a prison. It can bring relief to lonely, distressed and unhappy minds. It can relieve boredom and promote interest in institutional programmes. Music programmes may consist of radio music, recorded music, group singing, folk music, instrumental music and orchestra etc. A Prison radio may be established in every Central and District Prison; (c) Community and Folk Dances: Group and Folk dances shall be performed on festivals and social occasions; (d) Drama: Useful social values and models of behaviour shall be promoted before the prisoners through dramatic performances. Dramas dealing with social problems, pageants, musical dramas, tableau and radio plays could be performed for the benefit of prisoners. Prisoners themselves should be encouraged to take part and organise these activities; (e) Arts and craft: Art and craft provide avenues for giving expression to the innate abilities of an individual and can play an important role in the reformation of prisoners by giving them an identity and the ability to earn livelihood. These activities can serve as supportive therapeutic measures in the otherwise monotonous life of a prison; (f) त्मंकपदहरू च्तपेवदमते ेींसस इम मदबवनतंहमक जव तमंक इववोए दमेूचंचमते ंदक magazines. Group reading and guided reading can also be useful for them; and (g) Television: The channels to be shown and their timings, shall be prescribed by the Director General from time to time. (3) Well known personalities in the fields of art, sports, literature, culture and music may be invited to the prison as guests on various occasions to inspire the prisoners and be role-models for them.
Role of non-government वतहंदप्रंजपवदेण्	**552.** छवद.ळवअमतदउमदज व्तहंदप्रंजपवदे ;छळव्ेद्ध ूपजी हववक बतमकमदजपंसे ंदक चतवअमद जतंबा तमबवतक ंदक which are known for their dedication and selfless service, may be involved, with prior approval of the क्पतमबजवत ळमदमतंसए पद वतहंदप्रपदह े चवतजेए बनसजनतंस ं दक वजीमत तमबतमंजपवदंस ं दक ूमसंितम ंबजपअपजपमेण्
Prisoners' panchayat.	**553.** (1) Every prison shall have one or more prisoners' panchayats. The panchayats should consist of carefully selected prisoners, who are of good conduct and who have the talent and ability जव वतहंदप्रम मअमदजे ं दक ं बजपअपजपमेण् ज्ीम चंदबींलंजे ेीं सस चसंद ं दक मगमबनजम कंपसल तमबतमंजपवदंस चतवहतंउेfor prisoners. This shall give the prisoners a sense of participation in the prison management which is an important component of any policy of welfare and reformation. Prisoners' panchayats may also serve as a forum for the prisoners to express their grievances and seek redress. (2) For constitution of the Panchayat informal elections involving only minimal and inevitable activity may be held under strict supervision of the senior prison officers. Prisoners who have been rewarded for their good conduct or achievements in educational endeavors may be declared eligible to stake claim as candidates. In the interest of discipline, the membership of मसमबजवतंस बवससमहम ेीं सस इम तमेजतपबजमक जव वदसल जीवेम चतपेवदमते ूीव ींअम दवज इममद चमदंसप्रमक पद जीम सं ेजtwo years

	for any prison offence. The selection process and tenure of panchayats shall be decided by the Director General from time to time. (3) The working of the panchayats shall be monitored by the prison administration. The Superintendent, as far as possible, shall personally participate in the panchayat meetings. (4) A 'Mahapanchyat' of all the panchayats shall be held in the presence of the Superintendent at least once in a quarter for the redressal of prisoners' grievances and implementation of their suggestions.
Celebration of National days and festivals.	**554.** (1) National days shall be celebrated in each prison to inculcate patriotism among the चतपेवदमतेण् ब्रसजनतंस चतवहतंउे ेीं सस इम वतहंदप्रमक वद े नबी वबबं ेपवदे ं दक े चमबपंस विवक ेमतअमक जव जीमprisoners. (2) Important festivals of all religions shall be celebrated as per custom and every prisoner shall be encouraged to participate. This shall be subject to security and discipline of the prison.

Spiritual freedom.	**555.** Every prisoner shall be allowed the freedom to pursue his faith in a quiet and orderly manner. However, no religious structure shall be allowed in the prison and it shall be ensured that there is no discrimination on grounds of religion, ethnicity or caste etc.
Implementation of welfare activities.	**556.** (1) The Superintendent shall be responsible for the smooth and orderly implementation of welfare activities in the prison. He shall submit quarterly report of welfare activities being conducted in his prison to the Director General. (2) Prison administration shall endeavor to access funds available under corporate social responsibility for conducting various welfare activities for prisoners and staff members.
Welfare fund for staff members.	**PART-B Welfare of Staff Members** **557.** A Welfare fund shall be established for the benefit of prison personnel with the object to extend monetary aid, loans and other relief to the staff members who contribute to the fund. A Managing Committee constituted by the Director General from time to time shall be responsible for the administration of the Welfare Fund. The Director General shall be the Chairman of the Managing Committee. Necessary regulations shall be framed for identifying the beneficiaries and for sanctioning loans, aid and other relief for different purposes, namely, medical, educational, marriage in the family amongst others.
Legal assistance.	**558.** All necessary support at the Government cost shall be extended to staff members including retired personnel of the department to defend themselves in the event of criminal prosecution or civil proceedings arising out of bona-fide discharge of official duties.

Staff meetings.	**559.** (1) The Superintendent shall convene monthly meeting of all staff members posted in the institution. The objectives of the staff meeting shall be as follows, namely:– (a) coordination in institutional activities; (b) to improve methods of work; (c) to explain governmental policies to staff members; (d) to explain new procedures, rules, regulations and policies regarding prisoner discipline, treatment of prisoners and institutional management; (e) to explain policies relating to personnel management, staff discipline and morale in the staff lines; (f) to explain welfare programs; (g) to give opportunities to staff members to discuss their common problems; (h) to communicate appreciation of good work as and when necessary. (i) to reward staff members as and when necessary. (2) Minutes of the proceedings of the meeting shall be recorded and a copy of the same ेींसस इम वितूंतकमक जव जीम क्पतमबजवत ळमदमतंस ूपजी जीम तमउंतो व िजीम ैनचमतपदजमदकमदजण्
Facilities while on duty.	**560.** The following facilities shall be extended to the personnel on duty, namely:– (a) rest rooms for the guarding personnel; (b) free meal and tea shall be provided to all the staff members as per clause (g) of rule 447; (c) lockers in the guard room to keep the belongings not permitted to be carried inside.
Hours of work.	**561.** Work hours for every category of personnel shall be clearly defined. Ordinarily no staff member, including guarding personnel, shall be required to work for more than eight hours a day provided that the Superintendent may make reasonable adjustments in the hours of work depending upon local requirements. A rotational schedule of institutional duty, day duty, night duty, section duty, premises duty etc. shall be followed as per guidelines issued by the Director General from time to time. Responsibilities of each role shall be clearly defined. Every staff member shall be entitled to a weekly off.
Retirement benefits.	**562.** All necessary documentation and codal formalities shall be completed sufficiently in advance of the date of superannuation of a staff member. Delays in completion of papers shall be avoided at all costs.

Grievance redressal mechanism.	**563.** Employees may make representation to the Director General or any other senior officer for redress of their grievances, whether service related or otherwise. Representations addressed to the officers at the headquarters shall be submitted through the Superintendent. The Director General and other senior officers at the headquarters shall fix separate hours every week for giving personal attention/hearing to the employees. All such requests for personal attention/hearing shall also be routed through the

	Superintendent. Opportunity shall also be provided to the staff members to put forth their grievances during inspection and visits of senior officers to the institution.
Housing.	**564.** Rent free residential accommodation shall be provided to all prison personnel on the prison campus as far as practicable. Housing for prison staff shall be developed on modern lines with adequate civic amenities and facilities such as park, playground, community centre, health and wellness centre, etc. In case the institution is not connected with public transport facility, school bus or a van may also be provided for children of the staff.
Health care.	**565.** The staff members and their families residing on the prison premises are entitled for free medical treatment by the medical officers of the prison. Medicines may be issued to them free of cost from the prison dispensary.
Financial assistance and compensation.	**566.** When a staff member dies or sustains injury while discharging his duties, the Director General may sanction such financial assistance and compensation as prescribed by the Government from time to time.
Sports meet.	**567.** Annual Sports Meet shall be conducted in each prison, followed by the State Meet. Winners पद मंबी मअमदज ेींसस इम हपअमद चतप्रमेण् ज्ीम क्पतमबजवत ळमदमतंस उंल ें दबजपवद दमबमेंतल मगचमदकपजनतम incurred for this purpose from staff welfare fund.
Director General's commendation disc.	**568.** There shall be a provision for Director General's Disc to be awarded to officials at various levels as under:- (a) Warders/Head Warders up to a maximum of ten per year; (b) Sub Assistant/Assistant Superintendents up to a maximum of three per year; (c) Deputy Superintendents upto two per year; (d) Superintendent and above one per year; and (e) Other staff members up to six per year. The criteria for award of the disc shall be decided by the Director General from time to time.
Cadre strength and remuneration.	**569.** While fixing the strength of each cadre, care shall be taken to see that prison personnel in any rank are not overburdened and that they have adequate opportunities for career advancement. Salaries and other employment benefits should also be commensurate with the work to be performed in a modern correctional system, which is complex and arduous and is in the nature of an important social service.

न्जपसप्रंजपवद व िLegal Services Authorities.	**CHAPTER 31** **LEGAL AID** **570.** Article 39A of the Constitution of India casts a duty on the State to provide free legal aid to the poor and weaker sections of the society and ensure equal opportunities to secure justice for all. Articles 14 and 22(1) of the Constitution further make it obligatory for the state to ensure equality before law and put in place a legal system which promotes justice on the basis of equal opportunity to all. In furtherance of these constitutional provisions, the National Legal Services Authority (NALSA), the State Legal Services Authorities (SLSAs), District Legal Services Authorities (DLSAs) and Sub-Divisional Legal Services Committees (SDLSCs) have been constituted under the Legal Services Authorities Act, 1987 (Central Act 39 of 1987) in order to establish a nationwide network for providing free and competent legal services to the weaker sections of the society on the basis of equal opportunity.
Appointment of legal aid counsels.	**571.** The District Legal Services Authority shall nominate legal aid counsels to visit the prisons regularly on fixed days of the week to help the poor and unrepresented prisoners. Any prisoner may seek aid and advice, file bail application, parole application or any other petition, appeal etc. through the legal aid counsel.
Duties of the Superintendent with respect to legal aid.	**572.** The Superintendent shall ensure to, - (a) arrange free legal aid for indigent prisoners through legal aid authority concerned; (b) arrange legal literacy classes in the prison in order to educate prisoners about their rights and duties as well as about the availability of free legal aid services; (c) employ the services of para legal volunteers and legal aid counsels may be taken to ascertain legal aid needs of prisoners; (d) inform and make the convicts aware of their right of appeal against conviction and preparation of petition and appeals; (e) assist competent authorities in holding special courts, legal services camps, and lok–Adalat; (f) properly maintain the record with respect to legal aid to prisoners including visits of legal aid counsels.
Free legal aid clinics.	**573.** (1) Legal aid clinics shall be established in each prison with sufficient number of legal aid counsels and para legal volunteers deputed to such clinics for providing free legal services to the prisoners on all working days. Some prisoners may be trained as para legal volunteers (PLVs) for assisting the legal aid clinics established at prisons. The objectives of the legal aid clinics shall be as follows, - (a) to provide free legal advice; (b) to spread legal literacy and legal awareness; (c) to provide free legal services such as drafting the petitions, notices, applications, replies, etc.; (d) to encourage the amicable settlement of disputes through alternative dispute redressal (ADR) mechanisms like mediation etc.;

	(e) to provide free legal services of advocates in legal matters; (f) any other function or service as laid down by the Haryana State Legal Services Authority from time to time. (2) Free legal services shall include, - (a) payment of Court fee in appropriate cases, process fees, and all other charges payable or incurred in connection with any legal proceedings; (b) providing service of panel lawyers in legal proceedings; (c) obtaining and supply of certified copies of orders and other documents in legal proceedings; (d) preparation of appeal, paper book including printing and translation of documents in legal proceedings.

Objectives.	**CHAPTER 32** **AFTER-CARE AND REHABILITATION OF CONVICT PRISONERS** **574.** The objectives of after-care services are,- (a) extending help, guidance, counseling, support and protection to all released prisoners, whenever necessary; (b) helping in the removal of any social stigma that may have been attached to the prisoner or his family because of his incarceration; (c) impressing upon the individual the need to adjust his habits, attitudes, approaches and values to a rational appreciation of social responsibilities, obligations and requirements of community living; (d) helping the individual in making satisfactory readjustment with his family, neighborhood, work group, and the community. (e) assisting in the process of physical, mental, vocational, economic, social and attitudinal post-release readjustment and ultimate rehabilitation.
After care services.	**575.** After-care services shall ordinarily be extended to all needy persons released from prisons, conditionally or unconditionally or on license, having served a minimum of five years of imprisonment.
Case management framework.	**576.** The Case Management Framework is required to ensure continuity in a prisoner's rehabilitative process before and after the prisoner is released. The service involves, - (a) assessing a prisoner's individual needs; (b) identifying appropriate services that meet his needs; (c) developing a comprehensive plan of service tailored to the individual; (d) advocating the client's access to and use of services; (e) monitoring and evaluating the effectiveness of delivery of services.

Treatment of after care problems.	**577.** After-care problems of an individual shall be treated in their totality and not in isolation. Not only the individual but his whole social situation must be tackled at the same time.
Phasing of after care work.	**578.** After-care work shall broadly be phased as follows, - (a) while the individual is under institutional care and treatment; (b) immediately after release from the institution;\ (c) post-release period.
Constitution of Discharged prisoners. After Care Rehabilitation Committees.	**579.** (1) It is the responsibility of the State to devise and develop mechanisms for rehabilitation of released convicts. For this purpose, Discharged Prisoners' After Care and Rehabilitation Committees shall be set up at the district level, which shall comprise the following, - (a) District Magistrate - Chairperson (b) Superintendent - Convener (c) District Probation Officer - Member (2) Such Committees shall *inter alia* devise schemes for rehabilitation and after-care assistance for released prisoners. While devising the mechanism and extending help, special attention shall be paid to the protection and post-release care and help of children, adolescents, women, sick, old, infirm and handicapped persons. Special emphasis shall be laid on the after-care of habitual offenders, if they so request.
Planning.	**580.** (1) Planning for after-care shall be initiated immediately after prisoners' admission in the institution. (2) After-care shall be in the interest of the individual and based on his needs. While planning post-release assistance, factors like the prisoner's personality, his weaknesses and strengths, limitations and capabilities, and his rehabilitation needs shall be taken into consideration. The prisoner's desires for post-release help shall be considered on a practical and realistic basis.

	(3) The prisoner shall be informed what type of assistance would best suit his needs. He shall be encouraged to plan his post-release life, as this would be helpful in his willing acceptance of the after-care plan. (4) From the time of a prisoner's admission into prison, he should be assisted to maintain or establish such relations (with persons or agencies outside the institution) as may promote the best interests of his family and his own social rehabilitation. Special attention shall be paid to the maintenance and

	improvement of such relations between a prisoner and his family, as are desirable in the best interest of both. (5) The prisoner shall be provided vocational training according to his needs and he shall be registered with various employment agencies outside the prison.
Scope of after-care assistance.	**581.** The scope of after-care assistance shall be determined by the discharged prisoners' After Care and Rehabilitation Committee, and shall include the following, namely:– (a) liaison with and assistance to prisoner's family during the period he is serving sentence; (b) help in maintaining continuity in relationship with family, neighbors, employers and community; (c) preparing the family, employer and neighbors for receiving the individual after release; (d) liaison with local police to build trust and prevent harassment post release; (e) तममितमदबम जव ं े वबपंस े मतअपबम वतहंदप्रंजपवद पद जीम दमपहीइवतीववक ूी मतम जीम चतपेवदमत पे likely to settle after release; (f) communicating to the Panchayat/local authorities about the background, problems and needs of the released person. Getting the cooperation and help of the Panchayat, Community Development Officer, National Extension Service Worker and Gram Sevak, in the resettlement of the prisoner; (g) subsistence money to cover initial expenditure after release till such time the released person gets family support or secures employment; (h) temporary accommodation till housing arrangement is made; (i) assistance in securing employment, apprenticeship etc.; (j) supply of tools and trade equipment; (k) assistance in starting a cottage industry, any small business trade, a small or a stall; (l) providing medical treatment as per requirement; (m) placing the released person under the care of a person or family interested in his welfare and resettlement; (n) help in establishing contacts, acquaintance and friendship with reliable neighbors, co-residents or co- workers; (o) safeguards against recidivism.
Functioning of a District Probation Officer.	**582.** (1) The District Probation Officer shall interview the prisoner during his admission-quarantine period and plan the nature of assistance for the prisoner and his family. Thereafter, he shall meet the prisoner at least once a fortnight through his stay in the institution and monitor the relationship

	and assistance being rendered. (2) The District Probation Officer shall extend all possible help in maintaining the prisoner's continued relationship with his family, employer and community. (3) The District Probation Officer shall also remain associated with the prisoners' welfare services at the headquarter level.
The role of non-government वतहंदप्रंजपवदेण्	**583.** ज्ीम चंतजपबपचंजपवद व ितमचनजमक छवद.ळवअमतदउमदज व्तहंदप्रंजपवदे ;छळव्ेद्ध पद जीम तमींइपसपजंजपवद चतवहतंउे ेीं सस इम मगजमदेपअमसल मदबवनतंहमकण् टवसनदजंतल वतहंदप्रंजपवदेए ूी पबी ू पेी जव ीमसच जीम government in rehabilitation projects, should be provided all necessary support.

Awareness amongst public for rehabilitation of ex- convicts.	**584.** Public shall be educated about the need for rehabilitation of ex-convicts through print and audio-visual media. Continuous liaison shall be maintained with individuals and entities, which are willing to give employment to the released prisoners. Corporate entities shall be encouraged to contribute funds towards rehabilitation of prisoners under the corporate social responsibility (CSR) framework.
Assessment.	**585.** (1) After-care agency shall be closely associated with the planning of the after-care program for the prisoner. (2) After-care plan of a prisoner shall be subject to such changes as are found necessary by the after-care service. (3) The District Probation Officer shall pay special attention during the pre-release period and maintain all prescribed records under the direction of the Superintendent. (4) After release from the institution, the case of a released person shall be followed up for a period ranging from one to two years according to the requirements of each case. (5) The District Probation Officer shall conduct follow-up study through interviews or correspondence. A six monthly report evaluating the released person's adjustments and resettlement shall be prepared by him and copies of it shall be sent to all stakeholders including the prison headquarters. (6) The record branch at the headquarters shall maintain all case files and follow-up reports according to the central indexing system.
Formulation of Schemes.	**586.** The Industries Department of the Government shall formulate schemes for the employement of released convicts in small scale units.
Persuation of Industrial units	**587.** Industry shall be persuaded at the level of the Prisons Headquarters to give preference in jobs to released prisoners in the interest of their rehabilitation and social adjustment.

Service conditions.	**CHAPTER 33** **PRISON OFFICERS** **588.** (1) Quality of human resource is of paramount importance in an effective system of prison administration. The conditions of service in the prison department shall be such that they attract and retain the best-suited personnel. The effectiveness and utility of correctional institutions shall largely depend upon the level of satisfaction that prevails in the service. Better service conditions shall produce better personnel which, in turn, shall develop better institutions. (2) In all prisons of the State, personnel shall be deployed in accordance with the size of the prison, prison capacity, requirements of security, discipline, workload and distribution of functions. In principle, there shall be a minimum of one guarding personnel for every six prisoners. (3) Every prison shall have such staff strength as decided by the Government from time to time.
Free Government Accommodation and house rent allowance.	**589.** (1) Superintendent, Medical Officer, Deputy Superintendent, Nursing Staff, Pharmacy Officer, Subordinate officers, Head Warders and Warders who have been provided Government accommodation in the prison shall be exempted from the liability to pay rent. In cases, where Government accommodation can not be provided, the grant of House Rent Allowance shall be contingent upon the official arranging for himself a residence within a reasonable distance (to be approved by the Superintendent) from the prison, convenient for purpose of his duties and make himself available for duty on call in an emergency. (2) Every subordinate officer of prison, for whom residential quarters are provided, shall reside therein, when free quarters are not provided, the subordinate shall reside in such vicinity as near as possible to the prison. House rent allowance shall be provided to the staff those who are not provided with residential quarters at the rates fixed by the Government.
Appointments to the office of Superintendent to be Gazetted.	**590.** All appointments to and changes in the office of the Superintendent other than those arising in Superintendent shall be Gazetted Class-1. All promotions to the post of the Superintendent shall be by promotion from among those serving on the post of Deputy Superintendents.
Temporary Vacancies.	**591.** In the event of any temporary vacancy occurring in the office of Superintendent of any prison or the Superintendent due to any cause unable to discharge or prevented from discharging the duties of his office, this fact shall forthwith be brought to the notice of the Director General by such Superintendent or, in his absence, by the Deputy Superintendent (Administration).
Exercise of powers of	**592.** All or any of the powers conferred by and duties imposed by these rules on the

Superintendent.	Superintendent may, in his absence, be exercised and performed by such other officer as the Director General may entrust in this behalf, either by name or by official designation.
General duties of Superintendent.	**593.** (1) Subject to the overall supervision and control of the Director General, the Superintendent shall be the managing executive of the prison in all matters including discipline, administrative, labour, expenditure, correctional and welfare programs, punishment, and control. (2) The Superintendent shall be bound by the applicable laws and rules and directions of the Government in the discharge of his responsibilities in the aforementioned matters of order, discipline, management, and security of the prison and prisoners confined therein. (3) The Superintendent shall ensure that all applicable rules are enforced fairly, impartially, and without discrimination and that all persons to whom the rules apply are in advance made aware of the rules and the consequences of any breach of discipline under the rules (4) The Superintendent shall make himself thoroughly acquainted with the provisions of the Act and all other statutory enactments which govern prison management as also the rules made thereunder. He shall be responsible for carrying into effect all statutory provisions and the rules and the lawful execution of all sentences on prisoners committed to his charge. (5) The Superintendent shall maintain, or cause to be maintained, such record on paper or digitally or both, as specified. (6) The Superintendent shall provide for the support, care, custody of and control over all prisoners at any time confined in the prison.

	(7) The Superintendent shall adopt modern techniques and equipment in matters of security, welfare, and general administration of the prison. (8) The Superintendent shall control all expenditures relating to the prison and maintain records and ensure that such expenditures are incurred in conformity with the financial rules and after observing the codal formalities and financial discipline. (9) The Superintendent shall enquire into and adjudicate upon all the cases involving commission of prison offences and breach of discipline and punish all those who are found guilty thereof in accordance with the provisions made therefor. (10) The Superintendent shall take steps to provide suitable facilities for recreation of prisoners and staff members. (11) The Superintendent shall draw up a plan for the classification of prisoners, their training, treatment programs, and correctional activities in the prison superintended by him and for implementation of the state policy pertaining to correctional administration.
Director General.	**594.** The Superintendent shall discharge his duties subject to the control of Director General and

	all orders passed by him shall be subject to revision by the Director General.
visit prison daily.	**595.** (1) The Superintendent shall visit the prison every working day, at least once in the forenoon and once in the afternoon, and on Saturdays, Sundays and holidays as well when special circumstances render it desirable; if due to any cause, the Superintendent is prevented from visiting or is unable to visit the prison on any day on which he is by this rule, required so to do, he shall record the fact and cause of his absence in his journal**.** (2) The first duty of the Superintendent, on the occasion of his daily visit to the prison, shall be to release the time-expired convicts, in accordance with the provisions of the law and the rules in that behalf, and shall, in discharging this duty, in particular, observe the rules relating to the return of their private property.
Night Visit by the Superintendent.	**596.** The Superintendent shall randomly visit the prison during the night (between 10 P.M. to 4.A.M.) at least once a week and shall satisfy himself that the prison is properly secured and guarded and that all rules and orders, governing the nightly disposition of prisoners, guarding personnel and Duty Officer and their duties, are duly observed. During his night round, the Superintendent shall often get the incoming and outgoing Warder guard searched and checked at the main gate in his presence. The Superintendent shall visit the prison in the night right away on the occurrence of any untoward incident.
Residence of Superintendent.	**597.** The Superintendent shall reside in the prison premises unless the Director General permits him in writing to reside elsewhere. The Superintendent shall not take up any other additional employment.
Presence of Superintendent during night.	**598.** The Superintendent shall not be absent from the prison premises even for a night without permission from the Director General but if it is inevitable to be absent without leave for a night due to unavoidable necessity, he shall immediately report the fact and the cause of it to the Director General.
Bar on delegation of duties by Superintendent.	**599.** If the Superintendent is at any time prevented, by unavoidable cause, from performing any duty imposed on him, he shall not, without the previous permission of the Director General, delegate any duty to any other officer.
Prison to be inspected and maintained in an efficient state.	**600.** (1) The Superintendent shall frequently visit and inspect every barrack, yard, cell, ूवर्तीवचए ं तउवनतलए ूं तकमतष्े सपदमे ं दक मअमतल वजीमत चंतज व ि जीम चतपेवद ं दक पजे चतमबपदबजे ं दक ं ससpremises belonging or attached thereto, or connected therewith, and shall satisfy himself that all buildings, structures enclosing walls etc., are secure and are maintained in the best possible state of repair and that every part of the said prison precincts and premises is kept clean and in a proper sanitary condition. (2) The Superintendent, during all times of the day and night, shall cause to have every section, block, building, open area, main gate, office, peripheral wall, kotmauka, hospital, and every other place on the

	prison premises to be under the express charge of such number of subordinate officers as he deems necessary, for efficient working of the prison.

Superintendent to visit hospital.	**601.** The Superintendent shall visit the prison hospital frequently and shall carry into effect, or cause to be carried into effect all written directions given by the Medical Officer in regard to the proper segregation of prisoners suffering or suspected to be suffering from any communicable disease.
Superintendent to visit prison garden at least once a week.	**602.** (1) The Superintendent shall visit the prison garden at least once a week and satisfy himself that, - (a) all necessary measures are being taken therein for the purpose of cultivating and producing ample and continuous supply of vegetables, condiments and other crops for consumption of the prisoners; (b) the land included in the garden is kept in proper order and free from weeds; (c) the disposal of filth and refuse from the prison is effectively and fully conducted; (d) stable letter and other manure is suitably disposed of and that the premises generally are maintained in a good sanitary condition; and (e) the prison garden is being run on a scientific and production-oriented basis. (2) The Superintendent shall personally ensure that the prescribed targets for the prison garden are fulfilled and agricultural training on modern and scientific lines is imparted to the inmates.
Superintendent to check stock, machinery and tools.	**603.** The Superintendent shall personally check every article of the store at least once in six उवदजी ंदक तमबवतक पद जीम तमउंतो बवसनउद व िजीम ेजवतम तमहपेजमत ूीमजीमत जीम इंसंदबम बीमबामक वद ंcertain date was correct or incorrect and discrepancies, if any, shall be noted. A note of this check shall also be made in his journal and the discrepancies, if any, shall be reported to the Director General at once. **NOTE 1.-** ज्ीम बीमबापदह व ितजपबसमे ेींसस इम ेव ंततंदहमक जींज जीम ैनचमतपदजमदकमदज व िचतपेवद बीमबोone-half in one quarter which the Deputy Superintendent (Administration) shall check in the second quarter and vice versa. It shall be ensured that every article is checked once in three months either by the Superintendent or the Deputy Superintendent (Administration). The certificate of the check conducted by the respective officers shall be submitted to the Director General by the 1st January and the 1st July each year. ज्ीम ैनचमतपदजमदकमदज वद जंापदह वअमत बींतहमए ेींसस मगंउपदम जीम इववो जव ेमम ूींज ंतजपबसमेhave not been checked by his predecessor in the half-year and shall check these during the remaining period of the half-year. **NOTE 2.-**When shortages are found as a result of a check made in any of the stores or as a result of an audit report by the Accountant-General, Haryana, the Superintendent shall take immediate action to fix responsibility for the shortage and submit his report with recommendations to the Director General for orders.

Weekly inspection parade of prisoners.	**604.** (1) The Superintendent shall hold a weekly parade of all prisoners for the time being confined in the prison for the purposes of muster and inspection. (2) At each parade held under the sub-rule(1), the Superintendent shall satisfy himself that, - (a) every prisoner is properly classified as provided in the rules; (b) every prisoner is provided with proper clothing and bedding as provided in the rules; (c) every prisoner is clean both in-person and clothing; (d) the provisions of the remission and parole rules are understood by the prisoners; (e) the rules and orders applicable to prisoners are being followed properly; (f) all chronically or seriously ill prisoners are receiving proper treatment. (3) The Superintendent shall, at every such parade, hear every request or complaint (if any) which any prisoner may desire to make and shall, in due course, inquire into and pass orders thereupon. **NOTE1.-** The Senior Medical Officer/Medical Officer, all Deputy Superintendents, and subordinate staff concerned shall accompany the Superintendent. **NOTE 2.-** On such parades, every prisoner shall neatly arrange his bedding, spare clothing, cup, and plates in the courtyard of his barrack and shall stand at attention in line.

Checking and counting prisoners twice daily.	**605.** The Superintendent shall cause the prisoners to be checked and counted at least twice each day i.e. at the hour of opening the wards in the morning and that of locking up the prisoners in the evening.
Prison business to be transacted on prison premises.	**606.** The Superintendent shall ordinarily transact all business relating to the prison on the premises thereof, and shall not, otherwise than in cases of necessity or emergency, require the attendance of any staff member at any place beyond such premises.

Distribution of duties amongst subordinate officers.	**607.** (1) The Superintendent shall pass a written order laying down therein the distribution of duties amongst subordinate officers and the nature and extent of the duties allotted to each such officer: Provided that anything contained in any order passed under this rule shall not in any way to relieve the Deputy Superintendents of their general responsibility under the Superintendent, as to the management of the prison or relieve the Deputy Superintendents or any other subordinate officer of any duty imposed on him by any law or rules for the time being in force. (2) The Superintendent shall apply the principle of periodical rotation in matters of distribution of duties amongst subordinate officers employed in the prison. (3) The distribution of duties amongst subordinate officers employed in the prison shall be so allotted as to enable the Superintendent to fix responsibility for errors in the prison records, with precision and without leaving any possibility of uncertainty, therefore,a copy of the distribution of executive and clerical work shall be put up and maintained in a conspicuous place in the prison office.
Taking over the duties of deputy superintendent by the Superintendent.	**608.** (1) The Superintendent may, by a written order take over for himself such of the duties of any Deputy Superintendent, as he may deem necessary, for the efficient running of the prison. (2) Every action taken under sub-rule (1) shall forthwith be reported by the Superintendent to the Director General giving reasons thereof and the Director General may confirm, modify or cancel such order.
Superintendent to enquire into all prison offences and to record punishments.	**609.** The Superintendent shall hold an inquiry qua every offence committed or alleged to have been committed by a prisoner in the prison in a quasi-judicial manner recording the statements of all witnesses concerned, at the same time giving full opportunity to the offender for his defence. Confessional statements of the offender shall also be recorded in the presence of two witnesses. After application of a judicious mind, the finding and proposed punishment in the manner provided by law, should be recorded by the Superintendent in his own hand in the prisoner's history ticket. Complete inquiry file containing the findings and proposed punishment shall be forwarded to the District and Sessions Judge for obtaining judicial appraisal on the same day. Where such intimation on account of emergency is difficult, the same shall be given within two days of action. The Superintendent shall satisfy himself that every punishment so proposed is duly carried into effect in accordance with law: Provided that if for any cause, the Superintendent is, at any time, physically prevented from making such record, he shall cause the same to be made in his presence and under his directions. **NOTE.-** The order of punishment shall be copied/entered into the prescribed register of punishment by a subordinate officer (Register No.5).

Appointment and punishment of staff members.	**610.** (1) The Superintendent shall exercise such powers regarding the appointment and punishment of staff members, as are specified in the rules relevant to service conditions of such officer. (2) The Superintendent may, at any time, inquire into and record his opinion on the conduct of any staff member. In conducting all such inquiries, he shall be guided by the relevant punishment and appeal rules.

Superintendent to report all important occurrences.	**611.** The Superintendent shall report the following events at once telephonically and by other means, which shall be invariably followed by a detailed report through approved means of communications to the Director General, namely: – (a) all serious breaches of prison discipline and prison security; (b) every case in which any prisoner escapes or attempts to escape or is recaptured or commits suicide or dies from or receives a serious injury; (c) ंसस वनजइतमंो व ि मचपकमउपब कपेमंेम वत कपेमंेम ूी पबी पे सपामसल जव ंदे नउम ं द मचपकमउपबform amongst the prisoners or staff members and the measures taken to prevent the spread thereof; (d) all serious cases of overcrowding and all such other matters as the Director General may, from time to time in his discretion, by general or special order in that behalf, require to be so reported to him by the Superintendent; (e) all cases of death of prisoners alongwith immediate cause.
Superintendent to accompany Director General and official visitors.	**612.** (1) It shall be the duty of the Superintendent to accompany the Director General, Additional Director General, Inspector General, Additional Inspector General or Deputy Inspector General whenever that officer visits the prison for the purpose of inspection of the same or any part thereof and shall take all necessary measures to facilitate the inspection and secure the safety of the inspecting officer. (2) The Superintendent shall, if so desired, similarly accompany any official visitor during his visit to the prison.
Superintendent to exercise vigilant control over receipts and expenditure.	**613.** (1) The Superintendent shall at all times exercise a vigilant supervision and control over all moneys items and property of whatever kind received by him or by any subordinate officer, or which, at any time is in his charge or in the charge of any subordinate officer, for or on account of the Government, the prison or any prisoner at any time confined therein; Similar supervision shall also be kept for overall expenditure, of every kind incurred by him or under his authority or orders or under the authority of any rules in that behalf for the time being in force, on the upkeep and management of the prison as also of the prisoners for the time being confined therein or in any way relating thereto or connected therewith and shall cause proper accounts and vouchers of all such receipts and expenditure

	and property to be diligently kept and audited in accordance with the provisions of these rules and of the rules and orders regulating the management of the public accounts for the time being in force in that behalf. (2) The Superintendent shall be personally liable for all defalcations, loss, or damage in any way due or attributable to any negligence, disobedience, or misconduct on his part. The Superintendent is required to keep a constant watch over prison receipts and expenditures to promote all possible economy in every department and to carefully examine all demands and indents before sanctioning them or submitting them for sanction. He shall satisfy himself, by personal inspection, that – (a) जीम तमहपेजमते ंदक इववो व िबबवनदज ंतम तमहनसंतसल ंदक कनसल ूतपजजमद नच ंदक कंपसल मदजतपमे ंतम उंकम पद कंल इववोय (b) बंी इंसंदबमे बवततमेचवदक ूपजी जीवेम मदजमतमक पद जीम इववो ंदक जींज जीम संजजमत पे correct; (c) जीम वनजेजंदकपदह ंतम दवज ंससवूमक जव तमउंपद नदतमंसप्रमक सवदहमत जींद दमबमेंतलण् (3) The Superintendent is liable for defalcations on the part of any member of the prison establishment which have been in any way facilitated or rendered possible by any neglect of duty or omission on his part to exercise effective supervision.
Supplies to be promptly paid for.	**614.** The Superintendent shall satisfy himself that all supplies are paid for at the time they are purchased or as soon afterward as possible.
Superintendent to give effect to the requisitions of the Medical Officer (incharge).	**615.** (1) The Superintendent, after due consideration and his satisfaction, shall cause to be carried into effect all written requisitions of the Medical Officer (incharge), as to the provision of extra bedding or clothing or the alteration of the diet of any prisoner or with respect to any alteration of discipline or treatment in the case of any prisoner whose mind or body may, in the opinion of the Medical Officer (incharge), require it. (2) The journal of the Medical Officer (incharge) shall be put up before the Superintendent every day.

Superintendent's Journal.	**616.** (1) The Superintendent shall maintain a journal in which he shall record every occurrence of importance connected with the management of the prison. (2) The Superintendent shall cause to be maintained a bound compilation of all the orders passed by him relating to management, discipline, administration or other connected matters of the prison. He shall satisfy himself that every such order is duly carried into effect. All orders constituting the bound compilation shall contain the acknowledgment of having seen and received the order by the officer(s) entrusted in any way with the execution of any such order.
Procedure Upon Change of	**617.** At the time of taking over the charge as Superintendent of any prison, every officer shall, before entering office, satisfy himself that all records and registers are up-to-date and in good order and that

Officers Appointed Superintendent.	the cash balances, permanent advance, and accounts are complete and duly kept. He shall make a note in writing, of the defects, deficiencies, or irregularities, if any, detected either at the time of taking over charge or within one month thereafter, and shall inform the Director General thereof.
Submission of statements by Superintendent.	**618.** (1) The Superintendent shall, submit to the Director General the following statements regularly, namely, – (a) returns of statistical information; (b) statements of account in respect of receipt, expenditure and property; (c) bills, vouchers, and other original documents; (d) periodic reports and other information; (2) The Superintendent shall send a monthly report based on weekly and monthly meetings to the Director General giving his overall assessment of the working of the prison. (3) The Superintendent shall fix an hour daily for interaction with staff members. During this time, the staff members may meet him and make their suggestions concerning the functioning of the prison or for redressal of personal grievances. A weekly meeting of Medical Officers and gazetted officers shall be convened and suggestions regarding the administration of prison shall be discussed and policies formulated for the efficient conduct of the prison affairs.
Deputy Superintendent.	**619.** The appointment and service conditions of a Deputy Superintendent shall be as per applicable services rules.
Officers to be treated as Deputy Superintendent.	**620.** For the purpose of duty, the expression 'Deputy Superintendent' shall be deemed to include Deputy Superintendent (Administration), Deputy Superintendent (Security), Deputy Superintendent (Industries and Welfare), and every person for the time being performing all or any of the functions or duties of a Deputy Superintendent, in regard to the functions or duties so performed.
Residence of Deputy Superintendent.	**621.** The Deputy Superintendent shall maintain residence in the prison premises unless the Superintendent permits him in writing to reside elsewhere.
Deputy Superintendent to be present at night.	**622.** Deputy Superintendent(s) shall not be absent from the prison premises for a night without permission in writing from the Superintendent, however, if the Deputy Superintendent is absent without leave for a night due to inevitable reason, he shall immediately report the fact and the cause thereof to the Superintendent.
General duties of Deputy Superintendent.	**623.** (1) The Deputy Superintendent shall discharge duties under the immediate direction order and control of the Superintendent.

	(2) It shall be the duty of the Deputy Superintendent to strictly enforce, or cause to be so enforced, all laws, rules, regulations, directions and orders relating to the management of prison and prisoners confined therein, for the time being in force. (3) The Deputy Superintendent shall be liable to render all possible help and cooperation to other Deputy Superintendents in the discharge of their duties. (4) The Deputy Superintendent shall be responsible for the safe custody of all records and other articles in his charge, as required by the Act, rules, or instructions/directions of the Director General/Superintendent. (5) The Deputy Superintendent shall visit the prison during the night (between 10 P.M. to 4.A.M.) at least once a week and shall satisfy himself that the prison is properly secured and guarded

	and that all rules and orders relating to or connected with the nightly disposition of prisoners, guarding personnel and Duty Officer are duly observed and given effect to. During the night round, जीम क्मचनजल ैनचमतपदजमदकमदर्जींसस वजिमद बवदकनबज ेनतचतपेम बीमबो जीमतमइल बंनेपदह जीम पदबवउपदह ंदकoutgoing Warder guard to be searched and checked in the main gate in his presence. The Deputy Superintendent shall visit the prison in the night at once on the occurrence of any untoward incident. He shall make a report of the night visit in the night report book. (6) The Deputy Superintendent shall, whenever required so to do, accompany the Superintendent and every inspecting officer and official visitor on their visits to the prison.
Deputy Superintendent to make over charge when he leaves the prison.	**624.** The Deputy Superintendent shall, before leaving the prison for any purpose whatsoever, and on every occasion on which he proposes to leave the prison, make over his charge to such officer as directed by the Superintendent and shall record the fact that he has done so in his journal. The officer receiving the charge shall, thereupon, countersign the entry made in acknowledgement of having done so.
Deputy Superintendent not to delegate his duties without permission.	**625.** If the Deputy Superintendent is, at any time prevented by unavoidable cause from performing any duty imposed upon him, he shall not, without the previous permission of the Superintendent, delegate any duty to any other officer.
Deputy Superintendent's journal.	**626.** (1) Every Deputy Superintendent shall regularly maintain a journal in which he shall, from time to time record, as they occur, all events of importance relating to his functions and shall make a daily record of the general state of the prison. He shall enter in his journal all reports and representations which is his duty to make to the Superintendent and all other matters which by any of the provisions of the rules, regulations, directions and orders for the time being in force, he is required to enter therein.

	(2) The Deputy Superintendent's journal shall be placed weekly (or oftener if necessary), before the Superintendent who shall endorse his orders against each entry or if no orders or comments are necessary, append his initials.
Daily entries to be made by deputy Superintendent (Administration) in his Journal.	**627.** The Deputy Superintendent (Administration) shall enter daily in his journal the following, namely:- (a) lock-out time; (b) number of prisoners admitted during the day; (c) number of prisoners sent to outside hospitals/institutes for treatment; (d) number of prisoners released or transferred during the day; (e) तमेनसज व िबीमबापदह व िहतंजपदहे ंदक सवबो व िजीम चतपेवदय (f) sanction for the employment of prisoners in any special manner; (g) lock-up time; (h) any other important occurrence of the day; (i) suggestions regarding prison administration, if any.
Daily entries to be made by Deputy Superintendent (Security) in his Journal.	**628.** The Deputy Superintendent (Security) shall enter daily in his journal, namely:– (a) lock-out time and the count of the prisoners confined therein; (b) number of staff members who are absent; (c) number of staff members sent on leave; (d) number of staff members who returned from leave; (e) तमेनसज व िबीमबापदह व िहतंजपदहे ंदक सवबो व िजीम चतपेवदय (f) all instances in which he may have found it necessary to use restraint on any prisoner; (g) lock-up completion time and the count of the prisoners confined therein; (h) any other important occurrence of the day; (i) suggestions regarding prison administration, if any.

Daily entries to be made by Deputy Superintendent (Industries and Welfare) in his Journal.	**629.** The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall enter daily in his journal the following, namely :– (a) number of prisoners tasked and absent; (b) time at which prisoners began work, training, learning; (c) time at which work, training, learning was stopped in the forenoon and when it was re-commenced in the afternoon; (d) time at which work was stopped for the day; (e) number of prisoners who participated in Vocational and Educational Training.

	(f) number of calls made through Prison Inmates Calling System; (g) any other special cultural, spiritual or social program or other important occurrences of the day; (h) suggestions regarding prison administration, if any.
Deputy Superintendent responsible for property and money entrusted to him.	**630.** The Deputy Superintendent shall render an account, on removal or transfer of all Government and other property and money entrusted under his care.
Duties of Deputy Superintendent as to safety of prisoners, discipline, visits and attendance.	**631.** (1) The Deputy Superintendent shall do or cause to be done all acts and things which may be necessary or expedient for ensuring the safe custody of all prisoners at any time received into or confined in the prison as well as for enforcing and maintaining discipline and order amongst such prisoners and all subordinate officers of the prison at any time serving under his orders or control and shall also superintend the correctional/educational programs. (2) The Deputy Superintendent shall, at least once in every twenty-four hours visit every barrack, ward, cell, compartment and every other part of the prison and the premises thereof, including the hospital; and shall, save as provided in the rules, regulations, directions, and orders for the time being in force in that behalf, always remain present within the prison or the premises thereof.
Duties of Deputy Superintendent (Administration) qua lock-up, lock-out, labour, food, and reporting unusual occurrences.	**632.** It shall be the duty of the Deputy Superintendent (Administration) to – (a) be present every evening when prisoners are locked up for the night and every morning when the prisoners are taken out of the sleeping wards, cells, or other compartments; (b) satisfy himself both by night and morning that all the prisoners are present and in safe custody; (c) allot to each prisoner sentenced to undergo rigorous imprisonment a proper task and satisfy himself that every such prisoner who is fit for labour is daily put to proper labour and performs his allotted task; (d) cause daily weighing and serving out of rations and satisfy himself that the food-stuffs are properly cleaned and cooked; (e) supervise the distribution of food and satisfy himself that each prisoner receives his proper quantity at the proper times; (f) forthwith report every unusual occurrence of a serious nature to the Superintendent.
Duties of Deputy Superintendent (Administration) qua execution of sentences.	**633.** It shall be the duty of the Deputy Superintendent (Administration) to – (a) cause all lawful warrants and orders of commitment to be duly obeyed and carried into effect; (b) give effect to all remissions of sentences lawfully earned or granted, and from time to time, to review and cause to enter the correct date of release in the register of releases; (c) take all measures necessary or expedient in order that no prisoner is released before he

	is legally entitled to be released.

Duty of Deputy Superintendent (Administration) on admission of prisoner.	**634.** Upon the admission of every prisoner, the Deputy Superintendent (Administration) shall- (a) examine or cause to be examined the warrant or order under which such prisoner is committed to the prison and satisfy himself that it is in all respects, complete, in order and valid; (b) satisfy himself that the provisions of the Act and these rules as to the admission of prisoners, are duly complied with.
Custody of Government property.	**635.** (1) The Deputy Superintendent (Administration) shall be responsible for the receipt, issue, safe custody and the application or disposal of all stores, machinery, tools, plant, raw materials, manufactured goods and all other articles of whatever kind which is for the time being in the prison and the property of the Government and he shall maintain or cause to be maintained, proper accounts and registers thereof. He shall take stock checking frequently and from time to time examine and verify the accounts and registers maintained. (2) The Deputy Superintendent (Administration) shall check every article of the store at समंेज वदबम पद ेपग उवदजी ंदक तमबवतक पद जीम तमउंतो बवसनउद व िजीम ेजवतम तमहपेजमत ूीमजीमत जीम इंसंदबमchecked on a certain date was correct or incorrect and discrepancies, if any, were noted. A note of this check shall also be made in his journal and the discrepancies, if any, shall be reported to the Superintendent, if there is a change in incumbency, he shall check all articles on assuming charge and this may be taken as a six monthly check.
Record of directions of Medical Officer.	**636.** All recommendations given by the Medical Officer in relation to any prisoner, with the exception of orders for the supply of medicines or directions relating to such matters as are carried into effect by the Medical Officer himself or under his superintendence, shall be entered day by day in the prisoner's history-ticket or in such other record as specified. The Deputy Superintendent (Administration) shall make an entry at proper place stating in respect of each direction the fact of its having been or not having been complied with, accompanied by such observations, if any, as the क्मचनजल ै नचमतपदजमदकमदज ;।कउपदपेजतंजपवदद्ध जीपदो पिज जव उंाम ंदक जीम कंजम व िजीम मदजतलण्
Deputy Superintendent (Administration) to ensure timely attendance of staff members.	**637.** The Deputy Superintendent (Administration) shall ensure that all staff members are present on duty on time and shall furnish the report of daily attendance to the Superintendent. The daily attendance shall be recorded digitally as far as practicable.
Deputy Superintendent (Administration) responsible for scale, weigh,	**638.** The Deputy Superintendent (Administration) shall be responsible for the following, namely: – (a) to ensure that the scales, weights and measures in use in the prison, for issue and distribution of provisions, stores and raw material are accurate and in good order and shall, before taking delivery, weigh, measure or count all stores supplied to the prison

stores and the state of the godown.	or cause the same to be done under his supervision; (b) for the state of the prison store-rooms and their inaccessibility to convicts and others दवज ंनजीवतप्रमक जव मदजमत जीमउण्
Deputy Superintendent (Administration) to supervise office and keep certain registers.	**639.** The Deputy Superintendent (Administration) shall exercise general supervision over the work of the office. The delegation of the preparation of returns, entries in registers, or of any of the Deputy ैनचमतपदजमदकमदज ;।कउपदपेजतंजपवदष्ेद्ध कनजपमे जव ंदल ंनजीवतप्रमक ेनइवतकपदंजमए ेींसस पद दव ूं ल तमसपमअम जीमDeputy Superintendent (Administration) of the responsibility towards ensuring that these are correctly and punctually made, however, his primary duties shall concern the direct control of the चतपेवदमते ंदक उंदंहमउमदज व िजीम चतपेवदण् भ्म ेींसस ाममच वत बंनेम जव इम ामचज जीम बंी.इववोए तमसमंेमdiaries and such other registers in accordance with the Superintendent's directions. He shall daily बवउचंतम जीम इंसंदबमे व िबंी.पद.ींदक ूपजी जीम इंसंदबमे ेीवूद पद जीम बंी.इववोए पदपजपंस जीम संजजमत प िcorrect and present the same to the Superintendent daily for examination. **NOTE.—** Cash and cash book shall ordinarily be dealt with by the Superintendent (Office) or Deputy Superintendent (Office) for the maintenance section and accountant/clerk for the Industries section.
Deputy Superintendent (Administration) to maintain prison garden in an efficient state.	**640.** The Deputy Superintendent (Administration) shall be responsible for all matters related to prison farm like proper and timely sowing of crops and seasonal vegetables etc. He shall ensure the timely movement of inmates, who have been duly permitted thereof, for working in the prison farm. He shall visit the prison garden at least twice a week.

Responsibility for economy in every department.	**641.** The Deputy Superintendent (Administration) shall promote such economy as is consistent with efficiency in every department of the prison. *inter alia*, and shall – (a) prepare or cause to be prepared and submit to the Superintendent all indents for food, clothing and articles of every description required; (b) चतमअमदज ंदल दममकसमे कमेजतनबजपवद व िळवअमतदउमदज चतवचमतजलए नजपसप्रम बवदअपबज संइवनत जव जीम fullest extent in supplying the requirements of the prison and other department and bring to the notice of the Superintendent any improper waste or extravagance.
Inventory at time of making over charge.	**642.** When any Deputy Superintendent is discharged or suspended, transferred or resigns, takes leave (other than casual leave), he shall be duty bound, in making over charge to his successor, to give an inventory of all property, stores etc. in his hands, together with vouchers for all credit sales. This list shall be kept with the prison records while a copy shall be given to his successor and another sent to the Director General. The Superintendent shall satisfy himself as to the correctness of the list within two months from the date the outgoing Deputy Superintendent leaves the prison and shall if circumstances warrant his doing so, furnish the leaving Deputy Superintendent, with a certificate that no demands or liabilities are outstanding against him in that prison.

	NOTE 1.— The order may be suspended in the case of any Deputy Superintendent who takes leave वित दवज उवतम जींद े पग ू ममोए इनज पद जींज बं मए जीम क्मचनजल ै नचमतपदजमदकमदजू ी व जं ामेleave shall be primarily responsible for the stores, etc, during his absence, and the burden of proving the responsibility of his locum tenens for any loss shall lie with him. **NOTE 2.-** All the subordinate officers in whose custody the inventory articles are kept shall be responsible for making over the charge by them of the respective articles in their stores and wards. They shall render a complete account of all the inventory articles and other stores under their charge and shall be responsible for any loss or damage attributable to their negligence.
Duty of Deputy Superintendent (Administration) on change of Superintendent.	**643.** When a new Superintendent assumes charge of a prison, it shall be the duty of the Deputy Superintendent (Administration) to bring to his notice, in writing, all orders specially relating to that prison. In the event of any grave irregularity taking place in consequence of the non-observances on the part of the Superintendent of any such order, the Deputy Superintendent (Administration) shall be held responsible unless he can show that he brought the order in question to the notice of the Superintendent. In the interest of the need for fixing responsibility, the Superintendent upon having been so briefed as above by the Deputy Superintendent, shall be required to affix his signatures upon the order(s) which have been brought to his notice.
Duty of Deputy Superintendent (Administration) regarding smooth functioning of administration.	**644.** (1) The Deputy Superintendent (Administration) shall in the immediate supervision of the Superintendent be the overall in charge of every other part of prison administration which is not exclusively related to Deputy Superintendent (Security) and Deputy Superintendent (Industries and Welfare). (2) The Deputy Superintendent (Administration) shall be responsible for the smooth functioning of all the branches under his charge, particularly the under trial section, convict section, hospital management, and establishment section. He shall be responsible for all correspondences relating to these sections with the competent authorities concerned. (3) The Deputy Superintendent (Administration) shall, in immediate supervision of the ै नचमतपदजमदकमदज बंनेम जव उंपदजंपद जीम चतपेवद पद ं द मfि पबपमदज बवदकपजपवद पद तमेचमबज व ि बवउचनजमतप्रंजपवदएsecurity equipment and other equipment, sanitation, water supply, power supply, food, cleanliness and beautification of prison premises etc. (4) The Deputy Superintendent (Administration) shall be overall in charge of the hospital ward.
Deputy Superintendent (Security) responsible for the efficiency of the guard.	**645.** The Deputy Superintendent (Security) shall satisfy himself that sufficient strength of the guarding staff to meet all emergencies is at all times present at the prison and ready to be armed and that the guarding staff sleep in the quarters allotted to them and do not leave the prison premises without permission. A roll call may be held every day one hour before sunset or oftener, if necessary.

Duties of Deputy Superintendent	**646.** The Deputy Superintendent (Security) shall at all times maintain strict discipline amongst

(Security).	subordinate officers and shall ensure that, - (a) such subordinate officers as are trained akin to military discipline are acquainted with the drill and the use of their arms; (b) all staff members, in respect of whom uniforms are prescribed, wear such uniforms in the prescribed manner at all times when such uniform is required to be worn; (c) specified roster of attendance and duties is carried into effect; (d) when on duty, all officers are neat and clean in appearance, properly dressed and accoutered; and (e) every instance in which any subordinate officer is guilty of any dereliction of duty, breach of discipline or other misconduct, which comes to his knowledge, is entered in his journal and brought to the notice of the Superintendent.
Power of Deputy Superintendent (Security) to grant forty-eight hours leave.	**647.** Subject to the rules governing grant of leave and the record to be maintained therefor, the Deputy Superintendent (Security) may grant leave of absence for a period not exceeding forty-eight hours/two days at any one time to any guarding personnel: Provided that in every case where any such leave is granted, the Deputy Superintendent (Security) shall make all necessary arrangements for the due performance of the duties of the guarding personnel to whom such leave is granted during his absence.
Deputy Superintendent (Security) to search daily for prohibited articles.	**648.** Deputy Superintendent (Security) shall, on uncertain times, cause each prisoner, all clothing ंदक इमककपदहए ंसस ूतकेए बमससे ंदक वजीमत बवउचंतजउमदजेए ूवतींवचेए संजतपदमे ंदक वजीमत चसंबमेfrequented by prisoner(s), to be thoroughly searched for prohibited articles in such manner so that the whole prison is covered in a fortnight.
Deputy Superintendent (Security) to regulate interviews and Communications.	**649.** (1) It shall be the duty of the Deputy Superintendent (Security) to regulate all interviews and communications between prisoners and persons who are not prisoners and to prevent all persons ूीव ंतम दवज कनसल ंनजीवतप्रमक पद जींज इमींस िइल जीम बवउचमजमदज ंनजीवतपजलए तिवउ मदजमतपदह जीम चतपेवदpremises or having access of any kind to, or communication with, any prisoner, and to arrange that the proper officer of the prison is present during all interviews held. (2) He shall also ensure strict surveillance and close watch during interviews of prisoners ूपजी अपेपजवतेण् ।नजीवतप्रमक ंतजपबसमे तमबमपअमक इल जीम चतपेवदमते तिवउ जीमपत तमसंजपअमे ेींसस इम ींदकमक वअमतonly after a thorough search. He shall further ensure that such articles are not misappropriated by anybody else. (3) He shall cause to maintain a record (manually or digitally) of all the interviews. He shall ensure no interview is held without a proper entry in the software meant therefore or otherwise.
Other Duties and responsibilities of Deputy	**650.** (1) The Deputy Superintendent (Security) shall be duty bound to maintain internal

Superintendent (Security).	vigilance on the conduct of staff members, in particular as a check against corrupt practices. He shall keep an eye on the activities of the prisoners from lock-out to lock up during day time. Prisoners shall not be allowed to move unnecessarily. (2) It shall also be the duty of Deputy Superintendent (Security) to ensure deployment of guarding personnel through Line Officer in consultation with Deputy Superintendent (Administration), Deputy Superintendent (Industries and Welfare) under the supervision of the Superintendent. (3) He shall cause to ensure that no prohibited article is admitted inside the prison and no such article or activity which may endanger the security of the prison be allowed inside the prison. For this purpose, he shall cause to ensure the following, namely – (a) Search of prisoners at main gate (deodi) at the time of their entry and exit; (b) Search of staff members at main gate (deodi) at the time of their entry and exit; (c) Search of articles passing in and out of prison. (4) He shall ensure that every article brought in to or taken out of the prison is in keeping with the gate pass and the particulars of such articles are entered in the register concerned.

	(5) He shall ensure that all steps are taken to initiate legal action on the commission of any prison offence. (6) The other heads of duties of the Deputy Superintendent (Security) shall include the following, namely – (a) conducting 'Alarm Parades'; (b) handling of riots and public order disturbances in prison; (c) responding to a medical emergency on priority, in liaison with Deputy Superintendent (Administration); (d) liaison officer (point-of-contact) for all matters related to the security of the prison; (e) regulation of leave of guarding staff; (f) efficient functioning of Control Room; (g) monitoring the use of prisoner's audio/video calling system; (h) liaison with the local police station and police authorities for follow-up of investigations of cases registered for crimes inside the prison.
Duty of Deputy Superintendent (Industries and Welfare).	**651.** (1) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) under the immediate supervision of the Superintendent shall be responsible for implementing State policy pertaining to correctional ंकउपदपेजतंजपवदए तमवितउंजपवदए ं दक ू मसंितम व ि चतपेवदमतेण् भ्म ेींसस इम तमेचवदेपइसम वित वतहंदप्रपदह ं दकconducting educational, cultural, recreational and other welfare activities for prisoners. (2) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall supervise the work of correctional staff in the prison.

(3) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall supervise the manufacturing units and other productive enterprises, other than agriculture, being undertaken in any prison and shall be responsible for the efficient management of the manufactory unit and shall conduct all operations relating to the manufacture of articles in the prison, to the greatest possible advantage of the Government.

(4) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall ensure that all stores maintained in the manufactory unit of the prison, whether consisting of raw material, material in process of manufacture or manufactured goods, machinery, plant, tools or other articles that are under the care and supervision of the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) are responsibly taken care of and he shall at all times be liable to duly account therefor to the Superintendent.

(5) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall cause proper accounts to be kept of all stores purchased, received, in stock and expended, respectively, and also of all moneys, of whatever kind at any time received or expended by him or under his authority or orders. He shall be responsible that all registers and accounts prescribed and relating to the manufactory department are, at all times correctly prepared and kept up to date; that proper vouchers for all issues of stores and payments are obtained and kept in safe custody, and produced when called for by the Superintendent, and that his accounts are duly audited under proper authority.

(6) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall periodically examine all cash, stores, machinery, plant, tools, raw materials, materials in process of manufacture and manufactured articles, in order to satisfy himself that the cash, stock, materials, manufactured articles, machinery, plant, and tools are as per the balance shown in the accounts.

(7) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be personally liable for any defalcations, loss, or damage, in any way caused due or attributable to any negligence, disobedience, or misconduct on his part.

(8) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall use all means in his power to make the labour of the prisoners profitable to Government. He shall prevent waste and peculation in the manufactory and ensure –

(a) checking of the applications for raw material and see that the quantity of material charged for have been received;

(b) that the rates paid for all supplies are fair; and

(c) that the prices at which manufactured goods are sold are properly remunerative and promptly paid for.

He shall also be responsible for moneys sent to the local treasury.

(9) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be responsible for keeping a कनजलध् ंजजमदकंदबम तवेजमत व िचतपेवदमते ंजजमदकपदह जीम जतंपदपदहध् चतवकनबजपवद ूवतीवचे ंदक वित बंसबनसंजपदहthe reward/remuneration payable or awarded to each such prisoner.

(10) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall ensure that each prisoner is issued an attendance sheet for recording his attendance in the training, production centre programs indicating the reward or remuneration due. He shall also be responsible for submitting bills for such remunerations and for the timely disbursal of the same.

	(11) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall ensure that a bank account is opened in the name of each prisoner who is entitled to remuneration and that his earnings are deposited in the Bank account. The prisoner shall supply the necessary documents for opening of the Bank Account. A prisoner may be allowed by the Superintendent to withdraw a part of this amount from the bank to be used in prison canteen or other expenses. (12) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall keep cash book and individual credit register for keeping the account of the prisoner remunerations working under his charge. **NOTE:–** The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be duty bound to keep a constant watch on the receipts and expenditure of the training and manufactory department and all property of whatever kind relating thereto. He is liable for defalcations on the part of every officer serving under his orders which have been in any way facilitated or rendered possible by the neglect of duty or omission on his part to exercise effective supervision. (13) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall under the immediate supervision of the Superintendent be the overall in charge of Prison Management Software, Prison Inmate Calling System (PICS) and all other information technology matters. (14) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be the overall in charge of all cultural, sports, yoga etc. (15) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be in charge of Public-Private Partnership (PPP) modality and shall take all possible measures to implement the scheme in the prison. (16) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall coordinate with local administration in all the matters relating to welfare schemes. (17) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall cause to enhance education समअमस व िचतपेवदमते जीतवनही ैं तअ ै पोीं ।ईपलंदए प्दकपतं ळंदकीप छंजपवदंस व्चमद न्दपअमतेपजल ;प्ळछन्द्धor National Institute Open Schooling (NIOS). ;18द्ध क्मचनजल ैनचमतपदजमदकमदज ;प्दकनेजतपमे ंदक ॅमसंितमद्ध ेींसस इम तमेचवदेपइसम वित वतहंदप्रपदहvocational training for prisoners in various fields as far as the same is permissible within the limits of available infrastructure.
Deputy Superintendent (Industries and Welfare) to maintain a report book.	**652.** The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall maintain a report book in which he shall make entries of all matters requiring the orders of the Superintendent such as requisitions for prisoners, materials, machinery, tools, plant, and the like, the manufacture, sale, or dispatch of goods, and recommendations of every kind relating to the manufactory department. Orders relating to manufactory and vocational course passed by the Superintendent shall be entered in the report book.
Consolidated demand of raw material, tools, and implements.	**653.** (1) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall convey the consolidated demand of raw material, machinery tools and implements to the Superintendent well in time to enable the competent authority to arrange for its purchase. (2) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall be duty bound to improve जीम ुनंसपजल व िजीम जतंपदपदह ंदक उंदनंिबजनतपदह ूवता जनतदमक वनज पद जीम ूवतीवचए ंदक ीम ेींसस इमresponsible that articles not according to specification are specially brought to the notice of the Superintendent. He shall satisfy himself from time to time that the work obtained in each branch of industry is commensurate with the labour employed and the raw material consumed.

	(3) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall make himself acquainted, as far as possible, with the character, skills, individual interest and history of every prisoner working under him so that the best possible result could be obtained in minimum expenditure and time. He shall assist the Superintendent in allotting remissions and granting rewards for good work. He shall

	तमचवतज जव जीम ै नचमतपदजमदकमदजए वित चनदपीउमदजए ं सस चतपेवदमते ंि पसपदह जव बवउचसमजम जीमपत ं ससवजजमक जंो वतwho do not take interest in learning or training or are deliberately doing bad work, as well as all जीवेम ूी व ं तम हनपसजल व ि इतमंबीमे व ि चतपेवद कपेबपचसपदम ूीपबी बवउम ूपजीपद ीपे बवहदप्रंदबमण् (4) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall reach the prison manufactory sufficiently early each morning to superintend the distribution of the labour groups to check the task sheet and verify the task done by each worker and he shall ordinarily remain inside the prison throughout the day. (5) The Deputy Superintendent (Industries and Welfare) shall personally visit various Government and Non-Government Institutions and acquaint them with the activities of training and production in the prison so that manufacturing orders for various articles in the prison manufactory may be obtained.
Assistant superintendents and sub assistant superintendents.	**654.** (1) The service of Assistant Superintendent and Sub Assistant Superintendent in the Department is a subordinate service and officers holding these appointments shall be non-gazzetted officers. (2) The recruitment and service conditions of Assistant Superintendents and Sub Assistant Superintendents shall be governed by the rules made in this behalf by the Government. (3) Assistant Superintendent and Sub Assistant Superintendent shall be subordinate to the Deputy Superintendent and shall obey his orders. The Assistant Superintendent and Sub Assistant Superintendent shall, at least once a week personally search the relieved and relieving guard between the main gate.
General duties of assistant superintendent and sub assistant superintendent.	**655.** (1) He shall ensure that guarding personnel are vigilant on their respective duties. (2) He shall ensure his presence at the time of lock-out and lock up of the wards, cells, इंततंबो नदकमत ीपे बींतहम ं दक बंनेम जीम े मंतबी व ि जीम चतपेवदमते बवदपिदमक जीमतमपद ं ज जीम जपउम व िसवबानचंदक ं सेव ं ज नदबमतजंपद जपउमेण् भ्म ेींसस बंनेम जीम जीवतवनही े मंतबी व ूितकेध्बमससेध्इंततंबो नदकमत ीपेcharge at least once a week. (3) He shall record in his own hand the result of every such search of the wards and prisoners in the search book. (4) He shall not entrust any register/return/document to any prisoner for writing. (5) He shall treat the prisoners with tact, humanitarian kindness and firmness. (6) भ्म ेींसस मदेनतम बसमंदसपदमे ं दक नचाममच व ि जीम ूं तकेए बमससेए इंततंबो ं ं ू मसस ं ं जीमprisoners under his charge. He shall also ensure that all prisoners take regular bath, keep short hair and beard (or are clean-shaven), wear clean clothes/ prison uniform and the blankets and bed-sheets are regularly washed and kept clean.

(7) He shall ensure that medical treatment to the ill inmates of wards under his executive charge is being duly provided.

(8) He shall supervise games, sports, yoga, education, vocational training, and other correctional/cultural activities, etc. for the prisoners under his charge.

(9) He shall perform other duties relating to prisoners under the control of Deputy Superintendent which shall include maintenance of discipline and order amongst the prisoners (duties as in charge of the Central Control Room), management of guarding personnel (duties as Line Officer), maintenance of prison garden and dairy, maintenance of warrants of prisoners, maintenance of registers concerned, admission and release of prisoners, production of prisoners before trial Courts and to ensure security measures during their transit, transfer of prisoners, preparing parole/ furlough cases of the convicts, timely submission of reply of writ petitions, judicial appraisal of the punishments awarded to the convicts, etc.

NOTE.— Every report made by the Assistant Superintendent or Sub Assistant Superintendent during the performance of his duties shall be put up before the Deputy Superintendent ूीव ेींसस चनज नच जीम तमचवतज इमवितम जीम ै नचमतपदजमदकमदजू पजी ी पे तमउंतो वित पिदंस वतकमतेof the Superintendent.

Duties of assistant superintendent or sub assistant Superintendent as line officer.

656.	(1)	He shall be fully acquainted with all the details connected with discipline and training

of the force and management of the lines.

(2) He shall keep under his constant vigil, the guard rooms, warder hostel, kotmauka, prison garden, and other buildings in the prison complex and be responsible to ensure that the same are clean, tidy, and properly kept.

(3) He shall post the guarding personnel under the orders of the Deputy Superintendent (Security) explaining to each of them the duties and responsibilities of the post.

(4) He shall ensure no guarding personnel slips out of the prison complex without proper ेंदबजपवद ंदक जींज नदंनजीवतप्रमक चमतेवदे ंतम तमउवअमक तिवउ जीम चतपेवद सपउपजेण्

(5) He shall attend all formal parades held in the prison complex and be responsible that all roll-calls are properly held.

(6) He shall personally inspect the guard going on and off duty inside the prison and, in case of inability to inspect any shift, he shall so arrange that such inspection is carried out by a responsible officer. Entries of such inspections with the name of the inspecting officer shall be made invariably in the daily diary.

(7) He shall visit all guards at the prison periphery at such intervals as specified by the Superintendent.

(8) A set of keys of the armoury shall always be in personal custody of the Line Officer.

(9) He shall supervise the warder's mess and maintain it up to date with supplies.

;10द्ध भ्म ेींसस उंपदजंपद वतकमत पद जीम हनंतक ंदक वतहंदप्रम उवदजीसल ूमसंितम उममजपदहे व िजीमstaff members with the Superintendent.

(11) He shall be responsible for keeping the Superintendent and Deputy Superintendent (Security) informed about the matters of guarding personnel, its discipline, duties, and equipment.

(12) He shall be responsible for efficient working and proper deployment of other forces, if any, guarding the prison.

(13) He shall make sure that the ceremonial guard is up to date and is always ready for salutation and other duties.

(14) He shall maintain liaison with District Police's Reserve Inspector and Line Officer for guard deployment for sick prisoners in hospitals outside prison.

Duties of assistant superintendent or sub assistant superintendent as in-charge central control room.

657.	(1)	He shall supervise ward, barrack, and cell In-charges at the unlocking, the mid day

count, at locking-up, and distribution for labour in the morning and afternoon.

(2) He shall ascertain from the female warder once in the forenoon and once in the afternoon that the count is correct and all is well.

(3) भ्म ेींसस अपेपज ं सस जीम ूं तकेध्इततंबोध्बमससे कनतपदह ी पे कनजल ी वनते ं दक ें जपेलि ीपउेमस िthat the guarding personnel and convict watchman are present at their posts and are on the alert.

(4) He shall supervise the distribution of food and the conservancy arrangements.

(5) भ्म ेींसस बंनेम ंसस हतपससेए हतंजपदहेए कववतेए सवबोए वत वजीमत वचमदपदहे व िमदबसवेनतमे ंदकइततंबो पद ूी पबी चतपेवदमते ं तम बवदपिदमकए जव इम े मबनतमकए ं दक ें जपेलि ी पउेमस िइल चमतेवदंस पदेचमबजपवदthat they are secure and if there are any discrepancies, to report the same.

(6) He shall pay surprise visits to all gangs (group of prisoners deployed on work) working पदेपकम जीम चतपेवद ं दक बवनदज ं दक बीमबा जीम दनउइमत व ि चतपेवदमते पद मंबी हंदह तिवउ जीम हंदहइववोण् भ्मshall satisfy himself during his rounds that the guarding personnel keep all prisoners within sight and employ them as per labour allotted to them and shall report any disobedience of the rules and regulations to the Deputy Superintendent (Security).

(7) He shall regulate the movements of prisoners going on court appearance, interview, canteen and hospital etc. in a disciplined manner.

(8) He shall perform above-mentioned duties under the close supervision of the Deputy Superintendent (Security).

Duty Officer.

658.	(1)	An Officer of the rank not below Head Warder, as specified by the general or special

orders of the Superintendent, shall perform the duties as Duty Officer.

(2) ज्ीम क्नजल व्ि िपबमते ेींसस ूवता पद जीतमम ेीपजि अप्रण् तिवउ 06रू00 ।ड जव 02रू00 च्डए02:00 PM to 10:00 PM, and 10:00PM to 06:00AM.

	(3) The Duty Officer shall be in charge of the main gate. He shall supervise the change of shift of guarding personnel during the hours of his duties. (4) The Duty Officer shall frequently visit the CCTV Control Room in the administrative block and shall take at least two rounds of the prison during his duty hours and ensure that the guarding personnel on duty are alert, sufficient lighting arrangement during the night is available and the prisoners are secure and under safe custody. He shall record a detailed report in the Duty Officer's Report Book stating the actual time of commencement and termination of the rounds prescribed hereinbefore, stating therein that he has carried out these duties and noting down any untoward occurrence or irregularity that he may have come to his note. **NOTE.-** The Report Book shall be put up before Deputy Superintendent (Administration) and Deputy Superintendent (Security) daily by the Line Officer. (5) The Duty Officer shall attend to every report during his duty hours and shall take every such measure as necessary and inform the Deputy Superintendent (Administration) and Deputy Superintendent (Security) in case of any emergency.
Duties of the Medical Officer with regard to medicines, medical stores and indents.	**Medical Officers** **659.** The Medical Officer shall be liable to ensure that best quality generic medicines are purchased and that the patients get utmost care and best treatment at minimum and reasonable cost.
Duties qua prisons having dairy farms.	**660.** The Medical Officer shall examine the cleanliness of cow-houses, dairy and milk–vessels daily.
Medical subordinate staff to inform medical officer of every medical emergency.	**661.** The Medical Subordinate Staff shall, without delay, inform the Medical Officer of every medical emergency in the Prison Hospital or in any ward in the prison.
Provisions governing medical subordinates solely in the service of the prison.	**662.** Every medical subordinate staff whose only duty is in connection with prison shall be, - (a) entitled to draw the ordinary pay of his grade and such special allowance as the State Government has sanctioned for the particular prison to which he is attached on the condition of satisfactory performance of duties; (b) entitled to free Government accommodation; if such accommodation is not available, he shall reside near the prison on approval of the Superintendent and shall be entitled to house-rent in lieu thereof; and (c) liable to not engage in private practice nor absent himself from the prison premises without due permission of the Superintendent or Medical Officer (in charge).
Procedure when medical	**663.** If a Medical Subordinate Staff commits an offence other than an offence punishable by law, a report shall be made to the Director General, and the subordinate, if necessary, placed under suspension pending

subordinate staff commits an offence.	the receipt of orders.
General duties of medical subordinate Staff.	**664.** The following shall be the general duties of medical subordinate staff, namely:– (a) collection and examination of laboratory samples and sending of such samples to civil hospital laboratory if no laboratory exists in prison hospital; (b) collection of reports of laboratory samples and their submission to the Medical Officer; (c) operating X-ray machines, ultrasound scanning equipment, ECG machines etc. (d) Pharmacy Officer to provide medicine in the absence of Medical Officer;

Assistance in post-mortems and accompanying the referred prisoners.	**665.** The Medical Subordinate Staff shall render necessary assistance at the time of post-mortem examination of the deceased prisoners and shall accompany every prisoner who is referred to outside Hospital in cases of emergency.
Guarding personnel.	**Guarding Personnel** **666.** The guarding personnel shall consist of Head Warder and Warders. Specific duties of each member of the guarding staff on various duty posts shall be such as assigned by the Deputy Superintendent (Security) in the following areas under the immediate supervision of the Superintendent, - (a) security, custody, and daily routine; (b) search and counting of prisoners; (c) opening and locking-up of the prison; (d) तमचवतजपदह कममिबजे ं दक ेी वतजबवउपदहे पद चतपेवद इनपसकपदहेए ूं ससेए सवबोए सपहीजपदह arrangements, bars, including the taking of immediate rectifying action and taking बंतम व िजीम बनेजवकल व िसवबो ंदक ामलेए ींदकबनाि ंदक वजीमत ेमबनतपजल मुनपचउमदजय (e) care and welfare of prisoners; (f) उंपदजमदंदबम व ि कपेबपचसपदम पद चतपेवद चतमउपेमेए हंजमेए ु नंतंदजपदम मदबसवेनतमेए इंततंबोए कवतउपजवतपमेए बमससेए ी पही े मबनतपजल मदबसवेनतमए ू वतीमकेए े महतमहंजपवद लंतकेए ीवेचपजंसए kitchen, prison garden and in every other section of the prison; (g) sanitation and hygiene in areas under his charge; (h) escorting prisoners for work, supervision of their work, care and custody of tools, property, equipment, deadstock, and livestock;

	(i) supervision of distribution of food, canteen articles, and other equipment; (j) ंेपेजपदह जीम जमबीदपबंस चमतेवददमस पद ूवर्तीमकेय (k) reporting violations of discipline to appropriate officers for taking immediate action as per rules; (l) observing habits and behaviour patterns of prisoners and reporting the same to the officer(s) concerned, assisting the prisoners improve their habits and attitudes; (m) taking preventive and control measures for all emergencies; (n) discipline in staff quarters; (o) Physical Training, drill parades, and mock drills etc.
Regulation of duties, posting etc.	**667.** The general duties of watch and ward, the posting and duties of guards and sentries, the fixing of the periods of duty for guards and sentries and of the strength of such guards and all matters relating to the protection of the prison and of prisoners and the duties of guarding personnel and the like shall be regulated as per the general or special orders issued in this behalf by the Director General from time to time and in emergent cases or matters for which no provision has been made in any such order, the orders of the Superintendent shall regulate the same.
When a guarding personnel goes on leave or is under suspension.	**668.** When guarding personnel is granted leave or is under suspension, the Superintendent to which the guarding personnel is at the time attached, shall make his own arrangements for carrying on the work of the absentee.
Accommodation for guarding personnel.	**669.** All Head Warders as well as Warders shall be provided with separate quarters for themselves and their families and the warders shall be entitled to sleeping and cooking accommodation on the prison premises and also for their families subject to availability of the quarters. **NOTE.—** Warder Hostel shall be provided with electric light, fans and water coolers at the expense of the Government.
Certain person not to be entertained.	**670.** No guarding personnel who has left the prison service shall be again entertained without the sanction of the Director General.

Military discipline of the guarding personnel.	**671.** Guarding personnel shall be subject to such discipline in the nature of military discipline as may, in the opinion of the Director General, be deemed necessary for the efficient discharge of all duties and functions connected with the protection and management of the prison.
Responsibility of guarding personnel in regard to	**672.** The guarding personnel shall be responsible for the safe custody of the Government property and all bedding, clothing, utensils etc. with the prisoners under his charge.

government property.	
Temporary guarding personnel in emergencies.	**673.** When, for any sufficient reason, it is, in the opinion of the Superintendent, necessary to entertain any number of guarding personnel, in excess of the scale fixed for the time being, the Superintendent shall forthwith send a requisition to the Director General who in consultation with the Government shall proceed further for the deployment for requisite extra guarding personnel.
No guarding personnel to leave his post.	**674.** (1) No guarding personnel shall, while on duty at any time, under any circumstances, on any pretext, leave his post or absent himself from duty until he is relieved in due course from duty: Provided that he may leave his beat to prevent an escape or to assist in subduing a disturbance taking place within his sight when he is on main wall patrol duty or when he is in charge of prisoners if he can do so without serious risk to the safe custody of those prisoners. It shall rest upon the warder concerned to show that the circumstances were so exceptional as to justify his doing so. (2) No relieving shall, whether by day or night, be effected otherwise than in the presence of both the relieved and relieving personnel and also of third personnel, who shall ordinarily be the Head Warder whose duty it is to carry out such relieving.
Duties of guarding personnel on being relieved.	**675.** Guarding personnel on being relieved shall explain to his successor the duties of the charge and shall bring to his notice any long-term or dangerous prisoners. The relieving personnel shall, before taking charge, satisfy himself that the property and the number of prisoners made over to him are correct.
Distribution of duties.	**676.** The more important duties in every prison shall be entrusted to the senior, experienced and efficient guarding personnel while the apprentices and others may be placed in less responsible charges.
Arms of guarding personnel.	**677.** (1) Every guarding personnel shall be provided with training in handling and usage of modern arms and ammunition. (2) All arms and ammunition shall, when not in actual use, be securely kept in the armory.
Periods of duty.	**678.** (1) Every guarding personnel shall ordinarily be on duty for eight hours daily. (2) Every guarding personnel shall attend such drills and parades for instruction in drilling, maneuvering, practice in the use of arms and other matters as the Superintendent may from time to time prescribe in that behalf. (3) The periods of duty shall be so arranged that a Head Warder shall be present at every relieving of the guarding personnel from the duty of any kind throughout the day and night.
Procedure in relieving guards over female prisoners.	**679.** In the case of prisons, wards and other compartments set apart for female prisoners, at each change of guarding personnel the relieved and relieving Head Warders shall, without entering the wards, cells, compartments or enclosures occupied by female prisoners, ascertain from the female guarding personnel that all the female prisoners confined therein, are present.

Care and management of keys.	**680.** (1) No guarding personnel who is at any time entrusted with any key, shall, under any circumstances or on any pretext whatsoever, - (a) take any key belonging to a lock in use for securing the custody of any prisoner, out of the prison; (b) leave any such key lying about;

	(c) deliver any such key to any person other than to an officer of the prison duly ंनजीवतप्रमक जव तमबमपअम ेनबी ामल वत जव ींअम जीम बंतम वत बनेजवकल जीमतमवयि (d) leave his post or duty or the prison without delivering such key to the officer कनसल ंनजीवतप्रमक जव तमबमपअम जीम ेंउम तिवउ ीपउण् (2) The key of any ward, cell, compartment, godown, main gate, or main gate wicket shall not, under any circumstances or on any pretext, be at any time made over to any prisoner. **NOTE.—** प् िदल ामल पे सवेज वत उपेसंपकए जीम सवबा वत सवबो जव ूीपबी पज इमसवदहे ेींसस ंज वदबम इम चनजout of use, and new lock shall be installed in place of the above said lock and enquiry shall be conducted on orders of officer in charge of a prison in this regard to ascertain reasons for the above.
Head warder (central control room).	**681.** There shall be a Head Warder (Central Control Room) posted at every prison who shall be selected from amongst the Head Warders for a specified period as decided by the Superintendent.
General duties of head warder (central control room).	**682.** The Head Warder (Central Control Room) under immediate charge of Assistant Superintendent (Central Control Room) shall, - (a) supervise all barrack in his charge at the time of unlocking, the mid day count and the locking-up of prisoners, in the distribution for labour in the morning and at mid day and report to the executive in charge of the barrack and Assistant Superintendent (Central Control Room); (b) shall regulate movements of prisoners going for Court appearance, Interview, canteen, hospital visit, vocational training, educational classes etc. in a disciplined manner; (c) अपेपज ंसस जीम ूतकेध्इततंबोध्बमससे ंदक वजीमत इनपसकपदहे कनतपदह ीपे कनजल ीवनते ंदक ेंजपेलि himself that the guarding personnel and Convict Watchman are present at their posts and alert; (d) supervise the distribution of food and the conservancy arrangements; (e) बंनेम ंसस हतपससेए हतंजपदहेए कववतेए सवबो वत वजीमत वचमदपदहे व िमदबसवेनतमे ंदक इंततंबो पद which prisoners are confined, to be secured, and satisfy himself by personal inspection that they are secure and to report the discrepancies, if any; (f) pay surprise visits to all gangs working inside the prison and count and check the

	दनउइमत व िचतपेवदमते पद मंबी हंदह तिवउ जीम हंदह.इववोण् भ्म ेींसस ेंजपेलि ीपउेमस ि during his rounds that the guarding personnel keep all prisoners within sight and employ them as per the labour allotted to them and shall report any disobedience of the rules and regulations to the Assistant Superintendent (Central Control Room) and Deputy Superintendent concerned. (g) ascertain from the female warder once in the forenoon and once in the afternoon, that the count is correct and all is well. (h) issue all necessary tools, implements, raw materials and other articles required for the day's work and to make a record of all articles so issued; (i) collect all such articles, together with the produce, if any, of the prisoners' labour after the period prescribed for work is over each evening; (j) satisfy himself that all articles issued have been duly returned to him or accounted for; (k) measure or check the task, if any, performed by each prisoner and note the same in the labour register.
Summary of duties of head warders, barrack in charges.	**683.** It shall be the duty of every Head Warder, Barrack in charge to,- (a) ensure safe and secure custody of all prisoners under his charge and shall ensure that no prisoner leaves his berth/barrack without permission and no prisoner from other barrack enters the barrack under his charge; (b) be well acquainted with all the prisoners under his charge, including his name, appearance, built and case detail; (c) superintend the warders subordinate to him in the discharge of their duties;

	(d) assist in every possible way in the management of the prison; (e) take all possible measures to prevent escape; (f) maintain discipline amongst prisoners under his charge; (g) comply with the requirements of all laws, rules, regulations, directions, and orders in force as to the duties which he is to perform and the manner in which he is to perform them; (h) obey the lawful orders of all officers superior to him in rank; (i) open in the presence of the Deputy Superintendent (Security), Assistant Superintendent (Central Control Room), Head Warder (Central Control Room), the sleeping wards, cells, and other compartments each morning and count the prisoners and record their attendance; (j) distribute the prisoners, who are liable to labour each morning, to their respective work-gangs; (k) cause the name and prison-number of every prisoner placed in charge of any warder to be entered in the proper gangbook; (l) superintend the use of the baths, toilets; (m) check the prisoners at each change of guard and record the fact in the book/register specified for the purpose;

(n) cause all gates, doors and the like to be closed and locked and satisfy himself from time to time that they are secure.

(o) cause all bamboos, poles, ladders, ropes, and other articles likely to be used or to facilitate the escape of any prisoner to be removed and placed beyond the reach of the prisoners in places prescribed for safe-keeping the same.

(p) keep constantly moving about while on duty, amongst the prisoners, supervising the work and discipline of the prison and keep guarding personnel and convict watchman on the alert.

(q) in the presence of the Deputy Superintendent (Security), Assistant Superintendent (Central Control Room), Head Warder (Central Control Room), to count, search and lock up the prisoners in their respective wards, cells, and other compartments, at the prescribed time.

(r) give an immediate alarm by blowing his whistle if a prisoner is missing, or if any disturbance takes place or appears to be imminent;

(s) give information to superior officer concerned, of any plot made by prisoners to escape, or to commit any assault, or to make any outbreak, or to attempt suicide, or to obtain prohibited articles;

(t) report defects and short comings in prison buildings, fan, lamp, wash basin, toilet ूंससेए इंतेए सवबो ंदक ाामलेए ींदकबनfिए वजीमत ेमबनतपजल मुनपचउमदज मजबण् ंदक जंामimmediate rectifying action;

(u) observe habits and behaviour patterns of prisoners, especially sick prisoners and report the same to the authorities concerned, aiding the prisoners improve their habits and attitudes;

(v) assist in care and welfare of prisoners;

(w) ensure that prisoners under his charge report at Central Control Room within specified time for court appearance and hospital guard, Interview etc.;

(x) ensure smooth distribution of food amongst the prisoners under his charge;

(y) not to leave his post without being relieved;

(z) ensure hygiene and cleanliness in the area and amongst prisoners under his charge;

Duties of gate-keepers.	**684.** (1) Guarding personnel shall be constantly on duty as gate-keeper at the main gate of every prison, at all hours. (2) At every relieving of the gate-keeper, a note of the hour of such relieving shall be recorded and signed by both the relieved and relieving guarding personnel. (3) He shall perform all his duties under the close supervision of Duty Officer, Deputy Superintendent (Security) and Deputy Superintendent (Administration).
Duties of Gate-keeper regarding search.	**685.** ज्ीम हंजम.ाममचमतए वत ंदल वजीमत वfिपबमत व ि जीम चतपेवद ंनजीवतप्रमक इल जीम ैनचमतपदजमदकमदज पद जीपेregard, may examine anything carried in or out of the prison, and may stop and search or cause to be searched any person suspected of bringing any prohibited article into or out of the prison, or of carrying out any property belonging to the prison, and if any such article or property be found, he shall be liable to give immediate notice thereof to the Deputy Superintendent (Security) and Deputy Superintendent (Administration).

Gate-keeper's registers.	**686.** (1) In addition to the duties prescribed for gate-keepers in the relevant provisions of the Act, the gate-keeper shall maintain or caused to be maintained such registers and enter therein such particulars, as the Director General may from time to time prescribe in that behalf. (2) The gate-keeper shall comply with all the rules, regulations, directions and orders, for the time being in force while regulating the persons who may be permitted ingress to and egress from, and the articles which may be taken into and brought out of the prison, and to perform generally the duties which he is entrusted with and the manner in which he is to perform them.
Record of persons and things passed into or out of the prison.	**687.** The gate-keeper shall keep a record, in the prescribed register, of the names of all persons whomsoever, who at any time pass into or out of the prison, with the hour and minute of such entrance and exit of every such person, and as far as may be possible, the name and a sufficient description of every article of whatever kind passed into or out of the prison. **NOTE.**-ज्ीम दंउम व िजीम वfिपबमत पद ूीवेम बींतहम ंनजीवतप्रमक ंतजपबसमे ंतम चंेमक पद वत वनज ूपजीthe hour and minute of their passage shall be recorded. All entries of persons or articles shall be made at the time of their passage and in consecutive order.
Gate-keeper to know all staff members and to observe prisoners going out of the prison.	**688.** (1) The gatekeeper shall make himself thoroughly acquainted with the faces of all prison officers and shall carefully observe the faces and appearances of all prisoners leaving the prison in order to prevent any attempt at escape in disguise. (2) In every prison, such number of warders shall be deputed to assist the gate-keeper, to maintain all the relevant register under the supervision of gate-keeper. He shall further ensure that all warrants/medical records being handed over to the in charge police escort are in proper order. He shall ensure that every prisoner going out has been verified through the biometric system or otherwise, if the Biometric System is not working, under intimation to the Deputy Superintendent (Administration) and Deputy Superintendent (Security).
Working of the double gate system.	**689.** In prisons provided with the double gates and wickets, the gate-keepers shall open only one gate or wicket at a time and before doing so, shall assure himself that the other means of entry and exit are securely bolted and locked. Ingress and egress for ordinary purposes shall take place through the wicket door-ways. Both gates shall be provided with an eye-hole to enable the gate-keeper to see into the prison without the necessity of opening either the inner gate or wickets.
third gate system.	**690.** A third gate shall be established in every prison in line with the second high security wall behind the inner gate for proper checking and thorough search of persons and materials going out or coming into the prison.
Procedure when passing into or out of the prison.	**691.** When prisoners have to be passed into or out of prison with double gates, the following procedure shall be followed, - (a) On passing the prisoners out, the gate-keeper shall first let them through the inner wicket and having locked it, shall write in full in the register provided for the purpose, the names of all the prisoners, the In charge and the guarding personnel assisting him. He shall then open the wicket in the outer gate and count the prisoners as they pass out, to verify the total.

	(b) The list of the gang having once been made in the gate register need not been written on each occasion of its passage through the main gate, but every change in the gang must be noted and attested by the signature of the In charge as well as by that of the gate-keeper, who shall at once report to the Deputy Superintendent the circumstances. (c) On a gang returning to the entrance from outside, the gate-keeper shall open the outer wicket (the inner one being locked first) and admit the gang to the passage between the gates. He shall then lock the outer wicket and call out the names of each prisoner and warder, as recorded in the register. The gang having been found correct, he shall open the inner wicket and count the prisoners as they pass into the prison, to verify the total number. (d) The gate-keeper shall not allow any prisoner to be taken out of the prison who is not in बींतहम व ि हनंतक व ि चतवचमत े जतमदहजी कनसल ं नजीवतप्रमक जव जं ाम ीपउ वनजेपकमण्
Gate-keeper responsible for the cleanliness of the main gate etc.	**692.** The gate-keeper shall be responsible for the cleanliness of the prison front, the main gates and the passage between them and all articles placed there under his charge. He shall also be responsible that the torches, Door Frame Metal Detector , Hand Hold Metal Detector etc. and other such articles required in case of a night alarm are present and in serviceable condition.
Persons allowed to enter the prison.	**693.** (1) The gate–keeper shall be furnished with a list of all official and non-official visitors who are entitled to enter the prison and shall admit such person(s) on their presenting themselves for ं कउपेपवदण् भ्म ैीं सस दवज ं कउपज ं दल वदम मसेम मगबमचज जीम े जंा ि उमउइमते ूी व ं तम ं नजीवतप्रमक जव मदजमतunless a written order has been issued by or the visitor is accompanied by the Superintendent or the Director General. (2) Under no circumstances the gate-keeper shall allow any person to enter the prison after lockup, except for, - (a) staff members who have legitimate duty to attend to during these hours; (b) for surprise night rounds by the officers of the prison. (3) The prisoners who are returning from court appearance shall be allowed to enter the prison during night lockup hours after due verification by the duty officer.
Officers ordinarily exempt from being searched.	**694.** (1) The gate-keeper shall compulsorily search every person entering into or going out of the prison except the following, - (a) Justices of the Honorable Supreme Court and the High Courts; (b) members of the National Human Rights Commission, the National/State Women Commission and the Members of any Commission appointed by the Honorable Court or Government or members of the State Human Right Commission; (c) members of the Council of Ministers of the Central and State Government; (d) members of Parliament and Members of Legislative Assembly; (e) District and Session Judges and all subordinate Judicial Officers on official visit;

	(f) Divisional Commissioner and the District Magistrate; (g) Superintendent of Police; (h) Medical Officer, officers of the rank of Deputy Superintendent and above of the Department. (2) The Superintendent in special cases or on special occasions may by an order, exempt from compulsory search any person/s. (3) In case the gate-keeper has reasons to suspect that any officer ordinarily exempted from search is introducing or removing prohibited articles, he may detain the person between the gates and send notice to the Deputy Superintendent (Security) who shall himself search the person. A copy of this order shall be hung up in the passage between the main gates for general information: Provided that the Superintendent on an information or suspicion, may by general or special orders, cause the compulsory search of any officer/person ordinarily exempt from search. The said search shall be carried out in private.

Power of gate-keeper to detain persons.	**695.** During the pendency of making of a report to the Deputy Superintendent (Administration) and the Superintendent, the gate-keeper may detain, or cause to be detained, in custody, any person who may in his presence, sight or hearing commit any criminal or prison offence at or in the vicinity of the prison gate.
Gate-keeper's duty with regard to keys.	**696.** The gate and the wicket of the gate of every prison shall, except when it is necessary to open the same for the purpose of lawfully passing any person or thing into or out of the prison, be kept ेीनज ं दक सवबामकए ं दक जीम हंजम.ाममचमत वित जीम जपउम इमपदह वद कनजलए ेींसस तमजंपद जीम ामले व िजीम सवबो व िsuch gate and wicket in his personal possession until the prisoners are locked up for the night.
Making over the keys of the gate at lock up.	**697.** When the prisoners are locked up for the night, the gate-keeper shall deliver the keys of the inner and outer gates to the Duty Officer who shall keep the keys in his personal possession during the night and make over to the gate-keeper in the morning.
Gate-keeper's keys to be kept in a bunch with others.	**698.** The gate-keeper shall keep the keys of the main gates and wickets attached to his waist belt by a chain and in a bunch with a few others so that it may be difficult for any prisoner obtaining possession of the bunch to ascertain which key belongs to any particular lock.
Bright lights at night.	**699.** A bright light shall be kept continuously burning between the gates at night.
Articles to be kept between the gates.	**700.** The following articles shall ordinarily be kept in the passage between the main gate, namely:– (a) a clock; (b) spare handcuffs secured on a bar with lock and key; (c) ं े जंदकपदह कमो ू पजी सवबा ं दक ा मल वित जीम हंजम.ाममचमतष्े इववो ं दक ू तपजपदह उंजमतपंसेय

	(d) a wall–almirah or box for keys; (e) a box for torches; (f) apparatus for extinguishing fire; (g) notice boards; (h) alarm dong or bell main switch; (i) door frame metal detectors, hand held metal detectors, etc.
Warders to have a particular charge assigned to them.	**701.** Each warder shall have a specific and distinct duty assigned to him by the Superintendent or Deputy Superintendent, such as charge of barrack(s)/ward(s), security post, patrolling beat, gate duty, work-shop(s), or gang of prisoners either inside or outside the prison. Warders shall also be responsible for all security duties like patrolling, watch tower/gate sentry etc. as well as correctional and welfare duties. The posting and duties of warders shall be frequently changed so as to prevent establishment of any relation with any of the prisoners.
General duties of warders.	**702.** Every warder at all times shall be liable to, - (a) render all assistance in his power, in the management of the prison, the maintenance of order and discipline amongst both officers and prisoners and the guarding and defending of the prison and all persons and property therein or belonging thereto against the use of criminal force by any person; (b) obey the orders of all officers superior to him in rank; (c) comply with the requirements of all laws, rules, regulations, directions, and orders for the time being in force, which govern the duties which he is to perform and the manner in which he is to perform them; (d) take proper care of all property of whatever kind, at any time entrusted to him and to duly account for the same, whenever called upon so to do; (e) be in a state of readiness to turn out fully accoutered and armed immediately, whenever called upon to do so or an alarm is given, and to do all lawful acts and things necessary or expedient for the purpose of maintaining order, quelling any disturbance, preventing any combined attempt to escape or to break out of prison, defending the चतपेवद ंदक ंसस चतवचमतजल जीमतमपद वत जीमतमजवए तिवउ ंजजंबो तिवउ ूपजीपद वत ूपजीवनज जीमprison;

	(f) not take off any portion of his uniform or lie or sit down whilst on duty; (g) know the number of prisoners in his charge to count them frequently during his turn of duty and to satisfy himself that he has in his custody, not only the correct number but also the particular prisoners who are in his charge; (h) search all prisoners whom he received in his charge or makes over to the charge of any other officer at the time of receiving and making over charge respectively; (i) report every prisoner in his charge who has been idle or who has not completed the allotted task or who has committed any other prison offence; (j) ेमम जींज ंदल चतपेवदमत ूीव ींे जव हव जव जीम संजतपदम ंज नदंनजीवतप्रमक जपउमे पे उंकम वअमत जवthe charge of a responsible officer whilst away from the gang; (k) bring to the notice of the Deputy Superintendent (Administration), any prisoner appearing to be ill or complaining of sickness;

	(l) report any plots aimed at escaping or of assault or outbreak or of obtaining forbidden articles; (m) prepare prisoners for muster and parades and to see that each prisoner comes to his proper place in proper order and behaves well; (n) follow the procedure laid down for his guidance when any prisoner is missing; and (o) keep his arms and accoutrements clean, in good order and fit for immediate use.
arming of sentry.	**703.** (1) One sentry along with a solace shall be posted outside the main gate of prison during the day time. (2) The day sentry at the main gate shall be posted immediately outside the outer gate and shall carry his rifle with bayonet fixed and ammunition. The rifle shall be loaded having no round in the chamber, but 12 rounds (one packet of 10 and 02 loose cartridges) of rifle (weapon) shall be kept in the pouch which shall be brought round to the front of the belt, the flap being left unbuttoned. The solace may be armed with a baton. (3) The night sentry at the main gate shall be posted between the gates and shall also be in possession of 12 rounds of ammunition. (4) An armed sentry shall also be deputed at the roof of the administrative block round the clock with a rifle loaded with 10 rounds of ammunition and 10 rounds shall be kept in pouch which shall be brought round to the front of the belt, the flap being left unbuttoned. (5) A sentry shall also be posted at the central control tower or other commanding position round the clock with suitable surveillance equipment. (6) An armed sentry shall also be posted at each watch tower round the clock with a rifle loaded with 10 rounds of ammunition and additional 10 rounds to be kept in pouch which shall be brought round to the front of the belt, the flap being left unbuttoned.
Duties of a sentry.	**704.** It shall be the duty of the sentry,- (a) to be alert at all times during his duty; (b) not to enter into conversation with anyone except when questioned by a superior officer; (c) not to interfere unnecessarily with any prisoner or prison officer; (d) not to leave his post without regular relief upon any pretext whatever; (e) not to allow any person to approach near his post after dark without challenging; (f) to challenge after dark, to warn the person challenged, and if the reply is unsatisfactory, to stand until the Duty Officer arrives, bringing his rifle at the same time to "*the charge*"; (g) to challenge on a dark night on hearing voices or the approach of footsteps, if he receives no answer, or an unsatisfactory answer, to call the Duty Officer or if necessary, give the alarm; (h) to satisfy himself that the main gates and wickets are securely locked;

	(i) not to allow persons to crowd around him; (j) if he sees a prisoner attempting to escape, to call on him to stand, and if he refuses to do so and there is no superior officer present, to fire on the prisoner, provided he cannot otherwise prevent the escape; (k) if he is beyond call and has to alarm the guard, to fire a shot in the air as the signal of alarm; (l) if he sees any article in or near the prison likely to facilitate escape or if any un-usual incident comes under his observation to, at once report the matter to the Duty Officer; (m) when on duty at the main gate at night, not to allow any person to enter or leave the चतपेवद ूीव पे दवज वद वf िपबपंस कनजल वत ंनजीवतप्रमक जव मदजमत वत समंअमय (n) to enforce his orders firmly and without distinction of persons.
Duties of watch tower sentry.	**705.** It shall be the duty of a watch tower sentry, - (a) to be alert at all times during his duty; (b) to be present at his post/on duty in such a way that he is visible to a prison officer all the time; (c) not to leave his post without regular relief on any pretext whatsoever; (d) not to allow any person to approach near the outer boundary wall of the prison premises; (e) to ensure that no article is thrown inside or outside the prison premises; (f) जव बींससमदहम ंदल नदंनजीवतप्रमक चमतेवदय जव ूंतद जीम चमतेवद बींससमदहमकए ंदक प िजीम तमचसलis unsatisfactory, to alert other guarding personnel and to stand until the Duty Officer arrives, bringing his rifle at the same time to "the charge position"; (g) if he sees a prisoner attempting to escape, to call on him to stand and if he refuses to do so and there is no superior officer present, to fire at the prisoner, provided he cannot otherwise prevent the escape; (h) if he is beyond call and has to alarm the guard, to fire a shot in the air as the signal of alarm; (i) if he sees any article in or near the prison likely to facilitate escape, or if any unusual incident comes under his observation, to at once report the matter to the Duty Officer, and (j) to enforce his orders firmly and without distinction of persons.
Duties of female staff.	**706.** (1) In every prison in which accommodation is provided for female prisoners, or in which such prisoners are ordinarily detained or are liable to be detained, there shall be a female Assistant Superintendent or Sub Assistant Superintendent or female Head Warder who shall, subject to the control of the Superintendent, have complete charge of all female prisoners at any time committed to, or detained in the prison.

	(2) The duties of female guarding personnel shall, as regards female prisoners, be similar to those performed as regards male prisoners, by male guarding personnel and all the rules, regulations, orders and directions for time being applicable to male guarding personnel, shall also be applicable to female guarding personnel.
Rules etc. applicable to officers generally.	**707.** (1) The establishment of the Prison Department consists of Executive, Correctional, and Ministerial services besides persons drawn from other departments. The rules concerning these services are contained in the Prison Services Rules for Gazetted Services, Prison Subordinate Service Rules for non-gazetted services, and the Ministerial Service Rules for ministerial staff. (2) Every prison personnel shall make himself fully acquainted with the rules and regulations relating to his office and no plea of ignorance shall be accepted as an excuse for neglect.

Control and duties of officers of prison.	**708.** (1) All officers of a prison shall obey the directions of the Superintendent; all officers subordinate to the Deputy Superintendent shall perform such duties as may be imposed on them by the Deputy Superintendent with the sanction of the Superintendent. (2) Every subordinate shall extend prompt and strict obedience to all legal orders of the superior officers and shall treat all superior officers with respect at all times. (3) In case of shortage of staff in any particular post like driving, plumbing, electrical, बवउचनजमत वचमतंजपदह मजबण्ए जीम ेमतअपबमे व ुिनंसपपिमक ूंतकमते वत वजीमत ेजंतिं उंल इम नजपसप्रमकण्
Staff members not to be interested in prison contracts.	**709.** No staff member shall, nor shall any person in trust for or employed by him, have any interest, direct or in direct, in any contract for the supply of the prison; nor shall he derive any benefit, directly or indirectly, from the sale or purchase of any article on behalf of the prison or belonging to a prisoner.
Superintendent only to punish prisoners; improper language to be avoided.	**710.** (1) No officer of any prison, other than the Superintendent, shall at any time award any punishment to any prisoner. (2) No staff member shall use violent, abusive or insulting language for any prisoner.
Prisoners to be treated with tact, humanity and strict impartiality.	**711.** Every staff member shall at all times avoid all conduct calculated to unduly irritate, or annoy any prisoner and shall treat every prisoner with tact, good temper, humanity and complete impartiality and shall listen to every complaint or report which any prisoner may at any time make to him and shall show all such kindness and consideration to every prisoner as compatible with the firm and effective discharge of his duties. Subject to the foregoing provisions of this rule, every such officer shall firmly and fully maintain strict discipline and enforce all laws, rules, regulations, directions and orders for the time being in force and applicable to the discharge of all or any of the duties pertaining to his office. **NOTE.—** It is important that every complaint made by a prisoner shall be heard with attention, in order that, if well founded, the grievance complained of may be redressed or remedied, and that in no case

	should any just cause for discontent be allowed to remain.
Prisoner not to be struck with force.	**712.** (1) No staff member shall, at any time under any circumstances or on any pretext, strike any prisoner otherwise than in the pursuance of his duty in giving effect to punishment lawfully inflicted or, to any other provision of the law or any rules made thereunder. (2) No officer of any prison shall, in the discharge of his duties, at any time use more force than is absolutely necessary for the purpose of subduing an incident or aggressive prisoner or for enforcing the law or any rules made thereunder and carrying out his duties. **NOTE.—** It shall be lawful to use all means necessary to effect an arrest (section 45 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) and a prisoner has no right of private defence against prison officers acting in the discharge of their duty [section 98 of the Indian Penal Code, 1860 (Central Act 45 of 1860)] and every officer may use all force necessary, provided the circumstances so require, to resist any force used by prisoners against lawful authority.
Prisoners not to be employed on private work.	**713.** छव े जंा ि उमउइमत ेीं ससए ें अम ंे ं नजीवतप्रमक इल ं दल चतवअपेपवद व ि दल तनसम ीमतमपद बवदजंपदमक पदthat behalf, at any time employ any prisoner for his own private work or for his own gain or profit; nor shall any such officer at any time employ any prisoner otherwise than for the profit and advantage of the Government and in strict accordance with the provisions of the Act and the rules made thereunder relating to the employment of prisoners.
Immediate report of misconduct.	**714.** It shall be the duty of the every staff member, subordinate to or under the orders of the Superintendent, to make an immediate report to that officer of any misconduct, or of willful disobedience or breach of the provisions of any law, rules or regulations for the time being in force, committed by any other staff member or any prisoner which may at any time come to his knowledge or be committed in his presence, sight or hearing.
No officer to enter any ward or cell alone, from lock-up to sunrise.	**715.** No staff member shall, at any time enter any ward, cell or other compartment, occupied by a prisoner, from the hour such ward, cell or compartment has been locked up for the night, till sunrise the following morning, unless he is accompanied by atleast one other staff member provided such entry is necessitated by any case of emergency or other special circumstance.

Duty of all staff members to prevent and report escapes and breaches of discipline.	**716.** (1) It shall be the duty of every staff member at all times to do all lawful acts which may be necessary and to exercise the utmost vigilance for the purpose of preventing any prisoner from breaking out of prison or escaping or attempting to break out of prison or escape, or from creating or attempting to create any disturbance or riot or from doing or attempting to do any other violent or disorderly act. (2) Every staff member shall be duty bound to, - (a) take all possible lawful measures to prevent the commission any prison-offence;

	(b) enforce the provisions of the Act and all rules, regulations, directions and orders which are for the time being in force or in any way, applicable to the prison in regard to the conduct and discipline of the prisoners and administration of the prison; and (c) report to superior authority every breach or attempted breach or design to commit breach of any provision of any law, rules, regulations, directions or orders for the time being in force, or in any way applicable to the prison or any prisoner confined therein.
Matters concerning wearing of uniform and cleanliness.	**717.** (1) Every staff member, in respect of the office held by him, and for whom any uniform is at any time prescribed, shall wear such uniform as per the prescribed pattern at all times when on duty, and when off duty, within prison premises or in any public place, may wear either uniform or private clothes: Provided that no combination of uniform and private clothes shall at any time be worn by any officer. (2) Every officer shall at all times and on all occasions, be clean and neat as to his dress, and clean as to his person.
Certificate of fitness for employment.	**718.** No candidate for employment in the Department shall be appointed unless and until the Civil Surgeon certifies that he possesses the necessary medical fitness.
Person dismissed or punished criminally not to be employed without authority.	**719.** (1) No person who, at any time has been dismissed from any office in the public service shall, without the special sanction of the State Government given upon a full statement of the facts relating to such dismissal, be deemed to be qualified for appointment as or be, at any time appointed as a staff member. (2) No person who has at any time been convicted of any offence against the criminal law and punished with imprisonment shall without the sanction of the Government be deemed to be qualified for appointment as or be at any time appointed as a staff member. **NOTE.—** Only persons of good conduct and respectable character shall to be employed as staff members.
Duty of candidates to disclose previous punishment.	**720.** Before any person is, whether temporarily or permanently, appointed as staff member, he shall be required to make a declaration that he has not at any time been dismissed from the public service or convicted of any offence and punished with imprisonment: Provided that if any such person has been so dismissed or convicted and punished, he may instead of making a declaration as aforesaid, make a full disclosure of the circumstances attending such dismissal or conviction and punishment, for the information and orders of the proper authority.
Prohibition against business and pecuniary transactions.	**721.** No staff member shall, whether directly or indirectly, - (a) engage in any trade, business or employment other than his duties as such staff member; or (b) lend money to or borrow money from or enter into any pecuniary transaction with, or incur any obligation in favour of, any prisoner.

Staff members to perform their duties efficiently.	**722.** It shall be the duty of every staff member to make himself thoroughly acquainted with the duties of his office and the law, rules and regulations for the time being in force relating thereto, and to discharge his duties with zeal, honesty, alacrity, regularity, sincerity, regularity and punctuality.

Note-book to be maintained by certain officers.	**723.** Every Deputy Superintendent, Assistant Superintendent, Sub- Assistant Superintendent and Head Warder (Central Control Room) shall at all times have with him a note-book in which he shall enter every verbal order given to him by any superior officer, at the time when such order is so given.
Subordinate officer to render prompt obedience.	**724.** It shall be the duty of every subordinate officer, at all times to render prompt and implicit obedience to every lawful order given to him by any officer to whom he is in any way subordinate, or under whom he is for the time being employed, and to treat every superior officer with due courtesy and respect.
Prohibition against communicating with prisoners, prisoners' relatives and friends.	**725.** (1) No subordinate officer shall, except with the special permission of the Superintendent, at any time, (a) correspond or hold any intercourse or communication of any kind whatsoever, with any relative or friend of any prisoner; (b) correspond or hold any intercourse whatsoever, with any discharged prisoner; or (c) permit any discharged prisoner or any relative or friend of any such prisoner to visit or remain at his quarters. (2) No subordinate officer shall at any time,– (a) hold any unnecessary conversation with any prisoner; (b) treat any prisoner with undue familiarity; or (c) discuss any matter relating to the discipline or regulations of the prison with or within the hearing of any prisoner.
Officer to remain at their beats.	**726.** (1) Every subordinate officer shall, when on duty except when ordered by a superior officer to go elsewhere or when going to or returning from duty, confine himself to the limits of his beat or place of duty and remain there at; idleness and lounging about the prison premises shall, at all times be prohibited. (2) No staff member shall, at any time while on duty, smoke or drink or sing or talk loudly, or cook or eat his food, or in any way conduct himself in any unseemly or disorderly manner.

	NOTE.- All wrangling, or disputes or disagreements between subordinate officers, as to any matter connected with their duties, must be at once referred to the Deputy Superintendent (Administration). In case of wrangling or dispute between the Deputy Superintendents or Deputy Superintendents and Medical Officer, the matter must be referred to the Superintendent.
Visitors to subordinate officers.	**727.** No subordinate officer shall, at any time be permitted to receive any visitor within the prison walls, or while on duty outside the prison.
Procedure as to the making of complaints.	**728.** (1) Any subordinate officer, desiring to make any complaint of any kind shall do so, in writing, to the Superintendent, within forty-eight hours of the occurrence of the cause of complaint. (2) The making of frivolous, vexatious or false complaints shall be prohibited.
Combined action amongst officer prohibited.	**729.** Staff members are prohibited from taking any part in any joint or combined action with a view to agitating for the redress of any grievance or supposed grievance or for any other purpose whatsoever.
Prohibition against sleeping on duty and committing other irregularities.	**730.** No staff member shall at any time, - (a) be an addict or under the influence of narcotics and psychotropic substance(s); (b) involve himself in any corrupt practice in association with other staff members or prisoners; (c) connive in infiltration of any prohibited articles into the prison premises; (d) display cowardice while in the discharge of any duty of his office;. (e) be in a state of intoxication;

	(f) sleep while on duty; (g) enter or permit any person to enter, any enclosure, yard, ward, cell compartment or other part of a prison reserved for or allotted to the use of or for occupation by any female, otherwise than at the times and in the manner prescribed in that behalf by proper authority or under these rules; (h) commit, or permit or abet the commission of, any irregularity in the supply or distribution of food, clothes or other articles to, or amongst, any prisoners; (i) be a member of, or to be associated in any way with any union or any society, institution or association or form any union with other subordinate officers; (j) be guilty of any act of in subordination, disobedience or breach of duty; (k) malinger or render himself unable or unfit to discharge his duties or any of them. **NOTE 1.—** In case of irregularities listed at (b), (c) and (d) shall ordinarily attract dismissal, once proven. **NOTE 2.**— Alcometer with a printer shall be provided in every prison to record alcohol levels of staff members.

Offences by staff members.	**Punishments** **731.** (1) Every staff member who is found to be guilty of any violation of duty or willful breach or neglect of any rule or regulation or lawful order made by competent authority, or who withdraws from the duties of his office without permission, or without having given two months' advance notice in writing of his intention to do so, or who willfully overstays any leave granted to him, or who engages without authority in any employment other than his prison duty, or who is guilty of cowardice, shall be liable on conviction before a Judicial magistrate if the Superintendent decides to get him prosecuted, to a fine not exceeding three thousand rupees, or to imprisonment for a period not exceeding three months, or both. (2) No personnel shall be subjected to double jeopardy.
Effect of criminal case.	**732.** (1) When a staff member has been prosecuted in a Criminal Court and upon trial, declared innocent of the charge brought against him, the decision shall be accepted as final and such staff member shall not be punished departmentally when the offence for which he was tried constitutes the sole ground for punishment. (2) **क्मचंतजउमदजंस ब्वहदप्रंदबम पद ब्मतजंपद ब्ंमे**- If, however, such officer is acquitted on technical grounds, or if the facts established by the investigation of the case reflect that his conduct and character have not been such as befit a Prisons officer, the Director General may take कमचंतजउमदजंस बवहदप्रंदबम व िजीम वाि मदबम वत व िनबी बवदकनबज वत बींतंबजमतण्
Rewards.	**Rewards** **733.** (1) Good conduct stripes, not exceeding three in all and two on any one occasion, may be given to a warder by the Director General for good service within the course of his duties which shall include, - (a) special excellence in drill; (b) good work in prison farm, industry or elsewhere; (c) rendering prompt first aid in case of accidents; (d) exemplary service over a long period; or (e) furnishing valuable information. (2) The award of a good conduct stripe shall be recorded in the service book of the recipient. (3) The Superintendent may deprive guarding personnel of one or more good conduct stripes for any act of misconduct, subject to confirmation by the Director General. (4) Such forfeiture of good conduct stripes shall be recorded in the service book of the officer concerned.

(5) Good conduct stripes shall be worn on the sleeve of the left arm, half way between the elbow and the shoulder.

(6) A warder promoted to Head Warder may continue to wear all good conduct stripes which he may have been awarded at any time.

(6) The Superintendent shall refer every case for the grant of good conduct stripes, to the Director General who will make such award as he considers suitable and he may also award cash reward not exceeding two thousand rupees only.

(8) A warder shall, on his own wear one stripe on completion of eight years of service, two stripes on completion of sixteen years of service and three stripes on completion of twenty-four years of service on his uniform.

(9) The Superintendent may grant, in addition to any other reward for which he may be eligible, a commendation certificate to a warder or Head Warder who gives valuable information.

(10) The Director General may award good conduct stripes, and suitable cash rewards, to a Warder or Head Warder or Gate-keeper for special services of the kind specified in sub-rule (1) and also for the following, namely –
(a) bravery in preventing an escape or disturbance etc.;
(b) special skill or expense of energy in re-capturing a run-away where the escape was not due to the negligence of the Warder or Head Warder to whom it is proposed to be awarded;
(c) ेमबनतपदह जीम ीपहीमेज दनउइमत व िउंतो पद जीम ंददनंस पितपदह बवउचमजपजपवदय (d) rendering valuable assistance to the officers of the prison in its management; (e) furnishing a clue which leads to the discovery of stolen government property, or giving information regarding plots for escape or for mutiny etc.;
(f) exceptional fidelity to service or courage;
(g) special care of uniform, arms and equipment;
(h) gardening; or
(i) any other miscellaneous service.

(11) The Director General may grant a suitable cash reward to any person other than an officer of Prisons Department who furnishes valuable information e.g. misconduct of staff members, assistance in detecting prohibited articles in the prison, etc.

CHAPTER 34
VISITORS

734.	(1)	The Government shall, by notification, constitute a Board of Visitors at District

level consisting official members and two non-official members (one male and one female). The non-official members shall be appointed by the State Government through gazette notification.

Board of visitors.

The responsibilities of the Board shall include, -
(a) monitoring the correctional work, with special attention to the effectiveness of infrastructure and facilities in the prisons;
(b) suggesting new approaches for correctional work, with the object of bringing about improvement therein; and
(c)
considering individual as well as collective grievances of the prisoners and providing redress in consultation with the prison authorities.

(2) The Board of visitors shall be constituted in the districts where a prison is located.

Official members.

735. The Board of Visitors shall comprise of the following official members, namely: –

(a) District Magistrate (Chairman);

(b) Superintendent of Police;

	(c) Superintendent (Member Secretary); (d) District Employment Officer; (e) District Social Welfare Officer; (f) Director Industries; (g) Executive Engineer, Public Health Department; (h) Executive Engineer, Public Welfare Department (Buildings and Roads); (i) District Education Officer.
Duties of visitors.	**736.** At every visit all visitors shall,— (a) examine the cooked food; (b) पदेचमबज जीम इंततंबोए ूंतकेए ूवता.ेीमके ंदक वजीमत इनपसकपदहे व िजीम चतपेवद हमदमतंससलय (c) ascertain whether or not all requisite measures pertaining to health, cleanliness and security are duly undertaken; (d) ascertain whether proper management and discipline is maintained in every respect and whether any prisoner is illegally detained, or is detained for an undue length of time while awaiting trial; (e) examine prison registers and records except confidential records and records pertaining to accounts; (f) hear and attend to all representations and petitions made by or on behalf of the prisoners; (g) direct, if deemed appropriate, that any such representation or petition be forwarded to the Director General; and (h) suggest new approaches for correctional work with the object of bringing about improvement therein.
Functions and duties of Board of Visitors.	**737.** (1) The District Magistrate shall be the Chairman of the Board. (2) The Board shall make at least one visit per quarter and for this purpose, the quorum shall consist of three members and the chairman. (3) The minutes of every meeting of the Board shall be recorded in the Visitor's Minute Book, and the same shall be forwarded to the Director General with comments of the Superintendent. A copy of the minutes shall also be dispatched to every member of the Board. The Director General shall forward a copy of such meetings to the Government in cases where an action is required at the Government level.

	(4) When a non-official member of the Board visits a prison, he shall be accompanied by at least one official member. In consultation with the Superintendent, the Chairman of the Board shall make a monthly roster of visits to be made by the members of the Board to the prison. (5) The roster shall be drawn in such a manner as shall envisage at least one visit by a member every month. (6) Every non-official visitor is expected to interest himself in the upkeep of prisoners and visit the prison of which he is a visitor as per roster or oftener in consultation of the Superintendent. (7) During visits, a member of the Board shall enjoy the right to converse secretly and separately with any prisoner who is willing to talk to the visitor. However, such separate interaction between a visitor and a prisoner shall be held in a place within the prison wall as also within the sight of a prison officer. After such conversation with a prisoner, the Visitor shall inform the Chairman of the Board in writing about what transpired in the conversation with the prisoner. The Chairman, if he जीपदो दमबमेंतल ेींसस जंाम नच जीम उंजजमत ूपजी जीम ैनचमतपदजमदकमदजण् (8) The Superintendent shall ensure that the prisoners lodging complaints with the members of the Board, do not subsequently fall prey to vendetta of the accused or staff member complained against.
Visitors to be facilitated.	**738.** (1) The members of the Board shall be afforded every facility for observing the state of the prison and the management thereof and shall be allowed access, under proper regulations, to all parts of the prison and every prisoner confined therein. They shall ordinarily not visit the high-security areas unless duly instructed in this behalf by the Director General. (2) Visits shall not be made after prisoners have been locked for the night and on prison holidays. (3) Due respect shall be paid to the visitors. Their requests for information shall be complied with in accordance with these rules. (4) No visitor shall be allowed to go round a prison without an escort of guarding personnel which is necessary for his safety. No visitor shall be allowed to carry any weapon with him or his armed personal security officers with him while visiting the prison. (5) Except on the occasion of visit by the Board, no visitor shall claim to be accompanied on his rounds by the Superintendent or Deputy Superintendent. (6) In the absence of express consent of the Superintendent, the Visitors shall not be allowed to interview more than one prisoner at a time. Anything in the nature of a meeting or conference whether for the discussion of political topics or the ventilation of prison grievances shall be strictly prohibited. (7) All private interviews with the prisoners shall normally be subject to a time limit of ten minutes.

Date of visit to be recorded.	**739.** (1) Every visitor shall, after he has completed his visit to the prison, record in the visitor's इववाए जीम कंजम ंदक ीवनत व िीपे अपेपजए ंदक उंल मदजमत जीमतमपद ंदल तमउंतो वत ेनहहमेजपवदे ीम उंल ूपी जवmake. (2) । बवचल व ि जीम तमउंतो उंकम इल मअमतल अपेपजवतए जवहमजीमत ू पजी जीम ैनचमतपदजमदकमदजषे्comments thereon, or the action taken by the Superintendent thereon, shall be forwarded to the क्पतमबजवत ळमदमतंसण् प्द बंेम जीम तमउंतो तमसंजम जव जीम सवदह कमजमदजपवद व िद नदकमतजतपंस चतपेवदमतए ं बवचल व ि such remark shall also be forwarded to the District and Sessions Judge.
Disposal of the तमउंतो उंकम इलa visitor.	**740.** (1) ।दल तमउंतो उंकम इल ं अपेपजवत नदकमत जीम चतमबमकपदह तनसमए वनहीज जव इम सपउपजमक जव ंstatement and fair criticism of facts which may have come to his knowledge and such suggestions as he may desires the Superintendent or the Director General to consider. Criticism shall be confined to such aspects of the ordinary administration and management of the prison which, in the opinion of the visitor, be improved. On no account the visitor, directly or indirectly reflect, either favorably or adversely, on the character or conduct of any of the staff members. (2) ज्ीम क्पतमबजवत ळमदमतंस उंल चंे वतकमते वद ंदल तमउंतो उंकम इल ं अपेपजवतए ंदक ेींससए प िany issue of importance requires the orders of the Government, forward the same to the Government. (3) A copy of any order passed by the Director General or by the Government on any remark made by a visitor shall be communicated to the visitor concerned through the Superintendent.

District Magistrate to visit and inspect prisons.	**741.** (1) It shall be the duty of the District Magistrate to visit prisons once in a year under his territorial jurisdiction and to satisfy himself that provisions of the Act, and all the rules, regulations, directions, and orders made or issued thereunder, applicable to such prisons, are duly observed and enforced. (2) The District Magistrate may visit any part of the prison and may call for any record during the inspection.
Record of inspection.	**742.** A record of the result of each visit and inspection shall be made in a register to be maintained by the Superintendent for this purpose.
District Magistrate to communicate with the superintendent.	**743.** (1) The District Magistrate shall not ordinarily address any communication or order to any officer of any prison below the rank of Superintendent. All orders issued by the District Magistrate shall be in writing. (2) The orders of the District Magistrate shall ordinarily be issued in the form of an entry in the Visitor's Book. The District Magistrate is expected not to interfere in matters of detail affecting the

	management of a prison. He shall refrain from any action which may tend to weaken the authority of the Superintendent. (3) If the District Magistrate gives an order to which the Superintendent or his senior takes exception, the concerned officer may represent the matter through the Director General to the Government, but he shall forthwith obey any order which is not inconsistent with the Act or any rule made thereunder and does not involve any immediate risk or danger.
Admission of police officers.	**744.** (1) The Superintendent of Police, Additional Superintendent of Police or any Assistant Superintendent of Police may for the discharge of his duty as such police officer, be permitted to enter the prison only during the working hours before the prison lockup. Only in very special and emergent situations, they may be permitted to enter the prison after working hours by the Director General. (2) Police officers of rank subordinate to those specified in clause (1), may be permitted to enter the prison during working hours, for the following purposes, namely ;– (a) जव तमबवहदप्रम वसक वfिमदकमतेय (b) for identification of prisoners. (3) A police officer investigating a criminal offence may be permitted to record the statement of a prisoner in the presence of a prison officer designated by the Superintendent, during working hours. (4) No police officer shall, at any time, upon any pretext whatsoever be allowed to enter any female ward or any cell or compartment in which any female is for the time being confined or present without the permission in writing of the Superintendent.
Police Officer to be in uniform.	**745.** No subordinate police officer shall be admitted to prison unless he is in proper uniform.
Officers be allowed to enter the prison during working hours.	**746.** (1) Engineers of Public Works Department, Public Health Department, Haryana Police Housing Corporation and their employees or vendor or vendor's staff, vendor or vendor's staff of the Department during working hours may have access to the prison to such extent as may be necessary वित चनतचवेमे बवददमबजमक ूपजी जीमपत ंनजीवतप्रमक ूवताण् ।कअंदबम पदजपउंजपवद व िनबी अपेपजे ेींसस इम हपअमदto the Superintendent. (2) The Civil Surgeon/Chief Medical Officer, Medical Officer and paramedical staff deputed by him in connection with the health care of prisoners may also have access to the prison hospital and prison premises as required.
Special permission to be accorded to other persons.	**747.** Save as hereinbefore provided in these rules, no visitor shall be admitted into any prison unless he is accompanied by or has obtained the permission in writing of the Director General or Superintendent.

CHAPTER 35
GENERAL SUPERVISION AND INSPECTION OF PRISONS

Exercise of powers of Superintendent.

748.	(1)	The Director General may exercise all or any powers of the Superintendent with

respect to the administration of prisons.

(2) ज्ीम क्पतमबजवत व्मदमतंस वद बंम जव बंम इंपेए उंल ंनजीवतप्रम ंदल वतिपबमत व िजीम तंदाbove the Superintendent to exercise all or any powers of the Superintendent with respect to the administration of prisons.

Supply of articles to prisons and sale of manufactured articles.

749. Subject to the general control of the Government and to the provisions of these rules, the Director General may enter into all such arrangements as are necessary for the construction of all ूवतो तमसंजपदह जवए ंदक जीम ेनचचसल व िसस ंतजपबसमे वित नेम पदए वत पद ंदल ूंल तमसंजपदह वत पदबपकमदजंस जव वतconnected with the prisons and for the sale of all articles manufactured in prisons.

Provision of funds, expenditure and accounts.

750. Subject to the arrangements for securing the budget provision and the allotment of funds to meet the expenditure of the Prison Department made under the orders of the Government in that behalf, the entire control over all expenditure on the maintenance of prisons and on all matters in any way relating or incidental to or connected with the administration of prisons and correctional services shall vest in the Director General.

Inspection of prisons by Director General and appointed officers.

751.	(1)	It shall be the duty of the Director General, as far as may be to visit and inspect every

prison at least once in two years and to satisfy himself that the provisions of the Act, and all the rules, regulations, directions and orders made or issued thereunder, applicable to such prison, are duly given effect to and enforced and that the management of each prison is in all respects efficient and satisfactory. A note recording the result of each visit and inspection shall be made in the Visitor's Book to be maintained by the Superintendent for the purpose or otherwise communicated in the form of a note.

(2)	(a)	The Director General may appoint any officer above the rank of the

Superintendent to inspect prisons in the State. This appointment and earmarking of the prisons shall be done by the Director General in advance by 15th of January every year.

(b) The appointment shall be done in such a manner that every such Inspecting Officer visits at least two prisons per year for a formal inspection.

(c) Inspecting Officer shall submit the inspection report to the Director General.

(d) The compliance report on the directions issued on the inspection note shall be submitted by the Superintendent concerned within three months of such inspection.

(3) The Director General may also appoint any Superintendent to carry out inspection of any prison in the State.

(4) Officers of the rank of Additional Inspector General or above may conduct informal inspection of a prison with the orders of the Director General.

	(5) The Director General may also appoint officers of the rank of the Superintendent or above to carry out inspections of the offices of District Probation Officer(s) across the State in a periodic manner. The Inspecting Officer shall submit such report to the Director General.
Duties of Director General and appointed officer at inspections.	**752**. (1) In accordance with the provisions of the preceding rule, the Director General or any other officer appointed, shall at the inspection of each prison, ordinarily undertake such inspection drawing a detailed inspection report covering the following, namely:- (a) comments on the compliance of the observations made/ directions issued on the previous inspection note; (b) **Qua Infrastructure:-** (i) all prison buildings and general cleanliness; (ii) hygienic condition in prison including water and sewerage facilities; (iii) kitchen and food quality;

(iv) stores;

(v) prison garden;

(vi) prison industries; and

(vii) prison hospital, medical facilities, medical staff etc.

(c) **Qua Prison Management:-**

(i) ंनजीवतप्रमक चतपेवद चवचनसंजपवद ंदक ंबजनंस चतपेवद चवचनसंजपवदय

(ii) interview facilities for prisoners including communication facilities;

(iii) female prisoners and infants;

(iv) record of prisoners including digital record;

(v) record relating to parole, furlough, remission and pre-mature release

etc.;

(vi) prisoner management software;

(vii) video conferencing facility;

(viii) work opportunities in prison; and

(ix) wages to prisoners.

(d) **Qua Prisoners Welfare:-**

(a) canteen facilities;

(ii) library;

(iii) recreation facilities, sports, spiritual activities; and

(iv) prisoner's panchayat.

(e) **Qua Prison Security:-**

	(i) security and lighting arrangements; (ii) generator sets; (iii) alarm system; (iv) high security enclosures; (v) high risk prisoners; (vi) arms and accoutrements; (vii) arrangements for guarding both by day and night; (viii) security equipment; (ix) ability of the upper subordinates to drill the guard; and (x) functioning of the CCTV control room. (f) **Qua Staff Management:-** (i) vacancy position of staff; (ii) allotment of duties amongst subordinate staff; (iii) grievances of prison staff, grievances redressal meeting; (iv) residential quarters, warder hostel etc.; and (v) interviews with prison staff. (g) **Qua Establishment:-** (i) satisfy himself that unnecessary expenditure is not made in the matter of all purchases; (ii) accounts and registers are maintained according to the rules; (iii) proper arrangements are made for the safe custody of all records; and (iv) other administrative matters related to prisons, prisoners and staff.

Submission of inspection report or any part thereof to Government.	**753**. A copy or any part of the inspection report required by the preceding paragraph which deals with matters which shall, in the opinion of the Director General, be brought to the notice of Government, shall be forwarded by the Director General to the Government.

Annual report and returns.	**754**. The Director General shall, as soon after the close of each calendar year as possible and not later than the first week of June in each year, submit to the Government a report on the administration of prisons in the State together with such statistical and other statements, returns and information, and in such form as the State Government may from time to time, require or specify.
communication.	**755.** In the absence of any direction to the contrary, the Director General shall be the channel of communication between the Government and all other officers of the Prisons Department.

Introduction.	**CHAPTER 36** **SAFE CUSTODY OF PRISONERS AND GUARDING OF PRISONERS** **756**. Secure custody of prisoners inside a prison is the primary responsibility of the Prison Department. The overall objective of reform and rehabilitation has to be pursued within the framework of custody. Further, prison custody implies certain restrictions on the basic rights of prisoners as human beings under the process of incarceration that prisoners are required to undergo.
Custody and control of prisoner outside prison.	**757**. A prisoner, when being taken to or from any prison in which he may be lawfully confined, or whenever he is working outside or is otherwise beyond the limits of any such prison officer belonging to such prison, shall be deemed to be in prison and shall be subject to all such rules as if he was actually in prison.
Security and guarding requirements.	**758**. (1) To ensure security and to restrict any throw of any kind of prohibited articles inside the prison, its premises shall be a closed area. There shall be a single point entry to the prison premises with sentry post and proper barricading. A system of good lighting inside and around the prison shall be maintained. (2) There shall be an adequate number of guarding personnel in every prison. The permanent strength of the guarding personnel in each prison shall be determined from time to time by the Government as per the requirements of every prison. Central Armed Police Force (CAPF) at outer periphery, watch towers or any other point outside the prison wall may be deployed in the prison by the Government on the recommendation of the Director General. (3) Sufficient equipments as mentioned below shall ordinarily be installed in every prison for safety and security of prison premises, namely:– (a) surveillance equipment shall be installed in every prison at all sensitive and vulnerable points including living areas of the prisoners, except in bathrooms/toilets and living areas of female enclosure; (b) effective wireless communication system and intercoms/IP based phones for better communication at all points shall be set up in the prison premises;

	(c) high pitch sirens to alert staff members, public and nearby police stations about any untoward happening shall be installed at a suitable place; and (d) appropriate scanning, detecting and searching equipment shall be installed at every prison. (4) The Deputy Superintendent (Security) shall regularly check the main wall and all other buildings of the prison. If any repairs are required, the Superintendent shall immediately be informed and the required repairs shall be carried out without delay.
Prison armoury.	**759**. (1) A special room near the main gate shall be set apart for storing the arms and ंउउनदपजपवदण् प्ज ेींसस इम नितदपीमक ूपजी ेनपजंइसम ेजममस ूववकमद तंबो वित ाममचपदह जीम तपसिमे ंदक चमहे जवhang accoutrements on. The room shall be strong with double reinforced steel doors, one opening inside the administrative block and another steel door opening outside the prison near the security beat. (2) Sufficient number of modern lethal and non-lethal weapons with suitable ammunition, इवकलहनंतक ेीपमसकेए ी मसउमजेए इंजजमदेए हंे उंेाए हसवअमेए समह हनंतकेए पितम मगजपदहनपीमतेए चमचचमत ेचतंलand other body protective equipments available from time to time, shall be provided in every prison for use in emergent situations. (3) In charge armoury shall, - (a) inspect daily all arms and accouterments, and see that they are kept clean and fit for immediate use; (b) take charge of the armory, ammunition and spare accouterments keep the key of the armory in his possession, see that the ammunition is kept dry and in good order. Ten rounds of rifle (weapon) ammunition for each rifle is always kept ready for use; (c) satisfy himself that each sentry knows and understands the orders for his post; and (d) keep an account of ammunition in stock received and expended.

	(4) The ammunition shall be securely locked up in boxes and one set of keys of outside gates of prison armoury shall be retained by the Line Officer and other set shall be retained by the in-charge armoury. One set of keys of inside gates of prison armoury shall be retained by the Deputy Superintendent (Administration) and other set shall be retained by the Deputy Superintendent (Security). (5) All arms accoutrements and such ammunition, taken out for regular use, shall be inspected by the Superintendent at every inspection parade. (6) On the 1st January of every year, a list of the arms, ammunition and accoutrements in ेजवबा ूपजी तमउंतो ंदे जव जीमपत बवदकपजपवद ेींसस इम े नइउपजजमक वित जीम पदवितउंजपवद व ि जीम क्पतमबजवत.General.
Supply of ammunition, repair of arms.	**760**. The Director General shall in consultation with the Government make appropriate arrangement for procurement of the arms and ammunition from Police Department or Armed Forces, required for the security of the prison and for maintenance and repair of the same. The condemned and unserviceable arms and used, missed ammunition shall be disposed off, as per relevant rules.

Fire-arms not to be taken into prison.	**761**. Fire arms shall not be taken inside a prison under any circumstances whatsoever except under the following circumstances, namely: – (a) through a specific order by the Director General for the sentry on duty at the Central Control Tower of any particular prison or a class of prisons. At no occasion shall there be less than two armed personnel deployed at the Central Control Tower at any point of time; (b) during alarm parades or under the express order of the Superintendent or the Deputy Superintendent (Administration) in times of emergency. **NOTE -** Lathi or cane batons may be issued to guarding personnel on duty if the security situation demands the same.
Setup of control room.	**762.** (1) A control room shall be setup in every prison from where all the CCTVs, wireless sets and intercom shall be monitored and controlled. (2) The control room shall function under the supervision of the Superintendent assisted by the Deputy Superintendent (Security) and Assistant Superintendent. The duty officer shall be responsible for its effective working. (3) A staff member shall always be deployed in the control room who shall be responsible for the care, maintenance and proper functioning of all the equipment installed in the control room. If any equipment is found to be in non-working condition, the duty officer shall immediately be informed who shall make all endeavours to rectify the errors as soon as possible. (4) A landline phone shall be installed in the control room and the staff member present on duty shall attend to all incoming calls and shall also be responsible for receiving and sending the messages through e-mail and other electronic modes. (5) All the officers and other staff members present on duty shall inform the control room through wireless set, intercom or any other source of communication available, about any significant incident without any delay. (6) A register in the form of Diary of Events/Control Room Register shall be maintained in the control room in which the date and time of receiving all significant informations/reports shall be entered by the staff member on duty designated for this purpose. The duty officer shall escalate the matter to the Deputy Superintendent concerned and the Superintendent. (7) A staff member shall be deployed exclusively to monitor the live footage, to keep a watch on every activity inside the prison premises and inform the Deputy Superintendent (Security) and the Superintendent about any suspicious movement or unlawful activity or any other incident/ matter of interest noticed by him.
Intelligence network and funds thereof.	**763.** (1) The prison administration shall make endeavors to build mutual trust with the prisoners so as to maintain constructive relations with prisoners. Good conduct prisoners shall be involved in such a manner that they develop a feeling of belongingness towards the administration leading to flow of sensitive information beforehand.

	(2) Intelligence network shall be setup to collect information regarding any illegal or unlawful activity. Sufficient annual funds shall be made available at the disposal of each Superintendent and the Director General for developing and collecting actionable intelligence regarding illegal cell phone possession/operation, use of narcotics, gangwars inside the prison, prison break, extortion from other prisoners, attack on prison staff etc. The Superintendent may also take the help of intelligence wings of the Police Department for this purpose.
Principles to be observed in guarding.	**764.** Every prisoner in a prison shall at all times, by day and night, be under the in-charge of some guarding personnel, in such a manner that responsibility for an escape resulting from negligence be definitely fixed. A record of the names of prisoners made over to each guarding personnel during the day shall be kept in a gang-book and every subsequent change of a prisoner from one gang to another, shall be recorded therein under the authority and signatures of an officer not below the rank of a head warder, who likewise at every change of guard shall be present to witness and verify the number of prisoners made over to the relieving guarding personnel.
Details of procedure to be observed in guarding.	**765.** (1) Guarding personnel shall be divided in three categories namely Category A, Category B and Category C. At the time of special search of the prison, the personnel from all the three categories shall be present. (2) Category A shall consist of personnel who shall perform security, sentry (both static as well as moving), patrolling (with or without a weapon) and search duties. **NOTE 1.-** They shall be divided in three groups. Each group shall perform their duties in two (day and night) four hours shifts daily or one eight hours shift. **NOTE 2.-** The shift shall be changed after six days. (3) The Category B shall consist of personnel who shall perform duties of barrack in charge, gate keeper and his support staff, industry security in-charge, interview in-charge etc.. **NOTE 1.-** Except the personnel who are deployed for duties as barrack in-charge, all other personnel shall perform their duties in a single shift of eight hours **NOTE 2. -** The personnel who are deployed for duties as barrack in-charge shall be divided in two groups, one group shall perform duties in the first shift from lockout to 02:00 PM and second group shall perform duties at second shift from 02:00 PM to lockup. The personnel working in second shift shall also perform two hours patrolling duties in night as per roster. The shifts shall be changed after six days. (4) The Category C shall consist of personnel who shall perform duties of prison garden in-charge and helpers, outside gang in-charge, drivers, personal security officers (PSO), mess in-charge, in-charge duty roster and helpers, court duties, computer operators, office duties, welfare duties and other miscellaneous duties. **NOTE 1. -** They shall work in a single shift with a lunch break. **NOTE 2.-** They shall perform one night patrolling duty every week. (5) The Deputy Superintendent (Security) and the Assistant Superintendents concerned (executive in-charge of enclosures) together with the guarding personnel who are to go on duty in the morning, shall enter the prison together. (6) The Assistant Superintendent (Central Control Room) along with the guarding चमतेवददमस इमवितम वचमदपदह जीम इंततंबो नदकमत ीपे बींतहम ेींसस पदेचमबज जीम पतवद इंते ंदक ूससे व िजीमइंततंबो ंदक मदेनतम जींज जीमतम पे दव इतमंबी व िदल ापदक कनतपदह जीम चतमअपवने दपहीजण्

	(7) The wards shall be opened and the prisoners counted out by the barrack. The Assistant Superintendent (Central Control Room) or Head Warder (Central Control Room) shall verify the number counted out of each ward in comparison with the entry in the lockup register. (8) On the completion of the morning parades, the prisoners shall be divided into their respective gangs, and responsible guarding personnel shall be placed in-charge of each gang. The responsibility for the charge of a gang shall never be divided between two or more guarding personnel. The strength of a gang working outside the prison walls but within the prison precincts shall not without the sanction of the Director General, exceed twelve prisoners. There shall be at least one head warder in-charge assisted by another warder for every such gang. In the case of prisoners working inside prison walls, each gang may contain as many as prisoners that can be conveniently

	and effectively supervised. Prisoners shall not be employed beyond the prison precincts without the special sanction of the Director General in writing. (9) The barrack in-charge coming on duty at the opening of the wards in the morning shall be relieved at 02:00 PM by his reliever, who shall remain in-charge until the prisoners are locked up and the night guard posted. (10) When guarding personnel is posted to the several gangs in the morning, the names of the prisoners composing each gang shall be called from the gang-book in the presence of the guarding personnel about to take charge, who shall verify the total by counting them. The guarding personnel's name shall then be recorded in the gang-book and his receipt taken. Every long termed and dangerous prisoner shall be specially pointed out to the warder about to take charge of him so that a particular watch may be kept on him. At every change of guard, the number of prisoners in each gang shall be counted and in the case of gang outside the prison, the names of the prisoners बवउचवेपदह मंबी हंदह ेींसस इम बंससमक वअमतण् प्द संतहम चतपेवदे जीमतम ेींसस इम ेमअमतंस हंदह.इववो ेव जींजthe rolls may be called simultaneously to save time. (11) All prisoners working in the outside gang, shall ordinarily return to the main gate, to be further sent to their respective wards for afternoon lockup. They shall again be taken out for work for the rest of the day during afternoon lockout and shall be duly handed over to the Out-side Gang (OSG) in-charge. On the cessation of work in the evening, the groups shall be collected and the prisoners in each gang shall be counted and verified by the Outside gang in-charge. (12) On the cessation of work in the evening, the gangs shall be collected and the prisoners in each gang shall be counted and verified. (13) Out-side Gang in-charge shall keep a vigilant eye on the prisoners in his gang and shall not allow them to wander or go out of sight on any pretext whatsoever. He shall be personally responsible for their safe custody throughout the whole period of his duty. Guarding personnel assisting head warder, Outside Gang in-charge, shall similarly be responsible for the safe custody of the gang but their responsibility shall in no way diminish or detract from the responsibility of the Outside Gang in-charge. Prisoners working all day at a distance from the prison shall be provided with a temporary latrine in close proximity to the work and under the eye of guarding personnel**.**
Evening count lock-up, disposal of keys, night	**766.** (1) After completion of the evening parades, the night guard shall be brought inside the prison by the Duty Officer. Barrack in-charge, shall then count the prisoners into their wards cells or other compartments and lock them for the night. The Assistant Superintendent (Central Control त्ववउद्धए

patrolling officer.	मगमबनजपअम पद.बींतहम व ि इंततंबो ं दक जीम क्मचनजल ै नचमतपदजमदकमदज ;ैमबनतपजलद्ध ेीं सस तमउंपदpresent inside the prison at the time of lockup. When all the prisoners have been locked up the total number of prisoners shall be verified. If found correct, the night guard shall be posted at their respective beat points inside the prison. The number of prisoners locked up in each ward or other building, as well as the total number of prisoners in the prison, shall be shown in the lock-up register to which the Deputy Superintendent (Security) shall append his signatures in token of its correctness. (2) On the completion of the lock-up, the keys of the wards cells and other compartments where prisoners are confined, shall be collected and counted in the presence of the Deputy Superintendent (Administration) who shall note the number in the lock-up register. He shall then cause to lock the keys into the key box provided for the purpose in the main gate and make over the key of such key box to the Duty Officer who shall in turn make over the key to his successor, who shall further deliver it to the Deputy Superintendent on his entering the prison in the morning. The ामले व ि जीम बववा.ीवनेम ं दक व ि जीम ू तके पद ूी पबी जीम बववो ं तम बवदपिदमक ेींसस ंसेव इम चसंबमक पद जीमcharge of the Duty Officer. (3) The night patrolling officer (to be deputed for two hours shift amongst Category B or Category C) shall visit every ward, barrack, cell, hospital and every other part of the prison and satisfy himself that everything is in order (Sab Achha). He shall report the general condition of the prison in the Night Report Book and to his reliever as well as to the Duty Officer.
Duties of night watch.	**767.** (1) During the night, the guarding personnel or convict officer on patrol duty along the main wall of the prison shall not quit his beat or lie down. He shall be armed with a baton, torch light वत वजीमत ेनबी मुनपचउमदजण् ज्ीम पददमत उंपद ूसस षवजउंनांष् इमंज चंजतवससपदह ेींसस इम वतहंदप्रमक ूपजी कपेब(patra) system where each beat keep moving like a pendulum pushing the disc from one beat to another. Kotmauka in-charge shall visit all beats of the kotmauka frequently and ensure that all guarding personnel on duty are alert and disc circulation is in order.

	(2) ज्ीम इंततंबो ेींसस इम अपेपजमक वदबम पद मअमतल ींस ि द ीवनत जीतवनहीवनज जीम दपहीज इल जीमहनंतकपदह चमतेवददमस वद कनजल ूीव ेीवनसक मगंउपदम जीम सवबोए हतंजपदहे ंदक कववते ंदक ेंजपेलि ी पउेमस ि that they are secure and that the convict officer on duty inside is alert. He should frequently challenge him with this object and enquire the number of prisoners and satisfy himself that all are present. (3) The guarding personnel and convict officers shall ensure that all the prisoners are quiet and on their respective berths after 10:00 PM and no singing, reading, playing games, watching television or any kind of recreational activities take place after 10:00 PM.
Roster of officers by duty beat at night be changed and record to be kept.	**768.** (1) A duty roster shall be maintained in each prison. The Assistant Superintendent holding the charge of Line Officer shall be responsible for proper maintenance of this register. The register shall contain the names of all guarding personnel on duty with their hours of duty and their signatures for having understood the duty hours. The register shall be sent every day to the Deputy Superintendent (Security) for checking and verification and getting his signatures. The register shall be put up before the Superintendent at least once every week.

	(2) It shall be the responsibility of the Line Officer and the Deputy Superintendent (Security) to ensure that the warders shall stick to their post according to the duty roster and any violation in this regard shall be immediately brought to the notice of the Superintendent. The Superintendent shall also verify it during his surprise visits to different parts of prisons during day and night. A care shall be taken that the night duty is allotted in rotation. (3) No guarding personnel shall be placed on the same beat two nights in succession nor informed of his beat till he is about to be posted.
System of watch inside wards at night.	**769.** (1) The barracks shall be guarded inside by the convict officers and they shall also be तमेचवदेपइसम वित ंदल मेबंचमे तिवउ ेसममचपदह इंततंबोए ेनपबपकमेए हतवनच पिहीज वत ुनंततमसे पद ेनबी इंततंबोण्A roster showing the names of convict officers deputed to patrol each ward with the hours of duty shall be kept. In every ward, three convict officers shall be deployed in three shifts of eight hours each. Convict officers whilst on duty shall patrol their wards, prevent, as far as lies in their power, the commission of any breach of prison discipline, satisfy themselves by frequent counting that all the prisoners are present and intimate the fact to the guarding personnel on duty every half an hour. At each change of watch, the convict officer shall report to the guarding personnel concerned regarding the number of prisoners present. In case of any unusual occurrence, he shall give immediate notice to the guarding personnel on duty to take any action that may be necessary. (2) The convict officers may be employed in guarding the main wall by night when the number of guarding personnel is insufficient. There shall be at least two guarding personnel to every convict officer on duty at any time. Their shift timings shall be same as of guarding personnel: Provided that no convict officer shall be placed on any beat patrol where he cannot be under the observation of guarding personnel. (3) The convict officers with the shortest unexpired sentence shall ordinarily be selected for duty outside the barrack at night. (4) ज्ीम बवदअपबज वतिपबमते उंल इम कमचसवलमक जव हनंतक जीम इंततंबो कनतपदह जीम कंल वत दपहीजhours subject to the supervision of guarding personnel.
Convict officers detailed for duty outside to be kept separate.	**770.** The convict officers detailed for guarding outside by night shall, when not on duty and whenever possible, be locked up in a separate ward. They shall be let out and locked up, before and after their turn of duty, respectively, by both the relieved and relieving guarding personnel.
Use of washrooms in the night and arrangement for treatment of ill prisoners.	**771**. (1) No prisoner shall use the washroom without obtaining the permission of the convict officer on duty between 10.30 P.M to 04.30 A.M. When a washroom/latrine is furnished with the means of being locked, it shall be kept locked during this period and the key shall remain in the possession of the convict officer on duty. Prisoner using washroom/latrine during this period shall be closely observed by the convict officer on duty so as to prevent suicides or sexual assaults or escapes or use of drugs etc.. (2) When it appears to the convict officer that a prisoner is ill, he shall at once bring the fact to the notice of the staff member on duty, who shall inform the duty officer and necessary arrangement of his treatment

	shall be made.

Duties of patrolling officer on patrol duty at night.	**772.** (1) The guarding personnel on patrol at night shall keep on the move, visiting the warders and convict officers on duty. He shall, on taking over charge, satisfy himself that the correct number of prisoners is reported to be in custody and that everything is secure. (2) In cases of serious sickness, the patrolling officer or guarding personnel shall forthwith send notice to the Duty officer, the Medical Officer and Deputy Superintendent (Security) who shall, if necessary, take steps for shifting the sick prisoner to the hospital. In case any irregularity on the part of guarding personnel or convict officers or prisoners came to his notice, he shall report the matter to the Deputy Superintendent (Administration) next morning and mention it in the night report book. (3) An immediate notice shall be given to the Duty officer, the Medical Officer and the Deputy Superintendent (Security) of any occurrence requiring prompt action such as an escape, attempt to escape, riot, fire or serious sickness by the patrolling officer. Each patrolling officer shall carry a control watch to record the time at which he visits each part of the prison and mention it in the night report book. (4) At the hour for the relief of the guard, the head warder or senior warder shall intimate the relieving guard about the next guarding personnel who is to take the next watch. He shall get them searched by the officers deployed for frisking in the main gate. They shall be searched at entering and leaving the prison in the presence of the duty officer.
Berths to be numbered.	**773.** (1) The berths in every barrack shall be numbered in the manner that the even numbers on one side and the odd numbers on the other. A berth shall be allotted to every prisoner and the number व िइमतजी ेींसस इम मदजमतमक वद जीम इंततंबा सपेज ं दक जीम चतपेवदमतष् े ी पेजवतल जपबामजण् ै नइरमबज जव बंजमहवतप्रंजपवदof the prisoners as prescribed in rule 45, prisoners shall be indiscriminately mixed together in इंततंबो ू पजीवनज बवदेपकमतंजपवद व ि तमसपहपवदए तंबमए बं ेजम ं दक चसंबम व ि तमेपकमदबमण् ज्ीम चतपेवदमते ेींसस दवजbe transferred from one barrack to another without the orders of the Deputy Superintendent (Security) in consultation with the Superintendent. (2) Suitable number of berths in each barrack shall be earmarked for such prisoner on whom special watch is required in the interest of the security and safety of the prison. The convict officers, guarding personnel and patrolling officers shall maintain a special watch over these prisoners.
Precaution about lock and keys.	**774.** (1) ज्ीम सवबो व िजीम कववते व िसस े सममचपदह इंततंबो ं दक बमससे ेींसस इम े व ं ततंदहमक जींज जीमprisoners cannot reach them from the inside. (2) Any keys which any officer may have to carry with his person, while on duty, shall be attached to his person by means of a stout chain. (3) The keys of prison shall, when not in use or in the personal custody of any officer of the prison, be kept in a locked receptacle to be kept for the purpose at the Main Gate, and the key of such receptacle shall be retained by the Duty Officer. (4) Every time a key of a barrack/cell is used during the lockup hours, the record of each such occurrence shall be recorded by the gate-keeper along with name and signature of the staff member concerned with the receiving and deposit time. The staff member who takes the custody of key shall briefly report the purpose in Night Report Book. (5) स्वबो वद इंततंबो ं दक सवबो वद बमससे ेींसस इम बींदहमक वदबम ं दक जूपबम वितजदपहीजसलrespectively.

	(6) A lock, the key of which has been lost or misplaced, shall be destroyed in the presence of the Superintendent and written off from the lock and key register. (7) On each bunch of keys there shall be a brass disc showing the number of the bunch and जीम दनउइमत व िामले वद जींज इनदबी ं दक जीम ा मल बीमेज ेीं सस इम चतवअपकमक ू पजी ी ववो े मतपंससल दनउइमतमकto correspond with the number on the bunches of keys. (8) The keys shall be placed on a ring, the ends of which shall either be soldered or riveted so that no key may be removed there from. (9) ज्ीम तमहपेजमत व िसवबो ंदक ामले ेींसस बवदजंपद जीम कमेबतपचजपवदे ंदक जीम दनउइमते व िससवबो ंदक ामले इल इनदबीमे ंदक जीम इंततंबोए बमससे वत ेजवतम तववउेए ूीमतम जीमल ंतम पद नेमण्

Light to be kept on at night.	**775.** From sunset to sunrise sufficient lighting arrangements shall be made to ensure that prisoners may at all times remain under observation. Arrangements in the form of emergency lights shall be kept ready for use in case of power failure.
Letting out बववो जव चतमचंतमearly morning meal.	**776.** ीमद पज पे दमबमेंतल जव समज वनज बववो इमवितम कंल.इतमंा जव चतमचंतम जीम मंतसल उवतदपदह उमंसए जीम guarding personnel and patrolling officer shall, at the hour fixed, let out the necessary number of बववो ंदक चनज जीमउ पद बींतहम व ि हनंतकपदह चमतेवददमसण्
Visit by officers at night and report of unusual occurrence to be made.	**777.** Executive Officers visiting at night shall ensure that the guarding personnel on duty are on the alert, moving on their beats and that the light is kept brightly lit. The time of the visit shall not be made known beforehand. The date of the visit, the hour of entering and leaving the prison and a report of any unusual occurrence that comes under observation, shall be recorded in a book which shall be provided for the purpose at the main gate. The gate-keeper shall produce it before the Superintendent on his arrival at the prison in the morning.
Opening wards at night and precaution to be taken.	**778.** To the door-posts of all sleeping wards shall be affixed a chain with a hook at the free end which shall be attached at wall to the door, so as to admit or allow the exit of one person at a time and no more. When it is necessary to open a sleeping ward at night for purposes other than the emergency of fire, prior to unlocking the door, the chain shall be hooked in. No ward shall be opened at night unless the Duty officer or Assistant Superintendent or Deputy Superintendent and one other officer are present, except in the case of fire.
Police guards to be provided under certain conditions.	**779.** Whenever it is necessary to place prisoners in confinement in any place without the walls of the prison, the Superintendent shall request the Superintendent of Police for such police guards as may in the opinion of the latter officer, be necessary and the Superintendent of Police shall supply such guards accordingly.
Responsibility of police guard	**780.** In every case, in which prisoners are guarded by the police under the provisions of the preceding rule, the responsibility for the safe custody of the prisoners shall rest with the police

when guarding prisoners.	guards.
Action when any prison becomes temporarily insecure.	**781.** If from any cause any prison at any time becomes temporarily insecure, the Superintendent shall inform the District Superintendent of Police of the fact and it shall be the duty of that officer to supply such police guard as he may think necessary to provide for the safety of the prisoners until the prison is made secure.
Quick Reaction Team (QRT).	**782.** In all Central and District Prisons, there shall be a Quick Reaction Team (QRT) consisting of sufficient numbers of suitable guarding personnel. The Quick Reaction Team shall be under the charge of an Assistant Superintendent under immediate supervision of the Deputy Superintendent (Security) and shall always be ready to meet any emergency. The team shall carry wireless sets for connectivity and the required modern lethal and non-lethal weapons that can be used in emergency. Quick Reaction Team shall be used for its specified duties only. As far as possible, it must be selected from young, honest, dutiful and trust worthy Officials. Quick Reaction Team may also be provided a suitable vehicle for patrolling along the main wall of the prison. This Quick Reaction Team shall be under the charge of an Assistant Superintendent and the supervision of the Deputy Superintendent (Security) and shall always be ready to meet any emergency. The Superintendent shall personally satisfy himself that the Quick Reaction Team is properly trained, equipped and at alert all the time. The Standard Operating Procedure (SOP) on the Quick Reaction Team shall be circulated in each prison by the Director General. In the case of shortage of guarding personnel, the District Superintendent of Police may be requested by the Superintendent for providing the Quick Reaction Team.
Custody of articles facilitating escape.	**783.** All staff members especially the Deputy Superintendent (Security), Assistant Superintendent बवदबमतदमक ंदक हनंतकपदह चमतेवददमस ेींसस ंज ंसस जपउमे इम तमेचवदेपइसम जव मदेनतम जींज दव संककमतेए चसंदोएbamboos and ropes, which are likely to facilitate escape, are left lying in the prison. If such materials are to be taken inside for use these shall be properly escorted and shall be sent out of the prison after नेमण् म्अमतल ूंतकमत पद बींतहम व ि ूवतोवच ेींसस इम तमेचवदेपइसम जव ेमम जींज ंसस ेनबी ंतजपबसमे ंतमproperly secured and put away when work ceases and give a certificate to that effect in the lockup register.

Situations to be handled on an emergency basis.	**784.** The following situations shall be handled as emergencies, namely :– (a) escape from prison; (b) outbreak; (c) riots; (d) strikes; (e) hunger strike (individual or mass); (f) assault; (g) suicide; (h) accidents; (i) fire;

	(j) epidemic; (k) food poisoning; (l) overcrowding; (m) failure of water supply, electric lighting arrangements and other essential prison services like conservancy and plumbing; (n) non-supply of food or raw materials resulting in the interference of prison routine; (o) flood; (p) earthquake; (q) terrorist attack; (r) bomb explosion; (s) war/bombing; (t) nuclear, biological and chemical disasters; and (u) any other man-made/ natural disasters.
Measures to prevent and control emergency situations.	**785.** The Superintendent shall be responsible for preventing and controlling emergency situations in conformity with the Disaster Management Act 2005 (Central Act 53 of 2005) and any other Act, that may be relevant and all other instructions or orders issued by the competent authority from time to time. He shall use all the measures available and the required force to tackle the situation.
Equipment for emergencies.	**786.** (1) Each prison shall be properly equipped with the following to meet various types of emergencies, namely :– (a) suitable firefighting equipment; (b) emergency lighting arrangements like electric torches, inverter back up and generator; (c) searchlights; (d) steel helmets; (e) canes; (f) tear gas equipment; (g) water hoses; (h) telephones, inter-communication system and wireless sets; (i) arms and ammunition; (j) ladders, axes, knives, ropes, chains, handcuffs, alarms and sirens; (k) first aid kit; and (l) stretcher. (2) The Government may consult Ministry of Home Affairs / National Disaster Response Force/ State Disaster Response Force for revision of the list of such equipments from time to time. The Superintendent shall obtain necessary sanction of the Director General for the purchase of articles mentioned above. It shall be the responsibility of the Superintendent to ensure that all these equipments are always kept in a good condition for use in an emergency.

Preparations for emergencies.	**787.** Drills for handling emergencies shall be held at regular fixed intervals and report in this regard shall be submitted to the Director General.
Escape and disturbance.	**788.** The precautions to be taken and the procedure to be adopted to guard against and deal with cases of escape and disturbance in prisons are as follows, namely: - (a) every prison shall have a pre-arranged signal to be known as Alarm, through which information may be conveyed to all staff members and the nearby police station of the occurrence of an outbreak, escape or other untoward events; (b) the sounding of the alarm shall be of a different tone to that used for ordinary parades; (c) promptitude in starting an alarm is a most urgent and important duty. When a prisoner is discovered to be missing or a disturbance has broken out or is on the point of breaking out, no attempt at a search or suppression as the case may be, shall be made till measures are first taken to give the alarm. The fact that the missing man was found or the disturbance put down without the necessity of doing so, shall not be accepted as palliating in any way neglect of this order; (d) the guarding personnel who first notices the incident shall keep blowing his whistle continuously and all guarding personnel on hearing it, shall repeat the whistle till the continuous sounding of the high pitch siren at the prison gate shows that the information has reached there. A sentry on hearing a whistle or a bell or gong sounding the alarm in any part of the prison or its neighbourhood, shall repeat the alarm till the whole establishment is thoroughly aroused; (e) information, as is known regarding the character of the occurrence that has or is about to take place, shall be communicated at once to the Control Room, so that the superior officers may be in a position to direct operations accordingly; (f) when a prisoner is found to be missing or in the event of any attempt to break prison or on any other disturbance taking place or even appearing imminent, an alarm parade shall be called and the Deputy Superintendent (Administration) shall at once convey brief information of what has happened to the Superintendent; (g) on hearing the sound of the alarm, the warders in charge of gangs outside the prison shall collect their prisoners and march them to a pre-arranged place; **NOTE.-** As an alarm parade may be ordered at any time and it is of importance that prisoners shall not know whether any given parade is merely for practice or not, the same attention shall be given on all occasions. In the case of an attempt on the part of a body of prisoners to break out of the main gate, it shall be unwise to open the gates or wickets to return extramural gangs into the prison until the enclosure in the vicinity of the inner gate is first cleared of prisoners for this reason gangs at work outside shall, on the occurrence of an alarm be chained up where the work is in progress. (h) at times of alarm, all prisoners inside the prison shall be locked into the nearest or most बवदअमदपमदज ूंतकए ूवतींवचए वत वजीमत इनपसकपदहए ंदक हनंतकपदह चमतेवददमस वद कनजल ेींसस keep a watch on the places of confinement of prisoners; (i) on the sound of the alarm, every guarding personnel (except warders in charge of gangs), shall proceed immediately, no matter where or how engaged or whether in proper uniform or not, to the prison armoury and arm himself with lethal and non- lethal weapons with sufficient ammunition. He shall then fall into line and place himself under the orders of the Superintendent or other senior officer present;

(j) the procedure to be followed by the Superintendent must necessarily depend on the character of the occurrence with which he has to deal. In all cases, however, a sentry shall be posted on the roof of the main gate or other position where he can command a view of the interior of the prison, and two small packets, each in charge of a Head Warder or senior Warder, shall be dispatched to take up positions near the rear angles of the prison and instructed to prevent any attempt on the part of prisoners to scale the walls in that direction;

(k) few guarding personnel be set aside as a reserve to render assistance at any point where their services may be specially required and with instructions to proceed to the spot from which the sound of a rifle shot comes (guarding personnel in need of assistance shall fire a shot in the air to intimate the fact);

(l) if it be a case of escape or disturbance outside the prison, it shall be the duty of the Superintendent to dispatch his spare men in search of the missing prisoner or to take measures to quell the disturbance, as the case may be, using his powers with discretion and effecting his object with as little display of force as is under the circumstances necessary;

(m) in case it be a case of riot or disturbance inside the prison, the Superintendent shall lead his men to put it down. Before taking such a step, however, he shall first satisfy himself through enquiry from the sentry on the roof of the gateway that there are no prisoners in the enclosure in the vicinity of the gate. The gate shall not be opened till the crowd is dispersed, and this shall be effectually done from the gateway roof. He shall then lead his men in double file or in "threes" between the gates. When the outer gate has been locked, the inner one may be opened and the men marched in double time to the scene of the disturbance, to act as the officer in command may dictate; (n)

whether an alarm is real or false all the details, from the preliminary whistle of the guarding personnel to the conclusion of the search for the missing prisoners or the suppression of the disturbance as the case may be, shall be carried out. To accustom warders to the different circumstances with which they may be called upon to deal and test their preparedness to turn out at short notice, an alarm parade shall be held randomly at any hour of the day or night without previous warning and started from one of the place where prisoners are usually assembled;

(o)

in the case of an escape or disturbance at night or after all the gangs are inside the prison, the same method of starting an alarm shall be followed namely the blowing of a whistle and the communication of the necessary information to the Control Room by the patrolling officer, if after lock-up or by some junior official if before that time. A sentry shall be posted over the main gate and the necessary pickets sent to the rear of the prison to frustrate any attempt at an escape as is done in alarm parades by day. If it is reported that a prisoner has escaped and it appears probable that he is still lurking within the prison, warders with lighted torches shall be posted at intervals inside the enclosure walls and the remaining warders divided into two parties each with lighted torches, one to search inside and the other outside the prison;

NOTE.- Sufficient number of torches shall always be kept ready for use in a box at the main gate and at the Central Control Room.

(p) it is the duty of the gate sentry at times of alarm to defend the gate and to protect any officer of the prison or other person to whom a prisoner may be actually using violence;

(q) absolute silence shall be preserved at alarm parades and all the details carried out in an orderly and systematic manner. The Assistant Superintendent, Sub Assistant Superintendents, guarding personnel who have to take charge of detached parties of men shall be informed before hand of the duties required of them so that they may know exactly what to do and where to go when the alarm sounds without waiting for instructions from the officer in-charge;

(r) in case of a disturbance, the Superintendent shall keep his men together in line and not allow them to approach the body of prisoners nearer than thirty yards from which distance he is in the best position to deal with the rioters. A few warders shall, in all cases, be armed with batons and supplied with handcuffs to arrest and secure any ring- leaders or escaping prisoners;

NOTE.- Police tear gas squads may be requisitioned in the case of emergency whenever considered necessary.

(s) the alarm shall be concluded by blowing the "retire" on a bugle or sounding the alarm gong as a signal for all officers who took part in the parade to return to the prison gate, full into line, and be dismissed by the Superintendent or Deputy Superintendent; and (t) Deputy Superintendent (Administration) and Deputy Superintendent (Security) shall note in their journal the date and hour at which the parade was held, the time taken by the warders to fall in and arm themselves, the names of any subordinates who were late or absent and any defects that were noticed.

NOTE. - A copy of such report shall be submitted to the Director General by the Superintendent giving details of the action proposed to be taken against defaulters, if any, immediately after holding the alarm parade.

Duty of Deputy Superintendent.	**789.** As soon as a report of an escape is received, the Deputy Superintendent present on duty or another senior officer on duty shall dispatch a party of sufficient strength to search the locality where the escape has occurred and inform the Superintendent of the escape who in turn shall take suitable action for apprehending the escaped prisoners.
Action to be taken in case of disturbance likely to develop into serious a lot.	**790.** In the event of a disturbance occurring in the prison which is likely to develop into a serious riot, the Superintendent shall send a message to the District Superintendent of Police and the District Magistrate or in their absence the next senior officer present in the station on the telephone or by e-mail, inform him about the situation and if the Superintendent considers that the presence of the District Superintendent of Police or the District Magistrate or in their absence the next senior officer is necessary, he shall at the same time, request them to come to the prison. On receipt of such a message, the above-mentioned officer shall immediately proceed to the prison and it shall be open to them to take all such measures as may be necessary in the special circumstances of the case to restore order. All action taken shall be promptly reported by him to the higher authorities.
Assistance from police.	**791.** (1) The Superintendent shall, in consultation with the Superintendent of Police, make such arrangements for a concerted plan of action in the case of an outbreak or escape, as may seem advisable. (2) The Deputy Superintendent (Security) shall, on the occurrence of an escape or outbreak, send word to the officer in charge of the nearest police station.

Notice of an escape sent to certain officer.	**792.** (1) When an escape has taken place and attempts at recapture have been in-effectual, immediate notice shall be sent to the Superintendent of Police and to the District Magistrate accompanied in each case by a descriptive roll of the prisoner with all the information available including his usual place of residence, for the purpose of identification. If the prisoner belongs to a district other than that in which he was confined, reports and descriptive rolls shall be sent to the Suprintendent of Police and Magistrate of that district as well as to all the districts he is likely to traverse on his way to his home. A report and descriptive roll shall also be sent to the Inspector-General of the Railway Police in case a prisoner is likely to avail himself of the railway and if it appears expedient, the information shall be sent to the police of other districts. (2) The Superintendent shall, on the occurrence of an escape or any other serious unusual event, immediately report to the Director General, Commissioner of Police/Superintendent of Police, District Magistrate and District and Sessions Judge.
Report to Director General of escape and recapture.	**793.** (1) A brief report on every escape that has taken place shall be submitted to the Director General at once, to be followed by a full report detailing the results of the inquiry which the Superintendent shall make as soon after the occurrence as possible. A copy of the judgment in the case of a prisoner tried for escaping shall also be submitted to the Director General. In case of escapes that have not occurred due to negligence alone but as part to some defect in the buildings or in the method of guarding, such defect shall be clearly pointed out. (2) A report of the recapture of a prisoner shall be made to the Director General giving particulars of the date and circumstances of recapture and such additional details of the escape as may be elicited from the prisoners. **NOTE.** - The detailed report shall be submitted in duplicate for transmission of one copy to the Government.
Attempt to escape to be reported.	**794.** (1) Every attempt to escape with the particulars in each case, shall be reported to the Director General accompanied by a descriptive roll of the prisoner. (2) A brief report of every attempt to escape shall also be made to the District Magistrate and District and Sessions Judge.
Rewards for recapture.	**795.** (1) The Superintendent may give a reward fixed on the consideration of all the circumstances but in no case exceeding Rs. 10,000 for the recapture of any escaped prisoner irrespective of the prisoner's sentence. (2) Whenever peculiar circumstances render it expedient to officer a large reward, special application shall be made to the Director General who is empowered to sanction upto Rs. one lakh for the recapture of any prisoner. In case, the Director General considers that a still higher reward is necessary, he shall refer the case for the orders of the Government.

	(3) No rewards for the recapture of a prisoner who escape from the custody of the police shall be paid by the Department. **NOTE 1.-** Any Government servant may receive without special permission, any reward offered for the arrest of a criminal etc. **NOTE 2.**- When two or more persons have been instrumental in the recapture of any prisoner who has escaped from the prison, the reward shall be divided amongst them in such manner as the Director General may direct.
Reward for prisoner preventing an escape.	**796.** Every prisoner who assist in any way whatsoever in preventing an escape shall, if he cannot be adequately rewarded by the Superintendent under the remission rules, be brought to the notice of the Director General for consideration and for giving an adequate award.
Procedure on recapture of prisoner.	**797.** (1) On the recapture of a prisoner, the fact shall be notified to the Director General, District Magistrate, District and Sessions Judge and the Superintendent of Police immediately. (2) A recaptured prisoner may be admitted into and detained in prison in the authority of his original warrant and the time he was atlarge does not count as sentence served. (3) Every prisoner who at any time escapes or attempts to escape from any custody in which he is lawfully detained after admission to prison, shall if he is of the casual class forthwith be removed from that class and be placed in the habitual class.
Punishment for facilitating an escape.	**798.** Every staff member, because of whose assistance, connivance or neglect, an escape takes place, shall be prosecuted under relevant provisions of the law unless very extenuating circumstances are present or the Superintendent considers the evidence insufficient to procure a conviction.
Prisoner not recaptured to be entered in escape register and history-ticket.	**799.** The name, register number and date of escape of every prisoner who has escaped and has not been recaptured shall be entered in a blank page of the release register and copied into every subsequent register brought into use for ten years unless he has been recaptured in the meantime then his name shall be marked off and the date of recapture noted.
Procedure when a sentence in connection with an escape is inadequate.	**800.** When a sentence passed on a prisoner for escaping or attempting to escape or on a prison officer for negligently suffering or conniving at the same, be in the opinion of the Superintendent inadequate, he shall file an appeal before the competent revisional court with a view to the enhancement of the punishment.
Report of assualt or disturbance.	**801.** (1) A full report of every serious assault committed by a prisoner on an officer of the prison and of every serious disturbance of combined outbreak amongst prisoners shall be submitted to the Director General. (2) म्अमद ूीमतम जीमतम ींि इममद ं बवहदप्रंइसम बतपउम ूीपबी पे जव वितउ जीम ेनइरमबज व िचवसपबम and magisterial inquiry and subsequently ends in a criminal trial, the Superintendent must at once

	conduct inquiry and submit the result to the Director General on the aspect of prison discipline and the observance of rules involved in the case and if he finds that any officials are to blamed, he shall state how he proposes to deal with them.
when permitted.	**802.** Any staff member may use bayonet or any other weapon against any prisoner when he is found to be, - (a) escaping or attempting to escape, if the staff member has reasonable ground to believe that he cannot otherwise prevent the escape; (b) engaged in any outbreak or attempt to force or break open the outer gate or enclosure wall of the prison individually or collectively provided that he may use the weapon only if such an outbreak or attempt continues; (c) using violence against staff members or other persons provided that there is reasonable ground to believe that the staff member or any other person is in danger of loss of life or limb or that serious injury is likely to be caused to such staff member/person.

Warning.	**803.** Before using fire-arms against a prisoner under the authority conveyed in rule 802, the officer of the prison shall give a warning to the prisoner that he is about to fire on him.
superior officers.	**804.** No staff member shall in the presence of his superior officer use arms of any sort against a prisoner in the case of an outbreak or attempt to escape except under the orders of such superior officer.
Employment of convicts on dangerous work.	**805.** When prisoners are employed in work of a dangerous character, it shall be the duty of the staff member conducting the work to take every reasonable precaution to guard against accidents.
poisonous drugs.	**806.** Poisonous drugs and drugs inducing drowsiness, surgical instruments and other similar things shall not be left within the reach of the prisoners. Every receptacle containing any poisonous drug shall be labeled "Poison" in large printed characters. All these shall be kept under lock and key and the keys shall remain with the in-charge of the drug store. Under no circumstances, such key shall be entrusted to a prisoner.
Prevention of fire.	**FIRE** **807.** (1) All electricity lines and equipments shall be checked regularly and any fault therein shall be rectified without any delay. (2) All staff in-charge of offices and stores shall take a round of the offices and store rooms before they are closed for the night and satisfy themselves that everything is safe. (3) थ्पतम ेींसस इम नेमक पद जीम ू वतोीवचे पद चतवचमतसल बवदेजतनबजमक पितमचसंबमे ं दक जीम ेमदपवतवf िपबमतए ूीव सवबो नच जीम चतपेवदए ेींसस ेंजपेलि ीपउेमस िइमवितम समंअपदह जींज जीमेम

	पितमे ं तम चतवचमतसलextinguished. The concerned senior technical staff of the section shall also be responsible in this regard. (4) Piped LPG shall ordinarily be used in the prison, in case piped LPG supply is not available, it shall be ensured that gas cylinders are stored in a secured room in accordance with the safety rules for storage of LPG cylinders and that no prisoner has access to such place. If any fire occurs, nobody shall be allowed near the gas room until the fire is completely quelled. (5) There shall be fire hydrants and firefighting equipments (sand and water buckets) in all parts of the prison and especially at all vulnerable points decided in consultation with the District Fire Officer. (6) Electric installations in the prison shall be inspected at regular intervals. No loose wire and open junctions or joints shall be allowed. (7) Each Superintendent shall draw up instructions on fire safety and the drill to be adopted in his prison showing the respective duties of all members of the prison establishment on an alarm of fire being given. He shall make the staff rehearse the fire drill at least once in six months**.** This shall include firefighting safety measures and evacuation techniques. (8) In the event of a fire, immediate information to the fire brigade shall also be sent. Till help from the fire brigade is received, every attempt to quell the fire shall be made. In the event of fire breaking out in the prison by day or night, the alarm shall be sounded. In the event of fire in a ward, the first priority shall be to evacuate the prisoners from the ward and nearby buildings and put out the fire. (9) The Superintendent shall undertake all necessary measures to ensure that fire does not spread to other parts of the prison and the lives of prisoners and of members of the staff are not endangered. (10) No cooking shall be allowed. Coal stoves provided for heating food shall be placed outside the sleeping ward. No firewood or hay or other inflammable material shall be stored anywhere in the prisoner's enclosure.
Removal to a segregation building.	**EPIDEMICS** **808.** (1) On the occurrence of a case or suspected cases of any infectious disease, the Superintendent shall contact the Civil Surgeon for making necessary arrangements and the prisoners shall be shifted to an infectious disease hospital outside the prison. On the request of the Superintendent, the District Superintendent of Police shall deploy necessary police guard for the safety and security of the prisoners.

	(2) If the suspected cases of infectious disease are expected to be large in number, the Superintendent shall send a written request to the District Magistrate to identify a separate building for the segregation of prisoners outside the prison walls. (3) Once the report regarding the identification of the building is received from the District Magistrate, the Superintendent shall visit the said identified building and satisfy himself that the building is safe and secure to prevent any escape. The Superintendent shall send his written request along with his recommendation to the Director General for getting the building declared as Segregation and Isolation Facility from the Government. (4) Once Segregation and Isolation Facility shall be notified by the Government, the suspected cases of any infectious disease in the prison shall not be taken to hospital but shall be immediately shifted to one of these notified Segregation and Isolation Facility. On the request of the Superintendent, the District

	Superintendent of Police shall deploy necessary police guard for the safety and security of the prisoners in and around such 'Segregation and Isolation Facility'. (5) The Director General may notify one or more prisons as Segregation and Isolation Facility to isolate the infected or suspected cases of disease amongst the prisoners. In such a case, the Director General may transfer all the prisoners already confined in the notified prison to other prisons and shift the infected cases of disease in such Segregation and Isolation Facilities. (6) On the request of the Superintendent, the District Superintendent of Police of the district from where the infected prisoners are to be shifted, shall provide the necessary vehicles and police guard to transfer the prisoners to the notified prisons. (7) The Health Department shall ensure that sufficient number of medical staff, paramedical staff, required equipments, medicines and all other necessary arrangements are timely made available in the notified prisons and 'Segregation and Isolation Facilities'.
Vaccination or inoculation.	**809.** Whenever a case of an epidemic occurs, the Medical Officer shall at once arrange for vaccination or inoculation, as the case may be, of all prisoners, prison personnel staff and members of their families.
Accommodation of patient.	**810.** Overcrowding shall be strictly avoided both in the hospital as well as in every cell and ward. If the epidemic is severe then it may be desirable to use the entire hospital for treatment of epidemic cases, shifting all other cases to a temporary hospital that can be set-up in a ward, barrack or work shed (if no better place is available).
Cleanliness of prisoners.	**ैजमतपसप्रंजपवद व िकतपदापदह ूंजमत** **811.** Special attention shall be given to the cleanliness of prisoners and their clothing. The water used for washing shall not be allowed to remain within the prison walls.
Disposal of an infected corpse.	**812.** The body of a person who has died of an infectious disease shall be wrapped completely in a sheet saturated with 2% carbolic or cresol lotion and buried/cremated without the least delay after completing all the legal formalities.
Power to Superintendent to culminate hunger strike.	**HUNGER STRIKES** **813**. (1) The Superintendent may take all measures/steps including stoppage of privileges, shifting from one barrack to another etc. All measures shall be taken through all means to ensure that the hunger strike is peacefully culminated. (2) Prisoners who go on hunger strike shall be warned that no redress of any alleged grievances shall be allowed as long as the strike continues and that they shall be liable to any prison punishment or to prosecution as per various provisions of law. (3) Prisoners who are found to be inciting the other prisoners to be part of hunger strike shall normally be transferred immediately to high security ward of other prison within the State with the approval of the Director General.

	(4) The Superintendent shall keep sufficient number of guard as 'Reserve Guard' to deal with any kind of eventuality. (5) Food shall be regularly placed before them and in case they refuse to eat, the same shall be disposed off.

Forcible feeding of prisoners on hunger strike.	**814.** It is the duty of the prison authorities to do what they reasonably can to keep prisoners under their charge in good health and to save them from death. Therefore, if a prisoner is likely to cause his own death by continuously refusing to take food, the Medical Officer may direct that the prisoner be forcibly fed to keep him alive. Forcible feeding shall not be attempted with unnecessary violence.
Daily report to Director General.	**815.** The Medical Officer shall furnish daily reports to the Superintendent on the health of the prisoner who is on a hunger strike. He in turn shall forward it to the Director General. The Superintendent shall also send a report to the District Magistrate.
Overcrowding to be reported and measures to relieve overcrowding.	**OVERCROWDING** **816**. As soon as prisoners in excess of the available accommodation are received in any prison or hospital, the Superintendent shall submit a report to the Director General with a statement of the measures which he proposes to adopt to relieve the overcrowding and such temporary arrangements, ंे ीम जीपदो इमेजए ैींसस ंज वदबम इम ंकवचजमक वित जीपे चनतचवेमण्
Keeping prisoners in sheds or tents.	**817.** Prisoners in excess of the accommodation shall not except as a temporary measure, be placed in work sheds or verandahs but shall be kept in sheds or tents inside the prison. The Superintendent shall always obtain prior sanction, whenever necessary, for incurring expenditure in this regard and shall ensure economy in every aspect. He shall make all the necessary security arrangements against escapes.
Earthquake.	**818.** In the event of an earthquake, the following action shall be taken namely: – (a) prisoners shall be asked to walk towards an open place, in a calm and composed manner; (b) prisoners shall be asked to take cover (kneel down and cover head with arms); (c) prisoners shall be asked to remain in the same position for a few minutes due to after- ेीवबोय (d) prisoners shall be kept at least fourteen feet away from windows, mirrors, chimneys, tall book cases, furniture, old and high buildings, poles, trees and electric wires; and (e) evacuation and rescue measures shall be undertaken on instructions from an evacuation team and unnecessary crowding of affected area shall be avoided.
Other Emergencies.	**819.** The Superintendent shall be required to be vigilant whenever there is law and order problem in the city and also to be watchful during extreme climatic conditions especially for floods during summer and rainy seasons. Suitable action shall be taken according to the requirements in cases of other emergencies

	as well. The Superintendent shall keep the Director General informed of the circumstances. The Superintendent shall approach the District Magistrate/District Superintendent of Police in all special and critical circumstances for remedial action. A contingency plan be in place at मअमतल चतपेवद जव जंबासम ंदल मउमतहमदबल े पजनंजपवद े नबी ंे ं जजंबो तिवउ वनजेपकम ं दक े पउपसंत मअमदजेण्Senior officers shall review such contingency plans during their visits/inspections.

Committee to recommend sites for new prisons.	**CHAPTER 37** **INSTITUTIONAL FRAMEWORK AND PUBLIC WORKS** **820.** (1) The Director General shall constitute a committee to recommend sites for new prison. The site recommended by the committee shall be subjected to the approval of the Director General. If the Director General accepts the committee's recommendation then the matter shall be referred to the Government for its sanction. (2) While selecting the site for new prisons, factors like transport facilities, water supply, electric lighting, connections with high power electric transmission lines, drainage and sewage, approved means of communication facilities (such as posts, telephones and internet), climatic conditions, facilities for the purchase of institutional supplies, proximity to institutions like court, civil hospital, mental health centre, schools for children of staff members shall preferably be taken into consideration. Additionally, the site for new prisons shall not be near easily flooded and inundated areas, frontiers and international borders, airports and congested urban localities.
Prison architecture norms for construction of new prison building.	**821.** The construction of all new prison buildings shall ordinarily be based on the following norms namely:– (a) no building, other than the prison, shall be constructed within hundred meters of the prison wall of a Central prison and within seventy five meters of the prison wall of a District and sub prison. Prison premises shall be demarcated as 'Out of Bound Area' as a sterile zone and the right of entry in the prison premises shall be reserved with the Superintendent; (b) area enclosed within the four walls of a prison shall not be less than eighty-five square meters per head of total capacity. Where land is scarce, like in big cities, the minimum area shall be sixty square meters per prisoner; (c) prison shall have perimeter walls. The height of the perimeter wall shall be twenty-one feet. The height of the wall of the female's section inside the prison shall be eighteen feet. The other internal walls shall be minimum ten feet in height; (d) no building inside a prison shall be nearer than hundred feet to the outer perimeter wall; (e) इंततंबो ेींसस ींअम ं चमतउंदमदज ेजतनबजनतम बंचंइसम व िचतवजमबजपवद व िजीम चमतेवददमस पद बंेमof any hostile situations. There shall be provisions for necessary lighting and fan arrangements with a power back up from the stand-by generator/invertor inside the prison. There shall also be provision for a sanitary type toilet with flushing ंततंदहमउमदजे ंदक बनइपबसम जलचम इंजीतववउे ूपजीपद जीम इंततंबोय (f) energy efficient lighting source shall be used inside the prison building. Renewable energy dependent lighting may be considered for the purpose of street lighting; (g) right from the designing phase of construction, 'Green Building' concept shall be considered to ensure an environmentally responsible and resource-efficient prison premises; (h) all prison buildings shall have rain water harvesting system and sewerage treatment plant;

	(i) all constructions shall adhere to BIS standards; (j) it shall be ensured that there is no structural defect in the exclosure wall grantings or in any other part of the building which can be source of support to any convict who intends to escape. **NOTE. -**CCTV cameras shall be installed in every prison at all sensitive and vulnerable points including living areas of the prisoners, except in bathrooms/toilets and living areas in female enclosure.
Outer periphery wall.	**822.** (1) The prison premises shall be a closed area. An outer wall at least six feet in height and further having two feet six inches concertina wire on top of it shall be constructed around the prison premises. Watch towers at four corners may also be constructed for security and observation purposes. There shall be single point entry to the prison premises with sentry post and proper barricading. (2) As far as feasible, an outer wall at least eight feet in height shall be constructed around the residential complex of staff members. There shall be a single point entry to the residential complex with a manned gate.

Walls of prisons.	**823.** (1) The outer walls of every prison shall be rounded on top: cornices, projections of any sort or broken glass, which shall not afford a hold for a blanket or cloth. At every junction of a partition wall with the outer wall and at every angle in the outer wall, a sufficient addition shall be made to the height to prevent the possibility of any prisoner scaling the wall at these places. The main enclosure wall of a prison shall ordinarily not be less than twenty feet high and a clear space of hundred feet shall be left between it and any building on either side of it. (2) A second wall of similar architecture and minimum eighteen feet of height shall be constructed at every prison. The distance between these walls shall not be less than thirty feet. (3) A suitable road shall be constructed along these walls on both sides to enable easy patrolling.
Construction of residential complex for staff members.	**824.** In every prison a residential complex for staff members shall be constructed. The houses/hostel shall be constructed as per policy of the Government/Department. A Community Centre-cum- Gazetted Officers Mess, Warder Hostel-cum- Non Gazetted Officers Mess and Health and Wellness Centre shall be constructed at every prison.
Watch Tower.	**825.** (1) At least six watch towers shall be constructed in every Central and District Prisons. Provided that the distance between two watch towers shall not be greater than hundred meters. (2) Watch towers shall be in circular with minimum radius of eight feet. (3) As far as feasible, watch tower shall have circular cemented staircase. (4) As far as feasible, the distance between outer wall and centre of watch tower shall be

thirteen feet.

(5) Toilet and washbasin shall be provided in each watch tower.

(6) Mesh grill shall be installed in every watch tower.

wards and cells.

826. (1) The accommodation capacity of wards, cells and other compartments intended for occupation by prisoners shall ordinarily be regulated by the scale of superficial and cubical space and lateral ventilation in respect of each prisoner shall be as shown in the following table, -

SLEEPING BARRACKS			CELLS			HOSPITALS	
Square meters of ground areas	Cubic meters of air space	Square meters of lateral ventilation	Square meters of ground areas	Cubic meters of air space	Square meters of lateral ventilation	Square meters of ground area	Cubic meters of air space
3.71	15.83	1.12	8. 92	33. 98	2.23	5.58	23.75

(2)	The doors and windows shall be provided to the barracks, cells and hospitals in prisons

to protect the prisoners from rain and cold. The shutters shall be fixed outside the iron gratings.

(3) ।ततंदहमउमदजे वित कवनइसम सवबो ंतम तमुनपतमक वित ेमबनतपजल बमससे इनज ेपदहसम सवबा पे ंसस जींज

is required for other cells. Combined locking arrangements for cells are unnecessary.

(4) मंबी चतपेवद ेींसस ींअम ं चतवचमत पदजमतअपमू तववउ व िनपजंइसम ेप्रम ंबबवतकपदह जव जीम जवजंस

capacity of the institution and the average number of visitors coming every day for interviews with the prisoners. Transparent toughened glass with intercom facility for visitors who have interview with prisoners shall be preferred.

(5) In each prison, a waiting room with facilities like toilet, drinking water supply, seating arrangements etc. shall be constructed along with an enquiry office outside the main gate but not too close to it for the convenience of people coming for interviews and other purposes.

(6) A control room under the supervision of the Superintendent shall be established in or near the main gate in each prison. It shall function as the nerve center for the entire prison.

(7) Each prison shall have video conferencing rooms with adequate infrastructure and connectivity for trial of prisoners.

Verandas.	**827**. ।सस इंततंबो ंदक बमससे ेींससए प िमिंेपइसमए इम चतवअपकमक ूपजी अमतंदकंे दवज समे जींद जूव उमजमते पद width.
wards and cells.	**828.** There shall be ceiling ventilation that is opening at intervals close to the junction of wall and ceiling. The minimum height of roofs or ceilings shall not be less than eleven feet from the floor**.**
Certificate for fitness for occupation.	**829.** No newly constructed ward, cell or other compartment shall be occupied by any prisoner until the Medical Officer and the Superintendent have certified that such ward, cell or other compartment is, in all respect, fit to be so occupied.
Capacity of wards to be inscribed over the door.	**830.** Over the door of every ward and other compartment ordinarily used as sleeping accommodation for prisoner shall be inscribed the following particulars, namely :– (a) superficial floor-area stated in square feet; (b) amount of air-space it contains stated in cubic feet; and (c) number of prisoners, calculated on the superficial area or cubic space, whichever is less, which it is capable of accommodating. **NOTE. -**Ordinarily, the number of prisoners confined in a housing unit shall not exceed its ंनजीवतप्रमक ंबबवउउवकंजपवद इनज पद दव बंेम ेींसस इम हतमंजमत जींद वदम ीनदकतमक पिजिल चमतबमदज व िनजीवतप्रमक ंबबवउउवकंजपवदण्
Sleeping berths in wards.	**831.** Every ward or other compartment intended for the accommodation of prisoner by night shall be provided with masonry sleeping berths, equal in number to the capacity of the ward according to the prescribed scale. Each berth shall be six and a half feet long, two and a half feet broad and eighteen inches high and shall be constructed with a slight slope down from the head. The head of each berth shall be on the opposite side to the heads of the berths (if any) on either side of it. The space between every two berths shall ordinarily not be less than two feet. In case plinth construction पद जीम इंततंबो पे कवदमए ेचंबम ेींसस इम ूवतामक वनज ंबबवतकपदह जव जीम चतमेबतपइमक ेबंसमण् ।सस इमतजी ेींससbe numbered.
Space for personal belongings.	**832.** Space for personal belongings of the prisoners shall be provided to each prisoner.
Norms for construction of main entrance हंजम ं दक इसवबोnear to main gate.	**833.** छमू बवदेजतनबजपवद व िउंपद हंजम ंदक इसवबो दमंत जव जीम उंपद हंजम ेींसस वतकपदंतपसल इम इंेमक वदthe following norms, namely: – (a) dimension of main gate shall be at least fourteen feet in width and sixteen feet in height so that a fire tender, concrete mixer truck vehicle or a borewell rig shall pass through it. The main gate shall be a double gate arrangement made up of a strong steel frame having vertical round or square steel bars of twenty-five mm diameter or thickness. Space between two gates will not be less than sixty feet in length and fifty feet in width and eighteen feet in height to facilitate gate operations. Each gate shall have a wicket-gate of at least three feet in width and seven feet in height. The main gate and the wicket-gates shall have strong locking arrangements from inside. Both gates shall have arrangements for easy opening and closing of

	shutters. The gates shall be covered with iron sheet from outside up to the height of ten feet. The wicket-gates shall have peepholes covered with lead at eye level; (b) there shall be a properly designed administrative block for each category of prison adjacent to the main gate and shall have office rooms, record rooms, store room, conference hall, common rooms and control rooms for efficient functioning of the administration. Adjacent to the administrative block shall be the interview room and visitor's hall with cloak-room and toilet with a separate entrance to the hall from outside;

	(c) there shall be a reception ward, near the main gate which shall have necessary facilities for proper implementation of admission-quarantine-orientation-classification चतवहतंउउमण् प्ज ेीं सस ीं अम ेमचंतंजम इंततंबो वित नदकमत जतपंस चतपेवदमते ं दक बवदअपबजेए मिूindividual cells, open working shed, and an office; (d) The main gate shall be suitably painted with colours.
Central control room.	**834.** A central control room with sufficient infrastructure to conduct daily prison routine and to control movement of prisoners in a proper and disciplined manner shall be constructed in every prison. A central watch tower shall also be constructed in each prison for surveillance of all prison premises.
Norms for construction of new wards and cells.	**835.** For construction of new wards and cells following norms shall be followed namely: – (a) there shall be two types of living accommodations i.e. wards and cells; (b) the minimum accommodation capacity and specifications of wards and cells shall be decided by the Director General; (c) the floor of the wards and cells shall be made of impermeable material such as cement and concrete; (d) each cell shall have a yard attached to it where a prisoner shall have the benefits of sufficient air and light; (e) जीम ेजतनबजनतंस ंततंदहमउमदजे व िपिजजपदहे ंदक पिगजनतमे ंदक सवबापदह कमअपबमे व िइंततंबोshall be secure enough to prevent escapes. The frames of the doors, windows and ventilators shall be iron/steel frames. The iron bars used in doors, windows and ventilators shall be of twenty-five mm. diameter of square cross section and the clear distance between two bars shall be 7.5 cm; (f) the enclosure wall of every ward shall be at least ten feet high. A barrack shall have only one main door of four feet in width and seven feet in height. The door of a barrack shall have clear opening of three feet. All other gates inside the barrack shall be made of iron gratings supported with a chain system. The doors and windows shall have iron frame made of angle iron of minimum of ten mm. thickness; (g) adequate number of lights, fans, and exhaust fans shall be fitted in every ward. Two lighting circuits shall be provided in wards: one for general lighting and the other for dim security light during sleeping hours.All toilets, verandas, courtyards and outer ंतर्मे व िइंततंबो ेीं सस इम पससनउपदंजमक ूपजी ं कमुनंजम सपहीजपदह जीतवनहीवनज दपहीजण् म्दमतहलsaving equipment shall be used wherever feasible;

	(h) a looking mirror (specially toughened) may be fixed in the courtyard of each ward for use of prisoners.
Accommodation of wards to be shown.	**836.** The accommodation available in each ward shall be shown in the lock-up register to enable the Superintendent to see whether any particular ward is overcrowded or not.
Norms for new construction of toilets and bathing facilities.	**837.** (1) Both the day and night latrines shall be of the sanitary type with arrangements for flushing. Latrines shall be so designed that all excreta and wash materials shall get into the receptacles without fouling the sites. (2) One day latrine for every ten prisoners and two night latrines in the sleeping wards shall be constructed. They shall be placed on an impermeable base which shall be higher than the surrounding ground and shall be so built that the sun's rays can easily enter the latrines and rain is kept out. (3) In each barrack, at least one toilet shall be of western type. Sufficient number of toilets shall be provided for staff members inside the prison premises at suitable locations. (4) Every seat shall be of stainless steel and shall be provided with foot rests with an impermeable surface which shall be in the right position and not too far apart. (5) The partitions separating the latrines shall be high enough to provide a reasonable degree of privacy. (6) The inside walls of latrine shall be fitted with glazed ceramic tiles up to the height of seven feet from the floor level, as far as possible.

Drainage of prison land and sanitary defects to be reported.	**838.** (1) The drainage of rain water from land around the prison shall receive careful attention and all low ground be filled up with clean earth. No high crop affording convenient cover to any prisoner for escaping or attempting to escape, be grown within fifty meters of the prison walls. (2) It shall be the duty of the Medical Officer to bring into the notice any shortcoming in hygiene and sanitation within the prison area or its vicinity. The construction of public latrines, sewers or drains or the existence of any other insanitary condition in the neighborhood of the prison likely to affect the health of the prisoners, shall be prohibited. The sewerage water from prison toilets and kitchens shall be treated by constructing aerobic sewerage treatment plants and the recycled water and sewer compost may be used for farming. (3) Exit points in prison walls for drainage of water/sewage shall be specially secured.
Norms for new construction of kitchens.	**839.** Construction of kitchens shall ordinarily be based on the following norms namely :– (a) the general kitchen shall ordinarily be located at a central place inside the prison so that the distribution of food among the prisoners may be finished quickly. The kitchen shall not be built close to the wards; (b) the minimum space requirement in the kitchen shall be hundred square meters per hundred prisoners, as far as possible. It shall facilitate sufficient space for storage of provision articles, vegetables, dressing and cutting food, containers and cooking utensils etc;

	(c) the kitchen shall be well ventilated and lighted; (d) the kitchen shall have ovens which shall be of the type in which the heat does not escape outside and the smoke is let out by a suitable chimney regardless of the type of fuel used; (e) the kitchen shall be protected by a fly proof wire mesh all around. Sufficient number of exhaust fans shall be installed and artificial ventilation may be provided if necessary. The kitchen shall be provided with fly-proof automatic closing doors; (f) each kitchen shall be provided with adequate supply of pure water which shall be used for both cooking and washing. The water shall be collected from taps inside the kitchen; (g) cooking and serving utensils shall be made of stainless steel. It shall be ensured that automated machines, piped LP Gas, appropriate cooking utensils, crockery, service vessels, vegetable choppers, masala grinders, hot cases, chapati warmers, refrigerators and other such instrument/equipment are provided in the kitchen as per requirement. Chimneys with air cooling system shall be installed in the kitchen as per requirement; (h) a provision for covered dining space in prisons so that prisoners may take their meals under a roof and on a platform; (i) the walls of the kitchen shall be provided tiles up to a height of seven feet for easy cleaning. It shall have floors made of an impermeable material; and (j) the kitchen complex shall ordinarily have a barrack to house the prisoners employed therein.
Norms for construction of hospitals.	**840.** The construction of hospitals shall ordinarily be based on the following norms namely :– (a) in every prison, a building near the main gate of the prison shall be earmarked as prison hospital with suitable number of rooms for men wards, female wards, isolation room for accommodating patients with infectious and contagious diseases and mentally ill patients, room for minor surgery, pharmacy, laboratory, storeroom for hospital furniture/equipment and room for medical officers. The hospitals will be provided with polyethylene sheets, fly proof wire mesh and fly proof automatic closing doors. Where such buildings are not available, two or three rooms or wards shall be provided for medical examination and treatment of sick prisoners. (b) the floors and walls of the hospital shall be made of impermeable material. Latrines and baths at the rate of one for every five patients shall be provided close to the hospital wards so that the sick prisoners do not have to walk far to use them. There shall be arrangements for continuous supply of potable water in the hospitals.

Construction of recreational facilities.	**841.** Proper arrangement (subject to security and discipline of the prison) for recreational facilities like grounds for outdoor games, auditorium for cultural activities, indoor games, yoga etc. shall be constructed.

Norms for new construction of industrial unit.	**842.** Each prison shall have an industrial unit. Existing spaces in all manufacturing units shall be renovated with a focus to reduce industry's overall energy requirements. The structure inside industrial unit may be exposed to loads, moisture, chemicals or fire, so adequate precautionary measures shall be taken to guard against such health and safety hazards including the provision of first aid kits, physical refurbishment of old equipments and adequate fire safety systems.
Temporary accommodation for prisoners.	**TEMPORARY ACCOMMODATION** **843.** Whenever it appears to the Director General that the number of prisoners in any prison is greater than that can conveniently or safely be kept therein, and it is not convenient to transfer the excess number to some other prison or whenever from the outbreak of epidemic disease within any prison, or for any other reason, it is desirable to provide for the temporary shelter and safe custody of any prisoner, provision shall be made by such officer and in such manner as the State Government may direct for the shelter and safe custody in temporary prisons of so many of the prisoners as cannot be conveniently or safely kept in the prison.
Procedure when it is necessary to provide shelter outside a prison.	**844.** Whenever it becomes necessary to provide for the temporary shelter and safe custody any of the prisoners without the walls of any prison, the Superintendent shall report the circumstances to the Director General, who shall if necessary take special directions of the Government.
General directions to be followed.	**845.** Subject to any special directions which may be given in any particular case under the provisions of the preceding rule, the general directions hereinafter following shall be observed whenever it becomes necessary to provide for the temporary shelter and safe custody of any prisoner without the walls of any prison.
Provision of tents to be maintained.	**846.** The Director General shall maintain, as reserve, a small number of tents at every prison for the relief of temporary over-crowding or any other emergency.
Tents to be kept serviceable.	**847.** Tents shall be kept in serviceable condition and used only for prison purposes. They should be frequently pitched and aired. Every tent shall be marked with (a) date of manufacture and (b) date of receipt by the prison concerned.
Precautions against overcrowding.	**848.** When the population of prison is approaching the maximum number for which there is accommodation, the Director General and the Superintendent of Police shall be informed with a view to having some of the convicts transferred or arrangements made for their temporary shelter outside, as the case may be.
Provision for custody of prisoners in excess of accommodation.	**849.** (1) All prisoners in a prison, in excess of the accommodation shall be provided with temporary shelter in huts or tents pitched outside or inside the main enclosure walls. (2) The safe custody of prisoners accommodated outside the prison shall be entrusted to the police.

च्इइसपब ूवतोण्	**850.** ज्ीम ळवअमतदउमदज उंल मदजतनेज ं दल ं हमदबल पण्मण् वित बंततलपदह वनज जीम चनइसपब ूवतो पदबसनकपदह दमू constructions, repairs and renewal of prisons.
न्जपसप्रंजपवद व िconvict labour.	**851.** प्द जीम मगमबनजपवद व िमअमतल चतपेवद ूवताए बवदअपबज संइवनत ेींसस इम नजपसप्रमक जव जीम निससमेज मगजमदजण्
Grants for annual repair and maintenance.	**852.** The Government shall release regular grants for annual repairs and maintenance of prisons.
for every prison.	**853.** There shall be a burial ground in every prison at a suitable place and distinctly marked off. It shall be used for the disposal of the bodies of such prisoners whose body cannot be handed over to relatives or friends because of security reasons. Portion of the burial ground shall be set apart for the cremation of the bodies of Hindus and the other portion for the burial of Muhammadans/Christians.

Vocational training in employable trades and occupations in prisons.	**CHAPTER 38** **LABOUR AND PRISON INDUSTRIES** **854.** In order to promote intellectual development of prisoners so as to impress upon their minds the importance of discipline and to develop better work attitude, the prison administration shall be responsible for providing vocational and on the job training in select trades and occupations in prisons with the approval of the Director General. The selection of trade for vocational training and work programs in the prison shall be made in accordance with the employability of the trade, marketability and probability of the product, potential of that training to enhance the prisoner's ability to adjust in the society and earn his livelihood after release. In each prison, selected trades नजपसप्रपदह उवकमतद चवूमत.कतपअमद उंबीपदमतल ेींसस इम जंनहीजण् मंबी जतंकम ेींसस ींअम पजे चतवकनबजपवदcenters also so that prisoners can be given on the job training as well as work experience.
Engaging under trial prisoners in work.	**855.** Apart from convicts, under-trial prisoners, if found suitable for the same and who volunteer to work, may also be employed on skill development programs and be given vocational training and shall be given remuneration on the same scale as specified for convicts.
Prison Work.	**856.** The Superintendent shall provide work to all prisoners convicted and sentenced to rigorous imprisonment, keeping the following factors in view, namely :– (a) physical and mental fitness of a convict for a particular work; (b) previous experience and training in any industry, trade or family profession of the convict; (c) convict's aptitude or inclination for a particular work and length of sentence; and (d) rehabilitative prospects on his release from prison.

Skill development programs and employment of prisoners in Prison.	**857.** (1) ज्ीम विससवूपदह ंि बजवते ेीं सस इम जंामद पदजव बवदेपकमतंजपवद ूी पसम वतहंदप्रपदह ेापसस development programs namely :– (a) mental and physical health; (b) requirements of security, custody and discipline; (c) age; (d) length of sentence; and (e) prisoner's skills and abilities and also potential for acquiring skills. (2) Prisoners sentenced to medium and long terms of imprisonment shall be given training in multiple skills. (3) As far as possible, large industries shall be concentrated in central prisons and large district prisons.
Employment of prison labour in prison industries.	**858.** Prison labour shall ordinarily be employed to supply – (a) the requirements of the prisons and of the Department; (b) the requirements of the Government in any other respect; and (c) other demands which the Director General may from time to time approve.
Daily work allotted to prisoner to be monitored.	**859.** (1) Before the prisoners leave their work sheds or places of work on stoppage of work in the afternoon, the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) and staff member concerned or task-takers, if any, shall measure the work done, at the same time carefully noting it on the task तमहपेजमत व िचतपेवदमते बवदबमतदमकण् ज्ीम तमहपेजमत ेीं सस ं सेव इम उंपदजंपदमक पद ं बवउचनजमतप्रमक वितउंजण् (2) Female prisoners shall not work outside female enclosures.
Class of skills necessary for prisons.	**860.** (1) The skill development programs shall also include essential institutional maintenance services like culinary, sanitary and hygienic services, prison hospital, other prison services, repairs and maintenance services. (2) Prisoners may also be employed in the service of maintenance and construction of prison buildings, for which they shall receive adequate remuneration or wages in accordance with the तनसमे व िजीम च्रइसपब ॅवतो क्मचंतजउमदजण् ै नबी चतपेवदमते ेीं सस इम चंपक ू हमे व ि पससमक बंजमहवतल ं दक जीमremaining remuneration shall be paid in the Prisoner Welfare Fund.

	(3) Prison Skill Development Programs shall consist of services such as construction work, masonry, carpentry, plumbing, electric fitting, tailoring, fabrication of ready-made garments, leather work, driving,

	prison servicing, agriculture, horticulture, dairy, poultry, floriculture, maintenance of diesel engines, maintenance of electric pumps, tractor repairing, automobile servicing and repairing, cane work, basket making, pottery, book binding, typing, computer-operating, handicrafts, stenography, cloth printing, embroidery, hosiery, bakery, namkeen making, paper making, printing, tailoring, weaving, soap making, candle making, toy making, sewing machine repair, food processing, etc.
Length of working hours.	**861.** (1) No prisoner sentenced to labour or employed on labour at his own desire shall, except in an emergency with the sanction in writing of the Superintendent, be kept to labour for more than eight hours daily. (2) The Medical Officer shall from time to time examine the labouring prisoners. (3) When the Medical Officer is of the opinion that the health of any prisoner suffers from employment on any kind of labour, such prisoner shall not be employed on that labour, but shall be placed on such other kind of labour as the Medical Officer may consider fit for him.
Time to be given to acquire skill.	**862.** Every prisoner, on being first put to do any kind of work with which he is not acquainted, shall be allowed a reasonable time to acquire the necessary skills to enable him to perform the task. The time shall vary from a few days to three to four months. In every case, when allotting new work, the Superintendent or subject to his control, the Deputy Superintendent (Industries and Welfare), shall note the task the prisoners begins, and subsequent progress, in his history ticket.
Day on which convicts are exempted from labour.	**863.** (1) No prisoner shall be required to perform any labour, other than such as may be necessary for the conduct of the internal management and domestic economy of the prison or to meet any cell of emergency, on any of the prison holidays and Sunday. (2) The Director General may, by general or special order in that behalf, exempt any prisoner or all prisoners generally, from labour on any particular day or days other than those specified in preceding clause.
Entries with regard to labour in history ticket.	**864.** Upon the admission of every convict sentenced to rigorous imprisonment, the Medical Officer shall, at the time of complying with the provisions of the Prisons Act, 1894 (Central Act 9 of 1894) by entering the kind of labour for which such convict is fit in the register concerned, cause a similar entry to be made in the history ticket of the prisoner.
Hours for commencing and stopping work.	**865.** Except in the case of prisoners working in the prison industry, prisoners shall commence work as soon as the morning parades and the distribution into gangs are completed that is usually about an hour after the opening of the ward; and in the afternoon, work shall be stopped about an hour before sunset according to the season.
Prisoners locked up during hours of rest.	**866.** During the hours of rest, prisoners shall be locked up in their sleeping wards, or in their ूवर्तीवचेए प िजीम संजजमत ंतम ेनपजंइसम ंदक ेमबनतमण्

Prisoners to be employed in prison industries/ ूवतीवचेण्	**867.** All able-bodied prisoners, who are not otherwise engaged in prison services, shall be allotted ूवता पद ूवतीवचे ंदक जतंपदपदह.बनउ.चतवकनबजपवद बमदजमतेण् ब्वदअपबजे ेींसस इम ंससवजजमक जव ंसस ूवतीवचेएकमचमदकपदह वद जीम पदजंाम ंदक कमउंदक पद मंबी ूवतीवचण् भ्वनते व ूिवता वित मंबी हतवनच व िचतपेवदमतेshall be in accordance with the program content of each institution.
Committee to classify prisoners.	**868.** (1) Classification of each prisoner eligible for employment in various industries and trades shall be specified by 'Classification and Security Monitoring Committee'. (2) For the purpose of payment of wages/incentives, prisoners shall be classified into following categories, namely :- (a) **Professionals: -**Prisoners, who are highly qualified and professionally competent in a particular trade, shall be engaged for guidance, design and product promotion; (b) **Skilled**: - Prisoners engaged on task involving both mental and physical skills in execution perfectly and accomplishing the given task in time; (c) **Semi-skilled**: - Prisoners engaged on task which cannot be performed by untrained hands but which can be executed with some training and practice but not requiring any strict standard of precision;

	(d) **Un -skilled**: - Prisoners engaged on such work which does not require any special training or skills; and (e) **Trainees**: Prisoners engaged in training for a minimum period of three months or till they acquire skill, shall not get incentives for that period.
Wages.	**869.** (1) The wages for professionals, skilled, semi-skilled and un skilled shall be fixed by the Government from time to time. The wages shall be reviewed every three years and revised by the Government whenever necessary. (2) A daily task sheet shall be kept for noting the particulars of each prisoner such as the nature of task on which employed, the standard task given and so on. It shall be maintained daily by the Instructor and duly attested by the Deputy Superintendent (Industries and Welfare). (3) If a prisoner performs the task of standard quality in excess of the given task, he shall be entitled for payment of additional incentives in proportion to the additional work done by him. (4) It shall be the duty of the Superintendent to inspect the quality of finished products before they are sent to the stores. (5) The wages shall be deposited in the prisoner's saving bank account (quarterly) and the passbook shall be kept with prisoner concerned.
Prisoners not eligible for	**870.** Following categories of prisoners shall not be eligible for prison work, namely: – (a) prisoners above the age of seventy years, if not found suitable for work by the Medical Officer;

prison work.	(b) found unfit by the Medical Officer or by the 'Classification and Security Monitoring Committee'; (c) terrorists, extremists, fundamentalists and fanatics who shall have bad influence on other prisoners; and (d) sick and infirm prisoners and those undergoing prison punishments.
Safeguards for prisoners engaged in work.	**871.** (1) The following facilities shall be provided in work-sheds and other places where prisoners work, namely :– (a) protection from heat, cold, rain, dust, smoke, fumes, gases and chemicals; (b) protection from seepage and dampness; (c) safe drinking water and washroom facilities; (d) first-aid facilities; (e) fire extinguisher or other suitable firefighting equipment; (f) sufficient ventilation and lighting; and (g) safety equipment and accident prevention measures. (2) Monthly medical examination of prisoners, working in production units having hazards of occupational diseases, shall be carried out. (3) The payment of compensation to prisoners who meet with accidents resulting in physical or mental disability, serious injury, death, or loss of health due to occupational diseases, as certified by the Medical Officer. (4) A daily time schedule shall be worked out for each unit.
Prisoners to be trained in farming and agriculture.	**872.** (1) A sufficient area of land shall be attached with every new prison to give training to prisoners on farming and agriculture. In such prisons, where there is adequate land for farming, the Superintendent and Deputy Superintendent (Administration) shall work out a routine for rabi and kharif cultivation and ensure that agricultural production is at par with that of farmers in the area. (2) Each prison shall have sufficient area in the central courtyard to lay out a horticulture garden.
Frequent change of work to be avoided.	**873.** Frequent change of work, except on medical grounds, should be avoided.

Means and appliances for labour.	**874.** (1) A standard list of equipments, tools, accessories and spare parts required in production unit shall be prepared and maintained.

	(2) As far as practicable, every inmate shall be given training and work experience in the use of hand tools in different services, jobs and production units. (3) प्द मअमतल चतपेवदए जीमतमेीं सस इम ं े मचंतंजम ं दक चतवचमतसल वतहंदप्रमक उंपदजमदंदबमूवतीवच जव तमचंपत जीम उंबीपदमतल ं दक मुनपचउमदज पद जपउम ं दक जव चतमअमदज इतमंाकवूदण्
Targets of production for prison industries.	**875.** (1) The targets of production for each unit for the ensuing year shall be fixed by the Superintendent in accordance with the employable inmate population and production potential of the unit. These targets shall be communicated to the prison headquarter and the unit's production and reviewed by the prison headquarter on quarterly basis. (2) It shall be the responsibility of the Superintendent to meet the targets of production as set above.
Suitable form of labour.	**876.** (1) Every convict sentenced to undergo rigorous imprisonment or to undergo simple imprisonment, who opts to do labour voluntarily, shall ordinarily be employed on labour of a kind that is most suitable for the institution and the prisoner and for which he is, for the time being fit. (2) No consideration of profit or convenience shall be permitted to influence the class or form of labour which any convict sentenced to undergo rigorous imprisonment, is at any time required to perform. It shall be fixed with reference solely to the health of the convict and the rules of the prison regarding employment of prisoners.
Products to be varied and ेजंदकंतकप्रमकण्	**877.** (1) Products manufactured by prison industries shall be varied/changed depending on market trends and demands. (2) टंतपवने चतवकनबजे व ि चतपेवद पदकनेजतपमेेीं सस इम े जंदकंतकप्रमकण् । ीं दकइववा बवदजंपदपदहकमजंपसे व ि जंदकंतकप्रंजपवद ं दक जीम उंदनंिबजनतपदह चतवबमे व ि अंतपवने चतवकनबजपवद नदपजेए ेींसस इमprepared for the guidance of personnel. (3) ब्ंजंसवहनमे व ि जंदकंतकप्रमक चतवकनबजे व ि चतपेवद पदकनेजतपमेेीं सस इम चतमचंतमक वित ेमबनतपदहorders from the market for various production units. (4) Technical supervision shall be improved and a system of quality control introduced at every stage of production so that market competitiveness can be maintained. The percentage of profit shall not be the motive behind production by prison industries. (5) Sale point may be established outside the prison gates and at other places for promoting sale of products of prison industry. A brochure shall also be kept in which information is provided to the public about the products being sold alongwith their rates. (6) Prisoners who have been released after expiry of sentence and are found suitable may be employed in showrooms and prison product outlets, as far as possible.
Employment of prisoners for	**878.** The number of prisoners employed on prison maintenance services such as nigran, administrative helpers, barbers, water-carriers, sweepers and the like shall not, without the special

prison maintenance.	sanction of the Director General, exceed, - (a) in a Central Prison or in a District Prison- Twenty per cent of the prisoners confined; and (b) पद जीम बंेम व िदल वजीमत चतपेवदद पिजिममद चमत बमदज व िजीम ं नजीवतप्रमक बंचंबपजल वत जवजंस number of prisoners for the time confined in such prison whichever is higher.
Prisoners not to be employed on बमतजंपद ूवतोण्	**879.** No prisoner shall, unless he is willing to undertake the work, be employed on any form of labour involving danger.
No Prisoner to be employed for private work.	**880.** No prisoner shall, at any time, be employed by any staff member or any other person, for any private work or service of any kind whatsoever.
Prohibition against employment of small group of prisoners.	**881.** ज्ीम मउचसवलउमदज व िबवदअपबजे पद ेउंसस हतवनच वत इंजबीमे वद चमजजल ूवतो ेपजनंजमक वनजेपकम जीमprison walls, is prohibited: Provided that this prohibition shall not be deemed to extend to the employment of prisoners वद चतपेवद ूवतोए पद जीम चतपेवद ंितउए वत वद कनजपमे बवददमबजमक ूपजी जीम उंदंहमउमदज व िचतमउपेमेoccupied by officers of the prison, subject to such directions as the Director General may from time to time give in that behalf.

Sanction of Superintendent to extramural employment.	**882.** No convict shall at any time be employed and labour outside the prison walls or be permitted to pass out of the prison for the purpose of being so employed, unless and until the Superintendent shall have, - (a) sanctioned him being so employed; (b) recorded or caused to be recorded, on the prisoner's history-ticket, the fact that such sanction has been given.
Restriction on employment of prisoners outside prison walls.	**883.** No convicts shall at any time be employed on any labour without the walls of the prison, - (a) until has undergone not less than one-fourth of substantive sentence if sentenced to term imprisonment and five years in case sentenced to life imprisonment; (b) without the sanction of the Director General, if the unexpired term of substantive imprisonment together with imprisonment (if any) in lieu of fine, to which he has been sentenced, exceeds two years; (c) if any other charge or charges are pending against him;

	(d) if he has not availed any parole/furlough; (e) if he had been awarded any major punishment in last two years. **NOTE 1.-** Clauses (a), (b) and (d) shall not be deemed to apply to any prison where prison industrial unit is situated outside the walls of the prison. **NOTE 2.-** Only prisoners who are of good character and who are not residents of foreign territory shall be employed outside the prison. When there are more prisoners eligible than are actually required those with the shortest unexpired sentences should ordinarily be chosen. **NOTE 3.-** Sanction in rules 881 and 882 shall be for a maximum period of six months at a time.
Sweeper gang for residential accommodation.	**884.** Small detachments of the sweeper gangs may clean the residential accommodation on the prison premises every day.
Employment of prisoners as ब्समतोण्	**885.** ज्ीम मउचसवलउमदज व िचतपेवदमते ंे ब्समतो पद चतपेवद वfिपबमे पे वितइपककमदण् ठनज जीम ैनचमतपदजमदकमदज may, when there is special necessity for it, sanction the employment of an educated prisoner in the clerical work which have no connection with the warrants, remissions or money transactions.

Employment of convicts as convict officer.	**886.** (1) Convicts who have been appointed as convict officers shall be deemed to be public servants within the meaning of the Indian Penal Code, 1860 (Central Act 45 of 1860). (2) All appointments to the position of convict officers shall be made by the Superintendent: Provided that no convict, who does not possess the necessary qualifications, shall at any time be so appointed without the previous sanction of the Director General. (3) A convict who is physically and mentally fit to perform duties of convict officer shall be eligible to be appointed as convict officer provided he possess the following further qualifications, namely: - (a) he is not a habitual prisoner; (b) his substantive sentence of imprisonment is not less than twelve months; (c) he has completed one-fourth of his substantive sentence if sentenced to term imprisonment and five years in case sentenced to life imprisonment; (d) he is well behaved and an industrious prisoner; and (e) he is not punished for any major punishment in the last two years.
General Duties of convict officers.	887. The general duties of a convict officer shall be to – (a) patrol inside wards and assist in maintaining discipline and order at night; (b) prevent prisoners leaving their berths except with permission and for necessary purpose; (c) count the prisoners in his charge frequently, satisfy himself that all are present and reply when challenged by the outside patrol;

	(d) prevent, as far as lies in his power, any breach of prison rules by any prisoners in his charge, and to report the same; (e) report cases of sickness and the use of the latrine otherwise than at the times specified in that behalf; (f) assist in quelling any disturbance and in case of necessity defend any staff member; (g) perform such task as may be allotted to him during the day and render all proper assistance to the guarding personnel in-charge of his gang; (h) when so required, act as a messenger within the prison wall and escort prisoners from one part of the prison to another; (i) watch the prison walls and prevent prisoners from lurking near them; (j) when so required, patrol the outside of wards all night, in manner prescribed for warders;

	(k) see that prisoners keep themselves clean, wash and fold their clothing properly and keep their feeding utensils clean.
Execution of Work for Outside Agencies (Public Private Partnership).	**888.** Private parties/industrial units shall be allowed to get their manufacturing work done by prison labour inside the prisons. The machinery, material and know-how for such manufacture shall be provided by the party concerned. It shall be ensured that appropriate wages and other expenses are paid by such private parties and industrial units.
Charge of material.	**889.** The raw material to be used in the prison industries shall be under the charge of a Duty officer, who shall issue each morning what is required for the day's work and receive into store in the evening the material which has not been used. He shall also, as far as possible, satisfy himself that there is no wastage of material but this shall not relieve the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) or Deputy Superintendent (Administration), as the case may be, of the responsibility for the safe custody and proper disposal of the manufactory stores.
Selection and starting of new industries.	**890.** New industry, whenever necessary, shall be started in any prison with the previous sanction of the Director General.
Technical advice of State Industries Department.	**891.** Necessary expert advice to run the industries on proper lines shall be provided by the officers of Department of Industries. They shall also suggest diversification of industries and help in marketing the prison goods. They shall review the working of industries with the concerned Superintendent periodically and suggest modifications.
Preference to prison products by Government departments and other agencies.	**892.** All Government departments, semi-Government departments, Co-operative and Public Sector Undertakings may place indents for supply of prison made articles for use in their offices, wherever possible, well in advance. The Prison Department shall supply goods on requisition and on payment of cost. The Government departments while purchasing manufactured goods for themselves shall give first preference to the products manufactured in prisons.
Contracts for disposal of prison produce.	**893.** Contracts may, with the approval of the Director General, be made with mercantile firms or individuals for the disposal of prison produce or manufacture.
Disposal of proceeds of employment of prisoners.	**894.** No staff member shall at any time retain in his possession or otherwise than under proper authority and shall dispose of, - (a) any article at any time supplied for use in any industry carried on in any prison or manufactured by any prisoner; (b) ंदल ेनउ व िउवदमल तमंसप्रमक तिवउ वत तमबमपअमक वद ंबबवनदज व िजीम ेंसम व िदल ेनबी ंतजपबसम or of the earnings of any prisoner. No expenditure is to be met from or payment made out of, any sum of money realised by the sale of articles or received on account of the मंतदपदहे व िचतपेवदमतेण् ।सस ेनउे व िउवदमल ेव तमंसप्रमक वत तमबमपअमक ंतम जव इम बतमकपजमक ंे soon as possible, in the Government treasury, expenditure being met from sums supplied under proper authority by the Government treasury for the purpose. All prison earnings are to pass intact into the Government treasury and accounts except as provided in these rules so that every item of receipt and disbursement shall appear in those accounts and be subjected to proper scrutiny and control.

	Remunerations or incentives for work done by prisoners shall be drawn quarterly and deposited in their saving bank account.

Keeping of manufactory/ factory accounts.	**895.** All accounts relating to prison manufacture shall be kept by a responsible official under the supervision of the Deputy Superintendent (Industries and Welfare).
Adjustment of accounts with other departments.	**896.** Payment for all articles received from, or supplied to any public department irrespective of the account, shall be adjusted by book-transfer.
paid in treasury.	**897.** All moneys should be paid into the treasury under the appropriate head.
factory accounts.	**898.** The factory accounts of all district and central prisons shall be systematically audited by the government auditors for each financial year.

Premises for prison garden.	**CHAPTER 39** **THE PRISON GARDEN** **899.** The prison garden shall consist of agricultural land within the perimeter security walls of prison as well as prison land outside the security walls but within prison premises available for नजपसप्रंजपवदण्
Specification of extramural labour.	**900.** Prisoner on extramural labour shall be employed solely for official purposes and on following kinds of labour, namely: – (a) work in prison gardens; (b) minor repairs of prison premises outside the prison walls; (c) beautification of prison premises including residential complex; (d) other miscellaneous work as prescribed by the Superintendent.
Cultivation of the garden.	**901.** (1) The Deputy Superintendent (Administration) shall ensure that prison garden contains, in all seasons, a sufficient quantity of good wholesome flowers, vegetables, condiments and antiscorbutic (so far as it is possible to raise then), for prison use and that the whole of the prison land outside the prison walls available for cultivation, is cultivated to the best advantage. A garden व ि न।िपबपमदज े प्रम जव ेनचचसल ं सस जीम अमहमजंइसमे ं दक बवदकपउमदजे तमुनपतमकए ेीं सस इम संपक ं दक इम नजपसप्रमकfor raising crops suitable for prisoner's food and fodder for prison cattle. (2) Wherever feasible, poultry, piggery and fisheries gardens shall be established. (3) No subordinate staff shall be permitted to go into the garden unless he has a duty to perform the same.

	(4) There shall be promotion of greenery of prisons and horticultural activities such as harvesting or maintaining a garden, as job training in addition to the provision of production for the prison, with the ultimate goal of correction/rehabilitation in prison. The opportunities for interaction with nature that green rehabilitation programs offer, shall improve health and wellbeing of prisoners by reducing stress.
Planting of trees and disposal of wood.	**902.** (1) Useful trees shall be largely cultivated along the margins of roads, the boundaries of prison land and other available places where it shall be least likely to interfere with the crops and security of the prison. These trees shall give shade if planted within the prison enclosure but they must not be allowed to be planted near the enclosure walls nor planted so thickly or so near the buildings so as to interfere with free ventilation. (2) No tree on prison land shall be cut down or otherwise removed without the sanction of the Director General. The wood obtained shall, if the tree was grown, - (a) पद जीम चतपेवद हंतकमद.इम नजपसप्रमक वित चतपेवद चनतचवेमे वत इम ेवसक ंदक जीम चतवबममके shall be credited to the prison, or (b) sold in any other part of the prison land, the sale-proceeds shall be credited to Government. (3) The Superintendent shall cause to maintain a register of trees in which all trees growing on the prison grounds with a circumference of 1 meter and more measured at the height of 165 cms., shall be entered with their exact location and serial numbers, descriptions, ages, etc. The ेमतपंस दनउइमते ेींसस इम चंपदजमक वद जीम इंतो व िजीम जतममेण् थ्तनपज जतममे ेनबी ंदे सपउमए चंचंलं मजबण् ेींससnot be numbered but the total number of plants of each variety shall be noted in the register. (4) The Superintendent shall verify the register every year in the month of September. He shall report the result of such verification with full details of the trees cut down and number of new planted trees during the year to the Director General. (5) The State shall invest in drip irrigation, tractors, garden equipments, electric motors and pumps, new crops and seed production, new irrigation methods and even organic farming such as vermi-compost and also biogas plants. A soil analysis shall also be undertaken to enhance production. (6) The State shall encourage horticulture, social forestry, nursery and hanging farm. A plan for growing of fruit orchards like mangoes, citrus fruits shall be undertaken. Medicinal plants, neem trees, etc., may also be grown. (7) Grass shall be grown and trees planted to be kept neatly trimmed. (8) Flowers produced in prisons garden shall be used for beautification and adorn the prison.

Prison garden to be clean and tidy.	**903.** The prison garden shall be kept clean, tidy and free from weeds and undergrowth. There shall be an endeavor to transform the barren land into a green patch.
Reaping storage ंदक नजपसप्रंजपवद व िgarden Crop.	**904.** (1) The Superintendent and the Deputy Superintendent (Administration) is responsible that crops grown on prison land, are reaped at the proper time and no unnecessary delay occurs between reaping and storage. Proper precautions are to be taken against percolation or loss by vermin that the by-products are properly disposed of for Government purposes only and that all such articles are duly accounted for in the prison accounts. The produce of the prison land must as far as possible, इम नजपसप्रमक मपजीमत ंदे विवक वित चतपेवदमते वत विककमत वित जीम चतपेवद बंजजसमण् ।द ं ददनंस े जंजमउमदज

	ीवूपदहthe value of vegetables and other products of the prison land used to supplement supplies purchased for the maintenance department of the prisons, shall be submitted to the Director General. (2) Vegetables gathered daily from the prison garden shall be weighed and the weights shall also be recorded in the concerned register. The quantities issued to prisoners and to staff members, if any, shall also be entered in the register maintained by the Deputy Superintendent (Administration). Provided that no vegetables shall be supplied to staff members unless a surplus is available after fully satisfying the needs of prisoners. Staff members are permitted to receive vegetables from the prison garden at such quantity as fixed by the Superintendent. (3) Any garden produce, fruits and grass etc., in excess of the prison's requirements, may इम ेवसक जव जीम चनइसपब ूपजी जीम ें दबजपवद व िजीम क्पतमबजवत ळमदमतंसण् ज्ीम उवदमल ेव तमंसप्रमक ींसस इमcredited under appropriate head.
Number of prisoners to be employed in the garden.	**905.** The number of prisoners employed in the garden for the production of cereals, vegetables, flowers, condiments, and antiscorbutic etc. shall be in accordance with the needs of the prison garden or as specified by the Director General.
Training to improve the skill of prisoners.	**906.** (1) Besides supervisors within the prison, help and training shall also be sought from agricultural Universities, nearby institutes and even local farmers to improve the skills of prisoners, in modern methods of agriculture and agro based industries. (2) The land available with an institution shall be thoroughly surveyed in terms of soil analysis, availability, fertility, salinity and requirement of drainage, so that it is put to optimum use. The help of Block Development Officers, officers of the State Agriculture Department and other allied agencies shall be taken in this regard.
Cattle register.	**907.** The Deputy Superintendent (Administration) shall maintain a cattle register having age, cattle दनउइमतए इतममकए उंतो व िपकमदजपपिबंजपवद उंपदसल बवसवनतए ींचम व ीवतदे मजबण् ज्ीम बंजजसम ींसस इमंत ं pendant carrying cattle number and name of Jail.
Ration/fodder for cattle.	**908.** The ration/fodder for cattle shall be as specified by the Director General from time to time. **NOTE 1.-** A daily account of receipts and consumptions of grains, bran cakes, fodder, etc., whether produced in jail or purchased from outside, shall be kept in register concerned. **NOTE 2.-** Efforts shall be made to grow all fodder required for animals in the prison. Ordinarily, Bhusa shall not be purchased from outside without the sanction of the Director General. Such purchases shall preferably be made during harvest season.
Milk.	**909.** The Deputy Superintendent (Administration) shall cause the quantity of milk produced from the milch cattle be entered in the register daily against the number of animals producing it.
Disposal of unproductive	**910.** ज्ीम ैनचमतपदजमदकमदर्जींसस ेबतनजपदप्रम जीम नदचतवकनबजपअम सपअमेजवबा वदबम पद ं लमंतण् ज्ीम

livestock.	unproductive livestock shall be disposed off according to the instructions issued by the Government from time to time.

CHAPTER 40

PRISON REGISTERS, OFFICE PROCEDURE AND MANAGEMENT

Record to be kept by Superintendent.

911. The Superintendent shall keep or cause to be kept, the following records, namely: -

(a) register of prisoners admitted;

(b) book showing when each prisoner is to be released;

(c)

punishment book for the entry of punishments inflicted on prisoners for prison offences;

(d) visitor's book for the entry of any observations made by the visitors touching any matters connected with the administration of the prison;

(e) record of the money and other articles taken from prisoners;

(f)

all such other records as may be specified by the Government or the Director General from time to time.

to be maintained.

912. In addition to any register which the Director General may, at any time by executive order, a require to b form) shall म उंपदजंपदमक पद ंदल चतपेवदए जीम विससवूपदह तमहपेजमते ंदक इववो ;पद मसमबजतवदपब ंदक कपहपजंस form) shall be maintained in all prisons, namely :-

	Register No.	Description of register
	1.	Register of under trial prisoners
	2.	Register of convict prisoners
	3.	Register of civil prisoners
	4.	Register of release of convicts/ Release Diary
	5.	Register of punishment inflicted on prisoners for prison offences
	6.	Visitor's Book
	7.	Visitor's entry register
	8.	Superintendent's Journal
	9.	Deputy Superintendent (Administration) Journal
	10.	Deputy Superintendent (Security) Journal

11.	Deputy Superintendent (Industries and Welfare) Journal	
12.	Medical Officer's (in-charge) Journal	
13.	Hospital register	
14.	Lock-up register of all prisoners	
15.	Ward/barrack/cell lockup register	
16.	Register of persons passed in and out of prison	
17.	Register of prisoners in and out (on court production, outside hospitals, outside Gang etc.)	
18.	Register of prisoners in and out (New admission, return from parole/furlough/interim bail, transfer from other prisons etc., release of any kind)	
19.	Register of articles passed in or out of the prison gate	
20.	General Cash Book	

21.	Cash Ledger
22.	Officer's Service register
23.	Diary of termination of prison punishment
24.	Alphabetical register of prisoners
25.	Register of valuable property of prisoners
26.	Control Room register
27.	General abstract of prisoners in the prison
28.	Labour Distribution register
29.	Register of letters/E-mails etc. received
30.	Register of letters /E-mails etc. dispatched
31.	Guarding personnel service register

32.	Prisoner's Grievance register
33.	Register of target practice
34.	Medicine Stock register
35.	Daily register of patients dieted in hospital
36.	Daily register of patients convalescent dieted
37.	Register of charges for service and supplies
38.	Daily register of purchases of grains and fuel
39.	Daily godown and mill account register
40.	Out-patients Register
41.	Clothing godown stock register
42.	Inventory of miscellaneous property
43.	Legal Aid register
44.	Custodial death/rape cases register
45.	Arms and ammunition register
46.	National Human Rights Commission/State Human Rights Commission/ Chief Minister Windows/Lokayuta cases register
47.	Manufactory Cash Book
48.	Register of manufactory contingencies
49.	Register of receipt and issue of raw materials
50.	Stock register of raw materials
51.	Stock register of manufactured articles
52.	Manufactory Ledger
53.	Sales Day Book

	54.	Purchase Day Book	
	55.	Manufactory Order Book	
	56.	Register of Daily receipts	
	57.	Register of Daily Issues	
	58.	Stores Ledger	
	59.	Officer's Report Book (Day and Night)	
	60.	Guarding personnel duty register (Day and Night)	
	61.	Wards/enclosures search register	
	62.	Main gate search register	
	63.	High security enclosure search register	
	64.	Prison garden register	
	65.	Dairy and cattle register	

Forms of registers.	**913.** The forms of all registers and the particulars to be recorded in the registers, specified in the preceding rule, shall, from time to time, be specified by the Director General. Every register specified and in use shall continue to be maintained in its present form until the Director General, supersedes the same by a direction given under this rule.
Returns.	**914.** The bills, returns, reports etc. to be furnished by the Superintendent, shall from time to time, be specified by the Director General.
ब्वउचनजमतप्रमकaccounting system.	**915.** ।बबवनदजपदह पद मंबी चतपेवद ेीं सस इम कवदम पद ं बवउचनजमतप्रमक ंबबवनदजपदह े लेजमउण् ज्ीम े लेजमउ व ि accounts in each division shall be in accordance with the Haryana Financial Rules and orders/ notifications issued by Finance Department, Haryana and the Director General, Prisons from time to time.
Disposal of correspondence.	**916.** The Superintendent shall exercise his discretion as to the classification of letters and correspondence for preservation, except, - (a) letters relating to standing orders; (b) पउचवतजंदज चनइसपब ूवतो ंदक उंदनं िबजनतमेय (c) acquisition and renting of land; (d) pensions and any permanent charges upon the Government; and (e) escapes when the prisoner is not recaptured.

Classification of records.	**917.** All prison registers, returns, letters and records of every description shall, for the purposes of preservation or destruction, be classified under the following four heads, - (a) to be preserved permanently; (b) to be kept for twelve years; (c) to be kept for five years; (d) to be kept for two years.
Arrangement of records.	**918.** Each of the four classes of records shall be so arranged as to make it easy to select those records which are to be destroyed on expiry of the period prescribed and if possible, each class of record shall be kept separate from the other. The Director General is empowered to sanction the destruction of such records.

Records to be permanently preserved.	**919.** The following records shall be preserved permanently, namely :— (a) General Cash Book ;इद्ध च्मदेपवद बंमे ;पदबसनकपदह जीम ेमतअपबम इववो ंदक समंअम ंबबवनदजेद्ध(c) Diary of convicts released and the amounts paid to them (d) Visitor's book (e) Register of undertrial prisoners (f) Register of convict prisoners (g) Register of civil prisoners (h) Cash Book of Manufactory (i) Annual Administration Report of the Department (j) Circulars of the Government/Director General (k) Official Gazette (l) Order Book of the Superintendent (m) Issue Register - General and Manufactory (n) File Register of record room (o) Prisoner's escape Register (p) Officer's Service Register (q) Warder's Service Register
Records to be kept for twelve years.	**920.** The following records shall be kept for twelve years, namely: - (a) Administration Reports and Returns of Prison, Medical Officer’s Administration Reports and Returns (b) Superintendent’s Journal (c) Medical Officer’s Journal (d) Officer’s Report Book (e) Register of Prisoners to be released (f) Furlough Register (g) Miscellaneous Articles Stock Book (h) Punishment Roll (i) Probation and Confirmation register (cadre-wise) (j) Register of Advances to staff (Advance-wise) (k) Prisoner’s Punishment Book

	(l) Defaulter Book (m) Fine Statement Book (n) Prisoner's Property Register (o) Register of valuable property of prisoners (p) Interview Register (q) Register of currents received and issued (r) Laboratory Register (s) Remission Sheets (to be retained in the prison for a period of one year after the unconditional release, death or transfer of the prisoners to whom they relate) (t) Stock Book of Rations (u) Diet Roll (v) Receipt Book for articles received

	(w) Weighments Register (x) Delivery Book (y) Bill Book of payment for the purchase of Rations (z) Stock Book of Raw material (aa) Stock Book of Manufactured Articles (ab) Individual Ledger of credit sales (ac) Hospital Register of In-Patients (ad) Hospital Register of Out-Patients (ae) Hospital Roll (af) Day Book of Credit Sales (ag) Stock Book of Manufactory
Records to be kept for five years.	**921.** The following records shall be kept for five years, namely :— (a) General abstract of all classes of prisoners (b) Lock-up register for all classes of prisoners (c) Labour register (d) Register of prisoners on whom fetters were imposed for security (e) Clothing and Bedding Registers (f) ैजवबा ठववो ंदक स्मकहमत व िजंजपवदमतल ंदक वितउे (g) Register of articles of uniform received and issued to warders (h) Ammunition Register (i) Ball Practice Register (j) Main Gate Register (k) Register of orders for execution in the Manufactory Department (l) List of unsatisfied manufactory indents (m) Office copies of all monthly, quarterly, half-yearly and annual returns and statements (n) Counterfoils of Indents (o) Register of Contingent expenditure (p) Detailed Budget estimates (q) Mortality return of prisoners (r) Duty roaster of Warders (s) Attendance Roll (t) Register of inter and intra departmental supplies (u) Barrack-wise prisoner's Register

	(v) Budget allotment register (w) Undisbursed pay register (x) Auction Book (y) Treasury Bill Book (z) Treasury Intimation Book (aa) Earnest Money Deposit register (ab) Forwarding Memo Book of Articles supplied (ac) Prescription Book (ad) Bed Head Ticket (ae) Register of Hospital Clothing (af) Expense Book of Drugs

Records to be kept for two years.	**922.** The following records shall be kept for two years, namely: - (a) Certificate of Admission of prisoners into prison (b) Casual leave register of staff (c) Nominal Rolls of convicts (d) History Tickets of convicts unconditionally released or dead (e) Indents for prison and hospital clothing (f) Medical Officer's Certificate of fitness to undergo solitary confinement (g) Reports of delivery of charge of office of Superintendent (h) Statement of monthly progressive expenditure and correspondence relating to discrepancy in figures (i) Register of subordinates due for retirement within one year (j) Other papers not mentioned in these rules
Special rules for disposal/ Destruction of record.	**923.** (1) The records due for destruction under these rules shall be destroyed by the record keeper at the end of each year under the supervision of the office Superintendent, or any officer nominated by the Superintendent for this purpose. The record keeper and the office Superintendent, or the nominated officer, as the case may be, shall be held responsible for any mistake or delay in the work of destruction. (2) Before a record is actually destroyed, - (a) A note indicating its destruction shall be made under the signature of the Superintendent in the register of destruction of records; ;इद्ध ज्ीम कंजम व ि कमेजतनबजपवद ेीं सस इम मदजमतमक पद जीम तमउंतो बवसनउद व ि जीम तमसमअंदज register of records and the serial number shall be rounded off in red ink; and (c) In case there are any records which are not mentioned in these rules, such records shall be entered in a separate register and a note indicating their destruction shall be made accordingly. (3) If the Superintendent is of the opinion that a record which may be destroyed under these rules shall be preserved permanently or for a period longer than that provided for under these rules, he shall act accordingly. (4) The records shall be destroyed by tearing up all the papers provided that stamped चंचमतेए नेमक ेजंउचेए चंचमते इमंतपदह बवदपिकमदजपंस उंतो ेीं सस इम इनतदज पद जीम चतमेमदबम व ि जीम

	क्मचनजलSuperintendent (Administration) or any other officer nominated by the Superintendent for this purpose. (5) The torn records shall be disposed of in accordance with the standing orders of the Government or the Director General, issued from time to time in this regard.

Computerisation of prison administration.	**CHAPTER 41** **PRISON COMPUTERIZATION** **924.** ज्ीम मदजपतम चतपेवद ंकउपदपेजतंजपवद ेींसस इम बवउचनजमतप्रमक ेव जींज कंजइंेमे बंद इम ंबबमेमकeasily and managed more efficiently. Following are the least objectives which shall be achieved जीतवनही जीम बवउचनजमतप्रंजपवद व िचतपेवदेए . (a) **Prisoners Management System: -** This shall include prisoners database management नेपदह ंनजीवतप्रमक पदजमतंिबमए दवज वदसल जव उंाम ं अंपसंइसम जीम तमंस.जपउम तमचवतजे ेनबी ंेprobable date of release (PDR), prison occupancy, parole/furlough, bail, escape, fine payment, incident punishment, prisoner lodging, court appeals, court production, remission, remand, wages, work allocation, release, transfer, main gate (deodi) in and out, medical records, interview records, prisoners communication system etc. but also for process automation of frequently required processes such as custody certificates required by courts, cashless prison canteen, duty allotment and monitoring, police escort demand etc. This shall include the following modules, namely :– (i) under trial prisoner management module; (ii) convict management module; (iii) visitor management module; (iv) gate management module; (v) hospital management module; (vi) central control room management module; (vii) online canteen fund deposit module; (viii)canteen management module; (ix) store management module; (x) e-custody module; (xi) e-production (peshi)/trial module; (xii) e-parole/furlough module; (xiii)prisoner information KIOSK; (xiv)premature release of life convict module; and (xv) any other module shall be included as decided by the Government or the Director General from time to time. (b) **Prison Administration:**- All registers, forms and records of the prisoners as well as staff members shall, as far as practicable, be maintained digitally. Various components of prison i.e. control room, central control room, prison canteen, warrant office, ministerial staff etc. shall be connected for regular

	updation of data through suitable ंनजीवतप्रमक पदजमतंिबमण् च्तवबमे ं नजवउंजपवद े वसनजपवदे ेींसस इम नेमक वित तिमुनमदजसल तमुनपतमकprocesses. (c) **Coordination between various verticals of criminal justice system and other stakeholders: -** There shall be seamless interlinking of prisons, Courts and the police stations as a triad, through the Inter-operable Criminal Justice System (ICJS). This shall enable integrated data sharing with the police and the Courts, enabling efficient and comprehensive tracking of criminals and faster law enforcement responses. There are several stakeholders involved in processes of prisons, including the police, Courts and external agencies like hospitals, medical authorities, National Crime Records Bureau etc. and suitable interfaces should be developed that can help in seamless sharing of information amongst different agencies. (d) **Prison Security: -** The prison security shall be made more powerful by using Internet of Things (IOT's) i.e. interconnected security and surveillance gadgets, T-HCBS i.e towers of Harmonious Call Blocking System, mobile Jammers etc., (AI based CCTV's, X-Ray Scanners, activity trackers, motion sensors, alarms, microphones etc.). Suitable biometric based module shall be used for staff duty allotment and monitoring system.

	(e) **Control Room:** - A control room shall be set up for use and management for equipments and adequate, suitably qualified staff for operations under an In-charge or System Administrator/Manager. (f) **Personnel Management:** - A suitable interface shall be developed to manage various aspects of personnel management such as staff attendance, guard deployment, staff हतपमअंदबमे मजबण् जव उंगपउप्रम ेजंतंि चमतवितउंदबमण्
Performance of mandated activities.	**925.** The following are imperative to perform mandated activities effectively and efficiently by the prison administration, namely :– (a) availability of real time information at central level; (b) बमदजतंसप्रमक पदवितउंजपवद तमचवेपजवतल व िचतपेवदमतेय (c) proper tracking of prisoner activities; (d) adequate interaction with various stakeholder agencies; (e) proper data analysis; (f) single integrated IT system available at all the prisons; (g) adequate tracking of prisoner out on parole/furlough; (h) efficient alarm system before specified time in case of release of expiry of sentence or eligibility for consideration of premature release or release under section 436-A of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974).

Facilities to prisoners due to बवउचनजमतप्रंजपवदण्	**926.** ब्वउचनजमतप्रंजपवद ेीं सस मदंइसम चतपेवदे जव ीं अम जीम विससवूपदह बवतम ंिबपसपजपमे ंदक ींअम ं नदपपिमक data sharing platform, namely: – (a) a comprehensive native windows application-based prison software with interlinkages with Courts and police stations; (b) integrated data sharing with Courts and police as per Inter-operable Criminal Justice System Matrix; (c) comprehensive video conference facilities; (d) biometric access for in and out movement of prisoners; (e) state level training labs for induction and refresher training courses; (f) जवनबी ेबतममद ापवो वित चतपेवदमते जव ंबबमे जीमपत बंेम ंदक वजीमत कमजंपसेय (g) availability of internet facility with adequate speed for uninterrupted communication with courts and other authorities concerned; (h) implementation of FASTER (Fast and Secured Transmission of Electronic Records) System.
बवउचनजमतप्रंजपवदण्	**927.** The following shall be the outcomes after successful implementation of prison बवउचनजमतप्रंजपवदए दंउमसलरूद (a) seamless and integrated flow of information across all the prisons and Police Department, National Crime Record Bureau and other departments/authorities concerned thereby enabling real time availability of information i.e. easy to search and ुनपबा तमजतपमअंस व िचतपेवदमत पदवितउंजपवद तिवउ ं बमदजतंसप्रमक कंजंइंेम व िचतपेवदमतेय (b) availability of dashboards/statistical reports/MIS reports in various formats as prescribed by the Director General or required by the Government/NCRB from time to time; (c) workflow based solution for approval processes like parole/furlough and real time reflection of the same in the system; (d) automatic PDR (Probable Date of Release) calculation thus ensuring no delays in release of prisoners without the need for manual validation; (e) better visitor management procedure thus, ensuring in managing visitors, keeping a track of the number of visitors for a particular prisoner, frequency of visit etc.;

	(f) बतमंजपवद व ि ब्मदजतंसप्रमक च्तपेवदमत त्महपेजतल जींज बंद इम ंबबमेमक वद ंचचतवअंस व िजीम Director General or by the Police Department and other key law enforcement agencies for verification and validation purposes of individuals through data कपहपजप्रंजपवद व ितमबवतकेय (g) upgradation of prison security and surveillance system;

	(h) regulation of various aspects of prison personnel management as well as all routine activities of various components of the prison.
Implementation of Inter-operable Criminal Justice System.	**928.** Implementation of Inter-operable Criminal Justice System shall be a key component that has to be achieved in the revamped Crime and Criminal Tracking Network System (CCTNS) project. It comprises the following components, namely: – (a) roll out of prisons software in the States /Union Territories; (b) assessment based provisioning hardware and network for prisons; (c) provisioning of hardware for prosecution offices and forensic labs; (d) development of modules for forensic laboratories and Prosecution Offices; and (e) integration of Crime and Criminal Tracking Network System (CCTNS) with all these applications.
Hardware and Network Connectivity.	**929.** Adequate hardware and adequate network connectivity at each prison shall be provided for ेनबबमेनिस पउचसमउमदजंजपवद व ि ब्मदजतंसप्रमक च्तपेवद डंदंहमउमदज ैलेजमउ ंे तवससवनज व िवजिूंतम application and its sustainability is dependent on the availability of requisite office hardware and network connectivity at the prison.

Rank structure of uniformed prison officers.	**930.** T establish	he followi ed:-	**UNIFORM, T** ng rank structure of	**RA** the	**CHAPTER 42 INING AND D UNIFORM** prison service,	**EVELOPM** in ascending	**ENT** order shall be d	eemed to be
		Warder				Guarding pe	rsonnel	
		Head Wa	rder					
		Sub Assi	stant Superintendent			Non-Gazette	d Officers	
		Assistant	Superintendent					

		Deputy S	uperintendent and a	bov	e	Gazetted Of	ficers	
Rank and badges of gazetted officers.	**931.** B their ran	adges of r k on the sh	ank shall be of silv oulder strap as unde	er r: -	metal on police	pattern. Offic	ers shall wear t	he badges of
		Rank		**B**	**adges**			
		Superinte	ndent Jail	St let	ate Emblem an ter “H.J.” at the	d one star w base of the sh	ith brass block oulder straps.	
		Deputy S	uperintendent Jail	St th	ate Emblem wit e base level of t	h brass block he shoulder st	letters “H.J.” at raps.	
Rank and badges of non-gazetted officers.	**932.** B their ran	adges of r k on the sh	ank, shall be of silv oulder strap as unde	er r :-	metal on police	pattern. Offic	ers shall wear t	he badges of
		Rank			**Badges**			
		Assistant	Superintendent		Two stars wit the base of the	h brass block shoulder stra	letter “H.J.” at ps.	
		Sub Assi	stant Superintendent		One star with the base of the	brass block shoulder stra	letter “H.J.” at ps.	
Rank and badges of guarding personnel.	**933.** B badges o	adges of r f their ran	ank, shall be of silv k on the shoulder str	er ap a	metal on police s under :-	pattern. Guard	ing personnel s	hall wear the
		Rank	**Badges**					
		Head Warder	Head Warder shal between the elbow Navy-blue braid o base of the shoulde	l w a n re r st	ear three chevr nd the shoulder d ground and br raps.	ons on both . Cheverons s ass block lett	arms half way hall consist of er “H.J.” at the	
		Warder	Brass block letter “	H.J	.” at the base of	the shoulder	straps.	

Articles of uniform for Deputy Superintendent, Jail and Superintendent, Jail.	**934.** T	he uniform	of Deputy Superint	end	ent and Superin	tendent Jail sh	all be as under :	-
		Article		**P**	**Pattern/Color**			
		Winter						
		Serge kh jersey) f brass cla derby sh and med and Engl	aki trouser and ang ull sleeves stitched o sp with letters H.J. b oes (with toe cap), al ribbons, plastic ish) in white letters	ola n p elt, blu nam on	khaki shirt (wit olice pattern, b khaki woolen s e lanyard with b e plate (Biling black backgroun	h or without rown leather वबोए इतवूदrass whistle ual – Hindi d.	Police pattern/Khaki .	

Articles of uniform for non- gazetted officers.	**935.**	The uniform of non-gazetted officers shall be as under:-
	Winter	
	Serge khaki trouser and angola khaki shirt (with or without jersey) full sleeves stitched on police pattern, brown leather brass clasp with letters H.J. belt, Khaki woolen socks, brown derby shoes (with toe cap), Khaki lanyard with brass whistle and medal ribbons, plastic name plate (Bilingual–Hindi and English) in white letters on black background.	Police pattern/Khaki
	Summer	
	Same as winter except that they will wear khaki terrycot or cotton trousers and shirt (sleeves rolled or half sleeves) and nylon/ cotton khaki socks. Peak cap with strap of brown leather with H.J. badge of silver metal. As an alternative to the peak cap, officers may wear Beret cap of khaki colour with the badge of silver metal.	Police pattern/Khaki

	NOTE: - The lady officers shall wear the uniform and its articles as specified for male officers.

Articles of uniform for guarding personnel (male).	**936.** The uniform of Warder (male) shall be as under :- **Winter** Khaki beret cap with cap badge of silver metal (Sikh male officer shall wear khaki turban), serge khaki trouser and angola khaki shirt (with or without khaki jersey) full sleeves stitched on police pattern, brown leather brass clasp with letters H.J. belt, khaki woolen socks, brown derby shoes (with toe cap), Khaki lanyard with brass whistle and medal ribbons, plastic name plate (Bilingual – Hindi and English) in white letters on black background, great coat of police pattern. — Police pattern/Khaki **Summer uniform** Same as winter except that they will wear khaki terrycot or cotton trousers and shirt (sleeves rolled or half sleeves) and nylon/cotton khaki socks. — Police pattern/Khaki **NOTE: -** The uniform of a Head Warder shall be the same as prescribed for Warders with the three chevrons on both of the sleeves above elbow.
Articles of uniform for guarding personnel (female).	**937.** The uniform of female warder shall be as under :- **Winter** Khaki beret cap with departmental badge, khaki kurta and salwar in summer and Angola khaki and salwar in winter (or serge khaki trouser and Angola khaki shirt as per male warder) with full sleeves, brown leather brass clasp with letters H.J. belt, khaki woolen socks in winter and nylon socks in summer, brown derby shoes (with toe cap), Khaki lanyard with brass whistle and medal ribbons, plastic name plate (Bilingual- Hindi and English) in white letters on black background, great coat on police pattern. — Police pattern/Khaki **Summer** Same as winter except that they will wear khaki terrycot or cotton trousers and shirt or kurta and salwar (sleeves rolled or half sleeves) and nylon/cotton khaki socks. — Police pattern/Khaki **NOTE: -** The uniform of a female Head Warder shall be the same as prescribed for female

	Warders with the three chevrons on both of the sleeve above elbow.
Dress allowance.	**938.** (1) The uniform allowance, washing allowance, stitching allowance, shoe allowance, uniform articles allowance, kit maintenance allowance etc. shall be subsummed in the 'Dress allowance'. (2) The 'Dress allowance' shall be fixed by the government from time to time as per rank and requirement of their uniform. (3) The amount of 'Dress allowance' shall be credited to the salary of employees directly once a year.
Establishment of Training Institutes.	**TRAINING AND DEVELOPMENT** **939.** For the training and development of prison officers, the Prison Department shall establish such training institutes as may be required for organising training courses for all cadres of the prison personnel throughout the year.

Staff training.	**940.** (1) On recruitment, all directly recruited guarding personnel or executive officers shall undergo an initial basic/induction training course. (2) No newly recruited guarding personnel or executive officer shall be deputed on active duty in prison without undergoing basic training. (3) The probation period shall not be treated as completed till the time, guarding personnel or executive officers undergo and successfully completes basic/ induction training. (4) The curriculum of the training school shall be reviewed from time to time in order to keep the same in tune with operational requirements of the department, international and national standards and best practices and to meet the objectives of reformation and rehabilitation of prisoners.
Staff development and pre-promotion training.	**941.** Training is a continuous process and it is paramount that prison officers are in constant touch with current developments in the field of correctional administration. In order to achieve this, बवउचनसेवतल चतम.चतवउवजपवद जतंपदपदह चतवहतंउउमे ींसस इम वतहंदपेमक वित अंतपवने तंदो व िचतपेवदofficers.
Instructions as to saluting superior officers.	**942.** The following instructions in regard to saluting superior officers shall be observed: - (a) for Deputy Superintendents and Assistant Superintendents: -

Officers to be saluted	**When on parade armed with sword at ward of command**	**When not on parade**	**If drilling with Warders in the ranks.**

Superintendent, official and non-official visitors, superior officers of the Prison Department and All India Service Officers.	shall salute with sword at command.	shall stand at attention and salute with hand.	shall present arms at word of command.

(b)	For Head Warders and Warders, -

Officers to be saluted	**When on parade armed**	**When passing armed with musket.**	**When passing unarmed.**
Superintendent, Official and Non-official visitors and superior officers of Government.	shall be halted and present arms at word of command.	shall slope arms. If marching in squad shall do so at word of command.	shall salute with hand in military fashion.
Deputy Superintendent	shall slope arms at word of command.	shall slope arms. If marching in squad shall do so at word of command.	shall salute with hand in military fashion
Assistant Superintendent	-do-	-do-	-do-
Sub Assistant Superintendent	-do-	-do-	-do-

(c)	The gate sentry shall salute the Deputy Superintendent by coming to attention on his

approach and to any officer superior to the Deputy Superintendent including every official and non-official visitor, shall present arms.

(d) Guarding personnel sitting shall, when any of the officer approach, rise and shall stand at attention. Before addressing an officer, he shall stand two paces from him and salute with right hand, he shall also salute when withdrawing.

Definition.

CHAPTER 43
OPEN AIR PRISONS AND SEMI- OPEN AIR PRISONS

	943. In this chapter, unless the context otherwise requires, - (a) "Officer-in-charge" means any prison officer not below the rank of Sub Assistant Superintendent, to be nominated by the Director General, for the purpose of overall supervision, security and safe custody of the prisoners kept in semi-open air prison or open air prison; and (b) "regular prison" means a prison having jurisdiction over the open air prison and where a prisoner shall be transferred before shifting to open air prison.
Establishment of open air and semi-open air prisons.	**944.** The Government on the recommendations of the Director General, may establish as many open air prisons, as necessary in the vicinity of the regular prison under general directions and control of the respective Superintendents. Any ward or enclosure of a prison may be declared as a semi-open air prison by the Director General.
Accommodation in open air prisons.	**945.** The accommodation including electricity, water supply and other basic amenities for housing the prisoners, shall be made available and suitable number of family accommodations shall also be provided as per the requirement in the open air prisons.
Food, clothing and other requirements of prisoners shifted to open air prison.	**946.** (1) A prisoner shifted to open air camp shall arrange food, clothing and other requirements of daily routine for himself as well as for his family out of his own earnings. (2) A prisoner shall pay administrative charges out of his earnings as fixed by the Director General for the maintenance of open air prison. A separate maintenance fund shall be created and shall be maintained by the prisoners of open air prison under strict control and supervision of the Superintendent.
Non-eligibility to be shifted to semi- open air prison or open air prison.	**947.** A prisoner shall not be eligible for shifting to semi-open air prison or open air prison who, - (a) is a hardcore prisoner; or (b) is below the age of 25 years on the date of submission of application for semi-open air prison or open air prison; or (c) is not fit to do work; or (d) is an under trial prisoner, detenue or a civil prisoner; or (e) is charge sheeted or convicted in more than one case; or (f) is punished for a major prison offence in the last three years; or (g) is not a permanent resident or whose family member does not have a permanent residence in the State; or (h) has not availed any parole/ furlough in the last three years; or (i) has escaped or attempted to escape from prison, police custody or any other lawful custody at any point of time; or (j) do not have a family; or (k) is convicted by a court having jurisdiction outside the State or by a Military Court; or (l) is convicted in connection with political agitation or political movement etc; or (m) is convicted in cases relating to terrorist and disruptive activities, immoral trafficking, supply or smuggling of narcotic drugs and psychotropic substances or for any activities रमवचंतकप्रपदह जीम ेमबनतपजल व िजीम ैजंजमय वत (n) is suffering from any infectious or contagious disease or is mentally sick; or (o) in the opinion of the Superintendent is unfit to be shifted to the semi-open air prison or open air prison.

Eligibility for semi- open air prison.	**948.** A prisoner may be eligible for consideration for shifting to semi-open air prison, if he, - (a) does not fall within any of the categories specified in rule 947; (b) has served the below mentioned substantive sentence, - (i) 02 years of actual sentence if sentenced for less than 5 years; (ii) 03 years of actual sentence if sentenced for 5 to 10 years; (iii) 05 years of actual sentence if sentenced for a term imprisonment exceeding 10 years; (iv) 08 years of actual sentence if sentenced for life imprisonment; (c) has been regularly performing his assigned task in the prison factory, outside gang or any other prison services satisfactorily; (d) has good character and maintains self-discipline; and (e) has strong group adjustability and sense of responsibility.
Eligibility for open air prison.	**949.** A prisoner may be eligible for consideration for shifting to open air prison, if he, - (a) does not fall within any of the categories specified in rule 947 above; (b) has completed one year in the semi- open air prison if sentenced up to 10 years and two years in the semi- open air prison if sentenced for more than 10 years; (c) has maintained excellent conduct inside the semi- open air prison and has performed labour with due devotion and diligence; (d) has good character and maintains self-discipline; (e) has strong group adjustability and sense of responsibility.
Process for selecting prisoners for shifting.	**950.** (1) (a) The Superintendent shall forward the application of prisoners desirous and eligible for shifting to the semi- open air prison alongwith the recommendation of the Classification and Security Monitoring Committee to the Director General in the first week of January and July every year. (b) The Officer-incharge of the semi- open air prison shall forward the application of prisoner desirous and eligible for shifting to the open air prison to the Superintendent who shall forward the application with the recommendation of the Classification and Security Monitoring Committee to the Director General in the first week of April and October every year. (2) The Director General shall constitute a screening committee to recommend the names of eligible prisoners to be shifted to the semi-open air prison or open air prison, as the case may be, from the list. (3) The Director General, after examining the recommendations of the Screening Committee, subject to availability of accommodation, from time to time, shall order the shifting of eligible prisoners to semi-open air prison or open air prison as the case may be.

	(4) Preference shall be given to those prisoners who are artisan, barber, tailor, craftsman, कवबजवतए चंतंउमकपबेए प्ज् चतवमिेपवदंस मजबण् वत ींअम ेवउम ेापसस वत ेचमबपंसप्रंजपवद पद ंदल पिमसक ंदक जीम वसकprisoners shall be given preference over young prisoners.
Furnishing of bond.	**951.** (1) Every prisoner selected for admission to semi-open air prison or open air prison, shall furnish a surety bond for good behavior of the amount, as specified by the Director General. The bond shall be accepted by the Superintendent of regular prison. (2) The bond shall be forfeited, if the prisoner is punished for any major prison offence by the Superintendent.
Work conditions.	**952.** (1) Prisoners in semi-open air prison or open air prison shall earn their livelihood by undertaking one or more work of the nature specified below, namely :- (a) agriculture; (b) dairy farming; (c) manufacturing activities or industrial task; (d) information technology or service sector; (e) construction or repair work etc; (f) outside canteen management or shops opened by the prisons department; (g) any other work, as permitted by the Superintendent or Director General, from time to time.

	(2) The working hours for a prisoner shall ordinarily be between the lockout and lockup timings of the regular prison: Provided that the Director General may allow any prisoner to work beyond these hours for reasons to be recorded in writing. (3) If a prisoner has no work to perform in semi-open air prison or open air prison, he may be allowed to work outside within a radius of 10 kms in case of semi-open air prison and 20 kms in case of open air prison by the Superintendent: Provided that such prisoner shall give complete details about the place of work and particulars of the employer etc. to the Officer-incharge. (4) The prison authorities may at any time visit the place of work, in case the prisoner is not found at the place of work, he shall be transferred to the regular prison and shall be proceeded against as if he has committed a major prison offence. (5) The Superintendent shall help the prisoner shifted to the semi-open air prison or open air prison in processing his work and ensure that the prisoner is being paid such minimum wages by his employer, as fixed by the Government, from time to time. (6) If a prisoner shifted to open air prison is employed by the Superintendent to perform any work, he shall be paid such minimum wages, as fixed by the Government, from time to time.

	(7) ज्ीम ळवअमतदउमदज वतहंदप्रंजपवदे ं दक तमहपेजमतमक छवद.ळवअमतदउमदजंस व्तहंदप्रंजपवदे ेींससbe encouraged to provide work to a prisoner shifted to semi-open air prison or open air prison. (8) A prisoner whose conduct in the opinion of the Officer-incharge is unsatisfactory or who fails to earn his livelihood or who for any other reason is found unfit for stay in semi-open air prison or open air prison, a detail report of such prisoner shall be forwarded to the Superintendent, who alongwith his recommendation send a report to the Director General for transfer of such prisoner back to regular prison. **NOTE.-** The Director General may permit the prisoners of semi-open air prison or open air prison to participate in marketing the prison products in the fair etc. under proper escort.
Bank account of prisoners.	**953.** The prisoner shifted to semi-open air prison or open air prison shall maintain his bank account himself or through his family member and shall retain the income generated or earned by him.
Family of prisoners in open air prison.	**954.** (1) A prisoner shifted to open air prison shall reside with his family. No prisoner shall be shifted to the open air prison with whom a family member is not ready to reside. (2) Family member living in the open air prison shall maintain discipline, cleanliness and proper hygiene. (3) A family member desirous of living in the open air prison shall give an undertaking in shape of an affidavit, duly attested by a Magistrate of First Class, to the effect that he shall follow orders, directions and instructions given by the Officer-incharge/Superintendent for maintenance of discipline and order in the open air prison. (4) In case of a misconduct by a family member of a prisoner, the Superintendent shall repatriate the family member from the open air prison. The prisoner concerned shall also be shifted immediately from the open air prison to the regular prison.
Remission, temporary release etc.	**955.** (1) A prisoner shifted to semi-open air prison or open air prison shall be entitled to ordinary remissions at the scale of six days per month for his good conduct, discipline and work and shall also be eligible for Government remission or special remissions granted by Superintendent and Director General from time to time, as per rules. The history ticket and other documents of the prisoner shall be retained and maintained in the regular prisons. (2) A prisoner shifted to semi-open air prison or open air prison shall be entitled for parole or furlough at par with other prisoners of regular prison, subject to his eligibility. A prisoner may be shifted to regular prison one day prior to his date of release in order to complete the formalities in this regard. His release and surrender on parole or furlough etc. shall be operated and controlled from the regular prison. (3) The date of release of a prisoner shall be calculated by the regular prison authorities and accordingly such prisoner shall be transferred to the regular prison one week prior to the date of his release.

Escape.	**956.** (1) Any escape from semi-open air prison or open air prison or from the work place shall

	amount to the escape from the regular prison and shall be subjected to such legal action as applicable in a regular prison. (2) The Superintendent shall be at liberty to forfeit all the remissions earned by the escapee prisoner upto the date of escape from semi-open air prison or open air prison or from the work place. (3) The Superintendent shall also forfeit the surety bond offered by the prisoner at the जपउम व ंीपजिपदह जव ेमउप.वचमद ंपत चतपेवद वत वचमद ंपत चतपेवदण् प् िजीम ेनतमजल ंउवनदज पे दवज तमंसप्रमकए ंीमshall forward the case to the District Magistrate of the concerned district to recover the same as arrears of land revenue.
Prisoners panchayat.	**957.** (1) A prisoners panchayat consisting of five members shall be constituted as per rule 553. The members so elected shall elect from amongst them a Sarpanch. The panchayat shall be elected on 1st April every year and its tenure shall be one year. (2) The Prisoners Panchayat shall be empowered to deal with minor acts of omission, commission or misconduct of the prisoners as well as their family member. It may impose fine upto five hundred rupees or order the defaulter to do labour of common utility or curtail facilities available to such defaulter: Provided that such penalties shall be effective only on the approval of the Officer-incharge.
Dispensary.	**958.** A dispensary shall be established in the open air prison. The Medical Officer posted in the regular prison shall visit the open air prison twice a week and shall provide medical aid to the needy prisoners or his family member**.** A prisoner shall be entitled to receive medicine and other medical facilities at par with the prisoner in the regular prison. In case of medical emergency, the ailing prisoner shall be taken to regular prison hospital or Government hospital and for indoor treatment, the prisoner shall be transferred to regular prison till his recovery.
Internal management, discipline, security and amenities.	**959.** (1) The Director General may issue general instructions for the internal management of the semi-open air prison or open air prison, regarding location of work place, work to be performed by the prisoner and security etc. These instructions shall contain the norms to be followed by the prisoners and their family members. (2) The Superintendent shall also issue instructions or impose reasonable conditions for maintenance of discipline and order in the open air prison. Such instructions or conditions shall be in writing and all the prisoners shall be given a copy of the same. (3) The prisoners shall attend roll-call each morning and evening at the time fixed for lockup and lockout of the regular prison. (4) The Superintendent shall visit the open air prison every week at the time of roll-call and shall interview the inmates. (5) The Officer-incharge shall visit the semi-open air prison or open air prison at the time of roll-call every day and shall be responsible for maintenance of discipline and order. (6) For the purpose of security in the open air prison, required guarding personnel, as deemed necessary, by the Superintendent shall be deputed. CCTV Cameras shall be installed at strategic locations. Security staff deputed at open air prison shall be changed quarterly. The Security staff shall perform duties under the

	control and supervision of the officer-incharge, who shall ensure proper discipline, regular attendance and watch over activities of the prisoners. (7) The entry of visitors to the open air prison shall be regulated and may be denied for security reasons and in order to maintain discipline, the visitor shall be searched and his credentials shall be verified before allowing him to interview. An Interview–cum-Visitor's register shall be maintained by the security staff and shall follow the rules for the interview as applicable to the regular prison. (8) List of all the prisoners of the open air prison, including their family members, along with complete particulars shall be sent to the police station having jurisdiction.

	(9) An Identity Card shall be issued by the Superintendent to every prisoner of semi-open air prison or open air prison and family members who are residing with prisoners in Open Air Prison. It shall be mandatory for every prisoner and his family member to carry the Identity Card all the time. (10) A prisoner may be allowed to keep a television set, games and other recreational facilities at his own cost in the open air prison. (11) A creche for children below eight years of age shall be established in the open air prison.
Inspection.	**960.** The Additional Inspector General, Inspector General or Additional Director General, Prisons shall inspect the semi-open air prison and open air prison at least once in a calendar year and submit his report to the Director General.
Application of Rules except this chapter.	**961.** All other provisions of these rules, when not at variance with rules of this chapter, shall apply to semi-open prisons and open prisons as well.

Establishment of prison canteen.	**CHAPTER 44** **PRISON CANTEEN** **962.** A canteen shall be opened in every prison with the following objects, namely :- (a) to facilitate the supply of articles like eatables, daily use articles, personal hygiene articles, writing material, under garments, clothing, shoes etc. at reasonable prices; (b) to provide funds for sports, games, cultural activities, celebration of national festivals, other festivals and for other recreational purposes; and (c) for any other purpose as decided by the Director General from time to time.

<table>
<tr>
<td>Management of canteen.</td>
<td>
963. (1) The general management of the canteen shall be entrusted to a committee consisting of following, namely:-
<table>
<tr><td>(a)</td><td>Superintendent</td><td>President</td></tr>
<tr><td>(b)</td><td>Deputy Superintendent (Industries and Welfare)</td><td>Vice-President</td></tr>
<tr><td>(c)</td><td>Sub-Assistant/Assistant Superintendent</td><td>Member-Secretary</td></tr>
<tr><td>(d)</td><td>Assistant Office/Accountant/Clerk</td><td>Member</td></tr>
<tr><td>(e)</td><td>Head Warder/Warder</td><td>Member</td></tr>
<tr><td>(f)</td><td>Three convicts</td><td>Member</td></tr>
<tr><td>(g)</td><td>Two under trial prisoners</td><td>Member</td></tr>
</table>
(2) The Superintendent may appoint one or more prisoners for assistance in canteen work depending upon the volume of work.
(3) Sub-Assistant/Assistant Superintendent shall be mainly responsible for running the canteen under the personal supervision and control of the Superintendent.
(4) Tenure of Member-Secretary and members of the committee shall be six months. They shall not be re-nominated to the committee before expiry of two years.
</td>
</tr>
<tr>
<td>Accommodation .</td>
<td>
964. (1) Suitable roofed accommodation shall be provided for the canteen at a central and convenient place.
(2) Proper and hygienic arrangements for cooking as well as storage of articles of food and drink shall be made.
(3) A biometric enabled sale counter and adequate sitting arrangement for reasonable दनउइमत व िचतपेवदमते कमचमदकपदह नचवद जीम ं नजीवतप्रमक बंचंबपजल व ि जीम चतपेवद ींसस इम चतवअपकमकण्
</td>
</tr>
<tr>
<td>Deposits.</td>
<td>
965. (1) The family members/relatives of the prisoners shall be allowed to deposit money in their canteen account through online mode only.
(2) Staff members may also deposit money in canteen account to purchase any article from the canteen.
(3) The maximum amount of money which can be deposited in a calendar month shall be determined by the Director General from time to time:
Provided that at no time any prisoner or staff member have any money in excess of the prescribed sum.
</td>
</tr>
<tr>
<td>Maintenance of account and audit.</td>
<td>
<table>
<tr><td>966.</td><td>(1)</td><td>The following registers and record shall be maintained in the canteen, namely :-</td></tr>
</table>
(a) stock register
(b) sales day book
(c) cash book
</td>
</tr>
</table>

	(d) ledger (e) food preparation register

	(2) The registers and records mentioned at (a), (b) and (e) above shall be maintained by Sub-Assistant/Assistant Superintendent under the personal supervision and control of the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) and the Superintendent. (3) The cash book and ledger shall be maintained by the Assistant Office/Accountant/ Clerk under personal supervision of the Superintendent. (4) Cash book shall be balanced daily and reconciled at the end of each month under the signature of the Superintendent. (5) Canteen accounts shall be opened in the bank as specified by the Director General. (6) Canteen account shall be checked at least once in three months by the Accountant, if any, or by the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) himself. (7) The accounts shall be audited annually by the Section Officer/Senior Accounts Officer deputed by the Director General.
Purchase.	**967.** (1) The articles of canteen shall be purchased under the control and orders of the Superintendent. (2) Purchases shall be made in the most economical manner as possible. When articles are purchased from the open market, the system of competitive rates/quotations shall as far as possible be adopted and the purchases shall be made at the lowest rates unless there are special reasons to the contrary which shall be recorded in writing. (3) Purchases shall not made in small quantities except in case of perishable articles. Periodical indents of non-perishable articles shall be prepared and as many articles as possible shall be obtained by such indents. Purchase shall not be made much in advance of actual requirements in case such articles would prove unprofitable. (4) The indent for such purchases shall be prepared by the Sub-Assistant/Assistant Superintendent. The same shall be duly verified by the Deputy Superintendent (Industries and Welfare) and approved by the Superintendent. (5) All supplies after receipt shall be entered in the stock register of the canteen under the initials of the Sub-Assistant/Assistant Superintendent.
Sale.	**968.** Profit not exceeding ten percent may be charged on wholesale price of any article: Provided that no product shall be sold above the maximum retail price under any circumstances.
Articles to be kept in canteen.	**969.** Articles to be kept in canteen shall be such as specified by the Director General from time to time.
Canteen hours.	**970.** (1) The working hours of the canteen shall be after lock-out and before lock-up. (2) Canteen shall remain closed on last Saturday of every month for stock taking after verification.

न्जपसप्रंजपवद व िprofits.	**971.** (1) The profit generated from canteen sales etc. shall constitute 'Prison Inmate Welfare Fund' and a separate account shall be opened in each prison for this fund. (2) This fund shall be used exclusively for welfare of prisoners as per the Standard Operating Procedure (SOP) prescribed by the Director General. (3) ज्ीम ैनचमतपदजमदकमदर्जोंसस इम मउचवूमतमक जव नजपसप्रम ष्तपेवद प्दउंजम ॅमसंितम थ्नदकष् पद जीमfollowing manner, namely: - (a) @ Rs. 20/- per prisoner on celebration of national festivals and other occasions as notified by the Director General. (b) @ Rs. 5/- per prisoner on one item of sports at a time per month. (c) Rs. 25,000/- per month for purchase and repair of items for prisoners use like water coolers, projectors, television sets, sound system etc.. In case amount exceeds Rs. 25,000/-, prior sanction of the Director General shall be sought. (d) for cultural activities like dramas, music and dance, symposiums etc. and (e) for any other welfare purpose with the prior approval of the Director General.

Wages for prisoners working in canteen.	**972.** Wages to prisoners working in canteen shall be paid from the 'Prison Inmate Welfare Fund'.

<table>
<tr>
<td>General provisions.</td>
<td>
<table>
<tr><td rowspan="2">973.</td><td>(1)</td><td>All canteen operations/transactions shall be cashless.</td></tr>
<tr><td>(2)</td><td>Physical verification of the stock of canteen shall be conducted by the Deputy</td></tr>
</table>
Superintendent (Industries and Welfare) in the first week of January and July and by the Superintendent in the first week of April and October every year. A certificate in this regard shall be sent to the Director General within one week of the physical verification.

(3) The canteen shall not be run on commercial basis. It shall be run for the benefit and welfare of the prisoners and capital investment shall be made by prisoners themselves through deposit in their canteen account. The purchase of furniture, fittings and other equipment for the canteen may, however, be purchased out of the ‘Prison Inmate Welfare Fund’.

(4) A balance sheet shall be prepared at the close of every quarter, and laid before the management committee for approval. One copy of the balance sheet shall be exhibited at the place near the canteen for information of prisoners.

(5) All properties other than consumable articles of the canteen shall be entered in the property register and shall be verified quarterly by the Superintendent.

(6) Detail instructions regarding day to day functioning of the canteen shall be issued by the Director General from time to time.
</td>
</tr>
<tr>
<td>Repeal and savings.</td>
<td>974. (1) The Punjab Jail Manual, as applicable to the State of Haryana and all other relevant orders, notifications and instructions issued in this behalf, are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the Punjab Jail Manual, orders, notifications and instructions so repealed shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these rules.</td>
</tr>
</table>

T.V.S.N. PRASAD,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Jails Department.

10092—C.S.—H.G.P. Pkl.